CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स कृत

UGC : NTA NET/SLET/JRF
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

हिन्दी

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
यू.जी.सी. हिन्दी परीक्षा विशेषज्ञ समिति

लेखन सहयोग
संजय कुमार मिश्र

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

सम्पादकीय कार्यालय
यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com

प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने रूप प्रिंटिंग प्रेस से मुद्रित करवाकर, यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स, 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 795/-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विषय-सूची

भाग-1

■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी परीक्षा नवीन पाठ्यक्रम 3-4
■ यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2021/जून-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 5-22
■ यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2021/जून-2022 द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 23-40

भाग-2

■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2021 : द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 5-20
■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2021 : द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 21-36
■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2020 : द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली) 5A-18A
■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2020 : द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली) 19A-32A
■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 33A-50A
■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2019 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 51A-68A

भाग-3

■ यू. जी. सी. NTA नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 5-20
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जुलाई) परीक्षा, 2018 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 21-36
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 37-44
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (नवम्बर) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र 45-56
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जनवरी) परीक्षा, 2017 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 57-66
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जनवरी) परीक्षा, 2017 : तृतीय प्रश्न-पत्र 67-80
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2016 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 81-90
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2016 : तृतीय प्रश्न-पत्र 91-104
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 105-114
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र 115-125
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2015 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 126-136
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2015 : तृतीय प्रश्न-पत्र 137-148
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 149-157
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र 158-169
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2014 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 170-178
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2014 : तृतीय प्रश्न-पत्र 179-190
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 191-198
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र 199-210
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 211-218
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2013 : तृतीय प्रश्न-पत्र 219-230
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 231-239
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र 240-252
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2012 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 253-260
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2012 : तृतीय प्रश्न-पत्र 261-273
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 274-281
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2011 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 282-289
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2010 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 290-298
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2010 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 299-306
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2009 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 307-314
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2009 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 315-322
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2008 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 323-330
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2008 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 331-339
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2007 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 340-348
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2007 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 349-357
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2006 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 358-365
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2006 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 366-374
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2005 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 375-381
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (जून) परीक्षा, 2005 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 382-390
■ यू. जी. सी. नेट हिन्दी (दिसम्बर) परीक्षा, 2004 : द्वितीय प्रश्न-पत्र 391-400

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यूजीसी NTA नेट हिन्दी : नवीन पाठ्यक्रम

इकाई-I

हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं–पालि, प्राकृत– शैरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं, अपभ्रंश अवहट्ठ, और पुरानी हिन्दी का संबंध, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तारः हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी वर्ग और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं। हिन्दी के विविध रूपः हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी का भाषिक स्वरूपः हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य और खंड्येतर, हिन्दी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी की रूप रचना– लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप, हिन्दी – वाक्य – रचना। हिन्दी भाषा – प्रयोग के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा। संचार माध्यम और हिन्दी, कम्प्यूटर और हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। देवानागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण।

इकाई-II : हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियां

हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण, आदिकाल की विशेषताएं एवं साहित्यिक प्रवृतियां, रासो-साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य

भक्तिकाल

भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्तिआंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तः प्रादेशिक वैशिष्ट्य।

भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त। भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनका वैचारिक आधार। निर्गुण-सगुण कवि और उनका काव्य।

रीतिकाल

सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियां (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) रीतिकवियों का आचार्यत्व।

रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

आधुनिक काल

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास। भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका युग, पत्रकारिता का आरम्भ और 19वीं शताब्दी की हिन्दी पत्रकारिता, आधुनिकता की अवधारणा।

द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि, स्वछन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुख कवि, प्रगतिवाद की अवधारणा, प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता (वर्ष 2000 तक) समकलीन साहित्यिक पत्रकारिता।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएं

हिन्दी उपन्यास : भारतीय उपन्यास की अवधारणा। प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग।

हिन्दी कहानी : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास, 20वीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलन एवं प्रमुख कहानीकार।

हिन्दी नाटक : हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण, भारतेन्दुयुग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग और नया नाटक, प्रमुख नाट्यकृतियाँ, प्रमुख नाटककार (वर्ष 2000 तक)। हिन्दी एकांकी। हिन्दी रंगमंच और विकास के चरण, हिन्दी का लोक रंगमंच। नुक्कड़ नाटक।

हिन्दी निबंध : हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास, हिन्दी निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार।

हिन्दी आलोचना– हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास। समकालीन हिन्दी आलोचना एवं उसके विविध प्रकार। प्रमुख आलोचक।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएं : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज, डायरी।

हिन्दी का प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार।

इकाई-III : साहित्यशास्त्र

काव्य के लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन। प्रमुख संप्रदाय और सिद्धान्त– रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य। रस निष्पत्ति, साधारणीकरण। शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष प्लेटो के काव्य सिद्धान्त।

अरस्तू : अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त।

वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धान्त।

कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी।

टी.एस.इलिएट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा।

आई.ए.रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धान्त, संप्रेषण सिद्धान्त तथा काव्य-भाषा सिद्धान्त।

रूसी रुपवाद, नयी समीक्षा, मिथक, फैण्टेसी, कल्पना, प्रतीक, बिम्ब।

इकाई-IV : वैचारिक पृष्ठभूमि

भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि हिन्दी नवजागरण। खड़ीबोली आन्दोलन। फोर्ट विलियम कॉलेज भारतेन्दु और हिन्दी नवजागरण, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, गांधीवादी दर्शन, अम्बेडकर दर्शन, लोहिया दर्शन, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, अस्मितामूलक विमर्श (दलित, स्त्री, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक)

इकाई-V : हिन्दी कविता

पृथ्वीराज रासो – रेवा पट

अमीरखुसरो – खुसरों की पहेलियाँ और मुकरियाँ

विद्यापति की पदावली (संपादक –डॉ. नरेन्द्र झा) –पद संख्या 1-25

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कबीर - (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी) – पद संख्या 160-209
जायसी ग्रंथावली – (सं. रामचन्द्र शुक्ल) – नागमती वियोग खण्ड
सूरदास–भ्रमरगीत सार– (सं.–रामचन्द्र शुक्ल)–पद संख्या 21 से 70
तुलसीदास – रामचरितमानस, उत्तर काण्ड
बिहारी सतसई – (सं.-जगन्नाथ दास रत्नाकर) – दोहा संख्या 1-50
घनानन्द कवित्त – (सं.-विश्वनाथ मिश्र) – कवित्त संख्या 1-30
मीरा – (सं. विश्वनाथ त्रिपाठी) – प्रारम्भ से 20 पद
अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास
मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारतीय, साकेत (नवम् सर्ग)
जयशंकर प्रसाद – आंसू, कामायनी (श्रद्धा, लज्जा, इड़ा)
निराला – जुही की कली, जागो फिर एक बार, सरोजस्मृति, राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता, बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु।
सुमित्रानन्दन पंत – परिवर्तन, प्रथम रश्मि।
महादेवी वर्मा – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
रामधारी सिंह दिनकर – उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी
नागार्जुन – कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ।
सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय – कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार।
भवानी प्रसाद मिश्र – गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल
मुक्तिबोध – भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में
धूमिल – नक्सलवाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद

इकाई-VI : हिन्दी उपन्यास

पं. गौरीदत्त – देवरनी जेठानी की कहानी
लाला श्रीनिवास दास – परीक्षा गुरु
प्रेमचन्द – गोदान
अज्ञेय – शेखर एक जीवनी (भाग-1)
हजारी प्रसाद द्विवेदी – बाणभट्ट की आत्मकथा।
फणीश्वर नाथ रेणु – मैला आंचल
यशपाल – झूठा सच
अमृत लाल नागर – मानस का हंस
भीष्म साहनी – तमस
श्रीलाल शुक्ल – रागदरबारी
कृष्णा सोबती – जिन्दगी नामा
मन्नू भंडारी – आपका बंटी
जगदीश चन्द्र – धरती धन न अपना

इकाई-VII : हिन्दी कहानी

राजेन्द्र बाला घोष (बंग महिला) – चन्द्रदेव से मेरी बातें, दुलाईवाली
माधवराव सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी
सुभद्रा कुमारी चौहान – राही
प्रेमचंद – ईदगाह, दुनिया का अनमोल रतन
राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह – कानों में कंगना
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप
जैनेन्द्र – अपना-अपना भाग्य
फणीश्वरनाथ रेणु – तीसरी कसम, लाल पान की बेगम
अज्ञेय – गैंग्रीन
शेखर जोशी – कोसी का घटवार
भीष्म साहनी – अमृतसर आ गया है, चीफ की दावत
कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया
हरिशंकर परसाई – इस्पेक्टर मातादीन चांद पर
ज्ञानरंजन – पिता
कमलेश्वर – राजा निरबंसिया
निर्मल वर्मा – परिंदे

इकाई-VIII : हिन्दी नाटक

भारतेन्दु – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
धर्मवीर भारतीय – अंधायुग
लक्ष्मी नारायण लाल – सिंदूर की होली
मोहन राकेश – आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन
हबीब तनवीर – आगरा बाज़ार
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – बकरी
शंकरशेष – एक और द्रोणाचार्य
उपेन्द्रनाथ अश्क – अंजो दीदी
मन्नू भंडारी – महाभोज

इकाई-IX : हिन्दी निबंध

भारतेन्दु – दिल्ली दरबार दर्पण, भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
प्रताप नारायण मिश्र – शिवमूर्ति
बाल कृष्ण भट्ट – शिवशंभू के चिट्ठे
रामचन्द्र शुक्ल – कविता क्या है
हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते है
विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
अध्यापक पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम
कुबेरनाथ राय – उत्तराफाल्गुनी के आस-पास
विवेकी राय – उठ जाग मुसाफिर
नामवर सिंह – संस्कृति और सौंदर्य

इकाई-X : आत्मकथा, जीवनी तथा अन्य गद्य विधाएं

रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें
महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा
तुलसीराम – मुर्दहिया
शिवरानी देवी – प्रेमचन्द घर में
मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी
विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा
हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ
रमणिका गुप्ता – आपहुदरी
हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
कृष्ण चन्दर – जामुन का पेड़
दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
मुक्तिबोध – एक लेखक की डायरी
राहुल सांकृत्यायन – मेरी तिब्बत यात्रा
अज्ञेय – अरे यायावर रहेगा याद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2021/जून-2022
हिन्दी (Hindi)

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 30.09.2022 SH-I)

1. निम्नलिखित में से कौन आर्यभाषाओं में शामिल नहीं है?

(a) संस्कृत (b) अंग्रेजी
(c) अरबी (d) फारसी

Ans. (c) : 'अरबी' आर्यभाषा में शामिल नहीं है। 'अरबी' शामी भाषा के अन्तर्गत आती है। शामी भाषा परिवार में इब्रानी, अरबी और हब्शी भाषाएं आती हैं। जबकि संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, फारसी, मराठी, पंजाबी, यूनानी, लैटिन, प्राकृत, आदि भाषाएं आर्यभाषा में शामिल हैं।

2. ''शीतला माँ के नाराज हो जाने के भय से लाग बच्चों को चेचक का टीका तक नहीं लगवाते थे''
उपर्युक्त प्रसंग निम्नलिखित में से किस उपन्यास में वर्णित है।

(a) देवरानी जेठानी की कहानी
(b) रहस्य कथा
(c) परीक्षा गुरु
(d) श्यामा स्वप्न

Ans. (a) : शीतला माँ के नाराज हो जाने के भय से लोग बच्चों को चेचक का टीका तक नहीं लगवाते थे। उक्त कथन 'देवरानी जेठानी की कहानी' उपन्यास में वर्णित है। 'देवरानी जेठानी की कहानी' उपन्यास के लेखक पं. गौरीदत्त हैं। इस उपन्यास का प्रकाशन 1870 ई. में हुआ था। डॉ. गोपालराय ने 'देवरानी जेठानी की कहानी' उपन्यास को हिन्दी का प्रथम उपन्यास तथा पं. गौरी दत्त को प्रथम उपन्यासकार माना है। इसकी विषय वस्तु इतनी सामाजिक है कि पूरा समाज ही ध्वनित होता है। बाल विवाह, विवाह में फिजूल खर्ची स्त्रियों की आभूषण प्रियता, बंटवारा वृद्धों, बहुओं की समस्या, शिक्षा, स्त्रीशिक्षा, अनगढ़ ईमानदारी साथ ही 19वीं शताब्दी के मध्यवर्गीय बनिया समाज के जीवन का यथार्थ चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

3. ऋतु वसंत का सुप्रभात था, मंद-मंद था अनिल बह रहा, बालारुण की मृदु किरणें थीं, अगल -बगल स्वर्णाभ शिखर थे,
एक -दूसरे से विरहित हो अलग-अलग रह कर ही जिनको
सारी रात बितानी होती, निशाकाल के चिर-अभिशापित
बेबस उन चकवा- चकई का बंद हुआ क्रंदन उपर्युक्त पंक्तियों में चकवा-चकई के बारे में व्यक्त नागार्जुन के विचार को साहित्य जगत में कहा जाता है-

(a) जीवनानुभव (b) सामाज -बोध
(c) कवि प्रसिद्धि (d) अपवाद

Ans. (c) : ऋतु बसंत का सुप्रभात............बंद हुआ क्रंदन उपर्युक्त पंक्तियों में चकवा- चकई के बारे में व्यक्त नागार्जुन के विचार को साहित्य जगत में कवि प्रसिद्धि कहा जाता है। उक्त पंक्ति नागार्जुन द्वारा रचित 'बादल को घिरते देखा' कविता से उद्धृत है। यह कविता 'युगधारा' काव्य संग्रह में संकलित है। नागार्जुन प्रगतिवादी कवि हैं। इनके द्वारा रचित काव्य संग्रह निम्न है–
युग धारा 1953ई., सतरंगे पंखों वाली 1959ई., प्यासी पथराई आखें 1962ई., भस्मांकुर 1971ई., तुमने कहा था 1980ई., पुरानी जूतियों का कोरस 1983ई. इत्यादि।

4. टी.एस.इलियट की आलोचना की विशेषता में शामिल हैं:

A. कविता आत्मगत अभिव्यक्ति से पलायन है।
B. कविता आत्मगत अनुभूति की अभिव्यक्ति है।
C. कवि काव्य का माध्यम भर है।
D. कविता अपवर्जी और अंतर्वेशी होती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और C (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल A और D

Ans. (a) : कविता आत्मगत अभिव्यक्ति से पलायन है तथा कवि काव्य का माध्यम भर है। यह दोनों टी.एस. इलियट की आलोचना की विशेषता में शामिल है। टी.एस. इलियट ने अपनी आलोचना के सम्बन्ध में कहा है- ''निज काव्य-कर्मशाला का उपजात या काव्य निर्माण के प्रसंग में अपने चिन्तन का विस्तार'' कहा है। इलियट द्वारा रचित प्रमुख रचनाएं निम्न हैं- द सेक्रेट वुड, सेलेक्टेड एसेज, एसेज एंशेन्ट एण्ड माडर्न, होमेज टु जॉन ड्राइडन, एलिजा बेथेन एसेज आदि।

5. 'परिन्दे' कहानी के पात्र हैं:

A. डॉक्टर मुकर्जी **B. ह्यूबर्ट**
C. शामनाथ **D. लतिका**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल Aऔर B (b) केवल Bऔर C
(c) केवल Cऔर D (d) केवल Aऔर C

Ans. (*) : डा0 मुकर्जी, मि0 ह्यूबर्ट तथा लतिका तीनों ही परिन्दे कहानी के पात्र हैं। परिन्दे (1960ई.) कहानी के लेखक निर्मल वर्मा हैं। निर्मल वर्मा को स्मृति का कहानीकार माना गया है। 'परिन्दे' नाम से इनका कहानी संग्रह है जिसमें सात (7) कहानियां संकलित है- अंधेर में, तीसरा गवाह, डायरी का खेल, माया का मर्म, पिक्चर पोस्ट कार्ड, सितम्बर की एक शाम, परिन्दे।
इस प्रश्न को आयोग ने F कर दिया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

**6. ''तेरी बांकी अदा पर मैं खुद हूं फिदा,
तेरी चाहत को दिलबर बयां क्या करुं।
यही ख्वाहिश है कि इ-इ-इ-तू मुझको देखा करे
और दिलोजान मैं तुमको देखा करूं।''
उपर्युक्त गीत निम्नलिखित में से किस कहानी में प्रयुक्त है?**

(a) रसप्रिया (b) पंचलाइट
(c) लाल पान की बेगम (d) तीसरी कसम

Ans. (d) : ''तेरी बांकी अदा.............तुमको देखा करूं।'' उपर्युक्त गीत 'तीसरी कसम' कहानी में प्रयुक्त है। 'तीसरी कसम' कहानी के लेखक फणीश्वर नाथ रेणु हैं। इस कहानी में उन्होंने बिहार प्रांत के ग्रामीण जीवन को उभारने का सफल प्रयास किया है। इस कहानी के प्रमुख पात्र हैं- हीरामन, हीराबाई, धुन्नीराम, पलटदास, लालमोहर आदि। जबकि रस प्रिया, पंचलाइट, लालपान की बेगम, संवदिया, ठेस, पहलवान की ढोलक, एक आदिम रात्रि की महक रेणु की अन्य प्रसिद्ध कहानियाँ हैं।

7. सूची -I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची-I		सूची-II
A	मित्रता बड़ा अनमोल रतन. कब इसे तोल सकता है धन?	I	मैथिलीशरण गुप्त
B	इस देश को हे दीन बंधो ! आप फिर अपनाइए भगवान ! भारतवर्ष को फिर पुण्य - भूमि बनाइए।	II	जयशंकर प्रसाद
C	शीतल ज्वाला जलती है, ईंधन होता दृग - जल का।	III	महादेवी वर्मा
D	नाश भी हूँ मैं अनंत विकास का क्रम भी, त्याग का दिन भी चरम आसक्ति का तम भी।	IV	रामधारी सिंह दिनकर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B-II, C-IV, D-III
(b) A-III, B-IV, C-I, D-II
(c) A- II, B-III, C-I, D-IV
(d) A- IV, B-I, C-II, D-III

Ans. (d) :

	सूची-I		सूची-II
A	मित्रता बड़ा अनमोल रतन. कब इसे तोल सकता है धन?	I	रामधारी सिंह दिनकर
B	इस देश को हे दीन बंधो ! आप फिर अपनाइए भगवान ! भारतवर्ष को फिर पुण्य - भूमि बनाइए।	II	मैथिलीशरण गुप्त
C	शीतल ज्वाला जलती है, ईंधन होता दृग - जल का।	III	जयशंकर प्रसाद
D	नाश भी हूँ मैं अनंत विकास का क्रम भी, त्याग का दिन भी चरम आसक्ति का तम भी।	IV	महादेवी वर्मा

8. 'तीसरी कसम' कहानी के पात्र हैं:

A रमपतिया B. चुरमुनियां
C. धुन्नीराम D. पलटदास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल B और D (d) केवल C और D

Ans. (d) : 'तीसरी कसम' कहानी के पात्र 'धुन्नीराम तथा पलटदास' हैं। इस कहानी के अन्य पात्र हैं- हीरामन, हीराबाई, लालमोहर आदि। 'तीसरी कसम' उर्फ मारे गये गुलफाम कहानी के लेखक फणीश्वरनाथ रेणु हैं। इस कहानी का प्रकाशन 1956 ई. में हुआ था। रेणु द्वारा रचित प्रमुख कहानियाँ निम्न हैं– पंचलाइट, संवदिया, रसप्रिया, ठेस, लाल पान की बेगम आदि। जबकि 'रमपतिया' रस प्रिया कहानी की पात्र है।

9. ''वंशीधर'' निम्नलिखित में से किस कहानी का प्रमुख पात्र है?

(a) उसने कहा था (b) दुलाई वाली
(c) गैंग्रीन (d) अपना-अपना भाग्य

Ans. (b) : 'वंशीधर' दुलाईवाली कहानी का प्रमुख पात्र है। 'दुलाईवाली' कहानी के अन्य पात्र हैं- जानकीदेई, नवल किशोर, सीता, लाठीवान आदि। 'दुलाईवाली' कहानी के लेखक राजेन्द्र बाला घोष (बंग महिला) हैं यह कहानी में सरस्वती पत्रिका के भाग - 8 संख्या 5 में प्रकाशित हुई थी। उसने कहा था कहानी के प्रमुख पात्र लहना सिंह, सूबेदार हजारा सिंह, बोधा सिंह, वजीरा सिंह आदि हैं। 'गैंग्रीन' कहानी के लेखक 'अज्ञेय' हैं, इस कहानी के प्रमुख पात्र-महेश्वर तथा मालती हैं। 'अपना-अपना भाग्य' कहानी के लेखक जैनेन्द्र हैं, इस कहानी के प्रमुख पात्र-दस साल का अनाथ बच्चा है।

10. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है:

(A) आपका बंटी (B) धरती धन न अपना
(C) झूठा - सच (D) मय्यादास की माड़ीस

(a) A,B, C,D (b) B,C,D,A
(c) D,A,C,B (d) C,B,A,D

Ans. (*) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम निम्न है–

झूठा - सच	–	1958-60 ई.
अपका बंटी	–	1971 ई.
धरती धन न अपना	–	1972 ई.
मय्यादास की माड़ी	–	1988 ई.

नोट- प्रश्न को आयोग ने F कर दिया है क्योंकि कोई भी विकल्प सही नहीं है।

11. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है:

A. बकरी
B. कबिरा खड़ा बाजार में
C. मादा कैक्टस
D. कोणार्क

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों मे से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A,B, D,C (b) C,D,B, A
(c) D,C,A,B (d) B,A,C,D

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से नाटकों का सही अनुक्रम निम्न है–

नाटक		प्रकाशन वर्ष
कोणार्क	–	1951 ई.
मादा कैक्टस	–	1959 ई.
बकरी	–	1974 ई.
कबिरा खड़ा बाजार में	–	1981 ई.

12. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में:

अभिकथन (A) : आज की विषम और संकटपूर्ण स्थिति में व्यक्ति अपनी असहायता और अकेलेपन में निर्णय नहीं ले पाता और ले भी पाता है तो उसकी परिणति अर्थहीनता में होती है।

कारण (R) : क्योंकि आधुनिक काल में मशीनीकरण के वर्चस्व के कारण व्यक्ति की पहचान खो गयी है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नही है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A)सही नहीं है परन्तु (R) सही है

Ans. (a) : उपरोक्त कथन (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

13. निम्नलिखित में से यह कथन - 'सा काव्यघटनानुकूल शब्दोपस्थितिः' - किसका है?

(a) रुद्रट (b) कुन्तक
(c) जगन्नाथ (d) वामन

Ans. (c) : 'सा काव्य घटनानुकूल शब्दोपस्थितः' कथन आचार्य जगन्नाथ का है। निम्नलिखित आचार्य एवं उनके कथन–

आचार्य		काव्य लक्षण
वामन	–	काव्य शब्दोडयंगुणालंकार संस्कृतयोः शब्दार्थयोः वर्तते।
कुन्तक	–	शब्दार्थौ सहितौ वक्र कवि व्यापार शालिनी। बन्धे व्यस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणी
रूद्रट	–	ननु शब्दार्थौ काव्यम्।

14. पद्माकर भट्ट के बारे में रामचन्द्र शुक्ल का विचार है:

A. ऐसा सर्वप्रिय कवि इस काल के भीतर बिहारी को छोड़ दूसरा नहीं हुआ।
B. परन्तु पद्माकर की कल्पना दृष्टि बिहारी से कमतर थी।
C. पद्माकर की रमणीयता ही सर्वप्रियता का एकमात्र कारण है।
D. पद्माकर की भाषा कड़कती होते हुए भी कबीर जैसी नहीं है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और C (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (a) : पद्माकर भट्ट के बारे में रामचन्द्र शुक्ल का विचार है कि "ऐसा सर्वप्रिय कवि इस काल के भीतर बिहारी को छोड़कर दूसरा नहीं हुआ क्योंकि पद्माकर की रमणीयता ही सर्वप्रियता का एक मात्र कारण है।

15. 'आषाढ़ का एक दिन ' "राज्याश्रय और व्यक्ति-स्वातन्त्र्य के बीच भटकती हुई सर्जनात्मकता का नाटयबिंब है।" यह कथन किस आलोचक का है?

(a) नेमिचन्द्र जैन (b) बच्चन सिंह
(c) गिरीश रस्तोगी (d) जयदेव तनेजा

Ans. (b) : "अषाढ़ का एक दिन राज्याश्रय और व्यक्ति-स्वातन्त्र्य के बीच भटकती हुई सर्जनात्मकता का नाट्यबिम्ब है।" यह कथन बच्चन सिंह का है। बच्चन सिंह द्वारा लिखित आलोचनात्मक कृतियां है–
हिन्दी नाटक, बिहारी का नया मूल्यांकन, आलोचक और आलोचना, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द आदि।

16. कोमल कपोल पाली में सीधी सादी स्मित रेखा
जानेगा वही कुटिलता जिसने भौं में बल देखा।
उपर्युक्त छंद से संबंधित सही तथ्य हैं:

A. कपोल - सागर के तट पर मुस्कान रुपी नाव तैर रही है।
B. भौंहो की कुहुटिलता से प्रेमिका के कुटिल हृदय का पता चलात है।
C. भौंहो की कुटिलता से अनुराग सूचित हो रहा है।
D. यह अनुराग गालों पर फैली मुस्कान से व्यक्त हो रहा है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और C (b) केवल B और D
(c) केवल A और D (d) केवल C और D

Ans. (d) : कोमल कपोल पाली में सीधी सादी स्मित रेखा जानेगा वही कुटिलता जिसने भौ में बल देखा।
उपर्युक्त छंद से सम्बन्धित सही तथ्य है- भौंहो की कुटिलता से अनुराग सूचित हो रहा है, तथा यह अनुराग गालों में फैली मुस्कान से व्यक्त हो रहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. 'फिर विकल हैं प्राण मेरे' गीत के निहितार्थ हैं:

A. स्त्री आगे बढ़ने के लिए पुरुष का संबल चाहती है।

B. अपनी सीमित दुनिया के घेरे को तोड़कर स्त्री अनदेखी - अनजनी दुनिया को देखना चाहती है।

C. अपनी यात्रा के तिमिराच्छन्न हो जाने की कल्पना करके स्त्री अकेले यात्रा आरंभ करना नहीं चाहती।

D. स्त्री ने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है और वह आगे बढ़ने के लिए व्यग्र है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल B और D (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (a) : फिर विकल प्राण मेरे गीत के निहतार्थ हैं- अपनी सीमित दुनिया के घेरे को तोड़कर स्त्री अनदेखी अनजानी दुनिया को देखना चाहती है तथा स्त्री ने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया है और वह आगे बढ़ने के लिए व्यग्र है। 'फिर विकल है' प्राण मेरे' गीत की लेखिका महादेवी वर्मा हैं। महादेवी वर्मा छायावाद युग की लेखिका हैं। इनके प्रमुख कविता संग्रह हैं- नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, अग्निरेखा, दीपशिखा, सप्तपर्णा आदि।

18. 'उदासी सम्प्रदाय' के प्रवर्तक थे:

(a) लक्ष्मीचन्द (b) श्रीचन्द
(c) मूलचन्द (d) मलूकदास

Ans. (b) : 'उदासी सम्प्रदाय' के प्रवर्तक गुरु नानक के पुत्र श्री चन्द्र थे। इस सम्प्रदाय के लोग सनातन धर्म को मानते हैं तथा पंच प्रकृति (जल, अग्नि, पृथ्वी, वायु, आकाश) की पूजा करते हैं। जबकि लक्ष्मीचन्द तथा मलूकदास संत कवि हैं।

19. संस्मरण की पुस्तकें हैं :

(a) नंगा तलाई का गांव

(b) ऋण जल धन जल

(c) आछे दिन पाछे गए

(d) वे लडेंगे हजार साल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल A और C (d) केवल C और D

Ans. (c) : 'नंगा तलाई का गाँव', आछे दिन पाछे गये', संस्मरण की पुस्तकें हैं। 'नंगातलाई गाँव' (2004 ई.) संस्मरणात्मक कृति के लेखक विश्वनाथ त्रिपाठी है। इनकी अन्य संस्मरणात्मक कृति है। व्योमकेश दरवेश (2010) गंगा स्नान करने चलोगें (2012)। 'आछे दिन पाछे गये' (2004 ई.) संस्मरणात्मक कृति के लेखक 'काशीनाथ सिंह' हैं। इनके अन्य संस्मरणात्मक कृति हैं– घर का जोगी जोगड़ा (2006), याद हो कि न याद हो (1992)। जबकि -ऋण जल धनजल' तथा वे लड़ेगें हजार साल' रिपोर्ताज विधा की रचनाएं हैं। 'ऋण जल धन जल' रिपोर्ताज के लेखक फणीश्वर नाथ रेणु है तथा 'वे लड़ेगे हजार साल' रिपोर्तज के लेखक शिव सागर मिश्र हैं।

20. 'रामचरित मानस' के अंत में कही गई तुलसीदास की कौन - सी बातें सही हैं?

A. मेरे समान कोई दूसरा दीन नहीं है, इसलिए हे राम, मेरी भवबाधा को दूर करो।

B. राम - कथा का गान वेदों, पुराणों और कवियों ने किया है, किन्तु संतों ने नहीं।

C. जो भक्त रामचरित मानस का अवगाहन कता है वह मध्याह्न के सूर्य की तरह प्रखर तेजवाला होता है।

D. जिस तरह कामी को स्त्री और लोभी को धन प्रिय है, उसी तरह हे राम, तुम हमेशा मुझे प्रिय लगो।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल A और D (d) केवल B और D

Ans. (c) : रामचरितमानस के अन्त में तुलसीदास द्वारा कही गयी सही बातें हैं। मेरे समान कोई दूसरा दीन नहीं है, इसलिए हे राम मेरी भव बाधा को दूर करो तथा जिस तरह कामी को स्त्री और लोभी को धन प्रिय है, उसी तरह हे राम, तुम हमेशा मुझे प्रिय लगो'। रामचरिमानस के लेखक तुलसीदास हैं तथा इसमें कुल सात काण्ड हैं। जो इस प्रकार हैं-बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्य काण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, लंकाकाण्ड, उत्तरकाण्ड।

21. इनमें से कौन - सा निबन्धकार द्विवेदी युग का नहीं हैं?

(a) माधव प्रसाद मिश्र (b) गोविन्द नारायण मिश्र
(c) कुबेरनाथ राय (d) अध्यापक पूर्ण सिंह

Ans. (c) : 'कुबेरनाथ राय' द्विवेदी युग के निबन्धकार नहीं हैं। ये शुक्लोत्तर युग के ललित निबन्धकार हैं, जबकि माधव प्रसाद मिश्र, गोविन्द नारायण मिश्र तथा अध्यापकपूर्ण सिंह 'द्विवेदी युग' के निबन्धकार हैं।

22. 'संलक्ष्यक्रमध्वनि' के भेद हैं:

A. रसादि ध्वनि

B. वस्तुध्वनि

C. अलंकार ध्वनि

D. वर्णगत ध्वनि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और D
(c) केवल A और C (d) केवल B और C

Ans. (d) : 'वस्तु ध्वनि' तथा 'अलंकार ध्वनि' संलक्ष्यक्रम ध्वनि के भेद हैं। वाच्यार्थ का स्पष्ट बोध होने पर जहाँ उसके बाद व्यंग्यार्थ के प्रकट होने का क्रम रहता है, वहाँ पर संलक्ष्यक्रम व्यंग्य ध्वनि होती है। इसे अनुकरण ध्वनि भी कहा जाता है, क्योंकि जिस प्रकार घण्टे पर चोट करने से टंकार के बाद झंकार सूक्ष्म में सूक्ष्म स्पष्ट सुनाई पड़ती है, उसी प्रकार इस ध्वनि में वाच्यार्थ से व्यंग्यार्थ भी स्पष्ट होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

23. प्रकाशनवर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है:

A. अग्निखोर

B. पिंजरा

C. नीलमदेश की राजकन्या

D. जयदोल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A,B,C,D (b) C,B,D,A
(c) B,C,D,A (d) D,A,B,C

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम निम्न है–

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
नीलम देश की राजकन्या	1933 ई.	जैनेन्द्र
पिंजरा	1944 ई.	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
जयदोल	1951 ई.	अज्ञेय
अग्निखोर	1973 ई.	फणीश्वर नाथ 'रेणु'

24. 'विभ्रम और यथार्थ ' (इल्यूजन एण्ड रियलिटी) के लेखक हैं -

(a) फायर बाख (b) अर्न्स्ट फिशर
(c) जॉर्ज लुकाच (d) कॉडवेल

Ans. (d) : 'विभ्रम' और यथार्थ (इल्यूजन एण्ड रियलिटी) के लेखक 'कॉडवेल' है। यह एक मार्क्सवादी लेखक हैं, इनका प्रसिद्ध उपन्यास रोमांस और यर्थाथवाद है।

25. सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए:

	सूची -I		सूची -II
A	विषमता की पीड़ा से व्यस्त हो रहा स्पंदित विश्व महान।	I	जयशंकर प्रसाद
B	मिलन के पल केवल दो - चार, विरह के कल्प अपार!	II	मैथिलीशरण गुप्त
C	दिन बारह वर्षो में घूड़े के भी सुने गए हैं फिरते!	III	सुमित्रानंदन पंत
D	तोड़ दो यह क्षितिज मैं भी देख लूँ उस ओर क्या है!	IV	महादेवी वर्मा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A - II, B - I , C-IV, D-III
(b) A- III, B-IV, C-II, D-I
(c) A-I, B-II, C-III, D-IV
(d) A-I, B-III , C-II, D-IV

Ans. (d)

सूची -I	सूची -II
विषमता की पीड़ा से व्यस्त हो रहा स्पंदित विश्व महान।	जयशंकर प्रसाद
मिलन के पल केवल दो - चार, विरह के कल्प अपार!	सुमित्रा नन्दन पंत
दिन बारह वर्षो में घूड़े के भी सुने गए हैं फिरते!	मैथिलीशरण गुप्त
तोड़ दो यह क्षितिज मैं भी देख लूँ उस ओर क्या है!	महादेवी वर्मा

26. एक और द्रोणाचार्य में द्रोणाचार्य के कथन हैं:

A. उस दिन भूख मेरे सिद्धांत से बड़ी हो गई।

B. राजकीय अन्न की दासता ने मेरा विवेक खरीदा।

C. व्यवस्था उसकी पीठ थपथपाती थी।

D. याद है जब तुमने विरोध की भाषा अपनाई, सत्ता ने तुम्हारे अस्तित्व पर सीधे हमला किया। इसलिए विरोध मत करो।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर काचयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल B और D

Ans. (a) : एक और द्रोणाचार्य में द्रोणाचार्य के कथन है- 'उस दिन भूख मेरे सिद्धान्त से बड़ी हो गयी तथा राजकीय अन्न की दासता ने मेरा विवेक खरीदा।' एक और द्रोणाचार्य नाटक के लेखक 'शंकर शेष' हैं।

27. बिसोबा खेचर या खेचरनाथ निम्नलिखित में से किसके गुरु थे?

(a) दादू दयाल (b) सुंदरदास
(c) नामदेव (d) मलूकदास

Ans. (c) : विसोबा खेचर या खेचरनाथ 'नामदेव' के गुरु थे। नामदेव महाराष्ट्र के भक्त संत कवि हैं। यह जाति के दरजी थे। इन्होंने मराठी में 'अभंग' नामक छंद का प्रवर्तन किया, इनके द्वारा रचित पद गुरू ग्रंथ साहिब में संकलित है। जबकि दादू दयाल के गुरु वृद्धभगवान तथा मलूवदास के गुरु पुरुषोत्तम एवं सुन्दरदास के गुरु दादूदयाल थे।

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में : अभिकथन (A) : स्त्री - पुरुष में अधिकारों की समानता संभव नहीं हैं।

कारण (R) : क्योंकि स्त्री - पुरुष की जैविक संरचना में भिन्नता है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में , नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (d) : अभिकथन (A) स्त्री पुरुष में अधिकारों की समानता संभव नहीं है। कारण (R) क्योंकि स्त्री-पुरुष की जैविक संरचना में भिन्नता है। उपर्युक्त कथन के आलोक में कथन (A) सही नहीं है परन्तु कारण (R) सही है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. ब्रजभाषा पद्य का संग्रह 'सभाविलास' किसकी रचना है?

(a) सदल मिश्र (b) लल्लू लाल
(c) विट्ठलनाथ (d) नाभादास

Ans. (b) : ब्रजभाषा पद्य का संग्रह 'सभा विलास' लल्लू लाल की रचना है। लल्लू लाल कृत-राजनीति, माधव विलास तथा लाल चन्द्रिका ब्रजभषा-गद्य में है तथा शेष रचनाएं खड़ी बोली में है। इनके द्वारा लिखित रचनाएं हैं सिंहासन बत्तीसी (1801ई.), बेताल पच्चीसी (1801ई.), शकुन्तला नाटक (1810ई.) माधोनल (1801ई.), प्रेमसागर ब्रजभाषा व्याकरण (1811ई.) आदि।

30. निम्नलिखित में से कौन -सी भारतेन्दु की अनूदिन रचना नहीं है?

(a) विद्यासुंदर (b) पाखंड विडंबन
(c) सत्यहरिश्चन्द्र (d) सती प्रताप

Ans. (d) : 'सतीप्रताप' भारतेन्दु की अनुदित रचना नहीं है। यह 'भारतेन्दु की मौलिक रचना है। भारतेन्दु की मौलिक एवं अनुदित नाटकों की संख्या 17 है जो निम्न हैं-
मौलिक रचनाएं- वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1873ई.), विषस्य विषमौषधम् (1876ई.), प्रेमजोगिनी (1875ई.), चन्द्रावली (1976ई.), भारत-दुर्दशा (1880ई.), नीलदेवी (1881ई.), अंधेर नगरी (1881ई.) आदि।
अनुदित रचनाएं- रत्नावली (1868ई.), विद्या सुन्दर (1868ई.), पाखण्ड विडम्बन (1872ई.), धनंजय विजय (1873ई.), मुद्रा राक्षस (1878ई.) दुर्लभ बन्धु (1880ई.), कर्पूर मंजरी (1875ई.), सत्य हरिश्चन्द्र (1875ई.), भारत जननी (1877ई.) आदि।

31. शेखर : एक जीवनी उपन्यास की विशेषताएं हैं:

A हिन्दी का यह प्रथम मनोवैज्ञानिक उपन्यास है।
B इसका कोई भी पात्र असामान्य मानसिकता से ग्रस्त नहीं है।
C पिता के प्रति शेखर की मानसिकता सौमनस्यपूर्ण है।
D शेखर, एक जन्मना विद्रोही पात्र है जिसके मन के विकास का अध्ययन लेखक का अभिप्रेत है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल B और D (d) केवल A और D

Ans. (c) : 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास की विशेषताएं हैं-
इसका कोई भी पात्र असामान्य मानसिकता से ग्रस्त नहीं है। तथा शेखर एक जन्मना विद्रोही पात्र है जिसके मन के विकास का अध्ययन लेखक का अभिप्रेत है। 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास के लेखक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' है। यह उपन्यास दो भागों मे विभक्त है। इस उपन्यास के प्रमुख पात्र-शेखर, शशि, सरस्वती, शारदा, रामेश्वर, बाबा मदन सिंह आदि हैं।

32. निम्नलिखित में से मैथिलीशरण गुप्त की रचना नहीं है:

(a) किसान (b) विकट भट
(c) केशों की कथा (d) राष्ट्रभारती

Ans. (d) : 'राष्ट्रभारती' मैथिलीशरण गुप्त की रचना नहीं है। राष्ट्रभारती कृति के लेखक श्रीकृष्ण सरल हैं। जबकि किसान, विकटभट, केशों की कथा, रंग में भंग, जयद्रथवध, गुरूकुल, साकेत, भारत-भारती , झंकार, यशोधरा, द्वापर, जयभारत, विष्णु प्रिया आदि मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएँ हैं। मैथिलीशरण गुप्त स्वयं को 'कौटुंबिक कवि मात्र' कहा है। इन्हें भारत-भारती लिखने पर महात्मा गाँधी ने राष्ट्रकवि की उपाधि दी।

33. सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए:

सूची -I		सूची -II	
A	मालती	I	आकाशदीप
B	वजीरा सिंह	II	तीसरी कसम
C	बुद्धगुप्त	III	उसने कहा था
D	लाल मोहर	IV	गैंग्रीन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A -I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-III, C-IV, D-I
(c) A-IV, B-III, C-I, D-II
(d) A-III, B-I, C-II, D-IV

Ans. (c) :

सूची -I	सूची -II
मालती	गैंग्रीन
वजीरा सिंह	उसने कहा था
बुद्धगुप्त	आकाश दीप
लाल मोहर	तीसरी कसम

34. भल्ला हुआ जु मारिया, बहिणि म्हारा कंतु। लज्जेजं तु बयंसिअहु जइ भग्गा घरु एंतु॥ का तात्पर्य है:

A. हे बहना ! अच्छा हुआ जो मेरा कंत मारा गया ।
B. अच्छा नहीं हुआ ! क्योंकि वह मारे जाने लायक भी नहीं था।
C. उसके मारे जाने से देश का भला ही हुआ।
D. हे बहन ! युद्ध में अपने पति के मारे जाने से में खुश हूँ क्योंकि मैं सखियों के बीच लज्जा से बच गयी।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और D (b) केवल A और B
(c) केवल A और C (d) केवल B और C

Ans. (a) : भल्ला हुआ जू मारिया, बहिणि म्हारा कंतु।
लज्जेजं तु बयंसि अहु जइ भग्गा घर एंतु।।
उपर्युक्त पंक्ति का तात्पर्य है कि हे बहना! अच्छा हुआ जो मेरा पति मारा गया। हे बहन! युद्ध में अपने पति के मारे जाने से मै खुश हूँ क्योंकि मैं सखियों के बीच लज्जा से बच गयी।

35. "गोरी सुन्दर पातली, केसर काले रंग।
ग्यारह देवर छोड़ के, चली जेठ के संग ॥"
इस पहेली का सही उत्तर है -

(a) अरहर (b) उड़द
(c) मूंग (d) मसूर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : गोरी सुन्दर पातली, केसर काले रंग।
ग्यारह देवर छोड़कर, चली जेठ के संग।।
उक्त पहेली का सही उत्तर 'अरहर' है। यहां कवि ने अरहर के पेड़ एवं बीज का बहुत ही मनोरम चित्रण अपने शब्दों के माध्यम से किया है तथा ग्यारह महीनों को ग्यारह देवर के रूप चित्रित किया है। क्योंकि अरहर की फसल वार्षिक होती है। जो गर्मियों अर्थात जेठ माह में काटी जाती है।

36. सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए:

सूची -I		सूची -II	
A	शकुन	I	सौदागर सिंह
B	महामाया	II	रामबोला
C	पार्वती	III	बंटी
D	हलीमा	IV	अघोर भैरव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-III, B-IV, C-II, D-I
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-IV, B-I, C-II, D-III

Ans. (a) : सूची I तथा सूची II का सही सुमेलन है–

सूची I		**सूची II**
शकुन	–	बंटी
महामाया	–	अघोर भैरव
पार्वती	–	रामबोला
हलीमा	–	सौदागर सिंह

37. निम्नलिखित में अज्ञेय की रचनाएं हैं :
A. आंगन के पार द्वार
B. इतने पास अपने
C. नदी पर बांक की छाया
D. कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A और D (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल A और C

Ans. (d) : 'आँगन के पार द्वार' (1961ई.) तथा 'नदी की बांक पर छाया' (1981ई.) अज्ञेय की रचनाएँ हैं। 'अज्ञेय' प्रयोगवादी कवि हैं। इनके द्वारा रचित अन्य काव्य संग्रह हैं-भग्नदूत (1933 ई.) चिन्ता (1942 ई.), इत्यलम् (1946 ई.), हरीघास पर क्षण भर (1949 ई.), बावरा अहेरी (1954 ई.), इन्द्रधनुष रौंदे हुए ये (1957 ई.), अरी ओ करुणा प्रभामय (1959 ई.), अपूर्वा (1965 ई.), कितनी नावों में कितनी बार (1967 ई.) आदि। जबकि 'इतने पास अपने (1980 ई.) काव्य संग्रह के लेखक शमशेर बहादुर सिंह तथा कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989 ई.) काव्य संग्रह के लेखक रघुवीर सहाय है।

38. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में: अभिकथन (A): अस्तित्वाद व्यक्ति को अपने कर्मों के लिए उत्तरदायी मानता है।
कारण (R) : क्योंकि अस्तित्ववाद व्यक्ति के अस्तित्व को किसी बाह्य सत्ता के अधीन नहीं मानता है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : अभिकथन (A) अस्तित्ववाद व्यक्ति को अपने कर्मो के लिए उत्तरदायी मानता है। कारण (R) क्योंकि अस्तित्ववाद व्यक्ति के अस्तित्व को किसी बाह्य सत्ता के अधीन नहीं मानता है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

39. 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृति पुनः क्वापि' - उक्ति किस आचार्य की है?
(a) भामह (b) धनंय
(c) मम्मट (d) भोजराज

Ans. (c) : 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृति पुनः क्वापि' - उक्ति आचार्य मम्मट की है। दिये गये अन्य विकल्पों के आचार्यों की उक्ति निम्न है–

आचार्य		**उक्ति**
भामह	–	शब्दार्थौं साहितौ काव्यं
भोजराज	–	वक्रोक्तिश्च रसोक्तिश्च स्वभावोक्तिश्च वाङमयम्। सर्वासु ग्राहिर्णी तासु रसोक्तिं प्रतिजानते।।

40 प्रथम विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि पर रचित कहानी है:
(a) अमृतसर आ गया है
(b) परिंदे
(c) दुनिया का सबसे अनमोल रतन
(d) उसने कहा था

Ans. (d) : प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि पर रचित कहानी है- 'उसने कहा था।' उसने कहा था' कहानी के लेखक चन्द्रधर शर्मा गुलेरी हैं। यह कहानी फ्लैश बैक (पूर्वदीप्ति) पद्धति पर लिखी हिन्दी की प्रथम कहानी है। इस कहानी के प्रमुख पात्र हैं - लहना सिंह, बोधा सिंह, सूबेदार हजारा सिंह आदि। गुलेरी जी द्वारा रचित अन्य कहानी है -सुखमय जीवन (1911), बुद्धू का काँटा (1914) हैं जबकि 'परिन्दे' निर्मल वर्मा की, 'दुनिया का सबसे अनमोल रतन' मुंशी प्रेमचन्द्र तथा 'अमृतसर आ गया है' भीष्म साहनी की कहानी है जो भारत पाक विभाजन पर आधारित है।

41. ''जात ले जात, टके सेर जात। एक टका दो, हम अभी अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते...'' अंधेर नगरी में जात बेचने वाले ब्राह्मण के इस संवाद का व्यंग्यार्थ है:
(a) यहाँ नगण्य साधारण विशिष्ट असाधारण सब एक ही भाव बिक रहे हैं।
(b) यहाँ नगण्य साधारण विशिष्ट हो जाता है।
(c) यहाँ सामंती मूल्य अक्षुण्ण रहते हैं।
(d) राजतंत्र में मूल्य -व्यवस्थाएँ अपरिवर्तनीय होती हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : जात ले जात, टके सेर जात। एक टका दो, हम अभी अपना जात बेचते हैं। टके के वास्ते अंधेर नगरी में जात बेचने वाले ब्राह्मण के इस संवाद का व्यंग्यार्थ यह है कि 'यहां नगण्य साधारण, विशिष्ट असाधारण सब एक ही भाव बिक रहे हैं'। 'अंधेर नगरी' नाटक के लेखक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र है।

42. हरिवंशराय बच्चन ने अपने पूर्वजों का चित्रण आत्मकथा के किस खंड में किया है?

(a) नीड़ का निर्माण फिर
(b) बसेरे से दूर
(c) दशद्वार से सोपान तक
(d) क्या भूलूं क्या याद करूं

Ans. (d) : हरिवंशराय बच्चन ने अपने पूर्वजों का चित्रण आत्मकथा के प्रथम खण्ड 'क्या भूलूं क्या याद करूं' में किया है। हरिवंशराय बच्चन ने अपनी आत्मकथा को चार भागों (खण्डों) में लिखा है जो निम्न है –

प्रथम खण्ड – 1969 ई. – क्या भूलूं क्या याद करूं
द्वितीय खण्ड – 1970 ई. – नीड़ का निर्माण फिर
तृतीय खण्ड – 1978 ई. – बसेरे से दूर
चतुर्थ खण्ड – 1985 ई. – दशद्वार से सोपान तक

43. सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए:

	सूची -I		सूची -II
A	शरत् चंद्र	I	गेहूँ और गुलाब
B	शिवरानी देवी	II	नीड़ का निर्माण फिर
C	रामवृक्ष बेनीपुरी	III	प्रेमचंद घर में
D	हरिवंशराय बच्चन	IV	आवारा मसीहा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-III, B-I, C-II, D-IV
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-IV, B-III, C-I, D-II

Ans. (d) : सूची I तथा सूची II का सही सुमेलन निम्न है–

सूची I		**सूची II**
शरत् चन्द्र	–	आवारा मसीहा
शिवरानी देवी	–	प्रेमचन्द घर में
रामवृक्ष बेनीपुरी	–	गेहूँ और गुलाब
हरिवंश राय बच्चन	–	नीड़ का निर्माण फिर

44. ''स्वछंद वृत्तिवालों की संवेदना अनेक प्रकार की हो सकती है। पर मध्यकाल के इन स्वछंद कर्ताओं की संवेदना केवल प्रेम की संवेदना थी, ये 'प्रेम की पीर' के पक्षी थे।''

(a) रामचंद्र शुक्ल
(b) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(c) चन्द्रबली पांडेय
(d) शिवकुमार मिश्र

Ans. (b) : ''स्वच्छंद वृत्तिवालों की संवेदना अनेक प्रकार की हो सकती है, पर मध्यकाल के इन स्वच्छंद कर्ताओं की संवेदना केवल प्रेम की संवेदना थी, ये 'प्रेम की पीर' के पक्षी थे।'' यह कथन आलोचक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र का है। आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र द्वारा रचित प्रमुख आलोचनात्मक कृतियां निम्न है–
वाङमय विमर्श, हिन्दी का सामयिक साहित्य, बिहारी की वाग्विभूति, नीलाकण्ठ उजले बोल, काव्यांग कौमुदी, गोसाई तुलसीदास आदि।

45. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम है:

A. आँखों देखा पाकिस्तान
B. चीड़ों पर चाँदनी
C. नये चीन में दस दिन
D. पैरों में पंख बांधकर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) C,D,A,B
(b) B,C,D,A
(c) D,B,C,A
(d) A,B,C,D

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार ग्रंथों का सही अनुक्रम निम्न है –

ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
पैरों में पंख बांधकर	1952 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी
चीड़ों पर चाँदनी	1964 ई.	निर्मल वर्मा
नये चीन में दस दिन	1966 ई.	गिरिधर राठी
आँखों देखा पाकिस्तान	2006 ई.	कमलेश्वर

46. आपका 'बंटी' उपन्यास में वर्णित हैं:

A. समाज के प्रति विद्वेष
B. बालक में असुरक्षा की भावना
C. मातृप्रेम की लालसा
D. आत्महत्या का विचार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल B और C
(b) केवल A और B
(c) केवल A और C
(d) केवल A और D

Ans. (a) : 'आपका बंटी' उपन्यास में 'बालक में असुरक्षा की भावना और मातृप्रेम की लालसा' वर्णित है। आपका बंटी (1971ई.) उपन्यास की लेखिका मन्नूभण्डारी हैं। इस उपन्यास में एक बच्चे की निगाहों से घायल होती संवेदना का बेहद मार्मिक चित्रण किय गया है। जिसमें मध्यमवर्गीय परिवार में संबंध विच्छेद की स्थिति एक बच्चे की दुनिया का भयावह दुःस्वप्न बन जाती है।

47. द्वैतवादी वैष्णव संप्रदाय के प्रवर्तक हैं:

(a) रामानुजाचार्य
(b) मध्वाचार्य
(c) बल्लभाचार्य
(d) रामानंद

Ans. (b) : द्वैतवादी वैष्णव संप्रदाय के प्रवर्तक 'मध्वाचार्य' है। निम्नलिखित सम्प्रदाय उनके प्रवर्तक तथा दर्शन–

सम्प्रदाय	**प्रवर्तक**	**दर्शन**
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य	विशिष्टाद्वैतवाद
रूद्र सम्प्रदाय	वल्लभाचार्य	शुद्धाद्वैतवाद
रामावत सम्प्रदाय	रामानन्द	विशिष्टा द्वैतवाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए:

सूची -I		सूची -II	
A	विदुर	I	पत्थर की खानों से मणियाँ निकलती हैं बाधा मात डालो ..
B	गांधारी	II	मैंने प्रतिशोध ले लिया धृष्टद्युम्न से पिता की पाप - हत्या का
C	अश्वत्थामा	III	अंधों को सत्य दिखाने में क्या मुझको भी अंधा ही होना है
D	संजय	IV	हृदय तुम्हारा पत्थर का है गांधारी!

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-IV, B-I, C-II, D-III
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-III, B-IV, C-I ,D-II

Ans. (b) : सूची I तथा सूची II का सही सुमेलन निम्न है–

सूची -I	सूची -II
विदुर	हृदय तुम्हारा पत्थर का है गांधारी!
गांधारी	पत्थर की खानों से मणियाँ निकलती हैं बाधा मत डालो
अश्वत्थामा	मैंने प्रतिशोध ले लिया धृष्टद्युम्न से पिता की पाप - हत्या का
संजय	अंधों को सत्य दिखाने में क्या मुझको भी अंधा ही होना है।

49. निम्नलिखित में तत्सम शब्द है:

(a) आग (b) बयार
(c) पंख (d) अक्षर

Ans. (d) : 'अक्षर' तत्सम शब्द है। इसका तद्भव रूप 'आखर' होता है। वे शब्द जो संस्कृत से निकलकर ज्यों के त्यों हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। दिये गये अन्य विकल्पों के तत्सम शब्द निम्न है–

तद्भव		तत्सम
आग	–	अग्नि
बयार	–	वात
पंख	–	पक्ष

50. सूची -I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची -I		सूची-II	
A	आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	I	शिवकुमार मिश्र
B	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना	II	रामचन्द्र तिवारी
C	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश	III	रामविलास शर्मा
D	हिन्दी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल	IV	रामस्वरूप चतुर्वेदी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-III, B-II,C-IV,D-I
(b) A-IV,B-II,C-III,D-I
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I
(d) A-II, B-III, C-I, D-IV

Ans. (c) : सूची -I तथा सूची -II का सही सुमेलन निम्न है–

सूची -I	सूची-II
आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	रामविलास शर्मा
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल -आलोचना का अर्थ : अर्थ की आलोचना	रामस्वरूप चतुर्वेदी
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल आलोचना कोश	रामचन्द्र तिवारी
हिन्दी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल	शिव कुमार मिश्र

51. ''धनी कौन होता है, इसका कोई विचार नहीं करता। वह जो अपने कौशल से दूसरों को बेवकूफ बना सकता है....''उपर्युक्त संवाद 'गोदान' में किन पात्रों के मध्य हुआ है?

(a) मेहता और मालती
(b) गोविन्दी और मेहता
(c) दिग्विजय और मीनाक्षी
(d) मिर्जा खुर्शेद और राय अमरपाल सिंह

Ans. (b) : ''धनी कौन होता है, इसका कोई विचार नहीं करता है। वह जो अपने कौशल से दूसरो को बेवकूफ बना सकता है।'' उपर्युक्त संवाद गोदान उपन्यास के पात्र 'गोविन्दी ओर मेहता' के मध्य हुआ है। गोदान (1936) उपन्यास के लेखक मुंशी प्रेमचन्द्र है इस उपन्यास के प्रमुख पात्र होरी, हीरा, धनिया, गोबर, मेहता, मालती, राय साहब, गोबिन्दी, दातादीन, मातादीन, झुनिया, मि. खन्ना, ओंकार नाथ आदि। 'गोदान' उपन्यास को किसान जीवन की महागाथा कहा जाता है। मुंशी प्रेमचन्द्र द्वार रचित अन्य उपन्यास है। देवस्थान रहस्य (1905), प्रेमा (1907), सेवासदन (1918), वरदान (1921) प्रेमाश्रय (1922), रंगभूमि (1925), कायाकल्प (1926), निर्मला (1927), गबन (1931), कर्मभूमि (1932), गोदान (1936) मंगल सूत्र (1948), अधूरा।

52. नंददास के बारे में रामचंद्र शुक्ल के विचार हैं:

A. इनकी रचना भी बड़ी सरस और मधुर है।
B. कृष्ण की रासलीला का अनुप्रासादियुक्त साहित्यिक भाषा में विस्तार के साथ वर्णन है।
C. इनकी रचना 'रासपंचाध्यायी' सोरठा छंदों में लिखी गयी है।
D. अनुप्रास और चुने हुए संस्कृत पदविन्यास आदि नंददास की कविता में नहीं पाए जाते।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और C (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : नंददास के बारे में रामचन्द्र शुक्ल के विचार है– ''इनकी रचना भी बड़ी सरस और मधुर है।''
''कृष्ण की रासलीला का अनुप्रासादियुक्त साहित्यिक भाषा में विस्तार के साथ वर्णन है।''
ये सूरदास जी के प्रायः समकालीन थे और इनकी गणना अष्टछाप में है। इनके संबंध में यह कहावत प्रसिद्ध है कि और कवि - गढ़िया, नन्ददास जड़िया' इनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तक 'रास पंचाध्यायी' है जो रोला छंद में लिखी गई है। इसके अतिरिक्त इन्होंने भागवत दशम स्कन्ध, रूक्मिणी मंगल, सिद्धान्त पंचाध्यायी, रूपमंजरी, रस मंजरी, मानमंजरी, विरहमंजरी, दानलीला, मानलीला, अनेकार्थमंजरी, ज्ञानमंजरी, श्यामसागई, भ्रमरगीत और सुदामाचरित्र आदि रचना की।

**53. ''सतपुड़ा के घने जंगल/नींद में डूबे हुए से,
ऊंघते अनमने जंगल।
झाड़ ऊँचे और नीचे/चुप खड़े हैं आंख मीचे,
घास चुप है, काश चुप है। मूक शाल, पलाश चुप है:
बन सके तो धँसो इनमें,/ धँस न पाती हवा जिनमें....''
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों का आशय है:**

(a) जंगल घना और भयावह है।
(b) जंगल में जीवन का कोई निशान नहीं है।
(c) यहाँ जंगल केवल जंगल नहीं, जीवन की चुनौती है।
(d) यह जंगल केवल योगी- यतियों के लिए उपयुक्त है।

Ans. (c) : उपर्युक्त काव्य पंक्तियों का आशय है- 'यहाँ जंगल केवल जंगल नहीं, जीवन की चुनौती है।' हिन्दी के प्रसिद्ध कवि तथा गाँधीवादी विचारक 'भवानी प्रसाद मिश्र' दूसरे सप्तक के प्रथम कवि है। इनका प्रथम काव्य संग्रह 'गीत-फरोश' है।
इनकी प्रमुख रचनाएं- चकित है दुख, पंचशती, बुनी हुई रस्सी, त्रिकाल सन्ध्या, इदम् न मम, कालजयी आदि।

54. 'झूठा - सच' उपन्यास में वर्णित है:
A. ग्रामीण अंचलों का सामाजिक यथार्थ
B. विभाजन की भयोत्पादक आशंका
C. शहरी जीवन की विसंगतियां
D. सांप्रदायिक विद्वेष की आग में मानवीय संवेदनाओं की हत्या
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल B और D (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल A और C

Ans. (a) : 'झूठा-सच' उपन्यास में विभाजन की भयोत्पादक आशंका तथा साम्प्रदायिक विद्वेष की आग में मानवीय संवेदनाओं की हत्या वर्णित है।
प्रगतिवादी या मार्क्सवादी विचारधारा के उपन्यासकारों में प्रथमतः यशपाल का नाम आता है। इनके प्रमुख उपन्यास है– दादा कामरेड (1941) देशद्रोही (1943), दिव्या (1945), पार्टी कामरेड (1946), झूठा-सच (भाग-1) (1958), झूठा-सच (भाग-2) (1960), अप्सरा का श्राप (1965), मेरी तेरी उसकी बात (1974) आदि।
'झूठा सच' दो भागों में प्रकाशित उपन्यास है। प्रथम भाग का नाम 'वतन और देश' तथा दूसरे भाग का नाम 'देश का भविष्य है।

55. 'मेरी भव - बाधा हरौ.....' दोहे में प्रयुक्त 'झाँई' शब्द के सही अर्थ हैं:
A. परछाईं B. झलक
C. मुस्कान D. दृष्टि
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (a) : मेरी भव- बाधा हरौ............दोहे में प्रयुक्त 'झाँई' शब्द के सही अर्थ 'परछाई तथा झलक' हैं। बिहारीलाल की एकमात्र रचना 'बिहारी सतसई' दोहा छंद में रचित है। इसकी भाषा परिनिष्ठित साहित्यिक ब्रजभाषा है।
बिहारी लाल की 'सतसई' की प्रशंसा में किसी कवि ने निम्नलिखित पंक्ति लिखी है–
सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर।
देखन में छोटे लगैं, बेधैं सकल शरीर।।
बिहारी लाल के समस्त दोहों की संख्या 719 है। परन्तु जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' ने इनके दोहों की संख्या 713 माना है।

56. सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए:

सूची -I		सूची -II	
A	औपम्य गर्भ	I	विभावना
B	सादृश्य मूलक	II	एकावली
C	विरोध गर्भ	III	उत्प्रेक्षा
D	शृंखला मूलक	IV	व्यतिरेक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-I, B-III,C-II, D-IV
(b) A-IV, B-III, C-I, D-II
(c) A-IV , B-II, C-I, D-III
(d) A-II, B-I, C-III, D-IV

Ans. (b) : सूची I तथा सूची II का सही मिलान–

सूची I		सूची II
औपम्य गर्भ	–	व्यतिरेक
सादृश्य मूलक	–	उत्प्रेक्षा
विरोध गर्भ	–	विभावना
शृंखला मूलक	–	एकावली

57. मुक्तिबोध की रचना है:
(a) अजय की डायरी
(b) एक साहित्यिक की डायरी
(c) प्रवास की डायरी
(d) सैलानी की डायरी

Ans. (b) : 'एक साहित्यिक की डायरी' मुक्तिबोध की डायरी विधा की रचना है। जबकि 'प्रवासी की डायरी' हरिवंशराय बच्चन का तथा 'सैलानी की डायरी' राजेन्द्र अवस्थी का डायरी विधा की रचना है।
'अजय की डायरी' डॉ. देवराज का उपन्यास है। डॉ. देवराज के अन्य उपन्यास - पथ की खोज, बाहर भीतर, रोड़े और पत्थर, मैं, वे और आप, दोहरी आग की लपट आदि।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

58. ''यह देह-भाव भ्रान्ति हैं।'' यह कथन किसका है?

(a) पुरुरवा (b) उर्वशी
(c) औशीनरी (d) महर्षि च्यवन

Ans. (b) : ''यह देह-भाव भ्रांति है।'' यह कथन उर्वशी का है। 'उर्वशी' (1961) रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित 'गीति नाट्य' है। दिनकर को इस महाकाव्य के लिए सन् 1972 में भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया। दिनकर की प्रमुख कृतियां – रेणुका, हुंकार, कुरूक्षेत्र, सामधेनी, रश्मिरथी, दिल्ली, परशुराम की प्रतीक्षा आदि।

59. 'शिवशंभु के चिट्ठे' से संबंधित हैं:

A. आनंदकादंबिनी **B. कलकत्ता**
C. चुनार **D. भारत मित्र**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (d) : कलकत्ता तथा भारत मित्र 'शिवशम्भु के चिट्ठे' से सम्बन्धित है। बालमुकुन्द गुप्त ने कलकत्ता से सन् 1904–05 ई. भारत मित्र पत्रिका में 'शिवशम्भु के चिट्ठा' नाम से तात्कालीन गवर्नर-जनरल लार्ड कर्जन को सम्बोधित करके निबन्ध लिखा। गुप्त जी के निबन्ध 'गुप्त निबंधावली' शीर्षक से प्रकाशित हैं।

60. छायावाद के बारे में रामचंद्र शुक्ल की स्थापनाएं हैं:

A. छायावाद बड़ी सहृदयता के साथ प्रभाव साम्य पर ही विशेष लक्ष्य रखक चला है।
B. छायावाद की रचनाएं गीतों के रूप में ही अधिकतर होती हैं।
C. छायावाद में रचना अन्योक्ति पद्धति पर नहीं की जाती हैं।
D. व्यंजना पद्धति का प्रगल्भ और प्रचुर विकास छायावाद की काव्यशैली की असली विशेषता नहीं है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (a) : छायावाद के बारे में रामचन्द्र शुक्ल की स्थापनाएं- ''छायावाद बड़ी सहृदयता के साथ प्रभाव साम्य पर ही विशेष लक्ष्य रखकर चला है।'' तथा ''छायावाद की रचनाएं गीतों के रूप में ही अधिकतर होती है।''

हिन्दी में सर्वप्रथम पं. मुकुटधर पाण्डेय ने जबलपुर से प्रकाशित 1920 ई. में हिन्दी में 'छायावाद' शीर्षक से चार किस्तों मं एक लेख प्रकाशित करवाया।

छायावाद के प्रवर्तक और प्रस्तोता निम्नलिखित हैं–

प्रस्तोता	**प्रवर्तक**
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	मैथिलीशरण गुप्त और मुकुटधर पाण्डेय
आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी	सुमित्रानन्दन पंत
प्रभाकर माचवे	माखन लाल चतुर्वेदी
इलाचन्द्र जोशी व सर्वमान्य मत	जयशंकर प्रसाद

61. भुतही पारिवारिक पृष्ठभूमि किस आत्मकथा का प्रथम अध्याय है?

(a) जूठन (b) मूर्दहिया
(c) अपने अपने पिंजरे (d) मेरी पत्नी और भेड़िया

Ans. (b) : भुतही पारिवारिक पृष्ठभूमि 'मुर्दहिया' आत्मकथा का प्रथम अध्याय है।

'डॉ. तुलसीराम' की आत्मकथा दो भाग में है– मुर्दहिया (2010 ई.प्रथम भाग) तथा मणिकर्णिका (2013 ई. दूसरा भाग) जबकि 'जूठन' (1997 ई.) ओम प्रकाश वाल्मीकि का 'अपने-अपने पिंजरे' (1995 ई. दो भाग में) मोहनदास नैमिशराय का तथा मेरी पत्नी और भेड़िया (2009 ई.) धर्मवीर का दलित आत्मकथा है।

मोहनदास नैमिशराय कृत 'अपने-अपने पिंजरे' हिन्दी की प्रथम दलित आत्मकथा है।

62. निम्नलिखित में से कौन सी कृतियां आत्मकथा नहीं हैं?

A. एक कहानी यह भी B. बाणभट्ट की आत्मकथा
C. अन्या से अनन्या D. शेखरः एक जीवनी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (d) : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' तथा 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास विधा की रचना है।

'बाण भट्ट की आत्मकथा' (1946 ई.) हजारीप्रसाद द्विवेदी चारूचन्द्र लेख (1936 ई.) पुनर्नवा (1973 ई.) तथा अनामदास का पोथा है। शेखर : एक जीवनी दो भागों में रचित अज्ञेय का उपन्यास है। प्रथम भाग– 1940 ई. तथा दूसरा भाग 1994 ई. इनके अन्य उपन्यास – नदी के द्वीप (1951 ई.)– तथा अपने -अपने अजनबी (1961 ई.)। जबकि 'एक कहानी यह भी' मन्नू भण्डारी का तथा अन्या से अनन्या (2007 ई.) प्रभा खेतान का आत्मकथा है।

63. 'विद्यापति की पदावली' में वर्णित मुख्य विषय हैं:

A. राजनीतिक द्वंद्व **B. वयः संधि**
C. पुरुष परीक्षा **D. अनमेल विवाह**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल B और D (d) केवल C और D

Ans. (c) : 'वयः संधि' तथा 'अनमेल विवाह' विद्यापति की पदावली में वर्णित मुख्य विषय है।

भाषा की दृष्टि से विद्यापति द्वारा रचित ग्रन्थ निम्न हैं–

मैथिली –पदावली, गोरक्ष विजय (नाटक)।

अवहट्ट – कीर्तिलता, कीर्ति पताका।

संस्कृत – शैव सर्वस्व सार, गंगा वाक्यावली, भू परिक्रमा, दान वाक्यावली, पुरुष परीक्षा आदि।

बच्चन सिंह ने विद्यापति को 'जातीय कवि' कहा है। 'निराला' ने पदावली के श्रृंगारिक पदों की मादकता को 'नागिन की लहर' कहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

64. 'कविता की भाषा विरोधाभास की ही भाषा होती है' - यह कथन निम्नलिखित में से किसका हैं?

(a) एजरा पाउंड (b) क्लीन्थ ब्रुक्स
(c) जॉन डन (d) हाइडेगर

Ans. (b) : ''कविता की भाषा विरोधाभाष की ही भाषा होती है'' यह कथन 'क्लीन्थ ब्रुक्स' का है।
'कलीन्थ ब्रुक्स' विरोधाभाष सिद्धान्त के प्रमुख पुरस्कर्ता थे। इनकी पुस्तक 'मॉडर्न पोइट्री ऐण्ड ट्रैडीशन 1939 ई. में प्रकाशित हुई। इनकी अन्य पुस्तकें– दी वेल राटअर्न (1947),
अण्डरस्टैंडिंग पोइट्री (1938 ई.) ए अण्डरस्टैंडिंग फिक्शन (1943 ई.)ए अण्डरस्टैंडिंग ड्रामा (1947 ई.)।
'एजरा पांउड' अमेरिकन कवि थे। पाउण्ड के विचार से कविता और साहित्य, एक विज्ञान है। इनके आलोचनात्मक लेखों का संग्रह 'मेक इट न्यू' शीर्षक पुस्तक में प्रकाशित है।

**65. ''जेहि पंखी के निअर होइ, कहै बिरह कै बात।
सोइ पंखी जाइ जरि, तरिवर होइ निपात।''
इस दोहे में अत्युक्ति है, लेकिन यह -**

(a) संवेदना अभिव्यक्ति के रूप में है।
(b) परिणाम निर्देश के रूप में है।
(c) केवल ऊहात्मक पद्धति के निर्वाह के लिए है।
(d) अभिधात्मक अर्थ - बोध के लिए है।

Ans. (a) : ''जेहि पंखी के निअर होई, कहै बिरह कै बात।
सोई पंखी जाई जरि, तरिवर होइ निपात।।
इस दोहे में अत्युक्ति है, लेकिन यह 'संवेदना अभिव्यक्ति के रूप में है।
अत्युक्ति अलंकार – काव्य में जहाँ किसी की झूठी वीरता, उदारता, प्रेम, सुन्दरता, यश आदि का बहुत बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया जाता है कि देखने में हास्यास्पद लगे तो वहाँ अत्युक्ति अलंकार होता है।''
अतिशयोक्ति और अत्युक्ति मिलते जुलते अलंकार हैं। इनमें केवल इतना अन्तर है कि उक्ति यदि सम्भव है तो अतिशयोक्ति अलंकार तथा यदि असम्भव हो तो अत्युक्ति अलंकार।

66. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना अमृतलाल नागर द्वारा रचित नहीं है:

(a) बिखरे तिनके (b) अग्निगर्भा
(c) करवट (d) अर्धनारीश्वर

Ans. (d) : 'अर्धनारीश्वर' रचना अमृतलाल नागर द्वारा रचित नहीं है अपितु यह विष्णु प्रभाकर का उपन्यास है। इनके अन्य उपन्यास है- ढलतीरात, तट के बंधन, स्वप्नमयी इत्यादि। अमृतलाल नागर के प्रमुख उपन्यास है- बिखरे तिनके, अग्निगर्भा करवट, महाकाल, सेठ बाँके लाल, बूँद और समुद्र, शतरंज के मोहरे, सुहाग के नूपुर, मानस का हंस, खंजन नयन इत्यादि।

67. 'परीक्षा गुरु उपन्यास - निम्नलिखित में से किस विषय पर केंद्रित है?

(a) प्रतीक रुप में ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा भारत के आर्थिक शोषण और लूट का यथार्थ।
(b) प्रथम स्वाधीनता संग्राम में ब्रिटिश शासन द्वारा भारतीयों में फूट डालने का प्रयास।
(c) सामन्त वर्ग के पतनोन्मुख चरित्र का वर्णन
(d) स्त्रियों की शिक्षा पर विशेष बल।

Ans. (a) : परीक्षा गुरू उपन्यास में प्रतीक रूप में ईस्ट इण्डिया कंपनी द्वारा भारत के आर्थिक शोषण और लूट का यथार्थ चित्रण मिलता है। परीक्षा गुरू लाला श्रीनिवासदास का उपन्यास है। परीक्षा गुरू अंग्रेजी के ढंग का हिन्दी का प्रथम उपन्यास माना जाता है। इस उपन्यास में दिल्ली के एक कल्पित रईस लाला मदनमोहन का स्वाभाविक चित्र उतारा गया है। यह रचना उपदेश प्रधान है। इस उपन्यास के अन्य प्रमुख पात्र है- ब्रजकिशोर, चुन्नीलाल, शंभुदयाल, पुरुषोत्तमदास इत्यादि।

68. जगपती की बीमारी और बेरोजगी से उपजी आर्थिक मजबूरियों से त्रस्त पत्नी 'चंदा' की कहानी है:

(a) राजा निरबंसिया (b) नीली झील
(c) सफेद तितलियां (d) सीने का दर्द

Ans. (a) : जगपती की बीमारी और बेरोजगारी से उपजी आर्थिक मजबूरियों से त्रस्त पत्नी चंदा की कहानी 'राजा निरबंसिया' है। राजा निरबंसिया (1957 ई.) कस्बे का आदमी (1958 ई.), खोई हुई दिखाएँ (1963 ई.) मांस का दरिया (1966 ई.), बयान (1973 ई.), आजादी मुबारक (2002 ई.) आदि कमलेश्वर की कहानियाँ हैं। कमलेश्वर समानान्तर कहानी आन्दोलन के प्रवर्तक हैं। राजा निरबंसिया कहानी के प्रमुख पात्र हैं– जगपती, चंदा, जगपती की माँ, दयाराम, कम्पाउण्डर बचन सिंह इत्यादि।

69. निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है:

A. निस्सहाय हिन्दू
B. परीक्षा गुरु
C. देवरानी जेठानी की कहानी
D. नूतन ब्रह्मचारी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A,B,C,D (b) C,B,D,A
(c) B,C,A,D (d) D,A,C,B

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है–

रचना	रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
देवरानी जेठानी की कहानी	पं. गौरी दत्त	1870 ई.
परीक्षा गुरू	श्रीनिवासदस	1882 ई.
नूतन ब्रह्मचारी	बालकृष्ण भट्ट	1886 ई.
निस्सहाय हिन्दू	राधाकृष्ण दास	1890 ई.

**70. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में : अभिकथन (A) : कार्ल मार्क्स का मानना है कि पूंजीवादी व्यवस्था में व्यक्ति अपना उत्पाद बेचने के कारण उससे अजनबी हो जाता है।
कारण (R) : क्योंकि अपने उत्पाद को पूंजीवादी सत्ता के हाथ बेचना व्यक्ति की मजबूरीं है।**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।

(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।

(d) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

Ans. (a) : अभिकथन (A) कार्ल मार्क्स का मानना है कि पूँजीवादी व्यवस्था में व्यक्ति अपना उत्पाद बेचने के कारण उससे अजनबी हो जाता है। कारण (R) क्योंकि अपने उत्पाद को पूँजीवाद सत्ता के हाथ बेचना व्यक्ति की मजबूरी है। उपरोक्त कथनों के अलोक में (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या हैं।

71. 'कामायनी' के निम्नलिखित सर्गो का सही अनुक्रम है:

A. स्वप्न **B. संघर्ष**

C. निर्वेद **D. दर्शन**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) B,A,D,C (b) B,C,A,D

(c) A,B,C,D (d) C,A,D,B

Ans. (c) : जय शंकर प्रसाद कृत 'कामायनी (1935 ई.) महाकाव्य के निम्नलिखित सर्गो का सही अनुक्रम है–

(1) चिन्ता	(6) लज्जा	(11) संघर्ष
(2) आशा	(7) कर्म	(12) निर्वेद
(3) श्रद्धा	(8) ईर्ष्या	(13) दर्शन
(4) काम	(9) इड़ा	(14) रहस्य
(5) वासना	(10) स्वप्न	(15) आनन्द

• आचार्य शांतिप्रिय द्विवेदी ने 'कामायनी' को छायावाद का उपनिषद् कहा है।

72. निम्नलिखित में से देवसेना के कथन हैं:

A. विजय का क्षणिक उल्लास हृदय की भूख मिटा देगा? वीरों का भी क्या ही व्यवसाय है, क्या ही उन्मत भावना है।

B. पवित्रता की माप है मलिनता, सुख का आलोचक है दुःख, पुण्य की कसौटी है पाप। विजया! आकाश के सुन्दर नक्षत्र आँखों से केवल देखे ही जाते हैं।

C. नये ढंग के आभूषण, सुन्दर वसन, भरा हुआ यौवन - यह सब तो चाहिए ही: परन्तु एक वस्तु और चाहिए पुरुष को वशीभूत करने के पहले - धोखे की टट्टी!

D. ऐसा जीवन तो विडंबना है, जिसके लिए दिन - रात लड़ना पड़े!

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C

(c) केवल B और C (d) केवल B और D

Ans. (c) : देवसेना के निम्नलिखित कथन है–

"पवित्रता की माप है मलिनता, सुख का आलोचक है दुःख, पुण्य की कसौटी है पाप! विजया! आकाश के सुन्दर नक्षत्र आँखों से केवल देखें ही जाते हैं।"

"नये ढंग के आभूषण, सुन्दर वसन, भरा हुआ यौवन यह सब तो चाहिए ही; परन्तु एक वस्तु और चाहिए पुरुष को वशीभूत करने के पहले-धोखे की टट्टी!"

उपर्युक्त दोनों कथन जय शंकर प्रसाद कृत 'स्कन्द गुप्त' नाटक की स्त्री पात्र देवसेना की है।

स्कन्द गुप्त के प्रमुख (पुरुष पात्र)– स्कन्दगुप्त, पृथ्वी सेन, भट्टार्क, बंधु वर्मा, महादण्ड नायक, पुरुगुप्त, कुमार गुप्त।

(स्त्रीपात्र)– अनन्त देवी, देवकी, देवसेना, विजया, रामा, जयमाला, मालिनी।

जयशंकर प्रसाद के प्रमुख नाटक– सज्जन, कल्याणी परिणय, करूणालय, राज्यश्री, विशाख, अजातशत्रु, जनमेजय का नागयज्ञ, स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी इत्यादि।

73. रामचंद्र शुक्ल के 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में दर्ज अष्टछाप के प्रारम्भिक चार कवियों का सही अनुक्रम है:

(A) नंददास **(B) सूरदास**

(C) परमानंददास **(D) कृष्ण दास**

नीचे दिए गए विकलपों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) B,A,D,C (b) A,B,C,D

(c) D,C,B,A (d) C,D,A,B

Ans. (a) : रामचन्द्र शुक्ल के 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में दर्ज अष्टछाप के प्रारम्भिक चार कवियों का सही अनुक्रम है– सूरदास, नन्ददास, कृष्णदास, परमानन्ददास। गोस्वामी विट्ठलनाथ ने सन् 1565 ई. में चार वल्लभाचार्य और चार अपने शिष्यों को मिलाकर 'अष्टछाप' की स्थापना की। 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में दर्ज रामचन्द्र शक्ल के अनुसार अष्टछाप के आठ कवियों का क्रम-

1. सूरदास, 2. नन्ददास, 3. कृष्णदास, 4. परमानन्द दास, 5. कुंभनदास, 6. चतुर्भुजदास, 7. छीतस्वामी, 8. मोविन्द स्वामी।

वल्लभाचार्य के कुल 84 तथा विट्ठलनाथ के कुल 252 शिष्य थे।

कालक्रमानुसार अष्टछाप कवियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

कवि	गुरू	जन्म-मृत्यु (ई.)	जन्म स्थान
कुंभनदास	वल्लभाचार्य	1468-1583	जमुनावतौ (उ.प्र.)
सूरदास	वल्लभाचार्य	1478-1583	सीही (उ.प्र.)
परमानन्ददास	वल्लभाचार्य	1493-	कन्नौज (उ.प्र.)
कृष्णदास	वल्लभाचार्य	1496-1578	चिलोतरा (गुजरात)
गोविन्द स्वामी	विट्ठलनाथ	1505-1585	आंतरी (राजस्थान)
छीतस्वामी	विट्ठलनाथ	1515-1585	मथुरा (उ.प्र.)
चतुर्भुजदास	विट्ठलनाथ	1530-1585	जमुनावती (उ.प्र.)
नंददास	विट्ठलनाथ	1533-1583	रामपुर (उ.प्र.)

74. 'ईदगाह' कहानी में व्यक्त हुए हैं:

A. सांप्रदायिक सौमनस्य **B. बाल मनोविज्ञान**

C. मातृ वात्सल्य **D. राजनीतिक चेतना**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और D (d) केवल B और C

Ans. (d) : प्रेमचन्द कृत 'ईदगाह' (1933 ई.) कहानी में बाल मनोविज्ञान तथा मातृ वात्सल्य व्यक्त हुए हैं। ईदगाह कहानी का नायक 'हामिद' है जो अपनी दादी 'अमीना' के साथ रहता है।
प्रेमचन्द्र की प्रमुख कहानियाँ- नमक का दारोगा, ईश्वरीय न्याय, बूढ़ी काकी, सवा सेर गेहूँ, शतरंज के खिलाड़ी, अलग्योझा, पूस की रात, सद्गति, दो बैलों की कथा, ठाकुर का कुँआ, बड़े भाई साहब, कफन आदि।

75. पुरोहित के अनुसार रामगुप्त का ध्रुवस्वामिनी पर कोई अधिकार नहीं, क्योंकि-

(a) वह मृतप्राय और प्रव्रजित था।
(b) वह परस्त्रीगामी था।
(c) वह जीवन से उदासीन था।
(d) वह गौरव से नष्ट और आचरण से पतित था।

Ans. (d) : पुरोहित के अनुसार रामगुप्त का ध्रुवस्वामिनी पर कोई अधिकार नहीं, क्योंकि 'वह गौरव से नष्ट और आचरण से पतित था।'

- जय शंकर प्रसाद कृत 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक से समस्या नाटक का प्रवर्तन माना जाता है। इसमें अनमेल विवाह, तलाक एवं पुनर्विवाह की समस्या को उठाया गया है।

ध्रुवस्वामिनी नाटक के प्रमुख पात्र- चन्द्रगुप्त, रामगुप्त, शिखर स्वामी, ध्रुवस्वामिनी हैं।

76. सूची–I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची–I		सूची-II	
A	शेखर	I	निपुणिका
B	सिलिया	II	तारा
C	जयदेव पुरी	III	मातादीन
D	बाणभट्ट	IV	सरस्वती

नीचे दिए गए विकल्पों में से उत्तर चुनिए:

(a) A - I, B - II, C –III, D - IV
(b) A – IV, B – III, C – II, D - I
(c) A – II, B – I, C – IV, D - III
(d) A – III, B – IV, C- I, D - II

Ans. (b) : सूची–I को सूची-II से सुमेलन –

सूची-I		सूची-II
शेखर	–	सरस्वती
सिलिया	–	मातादीन
जयदेव पुरी	–	तारा
बाणभट्ट	–	निपुणिका

77. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (R) के रूप में : अभिकथन (A) : डार्विन का मानना है कि ईश्वर सृष्टि का निर्माता नहीं है।
कारण (R) : क्योंकि मनुष्य सृष्टि का निर्माता है, कारण कि वह ईश्वर की सृष्टि है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु और (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही हैं।

Ans. (c) : अभिकथन (A) 'डार्विन का मानना है कि ईश्वर सृष्टि का निर्माता नहीं है' कारण (R) क्योंकि मनुष्य सृष्टि है, कारण कि वह ईश्वर की सृष्टि का निर्माता है, उपरोक्त कथनों के आलोक में (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
चार्ल्स डार्विन ने 'क्रमविकास के सिद्धांत' को दुनिया के सामने रखा। इस सिद्धांत में कहा गया कि विशेष प्रकार की कई प्रजातियों के पौधे पहले एक जैसे ही एवं लेकिन दुनिया की अलग-अलग भौगोलिक स्थितियों में जीवित बचे रहने के संघर्ष के चलते उनकी रचना में बदलाव होता गया। इस वजह से एक ही जाति के पौधे की कई प्रजातियां बन गई।

78. 'भोलाराम का जीव' कहानी के विषय हैं:

(A) भ्रष्टाचार की पक्षधरता
(B) भ्रष्टाचार का अनावरण
(C) सदाचरण का निषेध
(D) सरकारी कार्यालयों में व्याप्त रिश्वतखोरी की अभिव्यक्ति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल B और D (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (a) : 'भ्रष्टाचार का अनावरण' तथा 'सरकारी कार्यालयों में व्याप्त रिश्वतखोरी की अभिव्यक्ति' हरिशंकर परसाई कृत 'भोलाराम का जीव' कहानी के विषय हैं।
परसाई जी के कहानी संग्रह-हँसते हैं रोते हैं, जैसे उनके दिन फिरे, भोलाराम का जीव।
उपन्यास- रानी नागफनी की कहानी, तट की खोज, ज्वाला और जल।
निबन्ध-संग्रह- पगडंडियों का जमाना, सदाचार का ताबीज, ठिठुरता हुआ गणतंत्र, विकलांग श्रद्धा का दौर, सुनो भाई साधों, तुलसीदास चन्दन घिसे, पाखण्ड का अध्यात्म, प्रेमचन्द के फटे जूते आदि।

79. प्रकाशनवर्ष की दृष्टि सही अनुक्रम है:

A. दूसरी परंपरा की खोज
B. व्योमकेश दरवेश
C. शांतिनिकेतन से शिवालिक तक
D. साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीच दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, D (b) B, C, D, A
(c) C, A, D, B (d) D, A, B, C

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम निम्नलिखित हैं–

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
'शान्ति निकेतन से शिवालिक तक'	1967 ई.	डॉ. शिव प्रसाद सिंह
'दूसरी परम्परा की खोज'	1967 ई.	नामवर सिंह
'साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी'	1997 ई.	राममूर्ति त्रिपाठी
'व्योमकेश दरवेश'	2010 ई.	विश्वनाथ त्रिपाठी

80. निम्नलिखित में से कौन – सा निबन्ध भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने लिखा है?

(a) रामायण का समय
(b) बन्धुत्व किसे कहते है
(c) अब मैं नाच्यो बहुत गुपाल
(d) रसात्मक बोध के विविध स्वरूप

Ans. (a) : 'रामायण का समय' भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का निबन्ध है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को प्रथम निबन्धकार माना है तथा भारतेन्दु जी को निबन्ध का जनक भी माना जाता है। इनके प्रमुख निबन्ध- कश्मीर कुसुम, कालचक्र, बादशाह दर्पण, तदीयसर्वस्व, स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन, भ्रूण हत्या, काशी, मणिकर्णिका, ईश्वर बड़ा विलक्षण है, भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? आदि हैं।
जबकि 'रसात्मक बोध के विविध स्वरूप' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध 'चिन्तामणि' (भाग-1) में संकलित निबन्ध है। इनके अन्य संकलित निबन्ध श्रद्धा और भक्ति, करुणा, लज्जा और ग्लानि, कविता क्या है? मानस की धर्मभूमि, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था, साधारणीकरण और व्यक्ति वैचित्र्यवाद आदि हैं।

81. 'राग दरबारी' उपन्यास में व्यक्त हुए हैं:

A. मुफ्त शिक्षा
B. ग्रामीण – करुणाई जिंदगी की आलोचना
C. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
D. कस्बाई जीवन की व्यंग्यपूर्ण अभिव्यक्ति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और D
(c) केवल A और C (d) केवल B और C

Ans. (b) : 'ग्रामीण -करुणाई जिन्दगी की आलोचना' तथा 'कस्बाई जीवन की व्यंग्यपूर्ण अभिव्यक्ति' श्रीलाल शुक्ल कृत 'राग-दरबारी' (1968 ई.), उपन्यास में व्यक्त हुए हैं। श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों में राजनीति, व्यंग्य एवं आंचलिकता का मिश्रण है। इनके अन्य उपन्यास–सूनी घाटी का सूरज (1957 ई.), अज्ञातवास (1962 ई.), सीमाएं टूटती है (1973 ई.), मकान (1976 ई.), पहला पड़ाव (1976 ई.), विश्रामपुर का संत (1998 ई.)।
श्रीलाल शुक्ल और अमरकान्त को संयुक्त रूप से सन् 2011 का भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ।

82. राम –रावण के युद्ध को रूपायित करने के लिए निराला ने:

(a) संस्कृत की सरल पद मैत्री का प्रयोग किया है।
(b) अधिकतर द्वित्व वर्णों का प्रयोग किया है।
(c) संस्कृत –पद-मैत्री, नाद-योजना और अनुप्रास-विधान पर विशेष बल दिया है।
(d) देशज शब्दों का लाक्षणिक प्रयोग किया है।

Ans. (c) : 'राम की शक्ति पूजा' (लम्बी कविता) में राम-रावण के युद्ध को रूपायित करने के लिए निराला ने – संस्कृत - पद मैत्री, नाद योजना और अनुप्रास-विधान पर विशेष बल दिया है।

- सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' को हिंदी में मुक्त छंद का प्रवर्तक माना जाता है।
- निराला कृत 'राम की शक्ति पूजा' महाकाव्य का उपजीव्य बांग्ला ग्रन्थ 'कृतिवास रामायण' है।

निराला की महत्वपूर्ण काव्य कृतियाँ– अनामिका (1923 ई.), परिमल (1930 ई.), गीतिका (1936 ई.), तुलसीदास (1938 ई.), कुकुरमुत्ता (1942 ई.), आराधना (1953 ई.),गीतगुंज (1954 ई.), सांध्यकाकली (1969 ई.) आदि हैं।

83. ''फटिक भूमि पद कर पग छाया यह शोभा अति राजति करि करि प्रति पद प्रतिमनि बसुधा कमल बैठकी साजति '' उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?

(a) तुलसीदास (b) मलिक मुहम्मद जायसी
(c) सूरदास (d) कबीरदास

Ans. (c) : ''फटिक भूमि पद कर पग छाया यह शोभा अति राजति। करि करि प्रति पद प्रतिमनि बसुधा कमल बैठकी साजति।।''
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ 'सूरदास' कृत 'भ्रमरगीत सार' से हैं जो आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा सम्पादित है।
सूरदास द्वारा रचित 25 ग्रन्थ बताये जाते हैं जिसमें से तीन ही उपलब्ध है, जो निम्न हैं- सूरसागर, सूरसारावली और साहित्य लहरी।
हिन्दी साहित्य में 'भ्रमरगीत' काव्य परम्परा का प्रवर्तन सूरदास ने किया। भ्रमरगीत में कुल 700 पद हैं। 'भ्रमरगीत' को उपालम्भ काव्य भी कहते हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने इसे 'ध्वनिकाव्य' कहा है।

84. निम्नलिखित में से किसकी पुस्तक का नाम 'द्वंद्ववादी तर्क की समीक्षा' (क्रिटीक ऑफ डाइलेक्टिक रीजन) है?

(a) कार्ल मार्क्स (b) राल्फ फाक्स
(c) एडलर (d) सार्त्र

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : 'द्वंद्ववादी तर्क की समीक्षा' (क्रिटीक ऑफ डाइलेक्टिक रीजन 1960ई.) तथा 'बिइंग एण्ड नथिंग' 1943 ई. सार्त्र की पुस्तक का नाम है। जबकि 'दास कैपिटल' कार्ल मार्क्स की पुस्तक का नाम है।

85. 'आवारा मसीहा' किस साहित्यकार के जीवन पर आधारित ग्रंथ है?

(a) शरतचन्द्र (b) रवीन्द्रनाथ
(c) बंकिमचन्द्र (d) माइकेल मधुसूदन दत्त

Ans. (a) : 'आवारा मसीहा' शरतचन्द्र के जीवन पर आधारित ग्रन्थ है। विष्णु प्रभाकर कृत 'आवारा मसीहा' (1974 ई.) जीवनी विधा की रचना है।
हिन्दी के प्रथम जीवनीकार गोपाल शर्मा शास्त्री माने जाते हैं।
विष्णु प्रभाकर मानवतावादी उपन्यासकार भी है इनके प्रमुख उपन्यास-ढलती रात, तट के बंधन, स्वप्नमयी, कोई तो, अर्धनारीश्वर, संकल्प आदि हैं।

86. अरस्तू के त्रासदी के सिद्धांत के अंगों का सही अनुक्रम है:

(A) कथानक (B) चरित्र
(C) विचार (D) पदयोजना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, D, C, B (b) A, B, D, C
(c) A, B, C, D (d) A, C, B, D

Ans. (c) : अरस्तू के त्रासदी के सिद्धांत के अंगों का सही अनुक्रम है–

(A) कथानक
(B) चरित्र
(C) विचार
(D) पदयोजना
(E) गीत
(F) दृश्य

- अरस्तू ने महाकाव्य, दुखान्तक, प्रहसन आदि को अनुकरण का भेद माना हैं
- अरस्तू काव्य के लिए छन्द को अनिवार्य नहीं मानते थे।
- महाकाव्य, दुखान्तक, प्रहसन आदि कलाओं के तीन भेदक तत्व हैं– (1) माध्यम, (2) विषय और (3) पद्धति।
- अरस्तू के ग्रन्थों की संख्या चार सौ बतायी जाती है, जिनमें सर्वप्रमुख तीन हैं– पेरिपोइएतिकेस, तेखनेस रितोरिकेस, वसीयतनामा। दास प्रथा से मुक्ति का प्रथम घोषणा पत्र।

87. देवगिरि को जीतकर दिल्ली आने के बाद चामुंडराय दाहिम ने पृथ्वीराज को किस बात के लिए प्रेरित किया?

(a) रेवातट पर मृगया के लिए
(b) रेवा नदी में नौका विहार के लिए
(c) गुर्जर नरेश से युद्ध के लिए
(d) मुहम्मद गोरी के मान-भंग के लिए

Ans. (a) : देवगिरि को जीतकर दिल्ली आने के बाद चामुण्ड राय दाहिम ने पृथ्वीरात को 'रेवातट पर मृगया (शिकार) के लिए' प्रेरित किया। चंदबरदाई कृत पृथ्वीराज रासो' एक प्रबन्ध काव्य है जिसमें 69 सर्ग/ समय है। यह डिंगल भाषा में रचित है।

- शुक्ल जी ने लिखा है ''चन्दबरदाई हिन्दी के प्रथम महाकवि माने जाते हैं और इनका 'पृथ्वीराज रासो' हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है।''
- 'पृथ्वीराज रासों' में 68 छन्दों का प्रयोग किया गया है। चन्दबरदाई को 'छप्पय छंद' का विशेषज्ञ माना जाता है।
- हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'पृथ्वीराज रासो' को शुक-शुकी संवाद के रूप में रचित माना है।

88. निम्नलिखित में से कवि की दृष्टि से कविता की रचना-प्रक्रिया पर विचार करने वाले पाश्चात्य आलोचक हैं-

(a) प्लेटो (b) अरस्तू
(c) वर्ड्सवर्थ (d) टी.एस. इलिएट

Ans. (c) : कवि की दृष्टि से कविता की रचना-प्रक्रिया पर विचार करने वाले पाश्चात्य आलोचक 'वर्ड्सवर्थ' है। वर्ड्सवर्थ ने कविता को परिभाषित करते हुए लिखा है- ''कविता प्रबल भावों का सहज उच्छलन है।''
वर्ड्सवर्थ ने काव्य भाषा के सम्बन्ध में तीन मान्यताएँ प्रस्तुत की–
(1) काव्य में ग्रामीणों की दैनिक बोल-चाल की भाषा का प्रयोग होना चाहिए।
(2) काव्य और गद्य की भाषा में कोई तात्विक भेद नहीं है।
(3) प्राचीन कवियों का भावोद्‌बोध जितना सहज था, उनकी भाषा उतनी ही सरल थी। भाषा में कृत्रिमता और आडम्बर बाद के कवियों की देन है।

89. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है:

A. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
B. हिन्दी जाति का साहित्य
C. भारतीय सौन्दर्य बोध और तुलसीदास
D. परंपरा का मूल्यांकन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A, C, B, D (b) D, C, C, A
(c) D, C, B, A (d) A, D, C, A

Ans. (*) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम निम्न है–

ग्रन्थ	-	प्रकाशन वर्ष
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	–	1955 ई.
परम्परा का मूल्यांकन	–	1981 ई.
हिन्दी जाति का साहित्य	–	1986 ई.
भारतीय सौंदर्य बोध और तुलसीदास	–	2001

नोटः- आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर (F) कर दिया है क्योंकि कोई भी विकल्प सही उत्तर नहीं है। सभी रचना रामविलास शर्मा की है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

90. सूची –I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची –I		सूची-II
A	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	I	फागुन दुई रे दिना
B	महावीर प्रसाद द्विवेदी	II	मेरी जन्मभूमि
C	हजारी प्रसाद द्विवेदी	III	कवि और कविता
D	विद्यानिवास मिश्र	IV	जातीय संगीत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-IV, B-II, C-III, D-I
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-II, B-III, C-IV, D-I

Ans. (c) : सूची –I को सूची-II से सुमेलन निम्न है–

सूची-I		**सूची-II**
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	–	जातीय संगीत
महावीर प्रसाद द्विवेदी	–	कवि और कविता
हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	मेरी जन्मभूमि
विद्यानिवास मिश्र	–	फागुन दुई रे दिना।

निम्नलिखित अवतरण ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों (91–95) के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए।

साहित्य के उपासक अपने पैर के नीचे की मिट्टी की उपेक्षा नहीं कर सकते। हम सारे बाह्य जगत को असुन्दर छोड़कर सौंदर्य की सृष्टि नहीं कर सकते। सुंदरता सामंजस्य का नाम है। जिस दुनिया में छोटाई और बड़ाई में , धनी और निर्धन में, ज्ञानी और अज्ञानी में आकाश –पाताल का अंतर हो, वह दुनिया बाह्य सामंजस्यमय नहीं कही जा सकती और इसलिए वह सुन्दर भी नहीं है। इस बाह्य असुन्दरता के 'ढूह' में खड़े होकर आन्तरिक सौन्दर्य की उपासना नहीं हो सकती । हमें उस बाह्य असौन्दर्य को देखना ही पड़ेगा। निरन्न, निर्वसन जनता के बीच खड़े आप परियों के सौन्दर्य-लोक की कल्पना नहीं कर सकते। साहित्य सुन्दर का उपासक है, इसलिए साहित्यिक असामंजस्य को दूर करने का प्रयत्न पहले करना होगा, अशिक्षा और कुशिक्षा से लड़ना होगा, भय और ग्लानि से लड़ना होगा। सौन्दर्य और असौन्दर्य का कोई समझौता नहीं हो सकता । सत्य अपना पूरा मूल्य चाहता है।

91. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर 'सुन्दर दुनिया' का अभिप्राय है:

(a) असुन्दर की अनदेखी और सुन्दर का प्रदर्शन।
(b) विषमता को कम करके बाह्य परिस्थितियों में सामंजस्य स्थापित करना।
(c) अमीर-गरीब, शिक्षित – अशिक्षित और छोटे – बड़े को एक जैसा बनाना ।
(d) दुनिया की बाह्य विषमताओं को समाप्त करके समरसता स्थापित करना।

Ans. (b) : उपर्युक्त अवतरण के आधार पर 'सुन्दर दुनिया' का अभिप्राय है, विषमता को कम करके बाह्य परिसितियों में सामंजस्य स्थापित करना।

92. 'सौंदर्य की सृष्टि' के लिए आवश्यक है:

(a) अपने भूखंड और उसकी सभ्यता – संस्कृति को साथ लेकर चलना
(b) अपनी रचना में धूल – मिट्टी के गुणों का वर्णन करना
(c) रचनाकार का अपने पर्यावरण से असंपृक्त होना
(d) रचनाकार का असुन्दर को जड़ से न मिटाना

Ans. (a) : सौन्दर्य की सृष्टि के लिए आवश्यक है अपने भूखण्ड और उसकी सभ्यता - संस्कृति को साथ लेकर चलना।

93. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर सहित्य का उद्देश्य होना चाहिए:

(a) अशिक्षा – कुशिक्षा और भय – ग्लानि से लड़ने के लिए प्रेरित न करना ।
(b) बाहरी असुन्दरता पर परदा डालकर सौंदर्य लोक का अवतरण करना।
(c) भूखी और अभावग्रस्त जनता के साथ खड़े होकर समाज में बाह्य सामंजस्य स्थापित करना।
(d) निरन्न, निर्वसन और अशिक्षित – कुशिक्षित जनता की समस्याओं की उपेक्षा करना ।

Ans. (c) : उपर्युक्त अवतरण के आधार पर साहित्य का उद्देश्य भूखी और अभावग्रस्त जनता के साथ खड़े होकर समाज में बाह्य सामंजस्य स्थापित करना होना चाहिए।

94. उपर्युक्त अवतरण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन – सी बात सही है?

(a) हमारे देश का अंतर्बाह्य अत्यंत प्रीतिकर है।
(b) हमारा देश इसलिए महान है कि वह अन्दर –बाहर से प्रीतिकर है।
(c) आँख और कान को अच्छा न लगने के बावजूद बौद्धिक दृष्टि से हमारा देश प्रीतिकर है।
(d) आंतरिक दृष्टि से हमारा देश प्रोज्वल है, किन्तु बाह्य रूप से अप्रीतिकर है।

Ans. (d) : उपर्युक्त अवतरण के संबंध में आंतरिक दृष्टि से हमारा देश प्रोज्वल है, किन्तु बाह्य रूप से अप्रीतिकर है। सही कथन है।

95. सौंदर्य और असौंदर्य का कोई समझौता नहीं हो सकता।'' का अभिप्राय है:

(a) असुंदर को कम किए बिना सुन्दर नहीं हुआ जा सकता है।
(b) सुन्दरता और असुन्दरता दोनों विरोधी गुण हैं। दोनों में कभी मेल नहीं हो सकता
(c) सुन्दर बनने के लिए असुन्दर को पूरी तरह समाप्त करना आवश्यक है
(d) सुंदरता और असुन्दरता को अक्षुण्ण रखते हुए मध्यम मार्ग अपनाना

Ans. (a) : ''सौन्दर्य और असौन्दर्य का कोई समझौता नहीं हो सकता।'' का अभिप्राय असुन्दर को कम किए बिना सुन्दर नहीं हुआ जा सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित अवतरण ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों (96 – 100) के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए।

विवाह से पुरुष को तो कुछ छोड़ना नहीं होता और न उनकी परिस्थितियों में कोई अन्तर ही आता है, परन्तु इसके विपरीत स्त्री के लिए विवाह मानो एक परिचित संसार छोड़ कर नवीन संसार में जाना है, जहाँ उसका जीवन सर्वथा नवीन होगा। पुरुष के मित्र, उसकी जीवनचर्या, उसके कर्तव्य सब पहले जैसे ही रहते है वह अनुदार न होने पर भी शिक्षिता पत्नी के परिचित मित्रों, अध्ययन तथा अन्य परिचित दैनिक कार्यों के अभाव को नहीं देख पाता। साधारण परिस्थिति होने पर भी घर में इतर कार्यों से स्त्री को अवकाश रहता है, संयुक्त कुटुम्ब न होने से बड़े परिवार के प्रबन्ध की उलझनें भी नहीं घेरे रहती, उसके लिए पुरुष-मित्र वर्ज्य है, और उसे मित्र बनाने के लिए शिक्षिता स्त्रियाँ कम मिलती है, अतः एक विचित्र अभाव का उसे बोध होने लगता है। कभी-कभी पति के, आने-जाने जैसी छोटी बातों में, बाधा देने पर वह विरक्त भी हो उठती है। अच्छी गृहिणी कहलाने के लिए उसे केवल पति की इच्छा के अनुसार कार्य करने तथा मित्रों और कर्तव्यों से अवकाश के समय उसे प्रसन्न रखने के अतिरिक्त और विशेष कुछ नहीं करना होता, परन्तु यह छोटा-सा कर्तव्य उसके महान अभाव को नहीं भर पता।

96. उपर्युक्त अवतरण के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन – सा कथन सही है?

(a) विवाह से पुरुष की दिनचर्या में काफी बदलाव आ जाता है, क्योंकि घर में पत्नी आ जाती है।
(b) विवाह से पुरुष के कर्तव्यों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है, क्योंकि पत्नी का ध्यान उन पर रहता है।
(c) विवाह से पुरुष को अपने मित्रों की संख्या कम करनी पड़ती है, क्योंकि उसे पत्नी का विशेष ध्यान रखना होता है।
(d) उदार होने पर भी विवाह से पुरुष अपनी शिक्षित पत्नी के परिचित मित्रों के अभाव को महसूस नहीं कर पाता है।

Ans. (d) : उपर्युक्त अवतरण के संदर्भ में सही कथन यह है कि उदार होने पर भी विवाह से पुरुष अपनी शिक्षित पत्नी के परिचित मित्रों के अभाव को महसूस नहीं कर पाता है।

97. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर सही कथन हैं-

(a) विवाह से पुरुष को बहुत कुछ जोड़ना और छोड़ना पड़ता है।
(b) विवाह से पुरुष की परिस्थितियां पहले जैसी नहीं रह जाती हैं, उनमें बड़ा भारी अंतर आ जाता है।
(c) विवाह से पुरुष अपने घर-परिवार में रहता हैं, उसकी परिस्थितियों में खास फर्क नहीं पड़ता है।
(d) विवाह से पुरुष बंधनों में ऐसा जकड़ जाता है कि उसे पहले जैसी आजादी नसीब नहीं होती है।

Ans. (c) : उपर्युक्त अवतरण के आधार पर सही कथन है– विवाह से पुरुष अपने घर -परिवार में रहता है, उसकी परिस्थितियों में खास फर्क नहीं पड़ता है।

98. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन – सा कथन सही है:

(a) स्त्री के बड़े से बड़े अभाव को सास – ससुर के प्रति उसका कर्तव्य – पालन पूरा नहीं कर पाता है।
(b) स्त्री के बड़े अभाव को पति की इच्छापूर्ति और उसके प्रति कर्तव्य निर्वाह पूरा नहीं कर पाता है।
(c) स्त्री बड़े अभाव को अपने माता-पिता की इच्छा का आदर, आज्ञा का पालन पूरा नहीं कर पाता है।
(d) स्त्री के बड़े अभाव को अपने भाई - बहनों के प्रति प्रेम और कर्तव्य – निर्वाह पूरा नहीं कर पाता है।

Ans. (b) : उपर्युक्त अवतरण के आधार पर सही कथन यह है कि स्त्री के बड़े अभाव को पति की इच्छापूर्ति और उसके प्रति कर्तव्य निर्वाह पूरा नहीं कर पाता है।

99. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में सही कथन है-

(a) विवाह स्त्री को एक ऐसे घर – परिवार का सदस्य बना देता है, जिससे वह पहले से परिचित होती है।
(b) विवाह स्त्री को एक ऐसे घर – परिवार में ले जाता है, जहाँ उसको कोई नवीन अनुभव नहीं होता है।
(c) विवाह स्त्री को उसके चिर – परिचित घर- परिवार को छोड़कर एक – दूसरे घर - परिवार में ले जाकर उसके जीवन को नये अनुभव से संपन्न कराता है।
(d) विवाह स्त्री को एक – ऐसे घर – परिवार का हिस्सा बना देता है जिसमें सर्वथा लोकेतर अनुभव होता है।

Ans. (c) : उपर्युक्त अवतरण के आधार पर सही कथन यह है कि विवाह स्त्री को उसके चिर-परिचित घर परिवार को छोड़कर एक - दूसरे घर-परिवार में ले जाकर उसके जीवन को नये अनुभव से सम्पन्न कराता है।

100. उपर्युक्त अवतरण के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन – सा कथन सही है:

(a) स्त्री के घर के बाहर – भीतर आने – जाने जैसी छोटी – छोटी बातों में अक्सर पति के रोक – टोक के कारण स्त्री विरक्त जो जाती है।
(b) घर के बाहर – भीतर पति के माता – पिता के व्यवधान डालने के कारण स्त्री विरक्त हो जाती है।
(c) घर के बाहर – भीतर आने – जाने जैसी छोटी – छोटी बातों पर सास – ननद के प्रायः टोकने पर स्त्री विरक्त हो जाती है।
(d) स्त्री के घर के बाहर – भीतर आने – जाने जैसी सामान्य बातों पर कभी – कभार टोंकने पर स्त्री विरक्त हो जाती है।

Ans. (d) : उपर्युक्त अवतरण के संदर्भ में स्त्री के घर के बाहर-भीतर आने -जाने जैसी सामान्य बातों पर कभी-कभार टोकने पर स्त्री विरक्त हो जाती है। सही कथन है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. NTA नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2021/जून-2022
हिन्दी (Hindi)

व्याख्या सहित द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 30.09.2022 SH-II)

1. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से अज्ञेय के निम्नलिखित काव्य संग्रहों का सही अनुक्रम है:
(A) सागर मुद्रा
(B) नदी की बाँक पर छाया
(c) आँगन के पार द्वार
(d) पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) C, A, D, B (b) A, B, C, D
(c) D, C, B, A (d) B, D, A, C

Ans. (A) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से अज्ञेय के काव्य संग्रहों के सही अनुक्रम निम्न हैं-

रचना	प्रकाशन वर्ष
आँगन के पार द्वार	1961 ई०
सागर मुद्रा	1970 ई०
पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ	1973 ई०
नदी की बाँक पर छाया	1981 ई०

2. छायावाद के बारे में सही कथन है-
(A) छायावाद के जन्म में रीतिवाद का विरोध नहीं था।
(B) रीतिकालीन अतिशय शृंगारिकता के कारण छायावाद का जन्म हुआ।
(C) छायावाद जहाँ तक आध्यात्मिक प्रेम लेकर चला है वहाँ तक तो रहस्यवाद के ही अन्तर्गत रहा है।
(D) मानवतावादी दृष्टि के पेट से ही काव्य में छायावाद का जन्म हुआ।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल C और D (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल A और D

Ans. (a) : छायावाद के बारे में सही कथन (विकल्प c और d) है- छायावाद जहाँ तक आध्यात्मिक प्रेम लेकर चला है वहाँ तक तो रहस्यवाद के ही अन्तर्गत रहा है तथा मानवतावादी दृष्टि के पेट से ही काव्य में छायावाद का जन्म हुआ।

3. ''क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि नारी परीक्षा नहीं चाहती, प्रेम चाहती है। परीक्षा गुणों को अवगुण, सुन्दर को असुंदर बनाने वाली चीज है: प्रेम अवगुणों को गुण बनाता है, असुंदर को सुन्दर।''
उपर्युक्त संवाद 'गोदान' के किन पात्रो के मध्य हुआ है?
(a) मालती और मेहता (b) धनिया और होरी
(c) झुनिया और गोबर (d) गोविन्दी और खन्ना

Ans. (a) : ''क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि नारी परीक्षा नहीं चाहती, प्रेम चाहती है। परीक्षा गुणों को अवगुण, सुन्दर को असुन्दर बनाने वाली चीज है: प्रेम अवगुणों को गुण बनाता है, असुन्दर को सुन्दर।'' उपर्युक्त संवाद गोदान उपन्यास के पात्र 'मालती और मेहता' के मध्य हुआ है। गोदान (1936 ई0) उपन्यास के लेखक मुंशी प्रेमचन्द हैं। इस उपन्यास के अन्य प्रमुख पात्र हैं- होरी, धनिया, झुनिया, गोबर, दातादीन, गोविन्दी, खन्ना, रायसाहब आदि।

4. 'मानस का हंस' उपन्यास में वर्णित है-
(A) राम और काम का द्वन्द्व
(B) पत्नी के प्रति अतिशय आसक्ति
(C) सांसारिकता के प्रति पुनः आसक्ति
(D) काशी की वेश्या के प्रति तुलसी का सफल प्रेम
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल (A) और (C) (b) केवल (B) और (D)
(c) केवल (A) और (B) (d) केवल (A) और (D)

Ans. (c) : 'मानस का हंस' उपन्यास में राम और काम का द्वन्द्व तथा पत्नी के प्रति अतिशय आशक्ति का भाव वर्णित है। 'मानस का हंस (1972 ई0)' उपन्यास के लेखक अमृतलाल नागर हैं। यह उपन्यास तुलसीदास के जीवन एवं व्यक्तित्व पर आधारित है। नागर जी द्वारा लिखित अन्य उपन्यास हैं।- महाकाल (1947) सेठ बाँके लाल (1955), बूंद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959) सुहाग के नुपूर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघट वाला मुखड़ा (1968), एकदानैमिषारण्ये (1972), नाच्यौं बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981), बिखरे तिनके (1982), करवट (1985), पीढ़ियाँ (1990)।

5. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता सिर्फ गौण कल्पना की है?
(a) अचेतन (b) संघटन
(c) अनैच्छिक (d) विघटन

Ans. (d) : 'विघटन' गौड़ कल्पना की विशेषता है। कॉलरिज ने कल्पना के दो भेद किये हैं- 1. मुख्य कल्पना 2. गौड़ कल्पना कॉलरिज के अनुसार मुख्य कल्पना अचेतन और अनैच्छिक है, यह केवल निर्माण और संघटन का कार्य करती है। जबकि गौड़ कल्पना चेतन और ऐच्छिक है, यह विघटन-संघटन और विनाश तथा निर्माण दोनों कार्य करती है।

6. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का केंद्रीय विषय है-
(A) उदात्त प्रेम
(B) लोक संस्कृति का सजीव और रससिक्त अंकन
(C) वैशाली और तक्षशिला गणराज्यों का इतिहास
(D) ईसा पूर्व बौद्धकालीन भारत की संस्कृति

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल B और D (d) केवल A और D

Ans. (a) : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का केन्द्रीय विषय- उदात्त प्रेम तथा लोक संस्कृति का सजीव और रससिक्त का अंकन है। बाणभट्ट की आत्मकथा (1946 ई0) उपन्यास के लेखक हजारीप्रसाद द्विवेदी हैं। इस उपन्यास के प्रमुख पात्र हैं- बाणभट्ट निपुणिका (निउनिया)। चारुचन्द लेख (1963 ई0), पुनर्नवा (1973 ई0), अनामदास का पोथा (1976 ई0) आदि इनके अन्य उपन्यास हैं।

7. "यह एक ऐसा 'इतिहास' है जो लोक मानस की भागीरथी के साथ बहता, पनपता और फैलता है और जन सामान्य के सांस्कृतिक पुख्तापन में जिन्दा रहता है।" उपर्युक्त वक्तव्य निम्नलिखित में से किस उपन्यास के आरम्भ में रचनाकार के द्वारा लिखा गया है?

(a) जिंदगीनामा (b) दिलोदानिश
(c) समय सरगम (d) मित्रो मरजानी

Ans. (a) : "यह एक ऐसा इतिहास है जो लोक मानस की भागीरथी के साथ बहता, पनपता और फैलता है और जन सामान्य के सांस्कृतिक पुख्तापन में जिन्दा रहता है।" उपर्युक्त वक्तव्य 'जिन्दगीनामा' उपन्यास के आरम्भ में रचनाकार के द्वारा लिखा गया है।' जिन्दगीनामा (1979 ई0) उपन्यास की लेखिका 'कृष्णा सोबती' है। इनके द्वारा लिखित अन्य औपन्यासिक कृतियां हैं- मित्रो मरजानी (1967 ई0), सूरजमुखी अंधेरे के (1972 ई0), दिलोदानिश (1993 ई0), सरगम (2000 ई0) आदि।

8. सूची- I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची- I		सूची- II
A.	विलियम वड्र्सवर्थ	I.	सच्ची आलोचना का लक्ष्य कवि नहीं, कविता है।
B.	टी. एस. इलियट	II.	मन आवेगों का तंत्र है।
C.	आई. ए. रिचड्र्स	III.	गौण कल्पना वस्तु और रूप में संगति स्थापित करती है।
D.	कोलरिज	IV.	गद्य और काव्य की भाषा में भेद नहीं है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-I, C-III, D-IV
(c) A-IV, B-I, C-II, D-III
(d) A-IV, B-II, C-I, D-III

Ans. (c) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन निम्न है-

विलियम वड्र्सवर्थ	-	गद्य और काव्य की भाषा में भेद नहीं
टी0एस0 इलियट	-	सच्ची आलोचना का लक्ष्य कवि नहीं कविता है।
आई0ए0 रिचड्र्स	-	मन आवेगों का तंत्र है।
कॉलरिज	-	गौण कल्पना वस्तु और रूप में संगति स्थापित करती हैं।

9. यह आख्यान इतना प्राचीन है कि इतिहास में रूपक का अद्भुत मिश्रण हो गया है। इसीलिए मनु, श्रद्धा और इड़ा इत्यादि अपना ऐतिहासिक अस्तित्व रखते हुए सांकेतिक अर्थ की भी अभिव्यक्ति करें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं। मनु अर्थात् मन के दोनों पक्ष हृदय और मस्तिष्क का संबंध क्रमशः श्रद्धा इड़ा से भी सरलता से लग जाता है।"
'कामायनी' के बारे में उपर्युक्त पंक्तियाँ किसकी हैं?

(a) नंददुलारे वाजपेयी
(b) जयशंकर प्रसाद
(c) गजानन माधव मुक्तिबोध
(d) प्रेमशंकर

Ans. (b) : "यह आख्यान .... लग जाता हैं। कामायनी के बारे में उपर्युक्त पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद की हैं। जयशंकर प्रसाद छायावाद युग के कवि हैं, इनके द्वारा रचित कामायनी महाकाव्य में 15 सर्ग हैं- चिन्ता, आशा, श्रद्धा, काम वासना, लज्जा, कर्म, ईर्ष्या, इड़ा, स्वप्न, संघर्ष, निर्वेद, दर्शन, रहस्य, आनन्द।

10. 'मेरठ में सर्वसुख नामक एक अग्रवाल बनिया था' - इस वाक्य से आरम्भ होने वाली कथा कृति कौन सी है?

(a) वामा शिक्षक
(b) भाग्यवती
(c) निस्सहाय हिन्दू
(d) देवरानी जेठानी की कहानी

Ans. (d) : 'मेरठ में सर्वसुख नामक एक अग्रवाल बनिया था' इस वाक्य से आरम्भ होने वाली कथा कृति 'देवरानी जेठनी की कहानी' है। 'देवरानी जेठानी की कहानी' उपन्यास के लेखक पं गौरी दत्त है। इस उपन्यास का प्रकाशन 1870 ई0 में हुआ था। डॉ0 गोपाल राय ने इस उपन्यास को हिन्दी का प्रथम उपन्यास माना है। जबकि 'वामा शिक्षक' (1872 ई0) उपन्यास के लेखक ईश्वरी प्रसाद व कल्याण राय तथा 'भाग्यवती' (1877 ई0) उपन्यास के लेखक श्रद्धाराम फिल्लौरी एवं 'निस्सहाय हिन्दू' (1890 ई0) उपन्यास के लेखक राधाकृष्ण दास हैं।

11. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची- I		सूची- II
A.	महाकवि की तर्जनी	I.	हरिशंकर परसाई
B.	आवारा भीड़ के खतरे	II.	शरद जोशी
C.	आस्था और सौन्दर्य	III.	कुबेरनाथ राय
D.	रहा किनारे बैठ	IV.	रामविलास शर्मा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-III, B-I, C-IV, D-II
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-II, B-III, C-IV, D-I

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b)

सूची-I		सूची-II
महाकवि की तर्जनी	-	कुबेरनाथ राय
आवारा भीड़ के खतरे	-	हरिशंकर परसाई
आस्था और सौन्दर्य	-	रामविलास शर्मा
रहा किनारे बैठ	-	शरद जोशी

12. 'आकाशदीप' कहानी के वर्ण्य विषय हैं?

(A) आत्मसमर्पण

(B) पिता की हत्या का प्रतिशोध

(C) प्रच्छन्न प्रेम

(D) पुरुष की निरंकुशता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल B और C (b) केवल A और B
(c) केवल A और D (d) केवल B और D

Ans. (a) : 'आकाशदीप' कहानी का वर्ण्य विषय-पिता की हत्या का प्रतिशोध तथा प्रच्छन्न प्रेम है। इस कहानी संग्रह के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। जिसका प्रकाशन 1929ई0 भारती भंडार इलाहाबाद से हुआ था। इसमें संकलित कहानियों की संख्या उन्नीस है। आकाशदीप कहानी की मुख्य पात्र 'चम्पा' तथा 'बुद्ध गुप्त' है।

13. 'सुखिया सब संसार है खाये अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है जागे अरु रोवै।।'
इस कविता के सही प्रतिपाद्य हैं-

(A) संसार के सभी लोग भौतिक रूप से सुखी और समृद्ध हैं।

(B) आर्थिक अभाव के कारण कबीर दुखी थे।

(C) कबीर को संसार की नश्वरता का बोध था, इसलिए उनमें इससे मुक्त होने की तड़प थी।

(D) दुनिया के लोग संसार की नश्वरता के बारे में जानते हुए भी बेपरवाह थे।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और C (b) केवल B और D
(c) केवल C और D (d) केवल A और D

Ans. (c) : 'सुखिया सब संसार है खाये अरु सोवै। दुखिया दास कबीर है जागे अरु रोवै।।'' इस कविता का सही प्रतिपाद्य है कि कबीर को संसार की नश्वरता का बोध था, इसलिए उनमें इससे मुक्त होने की तड़प थी, दुनिया के लोग संसार की नश्वरता के बारे में जानते हुए भी बेपरवाह हैं। कबीरदास एक महान संत, समाज सुधारक, कवि थे। इनकी प्रमुख रचनाएं - साखी, सबद तथा रमैनी है।

14. निम्नलिखित में से आर्यभाषाओं में शामिल नहीं है?

(a) यूनानी (b) लैटिन
(c) प्राकृत (d) तुर्की

Ans. (d) : 'तुर्की' आर्यभाषा परिवार में शामिल नहीं है। 'तुर्की' तुरानी परिवार की भाषा है इसके अन्तर्गत चीनी,जापानी, द्राविड़ी, मुगली आदि भाषा आती है। जबकि यूनानी, लैटिन तथा प्राकृत आर्य भाषा परिवार की भाषाएं हैं।

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A: उत्तर-आधुनिकता मानव- यथार्थ की सम्पूर्णता की अवधारणा का खण्डन करती है।

कारण R: क्योंकि मानव- यथार्थ विखण्डित, बहुवाची और परिवर्तनशील है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

Ans. (a) : अभिकथन (A) उत्तर-आधुनिकता मानव-यथार्थ की सम्पूर्णता की अवधारणा का खण्डन करती है। कारण (R) क्योंकि मानव-यथार्थ विखण्डित, बहुवाची और परिवर्तनशील है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में कथन (A) और (R) दोनों सही है और (R),(A) की सही व्याख्या है।

16. हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा नहीं है-

(a) नीड़ का निर्माण फिर
(b) आज के अतीत
(c) क्या भूलूं क्या याद करुं
(d) बसेरे से दूर

Ans. (b) : 'आज के अतीत' हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा नहीं है। 'आज के अतीत' (2003) आत्मकथा के लेखक भीष्म साहनी है। हरिवंश राय बच्चन को हिन्दी साहित्य में हालावाद का प्रवर्तक माना जाता है। इनकी आत्मकथा चार भागों में विभक्त है- 1. क्याभूलूँ क्या याद करूँ (1969), नीड़ का निर्माण फिर (1970), बसेरे से दूर (1978) दश द्वारा से सोपान तक (1985)।

17. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची-I		सूची-II
A.	परीक्षा गुरु	I.	गोविन्दी
B.	देवरानी जेठानी की कहानी	II.	लाला मदनमोहन
C.	शेखर एक जीवनी	III.	सर्वसुख बनिया
D.	गोदान	IV.	शारदा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-III, C-IV, D-I
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-III, B-I, C-II, D-IV
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a)

सूची-I		**सूची-II**
परीक्षा गुरु	-	लाला मदनमोहन
देवरानी जेठानी की कहानी	-	सर्वसुख बनिया
शेखर एक जीवनी	-	शारदा
गोदान	-	गोविन्दी

18. निम्नलिखित में तत्सम शब्द नहीं है-

(a) आज्ञा (b) राय
(c) सर्व (d) स्वामी

Ans. (b) : 'राय' तत्सम शब्द नहीं है। 'राय' तद्भव शब्द है, इसका तत्सम रुप 'राजा' होता है। जबकि आज्ञा, सर्व तथा स्वामी तत्सम शब्द है। वे शब्द जो संस्कृत से निकल हिन्दी में ज्यों के त्यों (बिना परिवर्तन के) प्रयोग हो रहे हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। दिये गये अन्य विकल्पों का तत्सम- तद्भव रुप इस प्रकार हैं- आज्ञा-आन, सर्व-सब, स्वामी-सांई।

19. 'आए जोग सिखावन पाँड़े। ...' पद से संबंधित सही तथ्य हैं-

(A) गोपियाँ खुश होकर कहती हैं कि पंडित जी हमें ज्ञान देने आए हैं।

(B) हमारे परम धाम कृष्ण हैं और हम सब उन्हीं से प्रेम करती हैं।

(C) दूध-घी और भात खाने से भूख मिटती है, हवा खाने से नहीं।

(D) गोपियाँ कहती हैं कि उद्धव जी हमारे गाँव में चोर पकड़ने आए हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (b) : 'आए जोग सिखावन पाण्डे। ...... पद से सम्बन्धित सही तथ्य यह है कि गोपियां उद्धव को तंज कसते हुए कहती हैं, हे उद्वव हमें निर्गुण ब्रह्म की शिक्षा मत दो, हमारे परम धाम कृष्ण है और हम सब उन्हीं (सगुण रूप से) से प्रेम करती है। हे उद्वव दूध - धी भात खाने से भूख मिटती है, हवा खान से नहीं। उक्त पद भ्रमरगीत सार से लिया गया है, जिसके रचयिता आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हैं।

20. ''शुद्ध प्रेममार्गी सूफी कवियों की शाखा में सबसे प्रसिद्ध जायसी हुए, जिनकी 'पद्मावत' हिंदी काव्यक्षेत्र में एक अद्भुत रत्न है।''

जायसी और उनकी पद्मावत के बारे में उपर्युक्त मत किसका है?

(a) जॉर्ज ग्रियर्सन
(b) विजयदेव नारायण साही
(c) रामचंद्र शुक्ल
(d) श्यामसुंदर दास

Ans. (c) : ''शुद्व प्रेममार्गी सूफी कवियो की शाखा में सबसे प्रसिद्ध जायसी हुए, जिनकी पद्मावत हिन्दी काव्य क्षेत्र में एक अद्भुत रत्न है।'' जायसी और उनकी पद्मावत के बारे में उपर्युक्त मत आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। 'पद्मावत' का नागमती वियोग खण्ड हिन्दी साहित्य की अनुपम निधि है। विजयदेव नारायण शाही ने 'पद्मावत' को हिन्दी में अपने ढंग की अकेली ट्रेजिक कृति कहा है।

21. 'धरती धन न अपना' उपन्यास आधारित है-

(A) पंजाब की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर

(B) दलित जीवन पर

(C) स्वाधीनता आंदोलन पर

(D) आपातकाल पर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और C (b) केवल B और D
(c) केवल A और B (d) केवल B और C

Ans. (c) : 'धरती धन न अपना' पंजाब की ग्रामीण पृष्ठभूमि एवं दलित जीवन पर आधारित उपन्यास है। इस उपन्यास के लेखक जगदीशचन्द्र है। जगदीश चन्द्र प्रगतिवादी उपन्यासकार है। इनकी अन्य औपन्यासिक रचनाएँ निम्न हैं- यादो का पहाड़ (1966), आधा-पुल(1973), कभी न छोड़े खेत (1976), मुट्ठीभर काँकर (1976), टुंडालाट (1978), घास गोदाम (1985), नरक कुण्ड में वास(1994), लाट की वापसी (2000), जमीन तो अपनी थी (2001) आदि।

22. 'आवारा मसीहा' में शरतचंद्र का जन्म-स्थान कहाँ दर्शाया गया है?

(a) देवानन्दपुर (b) भागलपुर
(c) बसन्तपुर (d) कृष्णपुर

Ans. (a) : 'आवारा मसीहा' में शरतचंद्र का जन्म-स्थान देवानन्दपुर में दर्शाया गया है। 'आवारा मसीहा (1974 ई0) शरतचन्द्र की जीवनी है, इसके लेखक विष्णु प्रभाकर हैं।

23. ''काम-मंगल से मंडित श्रेय, सर्ग इच्छा का है परिणाम,

तिरस्कृत कर उसको तुम भूल बनाते हो असफल भव धाम।

उपर्युक्त छंद से स्पष्ट है कि प्रसाद ने-

(a) निवृत्ति मार्ग का प्रतिपादन किया है।
(b) प्रवृत्ति मार्ग का प्रतिपादन किया है।
(c) निराशा और कुंठा को महत्व दिया है।
(d) काम का गर्हित बताया है।

Ans. (b) : ''काम मंगल से मंडित श्रेय, सर्ग इच्छा का है परिणाम,तिरस्कृत कर उसको तुम भूल बनाते हो असफल भव धाम'' उपर्युक्त छंद प्रसाद द्वारा रचित 'कामायनी' (1935 ई0), महाकाव्य के श्रद्धा सर्ग से उद्धित है। इस महाकाव्य में 15 सर्ग हैं, जो निम्न हैं- चिंता, आशा, श्रद्धा, काम, वासना, लज्जा, कर्म, ईर्ष्या, इड़ा, स्वप्न, संघर्ष, निर्वेद, दर्शन, रहस्य, आनन्द।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. निम्नलिखित अस्तित्ववादी चिन्तकों में से किसने 'सुपरमैन' की कल्पना की है?

(a) कीर्कगार्ड (b) सार्त्र
(c) फ्रेडरिक नीत्शे (d) अल्बर्ट कामू

Ans. (c) : अस्तित्व वादी चिन्तकों में फ्रेडरिक नीत्शे ने 'सुपरमैन' की कल्पना की है। फेडरिक नीत्शे जर्मनी का दार्शनिक था। मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद एवं परिघटना-मूलक चिन्तक के विकास में नीत्से की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नीत्से वह विचारक है जिसने कहा था 'ईश्वर मर चुका है' और 'दूसरे से जलना अच्छा हैं। नीत्से के विचार देवत्व की स्थापना को खारिज करते है और मनुष्यता को सभ्यता के सर्वश्रेष्ठ सोपान पर स्थापित करते हैं। इनकी प्रमुख रचना 'जरथुस्त्र की वाणी' तथा 'मूल्यों की परम्परा' है।

25. 'परिवर्तन' कविता में पन्त के अनुसार परिवर्तन है:

(a) नायक (b) नर्तक
(c) निर्देशक (d) विदूषक

Ans. (a) : 'परिवर्तन' कविता मे पन्त के अनुसार परिवर्तन 'नायक' है। सुमित्रा नन्दन पंत हिन्दी साहित्य में छायावाद युग के चार स्तम्भों में से एक है। इनका जन्म कौसानी के बागेश्वर में हुआ था।'परिवर्तन' कविता 1924 ई0 में लिखी गयी थी। यह कविता रोला छन्द में रचित एक लम्बी कविता है। यह कविता 'पल्लव' नामक काव्य संग्रह में संकलित है।

26. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A: देरिदा की दृष्टि में पाठ के अर्थ-निर्धारण के लिए पाठक की मनोसंरचना उत्तरदायी हैं।

कारण (R): क्योंकि पाठक की मानसिक बनावट अपने ढंग से अर्थ ग्रहण करती है। इसलिए पाठ के अर्थ का सामान्यीकरण संभव नहीं है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही है और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

Ans. (a) : अभिकथन देरिदा की दृष्टि में पाठ के अर्थ-निर्धारण के लिए पाठक को मनोसंरचना उत्तरदायी है। कारण (R) क्योंकि पाठक की मानसिक बनावट अपने ढंग से अर्थ ग्रहण करती हैं इस लिए पाठ के अर्थ का सामान्यी करण संभव नहीं है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में कथन (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।

27. 'तमस' उपन्यास में वर्णित है-

(A) प्रथम स्वतंत्रता संग्राम
(B) विभाजन की पृष्ठभूमि
(C) सांप्रदायिक विद्वेष
(D) अंग्रेजों की दयनीय स्थिति

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और D (d) केवल B और C

Ans. (d) : 'तमस' उपन्यास में विभाजन की पृष्ठभूमि और साम्प्रदायिक विद्वेष वर्णित है। 'तमस' (1973 ई0) उपन्यास के लेखक भीष्म साहनी है। इनके द्वारा लिखित अन्य औपन्यासिक कृतियां हैं- झरोखा (1967 ई0), कड़िया (1970 ई0), वसंती (1980 ई0), मय्यादास की माड़ी (1988 ई0), कुंतो (1993 ई0), नीलू नीलिया नीलोफर (2000 ई0) आदि।

28. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से विदृयानिवास मिश्र के निबंध संग्रहों का सही अनुक्रम है-

(A) लागौ रंग हरी
(B) परम्परा बंधन नहीं
(C) आँगन का पंछी बंजारा मन
(D) छितवन की छाँह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) B, C, A, D (b) D, C, B, A
(c) A, B, C, D (d) D, B, C, A

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम निम्न हैं-

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष
छितवन की छांह	1953 ई0
आँगन के पंछी बंजारा मन	1963 ई0
परम्परा बंधन नहीं	1976ई0
लागौ रंग हरी	1985 ई0

29. 'राजा निरबंसिया' कहानी के पात्र हैं-

(A) महेस पांडे **(B) बचन सिंह**
(C) सरदारी लाल **(D) जगपती**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और D
(c) केवल B और C (d) केवल A और C

Ans. (b) : 'बचन सिंह' और 'जगपती' राजा निरबंसिया कहानी के पात्र है। राजा निरबंसिया (1957 ई0) कहानी के लेखक कमलेश्वर है। इस कहानी के अन्य पात्र-चन्दा, दयाराम, भटियारिन आदि। कमलेश्वर द्वारा लिखित अन्य कहानियां है कस्बे का आदमी (1958 ई0), खोई हुई दिशाएं (1963 ई0), मांस का दरिया (1966 ई0) बयान (1973 ई0), आजादी मुबारक (2002 ई0) आदि।

30. चंद्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा रचित कहानी नहीं है।

(a) कछुआ धर्म (b) उसने कहा था
(c) बुद्धु का कांटा (d) सुखमय जीवन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : 'कछुआ धर्म' चन्द्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा रचित कहानी नहीं है। 'कछुआ धर्म' गुलेरी जी द्वारा लिखित निबन्ध है। इनके द्वारा लिखित अन्य निबन्ध- 'मारेसि मोहि कुठाव' है। जबकि सुखमय जीवन (1911 ई0), तथा उसने कहा था (1915 ई0) गुलेरी जी द्वारा रचित कहानियां है। उसने कहा था' प्रथम विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखी गई प्रेम संवेदना की कहानी है।

31. निर्मल वर्मा द्वारा रचित कहानी नहीं है-

(a) अँधेरे में (b) दूसरी दुनिया
(c) पिछली गर्मियों में (d) बादलों के घेरे में

Ans. (d) : 'बादलों के घेरे में, निर्मल वर्मा द्वारा रचित' कहानी नहीं है। 'बादलों के घेरे (1980 ई0), कहानी के लेखक कृष्णा सोबती है। जबकि अँधेरे में, दूसरी दुनिया तथा 'पिछली गर्मियों में' निर्मल वर्मा द्वारा रचित कहानियां हैं। इनके द्वारा रचित अन्य कहानियां हैं- जलती झाड़ी (1965 ई0), बीच बहस में (1973 ई0), कव्वे और कालापानी (1983 ई0), परिन्दे (1960 ई0) आदि।

32. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है-

(a) राग दरबारी
(b) अंधेरे बंद कमरे
(c) बाणभट्ट की आत्मकथा
(d) मैला आंचल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, D (b) B, C, D, A
(c) D, C, B, A (d) C, D, B, A

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम हैं-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946 ई0
मैला आंचल	1954 ई0
अंधेरे बन्द कमरे	1961 ई0
रागदरबारी	1968 ई0

33. ''समस्त मानव जीवन के प्रवर्तक भाव या मनोविकार ही होते हैं, मनुष्य की प्रवृत्तियों की तह में अनेक प्रकार के भाव ही प्रेरक के रूप में पाए जाते हैं। शील या चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए।''

उपर्युक्त पंक्तियाँ किस निबंध से उद्धृत हैं?

(a) कविता क्या है
(b) भाव या मनोविकार
(c) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
(d) तुम चन्दन हम पानी

Ans. (b) : ''समस्त मानव जीवन .... समझना चाहिए। उपर्युक्त पंक्तियां भाव एवं मनोविकार निबन्ध से उद्धृत है। 'भाव एवं मनोविकार निबंध के आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हैं। यह निबन्ध चिन्तामाणि (भाग-1) में संकलित हैं। शुक्ल जी द्वारा रचित अन्य निबन्ध हैं- उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, करूणा, लज्जा और ग्लानि, लोभ और प्रीति, घृणा, ईर्ष्या, भय, क्रोध, कविता क्या है आदि। जबकि 'मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है' निबन्ध के लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी तथा 'तुम चन्दन हम पानी' निबन्ध के लेखक विद्यानिवास मिश्र है।

**34. ''जेहि न मित्र, दुख होंहि दुखारी
तिन्हहि विलोकत पातक भारी''**

उपर्युक्त चौपाई का सही अर्थ है-

(A) जो मित्रों के दुख से दुखी नहीं होता उसे देखना भी पाप है।
(B) मित्रों के दुख से दुखी होना उचित होते हुए भी जरूरी नहीं है।
(C) मित्रता ऐसी हो जिसमें लाभ-हानि की भावना छिपी हो।
(D) मित्रता का निर्वहन न करने वाले को देखना भी पाप है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और D (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल B और D

Ans. (a) : 'जेहि न मित्र, दुख होंहि दुखारी
तिन्हहि विलोकत पातक भारी।''
उपर्युक्त चौपाई का सही अर्थ है- जो मित्रों के दुःख से दुखी नहीं होता, उसे देखना भी पाप है और मित्रता का निर्वहन न करने वाले को देखना भी पाप है। उक्त चौपाई तुलसीदास कृत रामचरित मानस से उद्धृत है।

35. शाब्दी व्यंजना के प्रकार हैं-

(A) आर्थी व्यंजना **(B) लक्षणामूला**
(C) अभिधामूला **(D) लक्ष्य संभवा**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल A और D (d) केवल C और D

Ans. (b) : शाब्दी मूला व्यंजना के दो भेद हैं-
1. अमिधा मूला 2. लक्षणा मूला
अभिधा मूला शाब्दी व्यंजनाः अभिधा शब्द शक्ति द्वारा अनेकार्थी शब्द में एक अर्थ निश्चित हो जाने पर जिस शक्ति के द्वारा अन्यार्थ का ज्ञान होता है, उसे अभिधा मूलाशाब्दी व्यंजना कहते हैं। जैसेः-
चिरजीवौ जोरी जुरै, क्यों न सनेह गम्भीर।
को घटि ये वृषभानुजा, वे हलधर के वीर।।
लक्षणा मूला शाब्दी व्यंजनाः जहाँ मुख्यार्थ की बाधा होने पर लक्षणा शक्ति से अन्य अर्थ निकलता है, परन्तु उसके बाद भी दूसरा अर्थ प्राप्त होता है, वहाँ पर लक्षणा मूला शाब्दी व्यंजना होती हैः जैसे-
फली सकल मन कामना, लट्यौं अगणित चैन।
आजु अँचै हरि रूप सखि, भये प्रफुल्लित नैन।।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. प्लेटो के निम्नलिखित ग्रंथों में आलोचनात्मक सामग्री की दृष्टि से कौन-सा ग्रंथ अधिक उपादेय नहीं है?

(a) फिलेबुस (b) फेद्रुस
(c) इओन (d) रिपब्लिक

Ans. (a) : प्लेटो के ग्रंथो में आलोचनात्मक सामग्री की दृष्टि से 'फिलेबुस' ग्रंथ अधिक उपादेय नहीं है। जबकि फेद्रुस, इओन तथा रिपब्लिक आलोचनात्मक सामग्री की दृष्टि से उपादेय है।

37. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A): स्त्री- संस्कृति में स्त्री पाठ का विवेचन - विश्लेषण आवश्यक है।

कारण (R): क्योंकि स्त्री, संस्कृति पितृ- सत्तात्मक संस्कृति से भिन्न अभिधान है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही हैं, लेकिन (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

Ans. (a) : अभिकथन (A) स्त्री संस्कृति के संदर्भ में स्त्री पाठ का विवेचन-विश्लेषण आवश्यक है। कारण (R) क्योंकि स्त्री-संस्कृति पितृ-सत्तात्मक संस्कृति से भिन्न अभिधान है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में कथन (A) और (R) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

38. ''नीरव मुरली, कलरव चुप अलि कुल थे बन्द नलिन में कालिन्दी बही प्रणय की इस तममय हृदय पुलिन में।'' उपर्युक्त छंद से संबंधित सही भाव हैं-

(A) दुखी और अंधकारमय हृदय में प्रेम की कालिन्दी प्रवाहित हो उठी।
(B) प्रेम में आबद्ध व्यक्ति परम शांति और सुख का अनुभव कर रहा है।
(C) दुखी हृदय में व्याप्त अंधेरे को प्रेम की यमुना भी नहीं बहा सकी।
(D) बाँसुरी के स्वर मौन थे, इसलिए भौरे भी गुंजार नहीं कर रहे थे।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और D (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल B और D

Ans. (b) : ''नीरव मुरली, कलरव चुप अलि कुल थे बन्द नलिन में कालिन्दी वह प्रणय की इस तममय हृदय पुलिन में।'' उपर्युक्त छन्द से सम्बन्धित सही भाव है- दुःखी और अंधकारमय हृदय में प्रेम की कालिन्दी प्रवाहित हो उठी और प्रेम में आबद्ध व्यक्ति परम शांति और सुख का अनुभव कर रहा है। उक्त छन्द जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'आँसू' काव्य से उद्धृत है।

39. सूची- I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

	सूची-I		सूची- II
A.	मैं तुम्हारे हाथ का लीला-कमल हूँ, प्राण के सर में उतरना चाहता हूँ।	I.	धूमिल
B.	वे इस कदर पस्त है: कि तटस्थ हैं।	II.	मुक्तिबोध
C.	क्योंकि बहना रेत होना है। हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।	III.	रामधारी सिंह दिनकर
D.	सब चुप/साहित्यिक चुप और कविजन निर्वाक/चिंतक, शिल्पकार, नर्तक चुप हैं	IV.	अज्ञेय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-IV, C-III, D-II
(b) A-III, B-I, C-IV, D-II
(c) A-I, B-II, C-III, D-IV
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

Ans. (b) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन हैं-

सूची-I		सूची-II
मैं तुम्हारे हाथ का लीला-कमल हूँ।	-	रामधारी सिंह 'दिनकर'
वे इस कदर परस्त है: कि तटस्थ हैं।	-	धूमिल
क्योंकि बहना रेत होना है। हम बहेंगें तो रहेंगे ही नहीं।।	-	अज्ञेय
सब चुन/साहित्यिक चुप और कविजन निर्वाक/चिंतक, शिल्पकार, नर्तक चुप हैं........	-	मुक्तिबोध

40. यह कथन - 'शक्ति, व्युत्पत्ति और अभ्यास समन्वित रूप में काव्यहेतु हैं' -निम्नलिखित में से किसका है?

(a) हेमचन्द्र (b) मम्मट
(c) दण्डी (d) विश्वनाथ

Ans. (b) : ''शक्ति व्युत्पत्ति और अभ्यास समन्वित रूप में काव्य हेतु हैं'', यह कथन 'मम्मट' का है। निम्नलिखित आचार्यो के काव्य हेतु के सम्बन्ध में कथन-

कथन	आचार्य
प्रतिभा, शास्त्र ज्ञान (व्युत्पत्ति) और अभ्यास तीनों के सम्मिलित रूप को काव्य हेतु माना है।	दण्डी
प्रतिभा काव्य का हेतु है। व्युत्पत्ति और अभ्यास प्रतिभा के संस्कार हैं।	हेमचन्द्र

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

41. ''युगों के अनवरत प्रवाह में बड़े-बड़े साम्राज्य बह गए, संस्कृतियाँ लुप्त हो गयी जातियाँ मिट गयी', संसार में अनेक असंभव परिवर्तन संभव हो गए, परन्तु भारतीय स्त्रियों के ललाट में विधि की वज्रलेखनी से अंकित अदृष्ट लिपि नही धुल सकी।''
उपर्युक्त पंक्तियों के रचनाकार हैं-

(a) सुभद्राकुमारी चौहान (b) महादेवी वर्मा
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

Ans. (b) : ''युगों के अनवरत प्रवाह .... लिपि नहीं धुल सकी। उपर्युक्त पंक्तियों के रचनाकार महादेवी वर्मा हैं उक्त पंक्तियां महादेवी वर्मा कृत 'शृंखला की कड़िया' नामक निबन्ध से उद्धृत है। इनके द्वारा रचित अन्य निबन्ध हैं- -विवेचनात्मक गद्य (1942 ई0)' 'साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध (1962 ई0) और 'संकल्पिता (1969 ई0)' आदि।

42. ''पौन चलत वह देह बढ़ावे। जल पीवत वह जीव गंवावे। है वह प्यारी सुन्दर नार। नार नहीं पर है वह नार॥'' इस पहेली का सही उत्तर है-

(a) स्त्री (b) लता
(c) नाली (d) आग

Ans. (d) : ''पौन चलत वह देह बढावे, जल पीवत वह जीव गवावें है। वह प्यारी सुन्दर नार। नार नहीं पर वह है नार।।'' इस पहेली का सही सही उत्तर 'आग' है। यह अमीर खुसरों कृत मुकरियां से उद्घृत है। मुकरी का अर्थ उसके अन्दर ही निहित होता है। यहां 'नार' का अर्थ 'आग' है।

43. 'रेवातट समय' में वर्णित गजनी नरेश की मुक्ति से संबंधित कौन सी बातें सही हैं?

(A) गजनी नरेश के अमीरों ने दंड स्वरूप हाथी -घोड़े और माणि-माणिक्य देकर गोरी को बंदी गृह कराया।
(B) खिज्र खां और दूसरे सुल्तानों के दबाव में आकर पृथ्वीराज चौहान ने गोरी को मुक्त किया।
(C) सुलह और शंति स्थापित करके पृथ्वीराज ने गजनी नरेश को ससम्मान उसके घर भेजा।
(D) पृथ्वीराज ने गजनी नरेश को पुनः युद्ध न करने की चेतावनी देकर भगा दिया।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (b) : 'रेवातट समय' में वर्णित गजनी नरेश की मुक्ति से सम्बन्धि निम्न बातें सही हैं-
1. गजरी नरेश के अमीरों ने दण्ड स्वरूप हाथी-घोड़े और मणि-माणिक्य देकर गोरी को बंदी गृह से मुक्त कराया तथा
2. सुलह और शांति स्थापित करके पृथ्वीराज ने गजनी नरेश को ससम्मान उसके घर भेजा। 'रेवा तट समय' पृथ्वीराजरासों का एक अंश है जिसके लेखक चन्दबरदाई है। पृथ्वीराज रासो 69 समय (सर्ग) है जिसमें 'रेव तट समय' सन्ताइसवां (27) समय सर्ग है।

44. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची-I		सूची-II
A.	हरिशंकर परसाई	I.	क्या भूलूं क्या याद करूं
B.	हरिवंशराय बच्चन	II.	संस्कृति के चार अध्याय
C.	रामधारी सिंह दिनकर	III.	हादसे
D.	रमणिका गुप्ता	IV.	भोलाराम का जीव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-III, C-IV, D-I
(c) A-IV, B-I, C-II, D-III
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II

Ans. (c) : सूची-I तथा सूची-II सही सुमेलन निम्न है-

सूची-I	सूची-II
हरिशंकर पारसाई	भोलाराम का जीव
हरिवंश राय बच्चन	क्या भूलूँ क्या याद करूँ
रामधारी सिंह दिनकर	संस्कृति के चार अध्याय
रमणिक गुप्ता	हादसे

45. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

	सूची-I		सूची-II
A.	पग बाँध घुंघर्या गाच्या री	I.	सूरदास
B.	बहुविध चित्र बणाय के हरि रच्यौ क्रीड़ा-रास	II.	मलिक मुहम्मद जायसी
C.	तेहि दुख भए परास निपाते। लोहू बूड़ि उठे होइ राते॥	III.	मीरां
D.	काहे को गोपीनाथ कहावत?	IV.	कबीर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-III, B-IV, C-II, D-I
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-I, B-III, C-IV, D-II

Ans. (b) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन निम्न है-

सूची-I	सूची-II
पगबांध घुंघर्या गाच्यारी	मीरा
बहुविध चित्र बणाय के हरि रच्यौ क्रीडा रास	कबीर
तेहि दुख भये परास निपाते। लोहू बूडि उठे होइ राते।।	मुलिक मुहम्मद जायसी
काहे को गोपी नाथ कहावत	सूरदास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. इनमें से भिखारीदास की रचनाएं है-

(A) काव्यनिर्णय **(B) अंगदर्पण**

(C) शृंगारनिर्णय **(D) रसपीयूषनिधि**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और C (b) केवल B और C

(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (a) : 'काव्य निर्णय' और 'शृंगार निर्णय' भिखारीदास की रचनाएं है। 'भिखारीदास' रीतिकाल के कवि हैं। इनके द्वारा रचित अन्य रचनाएं हैं- रस सारांश, छंदार्णव पिंगल, शब्दनाम कोश, विष्णपुराण भाषा, शतरंज शतिका आदि। जबकि 'रंस पीयूष निधि' सोमनाथ की तथा 'अंगदर्पण' रस निधि की रचनाएं हैं।

47. "पहिलें घन आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार-पगी।
अब लाय-वियोग की लाय बलाय बढ़ाय, बिसासि दगानि दगी।
अँखियाँ दुखियानि कुबानि परी, न कहुं लगैं, कौन घरी सु लगी।
मति दौरि थकी, न लहै ठिक ठौर, अमोही के मोह-मिठास ठगी॥"

उक्त सवैया में प्रयुक्त 'लाय' में कौन -सा अलंकार है?

(a) यमक (b) श्लेष

(c) वीप्सा (d) अपहनुति

Ans. (a) : "पहिले घन आनन्द ....मिठास ठगी।।"
उक्त सवैया में प्रयुक्त 'लाय' शब्द में यमक अलंकार है। जहाँ एक शब्द दो बार आये और दोनों के अर्थ अलग-अलग हो वहाँ पर यमक अलंकार होता है।

48. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द वाच्यार्थ के लिए प्रयुक्त नहीं होता है?

(A) निश्चित अर्थ

(B) मुख्यार्थ

(C) अभिधाशक्ति द्वारा ज्ञात अर्थ

(D) अन्यार्थ

Ans. (d) : 'अन्यार्थ' शब्द वाच्यार्थ के लिए प्रयुक्त नहीं होता। जबकि निश्चित अर्थ मुख्यार्थ तथा 'अभिधा शक्ति द्वारा ज्ञात अर्थ' वाच्यार्थ के लिए प्रयुक्त होते हैं।

49. 'एक कहानी यह भी' के परिप्रेक्ष्य में सही तथ्य हैं-

(A) स्त्री- पुरुष समानता की अभिव्यक्ति

(B) भोगे हुए यथार्थ का मार्मिक चित्रण

(C) पुरुष वर्चस्ववाद को चुनौती

(D) स्त्री की पक्षधरता का निषेध

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल C और D

(c) केवल B और C (d) केवल A और C

Ans. (c) : 'एक कहानी यह भी' के परिप्रेक्ष्य में सही तथ्य भोगे हुए यथार्थ और पुरुष वर्चस्व वाद की चुनौती है। 'एक कहानी यह भी (2007)' मन्नू भण्डारी द्वारा रचित 'आत्मकथा' विधा की रचना है।

50. सूची-I को सूची- II से सुमेलित कीजिए:

	सूची-I		सूची-II
A.	आलस्य	I.	देश की दुर्दशा निहारोगे, डूबते को कभी उबारोगे।
B.	देवसेना	II.	बकरी को क्या पता था मशक बन के रहेगी, पानी भरेंगे लोग और वह कुछ न कहेगी।
C.	गांधारी	III.	मैंने कहा था दुर्योधन से धर्म जिधर होगा ओ मूर्ख! उधर जय होगी!
D.	भिश्ती	IV.	दुनिया में हाथ-पैर हिलाना नहीं अच्छा। मर जाना पै उठ के कहीं जाना नहीं अच्छा।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-I, C-III, D-II
(b) A-I, B-IV, C-II, D-III
(c) A-II, B-III, C-I, D-IV
(d) A-III, B-II, C-IV, D-I

Ans. (a) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन निम्न हैं।

सूची-I		सूची-II
आलस्य	-	दुनिया में हाथ पैरा हिलाना नहीं अच्छा। मर जाना पै उठ के कहीं जाना नहीं अच्छा।
देवसेना	-	देश की दुर्दशा निहारोगे, डूबते को कभी उबारोगे।
गांधारी	-	मैंने कहा था दुर्योधन से धर्म जिधर होगा ओ मुर्ख। उधर जय होगी।
भिश्ती	-	बकरी को क्या पता था मशक बन कर रहेगी पानी भरेंगे लोग और वह कुछ न कहेगी।

51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार कृष्णा सोबती के उपन्यासों का सही अनुक्रम है-

(A) समय सरगम

(B) जिन्दगीनामा

(C) सूरजमुखी अंधेरे के

(D) दिलो दानिश

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) C,B, D, A (b) A, B, C, D

(c) D, C, B, A (d) B, D, A, C

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार कृष्णा सोबती के उपन्यासों का सही अनुक्रम निम्न हैं-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**
सूरजमुखी अंधेरे के	1972 ई0
जिन्दगी नामा	1979 ई0
दिलो दानिश	1993 ई0
समय सरगम	2000 ई0

52. 'अरे यायावर रहेगा याद' किस विधा की रचना है?

(a) यात्रा साहित्य (b) आत्मकथा
(c) रिपोर्ताज (d) डायरी

Ans. (a) : 'अरे यायावर रहेगा याद' यात्रा साहित्य विधा की रचना है। इसके लेखक सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' है। इसमें अज्ञेय ने स्वदेश यात्रा का वर्णन किया है। इनका एक अन्य यात्रा साहित्य 'एक बूंद सहसा उछली' है, जिसमें विदेश यात्रा का वर्णन किया गया है।

53. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है-

(A) हिन्दी साहित्य की भूमिका
(B) बाणभट्ट की आत्मकथा
(C) हिन्दी साहित्य का आदिकाल
(D) सूर साहित्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, D, C (b) B, C, A, D
(c) D, A, B, C (d) C, A, B, D

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम निम्न है-

ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**
सूर साहित्य	1930 ई0
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई0
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946 ई0
हिन्दी साहित्य की आदिकाल	1952 ई0

54. 'अंधा युग' के अंको के नाम हैं-

(A) कौरव नगरी का विनाश
(B) पांडव विजय
(C) पशु का उदय
(D) गांधारी का शाप

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और D
(c) केवल B और D (d) केवल C और D

Ans. (d) : 'अंधायुग' के अंको का नाम 'पशु का उदय और 'गांधारी का शाप' है। 'अंधायुग' नाटक के लेखक धर्मवीर भारती है। इस गीतिनाट्य का प्रकाशन 1955 ई0 हुआ था। इसका कथानक महाभारत युद्ध के अंतिम दिन पर आधारित है। इस नाटक में पांच अंक है जो क्रमशः निम्न है- 1. कौरव नगरी 2. पशु का उदय 3. अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य 4. गांधारी का शाप 5. 'समापन' 'प्रभु की मृत्यु'।

55. "जइसन कहत बाड़ा जोगी,
वइसन बढ़त बाड़े रोगी,
बड़ ससतिया सहबा राम।"
उपर्युक्त पद किस आत्मकथा में उद्धृत है?

(a) मुर्दहिया (b) तिरस्कृत
(c) हादसे (d) आप हुदरी

Ans. (a) : "जइसन कहत बाड़े जोगी
वइसन बढ़त बाड़े रोगी
बड़ ससतिया सहबा राम"

उपर्युक्त पद 'मुर्दहिया' आत्मकथा में उद्धृत है। मुर्दहिया (2010, प्रथम भाग) आत्मकथा के लेखक तुलसीराम है। इस आत्मकथा का दूसरा भाग 'मणिकर्णिका' है। निम्न लिखित दलित साहित्य एवं उनकी आत्मकथा है-

दलित साहित्यकार	आत्मकथा
सूरजपाल चौहान	1. तिरस्कृत (2002), संतप्त (2002)
रमणिका गुप्ता	1. हादसे 2. आप हुदरी

56. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है-

(A) प्रजा हितैषी
(B) माधुरी
(C) हंस (प्रेमचंद द्वारा संपादित)
(D) आलोचना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, C, D, B (b) B, A, C, D
(c) A, B, C, D (d) B, C, A, D

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम निम्न हैं-

पत्रिका		**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**
प्रजा हितैषी	-	1855ई0	राजालक्ष्मण सिंह
माधुरी	-	1922ई0	दुलारेलाल भार्गव
हंस (प्रेमचंद द्वारा संपादित)	-	1930 ई0	प्रेमचन्द
आलोचना	-	1951ई0	शिवदान सिंह चौहान

57. "डूब बची लक्ष्मी पानी में, सती आग में पैठ,
जिये ऊर्मिला, करे प्रतीक्षा, सहे सभी घर बैठ।
विधि से चलता रहे विधान।"
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में स्त्री की किस मानसिकता का वर्णन हुआ है?

(a) स्त्री की दुनिया घर तक सीमित है।
(b) स्त्री सामाजिक विधान को तोड़ने के लिए उद्यत है।
(c) स्त्री विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम है।
(d) स्त्री अपने दुःख को उत्सवधर्मी बनाना चाहती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : "डूब बची लक्ष्मी पानी में, सती आग में पैठ,
जिये उर्मिला, करे प्रतीक्षा, सहे सभी घर बैठ।
विधि का चलता रहे विधान।"
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में 'स्त्री की दुनिया घर तक सीमित है' की मानसिकता का वर्णन हुआ है। उक्त काव्य पंक्ति मैथिली शरण गुप्त कृत साकेत के नवम् सर्ग से उद्धृत है।

58. हिन्दी साहित्यकारों के जीवन पर आधारित उपन्यास
(A) महासमर
(B) मानस का हंस
(C) बाणभट्ट की आत्मकथा
(D) खंजन नयन
नीचे दिए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) (B) और (D) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (a) : हिन्दी साहित्यकारों के जीवन पर आधारित उपन्यास 'मानस का हंस' और 'खंजन नयन' है। इन उपन्यासों के लेखक अमृतलाल नागर है। 'मानस का हंस' तुलसीदास के जीवन पर तथा 'खंजन नयन' सूरदास के जीवन पर आधारित उपन्यास है।

59. 'बकरी' नाटक के बारे में स्वयं लेखक के विचार हैं-
(A) यह नाटक न लिखा जाता यदि हिन्दी में कोई ऐसा नाटक होता जिसमें जनचेतना को लोकभाषा और लोकरूपों के माध्यम से सामाजिक अन्याय के साथ जोड़ने का एक नया व्याकरण देखने को मिलता।
(B) यह नाटक लिख लेने के बाद मैंने इब्राहीम अल्काज़ी से आग्रह किया कि इसे रंगमंच पर प्रस्तुत करें।
(C) इस नाटक के सभी निर्देशकों ने इसके मूल आलेख में कोई परिवर्तन नही किया।
(D) यदि हिन्दी के नाटककार यशः प्रार्थी न होकर आम आदमी की पीड़ा, आम आदमी की ज़बान में आम आदमी के बीच ले जाना हिन्दी रंगमंच के लिए अनिवार्य मानते तो यह नाटक न लिखा जाता।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल A और D (d) केवल B और D

Ans. (c) : 'बकरी' नाटक के लेखक भुनेश्वर हैं। बकरी नाटक के बारे में स्वयं लेखक के विचार है कि यह नाटक न लिखा जाता यदि हिन्दी में कोई ऐसा नाटक होता जिसमें जनचेतना को लोकभाषा और लोकरूपों के माध्यम से सामाजिक अन्याय के साथ जोड़ने का एक नया व्याकरण देखने को मिलता तथा यदि हिन्दी के नाटककार यश प्रार्थी न होकर आम आदमी की पीड़ा, आम आदमी की जुबान में आम आदमी के बीच ले जाना हिन्दी रंगमंच के लिए अनिवार्य मानते तो यह नाटक न लिखा जाता।

60. 'परीक्षा गुरु' उपन्यास में 'अध्याय' या 'परिच्छेद' के स्थान पर किस शब्द का प्रयोग किया गया है?
(a) अनुच्छेद (b) प्रकरण
(c) सर्ग (d) काल

Ans. (b) : 'परीक्षा गुरु' उपन्यास में 'अध्याय या परिच्छेद' के स्थान पर प्रकरण शब्द का प्रयोग किया गया है। 'परीक्षा गुरु' (1882 ई0), उपन्यास के लेखक लाला श्रीनिवास दास हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने लाला श्रीनिवास दास कृति 'परीक्षा गुरु' को अंग्रेजी के ढंग का हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास माना है।

61. 'क्यों पले पीस कर किसी को तू?
है बहुत पालिसी बुरी तेरी
हम रहे चाहते पटाना ही
पेट तुझसे पटी नही मेरी।।"
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किस रचनाकार की हैं?
(a) मैथिली शरण गुप्त
(b) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(c) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(d) लोचन प्रसाद पाण्डेय

Ans. (b) : "क्यों पले पीस .... पही नहीं मेरी।"
उपर्युक्त काव्य पंक्तियां अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध की है। यह पंक्ति हरिऔध कृत 'चोखे चौपदे' कविता संग्रह उद्धत है। यह कविता मुहावरेदार भाषा में लिखा गया है। हरिऔध जी द्विवेदी युग के कवि है। इनके द्वारा रचित अन्य कविता संग्रह है-
प्रिय प्रवास (1914 ई0), वैदेही वनवास (1941 ई0), पारिजात (1937 ई0), रसकलश (1931 ई0), चोखे चौपदे (1932 ई0), चुभते चौपदे(1924 ई0), पद्म प्रसून(1925 ई0), बोलचाल (1928 ई0), फूल पत्ते (1935 ई0), कल्पलता (1937 ई0) आदि।

62. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (रामचंद्र शुक्ल) के 'आदिकाल' के प्रारंभिक चार प्रकरणों का सही अनुक्रम है:
(A) अपभ्रंश काव्य
(B) सामान्य परिचय
(C) फुटकल रचनाएं
(D) देशभाषा काव्य
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) D, B, C, A (b) B, A, D, C
(c) A, B, C, D (d) C, D, A, B

Ans. (b) : 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (रामचन्द्र शुक्ल) के आदिकाल के प्रारम्भिक चार प्रकरणों का सही अनुक्रम निम्न है।
1. सामान्य परिचय
2. अपभ्रंश काव्य
3. देशभाषा काव्य
4. फुटकल रचनाएं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

63. सूची-I का सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. दुनिया का सबसे अनमोल रतन	I. वृद्धों की उपेक्षा
B. अमृतसर आ गया है	II. पुरानी और नई पीढ़ी का द्वंद्व
C. चीफ का दावत	III. देश का विभाजन
D. पिता	IV. देश-प्रेम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-III, C-I, D-II
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-II, B-IV, C-III, D-I
(d) A-III, B-II, C-I, D-IV

Ans. (a) : सूची-**I** तथा सूची-**II** का सही सुमेलन निम्न है-

सूची-I		सूची-II
दुनिया का सबसे अनमोल रतन	-	देश प्रेम
अमृत सर आ गया है	-	देश का विभाजन
चीफ की दावत	-	वृद्धों की उपेक्षा
पिता	-	पुरानी और नई पीढ़ी का द्वन्द्व

64. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से जयशंकर प्रसाद के निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है:

(A) कामना
(B) राज्यश्री
(C) विशाख
(D) प्रायश्चित

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) D, A, C, B (b) B, D, A, C
(c) A, C, B, D (d) D, B, C, A

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से जयशंकर प्रसाद के नाटको का सही अनुक्रम निम्न है-

नाटक	प्रकाशन वर्ष
प्रायश्चित	1913 ई०
राज्य श्री	1915 ई०
विशाख	1921 ई०
कामना	1927 ई०

65. ''सुफल जन्म मोको गुरु कीना। दुख बिसार सुख अंतर दीना।
ज्ञान दान मोको गुरु दीना। राम नाम बिन जीवन हीना।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं-

(a) कबीर (b) नामदेव
(c) रैदास (d) सुंदरदास

Ans. (b) : सुफल जन्म मोको गुरु कीना। दुख बिसार सुख अंतर दीना। ज्ञान दान मोको गुरु दीना। राम नाम बिन जीवन दीना।। उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचयिता नामदेव हैं। हिन्दी में भक्ति साहित्य की परम्परा का प्रवर्तन नामदेव ने किया। नामदेव जाति के दरजी तथा बारकरी सम्प्रदाय में दीक्षित थे। इनके गुरु का नाम विसोवा खेचर था। इन्होंने मराठी भाषा में 'अभंग' नामक पद का प्रवर्तन किया। इनके द्वारा रचित पद 'गुरु ग्रंथ' साहिब में संकलित हैं।

66. आई. ए. रिचर्ड्स की दृष्टि में काव्यभाषा की विशेषताएं हैं-

(A) छद्म कथन की प्राथमिकता
(B) सूचनात्मक अर्थ की प्राथमिकता
(C) रागात्मक अर्थ की प्राथमिता
(D) तथ्यात्मक अर्थ की प्राथमिकता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और D (b) केवल B और C
(c) केवल A और C (d) केवल B और D

Ans. (c) : आई०ए० रिचर्ड्स की दृष्टि से काव्यभाषा की विशेषताएं 'छद्म कथन की प्राथमिकता' और रागात्मक अर्थ की प्राथमिकता है। इन्होंने 'मूल्य सिद्रान्त' एवं 'सम्प्रेषण सिद्रान्त' का प्रतिपादन किया इनके द्वारा रचित प्रमुख कृतियां है- दि फाउडेशन ऑफ ईस्थेटिक (1922), दि मीनिंग ऑफ मीनिगं (1923), दि प्रिंसिपुल्स ऑफ लिटररी क्रिटिशिज्म (1924), प्रैक्टिकल क्रिटिशिज्म (1929), साइंस एण्ड पोइट्री (1926) तथा इंटरप्रटेशन इन टीचिंग (1938) आदि है।

67. 'रेवातट-समय' के तथा 'पृथ्वीराज रासो' के वे सारे छंद जिन्हें चन्दबरदाई ने 'कवित्त' संज्ञा दी है, वे छन्द-ग्रन्थों में दिए हुए कवित के लक्षणों से नहीं मिलते। कवित्त संज्ञक वे छंद हैं-

(a) सवैया (b) घनाक्षरी
(c) रोला (d) छप्पय

Ans. (d) : रेवातट-समय के तथा पृथ्वीराज रासो के वे सारे छंद जिन्हें चन्दबरदाई ने 'कवित्त' संज्ञा दी है, वे छंद-ग्रंथो में दिए हुए कवित्त के लक्षणों से नहीं मिलते। कवित्त संज्ञक वे छंद छप्पय है। 'रेवा तट' पृथ्वीराज रासो का एक समय (खण्ड) है, जिसके लेखक चन्दबरदाई है। 'पृथ्वीराज रासों' में 68 छन्द का प्रयोग किया गया है। इसका मुख्य छन्द निम्न है-कवित्त,छप्पय, दूहा, तोमर, त्रोटक, गाहा, आर्या आदि। चंदबरदाई को 'छप्पय छंद' का विशेषज्ञ माना जाता है।

68. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम हैं-

(a) आकाशदीप
(b) तर्क और तूफान
(c) इन्द्रजाल
(d) पाजेब

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A, B, C, D (b) C, A, B, D
(c) A, C, D, B (d) B, A, C, D

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि सही अनुक्रम निम्न है।

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
आकाश दीप	1928 ई0	जयशंकर प्रसाद
इन्द्रजाल	1936 ई0	जयशंकर प्रसाद
पाजेब	1948 ई0	जैनेन्द्र
तर्क और तूफान	1944 ई0	यशपाल

69. 'सोजेवतन' संग्रह की कहानियां हैं-

(A) यही मेरा वतन है

(B) आहुति

(C) सांसारिक प्रेम और देश-प्रेम

(D) जुलूस

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल A और C (d) केवल C और D

Ans. (c) : 'सोजेवतन' प्रेमचन्द्र का प्रथम कहानी संग्रह है, जिसका प्रकाशन 1908 ई0 में जमाना प्रेस कानपुर से हुआ था। सोजेवतन में पांच कहानियां संकलित हैं जो निम्न हैं- 1. सांसारिक प्रेम और देश प्रेम (इश्के दुनिया व हुब्बे वतन) 2. दुनिया का सबसे अनमोल रतन 3. यही मेरा वतन है 4. शेख मखमूर 5. शोक का पुरस्कार (सिल-ए-मातम) जबकि 'आहुति' (1945 ई0) इलाचन्द्र जोशी की तथा 'जुलूस' प्रेमचन्द की कहानियां है।

70. निम्नलिखित में से 'हिन्द स्वराज्य' के लेखक हैं-

(a) महात्मा गांधी (b) जमनालाल बजाज
(c) महादेव देसाई (d) काशीनाथ त्रिवेदी

Ans. (a) : हिन्द स्वराज के लेखक 'महात्मा गांधी' है। गांधी जी द्वारा रचित अन्य साहित्यिक कृतियां है- सत्य का प्रयोग, द वर्डस ऑफ गांधी, मेरे सपनों का भारत आदि।

71. ''विजय तृष्णा का अंत पराभव में होता है, अलक्षेन्द्र! राजसत्ता सुव्यवस्था से बढे तो बढ़ सकती है, केवल विजय से नहीं।''

यह विचार 'चन्द्रगुप्त' के किस चरित्र का है?

(a) चाणक्य (b) दाण्ड्यायन
(c) चन्द्रगुप्त (d) आजीवक

Ans. (b) : ''विजय तृष्णा का अंत पराभव में'' होता है, अलक्षेन्द्र। राजसत्ता सुव्यवस्था से बढे तो बढ़ सकती है, केवल विजय से नहीं।'' यह विचार चन्द्रगुप्त नाटक के पात्र दण्डायन का है। 'चन्दगुप्त' नाटक के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। इस नाटक के पुरुष पात्र हैं- चन्द्रगुप्त, चाणक्य, सिहंरण, राक्षस, शकटार, आम्भीक, पर्वतक, सिल्यूकस तथा स्त्रीपात्र- कार्नेलिया, कल्याणी, एलिस, मालविका, अलका, सुवासिनी आदि।

72. 'निरख सखी ये खंजन आए, 'गीत से संबंधित तत्य हैं-

(A) मेरे प्रिय ने अयोध्या की ओर रुख करके मेरा ध्यान किया है,

(B) उर्मिला कहती है कि मेरे प्रिय ने मेरा ध्यान किया है, इसलिए कामदेव डरकर भाग गया है।

(C) उन्होंने मेरा ध्यान किया और मुस्कुराए, इसलिए यहाँ कमल खिल उठे हैं।

(D) मैंने भी ध्यान करके अपने हृदय-दर्पण में प्रिय की छवि देख ली है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल A और D (d) केवल C और D

Ans. (b) : 'निरख सखी ये खंजन आए' गीत से सम्बन्धित तथ्य यह है कि उर्मिला कहती हैं मेरे प्रिय ने अयोध्या की ओर रुख करके मेरा ध्यान किया है, इसलिए उनके आंखो के प्रतीक खंजन यहाँ दिखाई देने लगे हैं तथा उन्होंने मेरा ध्यान किया और मुस्कुराए, इसलिए यहाँ कमल खिल उठे हैं। उक्त काव्य पंक्ति के रचयिता मैथिलीशरण गुप्त हैं। मैथिलीशरण गुप्त द्विवेदी युग के कवि हैं। गांधी जी ने इन्हें राष्ट्रकवि की उपाधि दी।

73. 'असाध्य-वीणा' साहित्य- साधना की संकेतक है। प्रियंवद की तरह इसकी साधना में-

(a) आत्मान्वेषण करना पड़ता है।
(b) परान्वेषण करना पड़ता है।
(c) सांस्कृतिक शोध करना पड़ता है।
(d) समाज से परामुख होना पड़ता है।

Ans. (a) : 'असाध्य-वीणा' साहित्य-साधना की संकेतक है। प्रियंवद की तरह इसकी साधना में आत्मान्वेषण करना पड़ता है। 'असाध्यवीणा' नामक काव्य के लेखक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' है। 'असाध्य वीणा' विसर्जन है। अज्ञेय द्वारा रचित अन्य कविताए हैं- कलकी बाजरे की, साँप, नदी के द्वीप, हरी घास पर क्षण भर, जितना तुम्हारा सच, शब्द और सत्य, यह दीप अकेला आदि।

74. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन (A) : गैर रोमांटिक दौर में रोमानियत को एक गाली के रूप में प्रयुक्त किया जाता था।

कारण (R): क्योंकि वैयक्तिक अनुभूति के संस्पर्श के बिना उच्च स्तर की प्रेम कविताएं लिखी जा सकती हैं।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
(d) (A) सही नहीं है,लेकिन (R) सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : अभिकथन **(A):** गैर रोमांटिक दौर में रोमानियत को एक गाली के रूप में प्रयुक्त किया जाता था। अभिकथन (A) सही है, जबकि कारण (R) क्योंकि वैयक्तिक अनुभूति के संस्पर्श के बिना उच्च स्तर की प्रेम कविताएँ लिखी जा सकती हैं कथन (A) के संदर्भ में कारण (R) सही नहीं है।

75. 'रत्नखान' के रचयिता हैं:
(a) रसखान (b) नंददास
(c) मलूकदास (d) सुंदरदास

Ans. (c) : 'रत्नखान' के रचयिता मलूकदास हैं। मलूकदास संत कवि हैं। इनके द्वारा रचित अन्य रचनाएं है- ज्ञानबोध, ज्ञानपरोक्षि, भक्तवच्छावली, भक्ति विवेक, बारह खड़ी, रामावतार लीला, ब्रजलीला,सुखसागर आदि। जबकि सुन्दर दास-ज्ञान समुद्र, सुन्दर विलास नामक कृतियों की रचना की। नन्ददास तथा रसखान भक्तिकाल के कवि हैं। नंददास द्वारा रचित कृतियां हैं-अनेकार्थी मंजरी, मानमंजरी, सुदामा चरित, रसमंजरी, रूपमंजरी, विरहमंजरी, रूक्मिणी मंगल, रसपंचाध्यायी आदि। रसखान द्वारा रचित कृतियां है- सुजान रसखान, प्रेमवाटिका, दानलीला अष्टयाम आदि।

76. ''किसी श्रीमान जमींदार के महल के पास एक गरीब अनाथ विधवा की झोपड़ी थी। जमींदार को अपने महल का हाता उस झोपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।''
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कहानी की प्रारंभिक पंक्तियां हैं?
(a) एक टोकरी भर मिट्टी (b) पूस की रात
(c) संवदिया (d) ठाकुर का कुआं

Ans. (a) : ''किसी श्रीमान जमीदार के महल के पास एक गरीब अनाथ विधवा की झोपड़ी थी। जमींदार को अपने महल का हाता उस झोपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई।'' उपर्युक्त पंक्तियां 'एक टोकरी भर मिट्टी' की प्रारंभिक पंक्तियां हैं। 'एक टोकरी भर मिट्टी (1901 ई0)' कहानी के लेखक माधवराव सप्रे है। देवी प्रसाद वर्मा ने इसे हिन्दी का प्रथम कहानी माना है। जबकि पूस की रात, ठाकुर का कुआं तथा संवदिया मुंशी प्रेमचन्द द्वारा रचित कहानी है।

77. 'हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन' के लेखक हैं-
(a) हजारीप्रसाद द्विवेदी (b) नलिन विलोचन शर्मा
(c) राम स्वरूप चतुर्वेदी (d) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Ans. (b) : 'हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन'' के लेखक नलिन विलोचन शर्मा है। नलिन विलोचन शर्मा पटना विश्वविद्यालय हिन्दी के प्राध्यापक एवं आलोचक थे। ये हिन्दी में 'नकेनवाद' आन्दोलन के तीन पुरस्कर्ताओं में एक थे। दिये गये अन्य विकल्पों लेखकों के इतिहास ग्रंथ निम्न हैं।

लेखक	ग्रंथ
हजारी प्रसाद द्विवेदी	हिन्दी साहित्य का आदिकाल
राम स्वरूप चतुर्वेदी	हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भागों में)

78. भारतेन्दु हरिश्चंद्र की रचनाएं नहीं हैं:
(A) सतसई सिंगार
(B) प्रेम माधुरी
(C) उमर खैयाम की रुबाइयाँ
(D) जार्ज वन्दना
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A और C (b) केवल B और D
(c) केवल A और B (d) केवल C और D

Ans. (d) : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचनाएं -उमर खैयाम की रूबाइयाँ तथा जार्जवन्दना नहीं है। 'उमर खैयाम की रूबाइयाँ' के लेखक हरिवंश राय बच्चन तथा 'जार्ज वंदना' के श्रीधर पाठक है। जबकि सतसई शृंगार तथा प्रेममाधुरी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचनाएं है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने 70 काव्य ग्रंथो की रचना की है। जिनमें प्रमुख निम्नलिखित हैं-भक्ति सर्वस्व, प्रेम मालिका, कार्तिक स्नान, वैशाख माहात्म्य, प्रेम सरोवर, प्रेमतरंग, होली, वर्षाविनोद, प्रेम फुलवारी आदि।

79. 'ईदगाह' कहानी में 'मोहसिन' मेले से कौन सा खिलौना खरीदता है?
(a) वकील (b) सिपाही
(c) खंजरी (d) भिश्ती

Ans. (d) : 'ईदगाह' कहानी में मोहसिन मेले में खिलौना 'भिश्ती' खरीदता है। 'ईदगाह' प्रेमचन्द्र को उर्दू में लिखी गयी कहानी है। यह प्रेमचन्द्र की सुप्रसिद्ध कहानियों में एक। इसमें एक अनाथ बालक 'हामिद' की कहानी का मार्मिक चित्रण किया गया है। इस कहानी के प्रमुख पात्र हैं- अमीना, महमूद, मोहसिन, नूरे और सम्मी आदि। 'ईदगाह' कहानी में पात्रों द्वारा निम्न खिलौने खरीदे गये।

पात्र	खिलौना
नूरे	वकील
महमूद	सिपाही
सम्मी	धोबिन

80. रीति साहित्य के बारे में हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन है-
(A) रीति काव्य मादक कविता का साहित्य है।
(B) रीति कविताएं पाठकों में सामाजिक-चेतना का भाव भी पैदा करती हैं।
(C) रीति साहित्य में चित्रित नारी अपनी महिमा से महीयसी नहीं बन पायी है।
(D) रीति कवि दरबारी मनोवृत्ति से परिचित होने पर राज्याश्रयों से विमुख होने लगे।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) केवल A और C (b) केवल A और B
(c) केवल A और D (d) केवल A और D

Ans. (a) : 'रीति साहित्य' के बारे में हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन है- ''रीति काव्य मादक कविता का साहित्य है।'' तथा रीति साहित्य में चित्रित नारी अपनी महिमा से महीयसी नहीं बन पायी है। हजारी प्रसाद द्विवेदी हिन्दी ने निबन्धकार आलोचक तथा उपन्यासकार के रूप में प्रसिद्ध हैं। इनके द्वारा लिखित आलोचनात्मक कृतियां हैं- सूर साहित्य (1930ई.), हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940ई.), कबीर (1941ई.) हिन्दी साहित्य का आदिकाल (1952ई.), सहज साधना (1963ई.), कालिदास का लालित्य योजना (1969ई.), मध्यकालीन बोध का स्वरूप (1970ई.)।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

81. ''अब आप इस बसन्त को ही लो,
यह दिन को ताँत की तरह तानता है
पेड़ों पर लाल-लाल पत्तों के हजारों सुखतल्ले
धूप में, सीझने के लिए
लटकाता है''
उपर्युक्त पंक्तियों से ध्वनित होता है कि:

(a) मोचीराम मोची नहीं, शायर है।
(b) मोचीराम नये बिंबो और प्रतीकों में बात करता है।
(c) मोचीराम वसंत का बयान अपने पेशे की भाषा में करता है।
(d) मोचीराम जिंदगी को किताबी ढंग से जीता है।

Ans. (c) : ''अब आप इस बसन्त .... लटकाता है।'' उपर्युक्त पंक्तियों से ध्वानित होता है। कि मोचीराम बसतं का बयान अपने पेशे की भाषा में करता है। उक्त काव्य पंक्ति धूमिल कृत 'मोचीराम' कविता से उद्धधृत है। सुदामा पाण्डे (धूमिल) हिन्दी की समकालीन कविता के दौर के मील के पत्थर सरीखे कवियों में एक है। इनके द्वारा रचित कविता संग्रह हैं- संसद से सड़क तक, कल सुनना मुझे, सुदामा पाण्डे का प्रजातंत्र। 'कल सुनना मुझे' कविता संग्रह पर धूमिल को 1979 ई0 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

82. 'अंधेर नगरी' के आधार पर कहा जा सकता है कि भारतेन्दु कि भारतेन्दु की साहित्य- संबंधी अवधारणा है-

(a) साहित्य बैठे ठालों की विलास है।
(b) साहित्य नागर जनों के मनोरंजन हेतु है।
(c) साहित्य ग्रामीण जनों की शिक्षा के लिए है।
(d) साहित्य की सामाजिक भूमिका होती है।

Ans. (d) : 'अंधेर नगरी' के आधार पर कहा जा सकता है कि भारतेन्दु की साहित्य सम्बन्धी अवधारणा है कि साहित्य की सामाजिक भूमिका होती है। 'अंधेर नगरी (1881ई.)' भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का लोक प्रिय नाटक है। छह अंको के इस नाटक में विवेकहीन और निरंकुश शासन व्यवस्था पर करारा व्यंग्य करते हुए उस अपने ही कर्मो द्वारा नष्ट होते हुए दिखाया गया है। भारतेन्दु इसकी रचना नेशनल थियेटर के लिए एक ही दिन में की थी। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा रचित अन्य मौलिक नाटक हैं- वैदिक हिंसा हिंसा न भवति (1873ई.), विषस्य विषमौषधम् (1876ई.) प्रेम जोगिनी (1875ई.), चन्द्रावली (1876ई.), भारतदुर्दशा (1880ई.), नील देवी (1881ई.), सती प्रताप (1883ई.)।

83. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन(Assertion) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason) के रूप में : अभिकथन (A): मनुष्य का अस्तित्व ईश्वर के बगैर असंभव है।
कारण (R): क्योंकि नीत्शे का मानना है कि ईश्वर के बगैर असंभव है।
उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है, लेकिन (R) सही नही है।
(d) (A) सही नहीं है, लेकिन (R)सही है।

Ans. (d) : मनुष्य का अस्तित्व ईश्वर के बगैर असंभव है यह कथन असत्य है क्योंकि नीत्शे का मानना है ईश्वर मर गया है। उपर्युक्त कथनों के आलोक में कथन (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

84. 'शिवशंभु के चिट्ठे' की विशेषताएं हैं-
(A) भारतीय राजनीति की उपेक्षा
(B) राजप्रशस्ति
(C) अंग्रेजों का कुशासन
(D) भारतीय जनता का दमन और उसके द्वारा प्रतिरोध
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B
(b) केवल B और C
(c) केवल C और D
(d) केवल A और D

Ans. (c) : 'शिव शम्भू के चिट्ठे' की विशेषताएं हैं- अंग्रेजों का कुशासन तथा भारतीय जनता का दमन और उसके द्वारा प्रतिरोध। शिवशंभु के चिट्ठे निबन्ध के लेखक बालमुकुन्द गुप्त है। गुप्त जी शिवशंभु के कल्पित नाम से लार्ड कर्जन के शासन में, भारतीय जनता की दुर्दशा को प्रकट करने के लिए आठ चिट्ठे लिखे थें ये चिट्ठे उस समय की गुलामी और लार्ड कर्जन की निर्मम क्रूरताओं को जितने सटीक रूप में प्रस्तुत करते हैं, उतनी पूर्णता के साथ उस समय का कोई दूसरा अभिलेख नहीं था।

85. 'संस्कृति के चार अध्याय' के प्रथम अध्याय में किन विषयों पर चर्चा की गई है?
(A) आर्य-द्रविड़-संबंध
(B) भक्ति की प्राचीनता
(C) हिन्दू संस्कृति की पाचन शक्ति
(D) प्राचीन भारत और बाह्य विश्व
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) केवल A और B
(b) केवल B और C
(c) केवल C और D
(d) केवल A और C

Ans. (d) : 'संस्कृति के चार अध्याय' के प्रथम अध्याय में आर्य-द्रविड़ सम्बन्ध तथा हिन्दू संस्कृति पाचन शक्ति के विषयों पर चर्चा की गयी हैं। 'संस्कृति के चार अध्याय' हिन्दी के विख्यात साहित्यकार रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित एक भारतीय संस्कृति का सर्वेक्षण है जिसके लिए उन्हें सन् 1959ई. में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

86. ''करौं मुहम्मदशाह बखानू। सूरज देहली सुल्तानू॥ धरमपंथ जग बीच चलावा। निवर न सबरे सों दुख पावा॥''
उपर्युक्त पंक्तियां किस सूफी कवि की हैं-

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) मलिक मुहम्मद जायसी (b) नूर मुहम्मद
(c) उसमान (d) कुतुबन

Ans. (b) : "करौ मुहम्मदशाह बखानू। सूरज है देहली सुल्तानू। धरमपंथ जग बीच चलावा। निवर न सबरे सो दुख पावा।।" उपर्युक्त पंक्तियां सूफी कवि नूर मुहम्मद शाह के समकालीन थे। इन्होंने फारसी भाषा में 'रौजतुल हकायक' नामक ग्रंथ की रचना की तथा अवधी भाषा में 'इंन्द्रावती तथा 'अनुराग बांसुरी' ग्रंथ की रचना की है। जबकि मलिक मुहम्मद जायसी ने 'पद्मावत' की कुतुबन ने 'मृगावती' की तथा उसमान ने 'चित्रावली' की रचना की।

87. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I		सूची-II	
A.	**पंजाब**	**I.**	**आधा गाँव**
B.	**पूर्णिया**	**II.**	**रागदरबारी**
C.	**शिवपाल गंज**	**III.**	**मैला आंचल**
D.	**गंगौली**	**IV.**	**जिंदगीनामा**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-III, B-I, C-II, D-IV
(b) A-II, B-III, C-IV, D-I
(c) A-I, B-II, C-III, D-IV
(d) A-IV, B-III, C-II, D-I

Ans. (d) : र

सूची-I	**सूची-II**
पंजाब	जिन्दगी नामा
पूर्णिया	मैला आंचल
शिवपाल गंज	राग दरबारी
गंगौली	आधा गाँव

88. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित आलोचन पुस्तकें का सही अनुक्रम है-
(A) सांइस एण्ड पोइट्री
(B) बायोग्राफिया लिटेरिया
(C) द सेक्रेड वुड
(D) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A, C, D, B (b) B,C, A, D
(c) C, B, A, D (d) A, B, D, C

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से आलोचना पुस्तकों का सही अनुक्रम निम्न है-

आलोचना		**प्रकाशन वर्ष**
बायोग्रफिया लिटरेरिया	-	1817 ई.
द सेक्रेड वुड	-	1920 ई.
सांइस एण्ड पोइट्री	-	1926 ई.
प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	-	1929 ई.

89. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I		सूची-II	
A.	**विजय देवनारायण साही**	**I.**	**हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य**
B.	**अज्ञेय**	**II.**	**हिन्दी आलोचना की बीसवीं शताब्दी**
C.	**रामस्वरूप चतुर्वेदी**	**III.**	**जायसी**
D.	**निर्मला जैन**	**IV.**	**कामयनी का पुनर्मूल्यांकन**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-I, C-III, D-IV
(c) A-III, B-I, C-IV, D-II
(d) A-IV, B-II, C-III, D-I

Ans. (c) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन निम्न हैं-

सूची-I	**सूची-II**
विजय देव नारायण साही	जायसी
अज्ञेय	हिन्दी साहित्य: एक आधुनिक परिदृश्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन
निर्मला जैन	हिन्दी आलोचना की बीसवीं शताब्दी

90. "आयो घोष बड़ो व्योपारी।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आय उतारी।
फाटक दै कर हाटक माँगत भोरै निपट सु धारी।"
उक्त पद में प्रयुक्त 'फाटक' शब्द का अर्थ है:
(a) चिथड़ा
(b) अनाज फटकने से निकला हुआ कदन्न
(c) बड़ा दरवाजा
(d) झोपड़ी में लगाई जाने वाली टट्टी

Ans. (b) : "आयो घोष बडो व्यापारी।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आय उतारी। फाटक दै कर हाटक मांगत भौरे निपट सुधारी।।"
उक्त पद में प्रयुक्त 'फाटक' शब्द का अर्थ अनाज फटकने से निकला हुआ कदन्न है। उक्त पद आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा सम्पादित भ्रमरगीत से उद्धृत है।

91 to 95
निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
बात यह है कि जब मैं कहता हूँ कि देवदारु सुन्दर है तो सुनने वाले सुन्दर का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं। हजार तरह के सुन्दर पदार्थों में रहने वाला, एक सामान्य सौन्दर्य-धर्म। सौन्दर्य का कौन -सा विशिष्ट रूप मेरे हृदय में उल्लास तरंगित कर रहा है यह बात बस, मैं ही जानता हूँ। अगर मुझमें इस बात को कहने की शक्ति नहीं हुई तो यह गूँगे का गुड़ बनी रह जायेगी। जिसमें

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

शक्ति होती है वह कवि कहलाता है। अनेक प्रकार के कौशल से वह इस बात को कहने का प्रयत्न करता है, फिर भी शब्दों का सहारा तो उसे लेना ही पड़ता है। शब्द सदा सामान्य अर्थ को प्रकट करते हैं, कवि विशिष्ट अर्थ देना चाहता है। वह छन्दों के सहारे, उपमान-योजना के बल पर, ध्वनि-साम्य के द्वारा विशिष्ट अर्थ का साधारणीकरण करता है। तो भी क्या सब उसके विशिष्ट अर्थ को समझ पाते हैं? बिल्कुल नहीं। कोई बड़भागी होता है जिसके दिल की धड़कन कवि के दिल की धड़कन के साथ ताल मिला पाती है। कवि के हृदय के साथ जिसका हृदय मिल जाय उसे 'सहृदय' कहा जाता है।

91. श्रोता 'सुन्दर' शब्द का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं, क्योंकिः

(a) श्रोता शब्द का विशेष अर्थ ले ही नही सकते हैं।
(b) वक्ता के निर्देश पर श्रोता 'सुन्दर' का विशेष अर्थ लेते हैं।
(c) 'सुन्दर' शब्द 'सुन्दरता' का सामान्य अर्थ ही देता है।
(d) यह अर्थ-ग्रहण की सामान्य रीति है। प्रतिभा, अभ्यास और अर्थ-ग्रहण की विशेष योग्यता के बाद कोई-कोई श्रोता शब्द का सामान्य से अलग अर्थ लेता है।

Ans. (d) : श्रोता 'सुन्दर' अर्थ का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं क्योंकि यह अर्थ-ग्रहण की सामान्य रीति है। प्रतिभा, अभ्यास और अर्थ-ग्रहण की विशेष योग्यता के बाद कोई-कोई श्रोता शब्द का सामान्य से अलग अर्थ लेता है।

92. हृदय में तरंगित सौंदर्य के विशेष रूप को लेखक व्यक्त करने में अक्षम है, क्योंकि :

(a) लेखक में कवि की तरह हृदगत भावों को व्यक्त करने की योग्यता नहीं है।
(b) वह कवि की तरह बात को आलंकारिक ढंग से व्यक्त नहीं करना चाहता।
(c) वह श्रोता को ध्यान में रख कर सौंदर्य के सामान्य अर्थ की प्रतीति कराना चाहता है।
(d) लेखक अभिधामूलक अभिव्यक्ति का आग्रही है। इसलिए वह काकु- वक्रोक्ति या उपमान योजना को निरर्थक समझता है।

Ans. (a) : हृदय में तरंगित सौन्दर्य के विशेष रूप को लेखक व्यक्त करने में अक्षम है क्योंकि लेखक में कवि की तरह हृदमत भावों को व्यक्त करने की योग्यता नहीं है।

93. सामान्य आदमी 'अनुभूत सौंदर्य' का -

(a) साधारण भोक्ता होता है।
(b) भाष्यकार होता है।
(c) मीमांसक होता है।
(d) विशेष अर्थ-बोध कराने वाला कलाकार होता है।

Ans. (a) : सामान्य आदमी 'अनुभूत सौन्दर्य का -साधारण भोक्ता होता है।

94. कवि साधारणीकरण क्यों करता है?

(a) इसलिए कि वह सादृश्य विधान के द्वारा सामान्य को विशिष्ट दिखाना चाहता है।
(b) वह साधारण की प्रतीति साधारण रूप में कराना चाहता है।
(c) वह विशेष के सहज अर्थ-बोध के लिए विशिष्ट को साधारण बनाता है।
(d) समतामूलक दृष्टि के कारण वह हर चीज को साधारण दिखाना चाहता है।

Ans. (c) : कवि साधारणीकरण इसलिए करता है कि वह विशेष के सहज-अर्थ-बोध के लिए विशिष्ट को साधारण बनाता है।

95. शब्द सदा सामान्य अर्थ व्यक्त करते हैं, क्योंकि :

(a) शब्द में विशेष अर्थ व्यक्त करने की क्षमता नहीं होती।
(b) हर शब्द का केवल सामान्य अर्थ होता है।
(c) प्रयोक्ता सामान्य अर्थ ही समझता है।
(d) सामान्यतया सामान्य अर्थ में ही शब्द का प्रयोग किया जाता है। शब्द का विशेष अर्थ प्रयोग और परिस्थिति पर निर्भर करता है।

Ans. (d) : शब्द सदा सामान्य अर्थ व्यक्त करते हैं, क्योंकि सामान्यता सामान्य अर्थ में ही शब्द का प्रयोग किया जाता है। शब्द का विशेष अर्थ प्रयोग और परिस्थिति पर निर्भर करता है।

96 to 100

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए-

विवाह के व्यवसाय में स्त्री की विद्या पासंग बने हुए ढेले के समान है, जो तुला को दोनों ओर समान रूप से गुरु कर देता है, कुछ उसके मानसिक विकास के लिए नहीं। उसकी योग्यता, उसकी कला पति के प्रदर्शन तथा गर्व की वस्तु है, उसे सत्यं शिवं सुन्दरं तक पहुँचने का साधन नहीं: उसके कोमलता, करुणा, आज्ञाकारिता, पवित्रता आदि गुण उसे पुरुष की इच्छानुकूल बनाने के लिए आवश्यक हैं, संसार पर कल्याण वर्षा के लिए नहीं। न स्त्री को अपने जीवन का कोई लक्ष्य बनाने का अधिकार है और न समाज द्वारा निर्धारित विधान के विरुद्ध कुछ कहने का। उसका जीवन पुरुष के मनोरंजन तथा उसकी वंशवृद्धि के लिए इस प्रकार चिरनिवेदित हो चुका है कि उसकी सम्मति पुछने की आवश्यकता का अनुभव भी किसी ने नहीं किया। वातावरण भी धीरे-धीरे उसे ऐसे ही मूक आज्ञा-पालन के लिए प्रस्तुत करता रहता है।गृहिणी का कर्तव्य कम महत्वपूर्ण नहीं यदि वह साधिकार और स्वेच्छा से स्वीकृत हो। जिस गृह को बचपन से उसका लक्ष्य बनाया जाता है यदि उस पर उसे अन्न-वस्त्र पाने के अतिरिक्त कोई और अधिकार भी होता, जिस पुरुष के लिए उसका जीवन एकान्त रूप से निवेदित है, यदि उसके जीवन पर उसका भी कोई स्वत्व होता तो वह दासता स्पृहणीय प्रभुत बन जाती।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

96. उपर्युक्त अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) विवाह की प्रथा में वर और कन्या के माता-पिता सिर्फ उनकी भलाई का प्रयास करते हैं।

(b) विवाह-प्रथा में पढ़ी-लिखी लड़की अपने मायके और ससुराल का गौरव तो बढ़ा देती है, लेकिन अपने व्यक्तित्व के भीतरी विकास में उसका उपयोग कर नहीं पाती है।

(c) विवाह एक ऐसी प्रथा है जिसमें वर और कन्या के माता-पिता सिर्फ अपना-अपना लाभ देखते हैं।

(d) विवाह की प्रथा में शिक्षित-अशिक्षित लड़की में कोई अंतर नहीं किया जाता है। दोनों को नौकरानी समझा जाता है।

Ans. (b) : उपर्युक्त अवतरण के सन्दर्भ में सही कथन यह है कि विवाह-प्रथा में पढ़ी-लिखी लड़की अपने मायके और ससुराल का गौरव तो बढ़ा देती है, लेकिन अपनी व्यक्तित्व के भीतरी विकास में उसका उपयोग कर नहीं पाती हैं।

97. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) यदि घर का उत्तरदायित्व निभाने में गृहिणी के अधिकार और इच्छा का सम्मान नही होता है, तो भी बड़े गौरव की बात है।

(b) यदि घर का उत्तरदायित्व निभाना पड़ता है, तो गृहिणी का परम कर्तव्य है, चाहे उसकी इच्छा के विपरीत ही क्यों न हो।

(c) यदि घर का उत्तरदायित्व निभाने में गृहिणी को अपना सब कुछ निछावर करना पड़ता है तो यह भी श्रेयष्कर है।

(d) यदि गृहिणी अपनी इच्छा से और अपने अधिकार के गौरव के साथ घर के उत्तरदायित्व का निर्वाह करती है, तो वह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

Ans. (d) : उपर्युक्त अवतरण के आधार पर सही कथन यह है कि यदि गृहणी अपनी इच्छा से और अपने अधिकार के गौरव के साथ घर के उत्तरदायित्व का निर्वाह करती है, तो वह अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

98. उपर्युक्त अवतरण के सन्दर्भ में सही कथन है-

(a) पुरुष प्रधान समाज में स्त्री को न तो सामाजिक नियमों के विरोध में मुँह खोलने की छूट है और न ही अपने जीवन का लक्ष्य निश्चित करने की आजादी है।

(b) स्त्री को अपनी बौद्धिक शक्ति पर इतना अभिमान है कि वह जानबूझकर समाज के नियमों और अपने लक्ष्य के बारे में बताना अपना अपमान समझती है।

(c) स्त्री स्वयं हीनता ग्रंथि का शिकार है। इसीलिए वह सामाजिक नियमों के विरोध में मुँह खोलने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती और अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने से बचती है।

(d) स्त्री इतनी सहनशील है कि वह समाज के बारे में कुछ कहना आवश्यक नहीं समझती है और अपना लक्ष्य निर्धारित करने की उसे आवश्यकता भी जान नहीं पड़ती है।

Ans. (a) : उपर्युक्त अवतरण के संदर्भ मे सही कथन यह है कि पुरुष प्रधान समाज में स्त्री को न तो सामाजिक नियमों के विरोध में मुंह खोलने की छूट है और न ही अपने जीवन का लक्ष्य निश्चित करने की आजादी है।

99. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही हैं?

(a) पति के घर में जाकर स्त्री का जीवन पति के लिए पूरी तरह से समर्पित हो जाता है और उसका अपने जीवन पर कोई अधिकार नहीं रह जाता है।

(b) जिस घर को बचपन से गृहिणी का लक्ष्य बनाया जाता है, यदि उस घर में जाकर अपने जीवन पर उसका अधिकार बना रहता तो उसकी गुलामी भी स्वागत योग्य कही जा सकती है।

(c) पति के घर में जाने के बाद गृहिणी का नाम और चेहरा छीनकर उसे घर की मालकिन बना दिया जाता है।

(d) पतिगृह में गृहिणी अपने जीवन के अधिकार और स्वत्तव से हीन होने पर भी शहीद होने का गर्व महसूस करती है।

Ans. (b) : उपर्युक्त अवतरण के आधार पर सही कथन यह है कि जिस घर को गृहणी का लक्ष्य बनाया जाता है, यदि उस घर में जाकर अपने जीवन पर उसका अधिकार बना रहता तो उसकी गुलामी भी स्वागत योग्य कही जा सकती है।

100. उपर्युक्त अवतरण के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से सही कथन है-

(a) स्त्री को समाज-कल्याण का काम कठिन लगता है, जबकि उसे अपने अर्जित गुणों को पुरुषा की इच्छा के अनुरुप ढालना सरल लगता है।

(b) स्त्री स्वयं समाज का कल्याण नहीं करना चाहती है और पुरुष को खुश करने के लिए स्वयं अपने गुणों को अनुकूलन कर लेती है।

(c) स्त्री द्वारा अर्जित मानवोचित गुणों को पुरुषप्रधान समाज लोकमंगल के कार्यो में लगाना नहीं चाहता। इसके कारण उसके गुणों का पुरुष की इच्छा के अनुरूप अनुकूलन किया जाता है।

(d) अपने अर्जित मानवोचित गुणों को समाज-कल्याण में न लगाना या उन्हें पुरुष की इच्छा के अनुरूप ढालना स्त्री की अपनी मर्जी है।

Ans. (c) : उपर्युक्त अवतरण के संदर्भ में सही कथन यह है कि स्त्री द्वारा अर्जित मानवोचित गुणों को पुरुष प्रधान समाज लोकमंगल के कार्यों में लगाना नहीं चाहता। इसके कारण उसके गुणों का पुरुष की इच्छा के अनुरुप अनुकूलन किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2021
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली)
विश्लेषण सहित व्याख्या

(परीक्षा तिथि : 26.12.2021)

समय : 3 घण्टा] **[पूर्णाङ्क : 200**

1. चन्दबरदाई ने 'पृथ्वीराज रासो' में निम्नलिखित में से मुख्यतया किस छन्द का प्रयोग किया है?

(a) अरिल्ल
(b) पद्धड़िया
(c) कवित्त
(d) सवैया

Ans. (c) : चन्दबरदाई ने 'पृथ्वीराज रासो' में मुख्यतया 'कवित्त' छन्द का प्रयोग किया है। 'पृथ्वीराज रासो' में 68 छन्दों का प्रयोग किया गया है जिनमें दूहा, कवित्त, छप्पय, तोमर, त्रोटक, गाहा आदि है। चंदबरदाई को छप्पय छंद का विशेषज्ञ माना जाता है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने चन्दबरदाई को हिन्दी का प्रथम कवि तथा 'पृथ्वीराज रासो' को प्रथम महाकाव्य माना है।

2. 'कविता क्या है' निबंध चिंतामणि के किस भाग में संकलित है?

(a) चिंतामणि भाग 1
(b) चिंतामणि भाग 2
(c) चिंतामणि भाग 3
(d) चिंतामणि भाग 4

Ans. (a) : 'कविता क्या है?' निबंध चिंतामणि भाग 1 में संकलित है। चिन्तामणि निबन्ध चार भागों में विभक्त है। चिन्तामणि (भाग 1) के सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हैं। 'चिन्तामणि' (भाग 1) में संकलित निबंध निम्न हैं- भाव या मनोविकार, उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, करुणा, लज्जा और ग्लानि, लोभ और प्रीति, घृणा, ईर्ष्या, भय, क्रोध आदि। आचार्य शुक्ल का 'चिन्तामणि' (भाग 1) प्रथमतः 'विचार वीथी' नाम से 1930 ई. में प्रकाशित हुआ था।

3. प्रभाववादी आलोचना के संबंध में सही तथ्य कौन से हैं?

1. प्रभाववादी आलोचना में अवचेतन मन का महत्व होता है।
2. पद्मसिंह शर्मा की आलोचना पद्धति प्रभाववादी आलोचना है।
3. आलोचक स्वयं एक प्रकार की रचना करने लगता है।
4. सहृदय आलोचक काव्य-कृति को पढ़कर प्रभाव ग्रहण करता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) 2 और 4

Ans. (d) : पद्मसिंह शर्मा की आलोचना पद्धति प्रभाववादी आलोचना है तथा सहृदय आलोचक काव्य-कृति को पढ़कर प्रभाव ग्रहण करता है। यह तथ्य प्रभाववादी आलोचना के सम्बन्ध में सही है। प्रभाववादी या आत्म प्रधान आलोचना के प्रमुख तथ्य निम्न हैं-

- भावुकता का महत्त्व
- विषय वस्तु की अपेक्षा भाव की प्रधानता।
- प्रभाववादी समीक्षक एक प्रकार की साहित्यिक सत्य-असत्य, विवेक-बुद्धि में विश्वास रख अपनी रुचि को अन्तिम प्रमाण मानते हैं।
- पद्मसिंह शर्मा तथा शांतिप्रिय द्विवेदी हिन्दी के प्रमुख प्रभाववादी समीक्षक हैं।

4. निम्नलिखित में से कौन 'चंदनबालारास' के रचयिता हैं?

(a) जिनधर्मसूरि (b) सुमति गण
(c) मुनि जिनविजय (d) आसगु

Ans. (d) : 'चंदनबाला रास' के रचयिता आसगु हैं। इनके द्वारा रचित अन्य ग्रंथ 'जीव-दया रास' है। अन्य रचनाएँ एवं रचनाकार हैं–

रचना		रचनाकार
नेमिनाथ रास	–	मुनि सुमतिगण
रेवंतगिरि रास	–	विजयसेन सूरि
श्रावकाचार	–	देवसेन
स्थूलि भद्र रास	–	जिनधर्मसूरि

5. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है–

1. मध्यकालीनबोध का स्वरूप
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल
3. कबीर
4. हिंदी साहित्य की भूमिका

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 1, 4, 2, 3 (b) 2, 1, 4, 3
(c) 3, 2, 1, 4 (d) 4, 3, 2, 1

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार रचनाओं का सही अनुक्रम है–

रचना		प्रकाशन वर्ष
हिन्दी साहित्य की भूमिका	–	1940 ई.
कबीर	–	1941 ई.
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	–	1952 ई.
मध्यकालीन बोध का स्वरूप	–	1970 ई.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. निम्नलिखित में से किस उपन्यास में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा भारत के आर्थिक शोषण और लूट का यथार्थ चित्रण हुआ है?

(a) वामा शिक्षक (b) परीक्षा गुरु
(c) नूतन ब्रह्मचारी (d) श्यामा स्वप्न

Ans. (b) : 'परीक्षा गुरु' उपन्यास में ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा भारत के आर्थिक शोषण और लूट का यथार्थ चित्रण हुआ है। 'परीक्षा गुरु' (1882 ई.) उपन्यास के लेखक श्रीनिवासदास हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'परीक्षा गुरु' को अंग्रेजी के ढंग का हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास माना है।

7. 'हाय! रुक गया यहीं संसार
बना सिंदूर अनल अँगार!
वात हत लतिका वह सुकुमार
पड़ी है छिन्नाधार!!
इस काव्यांश का प्रतिपाद्य है–

(a) स्त्री स्वावलंबी है।
(b) पुरुष के बिना स्त्री का कोई अस्तित्व नहीं है।
(c) स्त्री के बिना पुरुष अधूरा है।
(d) स्त्री-पुरुष स्वच्छंद हैं।

Ans. (b) : 'हाय! रुक गया यहीं संसार
बना सिंदूर अनल अँगार!
वात हत लतिका वह सुकुमार
पड़ी है छिन्नाधार!!

इस काव्यांश का प्रतिपाद्य पुरुष के बिना स्त्री का कोई अस्तित्व नहीं है। उक्त काव्य पंक्ति सुमित्रा नन्दन पंत कृत 'परिवर्तन' से उद्धृत है।

8. प्रकाशनवर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

1. शेखरः एक जीवनी
2. तमस
3. बाणभट्ट की आत्मकथा
4. मैला आंचल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 2, 3, 4, 1 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 3, 4, 1, 2 (d) 1, 3, 4, 2

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

उपन्यास	उपन्यासकार	प्रकाशन वर्ष
शेखरः एक जीवनी	अज्ञेय	1940 ई. (भाग-1)
		1944 ई. (भाग-2)
बाणभट्ट की आत्मकथा	हजारीप्रसाद द्विवेदी	1946 ई.
मैला आँचल	फणीश्वरनाथ रेणु	1954 ई.
तमस	भीष्म साहनी	1973 ई.

9. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची –II
A. प्लेटो	1. दि ग्रेट ट्रेडीशन
B. बिम्साट डब्लू. के	2. ईआन
C. कॉलरिज	3. लेक्चर्स ऑन शेक्सपियर
D. फ्रेंक रेमंड लीविस	4. लिटरेरी क्रिटीसिज्म-ए शार्ट हिस्ट्री

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

	A	B	C	D
(a)	2	4	3	1
(b)	1	2	4	3
(c)	3	2	1	4
(d)	4	3	2	1

Ans. (a) : सूची-I तथा सूची-II का सही मिलान–

पाश्चात्य समीक्षक	ग्रंथ
प्लेटो	– ईआन
बिम्साट डब्लू. के	– लिटरेरी क्रिटीसिज्म-ए शार्ट हिस्ट्री
कॉलरिज –	लेक्चर्स ऑन शेक्सपियर,
फ्रेंक रेमंड लीविस	– दि ग्रेट ट्रेडीशन

10. निम्नलिखित में से किस आचार्य ने 'रीति' का एक भेद 'अवन्ती' को माना है?

(a) भामह (b) वामन
(c) कुन्तक (d) भोजराज

Ans. (d) : आचार्य भोजराज ने रीति का एक भेद अवन्ती को माना है। रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य वामन हैं, इन्होंने रीति को काव्य की आत्मा माना है। इनके अनुसार, ''विशिष्ट पद रचना रीति'' है। आचार्य वामन ने रीति के तीन भेद किये हैं– 1. वैदर्भी रीति 2. गौड़ी रीति 3. पांचाली रीति।

11. 'भारत-दुर्दशा' के आखिरी अंक में भारतभाग्य क्या करता है?'

(a) भारत को जगाता है।
(b) भारत के हतभाग्य पर क्रोधित होता है।
(c) घायल भारत को छोड़कर चला जाता है।
(d) भारत के सीने में कटार से आघात करता है।

Ans. (a) : 'भारत-दुर्दशा' के आखिरी अंक में 'भारतभाग्य' भारत को जगाता है। भारत-दुर्दशा नाटक के लेखक भारतेदु हरिश्चन्द्र हैं। इस नाटक में कुल छः अंक हैं। छठवें अंक में भारतभाग्य नामक केवल एक पात्र का संवाद एवं कार्यव्यापार चित्रित है। भारतभाग्य का लम्बा गीतात्मक संवाद भारत के गौरवमय अतीत एवं दुःखद वर्तमान दोनों को समेटता है। भारतभाग्य का आत्मधिक्कार कारुणिक है। अन्ततः वह छाती में चाकू भोंक कर आत्महत्या कर लेता है।

12. निम्नलिखित में अस्तित्ववाद की विशेषताएं हैं–

1. जीवन की निरर्थकता का बोध
2. जीवन की सार्थकता का बोध
3. मृत्यु-बोध
4. परम्परा के प्रति आस्था

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (b) : जीवन की निरर्थकता का बोध तथा मृत्यु-बोध अस्तित्ववाद की विशेषता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

13. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' में लेखक ने अपने पिता के किस प्रकार के गीता-वाचन का उल्लेख किया है?

(a) सस्वर वाचन (b) गुनगुनाकर
(c) मौन रहकर (d) ऊँचे स्वर में

Ans. (c) : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' में लेखक ने अपने पिता के मौन रहकर के गीता-वाचन का उल्लेख किया है। 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' आत्मकथा के लेखक हरिवंशराय बच्चन हैं। इन्होंने अपनी आत्मकथा को चार भागों में लिखा है, जो निम्न है-
1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ
2. नीड़ का निर्माण फिर
3. बसेरे से दूर
4. दस द्वार से सोपान तक

14. टॉमस स्टर्न्स इलियट के अनुसार पंरपरा–

(a) संस्कृति का अंश नहीं है।
(b) निर्जीव होती है।
(c) अनुपयोगी है।
(d) जीवित संस्कृति का एक अंश है।

Ans. (d) : टॉमस स्टर्न्स इलियट के अनुसार परंपरा जीवित संस्कृति का एक अंश है। इलियट की प्रमुख समालोचनात्मक कृतियाँ निम्न है- द सेक्रेड वुड, होमेज टु जॉन ड्राइडन, सेलेक्टेड एसेज, द यूज ऑफ पोएट्री एण्ड द यूज ऑफ क्रिटिसिज्म आदि।

15. 'चंद्रदेव से मेरी बातें' हिंदी साहित्य की पहली कहानी थी जिसने अपने समय की राजनीति और अर्थनीति को केंद्रीय कथ्य बनाया। यह किसका कथन है?

(a) देवीशंकर अवस्थी (b) मधुरेश
(c) नामवर सिंह (d) भवदेव पांडेय

Ans. (d) : ''चंद्रदेव से मेरी बातें' हिन्दी साहित्य की पहली कहानी थी जिसने अपने समय की राजनीति और अर्थनीति को केन्द्रीय कथ्य बनाया।'' यह कथन भवदेव पाण्डेय का है। 'चंद्रदेव से मेरी बातें' कहानी सर्वप्रथम सरस्वती पत्रिका में 1904 ई. में प्रकाशित हुई थी इसकी लेखिका राजेन्द्र बाला घोष (बंग महिला) हैं।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा विद्वान अस्तित्ववाद का चिन्तक नहीं है?

(a) अल्बर्ट कामू (b) एजरा पाउंड
(c) मार्टिन हेडगर (d) ज्यां-पॉल सार्त्र

Ans. (b) : 'एजरा पाउंड' अस्तित्ववाद के चिंतक नहीं है। यह बिम्बवाद के चिंतक हैं। ए.बी.सी. ऑफ रीडिंग नामक ग्रंथ के रचयिता एजरा पाउंड हैं, जबकि अल्बर्ट कामू, मार्टिन हेडगर तथा ज्यां-पॉल सार्त्र अस्तित्ववादी चिंतक हैं। अस्तित्ववाद का प्रवर्तक सोरेन कीर्केगाद को माना जाता है।

17. 'अण्डर स्टैंडिंग पोइट्री' पुस्तक के लेखक हैं:

(a) एलेन टेट (b) टिलियर्ड
(c) क्लींथ ब्रुक्स (d) सर विलियम एम्पसन

Ans. (c) : 'अण्डर स्टैंडिंग पोइट्री' पुस्तक के लेखक क्लींथ ब्रुक्स हैं। क्लींथ ब्रुक्स को बिडम्बना और विसंगति सिद्धान्त का प्रवर्तक माना जाता है। 'ऑन द लिमिट्स ऑफ पोएट्री (1948 ई.) पुस्तक के लेखक एलेन टेट तथा सैविन टाइम्स ऑफ एम्बिगुइटी पुस्तक के लेखक विलियम एम्पसन हैं। 'दि डायरेक्ट एण्ड ऑब्लीक' पुस्तक के लेखक 'टिलियर्ड' हैं।

**18. ''सुंदरता का आलोकस्रोत है फूट पड़ा मेरे मन में।
जिससे नवजीवन का प्रभात होगा फिर जग के आँगन में।।''
उपर्युक्त पंक्तियों के रचयिता हैं–**

(a) जयशंकर प्रसाद (b) सुमित्रानंदन पंत
(c) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (d) महादेवी वर्मा

Ans. (b) : 'सुंदरता का आलोकस्रोत है फूट पड़ा मेरे मन में।
जिससे नवजीवन का प्रभात होगा फिर जग के आँगन में।।''
उपर्युक्त पंक्ति के रचयिता 'सुमित्रानंदन पंत हैं। यह काव्य पंक्ति पंत जी के 'युगांत' काव्य संग्रह में संकलित है। छायावादी कवि एवं काव्य पंक्तियाँ निम्न हैं–

काव्य पंक्तियाँ	कवि
संवेदन का और हृदय का यह संघर्ष न हो सकता फिर अभाव असफलताओं की गाथा कौन कहाँ बकता!	– जयशंकर प्रसाद
अपशब्द अधरों का सुना भाष, मैं कवि हूँ, पाया है प्रकाश।	– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
सुन्दर है विहग सुमन सुन्दर मानव! तुम सबसे सुंदरतम्।	– सुमित्रानंदन पंत
वे मुस्काते फूल नहीं जिनको भाता है मुरझाना। वे तारों के दीप नहीं जिनको आता है बुझ जाना।।	– महादेवी वर्मा

19. लाला श्रीनिवासदास की रचनाएँ हैं–

1. प्रह्लादचरित
2. रणधीर और प्रेममोहिनी
3. नियम निर्घोष
4. कीर्तिकेतु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (a) : प्रह्लादचरित तथा रणधीर प्रेममोहिनी लाला श्रीनिवासदास की रचनाएँ है। लाला श्रीनिवास हिन्दी के उपन्यासकार तथा नाटककार थे। 1882 ई. प्रकाशित इनके उपन्यास 'परीक्षा गुरु' को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अंग्रेजी ढंग का पहला उपन्यास कहा है। कीर्ति केतु नामक नाटक के लेखक बाबू तोताराम थे।

20. 'गीत फरोश' कविता में भवानी प्रसाद मिश्र कहना चाहते हैं कि:

1. व्यावसायिकता के कारण आज का कवि अपने गीत बेचने के लिए मजबूर है।
2. आज का कवि 'ग्राहक की मर्जी' के अनुसार गीत लिखने के लिए अभिशप्त है।
3. कवि केवल खुशी के गीत लिखता है।
4. कवि शौक से गीत लिखता और बेचता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (b) : 'गीत फरोश' कविता में भवानी प्रसाद मिश्र कहना चाहते हैं कि व्यावसायिकता के कारण आज का कवि अपने गीत बेचने के लिए मजबूर हैं तथा आज का कवि 'ग्राहक की मर्जी' के अनुसार गीत लिखने के लिए अभिशप्त है। भवानी प्रसाद मिश्र दूसरे सप्तक (1951 ई.) के कवि हैं। इनके प्रमुख काव्य-संग्रह हैं– परिवर्तन जिए (1976 ई.), चकित है दुःख (1968 ई.), इदम् न मम् (1977 ई.), अंधेरी कविताएँ (1968 ई.), त्रिकाल संध्या (1978 ई.), गाँधी पंचशती (1969 ई.), बुनी हुई रस्सी (1971 ई.) आदि।

21. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : वीर कर्म से अलग वीरत्व का अस्तित्व नहीं है।

कारण R : क्योंकि वीरत्व की अभिव्यक्ति कठोर साधना में होती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य हैं।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य हैं।

Ans. (a) : अभिकथन (A) वीर कर्म से अलग वीरत्व का अस्तित्व नहीं है। कारण (R) क्योंकि वीरत्व की अभिव्यक्ति कठोर साधना में होती हैं। उपर्युक्त कथन के आलोक में अभिकथन A और कारण R दोनों सत्य है और R, A की सही व्याख्या है।

22. 'किसी वस्तु के प्रत्यक्ष ज्ञान या भावना से हमारी अपनी सत्ता के क्रोध का जितना ही अधिक तिरोभाव और हमारे मन की उस वस्तु के रूप में जितनी ही पूर्ण परिणति होगी उतनी ही बढ़ी हुई हमारी सौंदर्य की अनुभूति कही जायेगी।' यह कथन किसका है?

(a) नगेन्द्र (b) नलिन विलोचन शर्मा
(c) रामचंद्र शुक्ल (d) बालकृष्ण भट्ट

Ans. (c) : ''किसी वस्तु के प्रत्यक्ष ज्ञान या भावना से हमारी अपनी सत्ता के क्रोध का जितना ही अधिक तिरोभाव और हमारे मन की उस वस्तु के रूप में जितनी ही पूर्ण परिणति होगी उतनी ही बढ़ी हुई हमारी सौंदर्य की अनुभूति कही जायेगी।'' यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। शुक्ल जी प्रसिद्ध साहित्यकार हैं और इनकी प्रसिद्ध रचना 'हिन्दी साहित्य का इतिहास (1929 ई.) है।

23. यशपाल कृत 'झूठा-सच' उपन्यास के केन्द्रीय विषय कौन से हैं?

1. विभाजन की त्रासदी
2. नारी की विवशता और शोषण
3. सांप्रदायिक दंगों की भयावहता
4. भारत छोड़ो आंदोलन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 2 और 3 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (b) : यशपाल कृत 'झूठा-सच' उपन्यास के केन्द्रीय विषय सांप्रदायिक दंगों की भयावहता तथा विभाजन की त्रासदी है। 'झूठा-सच' दो भागों में प्रकाशित उपन्यास है प्रथम भाग (1958 ई.) का नाम 'वतन और देश' तथा दूसरे भाग (1960 ई.) का नाम 'देश का भविष्य' है। यशपाल प्रगतिवादी या मार्क्सवादी विचारधारा के उपन्यासकार हैं। इनके प्रमुख उपन्यास हैं- दादा कामरेड (1941 ई.), देशद्रोही (1943 ई.), दिव्या (1945 ई.), पार्टी कामरेड (1946 ई.), मनुष्य के रूप (1949 ई.) आदि।

24. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची –II
A. मिलन के पल केवल दो-चार, विरह के कल्प अपार!	**1. प्रियप्रवास**
B. तुम भूल गए पुरुषत्व-मोह में कुछ सत्ता है नारी की!	**2. सांध्यगीत**
C. सिंधु की निःसीमता पर लघु लहर का लास कैसा! दीप लघु शिर पर धरे आलोक का आकाश कैसा!	**3. कामायनी**
D. उपल वृष्टि हुई तम छा गया। पट गई महि कंकर-पात से।	**4. परिवर्तन**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	1	2	3	4
(c)	2	4	3	1
(d)	3	1	4	2

Ans. (a) : सूची-I तथा सूची-II का सही मिलान–

सूची-I		सूची –II
• मिलन के पल केवल दो-चार, विरह के कल्प अपार!	–	परिवर्तन
• तुम भूल गए पुरुषत्व मोह में कुछ सत्ता है नारी की!	–	कामायनी
• सिंधु की निःसीमता पर लघु लहर का लास कैसा! दीप लघु शिर पर धरे आलोक का आकाश कैसा!	–	सांध्यगीत
• उपल वृष्टि हुई तम छा गया। पट गई महि कंकर-पात से।	–	प्रियप्रवास

25. 'भाषाभूषण' का विवेच्य है–

(a) छंद (b) अलंकार
(c) रस (d) ध्वनि

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : भाषाभूषण का विवेच्य अलंकार है। भाषाभूषण ग्रंथ के लेखक जसवंत सिंह है। इस ग्रंथ के 212 दोहो में अलंकारों का निरूपण है। जसवंत सिंह हिन्दी साहित्य के प्रधान आचार्य या शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध हैं। इनकी प्रमुख रचनाएँ है- प्रबोध चन्द्रोदय, अपरोक्ष सिद्धान्त, अनुभव प्रकाश, सिद्धान्त सार आदि।

26. कुबेरनाथ राय के निबंध-संग्रह हैं:

1. बेहया का जंगल 2. कामधेनु

3. आगम की नाव 4. दूसरी सतह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3

(c) 2 और 4 (d) 1 और 3

Ans. (b) : 'कामधेनु' तथा 'आगम की नाव' कुबेरनाथ राय के निबंध-संग्रह हैं। कुबेरनाथ राय ललित निबन्धकार हैं। इनके प्रमुख निबंध संग्रह हैं- प्रिया नीलकण्ठी, रस आखेटक, गंधमादन, विषाद योग, निषाद बांसुरी, महाकवि की तर्जनी, मन पवन की नौका इत्यादि। जबकि 'बेहया का जंगल' निबंध के लेखक कृष्ण बिहारी मिश्र हैं तथा 'दूसरी सतह' निबंध के लेखक शरद जोशी हैं।

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है–

1. भारत की भाषा समस्या

2. मार्क्स और पिछड़े हुए समाज

3. प्रेमचंद और उनका युग

4. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 4, 2, 3, 1 (b) 1, 2, 4, 3

(c) 3, 1, 4, 2 (d) 1, 3, 2, 4

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार रचनाओं का सही अनुक्रम–

रचना		**प्रकाशन वर्ष**
प्रेमचंद और उनका युग	–	1952 ई.
भारत की भाषा समस्या	–	1978 ई.
भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा	–	1985 ई.
मार्क्स और पिछड़े हुए समाज	–	1986 ई.

इन सभी रचनाओं के रचनाकार डॉ. रामविलास शर्मा हैं।

28. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन (Assertion A): नाटक का एक उद्देश्य जनोपदेश है।

कारण (Reason R) : क्योंकि नाटक में उपदेश के सिवा कोई और बात नहीं हो सकती है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Ans. (c) : अभिकथन (A) नाटक का एक उद्देश्य जनोपदेश है। यह कथन सत्य है। कारण (R) क्योंकि नाटक में उपदेश के सिवा कोई और बात नहीं हो सकती यह असत्य है। अतः A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

29. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची –II**
A. चित्तौर का सर्वनाश	**1. विवेकी राय**
B. बसंत	**2. विद्यानिवास मिश्र**
C. जुलूस रुका है	**3. रूपनारायण पांडेय**
D. गांव का मन	**4. भारतेंदु हरिश्चन्द्र**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	1	3	4	2
(c)	2	1	3	4
(d)	4	1	3	2

Ans. (a) : रचना तथा रचनाकारों का सही सुमेलन–

रचना		**रचनाकारों**
चित्तौर का सर्वनाश	–	रूपनारायण पांडेय
बसंत	–	भारतेंदु हरिश्चन्द्र
जुलूस रुका है	–	विवेकी राय
गांव का मन	–	विद्यानिवास मिश्र

30. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची –II**
A. सप्तपर्णी	**1. कृष्णा सोबती**
B. लौट आ ओ धार	**2. गिरिराज किशोर**
C. हम हशमत	**3. भीष्म साहनी**
D. आज के अतीत	**4. दूधनाथ सिंह**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	4	2	3	1
(d)	2	4	1	3

Ans. (d) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन–

सूची-I		**सूची –II**
सप्तपर्णी	–	गिरिराज किशोर
लौट आ ओ धार	–	दूधनाथ सिंह
हम हशमत	–	कृष्णा सोबती
आज के अतीत	–	भीष्म साहनी

31. 'जितनी सफलता भारतेन्दु युग के लेखकों को निबंध-रचना में मिली उतनी कविता और नाटक में नहीं मिली? यह कथन किसका है?

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(c) रामविलास शर्मा (d) नंद दुलारे वाजपेयी

Ans. (c) : 'जितनी सफलता भारतेन्दु युग के लेखकों को निबंध-रचना में मिली उतनी कविता और नाटक में नहीं मिली। यह कथन रामविलास शर्मा का है। रामविलास शर्मा मार्क्सवादी आलोचक हैं। इनकी प्रमुख आलोचनात्मक कृति है- प्रेमचंद (1941 ई.), भारतेन्दु युग (1943 ई.), निराला (1946 ई.), प्रगति और परम्परा (1949 ई.), साहित्य और संस्कृति (1949 ई.) आदि।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. 'हम राज्य लिए मरते हैं।
सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।'
इस प्रसंग में उर्मिला का कौन-सा विचार सही नहीं है?

(a) सामंती समाज में स्त्रियाँ मर्यादा के नाम पर घर की चारदीवारी में कैद होती हैं।
(b) किसान स्त्रियाँ अपने पतियों के साथ स्वतंत्रतापूर्वक विचरण करती हैं।
(c) किसान राज-समाज से अधिक सुखी हैं।
(d) राज्य-सुख भाग्यशाली लोगों को प्राप्त होता है।

Ans. (d) : 'हम राज्य लिए मरते हैं।
सच्चा राज्य परन्तु हमारे कर्षक ही करते हैं।'
इस प्रसंग में उर्मिला का यह विचार 'राज्य-सुख भाग्यशाली लोगों को प्राप्त होता है सही नहीं है। उपर्युक्त काव्य पंक्ति मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित 'साकेत' महाकाव्य के नवम् सर्ग से उद्धृत है।

33. निम्नलिखित में से कौन-सा तद्भव शब्द नहीं है?

(a) राय (b) खेत
(c) दाहिना (d) कवि

Ans. (d) : 'कवि' तद्भव शब्द नहीं हैं। यह तत्सम शब्द है अन्य तद्भव शब्दों का तत्सम शब्द निम्न है–

तद्भव		तत्सम
राय	–	राजा
खेत	–	क्षेत्र
दाहिना	–	दक्षिण

34. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन (Assertion A) : स्त्री-विमर्श स्त्री अस्मिता का समर्थन करता है।
कारण (Reason R) : क्योंकि वह स्त्रीतर अस्मिता का परम विरोधी है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Ans. (c) : (अभिकथन A) स्त्री-विमर्श स्त्री अस्मिता का समर्थन करता है। (कारण R) क्योंकि वह स्त्रीतर अस्मिता का परम विरोधी है। कथन A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

35. 'अज्ञेय' के उपन्यासों के पात्र हैं:
1. राधिका 2. भुवन
3. सरस्वती 4. प्रशांत
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 4
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (c) : अज्ञेय के उपन्यासों के प्रमुख पात्र 'भुवन' और सरस्वती हैं। अज्ञेय के तीन प्रमुख उपन्यास एवं उनके पात्र–

उपन्यास	पात्र
शेखर एक जीवनी (दो-भाग)	– शेखर, सरस्वती, शारदा, शशि
नदी के दीप	– भुवन, रेखा, गौरा, चंद्रमाधव
अपने-अपने अजनबी	– सेल्मा, योके

36. निम्नलिखित में से 'मैला आंचल' उपन्यास के पात्र हैं:
1. कमला
2. शाहननवाज़
3. सहदेव मिसिर
4. बलभद्र नारायण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (b) : 'कमला' और 'सहदेव मिसिर' मैला आँचल उपन्यास के पात्र हैं। मैला आँचल उपन्यास के अन्य पात्र- बालदेव, बावनदास, कालीचरण, लछमी, कमली, राम खेलावन, रामदास, सेवादास, राम किरपाल सिंह, डाक्टर प्रशांत, तहसीदार, वासुदेव आदि। मैला आँचल (1954 ई.) उपन्यास के लेखक फणीश्वरनाथ रेणु हैं। यह आंचलिक उपन्यास है।

37. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार 'शिवसिंह सरोज' में गिनाए गए ग्रंथ हैं–
1. रामसतसई 2. कड़खा रामायण
3. दोहावली 4. कवित्त रामायण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (a) : रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार 'शिवसिंह सरोज' में गिनाए गए ग्रंथ 'राम सतसई' तथा 'कड़खा रामायण' है।

38. मैं चाहता हूँ कि साहित्य-संबंधी धारणाएँ वास्तविक साहित्य में विश्लेषण के आधार पर बनायी जाएँ।'' ये पंक्तियाँ 'एक साहित्यिक की डायरी' के किस प्रकरण से ली गयी हैं?

(a) एक लंबी कविता का अंत
(b) कलाकार की व्यक्तिगत ईमानदारी
(c) तीसरा क्षण
(d) एक मित्र की पत्नी का प्रश्न चिह्न

Ans. (c) : ''मैं चाहता हूँ कि साहित्य-संबंधी धारणाएँ वास्तविक साहित्य में विश्लेषण के आधार पर बनायी जाएँ।'' ये पंक्तियाँ 'एक साहित्यिक की डायरी' के 'तीसरा क्षण' प्रकरण से ली गयी है। एक साहित्यिक की डायरी निबन्ध संग्रह के लेखक गजानन माधव मुक्तिबोध हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

39. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची –II
A. होली है	1. हजारी प्रसाद द्विवेदी
B. पीछे मत फेंकिये	2. विद्यानिवास मिश्र
C. मेरी जन्मभूमि	3. प्रतापनारायण मिश्र
D. परंपरा बंधन नहीं	4. बालकृष्ण भट्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	A	B	C	D
(a)	1	4	2	3
(b)	4	2	3	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	3	1	4

Ans. (c) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन–

सूची-I		सूची –II
होली है	–	प्रतापनारायण मिश्र
पीछे मत फेंकिये	–	बालकृष्ण भट्ट
मेरी जन्मभूमि	–	हजारीप्रसाद द्विवेदी
परंपरा बंधन नहीं	–	विद्यानिवास मिश्र

40. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची –II
A. प्रकृति जाके जोई अंग परी। स्वान-पूँछ कोटिक जो लागै सूधि न काहु करी।	1. सूरदास
B. बहुबिध चित्र बनाय कै, हरि रच्यौ क्रीड़ा-रास। जेहि न इच्छा झूलिबे की, ऐसी बुधि केहि पास।	2. कबीरदास
C. थारो रूप देख्यां अटकी कुल कुटुंब सजण सकल बार बार हटकी।	3. मीरा
D. गुर नित मोहि प्रबोध दुखित देखि आचरन मम। मोहि उपजइ अति क्रोध दंभिहि नीति कि भावई॥	4. तुलसीदास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	3	2	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	4	1	3	2

Ans. (c) : सूची-I तथा सूची-II का सही मिलान–

सूची-I		सूची –II
• प्रकृति जाके जोई अंग परी। स्वान-पूँछ कोटिक जो लागै, सूधि न काहु करी।	–	सूरदास
• बहुबिध चित्र बनाय कै, हरि रच्यौ क्रीड़ा-रास। जेहि न इच्छा झूलिबे की, ऐसी बुधि केहि पास।	–	कबीरदास
• थारो रूप देख्यां अटकी कुल कुटुंब सजण सकल बार बार हटकी।	–	मीरा
• गुर नित मोहि प्रबोध दुखित देखि आचरन मम। मोहि उपजइ अति क्रोध दंभिहि नीति कि भावई।।	–	तुलसीदास

41. पुरुरवः! पुरस्तं परेहि,
दुरापना वात इवाहमस्मि।
'उर्वशी' का तृतीय अंक इस बीज-भाव पर केंद्रित है। इसका स्रोत है–

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद
(c) तैत्तिरीय उपनिषद् (d) ब्रह्मवैवर्त पुराण

Ans. (a) : पुरुरवः! पुरस्तं परेहि,
दुरापना वात इवाहमस्मि।
अर्थात् हे पुरुरवा! तुम अपने घर को लौट जाओ, मैं वायु के समान दुष्प्राप्य हूँ। 'उर्वशी' का तृतीय अंक इस बीज-भाव पर केंद्रित है। इसका स्रोत 'ऋग्वेद' है। 'उर्वशी' महाकाव्य के रचयिता रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं, इसमें कुल पाँच अंक है।

42. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची –II
A. शृंगार मंजरी	1. मतिराम
B. साहित्यसार	2. चिंतामणि
C. रस सारांश	3. देव
D. प्रेमचंद्रिका	4. भिखारीदास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	2	1	4	3
(c)	4	3	2	1
(d)	1	4	3	2

Ans. (b) : सूची-I तथा सूची-II का सही सुमेलन–

सूची-I		सूची –II
शृंगार मंजरी	–	चिंतामणि
साहित्यसार	–	मतिराम
रस सारांश	–	भिखारीदास
प्रेमचंद्रिका	–	देव

43. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा आर्यभाषाओं में शामिल नहीं है?

(a) यूनानी (b) लैटिन
(c) फारसी (d) अरबी

Ans. (d) : 'अरबी' भाषा आर्यभाषा में शामिल नहीं है जबकि यूनानी, लैटिन तथा फारसी आर्यभाषा वर्ग में शामिल हैं।

44. निम्नलिखित में से कौन से उपन्यास अमृत लाल नागर द्वारा रचित नहीं हैं?

1. **सीमाएं टूटती हैं**
2. **एकदा नैमिषारण्ये**
3. **शतरंज के मोहरे**
4. **कथा कहो उर्वशी**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : 'सीमाएँ टूटती हैं' तथा 'कथा कहो उर्वशी' उपन्यास अमृतलाल नागर द्वारा रचित नहीं हैं। 'सीमाएँ टूटती हैं' उपन्यास के लेखक श्रीलाल शुक्ल तथा 'कथा कहो उर्वशी' उपन्यास के लेखक देवेन्द्र सत्यार्थी हैं। अमृत लाल नागर द्वारा रचित उपन्यास- एकदा नैमिषारण्ये, शतरंज की मोहरें, अमृत और विष, सात घूँघट वाला मुखड़ा, मानस का हंस, नाच्यौ बहुत गोपाल तथा खंजन नयन आदि हैं।

45. विष्णुकांत शास्त्री के संस्मरण 'सुधियाँ उस चंदन के वन की' का शीर्षक किस कवि की कविता से प्रेरित है?

(a) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (b) रघुवीर सहाय
(c) गिरिजाकुमार माथुर (d) कीर्ति चौधरी

Ans. (c) : विष्णुकांत शास्त्री के संस्मरण 'सुधियाँ उस चंदन के वन की' का शीर्षक गिरिजाकुमार माथुर की कविता 'मंजीर' से प्रेरित है। गिरिजा कुमार माथुर के प्रमुख काव्य संग्रह हैं- मंजीर, नाश और निर्माण, धूप के धान, शिलापंख चमकीले, छायामत छूना मन, साक्षी रहे वर्तमान, मै वक्त के हूँ सामने आदि।

46. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : दलित विमर्श का वैचारिक आधार बाबा साहेब अंबेडकर का दर्शन है।

कारण R : क्योंकि अंबेडकर दर्शन पर मात्र दलित-विमर्श विचार कर सकता है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Ans. (c) : अभिकथन (A) दलित विमर्श का वैचारिक आधार बाबा साहेब अंबेडकर का दर्शन है। कथन सत्य है जबकि कारण (R) क्योंकि अंबेडकर दर्शन पर मात्र दलित विमर्श विचार कर सकता है। दलित विमर्श के संबंध में यह कारण असत्य है।

47. 'मुख-कमल समीप सजे थे
दो किसलय से पुरइन के
जलबिन्दु सदृश ठहरे कब
उन कानों में दुख किनके?
इस छन्द में प्रेयसी के किस गुण या प्रवृत्ति का वर्णन हुआ है?

(a) प्रेयसी रूपवती है।
(b) प्रेयसी के लिए प्रयुक्त उपमान नये हैं।
(c) प्रेयसी निर्दय है।
(d) प्रेयसी प्रिय के प्रति अनुकूल है।

Ans. (c) : 'मुख-कमल समीप सजे थे
दो किसलय से पुरइन के
जलबिन्दु सदृश ठहरे कब
उन कानों में दुख किनके?
इस छन्द में प्रेयसी के निर्दयता है के गुण या प्रवृत्ति का वर्णन हुआ है। प्रस्तुत पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद की कविता 'आँसू' से ली गयी है।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा पात्र 'मुर्दहिया' के रचनाकार के परिवार से संबंधित नहीं है?

(a) मुन्नर (b) सोम्मर
(c) सुदेस्सर (d) मुनेसर

Ans. (c) : 'सुदेस्सर' पात्र 'मर्दुहिया' के रचनाकार के परिवार से सम्बन्धित नहीं है। 'मुर्दहिया' आत्मकथा के लेखक तुलसीराम हैं। इसके पात्र मुन्नर, सोम्मर तथा मुनेस्सर मुर्दहिया के रचनाकार के परिवार से सम्बन्धित हैं।

49. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में किस चरित्र की बात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चाणक्य ने कहा था- "मेरे पास पाणिनि में सिर खपाने का समय नहीं। भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ।"

(a) राक्षस (b) सिंहरण
(c) एनिसाक्रीटीज (d) वररुचि

Ans. (d) : 'चन्द्रगुप्त' नाटक में 'वररुचि' की बात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चाणक्य ने कहा था- "मेरे पास पाणिनी में सिर खपाने का समय नहीं। भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ।" चन्द्रगुप्त नाटक के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। इस नाटक के प्रमुख पात्र- सिंहरण, आम्भीक, पर्वतेश्वर, राक्षस, मालविका, अलका, कार्नेलिया, सुवासिनी, एनीसाक्रीटीज, सेल्यूकस आदि हैं।

50. ब्रजभाषा गद्य में लिखी हुई टीकाओं की सूची में कौन-सी असंगत है?

(a) बिहारी सतसई की टीका – भगवान दीन
(b) कविप्रिया की टीका – हरिचरण दास
(c) रामचंद्रिका की टीका – जानकी प्रसाद
(d) रसिकप्रिया की टीका – ईश्वरी प्रसाद नारायण

Ans. (d) : ब्रजभाषा गद्य में लिखी हुई टीकाओं की सूची में रसिकप्रिया की टीका-ईश्वरी प्रसाद नारायण' असंगत है। ब्रजभाषा गद्य में लिखी टीकाओं का संगत युग्म–

टीका	टीकाकार
बिहारी सतसई की टीका	– भगवान दीन
कविप्रिया की टीका	– हरिचरण दास
रामचंद्रिका की टीका	– जानकी प्रसाद
रसिक प्रिया की टीका	– सुरति मिश्र

51. निम्नलिखित में से कौन-सी कहानी 'ठुमरी' कहानी सग्रह में नहीं है?

(a) आदिमरात्रि की महक (b) पंचलाइट
(c) तीसरी कसम (d) रसप्रिया

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : 'आदिम रात्रि की महक' कहानी 'ठुमरी' कहानी संग्रह में नहीं है। जबकि 'तीसरी कसम', 'पंचलाइट' तथा 'रसप्रिया' कहानी ठुमरी कहानी संग्रह में संकलित है। 'ठुमरी' कहानी संग्रह के लेखक 'फणीश्वरनाथ रेणु' हैं। 'आदिमरात्रि की महक' (1967 ई.) एक कथा संग्रह है, इस संग्रह में कुल 14 कहानियाँ संकलित हैं जिसके लेखक फणीश्वरनाथ रेणु हैं।

52. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार इंशाअल्ला खाँ ने अपनी भाषा को किस प्रकार के शब्दों से मुक्त रखने की प्रतिज्ञा नहीं की थी?

(a) बाहर की बोली (b) गँवारी
(c) भाखापन (d) तत्सम

Ans. (d) : रामचंद्र शुक्ल के अनुसार इंशाअल्ला खाँ ने अपनी भाषा को तत्सम के शब्दों से मुक्त रखने की प्रतिज्ञा नहीं की थी। इंशा अल्ला खाँ ने अपनी भाषा को तीन प्रकार के शब्दों से मुक्त रखने की प्रतिज्ञा की थी- बाहर की बोली अरबी, फारसी, तुरकी। गँवारी = ब्रजभाषा, अवधी आदि, भाखापन = संस्कृत के शब्दों का मेल।

**53. तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी ह्वै उरबसी-समान॥
इस दोहे में सखी राधा से क्या कह रही है?**

(a) राधा के रूप की तारीफ कर नायक से प्रेम करने के लिए उत्कंठित करती है।
(b) नायक की बेवफाई के कारण उससे दूर रहने की सलाह देती है।
(c) नायक की धृष्टता के कारण मान करने को कहती है।
(d) राधा के रूप की तारीफ करके उसका मान छुड़ाती है।

Ans. (d) : तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान।
तू मोहन कैं उर बसी ह्वै उरबसी-समान।।
इस दोहे में सखी राधा के रूप की तारीफ करके उसका मान छुड़ाती है। यह पंक्ति बिहारी द्वारा रचित बिहारी सतसई से है।

54. निम्नलिखित में से क्या-क्या केशवदास के बारे में सही है?
1. वे इंद्रजीत सिंह के दरबारी कवि थे।
2. इनकी कविता में अलंकारों का प्रयोग बहुत कम हुआ है।
3. इन्होंने केवल चौपाई छंद में लिखा है।
4. इनकी कृति 'बीरसिंहदेव चरित' है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : केशवदास इंद्रजीत सिंह के दरबारी कवि थे तथा इनकी कृति 'वीरसिंह देव चरित' है। केशवदास अलंकारवादी कवि हैं। इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं- रसिकप्रिया, कविप्रिया, छंदमाला, वीरसिंह देव चरित, रामचन्द्रिका, रतनबावनी, विज्ञानगीता आदि।

55. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है–
1. गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'
2. श्रीधर पाठक
3. रामनरेश त्रिपाठी
4. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 2, 4, 1, 3 (b) 4, 2, 3, 1
(c) 3, 1, 2, 4 (d) 1, 2, 3, 4

Ans. (a) : जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है–

कवि	जन्मकाल
श्रीधर पाठक	– 1858 ई.
अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध	– 1865 ई.
गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'	– 1883 ई.
रामनरेश त्रिपाठी	– 1889 ई.

56. निम्नलिखित में से अध्यापक पूर्णसिंह के निबंध हैं:
1. कन्यादान 2. परीक्षा
3. सच्ची वीरता 4. बसंत की हवा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 4
(c) 3 और 4 (d) 1 और 3

Ans. (d) : 'सच्चीवीरता' तथा 'कन्यादान' अध्यापक पूर्ण सिंह के निबंध हैं। इनके द्वारा लिखित अन्य निबन्ध हैं– पवित्रता, आचरण की सभ्यता, मजदूरी और प्रेम, अमरीका का मस्त कवि वाल्ट ह्विटमैन। ये सभी निबन्ध सरस्वती पत्रिका में छपे थे। इन्होंने कुल छह निबन्ध लिखे हैं। परीक्षा, प्रताप नारायण मिश्र का निबंध है।

57. अमीर खुसरो के बारे में सही तथ्य कौन से हैं?
1. उनका जन्म पटियाला में हुआ था।
2. वे निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे।
3. वे ईरान और भारत के फारसी में लिखने वाले चोटी के कवियों में एक थे।
4. उन्होंने कहा था कि मैं हिन्दुस्तान की तूती हूँ। मुझसे कुछ पूछना हो तो फारसी में पूछो।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 1 और 4
(c) 2 और 3 (d) 2 और 4

Ans. (c) : अमीर खुसरो के बारे में सही तथ्य है वे निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे तथा वे ईरान और भारत के फारसी में लिखने वाले चोटी के कवियों में एक थे। खुसरो का जन्म 1255 ई. में एटा जिले के पटियाली नामक ग्राम में हुआ था। उन्होंने कहा था मैं हिन्दुस्तान की तूती हूँ। मुझसे कुछ पूछना है तो हिन्दवी में पूछो। खुसरों द्वारा रचित ग्रंथ है- खालिकबारी, पहेलियाँ, मुकरियाँ दो सुखने, गजल आदि।

58. स्वाधीनता प्राप्ति से पूर्व पंजाब में पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव और उससे जुड़ी क्रूरताओं का अंकन किस उपन्यास में किया गया है?

(a) कड़ियाँ (b) तमस
(c) झरोखे (d) बसन्ती

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : स्वाधीनता प्राप्ति से पूर्व पंजाब में पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव और उससे जुड़ी क्रूरताओं का अंकन तमस उपन्यास में किया गया है। तमस (1973 ई.) उपन्यास के लेखक भीष्म साहनी हैं। भीष्म साहनी द्वारा रचित उपन्यास है- झरोखे, कड़ियाँ, कुन्तो, मय्यादास की माड़ी, नीलू नीलिमा नीलोफर आदि।

59. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

1. मानस का हंस 2. झूठा-सच

3. राग दरबारी 4. जिन्दगीनामा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 2, 3, 1, 4 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 3, 1, 4, 2 (d) 4, 1, 2, 3

Ans. (a) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

उपन्यास	उपन्यासकार	प्रकाशन वर्ष
झूठा-सच	यशपाल	1958-60 ई.
राग दरबारी	श्रीलाल शुक्ल	1968 ई.
मानस का हंस	अमृतलाल नागर	1972 ई.
जिन्दगीनामा	कृष्णा सोबती	1979 ई.

60. निम्नलिखित में से किसके मतानुसार इतिहास की व्याख्या द्वन्द्वात्मक पद्धति के आधार पर होनी चाहिए?

(a) तेन (b) हीगल
(c) विको (d) वॉल्टेयर

Ans. (b) : हीगल के मतानुसार इतिहास की व्याख्या द्वन्द्वात्मक पद्धति के आधार पर होनी चाहिए। हीगल ने विकासवादी प्रक्रिया से प्रगति के विचार पर बल देते हुए यह प्रतिपादित किया कि हम किसी वस्तु के यथार्थ रूप को उसी विरोधी रूप में उसकी तुलना करके ही जान सकते है।

61. 'अरे यायावर रहेगा याद' में संकलित 'परशुराम से तूरख़म' पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या-क्या सही है?

1. एक टायर की रामकहानी

2. लेखक के चालक की कहानी

3. मिस्टर पीटर की कहानी

4. ब्रह्मपुत्र की कहानी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 3 (b) 1 और 4
(c) 1 और 2 (d) 2 और 3

Ans. (c) : 'अरे यायावर रहेगा याद' में संकलित 'परशुराम से तूरख़म' पाठ के संदर्भ में एक टायर की रामकहानी तथा लेखक के चालक की कहानी सही है। 'अरे यायावर रहेगा याद' (1953 ई.) यात्रावृत्त के लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' हैं। इनके द्वारा रचित एक अन्य यात्रावृत्त 'एक बूँद सहसा उछली' (1960 ई.) है।

62. ''बड़े आदमियों को अपनी नाक दूसरों की जान से प्यारी होगी, हमें तो अपनी नाक इतनी प्यारी नहीं।'' यह 'गोदान' के किस पात्र की भावाभिव्यक्ति है?

(a) धनिया (b) झुनिया
(c) सिलिया (d) पटेश्वरी

Ans. (a) : ''बड़े आदमियों को अपनी नाक दूसरों की जान से प्यारी होगी, हमें तो अपनी नाक इतनी प्यारी नहीं।'' यह 'गोदान' उपन्यास के पात्र 'धनिया' की भावाभिव्यक्ति है। 'गोदान' को कृषक जीवन की महागाथा कहा जाता है। इसके लेखक मुंशी प्रेमचन्द हैं। 'गोदान' उपन्यास के प्रमुख पात्र- होरी, धनिया, झुनिया, गोबर, दातादीन, मातादीन, मेहता, मालती, रायसाहब आदि हैं। प्रेमचन्द द्वारा रचित अन्य उपन्यास- सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कर्मभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन आदि है।

63. 'प्रिय प्रवास' के संबंध में सही तथ्य हैं–

1. इसमें हिन्दी के मात्रिक छन्दों का प्रयोग हुआ है।

2. प्रियप्रवास खड़ी बोली हिन्दी का पहला महाकाव्य है।

3. इसके छन्दों में तुकान्तता नहीं है।

4. इसमें 27 सर्ग हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (d) : 'प्रिय प्रवास' के संबंध में सही तथ्य यह है कि प्रियप्रवास खड़ी बोली हिन्दी का पहला महाकाव्य है तथा इसके छन्दों में तुकान्तता नहीं है। 'प्रियप्रवास' महाकाव्य के रचयिता अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हैं। इस महाकाव्य में कुल 17 सर्ग है। छंद और भाषा के सम्बन्ध में हरिऔध ने कहा है- ''भिन्न तुकान्त कविता लिखने के लिए संस्कृत वृत्त बहुत ही उपयुक्त है कुछ संस्कृत वृत्तों के कारण और अधिकतर मेरी रुचि के कारण इस ग्रंथ की भाषा संस्कृत गर्भित है।''

64. पुरुरवा द्वारा कहे गए संवाद हैं–

1. कवि और प्रेमी एक ही नहीं हैं। प्रेमी तन की सुन्दरता पर मुग्ध होता है जबकि कवि देह से दूर जाता है।

2. मैं तुम्हारे हाथ का लीला-कमल हूँ।

3. कुसुम और कामिनी दोनों सुदर होते हैं, परन्तु फूल अधिक सुन्दर होते हैं।

4. प्रेम केवल जलन नहीं, वह अमृत-शिखा भी है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 2 और 3 (b) 1 और 3
(c) 1 और 2 (d) 2 और 4

Ans. (d) : पुरुरवा द्वारा कहे गए संवाद हैं– मैं तुम्हारे हाथ का लीला-कमल हूँ तथा प्रेम केवल जलन नहीं, वह अमृत शिखा भी है। 'उर्वशी' रामधारी सिंह दिनकर द्वारा रचित काव्य नाटक है। 1961 ई. में प्रकाशित इस काव्य में दिनकर ने उर्वशी और पुरुरवा के प्राचीन आख्यान को एक नये अर्थ से जोड़ना चाहा है।

65. 'परिंदे' संग्रह में संकलित कहानियों की संख्या है–

(a) नौ (b) पाँच
(c) सात (d) तेरह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : 'परिदे' संग्रह में संकलित कहानियों की संख्या 'सात' है। 'परिन्दे' (1960 ई.) कहानी संग्रह के लेखक निर्मल वर्मा हैं। निर्मल वर्मा द्वारा रचित अन्य कहानी संग्रह हैं- जलती झाड़ी (1965 ई.), पिछली गर्मियों में (1968 ई.), बीच बहस में (1973 ई.), कव्वे और काला पानी (1983 ई.) आदि।

66. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची –II
A. लाहौर	1. राग दरबारी
B. शिवपाल गंज	2. झूठा-सच
C. कान्यकुब्ज	3. उसने कहा था
D. अमृतसर	4. बाणभट्ट की आत्मकथा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	2	1
(d)	4	3	1	2

Ans. (a) : सूची-I तथा सूची-II का सही मिलान–

स्थान		संबंधित उपन्यास
लाहौर	–	झूठा-सच
शिवपालगंज	–	राग दरबारी
कान्यकुब्ज	–	बाणभट्ट की आत्मकथा
अमृतसर	–	उसने कहा था

67. निम्नलिखित में से कौन निर्गुण भक्तिकाव्य के कवि नहीं हैं?

(a) मलूक दास (b) बाबा लाल दास
(c) ईश्वरदास (d) सुंदरदास

Ans. (c) : 'ईश्वरदास' निर्गुण भक्तिकाव्य के कवि नहीं है। ईश्वरदास सगुण-भक्ति धारा के कवि हैं, जबकि मलूक दास, बाबा लाल दास तथा सुन्दरदास निर्गुण भक्तिकाव्य के कवि हैं।

68. निम्नलिखित ग्रंथों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिएः

1. काव्यादर्श 2. औचित्य विचारचर्चा
3. काव्यालंकार सूत्रवृत्ति 4. अभिनव भारती

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 1, 3, 4, 2
(c) 3, 1, 2, 4 (d) 4, 2, 1, 3

Ans. (b) : ग्रंथों का व्यवस्थित कालक्रम–

ग्रंथ	ग्रंथकार	कालक्रम
काव्यादर्श	दण्डी	छठीं-सातवीं शती
काव्यालंकार सूत्रवृत्ति	वामन	आठवीं शती
अभिनव भारती	अभिनवगुप्त	दसवीं शती
औचित्य विचारचर्चा	क्षेमेन्द्र	ग्यारहवीं शती

69. निम्नलिखित में से कौन-से दो ग्रंथ विशेष रूप से 'रस' से संबंधित है?

1. दशरूपक 2. काव्यादर्श
3. साहित्यदर्पण 4. काव्यालंकार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (a) : 'दशरूपक' तथा साहित्य दर्पण दो ग्रंथ विशेष रूप से 'रस' से सम्बन्धित हैं। 'दशरूपक' ग्रंथ के लेखक धनजंय तथा साहित्य दर्पण के लेखक विश्वनाथ हैं।

70. 'शब्दार्थयोर्यथावत्सहभावे विद्या साहित्यविद्या' किसका कथन है?

(a) कुंतक (b) राजशेखर
(c) भोजराज (d) विश्वनाथ

Ans. (b) : प्रमुख काव्यशास्त्री व उनके कथन हैं–

कथन		लेखक
शब्दार्थयोर्यथावत्सहभावेन विद्या साहित्यविद्या	–	राजशेखर
शब्दार्थौ सहितौ वक्र कवि व्यापार शालिनी	–	कुन्तक
रसान्वितं कविः कुर्वन् कीर्ति प्रीतिंच विन्दति	–	भोजराज
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	–	विश्वनाथ

71. बच्चन सिंह के अनुसार, 'परिवर्तन' कविता से संबंधित सही तथ्य कौन से हैं?

1. जीवन की संकुलता और परिवर्तन की द्वंद्वात्मकता ने इस कविता के रूप-विधान को जटिल और प्रभावशाली बना दिया है।
2. 'परिवर्तन' में एक ही लय का प्रयोग किया गया है।
3. इसमें कहीं-कहीं संस्कृत की तत्सम शब्दावली के द्वारा परिवर्तन के भयंकर रूपाकार का चित्रण किया गया है।
4. कवि परिवर्तन का स्वागत करना नहीं चाहता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

Ans. (c) : बच्चन सिंह का 'परिवर्तन' कविता के संदर्भ में सही कथन है– जीवन की संकुलता और परिवर्तन की द्वंद्वात्मकता ने इस कविता के रूप-विधान को जटिल और प्रभावशाली बना दिया है। इसमें कहीं-कहीं संस्कृत की तत्सम शब्दावली के द्वारा परिवर्तन के भयंकर रूपाकार का चित्रण किया गया है।
'परिवर्तन' कविता सुमित्रानंदन पंत द्वारा 'रोला छंद' में रचित लम्बी कविता है जो पल्लव नामक काव्य संग्रह में संकलित है। 'परिवर्तन' कविता को समालोचकों ने 'ग्रैंड महाकाव्य' कहा है। इस कविता में पंत ने 'परिवर्तन' के कोमल और कठोर दोनों रूपों का चित्रण किया है। 'सुमित्रानंदन पंत की प्रमुख काव्य कृतियाँ– वीणा (1927 ई.), ग्रंथि (1920 ई.), पल्लव (1928 ई.), ग्राम्या (1940 ई.) आदि हैं।

72. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची –II
A. दलित जीवन	1. तमस
B. राजनीतिक बोध	2. मानस का हंस
C. जीवनीपरक उपन्यास	3. शेखर : एक जीवनी
D. आत्मकथात्मक शैली	4. धरती धन न अपना

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	4	1	2	3
(c)	2	3	4	1	(d)	3	4	1	2

Ans. (b) : सही सुमेलन निम्नलिखित है–

विषय	रचनाएं	रचनाकार
दलित जीवन	- धरती धन न अपना	- जगदीश चंद्र
राजनीतिक बोध	- तमस	- भीष्म साहनी
जीवनीपरक उपन्यास	- मानस का हंस	- अमृतलाल नागर
आत्मकथात्मक शैली	- शेखर : एक जीवनी	- 'अज्ञेय'

- भीष्म साहनी कृत 'तमस' उपन्यास में राजनीतिक दलों द्वारा 'साम्प्रदायिकता' के लाभ का चित्रण किया गया है। मास्टर रामदास, नत्थू, मेहता, हयातबख्श आदि इसके प्रमुख पात्र हैं।
- अमृत लाल नागर द्वारा रचित 'मानस का हंस' गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर लिखा गया जीवनीपरक उपन्यास है।
- 'अज्ञेय' के उपन्यास शेखरः एक जीवनी के प्रथम भाग (उत्थान) का प्रकाशन 1940 ई. और द्वितीय भाग (संघर्ष) का प्रकाशन 1944 ई. में हुआ।

73. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची –II
A. अभिमन्यु अनत	1. फीजी
B. जोगिंदर सिंह कँवल	2. मॉरीशस
C. सूर्यप्रसाद वीरे	3. ट्रिनीडाड
D. सहोदरा सिव	4. सूरीनाम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	4	3	1	(b)	3	1	4	2
(c)	2	1	4	3	(d)	3	2	4	1

Ans. (c) : सही सुमेलन निम्नलिखित है-

सूची-I (साहित्यकार)	सूची –II (सम्बन्धित स्थान)
अभिमन्यु अनत -	मॉरीशस
जोगिंदर सिंह कँवल -	फीजी
सूर्यप्रसाद वीरे -	सूरीनाम
सहोदरा सिव -	ट्रिनीडाड

- अभिमन्यु अनत को 'मॉरीशस का प्रेमचंद' कहा जाता है। कैक्टस के दाँत, नागफनी में उलझी सांसे तथा गुलमोहर खौल उठा इनके प्रमुख कविता संकलन है।
- जोगिन्दर सिंह कँवल फिजी के प्रमुख हिन्दी साहित्यकार हैं। इन्होंने अपना साहित्यिक जीवन 1974 ई. में 'मेरा देश मेरे लोग' पुस्तक से प्रारम्भ किया। धरती मेरी माता, करवट, सात समुद्र पार आदि इनके प्रमुख उपन्यास हैं।

74. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबंध-संग्रहों का सही अनुक्रम है–

1. अस्मिता के लिए **2. आलोक पर्व**
3. बकलम खुद **4. मन पवन की नौका**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 1, 3, 2, 4 (b) 4, 2, 3, 1
(c) 2, 3, 4, 1 (d) 3, 2, 1, 4

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार निबंध-संग्रहों का सही अनुक्रम है–

निबंध संग्रह	प्रकाशन वर्ष	निबंधकार
बकलम खुद	- 1951 ई.	- नामवर सिंह
आलोक पर्व	- 1972 ई.	- हजारीप्रसाद द्विवेदी
अस्मिता के लिये	- 1981 ई.	- विद्यानिवास मिश्र
मन पवन की नौका	- 1982 ई.	- कुबेरनाथ राय

हजारीप्रसाद द्विवेद्वी के प्रमुख निबंध संग्रह– अशोक के फूल, कल्पलता, विचार और वितर्क, कुटज आदि।

विद्या निवास मिश्र के प्रमुख निबंध संग्रह– छितवन की छाँह, तुम चंदन हम पानी, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, प्रलय की छाया आदि।

कुबेरनाथ राय के प्रमुख निबंध संग्रह– प्रिया नीलकंठी, रस आखेटक, गंधमादन, विषादयोग आदि।

नामवर सिंह के प्रमुख निबंध संग्रह– इतिहास और आलोचना, वाद-विवाद संवाद, कविता की जमीन और जमीन की कविता आदि।

75. रामचंद्र शुक्ल ने 'उसने कहा था' कहानी के बारे में लिखा है–

1. ये कहानियाँ जीवन के बड़े मार्मिक रूप में होती थीं।
2. उसमें भीतर से प्रेम का एक स्वर्गीय स्वरूप झांक रहा है।
3. दूसरी कोटि की कहानियों में एक बड़ा भारी भेद है।
4. इसकी घटनाएँ ही बोल रही हैं, पात्रों के बोलने की अपेक्षा नहीं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयनन कीजिए–

(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 1 और 3

Ans. (c) : आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने 'उसने कहा था' कहानी को अद्वितीय कहानी माना है। इसके बारे में उन्होंने लिखा है- "घटना इसकी ऐसी है जैसे बराबर हुआ करती है, पर उसमें भीतर से प्रेम का एक स्वर्गीय स्वरूप झांक रहा है- केवल झांक रहा है, निर्लज्जता के साथ पुकार या कराह नहीं रहा है।" शुक्लजी का एक अन्य कथन है–

"इसकी घटनाएँ ही बोल रही हैं, पात्रों के बोलने की अपेक्षा नहीं।"

- चंद्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा रचित कहानी 'उसने कहा था' का प्रकाशन 1915 ई. को सरस्वती पत्रिका में हुआ था।
- रामचंद्र शुक्ल ने चंद्रधर शर्मा गुलेरी के विषय में लिखा है- "यह बेधड़क कहा जा सकता है कि शैली कि जो विशिष्टता और अर्थगर्भित वक्रता गुलेरी में मिलती है और किसी लेखक में नहीं।"

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

76. मोहन राकेश के कहानी संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है–

1. फौलाद का आकाश 2. नये बादल
3. एक और जिंदगी 4. जानवर और जानवर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 1, 3, 2, 4 (b) 2, 4, 3, 1
(c) 3, 2, 4, 1 (d) 4, 3, 1, 2

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार मोहन राकेश के कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम निम्नलिखित है-
- नये बादल (1957 ई.), जानवर और जानवर (1958 ई.), एक और जिंदगी (1961 ई.), फौलाद का आकाश (1966 ई.)।
- आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस तथा आधे अधूरे आदि मोहन राकेश के प्रमुख नाटक हैं।

77. यात्रा-साहित्य से संबंधित राहुल सांकृत्यायन की पुस्तकें हैं–

1. मेरी जीवन-यात्रा 2. विस्मृत यात्री
3. मेरी लद्दाख यात्रा 4. तिब्बत में सवा वर्ष

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (c) : यात्रा-साहित्य से संबंधित राहुल सांकृत्यायन की पुस्तकें हैं–मेरी लद्दाख यात्रा, तिब्बत में सवा वर्ष।
राहुल सांकृत्यायन का यात्रा साहित्य– किन्नर देश में, चीन में क्या देखा, मेरी तिब्बत यात्रा, रूस में पच्चीस मास आदि हैं।
- 'मेरी जीवन यात्रा' राहुल सांकृत्यायन की 'आत्मकथा' है।
- 'विस्मृत यात्री' इनका प्रसिद्ध उपन्यास है जो एक बौद्ध भिक्षु नरेन्द्र यश के जीवन पर आधारित सत्य घटना है।

78. निम्नलिखित में से 'नयी कहानी' आंदोलन के कहानीकार हैं–

1. दूधनाथ सिंह 2. निर्मल वर्मा
3. राजकमल चौधरी 4. राजेन्द्र यादव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 4 (b) 2 और 4
(c) 1 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (b) : निर्मल वर्मा एवं राजेन्द्र यादव 'नयी कहानी' आंदोलन के कहानीकार हैं। दूधनाथ सिंह अकहानी आंदोलन के कहानीकार हैं। प्रमुख कहानी आन्दोलन व उनके प्रवर्तक हैं–

कहानी आंदोलन	वर्ष	प्रवर्तक
नयी कहानी	1956 ई.	राजेन्द्र यादव, मोहन राकेश, कमलेश्वर
अकहानी	1960 ई.	गंगा प्रसाद विमल
सचेतन कहानी	1964 ई.	महीप सिंह
सहज कहानी	1968 ई.	अमृतराय
समांतर कहानी	1972 ई.	कमलेश्वर
सक्रिय कहानी	1979 ई.	राकेश वत्स

79. निम्नलिखित में से 'राम की शक्तिपूजा' से संबंधित उपयुक्त कथन कौन से हैं?

1. राम-रावण के अनिर्णीत समर का इतना विराट और उदात्त चित्र अन्यत्र दुर्लभ है।
2. 'राम की शक्ति पूजा' का उल्लेख श्रीमद्भागवत पुराण में है।
3. इसमें सूक्ष्मता के अनेक स्तरों पर विचरण करने वाली अर्थ-योजना अप्रतिम है।
4. इसमें राम एक दैवी चरित्र के रूप में हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 1 और 4
(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

Ans. (c) : महाकवि निराला की काव्य रचना 'राम की शक्तिपूजा' से संबंधित उपयुक्त कथन निम्नलिखित हैं–
- राम-रावण के अनिर्णीत समर का इतना विराट और उदात्त चित्र अन्यत्र दुर्लभ है।
- इसमें सूक्ष्मता के अनेक स्तरों पर विचरण करने वाली अर्थ-योजना अप्रतिम है।

अक्टूबर 1936 ई. में प्रकाशित 'राम की शक्तिपूजा' पर सर्वाधिक प्रभाव बंगला के 'कृतिवास रामायण' का है। इस कविता का मुख्य विषय राम-रावण का युद्ध नहीं बल्कि 'सीता की मुक्ति' है। इसमें राम एक दैवीय चरित्र के रूप में नहीं है। राम का अंकन युगीन संवेदना के अनुकूल यहाँ पूरी तरह मानवीय धरातल पर हुआ है।

80. 'कै बिरहिन कूँ मींच दे, कै आपा दिखलाइ।
आठ पहर का दाझणाँ, मोपै सहा न जाइ।।
इन पंक्तियों में प्रेम की किस स्थिति का वर्णन हुआ है?

(a) विरह की अतिशयता (b) प्रेम की सामान्य स्थिति
(c) प्रिय की निष्ठुरता (d) उपालंभ

Ans. (a) : 'कै बिरहिन कूँ मींच दे, कै आपा दिखलाइ।
आठ पहर का दाक्षणाँ, मोपै सहा न जाइ।।

कबीरदास जी की उक्त पंक्तियों में प्रेम में 'विरह की अतिशयता' की स्थिति का वर्णन हुआ है।

81. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची –II
A. राजभाषा आयोग	1. 1976
B. राष्ट्रपति का आदेश	2. 1955
C. राजभाषा अधिनियम	3. 1960
D. राजभाषा नियम	4. 1963

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	2	3

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : सही सुमेलन निम्नलिखित है–

प्रमुख आयोग		**स्थापना वर्ष**
राजभाषा आयोग	-	1955 ई.
राष्ट्रपति का आदेश	-	1960 ई.
राजभाषा अधिनियम	-	1963 ई.
राजभाषा नियम	-	1976 ई.

भारत के राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये जून 1955 ई. को श्री बी. जी. खेर की अध्यक्षता में राजभाषा आयोग का गठन किया।

82. तपै लागि अब जेठ असाढ़ी। मोहि पिउ बि छाजनि भइ गाढ़ी।।
तन तिनउर भा, झूरौं खरी। भइ बरखा, दुख आगरि जरी।।
इस पूरे कड़वक में नागमती की विरह-दशा के बारे में यह विचार किसका है?
''यह आशिक माशूकों का निर्लज्ज प्रलाप नहीं है; यह हिन्दू गृहिणी की विरहवाणी है। इसका सात्विक मर्यादापूर्ण माधुर्य मनोहर है।''

(a) चन्द्रबली पांडेय (b) रामचंद्र शुक्ल
(c) माताप्रसाद गुप्त (d) श्याम मनोहर पांडेय

Ans. (b) : ''यह आशिक माशूकों का निर्लज्ज प्रलाप नहीं है, यह हिन्दु गृहिणी की विरहवाणी है। इसका सात्विक मर्यादापूर्ण माधुर्य मनोहर है।''
नागमती की विरह-दशा के बारे में उपर्युक्त विचार आचार्य रामचंद्र शुक्ल का है।
प्रेमगाथा की परम्परा में आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने पद्मावत को सबसे प्रौढ़ और सरस माना है।

83. 'शिवपालगंज' गाँव का चित्रण किस उपन्यास में किया गया है?

(a) राग दरबारी (b) आधा गाँव
(c) जुलूस (d) बलचनमा

Ans. (a) : 'शिवपालगंज' गाँव का चित्रण श्रीलाल शुक्ल के प्रसिद्ध उपन्यास 'राग दरबारी' में किया गया है।
- राग दरबारी 1968 ई. में प्रकाशित श्रीलाल शुक्ल का व्यंग्य प्रधान उपन्यास है। वैद्य, रूप्पन बाबू, बद्री अग्रवाल, रंगनाथ आदि इस उपन्यास के प्रमुख पात्र हैं।
- राग दरबारी के संदर्भ में गोपाल राय लिखते हैं- ''रागदरबारी उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के एक कस्बानुमा गाँव शिवपाल गंज की कहानी है, उस गाँव की जिन्दगी का दस्तावेज, जो स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ग्राम विकास और 'गरीबी हटाओ' के आकर्षक नारों के बावजूद घिसट रही है।''
- 'जुलूस' 1966 ई. फणीश्वरनाथ रेणु का उपन्यास है जिसमें गोडियार (पूर्वी बंगाल) गाँव से विस्थापित एक युवती (पवित्रा) को केन्द्र में रखा गया है।

84. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के बारे में रामचंद्र शुक्ल की क्या स्थापनाएं हैं?
1. निराला जी में बहुवस्तुस्पर्शिनी प्रतिभा है।
2. प्रसाद और पंत की तरह निराला में लाक्षणिक वैलक्षण्य की प्रवृत्ति है।
3. निराला जी को सामाजिक बंधन पसंद थे।
4. निराला जी पर बंगभाषा की काव्यशैली का प्रभाव है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 4 (d) 1 और 3

Ans. (c) : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के बारे में रामचंद्र शुक्ल की निम्नलिखित स्थापनाएँ हैं–
- निराला में बहुवस्तुस्पर्शिनी प्रतिभा है।
- निराला पर बंगभाषा की काव्यशैली का प्रभाव है।

रामचंद्र शुक्ल के अनुसार निराला में लाक्षणिक वैलक्षण्य लाने की प्रवृत्ति उतनी नहीं पायी जाती जितनी 'प्रसाद' और 'पंत' में, साथ ही उनका कहना है कि जिस प्रकार निराला को छंद के बंधन अरूचिकर है उसी प्रकार सामाजिक बंधन भी।

85. निम्नलिखित में से क्या-क्या अलंकारों के अंतर्गत आते हैं?
1. दीपक 2. रोमांच
3. उल्लेख 4. वैदर्भी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 4
(c) 1 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (c) : 'दीपक' एवं 'उल्लेख' अलंकारों के अंतर्गत आते हैं।
दीपक अलंकार– जहाँ उपमेय और उपमान दोनों का एक धर्म कहा जाय, वहाँ दीपक अलंकार होता है।
उदाहरण- ''संग ते जती, कुमंत्र ते राजा,
मान ते ज्ञान, पान ते लाजा।
प्रीति प्रनय बिनु, मद ते गुनी,
नासहिं बेगि, नीति अस सुनी।।''
उल्लेख अलंकार– जब किसी वस्तु का अनेक प्रकार से वर्णन किया जाय, तब उल्लेख अलंकार होता है।
उदाहरण- ''जाकी रही भावना, जैसी, प्रभू-मूरति देखी तिन तैसी।
देखहि भूप महा रनधीरा, मनहु वीर रस धरे सरीरा।।''
- 'रोमांच' सात्विक अनुभाव के 8 प्रकारों में एक है।
- आचार्य वामन ने रीति के तीन भेद तय किये है- वैदर्भी, गौड़ी तथा पाञ्चाली।

वैदर्भी रीति– माधुर्य व्यञ्जक वर्णों से युक्त, समास रहित ललित पद रचना को वैदर्भी रीति कहते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन A : उपन्यास मानवेतर चित्रण का निषेध करता है।
कारण R : क्योंकि वह मानव चरित्र-चित्रण पर विशेष बल देता है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Ans. (d) : अभिकथन (A) : उपन्यास मानवेतर चित्रण का निषेध करता है।
कारण (R) : क्योंकि वह मानव चरित्र-चित्रण पर विशेष बल देता है।
उपरोक्त कथनों में अभिकथन A असत्य है, लेकिन कारण R सत्य है क्योंकि उपन्यास मानव चरित्र चित्रण पर विशेष बल देता है साथ ही उपन्यास मानवेत्तर चित्रण का निषेध नहीं करता है।

87. कामता प्रसाद गुरु के अनुसार निम्नलिखित का हिन्दी भाषा की उत्पत्ति के अनुसार सही क्रम है–
1. शौरसेनी　　2. नागर अपभ्रंश
3. पश्चिमी हिन्दी　　4. वर्तमान हिन्दी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–
(a) 1, 2, 3, 4　　(b) 2, 3, 4, 1
(c) 3, 4, 1, 2　　(d) 4, 1, 2, 3

Ans. (a) : कामता प्रसाद गुरु के अनुसार हिन्दी भाषा की उत्पत्ति का सही अनुक्रम निम्नलिखित है–
1. शौरसेनी 2. नागर अपभ्रंश 3. पश्चिमी हिन्दी 4. वर्तमान हिन्दी
कामता प्रसाद गुरु के अनुसार हिंदी भाषा की उत्पत्ति का अनुक्रम–
i. प्राचीन संस्कृति ii. लौकिक संस्कृत iii. पहली प्राकृत iv. दूसरी प्राकृत या पालि v. शौरसेनी vi. अर्धमागधी vii. मागधी viii. नागर अपभ्रंश ix. अर्धमागधी अपभ्रंश x. पश्चिमी हिंदी xi. पूर्वी हिन्दी xii. वर्तमान हिंदी।

88. निम्नलिखित में से किसका संबंध मनोविश्लेषणवाद से नहीं है?
(a) कामवृत्ति　　(b) पाठ संरचना
(c) अहम्　　(d) मनोविश्लेषण पद्धति

Ans. (b) : 'पाठ संरचना' का संबंध मनोविश्लेषणवाद से नहीं है। मनोविश्लेषणवाद के प्रमुख प्रवर्तक सिग्मंड फ्रायड थे। फ्रायड ने मानव मन का गहन अध्ययन करने के बाद जिस सिद्धांत का निरूपण किया, उसे ही मनोविश्लेषणवाद कहा गया। फ्रायड ने मन पर शासन करने वाली तीन शक्तियाँ बतायी है- इदम्, अहम् और परम्। इनमें से 'इदम्' का सम्बन्ध 'काम प्रवृत्ति' से है जिसे फ्रायड ने 'लिबिडो' कहा है। अहम्, इदम् का वह अंश है जिसका विकास बाहरी पर्यावरण में होता है।

89. 'तीसरी कसम' कहानी में चित्रित हैं–
1. फारबिसगंज　　2. औराही हिंगना
3. चेथरिया पीर　　4. सिरपुर बाजार
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
(a) 2 और 3　　(b) 1 और 2
(c) 1 और 4　　(d) 3 और 4

Ans. (c) : 'फारबिसगंज' तथा 'सिरपुर बाजार' तीसरी कसम कहानी में चित्रित है।
'तीसरी कसम' उर्फ 'मारे गये गुलफाम' के लेखक फणीश्वरनाथ रेणु हैं। 'हीरामन' नामक गाड़ीवान तथा नौटंकी कंपनी में काम करने वाली 'हीराबाई' इस कहानी के प्रमुख पात्र है।

90. ''तुम्हारा 'पथेर दाबी' पढ़ लिया। पुस्तक उत्तेजक है, अर्थात् अंग्रेजी शासन के विरुद्ध पाठकों के मन को अप्रसन्न करती है।'' 'अवारा मसीहा' में यह किसका कथन है?
(a) शरतचंद्र चट्टोपाध्याय　　(b) रवींद्रनाथ टैगोर
(c) द्विजेंद्रलाल राय　　(d) भूपेंद्रनाथ बंद्योपाध्याय

Ans. (b) : ''तुम्हारा 'पथेर दाबी' पढ़ लिया। पुस्तक उत्तेजक है, अर्थात् अंग्रेजी शासन के विरुद्ध पाठकों के मन को अप्रसन्न करती है।'' 'आवारा मसीहा' में यह कथन रवीन्द्रनाथ टैगोर का है।
'आवारा मसीहा' विष्णु प्रभाकर द्वारा रचित प्रसिद्ध बांग्ला लेखक 'शरतचंद्र चट्टोपाध्याय' की जीवनी है। इस जीवनी को लिखने में लेखक को 14 वर्ष का लम्बा समय लगा।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

पशुत्व से मनुष्यत्व में जिस प्रकार अधिक ज्ञान-प्रसार की विशेषता है उसी प्रकार अधिक भावप्रसार की भी। पशुओं के प्रेम की पहुँच प्रायः अपने जोड़े बच्चों या खिलाने-पिलाने वालों तक ही होती है। इसी प्रकार उनका क्रोध भी अपने सताने वालों तक ही जाता है, स्ववर्ग या पशु मात्र को सताने वालों तक नहीं पहुँचता। पर मनुष्य में ज्ञान-प्रसार के साथ भाव-प्रसार भी क्रमशः बढ़ता गया है। अपने परिजनों, अपने संबंधियों, अपने पड़ोसियों, अपने देशवासियों क्या मनुष्य मात्र और प्राणिमात्र तक से प्रेम करने भर को जगह उसके हृदय में बन गई है। मनुष्य की त्योरी मनुष्य को ही सताने वाले पर नहीं चढ़ती, गाय-बैल और कुत्ते-बिल्ली को सताने वाले पर भी चढ़ती है। पशु की वेदना देखकर भी उनके नेत्र सजल होते हैं। बंदर को शायद बंदरिया के मुँह में ही सौंदर्य दिखायी पड़ता होगा; पर मनुष्य पशु-पक्षी, फूल-पत्ते और रेत-पत्थर में भी सौन्दर्य पाकर मुग्ध होता है। इस हृदय-प्रसार का स्मारक-स्तंभ काव्य है जिसकी उत्तेजना से हमारे जीवन में एक नया जीवन आ जाता है।

91. उपर्युक्त अतवरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) पशुओं का क्रोध सीधे-सीधे अपने सताने वाले के प्रति होता है।
(b) पशु, पशुमात्र की परेशानी से दुखी होते हैं।
(c) पशुओं का प्रेम अपने बच्चों और मालिक के प्रति होता है।
(d) पशुओं का प्रेम मनुष्य के प्रेम से सीमित होता है।

Ans. (b) : 'पशु, पशुमात्र की परेशानी से दुखी होते हैं।' अवतरण के संदर्भ में उपर्युक्त कथन सही नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

92. उपर्युक्त अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) मनुष्य के क्रोध और करुणा पशु से अधिक व्यापक नहीं हैं।
(b) मनुष्य के क्रोध और करुणा मनुष्य तक सीमित हैं।
(c) मनुष्य के क्रोध और करुणा प्राणीमात्र तक व्यापक हैं।
(d) मनुष्य के क्रोध सिर्फ मनुष्य को परेशान करने वाले पर होता है।

Ans. (c) : 'मनुष्य के क्रोध और करुणा प्राणीमात्र तक व्यापक हैं।' अवतरण के संदर्भ में उपर्युक्त कथन सही है।

93. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर कौन-सा कथन सही है?

(a) काव्य भावोत्तेजना के माध्यम से जीवन का कायाकल्प करता है।
(b) काव्यगत भावोत्तेजना से जीवन में किसी प्रकार का बदलाव नहीं होता है।
(c) काव्यगत भावोत्तेजना से बुद्धि व्यापार बहुत व्यापक होता है।
(d) काव्यगत भावोत्तेजना आदमी को अच्छा बनने से रोकती है।

Ans. (a) : 'काव्य भावोत्तेजना के माध्यम से जीवन का कायाकल्प करता है।'
अवतरण के आधार पर उपर्युक्त कथन सही है।

94. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) मनुष्य की सौन्दर्यानुभूति सभी प्राणियों से व्यापक है।
(b) मनुष्य की सौन्दर्यानुभूति पशु जाति से बढ़ी-चढ़ी है।
(c) मनुष्य जड़-चेत सबके सौन्दर्य पर रीझने वाला श्रेष्ठ प्राणी है।
(d) मनुष्य की सौन्दर्यानुभूति प्राणीतर है।

Ans. (d) : 'मनुष्य की सौन्दर्यानुभूति प्राणीतर है।'
अवतरण के आधार पर उपर्युक्त कथन सही नहीं है।

95. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर इनमें से कौन-सा कथन सही है?

(a) मनुष्य अपनी शारीरिक शक्ति में पशु से बढ़कर है।
(b) मनुष्य अपने ज्ञान-प्रसार से पशु से घटकर है।
(c) मनुष्य का भाव-प्रसार पशु जाति से सीमित है।
(d) मनुष्य का प्रेम और द्वेष पशुओं से अधिक व्यापक है।

Ans. (d) : 'मनुष्य का प्रेम और द्वेष पशुओं से अधिक व्यापक है।'
अवतरण के आधार पर उपर्युक्त कथन सही है।

निर्देशः निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िये और प्रश्न का उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए।

हमारी परंपरा महिमामयी, उत्तराधिकार विपुल और संस्कार उज्जवल है। हमारे अनजान में भी ये बाते हमें एक खास दिशा में सोचने की प्रेरणा देती हैं। यह जरुर है कि परिस्थितियाँ बदल गयी हैं। उपकरण नये हो गये हैं और उलझनों की मात्रा भी बहुत बढ़ गयी है, पर मूल समस्याएँ बहुत अधिक नहीं बदली हैं। भारतीय चित्त जो आज भी 'अनधीनता' के रूप में न सोचकर 'स्वाधीनता' के रूप में सोचता है, वह हमारे दीर्घकालीन संस्कारों का फल है। वह 'स्व' के बंधन को आसानी से नहीं छोड़ सकता। अपने-आप पर अपने-आप के द्वारा लगाया हुआ बंधन हमारी संस्कृति की बड़ी भारी विशेषता है। मैं ऐसा तो नहीं मानता कि जो कुछ हमारा पुराना है, जो कुछ हमारा विशेष है, उससे हम चिपटे ही रहें। पुराने का 'मोह' सब समय वांछनीय ही नहीं होता। मरे बच्चे को गोद में दबाये रहने वाली 'बँदरिया' मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकती। परंतु मैं ऐसा भी नहीं सोच सकता कि हम अनुसंधित्सा के नशे में चूर होकर अपना सरबस खो दें।

96. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) मूल समस्याएँ बहुत बदल गई हैं।
(b) परिस्थितियाँ बदल गई हैं।
(c) उपकरण नये हो गये हैं।
(d) उलझनों की मात्रा बढ़ गई है।

Ans. (a) : 'मूल समस्याएँ बहुत बदल गई हैं।'
अवतरण के आधार पर उपर्युक्त कथन सही नहीं है।

97. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) दूसरे के अधीन न रहना
(b) किसी को अपने अधीन न रखना
(c) अपने को अपने अनुशासन में रखना
(d) अपने को अपने अनुशासन से मुक्त मानना

Ans. (c) : 'अपने को अपने अनुशासन में रखना'
अवतरण के आधार पर उपर्युक्त कथन सही है।

98. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) हमें अपनी परंपरा का सब-कुछ स्वीकार करना चाहिए।
(b) हमें अपनी परंपरा की सड़ी-गली चीजों को सीने से चिपकाए रखना चाहिए।
(c) नये अनुसंधान के जोश में हमें अपनी परंपरा को पूरी तरह नकार देना चाहिए।
(d) नये अनुसंधान के बावजूद हमें अपनी परंपरा की अच्छी बातों को बचाकर रखना चाहिए।

Ans. (d) : 'नये अनुसंधान के बावजूद हमें अपनी परंपरा की अच्छी बातों को बचाकर रखना चाहिए।'
अवतरण के आधार पर उपर्युक्त कथन सही है।

99. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर कौन-सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है?

(a) पुराने का मोह हमेशा अपेक्षित है।
(b) पुराने को विवेकपूर्वक ग्रहण करना चाहिए।
(c) पुराने का पूरी तरह निषेध वांछनीय है।
(d) पुराने से चिपटे रहना श्रेयस्कर है।

Ans. (b) : 'पुराने को विवेकपूर्वक ग्रहण करना चाहिए।'
अवतरण के आधार उपर्युक्त कथन सर्वाधिक उपयुक्त है।

100. उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन अनुपयुक्त है?

(a) हम अनधीनता के रूप में सोचने के अभ्यस्त हैं।
(b) हमारी परंपरा महिमामयी है।
(c) हमारा उत्तराधिकार बहुत समृद्ध है।
(d) हमारा संस्कार अत्यंत उत्कृष्ट है।

Ans. (a) : 'हम अनधीनता के रूप में सोचने के अभ्यस्त हैं।'
अवतरण के आधार उपर्युक्त कथन अनुपयुक्त है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, जून-2021
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली)
विश्लेषण सहित व्याख्या

(परीक्षा तिथि : 26.12.2021)

समय : 3 घण्टा] [पूर्णांङ्क : 200

1. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची -II
A. राजशेखर	1. साहित्य दर्पण
B. भट्ट नायक	2. अभिनव भारती
C. विश्वनाथ	3. हृदय दर्पण
D. अभिनव गुप्त	4. काव्य मीमांसा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	3	1	2	4
(b)	4	3	1	2
(c)	1	2	3	4
(d)	2	4	3	1

Ans. (b) : ग्रंथ एवं रचनाकार का सही सुमेलन इस प्रकार है–

ग्रंथ	रचनाकार
राजशेखर	काव्य मीमांसा
भट्टनायक	हृदय दर्पण
विश्वनाथ	साहित्य दर्पण
अभिनव गुप्त	अभिनव भारती

2. निम्नलिखित में से नंददुलारे वाजपेयी के संबंध में सही हैं

1. नंददुलारे वाजपेयी ने प्रसाद, पंत और निराला को छायावाद की वृहत्त्रयी के रूप में प्रतिष्ठित किया।
2. नंददुलारे वाजपेयी ने रामचंद्र शुक्ल की लोकमंगलपरक आलोचना दृष्टि का समर्थन किया।
3. नंददुलारे वाजपेयी छायावादी अथवा स्वच्छंदतावादी आलोचक थे।
4. नंददुलारे वाजपेयी छायावाद के रागात्मक प्रभाव से अप्रभावित हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (b) : नंददुलारे वाजपेयी के संबंध में सही कथन है–
1. नंददुलारे वाजपेयी ने प्रसाद, पंत और निराला को छायावाद की वृहत्त्रयी के रूप में प्रतिष्ठित किया।
3. नंददुलारे बाजपेयी छायावादी अथवा स्वच्छंदतावादी आलोचक थे।

3. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए :

सूची-I	सूची -II
A. अन्धेर नगरी	1. लोकनाट्य शैली
B. अंधा युग	2. समस्यामूलक नाटक
C. ध्रुवस्वामिनी	3. प्रहसन
D. आगरा बाज़ार	4. गीति नाट्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	2	1
(c)	2	3	4	1
(d)	4	1	3	2

Ans. (b) : नाटकों एवं नाट्य शैलियों का सही सुमेल है–

नाटक	नाट्यशैली	नाटककार
अन्धेर नगरी	प्रहसन	भातेन्दु हरिश्चन्द्र
अन्धायुग	गीतिनाट्य	धर्मवीर भारती
ध्रुवस्वामिनी	समस्यामूलक नाटक	जयशंकर प्रसाद
आगरा बाज़ार	लोकनाट्य शैली	हबीब तनवीर

4. नाखून क्यों बढ़ते हैं, निबंध हजारीप्रसाद द्विवेदी के किस निबंध-संग्रह में है?

(a) अशोक के फूल
(b) कल्पलता
(c) कुटज
(d) आलोक पर्व

Ans. (b) : 'नाखून क्यों बढ़ते है' निबंध हजारीप्रसाद द्विवेदी के 'कल्पलता' (1951 ई.) निबंध-संग्रह में संगृहीत है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अन्य निबन्ध हैं– अशोक के फूल (1948 ई.), कुटज (1964 ई.), आलोक पर्व (1972 ई.), साहित्य सहचर (1965 ई.), विचार और वितर्क (1957 ई.), विचार प्रवाह (1959 ई.)। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने निबंध को "व्यक्ति की स्वाधीन चिन्ता की उपज कहा है।"

5. 'बादल को घिरते देखा है' कविता से संबंधित सही तथ्य हैं:

1. नागार्जुन को कालिदास के मेघ का पता-ठिकाना मालूम था।
2. नागार्जुन का बादल कल्पना-प्रसूत नहीं है।
3. इसमें उज्जयिनी के जीवन का यथार्थ वर्णन किया गया है।
4. इसमें किन्नर-किन्नरियों के स्वच्छंद जीवन के अनुभूत्यात्मक चित्र हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 2 और 3
(b) 1 और 2
(c) 1 और 4
(d) 2 और 4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : 'बादल को घिरते देखा है' कविता से संबंधित सही तथ्य विकल्प 2 और 4 हैं। नागार्जुन का बादल कल्पना-प्रसूत नहीं है। इसमें किन्नर-किन्नरियों के स्वच्छंद जीवन के अनुभूत्यात्मक चित्र हैं। नागार्जुन को प्रगतिवाद का शलाका पुरुष कहा जाता है। ये राजनीतिक कवि के रूप में भी जाने जाते हैं। डॉ. बच्चन सिंह ने नागार्जुन की कविताओं को 'नुक्कड़ कविता' की संज्ञा दी है। बाबा नागार्जुन को आधुनिक हिन्दी साहित्य का 'कबीर' कहा जाता है। इन्होंने 'मैथिली भाषा' में 'पत्रहीन नग्न गाछ' शीर्षक से काव्य लिखा, इसमें 52 कविताएँ संकलित हैं। इस कृति पर इन्हें सन् 1968 ई. में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। ये संस्कृत और मैथिली में 'यात्री', उपनाम से कविता लिखते थे। इनका मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र था।

6. निम्नलिखित में से भोजराज की पुस्तक है:

(a) अभिनव भारती (b) व्यक्ति विवेक
(c) काव्य कौतुक (d) शृंगार प्रकाश

Ans. (d) : भोजराज की पुस्तक का नाम 'शृंगार प्रकाश' है। इनका अन्य ग्रंथ 'सरस्वती कण्ठाभरण' है, इनका समय 11वीं शती और जन्मस्थान मालवा है। 'अभिनव भारती' आचार्य अभिनव गुप्त की टीका है, इसे नाट्यवेद विवृत्ति भी कहा जाता है। 'व्यक्तिविवेक' महिमभट्ट (राजानक) की पुस्तक है इनका समय 11वीं शती का पूर्वार्द्ध एवं जन्म स्थान 'कश्मीर' है। 'काव्य कौतुक' भट्टतौत का ग्रंथ है जिस पर अभिनव गुप्त ने 'काव्य-कौतुक-विवरण' नाम से टीका लिखा है।

7. घनानंद की कविता से संबंधित सही तथ्य हैं

1. घनानंद ने वियोग व्यथा की सैकड़ों अन्तर्दशाओं के मार्मिक चित्र खींचे हैं।
2. घनानंद ने सिर्फ कवित्त-सवैयों की रचना की है।
3. घनानंद के यहाँ प्रेम का विषय सांसारिक प्राणी भी हो सकता है और परमेश्वर भी।
4. घनानंद की कविता अभिधामूलक है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 4 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (b) : घनानंद की कविता के संदर्भ में सही तथ्य है– घनानंद ने वियोग व्यथा की सैकड़ों अन्तर्दशाओं के मार्मिक चित्र खींचे हैं तथा घनानंद के यहाँ प्रेम का विषय सांसारिक प्राणी भी हो सकता है और परमेश्वर भी।

8. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. शकटार	1. अन्धेर नगरी
B. महाराष्ट्री	2. स्कन्दगुप्त
C. धातुसेन	3. भारत-दुर्दशा
D. गोवर्धनदास	4. चन्द्रगुप्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	1	2
(c)	3	1	4	2
(d)	4	3	2	1

Ans. (d) : सही मिलान इस प्रकार है–

पात्र	नाटक	लेखक
शकटार	चन्द्रगुप्त	जयशंकर प्रसाद
महाराष्ट्री	भारत-दुर्दशा	भारतेन्दु
धातुसेन	स्कन्दगुप्त	जयशंकर प्रसाद
गोवर्धनदास	अन्धेर नगरी	भारतेन्दु

9. प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम है–

1. अजातशत्रु
2. ध्रुवस्वामिनी
3. राज्यश्री
4. स्कन्दगुप्त

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए

(a) 4, 2, 1, 3 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 1, 2, 3, 4 (d) 3, 1, 4, 2

Ans. (d) : जयशंकर प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम है– राज्यश्री (1915 ई.), अजातशत्रु (1922 ई.), स्कन्दगुप्त (1928 ई.), ध्रुवस्वामिनी (1933 ई.)।
जयशंकर प्रसाद के अन्य नाटक– सज्जन (1910 ई.), कल्याणी परिणय (1912 ई.), करुणालय (1912 ई.), प्रायश्चित (1913 ई.), विशाख (1921 ई.), जनमेजय का नागयज्ञ (1926 ई.), कामना (1927 ई.), एक घूँट (1930 ई.), चन्द्रगुप्त (1931 ई.) है।

10. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन (A) : फ्रायड मानते हैं कि कवि मनोरोगी होता है।

कारण (R) : क्योंकि मनुष्य मात्र मनोरोगी है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Ans. (a) : उपरोक्त कथन के आलोक में, दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

11. 'मेरी तिब्बत यात्रा' की भाषा-शैली की विशेषताएँ क्या हैं–

1. भावपरक
2. संस्कृतनिष्ठ, तर्कपूर्ण
3. युगविशेष का आभास देने वाली
4. चिंतनप्रधान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 1 और 4 (d) 3 और 4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : 'मेरी तिब्बत यात्रा' की भाषा शैली की विशेषता– संस्कृतनिष्ठ, तर्कपूर्ण एवं युगविशेष का आभास देने वाली है। 'मेरी तिब्बत यात्रा' सन् 1937 ई. में राहुल सांकृत्यायन ने यात्रा साहित्य के रूप में लिखा।

12. 'शिवशंभु के चिट्ठे' किसको संबोधित है?

(a) वारेन हेस्टिंगज (b) लॉर्ड रिपन
(c) लॉर्ड क्लाइव (d) लॉर्ड कर्जन

Ans. (d) : 'शिवशंभु के चिट्ठे' लार्ड कर्जन को संबोधित है। बालमुकुन्द गुप्त ने सन् 1904-05 ई. में 'भारत मित्र' पत्रिका में 'शिवशंभु के चिट्ठे' शीर्षक से तत्कालीन गवर्नर जनरल 'लार्ड कर्जन' को संबोधित करके इस निबंध को लिखा।

13. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास के पात्र हैं:

1. राजकुमारी चन्द्रदीक्षित
2. सुचरिता
3. पत्रलेखा
4. ऋतंभरा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (a) : 'बाणभट्ट की आत्मकथा' उपन्यास के पात्र राजकुमारी चन्द्रदीक्षित और सुचरिता हैं। 'बाणभट्ट की आत्मकथा' (1946 ई.) उपन्यास आचार्यहजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखा गया, जिसके अन्य पात्र-बाणभट्ट, निपुणिका (निउनिया) है। प्रेम का उदात्तीकरण एवं हर्षकालीन सामाजिक, राजनैतिक एवं सांकृतिक स्थिति का चित्रण किया गया है।

14. निम्नलिखित में से कमलेश्वर के कहानी संग्रह हैं:

1. बिरादरी बाहर
2. राजा निरबंसिया
3. ठसक
4. कस्बे का आदमी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (b) : कमलेश्वर के कहानी संग्रह 'राजा निरबंसिया' (1957 ई.) और 'कस्बे का आदमी' (1958 ई.) है। कमलेश्वर के अन्य कहानी संग्रह– खोई हुई दिशाएँ (1963 ई.), मांस का दरिया (1966 ई.), बयान (1973 ई.), आजादी मुबारक (2002 ई.) आदि हैं।

15. 'परिंदें' कहानी के पात्र हैं–

1. रिचर्ड
2. डॉक्टर मुकर्जी
3. रामधन
4. मिस्टर ह्यूबर्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (c) : 'परिंदे' कहानी के पात्र 'डॉक्टर मुखर्जी' और 'मिस्टर ह्यूबर्ट' हैं। 'परिंदे' (1960 ई.) कहानी संग्रह, कहानीकार निर्मल वर्मा ने लिखा है। 'नामवर सिंह' ने 'परिंदे' कहानी को हिन्दी की प्रथम कहानी माना है। 'रिचर्ड' भीष्म साहनी के उपन्यास 'तमस' (1973 ई.) का पात्र है, 'रामधन' (रामधन मिश्र) मुंशी प्रेमचन्द के 'पंचपरमेश्वर' कहानी का पात्र है।

16. उस युवती के प्रति मेरे मन में जो प्रेम और श्रद्धा है, वह ऐसी है कि अगर मैं उसकी ओर वासना से देखूं तो आँखें फूट जायँ।'' उपर्युक्त संवाद 'गोदान' उपन्यास के किन दो पात्रों के बीच हुआ है?

(a) मेहता और मालती
(b) खन्ना और गोविन्दी
(c) मिर्जा खुर्शेद और मेहता
(d) राय अमरपालसिंह और मालती

Ans. (a) : ''उस युवती के प्रति मेरे मन में जो प्रेम और श्रद्धा है, वह ऐसी है कि अगर मैं उसकी ओर वासना से देखूं तो आँखें फूट जायँ।'' यह संवाद 'गोदान' उपन्यास में मेहता और मालती के बीच हुआ। 'गोदान' (1936 ई.) उपन्यास मुंशी प्रेमचन्द ने लिखा है और इस उपन्यास के अन्य पात्र हैं- होरी, धनिया, गोबर, झुनिया, भोला, राय साहब, खन्ना, दातादीन, गोविन्दी आदि। इस उपन्यास में 'किसान जीवन की महागाथा और ऋण (कर्ज) की समस्या का वृहद अंकन है।

17. निम्नलिखित में से कौन 'तमस' उपन्यास का पात्र नही है?

(a) रत्तो (b) नत्थू
(c) रिचर्ड (d) हयात बख्श

Ans. (a) : रत्तो 'तमस' उपन्यास का पात्र नहीं है। भीष्म साहनी के 'तमस' (1973 ई.) उपन्यास के पात्र हैं- रिचर्ड, नत्थू, हयात बख्श, वानप्रस्थ, लिजा, जरनैल सिंह, हरनाम, वन्तो, लक्ष्मी, नारायण, नूरी इलाही, मोहन।

18. 'संस्कृति के चार अध्याय' में दिनकर ने रवीन्द्रनाथ टैगोर और मुहम्मद इकबाल को आख्यायित किया है।

(a) राष्ट्रीय कवि के रूप में
(b) नवोत्थान के कवि के रूप में
(c) भारतीय कवि के रूप में
(d) सामासिक संस्कृति के कवि के रूप में

Ans. (b) : 'संस्कृति के चार अध्याय' निबन्ध में 'दिनकर' ने रवीन्द्रनाथ टैगोर और मुहम्मद इकबाल को नवोत्थान के कवि के रूप में आख्यायित किया है। इस निबन्ध पर रामधारी सिंह दिनकर को सन् 1959 ई. में 'साहित्य अकादमी पुरस्कर मिला, दिनकर जी ने भारत के सांस्कृतिक इतिहास को चार भागों में बाँटकर लिखने का प्रयत्न किया, जो भारतीय संस्कृति का एक सर्वेक्षण है। 'संस्कृति के चार अध्याय' निबंध का प्रकाशन सन् 1946 ई. में साहित्य अकादमी द्वारा हुआ।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है।

1. लुइपा 2. स्वयंभू
3. हेमचन्द्र 4. पुष्यदंत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 1, 4, 3
(c) 3, 2, 1, 4 (d) 4, 3, 2, 1

Ans. (b) : स्वयंभू (783 ई.) → लुइपा → पुष्पदन्त (972 ई.) → हेमचन्द्र (1088 ई.)। लुइपा का समय कहीं-कहीं 773 ई. भी देखने को मिलता है।

20. निम्नलिखित में से चतुर्भुजदास के संबंध में सही है।

1. कुंभनदास के पुत्र थे।
2. इनकी भाषा तत्सम प्रधान थी।
3. इनके दो ग्रंथ मिलते है।
4. 'हितजू को मंगल' इनकी काव्य कृति है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (c) : चतुर्भुजदास के सम्बन्ध में सही कथन-चतुर्भुजदास 'कुम्भनदास' के पुत्र थे, हितजू को मंगल' इनकी काव्य कृति है। चतुर्भुजदास का समय (1530-1585 ई.) है। इनके गुरु गोसाई विट्ठलनाथ थे। इनका जन्म जमुनावती (उ.प्र.) में हुआ था। ये अष्टछाप के कवि थे। अष्टछाप के कवियों में कुम्भनदास सबसे बड़े तथा नन्ददास सबसे छोटे थे।

21. सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए–

सूची I (उच्चारण)	सूची II (वर्ण)
A. ओष्ठय	1. च
B. दंत्य	2. प
C. कंठ्य	3. त
D. तालव्य	4. ग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	2	1

Ans. (b) : वर्णों के उच्चारण स्थान का सही सुमेल है–

उच्चारण स्थान		वर्ण
ओष्ठय	-	प
दंत्य	-	त
कंठ्य	-	ग
तालव्य	-	च

22. निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम है–

1. रिपब्लिक
2. माइंड इन द मॉडर्न वर्ल्ड
3. प्रैक्टिकल क्रिटीसिज्म
4. एसेज ऐंसिएंट एंड मॉडर्न

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) 1, 3, 4, 2 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 3, 1, 2, 4 (d) 4, 2, 3, 1

Ans. (a) : ग्रंथों का सही अनुक्रम निम्न प्रकार है–

रचना	लेखक	प्रकाशन वर्ष
रिपब्लिक	प्लेटो	380 ई.पू.
प्रैक्टिकल क्रिटीसिज्म	आइ. ए. रिचर्ड्स	1929 ई.
एसेज ऐंसिएंट एंड मॉडर्न	टॉमस स्टर्न्स इलियट	1936 ई.
माइंड इन द मॉडर्न वर्ल्ड	लियोनेल ट्रिलिंग	1972 ई.

23. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार चंदबरदाई हैं–

1. केवल कवित्त के रचयिता
2. हिंदी के प्रथम महाकवि
3. केवल दूहा और तोमर के रचयिता
4. व्याकरण में पारंगत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (d) : 'रामचन्द्र शुक्ल' के अनुसार चन्दबरदाई हिन्दी के प्रथम महाकवि तथा 'पृथ्वीराज रासो' हिन्दी साहित्य का प्रथम महाकाव्य है। शुक्ल जी के अनुसार चन्दबरदाई व्याकरण में पारंगत थे। 'छप्पय' इनका निजी छंद था। शिवसिंह सेंगर ने चन्दबरदाई को 'छप्पयों का राजा' कहा है। इनकी अधूरी कृति 'पृथ्वीराज रासो' को इनके पुत्र जल्हण ने पूर्ण किया।

24. 'म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णां कूयां।
दध मथ घृत काढ़ लयां डार दया छूयां।'
उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त 'छूयां' का अर्थ है–

(a) छार (b) मट्ठा
(c) मथानी (d) मक्खन

Ans. (b) : 'म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णां कूयां।
दध मथ घृत काढ़ लयां डार दया छूयां।'

उक्त पंक्ति में प्रयुक्त 'छूयां' का अर्थ 'मट्ठा' है। उपर्युक्त पंक्ति भक्तिकाल के सम्प्रदाय निरपेक्ष कृष्ण भक्ति शाखा की कवयित्री मीराबाई की है। इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ हैं- रागगोविंद, रागसोरठा, गीत गोविंद, नरसी जी का मायरा। मीराबाई की अन्य महत्त्वपूर्ण पंक्तियाँ हैं-

- बसो मेरे नैनन में नन्द लाल।
- हरि तुम हरो जन की पीर।
- घायल की गति घायल जानै और न जानै कोई।
- जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई।

25. निम्नलिखित में से इतिहास दर्शन (Historiography) से मूलतः संबंधित विचारक हैं–

(a) वॉल्तेयर (b) हिरोदोत्तम
(c) विको (d) कांट

Ans. (a) : इतिहास दर्शन के मूलतः संबंधित विचारक वॉल्तेयर हैं। वॉल्तेयर का मूल नाम 'प्रान्सिस मेरी ऐरोयेत' था। ये वॉल्तेयर नाम से रचना करते थे, इनका जन्म पेरिस में 21 नवम्बर, सन् 1694 को हुआ। इन्होंने नाटक, दर्शन, व्यंग्य कथा तथा काव्यशास्त्रीय रचनाएँ लिखी और बंधी-बंधाई परम्पराओं का विरोध किया।

26. 'चम्पा द्वीप' किस कहानी में आया है

(a) दुलाईवाली (b) पिता
(c) आकाशदीप (d) गैंग्रीन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : 'चम्पा द्वीप' आकाशदीप कहानी में आया है। 'आकाश दीप' जयशंकर प्रसाद का कहानी-संग्रह है। प्रसाद के अन्य कहानी संग्रह हैं- छाया, प्रतिध्वनि, आँधी, इन्द्रजाल। 'दुलाईवाली' (1907 ई.) बंगमहिला (राजेन्द्र बाला घोष), 'गैंग्रीन' कहानी अज्ञेय की तथा पिता (1965 ई.) ज्ञानरंजन की कहानी है।

27. मैत्रेयी पुष्पा के किस उपन्यास में ब्रज-क्षेत्र के जीवन-यथार्थ का चित्रण हुआ है?

(a) चाक (b) झूलानट
(c) अल्मा कबूतरी (d) इदन्नमम्

Ans. (a) : 'चाक' (1997 ई.) उपन्यास में मैत्रेयी पुष्पा ने ब्रज-क्षेत्र के जीवन यथार्थ का चित्रण किया है। मैत्रेयी पुष्पा के अन्य उपन्यास हैं- झूलानट (1999 ई.), अल्मा कबूतरी (2000 ई.), इदन्नमम् (1994 ई.), कहे ईसूरी फाग (2004 ई.), गुनाह बेगुनाह, विजन, त्रियाहठ, बेतवा बहती रही, स्मृति दंश।

28. निम्नलिखित में से कौन-सा कोलरिज का ग्रंथ नहीं है?

(a) द टेबल टॉक (b) लैटर्स
(c) लेक्चर्स ऑन शेक्सपियर (d) एलिजाबेथन एसेज

Ans. (a&d) : 'एलिजाबेथन एसेज' तथा 'द टेबल टॉक' ग्रंथ कॉलरिज के नहीं हैं बल्कि 'एलिजाबेथन एसेज' ग्रंथ टी.एस. एलियट का और 'द टेबल टॉक' विलियम हेजलिट का ग्रंथ है। कोलरिज द्वारा रचित ग्रंथ– लैटर्स, लेक्चर्स ऑन शेक्सपियर, बायोग्राफिया लिटरेरिया, चर्च एण्ड स्टेट, कंफेशज ऑफ इन इनक्वायरिंग स्पिरिट, द फ्रेंड, एड्स टू रिफ्लेक्शन।

29. 'असाध्य वीणा' अज्ञेय के किस कविता संग्रह में है?

(a) बावरा अहेरी (b) इन्द्रधनु रौंदे हुए
(c) अरी ओ करुणा प्रभामय (d) आँगन के पार द्वार

Ans. (d) : 'असाध्य वीणा' अज्ञेय के 'आँगन के पार द्वार' (1961 ई.) कविता संग्रह में संगृहीत है। अज्ञेय की अन्य कविताएँ हैं- बावरा अहेरी (1954 ई.), इन्द्रधनुष रौंदे हुए (1957 ई.), अरी ओ करुणा प्रभामय (1959 ई.) आदि।

30. अँखिया हरि-दरसन की भूखी।
बारक वह मुख फेरि दिखाओं दुहि पय पिवत पतूखी।
उक्त पद में 'पतूखी' का अर्थ है–

(a) साग-सब्जी (b) पेय पदार्थ
(c) पकवान (d) पत्ते का दोना

Ans. (d) : अँखिया हरि-दरसन की भूखी।
बारक वह मुख फेरि दिखाओं दुहि पय पिवत पतूखी।
उक्त पद में 'पतूखी' का अर्थ है 'पत्ते का दोना' जो सूरदास जी के पद से लिया गया है। सूरदास की रचनाएँ हैं- सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य-लहरी।

31. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन A : मार्क्सवाद साहित्य-सृजन का प्रधान कारण श्रम को मानता है।
कारण R : क्योंकि श्रम के बगैर साहित्य की परिकल्पना असंभव है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य हैं, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य हैं, लेकिन R सत्य है।

Ans. (c) : अभिकथन A : मार्क्सवाद साहित्य सृजन का प्रधान कारण श्रम को मानता है।
कारण R है- क्योंकि श्रम के बगैर साहित्य की परिकल्पना असंभव है। अतः अभिकथन A सत्य है, लेकिन कारण R असत्य है।

32. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ	1. रामधारी सिंह 'दिनकर'
B. आत्मा की आँखें	2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
C. चुका भी हूँ नहीं मैं	3. शमशेर बहादुर सिंह
D. कुकुरमुत्ता	4. रघुवीर सहाय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	4	1	3	2
(b)	2	3	1	4
(c)	3	2	4	1
(d)	1	4	2	3

Ans. (a) : कविताएँ एवं रचनाकारों का सही सुमेलन हैं–

रचना	रचनाकार
कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989 ई.)	–रघुवीर सहाय
आत्मा की आँखें (1964 ई.)	– रामधारी सिंह 'दिनकर'
चुका भी हूँ नहीं मैं (1975 ई.)	– शमशेर बहादुर सिंह,
कुकुरमुत्ता (1942 ई.)	– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

33. कबीर कूता राम, मुतिया मेरा नाउँ।
गलै राम की जेवड़ी, जित खेंचै तित जाउँ।।
इस दोहे में किस तरह की मानसिकता व्यक्त हुई है?

(a) आत्मसमर्पण (b) मान
(c) दीनता (d) कुंठा

Ans. (a) : उपर्युक्त दोहे में 'आत्मसमर्पण' की मानसिकता व्यक्त हुई है। प्रस्तुत दोहा भक्तिकाल के निर्गुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि कबीर दास द्वारा रचित है। 'कबीर' अरबी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ होता 'महान' या 'श्रेष्ठ' होता है।

34. प्रकाशन वर्ष के अनुसार कृष्णा सोबती के उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

1. समय-सरगम 2. मित्रो मरजानी
3. ऐ लड़की 4. सूरजमुखी अंधेरे के

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए–

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 4, 3, 2, 1
(c) 2, 1, 4, 3 (d) 2, 4, 3, 1

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार कृष्णा सोबती के उपन्यासों का सही अनुक्रम इस प्रकार है– मित्रो मरजानी (1967 ई.), सूरजमुखी अँधेरे के (1972 ई.), ऐ लड़की (1991 ई.), समय-सरगम (2000 ई.)। 1980 ई. में इन्हें प्रसिद्ध उपन्यास 'जिन्दगीनामा' (1979 ई.) के लिए 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

35. नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : कल्पना काव्य का अनिवार्य साधन है।

कारण R : क्योंकि कल्पना काव्य में साध्य है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही हैं लेकिन R सही नहीं है।
(d) A सही नहीं हैं लेकिन R सही है।

Ans. (c) : अभिकथन A कल्पना काव्य का अनिवार्य साधन है। कारण R क्योंकि रस, माधुर्य, लालित्य आदि सभी भाव कल्पना से जुड़े है। अतः अभिकथन A सही है, लेकिन कारण R सही नहीं है।

36. महादेवी वर्मा के संबंध में रामचंद्र शुक्ल की क्या स्थापनाएँ हैं?

1. **महादेवी के गीतों का मूलाधार मिलन सुख है।**
2. **छायावादी कवियों में महादेवी वर्मा ही रहस्यवाद के अंतर्गत हैं।**
3. **महादेवी के गीतों में अनूठी व्यंजना है।**
4. **महादेवी के गीतों में वास्तविक अनुभूतियाँ हैं, रमणीय कल्पना नहीं।**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (b) : छायावादी कहे जाने वाले कवियों में महादेवी ही रहस्यवाद के भीतर रही हैं। उस अज्ञात प्रियतम के लिए वेदना ही इनके हृदय का भावकेन्द्र है जिससे अनेक प्रकार की भावनाएँ कूट-कूट कर झलक मारती हैं। वेदना से इन्होंने अपना स्वाभाविक प्रेम व्यक्त किया है, उसी के साथ वे रहना चाहती हैं। इनके गीतों में अनूठी व्यंजना है अतः महादेवी वर्मा के संबंध में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार कथन 2 और 3 दोनों सत्य है।

37. 'लछमा' किस कहानी का पात्र है?

(a) पुरस्कार (b) कोसी का घटवार
(c) पिता (d) परिंदे

Ans. (b) : 'लछमा' कोसी का घटवार कहानी का पात्र है। 'कोसी का घटवार' कहानी संग्रह शेखर जोशी द्वारा रचित है। अन्य प्रसिद्ध कहानी, कहानीकार एवं उसके पात्र–

कहानी	**लेखक**	**पात्र**
पुरस्कार	- जयशंकर प्रसाद	- अरुण, मधुलिका, कौशल नरेश, सेनापति
परिन्दे	- निर्मल वर्मा	- लतिका, डॉ. मुखर्जी, करीमुद्दीन, गिरीश
ठाकुर का कुआँ	- प्रेमचन्द	- जोखू, जंगी, ठाकुर
उसने कहा था	- गुलेरी	- लहना सिंह, सूबेदारनी, बोधा, वजीरा सिंह
पिता	- ज्ञानरंजन	- पिता, पुत्र

38. 'जिन्दगीनामा' उपन्यास में–

1. **बीसवीं शताब्दी के प्रथम पन्द्रह वर्षों में पंजाब के किसानों-ग्रामीणों के जीवन का चित्रण है।**
2. **महानगरवासी उच्चमध्यवर्गीय वृद्ध व्यक्तियों की जीवन स्थितियों का चित्रण है।**
3. **परिनिष्ठित हिन्दी को पंजाबी प्रयोगों से आक्रान्त कर दिया है।**
4. **विवाहेत्तर सन्तान और उसकी स्वीकृति का प्रश्न वर्णित है।**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 3 और 4

Ans. (a) : जिन्दगीनामा उपन्यास में बीसवीं शताब्दी के प्रथम पन्द्रह वर्षों में पंजाब के किसानों-ग्रामीणों के जीवन का चित्रण है तथा परिनिष्ठित हिन्दी को पंजाबी प्रयोगों से आक्रान्त कर दिया है। 'जिन्दगीनामा' कृष्णा सोबती द्वारा रचित एक बड़ा उपन्यास है। प्रसिद्ध आलोचक डॉ. देवराज उपाध्याय के शब्दों में "यदि किसी को पंजाब प्रदेश की संस्कृति, रहन-सहन, चाल-ढाल, रीति-रिवाज की जानकारी प्राप्त करनी हो, इतिहास की बात जाननी हो, वहाँ की दन्तकथाओं, प्रचलित लोकोक्तियों तथा 18वीं-19वीं शताब्दी की प्रवृत्तियों से अवगत होने की इच्छा हो, तो 'जिन्दगीनामा' से अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं।"

39. 'आपका बंटी' उपन्यास का कथ्य है–

1. **तलाकशुदा पति-पत्नी की संतान की समस्या**
2. **समकालीन राजनीतिक परिदृश्य**
3. **राजनीति में प्रविष्ट मूल्यहीनता**
4. **दांपत्य संबंध का विघटन**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 1 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (c) : 'आपका बंटी' (1971 ई.) अपने ढंग का अकेला उपन्यास है। इस उपन्यास में आज के मध्यवर्गीय समाज में तलाक की समस्या एवं दाम्पत्य-जीवन के तनाव के कारण तलाकशुदा दम्पतियों के बच्चों की मनोवैज्ञानिकता का बड़ा ही मार्मिक चित्रण किया गया है। 'मन्नू भंडारी' ने अपने प्रसिद्ध उपन्यास 'महाभोज' (1979 ई.) के बल पर अक्षय ख्याति अर्जित की है। यह एक राजनीतिक उपन्यास माना गया है। इसका परिवेश वैयक्तिक या पारिवारिक न होकर सामाजिक है। अतः 'आपका बंटी' उपन्यास का कथ्य विकल्प 1 और 4 सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

40. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. चुनाव जीतने की तीन तरकीबें हैं एक रामनगर वाली, दूसरी नेवादावाली और तीसरी महिवालपुरवाली	1. होरी
B. छोटे बड़े भगवान के घर से बनकर आते हैं, संपत्ति बड़ी तपस्या से मिलती है।	2. रुप्पन बाबू
C. सबसे पहले तुम शशि, इसलिए नहीं कि तुम जीवन में सबसे पहले आई या कि तुम सबसे ताजी स्मृति हो।	3. लोरिक देव
D. समूचा आर्यावर्त रक्त कर्दम से पिच्छिल होने जा रहा है।	4. शेखर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	2	1	4	3	(b)	1	2	3	4
(c)	3	2	1	4	(d)	4	3	2	1

Ans. (a) : कथनों एवं पात्रों का सही सुमेलन है–

कथन		पात्र
चुनाव जीतने .... महिवालपुरवाली	-	रुप्पन बाबू
छोटे बड़े .... से मिलती है	-	होरी
सबसे पहले .... ताजी स्मृति हो	-	शेखर
समूचा आर्यावर्त .... जा रहा है	-	लोरिक देव

41. निम्नलिखित में से 'गोदान' उपन्यास में वर्णित गांव कौन-सा है?

1. गंगौली
2. सेमरी
3. बेलारी
4. मेरीगंज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (d) : 'गोदान' उपन्यास में 'सेमरी' और 'बेलारी' गाँव को केन्द्र में रखकर कथा वर्णित की गयी है, जबकि 'आधा गाँव' में गाजीपुर जिले के 'गंगोली' गाँव के सैय्यद मुसलमानों की कथा का वर्णन किया गया है तथा 'मैला आँचल' उपन्यास में बिहार राज्य के पूर्णिया जिले के 'मेरीगंज' को कथा का केन्द्र बनाया गया है।

42. 'आज का हिंदी-निबंध साहित्य अधिकांश में आलोचना की ओर दौड़ा जा रहा है। आजकल आचार्यत्व की चाह रीतिकाल से भी कुछ बढ़ी-चढ़ी है।' – यह किसका कथन है?

(a) नंद किशोर नवल (b) बाबू गुलाब राय
(c) मुक्तिबोध (d) मलयज

Ans. (b) : हिन्दी-निबन्ध-साहित्य की वर्तमान स्थिति को लक्ष्य करते हुए 'बाबू गुलाब राय' ने उपर्युक्त कथन को कहा है, जबकि नंद किशोर नवल, मुक्तिबोध मार्क्सवादी या प्रगतिवादी आलोचक के रूप में प्रसिद्ध है तथा 'मलयज' मूलतः कवि है। इनके आलोचनात्मक निबन्धों के दो संग्रह- 'कविता से साक्षात्कार' (1979 ई.) एवं 'संवाद और एकालाप' (1984 ई.) प्रकाशित है।

**43. कर रही लीलामय आनन्द,
महाचिति सजग हुई सी व्यक्त,
विश्व का उन्मीलन अभिराम,
इसी में सब होते अनुरक्त।
शिव की कौन-सी तीन शक्तियों को 'महाचिति' कहा जाता है?**

(a) इच्छा, ज्ञान, स्मृति (b) कामना, ज्ञान, स्मृति
(c) इच्छा, ज्ञान, क्रिया (d) इच्छा, भ्रांति, क्रिया

Ans. (c) : इच्छा, ज्ञान, क्रिया शिव की तीन शक्तियों को 'महाचिति' कहा जाता है।

44. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्सम शब्द नहीं है?

(a) अग्नि (b) भ्राता
(c) आज्ञा (d) किसान

Ans. (d) : 'किसान' तत्सम शब्द नहीं है, यह तद्भव शब्द है, इसका तत्सम रूप 'कृषक' होगा जबकि अग्नि, भ्राता एवं आज्ञा तत्सम शब्द हैं।

45. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	सूची -II
A. लाला मदन मोहन	1. मैला आंचल
B. रामकिसुन बाबू	2. गोदान
C. मंगल	3. झूठा-सच
D. जुबेर	4. परीक्षा गुरु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D		A	B	C	D
(a)	1	2	3	4	(b)	2	3	4	1
(c)	4	1	2	3	(d)	3	4	1	2

Ans. (c) : पात्रों एवं उपन्यासों का सही सुमेलन है–

पात्र		उपन्यास
लाला मदन मोहन	-	परीक्षा गुरु
रामकिसुन बाबू	-	मैला आंचल
मंगल	-	गोदान
जुबेर	-	झूठा-सच

**46. ''आज के व्यापक सामाजिक संबंधों के संदर्भ में जीने वाले व्यक्ति के माध्यम से ही मुक्तिबोध ने 'अँधेरे में' कविता में अस्मिता की खोज को नाटकीय रूप दिया है।''
यह कथन किस आलोचक का है?**

(a) नामवर सिंह (b) रामविलास शर्मा
(c) रमेश कुन्तल मेघ (d) रामस्वरूप चतुर्वेदी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : उपर्युक्त कथन डॉ. नामवर सिंह जी का है। अँधेरे में एक लम्बी कविता है। विभिन्न आलोचकों ने इसे विभिन्न दृष्टिकोण से देखा है जो इस प्रकार है–
रामविलास शर्मा ने इसे ''अपराध भावना का अनुसंधान'' तथा ''अरक्षित जीवन की कविता'' कहा है।
रामस्वरूप चतुर्वेदी ने ''अँधेरे में के लम्बे खण्डों में कवि की समस्या है समाज के उत्थान-पतन और आन्दोलन के बीच अपनी रचना के प्रेरक तत्वों का अभिज्ञान, रचना कैसे बाहर से अन्दर आती है और फिर कैसे बाहर दूर-दूर तक परिव्याप्त हो जाती है।''
इन्द्रनाथ मदान ने इसे ''आत्म संशोधन का अनुसंधान'' कहा है।

47. निम्नलिखित में से किस कवि का उपनाम 'हितैषी' है?
(a) तुलसीराम शर्मा (b) गोपालशरण सिंह
(c) अनूप शर्मा (d) जगदंबाप्रसाद

Ans. (d) : जगदंबाप्रसाद मिश्र (जन्म 1895 ई. निधन 1957 ई.) का जन्म मुरादाबाद, उन्नाव (उ.प्र.) में हुआ था। इनका उपनाम 'हितैषी' था। इनकी प्रमुख रचनाएँ- मातृगीता, कल्लोलिनी, वैकाली, दर्शना आदि।

48. भारतेंदु युग के प्रमुख निबंधकार हैं:
1. पद्मसिंह शर्मा 2. काशीनाथ खत्री
3. श्याम बिहारी मिश्र 4. राधाचरण गोस्वामी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) 1 और 4 (b) 2 और 3
(c) 2 और 4 (d) 1 और 2

Ans. (c) : भारतेन्दु युग के प्रमुख निबन्धकार काशीनाथ खत्री एवं राधाचरण गोस्वामी हैं। भारतेन्दु युग के अन्य निबन्धकार हैं- बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रतापनारायण मिश्र, ठाकुर जगमोहन सिंह, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्ण दास आदि। जबकि हिन्दी के प्रथम संस्मरण कार पद्मसिंह शर्मा हैं। इनकी प्रमुख रचना 'पद्मपराग' सन् (1929 ई.) में प्रकाशित हुई।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्व मार्क्सवादी चिन्तन के पक्ष में नहीं है?
(a) आधार और अधिरचना (b) वर्ग संघर्ष
(c) प्रतिनिधि पात्र (d) यांत्रिक भौतिकवाद

Ans. (d) : 'यांत्रिक भौतिकवाद' तत्व मार्क्सवादी चिन्तन के पक्ष में नहीं है, जबकि आधार और अधिरचना, वर्ग-संघर्ष तथा प्रतिनिधि पात्र मार्क्सवादी चिन्तन के तत्व है। कार्ल मार्क्स की साम्यवादी विचारधारा ही मार्क्सवादी विचारधारा के नाम से जानी जाती है।

50. तुलसीदास ने 'रामचरित मानस' के 'उत्तरकांड' में क्या प्रतिपादित किया है?
1. ज्ञान की अपेक्षा भक्ति सुसाध्य और आशुफलदायिनी है।
2. कलियुग में असंतो की संगीत लाभदायक होगी।
3. कलियुग में मनुष्य वर्ण, धर्म और आश्रम का पालन करने वाले होगे।
4. कलियुग में लोग लोभ और स्वार्थ के वशीभूत होंगे और माता-पिता तथा गुरू का अनादर करेगें।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।
(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : गोस्वामी तुलसीदास ने 'रामचरित मानस' के 'उत्तरकांड' में ज्ञान की अपेक्षा भक्ति को कहीं अधिक सुसाध्य और आशुफल दायिनी कहा है। तथा कलियुग में लोग स्वार्थ के वशीभूत होंगे और माता-पिता तथा गुरु का अनादर करेगें। 'रामचरितमानस' में तुलसी केवल कवि रूप में ही नहीं, उपदेशक के रूप में भी सामने आते है। अतः कथन 1 और 4 दोनों सही है। 'रामचरित मानस' को मानव समाज का दर्पण कहा गया है। इसमें कुल 'सात' काण्ड है जो इस प्रकार है- 1. बालकाण्ड, 2. अयोध्याकाण्ड, 3. अरण्यकाण्ड, 4. किष्किन्धाकाण्ड 5. सुन्दरकाण्ड, 6. लंकाकाण्ड, 7. उत्तरकाण्ड।

51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचन्द की कहानियों का सही क्रम है–
1. बूढ़ी काकी 2. सवा सेर गेहूँ
3. पंच परमेश्वर 4. प्रेरणा
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) 1, 3, 4, 2 (b) 4, 2, 1, 3
(c) 3, 4, 1, 2 (d) 3, 1, 2, 4

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचंद की कहानियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है- पंचपरमेश्वर (1916 ई.), बूढ़ी काकी (1920 ई.), सवा सेर गेहूँ (1924 ई.), प्रेरणा। प्रेमचन्द की अन्य कहानियाँ– नमक का दरोगा, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, ठाकुर का कुँआ, दो बैलों की कथा, सद्गति, समर यात्रा, होली का उपहार, ईदगाह, बड़े भाई साहब, कफ़न इत्यादि।

52. निम्नलिखित में से कौन-सी नंददास की कृति नहीं है?
(a) रुपमंजरी (b) विरहमंजरी
(c) मानमंजरी (d) कविप्रिया

Ans. (d) : 'कविप्रिया' नन्ददास की कृति नहीं है। ननददास की रचनाएँ– रुपमंजरी, विरहमंजरी, मानमंजरी हैं। कविप्रिया केशवदास की रचना है। इसका समय (1601 ई.) है। केशवदास की अन्य रचनाएँ– रसिक प्रिया, रामचन्द्रिका, विज्ञान गीता आदि।

53. 'संस्कृति के चार अध्याय' के अनुसार अकबर के राज्यारोहण तक सरकारी हिसाब किस भाषा में रखा जाता था?
(a) अरबी (b) फारसी
(c) उर्दू (d) हिंदी

Ans. (d) : 'संस्कृति के चार अध्याय' के अनुसार अकबर के राज्यारोहण तक सरकारी हिसाब 'हिन्दी' भाषा में रखा जाता था। 'संस्कृति के चार अध्याय' चार भागों में रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा लिखा गया। इस पर दिनकर को सन् 1959 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

54. रामचंद्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में देव के कितने ग्रंथों का उल्लेख किया है?
(a) 22 (b) 23
(c) 24 (d) 25

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : रामचंद्र शुक्ल ने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में देव के तेईस (23) ग्रंथों का उल्लेख किया है, जो निम्न हैं- रसविलास, भावविलास, भवानीविलास, कुशलविलास, अष्टयाम, सुजान विनोद, काव्यरसायन, जातिविलास, देवमाया प्रपंच, रसविलास, रागरत्नाकर, देवचरित, सूख सागर तरंग, प्रेमचंद्रिका, देवशतक, प्रेमतरंग इत्यादि।

55. 'सहमति.....
नहीं, यह समकालीन शब्द नहीं है
इसे बालिगों के बीच चालू मत करो'
ये पंक्तियाँ किस कविता से हैं?

(a) अकाल दर्शन (b) नक्सलबाड़ी
(c) रोटी और संसद (d) मोचीराम

Ans. (b) : उपर्युक्त पंक्तियाँ सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' द्वारा लिखित कविता 'नक्सलबाड़ी' से हैं। धूमिल की प्रमुख कविताएँ– मोचीराम, बीस साल बाद, पटकथा, रोटी और संसद, लोहे का स्वाद आदि।

56. निम्नलिखित में से यह कथन-'इष्टाभिधेय वक्रोक्तिरिष्टा वाचामलंकृतिः' किसका है?

(a) भामह (b) दण्डी
(c) उद्‌भट (d) वामन

Ans. (a) : 'इष्टाभिधेय वक्रोक्तिरिष्टा वाचामलंकृतिः' यह कथन भामह का है। भामह ने 'काव्यालंकार' नामक ग्रन्थ की रचना की, जो छह परिच्छेदों में विभक्त है।

57. प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम है–

1. इन्द्रजाल **2. आकशदीप**
3. ग्राम **4. गूदड़साईं**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिएः

(a) 3, 4, 2, 1 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 2, 3, 4, 1 (d) 4, 2, 1, 3

Ans. (a) : ग्राम (1911 ई.) गूदड़साई (1926 ई.), आकाशदीप (1928 ई.), इन्द्रजाल (1936 ई.) प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम है। प्रमुख चर्चित कहानियाँ- पत्थर की पुकार, उस पार का योगी, चंदा, देवदासी, ममता, खण्डहर की लिपि, घीसू, चूड़ीवाली, बिसाती, सालवती, मधुआ, नूरी, पुरस्कार, गुण्डा, छोटा जादूगर।

58. "इधर वह कविता मेरा पिंड नहीं छोड़ रही थी। अगर वह कविता भावावेशपूर्ण होती तो एक बार उसकी आवेशात्मक अभिव्यक्ति हो जाने पर मेरी छुट्टी हो जाती।" – यह उद्धरण निम्नलिखित में से किससे लिया गया है?

(a) डबरे पर सूरज का बिंब
(b) तीसरा क्षण
(c) हाशिये पर कुछ नोट्स
(d) एक लंबी कविता का अंत

Ans. (d) : "इधर वह कविता .... मेरी छुट्टी हो जाती।" यह उद्धरण मुक्तिबोध की 'एक लम्बी कविता का अंत' से लिया गया है। मुक्तिबोध की प्रमुख कविताएँ- अँधेरे में, ब्रह्म राक्षस, अंतःकरण का आयतन, भूलगलती। 'अँधेरे में' का पहला प्रकाशन 'कल्पना' में 1964 ई. 'आशंका के द्वीप अँधेरे में' नाम से हुआ।

59. पार्वती, सुखदेई, दौलत राम और छोटे निम्नलिखित में से किस कथा- कृति के पात्र हैं?

(a) रानी केतकी की कहानी
(b) वामा शिक्षक
(c) भाग्यवती
(d) देवरानी जेठानी की कहानी

Ans. (d) : पार्वती, सुखदेई, दौलत राम और छोटे पं. गौरी दत्त द्वारा लिखित उपन्यास 'देवरानी जेठानी की कहानी' (1870 ई.) के पात्र हैं।

कहानी		**कहानीकार**
रानी केतकी की कहानी	-	इंशा अल्ला खाँ
वामा शिक्षक	-	मुंशी ईश्वरी प्रसाद और कल्याणराय
भाग्यवती	-	श्रद्धाराम फिल्लौरी

60. 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' का प्रतिपाद्य है–

1. इसमें रहस्यवादी ढंग से जीवन की नश्वरता की बात की गई है।
2. इसमें स्त्री के सामाजिक प्रदेय और श्रेय को रेखांकित किया गया है।
3. स्त्री का जीवन दुख में ही बीतता रहा है।
4. स्त्री अपने आँसुओं को व्यर्थ नहीं जाने देती है। वह उसी से नया सृजन करती रही है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 1 और 2 (d) 3 और 4

Ans. (d) : 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' का प्रतिपाद्य है– स्त्री का जीवन दुःख में ही बीतता रहा है तथा स्त्री अपने आँसुओं को व्यर्थ नहीं जाने देती है। वह उसी से नया सृजन करती रही है।
महादेवी वर्मा की महत्वपूर्ण काव्य कृतियाँ हैं- नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, यामा, दीपशिखा, सप्तपर्णा आदि।

61. मुर्दहिया में नन्हकू पांडे किस कला में कुशल थे?

(a) वीणावादन (b) ढोलक वादन
(c) सारंगी वादन (d) तबला वादन

Ans. (b) : 'मुर्दहिया' में नन्हकू पांडे ढोलक वादन कला में कुशल थे। तुलसीराम कृत दलित आत्मकथा मुर्दहिया (2010, प्रथम भाग) मणिकर्णिका (2013, दूसरा भाग) है।

62. 'ईश्वर अंस जीव अबिनासी।,
चेतन अमल सहज सुख रासी।।
इन पंक्तियों में कौन-सा दर्शन है?

(a) अद्वैतवाद (b) भेदाभेदवाद
(c) द्वैताद्वैतवाद (d) विशिष्टाद्वैतवाद

Ans. (d) : 'ईश्वर अंस .... सुख रासी।। पंक्तियों में विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन है। रामानुजाचार्य विशिष्टाद्वैतवाद दर्शन के प्रवर्तक है।

दर्शन		**प्रवर्तक**
अद्वैतवाद	–	शंकराचार्य
द्वैताद्वैतवाद (भेदाभेदवाद)	–	निम्बार्काचार्य
द्वैतवाद	–	मध्वाचार्य
शुद्धाद्वैतवाद	–	विष्णुस्वामी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

63. प्रकाशन वर्ष के अनुसार श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

1. बिश्रामपुर का संत
2. मकान
3. सूनी घाटी का सूरज
4. पहला पड़ाव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए :

(a) 4, 1, 2, 3 (b) 2, 3, 1, 4
(c) 3, 2, 4, 1 (d) 1, 2, 3, 4

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार श्रीलाल शुक्ल के उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**
सूनी घाटी का सूरज	1957 ई.
मकान	1976 ई.
पहला पडाव	1987 ई.
विश्रामपुर का संत	1998 ई.

64. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है–

1. हानूश
2. लहरों के राजहंस
3. आषाढ़ का एक दिन
4. आधे-अधूरे

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए :

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3, 4, 1
(c) 3, 2, 4, 1 (d) 4, 1, 2, 3

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार नाटकों का सही अनुक्रम है– आषाढ़ का एक दिन (1958 ई.), लहरों के राजहंस (1963 ई.), आधे अधूरे (1969 ई.), हानूश (1977 ई.), लहरों के राजहंस नाटक की रचना मोहन राकेश ने अश्वघोष के महाकाव्य 'सौन्दरानन्द' के आधार पर किया है। 'आधे अधूरे' नाटक को 'मील का पत्थर' भी कहा जाता है। आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे-अधूरे मोहन राकेश के नाटक हैं। 'हानूश' नाटक भीष्म साहनी के हैं।

65. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	**सूची -II**
A. राष्ट्रपति का आदेश	**1. 1968**
B. संसद की राजभाषा समिति के सुझाव	**2. 1955**
C. राजभाषा अधिनियम	**3. 1959**
D. संकल्प	**4. 1963**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	1	2
(c)	4	1	2	3
(d)	2	3	4	1

Ans. (d) : सूची-I के साथ सूची-II का सही सुमेलन है–

सूची-I		**सूची-II**
राष्ट्रपति का आदेश	–	1955 ई.
संसद की राजभाषा समिति के सुझाव	–	1959 ई.
राजभाषा अधिनियम	–	1963 ई.
संकल्प	–	1968 ई.

1. राष्ट्रपति (राजेन्द्र प्रसाद) ने सन् 1955 ई. में बाल गंगाधर (बी.जी.) खेर की अध्यक्षता में 'राजभाषा आयोग' का गठन किया। इस आयोग में 21 सदस्य थे।
2. संयुक्त संसदीय समिति में 30 सदस्य थे जिनमें लोक सभा के 20 तथा राज्य सभा के 10 सदस्य थे। इसने अपना प्रतिवेदन 1959 ई. में दिया।
3. राजभाषा अधिनियम 1963 ई. उन भाषाओं का, जो संघ के राजकीय प्रयोजनों, संसद में कार्य के व्यवहार, केन्द्रीय और राज्य अधिनियमों और उच्च न्यायालयों में कतिपय प्रयोजनों के लिए प्रयोग में लाई जा सकेगी।
4. संकल्प 1968 ई. संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी रहेगी और उसके अनुच्छेद 351 के अनुसार हिंदी भाषा का प्रसार वृद्धि करना और उसका विकास करना ताकि वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सब तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम हो सके।

66. 'भारत-दुर्दशा' के बारे में कौन-से विचार सही हैं?

1. इसका आरंभ महारानी विक्टोरिया की स्तुति से हुआ है।
2. यह हिन्दी का पहला राजनीतिक नाटक है।
3. यह विचार प्रधान नाटक है।
4. इसमें अंग्रेजी राज में भारत के विकास की बात की गई है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 2 और 3 (b) 1 और 2
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

Ans. (a) : भारत-दुर्दशा के बारे में सही विचार यह है कि यह हिन्दी का पहला राजनीतिक तथा विचार प्रधान नाटक है। 'भारत-दुर्दशा' भारतेन्दु हरिश्चंद्र का हिन्दी का पहला राजनीतिक नाटक माना जाता है। इसमें भारत वर्ष के तत्कालीन परिस्थिति का चित्रण व अंग्रेजी राज्य की अप्रत्यक्ष निन्दा की गयी है। भारत-दुर्दशा 1880 ई. में रचित भारतेन्दु हरिश्चंद्र का (नाट्य या रासक) नाटक है। इसमें कुल छः अंक है।

प्रथम अंक – स्थान बीथी।

द्वितीय अंक – इस अंक में दीन भारत बिलख-बिलख कर अपनी दुर्दशा का वर्णन करके मुर्छित होता है।

तृतीय अंक – इस अंक में भारत दुर्दैव भारत की दुर्दशा और अपनी सफलता पर प्रसन्न होता है।

चतुर्थ अंक – इस अंक में पुनः भारत दुर्दैव रोग, आलस्य, मदिरा, अहंकार आदि की सहायता से भारत की रही-सही दशा को भी नष्ट करने की योजना बनाता है।

पञ्चम अंक – पाँचवें अंक में सात सभ्यों की कमेटी भारत दुर्दैव से भारत की रक्षा के उपायों पर विचार करती है।

षष्ठ अंक – छठें अंक में 'भारत भाग्य' मुर्छित भारत को जगाने का प्रयत्न करता है।

नाटक का प्रमुख उद्देश्य, तत्कालीन भारत की दुर्दशा को दिखाना एवं दुर्दशा के कारणों को कम कर दुर्दशा करने वालों का यथार्थ चित्र उपस्थित करना।

67. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिए:

सूची-I	**सूची -II**
A. कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो!	**1. जागरण गीत**
B. बीती विभावरी जाग री!	**2. स्त्री जागृति**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

C. ये जो जमुना के-से कछार पंद फटे बिवाई के, उधार — **3. दार्शनिकता**
D. इस धारा सा ही जग का क्रम शाश्वत इस जीवन का संगम — **4. सामाजिक विसंगति**

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	3	2	1
(c)	3	1	4	2
(d)	2	1	4	3

Ans. (d) : सूची-I के साथ सूची-II का सही मिलान–

सूची-I	**सूची-II**
"कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो! हो उठी है चंचु छूकर!"	– स्त्री जागृति
"बीती विभावरी जाग री अम्बर पनघट में डुबो रही तारा घट ऊषा नागरी।"	– जागरण गीत
"ये जो जमुना के-से कछार पद फटे बिवाई के, उधार।"	– सामाजिक विसंगति
"इस धारा सा ही जग का क्रम शाश्वत इस जीवन का संगम।"	– दार्शनिकता

68. 'ध्रुवस्वामिनी' के प्रतिपाद्य हैं:
1. स्त्री पुरुषार्थ का ढोंग न करे। विश्व भर में सब काम सबके लिए नहीं हैं।
2. प्रेम में अपना सर्वस्व निछावर करने वाली स्त्रियाँ कभी असहाय नहीं होती हैं।
3. स्त्री उपहार में देने की वस्तु नहीं है। पुरुष उसे अपनी पशु-सम्पत्ति समझकर अत्याचार न करे।
4. स्त्री को अपने चुनाव और निर्णय की स्वतंत्रता हैं
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) 1 और 3 (b) 2 और 4
(c) 3 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (c) : स्त्री उपहार में देने की वस्तु नहीं है। पुरुष उसे अपनी पशु-सम्पत्ति समझकर अत्याचार न करें तथा स्त्री को अपने चुनाव और निर्णय की स्वतंत्रता हैं।
उपर्युक्त दोनों कथन ध्रुवस्वामिनी के प्रतिपाद्य विषय हैं।
ध्रुवस्वामिनी (1933 ई.) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित विशाख के 'देवी चन्द्रगुप्त' के आधार पर लिखा गया है। 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के पात्र-
स्त्री पात्र- ध्रुवस्वामिनी, मंदाकिनी, कोमा।
पुरुष पात्र- रामगुप्त, चन्दगुप्त, शिखरस्वामी, शकराज, मिहिरदेव और पुरोहित प्रमुख पात्र है।
इस नाटक में ध्रुवस्वामिनी प्रमुख पात्र है जो नारी चिंतन के विषयों को समग्र रूप से प्रस्तुत करती है। नाटक में पात्रों के माध्यम से महिला की समस्याओं को समाज के महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण को उजागर करता है।

69. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा शामी भाषाओं में शामिल नहीं है?
(a) इब्रानी (b) अरबी
(c) हब्शी (d) फारसी

Ans. (d) : 'फारसी' शामी भाषाओं में शामिल नहीं है। भारोपीय भाषा परिवार विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में सर्वप्रमुख भाषा परिवार है। इसके बोलने वालों की संख्या विश्व में सबसे ज्यादा है। इस भाषा परिवार की प्रमुख भाषाएँ हैं–
1. संस्कृत, 2. पालि, 3. प्राकृत, 4. अपभ्रंश, 5. हिन्दी, 6. बंगाली, 7. फारसी, 8. ग्रीक, 9. लैटिन, 10. अंग्रेजी, 11. रूसी, 12. जर्मन, 13. पुर्तगाली, 14. इतालवी आदि है।

70. निम्नलिखित में से किस विचार से गाँधीवादी दर्शन सहमत नहीं है?
(a) सत्य और अहिंसा
(b) मनुष्य की सार्थकता जानने में नहीं, करने में है
(c) सादा जीवन और श्रम पर जोर
(d) साध्य की शुद्धता लेकिन साधन की अशुद्धता

Ans. (d) : साध्य की शुद्धता लेकिन साधन की अशुद्धता से गाँधीवादी दर्शन सहमत नहीं है। गाँधीवादी दर्शन कई स्तरों से आध्यात्मिक या धार्मिक, नैतिक, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, व्यक्तिगत और सामूहिक तथ्यों पर मौजूद है। गाँधीवादी दर्शन के प्रमुख तत्व निम्न है–
- आध्यात्मिक या धार्मिक तत्व और ईश्वर इसके मूल में है।
- सभी व्यक्ति उच्च नैतिक विकास और सुधार करने के लिए सक्षम है।
- सादा जीवन और श्रम पर जोर
- सत्य और अहिंसा

71. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के प्रारंभ में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के किस गाँव का उल्लेख है?
(a) ललितपुर (b) लोहितपुर
(c) अमोढ़ा (d) जमोढ़ा

Ans. (c) : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के प्रारंभ में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अमोढ़ा गाँव का उल्लेख है। 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' हरिवंशराय बच्चन का की बहुप्रशंसित आत्मकथा है इसकी रचना 1969 ई. में किया था। यह चार खण्डों में है।
1. क्या भूलूँ क्या याद करूँ
2. नीड़ का निर्माण फिर
3. बसेरे से दूर
4. दशद्वार से सोपान तक
'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' आत्मकथा पर बच्चन जी को भारतीय साहित्य के सर्वोच्च पुरस्कार 'सस्वती सम्मान' से सम्मानित भी किया गया था।

72. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:
अभिकथन A : जॉक देरिदा का मानना है कि पाठ का अर्थ पाठक तय करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कारण R : क्योंकि पाठकों के मन की भिन्नता के कारण पाठ बहुलार्थी होता है।
उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य हैं, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य हैं, लेकिन R सत्य है।

Ans. (a) : जॉक देरिदा का मानना है कि पाठ का अर्थ पाठक तय करता है क्योंकि पाठकों के मन की भिन्नता के कारण पाठ बहुलार्थी होता है। यहाँ अभिकथन (A) के सम्बन्ध में कारण (R) सही है। तथा R, A की सही व्याख्या है। जॉक देरिदा विखण्डनवाद के प्रवर्तक माने जाते हैं। जॉक देरिदा का जन्म 1930 ई. में अल्जीरिया में हुआ था। इनके गुरु फूको-अल्थ्यूरस थे। 'ऑफ ग्रैमेटोलॉजी' और 'राइट एण्ड डिफरेंस' (1978 ई.) इनके प्रमुख ग्रन्थ है। 'पाल द मान' विखण्डनवाद के प्रबल समर्थक माने जाते हैं।

73. 'जहाँ न धर्म न बुद्धि नहिं नीति न सुजन समाज।
ऐ ऐसहि आपुहिं नसैं, जैसे चौपट राज॥'
'अंधेर नगरी' के किस चरित्र से इस काव्यात्मक संवाद को कहलवाया गया है?
(a) गुरु (b) गोवर्धनदास
(c) फर्यादी (d) महंत

Ans. (a, d) :
'जहाँ न धर्म न बुद्धि नहिं नीति न सुजन समाज।
ऐ ऐसहि आपुहिं नसैं, जैसे चौपट राज।।'
उपर्युक्त काव्यात्मक संवाद 'महंत' एवं गुरु दोनों का है जो 'अन्धेर नगरी' नाटक से उद्धृत है। अन्धेर नगरी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा 1881 ई. में रचित एक प्रहसन है। इसमें राजा की मूर्खता, अन्याय और अंधेरगर्दी पर तीखा व्यंग्य किया गया है। 'अन्धेर नगरी' नाटक में महंत, गोवर्धनदास, राजा, मंत्री प्रमुख केन्द्रीय पात्र हैं। अन्धेर नगरी नाटक में कुल छः अंक है जिसे दृश्यों के नाम से सम्बोधित किया गया है।

74. निम्नलिखित वाक्य किस कहानी से लिया गया है- 'खून का वह आखिरी कतरा जो वतन की हिफाजत में गिरे दुनिया की सबसे अनमोल चीज़ है'?
(a) आहुति (b) दुनिया का सबसे अनमोल रतन
(c) सुभागी (d) मंत्र

Ans. (b) : 'खून का वह आखिरी कतरा जो वतन की हिफाजत में गिरे दुनिया की सबसे अनमोल चीज़ है' उपर्युक्त कथन 'दुनिया का सबसे अनमोल रतन' कहानी से उद्धृत है। यह कहानी प्रेमचन्द की है। यह कानपुर की एक उर्दू पत्रिका 'जमाना' में 1907 ई. में प्रकाशित हुई। तत्पश्चात यह कहानी 'सोजे वतन' प्रेमचन्द की कहानी संग्रह में भी संकलित की गयी। कहानी में एक ऐसे सच्चे प्रेमी का जिक्र है जो कि अपनी प्रेमिका को अपने रूप रंग से नहीं बल्कि कुछ भी कर गुजरने के जज़्बे से अपनी ओर आकर्षित करता है।
कहानी के प्रमुख पात्र–
दिल फ़िगार (पुरुष पात्र)- कहानी का मुख्य पात्र- जो कि दिलफरेब से बेपरवाह प्रेम करता है। वह अपने प्रेम को सिद्ध करने के लिए कुछ भी करने को तैयार है।
दिल फरेब (नारी पात्र)- एक बेहद खूबसूरत स्त्री और कहानी की मुख्य नारी पात्र।

75. 'अन्धा युग' के संबंध में कौन-से विचार सही हैं?
1. यह महाभारत के अठारहवें दिन की कथा पर आधारित है।
2. आधुनिक भावबोध को रूपायित करने वाले नाटकों में अंधायुग विशेष रूप से उल्लेखनीय है।
3. इसमें बहिर्द्वन्द्व और अन्तर्द्वन्द्व दोनों विकराल रूप में मौजूद हैं।
4. 'अंधायुग' आधुनिक त्रासदी को व्यक्त नहीं करता है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।
(a) 2 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 4 (d) 1 और 2

Ans. (b) : आधुनिक भावबोध को रूपायित करने वाले नाटकों में अंधायुग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। इसमें बहिर्द्वन्द्व और अन्तर्द्वन्द्व दोनों विकराल रुप से मौजूद हैं। यह दोनों कथन 'अंधायुग' के सम्बन्ध में सही है। अंधायुग, धर्मवीर भारती द्वारा रचित हिन्दी काव्य नाटक है। इस गीतिनाट्य का प्रकाशन सन् 1955 ई. में हुआ था। इसका कथानक महाभारत युद्ध के अन्तिम दिन पर आधारित है। इसमें युद्ध और उसके बाद की समस्याओं और मानवीय महत्वाकांक्षा को प्रस्तुत किया गया है। प्रमुख पात्र हैं जैसे- अश्वत्थामा, गान्धारी, धृतराष्ट्र, कृतवर्मा, संजय, वृद्ध याचक, प्रहरी-1, व्यास, विदुर, युधिष्ठिर, कृपाचार्य, युयुत्सु, गूँगा भिखारी, प्रहरी-2, बलराम, कृष्ण इत्यादि।

76. निम्नलिखित में से 'अभिज्ञान' का संबंध किससे है?
(a) कथानक (b) चरित्र
(c) अभिनय (d) गीत

Ans. (a) : अभिज्ञान का सम्बन्ध 'कथानक' से है। 'अभिज्ञान' शब्द अरस्तू की मान्यता में आया हुआ है। यह शब्द यूनानी भाषा के 'अनग्नोरिसिस (Anagnorisis) का हिन्दी अनुवाद है। अभिज्ञान का शाब्दिक अर्थ होता हैं ज्ञान की परिणति। अभिज्ञान दुखान्तक के अन्तर्गत कथानक में पात्रों के मन में प्रेम अथवा घृणा का भाव जागृत करता है।

77. कमलेश्वर ने 'नयी कहानी' के बारे में क्या कहा है?
1. नयी कहानी आग्रहों की कहानी नहीं है।
2. उसमें विभिन्न स्तरों पर आज के यथार्थ को ही पकड़ने की चेष्टा है।
3. उसका केन्द्रीय पात्र है जीवन को बहन करने वाला व्यक्ति।
4. व्यक्ति के मन के राग-विराग की अभिव्यक्ति होती है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:
(a) 3 और 4 (b) 2 और 3
(c) 1 और 3 (d) 2 और 4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : कमलेश्वर का 'नयी कहानी' के सन्दर्भ में कथन है- नयी कहानी आग्रहों की कहानी नहीं है तथा उसका केन्द्रीय पात्र है जीवन को वहन करने वाला व्यक्ति।
'नयी कहानी' नाम का दुष्यन्त कुमार ने सर्वप्रथम प्रयोग किया था। नयी कहानी का जन्म 1956 ई. से माना जाता है। नयी कहानी के प्रवर्तक राजेन्द्र यादव, मोहन राकेश, कमलेश्वर माने जाते हैं। नयी कहानी में 'भोगे हुए यथार्थ' पर अधिक प्रकाश डाला गया है। पूर्ववर्ती कहानियाँ पूर्वाग्रह से युक्त होती थीं लेकिन नई कहानियाँ किसी भी तरह के पूर्वाग्रह से मुक्त थी। नयी कहानी पर सार्त्र के 'अस्तित्ववाद' का प्रभाव दिखायी देता है।

78. जन्म वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही क्रम है–

1. रामदरश मिश्र
2. विवेकी राय
3. बालमुकुंद गुप्त
4. अध्यापक पूर्णसिंह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिएः

(a) 2, 3, 4, 1 (b) 3, 4, 1, 2
(c) 1, 3, 4, 2 (d) 4, 2, 3, 1

Ans. (b) : जन्म वर्ष के अनुसार रचनाकारों का सही क्रम-

रचनाकार		जन्म		मृत्यु
बालमुकुन्द गुप्त	-	1865 ई.	-	1907 ई.
अध्यापक पूर्ण सिंह	-	1881 ई.	-	1939 ई.
रामदरश मिश्र	-	1924 ई.		
विवेकी राय	-	1924 ई.	-	2016 ई.

79. निम्नलिखित में से किस काव्यधारा में सहज भोग मार्ग से जीव को 'महासुख' की ओर उन्मुख किया गया है?

(a) सिद्ध-साहित्य (b) जैन-साहित्य
(c) नाथ-साहित्य (d) लौकिक-साहित्य

Ans. (a) : 'सिद्ध साहित्य' में सहज भोग मार्ग से जीव को महासुख की ओर उन्मुख किया गया है। सिद्ध-साहित्य में सिद्धों में पंचमकार (मांस, मछली, मदिरा, मुद्रा, मैथुन) की दुष्प्रवृत्ति देखने को मिलती है। साधना पद्धति में शिव-शक्ति के युगल रूप की उपासना की जाती है। सिद्धों का चरम उत्कर्ष काल आठवीं से दसवीं शताब्दियों के मध्य था। सिद्धों के विषय में सबसे पहली जानकारी ज्योतिरीश्वर ठाकुर की रचना 'वर्णरत्नाकर' से मिलती है।
सिद्ध साहित्य की विशेषताएँ-
1. जीवन की सहजता और स्वाभाविकता में दृढ विश्वास
2. गुरु महिमा का प्रतिपादन
3. बाह्याडम्बरों, पाखण्डों की कटु आलोचना
4. रहस्यात्मक अनुभूति
5. जनभाषा का प्रयोग।

80. निम्नलिखित में से पुस्तक और लेखक का सही मेल है-

1. केशव की काव्यकला – सत्येंद
2. गुप्त की कला – कृष्णशंकर शुक्ल
3. पद्माकर की काव्यसाधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
4. प्रसाद की काव्यसाधना – रामनाथलाल 'सुमन'

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए–

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 2 और 4

Ans. (c) : पुस्तक और लेखक का सही सुमेलन है–

पुस्तक		लेखक
केशव की काव्यकला	–	कृष्णशंकर शुक्ल
गुप्त की कला	–	सत्येंद
पद्माकर की काव्यसाधना	–	अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
प्रसाद की काव्यसाधना	–	रामनाथलाल 'सुमन'

81. जगदीश चन्द्र कृत उपन्यास 'धरती धन न अपना' की अंतर्वस्तु निम्नलिखित में से किस विषय पर आधारित है?

(a) पंजाब की ग्रामीण पृष्ठभूमि में दलित जीवन की कथा
(b) देश-विभाजन के बाद पंजाबी शरणार्थियों की समस्या
(c) वायलिन और बन्दूक, संगीत और युद्ध का द्वन्द्व
(d) युद्ध और प्रेम

Ans. (a) : 'पंजाब की ग्रामीण पृष्ठभूमि में दलित जीवन की कथा' को जगदीश चन्द्र कृत उपन्यास 'धरती धन न अपना' में चित्रित किया गया है। जगदीश चन्द्र एक प्रगतिवादी उपन्यासकार हैं। इनका उपन्यास 'धरती धन न अपना' (1972 ई.) में प्रकाशित हुआ। इनके अन्य उपन्यास- यादों का पहाड़ (1966 ई.), आधा पुल (1973 ई.), कभी न छोड़े खेत (1976 ई.), मुट्ठी भर काँकर (1976 ई.), टुंडा लाट (1978 ई.), नरक कुण्ड में वास (1994 ई.) आदि हैं।

82. सूची-I के साथ सूची-II का मिलान कीजिएः

सूची-I	सूची -II
A. लहनासिंह	1. चीफ की दावत
B. पीरबख्श	2. परिन्दे
C. लतिका	3. परदा
D. शामनाथ	4. उसने कहा था

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	2	1

Ans. (d) : विकल्पगत पात्र एवं कहानियों का सही सुमेलन है–

पात्र	कहानी	कहानीकार
लहनासिंह	उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
पीरबख्श	परदा	यशपाल
लतिका	परिन्दे	निर्मल वर्मा
शामनाथ	चीफ की दावत	भीष्म साहनी

83. बकरी नाटक से संबंधित सही तथ्य कौन-से है?

1. यह स्वातंत्रोत्तर हिन्दी व्यंग्य नाटकों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।
2. इनका कथ्य बिखरा हुआ नहीं है।
3. इसके गीत साधारण कोटि के है।
4. इसमें नौटंकी शैली का प्रयोग किया गया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए

(a) 1 और 3 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : 'बकरी' नाटक स्वातंत्रोत्तर हिन्दी व्यंग्य नाटकों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इसमें नौटंकी शैली का प्रयोग किया गया है। दोनों कथन 'बकरी' नाटक से सम्बन्धित सही तथ्य है। 'बकरी' नाटक सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कृति है। सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जनवादी नाटककार है। इनके नाटक लोक नाट्य शैली में आबद्ध है। इनके तीन नाटक- 'बकरी' (1974 ई.), 'लड़ाई' (1979 ई.) और 'अब गरीबी हटाओ' हैं। 'बकरी' नाटक 1975 ई. में आपातकाल से एक वर्ष पहले प्रकाशित हुआ। इसमें दो अंक है, और प्रत्येक अंक में तीन-तीन दृश्य हैं। इस नाटक की रचना उत्तर प्रदेश की नौटंकी शैली में हुई है। इस नाटक में जनवादी चेतना, राजनीतिक व्यंग्य, आम आदमी की व्यथा, भ्रष्टाचार और विसंगति का चित्रण है।

84. 'अंधा युग' युयुत्सु की चिन्ता क्या है?

(a) अन्याय का प्रतिकार
(b) पांडव-पक्ष में चले जाने को लेकर पश्चात्ताप
(c) मानव-भविष्य की रक्षा
(d) शाप-मुक्ति

Ans. (c) : 'अंधायुग' में युयुत्सु की चिंता मानव-भविष्य की रक्षा है। 'अंधायुग' (1954 ई.) नाटक डॉ. धर्मवीर भारती का है। इसमें महाभारत के अवसान के बाद की स्थिति का चित्रण पाया जाता है। इसके पात्र महाभारत कालीन हैं। कृष्ण, अश्वत्थामा, युयुत्सु, संजय, गांधारी, कृपाचार्य आदि पात्र महाभारत से ही लिए गये हैं।

85. घनानंद की कविता में निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं पाई जाती है?

(a) भाषा की लाक्षणिकता
(b) भाषा की व्यंजकता
(c) उक्ति वैचित्र्य
(d) संध्या भाषा

Ans. (d) : घनानन्द की कविता में संध्या भाषा की विशेषता नहीं पायी जाती है। घनानन्द की कविता में लौकिक प्रेम तथा विरह वर्णन की सर्वोपरि विशेषता पायी जाती है। इनकी कविता में भाषा की लाक्षणिकता, भाषा की व्यंजकता तथा उक्ति वैचित्य की विशेषता पायी जाती है। घनानन्द की कविता की एक विशेषता घनानन्द द्वारा प्रयुक्त मर्मोक्तियाँ भी हैं।

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में:

अभिकथन A : कविता मनुष्य के हृदय को शुद्ध करती है।

कारण R : मनुष्य के हृदय की प्रकृत अवस्था कविता से संभव है।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त का चयन कीजिए:

(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही हैं लेकिन R सही नहीं है।
(d) A सही नहीं हैं लेकिन R सही है।

Ans. (a) : कविता मनुष्य के हृदय को शुद्ध करती है क्योंकि मनुष्य के हृदय की प्रकृत अवस्था कविता से संभव है। अतः कथन (A) और कारण (R) दोनों सही और R, A की सही व्याख्या है।

87. 'अरे यायावर रहेगा याद' में सम्मिलित हैं:

1. माझुली
2. धरती का धनी
3. बीसवीं सदी का बाणभट्ट
4. बहता पानी निर्मला

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3
(c) 3 और 4 (d) 1 और 4

Ans. (d) : 'अरे यायावर रहेगा याद' यात्रा वृत्तान्त है जिसके लेखक सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' हैं। इसके अन्तर्गत सम्मिलित यात्रा वृत्तान्त निम्नलिखित हैं- परशुराम से तूरखम, किरणों की खोज में, देवताओं के अंचल में, मौत की घाटी में, एलुरा, माझुली, बहता पानी निर्मला।

88. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों का सही अनुक्रम है–

1. उदिता
2. चाँद का मुँह टेढ़ा है
3. चिंता
4. संसद से सड़क तक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन चुनिए

(a) 4, 2, 1, 3 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 2, 3, 1, 4 (d) 3, 2, 4, 1

Ans. (d) : काव्य ग्रन्थों का सही अनुक्रम है- चिन्ता (1924 ई.) – अज्ञेय, चाँद का मुँह टेढ़ा है (1964 ई.) – गजानन माधव 'मुक्तिबोध', संसद से सड़क तक (1972 ई.) – सुदामा पाण्डेय धूमिल, उदिता (1980 ई.) – शमशेर बहादुर सिंह।

89. निम्नलिखित में से कौन 'ईदगाह' कहानी के पात्र नहीं हैं?

1. जुम्मन शेख
2. महमूद
3. भजनसिंह
4. मोहसिन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 2 और 4 (d) 3 और 4

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : जुम्मन शेख और भजनसिंह 'ईदगाह' कहानी के पात्र नहीं हैं। 'ईदगाह' कहानी के लेखक मुंशी प्रेमचन्द हैं। इसके पात्र हैं– अमीना (दादी), हामिद (पोता), मोहसिन (दोस्त), महमूद (दोस्त), नूरे (दोस्त), शम्मी (दोस्त)। 'जुम्मन शेख' पंचपरमेश्वर कहानी का पात्र है।

90. 'नागमती-वियोग खंड' से संबंधित सही तथ्य हैं–

1. यह बारहमासा शैली में लिखा गया है।
2. बारहमासा की शुरुआत जायसी ने की।
3. जायसी ने 'जेठ-असाढ़ी' नामक तेरहवें महीने का उल्लेख किया है।
4. नागमती के आँसुओं से सारी सृष्टि भीगी हुई जान पड़ती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

(a) 1 और 2 (b) 1 और 3
(c) 1 और 4 (d) 2 और 3

Ans. (c) : मलिक मुहम्मद जायसी कृत 'पद्मावत' महाकाव्य में नागमती के विरह-विदग्ध हृदय की संवेदनशीलता का उत्कर्ष देखने को मिलता है। नागमती विरह-वर्णन में जैसे व्यथा स्वयं ही मुखरित होने लगती है। नागमती-वियोग खण्ड में बारहमासा वर्णन के साथ-साथ नागमती के आँसुओं से सारी सृष्टि भीगी जान पड़ती है।

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

यदि किसी देश का बाह्य रूप सम्मान योग्य तथा सुन्दर नहीं बन सका है, तो समझना चाहिए कि उस राष्ट्र की आत्मा में एक उच्च जगत् का निर्माण किया जाना शुरू नहीं हुआ है, अर्थात् वहाँ सच्चे साहित्य के निर्माण का श्रीगणेश नहीं हुआ है। साहित्य ही मनुष्य को भीतर से सुसंस्कृत और उन्नत बनाता है और तभी उसका बाह्य रूप भी साफ और स्वस्थ दिखायी देता है और साथ ही बाह्य रूप के साफ और स्वस्थ होने से आन्तरिक स्वास्थ्य का भी आरम्भ होता है। दोनों ही बातें अन्योन्याश्रित हैं। जबकि हमारे देश में नाना भाँति के कुसंस्कार और गन्दगी वर्तमान हैं, जबकि हमारे समाज का आधा अंग परदे में ढका हुआ है, हमारी नब्बे फीसदी जनता अज्ञान के मलबे के नीचे दबी हुई है, तब हमें मानना चाहिए कि अभी दिल्ली बहुत दूर है। हम साहित्य के नाम पर जो कुछ कर रहे हैं और जो कुछ दे रहे हैं, उसमें कहीं बड़ी भारी कमी रह गयी है। हमारा भीतर और बाहर अब भी साफ-स्वस्थ नहीं है। साहित्य की साधना तब तक बन्ध्य ही रहेगी जब तक हम पाठकों में एक ऐसी अदमनीय आकांक्षा जाग्रत न कर दें, जो सारे मानव-समाज को भीतर से और बाहर से सुन्दर तथा सम्मान-योग्य देखने के लिए सदा व्याकुल रखे। अगर यह आकांक्षा जाग्रत हो सकी तो हममें से प्रत्येक अपनी-अपनी शक्ति के अनुसार उन सामग्रियों को जरूर संग्रह कर लेगा, जो उक्त इच्छा की पूर्ति की सहायक हैं। अगर यह आकांक्षा जाग्रत नहीं हुई तो कितनी भी विद्या क्यों न पढ़ी हो, वह एक जंजाल मात्र सिद्ध होगी और दुनियादारी और चालाकी का ढकोसला ही बनी रहेगी। जो साहित्यिक निष्ठा के साथ इच्छा को लेकर रास्ते पर निकल पड़ेगा, वह स्वयं अपना रास्ता खोज निकालेगा। साधन की अल्पता से कोई महती इच्छा आज तक नहीं रुकी है। भूख होनी चाहिए।

91. हमारा वर्तमान साहित्य–

(a) व्यक्ति समाज और देश की आवश्यकताओं के अनुरुप है।
(b) सर्वतोभावेन पूर्ण है।
(c) अज्ञानता और कुसंस्कार दूर करने में सहायक है।
(d) सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने में पूरी तरह सक्षम नहीं है।

Ans. (d) : हमारा वर्तमान साहित्य सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने में पूरी तरह सक्षम नहीं है क्योंकि हम साहित्य के नाम पर जो कुछ कर रहे हैं और जो कुछ दे रहे हैं, उसमें कहीं बड़ी भारी कमी रह गयी है। हमारा भीतर और बाहर अब भी साफ-स्वच्छ नहीं है। सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने के लिए दुनियादारी और चालाकी का ढकोसला छोड़ना होगा। सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने के लिए समाज के हर व्यक्ति के अन्दर निष्ठा के साथ इच्छा का भी होना जरुरी है।

92. किसी देश और उसके नागरिकों का चरित्र-निर्माण तभी संभव है, जब–

(a) उस देश के लोग सच्चरित्र हो
(b) उस देश में सत्साहित्य हो
(c) उस देश के लोग ज्ञानी हो
(d) उस देश में चरित्र निर्माण के प्रभूत साधन मौजूद हो।

Ans. (b) : किसी देश और उसके नागरिकों का चरित्र निर्माण तभी संभव है, जब उस देश में सत्साहित्य हो क्योंकि साहित्य ही मनुष्य को भीतर से सुसंस्कृत और उन्नत बनाता है और तभी उसका बाह्य रूप भी साफ और स्वच्छ दिखायी देता है।

93. अदम्य आकांक्षा के बिना–

(a) जीवन संभव नहीं है।
(b) विद्या व्यर्थ है और साहित्यिक निष्ठा के साथ रास्ते की खोज संभव नहीं है।
(c) रास्ते की तलाश संभव है, भले ही साधन सीमित हों।
(d) दुनिया के जंजाल से मुक्ति संभव है।

Ans. (b) : अदम्य आकांक्षा के बिना विद्या व्यर्थ है और साहित्यिक निष्ठा के साथ रास्ते की खोज संभव नहीं है क्योंकि साहित्य की साधना तब तक बन्ध्य रहेगी जब तक हम पाठकों में एक ऐसी अदमनीय आकांक्षा जाग्रत न कर दें, जो सारे मानव-समाज को भीतर से और बाहर से सुन्दर तथा सम्मान-योग्य देखने के लिए सदा व्याकुल रखे। अगर वह आकांक्षा जाग्रत हो सकी तो हममें से प्रत्येक अपनी-अपनी शक्ति के अनुसार उन सामग्रियों को अवश्य संग्रह कर लेगें जो उक्त इच्छा की पूर्ति की सहायक है।

94. इस अनुच्छेद में वर्णित अन्योन्याश्रित बातों का मूल है–

(a) साहित्य के द्वारा मनुष्य को अंतर्बाह्य सुसंस्कृत और उन्नत बनाना।
(b) साहित्य के द्वारा मनुष्य के आन्तरिक गुणों का विकास संभव नहीं है।
(c) मनुष्य के अन्तर्बाह्य संस्कार और स्वास्थ्य के लिए साहित्येतर साधन आवश्यक हैं।
(d) मनुष्य के बाह्य रूप को सुन्दर और स्वस्थ बनाना।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : अन्योन्याश्रित बातों का मूल है- साहित्य के द्वारा मनुष्य को अंतर्बाह्य सुसंस्कृत और उन्नत बनाना क्योंकि हमारे देश में नाना भाँति के कुसंस्कार और गन्दगी वर्तमान है, जबकि हमारे समाज का आधा अंग परदे से ढका हुआ है।

95. साहित्य-साधना की अनुर्वरता का कारण है–

(a) देश के निवासियों में अच्छी शिक्षा और संस्कार के प्रति अदम्य इच्छा और अध्यवसाय का अभाव।
(b) देश से पहले कुछ मनुष्यों को संस्कार देकर अपने कर्तव्यों की इति समझ लेना।
(c) समाज में व्याप्त पर्दा प्रथा।
(d) सभी नागरिकों को अच्छी शिक्षा देना।

Ans. (a) : साहित्य-साधना की अनुर्वरता का कारण है- देश के निवासियों में अच्छी शिक्षा और संस्कार के प्रति अदम्य इच्छा और अध्यवसाय का अभाव। किसी देश का निवासी साहित्यिक निष्ठा के साथ इच्छा को लेकर साहित्य-साधना के पथ पर निकल पड़ेगा, जिससे वह स्वयं अपना रास्ता खोज निकालेगा। साहित्य-साधना की अनुर्वरता के लिए प्रत्येक व्यक्ति को ऐसा करना पड़ेगा।

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न का उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए।

ज्ञानेन्द्रियों द्वारा प्राप्त सामग्री से भावना या कल्पना उनकी योजना करती है। अतः यह कहा जा सकता है कि ज्ञान ही भावों के संचार के लिए मार्ग खोलता है। ज्ञान-प्रसार के भीतर ही भाव प्रसार होता है। आरंभ में मनुष्य की चेतन सत्ता अधिकतर इन्द्रियज ज्ञान की समष्टि के रूप में ही रही। फिर ज्यों-ज्यों अंतःकरण का विकास होता गया और सभ्यता बढ़ती गई त्यों-त्यों मनुष्य का ज्ञान बुद्धि व्यवसायात्मक होता गया। अब मनुष्य का ज्ञान क्षेत्र बुद्धि-व्यवसायात्मक या विचारात्मक होकर बहुत ही विस्तृत हो गया है। अतः उसके विस्तार के साथ हमें अपने हृदय का विस्तार भी बढ़ाना पड़ेगा। विचारों की क्रिया से, वैज्ञानिक विवेचन और अनुसंधान द्वारा उद्घाटित परिस्थितियों और तथ्यों के मर्मस्पर्शी पक्ष का मूर्त और सजीव चित्रण भी- उसका इस रूप में प्रत्यक्षीकरण भी कि वह हमारे किसी भाव का आलंबन हो सके-कवियों का काम और उच्च काव्य का एक लक्षण होगा।

96. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) वैज्ञानिक विवेचन से उद्घाटित परिस्थितियों और तथ्यों के मर्मस्पर्शी पक्ष का मूर्त और सजीव चित्रण उच्च काव्य का प्रधान लक्षण होगा।
(b) विचारों की क्रिया से परिस्थितियों के मर्मस्पर्शी मूर्त और सजीव पक्ष पर विशेष जोर देना।
(c) अनुसंधान, नये विचार और वैज्ञानिक विवेचन से उद्घाटित मार्मिक परिस्थितियों के मूर्त और सजीव चित्र को कवि को अपने काव्य के एक लक्षण के रूप में शामिल करना होगा।
(d) आधुनिक अनुसंधान द्वारा उद्घाटित परिस्थितियों और तथ्यों के मर्मस्पर्शी पक्ष को कविता में अधिक स्थान देना होगा।

Ans. (c) : अनुसंधान नये विचार और वैज्ञानिक विवेचन से उद्घाटित मार्मिक परिस्थितियों के मूर्त और सजीव चित्र को कवि को अपने काव्य के एक लक्षण के रूप में शामिल करना होगा क्योंकि मनुष्य अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा ही भाव या कल्पना की योजना बनाता है तथा ज्ञान-प्रसार के भीतर ही भाव-प्रसार भी होता है।

97. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) भावना या कल्पना ज्ञानेन्द्रियों से प्राप्त सामग्री को संयोजित करती है।
(b) भाव-व्यापार से ज्ञान-व्यापार संचालित होता है।
(c) नये विचारों, वैज्ञानिक विवेचनों के परिप्रेक्ष्य में कवि को अपनी सर्जना-शक्ति को समृद्ध करना आवश्यक है।
(d) भाव का प्रसार ज्ञान के प्रसार के भीतर है।

Ans. (b) : भाव-व्यापार से ज्ञान-व्यापार संचालित होता है उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में यह कथन सही नहीं है।

98. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) आधुनिक युग में विचारों के विस्तार के साथ हृदय के विस्तार की कोई आवश्यकता नहीं है।
(b) हमारे जमाने में अपने विचारों के विस्तार के साथ हृदय का विस्तार करना आवश्यक है।
(c) विचारों और भावों के विस्तार की आवश्यकता जीवन में है, काव्य में नहीं।
(d) विचारों और भावों के विस्तार का प्रभाव काव्य पर असंभव है।

Ans. (b) : हमारे जमाने में अपने विचारों के विस्तार के साथ हृदय का विस्तार करना आवश्यक है, क्योंकि आज के मनुष्य का ज्ञान क्षेत्र बुद्धि-व्यवसायात्मक या विचारात्मक होकर बहुत ही विस्तृत हो गया है। अतः उसके विस्तार के साथ हमें अपने हृदय का विस्तार भी बढ़ाना पड़ेगा।

99. प्रस्तुत अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) ज्ञान-प्रसार और भाव-प्रसार परस्पर संबंधित हैं।
(b) ज्ञान-प्रसार के दायरे से भाव-प्रसार परे है।
(c) ज्ञान-प्रसार के भीतर भाव-प्रसार होता है।
(d) ज्ञान की स्थिति भाव की स्थिति की पूर्ववर्ती है।

Ans. (b) : ज्ञान-प्रसार के दायरे से भाव-प्रसार परे है, यह कथन गलत है। शेष तीनों कथन सही हैं।

100. प्रस्तुत अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) सभ्यता के बढ़ने के साथ मनुष्य के भाव अधिक व्यापक हो गये हैं।
(b) सभ्यता के बढ़ने के साथ मनुष्य की बुद्धि और भाव दोनों का क्षय हो गया है।
(c) सभ्यता के विकास के साथ हमें सिर्फ बुद्धि की जरूरत रह गयी है।
(d) सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य के विचार अधिक व्यापक हो गये हैं।

Ans. (d) : सभ्यता के विकास के साथ मनुष्य के विचार अधिक व्यापक हो गये हैं, क्योंकि मनुष्य के अन्तःकरण का विकास जब हुआ तो मनुष्य की सभ्यता में भी विकास हुआ और साथ-साथ मनुष्य का ज्ञान बुद्धि व्यवसायात्मक होता गया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2020
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र (प्रथम पाली)
विश्लेषण सहित व्याख्या

समय : 2 घण्टा] **[पूर्णाङ्क : 200**

1. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द तद्भव नहीं है?
(a) काज (b) आखर
(c) कान (d) वायु

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में से 'वायु' तद्भव शब्द न होकर तत्सम के अंतर्गत आता है जबकि कान, काज और आखर तद्भव शब्द हैं जिनके तत्सम क्रमशः कर्ण, कार्य और अक्षर होंगे।

2. निम्नलिखित में कौन-सा शब्द यौगिक है, रूढ़ नहीं?
(a) जलद (b) नाम
(c) कान (d) पर

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न का सही विकल्प 'जलद' होगा। जलद - जल (पानी)+द (देने वाला) शब्दों से मिलकर बना है, अतः यौगिक शब्द है जबकि नाक, कान और पर रूढ़ शब्द के अंतर्गत आते हैं।

3. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा आर्यभाषाओं के अंतर्गत नहीं आती है?
(a) अरबी (b) फारसी
(c) लैटिन (d) यूनानी

Ans. (a) : विकल्पों में दी गई भाषाओं में 'अरबी' भाषा आर्यभाषा के अंतर्गत नहीं आती अपितु यह 'शामी' भाषा के अंतर्गत आती है जबकि लैटिन, यूनानी एवं फारसी आर्यभाषा के अंतर्गत आने वाली भाषाएँ हैं।

4. 'तारीख' निम्नलिखित में से किस भाषा का मूल शब्द है?
(a) पोर्चुगीज (b) अरबी
(c) तुर्की (d) हिन्दी

Ans. (b) : 'तारीख' शब्द अरबी भाषा का है। आदमी, औरत,कमर, चश्मा आदि अरबी भाषा के अन्य शब्द हैं जबकि पेरु, पादरी आदि पुर्तगाली भाषा के। उर्दू, तोप, तमगा जैसे शब्द तुर्की भाषा के हैं।

5. रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार नाथों की संख्या है-
(a) 10 (b) 9
(c) 8 (d) 7

Ans. (b) : प्रसिद्ध हिन्दी आलोचक रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार नाथों की संख्या नौ है। नौ नाथों के नाम क्रमशः इस प्रकार हैं :- नागार्जुन, जड़भरत, हरिश्चन्द्र, सत्यनाथ, भीमनाथ, गोरक्षनाथ (गोरखनाथ), चर्पटनाथ, जलंधर और मलयार्जुन।

**6. 'नगर बाहिरे डोंबी तोहरि कुड़िया छई।
छोइ जाइ सो बाह्म नाड़िया॥'
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?**
(a) सरहपा (b) कण्हपा
(c) लूहिपा (d) डोंभिपा

Ans. (b) : प्रश्न में दी गयी पंक्ति 'नगर बाहिरे डोंबी तोहरि कुड़िया छई। छोइ जाइ सो बाह्म नाड़िया।'- सिद्ध कण्हपा की है, जबकि सरहपा को हिन्दी का प्रथम कवि माना जाता है। लूहिपा और डोंभिपा प्रसिद्ध सिद्ध कवि हैं।

7. रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार निम्नलिखित में से 'द्वयाश्रय काव्य' के रचयिता है?
(a) पुष्पदंत (b) हेमचंद्र
(c) जैनाचार्य मेरुतुंग (d) विद्याधार

Ans. (b) : प्रसिद्ध आलोचक रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार 'द्वयाश्रय काव्य' के रचयिता हेमचन्द्र हैं। इस काव्य की रचना हेमचन्द्र ने अपने व्याकरण के उदाहरण के लिए की थी, जिसमें 'कुमारपाल चरित' नामक एक प्राकृत काव्य भी है। जबकि पुष्पदंत अपभ्रंश के कवि हैं इनका प्रमुख ग्रंथ तिरसठी महापुराण है। इन्हें 'अपभ्रंश का भवभूति' भी कहा जाता है। मेरुतुंग ने प्रबंध चिंतामणि नामक काव्य लिखा। आदिकालीन कवि विद्याधर के पद 'प्राकृत-पिंगल-सूत्र' में मिलते हैं।

8. 'मलिक मुहम्मद जायसी की प्रेम कविता' हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण करते हुए उपर्युक्त नामकरण किस साहित्येतिहासकार ने सुझाया है?
(a) अब्राहम जार्ज ग्रियर्सन (b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी (d) गणपतिचंद्र गुप्त

Ans. (a) : हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण करते हुए 'मलिक मुहम्मद जायसी की प्रेम कविता' नामकरण जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन ने अपने साहित्येतिहास ग्रंथ 'द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' में सुझाया। अतः उचित उत्तर जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन होगा।

9. निम्नलिखित में से कौन-सी निबन्ध की तात्विक विशेषता नहीं है।
(a) अन्विति (b) विचारात्मकता
(c) संवादात्मकता (d) आत्मव्यंजकता

Ans. (c) : संवादात्मकता निबंध की तात्विक विशेषता नहीं है बल्कि नाटक की विशेषता में आयेगा जबकि अन्विति, विचारात्मकता और आत्मव्यंजकता निबंध की तात्विक विशेषता है।

10. 'त्रिशंकु' के नाटककार हैं।
(a) मुद्राराक्षस (b) बृजमोहन शाह
(c) मणि मधुकर (d) रमेश बक्षी

Ans. (b) : 'त्रिशंकु' नाटक के नाटककार बृजमोहन शाह है। 'त्रिशंकु' एक व्यंग्य प्रधान नाटक है। नाटककार ने 'त्रिशंकु' में समाज की पूरी व्यवस्था पर व्यंग्य करते हुए त्रिशंकु के समान लटकते मूल्यों पर चोट किया है। 'तिलचट्टा' मुद्राराक्षस का, 'रसगंधर्व' मणिमधुकर का तथा 'देवयानी का कहना है' –रमेश बक्षी का चर्चित नाटक है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

11. निम्नलिखित में से कौन ललित निबन्धकार नहीं है?

(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) विद्यानिवास मिश्र (d) कुबेरनाथ राय

Ans. (a) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ललित निबन्धकार नहीं हैं जबकि हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र एवं कुबेरनाथ राय ललित निबंधकार हैं। हजारी प्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों में अशोक के फूल, कुटज, आलोक पर्व आदि प्रमुख हैं। विद्यानिवास मिश्र के ललित निबंधों में छितवन की छाँह, हल्दी दूब, तुम चन्दन हम पानी, आँगन का पंछी और बनजारा मन आदि तथा कुबेरनाथ राय का प्रिया नीलकण्ठी, रस आखेटक, गंधमादन, विषाद योग, निषाद बाँसुरी आदि प्रमुख ललित निबंध हैं। 'चिन्तामणि' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों का संग्रह है जिसमें मनोविकार संबंधी एवं सैद्धांतिक निबंध शामिल हैं।

12. 'लाला ब्रजकिशोर और मुंशी चुन्नीलाल निम्नलिखित में से किस उपन्यास के पात्र हैं?

(a) भाग्यवती (b) रहस्य कथा
(c) नूतन ब्रह्मचारी (d) परीक्षा-गुरु

Ans. (d) : लाला ब्रज किशोर एवं मुंशी चुन्नीलाल लाल श्रीनिवास दास के उपन्यास परीक्षा गुरू (1882) उपन्यास के पात्र हैं। भाग्यवती (1877) श्रद्धाराम फिल्लौरी का एवं नूतन ब्रह्मचारी (1886) तथा रहस्य कथा (1879) उपन्यास बालकृष्ण भट्ट का है।

13. आधुनिक ईरान की पृष्ठभूमि पर रक्त रंजित क्रान्ति का चित्रण निम्नलिखित में से किस उपन्यास में किया गया है?

(a) दूसरी तरफ (b) लाल पसीना
(c) सात नदियां एक समुन्दर (d) वे दिन

Ans. (c) : आधुनिक ईरान की पृष्ठभूमि पर रक्त रंजित क्रांति का चित्रण नासिरा शर्मा के उपन्यास 'सात नदियां एक समुन्दर' में किया गया है। 'वे दिन' उपन्यास के लेखक निर्मल वर्मा हैं जबकि 'लाल पसीना' अभिमन्यु अनत का एवं 'दूसरी तरफ' महेन्द्र भल्ला का उपन्यास है।

**14. ''सीताहरन तात जनि, कहेउ पिता सन जाइ।
जौ मैं राम तौ कुल-सहित कहिहि दसानन जाइ।।''
उक्त उदाहरण में कौन सी ध्वनि है?**

(a) अर्थांतर संक्रमित वाच्य ध्वनि
(b) अत्यंत तिरस्कृत वाच्य ध्वनि
(c) वस्तु ध्वनि
(d) अलंकार ध्वनि

Ans. (a) : ''सीताहरन तात जनि, कहेउ पिता सन जाइ। जौ मैं राम तौ कुल-सहित कहिहि दसानन जाइ।।'' पंक्तियों में अर्थांतर संक्रमित वाच्य ध्वनि है। ध्वनि मुख्यतः दो प्रकार की होती है (1) लक्षणा मूलक ध्वनि (2) अभिधा मूलक ध्वनि फिर लक्षणा मूलक के दो भेद-अर्थांतर संक्रमित वाच्य ध्वनि एवं अत्यन्त तिरस्कृत वाच्य ध्वनि है, जहाँ वाच्यार्थ का सीधा अन्वय नही हो पाता वहाँ शब्द अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर अपने से सम्बन्धित किसी विशिष्ट अर्थ का बोध कराता है अर्थात् जब वाच्यार्थ अर्थान्तर में संक्रमित हो जाये उसे अर्थान्तर संक्रमित वाच्य ध्वनि कहते हैं।

15. ''देशप्रेम है क्या? प्रेम ही तो है। इस प्रेम का आलंबन क्या है? सारा देश अर्थात् मनुष्य, पशु, पक्षी, नदी, नाले, वन सहित सारी भूमि।'' उक्त कथन किसका है?

(a) महावीर प्रसाद द्विवेदी (b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी (d) श्याम सुन्दर दास

Ans. (b) : ''देश प्रेम है क्या? प्रेम ही तो है। इस प्रेम का आलंबन क्या है? सारा देश अर्थात् मनुष्य, पशु, पक्षी, नदी, नाले, वन सहित सारी भूमि'' यह कथन रामचन्द्र शुक्ल का है जो चिन्तामणि भाग II के निबंध 'काव्य में प्राकृतिक दृश्य' से लिया गया है। महावीर प्रसाद द्विवेदी प्रसिद्ध निबंधों में संपत्तिशास्त्र, रसज्ञरंजन तथा श्यामसुंदर दास के निबंधों में साहित्य की विशेषताएँ, समाज और साहित्य, कर्तव्य और सभ्यता ललित निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में कुटज, आलोक पर्व आदि हैं।

16. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त प्लेटो के अनुकरण सिद्धान्त से सर्वथा भिन्न है।
(b) अरस्तू ने स्पष्ट कर दिया है कि कवि और चित्रकार के माध्यम अलग-अलग हैं।
(c) प्लेटो ने अनुकरण को सभी कलाओं की एकता का सामान्य आधार माना है।
(d) अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त प्लेटो के अनुकरण सिद्धान्त का अनुकरण मात्र है।

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में से 'अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत का अनुकरण मात्र है' कथन सही नहीं है जबकि 'अरस्तू' का अनुकरण सिद्धांत प्लेटो के अनुकरण सिद्धांत से सर्वथा भिन्न है', 'अरस्तू ने स्पष्ट कर दिया है कि कवि और चित्रकार के माध्यम अलग-अलग हैं' तथा 'प्लेटो ने अनुकरण को सभी कलाओं की एकता का सामान्य आधार माना है' कथन पूर्णतः सत्य है जो अरस्तू और प्लेटो के दार्शनिक विचारों से मेल खाते हैं।

17. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) वर्ड्सवर्थ की प्रसिद्ध कृति 'बायोग्राफिया लिटरेरिया' (Biographia Literaria) में कल्पना के सिद्धान्त का विस्तृत विश्लेषण है।
(b) सेमुअल टेलर कॉलरिज और विलियम वर्ड्सवर्थ में गुरु-शिष्य का संबंध था और कल्पना के संबंध में दोनों के मतैक्य का यह एक महत्वपूर्ण कारण था।
(c) कॉलरिज के अनुसार किसी कला कृति का मूल्य उसकी कलात्मकता में ही है, उसके बाहर नहीं।
(d) कल्पना को कॉलरिज केवल काव्य सर्जन के लिए अनिवार्य मानते है। आलोचना में उसकी भूमिका नहीं होती।

Ans. (c) : 'कॉलरिज के अनुसार किसी कलाकृति का मूल्य उसकी कलात्मकता में ही है, उसके बाहर नहीं' कथन सही है जबकि अन्य विकल्पों का कॉलरिज की साहित्य एवं कला संबंधी मान्यताओं से मेल नहीं हो रहा है ध्यातव्य है कि 'बायोग्राफिया लिटरेरिया' कॉलरिज की प्रसिद्ध कृति है जिसमें उनकी कई मान्यताएँ हैं।

18. निम्नलिखित में से किस बिंदु पर महात्मा गाँधी और डा. भीमराव अम्बेडकर के बीच मतभेद था?

(a) अंहिसा (b) अलग मतदाता सूची
(c) करुणा (d) लोकतंत्र

Ans. (b) : 'अलग मतदाता सूची' पर महात्मा गाँधी और डॉ. भीम राव अम्बेडकर के बीच मतभेद था। गोलमेज सम्मेलन के दौरान महात्मा गाँधी ने दलित वर्गों के लिए पृथक निर्वाचिका प्रस्ताव के विरूद्ध दलील पेश की थी कि 'अपृश्यों के लिए पृथक निर्वाचन का प्रावधान उनके लिए स्थायी दासता का रूप ले लेगा' जबकि अम्बेडकर ने कहा कि 'हमारे सामने एक ऐसा वर्ग है जो निश्चय ही अस्तित्व के संघर्ष में खुद को कायम नहीं रख सकता........ इन परिस्थितियों में सभी निष्पक्ष सोच वाले व्यक्ति इस बात पर सहमत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

होंगे कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि ऐसें अपंग समुदाय के पास संगठित निरंकुशता के विरूद्ध जीवन के संघर्ष का एकमात्र रास्ता यही है कि उसे राजनीतिक सत्ता में हिस्सा मिले जिससे वह अपनी रक्षा कर सके.......।'' अन्य दिये गये विकल्प असंगत हैं।

19. निम्नलिखित में से कौन सा उत्तर-आधुनिकता का तत्व नहीं है।

(a) विकेन्द्रीयता (b) केन्द्रवाद

(c) विखंडन (d) स्थानीयता

Ans. (b) : केन्द्रवाद उत्तर-आधुनिकता का तत्व नहीं है जबकि विकेन्द्रीयता, विखंडन और स्थानीयता उत्तर-आधुनिकता के तत्व हैं। आधुनिकता का अगला चरण उत्तर आधुनिकता है जो निरंतर गतिशील है, उत्तर आधुनिकता का कोई केन्द्रवर्ती रूप नहीं बना या बन सकता है क्योंकि उत्तर आधुनिकता एक प्रकार से विकेन्द्रीकरण की सतत प्रक्रिया है इसमें साहित्य, संस्कृति, दर्शन आदि तर्कवादी सिद्धांतों का विखंडन है, इसमें स्थानीयता के गुण भी मौजूद रहते हैं।

20. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का 'अनस्थिरता' शब्द संबंधी विवाद किस लेखक से हुआ था?

(a) बालकृष्ण भट्ट (b) बालमुकुन्द गुप्त

(c) पद्मसिंह शर्मा कमलेश (d) किशोरीदास बाजपेयी

Ans. (b) : आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का 'अनस्थिरता' शब्द संबंधी विवाद बालमुकुन्द गुप्त से हुआ था। गुप्त जी ने भारतेन्दु और द्विवेदी दोनों युगों में सक्रिय लेखन किया, उनकी ख्याति उनके लिखे 'शिवशंभू के चिट्ठे' से है। गुप्त जी के निबंधों की शैली व्यंग्य परक होती थी बालकृष्ण भट्ट भारतेन्दु युग के प्रसिद्ध निबंधकार हैं, जिनके प्रसिद्ध निबंधों में आत्मनिर्भरता, कल्पना, शब्द का आकर्षण शक्ति आदि प्रमुख हैं। किशोरीदास बाजपेयी को 'हिन्दी का पाणिनि' कहा जाता है उनके व्याकरण संबंधी कार्य सराहनीय है, उनके ग्रंथों में ब्रजभाषा का व्याकरण, अच्छी हिन्दी, हिन्दी निरुक्त आदि प्रमुख हैं जबकि पद्म सिंह शर्मा कमलेश ने हिन्दी के कुछ प्रमुख साहित्य-सेवियों के इंटरव्यू 'मैं इनसे मिला' पुस्तक में संग्रहीत किया है।

21. निम्नलिखित में से कौन सी अवधारणा मार्क्सवादी विचाराधारा के प्रतिकूल है।

(a) सर्वहारा का अधिनायकत्व (b) इतिहास चक्र

(c) वर्गहीन समाज (d) परिवर्तन की अनिवार्यता

Ans. (b) : दिये गये विकल्पों में इतिहास चक्र की अवधारणा मार्क्सवादी विचारधारा के प्रतिकूल है जबकि सर्वहारा का अधिनायकत्व, वर्गहीन समाज एवं परिवर्तन की अनिवार्यता मार्क्सवादी विचारधारा के अनुकूल है। ध्यातव्य है कि मार्क्सवाद एक भौतिकवादी पाश्चात्य दर्शन है जो समाजवाद की बात करता है।

22. भवानी प्रसाद मिश्र की कविता 'सतपुड़ा के जंगल' में गोंड जाति निम्नलिखित में से किन को पालकर बैठी है?

(a) मुर्गे और तीतर (b) हिरण और मुर्गाबी

(c) भेड़ और बकरी (d) गधे और ऊंट

Ans. (a) : 'दूसरा सप्तक' के कवि भवानी प्रसाद मिश्र की प्रसिद्ध कविता 'सतपुड़ा के जंगल' में गोंड जाति मुर्गे और तीतर नामक पक्षियों को पालकर बैठी है। गीत फरोश, चकित है दुःख, गाँधी पंचशती, अंधेरी कविताएँ, बुनी हुई रस्सी आदि इनके अन्य काव्य ग्रंथ हैं। शेष विकल्प असंगत हैं।

23. 'रामचरित मानस' के उत्तरकांड में उन्होंने ज्ञान की अपेक्षा भक्ति को कहीं अधिक सुसाध्य और आशुफलदायिनी कहा है।

(a) श्यामसुंदर दास (b) रामस्वरूप चतुर्वेदी

(c) रामचन्द्र शुक्ल (d) मलयज

Ans. (c) : 'रामचरित मानस के उत्तरकाण्ड में ज्ञान की अपेक्षा भक्ति को कहीं अधिक सुसाध्य और आशुफलदायिनी' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने कहा। आचार्य शुक्ल के प्रिय कवि गोस्वामी तुलसीदास है। श्याम सुंदरदास ने 'कबीर ग्रंथावली' का संपादन किया इनके अन्य ग्रंथों में हिंदी कोविद रत्नमाला, रूपक रहस्य, साहित्यालोचन आदि प्रमुख हैं। रामस्वरूप चतुर्वेदी के प्रमुख रचना में कामायनी का पुनर्मूल्यांकन, हिंदी नवलेखन, कविता का पक्ष, भक्तिकाव्य यात्रा आदि प्रमुख हैं। मलयज की प्रमुख कृतियों में जख्म पर धूल, अपने होने का अप्रकाशित करता हुआ आदि प्रमुख हैं।

24. गोरी सौबै सेज पर, मुख पर डारै केस।
चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुं देस॥
उपर्युक्त दोहा अमीर खुसरो ने किस संदर्भ में कहा है?

(a) अपने आश्रयदाता के नाराज होने पर

(b) सम्पत्ति के लूटे जाने पर

(c) हजरत निजामुद्दीन औलिया की मृत्यु पर

(d) अपनी प्रेमिका द्वारा तिरस्कृत होने पर

Ans. (c) : ''गोरी सौबे सेज पर, मुख पर डारै केस। चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुं देस।।''– यह दोहा अमीर खुसरो ने अपने गुरु हजरत निजामुद्दीन औलिया की मृत्यु पर कहा था। गौरतलब है कि खुसरो अपने गुरु से बहुत प्रेम और लगाव रखते थे उनका परलोकवास खुसरों के लिए आघात समान था, अन्य प्रदत्त विकल्प असंगत है जिनका इस संदर्भ से कोई साम्य नहीं है।

25. ओ मेरे आदर्शवादी मन,
और मेरे सिद्धांतवादी मन,
अब तक क्या किया?
जीवन क्या जिया॥
उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(a) स्वयं से असंतुष्टि (b) आत्मालोचना

(c) असमंजस की स्थिति (d) आत्ममंथन

Ans. (c) : ''ओ मेरे आदर्शवादी मन,
और मेरे सिद्धांतवादी मन,
अब तक क्या किया?
जीवन क्या जिया।।''

इन पंक्तियों के आधार पर असमंजस की स्थिति वाला प्रदत्त विकल्प मेल नहीं खा रहा है जबकि स्वयं से असंतुष्टि, आत्मालोचना एवं आत्ममंथन के भाव उपर्युक्त कविता से संबद्ध हो रहे हैं।

26. ''यदि श्रद्धा और मनु अर्थात मनन के सहयोग से मानवता का विकास रूपक है, तो भी बड़ा ही भावमय और श्लाघ्य है।''
कामायनी के संदर्भ में उपरोक्त कथन किसका है?

(a) गजानन माधव मुक्तिबोध

(b) आचार्य नंद दुलारे बाजपेयी

(c) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(d) जयशंकर प्रसाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : कामायनी के संदर्भ में उपर्युक्त कथन ''यदि श्रद्धा और मनु अर्थात् मनन के सहयोग से मानवता का विकास रूपक है, तो भी बड़ा ही भावमय और श्लाघ्य है।'' जयशंकर प्रसाद का है जिसे उन्होंने कामायनी की भूमिका में लिखा है। 'कामायनी एक पुनर्विचार' पुस्तक गजानन माधव मुक्तिबोध की है। कवि सुमित्रानंदन पंत नंददुलारे बाजपेयी की रचना है।

27. साधो, देखो जग बौराना
सांची कहौ तौ मारन धावै झूँठे जग पतियाना।
हिंदू कहत है राम हमारा मुसलमान रहमाना।
आपस मैं दोऊ लड़े मरतु हैं मरम कोई नहि जाना।
उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा कबीर का संदेश नहीं है।

(a) धार्मिक असहिष्णुता (b) साम्प्रदायिक सोहार्द्र
(c) धार्मिक सद्भाव (d) एकेश्वरवाद की प्रतिष्ठा

Ans. (a) : 'साधो, देख जग बौराना।
सांची कहौ तो मारन धावै झूँठे जग पतियाना।
हिंदू कहत है राम हमारा मुसलमान रहमाना।
आपस में दोऊ लड़े मरतु है मरम कोई नहि जाना।।
इन पंक्तियों में धार्मिक असहिष्णुता का संदेश नहीं है जबकि धार्मिक सद्भाव, साम्प्रदायिक सौहार्द और एकेश्वरवाद की प्रतिष्ठा का संदेश उपर्युक्त पंक्तियों में मौजूद है। कबीर निर्गुण भक्ति धारा के ज्ञानाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि हैं जिनकी रचना साखी, सबद और रमैनी है, जिसे धर्मदास ने 'बीजक' नाम से संपादित किया।

28. करम बीबी और सरफराज़ निम्नलिखित में से किस उपन्यास के पात्र हैं?

(a) ज़िन्दगीनामा (b) सूरजमुखी अंधेरे के
(c) डार से बिछुड़ी (d) यारों के यार

Ans. (a) : 'करम बीबी' और 'सरफराज़' नामक पात्र जिन्दगीनामा नामक उपन्यास के हैं; जिसकी रचना कृष्णा सोबती ने 1979 ई० में की जबकि 'डार से बिछुड़ी', 'सूरजमुखी अंधेरे के' (1972) और 'यारों के यार' भी कृष्णा सोबती की अन्य रचनाएँ हैं।

29. 'मानस का हंस' उपन्यास के पात्र नहीं हैं।

(a) बेनीमाधव - पण्डित गंगाराम
(b) गंगेश्वर - मंगलू
(c) वीरपाल सिंह - जाह्नवी
(d) नंददास - शिवचरण वैद्य

Ans. (c) : वीरपाल सिंह-जाह्नवी पात्र युग्म अमृतलाल नागर के उपन्यास 'मानस का हंस' से संबंधित नहीं है जबकि बेनी माधव-पण्डित गंगाराम, गंगेश्वर-मंगलू, नंददास-शिवचरण वैद्य 'मानस का हंस' के पात्र हैं जो उपन्यास की कथावस्तु में समय-समय पर आते हैं।

30. निम्नलिखित में से किस उपन्यास में उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के एक कस्बानुमा गांव शिवपाल गंज की कहानी वर्णित है?

(a) राग दरबारी (b) आधा गाँव
(c) जल टूटता हुआ (d) गली आगे मुड़ती है

Ans. (a) : 'राग दरबारी' उपन्यास में उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के एक कस्बानुमा गाँव शिवपालगंज की कहानी वर्णित है जो प्रसिद्ध उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल द्वारा लिखा गया व्यंग्यात्मक शैली का उपन्यास है जबकि 'आधा गाँव' उपन्यास में उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के गँगौली गाँव की कहानी है जिसकी रचना राही मासूम रज़ा ने की है। 'गली आगे मुड़ती है' उपन्यासकार शिवप्रसाद सिंह की कृति है और 'जल टूटता हुआ' उपन्यास रामदरश मिश्र का है।

31. 'शकुन और डॉ. जोशी' के अंतर संबंधों पर आधारित कथानक किस उपन्यास में प्रस्तुत किया गया है?

(a) आपका बंटी (b) महाभोज
(c) टूटा हुआ इन्द्रधनुष (d) तिरछी बौछार

Ans. (a) : 'शकुन और डॉ० जोशी' के अंतर संबंधों पर आधारित कथानक 'आपका बंटी' उपन्यास में प्रस्तुत किया गया है जिसकी लेखिका प्रसिद्ध महिला उपन्यासकार मन्नू भंडारी हैं। 'तिरछी बौछार' (1984) उपन्यास मंजुल भगत का एवं 'टूटा हुआ इन्द्रधनुष' मंजुल भगत का ही कहानी संग्रह है।

32. प्रेमचंद कृत 'प्रायश्चित' कहानी के पात्र हैं?

(a) सुबोधचंद्र और मदारीलाल
(b) गंगी और मैकू
(c) करुणा और प्रकाश
(d) श्यामा और धर्मदास

Ans. (a) : प्रेमचन्द कृत 'प्रायश्चित' कहानी के पात्र सुबोधचंद्र और मदारीलाल हैं। प्रेमचन्द की अन्य प्रमुख कहानियों में 'नमक का दारोगा', 'बूढ़ी काकी', 'शतरंज के खिलाड़ी, 'अलग्योझा', 'पूस की रात', 'सद्गति', 'दो बैलों की कथा', 'नशा', 'कफ़न' आदि हैं।

33. 'स्कन्दगुप्त' नाटक में स्कन्दगुप्त के उदासीन होने के निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा कारण सही नहीं है?

(a) गुप्तकुल का अव्यवस्थित उत्तराधिकार नियम
(b) भोगविलास के प्रति वितृष्णा
(c) विमाता का षड्यन्त्र
(d) क्षात्रधर्म का अभाव

Ans. (d) : क्षात्रधर्म का अभाव 'स्कन्दगुप्त' नाटक में स्कन्दगुप्त के उदासीन होने के कारणों में से नहीं था जबकि गुप्त कुल का अव्यवस्थित उत्तराधिकार नियम, भोग विलास के प्रति वितृष्णा, विमाता का षड्यन्त्र उसके उदासीन होने के कारणों मे से थे। ज्ञात हो कि स्कन्दगुप्त नाटक जयशंकर प्रसाद का है।

34. 'सिंदूर की होली' के किस पात्र ने विधवा मनोरमा का हाथ जीवन भर अविवाहित रहने के लिए पकड़ा, न कि उसे अपनी स्त्री बनाने के लिए?

(a) मुरारीलाल (b) मनोजशंकर
(c) रजनीकांत (d) भगवंत सिंह

Ans. (b) : 'सिंदूर की होली' नाटक के पात्र मनोजशंकर ने विधवा मनोरमा का हाथ जीवन भर अविवाहित रहने के लिए पकड़ा न कि स्त्री बनाने के लिए अन्य दिये गये पात्रों का संबंध उपर्युक्त कथन से नहीं है अतः उचित विकल्प में लक्ष्मी नारायण मिश्र कृत नाटक 'सिंदूर की होली' के पात्र मनोजशंकर की तर्कसंगतता है। यह मिश्र जी का प्रसिद्ध समस्या नाटक है इनके अन्य प्रमुख समस्या नाटकों में राक्षस का मन्दिर (1931), संन्यासी (1930 ई०), मुक्ति का रहस्य (1932), राजयोग (1933), आधी रात (1934) आदि आता है।

35. 'उन्होंने पाश्चात्य नाट्य साहित्य के किताबी ज्ञान को निजी अनुभव और पर्यवेक्षण के खरल में कूट पीस कर सामाजिक दिग्दर्शन का नवीन और तथ्यपरक रसायन तैयार किया।' प्रसिद्ध नाटककार जगदीश चन्द्र माथुर ने उपर्युक्त विचार किस नाटककार के सन्दर्भ में व्यक्त किया?

(a) लक्ष्मीनारायण मिश्र (b) उपेन्द्रनाथ अश्क
(c) रामकुमार वर्मा (d) विष्णु प्रभाकर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : जगदीश चन्द्र माथुर ने नाटककार उपेन्द्रनाथ अश्क के संदर्भ में कहा कि 'उन्होंने पाश्चात्य नाट्य साहित्य के किताबी ज्ञान को निजी अनुभव और पर्यवेक्षण के खरल में कूट-पीस कर सामाजिक दिग्दर्शन का नवीन और तथ्यपरक रसायन तैयार किया।' रामकुमार वर्मा प्रसादोत्तर नाटककार हैं जिनके प्रमुख नाटकों में कौमुदी महोत्सव और विजय पर्व का नाम लिया जा सकता है एवं अन्य प्रसादोत्तर नाटककार लक्ष्मीनारायण मिश्र के प्रमुख नाटकों में अशोक, गरुड़ ध्वज, वत्सराज, वितस्ता की लहरें आदि का नाम आता है जबकि समकालीन नाटककारों में प्रमुख नाटककार विष्णु प्रभाकर के - युगे युगे क्रांति, टूटते परिवेश, कुहासा और किरण, श्वेत कमल आदि प्रमुख नाटक हैं।

36. समानान्तर कथा-प्रसंगों को लेकर लिखा गया नाटक है-

(a) द्रौपदी (b) आठवाँ सर्ग
(c) पहला राजा (d) एक और द्रोणाचार्य

Ans. (d) : समानान्तर कथा-प्रसंगों के लेकर लिखा गया नाटक एक और द्रोणाचार्य है जिसके नाटककार शंकर शेष हैं। 'एक और द्रोणाचार्य' में एक ओर अरविन्द उसके परिवार और कालेज का प्रसंग हैं, दूसरी ओर द्रोणाचार्य, उनके परिवार तथा महाभारत कालीन पात्रों-युद्धिष्ठिर, अर्जुन, भीम, अश्वत्थामा, एकलव्य आदि-के प्रसंग हैं। 'द्रौपदी' सुरेन्द्र वर्मा का, 'पहला राजा' जगदीश चन्द्र माथुर का एवं 'आठवाँ सर्ग' सुरेन्द्र वर्मा का नाटक है।

37. 'अवारा मसीहा' किस साहित्यकार की औपन्यासिक जीवनी है?

(a) बंकिमचन्द्र (b) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(c) शरतचन्द्र (d) भूदेव मुखोपाध्याय

Ans. (c) : 'अवारा मसीहा' प्रसिद्ध बांग्ला उपन्यासकार शरतचन्द्र की औपन्यासिक जीवनी है जिसके लेखक विष्णु प्रभाकर हैं अन्य दिये गये रचनाकार भी बांग्ला साहित्य के हैं बंकिमचंद्र अपने उपन्यास आनंद मठ एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर गोरा, धरे बाइरे, चोखेर बाली उपन्यास एवं अङ्गुरिया बिनिमय भूदेव मुखोपाध्याय का प्रसिद्ध उपन्यास है।

38. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार निम्नलिखित में से किस ग्रंथ में कयामत का वर्णन है?

(a) अखरावट (b) पद्मावत
(c) आखिरी कलाम (d) मधुमालती

Ans. (c) : प्रसिद्ध हिंदी आलोचक रामचन्द्र शुक्ल ने अपने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में मलिक मुहम्मद जायसी की रचना आखिरी कलाम को कयामत के वर्णन से संबंधित रचना माना है जबकि पद्मावत में प्रेमकथा का वर्णन है, अखरावट में वर्णमाला के एक-एक अक्षर को लेकर सिद्धान्त संबंधी तत्वों से भरी चौपाई है तथा मंझन कृत मधुमालती में मधुमालती-मनोहर और प्रेमा-ताराचन्द्र के प्रेम कथा का वर्णन किया गया है।

39. 'महादेवी के साहित्य में कहीं निष्क्रिय दया नहीं, वरन् रचनात्मक करुणा का ही भाव वर्तमान है।
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस आलोचक की है?

(a) नंद दुलारे बाजपेयी (b) राम स्वरूप चतुर्वेदी
(c) नामवर सिंह (d) दूधनाथ सिंह

Ans. (b) : प्रसिद्ध आलोचक रामस्वरूप चतुर्वेदी ने 'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास' आलोच्य ग्रंथ में 'महादेवी के साहित्य में कहीं' निष्क्रिय दया नहीं, वरन् रचनात्मक करुणा का ही भाव वर्तमान है, कहा है। नन्ददुलारे वाजपेयी की प्रसिद्ध आलोचनात्मक कृतियों में हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी, आधुनिक साहित्य, कवि सुमित्रानन्दन पंत। नामवर सिंह की कृतियों में हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग, छायावाद, इतिहास और आलोचना, कविता के नये प्रतिमान आदि प्रमुख तथा दूधनाथ सिंह की प्रसिद्ध आलोच्य कृतियों में निरालाः आत्महंता आस्था, महादेवी आदि प्रमुख हैं।

40. फोर्ट विलियम कॉलेज, कलकत्ता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) इस कॉलेज के प्राचार्य जॉन गिलक्राइस्ट थे।
(b) इंग्लैंड से नवागत अंग्रेज अफसरों के प्रशिक्षण की व्यवस्था थी
(c) आधुनिक भारतीय भाषाओं की जानकारी नहीं दी जाती थी।
(d) इसकी स्थापना 1800 ई. में हुई थी।

Ans. (c) : फोर्ट विलियम कॉलेज कलकत्ता में आधुनिक भारतीय भाषाओं की जानकारी नहीं दी जाती थी असंगत है फोर्ट विलियम कालेज में आधुनिक भारतीय भाषाओं की जानकारी एंव शिक्षा दी जाती थी। इस कॉलेज के प्राचार्य जॉन गिलक्राइस्ट थे, इंग्लैंड में नवागत अंग्रेज अफसरों के प्रशिक्षण की व्यवस्था थी, इसकी स्थापना 1800 ई. में हुई थी कथन सही है।

41. निम्नलिखित में तालव्य वर्ण हैं :

(1) 'च'
(2) 'त'
(3) 'ट'
(4) 'ज'

नीचे दिये गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (2), (3) (B) (2), (3), (4)
(C) (1), (3), (4) (D) (1), (4)

Ans. (d) : दिये गये वर्णों में च, ज तालव्य वर्ण के अंतर्गत आता है जबकि 'त' दन्त्य वर्ण के अंतर्गत एवं 'ट' मूर्धा वर्ण के अंतर्गत आता है।

42. राजभाषा आयोग, 1955 के अनुसार निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं।

(1) हिन्दी सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है, यही सारे भारत का एक माध्यम हो।
(2) चौदह वर्ष की उम्र तक भारत के प्रत्येक विद्यार्थी को हिन्दी का ज्ञान करा देना चाहिए।
(3) भारत सरकार के प्रकाशन अधिक से अधिक अंग्रेजी में किए जाए।
(4) उच्च न्यायालयों में क्षेत्रीय भाषाओं का व्यवहार होना चाहिए।

नीचे दिये गये विकल्पों में से ही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (2), (3) (B) (1), (2), (4)
(C) (2), (3), (4) (D) (1), (3), (4)

Ans. (b) : राजभाषा आयोग, 1955 के अनुसार दिये गये सुझावों में-(1) हिन्दी सर्वाधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है, यही सारे भारत का एक माध्यम हो, (2) चौदह वर्ष की उम्र तक भारत के प्रत्येक विद्यार्थी को हिंदी का ज्ञान करा देना चाहिए, (3) उच्च न्यायालयों में क्षेत्रीय भाषाओं का व्यवहार होना चाहिए,शामिल है 'जबकि भारत सरकार के प्रकाशन अधिक से अधिक अंग्रेजी में किए जाएं' सुझाव असंगत है जिसे राजभाषा आयोग 1955 ने कभी नहीं सुझाया था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. जगदीश चन्द्र माथुर के नाटकों के मुख्य स्वर हैं :

(1) प्राचीन पात्र-प्रसंगों द्वारा सामयिक समस्याओं का प्रकाशन
(2) प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना का विकास
(3) रामलीला पद्धति द्वारा तुलसी के मानस-मर्म को आधुनिक पाठकों तक पहुँचाना
(4) मध्यवर्गीय सामाजिक यथार्थ का प्रकाशन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(C) (1) और (3) (D) (1) और (4)

Ans. (c) : जगदीश चन्द्र माथुर के नाटकों के मुख्य स्वर में- प्राचीन पात्र-प्रसंगों द्वारा सामयिक समस्याओं का प्रकाशन एवं रामलीला पद्धति द्वारा तुलसी के मानस-मर्म को आधुनिक पाठकों तक पहुँचाना शामिल है।

44. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार निम्नलिखित में से अमीर खुसरो के बारे में कौन सी बातें सही हैं?

(1) वे फारसी के बहुत अच्छे ग्रंथकार और अपने समय के नामी कवि थे।
(2) ये बड़े ही विनोदी, मिलनसार और सहृदय थे।
(3) इनमें उक्ति वैचित्र्य का नितांत अभाव था।
(4) इनकी पहेलियाँ और मुकरियाँ प्रसिद्ध हैं।

नीचे दिये गये विकल्पों में सही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (2), (4) (B) (2), (3), (4)
(C) (1), (2), (3), (4) (D) (1), (3), (4)

Ans. (a) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल मानते हैं 'कि अमीर खुसरो फारसी के बहुत अच्छे ग्रंथकार और अपने समय के नामी कवि थे, वे बड़े ही विनोदी, मिलनसार और सहृदय थे एवं इनकी पहेलियाँ और मुकरियाँ बहुत प्रसिद्ध हैं' जबकि उक्ति वैचित्र्य के नितांत अभाव की बात का संबंध शुक्ल के कथन से नहीं है।

45. पुनर्जागरण के संबंध में निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

(1) दो जातीय संस्कृतियों की टकराहट
(2) मनुष्य की आदिम प्रवृत्तियों की तलाश
(3) परम्पराओं का यथातथ्य अनुपालन
(4) मनुष्य के संपूर्ण तथा संश्लिष्ट रूप की खोज

नीचे दिये गये विकल्पों में से ही सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (4) (B) (1) और (3)
(C) (1) और (2) (D) (2) और (3)

Ans. (a) : पुनर्जागरण के संबंध में दिये गये कथनों में से- दो जातीय संस्कृतियों की टकराहट एवं मनुष्य के संपूर्ण तथा संश्लिष्ट रूप की खोज कथन तर्कसंगत हैं जबकि अन्य दिये गये कथन असंगत हैं।

46. फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा रचित कहानियाँ हैं :

(1) मुर्दों का गांव
(2) ठुमरी
(3) कर्मनाशा की हार
(4) आदिम रात्रि की महक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(C) (2) और (4) (D) (3) और (4)

Ans. (c) : फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा रचित कहानियाँ- 'ठुमरी' और 'आदिम रात्रि की महक' है जबकि 'कर्मनाशा की हार' शिवप्रसाद सिंह की एवं 'मुर्दों का गाँव' धर्मवीर भारती का कहानी संग्रह है।

47. यशपाल की पर्दा कहानी के पात्र हैं -

(1) हरगोबिन (2) बब्बर अली खां
(3) चौधरी पीरबख्श (4) शेख जुम्मन

नीचे दिये गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(C) (3) और (4) (D) (1) और (4)

Ans. (b) : यशपाल की चर्चित कहानी पर्दा के पात्र बब्बर अली खाँ एवं चौधरी पीरबख्श है जबकि शेख जुम्मन प्रेमचन्द की कहानी 'पंचपरमेश्वर' का पात्र है एवं हरगोबिन फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी 'संवदिया' का पात्र है।

48. निम्नलिखित में से टी.एस. इलियट की पुस्तकें हैं -

(1) साइंस एण्ड पोइट्री
(2) द सेक्रेड वुड
(3) द मेकिंग ऑफ लिटरेचर
(4) द वेस्टलैंड

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (4) (B) (2) और (4)
(C) (2) और (3) (D) (3) और (4)

Ans. (b) : द सेक्रेड वुड एवं द वेस्टलैंड टी.एस. इलियट की पुस्तकें हैं जबकि साइंस एण्ड पोइट्री रिचर्ड्स का ग्रंथ है एवं 'द मेकिंग ऑफ लिटरेचर' स्कॉट जेम्स आर.ए. का ग्रंथ है।

49. आचार्य क्षेमेन्द्र के ग्रंथों के नाम हैं -

(1) व्यक्ति विवेक (2) दशकुमारचरित
(3) कविकण्ठाभरण (4) सुवृत्त तिलक

नीचे दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर चुरिए :

(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(C) (1) और (4) (D) (3) और (4)

Ans. (d) : आचार्य क्षेमेन्द्र के ग्रंथ 'कविकण्ठाभरण' एवं 'सुवृत्त तिलक' है जबकि व्यक्ति विवेक महिमभट्ट का आलोचना ग्रंथ है और दशकुमारचरित दण्डी का ग्रंथ है। क्षेमेन्द्र का औचित्यविचार चर्चा, रामायण मंजरी, भारत मंजरी, दशावतारचरित आदि अन्य ग्रंथ है।

50. मार्क्सवादी दर्शन के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

(1) मानव सभ्यता के विकास की पहली मंजिल आदिम साम्यवाद की थी।
(2) मानव समाज का इतिहास वर्ग-संघर्षों का इतिहास है।
(3) मानव समाज के विकास की अंतिम मंजिल समाजवाद की होगी।
(4) इतिहास समय समय पर अपने को दुहराता रहता है।

नीचे दिये गये विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(A) (1) और (3) (B) (2) और (4)

Ans. (a) : मार्क्सवादी दर्शन के अनुसार-मानव सभ्यता के विकास की पहली मंजिल आदिम साम्यवाद की थी। मानव समाज का इतिहास वर्ग-संघर्षों का इतिहास है ये दोनों कथन उपयुक्त हैं जबकि अन्य कथन असंगत हैं जिनकी मार्क्सवाद से सैद्धांतिक सहमति नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

51. निम्नलिखित में से कौन सी आधुनिक काल की रचनाएँ हैं?
(1) उद्धवशतक
(2) सुदामाचरित
(3) भ्रमरदूत
(4) रासपंचाध्यायी
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(A) (1) और (3) (B) (1) और (2)
(C) (2) और (4) (D) (4) और (3)

Ans. (a) : उद्धव शतक (1929) जगन्नाथ दास रत्नाकर का ब्रज भाषा में लिखित प्रमुख काव्य ग्रन्थ हैं जबकि भ्रमरदूत द्विवेदी युगीन रचनाकार सत्यनारायण 'कविरत्न' का काव्य है तथा 'सुदामाचरित' नरोत्तमदास का काव्य है जो भक्तिकालीन रचना है और 'रासपंचाध्यायी' अष्ठछापी कवि नन्ददास की रचना है अतः सुदामाचरित एवं रासपंचाध्यायी आधुनिक काल की रचनाएँ नहीं है।

52. द्विवेदी युगीन कविता की विशेषताएँ हैं -
(1) शृंगारप्रियता
(2) इतिवृत्तात्मकता
(3) लाक्षणिकता
(4) प्रबंधात्मकता
नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर चुनिए :
(A) (1) और (3) (B) (1) और (2)
(C) (2) और (3) (D) (2) और (4)

Ans. (d) : इतिवृत्तात्मकता एवं प्रबंधात्मकता द्विवेदी युगीन कविता की विशेषताएँ हैं जबकि शृंगारप्रियता रीतिकाल की विशेषता है एवं लाक्षणिकता छायावाद की विशेषता है।

53. निम्नलिखित में से कौन-सी रचनाएँ छायावाद की नहीं है -
(1) झरना
(2) पथिक
(3) मिलन
(4) रश्मि
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(A) (1) और (2) (B) (3) और (4)
(C) (2) और (3) (D) (4) और (2)

Ans. (c) : मिलन (1917 ई.) एवं पथिक (1920 ई.) द्विवेदी युगीन कवि रामनरेश त्रिपाठी की कृतियाँ है जबकि झरना (1918 ई.) एवं रश्मि (1932 ई.) छायावादी रचनाएँ हैं। 'झरना' जयशंकर प्रसाद की कृति है एवं 'रश्मि' महादेवी वर्मा की कृति है।

54. सांप्रदायिक विद्वेष और विभाजन की त्रासदी पर आधारित उपन्यास हैं -
(1) आवारा मसीहा
(2) महाभोज
(3) तमस
(4) झूठा सच
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(C) (1) और (3) (D) (3) और (4)

Ans. (d) : सांप्रदायिक विद्वेष और विभाजन की त्रासदी पर आधारित उपन्यास 'तमस' और 'झूठा सच' है जिसके लेखक क्रमशः भीष्म साहनी एवं यशपाल हैं जबकि महाभोज उपन्यास में अपराध और राजनीति के गठजोड़ का यथार्थवादी चित्रण किया गया है जो प्रसिद्ध उपन्यास लेखिका मन्नू भंडारी का है। आवारा मसीहा प्रसिद्ध उपन्यासकार विष्णु प्रभाकर का बांग्ला उपन्यासकार शरतचन्द्र चटर्जी की जीवनी है।

55. 'तमस' उपन्यास के पात्र हैं -
(1) कनक
(2) रिचर्ड
(3) लीज़ा
(4) सेल्मा
नीचे दिये गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(A) (1) और (2) (B) (2) और (4)
(C) (2) और (3) (D) (1) और (4)

Ans. (c) : रिचर्ड और लीज़ा 'तमस' उपन्यास के पात्र हैं जबकि सेल्मा 'अपने-अपने अजनबी' (1961 ई0) उपन्यास की पात्र हैं तथा कनक 'झूठा सच' (1958-I, 1960-II) उपन्यास की पात्र है। 'अपने-अपने अजनबी' अज्ञेय का उपन्यास है और 'झूठा सच' यशपाल का उपन्यास है।

56. 'मन्नू भंडारी' द्वारा रचित उपन्यास नहीं हैं -
(1) महाभोज
(2) आपका बंटी
(3) शैलूष
(4) बसन्ती
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चनिए :
(A) (1) और (3) (B) (2) और (3)
(C) (3) और (4) (D) (1) और (2)

Ans. (c) : शैलूष और बसन्ती मन्नू भंडारी द्वारा रचित उपन्यास नहीं है 'शैलूष' शिवप्रसाद सिंह का उपन्यास है एवं 'बसन्ती' भीष्म साहनी का उपन्यास है। आपका बंटी एवं महाभोज मन्नू भंडारी के चर्चित उपन्यास हैं।

57. दूधनाथ सिंह द्वारा रचित कहानी संग्रह हैं -
(1) धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
(2) खाली घर
(3) बसंत का एक दिन
(4) निष्कासन
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(A) (1) और (3) (B) (2) और (3)
(C) (3) और (1) (D) (1) और (4)

Ans. (d) : 'धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे' एवं 'निष्कासन' दूधनाथ सिंह रचित कहानी संग्रह है जबकि खाली घर (1969) एवं बसंत का एक दिन (1982) रामदरश मिश्र का कहानी संग्रह है।

58. निम्नलिखित में स्त्री-नाटककारों की कौन-सी रचनाएँ हैं?
(1) प्रजा ही रहने दो (2) बिना दीवारों का घर
(3) उत्तर उर्वशी (4) नेपथ्यराग
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :
(A) (2) और (3) (B) (1) और (4)
(C) (2) और (4) (D) (1) और (2)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : बिना दीवारों का घर मन्नू भंडारी का नाटक है तथा नेपथ्यराग मीराकांत का प्रसिद्ध नाटक है। ये दोनों प्रसिद्ध महिला नाटककार है जबकि 'उत्तर उर्वशी' हमीदुल्ला का, 'प्रजा ही रहने दो' गिरिराज किशोर का नाटक है।

59. 'चन्द्रगुप्त' नाटक में चाणक्य की संवादोक्तियाँ में से कौन-सी हैं?

(1) संसार-भर की नीति और शिक्षा का अर्थ मैंने यही समझा है कि आत्मसम्मान के लिए मर मिटना ही दिव्य जीवन है।
(2) समझदारी आने पर यौवन चला जाता है।
(3) महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है।
(4) एक अग्निमय गन्धक का स्रोत आर्यावर्त के लौह-अस्त्रागार में घुस कर विस्फोट करेगा।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) केवल (1) और (2) (B) केवल (2) और (3)
(C) केवल (1) और (4) (D) केवल (2) और (4)

Ans. (b) : जयशंकर 'प्रसाद' लिखित नाटक चन्द्रगुप्त में प्रमुख पात्र चाणक्य की संवादोक्तियों में 'समझदारी आने पर यौवन चला जाता है' एवं 'महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है'कथन है। जबकि अन्य विकल्प चाणक्य के कथन से सम्बन्ध नहीं रखते हैं क्योंकि ये अन्य पात्रों के कथन हैं।

60. विद्यानिवास मिश्र द्वारा रचित निबंध नहीं हैं।

(1) अस्मिता के लिए
(2) किस किस को नमन करूं
(3) अंगद की नियति
(4) कुछ चन्दन की कुछ कपूर की

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (3) (B) (2) और (3)
(C) (1) और (4) (D) (3) और (4)

Ans. (*) : 'कुछ चन्दन की कुछ कपूर की' विष्णुकांत शास्त्री का निबंध संग्रह है एवं 'किस किस को नमन करूं' शिवप्रसाद सिंह का निबंध संग्रह है जबकि 'अस्मिता के लिए' एवं 'अंगद की नियति' विद्यानिवास मिश्र का निबंध संग्रह है। यहां विकल्प का जो कूट दिया गया है वह असंगत है। अतः प्रश्न त्रुटिपूर्ण है।

61. निम्नलिखित में से दलित आत्मकथाएँ नहीं हैं -

(1) आज के अतीत
(2) तिरस्कृत
(3) पानी बिच मीन प्यासी
(4) मेरी पत्नी और भेड़िया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (4) (B) (2) और (3)
(C) (1) और (2) (D) (1) और (3)

Ans. (d) : 'आज के अतीत' एवं 'पानी बिच मीन प्यासी' दलित आत्मकथाएँ नहीं हैं। 'आज के अतीत' प्रसिद्ध कथाकार भीष्म साहनी की आत्मकथा तथा 'पानी बीच मीन प्यासी' मिथिलेश्वर का आत्मकथात्मक उपन्यास है जबकि 'तिरस्कृत' दलित लेखक सूरजपाल चौहान की आत्मकथा तथा 'मेरी पत्नी और भेड़िया' दलित लेखक एवं चिंतक डॉ० धर्मवीर की आत्मकथा है।

62. प्रेममार्गी सूफी काव्य की विशेषताएँ हैं -

(1) ईश्वर को नायिका के रूप में परिकल्पित करना
(2) नायक को ईश्वर के समकक्ष मानना
(3) कथानक रूढ़ियों का अनिवार्यतः प्रयोग करना
(4) सगुण ईश्वर की उपासना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (4) (B) (1) और (3)
(C) (2) और (4) (D) (3) और (4)

Ans. (b) : प्रेममार्गी सूफी काव्य की विशेषताओं में 'ईश्वर को नायिका के रूप में परिकल्पित करना' एवं 'कथानक रूढ़ियों का अनिवार्यतः प्रयोग करना' शामिल है जबकि सगुण ईश्वर की उपासना सगुण भक्ति शाखा की विशेषता है। नायक को ईश्वर के समकक्ष मानना भी प्रेममार्गी सूफी काव्य की विशेषता नहीं है क्योंकि इसमें नायिका को ईश्वर के समकक्ष मानने की परम्परा है।

63. निम्नलिखित में से 'आषाढ़ का एक दिन' के पात्र कौन हैं?

(1) श्वेतांग
(2) दन्तुल
(3) अनुस्वार
(4) श्यामांग

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(C) (3) और (4) (D) (2) और (4)

Ans. (b) : मोहन राकेश के प्रसिद्ध नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' के पात्र 'दन्तुल' और 'अनुस्वार' हैं। 'दन्तुल' राजपुरुष है एवं 'अनुस्वार' नाटक में अधिकारी है जबकि श्वेतांग एवं श्यामांग मोहन राकेश के ही नाटक 'लहरों के राजहंस' के पात्र हैं। श्वेतांग नंद का प्रधान कर्मचारी तथा विश्वास पात्र है और श्यामांग भी नंद का कर्मचारी है जो वैचारिक रूप से अन्तर्द्वन्द्व में जीता है।

64. निम्नलिखित में से हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचनाएँ हैं?

(1) आधुनिक साहित्य सृजन और समीक्षा
(2) साहित्य का मर्म
(3) मध्यकालीन धर्म साधना
(4) भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (2) (B) (2) और (3)
(C) (3) और (4) (D) (4) और (1)

Ans. (b) : 'साहित्य का मर्म' एवं 'मध्यकालीन धर्म साधना' प्रसिद्ध आलोचक हजारी प्रसाद द्विवेदी की रचनाएँ हैं जबकि 'भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास' डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचनात्मक कृति है एवं 'आधुनिक साहित्य सृजन और समीक्षा' नंददुलारे बाजपेयी की आलोचनात्मक कृति है।

65. निम्नलिखित में से छत्तीसगढ़ की कौन-सी मुख्य रंगशैलियाँ हैं?

(1) ख्याल
(2) माच
(3) नाचा
(4) पंडवानी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) और (3) (B) (1) और (2)
(C) (2) और (3) (D) (3) और (4)

Ans. (d) : नाचा एवं पंडवानी छत्तीसगढ़ की मुख्य रंग शैलियाँ हैं जबकि ख्याल राजस्थान के मारवाड़ और मेवाड़ क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है और 'माच' मालवा का प्रमुख लोकनाट्य रूप है जिसे मालवी के अनेक क्षेत्रों में माचा, मचली, माचली, मचैली, मचान आदि नामों से भी जाना जाता है। पंडवानी शैली के गायन में तीजन बाई को अंतर्राष्ट्रीय पहचान एवं सम्मान मिला है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

66. निम्नलिखित बोली वर्गों को उनसे संबंद्ध बोलियों के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(1) राजस्थानी	(I) भोजपुरी
(2) पश्चिमी हिन्दी	(II) छत्तीसगढ़ी
(3) पूर्वी हिन्दी	(III) कन्नौजी
(4) बिहारी हिन्दी	(IV) मालवी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (IV), (2) - (III), (3) - (II), (4) - (I)
(B) (1) - (I), (2) - (IV), (3) - (III), (4) - (II)
(C) (1) - (II), (2) - (I), (3) - (IV), (4) - (III)
(D) (1) - (III), (2) - (II), (3) - (I), (4) - (IV)

Ans. (a) : बोली वर्ग एवं उनसे सम्बद्ध बोलियों का सही सुमेलन है-

सूची-I		सूची-II
(i) राजस्थानी	-	मालवी
(ii) पश्चिमी हिन्दी	-	कन्नौजी
(iii) पूर्वी हिन्दी	-	छत्तीसगढ़ी
(iv) बिहारी हिन्दी	-	भोजपुरी

67. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(1) घनानंद	(I) जगद्विनोद
(2) बोधा	(II) विरह लीला
(3) सूदन	(III) विरह वारीश
(4) पद्माकर	(IV) सुजान चरित

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (I), (2) - (II), (3) - (III), (4) - (IV)
(B) (1) - (II), (2) - (III), (3) - (IV), (4) - (I)
(C) (1) - (III), (2) - (IV), (3) - (I), (4) - (II)
(D) (1) - (IV), (2) - (I), (3) - (II), (4) - (III)

Ans. (b) : रचनाकारों का उनकी रचनाओं के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

	रचनाकार		रचना
(1)	घनानंद	-	विरह लीला
(2)	बोधा	-	विरह वारीश
(3)	सूदन	-	सुजान चरित
(4)	पद्माकर	-	जगद्विनोद

68. निम्नलिखित प्रतीकवादी नाटकों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(1) विज्ञान गीता	(I) सेठगोविन्ददास
(2) ज्योत्स्ना	(II) देव
(3) नवरस	(III) केशव
(4) देवमायाप्रपंच	(IV) सुमित्रानंदन पंत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (III), (2) - (IV), (3) - (I), (4) - (II)
(B) (1) - (IV), (2) - (III), (3) - (II), (4) - (I)
(C) (1) - (I), (2) - (II), (3) - (III), (4) - (IV)
(D) (1) - (III), (2) - (II), (3) - (IV),(4) - (I)

Ans. (a) : उपर्युक्त में दिये गये प्रतीकवादी नाटकों का उनके लेखकों के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

	सूची-I **प्रतीकवादी नाटक**	सूची-II **नाटककार**
(1)	विज्ञान गीता	केशवदास
(2)	ज्योत्स्ना	सुमित्रानंदन पंत
(3)	नवरस	सेठ गोविन्ददास
(4)	देवमाया प्रपंच	देव/देवदत्त

69. सूची-I में दी गई पत्रिकाओं को उनके संपादकों से सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(1) कवि वचन सुधा	(I) प्रताप नारायाण मिश्र
(2) हिंदी प्रदीप	(II) लाला श्रीनिवासदास
(3) ब्राह्मण	(III) भारतेंदु हरिश्चंद्र
(4) सदादर्श	(IV) बालकृष्ण भट्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (III), (2) - (I), (3) - (II), (4) - (IV)
(B) (1) - (II), (2) - (III), (3) - (I), (4) - (IV)
(C) (1) - (III), (2) - (IV), (3) - (I), (4) - (II)
(D) (1) - (II), (2) - (I), (3) - (III),(4) - (IV)

Ans. (c) : उपर्युक्त में दी गई पत्रिकाओं का उनके संपादकों से सुमेलन इस प्रकार है-

	सूची-I **पत्रिका**		सूची-II **संपादक**
(1)	कवि वचन सुधा	-	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(2)	हिंदी प्रदीप	-	बाल कृष्ण भट्ट
(3)	ब्राहमण	-	प्रताप नारायण सिंह
(4)	सदादर्श	-	लाला श्रीनिवास दास

70. निम्नलिखित आचार्यों को उनके काल खण्ड के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(1) मम्मट	(I) चौदहवीं सदी
(2) भामह	(II) नवीं सदी का आरंभ
(3) शंकुक	(III) ग्यारहवीं सदी का उत्तरार्द्ध
(4) विश्वनाथ	(IV) छठीं सदी का मध्यकाल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (II), (2) - (IV), (3) - (I), (4) - (III)
(B) (1) - (I), (2) - (II), (3) - (IV), (4) - (III)
(C) (1) - (IV), (2) - (III), (3) - (II), (4) - (I)
(D) (1) - (III), (2) - (IV), (3) - (II), (4) - (I)

Ans. (d) : आचार्यों का उनके काल खण्ड के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I **आचार्य**		सूची-II **कालखण्ड**
(1) मम्मट	-	ग्यारहवीं सदी का उत्तरार्द्ध
(2) भामह	-	छठी सदी का मध्यकाल
(3) शंकुक	-	नवीं सदी का आरंभ
(4) विश्वनाथ	-	चौदहवीं सदी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

71. निम्नलिखित वर्ण्य विषयों को उनसे सम्बद्ध उपन्यासों से सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(1) उच्च मध्य वर्गीय वृद्ध व्यक्तियों की जीवन स्थितियों का चित्रण	(I) परती परिकथा
(2) दलित जीवन की नारकीय वास्तविकताओं का चित्रण	(II) मय्यादास की माड़ी
(3) पंजाब पर अंग्रेजों के आधिपत्य और ईस्ट इंडिया कंपनी की लूट खसोट का चित्रण	(III) नाच्यो बहुत गोपाल
(4) पटना के महिला छात्रावासों में पनपने वाले भ्रष्टचार और स्त्रियों के काम शोषण का चित्रण	(IV) समय सरगम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (I), (2) - (II), (3) - (III), (4) - (IV)
(B) (1) - (II), (2) - (III), (3) - (IV), (4) - (I)
(C) (1) - (IV), (2) - (III), (3) - (II), (4) - (I)
(D) (1) - (III), (2) - (IV), (3) - (I), (4) - (II)

Ans. (c) : वर्ण्य विषयों का उनसे संबद्ध उपन्यासों से सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I वर्ण्य विषय	सूची-II उपन्यास
(1) उच्च मध्य वर्गीय वृद्ध व्यक्तियों की जीवन स्थितियों का चित्रण	समय सरगम
(2) दलित जीवन की नारकीय वास्तविकताओं का चित्रण	नाच्यो बहुत गोपाल
(3) पंजाब पर अंग्रेजों के आधिपत्य और ईस्ट इंडिया कंपनी की लूट खसोट का चित्रण	-मय्यादास की माड़ी
(4) पटना के महिला छात्रावासों में पनपने वाले भ्रष्टचार और स्त्रियों के काम शोषण का चित्रण	- परती परिकथा

'समय-सरगम' कृष्णा सोबती का उपन्यास है, नाच्यौ बहुत गोपाल अमृतलाल नागर का उपन्यास है, मय्यादास की माड़ी भीष्म साहनी का उपन्यास है और परती परिकथा फणीश्वर नाथ रेणु का उपन्यास है।

72. निम्नलिखित कहानियों को उनके वर्ण्य विषय के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(1) वापसी	(I) नगरीय जीवन की त्रासदी
(2) तीसरी कसम	(II) नारी स्वातंत्र्य
(3) माया दर्पण	(III) आँचलिक तत्व
(4) परमात्मा का कुत्ता	(IV) पारिवारिक उपेक्षा और अप्रासंगिकता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (I), (2) - (II), (3) - (III), (4) - (IV)
(B) (1) - (II), (2) - (III), (3) - (I), (4) - (IV)
(C) (1) - (III), (2) - (I), (3) - (II), (4) - (IV)
(D) (1) - (IV), (2) - (III), (3) - (II),(4) - (I)

Ans. (d) : कहानियों का उनके वर्ण्य विषय के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

	सूची-I कहानी	सूची-II वर्ण्य विषय
(1)	वापसी	- पारिवारिक उपेक्षा और अप्रासंगिकता
(2)	तीसरी कसम	- आँचलिक तत्व
(3)	मायादर्पण	- नारी स्वातंत्र्य
(4)	परमात्मा का कुत्ता	- नगरीय जीवन की त्रासदी

'वापसी' उषा प्रिवंवदा की कहानी है, 'तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम' प्रसिद्ध कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु की, 'माया दर्पण' कहानीकार निर्मल वर्मा की कहानी तथा 'परमात्मा का कुत्ता' मोहन राकेश की प्रसिद्ध कहानी है।

73. सूची-I में दी गई कृतियों को उनकी लेखिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(1) अल्मा कबूतरी	(I) मैत्रेयी पुष्पा
(2) छिन्नमस्ता	(II) मधु कांकरिया
(3) सूखते चिनार	(III) नासिरा शर्मा
(4) पारिजात	(IV) प्रभा खेतान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (II), (2) - (I), (3) - (III), (4) - (IV)
(B) (1) - (I), (2) - (IV), (3) - (II), (4) - (III)
(C) (1) - (IV),(2) - (I), (3) - (II), (4) - (III)
(D) (1) - (III), (2) - (I), (3) - (IV),(4) - (II)

Ans. (b) : कृतियों का उनकी लेखिकाओं के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

	सूची-I कृति		सूची-II लेखिका
(1)	अल्मा कबूतरी	-	मैत्रेयी पुष्पा
(2)	छिन्नमस्ता	-	प्रभा खेतान
(3)	सूखते चिनार	-	मधु कांकरिया
(4)	पारिजात	-	नासिरा शर्मा

74. 'अंधायुग' के निम्नलिखित पात्रों को उनकी प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(1) युयुत्सु	(I) पाशविक प्रतिहिंसक
(2) अश्वत्थामा	(II) संशयग्रस्त
(3) संजय	(III) सत्याग्रही
(4) विदुर	(IV) कर्मलोक से बहिष्कृत तटस्थ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (II), (2) - (I), (3) - (IV), (4) - (III)
(B) (1) - (I), (2) - (II), (3) - (III), (4) - (IV)
(C) (1) - (III), (2) - (I), (3) - (IV), (4) - (II)
(D) (1) - (IV), (2) - (II), (3) - (III),(4) - (I)

Ans. (c) : 'अंधायुग' के पात्रों का उनकी प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

	सूची-I पात्र		सूची-II चारित्रिक विशेषताएँ
(1)	युयुत्सु	-	सत्याग्रही
(2)	अश्वत्थामा	-	पाशविक प्रति हिंसक
(3)	संजय	-	कर्मलोक से बहिष्कृत तटस्थ
(4)	बिदुर	-	संशय ग्रस्त

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

75. निम्नलिखित कृतियों को उनके प्रकाशन वर्ष के आधार पर सुमेलित कीजिए।

सूची-I	**सूची-II**
(1) लोकायतन	(I) 1935
(2) आँसू	(II) 1964
(3) भारत भारती	(III) 1925
(4) चित्ररेखा	(IV) 1912

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1) - (II), (2) - (III), (3) - (IV), (4) - (I)
(B) (1) - (III), (2) - (I), (3) - (II), (4) - (IV)
(C) (1) - (IV), (2) - (II), (3) - (I), (4) - (III)
(D) (1) - (II), (2) - (I), (3) - (III), (4) - (IV)

Ans. (a) : कृतियों का उनके प्रकाशन वर्ष के आधार पर सही सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I कृति	**सूची-II प्रकाशन वर्ष**	**सूची-III कवि**
लोकायतन -	1964	पन्त
आँसू -	1925	प्रसाद
भारत भारती -	1912	मैथिलीशरण गुप्त
चित्ररेखा -	1935	राम कुमार वर्मा

76. निम्नलिखित भाषाओं को विकास के उनके क्रम में व्यवस्थित कीजिए।

(1) शौरसेनी
(2) पहली प्राकृत
(3) वर्तमान हिन्दी
(4) पूर्वी हिन्दी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (2), (3), (4) (B) (2), (1), (4), (3)
(C) (4), (1), (2), (3) (D) (3), (1), (2), (4)

Ans. (b) : भाषाओं के विकास के आधार पर उनका व्यवस्थित क्रम इस प्रकार है-

(a) पहली प्राकृत
(b) शौरसेनी
(c) पूर्वी हिंदी
(d) वर्तमान हिंदी

पहली प्राकृत पालि भाषा को कहते हैं। शौरसेनी हिंदी में ब्रज, बुन्देली, कन्नौजी, कौरवी, हरियाणवी बोली आती हैं जबकि पूर्वी हिंदी में अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी बोली आती है। वर्तमान हिंदी के अन्तर्गत आज-कल बोली जाने वाली हिंदी हैं जिसमें विभिन्न भाषाओं (अंग्रेजी, तमिल, तेलगु, बांग्ला, फ्रेंच, अरबी, फारसी, उर्दू, तुर्की, स्पेनिश) के शब्दों के साथ-साथ हिंदी की अपनी परंपरा से प्राप्त शब्दों के अकूत भंडार की राशि भी शामिल है।

77. रघुवीर सहाय के कविता संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है।

(1) लोग भूल गये हैं
(2) आत्महत्या के विरुद्ध
(3) कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ
(4) हँसो हँसो जल्दी हंसो

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (3), (2), (4) (B) (1), (4), (3), (2)
(C) (2), (4), (1), (3) (D) (3), (1), (2), (4)

Ans. (c) : रघुवीर सहाय के कविता संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम इस प्रकार है-

	कविता संग्रह		**प्रकाशन वर्ष**
(1)	आत्महत्या के विरूद्ध	-	1967 ई.
(2)	हँसो हँसो जल्दी हँसो	-	1975 ई.
(3)	लोग भूल गये है	-	1982 ई.
(4)	कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ	-	1989 ई.

78. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही क्रम है-

(1) दुलाई वाली (2) ग्यारह वर्ष का समय
(3) एक टोकरी भर मिट्टी (4) प्लेग की चुड़ैल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (2), (3), (4) (B) (3), (4), (2), (1)
(C) (4), (3), (2), (1) (D) (2), (1), (4), (3)

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार कहानियों का सही क्रम इस प्रकार है-

कहानी	**कहानीकार**	**वर्ष**
एक टोकरी भर मिट्टी-	माधव प्रसाद सप्रे	1901 ई.
प्लेग की चुड़ैल-	भगवानदास	1902 ई.
ग्यारह वर्ष का समय -	रामचन्द्र शुक्ल	1903 ई.
दुलाई वाली -	बंग महिला	1907 ई.

79. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित कविता-संग्रहों का सही अनुक्रम है।

(1) परिमल (2) लहर
(3) ग्राम्या (4) दीपशिखा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (2), (3), (4), (1) (B) (1), (2), (3), (4)
(C) (3), (1), (2), (4) (D) (2), (4), (1), (3)

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से कविता-संग्रहों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

कविता संग्रह	**वर्ष**	**रचनाकार**
परिमल	1930 ई.	निराला
लहर	1935 ई.	प्रसाद
ग्राम्या	1940 ई.	पंत
दीपशिखा	1942 ई.	महादेवी वर्मा

80. निम्नलिखित पाश्चात्य आचार्यों का जन्म वर्ष के आधार पर सही क्रम है।

(1) रोला बार्थ
(2) फर्डिनाड द सास्युर
(3) सैमुअल टेलर कॉलरिज
(4) आई.ए. रिचर्ड्स

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (2), (3), (1), (4) (B) (3), (2), (4), (1)
(C) (4), (3), (1), (2) (D) (1), (2), (3), (4)

Ans. (b) : पाश्चात्य आचार्यों का जन्म वर्ष के आधार पर सही क्रम इस प्रकार है-

आचार्य		**जन्म वर्ष**
सैमुअल टेलर कॉलरिज	-	1772 ई.
फर्डिनाड द सास्युर	-	1857 ई.
आई.ए. रिचर्डस	-	1893 ई.
रोला बार्थ	-	1915 ई.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

81. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) वामा शिक्षक (2) निस्सहाय हिन्दू
(3) भाग्यवती (4) देवरानी जेठानी की कहानी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (4), (1), (3), (2) (B) (1), (2), (3), (4)
(C) (2), (3), (4), (1) (D) (3), (4), (1), (2)

Ans. (a) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार उपन्यासों का सही क्रम है-

उपन्यास	**वर्ष**	**उपन्यासकार**
देवरानी जेठानी की कहानी	(1870 ई.)	गौरीदत्त
वामा शिक्षक	(1872 ई.)	ईश्वर प्रसाद व कल्याण राय
भाग्यवती	(1877 ई.)	श्रद्धाराम फिल्लौरी
निस्सहाय हिन्दू	(1890 ई.)	राधाकृष्ण दास

82. वस्तु विकास की दृष्टि से 'अंधायुग' के अंकों का सही क्रम है।

(1) कौरव नगरी
(2) अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य
(3) पशु का उदय
(4) गांधारी का शाप
(5) विजयः एक क्रमिक आत्महत्या

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (2), (3), (4), (5) (B) (1), (3), (4), (2),(5)
(C) (1), (3), (2), (4), (5) (D) (1), (4), (3), (5), (2)

Ans. (c) : वस्तु विकास की दृष्टि से 'अंधायुग' (1955 ई.) (गीतिनाट्य) के अंकों का सही क्रम है। इसमें कुल पाँच अंक हैं-
(1) कौरव नगरी
(2) पशु का उदय
(3) अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य (पंख, पहिए और पट्टियाँ)
(4) गंधारी का शाप
(5) विजय एक क्रमिक आत्महत्या (प्रभु की मृत्यु)

83. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित निबन्धकारों का सही क्रम है।

(1) रामवृक्ष बेनीपुरी (2) नलिन विलोचन शर्मा
(3) रामविलास शर्मा (4) नंद दुलारे वाजपेयी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (1), (4), (3), (2) (B) (1), (2), (3), (4)
(C) (2), (3), (4), (1) (D) (3), (4), (1), (2)

Ans. (a) : जन्मकाल के अनुसार निबन्धकारों का सही क्रम है–
(1) रामवृक्ष बेनीपुरी (जन्म-1899)
(2) नंददुलारे वाजपेयी (जन्म-1906)
(3) रामविलास शर्मा (जन्म - 1912)
(4) नलिन विलोचन शर्मा (जन्म-1916)

84. नामवर सिंह की निम्नलिखित कृतियों को प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए।

(1) हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग
(2) कविता के नए प्रतिमान
(3) छायावाद
(4) दूसरी परंपरा की खोज

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (4), (3), (2), (1) (B) (1), (2), (3), (4)
(C) (2), (1), (3), (4) (D) (1), (3), (2), (4)

Ans. (d) : नामवर सिंह की कृतियों का प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है-
(1) हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग (1952 ई.)
(2) छायावाद (1955 ई.)
(3) कविता के नए प्रतिमान (1968 ई.)
(4) दूसरी परम्परा की खोज (1982 ई.)

85. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का सही क्रम बताइए -

(1) वाङ्चू
(2) राजा निरबंसिया
(3) एक और जिंदगी
(4) यही सच है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

(A) (2), (3), (4), (1) (B) (1), (2), (3), (4)
(C) (4), (3), (2), (1) (D) (3), (1), (4), (2)

Ans. (a) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार कहानी संग्रहों का सही क्रम है-

कहानी संग्रह	**वर्ष**	**कहानीकार**
राजा निरबंसिया	(1957 ई.)	कमलेश्वर
एक और जिंदगी	(1961 ई.)	मोहन राकेश
यही सच है	(1966 ई.)	मन्नू भण्डारी
वाङ्चू	(1978 ई.)	भीष्म साहनी

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : साहित्य में लोक ही प्रमाण है।

कथन II : लोक साहित्य की गुणवत्ता प्रमाणित करने के लिए शास्त्रीय प्रतिमानों की आवश्यकता होती है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें।

(a) कथन I और II दोनों सही हैं
(b) कथन I और II दोनों गलत हैं
(c) कथन I सत्य है, किंतु कथन II गलत हैं
(d) कथन I असत्य है, किंतु कथन II सही हैं

Ans. (c) : नीचे दिये गये कथनों में
कथन-I : साहित्य में लोक ही प्रमाण है। कथन-I सत्य है। किन्तु **कथन-II** लोक साहित्य की गुणवत्ता प्रमाणित करने के लिए शास्त्रीय प्रतिमानों की आवश्यकता होती है। गलत है क्योकि लोक साहित्य की गुणवत्ता प्रमाणित करने के लिए शास्त्रीय प्रतिमानों की आवश्यकता नहीं होती है।

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : स्त्री-विमर्श के अनुसार स्त्री केवल जैविक उत्पत्ति है।

कथन II : पितृ सत्तात्मक व्यवस्था स्त्री के व्यक्तित्व और विचारों का नियमन नहीं कर सकती।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें।

(a) कथन I और II दोनों सही हैं
(b) कथन I और II दोनों गलत हैं
(c) कथन I सत्य है, किंतु कथन II गलत हैं
(d) कथन I असत्य है, किंतु कथन II सही हैं

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : नीचे दिये गये कथनों में
कथन-I स्त्री विमर्श के अनुसार स्त्री केवल जैविक उत्पत्ति है। कथन I गलत है। क्योंकि स्त्री विमर्श के अनुसार स्त्री केवल जैविक उत्पत्ति नहीं है। कथन-II पितृ सत्तात्मक व्यवस्था स्त्री के व्यक्तित्व और विचारों का नियमन नहीं कर सकती। कथन-II गलत है क्योंकि पितृ सत्तात्मक व्यवस्था स्त्री के व्यक्तित्व और विचारों का नियमन कर सकती है। अतः कथन-I और II दोनों गलत हैं।

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं :

स्थापना (A) : कृष्ण भक्ति काव्य वृत्ति के उत्कर्ष का दर्शन है।

तर्क (R) : इसीलिए उसका पूर्णास्वाद उज्ज्वल रस में होता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें।

(a) (A) सही (R) गलत
(b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) और (R) दोनों गलत
(d) (A) और (R) दोनों सही

Ans. (d) : नीचे दिये गये कथनों में-
स्थापना (A) कृष्ण भक्ति काव्य वृत्ति के उत्कर्ष का दर्शन है।
तर्क (R) : इसीलिए उस का पूर्णास्वाद उज्जवल रस में होता है।
अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है।

89. नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन I : छायावाद शृंगार लिप्सा का काव्य है।

कथन II : वस्तुतः रीतिकालीन शृंगार भावना ही छायावाद में अज्ञात आलम्बन का आधार बनी।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें।

(a) कथन I और II दोनों सही हैं
(b) कथन I और II गलत हैं
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II गलत हैं
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सही हैं

Ans. (b) : नीचे दिये गये कथनों में
कथन I : छायावाद शृंगार लिप्सा का काव्य है। कथन I गलत है। क्योंकि छायावाद मानव अथवा प्रकृति के सूक्ष्म, किन्तु व्यक्त सौन्दर्य में आध्यात्मिक छाया का भान है।
कथन-II : वस्तुतः रीतिकालीन शृंगार भावना ही छायावाद में अज्ञात आलम्बन का आधार बनी। कथन-II गलत है।

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं :

स्थापना (A) : काव्य का आलम्बन विशिष्ट व्यक्ति नहीं सामान्य जन ही हो सकता है।

तर्क (R) : क्योंकि काव्य का केन्द्रीय विषय मनुष्य है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उपयुक्त उत्तर चुनें।

(a) (A) सही (R) गलत
(b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) और (R) दोनों सही
(d) (A) और (R) दोनों गलत

Ans. (b) : स्थापना (A) काव्य का आलम्बन विशिष्ट व्यक्ति नहीं सामान्य जन ही हो सकता है कथन गलत है क्योंकि काव्य का आलम्बन विशिष्ट व्यक्ति एवं सामान्य जन दोनों हो सकता है। तर्क (R) क्योंकि काव्य का केन्द्रीय विषय मनुष्य है। तर्क सही है।

निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न संख्या 91 से 95 तक के प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

"काव्य का आभ्यंतर स्वरूप या आत्मा भाव या रस है। अलंकार उसके बाह्य स्वरूप हैं। दोनों में कल्पना का काम पड़ता है। जिस प्रकार विभाव, अनुभाव में हम उसका प्रयोग पाते हैं उसी प्रकार रूपक, उत्प्रेक्षा आदि अलंकारों में भी। जबकि रस ही काव्य में प्रधान वस्तु है तब उसके संयोजकों में जो कल्पना का प्रयोग होता है वही आवश्यक और प्रधान ठहरा। रस का आधार खड़ा करने वाला जो विभावन व्यापार है कल्पना का प्रधान कार्य क्षेत्र वही हैं। पर वहाँ उसे अनुभूति व एगात्मिका वृत्ति के आदेश पर कार्य करना पड़ता है। उसे ऐसे स्वरूप खड़े करने पड़ते हैं जिनके द्वारा रति, दास, शोक, क्रोध, घृणा आदि स्वयं अनुभव करने के कारण कवि जानता है कि श्रोता भी अनुभव करेंगे। अपनी अनुभूति की व्यापकता के कारण मनुष्य मात्र की अनुभूति को तथा उसके विषयों को अपने हृदय में रखने वाले ही ऐसे स्वरूपों को अपने मन में ला सकते हैं।"

91. उक्त अवतरण में स्थापित किया गया है कि

(a) कल्पना के बगैर साधारणीकरण संभव नहीं है।
(b) विभावन-व्यापार के बगैर भी साधारणीकरण संभव है।
(c) विभावन व्यापार आलंबन और आश्रय के बीच होता है।
(d) विभावन व्यापार के बगैर भी रसानुभूति हो सकती है।

Ans. (a) : उक्त अवतरण में स्थापित किया गया है कि कल्पना के बगैर साधारणीकरण संभव नहीं है।

92. उक्त अवतरण से ध्वनित होता है कि

(a) लेखक अनुभववादी है।
(b) लेखक अलंकारवादी है।
(c) लेखक रसवादी है।
(d) लेखक कलावादी है।

Ans. (c) : उक्त अवतरण से ध्वनित होता है कि लेखक रसवादी है। क्योंकि गद्यांश में बताया गया है कि काव्य का आभ्यंतर स्वरूप या आत्मा भाव या रस है। रस ही काव्य में प्रधान वस्तु है तब उसके संयोजकों में जो कल्पना का प्रयोग होता है वहीं आवश्यक और प्रधान ठहरा।

93. उक्त अवतरण के मुख्य रूप से-

(a) विभावन व्यापार के महत्व की प्रतिष्ठा की गई है।
(b) कल्पना के महत्व की प्रतिष्ठा की गई है।
(c) अनुभूति की व्यापकता की प्रतिष्ठा की गई है।
(d) अलंकार की सीमाएँ निर्धारित की गई हैं।

Ans. (b) : उक्त अवतरण में मुख्य रूप से 'कल्पना के महत्व की प्रतिष्ठ की गई है।' क्योंकि बताया गया है कि रस ही काव्य में प्रधान वस्तु है तब उसके संयोजकों में जो कल्पना का प्रयोग होता है वहीं आवश्यक और प्रधान होता है। रस का आधार खड़ा करने वाला जो विभाजन व्यापार है कल्पना का प्रधान कार्य वही है।

94. "उसे ऐसे स्वरूप खड़े करने पड़ते हैं जिनके द्वारा रति, हास, शोक, क्रोध, घृणा आदि स्वयं अनुभव करने के कारण कवि जानता है कि श्रोता भी अनुभव करेंगे।" वाक्य में

(a) प्रकारान्तर से स्थायी भावों की व्याख्या की गई है।
(b) प्रकारान्तर से साधारणीकरण का महत्व रेखांकित किया गया है।
(c) प्रकारान्तर से कवि कर्म की दुरूहता बताई गई है।
(d) प्रकारान्तर से श्रोता के दायित्व की ओर संकेत किया गया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : उसे ऐसे स्वरूप खड़े करने पड़ते हे जिनके द्वारा रति, हास, शोक, क्रोध, घृणा आदि स्वयं अनुभव करने के कारण कवि जानता है कि श्रोता भी अनुभव करेंगे। वाक्य में प्रकारान्तर से साधारणीकरण का महत्व रेखांकित किया गया है।

95. ''अपनी अनुभूति की व्यापकता के कारण मनुष्यमात्र की अनुभूति को तथा उसके विषयों को अपने हृदय में रखने वाले ही ऐसे स्वरूपों को अपने मन में ला सकते है। '' वाक्य में-

(a) लोक हृदय की व्यापकता की ओर संकेत किया गया है।
(b) कवि-हृदय की विशिष्टता की ओर संकेत किया गया है।
(c) पाठक के दायित्व को रेखांकित किया गया है।
(d) कवि के दायित्व को रेखांकित किया गया है।

Ans. (b) : ''अपनी अनुभूति की व्यापकता के कारण मनुष्यमात्र की अनुभूति को तथा उसके विषयों को अपने हृदय में रखने वाले ही ऐसे स्वरूपों को अपने मन में ला सकते है।'' वाक्य में कवि हृदय की विशिष्टता की ओर संकेत किया गया है।

निर्देश :निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्न संख्या 96 से 100 तक के प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए।

साहित्य का मूल स्रोत होता है मनुष्य का जीवन। मनुष्य के जीवन के दुख-सुख, आशा-आकांक्षा, उत्थान-पतन की ही अभिव्यक्ति साहित्य द्वारा होती है। मनुष्य का व्यक्ति-जीवन समष्टि जीवन द्वारा सीमाबद्ध है। मनुष्य की व्यष्टि-सत्ता के साथ समष्टि का किस प्रकार संघर्ष एवं द्वन्द्व चलता रहता है और इसके परिणामस्वरूप उसके सामाजिक जीवन में किस प्रकार रूपान्तर होता रहता है, यह बात अतीत काल के साहित्य या समालोचना में विशेष रूप से नहीं पाई जाती। मनुष्य की सामाजिक परिस्थिति एवं उसके व्यष्टि-जीवन के साथ समष्टि के संघर्ष और उसके मन के ऊपर इन सबकी प्रतिक्रियाओं की परीक्षा करने के कारण ही आधुनिक साहित्य भाव-प्रधान न होकर बहुत-कुछ वस्तु-प्रधान बन गया है। समाज में समय-समय पर जो परिवर्तन होते रहते हैं, उनका प्रभाव मानव-मन पर भी पड़े बिना नहीं रहता। मनुष्य के मन का यह परिवर्तन जब साहित्य में प्रतिफलित होता है, तभी साहित्य में चैतन्य की सृष्टि होती है और वह सबके लिए उपभोग्य बन जाता है। प्रत्येक युग का श्रेष्ठ साहित्य अपने युग के प्रगतिशील विचारों द्वारा किसी-न-किसी रूप में अवश्य प्रभावित होता है। मानव-मन को प्रभावित करके उसके जीवन को सभी दिशाओं में प्रगतिशील बनाने में ही साहित्य की चरम सार्थकता है। युग-युग में साहित्य जो लक्ष-लक्ष मनुष्यों के मन-प्राण को प्रभावित करता है, यही उसकी लोकप्रियता का मूल कारण है। साहित्य की श्रेष्ठता का, उसके मूल्य एवं महत्व का एक ही मानदण्ड हो सकता है, और वह मानदण्ड यही है कि जातीय जीवन के साथ, अखिल शक्ति की प्राण-धारा के साथ, उसका निविड़ संयोग है या नहीं।

96. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

(a) मनुष्य का व्यष्टि-जीवन समष्टि जीवन से सीमाबद्ध नहीं होता।
(b) अतीत काल की समालोचना में व्यष्टि और समष्टि के बीच संघर्ष के रूपांतरण की विशेष चर्चा पाई जाती है।
(c) साहित्य की लोकप्रियता का कारण है असंख्य जन समुदाय पर प्रभाव
(d) साहित्य मानव-जीवन के सुख-दुख से निरपेक्ष रहता है।

Ans. (c) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर 'साहित्य की लोकप्रियता का कारण है, असंख्य जन समुदाय पर प्रभाव' है। अन्य कथन गलत है।

97. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर साहित्य की श्रेष्ठता का क्या मानदण्ड है?

(a) वस्तु-प्रधानता न कि भावप्रधानता
(b) मानव जीवन की सीमाओं की अभिव्यक्ति
(c) अतीत काल का महिमागान
(d) जातीय जीवन व अखिल शक्ति की प्राण-धारा से निविड़ संयोग

Ans. (d) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर साहित्य की श्रेष्ठता का मानदण्ड जातीय जीवन व अखिल शक्ति की प्राण-धारा से निविड़ संयोग।

98. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित में से सर्वाधिक सार्थकता का कारण है?

(a) जीवन को प्रगतिशील बनाना
(b) जीवन के दुखों की उपेक्षा
(c) सबके लिए उपभोग्य न होना
(d) व्यष्टि और समष्टि का निरादर

Ans. (a) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर दिये गये विकल्पों में से जीवन को प्रगतिशील बनाना सर्वाधिक सार्थकता का कारण है। अन्य विकल्प असंगत है।

99. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) जातीय जीवन के साथ गहरी संबद्धता श्रेष्ठ साहित्य का मानदण्ड है।
(b) सामाजिक परिवर्तन मानव-मन को प्रभावित करता है।
(c) मनुष्य का समष्टि जीवन उसके व्यष्टि जीवन को सीमाबद्ध नहीं करता है।
(d) मानव जीवन साहित्य का मूल स्रोत है।

Ans. (c) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर दिये गये कथनों में 'मनुष्य का समष्टि जीवन उसके व्यक्ति जीवन को सीमाबद्ध नहीं करता है।'' सही कथन नहीं है। अन्य कथन सही है जो इस प्रकार है- (1) जातीय जीवन के साथ गहरी संबद्धता श्रेष्ठ साहित्य का मानदण्ड है। (2) सामाजिक परिवर्तन मानव-मन को प्रभावित करता है। (3) मानव जीवन साहित्य का मूल स्रोत है।

100. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित में से साहित्य की लोकप्रियता का मूल कारण है।

(a) सामाजिक जीवन की अभिव्यक्ति से दूरी
(b) लाखों-लाख मनुष्यों की चेतना पर प्रभाव
(c) सामाजिक परिवर्तन की अनदेखी
(d) व्यष्टि जीवन की संकीर्णता

Ans. (b) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर 'लाखो-लाख मनुष्यों की चेतना पर प्रभाव' साहित्य की लोकप्रियता मूल कारण है। गद्यांश में बताया गया है कि युग-युग में साहित्य जो लाख-लाख मनुष्यों के मन-प्राण को प्रभावित करता है, वही उसकी लोकप्रियता का मूल कारण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2020
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र (द्वितीय पाली)
विश्लेषण सहित व्याख्या

समय : 2 घण्टा] **[पूर्णांङ्क : 200**

1. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा आर्यभाषाओं में शामिल नहीं है?
(a) संस्कृत (b) प्राकृत
(c) तुर्की (d) अंग्रेजी

Ans. (c) : तुर्की आर्य भाषाओं में शामिल नहीं है क्योंकि तुर्की शामी परिवार की भाषा है, जबकि अन्य संस्कृत, प्राकृत, अंग्रेजी भाषा आर्य भाषाओं के अन्तर्गत आती हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द रूढ़ है, यौगिक नहीं?
(a) पीला (b) झटपट
(c) घुड़साल (d) पंकज

Ans. (a) : 'पीला' रुढ़ शब्द है। झटपट, घुड़साल यौगिक शब्द तथा पंकज योगरुढ़ शब्द है। व्युत्पत्ति या रचना की दृष्टि से शब्द तीन प्रकार के होते हैं- (1) रुढ़ (2) यौगिक (3) योगरुढ़।
रुढ़ शब्द – जो शब्द हमेशा किसी विशेष अर्थ को प्रकट करते हैं तथा जिसके खण्ड का कोई अर्थ न निकले, उन्हे रुढ़ शब्द कहते हैं; जैसे- नाक, कान।
यौगिक शब्द – जो शब्द अन्य शब्दों के योग से बने हों तथा जिनके प्रत्येक खण्ड का कोई अर्थ हो उन्हें यौगिक शब्द कहते है; जैसे- घुड + साल, आग + बबूला।
योगरुढ़ शब्द – जो शब्द अन्य शब्दों के योग से बने हो, परन्तु एक विशेष अर्थ के लिए प्रसिद्ध होते हैं, उन्हे योगरुढ़ शब्द कहते हैं; जैसे – लम्बोदर, दशानन।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द फारसी का है-
(a) दाग (b) औरत
(c) नीलम (d) फीस

Ans. (a) : 'दाग' फारसी भाषा का शब्द है। फारसी भाषा के अन्य शब्द हैं- आराम, अफसोस, खामोश, खरगोश, खुश, आमदनी आदि। जबकि 'औरत' अरबी भाषा तथा फीस अंग्रेजी भाषा का शब्द है।

4. ''नया लेखक उनसे डरता है, पुराना घबराता है, पंडित सिर हिलाता है। वे पुराने की गुलामी पसंद नहीं करते और नवीन की गुलामी तो उनके लिए एकदम असह्य है।'' उपरोक्त कथन किस लेखक ने किस लेखक के बारे में कहा है?
(a) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के लिए
(b) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के लिए
(c) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी ने आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के लिए
(d) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के लिए

Ans. (d) : ''नया लेखक उनसे डरता है, पुराना घबराता है, पंडित सिर हिलाता है। वे पुराने की गुलामी पसन्द नहीं करते और नवीन की गुलामी तो उनके लिए असह्य है।'' उक्त कथन हजारी प्रसाद द्विवेदी ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के लिए कहा है।

5. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा 'पंच बिड़ाल' में शामिल नहीं है?
(a) आलस्य (b) हिंसा
(c) चिकित्सा (d) अहंकार

Ans. (d) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार 'अहंकार' पंच विड़ाल में शामिल नहीं है। पंच विड़ाल बौद्ध शास्त्रों में निरूपित पंच प्रतिबंध है। शुक्ल जी के अनुसार पंच प्रतिबंध हैं- (1) आलस्य, (2) हिंसा, (3) चिकित्सा, (4) काम, (5) मोह।

6. 'अपभ्रंश या प्राकृताभास हिंदी के पद्यों का सबसे पुराना पता तांत्रिक और योगमार्गी बौद्धों की सांप्रदायिक रचनाओं के भीतर विक्रम की सातवीं शताब्दी के अंतिम चरण में लगता है।' ये कथन किस आलोचक का है?
(a) श्याम सुंदरदास (b) रामचंद्र शुक्ल
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी (d) रामविलास शर्मा

Ans. (b) : ''अपभ्रंश या प्राकृताभाष हिन्दी के पद्यों का सबसे पुराना पता तान्त्रिक और योगमार्गी बौद्धों की साम्प्रदायिक रचनाओं के भीतर विक्रम की सातवीं शताब्दी के अन्तिम चरण में लगता है।'' उक्त कथन आलोचक रामचन्द्र शुक्ल का है।

7. ''सात आठ सौ वर्षों की संचित ज्ञानराशि सामने लगी हुई थी; पर ऐसी निर्दिष्ट सरणियों की उद्भावना नहीं हुई थी जिसके अनुसार सुगमता से इस प्रभूत सामग्री का वर्गीकरण होता। भिन्न-भिन्न शाखाओं के हजारों कवियों की केवल कालक्रम से गुथी उपर्युक्त वृत्तमालाएँ साहित्य के इतिहास के अध्ययन में कहाँ तक सहायता पहुँचा सकती थीं? सारे रचनाकाल को केवल आदि, मध्य, पूर्व, उत्तर इत्यादि खंडों में आंख मूँदकर बाँट देना- यह भी न देखना कि खंड के भीतर क्या आता है, क्या नहीं, किसी वृत्त संग्रह को इतिहास नहीं बना सकता।''
-साहित्येतिहास लेखन के संबंध में उपर्युक्त बातें किस आलोचक ने कही हैं?
(a) रामचंद्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) रामकुमार वर्मा (d) रामशंकर शुक्ल 'रसाल'

Ans. (a) : ''सात आठ सौ वर्षो की संचित ज्ञानराशि सामने लगी हुई थी पर ऐसी निर्दिष्ट सरणियों की उद्भावना नहीं हुई थी जिसके अनुसार सुगमता से इस प्रभूत सामाग्री का वर्गीकरण होता। भिन्न-भिन्न शाखाओं के हजारों कवियों की केवल कालक्रम से गुथी उपर्युक्त वृत्तमालाएं साहित्य के इतिहास के अध्ययन में कहाँ तक सहायता पहुँचा सकती थी? सारे रचनाकाल को केवल आदि, मध्य, पूर्व, उत्तर इत्यादि खण्डो में आँखमूँद कर बांट देना- यह भी न देखना की खण्ड के भीतर क्या आता है, क्या नहीं, किसी वृत्त संग्रह को इतिहास नहीं बना सकता।'' साहित्येतिहास लेखन के सम्बन्ध में यह बातें आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने मिश्रबन्धु कृत मिश्रबन्धु विनाद के बारे में कही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. 'ब्रज का कृष्ण सम्प्रदाय'
हिंदी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन और नामकरण करते हुए उपर्युक्त नामकरण निम्नलिखित में से किस साहित्येतिहासकार ने सुझाया है?

(a) मिश्रबंधु (b) जार्ज ग्रियर्सन
(c) रामचंद्र शुक्ल (d) रामकुमार शर्मा

Ans. (b) : 'ब्रज का कृष्ण सम्प्रदाय'
हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन और नामकरण करते हुए उपर्युक्त नामकरण जार्ज ग्रियर्सन ने सुझाया है। जार्ज ग्रियर्सन का काल विभाजन तथा नामकरण निम्न है –
(1) चारण काल (700-1300 ई.)
(2) पन्द्रहवीं शताब्दी का धार्मिक पुनर्जागरण
(3) जायसी की प्रेम कविता
(4) ब्रज का कृष्ण सम्प्रदाय
(5) मुगल दरबार
(6) तुलसीदास
(7) रीतिकाव्य
(8) तुलसीदास के अन्य परवर्ती
(9) अट्ठारहवीं शताब्दी
(10) कम्पनी के शासन में हिन्दुस्तान
(11) महारानी विक्टोरिया के शासन में हिन्दुस्तान।

9. 'दब्ब-सहाव-पयास' (द्रव्य-स्वभाव प्रकाश) को 'गाथा' या साहित्य की प्राकृत में निम्नलिखित में से किसने रूपांतरित किया है?

(a) वररूचि (b) देवसेन
(c) पुष्पदंत (d) माइल्ल धवल

Ans. (d) : 'दब्ब सहाव पयास' (द्रव्य स्वभाव प्रकाश) को गाथा या साहित्य की प्राकृत में माइल्ल धवल ने रूपांतरित किया है। दब्ब सहाव पयास (अपभ्रंश भाषा) कृति के लेखक देवसेन है। इनकी प्रसिद्ध कृति श्रावकाचार है। जिसमें 250 दोहों में श्रावक-धर्म का प्रतिपादन किया गया है। श्रावकाचार को डॉ. नगेन्द्र ने हिन्दी की प्रथम रचना माना है। देवसेन कृत अन्य ग्रंथ है- 'नयचक्र', 'दर्शनसार', 'भाव संग्रह', आराधनासार तथा तत्त्वसार।

10. निम्नलिखित में से किस उपन्यास में 'लाला मदनमोहन' के दीवानखाने का वर्णन किया गया है?

(a) भाग्यवती (b) परीक्षा गुरू
(c) नूतन ब्रह्मचारी (d) श्यामा स्वप्न

Ans. (b) : 'परीक्षागुरु' उपन्यास में 'लाला मदनमोहन' के दीवानखाने का वर्णन किया गया है। परीक्षा गुरु (1882) उपन्यास के लेखक लाला श्रीनिवासदास हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने परीक्षागुरु को अंग्रेजी ढंग का हिन्दी का पहला उपन्यास माना है। 'भाग्यवती' उपन्यास के लेखक श्रद्धाराम फिल्लौरी,'नूतन ब्रह्मचारी' बालकृष्ण भट्ट का तथा श्यामा स्वप्न जगमोहन सिंह कृत उपन्यास हैं।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक उदयशंकर भट्ट का नहीं है?

(a) विश्वामित्र (b) मत्स्यगंधा
(c) राधा (d) नारद की वीणा

Ans. (d) : 'नारद की वीणा' नाटक उदयशंकर भट्ट का नहीं है। 'नारद की वीणा' (1946) नाटक के लेखक लक्ष्मीनारायण मिश्र हैं। जबकि उदय शंकर भट्ट कृत नाटक-विश्वामित्र, मत्स्यगंधा, राधा, विक्रमादित्य, दाहर या सिंधपतन, सागर विजय तथा मुक्ति पथ है।

12. अपने मनोवैज्ञानिक मनोविकार संबंधी निबंध 'करुणा' में रामचन्द्र शुक्ल ने निर्धारित किया है किः

A. करुणा दुःखात्मक वर्ग में आने वाला मनोविकार है।
B. करुणा पात्र अथवा विषय के दुःख मात्र से उत्पन्न होता है।
C. करुणा का प्रसार सामाजिक जीवन की स्थिति और पुष्टि के लिए आवश्यक नहीं है।
D. करुणा का आलम्बन (विषय) करुणा करने वाले (आश्रय) के प्रति कृतज्ञ होता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा शुक्ल जी का मन्तव्य नहीं है?

(a) A (b) B
(c) C (d) D

Ans. (c) : करुणा का प्रसार सामाजिक जीवन की स्थिति और पुष्टि लिए आवश्यक नहीं है। निबन्ध 'करुणा' के संबंध में यह मंतव्य शुक्ल जी का नहीं है। शुक्ल जी ने अपने मनोवैज्ञानिक मनोविकार सम्बन्धी निबन्ध 'करुणा' में यह निर्धारित किया है कि- करुणा दुखात्मक वर्ग में आने वाला मनोविकार है। करुणा पात्र अथवा विषय के दुःखमात्र से उत्पन्न होता है। करुणा का आलम्बन (विषय) करुणा करने वाले 'आश्रय' के प्रति कृतज्ञ होता है।

13. निम्नलिखित में से किस उपन्यास में बाल, वयः सन्धि और किशोर मन के मनोवैज्ञानिक अंकन का प्रयास किया गया है?

(a) शेखर : एक जीवनी (b) त्यागपत्र
(c) पर्दे की रानी (d) जयवर्धन

Ans. (a) : शेखरः एक जीवनी (1940-44) उपन्यास में बाल वयः संधि और किशोर मन के मनोवैज्ञानिक अंकन का प्रयास किया गया है। शेखर : एक जीवनी उपन्यास के लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन (अज्ञेय) हैं। यह मनोविश्लेषणात्मक उपन्यास है। इसके प्रमुख पात्र शेखर तथा शशि हैं। 'त्यागपत्र', 'जयवर्धन' जैनेन्द्र कृत तथा 'पर्दे की रानी' इलाचन्द्र जोशी कृत उपन्यास है।

14. 'मैला आँचल' उपन्यास के पात्र नहीं है-

(a) प्रशांत और कालीचरण
(b) श्रीधर और सरस्वती
(c) कमली और सुमरितदास
(d) हरगौरी सिंह और मंगला देवी

Ans. (b) : 'मैला आँचल' उपन्यास के पात्र 'श्रीधर और सरस्वती' नहीं है, जबकि प्रशांत, कालीचरण, कमली, सुमरित दास, हरगौरी सिंह तथा मंगला देवी मैला आँचल उपन्यास के प्रमुख पात्र हैं। 'मैला आँचल' (1954 ई.) फणीश्वर नाथ 'रेणु' द्वारा रचित आंचलिक उपन्यास है। श्रीधर और सरस्वती पात्र, यह पथ बन्धुया उपन्यास के पात्र हैं, इसके लेखक नरेश मेहता हैं।

15. ''नयी कहानी आग्रहों की कहानी नहीं है, प्रवृत्तियों की हो सकती है और उसका मूल स्रोत है- जीवन का यथार्थबोध और इस यथार्थ को लेकर चलने वाला वह विराट मध्य और निम्न मध्य वर्ग है जो अपनी जीवन-शक्ति से आज के दुर्दान्त संकट को जाने-अनजाने झेल रहा है।''
उपर्युक्त कथन किस लेखक ने नयी कहानी के संदर्भ में कहा है-

(a) भीष्म साहनी (b) शिवप्रसाद सिंह
(c) राजेंद्र यादव (d) कमलेश्वर

Ans. (d) : 'नयी कहानी आग्रहों की कहानी नहीं है, प्रवृत्तियों की हो सकती है और उसका मूल स्रोत है- जीवन का यथार्थबोध और इस यथार्थ को लेकर चलने वाला वह विराट मध्य और निम्न मध्य वर्ग है जो अपनी जीवन-शक्ति से आज के दुर्दान्त संकट को जाने-अनजाने झेल रहा है।'' उक्त कथन कमलेश्वर ने नयी कहानी के संदर्भ में कहा है। भैरव प्रसाद गुप्त की नयी कहानी पत्रिका से 'नयी कहानी' का प्रारम्भ (1956) माना जाता है। राजेन्द्र यादव, मोहन राकेश और कमलेश्वर नयी कहानी के प्रवर्तक माने जाते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. ''शक्तिः कवित्वबीज रूपः संस्कार विशेषः'' अर्थात् कवित्व-निर्माण के बीज रूप विशिष्ट संस्कार को शक्ति कहते हैं।
प्रतिभा के विषय में उक्त उद्धरण किस आचार्य का है?
(a) आचार्य कुन्तक (b) पंडितराज जगन्नाथ
(c) आचार्य मम्मट (d) आचार्य दण्डी

Ans. (c) : 'शक्तिः कवित्व बीज रूपः संस्कार विशेषः' अर्थात् कवित्व निर्माण के बीज रूप विशिष्ट संस्कार को शक्ति कहते है। प्रतिभा के विषय में उक्त उद्धरण आचार्य मम्मट का है।

17. निम्नलिखित में से किस आचार्य ने रसों की संख्या आठ मानी है-
(a) दंडी (b) धनंजय
(c) रूद्रट (d) अभिनव गुप्त

Ans. (a) : आचार्य 'दण्डी' ने रसों की संख्या आठ मानी है। आचार्य भरतमुनि ने भी रसों की संख्या आठ मानी है। जो निम्न हैं- (1) शृंगार (2) हास्य (3) करुण (4) वीर (5) भयानक (6) वीभत्स (7) अद्‌भुत (8) रौद्र। अन्य कवि के अनुसार रसों की संख्या में धनंजय ने ९, रूद्रट ने १० और अभिनव गुप्त ने ९ माना है।

18. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(a) आई.ए. रिचर्ड्स की प्रसिद्ध कृति का नाम 'दि प्रिन्सिपुल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म' है 'प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म' नहीं।
(b) आई. ए. रिचर्ड्स का आलोचनात्मक लेखन कार्य उन्नीसवीं सदी के अंत तक समाप्त हो गया।
(c) रिचर्ड्स जिसे सम्प्रेषण कहते हैं वह भारतीय काव्य शास्त्र के साधारणीकरण का ही एक रूप है।
(d) रिचर्ड्स का एक सिद्धांत मूल्य सिद्धांत है जिसका मनोविज्ञान से कोई संबंध नहीं है।

Ans. (c) : रिचर्ड्स जिसे सम्प्रेषण कहते हैं वह भारतीय काव्य शास्त्र के साधारणीकरण का ही एक रूप है- कथन सही है। रिचर्ड्स ने 'मूल्य सिद्धान्त' तथा 'सम्प्रेषण सिद्धान्त' का प्रतिपादन किया है इनके प्रमुख ग्रंथ हैं- दि मीनिंग ऑफ मीनिंग (1923), साइंस एण्ड पोइट्री, वियोंड तथा इन्टरप्रेटेशन इन टीचिंग आदि।

19. बिम्बवाद का संबंध निम्नलिखित में से किस आचार्य से है-
(a) जार्ज लूकाच (b) एजरा पाउन्ड
(c) डेनियल बेल (d) जॉक देरिदा

Ans. (b) : बिम्बवाद का सम्बंध 'एजरा पाउंड' से है। बिम्बवाद पर एजरा पाउण्ड का कथन है- ''ऐसी कविता जिसमें चित्रकला और शिल्पकला मानों संवाद के लिए एकत्र हुए हों।'' बिम्बवाद को कभी-कभी विकास की निरंतर या सतत अवधि के बजाय रचनात्मक क्षणों के एक सिलसिले के रूप में देखा जाता है। हिन्दी साहित्य में बिम्ब का नवीन अर्थ- प्रतिपादन रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना द्वारा हुआ और उन्होंने अर्थ-ग्रहण पर बिम्ब ग्रहण को वरीयता दी।

20. आदिवासी विमर्श की मूल स्थापना नहीं है?
(a) सांस्कृतिक पहचान के लिए संघर्ष
(b) जनजातियों के विस्थापन का त्रास
(c) सत्ता के प्रति मोह
(d) जल-जंगल-जमीन पर अधिकार

Ans. (c) : 'सत्ता के प्रति मोह' आदिवासी विमर्श की मूल स्थापना नहीं है। आदिवासी विमर्श की मूल स्थापना इस प्रकार है- 1. सांस्कृतिक पहचान के लिए संघर्ष, 2. जनजातियों के विस्थापन का त्रास, 3. जल-जंगल-जमीन पर अधिकार। आदिवासी विमर्श बीसवीं सदी के अंतिम दशक में शुरू हुआ। यह अस्मितामूलक विमर्श है। इसके केन्द्र में आदिवासियों की जल, जंगल और जीवन की चिंताएँ हैं। आदिवासी विमर्श आदिवासी अस्मिता की पहचान, उसके अस्तित्व संबंधी संकट और उसके खिलाफ जारी प्रतिरोध का साहित्य है।

21. ''हमारे समाज के पुरुष के विवेकहीन जीवन का चित्र देखना हो तो, विवाह के समय गुलाब-सी खिली हुई, स्वस्थ बालिका को पाँच वर्ष बाद देख लीजिए। उस समय असमय प्रौढ़ हुई दुर्बल संतानों की रोगिणी पीली माता में कौन सी विवशता, कौन-सी रुला देने वाली करूणा न मिले।''
उपरोक्त कथन किस लेखिका का है?
(a) रमणिका गुप्ता (b) मन्नू भंडारी
(c) प्रभा खेतान (d) महादेवी वर्मा

Ans. (d) : ''हमारे समाज के पुरुष के विवेकहीन......... करुणा न मिले।'' कथन महादेवी वर्मा के शृंखला की कड़ियाँ से है। महादेवी वर्मा की रचनाएँ इस प्रकार हैं- नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा, सप्तपर्णा, प्रथम आयाम, अग्नि रेखा।

22. स्त्री-विमर्श की मूल स्थापना नहीं है:
(a) सतीत्व ही स्त्रीत्व है।
(b) स्त्री के स्वतंत्र व्यक्तित्व की स्वीकार्यता
(c) सामाजिक वर्जनाओं से मुक्ति
(d) परिवार संस्था का जनतांत्रीकरण

Ans. (a) : 'सतीत्व ही स्त्रीत्व है।' स्त्री विमर्श की मूल स्थापना नहीं है। स्त्री विमर्श की मूल स्थापना इस प्रकार हैं- (1) स्त्री के स्वतंत्र व्यक्तित्व की स्वीकार्यता, (2) सामाजिक वर्जनाओं से मुक्ति (3) परिवार संस्था का जनतांत्रीकरण। स्त्री विमर्श उस साहित्यिक आंदोलन को कहा जाता है जिसमें स्त्री अस्मिता को केंद्र में रखकर संगठित रूप से स्त्री साहित्य की रचना की गई। स्त्री विमर्श को अंग्रेजी में फेमिनिज्म कहा गया है। शुरूआत में हिन्दी में इसके लिए नारीवाद या मातृसत्तात्मक शब्द प्रचलन में रहा है।

23. मार्क्सवादी दर्शन के किस पक्ष से डॉ. भीमराव अंबेडकर की असहमति थी?
(a) श्रम की गरिमा
(b) वर्गविहीन समाज की स्थापना
(c) शोषणविहीन समाज की रचना
(d) क्रांति में हिंसा का प्रयोग

Ans. (d) : मार्क्सवादी दर्शन के 'क्रांति में हिंसा का प्रयोग' से डॉ. भीमराव अंबेडकर की असहमति थी। अन्य मार्क्सवादी पक्ष श्रम की गरिमा, वर्गविहीन समाज की स्थापना, शोषण-विहीन समाज की रचना में अंबेडकर जी की सहमति थी।

24. 'खड़ी बोली में इतना बड़ा काव्य अभी तक नहीं निकला है, बड़ी भारी विशेषता इस काव्य की यह है कि यह सारा संस्कृत के वर्णवृत्तों में है जिसमें अधिक परिमाण में रचना करना कठिन काम है।'
आ. रामचंद्र शुक्ल ने यह मत किस ग्रन्थ के लिये प्रकट किया है-
(a) साकेत (b) सांध्य अटन
(c) कामायनी (d) प्रिय प्रवास

Ans. (d) : ''खड़ी बोली में...........कठिन काम है।'' आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने यह मत 'प्रियप्रवास' के लिये प्रकट किया है। प्रियप्रवास के लेखक अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हैं। प्रियप्रवास के सन्दर्भ में हरिऔध जी ने कहा है- 'मैने श्रीकृष्ण को इस ग्रंथ में एक महापुरुष की भाँति अंकित किया है ब्रह्म के रूप में नहीं। कृष्ण के चरित्र की तरह प्रियप्रवास की राधा के चरित्र में नवीनता है। उसमें विरह की विकलता नहीं है व्यथा की गंभीरता है।''

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति मुक्तिबोध की नहीं है-
(a) चाँद का मुँह टेढ़ा है
(b) शुद्ध कविता की खोज
(c) काठ का सपना
(d) कामायनीः एक पुनर्विचार

Ans. (b) : 'शुद्ध कविता की खोज' मुक्तिबोध की रचना नहीं है बल्कि रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचना है। दिनकर की अन्य रचनाएँ इस प्रकार हैं- काव्य की भूमिका, पंत प्रसाद और मैथिलीशरण। 'चाँद का मुँह टेढ़ा है', 'काठ का सपना', 'कामायनीः एक पुनर्विचार' मुक्तिबोध की है।

26. धूमिल ने 'रोटी और संसद' कविता में कितने आदमियों का जिक्र किया है?
(a) चार (b) पांच
(c) दो (d) तीन

Ans. (d) : धूमिल ने 'रोटी और संसद' कविता में तीन आदमियों का जिक्र किया है। धूमिल ने कहा है-
" एक आदमी रोटी बेलता है, दूसरा खाता है।
एक तीसरा आदमी भी है
जो न रोटी बेलता है न रोटी खाता है
वह सिर्फ रोटी से खेलता है
मैं पूछता हूँ-
यह तीसरा आदमी कौन है?
मेरे देश की संसद मौन है।"

27. "हमारे समाज में मानवीय गुणों की पहचान बढ़ने वाली है। कुल और जाति का अहंकार विदा हो रहा है। आगे मनुष्य केवल उसी पद का अधिकारी होगा जो उसके अपने सामर्थ्य से सूचित होता है, उस पद का नहीं जो उसके माता-पिता या वंश की देन है।"
उपरोक्त कथन किस रचना की भूमिका से उद्धृत है?
(a) प्रिय-प्रवास (b) भारत-भारती
(c) रश्मिरथी (d) कुरुक्षेत्र

Ans. (c) : "हमारे समाज में............. वंश की देन है।"
कथन 'रश्मिरथी' की भूमिका से उद्धृत है। रश्मिरथी के रचनाकार रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं। रश्मिरथी का अर्थ है - 'सूर्य किरण रूपी रथ का सवार। यह एक खण्ड काव्य है। यह 1952 में प्रकाशित हुआ था। इसमें सात सर्ग हैं। इसमें कर्ण को महाभारत के कथानक से ऊपर उठाकर नैतिकता और विश्वसनीयता की नयी भूमि पर खड़ा कर गौरव से विभूषित कर दिया गया है।

28. तेरा-मेरा मनुआँ कैसे इक होई रे।
मैं कहता हौं आँखिन देखी, तू कहता कागद की लेखी।
उपर्युक्त पंक्तियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा मन्तव्य सही नहीं है:
(a) अनुभव को महत्व
(b) बाह्याडम्बर की प्रतिष्ठा
(c) लोक ज्ञान की महत्ता
(d) सहज बात को सहजता से कहना

Ans. (b) : तेरा-मेरा मनुआँ कैसे इक होई रे।
मैं कहता हौं आँखिन देखी, तू कहता कागज की लेखी। इन पंक्तियों के सन्दर्भ में बाह्याडम्बर की प्रतिष्ठा' मन्तव्य सही नहीं है। अनुभव को महत्त्व, लोक ज्ञान की महत्ता, सहज बात को सहजता से कहना कथन इन पंक्तियों के संदर्भ में सही हैं। यह पंक्ति कबीरदास की है।

29. "आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गये है।" रामचंद्र शुक्ल ने यह टिप्पणी किस कवि के सन्दर्भ में की है-
(a) बिहारी (b) विद्यापति
(c) रसखान (d) मलूकदास

Ans. (b) : "आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गये हैं।" रामचंद्र शुक्ल ने यह टिप्पणी कवि विद्यापति के सन्दर्भ में की है। विद्यापति की रचनाएँ हैं- कीर्तिलता, कीर्तिपताका, भूपरिक्रमा, पुरुषपरीक्षा, दानवाक्यावली, शैवसर्वस्व सार आदि।

30. माता-पिता के संबंध विच्छेद से प्रभावित बालक के त्रस्त जीवन की कथा पर आधारित उपन्यास है-
(a) एक इंच मुस्कान (b) अनुगूँज
(c) आपका बंटी (d) बेघर

Ans. (c) : माता-पिता के संबंध विच्छेद से प्रभावित बालक के त्रस्त जीवन की कथा पर आधारित उपन्यास 'आपका बंटी' है। 'आपका बंटी' उपन्यास की लेखिका मन्नू भण्डारी है। एक इंच मुस्कान के लेखक राजेन्द्र यादव व मन्नू भण्डारी है। 'बेघर' उपन्यास की लेखिका ममता कालिया हैं। अनुगूँज गीतांजलि श्री की कहानी है।

31. 'लछमी दासिन' निम्नलिखित में से किस उपन्यास की पात्र है-
(a) मैला आँचल (b) परती परिकथा
(c) जुलूस (d) कितने चौराहे

Ans. (a) : 'लछमी दासिन' मैला आँचल उपन्यास की पात्र है। मैला आँचल (1954 ई.) उपन्यास फणीश्वरनाथ 'रेणु' का है। ये आंचलिक उपन्यासकार है।
मैला आँचल में पूर्णिया जिले के मेरीगंज गाँव की कथा है। इसके अन्य पात्र- बावनदास, बालदेव, कालीचरण, रामखेलावन, रामदास, सेवादास, रामकिरपाल सिंह, कमली, डाक्टर, तहसीलदार, वासुदेव इत्यादि हैं। परती परिकथा (1957 ई.), जुलूस (1965 ई.) तथा कितने चौराहे (1966 ई.) उपन्यास-फणीश्वर 'रेणु' के हैं।

32. 'गोदान' उपन्यास का होरीराम अवध प्रांत के किस गाँव का रहने वाला किसान था?
(a) बेलारी (b) गंगौली
(c) शिवपाल गंज (d) पांडेपुर

Ans. (a) : 'गोदान' उपन्यास का होरी राम अवध प्रांत के बेलारी गाँव का रहने वाला किसान था।
'गोदान' (1936 ई.) उपन्यास में किसान जीवन की महागाथा एवं ऋण की समस्या का अंकन किया गया है। इसके लेखक-प्रेमचन्द हैं।
⇒ राही मासूम रजा के उपन्यास 'आधा गाँव' (1966 ई.) में गाजीपुर जिले के गंगोली गाँव के सैय्यद मुसलमानों की कथा है।
⇒ श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास 'रागदरबारी' (1968 ई.) में शिवपालगंज की जिन्दगी का यथार्थ चित्रण है।
⇒ प्रेमचन्द के उपन्यास 'रंगभूमि' (1925 ई.) में बनारस के पांडेपुर नामक स्थान का वर्णन है।

33. 'राग दरबारी' उपन्यास के पात्र हैं-
(a) मदन मोहन और बाबू बैजनाथ
(b) मास्टर मोतीराम और बाबू रामाधीन
(c) मास्टर शिंभूदयाल और पंडित पुरुषोत्तम दास
(d) काशीशाह और गंडासिंह

Ans. (b) : 'राग दरबारी' उपन्यास के पात्र हैं- मास्टर मोतीराम और बाबू रामाधीन। इस उपन्यास के अन्य पात्र हैं- वैद्य जी, रंगनाथ, रूप्पन बाबू, दरोगाजी, जोगनाथ, सनीचर, खन्ना मास्टर, बद्री पहलवान इत्यादि।
'राग दरबारी' (1968 ई.) उपन्यास के लेखक श्रीलाल शुक्ल हैं। इस उपन्यास में शिवपालगंज गाँव का चित्रण है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि पर रचित कहानी है-
(a) उसने कहा था (b) सिक्का बदल गया
(c) परिंदे (d) अमृतसर आ गया है

Ans. (a) : प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि पर रचित कहानी है- उसने कहा था। जो सन् 1915 ई. में 'सरस्वती' पत्रिका में छपी थी। यह प्रथम विश्व युद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखी गई प्रेम-संवेदना की कहानी है। 'उसने कहा था' 'फ्लैश बैक (पूर्व दीप्ति)' पद्धति पर लिखी हिन्दी की प्रथम कहानी है। इसके लेखक चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' हैं। इनकी अन्य कहानियाँ हैं- बुद्धू का काँटा, सुखमय जीवन।

35. मानव-प्रवृत्तियों अथवा मनोविकारों को पात्र के रूप में उपस्थित कर नाटकीय- द्वन्द्व की सृष्टि करने वाला जयशंकर 'प्रसाद' का नाटक है :
(a) विशाख (b) कामना
(c) सज्जन (d) प्रायश्चित

Ans. (b) : मानव प्रवृत्तियों अथवा मनोविकारों को पात्र के रूप में उपस्थित कर नाटकीय- द्वन्द्व की सृष्टि करने वाला जयशंकर प्रसाद का नाटक है- 'कामना'।
'कामना' (1927 ई.) नाटक संस्कृत के 'प्रबोध चन्द्रोदय' की भाँति 'अन्योपदेशिक' नाटक है। इसमें भावनाओं को नाटकीय पात्रों का रूप दिया गया है।

36. 'इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ने का काम इस युग के साहित्य में वांछनीय नहीं है।' अपने किस नाटक की भूमिका में लक्ष्मीनारायण मिश्र ने जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक – सांस्कृतिक नाटकों की प्रतिक्रिया में यह बात कही?
(a) संन्यासी (b) मुक्ति का रहस्य
(c) सिन्दूर की होली (d) राजयोग

Ans. (a) : "इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ने का काम इस युग के साहित्य में वांछनीय नहीं है।" 'संन्यासी' (1930 ई.) नाटक की भूमिका में लक्ष्मीनारायण मिश्र ने जयशंकर प्रसाद के ऐतिहासिक-सांस्कृतिक नाटकों की प्रतिक्रिया में यह बात कही।
मुक्ति का रहस्य (1932 ई.), सिन्दूर की होली (1934), राजयोग (1933 ई.) ये सभी नाटक लक्ष्मीनारायण मिश्र जी के हैं।

37. 'नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है, तो उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध बना देता है।'- ये संवाद-अंश किस नाटक का है?
(a) लहरों के राजहंस
(b) आषाढ़ का एक दिन
(c) ध्रुवस्वामिनी
(d) स्कन्दगुप्त

Ans. (a) : "नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है, तो उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध बना देता है।" ये संवाद 'लहरों के राजहंस' नाटक का है।
'लहरों के राजहंस' (1963 ई. ऐतिहासिक नाटक) की रचना मोहन राकेश ने अश्वघोष के महाकाव्य 'सौन्दरानन्द' के आधार पर की है।
⇒ 'आषाढ़ का एक दिन' (1958 ई.) नाटक- मोहन राकेश का है।
⇒ 'ध्रुवस्वामिनी' (1933 ई.) तथा 'स्कन्दगुप्त' (1928 ई.) नाटक जयशंकर प्रसाद का है।

38. आभिजात्य वर्गीय परिवार की कठोर अनुशासनबद्धता के जुल्म और विद्रोह तथा मशीनी जिंदगी से मुक्ति का चित्रण निम्नलिखित में से किस नाटक की विषय वस्तु है?
(a) कैद (b) अलग अलग रास्ते
(c) अंजो दीदी (d) उड़ान

Ans. (c) : आभिजात्य वर्गीय परिवार की कठोर अनुशासनबद्धता के जुल्म और विद्रोह तथा मशीनी जिन्दगी से मुक्ति का चित्रण 'अंजो दीदी' नाटक की विषयवस्तु है। 'अंजो दीदी' (1955 ई.) उपेन्द्रनाथ अश्क का नाटक है। कैद, उड़ान, अलग-अलग रास्ते (1954 ई.) आदि नाटक उपेन्द्रनाथ 'अश्क' के हैं।

39. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा श्रृंखला का कौन सा भाग है?
(a) चौथा (b) तीसरा
(c) दूसरा (d) पहला

Ans. (d) : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा शृंखला का पहला भाग है।
हरिवंशराय 'बच्चन' की आत्मकथा के चार भाग हैं जो इस प्रकार है-
प्रथम- 1969 ई. – क्या भूलूँ क्या याद करूँ
द्वितीय- 1970 ई. – नीड़ का निर्माण फिर
तृतीय- 1978 ई. – बसेरे से दूर
चतुर्थ- 1985 ई. – दश द्वार से सोपान तक।

40. 'मुक्तिबोध की आत्मकथा' कृति के लेखक हैं-
(a) विष्णुचंद्र शर्मा (b) नामवर सिंह
(c) रमेशचंद्र शाह (d) हंसराज रहबर

Ans. (a) : 'मुक्तिबोध' की आत्मकथा' कृति के लेखक- विष्णुचंद्र शर्मा हैं। यह जीवनी विधा की रचना है।
⇒ हंसराज रहबर की जीवनी विधा-'योद्धा संन्यासी विवेकानन्द' है।

41. निम्नलिखित में से कौन-सी बातें केशवदास के बारे में रामचंद्र शुक्ल ने कही हैं?
A. केशव को कवि हृदय नहीं मिला था।
B. उनमें वह सहृदयता और भावुकता भी न थी जो एक कवि में होनी चाहिए।
C. वे संस्कृत साहित्य से सामग्री लेकर अपने पांडित्य और रचना कौशल की धाक जमाना चाहते थे।
D. अपनी रचनाओं में उन्होंने (केशव ने) संस्कृत साहित्य की उक्तियों से परहेज किया है।
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनियेः
(a) केवल A, B, C (b) केवल A, B, D
(c) केवल A, D, C (d) केवल B, C, D

Ans. (a) : आचार्य केशवदास के बारे में रामचन्द्र शुक्ल ने कहाः-
1. केशव को कवि हृदय नहीं मिला था।
2. उनमें वह सहृदया और भावुकता भी न थी जो एक कवि में होनी चाहिए।
3. वे संस्कृत साहित्य से सामग्री लेकर अपने पांडित्य और रचना कौशल की धाक जमाना चाहते थे।
अपनी रचनाओं में केशव ने संस्कृत साहित्य की उक्तियों से परहेज न करके उसका खूब प्रयोग किया है इसीलिए शुक्ल जी ने केशवदास को 'कठिन काव्य का प्रेत' कहा। रामस्वरूप चतुर्वेदी ने केशवदास की रामचन्द्रिका को 'छंदो का अजायबघर' कहा।

42. संविधान के अनुच्छेद 343 में संघ की राजभाषा के बारे में निम्नलिखित में से कौन- से प्रावधान किए गए हैं?
A. संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी होगी।
B. शासकीय प्रयोजनों के लिए भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप मान्य होगा।
C. राजभाषा के बारे में राष्ट्रपति एक आयोग का गठन करेंगे।
D. उच्चन्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय की संपूर्ण कार्यवाही अंग्रेजी भाषा में ही होगी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनियेः
(a) केवल A और C (b) केवल A और B
(c) केवल B, C और D (d) केवल A, B और C

Ans. (b) : संविधान के अनुच्छेद 343 में संघ की राजभाषा के बारे में किये गये प्रावधानों में संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी तथा शासकीय प्रयोजनों के लिए भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप मान्य होगा, शामिल है जबकि राजभाषा के बारे में राष्ट्रपति द्वारा एक आयोग के गठन की बात तथा उच्च एवं उच्चतम न्यायालय की संपूर्ण कार्यवाही अंग्रेजी में होने की बात असंगत है।

43. हरिकृष्ण प्रेमी के नाटकों के मुख्य स्वर हैं:
A. स्वातंत्र्योत्तर नये भावबोध का विकास
B. प्रखर राष्ट्रीय चेतनायुक्त ऐतिहासिकता
C. साम्प्रदायिक सौहार्द की मूल्य चेतना
D. पश्चिमी बौद्धिकता का प्राधान्य
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (b) : हरिकृष्ण प्रेमी के नाटकों के मुख्य स्वरों में प्रखर राष्ट्रीय चेतनायुक्त ऐतिहासिकता एवं साम्प्रदायिक सौहार्द की मूल्य चेतना है जबकि स्वातंत्र्योत्तर नये भावबोध का विकास एवं पश्चिमी बौद्धिकता का प्राधान्य हरिकृष्ण प्रेमी के नाटकों का स्वर नहीं है। हरिकृष्ण प्रेमी प्रसादोत्तर युगीन ऐतिहासिक नाटककार हैं। स्वप्न भंग (1940), आहुति (1940), उद्धार (1949), प्रकाश स्तम्भ (1954), कीर्ति स्तम्भ (1955), शतरंज के खिलाड़ी (1955), संरक्षक (1958), साँपो की सृष्टि (1959), रक्तदान (1962), आन का मान (1962), अमर आन (1964), अमर बलिदान (1968), अमृत पुत्री (1970) इत्यादि इनके प्रसिद्ध नाटक हैं।

44. विश्वविद्यालयी परिसर के जीवन पर आधारित उपन्यास हैं-
A. परिशिष्ट
B. चक्रव्यूह
C. अपने अपने चेहरे
D. धूपछाँही रंग
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनियेः
(a) केवल A और C (b) केवल B और D
(c) केवल C और D (d) केवल A और B

Ans. (d) : विश्वविद्यालयी परिसर के जीवन पर आधारित उपन्यास 'परिशिष्ट' एवं 'चक्रव्यूह' है। परिशिष्ट (1984 ई.) में तकनीकी शिक्षा संस्थानों में हरिजन विरोधी वातावरण का चित्रण है। यह गिरिराज किशोर का उपन्यास है और 'अपने-अपने चेहरे (1994)' प्रभा खेतान का उपन्यास जिसमें अपनी जमीन तलाशती हुयी स्त्री 'रमा' की कहानी है जबकि 'धूप छाँही रंग (1970)' गिरीश अस्थाना का उपन्यास है जिसमें द्वितीय विश्व युद्ध और दफ्तर की जिन्दगी का बड़े पैमाने पर चित्रण है।

45. निम्नलिखित में से रामभक्ति शाखा के कवि हैं:
A. स्वामी अग्रदास
B. नाभादास
C. हृदयराम
D. स्वामी हरिदास
E. कृपाराम
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये :
(a) केवल A, B, C (b) केवल A, B, D, E
(c) केवल B, C, D, E (d) केवल A, C, D, E

Ans. (a) : रामभक्ति शाखा के कवियों में स्वामी अग्रदास, नाभादास एवं हृदयराम हैं। अग्रदास की रचनाओं में रामध्यानमंजरी, अष्टयाम या रामाष्टयाम, ध्यान मंजरी जबकि नाभादास की रचनाओं में अष्टयाम और भक्तमाल है। हृदयराम का हनुमन्नाटक (1623 ई.) है। स्वामी हरिदास कृष्ण भक्ति शाखा के सखी संप्रदाय के स्थापनाकर्त्ता थे, जिनकी रचना केलिमाल प्रसिद्ध है तथा कृपाराम की हिततरंगिणी है।

46. निम्नलिखित में स्त्री विमर्श पर आधारित उपन्यास है-
A. समय सरगम
B. एक जमीन अपनी
C. एक चिथड़ा सुख
D. मुझे चाँद चाहिए
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल B और D (d) केवल C और D

Ans. (c) : दिये गये विकल्पों में 'चित्रा मुद्गल' का उपन्यास 'एक जमीन अपनी' और 'सुरेन्द्र वर्मा' का 'मुझे चाँद चाहिए' स्त्री विमर्श पर आधारित उपन्यास है। 'समय सरगम' कृष्णा सोबती का तथा 'एक चिथड़ा सुख' निर्मल वर्मा का उपन्यास है। अन्य उपन्यास हैं-

उपन्यासकार	**उपन्यास**
चित्रा मुद्गल-	आवाँ, गिलिगडु, पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा।
सुरेन्द्र वर्मा-	अँधेरे से परे, दो मुर्दों के लिए गुलदस्ता।
कृष्णा सोबती-	मित्रो मरजानी, जिन्दगीनामा, दिलोदानिश, सूरजमुखी अँधेरे के।
निर्मल वर्मा-	वे दिन, लाल टिन की छत, रात का रिपोर्टर, अन्तिम अरण्य।

47. निम्नलिखित में दंत्य वर्ण हैं:
A. 'ड' B. 'ढ'
C. 'द' D. 'ध'
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) केवल A, B, C (b) केवल B, C, D
(c) केवल A, B, D (d) केवल C, D

Ans. (d) : 'द' और 'ध' दंत्य वर्ण हैं। वर्ण एवं उसके उच्चारण स्थान हैं-

स्थान	**वर्ण**
कण्ठ	- क, ख, ग, घ, ङ
तालव्य	- च, छ, ज, झ, ञ, श, य
मूर्धन्य	- ट, ठ, ड, ढ, ण, ष
दंत्य	- त, थ, द, ध
ओष्ठ्य	- प, फ, ब, भ, म
वर्त्स्य (दंत मूल से)	- न, स, र, ल
दन्तोष्ठ्य	- व, फ

48. गिरिराज किशोर द्वारा रचित उपन्यास हैं-
A. जुगलबन्दी
B. ओस की बूँद
C. लोग
D. झरोखे
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए
(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल C और D (d) केवल B और C

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : 'जुगलबन्दी' और 'लोग' गिरिराज किशोर द्वारा रचित उपन्यास हैं जबकि 'ओस की बूँद' राही मासूम रजा का तथा झरोखे भीष्म साहनी का चर्चित उपन्यास है। परिशिष्ट, चिड़ियाघर, ढाई घर, पहला गिरमिटिया आदि गिरिराज किशोर के अन्य प्रमुख उपन्यास हैं। राही मासूम रजा के प्रमुख उपन्यास हैं- आधा गाँव, टोपी शुक्ला, हिम्मत जौनपुरी, दिल एक सादा कागज, सीन 75 और कटरा बी आर्जू आदि। तमस, मय्यादास की माड़ी, कुंतो, नीलू नीलिमा नीलोफर भीष्म साहनी के प्रमुख उपन्यास हैं। भीष्म साहनी के तमस उपन्यास में भारत विभाजन की साम्प्रदायिक विभीषिका का चित्रण किया गया है।

49. निर्मल वर्मा की कहानियों की दुनिया हैं-

A. हताश और आत्मपरक नायकों की
B. अकेलेपन और अलगाव की
C. प्रतिरोध और विद्रोह की
D. राष्ट्रीय चेतना की

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये :

(a) केवल A और C (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (b) : निर्मल वर्मा की कहानियाँ हताशा और आत्मपरक नायकों की तथा अकेलेपन एवं अलगाव की दुनिया है। निर्मल वर्मा की कहानियाँ अभिव्यक्ति और शिल्प की दृष्टि से बेजोड़ हैं। इन्होंने साहित्य सृजन कम ही किया है परन्तु जितना लिखा है उतने से ही उनकी ख्याति फैल गयी है। निर्मल वर्मा की प्रमुख रचनाएँ हैं-

उपन्यास–वे दिन, लाल टिन की छत, एक चिथड़ा सुख, रात का रिपोर्टर, अन्तिम अरण्य।

कहानियाँ–जलती झाड़ी, पिछली गर्मियों में, बीच बहस में, कव्वे और काला पानी, परिन्दे इत्यादि।

50. रस के संबंध में कहा गया है-

A. रस को अलौकिक आनन्द कहा गया है।
B. रस को अलौकिक आनन्द लाक्षणिक अर्थ में कहा गया है।
C. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने भी रस के अलौकिकत्व का समर्थन किया है।
D. भरतमुनि ने रस निष्पत्ति संबंधी सिद्धांत अपने पूर्व नाटककार भास से ग्रहण किया है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (a) : रस को अलौकिक आनन्द कहा गया है। इसे लाक्षणिक अर्थ में अलौकिक आनन्द कहा गया है। रस सूत्र के प्रवर्तक आचार्य भरतमुनि हैं। इनका कथन है- "जिस प्रकार अनेक प्रकार के व्यंजनों से युक्त अन्न भोग करते हुए स्वस्थ पुरुष आनन्द की प्राप्ति करते हैं, उसी प्रकार सहृदयजन रस का आनन्द लेते हैं।" भरतमुनि ने आठ रसों का उल्लेख किया है। रस सूत्र के व्याख्याता एवं उनके मत हैं-

आचार्य	**सिद्धान्त**	**दर्शन**
भट्टलोल्लट	उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	मीमांसा दर्शन
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय दर्शन
भट्टनायक	भुक्ति/भोगवाद	सांख्य दर्शन
अभिनवगुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव दर्शन

51. रूसी रूपवाद के प्रतिकूल अवधारणाएँ कौन सी हैं?

A. रसवाद B. मार्क्सवाद
C. कलावाद D. संरचनावाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल A और C (b) केवल A और B
(c) केवल B और D (d) केवल C और D

Ans. (b) : रूसी रुपवाद के प्रतिकूल अवधारणाओं में रसवाद एवं मार्क्सवाद हैं जबकि कलावाद एवं संरचनावाद रुसी रुपवाद के अनुकूल अवधारणाएँ हैं। हिंदी साहित्य के रीतिकालीन कवि चिंतामणि रसवादी आचार्य हैं। नगेन्द्र भी मूलतः रसवादी आलोचक हैं। मार्क्सवाद कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एगेल्स और लेनिन के विचारों का संग्रह है जिसमें आर्थिक-राजनीतिक और आर्थिक सिद्धांतों का समुच्चय है।

52. निम्नलिखित में से रामविलास शर्मा की पुस्तकें हैं-

A. आलोचना के मान
B. प्रेमचंद और उनका युग
C. परंपरा का मूल्यांकन
D. नयी कविता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल B और C (b) केवल A और B
(c) केवल C और D (d) केवल A और D

Ans. (a) : मार्क्सवादी आलोचक रामविलास शर्मा की पुस्तकों में 'प्रेमचन्द और उनका युग (1952 ई.)' एवं 'परंपरा का मूल्यांकन (1981 ई.) हैं जबकि 'आलोचना के मान (1958 ई.)' एवं 'नयी कविता : सीमाएँ और सम्भावनाएँ' गिरिजाकुमार माथुर की कृतियाँ हैं।

53. निम्नलिखित में से दिनकर काव्य की विशेषताएँ कौन-सी है-

A. जातिवादी व्यवस्था का विरोध
B. सपाट बयानी
C. युद्ध का तात्विक चिंतन और शोषण का विरोध
D. व्यक्ति स्वातंत्र्य की प्रतिष्ठा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (b) : राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा के कवि रामधारी सिंह दिनकर के काव्य की विशेषताओं में जातिवादी व्यवस्था का विरोध एवं युद्ध का तात्विक चिंतन और शोषण का विरोध शामिल है, जबकि सपाट बयानी एवं व्यक्ति स्वातंत्र्य की प्रतिष्ठा जैसी विशेषताएँ क्रमशः धूमिल, अज्ञेय आदि में मिलती है जो नयी कविता, प्रयोगवाद आदि से संबद्ध हैं।

54. निम्नलिखित में से माखनलाल चतुर्वेदी की रचनाएँ हैं-

A. स्वर्णधूलि B. हिमकिरीटिनी
C. विष्णुप्रिया D. हिमतरंगिनी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल C और D (b) केवल A और B
(c) केवल B और D (d) केवल A और C

Ans. (c) : राष्ट्रीय-सांस्कृतिक धारा के कवि माखनलाल चतुर्वेदी की रचना हिमकिरीटिनी (1943 ई.) एवं हिमतरंगिणी (1949 ई.) है जबकि विष्णुप्रिया (1957 ई.) मैथिलीशरण गुप्त की एवं स्वर्णधूलि (1947 ई.) सुमित्रानंदन पंत की रचना है।

55. निम्नलिखित में से कौन-से अज्ञेय के काव्य हैं-

(A) भग्नदूत (B) आत्मा की आँखें
(C) आत्महत्या के विरुद्ध (D) चिंता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल A और C (b) केवल A और D
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : दिये गये विकल्पों में भग्नदूत (1933 ई.) एवं चिंता (1942 ई.) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के काव्य हैं जबकि आत्मा की आँखे (1964 ई.) तथा 'आत्महत्या के विरुद्ध (1967)' रघुवीर सहाय का काव्य है।

56. निम्नलिखित में से कौन-सी जयशंकर प्रसाद की कविताएँ हैं-

A. करुणामय को भाता है, तम के परदे में आना
B. मधुप गुनगुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी
C. मेरी आँखों की पुतली में तू बनकर प्रान समा जा रे
D. गा, कोकिल बरसा पावक कण! नष्ट भ्रष्ट हो जीर्ण पुरातन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल D और B (b) केवल B और C
(c) केवल A और D (d) केवल C और D

Ans. (b) : मधुप गुनगुनाकर कह जाता कौन कहानी यह अपनी (आत्म कथ्य कविता) एवं मेरी आँखों की पुतली में तू बनकर प्रान समा जा रे (मेरी आँखों की पुतली में कविता) छायावादी कवि जयशंकर 'प्रसाद' की है जबकि करुणामय को भाता है, तम के परदे में आना महादेवी वर्मा का एवं गा, कोकिल बरसा पावक कण सुमित्रानंदन पंत की कविता है।

57. 'झूठा-सच' उपन्यास के पात्र हैं-

A. तारा, जयदेव B. रणवीर, देवव्रत
C. सोमराज, रावत D. सप्पन बाबू, सनीचर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल A और C (b) केवल A और B
(c) केवल B और C (d) केवल A, B और C

Ans. (a) : यशपाल द्वारा रचित उपन्यास झूठा-सच के पात्र उपर्युक्त विकल्पों से तारा, जयदेव एवं सोमराज, रावत हैं जबकि रुप्पन बाबू, सनीचर (मंगल) राग दरबारी (श्रीलाल शुक्ल) के पात्र हैं।

58. जगदीशचन्द्र द्वारा रचित उपन्यास हैं-

A. धरती धन न अपना B. यथा प्रस्तावित
C. किस्सा गुलाम D. मुट्ठी भर काँकर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल B और C (b) केवल A और D
(c) केवल C और D (d) केवल B और D

Ans. (b) : जगदीशचन्द्र द्वारा रचित उपन्यास धरती धन न अपना (1972 ई.) एवं मुट्ठीभर काँकर (1976 ई.) है। 'धरती धन न अपना' पंजाब के ग्रामीण दलित जीवन पर आधारित है और 'मुट्ठी भर काँकर' पंजाबी शरणार्थियों के दुःख और संघर्ष की कहानी है। 'किस्सा गुलाम' रमेश चन्द्र शाह का उपन्यास है जबकि 'यथा प्रस्तावित' गिरिराज किशोर का उपन्यास है।

59. निम्नलिखित में से 'स्कन्दगुप्त' नाटक में देवसेना द्वारा गाए अथवा प्रस्तुत किए गए गीत कौन-से हैं?

A. भरा नैनों में मन में रूप। किसी छलिया का अमल अनूप।
B. माझी। साहस हैं खे लोगे। जर्जर तरी भरी पथिकों से- झड़ में क्या खोलोगे?
C. उमड़ कर चली भिगोने आज तुम्हारा निश्चल अंचल छोर
D. शून्य गगन में खोजता जैसे चंद्र निराश राका में रमणीय यह किसका मधुर प्रकाश

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल A और D (b) केवल A और B
(c) केवल A और C (d) केवल C और D

Ans. (a) : 'स्कन्दगुप्त' नाटक में देवसेना द्वारा प्रस्तुत किये गए गीतों में 'भरा नैनों में मन में रूप। किसी छलिया का अमल अनूप।' एवं 'शून्य गगन में खोजता जैसे चंद्र निराश, राका में रमणीय यह किसका मधुर प्रकाश' है जबकि अन्य गीतों का देवसेना से संबंध नहीं है।

60. भारतेन्दु की निम्नलिखित मौलिक नाटयरचनाओं में कौन-से प्रहसन हैं?

A. वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति
B. नीलदेवी
C. अंधेरनगरी
D. भारत दुर्दशा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल A और C

Ans. (d) : भारतेन्दु द्वारा रचित मौलिक नाट्य रचनाओं में वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1873 ई.) जो सामाजिक, धार्मिक विसंगति पर व्यंग्य है तथा अंधेरनगरी (1881 ई.) जो राजा की मूर्खता, अन्याय और अँधेरगर्दी पर तीखा व्यंग्य है, प्रहसन है, जबकि नीलदेवी (1881) गीतरूपक है तथा भारत दुर्दशा (1880 ई.) नाट्य रासक या लास्य रूपक है।

61. शरद जोशी द्वारा रचित निबंध संग्रह हैं-

A. जीप पर सवार इल्लियां
B. विषकन्या
C. यत्र तत्र सर्वत्र
D. आडू का पेड़

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल B और C (d) केवल C और D

Ans. (b) : शरद जोशी द्वारा रचित निबंध संग्रह 'जीप पर सवार इल्लियाँ एवं 'यत्र तत्र सर्वत्र' है जबकि 'विषकन्या' रवीन्द्रनाथ त्यागी का निबंध संग्रह है एवं 'आडू का पेड़' रमेशचन्द्र शाह का निबंध संग्रह है। शरद जोशी के अन्य चर्चित निबंध संग्रहों में यथा संभव, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, किसी बहाने, रहा किनारे बैठ, तिलस्मी, दूसरी सतह आदि शामिल हैं।

62. हरिशंकर परसाई द्वारा रचित निबंध संग्रह हैं:

A. तुलसीदास चंदन घिसे
B. अपनी अपनी बीमारी
C. बबूल और कैक्टस
D. एक भोर जुगुनूँ की

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल A और D (d) केवल B और D

Ans. (a) : 'तुलसीदास चंदन घिसैं' (1986) एवं 'अपनी-अपनी बीमारी' (1972) संग्रह प्रसिद्ध व्यंग्यात्मक निबंधकार हरिशंकर परसाई द्वारा रचित हैं जबकि बबूल और कैक्टस रामदरश मिश्र का निबंध है एवं एक भोर जुगुनूँ की ललित निबंधकार नर्मदा प्रसाद उपाध्याय का निबंध संग्रह है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

63. नामवर सिंह द्वारा रचित पुस्तकें हैं-

A. कहानीः नई कहानी
B. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
C. इतिहास और आलोचना
D. भक्तिकाव्य और लोकजीवन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनियेः

(a) केवल A और B (b) केवल B और C
(c) केवल C और D (d) केवल A और C

Ans. (d) : नामवर सिंह द्वारा रचित पुस्तकों में कहानी : नई कहानी (1965) एवं इतिहास और आलोचना (1957) जैसे आलोचना ग्रंथ शामिल है जबकि साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका (1989) मैनेजर पाण्डेय एवं भक्तिकाव्य और लोक जीवन (1983) शिवकुमार मिश्र की आलोचनात्मक पुस्तक है।

64. निम्नलिखित काव्य कृतियों में से कौन-सी रचनाएँ सन् 1936 में प्रकाशित हुई थीः

A. कामायनी B. गुंजन
C. राम की शक्तिपूजा D. पल्लव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिएः

(a) केवल A और B (b) केवल A और C
(c) केवल A और D (d) केवल C और D

Ans. (b) : उपर्युक्त में दी हुई काव्यकृतियों में कामायनी (जयशंकर प्रसाद) एवं राम की शक्ति पूजा (सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला) सन् 1936 ई. में प्रकाशित हुई थी जबकि गुंजन (सुमित्रानंदन पंत) 1932 ई. में तथा पल्लव (सुमित्रानंदन पंत) 1928 ई. में प्रकाशित हुई थी।

65. आचार्य शुक्ल के अनुसार अमीर खुसरो के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सी बातें सही हैं?

A. कबीर की अपेक्षा खुसरो का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था।
B. खुसरो का लक्ष्य जनता का मनोरंजन था।
C. खुसरो के समय में बोलचाल की स्वाभाविक भाषा घिस कर बहुत कुछ उसी रूप में आ गयी थी जिस रूप में खुसरों में मिलती है।
D. खुसरो धर्मोपदेशक थे, अतः उनकी बानी पोथियों की भाषा का सहारा लिए हुए है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिएः

(a) केवल A, B, C (b) केवल A, C, D
(c) केवल A, B, D (d) A, B, C, D

Ans. (a) : 'कबीर की अपेक्षा खुसरो का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था, खुसरो का लक्ष्य जनता का मनोरंजन था एवं खुसरो के समय में बोलचाल की स्वाभाविक भाषा घिस कर बहुत कुछ उसी रूप में आ गयी थी जिस रूप में खुसरो में मिलती है' ये प्रमुख बातें आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने 'हिंदी साहित्य के इतिहास' में खुसरो के विषय में कही है जबकि 'खुसरो धर्मोपदेशक थे, अतः उनकी बानी पोथियों की भाषा का सहारा लिए हुए है' कथन शुक्ल जी के कथनों से मेल नहीं खाता है अतः असंगत है।

66. निम्नलिखित बोली-वर्गो को उनसे संबद्ध बोलियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I वर्ग	सूची-II बोली
A. पश्चिमी हिंदी	I. मेवाती
B. पूर्वी हिंदी	II. बुंदेली
C. बिहारी हिंदी	III. बघेली
D. राजस्थानी	IV. मगही

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिएः

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-III, C-IV, D-I
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-IV, B-I, C-II, D-III

Ans. (b) : उपर्युक्त बोली-वर्गों का उनके संबद्ध बोलियों के साथ सुमेलन इस प्रकार हैः-

सूची-I वर्ग	सूची-II बोली
(1) पश्चिमी हिंदी	बुंदेली
(2) पूर्वी हिंदी	बघेली
(3) बिहारी हिंदी	मगही
(4) राजस्थानी	मेवाती

67. निम्नलिखित कवियों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
A. चिंतामणि त्रिपाठी	I. छत्र प्रकाश
B. भूषण	II. काव्य प्रकाश
C. देव	III. छत्रसालदशक
D. लाल कवि	IV. रसविलास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिएः

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-III, C-IV, D-I
(c) A-III, B-IV, C-I, D-II
(d) A-IV, B-I, C-II, D-III

Ans. (b) : उपरिलिखित कवियों का उनकी रचनाओं के साथ सुमेलन इस प्रकार हैः-

सूची-I कवि	सूची-II रचना
(1) चिंतामणि त्रिपाठी	काव्य प्रकाश
(2) भूषण	छत्रसाल दशक
(3) देव	रस विलास
(4) लाल कवि	छत्र प्रकाश

68. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध कहानियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
A. विशंभर	I. माया दर्पण
B. रणजीत	II. दुलाईवाली
C. तरन	III. आहुति
D. नवलकिशोर	IV. मिस पाल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिएः

(a) A-I, B-II, C-III, D-IV
(b) A-II, B-III, C-IV, D-I
(c) A-IV, B-I, C-II, D-III
(d) A-III, B-IV, C-I, D-II

Ans. (d) : दिये गये पात्रों का उनसे संबद्ध कहानियों के साथ सुमेलन इस प्रकार हैः-

सूची-I पात्र	सूची-II कहानी	सूची-III कहानीकार
(1) विशंभर	आहुति	प्रेमचन्द
(2) रणजीत	मिस पाल	मोहन राकेश
(3) तरन	माया दर्पण	निर्मल वर्मा
(4) नवल किशोर	दुलाईवाली	बंग महिला

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

69. निम्नलिखित निबंध संग्रहों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
A. आस्था और सौन्दर्य	I. अध्यापक पूर्ण सिंह
B. अनुसंधान और आलोचना	II. नामवर सिंह
C. आचरण की सभ्यता	III. नगेन्द्र
D. वाद विवाद संवाद	IV. रामविलास शर्मा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-III, C-I, D-II
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-III, B-IV, C-II, D-I

Ans. (a) : उपर्युक्त निबंध संग्रहों का उनके लेखकों के साथ सुमेलन इस प्रकार है:-

सूची-I	**सूची-II**
निबंध संग्रह	**लेखक**
(1) आस्था और सौन्दर्य (1961 ई.)	रामविलास शर्मा
(2) अनुसंधान और आलोचना (1961 ई.)	डॉ. नगेन्द्र
(3) आचरण की सभ्यता	अध्यापक पूर्ण सिंह
(4) वाद विवाद संवाद (1989 ई.)	नामवर सिंह

70. सूची-I में दिए गए कवियों को सूची-II में दिए गए कविता-संग्रहों से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. रघुवीर सहाय	I. काठ की घंटियाँ
B. केदारनाथ सिंह	II. आत्महत्या के विरुद्ध
C. कुँवर नारायण	III. आत्मजयी
D. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	IV. जमीन पक रही है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-III, B-II, C-I, D-IV
(b) A-II, B-IV, C-I, D-III
(c) A-III, B-I, C-II, D-IV
(d) A-II, B-IV, C-III, D-I

Ans. (d) : उपर्युक्त कवियों का उनके कविता संग्रहों के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	**सूची-II**
कवि	**कविता-संग्रह**
(1) रघुवीर सहाय	आत्महत्या के विरुद्ध
(2) केदारनाथ सिंह	जमीन पक रही है
(3) कुँवर नारायण	आत्मजयी
(4) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	काठ की घंटियाँ

71. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. आनंद कादम्बिनी	I. सदानंद मिश्र
B. समालोचक	II. राधाचरण गोस्वामी
C. भारतेन्दु	III. प्रेमघन
D. सार सुधानिधि	IV. चंद्रधर शर्मा गुलेरी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-IV, C-I, D-III
(b) A-I, B-III, C-IV, D-II
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I
(d) A-IV, B-I, C-III, D-II

Ans. (c) : पत्रिकाओं का उनके संपादकों के साथ सुमेलन इस प्रकार है-

सूची-I	**सूची-II**
पत्रिका	**संपादक**
(1) आनंद कादम्बिनी	प्रेमघन
(2) समालोचक	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(3) भारतेन्दु	राधाचरण गोस्वामी
(4) सार सुधानिधि	सदानंद मिश्र

72. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध उपन्यासों से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. महंत रामदास	I. तमस
B. मुरादअली	II. झूठा सच
C. कंचन	III. मानस का हंस
D. कैलासनाथ	IV. मैला आँचल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-II, B-III, C-IV, D-I
(d) A-III, B-IV, C-II, D-I

Ans. (a) : उपर्युक्त दिये गये उपन्यास के पात्रों का उनके उपन्यासों के साथ सुमेलन इस प्रकार है:-

सूची-I	**सूची-II**
पात्र	**उपन्यास**
(1) महंत रामदास	मैला आँचल- रेणु
(2) मुराद अली	तमस - भीष्म साहनी
(3) कंचन	झूठा सच - यशपाल
(4) कैलासनाथ	मानस का हंस - अमृतलाल नागर

73. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. कालिन्दी चरण	I. गैंग्रीन
B. मालती	II. पत्नी
C. शामनाथ	III. जिन्दगी और गुलाब
D. सुबोध	IV. चीफ की दावत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A-II, B-I, C-IV, D-III
(b) A-I, B-II, C-III, D-IV
(c) A-III, B-IV, C-II, D-I
(d) A-IV, B-II, C-I, D-III

Ans. (a) : दिये गये पात्रों का उनसे संबद्ध कहानियों के साथ सुमेलन इस प्रकार हैं-

सूची-I	**सूची-II**
पात्र	**कहानी-कहानीकार**
(1) कालिन्दी चरण	पत्नी – जैनेन्द्र कुमार
(2) मालती	गैंग्रीन – अज्ञेय
(3) शामनाथ	चीफ की दावत – भीष्म साहनी
(4) सुबोध	जिन्दगी और गुलाब – उषा प्रियंवदा

74. हिंदी की लोकनाट्य शैलियों को प्रदेशों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. सांग	I. उत्तर प्रदेश
B. नौटंकी	II. मालवा (मध्यप्रदेश)
C. माच	III. छत्तीसगढ़
D. नाचा	IV. हरियाणा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-IV, B-I, C-II, D-III
(b) A-II, B-I, C-III, D-IV
(c) A-IV, B-III, C-II, D-I
(d) A-III, B-I, C-IV, D-II

Ans. (a) : हिन्दी की लोकनाट्य शैलियों का उनके प्रदेशों के साथ सुमेलन इस प्रकार है:-

सूची-I लोक नाट्य शैली	सूची-II प्रदेश
(1) सांग	हरियाणा
(2) नौटंकी	उत्तर प्रदेश
(3) माच	मालवा (मध्य प्रदेश)
(4) नाचा	छत्तीसगढ़

75. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
A. रम्य कल्पना	I. टी.एस. इलिएट
B. मूल्य सिद्धांत	II. आई. ए. रिचर्ड्स
C. परंपरा की अवधारणा	III. सैमुअल टेलर कॉलरिज
D. उत्तर आधुनिकतावाद	IV. रोला बार्थ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A-II, B-IV, C-III, D-I
(b) A-IV, B-III, C-II, D-I
(c) A-III, B-II, C-I, D-IV
(d) A-IV, B-I, C-III, D-II

Ans. (c) : पाश्चात्य विचारको के काव्य सिद्धांतों का उनके सिद्धांतकारों के साथ सुमेलन इस प्रकार है:-

सूची-I सिद्धांत	सूची-II विचारक
(1) रम्य कल्पना	सैमुअल टेलर कॉलरिज
(2) मूल्य सिद्धांत	आई. ए. रिचर्ड्स
(3) परंपरा की अवधारणा	टी. एस. इलिएट
(4) उत्तर आधुनिकतावाद	रोलाँ बार्थ

76. निम्नलिखित भाषाओं को विकास के उनके क्रम में व्यवस्थित कीजिए:
A. प्राचीन संस्कृत
B. शौरसेनी
C. लौकिक संस्कृत
D. पश्चिमी हिंदी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A, C, B, D (b) A, B, C, D
(c) B, C, A, D (d) C, D, A, B

Ans. (a) : भाषाओं का विकास क्रम के अनुसार व्यवस्थित रूप इस प्रकार है:-
1. प्राचीन संस्कृत : वैदिक संस्कृत
2. लौकिक संस्कृत : संस्कृत
3. शौरसेनी : पश्चिमी हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती, पहाड़ी
4. पश्चिमी हिंदी : ब्रज, बुंदेली, कन्नौजी, कौरवी या खड़ी बोली, हरियाणवी

77. निम्नलिखित निबंध संग्रहो का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है-
A. कला का जोखिम
B. ठेले पर हिमालय
C. प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ
D. गंधमादन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A, B, C, D (b) B, C, D, A
(c) C, D, A, B (d) C, B, D, A

Ans. (d) : निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम इस प्रकार है-

निबंध संग्रह	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ	1954 ई.	डॉ रामविलास शर्मा
ठेले पर हिमालय	1958 ई.	धर्मवीर भारती
गंधमादन	1972 ई.	कुबरेनाथ राय
कला का जोखिम	1981 ई.	निर्मल वर्मा

78. निम्नलिखित अवधारणाओं का काल क्रम के अनुसार सही क्रम बताइए-
A. यथार्थवाद B. विखंडनवाद
C. उत्तर आधुनिकतावाद D. उत्तर संरचनावाद

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) B, A, C, D (b) C, B, A, D
(c) A, D, C, B (d) D, C, B, A

Ans. (c) : अवधारणाओं का कालक्रम के अनुसार सही क्रम हैं-

अवधारणा	कालक्रम
(1) यथार्थवाद	16-17वीं शताब्दी
(2) उत्तर संरचनावाद	20वीं शताब्दी का मध्य
(3) उत्तर आधुनिकतावाद	20वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध
(4) विखंडनवाद	1967 ई.

79. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित कविता संग्रहों का सही अनुक्रम है-
A. नदी की बांक पर छाया
B. कितनी नावों में कितनी बार
C. पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ
D. इत्यलम्

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A, D, C, B (b) D, B, C, A
(c) A, B, C, D (d) B, A, D, C

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से अज्ञेय के कविता संग्रहों का सही अनुक्रम इस प्रकार है:-

(1) इत्यलम	1946 ई.
(2) कितनी नावों में कितनी बार	1967 ई.
(3) पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ	1973 ई.
(4) नदी की बांक पर छाया	1981 ई.

80. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइए:
A. मानस का हंस
B. पीढ़ियाँ
C. खंजन नयन
D. सुहाग के नूपुर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) A, B, C, D (b) B, C, D, A
(c) C, B, A, D (d) D, A, C, B

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार अमृतलाल नागर के उपन्यासों का सही अनुक्रम इस प्रकार है:–

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष
सुहाग के नूपुर	1960 ई.
मानस का हंस	1972 ई.
खंजन नयन	1981 ई.
पीढ़ियाँ	1990 ई.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

81. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है:

A. एक और द्रोणाचार्य B. भूख आग है
C. बकरी D. देहान्तर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए

(a) C, A, D, B (b) C, B, D, A
(c) A, C, B, D (d) B, C, D, A

Ans. (a) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से नाटकों का सही अनुक्रम है-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
(1) बकरी	1974 ई.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(2) एक और द्रोणाचार्य	1977 ई.	शंकर शेष
(3) देहान्तर	1987 ई.	आचार्य नंदकिशोर
(4) भूख आग है	1998 ई.	कृष्णबलदेव वैद्य

82. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबंध संग्रहों का सही क्रम है-

A. आदि अंत और आरंभ
B. शिरीष की याद आई
C. रेती के फूल
D. त्रिशंकु

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) C, B, A, D (b) B, C, D, A
(c) A, B, C, D (d) D, C, B, A

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार निबंध संग्रहों का सही क्रम है-

निबन्ध संग्रह	**प्रकाशन वर्ष**	**निबन्धकार**
(1) त्रिशंकु	1945 ई.	अज्ञेय
(2) रेती के फूल	1954 ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'
(3) शिरीष की याद आई	1995 ई.	विद्यानिवास मिश्र
(4) आदि अंत और आरंभ	2001 ई.	निर्मल वर्मा

83. निम्नलिखित दलित आत्मकथाओं को प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. जूठन
B. शिकंजे का दर्द
C. मुर्दहिया
D. अपने अपने पिंजरे

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) D, A, C, B (b) A, D, C, B
(c) C, A, B, D (d) B, C, D, A

Ans. (a) : दलित आत्मकथाओं का प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम-

दलित आत्मकथा	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
(1) अपने अपने पिंजरे	(1995 दो भाग में)	मोहनदास नैमिशराय
(2) जूठन	1997 ई.	ओमप्रकाश वाल्मीकि
(3) मुर्दहिया	2010 ई.	तुलसीराम
(4) शिकंजे का दर्द	2011 ई.	सुशीला टाकभौरे

84. मार्क्सवादी समीक्षकों की निम्नलिखित रचनाओं को प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए:

A. रामविलास शर्मा - भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परंपरा
B. रांगेय राघव- प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड
C. मुक्तिबोध- कामायनी एवं पुनर्विचार
D. शिव कुमार मिश्र – मार्क्सवादी साहित्य चिंतनः इतिहास तथा सिद्धांत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) D, A, B, C (b) C, D, B, A
(c) A, B, C, D (d) B, C, D, A

Ans. (d) : मार्क्सवादी समीक्षकों की रचनाओं का प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम –

मार्क्सवादी समीक्षक	**रचनाएँ**	**प्रकाशन वर्ष**
(1) रांगेय राघव -	प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड-	1954 ई.
(2) मुक्तिबोध -	कामायनी एक पुनर्विचार -	1961 ई.
(3) शिव कुमार मिश्र -	मार्क्सवादी साहित्य चिंतनः इतिहास तथा सिद्धांत-	1973 ई.
(4) रामविलास शर्मा-	भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा-	1975 ई.

85. निम्नलिखित कवियों को उनके जन्म वर्ष के आधार पर व्यवस्थित कीजिए -

A. मतिराम B. बिहारी
C. देव D. जसवंत सिंह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) A, C, D, B (b) C, B, A, D
(c) D, A, B, C (d) B, A, D, C

Ans. (d) : कवियों का उनके जन्म वर्ष के आधार पर व्यवस्थित क्रम –

कवि	**जन्म वर्ष**
(1) बिहारी	1595 ई.
(2) मतिराम	1617 ई.
(3) जसवंत सिंह	1626 ई.
(4) देव	1673 ई.

86. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को स्थापना (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।
स्थापना (A): संचारी भावों के उन्मेष द्वारा सहृदय सामाजिक में रस निष्पन्न होता है।
तर्क (R): भरत के रससूत्र के व्याख्याकारों ने इसी तथ्य को अलग-अलग तर्कों से पुष्ट किया है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) सही (R) गलत
(d) (A) गलत (R) सही

Ans. (b) : स्थापना (A): संचारी भावों के उन्मेष द्वारा सहृदय सामाजिक में रस निष्पन्न होता है। तथा
तर्क : (R): भरत के रससूत्र के व्याख्याकारों ने इसी तथ्य को अलग-अलग तर्कों से पुष्ट किया है।
उपर्युक्त कथन (A) और (R) दोनों गलत हैं।
क्योंकि भरतमुनि ने अपनी पुस्तक 'नाट्यशास्त्र' के छठें अध्याय में 'रस सूत्र' की व्याख्या इस प्रकार की है-
"विभावानुभावव्यभिचारि संयोगाद्रसनिष्पत्तिः"
अर्थात् विभाव, अनुभाव और व्यभिचारी भावों (संचारी भाव) के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है।

87. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को स्थापना (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।
स्थापना (A) : प्रेम निजी भाव है, साहित्य में उसका चित्रण असामाजिक हो जाता है।
तर्क (R) : क्योंकि प्रेम का चित्रण मांसल ही होता है, जिसके कारण उसमें अश्लीलता आ जाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) गलत (R) सही
(d) (A) सही (R) गलत

Ans. (a) : स्थापना (A) : प्रेम निजी भाव है, साहित्य में उसका चित्रण असामाजिक हो जाता है। तथा
तर्क (R) : क्योंकि प्रेम का चित्रण मांसल ही होता है, जिसके कारण उसमें अश्लीलता आ जाती है।
उपर्युक्त कथन (A) और (R) दोनों गलत हैं।

88. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन-I: समर्पण सगुण भक्ति का मूल है।
कथन-II: भक्ति आंदोलन एकमात्र अद्वैतवाद से प्रभावित रहा।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) कथन I और II दोनों गलत है।
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (c) : कथन I : समर्पण सगुण भक्ति का मूल है। तथा
कथन II : भक्ति आंदोलन एकमात्र अद्वैतवाद से प्रभावित रहा।
उपर्युक्त कथन I सत्य है, किन्तु कथन II गलत है।
क्योंकि समर्पण सगुण भक्ति का मूल है। कथन सत्य है लेकिन भक्ति आन्दोलन एकमात्र अद्वैतवाद से ही प्रभावित नहीं रहा बल्कि भक्ति आन्दोलन और कई वादों से प्रभावित रहा जैसे- इस्लाम का एकेश्वरवाद, शंकराचार्य का अद्वैतवाद, रामानुजाचार्य का विशिष्ट द्वैतवाद तथा बल्लभाचार्य का शुद्धाद्वैतवाद से प्रभावित रहा।

89. नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक को स्थापना (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।
स्थापना (A) : शास्त्रीय विधानों में लोकात्मकता का स्पष्ट झुकाव है।
तर्क (R): इसीलिए अभिनय के धर्मीगत स्वभाव के अनुकूल लोकधर्मी और नाट्यधर्मी भेदों का शास्त्रीय विधान हुआ है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर चुनें:
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(c) (A) गलत (R) सही
(d) (A) सही (R) गलत

Ans. (a) : स्थापना (A) : शास्त्रीय विधानों में लोकात्मकता का स्पष्ट झुकाव है।
तर्क (R) : इसीलिए अभिनय के धर्मीगत स्वभाव के अनुकूल लोकधर्मी और नाट्यधर्मी भेदों का शास्त्रीय विधान हुआ है।
उपर्युक्त कथन (A) और (R) दोनों सही है।

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं:
कथन-I: दलित लेखन स्थापित सांस्कृतिक व्यवस्था का विरोध कर सामाजिक समता का प्रस्ताव करता है।
कथन-II: दलित लेखन राममनोहर लोहिया के समाजवादी वैचारिक दर्शन से सर्वाधिक प्रभावित है।
उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:
(a) कथन I और II दोनों सही हैं।
(b) कथन I और II दोनों गलत हैं।
(c) कथन I सत्य है, किन्तु कथन II गलत है।
(d) कथन I असत्य है, किन्तु कथन II सही है।

Ans. (c) : कथन I : दलित लेखन स्थापित सांस्कृतिक व्यवस्था का विरोध कर सामाजिक समता का प्रस्ताव करता है।
कथन II : दलित लेखन राममनोहर लोहिया के समाजवादी वैचारिक दर्शन से सर्वाधिक प्रभावित है।
उपर्युक्त कथन I सत्य, किन्तु कथन II गलत है।
क्योंकि दलित साहित्य से तात्पर्य दलित जीवन और उसकी समस्याओं को केन्द्र में रखकर हुए लेखन से है। दलितों को हिन्दू समाज व्यवस्था में सबसे निचले पायदान पर होने के कारण न्याय, शिक्षा, समानता तथा स्वतंत्रता आदि मौलिक अधिकारों से भी वंचित रखा गया।

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
"संत साहित्य का प्रसार भारतीय संस्कृति के इतिहास में एक अनूठी घटना थी, उस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। अचानक संस्कृति- प्रभुत्व जो सैकड़ों साल से चला आ रहा था, खत्म होता दिखायी दिया। जनता की संस्कृति, जिसे पुरोहितों ने अबतक दबाया था, पुष्पित और पल्लवित होने लगी। जो लोग खुलकर पुरोहित के खिलाफ एक शब्द न कह सकते थे, अब खुलेआम उन्हें चुनौती देने लगे। इसका कारण क्या था। क्या सामंती व्यवस्था के कमजोर हुए बिना यह संभव था? 16वीं सदी के लगभग- शेरशाह और अकबर के शासन-काल में उत्तर भारत की सामंती व्यवस्था काफी कमजोर हुई। नहरें खुदने और सड़कें बनने से यातायात में उन्नति हुई। एक तरह की मुद्रा के चलन से व्यापार में सुविधा हुई। राज्य और काश्तकार में सीधा संबंध स्थापित होने से जनपदों का अलगाव कम हुआ; बारूद के इस्तेमाल से केन्द्रीय राज्यसत्ता जागीरदारों की स्वच्छन्दता कम करके उन्हें आपने मातहत कर सकी; यूरोप में भारत का व्यापार बहुत बड़े पैमाने पर आगे बढ़ा; उत्तर भारत में शहरों की संख्या ही नहीं बढ़ी, उनकी जनसंख्या और उनका व्यवसायी महत्त्व भी बढ़ा। जगह-जगह अपने अधिकारों के लिए जनता ने संघर्ष किए और इस तरह भी उसकी एकता बढ़ी। इन परिस्थितियों में सामंती ढाँचा जर्जर हुआ। उस ढाँचे के भी व्यापारियों द्वारा पैदा किए पूंजीवादी संबंध जन्म लेने लगे। पुराने जनपदों का अलगाव काफी दूर हुआ और वे मिलकर एक जाति (नेशन) के रूप में संगठित होने लगे। भक्ति आंदोलन इस जातीय आंदोलन का सांस्कृतिक प्रतिबिम्ब था।"

91. 'भक्ति आंदोलन जातीय आंदोलन का सांस्कृतिक प्रतिबिम्ब था' से लेखक का आशय है-
(a) भक्ति आंदोलन ने भारत के सर्वांगीण विकास को बाधित किया।
(b) भक्ति आंदोलन ने सामंती व्यवस्था को तोड़ने का काम किया।
(c) भक्ति आंदोलन ने भारत की गरीब जनता को भी मुक्ति का मार्ग दिखाया।
(d) भक्ति आंदोलन ने यूरोप से भारत का व्यापार बढ़ाने में मदद की।

Ans. (b) : 'भक्ति आंदोलन जातीय आन्दोलन का सांस्कृतिक प्रतिबिम्ब था' से लेखक का आशय है- भक्ति आन्दोलन ने सामंती व्यवस्था को तोड़ने का काम किया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

92. जाति (नेशन) के संगठन में बाधक तत्त्व कौन सा है?
(a) नहरें खुदना और सड़कें बनना
(b) शहरों की जनसंख्या में वृद्धि होना
(c) पूंजीवादी संबंधों का जन्म लेना
(d) केन्द्रीय राज्यसत्ता द्वारा जागीरदारों की स्वच्छन्दता को प्रश्रय देना

Ans. (d) : जाति (नेशन) के संगठन में बाधक तत्व है- केन्द्रीय राज्यसत्ता द्वारा जागीरदारों की स्वच्छंदता को प्रश्रय देना।

93. ''संस्कृति प्रभुत्व'' से लेखक का संकेत किस संस्कृति के प्रभुत्व से है?
(a) लोक संस्कृति का प्रभुत्व
(b) पूंजीवादी संस्कृति का प्रभुत्व
(c) श्रम-संस्कृति का प्रभुत्व
(d) पुरोहितों की संस्कृति का प्रभुत्व

Ans. (d) : ''संस्कृति प्रभुत्व'' से लेखक का संकेत 'पुरोहितों की संस्कृति का प्रभुत्व' से है।

94. लेखक के अनुसार संत साहित्य का प्रसार किस अर्थ में अनूठा था?
(a) संतों ने पूरे देश में भक्ति का प्रसार किया।
(b) संतों ने जनता की संस्कृति को फैलाने में मदद की।
(c) संतों ने सामंती व्यवस्था को कमजोर किया।
(d) संतों ने सगुण की जगह निर्गुण को महत्व दिया।

Ans. (b) : लेखक के अनुसार संत साहित्य का प्रसार निम्न अर्थ में अनूठा था – संतो ने जनता की संस्कृति को फैलाने में मदद की।

95. शेरशाह और अकबर के शासन काल के कौन से गुण ने भक्ति आंदोलन को फैलने में मदद पहुँचायी?
(a) उनके द्वारा बारूद का व्यापक तौर पर इस्तेमाल।
(b) उनका विस्तृत, उदारवादी और स्थायी साम्राज्य
(c) हिन्दुओं के प्रति उनकी उदारवादी नीति
(d) उनके द्वारा देश-विदेश में व्यापार को प्रश्रय देना

Ans. (b) : शेरशाह और अकबर के निम्न गुण ने भक्ति आन्दोलन को फैलाने में मदद पहुँचायी- उनका विस्तृत, उदारवादी और स्थायी साम्राज्य।

निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

साहित्य का संबंध व्यक्ति और राष्ट्रीय जीवन से है। जगत की परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना वह रह ही नहीं सकता, इसीलिए कि वह स्वयं जगत का ही एक अंग है। जीवन में जो क्रियाएं हो रही हैं साहित्यकार में उनकी प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक और अनिवार्य है। समाज का प्रभाव साहित्यकार पर न पड़े, यह असंभव है। हाँ, साहित्यकार पलायन अवश्य कर सकता है, आँख बंद कर सकता है जैसा कि दरबारी कवियों ने किया। आज की परिस्थितियाँ बिल्कुल भिन्न हैं। पात्रों और परिस्थिति का ख्याल रखना जरुरी है, क्योंकि इनका ख्याल रखे बिना रस का उद्रेक नहीं हो सकता। कोरा शब्दाडंबर टिकाऊ नहीं। साहित्यकार तो सामान्य व्यक्तियों की अपेक्षा कहीं अधिक सहृदय, संवेदनशील प्राणी होता है कि अपने देश और काल की ठीक-ठीक परिस्थितियों का निर्भीक चित्रण करे। यदि देश दुखी है और भूख, गुलामी और शोषण का शिकार है और साहित्यकार इन सब क्लेशों की उपेक्षा करके मौज का राग अलापता है तो वह राष्ट्रीय जीवन से कोसों दूर है, वह राष्ट्र के प्रति, साहित्य के प्रति विश्वासघात करता है। उसे साहित्यकार कहलाने का अधिकार नहीं है। साहित्यकार फोटोग्राफर मात्र नहीं है। यह उचित है कि साहित्यकार समाज का दोष जाने, परन्तु केवल उसी के यथार्थ-चित्रण से साहित्यकार का कर्त्तव्य पूरा नहीं हो पाता पर साहित्यकार प्रचारक नहीं है इसका अर्थ यह नहीं है कि उसकी रचना की सामाजिक उपादेयता नहीं होती। हमारे प्राचीन, संस्कृत के साहित्याचार्यों ने साहित्य को उपादेयता की आधार-भूमि पर प्रतिष्ठित किया है। अशिव की क्षति साहित्य का बड़ा पुनीत अनुष्ठान है। कोई साहित्यकार राष्ट्र के लिए उपयोगी साहित्य का सृजन कर रहा है, इस बात की अकेली पहचान यह है कि साहित्यकार सत्य तथा राष्ट्रीयता को अपनी श्रद्धानुसार जिस रूप में ग्रहण करे, उसी रूप में निर्भयतापूर्ण व्यक्त करे, भागे नहीं।

96. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
(a) साहित्यकार प्रचारक नहीं है।
(b) साहित्यकार रचना की सामाजिक उपादेयता नहीं है।
(c) साहित्यकार फोटोग्राफर के समकक्ष है।
(d) कोरा शब्दाडंबर भी टिकाऊ है।

Ans. (a) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर सही कथन है- साहित्यकार प्रचारक नहीं है। इसका अर्थ यह नहीं है कि उसकी रचना की सामाजिक उपादेयता नहीं होती।

97. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?
(a) रचना की सामाजिक उपादेयता होती है।
(b) साहित्यकार पर समाज का प्रभाव पड़ना आवश्यक नहीं है।
(c) साहित्य का संबंध राष्ट्रीय जीवन से है।
(d) दरबारी कवियों ने पलायन किया।

Ans. (b) : साहित्यकार पर समाज का प्रभाव पड़ना आवश्यक नहीं है। उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर कथन सही नहीं है।

98. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर राष्ट्र के लिए उपयोगी साहित्य- सर्जक की पहचान क्या है?
(a) पात्रों और परिस्थितियों के प्रति निरपेक्षता
(b) साहित्यकार की संवेदनहीनता
(c) सत्य का ग्रहण और निर्भयतापूर्ण अभिव्यक्ति
(d) सामाजिक पीड़ा की उपेक्षा

Ans. (c) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर राष्ट्र के लिए उपयोगी साहित्य सर्जक की पहचान- सत्य का ग्रहण और निर्भयतापूर्ण अभिव्यक्ति है।

99. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर साहित्य का पुनीत अनुष्ठान क्या है?
(a) रसानुभूति की अपेक्षा (b) यथार्थ की उपेक्षा
(c) मौज का राग अलापना (d) अशिव की क्षति

Ans. (d) : उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर साहित्य का पुनीत अनुष्ठान अशिव की क्षति है।

100. उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर साहित्यकार के लिए पात्रों और परिस्थितियों का ख्याल रखना क्यों जरूरी है?
(a) साहित्य के प्रति विश्वासघात के लिए
(b) शब्दांडबर के लिए
(c) रस के उद्रेक के लिए
(d) प्रचार के लिए

Ans. (c) : साहित्यकार के लिए पात्रों और परिस्थितियों का ख्याल रखना रस के उद्रेक के लिए जरूरी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. एनटीए नेट/जेआरएफ परीक्षा, दिसम्बर-2019
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र
विश्लेषण सहित व्याख्या

समय : 2 घण्टा] **[पूर्णाङ्क : 200**

1. निम्नलिखित में से किस कहानी में नौकरी के सिलसिले में बाहर रहने के कारण गजाधर बाबू की लंबी अनुपस्थिति उन्हें परिवार के ढाँचे से बाहर कर देती है?

(a) चीफ की दावत (b) वापसी
(c) दोपहर का भोजन (d) बूढ़ी काकी

Ans. (b) : दी गई कहानियों में से 'वापसी' कहानी में नौकरी के सिलसिले में बाहर रहने के कारण गजाधर बाबू की लम्बी अनुपस्थिति उन्हें परिवार के ढ़ाँचे से बाहर कर देती है। 'वापसी' कहानी की लेखिका उषा प्रियंवदा हैं। 'चीफ की दावत' भीष्म साहनी द्वारा लिखित कहानी है। इसका मुख्य पात्र शामनाथ है जो माँ जैसे रिश्ते की अवहेलना करके भी तरक्की पाना चाहता है। भीष्म साहनी इस कहानी के माध्यम से ऐसी मानसिकता पर करारा चोट करते हैं और यह संदेश देते हैं कि मूल से जुड़े बिना तरक्की सम्भव नहीं। 'दोपहर का भोजन' अमरकान्त द्वारा लिखित कहानी है। सिद्धेश्वरी इस कहानी की प्रमुख महिला पात्र है। इस कहानी के माध्यम से एक भारतीय नारी द्वारा अपने पति एवं पुत्रों के लिए नित्यप्रति त्याग एवं संघर्ष को व्यक्त किया गया है जिसकी गणना कहीं भी नहीं की जाती है। 'बूढ़ी काकी' मुंशी प्रेमचन्द द्वारा लिखित कहानी है जिसके द्वारा बुजुर्गों के प्रति उदासीनता की भावना को तगड़े कथा-शिल्प के माध्यम से व्यक्त किया गया है।

2. प्रेमचंद की किन कहानियों में देशी रियासतों के राजाओं का चरित्र और वहाँ चलने वाली राजनीतिक गतिविधियों का चित्रण मिलता है?

(A) रियासत का दीवान
(B) पंच परमेश्वर
(C) शतरंज के खिलाड़ी
(D) बड़े भाई साहब

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (D) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (C) (d) (B) और (D)

Ans. (c) : 'रियासत का दीवान' और 'शतरंज के खिलाड़ी' मुंशी प्रेमचन्द की इन दो कहानियों में देशी रियासतों के राजाओं का चरित्र और वहाँ चलने वाली राजनीतिक गतिविधियों का चित्रण मिलता है। पंच परमेश्वर कहानी में अलगू-जुम्मन की मित्रता एवं न्याय के महत्त्व को व्यक्त किया गया है। 'बड़े भाई साहब' कहानी के माध्यम से बड़े होने की आड़ में निकम्मेपन की हद को व्यक्त किया गया है।

3. द्विवेदीयुगीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ हैं:

(A) समाजसुधार (B) गीतिकाव्य की प्रचुरता
(C) स्वच्छन्दता (D) इतिवृत्तात्मकता

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (B) और (A)
(c) (A) और (D) (d) (D) और (C)

Ans. (c) : दी गई प्रवृत्तियों में समाज सुधार एवं इतिवृत्तात्मकता द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ हैं। डॉ. नगेन्द्र ने द्विवेदी युग को 'जागरण सुधार काल' नाम से अभिहित किया है और इसकी समयावधि 1900 ई. से 1918 ई. तक माना है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने द्विवेदी युग को 'नई धारा द्वितीय उत्थान' के अन्तर्गत रखा है तथा इसकी समयावधि सन् 1893 ई. से 1918 ई. तक माना है। इस युग का नाम आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर रखा गया है।

4. बिम्ब के अनिवार्य तत्व हैं:

(A) विवरणात्मकता
(B) कल्पना
(C) सपाटबयानी
(D) ऐन्द्रियता

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (B) और (D) (b) (B) और (A)
(c) (D) और (C) (d) (A) और (D)

Ans. (b) : 'कल्पना' एवं 'विवरणात्मकता' बिम्ब के अनिवार्य तत्त्व हैं। 'बिम्ब' शब्द अंग्रेजी के 'इमेज' शब्द का हिन्दी रूपान्तर है जिसका अर्थ है- मूर्त रूप प्रदान करना। काव्य में बिम्ब को वह शब्द चित्र माना जाता है जो कल्पना द्वारा ऐन्द्रिय अनुभवों के आधार पर निर्मित होता है। बिम्ब पदार्थ नहीं बल्कि उसकी प्रतिकृति या प्रतिच्छवि है, सृष्टि नही पुनस्सृष्टि है। डॉ. नगेन्द्र के अनुसार- 'काव्य बिम्ब शब्दार्थ के माध्यम से कल्पना द्वारा निर्मित एक ऐसी मानस छवि है जिसके मूल में भाव प्रेरणा होती है।' बिम्ब के मूलतः तीन तत्त्व हैं- कल्पना, भाव एवं ऐन्द्रिकता।

5. अपने काव्य-सिद्धान्त की निर्मिति के लिए किस पाश्चात्य आचार्य ने 'सहजानुभूति' की अवधारणा का सहारा लिया है?

(a) मैथ्यू आर्नाल्ड (b) क्रोचे
(c) लौंजाइनस (d) इलियट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : आचार्य क्रोचे ने अपने काव्य सिद्धान्त की निर्मिति के लिए 'सहजानुभूति' की अवधारणा का सहारा लिया है। क्रोचे 'अभिव्यंजनावाद' के प्रवर्तक हैं। इन्होंने 'इस्थेटिक' नामक ग्रंथ इतालवी भाषा में लिखा है, जो दो भागो में विभाजित है। प्रथम भाग में सौन्दर्य शास्त्र का सैद्धान्तिक विवेचन है तथा द्वितीय भाग में सौन्दर्य शास्त्र का इतिहास है। इनके सौन्दर्य विवेचन का आधार आत्मवाद है।

6. प्रकाशन काल के अनुसार निम्नलिखित निबंध संग्रहों का सही अनुक्रम है:

(a) शिरीष की याद आई, अर्द्धनारीश्वर, अशोक के फूल, शृंखला की कड़ियाँ

(b) शिरीष की याद आई, अशोक के फूल, शृंखला की कड़ियाँ, अर्द्धनारीश्वर

(c) शृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल, अर्द्धनारीश्वर, शिरीष की याद आई

(d) अर्द्धनारीश्वर, शिरीष की याद आई, शृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल

Ans. (c) : प्रकाशनकाल के अनुसार निम्नलिखित निबंध संग्रहों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

रचना	रचनाकार	प्रकाशन काल
शृंखला की कड़ियाँ	महादेवी वर्मा	1942 ई.
अशोक के फूल	हजारी प्रसाद द्विवेदी	1948 ई.
अर्द्धनारीश्वर	रामधारी सिंह 'दिनकर'	1952 ई.
शिरीष की याद आई	विद्यानिवास मिश्र	1995 ई.

7. निर्देशः इस प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason) (R)। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

स्थापना (Assertion) (A): दलित चिन्तन और साहित्य में अभिव्यक्त मनुष्य गांधी का हरिजन ही हो।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि दलित साहित्य में मुख्यतः बाबासाहब अंबेडकर के सामाजिक, राजनीतिक चिन्तन को अपनाया गया है।

विकल्पः

(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) सही (R) सही

(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) गलत

Ans. (b) : दलित चिन्तन और साहित्य में अभिव्यक्त मनुष्य गाँधी का हरिजन ही है, कथन (A) सही है परन्तु दलित साहित्य में मुख्यतः बाबा साहब अम्बेडकर के सामाजिक, राजनीतिक चिंतन को अपनाया गया है। अतः कारण (R) भी सही है।

8. निम्नलिखित में से हिन्दी के यात्रा वृत्तान्त हैं:

(A) याद हो कि न याद हो

(B) अरे यायावर रहेगा याद

(C) आखिरी चट्टान तक

(D) जिनकी याद हमेशा रहेगी

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (B) और (D) (b) (A) और (B)

(c) (A) और (D) (d) (B) और (C)

Ans. (d) : प्रश्नगत विकल्प (B) और (C) हिन्दी के यात्रा वृतान्त हैं। निम्नलिखित रचनाएँ एवं उनकी विधाएँ इस प्रकार हैं-

रचनाएँ	विधा	रचनाकार
याद हो कि न याद हो	संस्मरण	काशीनाथ सिंह
अरे यायावर रहेगा याद	यात्रावृतान्त	अज्ञेय
आखिरी चट्टान तक	यात्रावृतान्त	मोहन राकेश
जिनकी याद हमेशा रहेगी	संस्मरण	अमृत राय

9. निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित काव्य हैं:

(A) तितली

(B) उर्वशी

(C) इरावती

(D) झरना

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (D)

(c) (C) और (D) (d) (B) और (C)

Ans. (b) : प्रश्नगत विकल्प में (B) और (D) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित काव्य है। निम्नलिखित रचनाएँ तथा उनकी विधाएँ-

रचनाएँ	विधा	रचनाकार
तितली	उपन्यास	जयशंकर प्रसाद
उर्वशी	काव्य	जयशंकर प्रसाद
इरावती	उपन्यास	जयशंकर प्रसाद
झरना	काव्य	जयशंकर प्रसाद

10. निम्नलिखित में से गीतिनाट्य हैं:

(A) अग्नि लीक

(B) उन्मुक्त

(C) नेपथ्य राग

(D) त्रिशंकु

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (B) और (C) (b) (A) और (B)

(c) (A) और (D) (d) (A) और (C)

Ans. (b) : प्रश्नगत विकल्प में और गीतिनाट्य विधा की रचना है। निम्नलिखित रचनाएं एवं उनकी विधाएं-

रचनाएँ	विधा	रचनाकार
अग्नि लीक	गीतिनाट्य	भारत भूषण अग्रवाल
उन्मुक्त	गीतिनाट्य	सियाराम शरण गुप्त
नेपथ्यराग	नाटक	मीराकान्त
त्रिशंकु	निबन्ध	अज्ञेय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

11. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों को उसके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (काव्यपंक्तियाँ)	सूची-II (रचनाकार)
(A) पंडिअ सअल सत्त बक्खाणई। देहि बुद्धि बसंत ण जाणइ।।	(i) कण्हपा
(B) बारह बरिस लै कूकर जीएँ औ तेरह ले जिएं सियार	(ii) सरहपा
(C) बड़ कौसल तुअ राधे, किनल कन्हाई लोचन आधे।।	(iii) जगनिक
(D) जाती ओछा पाती ओछा जनमु हमार	(iv) विद्यापति
	(v) रैदास

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(v)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(v), (D)- (iii)
(c) (A)-(iii), (B)-(i), (C)-(v), (D)-(ii)
(d) (A)-(i), (B)-(v), (C)-(iii), (D)-(iv)

Ans. (a) : निम्नलिखित काव्य पंक्तियां एवं उनके रचनाकारों का सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

काव्य पंक्तियां	रचनाकार
(a) पंडिअ सअल सत्त बक्खाणई। देहि बुद्ध बसंत ण जाणइ	(ii) सरहपा
(b) बारह बरिस लै कूकर जीएँ औ तेरह लै जिएँ सियार	(iii) जगनिक
(c) बड़ कौसल तुअ राधे, किनल कन्हाई लोचन आधे।।	(iv) विद्यापति
(d) जाती ओछा पाती ओछा ओछा जनमु हमार	(v) रैदास

12. 'अच्छी हिन्दी बस एक ही व्यक्ति लिखता था'- यह कथन किस आलोचक ने किसके बारे में कहा था?

(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने निराला के बारे में
(b) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने बालमुकुंद गुप्त के बारे में
(c) रामचन्द्र शुक्ल ने जयशंकर प्रसाद के बारे में
(d) नंददुलारे वाजपेयी ने महावीरप्रसाद द्विवेदी के बारे में

Ans. (b) : 'अच्छी हिन्दी बस एक ही व्यक्ति लिखता था' यह कथन आलोचक महावीर प्रसाद द्विवेदी ने बालमुकुंद गुप्त के बारे में कहा था।

13. 'न खास हिन्दी, न खास उर्दू जबान गोया मिली-जुली हो'- उपर्युक्त कथन किसका है?

(a) शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' (b) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(c) राजा लक्ष्मण सिंह (d) जॉर्ज ग्रियर्सन

Ans. (a) : 'न खास हिन्दी, न खास उर्दू जबान गोया मिली-जुली हो।' उक्त कथन शिवप्रसाद 'सितारे हिंद' का है। मानवधर्म सार, वाममनरंजन, आलसियों का कोड़ा, राजा भोज का सपना, इतिहास तिमिर नाशक इनके द्वारा रचित ग्रंथ हैं–

14. निम्नलिखित में से कौन-से कथन रामविलास शर्मा के हैं?

(A) साहित्य की प्रचारात्मकता का प्रश्न सामाजिक जीवन की यथार्थता की कसौटी पर हल किया जा सकता है।
(B) वास्तविक जीवन-तथ्यों को ओझल रखकर श्रेष्ठ साहित्य की रचना की जा सकती है।
(C) पिछली संस्कृति से नाता तोड़कर हवा में नई संस्कृति को जन्म नहीं दिया जा सकता।
(D) अतीत के बिना भी वर्तमान को समझा जा सकता है।

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) (B) और (D)

Ans. (a) : प्रश्नगत विकल्पों में (A) और (C) कथन राम विलास शर्मा के हैं।

15. प्रकाशन काल के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है:

(a) परिंदे, ईदगाह, आकाशदीप, उसने कहा था
(b) उसने कहा था, आकाशदीप, ईदगाह, परिंदे
(c) आकाशदीप, परिंदे, उसने कहा था, ईदगाह
(d) ईदगाह, आकाशदीप, परिंदे, उसने कहा था

Ans. (b) : प्रकाशन काल के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम इस प्रकार होगा-

कहानियाँ	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
आकाशदीप	1930 ई.	जयशंकर प्रसाद
ईदगाह	1933 ई.	प्रेमचन्द्र
परिंदे	1956 ई.	निर्मल वर्मा

16. 'भारत भारती' के सम्बन्ध में कौन-से कथन सही हैं?

(A) 'भारत भारती' की रचना 'मुसदद् से-मुद्दो-जज़े-इस्लाम' की प्रेरणा से हुई है।
(B) राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना जगाने में यह कृति विफल रही।
(C) गुप्तजी 'भारत दर्पण' के लेखक ब्रजमोहन दत्तात्रेय कैफी से भी प्रभावित थे।
(D) इसमें आद्यंत भारत की दयनीय स्थिति का वर्णन किया गया है

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (B) और (C)
(c) (B) और (D) (d) (A) और (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : 'भारत भारती' के सम्बन्ध में कथन (A) और (C) सही है। भारत भारती के लेखक मैथिलीशरण गुप्त हैं। गुप्त जी ने भारत भारती की रचना मुसद्दसे-मुद्दो-जज़े-इस्लाम के प्रेरणा से की थी। वे 'भारत दर्पण' के लेखक ब्रजमोहन दत्तात्रेय 'कैफी' से प्रभावित थे। शेष विकल्पों के कथन असंगत हैं।

17. निम्नलिखित में से दलित जीवन पर आधारित उपन्यास हैः

(A) धरती धन न अपना
(B) ठीकरे की मँगनी
(C) कठगुलाब
(D) यथा-प्रस्तावित

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A) और (B) (b) (A) और (D)
(c) (C) और (D) (d) (B) और (D)

Ans. (b) : प्रश्नगत विकल्पों में (A) और (D) दलित जीवन पर आधारित उपन्यास हैं। उपन्यास एवं उपन्यासकार–

उपन्यास	उपन्यासकार
धरती धन न अपना (दलित)	जगदीश चन्द्र
ठीकरे की मंगनी	नासिरा शर्मा
कठगुलाब	मृदुला गर्ग
यथाप्रस्तावित (दलित)	गिरिराज किशोर

18. प्रकाशन काल की दृष्टि से भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है

(a) हानूश, माधवी, रंग दे बसंती चोला, आलमगीर
(b) माधवी, हानूश, रंग दे बसंती चोला, आलमगीर
(c) रंग दे बसंती चोला, आलमगीर, हानूश, माधवी
(d) आलमगीर, रंग दे बसंती चोला, माधवी, हानूश

Ans. (a) : प्रकाशन काल की दृष्टि से भीष्म साहनी के नाटकों का सही कालक्रम इस प्रकार है-

नाटक	प्रकाशन वर्ष
हानूश	1977 ई.
माधवी	1985 ई.
रंग दे बंसती चोला	1998 ई.
आलमगीर	1999 ई.

19. कॉलरिज के अनुसारः

(A) कल्पना दार्शनिक चिंतन का परिणाम नहीं है।
(B) कल्पना कारयित्री प्रतिभा है, यही कवि की सर्जनात्मकता है।
(C) कल्पना की मूल प्रकृति केवल अनुकृतिपरक है।
(D) कल्पना में वैज्ञानिक सुश्रृंखलता नहीं होती।

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिएः

(a) (A) और (B) (b) (B) और (D)
(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (c) : कॉलरिज के अनुसार कल्पना कारयित्री प्रतिभा है यही कवि की सर्जनात्मकता है। कल्पना की मूल प्रकृति केवल अनुकृति परक है। शेष विकल्प असंगत हैं। अतः (c) विकल्प सही है।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा निबंध रामचन्द्र शुक्ल द्वारा रचित नहीं है?

(a) रसात्मक बोध के विविध रूप
(b) सौन्दर्य बोध और शिवत्व बोध
(c) साधारणीकरण और व्यक्ति वैचित्र्यवाद
(d) काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था

Ans. (b) : 'सौन्दर्य बोध और शिवत्व बोध' निबन्ध रामचन्द्र शुक्ल द्वारा रचित नहीं है बल्कि अज्ञेय द्वारा रचित है, जबकि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा रचित निबंध हैं- रसात्मक बोध के विविध रूप, साधारणीकरण और व्यक्ति वैचित्र्यवाद, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था आदि।

21. किस आचार्य ने 'शक्ति, लोक व्यवहारादि से प्राप्त निपुणता तथा काव्यांगों की शिक्षा प्राप्त कर किये गये अभ्यास' को काव्य का हेतु माना है?

(a) अभिनवगुप्त (b) विश्वनाथ
(c) राजशेखर (d) मम्मट

Ans. (d) : आचार्य मम्मट ने शक्ति, लोक व्यवहारादि से प्राप्त निपुणता तथा काव्यांगों की शिक्षा प्राप्त कर किये गये अभ्यास को काव्य का हेतु माना है।

22. हिन्दी में प्रचलित 'सिफ़ारिश' किस भाषा का शब्द है?

(a) हिन्दी (b) फारसी
(c) अरबी (d) तुर्की

Ans. (c) : हिन्दी में प्रचलित 'सिफारिश' 'अरबी' भाषा का शब्द है। निम्नलिखित भाषा और उनके शब्द इस प्रकार हैं–

भाषा	शब्द
हिन्दी	आन, गोबर, घोड़ा, सुई, खीर, भात आदि
फारसी	कबूतर, कमीना, खरगोश, आमदनी, हफ्ता आदि।
अरबी	वकील, अदालत, एहसास, गरीब, इस्तीफा आदि।
तुर्की	चाकू, कैंची, तोप, बन्दूख, बारूद, कालीन, गलीचा, उर्दू।

23. निर्देशः इस प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason) (R) दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

स्थापना (Assertion) (A): जैसे विश्व में विश्वात्मा की अभिव्यक्ति होती है, वैसे ही नाटक में रस की।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि संघर्ष की नाट्यस्थितियों में ही रसास्वादन की प्रक्रिया विकसित होती रहती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विकल्पः

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) गलत

Ans. (a) : 'जैसे विश्व में विश्वात्मा की अभिव्यक्ति होती है, वैसे ही नाटक में रस की' कथन सही है और कारण 'क्योंकि संघर्ष की नाट्यस्थितियों में ही रसास्वादन की प्रक्रिया विकसित होती रहती है।' अतः कथन (A) और कारण (R) सही है।

24. भरत द्वारा निर्दिष्ट सात्त्विक भावों का इनमें से कौन-सा समूह सही है?

(a) स्वेद, रति, वेपथु, वैवर्ण्य, प्रलय
(b) स्तंभ, रोमांच, निर्वेद, स्वरभंग, ब्रीड़ा
(c) वेपथु, वैवर्ण्य, अश्रु, रोमांच, स्तंभ
(d) ब्रीडा, वेपथु, वैवर्ण्य, स्वेद, असूया

Ans. (c) : भरत द्वारा निर्दिष्ट सात्विक भावों का इनमें से सही समूह है-
वेपथु, वैवर्ण्य, अश्रु, रोमांच, स्तंभ
सत्व के योग से उत्पन्न कायिक चेष्टाएँ सात्विक अनुभाव कहलाती हैं, इन्हें सात्विक भाव भी कहते हैं। ये आठ माने गए हैं- स्तम्भ, स्वेद, रोमांच, स्वरभंग, वेपथु, वैवर्ण्य, अश्रु, प्रलय।

25. 'आवारा मसीहा' किस साहित्यकार की औपन्यासिक जीवनी है?

(a) शरतचन्द्र (b) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(c) बंकिमचन्द्र (d) विमल मित्र

Ans. (a) : आवारा मसीहा (1974 ई.) शरतचन्द्र की औपन्यासिक जीवनी है। 'आवारा मसीहा' के लेखक विष्णु प्रभाकर जी हैं।

26. निम्नलिखित आचार्यों का सही कालक्रम चुनिए :

(a) रुय्यक, कुंतक, आनंदवर्द्धन, दंडी
(b) कुंतक, आनंदवर्द्धन, रुय्यक, दंडी
(c) आनंदवर्द्धन, दंडी, रुय्यक, कुंतक
(d) दंडी, आनंदवर्द्धन, कुंतक, रुय्यक

Ans. (d) : निम्नलिखित आचार्यों का सही कालक्रम इस प्रकार है-

आचार्य	**कालक्रम**
दण्डी	7वीं शती (उत्तरार्द्ध)
आनंदवर्धन	9वीं शती (मध्यभाग)
कुंतक	10वीं-11वीं शती
रुय्यक	12वीं शती पूर्वार्द्ध

27. प्लेटो के अनुसार एक समर्थ कवि काव्य-रचना किस प्रकार करता है?

(a) किसी सचेष्ट कलात्मक प्रेरणा की अपेक्षा दैवी शक्ति से प्रेरित और अभिभूत होकर
(b) सचेष्ट कलात्मक प्रेरणा और दैवी शक्ति से अभिभूत होकर
(c) दैवी शक्ति की भूमिका से निरपेक्ष कलात्मक प्रेरणा द्वारा
(d) अपने वैज्ञानिक ज्ञान के सम्यक् प्रयोग द्वारा

Ans. (a) : प्लेटो एक आदर्शवादी विचारक थे। वे महान् कार्यों के मूल में दैवीय प्रेरणा को मानते थे। उनके अनुसार एक समर्थ कवि 'किसी सचेष्ट कलात्मक प्रेरणा की अपेक्षा दैवी शक्ति से प्रेरित और अभिभूत होकर काव्य रचना करता है। अन्य विकल्प असंगत हैं।

28. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है:

(a) स्वप्न, साकेत, पल्लव, आँसू
(b) साकेत, स्वप्न, पल्लव, आँसू
(c) आँसू, पल्लव, स्वप्न, साकेत
(d) पल्लव, स्वप्न, आँसू, साकेत

Ans. (c) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

रचना	**समय**	**कवि**
आँसू	1925 ई.	जयशंकर प्रसाद
पल्लव	1928 ई.	सुमित्रानंदन पंत
स्वप्न	1929 ई.	रामनेरश त्रिपाठी
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त

29. निम्नलिखित उपन्यासों को उनसे संबद्ध पात्रों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(A) तमस	(i) सुकुल बाबू
(B) रागदरबारी	(ii) शेखर
(C) महाभोज	(iii) रिचर्ड
(D) झूठा-सच	(iv) रंगनाथ
	(v) तारा

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(i), (D)-(iii)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)- (v)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(v)
(d) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(v)

Ans. (c) : निम्नलिखित उपन्यासों का उनसे संबंद्ध पात्रों के साथ सही सुमेलन-

कृतियाँ	**वर्ष**	**पात्र**	**उपन्यासकार**
तमस	1973	रिचर्ड	भीष्म साहनी
रागदरबारी	1968	रंगनाथ	श्रीलाल शुक्ल
महाभोज	1979	सुकुल बाबू	मन्नू भण्डारी
झूठा-सच	1958-60	तारा	यशपाल

30. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है:

(a) केशवदास, बिहारी, भूषण, सेनापति
(b) सेनापति, केशवदास, बिहारी, भूषण
(c) भूषण, केशवदास, सेनापति, बिहारी
(d) केशवदास, सेनापति, भूषण, बिहारी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (a) : रचना काल की दृष्टि के दिए गए कवियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

कवि	रचनाकाल (जन्म के अनुसार)
केशवदास	1555 ई.
बिहारी	1559 ई.
भूषण	1613 ई.
सेनापति	1589 ई.

नोट- आयोग ने इसका क्रम इस प्रकार माना है- केशवदास, बिहारी, भूषण, सेनापति जबकि इसका सही क्रम जन्म के अनुसार इस प्रकार होगा- केशव, सेनापति, बिहारी, भूषण

31. निम्नलिखित आलोचना-ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) कामायनीः एक पुनर्विचार	(i) नामवर सिंह
(B) अधूरे साक्षात्कार	(ii) मुक्तिबोध
(C) इतिहास और आलोचना	(iii) नेमिचंद्र जैन
(D) प्रेमचंद और उनका युग	(iv) शिवदानसिंह चौहान
	(v) रामविलास शर्मा

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(i), (D)-(v)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(v), (D)-(i)
(d) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)

Ans. (a) : निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का उनके लेखकों के साथ सही सुमेलन इस प्रकार है-

कामायनी एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
अधूरे साक्षात्कार	नेमिचंद्र जैन
इतिहास और आलोचना	नामवर सिंह
प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा

32. 'गीत फरोश' में कवि क्या कहना चाहता है?

(a) कवि के लिए सुनहरे अवसर बहुत हैं
(b) दूसरों के मनमाफ़िक कविता लिखने और बेचने के लिए कवि विवश है
(c) कवि पैसे के लिए गीत लिखता है
(d) कवि ज्ञान और संवेदना से हीन होता जा रहा है

Ans. (b) : 'गीत फरोश' में कवि यह कहना चाहता है कि दूसरों के मनमाफ़िक कविता लिखने और बेचने के लिए कवि विवश है। 'गीत फरोश' (1953) भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संग्रह है। इनके अन्य काव्य सग्रह निम्न हैं-
चकित है दुःख (1968), अंधेरी कविताएँ (1968), गाँधी पंचशती (1969), बुनी हुई रस्सी (1971), इदम् न मम् (1977), सम्प्रति (1982) इत्यादि।

33. निम्नलिखित विचारधाराओं को उनसे संबद्ध लेखकों से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (विचारधारा)	सूची-II (लेखक)
(A) मार्क्सवाद	(i) कॉफ्का
(B) अस्तित्ववाद	(ii) एंगेल्स
(C) मनोविश्लेषणवाद	(iii) रोलां बार्थ
(D) उत्तर आधुनिकता	(iv) युंग
	(v) कॉलरिज

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(c) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(d) (A)-(iv), (B)-(v), (C)-(iii), (D)-(i)

Ans. (a) : निम्नलिखित विचाराधाराओं का उनसे संबद्ध लेखकों के साथ सही सुमेलन इस प्रकार है।

विचारधारा	लेखक
मार्क्सवाद	एंगेल्स
अस्तित्ववाद	कॉफ्का
मनोविश्लेषणवाद	युंग
उत्तर आधुनिकता	रोलां बार्थ

34. निम्नलिखित क्रांतिकारी कविताओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (क्रांतिकारी कविताएँ)	सूची-II (रचनाकार)
(A) वीरों का कैसा हो वसंत	(i) रामनरेश त्रिपाठी
(B) कैदी और कोकिला	(ii) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) जवानी	(iii) जयशंकर प्रसाद
(D) हिमाद्रि तुंग शृंग से	(iv) बालकृष्ण शर्मा नवीन
	(v) सुभद्रा कुमारी चौहान

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)
(c) (A)-(v), (B)-(ii), (C)-(iv), (D)-(iii)
(d) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(v), (D)-(ii)

Ans. (c) : क्रांतिकारी कविताओं का उनके रचनाकारों के साथ सही सुमेलन इस प्रकार है–

क्रान्तिकारी कविताएँ	रचनाकार
वीरों का कैसा हो वंसत	सुभद्रा कुमारी चौहान
कैदी और कोकिला	माखनलाल चतुर्वेदी
जवानी	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
हिमाद्रि तुंग शृंग से	जयशंकर 'प्रसाद'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. 'इस मेले का मुख्य उद्देश्य है कि व्यापार की वृद्धि हो।'- यह किस प्रकार का वाक्य है?

(a) संयुक्त वाक्य (b) मिश्र वाक्य
(c) साधारण वाक्य (d) उद्देश्यवर्द्धक वाक्य

Ans. (b) : इस मेले का मुख्य उद्देश्य है कि व्यापार की वृद्धि हो।- यह मिश्र वाक्य का उदाहरण है।
रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन प्रकार होते हैं-
(1) सरल वाक्य या साधारण वाक्य
(2) मिश्रवाक्य
(3) संयुक्त वाक्य
सरल वाक्य- जिस वाक्य में एक क्रिया होती है और एक कर्ता होता है, उसे साधारण वाक्य/सरल वाक्य कहते हैं। इसमें एक 'उद्देश्य' और एक 'विधेय' रहता है।
जैसे- बिजली चमकती है। पानी बरसा।
मिश्र वाक्य-जिस वाक्य में एक साधारण वाक्य के अतिरिक्त उसके अधीन कोई दूसरा अंगवाक्य हो, उसे 'मिश्र वाक्य' कहते हैं। इस प्रकार के वाक्य में एक 'प्रधान वाक्य' रहता है और शेष वाक्यांश, जिन्हें 'आश्रित उप वाक्य' कहते हैं। ये दूसरे उपवाक्यों पर आश्रित हैं। ऐसे वाक्यों का आरंभ कि, ताकि, जिससे, जो जितना ज्यों ही, ज्यों-ज्यों, चूँकि, क्योंकि, यद्यपि इत्यादि से होता है।
जैसे- उसने कहा कि मैं निर्दोष हूँ।
संयुक्त वाक्य- जिस वाक्य में साधारण अथवा मिश्र वाक्यों का मेल संयोजक अवयवों द्वारा होता है, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं।
जैसे- मैंनें खाना खाया और मेरी भूख मिट गई।

36. निर्देशः इस प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason) (R)। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

स्थापना (Assertion) (A) : भारतेन्दु युग में मध्यकालीनता और आधुनिकता का द्वंद्व है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उस समय का भारतीय समाज संक्रमण के दौर से गुजर रहा था।

विकल्पः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही

Ans. (b) : प्रश्नगत स्थापना तथा तर्क दोनों कथन सही हैं। भारतेंदु युग में लिखी गई रचनाओं में मध्यकालीनता और आधुनिकता का द्वंद्व स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इस युग में ईश्वर भक्ति एवं प्राचीन विषयों पर कविता लिखी गयी है तथा समाज सुधार, राष्ट्रप्रेम आदि नवीन विषयों को भी अपनाया गया है। इस युग की रचनाओं में अंग्रेजी शासन का विरोध, स्वतंत्रता के लिए उद्दाम आकांक्षा और जातीय भाव बोध की झलक मिलती है। सामन्ती जकड़न में फँसे समाज में आधुनिक चेतना के प्रसार के लिए लोगों को संगठित करने का प्रयास करना उस युग में एक नई ही बात थी। इस युग में शृंगार प्रधान, भक्ति प्रधान, सामाजिक समस्या प्रधान तथा राष्ट्रप्रेम प्रधान कृतियाँ मिलती है।

37. शास्त्रानुसार अर्थ प्रकृति के प्रकार हैः

(A) यत्न (B) विमर्श
(C) बिन्दु (D) बीज

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (A) और (C)

Ans. (c) : शास्त्र अनुसार अर्थ प्रकृति के प्रकार दिए गए विकल्पों में से बीज और बिंदु हैं।
अर्थ प्रकृतियाँ- ये कथावस्तु के वे अंग हैं जो उसे (वस्तु को) कार्य की ओर अग्रसर करते हैं। इसके पाँच भेद बताये गये हैं- (1) बीज (2) बिन्दु (3) पताका (4) प्रकरी (5) कार्य

38. निम्नलिखित आत्मकथाओं को उसके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) हादसे	(i) सुशीला टाकभौरे
(B) मुड़ मुड़ कर देखता हूँ	(ii) ओमप्रकाश वाल्मीकि
(C) शिंकजे का दर्द	(iii) कृष्णा अग्निहोत्री
(D) जूठन	(iv) राजेंद्र यादव
	(v) रमणिका गुप्ता

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(iv), (D)-(v)
(c) (A)-(v), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(d) (A)-(iii), (B)-(ii), (C)-(v), (D)-(i)

Ans. (c) : निम्नलिखित आत्मकथाओं का उनके लेखकों के साथ सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

आत्मकथा	लेखक
हादसे	रमणिका गुप्ता
मुड़ मुड़ कर देखता हूँ	राजेंद्र यादव
शिकंजे का दर्द	सुशील टाकभौरे
जूठन	ओम प्रकाश वाल्मीकि

39. 'पीछे लागा जाइ था, लोक बेद के साथ।
आग थे सतगुरु मिल्या, दीपक दीया हाथि।।'
उक्त पंक्तियों में कबीर कहना चाहते हैं:

(A) लोक और वेद का अनुसरण करने के कारण मैं परमतत्व से दूर था
(B) लोक और वेद की रूढ़िवादिता ने परमतत्त्व के अभिज्ञान का मार्ग प्रशस्त किया।
(C) सतगुरु के ज्ञान रूपी प्रकाश में मैंने परमतत्त्व का साक्षात्कार किया।
(D) सतगुरु ने दीपक थमाकर संसार में भटकने के लिए छोड़ दिया।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (B) (b) (A) और (C)
(c) (B) और (C) (d) (B) और (D)

Ans. (b) : 'पीछे लगा जाइ............दीया हाथि।' उक्त पंक्ति में कबीर कहना चाहते हैं कि लोक और वेद का अनुसरण करने के कारण मैं परमतत्व से दूर था लेकिन सतगुरु के ज्ञान रूपी प्रकाश से मैंने परमतत्व का साक्षात्कार किया।

40. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पश्चिमी हिन्दी की नहीं है?

(a) कन्नौजी (b) बुंदेली
(c) ब्रजभाषा (d) मगही

Ans. (d) : मगही बिहारी हिंदी (मगही, मैथिली, भोजपुरी) के अन्तर्गत आने वाली एक बोली है जबकि कन्नौजी, बुंदेली तथा ब्रज पश्चिमी हिंदी के अन्तर्गत आने वाली बोलियाँ हैं।

41. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (काव्यपंक्तियाँ)	सूची-II (रचनाकार)
(A) कौन परी यह बानि अरी नित नीरभरी गगरी ढरकावै।	(i) देव
(B) गुलगुली गुल में गलीचा है, गुनी जन हैं, चाँदनी है, चिक है चिरागन की माला है।	(ii) पद्माकर
(C) सेवक सिपाही हम उन रजपूतन के, दान, जूद्ध जुरिये में नेकु जे न मुरके।	(iii) ठाकुर
(D) अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणा लीन। अधम व्यंजना रस विरस, उलटी कहत नवीन।	(iv) प्रताप साहि
	(v) भिखारीदास

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)
(b) (A)-(iv), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(i)
(c) (A)-(v), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(d) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(v)

Ans. (b) : निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का उनके रचनाकारों के साथ सही सुमेलन-

काव्य पक्तियाँ	रचनाकार
कौन परी............ढरकावै।	प्रतापसाहि
गुलगुली............ की माला हैं।	पद्माकर
सेवक सिपाही........ जे न मुरके	ठाकुर
अभिधा उत्तम.........कहत नवीन	देव

42. 'कीनैं हूँ कोरिक जतन अब कहि काढ़ै कौनु।
भो मन मोहन-रूपु मिलि पानी मैं को लौनु॥'
इस दोहे के सम्बन्ध में क्या सही है?

(A) इसमें नायिका का कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम व्यंजित है।
(B) नायिका के मन रूपी सरोवर में कृष्ण का लावण्य पानी में नमक की तरह घुल गया है।
(C) कृष्ण की रूपासक्ति से नायिका अपने मन को अलग करना चाहती है।
(D) 'कोरिक' का अर्थ है 'कचोटना'

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (B) और (C) (b) (A) और (D)
(c) (A) और (C) (d) (A) और (B)

Ans. (d) : कीनैं हूँ कोरिक जतन............मैं कौ लौनु।। बिहारी रचित इस दोहे में नायिका का कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम व्यंजित है तथा नायिका के मन रूपी सरोवर में कृष्ण का लावण्य पानी में नमक की तरह घुल गया है।

दोहे का पूर्ण अर्थ- जिस प्रकार पानी में नमक मिल जाता है, उसी प्रकार मेरे हृदय में कृष्ण का रूप समा गया है। अब कोई कितना भी यत्न कर ले, पर जैसे पानी से नमक को अलग करना असंभव है। वैसे ही मेरे हृदय से कृष्ण का प्रेम मिटाना असम्भव है।

43. साधारणीकरण की निम्नलिखित स्थापनाओं को उसके प्रतिपादकों से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) रसास्वाद में वासनात्मक तथा स्थिर मनोवृत्तियाँ जिनके द्वारा चरित्र की सृष्टि होती है, साधारणीकरण के द्वारा आनंदमय बना दी जाती हैं; इसलिए यह वासना का संशोधन करके उनका साधारणीकरण करता है।	(i) रामचंद्र शुक्ल
(B) काव्य-प्रसंग या रस के समस्त अवयवों का साधारणीकरण मानने की अपेक्षा कवि भावना का साधारणीकरण मानना मनोविज्ञान के अधिक अनुकूल है।	(ii) अज्ञेय
(C) लोकहृदय की यह सामान्य अन्तःभूमि परख कर हमारे यहाँ साधारणीकरण सिद्धांत की प्रतिष्ठा की गई है। यह सामान्य अन्तभूमि कल्पित या कृत्रिम नहीं है।	(iii) जयशंकर प्रसाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(D) जब चमत्कारिक अर्थ मर जाता है तब उस शब्द की रागोत्तेजक शक्ति भी क्षीण हो जाती है। उस अर्थ की प्रतिपत्ति करता है, जिसमें पुनः रागात्मक संबंध स्थापित हो। साधारणीकरण का यही अर्थ है। (iv) नगेन्द्र

(v) गुलाबराय

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(iii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(ii)
(b) (A)-(ii), (B)-(i), (C)-(iv), (D)-(iii)
(c) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(v), (D)-(iii)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(ii), (D)-(i)

Ans. (b) : साधारणीकरण की निम्नलिखित स्थापनाओं का उनके प्रतिपादकों के साथ सही सुमेलित इस प्रकार है-

सूची-I	**सूची-II**
(a) रसास्वाद में.......साधारणीकरण करता है।	अज्ञेय
(b) काव्य-प्रसंग या रस...... अधिक अनुकूल है।	रामचंद्र शुक्ल
(c) लोकहृदय की यह.........कृत्रिम नहीं है।	नगेन्द्र
(d) जब चमत्कारिक अर्थ...... साधारणीकरण का यही अर्थ है।	जयशंकर प्रसाद

44. शब्द की जिस शक्ति से उसके सांकेतिक अर्थ का बोध हो, वहाँ कौन-सी शब्द शक्ति होती है?

(a) अभिधा (b) लक्षणा
(c) व्यंजना (d) शुद्धा लक्षणा

Ans. (a) : शब्द की जिस शक्ति से उसके सांकेतिक अर्थ का बोध हो, वहाँ अभिधा शक्ति होती है। हिन्दी व्याकरण में किसी वाक्य के भाव को समझने के लिए प्रयुक्त अर्थ को शब्द शक्ति कहा जाता है। हिन्दी व्याकरण में शब्द शक्ति तीन प्रकार की होती है- (1) अभिधा (2) लक्षण (3) व्यंजना

45. अस्मितामूलक विमर्श को किस साहित्यिक पत्रिका ने सर्वाधिक संवर्द्धित किया?

(a) वर्तमान साहित्य (b) वागर्थ
(c) हंस (d) दस्तावेज

Ans. (c) : अस्मितामूलक विमर्श को कथा मासिक साहित्यिक पत्रिका 'हंस' ने संवर्द्धित किया जो दिल्ली के अक्षर प्रकाशन से सन् 1986 से 2013 तक प्रसिद्ध कथाकार राजेन्द्र यादव के संपादन में निकलती रही। हालांकि हंस के संस्थापक संपादक मुंशी प्रेमचन्द्र थे जिन्होंने कई वर्षों तक इसका संपादन किया था।

46. 'कविकर्म और काव्यभाषा' किस आलोचक की समीक्षा कृति है?

(a) मलयज (b) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(c) परमानन्द श्रीवास्तव (d) प्रभाकर श्रोत्रिय

Ans. (c) : 'कविकर्म और काव्यभाषा' आलोचक परमानन्द श्रीवास्तव की समीक्षा कृति है इनकी अन्य अलोचना कृतियाँ हैं– 'नयी कविता का परिप्रेक्ष्य (1965)' हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया (1965), उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा, समकालीन कविता का व्याकरण (1980), शब्द और मनुष्य (1988), कविता का अर्थात् (1999)-

लेखक	**आलोचना**
मलयज	कविता से साक्षात्कार, संवाद और एकालाप
रामस्वरुप चतुर्वेदी	आचार्य रामचंद्र शुक्ल आलोचना का अर्थ, अर्थ की आलोचना, आधुनिक कविता यात्रा, तारसप्तक से गद्य कविता, कविता का पथ, कामायनी का पुनर्मूल्यांकन।
प्रभाकर श्रोत्रिय	कविता की तीसरी आँख, संवाद, रचना एक यातना है, सौन्दर्य का तात्पर्य।

47. 'उत्तरकांड' के कलियुग प्रसंग में तुलसीदास ने लिखा है:

(A) आचारहीन और वेद विरोधी लोग ज्ञानी और संन्यासी कहलाएँगे।
(B) माता-पिता अपने बच्चों को मानव धर्म की शिक्षा देंगे।
(C) पत्नी के मर जाने और घर-गृहस्थी और संपत्ति के नष्ट हो जाने के बाद लुटे-पिटे लोग ही संन्यास ग्रहण करेंगे।
(D) कलियुग में अच्छा समय होगा और लोग सुखी होंगे।

निम्नलिखित में से तुलसीदास द्वारा कहे गए सही विकल्प चुनिए :

(a) (A) और (C) (b) (B) और (C)
(c) (A) और (D) (d) (B) और (D)

Ans. (a) : उत्तरकाण्ड के कलियुग प्रसंग में तुलसीदास ने लिखा है कि आचारहीन और वेद विरोधी लोग ज्ञानी और संन्यासी कहलायेंगे पत्नी के मर जाने, घर-गृहस्थी और संपत्ति के नष्ट हो जाने के बाद लुटे-पिटे लोग ही संन्यास ग्रहण करेंगे। तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' का अन्तिम काण्ड उत्तरकाण्ड है। रामचरितमानस में सात काण्ड हैं जो इस प्रकार हैं- 1. बालकाण्ड 2. अयोध्याकाण्ड 3. अरण्यकाण्ड 4. किष्किन्धाकाण्ड 5. सुन्दरकाण्ड 6. लंकाकाण्ड 7. उत्तरकाण्ड।

48. 'भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ, समझे।'
प्रस्तुत संवाद 'चन्द्रगुप्त' नाटक के किस पात्र का है?

(a) वररुचि (b) चाणक्य
(c) चन्द्रगुप्त (d) राक्षस

Ans. (b) : 'भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ, समझे' प्रस्तुत संवाद चन्द्रगुप्त नाटक के चाणक्य पात्र का है। चन्द्रगुप्त, चाणक्य व राक्षस आदि चन्द्रगुप्त नाटक के पात्र हैं। चन्द्रगुप्त नाटक के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। प्रसाद की अन्य रचनाएं इस प्रकार हैं- सज्जन, कल्याणी, परिणय, करुणालय, प्रायश्चित, राज्यश्री, विशाख, अजातशत्रु, जनमेजय का नागयज्ञ, कामना, स्कन्दगुप्त, एक घूँट, चन्द्रगुप्त ध्रुवस्वामिनी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

49. 'दिवस का अवसान समीप था।
गगन था कुछ लोहित हो चला।
तरुशिखर पर थी अब राजती।
कमलिनी-कुल बल्लभ की प्रभा॥'
इन काव्यपंक्तियों का आशय है:

(A) सूर्यास्त हो गया था।
(B) आसमान में लालिमा फैलने लगी थी।
(C) चिड़ियाँ अपने नीड़ों में विश्राम कर रही थीं।
(D) पेड़ों की फुनगियों पर सूरज की आखिरी किरणें विराजमान थीं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (D)
(c) (B) और (C) (d) (A) और (C)

Ans. (b) : 'दिवस का अवसान समीप था, गगन था कुछ लोहित हो चला। तरुशिखा पर थी अब राजती, कमलिनी कुल वल्लभ की प्रभा' इन काव्य पंक्तियों का आशय हैं : आसमान में लालिमा फैलने लगी थी, पेड़ों की फुनगियों पर सूरज की आखिरी किरणें विराजमान थीं। उपर्युक्त पंक्तियाँ हरिऔध के महाकाव्य प्रियप्रवास की हैं।

50. अफ्रीका में रंगभेद तथा उपनिवेशवादियों की स्थानीय और भारतीय मूल के निवासियों के प्रति घृणा और क्रूरता का मार्मिक चित्रण किस उपन्यास में किया गया है?

(a) पहला गिरमिटिया (b) जुगलबन्दी
(c) परिशिष्ट (d) तीसरी सत्ता

Ans. (a) : अफ्रीका में रंगभेद तथा उपनिवेशवादियों के स्थानीय और भारतीय मूल के निवासियों के प्रति घृणा और क्रूरता का मार्मिक चित्रण 'पहला गिरमिटिया' उपन्यास में किया गया है। यह उपन्यास महात्मा गाँधी के जीवन-चरित्र पर आधारित है। गिरिराज किशोर के उपन्यास इस प्रकार हैं-

जुगलबन्दी-	अंग्रेजी सत्ता का अंत और कांग्रेस के रूप में नये सत्ता वर्ग के उदय का अंकन।
परिशिष्ट-	तकनीकी शिक्षा-संस्थानों में हरिजन विरोधी वातावरण का चित्रण।
तीसरी सत्ता-	आधुनिक नारी के दाम्पत्य सम्बन्धों में उत्पन्न जटिलताओं का अंकन।

51. 'अंधेरे में' कविता से सम्बन्धित कौन-सी टिप्पणियाँ रामविलास शर्मा की हैं?

(A) 'अंधेरे में' कविता की मूल समस्या यही है कि मध्यवर्ग का बुद्धिजीवी सर्वहारा वर्ग से तादात्म्य कैसे स्थापित करे।
(B) कवि मुक्तिबोध के लिए अस्मिता की खोज व्यक्ति की खोज नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की खोज है।
(C) मुक्तिबोध के काव्य-संसार की पट-भूमि असंदिग्ध रूप से ऐसी शासन व्यवस्था है जो निहायत चालाक होने के साथ ही बेहद आततायी है।
(D) मुक्तिबोध की मुख्य समस्या है, अपना वर्ग छोड़कर दूसरे वर्ग के साथ तादात्म्य स्थापित करना।

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (A) और (D)

Ans. (d) : 'अंधेरे में' कविता से सम्बन्धित टिप्पणियाँ रामविलास शर्मा की इस प्रकार हैं-
'अंधेरे में' कविता की मूल समस्या यही है कि मध्यवर्ग का बुद्धि जीवी सर्वहारा वर्ग से तादात्मय कैसे स्थापित करें। मुक्तिबोध की मुख्य समस्या है, अपना वर्ग छोड़कर दूसरे वर्ग के साथ तादात्म्य स्थापित करना। 'अंधेरे में' कविता गजानन माधव 'मुक्तिबोध' की है।

52. 'राम, तुम मानव हो? ईश्वर नहीं हो क्या?
विश्व में रमे हुए नहीं सभी कहीं हो क्या?
तब मैं निरीश्वर हूँ, ईश्वर क्षमा करें;
तुम न रमो तो मन तुममें रमा करे।'
आधुनिक दृष्टिकोण से प्रेरित मैथिलीशरण गुप्त ने राम के विषय में यह काव्योक्ति किस काव्यग्रंथ में लिखी?

(a) पंचवटी (b) साकेत
(c) नहुष (d) विष्णुप्रिया

Ans. (b) : 'राम, तुम मानव हो? ईश्वर नहीं हो क्या?
विश्व में रमे हुए नहीं सभी कहीं हो क्या?
तब मैं निरीश्वर हूँ, ईश्वर क्षमा करें;
तुम न रमो तो मन तुममें रमा करे।'
आधुनिक दृष्टिकोण से प्रेरित मैथिलीशरण गुप्त ने राम के विषय में यह काव्योक्ति 'साकेत' काव्यग्रंथ में लिखी।
पंचवटी, नहुष तथा विष्णुप्रिया गुप्त जी की रचना है।

53. भीष्म साहनी कृत 'तमस' उपन्यास का कथानक किन मुख्य विषयों पर केन्द्रित है?

(A) विभाजन की त्रासदी (B) सामाजिक विषमता
(C) स्त्री विमर्श (D) साम्प्रदायिक विद्वेष

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (D) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (a) : भीष्म साहनी कृत 'तमस' उपन्यास का कथानक विभाजन की त्रासदी व साम्प्रदायिक विद्वेष विषयों पर केन्द्रित है। भीष्म साहनी के अन्य उपन्यास इस प्रकार हैं–झरोखा, कड़िया, बसंती, मय्यादास की माड़ी, कुंतो, नीलू नीलिम नीलोफर।

54. रामविलास शर्मा कृत 'महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण' का प्रकाशन काल है:

(a) सन् 1965 (b) सन् 1977
(c) सन् 1982 (d) सन् 1972

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : रामविलास शर्मा कृत 'महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण' का प्रकाशन सन् 1977 है। रामविलास शर्मा की अन्य आलोचनाएं इस प्रकार हैं–प्रेमचंद (1941), भारतेन्दु युग (1943), निराला (1946), प्रगति और परम्परा (1949), साहित्य और संस्कृति (1949), प्रेमचन्द और उनका युग (1952), प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ आदि।

55. प्रकाशन काल के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम हैः

(a) परीक्षागुरु, गोदान, शेखरः एक जीवनी, तमस
(b) गोदान, शेखरः एक जीवनी, परीक्षागुरु, तमस
(c) परीक्षागुरू, तमस, गोदान, शेखरः एक जीवनी
(d) शेखरः एक जीवनी, तमस, गोदान, परीक्षागुरू

Ans. (a) : प्रकाशन काल के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
परीक्षा गुरु	1882 ई.	लाला श्रीनिवासदास
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द
शेखर एक जीवनी	1940-44 ई.	अज्ञेय
तमस	1973	भीष्म साहनी

56. संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध वाक्य के किसी दूसरे शब्द के साथ प्रकाशित होता है, उसे क्या कहते है?

(a) विकृत अव्यय
(b) कारक
(c) सम्बन्धसूचक
(d) क्रियाविशेषण

Ans. (b) : संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका सम्बन्ध वाक्य के किसी दूसरे शब्द के साथ प्रकाशित होता है उसे 'कारक' कहते हैं।

57. ''अंधेर नगरी'' नाटक का अंतिम दृश्य है

(a) आरण्य (b) जंगल
(c) बाजार (d) श्मशान

Ans. (d) : 'अंधेर नगरी' नाटक का अंतिम दृश्य 'श्मशान' है। 'अंधेर नगरी' नाटक के लेखक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हैं। अंधेर नगरी में राजा की मूर्खता, अन्याय और अँधेरगर्दी पर तीखा व्यंग्य किया गया है। भारतेन्दु के अन्य नाटक इस प्रकार हैं- वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1873), विषस्य विषमौषधम, (1876), प्रेम जोगिनी (1875), चन्द्रावली (1876), भारत-दुर्दशा (1880), नीलदेवी (1881), अंधेर नगरी (1881), सती प्रताप (अपूर्ण) (1883)।

58. 'जेहि पंखी के निअर होइ, कहै बिरह कै बात।
सोई पंखी जाइ जरि, तरिवर होहिं निपात॥'
ऊहात्मकता के अतिरिक्त उक्त पंक्तियों में व्यक्त भाव की क्या विशेषता है?

(a) इसमें प्रेम की विलक्षणता नहीं है।
(b) कवि वेदना के स्वरूप विश्लेषण में नहीं, ताप की मात्रा नापने में प्रवृत्त है।
(c) इसमें विरहताप के वेदनात्मक स्वरूप की अत्यन्त विशद्, व्यंजना की गई है।
(d) इसमें संत्रास युक्त शृंगार के कारण स्वाभाविक प्रेम की व्यंजना नहीं हुई है।

Ans. (d) : 'जेहि पंखी के निअर होइ, कहै बिरह कै बात।
सोई पंखी जाइ जारि, तरिवर होहिं निपात।।'
ऊहात्मकता के अतिरिक्त उक्त पंक्तियों में व्यक्त भाव की विशेषता 'इसमें संत्रास युक्त शृंगार के कारण स्वाभाविक प्रेम की व्यंजना नहीं हुई है' है।

59. निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास ऐतिहासिक-सांस्कृतिक उपन्यास नहीं है?

(a) बाणभट्ट की आत्मकथा (b) पुनर्नवा
(c) टेढ़े मेढ़े रास्ते (d) वैशाली की नगरवधू

Ans. (c) : दिये गये उपन्यासों में 'टेढ़े मेढ़े रास्ते' ऐतिहासिक, सांस्कृतिक उपन्यास नहीं हैं। 'टेढे मेढ़े रास्ते (1946) भगवतीचरण वर्मा की रचना है। टेढ़े मेढ़े रास्ते में गाँधीवाद साम्यवाद और आतंकवाद का टेढ़े मेढ़े रास्ते के रूप में चित्रण है। अन्य उपन्यास ऐतिहासिक सांस्कृतिक हैं।
बाणभट्ट की आत्मकथा- (1946) हजारी प्रसाद द्विवेदी
पुनर्नवा- (1973) हजारी प्रसाद द्विवेदी
वैशाली की नगरवधू- (1949) चतुरसेन शास्त्री

60. आनन्दवर्द्धन ने किस काव्य को ध्वनि कहा है?

(a) जिसमें शब्द और अर्थ दोनों अपना महत्व बनाए रखकर अर्थ-प्रतिपादन करें
(b) जिसमें शब्द की सत्ता गौण और अर्थ की सत्ता प्रमुख हो
(c) जहाँ शब्द और अर्थ दोनों अपने अर्थ का उत्सर्जन कर व्यंग्यार्थ को अभिव्यक्त करें
(d) जहाँ अर्थ की सत्ता गौण और शब्द की सत्ता प्रधान हो

Ans. (c) : आनन्दवर्द्धन ने 'जहाँ शब्द और अर्थ दोनो अपने अर्थ का उत्सर्जन कर व्यंग्यार्थ को अभिव्यक्त करें' ऐसे काव्य को ध्वनि कहा है।

61. धर्मवीर भारती के सन्दर्भ में क्या सही नहीं है?

(a) वे व्यक्ति स्वातन्त्र्य के विरोधी कवि हैं
(b) वे व्यक्ति स्वातन्त्र्य के पक्षधर कवि हैं
(c) वे कैशोर भावुकता के लेखक हैं
(d) वे मिथकीय सन्दर्भो पर आधारित कविता लिखने वाले कवि हैं

Ans. (a) : धर्मवीर भारती के सन्दर्भ में 'वे व्यक्ति स्वातन्त्र्य के विरोधी कवि हैं' तथ्य सही नहीं है क्योंकि भारती जी व्यक्ति स्वातन्त्र्य के पक्षधर कवि हैं। ये कैशोर भावुकता के लेखक हैं, ये मिथकीय सन्दर्भो पर आधारित कविता लिखने वाले कवि हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

62. **श्रद्धा और इड़ा से सम्बन्धित मुक्तिबोध के सही कथन कौन-से हैं?**
(A) इड़ा का व्यक्तित्व सामाजिक-सार्वजनिक महत्व से विन्यस्त है।
(B) श्रद्धा के पास कोई अपना सार्वजनिक जीवन नहीं है।
(C) इड़ा बुद्धिवाद का प्रतीक है।
(D) श्रद्धा में आत्मबद्ध भावुकता का अभाव है।
निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (B) और (C) (b) (A) और (B)
(c) (C) और (D) (d) (A) और (D)

Ans. (b) : श्रद्धा और इड़ा से सम्बन्धित मुक्तिबोध का कथन इस प्रकार है (1) इड़ा का व्यक्तित्व सामाजिक सार्वजनिक महत्व से विन्यस्त है। (2) श्रद्धा के पास कोई अपना सार्वजनिक जीवन नहीं है। श्रद्धा और इड़ा कामायनी के सर्ग हैं। कामायनी में कुल पन्द्रह सर्ग हैं। कामायनी (1935) के लेखक जयशंकर प्रसाद हैं। श्रद्धा, इड़ा, क्रमशः हृदय व बुद्धि के प्रतीक हैं।

63. **फोर्ट विलियम कॉलेज के हिन्दुस्तानी के प्रथम प्रोफेसर कौन थे?**
(a) गिलक्राइस्ट (b) पिंकॉट
(c) विलियम जोन्स (d) ग्रियर्सन

Ans. (a) : फोर्ट विलियम कॉलेज के हिन्दुस्तानी के प्रथम प्रोफेसर गिलक्राइस्ट थे। इस कॉलेज की स्थापना 10 जुलाई सन् 1800 को तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड वेलेजली ने की थी। कुछ लोगों ने इस संस्थान को भारत के लोगों को बाँटने का खेल खेलने का अड्डा माना है। फोर्ट विलियम कॉलेज में हिन्दुस्तानी भाषा जॉन गिलक्राइस्ट के निर्देशन में सुचारु रूप से चली।

64. **निम्नलिखित में से व्यंग्य रचनाएँ कौन-सी हैं?**
(A) भूलने के विरुद्ध
(B) जीप पर सवार इल्लियाँ
(C) अपनी अपनी बीमारी
(D) निषाद बाँसुरी
निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (A) और (B) (b) (B) और (D)
(c) (A) और (C) (d) (B) और (C)

Ans. (d) : दिये गये विकल्पो में व्यंग्य रचनाएँ (b) और (c) दोनों हैं। इसमें जीप पर 'सवार इल्लियां शरद जोशी तथा 'अपनी अपनी बीमारी' हरिशंकर परसाई का व्यंग्यात्मक निबंध है। 'भूलने के विरुद्ध' रमेशचन्द्र शाह और 'निषाद बांसुरी' कुबेरनाथ राय का निबन्ध है।

65. **'उर्वशी' पर लिखी गई किसकी समीक्षा से विवाद उत्पन्न हो गया था?**
(a) नेमिचन्द्र जैन
(b) धर्मवीर भारती
(c) भारतभूषण अग्रवाल
(d) भगवतशरण उपाध्याय

Ans. (d) : 'उर्वशी' पर लिखी गई भगवतशरण उपाध्याय की समीक्षा से विवाद उत्पन्न हो गया था।

66. **'जमीन पक रही है' किसका कविता संग्रह है?**
(a) नागार्जुन
(b) नरेश मेहता
(c) केदारनाथ अग्रवाल
(d) केदारनाथ सिंह

Ans. (d) : केदारनाथ सिंह का कविता संग्रह है- 'जमीन पक रही हैं'। इनके अन्य कविता संग्रह- अभी बिल्कुल अभी, ताल्सताय और साइकिल, यहाँ से देखो आदि है। नागर्जुन का मूल नाम वैद्यनाथ मिश्र था। इनका पहला साहित्यिक उपनाम 'यात्री' था। संस्कृत और मैथिली में ये इसी नाम से कविताएँ लिखते थे। इनकी रचनाएँ- युगधारा, खिचड़ी विम्लन देखा हमने, तुमने कहा था, भस्मांकुर, सतरंग पंखों वाली आदि। 'नरेश मेहता' दूसरा तारसप्तक के कवि है। इनकी रचनाएँ- वन पायी सुनो, बोलने दो चीड़ को, चैत्या, उत्सवा आदि। केदारनाथ अग्रवाल प्रगतिवादी कवि हैं। इनकी रचनाएं युग की गंगा, नीद के बादल, अपूर्वा, आत्मगंध, जमुन जल तुम, फूल नहीं रंग बोलते हैं, गुलमेंहदी, लोक और आलोक आदि।

67. **किस विद्वान ने कहा था कि 'बुद्धदेव के बाद भारत में सबसे बड़े लोकनायक तुलसीदास थे'?**
(a) कामिल बुल्के (b) जॉर्ज ग्रियर्सन
(c) विलियम जोंस (d) विलियम कैरी

Ans. (b) : 'जार्ज ग्रियर्सन' ने कहा था कि 'बुद्धदेव' के बाद भारत में सबसे बड़े लोकनायक तुलसीदास थे। कामिल बुल्के वेल्जियम के निवासी थे। इन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 'रामकथाः उत्पत्ति और विकास' नाम से शोध किया इस शोध ग्रंथ को रामकथा, संबंधी समस्त सामग्री का विश्वकोश कहा जाता है।

68. **कवि के भार को बहुत बड़ा बताते हुए किस आचार्य ने कहा है कि ऐसा न कोई शब्द है, न अर्थ, न न्याय और न कला जो काव्य का अंग न बन सके?**
(a) राजशेखर (b) भामह
(c) दंडी (d) आनन्दवर्द्धन

Ans. (b) : भामह ने कहा है कि ऐसा न कोई शब्द हैं, न अर्थ, न न्याय और न कला जो काव्य का अंग बन सके।

69. **प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है:**
(a) विष्णुप्रिया, कुकुरमुत्ता, चाँद का मुँह टेढ़ा है, आँगन के पार द्वार
(b) कुकुरमुत्ता, विष्णुप्रिया, आँगन के पार द्वार, चाँद का मुँह टेढ़ा है
(c) आँगन के पार द्वार, चाँद का मुँह टेढ़ा है, विष्णुप्रिया, कुकुरमुत्ता
(d) चाँद का मुँह टेढ़ा है, विष्णुप्रिया, कुकुरमुत्ता, आँगन के पार द्वार

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से काव्य कृतियों का सही अनुक्रम है।

रचना	रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
कुकुरमुत्ता	निराला	1942 ई.
विष्णुप्रिया	मैथिलीशरण गुप्त	1957 ई.
आँगन के पार द्वार	अज्ञेय	1961 ई.
चाँद का मुँह टेढ़ा है	गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	1964 ई.

70. सिद्धों से सम्बन्धित रामचन्द्र शुक्ल के कौन-से कथन सही हैं?

(A) व्रजयान में आकर 'महासुखवाद' का प्रवर्तन हुआ।
(B) नाथपंथ सिद्धों की परम्परा से नहीं निकला है।
(C) सिद्धों का साहित्य शुद्ध साहित्य के अन्तर्गत नहीं आता है।
(D) सिद्धों की बानियाँ सांकेतिक नहीं हैं।

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (a) : सिद्धों से सम्बन्धित (a) और (c) रामचन्द्र शुक्ल के कथन सही हैं। व्रजयान में आकर 'महासुखवाद' का प्रवर्तन हुआ तथा सिद्धों का साहित्य शुद्ध साहित्य के अन्तर्गत नहीं आता है। ऐसा शुक्ल जी का कथन है। जबकि नामपंथ सिद्धों की परम्परा से निकला है और सिद्धों की बानियाँ सांकेतिक हैं।

71. अरस्तू के विरेचन पद की व्याख्या विद्वानों ने किन अर्थों में की है?

(A) धर्मपरक
(B) राजनीतिक
(C) कलापरक
(D) अर्थपरक

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (B) और (C)
(c) (C) और (D) (d) (A) और (D)

Ans. (a) : दिये प्रश्नगत विकल्पों में (a) और (c) दोनों सही हैं। इसमें अरस्तू के विरेचन की व्याख्या विद्वानों ने 'धर्मपरक' तथा 'कलापरक' अर्थों में की है। अरस्तू का जन्म मकदूनिया के स्तगिरा नामक नगर में हुआ था। 'अरस्तू' के गुरू 'प्लेटो' थे। अरस्तू 'अनुकरण' एवं 'विरेचन' सिद्धान्त के प्रवर्तक थे।

72. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है:

(a) सरहपा, पुष्पदंत, अद्दहमाण, लुइपा
(b) लुइपा, सरहपा, अद्दहमाण, पुष्पदंत
(c) पुष्पदंत, सरहपा, लुइपा, अद्दहमाण
(d) सरहपा, लुइपा, पुष्पदंत, अद्दहमाण

Ans. (d) : रचनाकाल व कवियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

कवि	वर्ष
सरहपा	7वीं-8वीं शती
लुइपा	8वीं शती
पुष्पदंत	10वीं शती
अद्दहमाण	14वीं शती

73. 'तात्विक दृष्टि से न तो हम इन्हें (कबीर को) पूरे अद्वैतवादी कह सकते हैं और न एकेश्वरवादी।'- कबीर से सम्बन्धित यह विचार किसका है?

(a) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) राहुल सांकृत्यायन
(d) माताप्रसाद गुप्त

Ans. (b) : रामचन्द्र शुक्ल कबीर के दर्शन के संबंध की चर्चा करते हुए कहते हैं कि 'तात्विक दृष्टि से न तो हम इन्हें (कबीर को) पूरे अद्वैतवादी कह सकते हैं और न एकेश्वरवादी।' जबकि हजारी प्रसाद द्विवेदी कबीर की भाषा को लेकर काफी प्रभावित हैं भाषा पर जबरदस्त पकड़ के कारण कबीर को हजारी ने 'भाषा का डिक्टेटर' कहा।

74. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय में सब कार्यवाहियाँ अंगेजी भाषा में होंगी?

(a) अनुच्छेद 343 (b) अनुच्छेद 344
(c) अनुच्छेद 346 (d) अनुच्छेद 348

Ans. (d) : अनुच्छेद 348 के अनुसार, भारतीय संविधान के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय में सब कार्यवाहियाँ अंग्रेजी भाषा में होंगी। इसके अलावा संघ तथा राज्यों के स्तरों पर सभी विधेयकों, संशोधनों, अधिनियमों, अध्यादेशों, आदेशों, नियमों, विनियमों तथा उपनियमों के प्राधिकृत पाठ भी केवल अंग्रेजी में ही होंगे। अन्य अनुच्छेद इस प्रकार हैं–

- अनुच्छेद 343- संघ की राजभाषा हिन्दी तथा लिपि देवनागरी होगी।
- अनुच्छेद 344- राष्ट्रपति द्वारा राजभाषा आयोग के गठन के प्रावधान से संबंधित है।

75. निम्नलिखित ग्रंथों का सही कालक्रम है:

(a) एस्थेटिक, लिटरेरिया बायोग्राफिया, द सैक्रेड वुड, पोयटिक्स
(b) पोयटिक्स, लिटरेरिया, बायोग्राफिया, एस्थेटिक, द सैक्रेड वुड
(c) लिटरेरिया बायोग्राफिया, एस्थेटिक, द सैक्रेड वुड, पोयटिक्स
(d) द सैक्रेड वुड, पोयटिक्स, लिटरेरिया बायोग्राफिया, एस्थेटिक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : ग्रंथों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

रचना	**रचनाकार**
पोयटिक्स	अरस्तू
लिटरेरिया बायोग्राफिया	कॉलरिज
एस्थेटिक	क्रोचे
द सेक्रेड वुड	टी.एस. इलियट

76. निर्देशः इस प्रश्न में कथन दिए गए है। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason) (R)। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

स्थापना (Assertion) (A): आधुनिकता एक अनवरत और अंतहीन प्रक्रिया है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि प्रत्येक परिवर्तन नए संशयों, सिद्धांतों और संभावनाओं को जन्म देता है।

विकल्पः

(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

Ans. (b) : प्रश्नगत स्थापना में (A) और (R) दोनों सही हैं। आधुनिकता एक अनवरत और अंतहीन प्रक्रिया है, क्योंकि परिवर्तन नए, संशयों, सिद्धांतों और संभावनाओं को जन्म देता है।

77. 'मैं कहता हौं आँखिन देखी, तू कहता कागद की लेखी।'

इस काव्य पंक्ति का आशय हैः

(a) प्रत्यक्ष ज्ञान और पुस्तकीय ज्ञान एक ही है
(b) प्रत्यक्ष ज्ञान को ही पुस्तकों में लिखा जाता है
(c) प्रत्यक्ष ज्ञान पुस्तकीय ज्ञान से हीन है
(d) स्वानुभव शास्त्रीय ज्ञान से बड़ा है

Ans. (d) : 'मैं कहता हौं आँखिन देखी, तू कहता कागद की लेखी।' इस काव्य पंक्ति का आशय हैः स्वानुभव शास्त्रीय ज्ञान से बड़ा है। यह 'कबीर दास' जी की पंक्ति है।

78. 'मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए वह सम्बन्ध और सम्बन्धों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है...........।' यह संवाद किस पात्र का किसके प्रति है?

(a) कालिदास का मल्लिका के प्रति
(b) मल्लिका का स्वागत
(c) मल्लिका का अम्बिका के प्रति
(d) मल्लिका का कालिदास के प्रति

Ans. (c) : 'मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए वह सम्बन्ध और सम्बन्धों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है।' उपर्युक्त कथन प्रसिद्ध नाटककार मोहन राकेश के प्रसिद्ध नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' से उद्धृत है जिसमें मल्लिका अपनी माँ अंबिका से यह संवाद बोलती है, मल्लिका नाटक के नायक कालिदास की प्रेयसी है। नाटक में कालिदास का नाम मातृगुप्त है। मोहन राकेश के अन्य प्रसिद्ध नाटक आधे-अधूरे और लहरों के राजहंस हैं।

79. निम्नलिखित मिथकीय कविताओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I (मिथकीय कविताएँ)	**सूची-II (कवि)**
(A) प्रमथ्युगाथा	(i) कुंवर नारायण
(B) जयभारत	(ii) धर्मवीर भारती
(C) आत्मजयी	(iii) नरेश मेहता
(D) संशय की एक रात	(iv) मैथिलीशरण गुप्त
	(v) नरेंद्र शर्मा

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिएः

(a) (A)-(ii), (B)-(iv), (C)-(i), (D)-(iii)
(b) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(v)
(c) (A)-(v), (B)-(iv), (C)-(ii), (D)-(i)
(d) (A)-(iv), (B)-(iii), (C)-(v), (D)-(ii)

Ans. (a) : मिथकीय कविताएं उनके कवि इस प्रकार है।

मिथकीय कविताएं	**कवि**
प्रमथ्युगाथा	धर्मवीर भारती
जयभारत	मैथिलीशरण गुप्त
आत्मजयी	कुँवर नारायण
संशय की एक रात	नरेश मेहता

80. 'सर्वमुख नामक अग्रवाल बनिया' की कथा किस उपन्यास में उल्लिखित है?

(a) देवरानी जेठानी की कहानी
(b) वामा शिक्षक
(c) भाग्यवती
(d) नि:सहाय हिन्दू

Ans. (a) : 'मेरठ में सर्वसुख नाम का एक अग्रवाल बनिया था............। पं. गौरीदत्त के प्रसिद्ध उपन्यास 'देवरानी जेठानी की कहानी' के प्रथम भाग से ली गई है जबकि 'वामा शिक्षक-अर्थात् दो भाई और चार बहनों की कहानी' उपन्यास मुंशी ईश्वरी प्रसाद मुदर्रिस रियाजी और मुंशी कल्याण राय द्वारा मिलकर लिखित है। 'भाग्यवती' पंजाब में हिंदी के यशस्वी प्रचारक श्रद्धाराम फिल्लौरी का उपन्यास है तथा 'नि:सहाय हिंदू' राधाकृष्ण दास का चर्चित उपन्यास है।

81. निम्नलिखित में से विदेशी परिवेश पर आधारित कौन-से उपन्यास नहीं हैं?

(A) परिशिष्ट (B) चक्रव्यूह
(C) वे दिन (D) सफर के साथी

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिएः

(a) (A) और (C) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (C) (d) (A) और (D)

Ans. (b) : परिशिष्ट और चक्रव्यूह (a+b) दोनों विदेशी परिवेश पर आधारित उपन्यास नहीं हैं। 'परिशिष्ट' गिरिराज किशोर का उपन्यास है। यह तकनीकी शिक्षा-संस्थानों में हरिजन विरोधी वातावरण का चित्रण करता है जबकि 'चक्रव्यूह' कुँवर नारायण का काव्य संग्रह है। 'वे दिन' निर्मल वर्मा का तथा 'सफर के साथी' सुनीता जैन का उपन्यास है, जो विदेशी परिवेश पर आधारित है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

82. नीत्शे का सम्बन्ध किस विचारधारा से है?

(a) मनोविश्लेषणवाद (b) उत्तर आधुनिकतावाद
(c) मार्क्सवाद (d) अस्तित्ववाद

Ans. (d) : नीत्शे का संबंध अस्तित्ववादी विचारधारा से है। फ्रेडरिक नीत्शे जर्मनी के प्रसिद्ध दार्शनिक थे। फ्रायड को मनोविश्लेषणवाद का प्रवर्तक माना जाता है, कार्ल मार्क्स को मार्क्सवाद का प्रवर्तक माना जाता है जबकि अर्नाल्ड टॉयन्बी, ल्योतार का संबंध उत्तर आधुनिकतावाद से है।

83. तलाकशुदा माता-पिता की संतान की मानसिकता पर आधारित उपन्यास है:

(a) महाभोज (b) अंधेरे बंद कमरे
(c) आपका बंटी (d) शेखरः एक जीवनी

Ans. (c) : तलाकशुदा माता-पिता की संतान की मानसिकता पर आधारित उपन्यास 'आपका बंटी' मन्नू भंडारी की कृति है।
इनके अन्य उपन्यास हैं– महाभोज (1979) एक इंच मुस्कान, (इस उपन्यास को राजेन्द्र यादव और मन्नू भण्डारी ने मिलकर पूर्ण किया है।)

उपन्यास	**उपन्यासकार**
महाभोज	मन्नू भंडारी
शेखर : एक जीवनी	अज्ञेय
अंधेरे बंद कमरे	मोहन राकेश

84. निर्देशः इस प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason) (R)। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

स्थापना (Assertion) (A): काव्य का सर्वस्व अलंकार है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि केवल अलंकारों से ही कविता कामिनी का आन्तरिक और बाह्य सौन्दर्य निखरता है।

विकल्प :

(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) गलत

Ans. (c) : स्थापना और तर्क दोनों गलत हैं
स्थापना (A)- काव्य का सर्वस्व अलंकार है यह कथन सत्य नहीं है आचार्य वामन के अनुसार- जो किसी वस्तु को अलंकृत करे, वह अलंकार है- 'अलङ्कृतिरलङ्कारः'। जिस प्रकार आभूषण स्वर्ण से बनते हैं, उसी प्रकार अलंकार भी सुवर्ण (सुन्दर वर्णों) से बनते हैं।
अलंकार का शाब्दिक अर्थ- सजावट, शृंगार, आभूषण आदि। साहित्यशास्त्र में अलंकार शब्द का प्रयोग काव्य सौन्दर्य के लिये होता है। 'अलंकरोति इति अलंकार' अर्थात् जो अलंकृत करे उसे अलंकार कहते हैं।
तर्क (R)- क्योंकि केवल अलंकारों से ही कविता कामिनी का आन्तरिक और वाह्य सौन्दर्य निखरता है, तर्क गलत है।
जिस प्रकार आभूषण पहनने से व्यक्ति का शारीरिक सौन्दर्य और आकर्षण बढ़ जाता है, उसी प्रकार काव्य में अलंकारों के प्रयोग से उसके सौन्दर्य में वृद्धि होती है।
दूसरे शब्दों में काव्य की शोभा बढ़ाने वाले धर्म अलंकार कहलाते हैं।

85. इनमें से कौन-से अलंकार सादृश्यमूलक हैं?

(A) विभावना
(B) व्यतिरेक
(C) उत्प्रेक्षा
(D) असंगति

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (D) (b) (B) और (D)
(c) (B) और (C) (d) (A) और (C)

Ans. (c) : व्यतिरेक अलंकार और उत्प्रेक्षा अलंकार सादृश्यमूलक हैं अतः यहाँ विकल्प (c) सही है।
व्यतिरेक - जहाँ उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ बताया जाए और उसका कारण भी दिया जाए, वहाँ व्यतिरेक अलंकार होता है।
उदाहरण- जनम सिन्धु, पुनि बंधु बिषु, दिन मलीन सकलंक।
सिय मुख समता पाव किमि, चन्दु बापुरो रंक।।
उत्प्रेक्षा - जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना की जाती है, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है। मानों, मानहु, मनहु, मन जानो, जानहु, जनु, निश्चय, मेरे जान, इव आदि उत्प्रेक्षा के वाचक शब्द हैं।
उदाहरण- चमचमात चंचल चयन बिच घूँघट पट झीन।
मानहु सुरसरिता विमल जल उछरत जुग मीन।।
उक्त अन्य विकल्प (a) विभावना और विकल्प (d) असंगति अलंकार सादृश्यमूलक नहीं है।

86. हिन्दी में 'नॉवेल' के अर्थ में उपन्यास पद का प्रथम प्रयोग किसने किया था?

(a) महावीरप्रसाद द्विवेदी
(b) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(c) प्रतापनारायण श्रीवास्तव
(d) बालकृष्ण भट्ट

Ans. (b) : हिन्दी में 'नॉवेल' के अर्थ में उपन्यास पद का प्रथम प्रयोग भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने किया था। उपन्यास शब्द के प्रथम प्रयोग के सन्दर्भ में प्रसिद्ध आलोचक **गोपाल राय** लिखते हैं कि - "हिन्दी में नॉवेल के अर्थ में 'उपन्यास' पद का प्रयोग 1875 ई. में हुआ। जिसे बँगला और हिन्दी में उपन्यास कहा जाता है। गोपालराय के अनुसार उसे "उर्दू में 'नाविल', मराठी में 'कादम्बरी' तथा गुजराती में 'नवल कथा' की संज्ञा प्राप्त हुई है।" अतः अन्य विकल्प असंगत हैं।

87. निम्नलिखित में से डायरी साहित्य है:

(A) प्रवास की डायरी
(B) एक साहित्यिक की डायरी
(C) दिल्ली मेरा परदेश
(D) ऋणजल धनजल

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A) और (D)
(b) (B) और (C)
(c) (A) और (B)
(d) (A) और (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (*) : प्रवास की डायरी, एक साहित्यिक की डायरी, दिल्ली मेरा परदेश तीनों डायरी विधा है। ऋणजल धनजल (1977) रिपोर्ताज विधा है- फणीश्वरनाथ रेणु।

रचना	**रचना वर्ष**	**रचनाकार**
प्रवास की डायरी	1971 ई.	हरिवंशराय बच्चन
एक साहित्यिक की डायरी	1776 ई.	गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
दिल्ली मेरा परदेश	1776 ई.	रघुवीर सहाय

88. 'अंधायुग' के निम्नलिखित संवादों को उनके पात्रों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (मिथकीय कविताएँ)	**सूची-II (कवि)**
(A) वध मेरे लिए नहीं रही नीति वह है अब मेरे लिए मनोग्रंथि	(i) वृद्धयाचक
(B) आज इस पराजय की वेला में सिद्ध हुआ झूठ थी सारी अनिवार्यता भविष्य की	(ii) युयुत्सु
(C) अंतिम परिणति में/ दोनों जर्जर करते हैं पक्ष चाहे सत्य का हो/ अथवा असत्य का!	(iii) धृतराष्ट्र
(D) गूंगों के सिवा आज/ और कौन बोलेगा मेरी जय	(iv) अश्वत्थामा
	(v) गांधारी

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (A)-(iii), (B)-(v), (C)-(i), (D)-(ii)
(b) (A)-(ii), (B)-(iii), (C)-(v), (D)-(i)
(c) (A)-(iv), (B)-(i), (C)-(ii), (D)-(iii)
(d) (A)-(i), (B)-(ii), (C)-(iii), (D)-(iv)

Ans. (c) : 'अंधायुग' के निम्नलिखित संवादों और उनके पात्रों का सुमेलित क्रम इस प्रकार है-

संवाद	**पात्र**
(a) वध मेरे लिये नहीं रही नीति वह है अब मेरे लिये मनोग्रंथि	अश्वत्थामा
(b) आज इस पराजय की वेला में सिद्ध हुआ झूठ थी सारी अनिवार्यता भविष्य की	वृद्धयाचक
(c) अंतिम परिणति में/ दोनो जर्जर करते हैं पक्ष चाहें सत्य का हो/ अथवा असत्य का	युयुत्सु
(d) गूगों के सिवा आज/ और कौन बोलेगा मेरी जय	धृतराष्ट्र

89. 'सिद्ध हेमचन्द्र शब्दानुशासन' किस तरह का ग्रंथ है?
(a) व्याकरण सम्बन्धी
(b) ज्योतिष सम्बन्धी
(c) साहित्यिक
(d) धार्मिक

Ans. (a) : 'सिद्ध हेमचन्द्र शब्दानुशासन'- व्याकरण सम्बन्धी ग्रंथ है जिसके लेखक हेमचन्द्र जी हैं। हेमचन्द्र की अन्य रचनाएँ- काव्यानुशासन, शब्दानुशासन हैं। आचार्य हेमचन्द्र संस्कृत के अन्तिम महावैयाकरण और महापण्डित थे। अतः हेमचन्द्र को 'कलिकालसर्वज्ञ' कहा जाता है।

90. 'उर्वशी' के तृतीय अंक के आधार पर कौन-से कथन सही है?
(A) शक्तिशाली और दुर्द्धर्ष पुरुष भी सुंदरियों के कटाक्ष से आहत हो जाते हैं।
(B) उर्वशी मानवी है।
(C) उर्वशी कहती है- यह देह-भाव भ्रांति है।
(D) पुरुरवा के अनुसार मर्त्य मानव को देवता कहा जा सकता है।

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (A) और (B) (b) (A) और (D)
(c) (B) और (C) (d) (A) और (C)

Ans. (d) : 'उर्वशी' के तृतीय अंक के आधार पर सही कथन है-
(a) शक्तिशाली और दुर्द्धर्ष पुरुष भी सुंदरियों के कटाक्ष से आहत हो जाते हैं।
(c) उर्वशी कहती है- यह देह-भाव भ्रांति है।
अतः उर्वशी (काव्य)- रामधारी सिंह 'दिनकर' का है जिस पर इन्हें 1972 में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उर्वशी में कामाध्यात्म की चर्चा की गयी है अतः ये प्रेम और सौन्दर्य का काव्य है।

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ कर उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

भावना को मूर्त्त रूप में रखने की आवश्यकता के कारण कविता की भाषा में दूसरी विशेषता यही रहती है कि उसमें जाति संकेत वाले शब्दों की अपेक्षा विशेष-रूप-व्यापार सूचक शब्द अधिक रहते हैं। बहुत से ऐसे शब्द होते हैं जिनसे किसी एक का नहीं बल्कि बहुत से रूपों या व्यापारों का एक साथ चलता-सा अर्थ ग्रहण हो जाता है। ऐसे शब्दों को हम जाति-संकेत कह सकते हैं। ये मूर्त्त विधान के प्रयोजन के नहीं होते। किसी ने कहा "वहाँ बड़ा अत्याचार हो रहा है।" इस अत्याचार शब्द के अंतर्गत मारना-पीटना, डाँटना-डपटना, लूटना-पाटना इत्यादि बहुत से व्यापार हो सकते हैं अतः अत्याचार शब्द के सुनने से उन सब व्यापारों की एक मिली-जुली अस्पष्ट भावना थोड़ी देर के लिए मन में आ जाती है; कुछ विशेष व्यापारों का स्पष्ट चित्र या मूर्त्त रूप नहीं खड़ा होता। इससे ऐसे शब्द कविता के उतने काम के नहीं। ये तत्त्व-निरूपण, शास्त्रीय विचार आदि में ही अधिक उपयोगी होते हैं। भिन्न-भिन्न शास्त्रों में बहुत से शब्द तो विलक्षण ही अर्थ देते हैं और पारिभाषिक कहलाते हैं। शास्त्र-मीमांसक या तत्त्व-निरूपक को किसी सामान्य तथ्य या तत्व तक पहुँचने की

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

जल्दी रहती है, इससे वह किसी सामान्य धर्म के अन्तर्गत आने वाली बहुत सी बातों को एक मानकर अपना काम चलाता है; प्रत्येक का अलग-अलग दृश्य देखने में नही उलझता।

पर कविता कुछ वस्तुओं और व्यापारों को मन के भीतर मूर्त्त में लाना और प्रभाव उत्पन्न करने के लिए कुछ देर रखना चाहती है। अतः उक्त प्रकार के व्यापक अर्थ-संकेतों से ही उसका काम नहीं चल सकता। इससे जहाँ उसे किसी स्थिति का वर्णन करना चाहता है, यहाँ वह उसके अन्तर्गत सबसे अधिक मर्मस्पर्शिनी कुछ विशेष वस्तुओं या व्यवहारों को लेकर उनका चित्र खड़ा करने का आयोजन करती है। यदि कहीं क्षोभकारी दृश्य सामने रखेगी। 'वहाँ घोर अत्याचार हो रहा है'' इस वाक्य द्वारा वह कोई प्रभाव नहीं उत्पन्न कर सकती। अत्याचार शब्द के अंतर्गत न जाने कितने व्यापार आ सकते हैं, अतः उसे सुनकर या पढ़कर सम्भव है कि भावना में एक भी व्यापार स्पष्ट रूप से न आये या आये तो ऐसा जिसमें मर्म को क्षुब्ध करने की शक्ति न हो।

91. जाति संकेत वाले शब्दों की क्या विशेषता है?

(a) विशिष्ट रूप-व्यापारों का विशिष्टतापरक अर्थ देना
(b) मूर्त्त विधान के लिए विशेष रूप से प्रयोजनीय
(c) तत्त्व निरूपण में अधिक उपयोगी
(d) शास्त्र मीमांसक के लिए अनुपयोगी

Ans. (c) : जाति संकेत वाले शब्दों की तत्व निरूपण में अधिक उपयोगी विशेषता है। बहुत से ऐसे शब्द होते हैं जिनसे किसी एक का नहीं बल्कि बहुत से रूपों या व्यापारों का एक साथ चलता-सा अर्थ ग्रहण हो जाता है। ऐसे शब्दों को हम जाति संकेत कह सकते हैं।

92. 'वहाँ बड़ा अत्याचार हो रहा है' इस वाक्य की क्या विशेषता है?

(a) मर्म को क्षुब्ध करने की शक्ति से संपन्न होना
(b) एक ही विशेष कार्य व्यापार की स्पष्ट सूचना देना
(c) कई अस्पष्ट भावों का संकेतक होना
(d) कविता-कर्म के अनुकूल होना

Ans. (c) : 'वहाँ बड़ा अत्याचार हो रहा है' इस वाक्य की विशेषता है- कई अस्पष्ट भावों का संकेतक होना है। किसी ने कहा ''वहाँ बड़ा अत्याचार हो रहा है।'' इस 'अत्याचार' शब्द के अंतर्गत मारना- पीटना, डॉटना-डपटना, लूटना-पाटना इत्यादि बहुत से व्यापार हो सकते हैं।

93. कविता में विशेष व्यापार सूचक शब्दों का प्रयोग अधिक क्यों होता है?

(a) विशेष व्यापार सूचक शब्द शास्त्र मीमांसा के अनुकूल हैं
(b) कविता का अभिप्रेत भावना को मर्त्त रूप में रखना है
(c) कविता में पारिभाषिक शब्दों की अधिक अपेक्षा होती है
(d) कविता विशिष्ट का नहीं सामान्य का चित्रण करती है

Ans. (b) : कविता में विशेष व्यापार सूचक शब्दों का प्रयोग कविता का अभिप्रेत भावना को मूर्त्त रूप में रखना है।

94. इनमें से कौन सा कथन सही नहीं है?

(a) सामान्य धर्मवाली बातें तत्त्व निरूपक के लिए अनुपयोगी हैं
(b) जाति संकेतक शब्दों को सुन-पढ़ कर भावना में एक ही व्यापार स्पष्ट रूप से नहीं आ पाता
(c) वध, भीषण यंत्रणा, स्त्री-बच्चों पर निष्ठुर प्रहार के क्षोभक दृश्य कविता में त्याज्य है
(d) विलक्षण अर्थ के प्रतिपादक शब्द पारिभाषिक शब्द कहलाते हैं

Ans. (c) : निम्न कथन सही नहीं है?
वध, भीषण, यंत्रणा, स्त्री-बच्चों पर निष्ठुर प्रहार के क्षोभक दृश्य कविता में व्याज्य है- कथन अनुपयोगी है। शेष अन्य कथन उपयोगी हैं।
(a) सामान्य धर्मवाली बातें तत्व निरूपक के लिये अनुपयोगी हैं।
(b) जाति संकेतक शब्दों को सुन-पढ़ कर भावना में एक ही व्यापार स्पष्ट रूप से नहीं आ पाता।
(d) विलक्षण अर्थ के प्रतिपादक शब्द परिभाषिक शब्द कहलाते हैं।

95. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) व्यापक अर्थ संकेतक शब्द मर्मस्पर्शी व्यवहारों के चित्रण में सर्वाधिक सक्षम है
(b) कविता का काम स्थिति विशेष के लिए अनेक घटनाओं, अवस्थाओं और स्थितियों को सामने लाना है
(c) कविता के लिए वस्तुओं और व्यापार को मन में कुछ देर संचित रखना अपेक्षित होता है
(d) कविता का काम व्यापक अर्थ संकेतों से नहीं चल सकता

Ans. (a) : व्यापक अर्थ संकेतक शब्द मर्मस्पर्शी व्यवहारों के चित्रण में सर्वाधिक सक्षम हैं-ये कथन सही नहीं हैं। अतः सही कथन निम्न है-
(b) कविता का काम स्थित विशेष के लिए अनेक घटनाओं, अवस्थाओं और स्थितियों को सामने लाना है।
(c) कविता के लिए वस्तुओं और व्यापार को मन कुछ देर संचित रखना अपेक्षित होता है।
(d) कविता का काम व्यापक अर्थ संकेतों से नहीं चल सकता।

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ कर उससे सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

आधुनिकता क्या है? शब्दार्थ पर विचार करें तो 'अधुना' या इस समय जो कुछ है वह आधुनिक है। पर यह 'आधुनिक' का सही अर्थ नहीं है। हम बराबर देखते हैं कि कुछ बातें इस समय भी ऐसी हैं जो आधुनिक नहीं हैं, बल्कि मध्यकालीन हैं। सभी भावों के मूल में कुछ पुराने संस्कार और नये अनुभव होते हैं। यह समझना गलत है कि किसी देश के मनुष्य सदा सर्वदा किसी विचार या आचार को एक ही समान मूल्य देते आये हैं। पिछली शताब्दी में हमारे देशवासियों ने अपने अनेक पुराने संस्कारों को भुला दिया है और बचे संस्कारों के साथ नये अनुभवों को मिलाकर नवीन मूल्यों की कल्पना की है। वैज्ञानिक तथ्यों के परिचय से राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक परिस्थितियों के दबाव और आधुनिक शिक्षा की मानवतावादी दृष्टि के

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

बहुत प्रचार से हमारी पुरानी मान्यताओं में बहुत अन्तर आ गया है। उदाहरण के लिए साहित्य को लें। आज से दो सौ वर्ष पहले का सहृदय साहित्य में जिन बातों को बहुत आवश्यक मानता था, उसमें से कई अब उपेक्षणीय हो गयी हैं और जिन बातों को यह त्याज्य समझता था, उनमें से कई अब उतनी अस्पृश्य नहीं मानी जाती। आज से दो सौ वर्ष पहले के सहृदय को उस प्रकार के दुःखान्त नाटकों की रचना अनुचित जान पड़ती थी जिनके कारण यवन (ग्रीफ) साहित्य इतना महिमामण्डित समझा जाता है और जिन्हें लिखकर शेक्सपियर संसार के अप्रतिम नाटककार बन गये हैं। उन दिनों कर्मफल प्राप्ति की अवश्यम्भाविता और पुनर्जन्म में विश्वास इतने दृढ़ भाव से बद्धमूल थे कि संसार की समंजस व्यवस्था में किसी सामंजस्य की बात सोचना एकदम अनुचित जान पड़ता था। परन्तु अब वह विश्वास शिथिल होता जा रहा है और मनुष्य के इसी जीवन को सुखी और सफल बनाने की अभिलाषा प्रबल हो गयी है। समाज के निचले स्तर में जन्म होना अब किसी पुराने पाप का फल (अतएव घृणास्पद) नहीं माना जाता, बल्कि मनुष्य की विकृत समाज-व्यवस्था का परिणाम (अतएव सहानुभूतियोग्य) माना जाने लगा है। इस प्रकार के परिवर्तन एक-दो नहीं अनेक हुए हैं और इन सबके परिणामस्वरूप सिर्फ हमारी प्रकाशन-भंगिमा में ही अन्तर नहीं आया है, उसके उपभोग या ग्रहण के तौर-तरीकों में भी फर्क पड़ गया है। साहित्य के जिज्ञासु को इन परिवर्तित और परिवर्तमान मूल्यों की ठीक-ठीक जानकारी नहीं हो तो वह बहुत-सी बातों से समझने में गलती कर सकता है; फिर परिवर्तित और परिवर्तमान मूल्यों की ठीक-ठीक जानकारी प्राप्त करके ही हम यह सोच सकते हैं कि परिस्थितियों के दबाव से जो परिवर्तन हुए हैं उनमें कितना अपरिहार्य है, कितना अवांछनीय है और कितना ऐसा है जिसे प्रयत्न करके वांछनीय बनाया जा सकता है।

96. उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में परिवर्तित और परिवर्तमान मूल्यों की ठीक-ठीक जानकारी से साहित्य का जिज्ञासु जो करता है उसका निम्नलिखित में किसका संबंध नहीं है?

(a) परिस्थितियों के दबाव से उत्पन्न परिवर्तनों की अपरिहार्यता को पहचान पाता है
(b) आयास पूर्वक अवांछनीय को वांछनीय बनाया जा सकता है
(c) नवीन प्रकाशन-भंगिमा को अपना सका है
(d) समाज के निचले स्तर के लोगों के प्रति घृणा की संगति खोज सका है

Ans. (d) : उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में परिवर्तित और परिवर्तमान मूल्यों की ठीक-ठीक जानकारी में साहित्य का जिज्ञासु जो करता है उसका 'समाज के निचले स्तर के लोगों के प्रति घृणा की संगति खोज सकता है से संबंध नहीं हैं। अतः उपर्युक्त वाक्य से निम्न पदों का संबंध है-
(a) परिस्थितियों के दबाव से उत्पन्न परिवर्तनों की अपरिहार्यता को पहचान पाता है
(b) आयास पूर्वक अवांछनीय को वांछनीय बनाया जा सकता है
(c) नवीन प्रकाशन भंगिमा को अपना सका है।

97. उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में हमारे देश के सहृदय की दो सौ वर्ष पूर्व क्या स्थिति थी?

(a) वह दुःखांत नाटकों को महिमा मंडित करके देखता था
(b) उसका कर्म-फल प्राप्ति की अवश्यम्भाविता और पुनर्जन्म में दृढ़ विश्वास था
(c) वह संसार की व्यवस्था को अनिवार्यतः असमंजस मानता था
(d) वह जिन्हें तब त्याज्य समझता था, वह आज भी उसके लिए अस्पर्शनीय है

Ans. (b) : उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में हमारे देश के सहृदय की दो सौ वर्ष पूर्व स्थिति थी 'उसका कर्म-फल प्राप्ति की अवश्यम्भाविता और पुनर्जन्म में दृढ़ विश्वास था।

98. उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में हमारी पुरानी मान्यताओं के बदलाव का क्या कारण है?

(a) आधुनिक शिक्षा की मानवतावादी दृष्टि का विशेष प्रचार
(b) सहृदय की साहित्यिक धारणा में अपरिवर्तन
(c) दुःखान्त नाटक को महत्व देना
(d) केवल इस जीवन के सुख के प्रति उपेक्षा भाव

Ans. (a) : उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में हमारी पुरानी मान्यताओं के बदलाव का कारण 'आधुनिक शिक्षा की मानवतावादी दृष्टि का विशेष प्रचार है।

99. उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में इनमें से कौन-सा कथन सही है?

(a) इस समय की बातों का मध्यकालीन होना
(b) भावों का अनुभव और संस्कार से कोई संबंध नहीं है
(c) नवीन मूल्यों की स्थापना पुराने बचे संस्कारों के साथ नए अनुभवों को मिलाकर की जाती है
(d) साहित्य के जिज्ञासु के लिए परिवर्तमान मूल्यों की जानकारी अपेक्षित नहीं है

Ans. (c) : उपर्युक्त अनुच्छेद के सन्दर्भ में सही कथन हैं- नवीन मूल्यों की स्थापना पुराने बचे संस्कारों के साथ नए अनुभवों को मिलाकर की जाती है।

100. उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में इनमें से कौन-सा कथन सही है?

(a) किसी देश के मनुष्य सदैव ही विचार को समान मूल्य देते रहे हैं
(b) पुरानी मान्यताओं के बदलाव में वैज्ञानिक तथ्यों की जितनी भूमिका है, उतनी आर्थिक परिस्थितियों के दबाव की नहीं
(c) सभी भावों के मूल में पुराने संस्कार और नए अनुभव होते हैं
(d) सभी भावों के मूल में पुराने संस्कार और नए अनुभवों का कोई योगदान नहीं होता

Ans. (c) : उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में सही कथन हैं- सभी भावों के मूल में पुराने संस्कार और नए अनुभव होते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. एनटीए नेट परीक्षा जून-2019
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न पत्र
विश्लेषण सहित व्याख्या

समय : 2 घण्टा] **[पूर्णाङ्क : 200**

1. निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन काल की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?

(a) मानस का हंस, टेरा कोटा, भूले बिसरे चित्र, गर्म राख
(b) भूले बिसरे चित्र, गर्म राख, मानस का हंस, टेरा कोटा
(c) गर्म राख, भूले बिसरे चित्र, टेरा कोटा, मानस का हंस
(d) टेरा कोटा, गर्म राख, मानस का हंस, भूले बिसरे चित्र

Ans. (c) : दिये गये उपन्यासों का प्रकाशन काल की दृष्टि से सही अनुक्रम 'गर्म राख, भूले बिसरे चित्र, टेरा कोटा, मानस का हंस' है। सम्बन्धित विवरण इस प्रकार है-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	लेखक
गर्म राख	1957 ई.	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
भूले बिसरे चित्र	1959 ई.	भगवतीचरण वर्मा
टेरा कोटा	1971 ई.	लक्ष्मीकान्त वर्मा
मानस का हंस	1972 ई.	अमृत लाल नागर

2. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित संस्मरण-कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?

(a) स्मृतिकण, लीक-अलीक, वन तुलसी की गंध, हम-हशमत
(b) हम-हशमत, स्मृतिकण, लीक-अलीक, वन तुलसी की गंध
(c) वन तुलसी की गंध, लीक-अलीक, स्मृतिकण, हम-हशमत
(d) स्मृतिकण, हम-हशमत, लीक-अलीक, वन तुलसी की गंध

Ans. (d) : प्रकाशन वर्ष के अनुसार दी गई संस्मरण कृतियों का सही अनुक्रम है- 'स्मृतिकण, हम-हशमत, लीक-अलीक, वन तुलसी की गंध'। द्रष्टव्य विवरण इस प्रकार है-

संस्मरण	प्रकाशन वर्ष	लेखक
स्मृतिकण	1959 ई.	सेठ गोविन्द दास
हम-हशमत	1977 ई.	कृष्णा सोबती
लीक अलीक	1980 ई.	भारत भूषण अग्रवाल
वन तुलसी की गंध	1984 ई.	फणीश्वर नाथ 'रेणु'

3. निम्नलिखित संस्थाओं को उनके प्रवर्तकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (संस्थाएँ)	सूची-II (प्रवर्तक)
(A) ब्रह्म समाज	(i) महात्मा फुले
(B) प्रार्थना समाज	(ii) एनी बेसेंट
(C) थियोसिफिकल सोसायटी	(iii) म. गो. रानाडे
(D) सत्यशोधक समाज	(iv) राजा राममोहन राय
	(v) दयानंद सरस्वती

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(iv); (B)-(iii); (C)-(ii); (D)-(i)
(b) (A)-(ii); (B)-(iv); (C)-(v); (D)-(iii)
(c) (A)-(iv); (B)-(ii); (C)-(i); (D)-(iii)
(d) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iv); (D)-(v)

Ans. (a) : सही सुमेल इस प्रकार हैं–

संस्थाएँ	स्थापना वर्ष	प्रवर्तक
ब्रह्म समाज	1828 ई.	राजा राम मोहन राय
प्रार्थना समाज	1867 ई.	महादेव गोविन्द रानाडे
थियोसिफिकल सोसाएटी	1875 ई.	एनी बेसेन्ट, मैडम ब्लावात्सकी कर्नल हेनरी अल्काट
सत्यशोधक समाज	1873 ई.	महात्मा ज्योतिबा फुले
आर्य समाज	1875 ई.	दयानन्द सरस्वती

4. निम्नलिखित में से किस कवि का संबंध नवगीत विधा से नहीं है?

(a) कुमार रवीन्द्र (b) गिरधर राठी
(c) वीरेन्द्र मिश्र (d) माहेश्वर तिवारी

Ans. (b) : कवि गिरिधर राठी का सम्बन्ध नवगीत विधा से नहीं है। हिन्दी में नवगीत परम्परा का आरम्भ राजेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा सन 1958 ई. में सम्पादित 'गीतांगिनी' शीर्षक नवगीत संकलन से माना जाता है।

नवगीत विधा के प्रमुख कवि- वीरेन्द्र मिश्र, कुमार रवीन्द्र, माहेश्वर तिवारी, डॉ. शम्भूनाथ सिंह, उमाकांत मालवीय, रवीन्द्र भ्रमर, श्रीकृष्ण तिवारी, रामनाथ अवस्थी, आदि हैं। वीरेन्द्र मिश्र की रचनाएँ- गीतम, लेखनी-बेला अविराम चल मधुवन्ति। माहेश्वर तिवारी की रचना- हरसिंगार कोई तो हो और शंभूनाथ सिंह का 'जहाँ दर्द नीला है' आदि प्रमुख हैं।

5. ''माई न होती, बाप न होते, कर्म्म न होता काया।
हम नहिं होते, तुम नहिं होते, कौन कहाँ ते आया।
चंद न होता, सूर न होता, पानी पवन मिलाया।
शास्त्र न होता, वेद न होता, करम कहाँ ते आया।।''
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(a) कबीर (b) नामदेव
(c) रैदास (d) मलूकदास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : प्रश्नोक्त पंक्तियाँ नामदेव की हैं। नामदेव को बिठोवा संत भी कहा जाता है। इन्होंने भक्ति के सगुण एवं निर्गुण दोनों मार्ग को अपनाया है। शेष कवियों की प्रसिद्ध पंक्तियाँ इस प्रकार हैं-

कवि	**पंक्तियाँ**
कबीर-	माधो मैं कैसा अपराधी, तेरी भगति होत नहिं साधी।
नामदेव-	मन मेरी सूई तन मेरा धागा, खेचर जी के चरण पर नामा सिंपी लागा।
रैदास-	जब हम होते तब तू नाहीं, अब तू है मैं नाहीं।
मूलकदास-	नाम हमारा खाक है, हम खाकी बन्दे। खाकहिं से पैदा किए अति गाफिल गंदे।।

6. ''जीवन मुँह चाही को नीको।
दरस परस दिन राति करति है, कान्ह पियारे पी को।
उपर्युक्त पंक्तियों में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किस भाव की अभिव्यक्ति मानी है?

(a) निर्गुण भक्तिभाव की (b) सगुण भक्तिभाव की
(c) असूया भाव की (d) दैहिक शृंगार की

Ans. (c) : प्रश्नोक्त पंक्ति में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने असूया भाव की अभिव्यक्ति मानी है। निर्गुण भक्तिभाव सगुण भक्तिभाव से विपरीत धारा है। निर्गुण भक्तिभाव में ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते हैं।

निर्गुण शाखा प्रमुख कवि- कबीर, रैदास, जंभनाथ, लालदास, दादू दयाल आदि है।

सगुण शाखा के प्रमुख कवि- सूरदास, तुलसीदास, मीरा, नन्ददास, कृष्णदास, परमानन्ददास, कुम्भनदास आदि हैं।

असूया भाव-इसमें दूसरे के गुण में दोष निकालने की प्रवृत्ति होती है।

दैहिक शृंगार- बाहरी साज सज्जा का स्वरूप जो मुख्य रूप से स्त्रियों में देखने को मिलता है।

निर्गुण काव्य की विशेषताएं-
(i) निर्गुणोपासना
(ii) रहस्यवाद का उत्कृष्ट वर्णन
(iii) बहुदेववाद का विरोध
(iv) सामाजिक अन्याय और आडम्बर का विरोध
(v) लोक-कल्याण की भावना और जाति का विरोध
(vi) नारी के कामिनी रूप की निन्दा
(vii) सधुक्कड़ी भाषा का प्रयोग।

7. ''बैठे हुए सुखद आतप में मृग रोमंथन करते हैं,
वन के जीव बिवर से बाहर हो विश्रब्ध विचरते हैं।''
उपर्युक्त पंक्तियों में किसका वर्णन है?

(a) 'साकेत' में चित्रकूट का
(b) असाध्यवीणा में वन-प्रान्तर का
(c) रश्मिरथी में परशुराम आश्रम का
(d) 'कामायनी' में सारस्वत्-प्रदेश का

Ans. (c) : प्रश्नोक्त पंक्तियों में रश्मिरथी में परशुराम के आश्रम का वर्णन किया गया है। रश्मिरथी (सूर्य का सारथी) की रचना रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा 1952 ई. में की गई, इसमें 7 सर्ग हैं।
दिनकर को 'अधैर्य का कवि' तथा 'डिप्टी राष्ट्रकवि' कहते हैं। इनकी **कृतियाँ-** रेणुका (1935), हुंकार (1939), सामधेनी (1947), कुरुक्षेत्र (1946), उर्वशी (1961), रश्मिरथी (1952), परशुराम की प्रतीक्षा (1963), इतिहास के आँसू (1951) आदि हैं।

8. ''विलक्षण बात यह है कि आधुनिक गद्य-साहित्य की परम्परा का प्रवर्तन नाटक से हुआ।''
उपर्युक्त कथन किस इतिहासकार का है?

(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी (b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) बच्चन सिंह (d) रामस्वरूप चतुर्वेदी

Ans. (b) : ''विलक्षण बात यह है कि आधुनिक गद्य-साहित्य की परम्परा का प्रवर्तन नाटक से हुआ।'' उपर्युक्त कथन रामचन्द्र शुक्ल जी का है। हिन्दी का प्रथम नाटक एवं उनके प्रस्तोता इस प्रकार हैं-

प्रस्तोता	**नाटक**
डॉ. दशरथ ओझा	- गयसुकुमार रास
डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त	- गोरक्ष विजय
डॉ. बच्चन सिंह	- आनन्द रघुनंदन
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	- आनन्द रघुनंदन
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	- नहुष

9. ''और अब तो हवा भी बुझ चुकी है
और सारे इश्तहार उतार लिए गए हैं
जिनमें कल आदमी-
अकाल था।...''
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(a) नागार्जुन (b) मुक्तिबोध
(c) धूमिल (d) लीलाधर जगूड़ी

Ans. (c) : प्रश्नोक्त पंक्तियाँ सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' की हैं। सुदामा पाण्डेय धूमिल ने अपनी कविता के द्वारा राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक विषमता पर तीव्र प्रहार किया है।
धूमिल जनसरोकार के कुशल चितेरे हैं। ''उनकी कविता हत्यारों के खिलाफ एक लड़ाई है।''
काव्य संग्रह- संसद से सड़क तक (1972 ई.) कल सुनना मुझे
शेष साहित्यकारों की प्रसिद्ध पंक्तियाँ इस प्रकार है-

साहित्यकार	**प्रसिद्ध पंक्तियाँ**
नागार्जुन -	कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास कई दिनों तक कानी कुतिया, सोई उसके पास।
मुक्तिबोध -	अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने होंगे। तोड़ने होंगे मठ और गढ़ सभी।
लीलाधर जगूड़ी-	एक आदमी अभी मेरा एक शब्द लेकर मुझे टोह गया। उसके मुँह में वह शब्द अब भी गरम होगा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

10. 'मैं नीर भरी 'दुख की बदली।'
महादेवी वर्मा का उपर्युक्त गीत उनके किस काव्य संग्रह से सम्बद्ध है?

(a) नीहार (b) रश्मि
(c) नीरजा (d) सांध्यगीत

Ans. (d) : 'मैं नीर भरी दुख की बदली' पंक्ति महादेवी वर्मा के 'सांध्यगीत' काव्य संग्रह से ली गयी है। नीहार (1930), रश्मि (1932), नीरजा (1934) (इसे सेक्सरिया पुरस्कार मिला), सांध्यगीत (1935),यामा (1940), दीपशिखा (1942),सप्तपर्णा (1960), संधिनी (1965), नीलाम्बरा (1983), आत्मिका (1983), दीपगीत (1983), प्रथम आयाम (1984), अग्निरेखा (1990) आदि इनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाएँ हैं।

11. निम्नलिखित आचार्यो को उनके कथनों से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (आचार्य)	सूची-II (कथन)
(A) दण्डी	(i) काव्य शोभायाः कर्तारो धर्मागुणा
(B) भामह	(ii) शरीरं ताव-दिष्टार्थव्यवछिन्ना पदावली
(C) वामन	(iii) अनौचित्यादृते नान्यात् रसभंगस्य कारणं
(D) क्षेमेन्द्र	(iv) शब्दार्थौ सहितौ काव्यं गद्यं पद्यं च द्विधा

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(iii); (B)-(i); (C)-(ii); (D)-(iv)
(b) (A)-(i); (B)-(iv); (C)-(iii); (D)-(ii)
(c) (A)-(iv); (B)-(i); (C)-(iii); (D)-(ii)
(d) (A)-(ii); (B)-(iv); (C)-(i); (D)-(iii)

Ans. (d) : सही सुमेल इस प्रकार है-

आचार्य **कथन**
दण्डी - शरीरं तावदिष्टार्थ व्यवच्छिन्ना पदावली। (काव्यादर्श)
भामह - शब्दार्थौ सहितौ काव्यं गद्यं पद्यं च द्विधा। (काव्यालंकार सूत्र)
वामन - काव्य शोभायाः कर्तारो धर्माः गुणा। (काव्यालंकार सूत्र)
क्षेमेन्द्र - अनौचित्याद्यते नान्यात् रसभंगस्य कारणं। (औचित्य विचार चर्चा)

12. जुंग के अनुसार पिता पर अधिकार जमाने के लिए लड़की की अपनी माँ से प्रतिस्पर्द्धा को किस ग्रंथि के रूप में जाना जाता है?

(a) परपीड़न रति ग्रंथि (b) इलैक्ट्रा ग्रंथि
(c) आत्मपीड़न रति ग्रंथि (d) इडिपस ग्रंथि

Ans. (b) : पिता पर अधिकार जमाने के लिए लड़की की अपनी माँ से प्रतिस्पर्द्धा को **इलेक्ट्रा** ग्रंथि के रूप में जाना जाता है। जबकि माता पर अधिकार और पिता विरोधी ग्रंथि को **ओडिपस** के रूप में जानते हैं। ये दोनों ग्रंथियाँ बच्चों के जन्म से ही विकसित होने लगती हैं।

13. "तोरि मानिनी तें हियो, फोरि मोहिनी मान।
प्रेमदेव की छबि ही लखि, भए मियाँ रसखान॥"
आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार उपर्युक्त दोहे से प्रमाणित होता है कि

(A) रसखान किसी स्त्री पर आसक्त थे।
(B) स्त्री मानवती थी और रसखान का अनादर करती थी।
(C) रसखान स्वयं को प्रेम का मानदंड मानते थे।
(D) रसखान को भास हुआ कि जिस पर गोपियाँ मरती हैं उसी पर ध्यान लगाया जाए।
(E) रसखान मोहिनी का मान-मर्दन करना चाहते थे।

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A), (B) और (C) (b) (A), (B) और (D)
(c) (B), (C) और (E) (d) (B), (C), (D) और (E)

Ans. (b) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार उपर्युक्त दोहे से प्रमाणित होता है कि-
(1) रसखान किसी स्त्री पर आसक्त थे।
(2) स्त्री मानवती थी और रसखान का अनादर करती थी।
(3) रसखान को भास हुआ कि जिस पर गोपियाँ मरती हैं उसी पर ध्यान लगाया जाए।
रसखान का पूरा नाम सैय्यद इब्राहीम था। रसखान कृष्णभक्ति के लिए कवित्त- सवैया पद्धति को अपनाने वाले प्रथम कवि थे।
इनकी रचनाएँ हैं-सुजान रसखान, दानलीला, अष्टयाम, प्रेमवाटिका।
तुलसीदास जी ने अपना रामचरितमानस सर्वप्रथम रसखान जी को ही सुनाया था।

14. हिंदी के निम्नलिखित लोकमंचीय रूपों को प्रचलन की प्रमुखता के आधार पर प्रांतों से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (लोकमंचीय रूप)	सूची-II (प्रान्त)
(A) सांग	(i) मध्यप्रदेश
(B) विदेसिया	(ii) राजस्थान
(C) माच	(iii) हरियाणा
(D) खयाल	(iv) बिहार

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(ii); (B)-(iv); (C)-(iii); (D)-(v)
(b) (A)-(iii); (B)-(iv); (C)-(i); (D)-(ii)
(c) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)
(d) (A)-(iv); (B)-(iii); (C)-(v); (D)-(i)

Ans. (b) : हिन्दी के लोकमंचीय रूपों के प्रचलन की प्रमुखता के आधार पर प्रांतो का सही सुमेलन इस प्रकार है-

लोकमंचीय रूप	प्रान्त
सांग	हरियाणा
विदेशिया	बिहार
माच	मध्यप्रदेश
खयाल	राजस्थान

'माच' मालवा का प्रमुख लोक नाट्य रूप है यह संस्कृत के शब्द 'मंच' का ही भ्रंशित रूप है। इस लोकनाट्य की उत्पत्ति उज्जैन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

में हुई। 'ख्याल' राजस्थान की प्राचीन एवं प्रसिद्ध नाट्य शैली है इसमें नगाड़ों की प्रधानता रहती है, ये ख्याल खुले रंगमंच मंदिर, चौपालों व चौराहों में देर रात से प्रातः काल तक खेले जाते हैं, यथाः पृथ्वीराज का ख्याल, नरसी रो माहेरो, अमर सिंह राठौरा री ख्याल आदि। 'बिदेसिया' गीतों के रचयिता भिखारी ठाकुर थे। 'सांग' हिंदी शब्द स्वाँग का अपभ्रंश है। उत्तरी भारत में खासकर हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में प्रचलित सांग एक प्रकार की संगीतमय नाटिका होती है जिसमें लोककथाओं को लोकगीत, संगीत व नृत्य आदि से नाट्यबद्ध किया जाता है।

15. "ये हिन्दी के प्रधान आचार्यो में माने जाते हैं और इनका 'भाषाभूषण' अलंकार ग्रंथ एक बहुत ही प्रचलित पाठ्यग्रंथ रहा है।"
रामचन्द्र शुक्ल ने उपर्युक्त बात किस रीतिकालीन कवि के विषय में कही है?

(a) मतिराम
(b) देव
(c) महाराज जसवंत सिंह
(d) पद्माकर

Ans. (c) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने उपर्युक्त बात रीतिकालीन कवि महाराज जसवंत सिंह के विषय में कही है। जसवंत सिंह मारवाड़ नरेश गजराज सिंह के द्वितीय पुत्र थे **भाषा भूषण** ग्रंथ अलंकारों का पाठ्य ग्रंथ है। इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं- सिद्धान्त बोध, अनुभव प्रकाश, सिद्धान्तसार, अपरोक्ष सिद्धान्त, आनन्द विलास, सिद्धान्त बोध आदि।
मतिराम की रचनाएँ- फूलमंजरी, लक्षण शृंगार, साहित्य सार, रसराज, ललित ललाम, सतसई, अलंकार पंचाशिका, वृत्त कौमुदी आदि।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कवि कृष्णभक्ति धारा के कवियों में शामिल नहीं है?

(a) नाभादास
(b) नंददास
(c) हरिदास
(d) ध्रुवदास

Ans. (a) : नाभादास कृष्णभक्ति धारा के कवियों में शामिल नहीं है। **नाभादास** रामभक्ति धारा के कवि हैं।
कृष्णभक्ति काव्यधारा के कवि-नंददास, हरिदास, ध्रुवदास, सूरदास, कुंभनदास, परमानंददास, कृष्णदास, गोविन्दस्वामी छीतस्वामी, चतुर्भुजदास, रसखान, मीरा, रहीम आदि।
रामभक्ति काव्यधारा के कवि रामानन्द, अग्रदास, तुलसीदास, नाभादास, नरोत्तमदास, विष्णुदास, नरहरिदास, ईश्वरदास आदि हैं।

17. "अपभ्रंश के जो नमूने हमें पद्यों में मिलते हैं वे उस काव्यभाषा के हैं जो पुरानेपन के कारण बोलने की भाषा से कुछ अलग बहुत दिनों तक आदिकाल के अंत क्या उसके कुछ पीछे तक- पोथियों में चलती रही।"
उपर्युक्त कथन किसका है?

(a) राहुल सांकृत्यायन
(b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(d) नामवर सिंह

Ans. (b) : प्रश्नोक्त कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। 'हिन्दी साहित्य का इतिहास (1929)' में आचार्य शुक्ल द्वारा 'हिन्दी शब्द सागर की भूमिका' के रूप में प्रकाशित हुआ था। शुक्ल जी का इतिहास विधेयवादी पद्धति पर लिखा गया है। 'अपभ्रंश' को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने **प्राकृताभास** कहा है।
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य के 900 वर्षों के इतिहास को निम्नलिखित चार भागों में विभक्त किया है-

नाम	**कालखण्ड**
वीरगाथाकाल	1050-1375 वि.
भक्तिकाल	1375-1700 वि.
रीतिकाल	1700- 1900 वि.
गद्य काल	1900- 1984 वि.

18. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (रचनाएँ)	**सूची-II (रचनाकार)**
(A) प्राकृत प्रकाश	(i) देवसेन
(B) श्रावकाचार	(ii) वररूचि
(C) प्रबंध चिंतामणि	(iii) जैनाचार्य मेरुतंग
(D) कुमारपाल प्रतिबोध	(iv) हेमचंद्र
	(v) सोमप्रभ सूरि

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(ii); (B)-(i); (C)-(iii); (D)-(v)
(b) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iv); (D)-(iii)
(c) (A)-(iii); (B)-(v); (C)-(i); (D)-(iv)
(d) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)

Ans. (a) : दी गई रचनाएँ एवं रचनाकारों का सही सुमेल निम्न प्रकार है-

रचनाएँ	**रचनाकार**
प्राकृत प्रकाश	वररूचि
श्रावकाचार	देवसेन
प्रबंध चिंतामणि	जैनाचार्य मेरूतुंग
कुमारपाल प्रतिबोध	सोमप्रभ सूरि
कुमारपाल चरित	हेमचन्द्र

19. 'यही सच है' की कहानीकार कौन हैं?

(a) कृष्णा सोबती
(b) उषा प्रियंवदा
(c) मन्नू भंडारी
(d) मृदुला गर्ग

Ans. (c) : 'यही सच है' की कहानीकार मन्नू भंडारी हैं। शेष विवरण द्रष्टव्य है-

कहानीकार		**कहानी**
कृष्णा सोबती	-	यारों के यार, सिक्का बदल गया। ए लड़की, मित्रों मरजानी
उषा प्रियंवदा	-	वापसी, जिन्दगी और गुलाब के फूल, फिर बसंत आया
मन्नू भण्डारी	-	यही सच है, मैं हार गयी, त्रिशंकु

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

मृदुला गर्ग	-	कितनी कैदें, टुकड़ा टुकड़ा आदमी, समागम।
चित्रा मुद्‌गल	-	जहर ठहरा हुआ, लाक्षागृह, अपनी वापसी, जगदंबा बाबू गाँव आ रहे हैं।
ममता कालिया	-	छुटकारा, सीट नं.6 , बोलने वाली औरत, मुखौटा।

20. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I (ग्रन्थ)	**सूची-II (रचनाकार)**
(A) पेरिइप्सुस	(i) कॉलरिज
(B) द सेक्रेड वुड	(ii) अरस्तू
(C) पोएटिक्स	(iii) टी.एस. इलियट
(D) बॉयोग्राफिया लिटरेरिया	(iv) लोंजाइनस
	(v) विलियम वड्‌र्सवर्थ

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(v)
(b) (A)-(ii); (B)-(iii); (C)-(iv); (D)-(i)
(c) (A)-(iii); (B)-(i); (C)-(v); (D)-(iv)
(d) (A)-(iv); (B)-(iii); (C)-(ii); (D)-(i)

Ans. (d) : दिये गये ग्रंथों एवं उनके रचनाकारों का सही सुमेल इस प्रकार है-

ग्रंथ	**रचनाकार**
पेरिइप्सुस	लोंजाइनस
द सेक्रेड वुड	टी.एस. इलियट
पोएटिक्स	अरस्तू
बॉयोग्राफ्रिया लिटरेरिया	कॉलरिज
लिरिकल बैलेड्‌स	विलियम वड्‌र्सवर्थ

21. 'हिंसानल से शांत नहीं होता हिंसानल'
उपर्युक्त ध्येय-वाक्य का सम्बन्ध किस काव्य रचना से है?

(a) कुरुक्षेत्र (b) जयद्रथ वध
(c) उन्मुक्त (d) अशोक की चिंता

Ans. (c) : ''हिंसानल से शांत नहीं होता हिंसानल'' उपर्युक्त ध्येय वाक्य **उन्मुक्त** से अवतरित है जो **सियारामशरण गुप्त** द्वारा रचित है। रामधारी सिंह 'दिनकर' को 'ओज और पौरुष' का कवि कहा जाता है इनको 'अधैर्य का कवि' तथा 'डिप्टी राष्ट्रकवि' भी कहते हैं। **कृतियाँ-** प्रणभंग, रेणुका, हुंकार, सामधेनी, कुरुक्षेत्र, उर्वशी, मिट्टी की ओर, अर्द्धनारीश्वर, रेती के फूल, संस्कृति के चार अध्याय आदि। मैथिलीशरण गुप्त को 'हरिगीतिका छंद के बादशाह' नाम से जाना जाता है।

इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं- रंग में भंग, भारत भारती, साकेत यशोधरा, जयद्रथ वध, झंकार, अनघ, जयभारत, विष्णुप्रिया। जयशंकर प्रसाद 'झारखंडी' उपनाम से प्रसिद्ध हैं।

इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं- प्रेमपथिक, कानन कुसुम, प्रथम प्रभात, महाराणा का महत्व आदि।

22. काव्य भाषा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सी मान्यता 'वड्‌र्सवर्थ' की नहीं है?

(a) काव्य में ग्रामीणों की दैनिक बोलचाल की भाषा प्रयुक्त हो।
(b) भाषा में मिथक और बिम्बों का प्रयोग होना चाहिए।
(c) भाषा में कृत्रिमता और आडंबर बाद के कवियों की देन है।
(d) गद्य और काव्य की भाषा में कोई तात्विक भेद नहीं है।

Ans. (b) : भाषा में मिथक और बिम्बों का प्रयोग होना चाहिए। काव्य भाषा के संदर्भ में यह मान्यता 'वड्‌र्सवर्थ' की नहीं है। विलियम वड्‌र्सवर्थ का जन्म 1770 ई. में इंग्लैण्ड में हुआ इनका प्रथम काव्य संग्रह 'एन इवनिंग वॉक एण्ड डिस्क्रिप्टव स्केचैज' सन् 1793 ई. में प्रकाशित हुआ। वड्‌र्सवर्थ के अनुसार ''कविता प्रबल भावों का सहज उच्छलन है।''

वड्‌र्सवर्थ ने काव्य भाषा के सम्बन्ध में तीन मान्यताएँ प्रस्तुत की।
(1) काव्य में ग्रामीणों की दैनिक बोलचाल की भाषा का प्रयोग होना चाहिए।
(2) काव्य और गद्य की भाषा में कोई तात्विक भेद नहीं है।
(3) प्राचीन कवियों का भावोद्‌बोध जितना सहज था। उनकी भाषा उतनी ही सरल थी। भाषा में कृत्रिमता और आडम्बर बाद के कवियों की देन है।

23. ''कहानी इतिवृत्त ही तो है। यानी उसमें स्थिति से स्थित्यंतर, अर्थात् जीवन गति होनी चाहिए। काल का कुछ स्पन्दन, कुछ तनाव अनुभव हो, वही तो कहानी का रस है।''
कहानी के विषय में उपर्युक्त विचार किस लेखक के है?

(a) जैनेन्द्र कुमार (b) राजेन्द्र यादव
(c) यशपाल (d) इलाचन्द्र जोशी

Ans. (a) : कहानी के विषय में उपर्युक्त विचार (कहानी इतिवृत्त ---- का रस है) लेखक जैनेन्द्र कुमार के हैं। निम्नलिखित लेखकों की रचनाएं इस प्रकार हैं-

लेखक	**रचनाएँ**
जैनेन्द्र कुमार-	फाँसी, वातायन, दो चिड़िया, पाजेब आदि।
राजेन्द्र यादव-	देवताओं की मूर्तियाँ, खेल खिलौने, जहाँ लक्ष्मी कैद है, अभिमन्यु की आत्महत्या, छोटे-छोटे ताजमहल आदि।
यशपाल-	पिंजरे की उड़ान, ज्ञानदान, अभिसप्त, तर्क का तूफान, वो दुनिया, फूलों का कुर्ता आदि।
इलाचन्द्र जोशी-	धूप रेखा, दीवाली और होली, आहुति, खण्डहर की आत्माएँ आदि।

24. महावीर प्रसाद द्विवेदी की निम्नलिखित रचनाओं में से आलोचना विधा की रचनाएँ कौन-कौन सी हैं?

(a) 'कालिदास की निरंकुशता', 'कविता कलाप'
(b) 'कविता कलाप', 'कुमार संभव सार'
(c) 'कुमारसंभव सार', 'कविता कलाप', 'कालिदास की निरंकुशता'
(d) 'कालिदास की निरंकुशता', 'कालिदास और उनकी कविता'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : द्विवेदी युग के प्रवर्तक महावीर प्रसाद द्विवेदी की आलोचना विधा की रचनाएँ- कालिदास की निरंकुशता, कालिदास और उनकी कविता है। इन्होंने सरस्वती पत्रिका (1908) में 'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता' नामक लेख लिखा। द्विवेदी जी ने 1903 ई. से 1920 ई. तक सरस्वती पत्रिका का सम्पादन किया था।

25. अभिनवगुप्त के अनुसार

(A) मानव-मन में वासना रूप में स्थित स्थायीभाव का साधारणीकरण होता है।
(B) साधारणीकरण के लिए भोजकत्व व्यापार अनिवार्य है।
(C) साधारणीकरण की अवस्था में प्रेक्षक स्व-पर के बंधन से छूट जाता है।
(D) साधारणीकरण की अवस्था में प्रेक्षक को लौकिक सम्बन्धों का बोध रहता है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A) और (B)
(b) (B) और (C)
(c) (A) और (C)
(d) (B) और (D)

Ans. (c) : अभिनवगुप्त के अनुसार सही है-
(A) मानव-मन में वासना रूप में स्थित स्थायीभाव का साधारणीकरण होता है।
(C) साधारणीकरण की अवस्था में प्रेक्षक स्व-पर के बंधन से छूट जाता है।
अभिनवगुप्त का समय 10वीं सदी का उत्तरार्द्ध (कश्मीर में) स्वीकार किया जाता है। इन्होंने व्याकरण शास्त्र, ध्वनिशास्त्र, नाट्यशास्त्र का अध्ययन क्रमशः नरसिंह गुप्त, भट्ट इन्द्रराज और भट्टतौत को गुरू मानकर किया। अभिनव गुप्त ने 'तन्त्रालोक' नामक श्रेष्ठ दार्शनिक कृति की रचना की। गुप्त जी के अनुसार "साधारणीकरण की अवस्था में प्रेक्षक स्व-पर के बंधन से छूट जाता है।

26. निम्नलिखित रचनाओं को उनके प्रकाशन काल से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (रचनाएँ)	सूची-II (प्रकाशन काल)
(A) मोहन राकेश की डायरी	(i) 2000 ई.
(B) डायरी के कुछ पन्ने	(ii) 1958 ई.
(C) मेरी कॉलेज डायरी	(iii) 1972 ई.
(D) एक कार्यकर्त्ता की डायरी	(iv) 1985 ई.
	(v) 1940 ई.

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(iv); (B)-(iii); (C)-(i); (D)-(v)
(b) (A)-(iii); (B)-(ii); (C)-(v); (D)-(iv)
(c) (A)-(iv); (B)-(v); (C)-(ii); (D)-(iii)
(d) (A)-(v); (B)-(iii); (C)-(ii); (D)-(i)

Ans. (c) : निम्नलिखित रचनाओं का सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

रचनाएँ	प्रकाशनकाल	रचनाकार
(A) मोहन राकेश की डायरी	- 1985 ई.	मोहन राकेश
(B) डायरी के कुछ पन्ने	- 1940 ई.	घनश्याम दास बिड़ला
(C) मेरी कॉलेज डायरी	- 1954 ई.	धीरेन्द्र वर्मा
(D) एक कार्यकर्त्ता की डायरी	- 1972 ई.	सीताराम सेकटिया

27. "जन्मना कवि, प्रकृत्या घुमक्कड़ और विचारतः मूलतः मार्क्सवादी। कविता के लिए कोई भी विषय हो सकता है-× × × । घुमक्कड़ ऐसे कि कभी यहाँ, कभी वहाँ। मूलतः मार्क्सवादी किन्तु वे उसके बाहर भी झाँक लेते हैं।"

बच्चन सिंह का उपर्युक्त कथन किस कवि के विषय में है?

(a) मुक्तिबोध
(b) केदारनाथ अग्रवाल
(c) त्रिलोचन
(d) नागार्जुन

Ans. (d) : बच्चन सिंह का उपर्युक्त कथन कवि नागार्जन के विषय में है। नागार्जुन का वास्तविक नाम 'वैद्यनाथ मिश्र' था। इनके व्यक्तित्व पर राहुल सांकृत्यायन और निराला का अमिट प्रभाव पड़ा था। ये मैथिली में 'यात्री' उपनाम से लिखते थे। इनके रचित उपन्यास-रतिनाथ की चाची (1948) बलचनमा (1952) नयी पौध (1953) बाबा बटेसरनाथ (1954) दुःखमोचन (1957) वरुण के बेटे (1957) उग्रतारा आदि हैं।

28. "क्या स्त्री होना कोई पाप है?"

उपर्युक्त संवाद किस कहानी से सम्बद्ध है?

(a) दुलाईवाली
(b) आकाशदीप
(c) लाल पान की बेगम
(d) परिंदे

Ans. (b) : "क्या स्त्री होना कोई पाप है?" उपर्युक्त संवाद जयशंकर 'प्रसाद' रचित आकाशदीप कहानी का है जिसके **पात्र** चम्पा, बुधगुप्त, जया, वणिक, मणिभद्र हैं। जयशंकर प्रसाद जी की कहानियाँ- ग्राम (1910), छाया (1912), प्रतिध्वनि (1926), आकाशदीप (1929), आँधी (1929) इन्द्रजाल (1936)। प्रसाद जी के नाटक-सज्जन (1910) कल्याणी-परिणय (1912) करुणालय (1913) प्रायश्चित् (1914) राज्यश्री (1915) विशाख (1921) अजातशत्रु (1922) जनमेजय का नागयज्ञ (1926)।

29. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रवासी लेखक मॉरीशस का नहीं है?

(a) महेशराम जियावन
(b) अभिमन्यु अनत
(c) रामदेव धुरंधर
(d) महातम सिंह

Ans. (d) : प्रवासी लेखक महातम सिंह मॉरीशस से नहीं सूरीनाम से सम्बन्धित हैं। मॉरीशस के प्रमुख लेखक- महेशराम जियावन, अभिमन्यु अनत, रामदेव धुरंधर, इन्द्रदेव भोला, इन्द्रनाथ, मुनीश्वरलाल आदि हैं।
अभिमन्यु अनत को मॉरीशस का प्रेमचंद कहा जाता है।
इनके प्रमुख उपन्यास- नदी बहती रही (1970), आन्दोलन (1971), एक बीघा प्यार (1972), जग गया सूरज (1973), तपती दोपहरी (1977), लाल पसीना (1977) कुहासे का दायरा (1978) लपटों की बेटी (1995)

30. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना अग्रदास की नहीं है?

(a) ध्यान मंजरी
(b) कुंडलियाँ
(c) रामध्यान मंजरी
(d) रूप मंजरी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (d) : रूपमंजरी अग्रदास की रचना नहीं है। रूपमंजरी नन्ददास की रचना है। नन्ददास की कृतियाँ- रासपंचाध्यायी, सिद्धान्त पंचाध्यायी, मानमंजरी, बिरहमंजरी, अनेकार्थमंजरी, दानलीला, मानलीला, ज्ञान मंजरी, श्याम सगाई, भँवरगीत, सुदामाचरित, रसमंजरी आदि हैं। इनके विषय में यह उक्ति प्रसिद्ध है- 'और कवि गढ़िया, नंददास जड़िया' जबकि ध्यानमंजरी, कुंडलियाँ, रामध्यान मंजरी, अग्रदास की रचना है।

31. रस की प्रस्तुति के लिए 'तद्रुपतानुसंधान' शब्द का प्रयोग किस आचार्य ने किया?

(a) अभिनव गुप्त (b) शंकुक
(c) भट्ट लोल्लट (d) भट्ट नायक

Ans. (c) : उत्पत्तिवाद के प्रवर्तक भट्ट लोल्लट ने रस की प्रस्तुति के लिए तद्रुपतानुसंधान शब्द का प्रयोग किया। इनका रस सिद्धांत मीमांसा दर्शन पर आधारित है। इनके अनुसार रस की अवस्थिति मूलतः अनुकार्य अर्थात ऐतिहासिक पात्र रामादि में होती है तथा गौण रूप में अनुकर्ता में भी। निम्नलिखित रस सूत्र और उनके व्याख्याकार इस प्रकार हैं।

रससूत्र	**व्याख्याकार**
उत्पत्ति वाद	- भट्टलोल्लट
अनुमितिवाद	- शंकुक
भुक्तिवाद	- भट्ट नायक
अभिव्यंजनावाद	- अभिनव गुप्त

32. "तुलसी की विलक्षण प्रतिभा इस बात में है कि उन्होंने भक्त और रचनाकार की भूमिकाओं का एक साथ सफल निर्वाह किया है। भक्त मूलतः दैवी शक्ति के किसी स्वरूप में आस्था रखता है जबकि रचनाकार अपनी आस्तिकता -नास्तिकता के बाद एक मूलतः ऐहिक या कि धर्मनिरपेक्ष कर्म में प्रवृत्त होता है।"
तुलसीदास के विषय में उपर्युक्त कथन किस साहित्यकार का है?

(a) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(b) रामशंकर शुक्ल 'रसाल'
(c) गणपति चन्द्र गुप्त
(d) हजारी प्रसाद द्विवेदी

Ans. (a) : तुलसीदास के विषय में उपर्युक्त कथन रामस्वरूप चतुर्वेदी का है। तुलसीदास जी ने रामचरितमानस की रचना (सं. 1631 वि.) को किया जिसमें 2 वर्ष 7 माह 26 दिन का समय लगा। इस काव्य को लोकमंगल की साधनावस्था का काव्य कहा गया, इसमें 7 काण्ड हैं। (1) बालकाण्ड (2) अयोध्याकाण्ड (3) अरण्यकाण्ड (4) किष्किंधाकाण्ड (5) सुन्दरकाण्ड (6) लंकाकाण्ड (7) उत्तरकाण्ड। अयोध्याकाण्ड मानस का हृदयस्थल है। तुलसीदास की प्रामाणिक रचनाएँ- गीतावली, दोहावली, कृष्ण गीतावली, रामचरितमानस, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, जानकी मंगल, पार्वती मंगल, कृष्णगीतावली, कवितावली, वैराग्य संदीपनी, बरवै रामायण, रामाज्ञा प्रश्न, हनुमानबाहुक।

33. "किसी बात का टोटा होने पर उसे पूरा करने की इच्छा होती है, दुःख होने पर उसे मिटाना चाहते हैं। यह स्वभाव है।"
उपर्युक्त कथन किस निबन्ध से उद्धत है?

(a) प्रिया नीलकंठी (कुबेरनाथ राय)
(b) समाज और कर्तव्यपालन (गुलाब राय)
(c) कछुआ धर्म (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी)
(d) ताज (रघुवीर सहाय)

Ans. (c) : उपर्युक्त कथन चन्द्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा रचित 'कछुआ धर्म' निबन्ध से उद्धृत है। भावात्मक निबंधकार चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' जी ने 'कछुआ धर्म' और 'मारेसि मोहि कुठाव' शीर्षक से निबन्ध लेखन का कार्य किया। कुबेरनाथ जी के **महत्वपूर्ण निबन्ध-** प्रिया नीलकण्ठी (1968 ई.), रस आखेटक (1970 ई.), विषाद योग (1973 ई.), निषाद बॉसुरी (1974 ई.) कामधेनु (1980 ई.)। गुलाबराय जी के महत्वपूर्ण निबन्ध ठलुआ क्लब मेरी असफलताएँ कुछ उथले कुछ गहरे तथा रघुवीर सहाय जी का महत्वपूर्ण निबन्ध 'ताज' है।

34. निम्नलिखित में से किस आलोचक का संबंध मार्क्सवाद से है?

(a) परशुराम चतुर्वेदी (b) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(c) शिवदान सिंह चौहान (d) नंददुलारे वाजपेयी

Ans. (c) : हिन्दी के प्रथम मार्क्सवादी आलोचक **शिवदान सिंह चौहान** हैं इनके द्वारा रचित भारत में प्रगतिशील साहित्य की आवश्यकता (1937) शीर्षक निबन्ध को प्रथम मार्क्सवादी समीक्षा स्वीकार किया जाता है। इनकी प्रमुख रचनाएँ- प्रगतिवाद (1946), साहित्य की परख (1946), हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष (1954), साहित्यानुशीलन (1955), आलोचना के मान (1958), साहित्य की समस्याएँ (1958), नयी कविता का आत्मसंघर्ष (1964) आदि हैं। नंददुलारे वाजपेयी शुक्लोत्तर युग के तथा राम स्वरूप चतुर्वेदी नई समीक्षा युग के आलोचक हैं।

35. "हिंदी रंगमंच को हिंदीभाषी प्रदेश की सांस्कृतिक पूर्तियों और आकांक्षाओ का प्रतिनिधित्व करना होगा, रंगों और राशियों के हमारे विवेक को व्यक्त करना होगा।"
उपर्युक्त कथन निम्नलिखित में से किस नाटक की भूमिका से सम्बद्ध है?

(a) आगरा बाज़ार (b) एक और द्रोणाचार्य
(c) आषाढ़ का एक दिन (d) चद्रगुप्त

Ans. (c) : उपर्युक्त कथन 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की भूमिका से सम्बद्ध है। निम्नलिखित रचनाओं के रचनाकार इस प्रकार हैं-

रचना/नाटक		**रचनाकार/नाटककार**
आगरा बाजार	-	हबीब तनवीर
एक और द्रोणाचार्य	-	शंकर शेष
आषाढ़ का एक दिन	-	मोहन राकेश
चन्द्रगुप्त	-	जयशंकर प्रसाद

36. 'तौलिया' मूलतः किस भाषा का शब्द है?

(a) उर्दू (b) हिन्दी
(c) पुर्तगाली (d) तुर्की

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : 'तौलिया' मूलतः पुर्तगाली भाषा का शब्द है। अन्य पुर्तगाली शब्द हैं–बाल्टी, तम्बाकू, मेज, गमला, काजू, चाभी, परात, पिस्तौल। अन्य भाषा के कुछ महत्वपूर्ण शब्द हैं-

अरबी शब्द- अमीर, अजायब, कबीर, औरत, औसत, आदमी, इस्तीफा, किताब, कुर्सी, किस्मत

फारसी शब्द- हिन्दी, कबूतर, किशमिश, अवारा, गुलाब, जिन्दगी, चश्मा, पलंग, शादी, बीमार

तुर्की शब्द - कैंची, दारोगा, तोप, उर्दू, कुर्ता, बारुद, मुगल

जापानी शब्द- रिक्सा

चीनी शब्द- चाय, लीची।

37. निम्नलिखित में से कौन-कौन सी रचनाएँ भारतीय प्रशासन व्यवस्था पर सटीक व्यंग्य करती है?

(A) भोलानाथ का जीव (B) सिक्का बदल गया
(C) जामुन का पेड़ (D) पिता

नीचे दिए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (A), (B) और (C)
(c) (B), (C) और (D) (d) (A), (C) और (D)

Ans. (a) : भारतीय प्रशासन व्यवस्था पर सटीक व्यंग्य करने वाली रचनाएँ हैं-

(A) भोलाराम का जीव (हरिशंकर परसाई)

(C) जामुन का पेड़ (कृष्ण चंदर)।

नोट- 'सिक्का बदल गया' कृष्णा सोबती की तथा 'पिता' ज्ञान रंजन की कहानी है।

हरिशंकर परसाई के व्यंग्यात्मक निबंध- पगडंडियों का जमाना (1966 ई.), जैसे उनके दिन फिरे (1963), सदाचार की ताबीज (1967), विकलांग श्रद्धा का दौर (1980), भूत के पाँव पीछे (1982), सुनो भाई साधो (1983), तुलसीदास चंदन घिसे (1986)।

कृष्ण चंदर के उपन्यास हैं- एक गधे की आत्मकथा, एक गधा नेफा में, गद्दार, सपनों का कैदी, मिट्टी के सनम, रेत का महल, कागज की नाव।

38. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली राजस्थानी की नहीं है?

(a) मेवाती (b) मडियाली
(c) मारवाड़ी (d) मेवाड़ी

Ans. (b) : 'मडियाली' राजस्थानी की बोली नही है विवरण इस प्रकार है- शौरसेनी अपभ्रंश से निकली भाषायें- (1) पश्चिमी हिन्दी, (2) राजस्थानी, (3) पहाड़ी, (4) गुजराती।

राजस्थानी बोली के अन्तर्गत- (1) मेवाती, (2) मालवी, (3) जयपुरी (ढुँढाड़ी), (4) मारवाड़ी आती हैं।

पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ- (1) कौरवी (खड़ी बोली), (2) ब्रजभाषा, (3) हरियाणवी (बांगरू), (4) बुन्देली, (5) कन्नौजी।

39. आनंदवर्धन ने किसे ध्वनि की आत्मा माना है?

(a) वस्तु ध्वनि (b) अलंकार ध्वनि
(c) रस ध्वनि (d) गुणौचित्य

Ans. (c) : आनन्दवर्धन ने 'रस ध्वनि' को ध्वनि की आत्मा माना है। आनन्दवर्धन (9वीं शती का उत्तरार्द्ध) को ध्वनि सम्प्रदाय का प्रवर्तक माना जाता है। इन्होंने 'ध्वन्यालोक' नामक ग्रंथ की रचना की। ध्वनि को इन्होंने काव्य की आत्मा माना है। कुछ अन्य ध्यातव्य हैं-

सम्प्रदाय	**प्रवर्तक**
अलंकार	भामह
रीति	वामन
रस	भरतमुनि
औचित्य	क्षेमेन्द्र

40. "मर्यादा मत तोड़ो
तोड़ी हुई मर्यादा
कुचले हुए अजगर-सी
गुंजलिका में कौरव वंश को लपेटकर
सूखी लकड़ी-सा तोड़ डालेगी।"
'अंधायुग' का उपर्युक्त संवाद किसका है?

(a) भीष्म (b) द्रोणाचार्य
(c) कृष्ण (d) विदुर

Ans. (d) : उपर्युक्त संवाद अंधायुग (1955 ई.) के प्रमुख पात्र 'विदुर' का है। यह एक गीतिनाट्य है, इसके रचयिता धर्मवीर भारती हैं। इसका कथानक महाभारत युद्ध के अंतिम दिन पर आधारित है। इसमें युद्ध और उसके बाद की समस्याओं और मानवीय महत्वाकांक्षाओं को प्रस्तुत किया गया है। धर्मवीर भारती कृत प्रमुख नाटक हैं- ठेले पर हिमालय (1958 ई.), पश्यन्ती (1969), कहनी-अनकहनी (1970 ई.), कुछ चेहरे कुछ चिन्तन (1995), शब्दिता (1977), मानव मूल्य और साहित्य (1960 ई.)।

41. "पुनर्जागरण का भारतीय साहित्य में पहला प्रतिफलन माइकेल मधुसूदन दत्त के बांग्ला काव्य 'मेघनाथ वध' (1861) को माना गया है।"
उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है?

(a) रामचन्द्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) रामकुमार वर्मा (d) रामस्वरूप चतुर्वेदी

Ans. (d) : 'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास' पुस्तक के लेखक रामस्वरूप चतुर्वेदी हैं। रामस्वरूप चतुर्वेदी जी की महत्वपूर्ण रचनाएँ हैं- हिन्दी नवलेखन (1960), भाषा और संवेदना (1964), अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या (1968), हिन्दी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ (1969)।

रामचन्द्र शुक्ल की आलोचनात्मक कृतियाँ- गोस्वामी तुलसीदास (1923), जायसी ग्रन्थावली (1924), भ्रमर गीतसार (1925), रसमीमांसा (1949)।

हजारीप्रसाद द्विवेदी जी के आलोचनात्मक रचनाएँ-सूर साहित्य (1930), हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940), कबीर (1941), कालिदास की लालित्य योजना (1965)।

42. निम्नलिखित में से नुक्कड़ नाटक के विषय में क्या सही नहीं है?

(a) राजनीतिक प्रतिबद्धता
(b) कला के लिए कला
(c) जीवन के लिए कला
(d) ब्रेख्त के नाट्य सिद्धान्त के निकट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (b) : 'कला के लिए कला' नुक्कड़ नाटक के विषय में सही नहीं है। नुक्कड़ नाटक एक ऐसी नाट्य विधा है, जो परंपरागत रंगमंचीय नाटकों से भिन्न है। यह रंगमंच पर नहीं खेला जाता तथा आमतौर पर इसकी रचना किसी एक लेखक द्वारा नहीं की जाती, बल्कि सामाजिक परिस्थितियों और संदर्भों से उपजे विषयों को इनके द्वारा उठा लिया जाता है। भारत में लोकप्रिय बनाने का श्रेय 'सफदर हाशमी' को है।

43. रामचंद्र शुक्ल के अनुसार रहीम के बारे में कौन-सी बातें सही है?

(A) संस्कृत, अरबी और फारसी के पूर्ण विद्वान थे
(B) हिन्दी काव्य के उतने मर्मज्ञ कवि नहीं थे जितने फारसी के।
(C) उनकी दानशीलता हृदय की सच्ची प्रेरणा के रूप में थी।
(D) उनकी सभा विद्वानों और कवियों से सदा भरी रहती थी।
(E) जब इनसे कोई कुछ माँगने आता तब भी उन्हें अपनी दरिद्रता का अनुभव नहीं होता था।

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A), (B), (C) और (E)
(b) (A), (C), (D) और (E)
(c) (A), (B) और (D)
(d) (A), (C) और (D)

Ans. (d) : रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार रहीम के बारे में निम्न बातें सही हैं-
(1) संस्कृत, अरबी और फारसी के पूर्ण विद्वान थे।
(2) उनकी दानशीलता हृदय की सच्ची प्रेरणा के रूप में थी।
(3) उनकी सभा विद्वानों और कवियों और से सदा भरी रहती थी।
रहीम की रचनाएँ- बरवै नायिका भेद (अवधी भाषा) रास पंचाध्यायी, शृंगार सोरठा, मदनाष्टक (आठ छंदों की एक स्वतंत्र रचना) खेट कौतुकम (ज्योतिष ग्रंथ हैं)।

44. सुजान की उपेक्षा से विराग उत्पन्न होने के बाद रीतिकालीन कवि घनानन्द वृंदावन जाकर किस सम्प्रदाय के वैष्णव हो गए थे?

(a) वल्लभ संप्रदाय के
(b) निम्बार्क संप्रदाय के
(c) सखी संप्रदाय के
(d) राधावल्लभ संप्रदाय के

Ans. (b) : घनानंद रीतिमुक्त धारा के शृंगारी कवि हैं, ये दिल्ली के मुगल बादशाह मुहम्मद शाह रंगीले के मीर मुंशी थे। दिल्ली से निकाले जाने के पश्चात् ये वृंदावन आकर **निम्बार्क सम्प्रदाय** में दीक्षित हो गए।
आचार्य शुक्ल ने घनानन्द को साक्षात् रसमूर्ति कहा है। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- सुजान सागर, विरह लीला, कोकसार रसकेलिवल्ली, कृपाकंद, इश्कलता आदि।

45. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचानाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I (रचनाएँ)	**सूची-II (रचनाकार)**
(A) काव्य प्रकाश	(i) देव
(B) रसराज	(ii) भिखारीदास
(C) रसविलास	(iii) रसलीन
(D) रस सारांश	(iv) चिन्तामणि
	(v) मतिराम

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A)-(iv); (B)-(v); (C)-(i); (D)-(ii)
(b) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)
(c) (A)-(ii); (B)-(iv); (C)-(v); (D)-(i)
(d) (A)-(iii); (B)-(iv); (C)-(v); (D)-(ii)

Ans. (a) : रचनाओं एवं रचनाकारों का सही सुमेल इस प्रकार है-

रचनाएँ	**रचनाकार**
काव्य प्रकाश	- चिन्तामणि
रसराज	- मतिराम
रसविलास	- देव
रस सारांश	- भिखारी दास
रस प्रबोध	- रसलीन

46. 'सखि! पिया को जो मैं न देखूँ,
तो कैसे काटूँ अंधेरी रतियाँ'
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(a) विद्यापति
(b) नरपति नाल्ह
(c) अमीर खुसरो
(d) भट्ट केदार

Ans. (c) : प्रश्नोक्त पक्तियाँ खड़ी बोली के प्रथम प्रयोक्ता आदिकालीन कवि अमीर खुसरो की हैं। अमीर खुसरो हिन्दी खड़ीबोली के प्रथम कवि रूप में माने जाते हैं। इनकी प्रमुख **रचनाएँ हैं-** खालिकबारी, दीवाने हिन्दवी, हालात ए कन्हैया, मुकरियाँ, दो सुखने, गजल। इन्होंने सितार और तबला का आविष्कार किया। प्रसिद्ध संगीतज्ञ तथा हज़रत निजामुद्दीन औलिया के परम शिष्य थे। विद्यापति की उपाधियाँ 'मैथिल कोकिल' कविशेखर, अभिनव जयदेव, आदि हैं। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- कीर्तिलता, कीर्ति पताका, गोरक्ष विजय।

47. 'दोनों का हठ था दुर्निवार, दोनों ही थे विश्वासहीन' 'कामायनी' की उपर्युक्त पंक्ति से क्या आशय है?

(a) श्रद्धा और मनु के बीच विश्वास खंडित हो गया था।
(b) इड़ा और मनु में हठधर्मिता बढ़ गई थी।
(c) देव और दानव दोनों हठी और विश्वासहीन थे।
(d) आकुलि और किलात मनु से यज्ञ के लिए दुर्निवार हठ कर रहे थे।

Ans. (c) : 'दोनों का हठ था दुर्निवार, दोनों ही थे विश्वासहीन' 'कामायनी' की उपर्युक्त पंक्ति से आशय है- 'देव और दानव दोनों हठी और विश्वासहीन थे।' 'कामायनी' छायावाद के पुरस्कर्ता जयशंकर प्रसाद का भाव प्रधान महाकाव्य है। कामायनी (1935) मंगला प्रसाद पारितोषक से पुरस्कृत रचना है। कामायनी में 15 सर्ग हैं जिनका विवरण इस प्रकार है- (1) चिन्ता, (2) आशा, (3) श्रद्धा, (4) काम, (5) वासना, (6) लज्जा, (7) कर्म, (8) ईर्ष्या, (9) इड़ा, (10) स्वप्न, (11) संघर्ष, (12) निर्वेद, (13) दर्शन, (14) रहस्य, (15) आनन्द।
आचार्य शांतिप्रिय द्विवेदी ने कामायनी को छायावाद का उपनिषद कहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. 'इश्क भरा है देख ले और जगत् से दूर
एक अचम्भा हमने देखा देहरी का नासूर।'
अमीर खुसरो की उपर्युक्त पहेली से क्या अभिप्राय है?

(a) संन्यासी (b) कुआँ
(c) खंडहर (d) प्रेमी का हृदय

Ans. (b) : अमीर खुसरो की उपर्युक्त पहेली का अभिप्राय **'कुआँ'** है। अमीर खुसरो की महत्वपूर्ण पहेलियाँ-
(i) "एक थाल मोती से भरा, सबके सिर पर औंधाधरा। चारों ओर वह थाली फिरे, मोती उससे एक न गिरे।।" **-आकाश**
(ii) "एक नार ने अचरज किया। साँप मरि पिजड़े में दिया। जों जों साँप ताल को खाए। सूखे ताल साँप मर जाए।।" **-दीपक**
(iii) "अरथ ते इसका बूझेगा। मुँह देखो तो सूझेगा।। **-दर्पण**
इनके द्वारा रचित ग्रंथ- (i) खालिक बारी, (ii) पहेलियाँ, (iii) मुकरियाँ, (iv) दो सुखने, (v) गजल आदि।

49. आचार्य भरत ने काव्य दोषों की संख्या कितनी मानी है?

(a) 8 (b) 9
(c) 5 (d) 10

Ans. (d) : भरतमुनि के अनुसार 10 काव्य दोष हैं। जो इस प्रकार हैं- (1) गूढ़ार्थ, (2) अर्थान्तर, (3) अर्थहीन, (4) भिन्नार्थ, (5) एकार्थ, (6) अभिलुप्तार्थ, (7) न्यायक्षेत, (8) विषय, (9) विसंधि, (10) शब्दच्युति। मम्मट ने 3 प्रकार के काव्यदोष माने हैं- (1) शब्द कोष, (2) अर्थदोष, (3) रस दोष।
भामह ने 3 प्रकार के काव्य दोष माने हैं- (1) सामान्य दोष, (2) वाणी दोष (3) अन्य दोष।

50. जन्म-काल के अनुसार निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम क्या है?

(a) जायसी, सूरदास, तुलसी, रहीम
(b) सूरदास, तुलसी, जायसी, रहीम
(c) सूरदास, जायसी, तुलसी, रहीम
(d) जायसी, तुलसी, रहीम, सूरदास

Ans. (c) : जन्म काल के अनुसार दिये गये रचनाकारों का सही अनुक्रम है- सूरदास, जायसी, तुलसी, रहीम। सम्बन्धित विवरण इस प्रकार है-

रचनाकार	**जन्मवर्ष**
सूरदास	1478 ई.
मलिक मुहम्मद जायसी	1492 ई.
गोस्वामी तुलसीदास	1532 ई.
रहीम दास	1556 ई.

51. 'तुम कनक किरण के अंतराल में
लुक-छिपकर चलते हो क्यों
...
हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो
मौन बने रहते हो क्यो।'
उपर्युक्त गीत-पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद की किस रचना से सम्बन्धित हैं?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) प्रलय की छाया
(c) कामायनी (d) स्कन्दगुप्त

Ans. (a) : प्रश्नोक्त पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद के नाटक 'चन्द्रगुप्त' से सम्बन्धित हैं। जयशंकर प्रसाद के काव्य संग्रह-
प्रेम पथिक (1909) ब्रजभाषा में लिखित इंदु पत्रिका में प्रकाशित,
चित्राधार (1918), झरना (1918) (छायावाद का प्रथम काव्य संग्रह),कानन कुसुम (1910) (खड़ीबोली की कविताओं का संग्रह), आँसू (1925) (एक श्रेष्ठ गीतिकाव्य), महाराणा का महत्व (1928) इन्दु में प्रकाशित, लहर (1933) मुक्तक रचनाओं का संग्रह, कामायनी 1935 (महाकाव्य)
कामायनी के प्रमुख पात्र- मनु, श्रद्धा, इड़ा जो क्रमशः मन, हृदय और बुद्धि के प्रतीक हैं।

52. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निम्नलिखित उपन्यासों को कथास्रोत की दृष्टि से उनके समय से सुमेलित कीजिए:

सूची-I (उपन्यास)	**सूची-II (समय)**
(A) अनामदास का पोथा	(i) छठी-सातवीं शताब्दी
(B) पुनर्नवा	(ii) औपनिषदिक काल
(C) बाणभट्ट की आत्मकथा	(iii) बारहवीं-तेरहवीं शताब्दी
(D) चारु चद्रलेख	(iv) चौथी शताब्दी
	(v) पहली-दूसरी शताब्दी

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :
(a) (A)-(iv); (B)-(v); (C)-(i); (D)-(iii)
(b) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)
(c) (A)-(iii); (B)-(v); (C)-(ii); (D)-(iv)
(d) (A)-(ii); (B)-(iv); (C)-(i); (D)-(iii)

Ans. (d) : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एक ऐतिहासिक उपन्यासकार के रूप में प्रसिद्ध हैं। इनके उपन्यासों का कथा स्रोत की दृष्टि से संगत समय निम्नलिखित है-

उपन्यास	**सम्पादन वर्ष**	**कथा स्रोत का समय**
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946	छठी, सातवीं शताब्दी
चारुचन्द्र लेख	1963	बारहवी, तेरहवी शताब्दी
पुनर्नवा	1973	चौथी शताब्दी
अनामदास का पोथा	1976	औपनिषदिक काल

53. "जैसे पुराना चावल ही बड़े आदमियों के खाने योग्य समझा जाता है वैसे ही अपने समय से कुछ पुरानी पड़ी हुई परम्परा के गौरव से युक्त भाषा ही पुस्तक रचने वालों के व्यवहार योग्य समझी जाती थी।" रामचन्द्र शुक्ल का उपर्युक्त कथन 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' के आदिकाल के किस प्रकरण में है?

(a) प्रकरण 1 (b) प्रकरण 2
(c) प्रकरण 3 (d) प्रकरण 4

Ans. (d) : रामचन्द्र शुक्ल का उपर्युक्त कथन 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' के आदिकाल के **प्रकरण 4** में है।

54. निम्नलिखित में से कौन-कौन से कवि उत्तर-छायावाद से सम्बद्ध हैं?

(A) रामनरेश त्रिपाठी (B) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'
(C) बालकृष्ण शर्मा नवीन (D) भारत भूषण अग्रवाल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (B) (b) (B) और (D)
(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (c) : रामेश्वर शुक्ल अंचल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, उत्तर-छायावाद से सम्बद्ध हैं, जबकि **रामनरेश त्रिपाठी** 'द्विवेदी मण्डल के बाहर' व दूसरे स्वच्छन्दतावादी कवि हैं तथा भारत भूषण अग्रवाल प्रयोगवादी कवि हैं। **रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'** की रचनाएँ- मुधलिका, अपराजिता, किरणवेला, करील, लालचूनर, वर्षान्त के बादल, **बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'** की रचनाएँ- कुंकुम, रश्मिरेखा, अपलक, क्वासि। **रामनरेश त्रिपाठी** की रचनाएँ- मिलन, पाथिक, मानसी। **भारत भूषण अग्रवाल** की रचनाएँ- छवि के बन्धन जागते रहो, मुक्ति मार्ग, ओ अप्रस्तुत मन।

55. ''अगर प्रेम खूँखार शेर है तो मैं उससे दूर ही रहूँगी। मैने तो उसे गाय ही समझ रखा था। मैं प्रेम को सन्देह के ऊपर समझती हूँ। यह देह की वस्तु नहीं, आत्मा की वस्तु है। सन्देह का वहाँ जरा भी स्थान नहीं और हिंसा तो सन्देह का ही परिणाम है। वह सम्पूर्ण आत्मसमर्पण है।'' ये पक्तियाँ 'गोदान' उपन्यास में किस पात्र द्वारा कही गई हैं?

(a) गोविन्दी (b) सोना
(c) सीलिया (d) मालती

Ans. (d) : उपर्युक्त पंक्तियां प्रेमचन्द की अमर कृति 'गोदान' उपन्यास में 'मालती' द्वारा कही गयी हैं।

56. ''सखी नील नभस्सर से उतरा, यह हंस अहा! तिरता-तिरता अब तारक मौक्तिक शेष नहीं, निकला जिनको चरता-चरता॥'' उपर्युक्त पंक्तियों में 'हंस' किस अलंकार से सम्बद्ध है?

(a) अपहुति (b) उत्प्रेक्षा
(c) रूपकातिशयोक्ति (d) उपमा

Ans. (c) : उपर्युक्त पंक्तियाँ 'छंद' **रूपकातिशयोक्ति** अलंकार से सम्बद्ध हैं– जहाँ केवल उपमान के वर्णन से उपमेय का बोध कराया जाय वहाँ रूपकातिशयोक्ति अलंकार होता है।

उत्प्रेक्षा- जब उपमेय में उपमान की सम्भावना या कल्पना कर ली जाये, तब उत्प्रेक्षा अलंकार माना जाता है।

उदाहरण- सोहत ओढ़े पीट-पट स्याम सलोने गात। मानो नील मणि शैल पर आतप पर्यो प्रभात।

उपमा- जहाँ उपमेय और उपमान में समानता दिखाई जाये वहाँ उपमा अलंकार होगा।

उदाहरण- सुनि सुरसरि सम पावन बानी।

57. निम्नलिखित काव्य रचनाओं को उनके प्रकाशन काल से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (काव्य रचनाएँ)	**सूची-II (प्रकाशनकाल)**
(A) जूही की कली	(i) 1919
(B) भारत भारती	(ii) 1914
(C) प्रिय प्रवास	(iii) 1916
(D) प्रथम रश्मि	(iv) 1912
	(v) 1915

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A)-(i); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)
(b) (A)-(iii); (B)-(iv); (C)-(ii); (D)-(i)
(c) (A)-(iv); (B)-(v); (C)-(ii); (D)-(iii)
(d) (A)-(ii); (B)-(iii); (C)-(v); (D)-(iv)

Ans. (b) : काव्य रचनाओं का प्रकाशनकाल इस प्रकार है-

काव्य रचनाएं	**प्रकाशन काल**	**कवि**
A. जूही की कली	1916 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
B. भारत भारती	1912 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
C. प्रिय प्रवास	1914 ई.	अयोध्यासिंह उपाध्याय (हरिऔध)
D. प्रथम रश्मि	1919 ई.	सुमित्रानन्दन पंत

58. निम्नलिखित जीवनीपरक कृतियों में से कौन -सी कृति रोमां रोला की है?

(a) बापू
(b) बापू की झाँकियाँ
(c) महात्मा गाँधी : विश्व के अद्वितीय पुरुष
(d) अकाल पुरुष गांधी

Ans. (c) : 'महात्मा गाँधी : विश्व के अद्वितीय पुरुष' जीवनीपरक कृति रोमां रोला की है। जबकि 'बापू की झाँकियाँ' काका कालेलकर, 'बापू' (1940) घनश्याम दास विड़ला तथा 'अकाल पुरुष गाँधी' जैनेन्द्र द्वारा रचित जीवनीपरक कृति है।

59. ''यदि प्रबंध काव्य एक विस्तृत वनस्थली है तो मुक्तक एक चुना हुआ गुलदस्ता है।'' बिहारी के संबंध में उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है?

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) श्यामसुंदर दास (d) नंददुलारे वाजपेयी

Ans. (a) : ''यदि प्रबंध काव्य............. तो मुक्तक एक चुना हुआ गुलदस्ता है।'' बिहारी के संम्बन्ध में यह कथन **'रामचन्द्र शुक्ल'** का है। शुक्ल जी के आलोचना ग्रंथ- सूरदास, जायसी ग्रन्थावली, हिन्दी साहित्य का इतिहास। जबकि **'हजारी प्रसाद द्विवेदी'** के आलोचनात्मक ग्रन्थ- सूरसाहित्य, हिन्दी साहित्य की भूमिका, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, सहज साधना, हिन्दी साहित्य का आदिकाल कबीर, कालीदास की लालित्य योजना। **'श्यामसुन्दर दास'** की प्रमुख आलोचनात्मक रचनाएं- साहित्यालोचन, भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और साहित्य, रुपक रहस्य, भाषा रहस्य। **'नन्द दुलारे वाजपेयी'** की आलोचनात्मक रचनाएँ- जयशंकर प्रसाद, हिन्दी साहित्यः बीसवीं शताब्दी, आधुनिक साहित्य, प्रेमचन्द, महाकवि सूरदास, रस सिद्धांत, नयी कविता, नया साहित्य नये प्रश्न।

60. निम्नलिखित में से कौन-सी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में है?

(a) नेपाली (b) कांगड़ी
(c) राजस्थानी (d) गोंडवी

Ans. (a) : 'नेपाली' भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में है। संविधान की 8वीं अनुसूची में 22 भाषाओं का उल्लेख है। अतः 71वां संविधान संशोधन (1992 ई.) के द्वारा कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली को जोड़ा गया। (1) असमिया, (2) बंगला, (3) बोडो, (4) डोगरी, (5) गुजराती, (6) हिन्दी, (7) कन्नड़, (8) कश्मीरी, (9) कोंकणी, (10) मैथिली, (11) मलयालम, (12) मणिपुरी, (13) मराठी, (14) नेपाली, (15) उड़िया, (16) पंजाबी, (17) संस्कृत, (18) सन्थाली, (19) सिन्धी, (20) तमिल, (21) तेलगु, (22) उर्दू।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

61. कॉलरिज की काव्य-संबंधी धारणा का प्रमुख आधार क्या है?

(a) साहचर्यवादी सिद्धान्त (b) जैववादी सिद्धान्त
(c) यांत्रिकतवादी सिद्धान्त (d) आनंदवादी सिद्धान्त

Ans. (b) : सैमुअल टेलर कॉलरिज (1772 ई.) की काव्य सम्बन्धी धारणा जैववादी सिद्धान्त पर आधारित है। प्रमुख ग्रंथ- द फ्रेंड (1817) एड्स टु रिफ्लेक्शन (1825) चर्च एण्ड स्टेट (1833) कंफेशंज ऑफ एन इनक्वायरिंग स्पिरिट (1840)

वाद	**प्रवर्तक**
स्वच्छंदतावाद	वड्र्सवर्थ
यथार्थवाद	कार्वे
संरचनावाद	प्रो. फार्दनाद-डि-सस्यूर
प्रतीकवाद	बादलेयर
बिम्बवाद	टी. ई. ह्यम
अजनबीपन	स्केलोवस्को
विखंडनवाद	ज्यॉक देरिदा

62. ''यह मेरे जीवन का केवल अर्ध सत्य है x x x मैंने केवल बहिरंग जीवन का ही विवरण दिया है। x x x जहाँ तक अंतरंग जीवन का प्रश्न है, वह नितान्त मेरा अपना है- आपको उसका समभागी बनाने की उदारता मुझमें नहीं है।''
उपर्युक्त वक्तव्य किस आत्मकथाकार का है?

(a) रामविलास शर्मा (b) नगेन्द्र
(c) शिवपूजन सहाय (d) हरिवंश राय बच्चन

Ans. (b) : ''यह मेरे जीवन..................उदारता मुझमें नहीं है।'' उपर्युक्त वक्तव्य के आत्मकथाकार **नगेन्द्र** हैं। यह उद्दरण उनकी आत्मकथा 'अर्द्धकथा' (1988) से उद्धृत है। जबकि रामविलास शर्मा की आत्मकथा है- मुंडेर पर सूरज (प्रथम भाग), देर सबेर (द्वितीय भाग), आपस की बातें (तृतीय भाग), शिवपूजन सहाय की आत्मकथा है- 'मेरा जीवन' हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा तीन भाग में है- क्या भूलूँ क्या याद करूँ (प्रथम), नीड़ का निर्माण फिर (द्वितीय), बसेरे से दूर (तृतीय), दशद्वार से सोपान तक (चतुर्थ)।

63. निम्नलिखित में से किस उपन्यास में 'राम और काम' का द्वन्द्व चित्रित हुआ है?

(a) अमृत और विष (b) खजन नयन
(c) मानस का हंस (d) नाच्यो बहुत गोपाल

Ans. (c) : मानस का हंस उपन्यास में 'राम और काम' का द्वन्द्व चित्रित हुआ है। **अमृतलाल नागर** के प्रसिद्ध उपन्यास- महाकाल (1947), सेठ बाँके मल (1955), बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नुपुर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघटवाला मुखड़ा (1968), एकदा नैमिषारण्ये (1972), मानस का हंस (1972), नाच्यौ बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981), बिखरे तिनके (1982), अग्निगर्भा (1983), करवट (1985), पीढ़ियाँ (1990)।

64. 'राम की शक्तिपूजा' की रचना कब हुई?

(a) सन् 1934 ई. (b) सन् 1935 ई.
(c) सन् 1936 ई. (d) सन् 1937 ई.

Ans. (c) : 'राम की शक्ति पूजा' की रचना सन् 1936 ई. में हुई जिसके रचनाकार 'निराला जी' हैं। सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जन्म 1899 ई. में जन्मस्थान महिषादल मेदनीपुर में हुआ। निराला कृत 'सरोज स्मृति' को हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ तथा प्रथम शोकगीत माना जाता है।
इनकी महत्वपूर्ण काव्य कृतियाँ हैं- अनामिका (1923 ई.), परिमल (1930 ई.), गीतिका (1936 ई.), तुलसीदास (1938 ई.), कुकुरमुत्ता (1942 ई.), अणिमा (1943), बेला (1946), नये पत्ते (1946 ई.), अर्चना (1950), आराधना (1953), गीतगुंज (1954), सांध्य की कली (1969 ई.)।

65. लाला श्रीनिवासदास ने निम्नलिखित में से किन-किन विधाओं में लिखा है?

(A) नाटक (B) उपन्यास
(C) कविता (D) आलोचना

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए:

(a) (A) और (C) (b) (A), (B) और (C)
(c) (B), (C) और (D) (d) (A) और (B)

Ans. (d) : लाला श्रीनिवासदास ने 'नाटक एवं उपन्यास' विधाओं में लिखने का काम किया। हिन्दी उपन्यास का आरम्भ 'लाला श्रीनिवासदास' के परीक्षागुरू (1882 ई.) से माना जाता है। शुक्ल जी ने परीक्षा गुरू को हिन्दी साहित्य का प्रथम उपन्यास माना है। लाला श्री निवासदास जी के प्रमुख नाटक- रणधीर प्रेम मोहिनी (1878), तप्तासंवरण (1883), संयोगिता स्वयंवर (1885), श्री प्रहलाद चरित्र (1888 ई.)।

66. 'तीसरी कसम' कहानी में गाड़ीवान् ने कौन-सा सामान न लादने की कसम नहीं खाई?

(a) कंपनी की औरत (b) दुलहिन की डोली
(c) चोर बाज़ारी का समान (d) बाँस

Ans. (b) : 'तीसरी कसम' कहानी फणीश्वर नाथ 'रेणु' की प्रसिद्ध कहानी मारे गए गुलफाम पर आधारित है। गाड़ीवान् ने दुलहिन की डोली को न लादने जैसी कोई कसम नहीं खाई। अन्य समान जैसे कंपनी की औरत, चोर बाजारी का समान और बाँस न लादने की कसम खायी थी। फणीश्वर नाथ 'रेणु' की मुख्य कहानियाँ - ठुमरी (1559), आदिम रात्रि की महक (1967), अग्निखोर (1973), एक श्रावणी दोपहर की धूप (1984), अच्छे आदमी (1986)।

67. गैंग्रीन कहानी की 'मालती' बचपन में कैसी लड़की थी?

(A) सरल और शांत लड़की थी
(B) उद्धत और चंचल लड़की थी
(C) पुस्तकें पढ़ने की शौकीन लड़की थी
(D) चोरी से क्लास से भागने वाली लड़की

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A), (B) और (C) (b) (A) और (B)
(c) (B) और (D) (d) (B) और (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : गैंग्रीन कहानी की 'मालती' बचपन में उदण्ड और चंचल लड़की थी, चोरी से क्लास से भागने वाली लड़की थी। प्रयोगवाद (1943-1951) इसका प्रारम्भ अज्ञेय के द्वारा तत्कालीन पत्र पत्रिकाओं में 7 कवियों का संकलन कर तारसप्तक के नाम से प्रकाशित किया गया। अज्ञेय जी ने तारसप्तक की भूमिका में लिखा कि "प्रयोगवादी कवि किसी एक स्कूल के नहीं है। सभी राही है। राही नहीं राह के अन्वेषी हैं। अज्ञेय जी की प्रमुख कहानियाँ- गैंग्रीन (1897), विपथगा (1937), परम्परा (1940), कोठरी की बात (1945), शरणार्थी (1948), जयदोल (1951), ये तेरे प्रतिरूप (1961), अमर वल्लरी (1945)।

68. मन्नू भण्डारी अपनी आत्मकथा में 'आपका बंटी' उपन्यास की विभिन्न समीक्षाओं में किस पक्ष को उपेक्षित मानती हैं?

(a) खंडित बचपन
(b) बच्चे के पालन-पोषण का आर्थिक पक्ष
(c) बाल-मनोवैज्ञानिक पक्ष
(d) मुख्य स्त्री पात्र-स्त्रीत्व

Ans. (d) : मन्नू भण्डारी अपनी आत्मकथा में 'आपका बंटी' उपन्यास की विभिन्न समीक्षाओं 'मुख्य स्त्री पात्र स्तीत्व' को अपेक्षित मानती हैं। मन्नू भण्डारी के प्रमुख **उपन्यास-** एक इंच मुस्कान (1963), राजेन्द्र यादव के साथ लिखा था। इन्होंने आपका बंटी (1971), महाभोज (1979 ई.), कलवा, स्वामी (2014)।
हिन्दी की प्रथम महिला उपन्यासकार 'साध्वी सती प्राण अबला' को माना जाता हैं। इन्होंने सन 1890 ई. में 'सुहासिनी' नामक उपन्यास लिखा।

69. 'नयी कविता' के प्रथम अंक में 'निराला' की किस कविता का अनेक कवियों द्वारा सामूहिक रूपांतर प्रकाशित हुआ था?

(a) वनवेला (b) यमुना के प्रति
(c) वह तोड़ती पत्थर (d) जूही की कली

Ans. (d) : नयी कविता के प्रथम अंक में 'निराला' की कविता जूही की कली' का अनेक कवियों द्वारा सामूहिक रूपान्तर प्रकाशित हुआ था। नयी कविता (1954) नाम 'अज्ञेय' का दिया हुआ है। अपनी एक रेडियो वार्ता में उन्होंने इस पद का सर्वप्रथम प्रयोग किया था जो बाद में 'नये पत्ते' अंक में नयी कविता शीर्षक से प्रकाशित हुई। नयी कविता का आरम्भ सन् 1954 में जगदीश गुप्त द्वारा सम्पादित 'नयी कविता' पत्रिका के प्रकाशन से माना जाता है।

70. "शुक्ल जी ने न तो भारत के रूढ़िवाद को स्वीकार किया, न पश्चिमी व्यक्तिवाद को।"
उपर्युक्त कथन किस लेखक का है?

(a) नन्ददुलारे वाजपेयी (b) रामविलास शर्मा
(c) नामवर सिंह (d) नगेन्द्र

Ans. (b) : "शुक्ल जी ने न तो भारत के रूढ़िवाद को स्वीकार किया। न पश्चिमी व्यक्तित्ववाद को।" यह कथन **रामविलास शर्मा** की है। रामविलास शर्मा के प्रमुख ग्रंथ हैं- प्रेमचंद (1941), भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1942), गोस्वामी तुलसीदास और मध्यकालीन भारत (1944), निराला (1946), साहित्य और संस्कृति (1949), भारत की भाषा समस्या (1949), प्रगति और परम्परा (1953), भाषा साहित्य और संस्कृति (1954), आचार्य रामचंद शुक्ल और हिन्दी आलोचना (1956)।

71. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम क्या है?

(a) काव्यालंकार, नाट्यशास्त्र, ध्वन्यालोक, साहित्य दर्पण
(b) ध्वन्यालोक, नाट्यशास्त्र, काव्यालंकार, साहित्य दर्पण
(c) नाट्यशास्त्र, ध्वन्यालोक, साहित्य दर्पण, काव्यालंकार
(d) नाट्यशास्त्र, काव्यालंकार, ध्वन्यालोक, साहित्य दर्पण

Ans. (d) :

रचना	रचनाकार
नाट्यशास्त्र	आचार्य भरतमुनि
काव्यालंकार	आचार्य भामह
ध्वन्यालोक	आनन्दवर्धन
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ

72. "इस समय तो भारतीय पुरुष जैसे अपने मनोरंजन के लिए रंग-बिरंगे पक्षी पाल लेता है, उपयोग के लिए गाय और घोड़ा पाल लेता है, उसी प्रकार वह एक स्त्री को पालता है तथा पालित पशु-पक्षियों के समान ही वह उसके शरीर और मन पर अधिकार समझता है।"
उपर्युक्त कथन किसका है?

(a) महादेवी वर्मा (b) प्रभा खेतान
(c) अनामिका (d) मैत्रेयी पुष्पा

Ans. (a) : उपर्युक्त कथन महादेवी वर्मा का है। महादेवी वर्मा (जन्म-1907) को 'आधुनिक युग की मीरा' एवं हिन्दी के विशाल मन्दिर की 'वीणा पाणि' कहा जाता है। महादेवी वर्मा को बौद्ध दर्शन से प्रभावित रहस्यवादी कवयित्री के रूप में स्वीकार किया जाता है। इनका सर्वाधिक प्रिय प्रतीक दीपक और बादल हैं।
रेखाचित्र-अतीत के चलचित्र (1941), स्मृति की रेखाएँ (1943)।
संस्मरण-पथ के साथी (1956) मेरा परिवार (1972 पशु पक्षियों पर)
कविता संग्रह- नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, यामा।

73. निम्नलिखित में से कौन-सी रचनाएँ केशवदास की हैं

(A) रसिक प्रिया (B) अनुप्रास विनोद
(C) विज्ञान गीता (D) रस सागर

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :

(a) (A) और (C) (b) (A), (B) और (C)
(c) (B), (C) और (D) (d) (C) और (D)

Ans. (a) : रसिक प्रिया, विज्ञान गीता केशवदास की रचनाएँ हैं। केशवदास जी की अन्य रचनाएँ हैं- (1) कवि प्रिया, (2) रामचन्द्रिका, (3) रतनबावनी, (4) विज्ञानगीता, (5) जहाँगीर जस चन्द्रिका, (6) वीरसिंह देव चरित।
अलंकारवादी रामभक्त कवि केशवदास को 'कठिन काव्य का प्रेत' कहा जाता है। शुक्ल जी ने केशव जी के विषय में कहा कि "प्रबन्ध रचना के योग्य न तो केशव में शक्ति थी और न अनभूति" "केशव केवल उक्ति वैचित्र्य एवं शब्द क्रीड़ा के कवि थे।"

74. नामवर सिंह ने "संस्कृति और सौंदर्य' निबन्ध में हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित 'अशोक के फूल' की रचना का उद्देश्य निम्नलिखित में से किसे माना है?

(a) प्रकृति वर्णन
(b) संस्कृति की मिश्रता को उजागर करना
(c) आर्य संस्कृति की शुद्धता के अहंकार पर चोट
(d) सामासिक संस्कृति को प्रोत्साहन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : नामवर सिंह ने 'संस्कृति और सौंदर्य 'निबन्ध में हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित 'अशोक के फूल' की रचना का उद्देश्य 'आर्य संस्कृति की शुद्धता के अलंकार पर चोट' को माना है।
नामवर सिंह जी के प्रमुख निबंध- बकलम खुद (1951), वाद विवाद संवाद (1989 ई.)।
हजारी प्रसाद द्विवेदी के प्रमुख निबन्ध- अशोक के फूल (1948 ई.), कल्पलता (1951), मध्यकालीन धर्मसाधना (1952), विचार और विर्तक (1957), विचार प्रवाह (1959), कुटज (1964), साहित्य सहचर (1965), आलोक पर्व (1972), शिरीष के फूल, भारतीय संस्कृति की देन, काव्य कला, कविता का भविष्य नई समस्याएँ, आम फिर बौरा गए, बसन्त आ गया, अवतारवाद।

75. जन्म-काल के अनुसार निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम क्या है?
(a) केशवदास, बिहारी, मतिराम, घनानंद
(b) बिहारी, केशवदास, घनानंद, मतिराम
(c) केशवदास, मतिराम, घनानंद, बिहारी
(d) घनानंद, बिहारी, केशवदास, मतिराम

Ans. (a) :

रचनाकार		जन्म-काल
केशवदास	-	1555
बिहारी	-	1595
मतिराम	-	1604
घनानंद	-	1673

76. यशपाल के उपन्यास 'झूठा सच' में दौलतराम आजाद किस राजनीतिक दल का सदस्य था?
(a) कांग्रेस (b) कम्युनिस्ट पार्टी
(c) मुस्लिम पार्टी (d) जनसंघ

Ans. (b) : यशपाल के उपन्यास 'झूठा सच' में दौलतराम आजाद कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य थे। प्रगतिवादी या मार्क्सवादी विचारधारा के उपन्यासकारों में प्रथमतः यशपाल का नाम आता है।
प्रमुख उपन्यास- दादा कामरेड (1941), देशद्रोही (1943), दिव्या (1945 ई.), पार्टी कामरेड (1946), मनुष्य के रूप (1949 ई.), अमिता (1956 ई.), झूठा सच (1958), बारह घण्टे (1962), अप्सरा का श्राप (1965), मेरी तेरी उसकी बात (1974 ई.)।

77. रामचन्द्र शुक्ल ने रहस्यवाद के मूल अर्थ में किस छायावादी कवि को सर्वाधिक प्रमुख माना है?
(a) पंत (b) प्रसाद
(c) निराला (d) महादेवी वर्मा

Ans. (d) : रामचन्द्र शुक्ल ने रहस्यवाद के मूल अर्थ में 'महादेवी वर्मा' को छायावादी कवियों में सर्वाधिक प्रमुख माना है। इन्हें 'आधुनिक युग की मीरा' भी कहा जाता है।
हिन्दी में छायावाद के प्रथम प्रयोक्ता मुकुटधर पाण्डेय को मानते हैं।
छायावाद के 4 स्तम्भ-जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानन्दन पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा।

78. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों से सुमेलित कीजिए :

सूची-I काव्य पंक्तियाँ	सूची-II रचनाकार
(A) मैं बकता नहीं हूँ कविताएँ /ईजाद करता हूँ गाली	(i) धूमिल
(B) इस वक्त जबकि कान नहीं सुनते हैं कविताएँ/ कविता पेट से सुनी जाती है	(ii) श्रीकान्त वर्मा
(C) आज फिर शुरु हुआ जीवन, आज मैंने एक छोटी-सी सरल सी कविता पढ़ी	(iii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(D) मैं नया कवि हूँ/ इसी से जानता हूँ सत्य की चोट बहुत गहरी होती है	(iv) रघुवीर सहाय
	(v) शमशेर बहादुर सिंह

निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए :
(a) (A)-(v); (B)-(ii); (C)-(iii); (D)-(iv)
(b) (A)-(iv); (B)-(iii); (C)-(ii); (D)-(i)
(c) (A)-(ii); (B)-(i); (C)-(iv); (D)-(iii)
(d) (A)-(iii); (B)-(ii); (C)-(iv); (D)-(v)

Ans. (c) : सुदामा पाण्डे 'धूमिल' की महत्वपूर्ण पंक्तियाँ-
- इस वक्त जबकि कान नही सुनते हैं कविताएँ पेट से सुनी जाती हैं।
- यह जनतंत्र, जिसकी रोज सैकड़ों बार हत्या होती है।
- भूख से रिरियाती हुई हथेली का नाम दया है।
- हाँ हाँ मैं कवि हूँ कवि-यानी भाषा में भदेस हूँ।

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की महत्वपूर्ण पंक्तियां - (1) मैं नया कवि हूँ/इसी से जानता हूँ सत्य की चोट बहुत गहरी होती है। (2) लीक पर वे चले जिनके चरण दुर्बल और हारे हैं (3) लोकतंत्र को जूते की तरह लाठी में लटकाए भागे जा रहे हैं सभी सीना फुलाए।
रघुवीर सहाय जी की महत्वपूर्ण पंक्तियां- (1) राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत-भाग्य विधाता है। फटा सुथन्ना पहने जिसका गुन हर चरना गाता है। (2) आज फिर शुरू हुआ जीवन आज मैंने एक छोटी सी सरल सी कविता पढ़ी।
शमशेर बहादुर सिंह की महत्वपूर्ण पंक्तियां- (1) चूका भी हूँ मैं नही, कहाँ किया मैंने प्रेम अभी (2) एक पीली शाम पतझर का जरा अटका हुआ पत्ता (3) बात बोलेगी हम नही भेद खोलेगी।

79. प्रकाशन काल की दृष्टि से सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?
(a) द्रौपदी, रति का कंगन, आठवाँ सर्ग, शकुन्तला की अँगूठी
(b) आठवाँ सर्ग, शकुन्तला की अँगूठी, द्रौपदी, रति का कंगन
(c) द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, शकुन्तला की अँगूठी, रति का कंगन
(d) शकुन्तला की अँगूठी, द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, रति का कंगन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : प्रकाशनकाल की दृष्टि से सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का सही क्रम है-द्रौपदी (1972 ई.), आठवाँ सर्ग (1976 ई.), शकुन्तला की अँगूठी (1990), रति का कंगन।
द्रौपदी (1972), सेतुबंध (1972), नायक खलनायक विदूषक (1972), सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975), आठवाँ सर्ग (1975), छोटे सैय्यद बड़े सैय्यद (1978), एक दूनी एक (1987), शकुन्तला की अँगूठी (1990), कैद -ए-हयात (1993)।

80. हिन्दी पर सामासिक संस्कृति के वहन का दायित्व संविधान के किस अनुच्छेद में निर्धारित है?
(a) 343 (b) 348
(c) 349 (d) 351

Ans. (d) : अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश है। हिन्दी पर सामासिक संस्कृति के वहन का दायित्व संविधान के 351 अनुच्छेद में निर्धारित है। **अनुच्छेद- 343** संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी।
अनुच्छेद- 348 उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय आदि में प्रयोग की जाने वाली भाषा।
अनुच्छेद- 349 भाषा संबंधित कुछ विधियाँ अधिनियमित करने की विशेष प्रक्रिया।

81. गाँधीवाद के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) इसके पीछे मार्क्सवाद के समान व्यवस्थित शास्त्रीय अध्ययन नहीं है।
(b) इसका आधार तर्क नहीं सहानुभूति है।
(c) इसमें विचार-स्वातंत्र्य का अभाव है।
(d) इनके विचारों का स्रोत दैनिक साधना है।

Ans. (c) : गांधीवाद के संदर्भ में "इसमें विचार-स्वातंत्र्य का अभाव है" कथन सही नहीं है। अन्य विकल्प गाँधीवाद के संदर्भ में सही हैं। गांधीवाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथन सत्य हैं।
(i) इसके पीछे मार्क्सवाद के समान व्यवस्थित शास्त्रीय अध्ययन नहीं है।
(ii) इसका आधार तर्क नहीं सहानुभूति है।
(iii) इनके विचारों का स्रोत दैनिक साधना है।
गांधीवाद महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता है इनके आदर्शो, विश्वासों एवं दर्शन से उद्भूत विचारों के संग्रह को गाँधीवाद कहा जाता है। गाँधी जी स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेताओं में से थे।

**82. 'बालि का सपूत कपिकुल पुरहूत,
रघुवीर जू को दूत धरि रूप विकराल को।'
उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस रचनाकार की है?**
(a) केशवदास
(b) तुलसीदास
(c) सेनापति
(d) मतिराम

Ans. (c) : प्रश्नोक्त पंक्तियाँ रीतिकालीन रामकथा के कवि सेनापति की हैं। शेष का विवरण इस प्रकार है-

कवि	**पंक्तियां**
केशवदास	"जदपि सुजाति सुलच्छनी, सुबरन सरस सुवृत्त। भूषन बिनु न बिराजई कविता बनिता मित्त।। "भाषा बोलि न जानहिं जिनके कुल के दास। राम को काम कहा रिपु जीतहि कौन कबै रिपु जीत्यों कहा।।
तुलसीदास	"गोरख जागायो जोगु, भगति भगायो लोगु। निगम नियोगते सो केलि ही छरो सो है।। "अबलौ नसानी अब न नसैहो" "केसव! कहि न जाइ का कहिये।
सेनापति	'बालि का सपूत कपिकुल पुरहुत, रघुवीर जू को दूत धरि रूप विकराल को।। 'वृष को तरनि तेज सहसौ करनि तपै, 'दरि जदुराई सेनापति सुखदाई देखौ,
मतिराम	कोऊ कितेक उपाय करो, कहुँ होत है आपुने पीव पराये।। 'कुंदन को रंग फीकौ लगै झलकै अति अंगन चारू गुराई' 'केलि कै राति अघाने नहीं दिन ही में लला पुनि घात लगाई।

83. 'कलिकौतुक' के रचयिता कौन हैं?
(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (b) प्रतापनारायण मिश्र
(c) बालकृष्ण भट्ट (d) बालमुकुंद गुप्त

Ans. (b) : 'कलिकौतुक' के रचयिता **प्रतापनारायण** मिश्र हैं। इनकी **अन्य रचनाएँ-** प्रेम पुष्पावली, मन की लहर, लोकोक्तिशतक, तृप्यन्ताम, शृंगार विलास, हर गंगा।
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी की महत्वपूर्ण रचनाएँ- भक्ति सर्वस्व, प्रेम मालिका, कार्तिक स्नान, प्रेम सरोवर, प्रेम माधुरी, प्रेमतरंग, प्रेम प्रलाप, राग संग्रह, फूलों का गुच्छा, बकरी-विलाप, विजयिनी विजय वैजयंती, नये जमाने की मुकरी, बंदरसभा, वसन्त होली विजय वल्लरी, जातीय संगीत।

**84. "बचन सिंह सिहर-सा गया और उसके हाथों की अभ्यस्त निठुराई को जैसे किसी मानवीय कोमलता ने धीरे-से छू लिया।"
उपर्युक्त कथन किस कहानी का है?**
(a) अमृतसर आ गया है (b) सिक्का बदल गया
(c) राजा निरबंसिया (d) उसने कहा था

Ans. (c) : "बचन सिंह सिहर-सा गया और उसके हाथों की अभ्यस्त निठुराई को जैसे किसी मानवीय कोमलता ने धीरे-से छू लिया" उपर्युक्त कथन **राजा निरबंसिया** कमलेश्वर द्वारा लिखित कहानी का है।
कमलेश्वर जी की महत्त्वपूर्ण कहानियाँ- राजा निरबंसिया (1957), कस्बे का आदमी (1958), खोई हुई दिशाएँ (1963), माँस का दरिया (1966), बयान (1973), आजादी मुबारक (2002)।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कृष्णा सोबती की महत्त्वपूर्ण कहानियाँ- सिक्का बदल गया, बादलों के घेरे
चंद्रधर शर्मा गुलेरी की महत्त्वपूर्ण कहानियाँ- उसने कहा था, (1915), बुद्धू का काँटा (1914), सुखमय जीवन (1911)।
भीष्म साहनी जी की महत्वपूर्ण रचना- अमृतसर आ गया, भाग्य रेखा (1953), पहला पाठ (1957), भटकती राख (1965), पटरिया (1973), वाङ्चू (1978)।

85. भीष्म साहनी के नाटकों की कौन-सी विशेषताएँ हैं?
(A) भारतीय नारी की पीड़ा का प्रभावी प्रस्तुतीकरण
(B) भारतीय संस्कृति की पुनरुत्थानवादी अभिव्यक्ति
(C) मध्यकालीन धर्मान्धिता, अनाचार तथा तानाशाही की सामयिक संगति
(D) साम्प्रदायिक एकता और राष्ट्रीय अखण्डता की अभिव्यक्ति
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए:
(a) (A) और (B) (b) (A) और (C)
(c) (B) और (C) (d) (C) और (D)

Ans. (b) : भीष्म साहनी के नाटकों की विशेषताएँ हैं–
(i) भारतीय नारी की पीड़ा का प्रभावी प्रस्तुतीकरण
(ii) मध्यकालीन धर्मान्धता, अनाचार तथा तानाशाही की सामयिक संगति।
भीष्म साहनी के प्रमुख नाटक- हानूश (1977), कबिरा खड़ा बाजार में (1981), माधवी (1985), मुआवजे (1993), रंग दे बसन्ती चोला (1998), आलमगीर (1999)।

86. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'प्रिय प्रवास' की निम्नलिखित में से किस विशेषता का उल्लेख नहीं किया है?
(a) अधिकतर पदों में बड़े ढंग से हिंदी अपनी चाल पर चली चलती दिखाई पड़ती है।
(b) इसकी कथावस्तु एक अच्छे प्रबन्ध के लिए पर्याप्त है।
(c) यह काव्य अधिकतर भाव व्यंजनात्मक और वर्णनात्मक है।
(d) हिंदी को 'है', 'था' 'किया' 'दिया' ऐसी दो एक क्रियाओं के भीतर ही सिमट कर रह जाना पड़ा है।

Ans. (b) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'प्रिय प्रवास' की विशेषता में 'इसकी कथावस्तु एक अच्छे प्रबन्ध के लिए पर्याप्त है' का उल्लेख नहीं किया है। अन्य विकल्प आचार्य शुक्ल द्वारा प्रियप्रवास के सम्बन्ध में बतायी गयी विशेषता है। 'प्रियप्रवास' हरिऔध जी का हिन्दी खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है।
अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की महत्वपूर्ण रचनायें हैं- रसिक रहस्य (1899), प्रेम प्रपंच (1900), चोखे चौपदे (1932), चुभते चौपदे (1924), प्रिय प्रवास (1914), पद्य प्रसून (1925), रस कलस (1931), फूल पत्ते (1936), कल्पलता (1937), मर्म स्पर्श (1956)।

87. निम्नलिखित में से क्या 'तमस' उपन्यास में साम्प्रदायिक भावना के निर्माण में सहायक नहीं है?
(a) साम्प्रदायिक पूर्वाग्रह
(b) विभिन्न सम्प्रदायों का एक स्थान पर वास
(c) वर्गीय पूर्वाग्रह
(d) अतीत की गौरव-गाथाएँ।

Ans. (b) : विभिन्न सम्प्रदायों का एक स्थान पर वास 'तमस' उपन्यास में साम्प्रदायिक भावना के निर्माण में सहायक नहीं है। तमस उपन्यास में साम्प्रदायिक भावना के निर्माण में सहायक तत्व- (1) साम्प्रदायिक पूर्वाग्रह (2) वर्गीय पूर्वाग्रह (3) अतीत के गौरव गाथाएं।
भीष्म साहनी के प्रमुख उपन्यास- झरोखे (1967), कड़ियाँ (1970), तमस (1973), बसन्ती (1980), मैय्यादास की गाड़ी (1998), कुन्तो (1993), नीलू नीलिमा नोलोफर (2000), जयहिन्द की सेना (2010), भाग्यरेखा।

88. निम्नलिखित में से कौन-सी रचनाएँ पुष्पदंत द्वारा रचित नहीं हैं?
(A) आदिपुराण (B) योगसार
(C) जसहर चरिउ (D) उत्तर पुराण
नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए:
(a) (A), (B) और (C) (b) (B) और (C)
(c) (B), (C) और (D) (d) (A) और (D)

Ans. (*) : आयोग ने इस प्रश्न में सबको समान अंक दिये हैं।
पुष्पदंत की प्रमुख रचनाएँ-तिरसठी महापुरिम गुणालंकार णयकुमारचरिउ, जसहर चरिउ।
पुष्पदंत ने अपने काव्य में चौपाई छन्द का प्रयोग किया है।
पुष्पदंत को हिन्दी का 'भवभूति' कहा जाता है।

89. ''निराला जी पर बंग भाषा की काव्यशैली का प्रभाव, समास में गुम्फित पदवल्लरी, क्रियापद के लोप आदि में स्पष्ट झलकता है। लाक्षणिक वैलक्षण्य लाने की प्रवृत्ति इनमें उतनी नहीं पाई जाती जितनी प्रसाद और पंत में। ''
उपर्युक्त कथन किसका है?
(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी (b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) रामस्वरूप चतुर्वेदी (d) नगेन्द्र

Ans. (b) : ''निराला जी पर बंग भाषा की काव्यशैली का प्रभाव समास में गुम्फित पदवल्लरी, क्रियापद के लोप आदि में स्पष्ट झलकता है। लाक्षणिक वैलक्षण्य लाने की प्रवृत्ति इनमें उतनी नहीं पाई जाती जितनी प्रसाद और पंत में।'' उपर्युक्त कथन रामचन्द्र शुक्ल जी का है। शुक्लजी ने निराला के सम्बन्ध में अन्यत्र कहा है- ''बहुवस्तुस्पर्शिनी प्रतिभा निराला जी में है।'' निराला ओज, औदात्य और विद्रोह के कवि हैं।

90. निर्देशः प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमे से एक स्थापना (Assertion) (A) है। और दूसरा तर्क (Reason) (R) है। दिए गए विकल्पों मे से सही विकल्प का चयन कीजिए:
स्थापना (Assertion) (A): कविता केवल वस्तुओं के ही रंग रूप में सौन्दर्य की छटा नहीं दिखाती, प्रत्युत कर्म और मनोवृत्ति के सौन्दर्य के भी अत्यन्त मार्मिक दृश्य सामने लाती है।
तर्क (Reason) (R) : वह विकसित कमल के सौन्दर्य का चित्रण जो करती है पर शव नोचते कुत्तों के वीभत्स व्यापार की झलक नहीं दिखाती क्योंकि वीभत्स व्यापार का चित्रण शास्त्रानुमोदित नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विकल्पः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) सही

Ans. (a) : कविता केवल वस्तुओं के ही रंग रूप में सौन्दर्य की छटा नहीं दिखाती, प्रत्युत, कर्म और मनोवृत्ति के सौन्दर्य के भी अत्यन्त मार्मिक दृश्य सामने लाती है। क्योंकि कविता का विस्तृत स्वरूप मन में परिलक्षित विचारों के कारण ही होता है मन में कल्पना का संचार जितना अधिक होगा कविता का रूप उतना ही हृदय को आकर्षित करने वाला होगा।

91. निर्देशः प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है। और दूसरा तर्क (Reason) (R) है। दिए गए विकल्पों मे ंसे सही विकल्प का चयन कीजिएः

स्थापना (Assertion) (A): बिम्बवाद में शब्दों की कमखर्ची, भाषा के समासगुण कम-से-कम शब्दों के प्रयोग से अधिकाधिक अर्थ-व्यंजना को महत्त्व दिया गया है।

तर्क (Reason) (R) : बिम्बवाद के समर्थकों का मानना था कि विषय का सपाट और प्रत्यक्ष निरूपण किया जाना चाहिए।

विकल्पः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) सही

Ans. (a) : विम्बवाद में शब्दों की कम खर्ची, भाषा के समासगुण कम से कम शब्दों के प्रयोग से अधिकाधिक अर्थ व्यंजन का महत्त्व दिया गया है। स्थापना के सम्बन्ध में यह कथन सही है। जबकि दिया गया तर्क 'बिम्बवाद के समर्थकों का मानना था कि विषय का सपाट और प्रत्यक्ष किया जाना चाहिए।' स्थापन के सम्बन्ध में सही नहीं है।

92. निर्देशः प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है। और दूसरा तर्क (Reason) (R) है। दिए गए विकल्पों मे ंसे सही विकल्प का चयन कीजिएः

स्थापना (Assertion) (A): कविता का अंतिम लक्ष्य जगत् के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य हृदय का सामंजस्य स्थापन है।

तर्क (Reason) (R) : केवल मनोरंजन करना कविता का उद्देश्य नहीं है।

विकल्पः

(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) सही

Ans. (c) : कथन (A) और (R) दोनों सही हैं क्योंकि कविता का अंतिम लक्ष्य जगत के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य हृदय का सामंजस्य स्थापन करना होता है जबकि दिया गया तर्क 'केवल मनोरंजन करना कविता का उद्देश्य नहीं है। बल्कि कविता का उद्देश्य सही है मार्मिक उपदेश देना होना चाहिए।

93. निर्देशः प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमे से एक स्थापना (Assertion) (A) है। और दूसरा तर्क (Reason) (R) है। दिए गए विकल्पों मे ंसे सही विकल्प का चयन कीजिएः

स्थापना (Assertion) (A) : उन्नीसवीं शताब्दी का नवजागरण भक्तिकालीन लोकजागरण से भिन्न इस बात में है कि वह उपनिवेशवादी दौर की उपज है।

तर्क (Reason) (R) : उनकी ऐतिहासिक अन्तर्वस्तु एक समान है।

विकल्पः

(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

Ans. (d) : इसमें कथन (A) सही है जबकि (R) पूर्णतः गलत है। उन्नीसवीं शताब्दी का नवजागरण भक्तिकालीन लोकजागरण से भिन्न इस बात में है कि वह उपनिवेशवादी दौर की उपज है। स्थापना के सम्बन्ध में दिया गया कथन सही है। जबकि दिया गया तर्क 'उनकी ऐतिहासिक अन्तर्वस्तु एक समान है।' सही नही है।

94. निर्देशः प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है। और दूसरा तर्क (Reason) (R) है। दिए गए विकल्पों मे ंसे सही विकल्प का चयन कीजिएः

स्थापना (Assertion) (A): कला का आस्वाद युग-निरपेक्ष नहीं होता।

तर्क (Reason) (R) : शाश्वतता का गुण कालजयी कलाकृतियों में सहज अन्तर्भूत नहीं होता।

विकल्पः

(a) (A) सही (R) गलत
(b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही
(d) (A) सही (R) सही

Ans. (b) : उपर्युक्त में कथन और कारण दोनों गलत हैं। इसका रूप है- कला का आस्वाद युग निरपेक्ष होता है क्योंकि कला में युग का प्रभाव स्पष्ट रूप से पड़ता है साथ ही साथ शाश्वता का गुण कालजयी कलाकृतियों में सहज अन्तर्भूत होता है।

95. निर्देशः प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमे से एक स्थापना (Assertion) (A) है। और दूसरा तर्क (Reason) (R) है। दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिएः

स्थापना (Assertion) (A): यूरोपीय साहित्य मीमांसा में कल्पना को बहुत प्रधानता दी गई है।

तर्क (Reason) (R) : कल्पना काव्य का अनिवार्य साध्य है।

विकल्पः

(a) (A) सही (R) सही
(b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) गलत
(d) (A) गलत (R) गलत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans. (c) : उपर्युक्त कथन में (A) सही है जबकी (R) गलत है। यूरोपीय साहित्य मीमांसा में कल्पना को बहुत प्रधानता दी गई है। स्थापना के सम्बन्ध में कथन सही जबकि दिया गया तर्क 'कल्पना काव्य का अनिवार्य साध्य है' सही नहीं हैं, बल्कि कल्पना काव्य का अनिवार्य साधन होती है।

भारतीय काव्य-मनीषियों ने काव्य की वस्तु के साथ ही उसके अर्थ की सीमा का अन्वेषण भी किया है। काव्य की अर्थव्याप्ति समूचे मानवलोक में होती है। काव्य का संबंध उस अर्थ से है जिसमें कल्पना और सौंदर्य का आधार होता है। राजशेखर ने कल्पना को स्वीकार करते हुए कहा है कि काव्य के कर्त्ताओं को वस्तुओं का स्वरूप जैसा प्रतिभासित होता है उसका वर्णन वे उसी रूप में करते हैं। काव्य और दर्शन तथा काव्य और विज्ञान में भी अंतर होता है। काव्य का सत्य विज्ञान के सत्य से भिन्न है। क्योंकि काव्य का सत्य तथ्यात्मक नहीं अनुभूत्यात्मक होता है और यह अनिवार्य रूप से मानवकल्याण का साधन भी है। काव्य में असत्य नामक वस्तु की कोई सत्ता संभव नहीं है बल्कि उसमें वर्णित वस्तुओं की अपनी एक विशिष्ट सत्ता होती है। काव्य की वस्तु कवि की निजी अनुभूति पर आधारित है। वस्तुतः काव्य में सत्याभास के समान प्रतीत अर्थवाद ही होता है जिसके आधार पर काव्य की वस्तु को असत्य नहीं कहा जा सकता है। राजशेखर के अनुसार काव्य में शिव के साथ अशिव के समावेश का कारण यह है कि कवि लोक की यात्रा करता है और सुंदर के साथ असुंदर का चित्रण सुंदर की महत्ता को प्रतिपादित करने के लिए ही करता है। काव्य में सुंदर के साथ असुंदर, शिव के साथ अशिव और सत्य के साथ असत्य का समावेश करता है। अतएव असुंदर का अशिव का चित्रण सुंदर और शिव के संप्रेषण के लिए अनिवार्य है। यह उपदेश निषेध रूप में होता है, विधेय रूप में नहीं, क्योंकि काव्य का मूल प्रयोजन सुंदर और शिव में अंतर्भूत है जो सत्य के रूप में ही व्यक्त होता है। आधुनिक काव्य में सौंदर्यबोध के नए व्यापक धरातल में सुंदर और असुंदर का समावेश किया गया है। प्राचीन काव्यशास्त्र में अर्थभिन्नता की दृष्टि से इसकी स्वीकृति इस तथ्य का प्रमाण है कि बदले हुए समसामयिक संदर्भ में भी इस काव्यदृष्टि में प्रासंगिकता समाप्त नहीं हुई है। वस्तुतः काव्यमनीषियों की दृष्टि एकांगी न होकर समन्वयात्मक रही है जो उसकी प्रगतिशील दृष्टि का ही प्रतीक है। यह सत्य है कि इस दृष्टि का कारण मनोवैज्ञानिक यथार्थवाद न होकर आदर्शवादी दार्शनिकता ही है।

96. उपर्युक्त अनुच्छेद के सन्दर्भ में काव्य-मनीषियों की दृष्टि से समन्वयात्मक होने का आधार क्या है?

(a) उसका मनोवैज्ञानिक यथार्थ से जुड़ा होना
(b) मनोवैज्ञानिक यथार्थ और आदर्शवाद से जुड़ा होना
(c) प्रगतिवाद के सैद्धान्तिक आधार को अपनाना
(d) आदर्शवादी दार्शनिकता से जुड़ा होना

Ans. (d) : उपर्युक्त अनुच्छेद के सन्दर्भ में काव्य-मनीषियों की दृष्टि से समन्वयात्मक होने का आधार आदर्शवादी दार्शनिकता से जुड़ा होना है। आदर्शवादी दार्शनिकता से आशय आदर्श स्वरूप व आदर्श सत्ता को स्वीकार कर निरन्तर गतिशील रहना है।

97. उपर्युक्त अनुच्छेद के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) काव्य में सुन्दर के साथ असुंदर का समावेश रहता है।
(b) काव्य का मूल प्रयोजन सत्य के रूप में ही अभिव्यक्त होता है।
(c) कवि क्योंकि लोक की यात्रा करता है, इसलिए सुंदर के साथ असुंदर का चित्रण संभव नहीं
(d) अशिव का चित्रण शिव के चित्रण के लिए अनिवार्य है

Ans. (c) : उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में 'कवि क्योंकि लोक की यात्रा करता है इसलिए सुन्दर के साथ असुन्दर का चित्रण संभव नहीं, यह कथन सही नहीं हैं जबकि राजशेखर के अनुसार काव्य में सुन्दर के साथ असुंदर का समावेश रहता हैं। काव्य का मूल प्रयोजन सत्य के रूप में ही अभिव्यक्त होता है। अशिव का चित्रण शिव के चित्रण के लिए अनिवार्य है।

98. उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार काव्य-मनीषियों की प्रगतिशील दृष्टि का आधार क्या है?

(a) काव्य को तथ्यात्मक रूप में चित्रित करना
(b) समन्वयात्मक दृष्टि को अपनाना
(c) काव्य और अशिव और असुंदर को प्रमुखता देना
(d) कल्पना को काव्य का आधार बनाना

Ans. (b) : उपर्युक्त अनुच्छेद के अनुसार काव्य-मनीषियों की प्रगतिशील दृष्टि का आधार एकांकी न होकर समन्वयात्मक दृष्टि को अपनाना है। शेष विकल्प सही नहीं है।

99. उपर्युक्त अनुच्छेद के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) काव्य का सत्य अनिवार्य रूप से मानव- कल्याण का साधन नहीं है।
(b) काव्य का सत्य तथ्यात्मक होता है
(c) काव्य का सत्य विज्ञान के सत्य से अभिन्न होता है
(d) काव्य का सत्य अनुभूतिपरक है।

Ans. (d) : उपर्युक्त अनुच्छेद में काव्य का सत्य विज्ञान के सत्य से भिन्न है क्योंकि काव्य का सत्य अनुभूतिपरक होता है और यह अनिवार्य रूप से मानवकल्याण का साधन भी हैं। काव्य सिर्फ सत्य की सत्ता स्थापित होती है।

100. उपर्युक्त अनुच्छेद के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) काव्य की अर्थव्याप्ति समूचे मानव-लोक में होती है
(b) काव्य के अर्थ का आधार कल्पना और सौन्दर्य है
(c) काव्य के कर्त्ता वस्तुओं का वर्णन उसी रूप में नहीं करते जैसा उन्हें प्रतिभासित होता है।
(d) भारतीय काव्य-मनीषा ने अर्थ की सीमा का भी अन्वेषण किया है।

Ans. (c) : उपर्युक्त अनुच्छेद के सन्दर्भ में विकल्प (c) कथन है- 'काव्य के कर्ता वस्तुओं का वर्णन उसी रूप में नहीं करते जैसे उन्हे प्रतिभाषित होता है।' सही नहीं है। जबकि अन्य कथन सही हैं जो इस प्रकार हैं। भारतीय काव्य- मनीषियों ने काव्य की वस्तु के साथ ही उसके अर्थ की सीमा का अन्वेषण भी किया है। काव्य की अर्थव्याप्ति समूचे मानवलोक में होती है। काव्य का संबंध उस अर्थ से है जिसमें कल्पना और सौन्दर्य का आधार होता हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. एनटीए नेट परीक्षा दिसम्बर-2018
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न पत्र
विश्लेषण सहित व्याख्या

समय : 2 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 200

1. इनमें से कौन सी बोली 'बिहारी हिन्दी' वर्ग में नहीं आती है?
(a) भोजपुरी (b) मगही
(c) मैथिली (d) छत्तीसगढ़ी

Ans : (d) 'छत्तीसगढ़ी' बोली बिहारी हिन्दी के अन्तर्गत नहीं आती बल्कि यह पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत आती है। पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत तीन बोलियाँ आती हैं अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी जबकि भोजपुरी, मगही और मैथिली बिहारी हिन्दी के अन्तर्गत आती हैं।

2. ''संस्कृत का कोई भी शब्द मनचाहे ढंग से तोड़-मरोड़कर 'तद्‌भव' नहीं बनाया जा सकता।''
उपर्युक्त विचार किस विद्वान का है?
(a) सुनीति कुमार चटर्जी (b) जार्ज ग्रियर्सन
(c) नामवर सिंह (d) रामविलास शर्मा

Ans : (d) दिया गया कथन-'संस्कृत का कोई भी शब्द मनचाहे ढंग से तोड़-मरोड़कर 'तद्भव' नहीं बनाया जा सकता।'' यह कथन आलोचक रामविलास शर्मा का है जबकि सुनीति कुमार चटर्जी, जार्ज ग्रियर्सन और नामवर सिंह का इस कथन से सम्बन्ध नहीं है।

3. ''सिद्धों और योगियों की रचनाओं का जीवन की स्वाभाविक अनुभूतियों और दशाओं से कोई संबंध नहीं है। अतः वे शुद्ध साहित्य के अंतर्गत नहीं आतीं।'' यह विचार किसका है?
(a) मुनि जिनविजय (b) रामचंद्र शुक्ल
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी (d) धीरेन्द्र वर्मा

Ans : (b) ''सिद्धों और योगियों की रचनाओं का जीवन की स्वाभाविक अनुभूतियों और दशाओं से कोई सम्बन्ध नहीं है। अतः वे शुद्ध साहित्य के अंतर्गत नहीं आती।'' यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। जबकि मुनि जिनविजय, हजारी प्रसाद द्विवेदी और धीरेन्द्र वर्मा का सम्बन्ध इस कथन से नहीं है।

4. कि आरे ! नव जीवन अभिरामा।
जत देखल तत कहए न पारिअ, छओ अनुपम एक ठामा।।
उक्त काव्य-पंक्तियों में कवि कहना चाहता है कि वह-
(a) रूप-वर्णन करनें में संभ्रम की स्थिति में है।
(b) आंशिक रूप से रूप वर्णन करने में समर्थ है।
(c) रूप-वर्णन करने में समर्थ है।
(d) रूप-वर्णन करने में असमर्थ है।

Ans : (d) दी गयी पंक्ति--------''कि आरे! नव जीवन अभिरामा ------------छओ अनुपम एक ठामा।'' उक्त काव्य पंक्तियों में कवि कहना चाहता है कि वह रूप वर्णन करने में असमर्थ है। जबकि रूप वर्णन करने में संभ्रम की स्थिति में है तथा आशिंक रूप से रूप वर्णन करने में समर्थ है और रूप-वर्णन करने में समर्थ है। अतः तीनों विकल्प असंगत हैं।

5. रस गगन गुफा में अजर झरै ।
अजपा सुमिरन जाप करै।।
उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त 'गगन गुफा' का अभिप्राय है-
(a) आसमान की स्थित गुफा (b) अलौकिक गुफा
(c) सहस्रार चक्र (d) मूलाधार चक्र

Ans : (c) दी गयी पंक्ति 'रस गगन गुफा में अजर झरै। अजपा सुमिरन जाप करै।। उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त 'गगन गुफा' का अभिप्राय है-सहस्रार चक्र। जबकि आसमान में स्थित गुफा, अलौकिक गुफा और मूलाधार चक्र तीनों असंगत हैं।

6. हरिदासी सम्प्रदाय के राधा-कृष्ण है
(a) लोकहितरक्षक (b) लोकनिरपेक्ष
(c) आत्मनिष्ठ (d) जीवन सापेक्ष

Ans : (b) हरिदासी सम्प्रदाय के राधा-कृष्ण लोक निरपेक्ष है न कि लोकहित रक्षक, आत्मनिष्ठ और जीवन सापेक्ष अतः तीनों विकल्प असंगत हैं। हरिदासी सम्प्रदाय के प्रवर्तक स्वामी हरिदास जी हैं। स्वामी हरिदास ने वृन्दावन में निम्बार्क मत के अनुसार सखी सम्प्रदाय या टट्टी सम्प्रदाय की स्थापना की।

7. हरि अनंत हरि कथा अनंता।
कहहिं सुनहिं बहुबिधि सब संता।
रामकथा के प्रसंग में तुलसीदास ने यह बात किससे कहलवाई है?
(a) शिव (b) याज्ञवल्क्य
(c) कागभुसुंडि (d) तुलसीदास की स्वयं की उक्ति

Ans : (a) दी गयी काव्य पंक्ति- 'हरि अनंत हरि कथा अनंता, कहहि सुनहिं बहुविधि सब संता।। राम कथा के प्रसंग में तुलसी दास ने यह बात शिव जी से कहलवाई है। तुलसीदास की सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक 'रामचरितमानस' है, जिसमें सात काण्ड और 1074 दोहे हैं। आचार्य शुक्ल ने तुलसीदास कृत 12 ग्रंथों का उल्लेख किया है जो इस प्रकार है-वैराग्य संदीपनी, रामाज्ञा प्रश्न, रामलला नहछू, जानकी मंगल, पार्वती मंगल, कृष्ण गीतावली, गीतावली, विनयपत्रिका, दोहावली, बरवै रामायण, कवितावली।

8. निम्नलिखित में से किस कवि ने सतसई की रचना नहीं की?
(a) चिंतामणि (b) मतिराम
(c) रामसहाय (d) अमीरदास

Ans : (a) निम्नलिखित में से चिंतामणि ने सतसई की रचना नहीं की, जबकि-मतिराम, रामसहाय और अमीरदास ने सतसई की रचना की है।
चिंतामणि की प्रमुख कृतियाँ- रसविलास, शृंगार मंजरी कृष्णचरित, काव्यविवेक, काव्यप्रकाश, रामायण आदि।
मतिराम की प्रमुख कृतियाँ-फूलमंजरी, लक्षण शृंगार, साहित्यसार, सतसई, अलंकार पंचाशिका, वृत्त कौमुदी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

रामसहाय की प्रमुख कृतियाँ-वृत्त तरंगिणी, अलंकारप्रकाश, वाणी भूषण आदि।
अमीरदास की कृतियाँ-सभामंडन, वृत्त चन्द्रोदय, व्रजविलास सतसई, अमीर प्रकाश आदि।

9. भारत में अंग्रेजों के बढ़ते प्रभाव के प्रति ध्यान आकर्षित करते हुए पद्माकर ने किस राजा के दरबार में यह कवित्त पढ़ा था?
मीनागढ़ बंबई सुमंद मंदराज बंग,
बंदर को बंद करि बंदर बसावैगो।
कहै पद्माकर कसकि कासमीर हू को,
पिंजर सें घेरि के कलिंजर छुड़ावैगो।
बाँका नृप (---) अलीजा महाराजा कबौं,
साजि दल पकरि फिरंगिन दबावैगो।
दिल्ली दहपट्टि, पटना हू को झपट्ट करि,
कबहूँक लत्ता कलकत्ता को उड़ावैगो।
(a) जगत सिंह (b) अनूप गिरि
(c) दौलत राव सिंधिया (d) रघुनाथ राव

Ans : (c) दी गयी काव्यपंक्ति-"मीना गढ़ बंबई सुमंद मंदराज बंग।---------------कबहूँक लता कलकत्ता को उड़ावेगो।।" यह पंक्ति भारत में अंग्रेजों के बढ़ते प्रभाव के प्रति ध्यान आकर्षित करते हुए पद्माकर ने राजा दौलत राव सिंधिया के दरबार में सुनाया था।
पद्माकर की कृतियाँ- हिम्मतबहादुर विरूदावली, पद्माभरण, जगद्विनोद, प्रबोध पचासा, कलिपच्चीसी, राम रसायन, अलीजाह प्रकाश आदि।

10. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' की नहीं है?
(a) प्रेमपचीसी (b) स्वप्न
(c) कुसुमांजलि (d) कृषक क्रंदन

Ans : (b) निम्नलिखित में से 'स्वप्न' (1929) रचना गयाप्रसाद शुक्ल स्नेही की नहीं है बल्कि यह रामनरेश त्रिपाठी की रचना है। रामनरेश त्रिपाठी की अन्य रचनाएँ मिलन (1917) पथिक (1920) मानसी (1927) कविता कौमुदी आदि। जबकि-प्रेमपचीसी, कुसुमांजलि, कृषक क्रंदन, राष्ट्रीय वीणा, करुणा कादम्बिनी, त्रिशूल तरंग आदि रचनाएँ गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' की हैं।

11 ' प्रेमशतक' के रचनाकार हैं-
(a) जगन्नाथदास रत्नाकर (b) दुलारेलाल भार्गव
(c) वियोगी हरि (d) अंबिकादत्त व्यास

Ans : (c) ' प्रेमशतक' के रचनाकार वियोगीहरि (हरिप्रसाद द्विवेदी) है। इनकी अन्य प्रमुख कृति-वीर सतसई (1927), चरखा-स्तोत्र आदि हैं। जबकि जगन्नाथदास रत्नाकर की कृतियाँ- गंगावतरण (1927), उद्धवशतक (1929), हरिश्चन्द्र, हिडोला (1894), शृंगार लहरी आदि और अम्बिका दत्त व्यास (1858-1900) की प्रमुख कृतियाँ-पावस पचासा (1886) सुकवि सतसई (1887) हो हो होरी (1891) आदि की हैं।

12. हिन्दी में 'ऋतु संहार' के रचयिता हैं-
(a) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (b) गुरुभक्त सिंह
(c) ठाकुर जगमोहन सिंह (d) श्रीधर पाठक

Ans : (d) हिन्दी में 'ऋतु संहार' के रचयिता श्रीधर पाठक हैं। श्रीधरपाठक खड़ी बोली के प्रथम स्वच्छन्दतावादी कवि हैं। श्रीधर पाठक की प्रमुख कृतियाँ-कश्मीर सुषमा (ब्रजभाषा) वनाष्टक, देहरादून, भारतगीत, जगत सचाई सार, स्वर्गीय वीणा, धनविजय, गुनवंत हेमंत आदि।
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की प्रमुख कृतियाँ- भक्ति सर्वस्व, प्रेम मालिका, कार्तिक स्नान, प्रेमसरोवर आदि ।
ठाकुर जगमोहन सिंह की रचनाएँ- प्रेम सम्पत्ति लता, (1885) श्यामा लता (1885) श्यामा सरोजनी (1886) देवयानी (1886) आदि।

13. 'मुरारी और नर्गिस' के प्रेम पर आधारित उपन्यास है-
(a) आदर्श दंपति (b) चंद हसीनों के ख़तूत
(c) पाप और पुण्य (d) सत्याग्रह

Ans : (b) 'मुरारी और नर्गिस' के प्रेम पर आधारित उपन्यास 'चन्द हसीनों के खतूत' पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' का उपन्यास है। इनके अन्य उपन्यास-दिल्ली का दलाल, बुधुआ की बेटी, शराबी, सरकार तुम्हारी आँखों में, जी.जी.जी., फागुन के दिन चार। जबकि आदर्श दम्पत्ति (1904) के लेखक मेहता लज्जा राम शर्मा हैं। पाप और पुण्य उपन्यास के लेखक भगवती चरण वर्मा हैं।

14. तपेदिक की मरीज 'मन्नो' की कथा किस कहानी में चित्रित है?
(a) सुहागिनें (b) बादलों के घेरे
(c) जिंदगी और गुलाब (d) मैं हार गई

Ans : (b) कृष्णा सोबती की कहानी 'बादलों के घेरे' में तपेदिक की मरीज 'मन्नों' की कथा चित्रित है। जबकि 'जिन्दगी और गुलाब' कहानी उषा प्रियंवदा की है। और मैं हार गयी कहानी मन्नू भण्डारी की एवं सुहागिनें मोहन राकेश की कहानी है।

15. "अनुभूति के द्वंद्व ही से प्राणी के जीवन का आरंभ होता है। उच्च प्राणी मनुष्य भी केवल एक जोड़ी अनुभूति लेकर इस संसार में आता है।"
उक्त पंक्तियाँ किस निबंध से उद्घृत हैं ?
(a) श्रद्धा भक्ति (b) करुणा
(c) भाव या मनोविकार (d) उत्साह

Ans : (c) दी गयी पंक्ति- 'अनुभूति के द्वंद्व ही से प्राणी--------संसार में आता है। यह पंक्ति भाव या मनोविकार निबन्ध' में उदघृत है। यह निबन्ध (भाव या मनोविकार) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। इनके अन्य निबन्ध-उत्साह, श्रद्धा-भक्ति, करूणा, तुलसी का भक्तिमार्ग, लज्जा और ग्लानि, रसात्मक बोध का विविध रूप, क्रोध, कविता क्या है?, लोक मंगल की साधनावस्था आदि।

16. "नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है, तो उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध बना देता है।" यह संवाद किस नाटक का है?
(a) आषाढ़ का एक दिन (b) आधे अधूरे
(c) लहरों के राजहंस (d) पैर तले की ज़मीन

Ans : (c) दिया गया संवाद -"नारी का आकर्षण, पुरूष को पुरूष बनाता है। तो उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध बनाता है। यह संवाद मोहन राकेश लिखित नाटक 'लहरों के राजहंस का' है। इनके अन्य नाटक-आषाढ़ का एक दिन, आधे अधूरे, पैर तले जमीन (अपूर्ण) हैं।

17. 'वटवृक्ष की छाया में' किस लेखक की स्मृति को सुरक्षित रखने के लिए लिखी गई है?
(a) कमलेश्वर (b) अमृतलाल नागर
(c) अमृतराय (d) हजारी प्रसाद द्विवेदी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) अमृतलाल नागर की स्मृति को सुरक्षित रखने के लिए 'वटवृक्ष की छाया में' लिखी गयी है। 'वटवृक्ष की छाया में' जीवनी विधा की रचना है इसके लेखक 'कुमुद नागर' हैं। इस जीवनी रचना में अमृत लाल नागर का जीवनवृत्त वर्णित है। अमृतलाल नागर के प्रमुख उपन्यास-बूँद और समुद्र, सुहाग के नूपुर, सेठ बाँकेमल, अमृत और विष, मानस का हंस, खंजन नयन, महाकाल आदि। जबकि कमलेश्वर द्वारा लिखित उपन्यास-सुबह दोपहर शाम, काली आँधी, तीसरा आदमी, आगामी अतीत आदि। अमृतराय द्वारा लिखित उपन्यास-बीज, नागफनी का देश, हाथी के दाँत, सुख-दुःख आदि और हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखित उपन्यास- बाणभट्ट की आत्मकथा, पुनर्नवा, चारू चन्द्र लेख, अनामदास का पोथा आदि।

18. राही मासूम रज़ा के द्वारा रचित उपन्यास नहीं है-
(a) टोपी शुक्ला (b) दिल एक सादा कागज
(c) समर शेष है (d) कटरा बी आर्जू

Ans : (c) 'समर शेष है' राही मासूम रज़ा का उपन्यास नहीं है बल्कि 'अब्दुल विस्मिल्लाह' का चर्चित उपन्यास है। अब्दुल विस्मिल्लाह के प्रमुख उपन्यास हैं-झीनी-झीनी बीनी चदरिया, सोनामाटी, जहरबाद, शादी का जोकर, अतिथि देवो भव, दन्तकथा।
जबकि अन्य दिये गये उपन्यास -टोपी शुक्ला, दिल एक सादा कागज, कटरा बी आर्जू तीनों ही राही मासूम रज़ा के उपन्यास हैं।

19. ''भक्ति के आन्दोलन की जो लहर दक्षिण से आयी उसी ने उत्तर भारत की परिस्थिति के अनुरूप हिन्दू - मुसलमान दोनों के लिए एक सामान्य भक्ति मार्ग की भावना कुछ लोगों में जगायी।''
उक्त कथन किसका है?
(a) रामचंद्र शुक्ल (b) नंददुलारे वाजपेयी
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) विजयदेव नारायण साही

Ans : (a) 'भक्ति के आन्दोलन की जो लहर दक्षिण से आयी'----------भक्ति मार्ग की भावना कुछ लोगों में जगायी'' यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। जबकि हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भक्ति आन्दोलन के उदय में भारतीय चिन्तन धारा का स्वाभाविक विकास माना है।

20. निम्नलिखित में से कौन-से पश्चिमी विचारक बीसवीं सदी में मौजूद नहीं थे?
(a) आई. ए. रिचर्ड्स (b) सैमुअल टेलर कॉलरिज
(c) बेनेदेतो क्रोचे (d) सिग्मंड फ्रॉयड

Ans : (b) निम्नलिखित में से सैमुअल टेलर कालरिज पश्चिमी विचारक बीसवीं सदी में मौजूद नहीं थे। जबकि-आई. ए. रिचर्ड्स, बेनदेतो क्रोचे, और सिग्मण्ड फ्रॉयड पश्चिमी विचारक बीसवीं सदी में मौजूद थे। सैमुअल टेलर कोलरिज का प्रमुख ग्रंथ-बायोग्राफिया लिट्रेरिया, आई. ए. रिचर्ड्स की प्रमुख पुस्तक- प्रिंसिपल ऑफ लिट्रेरी क्रिटिसिज्म, साइन्स एण्ड पोएट्री और क्रोचे की पुस्तक-पोपम्स एण्ड बैलेड्स, ईस्थेटिक है।

21. तननां बुननां तज्यौ कबीर।
राम नाम लिखि लियौ सरीर॥
मुसि मुसि रोवै कबीर की माई।
ए बारिक कैसे जीवहिं खुदाई॥
उक्त काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त 'मुसि मुसि' का भावार्थ है-
(i) मन ही मन रोना
(ii) सिसक सिसक कर रोना
(iii) दहाड़ मारकर रोना
(iv) किसी का गुण-कथन करते हुए रोना
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिएः
कूट :
(a) (i) (iii) और (iv) सही (b) (iii) और (ii) सही
(c) (i) और (ii) सही (d) (ii) और (iv) सही

Ans : (c) दी गयी कबीर की उक्त काव्य पंक्तियों में 'मुसि-मुसि' का भावार्थ है-मन ही मन रोना तथा दूसरा भाव यह होगा कि 'सिसक-सिसक' कर रोना'। अतः (i) और (ii) सही भावार्थ दिये गये हैं तथा अन्य दोनों त्रुटिपूर्ण हैं।

22. यंद्री का लड़बड़ा, जिभ्भा का फूहड़ा
काछ का जती मुख का सती।
जो सत पुरूष ऊतमो कथी।
गोरखनाथ की दृष्टि से सच्चा साधक वही है, जो
(i) संयमी हो।
(ii) इंद्रिय दमन करने वाला हो।
(iii) कूट भाषा बोलने वाला हो।
(iv) महासुखवादी हो।
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए।
कूट :
(a) (i) और (iii) सही (b) (i) और (iv) सही
(c) (iii) और (iv) सही (d) (i) और (ii) सही

Ans : (d) दी गयी काव्य पंक्तियों के आधार पर गोरखनाथ की दृष्टि में सच्चा साधक वही है, जो पहला 'संयमी हो' तथा दूसरा 'इंद्रिय दमन करने वाला हो।'' अतः कूटों में (i) और (ii) सही हैं।

23. स्याम बिनोदी रे मधुबनियाँ।
अब हरि गोकुल काहे को आवहिं चाहत नौ यौवनियाँ।
सूरदास प्रभु तजी कामरी अब हरि भए चिकनियाँ।
'अब हरि भए चिकनियाँ' के द्वारा सूरदास क्या कहना चाहते हैं?
(i) श्रीकृष्ण चिकने घड़े हो गये हैं।
(ii) श्रीकृष्ण चिकने चुपड़े हो गये हैं।
(iii) श्रीकृष्ण छैला हो गये हैं।
(iv) श्रीकृष्ण सुन्दर छवि वाले हो गए हैं।
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) (ii) और (iii) सही (b) (i) और (iv) सही
(c) (ii) और (iv) सही (d) (iii) और (iv) सही

Ans : (d) दी गयी काव्य पंक्तियों में वर्णित 'अब हरि भए चिकनियाँ' के द्वारा सूरदास कहना चाहते हैं कि-'श्रीकृष्ण छैला हो गये हैं' या दूसरे शब्दों में कहा जाये कि-श्रीकृष्ण सुन्दर छवि वाले हो गये हैं। अतः कूट (iii) और (iv) सही है।

24. यों ही मन मेरो मेरे काम का न रह्यौ माई,
स्याम रंग ह्वै करि समान्यो स्याम रंग मैं।
उक्त काव्य पंक्तियों में कोई गोपी या भक्त कहना चाहते हैं-
(i) श्रीकृष्ण के रंग में रंगकर मेरा रंग काला हो गया है।
(ii) मेरा रंग पहले से काला है इसलिए श्रीकृष्ण के रंग में मिल सका
(iii) श्रीकृष्ण के रंग में रंग कर मेरा मन उन्हीं के जैसा हो गया।
(iv) मेरा मन श्रीकृष्ण के वश में हो गया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूटः

(a) (iii) और (iv) सही (b) (ii) और (iii) सही

(c) (i) और (ii) सही (d) (i) और (iv) सही

Ans : (a) दी गयी काव्य पंक्ति-"यो ही मन---------स्याम रंग मैं।" में कोई गोपी या भक्त यह कहना चाहता हैं कि 'श्रीकृष्ण के रंग में रंगकर मेरा मन उन्हीं के जैसा हो गया तथा मेरा मन श्रीकृष्ण के वश में हो गया है।' अतः कूट संख्या (iii) तथा (iv) सही है।

25. रीतिकालीन आचार्यों की तीन श्रेणियाँ हैं-

(i) उद्भावक आचार्य (ii) व्याख्याता आचार्य

(iii) उद्गाता आचार्य (iv) कवि-शिक्षक

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूटः

(a) (i), (ii) और (iii) सही (b) (i), (iii) और (iv) सही

(c) (i), (ii) और (iv) सही (d) (ii), (iii) और (iv) सही

Ans : (c) रीतिकालीन आचार्यों की तीन श्रेणियाँ हैं-उद्भावक आचार्य, व्याख्याता आचार्य तथा कवि-शिक्षक। जबकि उद्गाता आचार्य की श्रेणी रीतिकालीन आचार्य कवियों में नहीं है। रीतिकालीन उन कवियों को आचार्य उद्भावक व्याख्याता आचार्य या कवि शिक्षक कहा गया जिन्होंने लक्षण ग्रंथ लिखे और उन लक्षण ग्रंथों की प्रतिपुष्टि हेतु सिद्धांत तथा उदाहरण प्रस्तुत किये इस श्रेणी के प्रमुख कवियों में केशव, मतिराम, देव तथा भिखारीदास आते हैं। अतः दिये कूटे में कूट (i) (ii) और (iv) सही हैं।

26. 'रासपंचाध्यायी' की प्रमुख विशेषताएँ हैं-

(i) यह रोला छंद में लिखी गई है।

(ii) इसमें कृष्ण की रासलीला का विस्तार के साथ वर्णन किया गया है।

(iii) इसमें अनुप्रासादियुक्त साहित्यिक भाषा का प्रयोग किया गया है।

(iv) इसमें दूरारूढ़ कल्पना दिखाई पड़ती है।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iv) सही (b) (i), (ii) और (iii) सही

(c) (ii), (iii) और (iv) सही (d) (i), (iii) और (iv) सही

Ans : (b) कृष्ण भक्त कवियों में प्रसिद्ध अष्टाध्यायी कवि नन्ददास द्वारा रचित ग्रंथ 'रासपंचाध्यायी' की प्रमुख विशेषताएं हैं-

(1) यह रोला छन्द में लिखी गयी है।

(2) इस ग्रंथ में श्रीकृष्ण की रासलीला का विस्तार के साथ वर्णन किया गया है।

(3) इसमें अनुप्रासादियुक्त साहित्यिक भाषा का प्रयोग किया गया है।

अतः दिये गये कूटों में कूट (i) (ii) तथा (iii) सही हैं।

27. सूरदास के बारे में आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा लिखित कौन-से कथन सही है?

(i) उन्होंने विट्ठलनाथ की आज्ञा से श्रीमद्भागवत की कथा को पदों में गाया।

(ii) उन्होंने भागवत के दशम स्कंध की कथा इतिवृत्त के रूप में कह दी है।

(iii) उन्होंने भिन्न-भिन्न लीलाओं को अत्यन्त मधुर और मनोहर पदों में गाया।

(iv) उनके पद अत्यंत प्रगल्भ और काव्यपूर्ण है।

नीचे दिए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:

कूट :

(a) (i), (ii) और (iii) सही (b) (i), (ii) और (iv) सही

(c) (ii), (iii) और (iv) सही (d) (i), और (ii) सही

Ans : (c) सूरदास के बारे में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा लिखित निम्नलिखित कथन सत्य है-

1. उन्होंने भिन्न-भिन्न लीलाओं को अत्यंत मधुर और मनोहर पदों में गाया।
2. उनके पद अत्यंत प्रगल्भ और काव्यपूर्ण हैं।
3. उन्होंने (सूरदास ने) भागवत के दशम स्कंध की कथा इतिवृत्त के रूप में कह दी है।

अतः दिये गये कूटों में से कूट (ii) (iii) और (iv) सही हैं।

28. रहीम की कविता 'नगर शोभा' की मुख्य विशेषताएँ हैः

(i) इसमें नगर का संकुचित वर्णन किया गया है।

(ii) इसमें वर्ण व्यवस्था के अनुसार उनके जाति की स्त्रियों का वर्णन किया गया है।

(iii) इसमें स्त्रियों को उत्कृष्ट कोटि का बताया गया है।

(iv) ये स्त्रियाँ अपना उत्पाद बेचने काम करती हैं।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i), (ii) और (iv) सही (b) (i), (ii) और (iii) सही

(c) (ii) (iii), और (iv) सही (d) (i) और (iv) सही

Ans : (a) रहीमदास की कविता 'नगर शोभा' की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(i) इस कविता में नगर का संकुचित वर्णन किया गया है।

(ii) इसमें वर्ण व्यवस्था के अनुसार अनेक जाति की स्त्रियों का वर्णन किया गया है।

(iv) ये स्त्रियाँ अपना उत्पाद बेचने का काम करती हैं। अतः 'नगर शोभा' कविता के लिए।

इसलिए दिये गये कूटों में कूट (i) (ii) और (iv) सही है।

29. रीतिकालीन वीरकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ हैं :

(i) रासो काव्य की अपेक्षा में अधिक प्रामाणिक हैं।

(ii) इनमें तत्कालीन इतिहास सुरक्षित है।

(iii) इनमें चमत्कारिक वर्णन और भाषाई खिलवाड़ बहुत अधिक है।

(iv) किसी वीर काव्य में फिरंगियों का भी वर्णन किया गया है।

नीचे दिये गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए

कूट :

(a) (i) और (iii) सही (b) (ii) और (iv) सही

(c) (i), (iii) और (iv) सही (d) (i), (ii) और (iv) सही

Ans : (d) दी गयी विशेषताओं में रीतिकालीन वीरकाव्य की निम्नलिखित विशेषताएं है-

(1) रीतिकालीन वीरकाव्य रासों काव्य की अपेक्षा में अधिक प्रामाणिक हैं।

(2) इसमें तत्कालीन इतिहास सुरक्षित है।

(3) किसी वीरकाव्य में फिरंगियों का भी वर्णन किया गया है।

अतः दिये गये कूटों में कूट (i) (ii) और (iv) सही है।

30. निम्नलिखित में से कौन-से युग्म सही हैं?

(i) विष्णु प्रिया - खंड काव्य

(ii) सिद्ध राज - खंड काव्य

(iii) साकेत - महाकाव्य

(iv) जय भारत - मुक्तक काव्य

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :

कूट :

(a) (i) (iii) और (iv) सही (b) (iii) और (iv) सही

(c) (i), (ii) और (iii) सही (d) (i), और (ii) सही

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (c) निम्नलिखित में से सही युग्म इस प्रकार है।

ग्रंथ	विद्या	ग्रंथकार
विष्णुप्रिया	खण्डकाव्य	मैथिलीशरण गुप्त
सिद्धराज	खण्डकाव्य	मैथिलीशरण गुप्त
साकेत	महाकाव्य	मैथिलीशरण गुप्त
जयभारत	खण्डकाव्य	मैथिलीशरण गुप्त

अतः दिये गये कूटों में कूट (i) (ii) और (iii) सही हैं।

31. निम्नलिखित विकल्पों में से किनका संबंध माखनलाल चतुर्वेदी से है ?
(i) सिपाही (ii) आर्द्रा
(iii) दैनिकी (iv) पुष्प की अभिलाषा
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) (i) और (iii) सही (b) (i) और (iv) सही
(c) (ii) और (iv) सही (d) (iii) और (iv) सही

Ans : (b) निम्नलिखित विकल्पों में से 'सिपाही' और 'पुष्प की अभिलाषा' का सम्बन्ध माखन लाल चतुर्वेदी से है। जबकि आर्द्रा (1927) एवं दैनिकी (1942) सियाराम शरण गुप्त के खण्डकाव्य हैं।

32. सुमित्रानन्दन पंत की निम्नलिखित कृतियों में से किन पर अरविंद-दर्शन का प्रभाव पड़ा है?
(i) गुंजन (ii) सौवर्ण
(iii) रजत शिखर (iv) ग्राम्या
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) (i) और (iii) सही (b) (iii) और (iv) सही
(c) (ii) और (iii) सही (d) (i) और (iii) सही

Ans : (b) सुमित्रानन्दन पंत की सौवर्ण और रजत शिखर पर अरविन्द दर्शन का प्रभाव पड़ा। जबकि गुंजन, ग्राम्या पर इसका प्रभाव नहीं है। इनकी अन्य कृतियाँ-उच्छ्वास (1920) ग्रंथि (1920) वीणा (1927) पल्लव (1928) गुंजन (1932) युगान्त (1936) युगवाणी, स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि, युगपथ, उत्तरा, लोकायतन चिदम्बरा (ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त) आदि।
अतः दिये गये कूटों में कूट (iii) और (iv) सही है

33. विदेशी पृष्ठभूमि पर आधारित हिन्दी उपन्यास है -
(i) वे दिन (ii) रूकोगी नहीं राधिका
(iii) सात नदियां एक समुन्दर (iv) उस शहर तक
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) (ii) (iii) और (iv) सही (b) (i), (ii) और (iii) सही
(c) (i), (iii) और (iv) सही (d) (iii) और (iv) सही

Ans : (b) विदेशी पृष्ठभूमि पर आधारित उपन्यास-वे दिन (निर्मल वर्मा), रुकोगी नहीं राधिका (उषा प्रियंवदा), सात नदियां एक समुन्दर (नासिरा शर्मा) का सम्बन्ध है।
जबकि 'उस शहर तक' का सम्बन्ध विदेशी पृष्ठभूमि से नहीं है। यह तेजिन्दर का प्रमुख दलित पृष्ठभूमि पर रचित उपन्यास है।
अतः दिये गये कूटों में कूट (i) (ii) और (iii) सही है

34. देश-विभाजन के प्रसंग पर आधारित उपन्यास हैं-
(i) झूठा सच (ii) तमस
(iii) कितने पाकिस्तान (iv) छोटे-छोटे महायुद्ध
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) (i) (ii) और (iii) सही (b) (i) और (ii) सही
(c) (ii) और (iii) सही (d) (iii) और (iv) सही

Ans : (a) देश-विभाजन के प्रसंग पर आधारित उपन्यास-झूठा सच (दो भाग पहला भाग 1958 जिसका नाम 'वतन और देश' दूसरे भाग का प्रकाशन 1960 जिसका नाम 'देश का भविष्य' है। यशपाल के अन्य उपन्यास - दिव्या, कहानी, देशद्रोही, दादा कामरेड, मेरी तेरी उसकी बात, अमिता आदि । 'तमस' भीष्म साहनी का विभाजन पर आधारित उपन्यास है साहनी का अन्य उपन्यास-झरोखे, कड़ियाँ, बसंती आदि जबकि 'कितने पाकिस्तान' कमलेश्वर का विभाजन पर आधारित उपन्यास है। छोटे-छोटे महायुद्ध का सम्बन्ध देशविभाजन से नहीं है।

35. जैनेन्द्र की कहानियों का पात्र है-
(i) शमशेर (ii) जुलैका
(iii) बेंजिलो (iv) ईश्वर चन्द्र
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) (i) (ii) और (iii) सही (b) (ii) , (iii) और (iv) सही
(c) (i), (ii) और (iv) सही (d) (iii) और (iv) सही

Ans : (a) जैनेन्द्र की कहानी के पात्र-शमशेर, जुलैका, बेंजिलो है। जबकि ईश्वरचन्द्र जैनेन्द्र की कहानी का पात्र नहीं है। **जैनेन्द्र की प्रमुख कहानियाँ-** खेल, फाँसी, वातायन, एक रात, दो चिड़िया, पाजेब, जय संधि, जाह्नवी, अपना-अपना भाग्य, पानवाला आदि।

36. हरिशंकर परसाई के निबंध संग्रह हैं-
(i) आओ बैठ लें कुछ देर (ii) सदाचार की ताबीज
(iii) तुलसीदास चंदन घिसें (iv) आवारा भीड़ के खतरे
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए :
कूट :
(a) (i) और (ii) सही (b) (i) , (iii) और (iv) सही
(c) (i), (ii) और (iii) सही (d) (ii), (iii) और (iv) सही

Ans : (d) हरिशंकर परसाई के निबंध संग्रह हैं- सदाचार की ताबीज, तुलसीदास चन्दन घिसै, आवारा भीड़ के खतरे। इनके अन्य निबन्ध- प्रेमचन्द के फटे जूते, पाखण्ड का अध्यात्म, ऐसा भी सोचा जाता है, तब की बात और थी, हँसते हैं रोते है, कहत कबीर, बेईमानी की परत जबकि आओ बैठ ले कुछ देर श्री लाल शुक्ल का निबन्ध संग्रह है। इनके अन्य निबन्ध संग्रह यहाँ से वहाँ, अंगद के पाँव, मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएं, कुछ जमीन पर कुछ हवा में, अगली शताब्दी का शहर, खबरों की जुगाली आदि।

37. निम्नलिखित में से कौन-से नाटक लक्ष्मीनारायण लाल द्वारा रचित नहीं है?
(i) अंधा कुआँ (ii) अरे मायावी सरोवर
(iii) सिंहासन खाली है (iv) राम की लड़ाई
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:
कूट :
(a) (i), (ii) और (iii) सही (b) (ii), (iii) और (iv) सही
(c) (i), और (iv) सही (d) (i), (iii) और (iv) सही

Ans : (b) निम्नलिखित में से लक्ष्मीनारायण लाल कृति नाटक- अरे मायावी सरोवर, सिंहासन खाली है, और राम की लड़ाई ये तीनों नाटक इनका नहीं है। जबकि 'अंधाकुआँ' लक्ष्मीनारायण लाल कृति नाटक है।

38. निम्नलिखित में आत्मकथाएँ कौन-कौन सी है?
(i) तिरस्कृत (ii) अपनी धरती अपने लोग
(iii) बसंत से पतझर तक (iv) सहचर है समय
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:
कूट :
(a) (ii), (iii) और (iv) सही (b) (i) , (ii) और (iv) सही
(c) (i), (ii) और (iii) सही (d) (i), (iii) और (iv) सही

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) निम्नलिखित में से तिरस्कृत, अपनी धरती अपने लोग, सहचर है समय आत्मकथाएँ हैं। जबकि बसंत से पतझर तक आत्मकथा नहीं है।
'तिरस्कृत' के लेखक सूरजपाल चौहान, 'अपनी धरती अपने लोग' के लेखक रामविलास शर्मा, 'सहचर है समय' के लेखक रामदरश मिश्र और 'बसंत से पतझर तक' के लेखक-रवीन्द्रनाथ त्यागी हैं।

39. निम्नलिखित में से कौन-से प्रगतिवादी मूल्य नहीं हैं?
(i) व्यष्टि चेतना (ii) यथार्थ चेतना
(iii) इतिहास बोध (iv) एकेश्वरवाद
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:
कूट :
(a) (i) और (iv) सही (b) (ii) और (iii) सही
(c) (iii) और (iv) सही (d) (i), (ii) और (iii) सही

Ans : (a) व्यष्टि-चेतना और एकेश्वरवाद प्रगतिवादी मूल्य नहीं है। जबकि यथार्थ चेतना, इतिहास बोध, का सम्बन्ध प्रगतिवादी मूल्य से है। प्रगतिवाद की काव्य प्रवृत्तियों में शोषितों की दीनता का चित्रण, शोषक वर्ग के प्रति घृणा, धर्म और ईश्वर के प्रति अनास्था, क्रान्ति की भावना, नारी चित्रण, सामाजिक जीवन का यथार्थ चित्रण आदि हैं। अतः दिये गये कूटों में कूट (i) और (iv) सही हैं।

**40. ''दृग उरझत टूटत कुटुम जुरत चतुर चित प्रीति।
परति गांठि दुरजन हिये दई नई यह रीति।।''
उपर्युक्त दोहे के संबंध में कौन-सा कथन सही है?**
(i) इसमें कार्य-कारण संबंध का स्वाभाविक चित्रण हुआ।
(ii) इसमें प्रेमी-प्रेमिका के प्रेम का स्वाभाविक चित्रण हुआ है
(iii) इसमें असंगति अलंकार है।
(iv) इसमें विभावना अलंकार है।
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर को चुनिए:
कूट :
(a) (i) और (ii) सही (b) (i) और (iv) सही
(c) (iii) और (iv) सही (d) (ii) और (iii) सही

Ans : (d) दी गयी पंक्ति -
**दृग उरझत टूटत कुटुम जुरत चतुर चित प्रीति।
परति गांठि दुरजन हिये दई नई यह रीति।।**
उपर्युक्त दोहे का सम्बन्ध 'इसमें प्रेमी प्रेमिका के प्रेम का स्वाभाविक चित्रण हुआ है, और इसमें असंगति अलंकार है। शेष विकल्प असंगत है।
अतः कूट (ii) और (iii) सही है

41. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :
(a) सरहपा, पुष्पदंत, अद्दहमाण, हेमचन्द्र
(b) हेमचन्द्र, सरहपा, पुष्पदंत, अद्दहमाण
(c) पुष्पदंत, सरहपा, हेमचन्द्र, अद्दहमाण
(d) सरहपा, हेमचन्द्र, अद्दहमाण, पुष्पदंत

Ans : (a) कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम इस प्रकार है।

रचनाकार	समय
सरहपा	769ई.
पुष्पदन्त	10वीं शती
अद्दहमाण	12वीं शती
हेमचन्द्र	12वीं शती

42. कालक्रम के अनुसार निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम है :
(a) रामानुजाचार्य, निंबार्काचार्य, मध्वाचार्य, वल्लभाचार्य
(b) मध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, वल्लभाचार्य, निंबार्काचार्य
(c) निंबार्काचार्य, माध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, वल्लभाचार्य
(d) रामानुजाचार्य, मध्वाचार्य, निंबार्काचार्य, वल्लभाचार्य

Ans : (a) निम्नलिखित आचार्यों का सही क्रम

आचार्य		समय
1. रामानुजाचार्य	-	10 वीं शती
2. निंबार्काचार्य	-	13 वीं शती
3. मध्वाचार्य	-	14 वीं शती
4. वल्लभाचार्य	-	15 वीं शती

43. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम है :
(a) भावविलास, काव्यनिर्णय, रसरहस्य, जगद्विनोद
(b) रसरहस्य, भावविलास, काव्यनिर्णय, जगद्विनोद
(c) काव्यनिर्णय, रसरहस्य, जगद्विनोद, भावविलास,
(d) भावविलास, काव्यनिर्णय, जगद्विनोद,रसरहस्य

Ans : (b) निम्नलिखित ग्रंथों का सही क्रम इस प्रकार है।

कवि		ग्रंथ
कुलपति मिश्र	-	रसरहस्य (1670 ई.)
देव	-	भावविलास (1689 ई.)
भिखारीदास	-	काव्य निर्णय (1746 ई.)
पद्माकर	-	जगद् विनोद

44. प्रकाशनवर्ष-अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है:
(a) एकांतसंगीत, मधुशाला, सतरंगिनी, मिलनयामिनी
(b) मधुशाला, सतरंगिनी, मिलनयामिनी, एकांतसंगीत
(c) मधुशाला, एकांतसंगीत, सतरंगिनी, मिलनयामिनी
(d) सतरंगिनी, मधुशाला, मिलनयामिनी, एकांतसंगीत

Ans : (c) हरिवंश राय बच्चन की दी गयी रचनाओं का सही क्रम इस प्रकार हैं-

	रचना		रचनाकाल
1.	मधुशाला	-	1935 ई.
2.	एकांत संगीत	-	1939 ई.
3.	सतरंगिनी	-	1945 ई.
4.	मिलन यामिनी	-	1950 ई.

45. जन्म-काल के अनुसार निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :
(a) श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत।
(b) श्रीधर पाठक, जयशंकर प्रसाद, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध, सुमित्रानंदन पंत।
(c) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध, श्रीधर पाठक, सुमित्रानंदन पंत, जयशंकर प्रसाद।
(d) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध, श्रीधर पाठक, जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत।

Ans : (a) जन्मकाल के आधार पर कवियों की सही क्रम इस प्रकार है।

	कवि		जन्मकाल
1.	श्रीधर पाठक	-	1859 ई.
2.	हरिऔध	-	1865 ई.
3.	जयशंकर प्रसाद	-	1889 ई.
4.	सुमित्रानंदन पंत	-	1900 ई.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. प्रकाशन वर्ष अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) अनामिका, झरना, पल्लव, नीहार
(b) पल्लव, नीहार, झरना, अनामिका
(c) झरना, अनामिका, पल्लव, नीहार
(d) झरना, पल्लव, अनामिका, नीहार

Ans : (c) रचनाओं का क्रम इस प्रकार है।

	रचनाकार		रचना
1.	जयशंकर प्रसाद	-	झरना (1918 ई.)
2.	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	-	अनामिका 1923 ई.)
3.	सुमित्रानन्दन पन्त	-	पल्लव (1928 ई.)
4.	महादेवी वर्मा	-	नीहार (1930 ई.)

47. प्रकाशन वर्ष अनुसार जयशंकर प्रसाद की रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) आँसू, लहर, कामायनी, प्रेमपथिक
(b) प्रेमपथिक, लहर, आँसू, कामायनी
(c) प्रेमपथिक, आँसू, लहर, कामायनी
(d) लहर, प्रेमपथिक, कामायनी, आँसू

Ans : (c) प्रकाश वर्ष अनुसार जयशंकर प्रसाद की रचनाओं का सही क्रम इस प्रकार है-

	रचना		प्रकाशनवर्ष
1.	प्रेम पथिक	-	1914 ई.
2.	आँसू	-	1925 ई.
3.	लहर	-	1933 ई.
4.	कामायनी	-	1935 ई.

48. प्रकाशन वर्ष अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :
(a) कठगुलाब, शेषयात्रा, सूरजमुखी अँधेरे के, ठीकरे की मँगनी
(b) कठगुलाब, सूरजमुखी अँधेरे के, ठीकरे की मँगनी शेषयात्रा
(c) सूरजमुखी अँधेरे के, शेषयात्रा, ठीकरे की मँगनी, कठगुलाब
(d) कठगुलाब, ठीकरे की मँगनी शेषयात्रा, सूरजमुखी अँधेरे के

Ans : (c) निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है इस प्रकार होगा-

	रचनाकार		रचना
1.	कृष्णा सोबती	-	सूरजमुखी अँधेरे के (1972)
2.	उषा प्रियंवदा	-	शेषयात्रा (1984)
3.	नासिरा शर्मा	-	ठीकरे की मँगनी (1989)
4.	मृदुला गर्ग	-	कठ गुलाब (1996)

49. प्रकाशन वर्ष अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का अनुक्रम है:
(a) सतह से उठता आदमी, इंसान के खंडहर,परिन्दे, पीली छतरी वाली लड़की
(b) पीली छतरी वाली लड़की, परिन्दे, सतह से उठता आदमी, इंसान के खंडहर
(c) परिन्दे, इंसान के खंडहर, सतह से उठता आदमी, पीली छतरी वाली लड़की
(d) इंसान के खंडहर, परिन्दे, सतह से उठता आदमी, पीली छतरी वाली लड़की

Ans : (d) निम्नलिखित कहानी संग्रहों का क्रम इस प्रकार है।

	कहानीकार		कहानी संग्रह
1.	मोहन राकेश	-	इंसान के खंडहर (1950 ई.)
2.	निर्मल वर्मा	-	परिन्दे (1960 ई.)
3.	मुक्तिबोध	-	सतह से उठता आदमी (1971 ई.)
4.	उदयप्रकाश	-	पीली छतरीवाली लड़की

50. प्रकाशन वर्ष के अनुसार विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम है :
(a) तमाल के झरोखे से शेफाली झर रही है, शिरीष की याद आई, रथयात्रा
(b) तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई, रथयात्रा शेफाली झर रही है
(c) शेफाली झर रही है, रथयात्रा, तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई
(d) शिरीष की याद आई, तमाल के झरोखे से, शेफाली झर रही है, रथयात्रा

Ans : (a) प्रकाशन वर्ष के अनुसार विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रहों का सही क्रम इस प्रकार है।

	निबन्ध संग्रह		प्रकाशन वर्ष
1.	तमाल के झरोखे से	-	1981 ई.
2.	शेफाली झर रही है	-	1989 ई.
3.	शिरीष की याद आयी	-	1995 ई.
4.	रथयात्रा	-	2002 ई.

51. 'अंधायुग'नाटक के अंक-शीर्षकों का सही अनुक्रम है:
(a) कौरव नगरी, अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य, पशु का उदय, गांधारी का शाप
(b) कौरव नगरी, पशु का उदय, गांधारी का शाप, अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य
(c) पशु का उदय, कौरव नगरी, अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य, गांधारी का शाप
(d) कौरव नगरी, पशु का उदय, अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य, गांधारी का शाप

Ans : (d) 'अंधायुग' धर्मवीर भारती द्वारा लिखित गीति-नाट्य है जिसका प्रकाशन वर्ष 1955 ई. है। इस गीतिनाट्य के अंक शीर्षकों का सही क्रम इस प्रकार है- कौरव नगरी → पशु का उदय → अश्वत्थामा का अर्द्धसत्य→ गांधारी का शाप।

52. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही क्रम है :
(a) आज के अतीत, सहचर है समय, टुकड़े-टुकड़े दास्तान, क्या भूलू क्या याद करूँ
(b) क्या भूलू क्या याद करूँ, टुकड़े-टुकड़े दास्तान, सहचर है समय, आज के अतीत
(c) क्या भूलू क्या याद करूँ, आज के अतीत, सहचर है समय, टुकड़े-टुकड़े दास्तान
(d) सहचर है समय, आज के अतीत, टुकड़े-टुकड़े दास्तान, क्या भूलू क्या याद करूँ

Ans : (b) प्रकाशन वर्ष के अनुसार आत्मकथाओं का सही क्रम है-

आत्मकथाकार	आत्मकथा
1. हरिवंश राय 'बच्चन'	- क्या भूलूँ क्या याद करूँ (1969 ई.)
2. अमृत लाल नागर	- टुकड़े-टुकड़े दास्तान (1986 ई.)
3. रामदरश मिश्र	- सहचर है समय (1991 ई.)
4. भीष्म साहनी	- आज के अतीत (2003 ई.)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

53. कालक्रम की दृष्टि से साहित्य-सिद्धान्तों का सही अनुक्रम है :
(a) अलंकार, रस, ध्वनि, रीति
(b) रस, अलंकार, रीति, ध्वनि
(c) ध्वनि, रीति, रस, अलंकार
(d) रीति, रस, ध्वनि, अलंकार

Ans : (b) कालक्रम की दृष्टि से साहित्य-सिद्धान्तों का सही अनुक्रम इस प्रकार है।

सिद्धान्त		**समय**		**आचार्य**
रस	-	दूसरी शती	-	भरतमुनि
अलंकार	-	छठवीं शती	-	भामह
रीति	-	आठवीं शती	-	वामन
ध्वनि	-	नौवीं शती	-	आनन्दवर्धन

54. काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है :
(a) काव्यादर्श, काव्यमीमांसा, वक्रोक्तिजीवितम्, ध्वन्यालोक
(b) ध्वन्यालोक, वक्रोक्तिजीवितम्, काव्यमीमांसा, काव्यादर्श
(c) काव्यादर्श, ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, वक्रोक्तिजीवितम्
(d) काव्यमीमांसा, काव्यादर्श, ध्वन्यालोक, वक्रोक्तिजीवितम्

Ans : (c) काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है-

	ग्रंथकार		**ग्रंथ**		**समय**
1.	दण्डी	-	काव्यदर्श	-	7वीं शती
2.	आनन्दवर्धन	-	ध्वन्यालोक	-	9वीं शती
3.	राजशेखर	-	काव्यमीमांसा	-	9वीं शती (उत्तरार्द्ध)
4.	कुन्तक	-	वक्रोक्ति जीवितम	-	10वीं शती

55. जन्म वर्ष के अनुसार पाश्चात्य विचारों का सही अनुक्रम है :
(a) आई, ए. रिचर्ड्स, आस्कर वाइल्ड, मैथ्यू आर्नल्ड, सैमुअल टेलर कॉलरिज
(b) सैमुअल टेलर कॉलरिज, मैथ्यू आर्नल्ड,आस्कर वाइल्ड, आई, ए. रिचर्ड्स,
(c) मैथ्यू आर्नल्ड, सैमुअल टेलर कॉलरिज, आस्कर वाइल्ड, आई, ए. रिचर्ड्स
(d) आस्कर वाइल्ड, आई, ए. रिचर्ड्स, सैमुअल टेलर कॉलरिज, मैथ्यू आर्नल्ड

Ans : (b) जन्मवर्ष के अनुसार पाश्चात्य विचारों का सही क्रम होगा-

	पाश्चात्य विचारक		**जन्मकाल**
1.	सैमुअल टेलर कॉलरिज	-	1772 ई.
2.	मैथ्यू आर्नल्ड	-	1822 ई.
3.	आस्कर वाइल्ड	-	1856 ई.
4.	आई.ए. रिचर्डस	-	1893 ई.

56. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : काव्यश्रवण या नाट्यदर्शन से आविर्भूत रस आनन्द का ही पर्याय होता है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि पश्चिमी शास्त्रों में रस को ब्रह्मानन्द का समानार्थी कहा गया है।

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) ग़लत (R) सही

Ans : (a) काव्य श्रवण या नाट्य दर्शन से आविर्भूत रस आनन्द का ही पर्याय होता है। यह कथन सत्य है क्योंकि सहृदय (पाठक या दर्शक) को काव्य से या नाटक देखने से जो भाव उत्पन्न होता है वह आनन्द की अनुभूति करता है। इसलिए भारतीय शास्त्रों में रस को ब्रह्मानन्द का समानार्थी कहा गया है न कि पश्चिमी शास्त्रों में ।
अतः कथन (A) सही किन्तु तर्क (R) गलत है।

57. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion)(A) : रस न तो निर्विकल्पक ज्ञान का विषय है और न सविकल्पक।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि रस की प्रतीति में शृंगार, वीर, हास्य, करुण आदि रस विशेष रूप से आभासित होते हैं, इसलिए रस निर्विकल्पक ज्ञान का विषय नहीं है।

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) ग़लत
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) ग़लत (R) सही

Ans : (b) रस न तो निर्विकल्पक ज्ञान का विषय है और न सविकल्पक, कथन सही है क्योंकि रस की प्रतीति में शृंगार, वीर, हास्य, करुण, विभत्स आदि रस विशेष रूप से आभासित होते है इसलिए इस निर्विकल्पक ज्ञान का विषय है। जबकि तर्क में दिया गया है इस निर्विकल्पक ज्ञान का विषय नहीं है जो असत्य है ।
अतः अभिकथन (A) सही और तर्क (R) गलत है।

58. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : काव्य और कला-सृजन संघर्ष का फल है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि सृजनशील व्यक्तित्व गतिशीलता के साथ अपने समय के अभावों और दबावों से जूझता है

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) ग़लत (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (d) काव्य और कला-सृजन संघर्ष का फल है। क्योंकि सृजनशील व्यक्तित्व गतिशीलता के साथ अपने समय के अभावों और दबावों से जूझता है।
अतः अभिकथन (A) सही और तर्क (R) दोनों सही है।

59. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : कला भी ज्ञान का एक प्रकार और सत्य की उपलब्धि की एक साधना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि कला-जगत् में भी कलाकार के चित्त में जब वस्तु-सत्य उद्भासित होता है तभी वह श्रेष्ठ कला-रचना में प्रवृत्त होता है। इसलिए हर महान् कलाकृति सत्य में समन्वित होती है।

(a) (A) ग़लत (R) सही (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) सही (R) ग़लत

Ans : (b) कला भी ज्ञान का एक प्रकार और सत्य की उपलब्धि की एक साधना है, सही है। क्योंकि कला जगत् में भी कलाकार के चित्त में जब वस्तु सत्य उद्भासित होता है तभी वह श्रेष्ठ कला रचना में प्रवृत्त होता है। इसलिए हर महान् कलाकृति सत्य से समन्वित होती है, सही है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

60. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : मिथकशास्त्र मनुष्य की मानसिक संरचना को समझने की एक भ्रामक विद्या है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि यह एक असत्य कथा, मिथ्या और कोरी कल्पना है।

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) ग़लत (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) सही (R) ग़लत

Ans : (c) मिथकशास्त्र मनुष्य की मानसिक संरचना को समझने की एक भ्रामक विद्या है, यह कथन गलत है। क्योंकि मिथकशास्त्र काल्पनिक संरचना हैं जो रूढ़िवादी होती है तर्क-क्योंकि यह एक असत्य कथा, मिथ्या अथवा कोरी कल्पना है-गलत है क्योंकि मिथक शास्त्र में भी कुछ सत्य कथा तथा कुछ यथार्थवादी तथ्य होते हैं । अतः (A) और (R) दोनों गलत है।

61. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : संचारी भावों के उदय होने से रसावस्था को स्थायित्व प्राप्त होता है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव स्थायी भावों के सहायक और वर्द्धक होते हैं।

(a) (A) ग़लत (R) सही (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) सही (R) ग़लत

Ans : (b) संचारी भावों के उदय होने से रसावस्था को स्थायित्व प्राप्त होता है। क्योंकि विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव स्थायी भावों के सहायक और वर्द्धक होते हैं। अतः कथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है।

62. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : छायावाद रीतिकाव्य की भांति शुद्ध मांसल प्रेम का काव्य है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि छायावादी कविता में व्यक्तिनिष्ठ वासना की अभिव्यक्ति हुई है।

(a) (A) ग़लत (R) सही (b) (A) ग़लत (R) ग़लत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) सही (R) ग़लत

Ans : (b) छायावाद रीतिकाल की भाँति शुद्ध मांसल प्रेम का काव्य है सही नहीं है। इसलिए कि छायावाद में प्रकृति चित्रण, सौन्दर्यबोध तथा रहस्यवाद के साथ मांसल प्रेम तथा देश प्रेम की भावना विद्यमान है। क्योंकि छायावादी कविता में व्यक्तिनिष्ठ वासना की अभिव्यक्ति नहीं हुई है। अतः (A) और (R) दोनों गलत है।

63. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : बिम्बविधान और चित्रात्मकता काव्य में महत्त्वपूर्ण उपादान हैं। इनसे कविता में सौन्दर्य की वृद्धि होती है, किन्तु ये साध्य नहीं है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि कला की शक्ति का मूल स्रोत मिट्टी और जीवन है। कोर बिम्बों का खेल कोरी आतिश-बाजी का काम है।

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) ग़लत
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) ग़लत (R) सही

Ans : (a) बिम्बविधान और चित्रात्मकता काव्य में महत्त्वपूर्ण उपादान है। इनसे कविता में सौन्दर्य की वृद्धि होती है, किन्तु ये साध्य नहीं हैं। क्योंकि कला की शक्ति का मूल स्रोत मिट्टी और जीवन है। कोरे बिम्बों का खेल कोरी आतिशबाजी का काम है। अतः अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही है।

64. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : वीरता का अनुकरण किया जा सकता है, वैसे ही जैसे मन की प्रसन्नता उधार ली जाती सकती है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि वीरता का सम्बन्ध शरीर बल से होता है मनोबल से नहीं।

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) ग़लत
(c) (A) ग़लत (R) सही (d) (A) ग़लत (R) ग़लत

Ans : (d) वीरता का अनुकरण किया जा सकता है, वैसे ही जैसे मन की प्रसन्नता उधार ली जा सकती है गलत है क्योंकि वीरता का अनुकरण संभव है पर अभ्यास आदि से न की मन की प्रसन्नता उधार लेकर। क्योंकि वीरता का सम्बन्ध शरीर बल के साथ मनोबल से भी है। अतः (A) और (R) दोनों गलत हैं।

65. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

अभिकथन (Assertion) (A) : परम्परा रूढ़ि पालन नहीं, आधुनिकता की पक्षधर है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि परम्परा में अतीत के प्रति आसक्ति और परिवर्तन का निषेध होता है।

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) ग़लत (R) ग़लत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) ग़लत (R) सही

Ans : (a) परम्परा रूढ़ि पालन नहीं, आधुनिकता की पक्षधर है क्योंकि परम्परा में अतीत के प्रति आसक्ति तो है किन्तु परिवर्तन का निषेध नहीं होता है।
अतः कथन (A) सही तथा तर्क (R) गलत है।

66. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : उपभोक्तावादी सभ्यता से असंतोष भाववादी बुद्धिजीवियों के लिए स्वाभाविक है।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि उनके अनुसार इस सभ्यता में मानव-मूल्यों में गिरावट आई है।

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) ग़लत (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (d) उपभोक्तावादी सभ्यता से असंतोष भाववादी बुद्धिजीवियों के लिए स्वाभाविक है, क्योंकि उनके अनुसार इस सभ्यता के मानव - मूल्यों में गिरावट आयी है। अतः कथन (A) व तर्क (R) दोनों सही हैं।

67. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : सौन्दर्यकारक धर्मों को अलंकार कहते हैं।

तर्क (Reasons) (R) : लेकिन इनका कल्पना से कोई सम्बन्ध नहीं होता।

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) ग़लत (R) सही

Ans : (a) सौन्दर्यकारक धर्मों को अलंकार कहते हैं क्योंकि इनका कल्पना से सम्बन्ध होता है तभी तो काव्य में कवि द्वारा कल्पना करके जीव जगत, नायिका वर्णन विरह वर्णन में चमत्कारपूर्ण उक्तियाँ कहता है।
अतः कथन (A) सही तथा तर्क ((R) गलत है।

68. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : क्लासिक नाटक देशकालातीत नहीं होता।

तर्क (Reasons) (R) : क्योंकि क्लासिक नाट्य-रचना एक गतिशील पाठ है।

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) ग़लत (R) सही
(c) (A) ग़लत (R) ग़लत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (b) क्लासिक (प्राचीन या शास्त्रीय) नाटक देशकालातीत नहीं होता, यह कथन गलत है क्लासिक नाटक देश कालातीत होता, क्योंकि क्लासिक नाट्य-रचना एक गतिशील पाठ है। अतः कथन (A) गलत है और तर्क (R) सही है।

69. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : जयशंकर प्रसाद का 'चन्द्रगुप्त' नाटक स्वतंत्रता और गणतंत्र का यूटोपिया है।

तर्क (Reasons) (R) : इसलिए उन पर वर्तमान से पलायन और इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ने का सही आरोप लगा।

(a) (A) ग़लत (R) सही (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) सही (R) ग़लत (d) (A) ग़लत (R) ग़लत

Ans : (c) जयशंकर प्रसाद का 'चन्द्रगुप्त' नाटक स्वतन्त्रता और गणतन्त्र का यूटोपिया (Utopia-आदर्श राज्य) है, सही है। जबकि इसलिए उन पर वर्तमान से पलायन और इतिहास के गड़े मुर्दे उखाड़ने का सही आरोप लगा, यह तर्क गलत है। अतः अभिकथन (A) सही तथा तर्क (R) गलत है।

70. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : मैथिलीशरण गुप्त भारतीय संस्कृति के आख्याता हैं।

तर्क (Reasons) (R) : इसीलिए उन के काव्यों में आधुनिक दृष्टिबोध नहीं मिलता।

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) ग़लत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) ग़लत (R) ग़लत

Ans : (a) मैथिलीशरण गुप्त भारतीय संस्कृति के आख्याता हैं इसलिए उनके काव्यों में आधुनिकता का दृष्टिकोण विद्यमान है। अतः अभिकथन (A) सही तथा तर्क (R) गलत है।

71. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : भ्रम, कल्पना और प्रातिभज्ञान के विरुद्ध प्रत्यक्ष और ठोस अनुभव को महत्व देना आधुनिक का प्रमुख लक्षण माना जा सकता है।

तर्क (Reasons) (R) : इस अनुभववादी दृष्टिकोण का प्रभाव काव्य की रचना-प्रक्रिया और रसास्वादन की प्रणाली पर भी पड़ता है।

(a) (A) ग़लत (R) सही (b) (A) ग़लत (R) ग़लत
(c) (A) सही (R) ग़लत (d) (A) सही (R) सही

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) भ्रम, कल्पना और प्रातिभ ज्ञान के विरूद्ध प्रत्यक्ष और ठोस अनुभव को महत्त्व देना आधुनिक बोध का प्रमुख लक्षण माना जा सकता है, सही है। क्योंकि इस अनुभववादी दृष्टिकोण का प्रभाव काव्य की रचना प्रक्रिया और रसास्वादन की प्रणाली पर भी पड़ता है, सही है।
अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है।

72. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : वे शब्द जो आज अमूर्त विचारों के वाहक हैं, आरम्भ में अनुभूत वस्तुओं के व्यंजक थे
तर्क (Reasons) (R) : इसलिए सादृश्य-विधान भाषा की मूल प्रकृति नहीं है।

(a) (A) सही (R) ग़लत (b) (A) ग़लत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) ग़लत (R) ग़लत

Ans : (a) वे शब्द जो आज अमूर्त विचारों के वाहक हैं, आरम्भ में अनुभूत वस्तुओं के व्यंजक थे, कथन सत्य है। तर्क इसलिए सादृश्य-विधान भाषा की मूल-प्रकृति है। किन्तु तर्क में दिया गया है सादृश्य-विधान भाषा की मूल प्रकृति नहीं है, गलत है। अतः अभिकथन (A) सही तथा तर्क (R) गलत है।

73. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : प्रगतिवादी कवियों ने अधिकांशतः प्रकृति के उन्हीं रूपों का चित्रण किया है जिनमें उन्हें मनुष्य के सामाजिक जीवन की कोई गहरी अर्धच्छाया दिखाई पड़ी।
तर्क (Reasons) (R) : इसीलिए इसमें सुपरिचित ग्राम्य-प्रकृति के स्थान पर प्रकृति का वन्य और पर्वतीय रूप चित्रित हुआ है।

(a) (A) ग़लत (R) सही (b) (A) ग़लत (R) ग़लत
(c) (A) सही (R) ग़लत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (c) प्रगतिवादी कवियों ने अधिकांशतः प्रकृति के उन्हीं रूपों का चित्रण किया है जिसमें उन्हें मनुष्य के सामाजिक जीवन की कोई गहरी अर्धच्छाया दिखाई पड़ी कथन सही है। जबकि तर्क-इसलिए इसमें सुपरिचित ग्राम्य प्रकृति के स्थान पर प्रकृति का वन्य और पर्वतीय रूप चित्रित हुआ है, गलत है। अतः अभिकथन (A) सही है किन्तु तर्क (R) गलत है।

74. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : कहानी छोटे मुँह बड़ी बात करती है।
तर्क (Reasons) (R) : लेकिन लघु आकार के कारण कहानी सम्पूर्ण जीवनबोध और सामाजिक सत्य को प्रकाशित नहीं कर सकती।

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) ग़लत (R) ग़लत
(c) (A) ग़लत (R) सही (d) (A) सही (R) ग़लत

Ans : (d) कहानी छोटे मुँह बड़ी बात करती है। कहानी में कल्पना भाव प्रवणता अत्यधिक होने से हमें वास्तविक जगत एंव मिथ्या जगत् को समझने में सहायक तो है किन्तु कहानी में अपनी क्षमता से अधिक भाव तथा दशा बताई जाती है अतः कहानी छोटे मुँह बड़ी बात की लोकोक्ति को सत्य करती है। लेकिन लघु आकार के कारण कहानी सम्पूर्ण जीवन बोध और सामाजिक सत्य को प्रकाशित कर सकती है। अतः दिया तर्क गलत है। इसलिए अभिकथन (A) सही तथा तर्क (R) गलत है।

75. प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reasons) (R) है। कूट में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

अभिकथन (Assertion) (A) : नारीवाद पितृसत्तात्मक समाज में संघर्ष का विमर्श है।
तर्क (Reasons) (R) : इसीलिए हिन्दी का सम्पूर्ण स्त्रीलेखन अपने लिए पुरुषों के अस्तित्व को नकारता है।

(a) (A) ग़लत (R) सही (b) (A) ग़लत (R) ग़लत
(c) (A) सही (R) ग़लत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (c) नारीवाद पितृसत्तात्मक समाज सें संघर्ष का विमर्श है। इसलिए हिन्दी का सम्पूर्ण स्त्रीलेखन अपने लिए पुरुषों के अस्तित्व को स्वीकार तो करता है किन्तु पुरुष अस्तित्व की विसंगतियों में नारी की मनोस्थिति तथा सामाजिक दशा को दर्शाता है न कि नकारता है। अतः अभिकथन (A) सही है किन्तु उसका तर्क (R) गलत है।

76. पन्त को उनकी किस रचना के लिए भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था।
(a) लोकापतन (b) चिदम्बरा
(c) गीतहंस (d) ग्राम्या

Ans : (b) पन्त की कृति 'चिदम्बरा' के लिए भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार सन् 1868 ई. में प्रदान किया गया। पंत हिन्दी साहित्य में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम रचनाकार है। इनकी अन्य रचनाएँ हैं-लोकायतन, पल्लव, ग्राम्या, स्वर्ण किरण आदि।

77. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) जाके मुँह माथा नहीं, नाहिं रूप-कुरूप।	(i) मलिक मुहम्मद जायसी
(B) औ मन जानि कबित अस कीन्हा मकु यह रहे जगत महँ चीन्हा	(ii) सूरदास
(C) हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।	(iii) कबीर
(D) नमामिशमीशान निर्वाण रूपं। विभुं व्यापकं ब्रह्म वेद स्वरूपं।	(iv) रामानंद
	(iv) तुलसीदास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

Ans : (d) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ और उनके रचयिताओं का क्रम इस प्रकार है।

पंक्ति		रचनाकार
1. जाके मुँह माथा नहीं, नाहिं रूप-कुरूप।	–	कबीर
2. औ मन जनिजगत महँ चीन्हा	–	जायसी
3. हरि हैं राजनीति पढ़ि आए	–	सूरदास
4. नमामिशमीशान निर्वाण रूपं। विभुं व्यापकं ब्रह्म वेद स्वरूपं।	–	तुलसीदास

78. निम्नलिखित काव्य-कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) अलंकार प्रकाश	(i) रसलीन
(B) अंगदर्पण	(ii) आलम
(C) आलम केलि	(iii) याकूब खाँ
(D) रतनहजारा	(iv) रसनिधि
	(v) भूषण

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(v)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)

Ans : (b) निम्नलिखित काव्यकृतियों का उनके कवियों के साथ सही क्रम इस प्रकार होगा।

कवि		कृति
भूषण	-	अलंकार प्रकाश
रसलीन	-	अंगदर्पण
आलम	-	आलम केलि
रसनिधि	-	रतनहजारा

79. निम्नलिखित बोलियों को उनके क्षेत्र के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) पश्चिमी पहाड़ी	(i) गढ़वाल
(B) मध्यवर्ती पहाड़ी	(ii) पटना
(C) भोजपुरी	(iii) शिमला
(D) मगही	(iv) गाज़ीपुर
	(iv) बिलासपुर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

Ans : (a) निम्नलिखित बोलियों का सही क्रम इस प्रकार होगा-

बोलियाँ		शहर
पश्चिमी पहाड़ी	-	शिमला
मध्यवर्ती पहाड़ी	-	गढ़वाल
भोजपुरी	-	गाजीपुर
मगही	-	पटना

80. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए।

सूची-I	सूची-II
(A) अष्टयाम	(i) स्वामी हरिदास
(B) वीरसिंह देव चरित	(ii) नाभादास
(C) रस मंजरी	(iii) केशवदास
(D) केलिमाल	(iv) रसखान
	(v) नंददास

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(b)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(c)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(v)

Ans : (a) निम्नलिखित रचनाओं का उनके रचनाकारों के साथ सही सुमेलित इस प्रकार होगा।

रचनाकार		रचना
नाभादास	-	अष्टयाम
केशवदास	-	वीरसिंह देव चरित
नन्ददास	-	रसमंजरी
स्वामी हरिदास	-	केलिमाल

81. निम्नलिखित कवियों को उनके जन्म स्थान के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए।

सूची-I	सूची-II
(A) गुरु नानक	(i) अहमदाबाद
(B) दादू दयाल	(ii) दौसा
(C) धर्मदास	(iii) बांधवगढ़
(D) सुन्दरदास	(iv) तलवंडी
	(v) अमृतसर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(v)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

Ans : (d)

कवि		स्थान
गुरु नानक	-	तलवंडी
दादू दयाल	-	अहमदाबाद
धर्मदास	-	बांधवगढ़
सुन्दरदास	-	दौसा

82. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए:

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	सूची-I		सूची-II
(A)	भाषा भूषण	(i)	मतिराम
(B)	अलंकार पंचाशिका	(ii)	पद्माकर
(C)	विष्णुपद कीर्तन	(iii)	जसवन्त सिंह
(D)	रस विलास	(iv)	चिन्तामणि
		(v)	रसनिधि

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(b)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(iii)	(i)	(v)	(iv)
(d)	(i)	(v)	(ii)	(iii)

Ans : (c) निम्नलिखित ग्रंथों का उनके रचनाकारों के साथ निम्न प्रकार सुमेलित है।

	ग्रन्थ		ग्रन्थकार
1.	भाषा भूषण	-	जसवन्त सिंह
2.	अलंकार पंचाशिका	-	मतिराम
3.	विष्णुपद कीर्तन	-	रसनिधि
4.	रसविलास	-	चिन्तामणि

83. निम्नलिखित कवियों को उनकी प्रवृत्ति के आधार पर सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए।

	सूची-I		सूची-II
(A)	स्वामी हरिदास	(i)	निर्गुणोपासक
(B)	मलूकदास	(ii)	निरीश्वरवादी
(C)	कण्हपा	(iii)	मधुरोपासक
(D)	कुतुबन	(iv)	भोगवादी
		(v)	एकेश्वरवादी

कूट -

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)

Ans : (b) कवियों और उनकी प्रवृत्तियों का सही युग्म इस प्रकार सुमेलित है।

	कवि		प्रवृत्ति
1.	स्वामी हरिदास	-	मधुरोपासक
2.	मलूकदास	-	निर्गुणोपासक
3.	कण्हपा	-	निरीश्वरवाद
4.	कुतुबन	-	एकेश्वरवादी

84. निम्नलिखित कविताओं को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

	सूची-I		सूची-II
(A)	नदी की बाँक पर छाया	(i)	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(B)	आज नदी बिल्कुल उदास थी	(ii)	अज्ञेय
(C)	ठंडा लोहा	(iii)	केदारनाथ अग्रवाल
(D)	कुआनो नदी	(iv)	धर्मवीर भारती
		(v)	नरेन्द्र शर्मा

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

Ans : (b)

रचनाकार		रचना
अज्ञेय	-	नदी की बाँक पर छाया
केदारनाथ अग्रवाल	-	आज नदी बिल्कुल उदास थी।
धर्मवीर भारती	-	ठंडा लोहा
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	-	कुआनो नदी

85. निम्नलिखित आधुनिक प्रबन्ध काव्यों के पुरुष पात्रों को उनकी चारित्रिक विशेषताओं से सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

	सूची-I		सूची-II
(A)	मृत्यु के प्रश्न से पात्र	(i)	'कामायनी' का जूझता मनु
(B)	कामाध्यात्म के प्रश्न से	(ii)	'संशय की एक रात' का जूझता पात्र राम
(C)	युद्ध के प्रश्न से	(iii)	'उर्वशी' का जूझता पात्र पुरुरवा
(D)	अपनी दुर्बलताओं से संघर्षरत पात्र	(iv)	'आत्मा जयी' का नचिकेतो
		(v)	'जयद्रथ वध' का कर्ण

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

Ans : (b) निम्नलिखित आधुनिक प्रबन्धकाव्यों के पुरुष पात्रों को उनकी चारित्रिक विशेषताएँ इस प्रकार सुमेलित है।

	चारित्रिक विशेषताएँ		पात्र
1.	मृत्यु के प्रश्न से जूझता पात्र	-	'आत्मा जयी' का नचिकेता
2.	कामाध्यात्म के प्रश्न से	-	'उर्वशी' का जूझता पात्र पुरुरवा
3.	युद्ध के प्रश्न से	-	'संशय की एक रात' का जूझता पात्र राम
4.	अपनी दुर्बलताओं से संघर्षरत पात्र	-	कामायनी का 'मनु'

86. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए:

	सूची-I		सूची-II
(A)	रामधारी सिंह दिनकर	(i)	एकलव्य
(B)	रामकुमार वर्मा	(ii)	पथिक
(C)	रामनरेश त्रिपाठी	(iii)	ज़मीन पक रही है।
(D)	केदारनाथ सिंह	(iv)	दिल्ली
		(v)	बात बोलेगी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans : (d) निम्नलिखित रचनाकारों को उनके रचनाओं के साथ इस प्रकार सुमेलित किया गया है।

रचनाकार		रचना
रामधारी सिंह दिनकर	-	दिल्ली
रामकुमार वर्मा	-	एकलव्य
रामनरेश त्रिपाठी	-	पथिक
केदारनाथ सिंह	-	जमीन पक रही है
शमशेर बहादुर सिंह	-	बात बोलेगी।

87. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इन कथनों को सम्बद्ध कवियों से सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) 'अज्ञात प्रिय' की ओर इशारा करने के अतिरिक्त इन्होंने जगत् के अनेक प्रस्तुत रूपों और व्यापारों को भी अपनी सरल भावनाओं के रंग में देखा है।	(i) महादेवी वर्मा
(B) इस वेदना को लेकर इन्होंने हृदय की ऐसी अनुभूतियाँ सामने रखी हैं जो लोकोत्तर हैं।	(ii) रामकुमार वर्मा
(C) कवि की रहस्य-दृष्टि प्रकृति की आत्मा-जगत् के रूपों और व्यापारों में व्यक्त होने वाली आत्मा की ओर जाती है।	(iii) सुमित्रानंदन पंत
(D) इनकी रहस्यवादी रचनाओं को देखकर चाहे तो यह कहें कि इनकी मधु वर्षा के मानस-प्रसार के लिए रहस्यवाद का परदा मिल गया।	(iv) जयशंकर प्रसाद
	(v) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(c)	(v)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

Ans : (c) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इन कथनों को इस प्रकार सुमेलित किया जाता है।

	शुक्ल के कथन		कवि
(i)	'अज्ञात प्रिय' की ओर इशारा करने के अतिरिक्त इन्होंने जगत के अनेक प्रस्तुत रूपों और व्यापारों को भी अपनी सरल भावनाओ के रंग से देखा है।	-	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
(ii)	इस वेदना को लेकर इन्होंने हृदय की ऐसी अनुभूतियाँ सामने रखी हैं जो लोकोत्तर हैं।	-	महादेवी वर्मा
(iii)	कवि की रहस्य-दृष्टि प्रकृति की आत्मा जगत् के रूपों और व्यापारों में व्यक्त होने वाली आत्मा की ओर जाती है।	-	सुमित्रा नन्दन पंत
(iv)	इनकी रहस्यवादी रचनाओं को देखकर चाहे तो यह कहें कि इनकी मधु वर्षा के मानस-प्रसार के लिए रहस्यवाद का परदा मिल गया।	-	जयशंकर प्रसाद

88. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके वर्ण्य विषय के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) नाच्यौ बहुत गोपाल	(i) इलाहाबाद का परिवेश
(B) सूरज का सातवाँ घोड़ा	(ii) सांप्रदायिक उन्माद
(C) मुझे चाँद चाहिए	(iii) दलित जीवन
(D) गली आगे मुड़ती है	(iv) रंगमंच और सिनेमा संसार
	(v) वाराणसी का शैक्षिक परिसर

कूट-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

Ans : (a) दिये गये उपन्यासों को उनके वर्ण विषय के साथ इस प्रकार सुमेलित है–

	उपन्यास		वर्णविषय
(i)	नाच्यौ बहुत गोपाल	-	दलित जीवन
(ii)	सूरज का सातवाँ घोड़ा	-	इलाहाबाद का परिवेश
(iii)	मुझे चाँद चाहिए	-	रंगमंच और सिनेमा संसार
(iv)	गली आगे मुड़ती है	-	वाराणसी का शैक्षिक परिसर

89. निम्नलिखित उपन्यासों को संबंधित परिवेश के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर दीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) राग दरबारी	(i) बहादुरगंज
(B) अंतिम अरण्य	(ii) बस्तर, मध्यप्रदेश
(C) बसंती	(iii) गंगौली
(D) कोरजा	(iv) शिवपालगंज
	(v) महानगर दिल्ली

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(v)	(ii)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) निम्नलिखित उपन्यासों को सम्बन्धित परिवेश के साथ इस प्रकार सुमेलित है।

उपन्यासकार	उपन्यास	परिवेश
श्रीलाल शुक्ल -	रागदरबारी	- शिवपालगंज
निर्मल वर्मा -	अंतिम अरण्य	- बहादुरगंज
भीष्म साहनी -	बसंती	- महानगर दिल्ली
मेहरुनिसा परवेज -	कोरजा	- बस्तर मध्यप्रदेश

90. निम्नलिखित कहानियों के उनके संबद्ध पात्रों से सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) गदल	(i) गोमती
(B) गुल की बन्नो	(ii) मिन्नी
(C) पिसनहारी का कुआँ	(iii) निहाल
(D) एक ठहरा हुआ चाकू	(iv) मिहिरलाल
	(iv) गजाधर

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans : (a) निम्नलिखित कहानियाँ और उनके पात्र इस प्रकार सुमेलित है।

कहानी	कहानीकार	पात्र
1. गदल	- रागेय राघव	- निहाल
2. गुल की बन्नो	- धर्मवीर भारती	- मिहिरलाल
3. पिसनहारी का कुआँ	- प्रेमचन्द	- गोमती
4. एक ठहरा हुआ चाकू	- मोहन राकेश	- मिन्नी

91. निम्नलिखित निबंध संग्रहों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) बलकम ख़ुद	(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(B) बबूल और कैक्टस	(ii) नंददुलारे वाजपेयी
(C) विचार और वितर्क	(iii) नामवर सिंह
(D) कन्यादान	(iv) रामदरश मिश्र
	(v) अध्यापक पूर्णसिंह

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

Ans : (a) निम्नलिखित निबंध संग्रहों का उनके लेखकों के साथ सही सुमेलन इस प्रकार है-

निबंध संग्रह		लेखक
1. बकलम खुद	-	नामवरसिंह
2. बबूल और कैक्टस	-	रामदरशमिश्र
3. विचार और वितर्क	-	हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कन्यादान	-	अध्यापक पूर्ण सिंह
5. आधुनिक साहित्य	-	नन्ददुलारे वाजपेयी

92. निम्नलिखित नाटककारों को द्वारा रचित नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को

सूची-I	सूची-II
(A) सुरेन्द्र वर्मा	(i) इतिहास चक्र
(B) हमीदुल्ला	(ii) पोस्टर
(C) मुद्राराक्षस	(iii) सेतुबन्ध
(D) शंकर शेष	(iv) मरजीवा
	(v) दरिन्दे

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(v)

Ans : (a) निम्नलिखित नाटककारों को उनके रचित नाटकों के साथ इस प्रकार सुमेलित किया गया है।

नाटककार		नाटक
1. सुरेन्द्र वर्मा	-	सेतुबन्ध
2. हमीदुल्ला	-	दरिन्दे
3. मुद्राराक्षस	-	मरजीवा
4. शंकरशेष	-	पोस्टर
5. दयाप्रकाश सिन्हा	-	इतिहास चक्र

93. यात्रा-साहित्य से सम्बद्ध निम्नलिखित रचनाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए।

सूची-I	सूची-II
(A) कितना अकेला आकाश	(i) नासिरा शर्मा
(B) जहाँ फव्वारे लहू रोते हैं।	(ii) कमलेश्वर
(C) आखों देखा पाकिस्तान	(iii) रमेशचंद्र शाह
(D) अंतहीन आकाश	(iv) नरेश मेहता
	(v) विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)

Ans : (a) यात्रा-साहित्य से सम्बद्ध निम्नलिखित रचनाओं का उनके लेखकों के साथ इस प्रकार सुमेलित है।

यात्रा साहित्य		लेखक
1. कितना अकेला आकाश	-	नरेश मेहता
2. जहाँ फव्वारे लहू रोते हैं	-	नासिरा शर्मा
3. आखों देखा पाकिस्तान	-	कमलेश्वर
4. अन्तहीन आकाश	-	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. एक लम्बी छाँह	-	रमेशचन्द्र शाह

94. निम्नलिखित सिद्धान्तों को संबंधित विचारकों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	सूची-II
(A) संरचनावाद	(i) आई. ए. रिचर्ड्स
(B) अस्तित्ववाद	(ii) क्लाड लेवी स्ट्रास
(C) मूल्य सिद्धान्त	(iii) अल्बर्ट कामू
(D) यथार्थवाद	(iv) बेनेदेतो क्रोचे
	(v) जार्ज लूकाच

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(c)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

Ans : (b) निम्नलिखित सिद्धान्तों को सम्बन्धित विचारकों को इस प्रकार सुमेलित किया गया है।

	सिद्धान्त		**विचारक**
1.	संरचनावाद	-	क्लाड लेवी स्ट्रास
2.	अस्तित्ववाद	-	अल्बर्ट कामू
3.	मूल्य सिद्धान्त	-	आई. ए. रिचर्डस
4.	यथार्थवाद	-	जार्ज लूकाच
5.	अभिव्यंजनावाद	-	बेनदेतो क्रोचे

95. निम्नलिखित आलोचकों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए। नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर को चुनिए :

सूची-I	**सूची-II**
(A) लक्ष्मीकान्त वर्मा	(i) भक्तिकाव्य और लोक जीवन
(B) रामस्वरूप चतुर्वेदी	(ii) नई कविता के प्रतिमान
(C) शिवदान सिंह चौहान	(iii) कामायनी का पुनर्मल्यांकन
(D) शिवकुमार मिश्र	(iv) नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र
	(v) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(i)	(v)	(ii)	(iii)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(v)

Ans : (a) आलोचकों और उनकी कृतियाँ इस प्रकार सुमेलित है।

	आलोचक		**आलोचना**
1.	लक्ष्मीकान्त वर्मा	-	नई कविता के प्रतिमान
2.	रामस्वरूप चतुर्वेदी	-	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन
3.	शिवदान सिंह चौहान	-	हिन्दी साहित्य का अस्सी वर्ष
4.	शिवकुमार मिश्र	-	भक्तिकाव्य और लोक जीवन
5.	मुक्तिबोध	-	नये साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

बिम्बविधान बहुत से विशृंखल क्षणों का एक समुच्चय होता है। उसका आधार जीवन और जगत् की 'अनेकता' में हैं इस के विपरीत प्रतीक किसी सूक्ष्म और गहरी 'एकता' का बोधक होता है। इसीलिए प्रतीकों की योजना में जाने-अनजाने एक तार्किक संगति अवश्य रहती है। परन्तु बिम्बविधान में तार्किक संगति का पाया जाना लगभग असम्भव है, और यदि पायी भी जाती है तो वह उसकी तीव्रता को कम करती है, बढ़ाती नहीं । प्रतीक का स्रोत कवि के व्यक्तिगत अनुषंगों में हो सकता है, परन्तु उसका आकलन आनुषंगिक नियमों के आधार पर नहीं होता। उस के निर्माण में, अज्ञात रूप से ही सही, एक प्रकार की अन्तर्दृष्टि या सूक्ष्म बौद्धिक प्रेरणा अवश्य रहती है, परन्तु बिम्ब का सम्पूर्ण ढाँचा आनुषंगिक नियमों के द्वारा बुना जाता है। इसलिए उस के संघटन के प्रायः अबौद्धिकता, अन्तर्विरोध और व्यतिक्रम पाया जाता है। प्रतीक मूर्त और अमूर्त दोनों ही हो सकता है। इसके विपरीत बिम्ब के लिए ज्ञानेन्द्रिय के किसी भी स्तर पर मूर्त होना आवश्यक है। यह मूर्तता केवल दृष्टि विषयक ही नहीं होती; नाद, घ्राण और स्वादपरक हो सकती है। प्रतीक किसी वस्तु का चित्रांकन नहीं करता, केवल संकेत द्वारा उस की किसी विशेषता को ध्वनित करता है। इसलिए प्रतीक का ग्रहण सन्दर्भ से अलग और एकान्त रूप से भी सम्भव हो सकता है पर बिम्ब की प्रेषणीयता उसके पूरे संन्दर्भ के साथ होती है।

96. प्रतीक के आकलन का आधार क्या है?
(a) व्यक्तिगत अनुषंग
(b) अन्तर्दृष्टि या सूक्ष्म बौद्धिक प्रेरणा
(c) ज्ञानेन्द्रिय के स्तर पर अनिवार्यतः मूर्त्त होना
(d) वस्तु का चित्रांकन करना।

Ans : (b) दिये गये गद्यांश के अनुसार प्रतीक के आकलन का आधार 'अन्तर्दृष्टि या सूक्ष्म बौद्धिक प्रेरणा' है। जब कि व्यक्तिगत अनुषंग, ज्ञानेन्द्रिय के स्तर पर अनिवार्यतः मूर्त होना, वस्तु का चित्रांकन करना ये तीनों असंगत है।

97. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(a) बिम्ब ज्ञानेन्द्रिय के स्तर पर मूर्त्त नहीं होता
(b) बिम्ब-विधान में तार्किक संगति रहती है।
(c) बिम्ब-विधान बहुत-से विशृंखल क्षणों का समुच्चय नहीं है।
(d) बिम्ब की प्रेषणीयता उसके पूरे संदर्भ के साथ होती है।

Ans : (d) गद्यांश के अनुसार सही कथन है -'बिम्ब की प्रेषणीयता उसके पूरे संदर्भ के साथ होती है। जबकि अन्य कथन सही नहीं है।

98. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(a) प्रतीक में तार्किक संगति अवश्य रहती है।
(b) प्रतीक संकेत द्वारा वस्तु की विशेषता ध्वनित करता है
(c) प्रतीक का आधार जीवन की अनेकता है।
(d) प्रतीक का ग्रहण संदर्भ से अलग एकांत रूप में संभव है।

Ans : (d) गद्यांशानुसार निम्नलिखित में गलत कथन है- 'प्रतीक का अधार जीवन की अनेकता है' जबकि अन्य कथन-प्रतीक में तार्किक संगति अवश्य रहती है।, प्रतीक संकेत द्वारा वस्तु की विशेषता ध्वनित करता है। और प्रतीक का ग्रहण संदर्भ से अलग एकांत रूप में संभव है। ये तीनों सही कथन हैं।

99. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(a) तार्किक संगति बिम्ब की तीव्रता को बढ़ाती है।
(b) प्रतीकों में तार्किक संगति का अभाव होता है।
(c) बिम्ब के संघटन में अबौद्धिकता, अन्तर्विरोध और व्यतिक्रम नहीं होता।
(d) बिम्ब का ढ़ाचा आनुषंगित नियमों द्वारा बुना जाता है

Ans : (d) दिये गये कथनों में गद्यांश के अनुसार सही कथन है- बिम्ब का ढांचा आनुषंगिक नियमो द्वारा बुना जाता है। जबकि अन्य तीनों विकल्प सही नहीं हैं।

100. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
(a) बिम्ब की मूर्तता केवल दृष्टि विषयक होती है।
(b) बिम्ब का ज्ञानेन्द्रिय के किसी स्तर पर मूर्त होना अनिवार्य है।
(c) मूर्तता नाद, घ्राण या स्वाद से सम्बन्धित नहीं होती।
(d) बिम्ब ज्ञानेन्द्रिय से असम्बद्ध होता है।

Ans : (b) गद्यांश के अनुसार सही कथन है-कि बिम्ब का ज्ञानेन्द्रियों के किसी स्तर पर मूर्त होना अनिवार्य है। जबकि अन्य कथन बिम्ब की मूर्तता केवल दृष्टि विषयक होती है।, मूर्तानाद घ्राण या स्वाद से सम्बन्धित नहीं होती और बिम्ब ज्ञानेन्द्रियों में असम्बद्ध होता है। ये तीनो कथन गलत हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. नेट परीक्षा जुलाई-2018
हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्र का हल (परीक्षा तिथि : 8 जुलाई, 2018)

समय : 2 घण्टा. **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 200

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **सौ (100)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

हिन्दीभाषा और उसका विकास

1. निम्नलिखित में से पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है:

(a) ब्रजभाषा (b) कन्नौजी
(c) बुंदेली (d) मगही

Ans : (d) मगही पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है, बल्कि यह बिहारी हिन्दी की बोली है।
पश्चिमी हिन्दी-
1. खड़ी बोली (कौरवी) 2. ब्रजभाषा 3. हरियाणवी या बाँगरु 4. बुन्देली 5. कन्नौजी
बिहारी हिन्दी-
1. मगही 2. मैथिली 3. भोजपुरी

2. 'खड़ी बोली' शब्द का प्रयोग:

(a) साहित्यिक हिन्दी खड़ी बोली के अर्थ में होता है।
(b) दिल्ली-मेरठ के आस-पास की लोक-बोली के अर्थ में होता है।
(c) खड़ी बोली का उद्‌भव शौरसेनी अपभ्रंश के उत्तरी रूप से हुआ है।
(d) खड़ी बोली में लोकसाहित्य बिल्कुल नहीं है।

कोड:
(a) (a) और (d) सही (b) (c) और (d) सही
(c) (a), (b) और (c) सही (d) (b) और (d) सही

Ans : (c) 'खड़ी बोली' शब्द का प्रयोग- साहित्यिक हिन्दी खड़ी बोली के अर्थ में होता है एवं दिल्ली-मेरठ के आस-पास की लोक-बोली के अर्थ में होता है तथा खड़ी बोली का उद्‌भव शौरसेनी अपभ्रंश के उत्तरी रूप से हुआ है। जबकि 'खड़ी-बोली में लोक साहित्य बिल्कुल नहीं है' यह तथ्य असत्य है।

भाषा विज्ञान

3. आभ्यंतर प्रयत्न के अनुसार वर्णों के भेद हैं:

(a) तीन (b) चार
(c) दो (d) पाँच

Ans : (b) आभ्यंतर प्रयत्न के अनुसार वर्णो के चार भेद हैं। प्रयत्न के आधार पर वर्णो को दो वर्गों में रखा गया है - 1. आभ्यंतर 2. बाह्य।
1. आभ्यंतर प्रयत्न के चार भेद निम्न हैं-
1. स्पृष्ट 2. ईषत्स्पृष्ट 3. विवृत 4. संवृत
2. बाह्य प्रयत्न के ग्यारह भेद होते हैं जो निम्नलिखित है-
1. विवार 2. संवार 3. श्वास 4. नाद 5. अघोष 6. घोष 7. अल्पप्राण 8. महाप्राण 9. उदात्त 10. अनुदात्त 11. स्वरित।

आदिकालीन साहित्य सिद्ध, जैन, नाथ

4. सिद्ध-साहित्य के अन्तर्गत चौरासी सिद्धों की वे साहित्यिक रचनाएँ आती हैं जो:

(a) प्राकृत में लिखी गई हैं
(b) पैशाची अपभ्रंश में लिखी गई हैं
(c) पूर्ववर्ती अपभ्रंश में लिखी गई हैं
(d) तत्कालीन लोक-भाषा हिन्दी में लिखी गई हैं

Ans : (d) सिद्ध-साहित्य के अन्तर्गत चौरासी सिद्धों की वे साहित्यिक रचनाएँ आती है जो 'तत्कालीन लोकभाषा हिन्दी में लिखी गई हैं। बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा के अन्तर्गत तंत्र-मंत्र तथा वामाचार आदि द्वारा सिद्धि प्राप्ति के लिए जो मार्ग प्रशस्त हुआ उसी में चौरासी सिद्ध हुए। इन सिद्धों की भाषा को 'संध्याभाषा' कहा गया है।

5. 'घोर अँधारे चंदमणि जिमि उज्जोअ करेई।
परम महासुह एखु कणे दुरिअ अशेष हरेइ।।'
उपर्युक्त दोहे में 'महासुह' का संबंध किस-किससे है?

(a) महासुख 'महासुह' का तत्सम रूप है।
(b) महासुख वज्रयानियों का पारिभाषिक शब्द है।
(c) प्रज्ञा और योग से महासुख की दशा संभव है।
(d) महासुख निर्वाण-प्राप्ति में बाधक है।

कोड:
(a) (a) और (d) सही (b) (b) और (d) सही
(c) (a), (b) और (c) सही (d) (a), (b) और (d) सही

Ans : (c) दिये गये दोहे- 'घोर अँधारे .... अशेष हरेइ।।' में वर्णित 'महासुह' का संबंध निम्न से है-
1. महासुख 'महासुह' का तत्सम रूप है।
2. महासुख वज्रयानियों का पारिभाषिक शब्द है।
3. प्रज्ञा और योग से महासुख की दशा संभव है।
जबकि महासुख निर्वाण प्राप्ति में बाधक है। इस कथन से महासुह का संबंध नहीं है।

भक्तिकालीन साहित्य तथा अन्य तथ्य

6. 'कबीर के 'निर्गुण पंथ' का आधार भारतीय वेदांत और 'सूफियों का प्रेम तत्व है।' यह विचार किसका है?

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) राहुल सांकृत्यायन
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) गोविन्द त्रिगुणायत

Ans : (a) 'कबीर के निर्गुण पंथ का आधार भारतीय वेदांत और सूफियों का प्रेमतत्व है।' यह विचार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। अपने इतिहास ग्रंथ 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में आचार्य शुक्ल ने लिखा है- "ज्ञानमार्ग की बातें कबीर ने हिन्दू साधु, संन्यासियों से ग्रहण की जिसमें सूफियों के सत्संग से उन्होंने 'प्रेमतत्व का मिश्रण किया और अपना एक अलग पंथ चलाया।"

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. 'केवल प्रेम लक्षणा भक्ति' का आधार ग्रहण करने के कारण कृष्ण भक्ति शाखा में अश्लील विलासिता की प्रवृत्ति जाग्रत हुई।'- यह विचार किसका है?

(a) जार्ज ग्रियर्सन (b) मिश्र बंधु
(c) रामचंद्र शुक्ल (d) रामकुमार वर्मा

Ans : (c) "केवल 'प्रेम लक्षणा भक्ति' का आधार ग्रहण करने के कारण कृष्ण भक्ति शाखा में अश्लील विलासिता की प्रवृत्ति जाग्रत हुई।" यह विचार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। अन्य नाम असंगत हैं।

8. प्राणचंद चौहान का संबंध भक्ति की किस शाखा से है?

(a) रामभक्ति शाखा (b) कृष्णभक्ति शाखा
(c) स्वसुखी शाखा (d) ज्ञानमार्गी शाखा

Ans : (a) प्राणचंद चौहान का संबंध भक्ति की रामभक्ति शाखा से है। भक्ति की प्रमुख शाखाएँ तथा उनके पुरोधा कवि इस प्रकार हैं-

शाखा		प्रमुख कवि
ज्ञानमार्गी शाखा	-	कबीरदास
प्रेममार्गी शाखा	-	मलिक मुहम्मद जायसी
रामभक्ति शाखा	-	तुलसीदास
कृष्ण भक्ति शाखा	-	सूरदास
स्वसुखी शाखा	-	जीवाराम

9. 'भँवर गीत' किसकी रचना है?

(a) सूरदास (b) नन्ददास
(c) चतुर्भजदास (d) कृष्णदास

Ans : (b) 'भँवर गीत' नन्ददास की रचना है। यह भ्रमरगीत परम्परा का उत्कृष्ट ग्रंथ है। नन्ददास की अन्य प्रमुख रचनाएँ-
1. अनेकार्थ मंजरी 2. रस मंजरी 3. रूप मंजरी 4. रास पंचाध्यायी 5. रूक्मिणी मंगल।
सूरदास के ग्रंथ - 1. सूरसागर 2. सूरसरावली 2. साहित्य लहरी
चतुर्भुज दास के ग्रंथ- 1. चतुर्भुज कीर्तन संग्रह 2. दानलीला 3. कीर्तनावली
कृष्णदास के ग्रंथ - 1. जुगलमान चरित 2. प्रेमतत्व निरूपण

10. 'गोरख जगायो जोग'
भगति भगायो लोग।'
इन पंक्तियों में तुलसी का अभिप्राय है:

(a) नाथ पंथ का हठयोग मार्ग हृदयपक्ष शून्य है।
(b) जनता हठयोग को पसंद करती थी।
(c) योगियों की रहस्यभरी बनियों से जनता की भक्ति-भावना दब गई थी।
(d) जनता भक्ति मार्ग से विमुख हो गई थी।

कोड:
(a) (a), (b) और (d) सही (b) (b), (c) और (d) सही
(c) (a) और (d) सही (d) (a) और (c) सही

Ans : (d) गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित 'गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग।' से गोस्वामी जी का अभिप्राय है- 'नाथ पंथ का हठयोग हृदय पक्ष शून्य है एवं योगियों की रहस्यभरी बानियों से जनता की भक्ति-भावना दब गई थी।

11. 'ना नगरी काया विधि कीन्हा। लेइ खोजा पावा, तेइ चीन्हा।
पै सुठि अगम पंथ बड़ बाँका। तस मारग जस सुई क नाका।
बाँक चढ़ाव, सात खंड ऊँचा। चारि बसेरे जाई पहूँचा।'
शुक्लजी के अनुसार उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त 'चारि बसेरे' से अभिप्राय है:

(a) चार धर्मशालाएं
(b) प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि नामक योग के अंग।
(c) शरीअत, तरीकत, मारिफत और हकीकत नामक चार सोपान।
(d) धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष नामक पुरुषार्थ।

कोड:
(a) (a) और (d) सही (b) (b) और (c) सही
(c) (b) और (d) सही (d) (c) और (d) सही

Ans : (b) प्रस्तुत पंक्तियाँ 'ना नगरी काया विधि कीन्हा .... चारि बसेरे जाइ पहूँचा।' में प्रयुक्त 'चारि बसेरे' से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का अभिप्राय है- प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि नामक योग के अंग एवं शरीअत, तरीकत, मारिफत और हकीकत नामक चार सोपान।

12. जाके कुटुंब सब ढोर ढोवंत
फिरहिं अजहुँ बनारसी आसपासा।
आचार सहित बिप्र करहिं डंडउति
तिन तनै रविदास दासानुदासा।।
इन काव्य पंक्तियों में किन भावों की अभिव्यंजना हुई है?

(a) लोक-व्यवहार (b) वर्ण-व्यवस्था
(c) विनय (d) गर्वोक्ति

कोड:
(a) (a) और (d) सही (b) (a), (b) और (c) सही
(c) (b), (c) और (d) सही (d) (b) और (d) सही

Ans : (b) निर्गुण भक्ति धारा के संत कवि रैदास की प्रस्तुत पंक्ति 'जाके कुटुम्ब .... दासानुदासा' में लोक व्यवहार, वर्ण-व्यवस्था और विनय जैसे भावों की अभिव्यंजना हुई है। जबकि गर्वोक्ति की नहीं।

13. झूठो है, झूठो है, झूठो सदा जगु, संत कहंत जे अंतु लहा है।
ताको सहै सठ! संकट कोटिक, काढत दंत, करंत हहा है।
जानपनी को गुमान बड़ो, तुलसी के विचार गँवार महा है।
जानकी जीवनु जान न जान्यों तौ जान कहावत जान्यो कहा है।।
तीसरी पंक्ति में तुलसीदास कहना चाहते हैं कि:

(a) उन्हें अपने ज्ञानीपने का बहुत अभिमान है।
(b) वे स्वयं महा गँवार है।
(c) संसार को झूठा कहने वाले महा गँवार हैं।
(d) जानकी के जीवन से अनभिज्ञ लोग गँवार हैं।

कोड:
(a) (c) और (d) सही (b) (a) और (b) सही
(c) (a) और (c) सही (d) (a), (c) और (d) सही

Ans : (b) दिये गये काव्यांश में वर्णित तीसरी पंक्ति "जानपनी को गुमान बड़ो, तुलसी के विचार गँवार महा है।" में गोस्वामी तुलसीदास कहना चाहते हैं कि "जिन्हें अपने ज्ञानीपने का बहुत अभिमान है वे स्वयं महागँवार हैं।"
अर्थात् जिसको भी अपने ज्ञानी होने का गुमान (अभिमान या घमण्ड) होता है तो वह स्वयं महागँवार (महामूर्ख) है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों के आशय हैं:
उर में माखन चोर गड़े।
अब कैसहु निकसत नहिं, ऊधों! तिरछे ह्वै जो अड़े।
(a) गोपी के दिल में कृष्ण बस गए हैं।
(b) वह उन्हें दिल से निकालना चाहती है, लेकिन निकलते ही नहीं।
(c) वह उन्हें दिल में बसाए रखना चाहती हैं।
(d) कृष्ण को दिल से निकालना गोपी के लिए असंभव है।
कोड :
(a) (a), (b) और (d) सही (b) (b) और (d) सही
(c) (b) और (c) सही (d) (a), (c) और (d) सही

Ans : (d) सूरदास द्वारा रचित सूरसागर महाकाव्य के मर्मस्पर्शी प्रसंग 'भ्रमरगीत' की प्रस्तुत पंक्तियों-
"उर में माखर चोर गड़े।
अब कैसहु निकसत नहिं ऊधो तिरछे ह्वै जो अड़े।।"
का आशय है- गोपी के दिल में कृष्ण बस गये हैं वे उन्हें दिल में बसाए रखना चाहती हैं तथा कृष्ण को दिल से निकालना गोपी के लिए संभव नहीं है।

15. मीरा बाई के पदों में मुख्य है:
(a) अपूर्व भाव विह्वलता
(b) रहस्यानुभूति
(c) आत्म-समर्पण
(d) भगवद्विरह की पीड़ा की उत्कट अभिव्यक्ति
कोडः
(a) (a), (b) और (c) सही (b) (a), (c) और (d) सही
(c) (b) और (c) सही (d) (b), (c) और (d) सही

Ans : (b) मीराबाई के पदों में "अपूर्व भाव विह्वलता, आत्म समर्पण तथा भगवद् विरह की पीड़ा की उत्कट अभिव्यक्ति" मुख्य है जबकि मीरा के पदों में रहस्यानुभूति को स्थान नहीं मिला है।

रीतिकालीन साहित्य तथा अन्य तथ्य

16. राजनीतिक रूप से रीतिकाल मुगलों के शासन के वैभव के :
(a) चरमोत्कर्ष का युग है
(b) उत्थान का युग है
(c) विस्तार का युग है
(d) चरमोत्कर्ष के बाद उत्तरोत्तर ह्रास और पतन का युग है

Ans : (d) राजनीतिक रूप से रीतिकाल मुगलों के शासन के वैभव के चरमोत्कर्ष के बाद उत्तरोत्तर ह्रास और पतन का युग है। मुगलों के शासनकाल का प्रारम्भ बाबर द्वारा 1526 ई. में हुआ। मुगलों का अन्तिम सशक्त शासक औरंगजेब (1658 - 1707 ई.) था। इसी समय में रीतिकाल (सं. 1700 - 1900 वि.) 1643 से 1843 ई. तक माना गया है। अतः समय और राजनीति दोनों के आधारों पर रीतिकाल मुगलों के उत्तरोत्तर ह्रास और पतन का युग है।

17. कवि ठाकुर ने किस राजा के कटु वचन कहने पर म्यान से तलवार निकाल ली और कहा:
सेवक सिपाही हम उन राजपूतन का,
दान जुद्ध जुरिबे में नेकु जे न मुरको।
नीत देनवारे हैं मही के महीपालन को,
हिए के विरुद्ध हैं, सनेही साचे उर के।
ठाकुर कहत हम बैरी बेवकूफन के,
जालिम दमाद हैं अदानियाँ ससुर के।
चोजिन के चोजी महा, मौजिन के महाराज
हम कविराज हैं, पै चाकर चतुर के।
(a) अनूप गिरि उर्फ हिम्मत बहादुर
(b) जगत सिंह
(c) राजा पारीछत
(d) महाराज उदितनारायण सिंह

Ans : (a) कवि ठाकुर ने राजा 'अनूप गिरि उर्फ हिम्मत बहादुर' के कटु वचन कहने पर म्यान से तलवार निकाल लिये और कहे- "सेवक सिपाही हम उन राजपूतन के .... हम कविराज हैं, पै चाकर चतुर के।
जबकि अन्य नाम जगत सिंह, राजा पारीछत तथा महाराज उदितनारायण सिंह असंगत हैं।

18. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना ठाकुर जगमोहन सिंह की नहीं है?
(a) प्रेम संपत्तिलता (b) श्यामालता
(c) श्यामा सरोजिनी (d) प्रेम प्रलाप

Ans : (d) 'प्रेम-प्रलाप' ठाकुर जगमोहन सिंह की रचना नहीं है बल्कि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की है। जबकि शेष तीनों रचनाएँ- 1. प्रेम संपत्तिलता 2. श्यामालता 3. श्यामा सरोजिनी, ठाकुर जगमोहन सिंह की हैं।

19. रीतिमुक्त कविता की विशेषताएँ हैं:
(a) यह आन्तरिक अनुभूतियों का काव्य है।
(b) यह मूलतः आत्मप्रधान और व्यक्तिगत है।
(c) यह सभी प्रकार की रूढ़ियों से मुक्त है।
(d) अभिव्यंजना में यह अभिधामूलक है।
कोडः
(a) (a), (b) और (d) सही
(b) (b), (c) और (d) सही
(c) (b), (c) और (d) सही
(d) (b) और (d) सही

Ans : (a) रीतिमुक्त कविता की विशेषताएँ है-
* वह आन्तरिक अनुभूतियों का काव्य हैं
* वह मूलतः आत्मप्रधान और व्यक्तिगत है।
* यह सभी प्रकार की रूढ़ियों से मुक्त है।
जबकि अभिव्यंजना में अभिधामूलक न होकर लक्षणा तथा व्यंजना मूलक है।

आधुनिक हिन्दी साहित्य तथा साहित्यकार

20. 'बगियान बसंत बसेरो कियो, बसिए, तेहि त्यागि तपाइए ना।
दिन काम-कुतूहल के जो बने, तिन बीच बियोग बुलाइए ना।।'
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :
(a) प्रताप नारायण मिश्र
(b) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(c) ठाकुर जगमोहन सिंह
(d) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) दी गयी पंक्ति - "बगियान बसंत बसेरो कियो .... तिन बीच बियोग बुलाइए ना। के रचनाकार बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन हैं।

प्रेमघन की प्रमुख काव्य रचनाएं - 1. जीर्ण जनपद 2. मयंक महिमा 3. वर्षा बिन्दु 4. आनन्द अरुणोदय 5. अलौकिक लीला। जबकि शेष अन्य प्रताप नारायण मिश्र, ठाकुर जगमोहन सिंह तथा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र दी गयी पंक्ति से असंगत है।

**21. 'आज रात इससे परदेशी चल कीजे विश्राम यहीं।
जो कुछ वस्तु कुटी में मेरे ग्रहण, संकोच नहीं॥
प्रस्तुत काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैः**

(a) अंबिकादत्त व्यास
(b) श्रीधर पाठक
(c) रामनरेश त्रिपाठी
(d) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

Ans : (b) प्रस्तुत पंक्ति 'आज रात इससे परदेशी................ करो ग्रहण, संकोच नहीं।।
के रचनाकार श्रीधर पाठक हैं। 1886 ई. मे श्रीधर पाठक द्वारा 'गोल्ड स्मिथ' की रचना 'हरमिट' का खड़ीबोली हिन्दी में अनुवाद 'एकांतवासी योगी' नाम से किया गया है। यह पंक्तिया इसी रचना से अवतरित की गयी हैं। शेष अन्य तीनों नाम - अम्बिका दत्त व्यास, रामनरेश त्रिपाठी तथा हरिऔध असंगत हैं।

**22. किंसुक-पुंज से फूलि रहे सु लगी उर दौ जु वियोग तिहारे।
मातो फिरै, न घिरै अबलानि पै, जान मनोज यों डारत मारे।
ह्वै अभिलाषनि पात निपात कढ़े हिय-सूल उसांसनि डारे।
है पतझार बसंत दुहूँ घनआनंद एकहि बार हमारे॥
इन पंक्तियों में भावाभिव्यंजना के कौन-कौन रूप व्यक्त हुए हैं?**

(a) उक्ति वैचित्र्य (b) उक्ति चमत्कार
(c) उक्ति विपर्यय (d) उक्ति सदृश्यता

कोडः

(a) (a), (b) और (d) सही (b) (a), (b) और (c) सही
(c) (b), (c) और (d) सही (d) (c) और (d) सही

Ans : (b) रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य धारा के प्रमुख कवि 'घनानन्द' की प्रस्तुत उपर्युक्त पंक्तियों में उक्ति वैचित्र्य, उक्ति चमत्कार तथा उक्ति विपर्यय की भावाभिव्यंजना व्यक्त हुई है। जबकि उक्ति सादृश्यता की भावाभिव्यंजना नहीं हुई है।

23. निम्नलिखित विकल्पों में से किसका सम्बन्ध रामधारी सिंह 'दिनकर' से है?

(a) कामाध्यात्म की समस्या
(b) पौराणिक प्रसंग में भारत-चीन युद्ध का युगीन सन्दर्भ
(c) युद्ध-दर्शन
(d) सुधारवाद

कोडः

(a) (c) और (d) सही (b) (a), (b) और (c) सही
(c) (b) और (d) सही (d) (b), (c) और (d) सही

Ans : (b) रामधारी सिंह दिनकर का संबंध निम्न प्रसंगों से है-

संबंध प्रसंग	**रचना**
* कामाध्यात्मक की समस्या	उर्वशी
* पौराणिक प्रसंग में भारत-चीन युद्ध का युगीन सन्दर्भ	पशुराम की प्रतीक्षा
* युद्ध-दर्शन	कुरूक्षेत्र, हुंकार, रश्मिरथी

⇒ जबकि सुधारवाद का संबंध दिनकर से नहीं है।

24. निम्नलिखित में से किनका सम्बन्ध सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' से है?

(a) आत्मचेतस
(b) विचार कविता
(c) बावरा अहेरी
(d) जापानी लोक कथा का रचनात्मक उपयोग

कोडः

(a) (a) और (b) सही
(b) (b) और (c) सही
(c) (b), (c) और (d) सही
(d) (a), (c) और (d) सही

Ans : (d) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' का सम्बन्ध आत्मचेतस (चिन्ता, नदी के द्वीप), बाबरा अहेरी (सूर्य को समर्पित कृति बावरी अहेरी से) तथा जापानी लोक कथा का रचनात्मक उपयोग (असाध्यवीणा) से है। जबकि विचार कविता से अज्ञेय का संबंध नहीं है।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएं
(नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध तथा आलोचना)

25. 'बर्बरता की पहली सीढ़ी से सभ्यता की अंतिम सीढ़ी तक युद्ध मनुष्य जाति का साथ देता आया है।' यह कथन किस निबंध से उद्धृत है?

(a) उत्साह (b) युद्ध और नारी
(c) जीवन का व्यवसाय (d) मज़दूरी और प्रेम

Ans : (b) महादेवी वर्मा द्वारा लिखित निबन्ध 'युद्ध और नारी" में यह उल्लेख है कि - "बर्बरता की पहली सीढ़ी से सभ्यता की अन्तिम सीढ़ी तक युद्ध मनुष्य जाति का साथ देता आया है।"
उत्साह निबन्ध के लेखक आचार्य राममन्द्र शुक्ल हैं जबकि 'मजदूरी और प्रेम' निबन्ध के लेखक अध्यापक पूर्ण सिंह हैं।

26. निम्नलिखित में से किस कहानी में अति व्यस्त कामकाजी आदमी की असंतुष्ट पत्नी को विषयवस्तु बनाया गया

(a) ग्रामोफोन का रिकार्ड
(b) नीलम देश की राजकन्या
(c) बाहुबली
(d) दृष्टिदोष

Ans : (a) जैनेन्द्र द्वारा लिखित कहानी 'ग्रामोफोन का रिकार्ड' में "अति व्यस्त कामकाजी आदमी की असंतुष्ट पत्नी को विषयवस्तु बनाया गया है।" जैनेन्द्र की प्रमुख कहानियाँ - 1. नीलमदेश की राजकन्या 2. बाहुबली 3. दृष्टिकोण 4. पाजेब 6. फाँसी 7. वातायन 8. पत्नी 9. कैदी 10. जाह्नवी 11. मास्टर जी आदि हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

27. निम्नलिखित में से किस उपन्यास में ''रईस साहूकार मदनमोहन'' के अंग्रेजी सभ्यता की नकल और अपव्यय की कथा है?

(a) नूतन ब्रह्मचारी (b) परीक्षा गुरु
(c) आदर्श दम्पत्ति (d) प्रणयिनी परिणय

Ans : (b) लाला श्रीनिवास द्वारा लिखित 'परीक्षा गुरु' (1882 ई.) उपन्यास में ''रईस साहूकार मदनमोहन के अंग्रेजी सभ्यता की नकल और अपव्यय की कथा।'' का वर्णन है। जबकि 'नूतन ब्रह्मचारी' उपन्यास बालकृष्ण भट्ट का है; 'आदर्श दम्पत्ति' उपन्यास लज्जाराम मेहता का एवं 'प्रणयिनी परिणय' उपन्यास के लेखक 'किशोरी लाल गोस्वामी' हैं।

28. पर्णदत्त जयशंकर प्रसाद के किस नाटक का पात्र है?

(a) कल्याणी परिणय (b) राज्यश्री
(c) स्कन्दगुप्त (d) अजातशत्रु

Ans : (c) 'पर्णदत्त' जयशंकर प्रसाद के 'स्कन्दगुप्त' नाटक का पात्र है। स्कन्दगुप्त 1928 ई. में प्रकाशित एक ऐतिहासिक नाटक है।

नाटक	**प्रमुख पात्र**
कल्याणी परिणय	कल्याणी, चन्द्रगुप्त, सिल्यूकस
राज्यश्री	हर्ष, चीनी यात्री ह्वेनसांग
स्कन्दगुप्त	पृथ्वीसेन, भट्टार्क, बन्धुवर्मा महादण्डनायक, पुरुगुप्त, स्कन्दगुप्त
अजातशत्रु	मगध, कौशल और कौशाम्बी के तीन परिवार, अजातशत्रु

29. 'हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी' - आलोचना - ग्रंथ के लेखक हैं:

(a) शांतिप्रिय द्विवेदी (b) नन्ददुलारे वाजपेयी
(c) नेमिचन्द्र जैन (d) शिवदानसिंह चौहान

Ans : (b) 'हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी' नामक आलोचना ग्रंथ के लेखक नन्ददुलारे वाजपेयी हैं। इनके प्रमुख आलोचनात्मक ग्रंथ- 1. आधुनिक साहित्य 2. साहित्य का आधुनिक युग 3. आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा 4. रीति और शैली 5. नया साहित्य नये प्रश्न।

शांतिप्रिय द्विवेदी के प्रमुख आलोचनात्मक ग्रंथ - 1. सामयिकी 2. हमारे साहित्य निर्माता 3. संचारिणी।

नेमिचन्द्र जैन के प्रमुख आलोचनात्मक ग्रंथ- 1. रंगदर्शन 2. अधूरे साक्षात्कार 3. साहित्य की समस्याएँ

शिवदान सिंह चौहान के प्रमुख आलोचनात्मक ग्रंथ-

1. प्रगतिवाद 2. साहित्य की परख 3. आलोचना के मान 4. हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष 5. साहित्यानुशीलन

30. निम्नलिखित में से कौन-कौन प्रेमचंद की कहानियों के पात्र हैं?

(a) लहना सिंह (b) पंडित बुद्धिराम
(c) अमीना (d) सुनन्दा

कोड:

(a) (a), (b), (c) सही
(b) (b) और (c) सही
(c) (b), (c), (d) सही
(d) (d), (c) और (a) सही

Ans : (b) पंडित बुद्धिराम तथा अमीना प्रेमचंद की कहानियों के पात्र है।

पात्र	**कहानी**	**कहानीकार**
पंडित बुद्धिराम	बूढ़ी काकी	प्रेमचन्द
अमीना	ईदगाह	प्रेमचन्द
लहना सिंह	उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
सुनन्दा	पत्नी	जैनेन्द्र

31. निम्नलिखित में से प्रेमचंद के उपन्यासों के पात्र हैं:

(a) कृष्णचंद्र (b) सोफिया
(c) हरिप्रसन्न (d) गजाधर

कोड:

(a) (a), (b) और (c) सही (b) (b), (c) और (d) सही
(c) (a), (b) और (d) सही (d) (a), (c) और (d) सही

Ans : (c) कृष्णचन्द्र, सोफिया तथा गजाधर तीनों प्रेमचन्द के उपन्यासों के पात्र है-

पात्र	**उपन्यास**	**उपन्यासकार**
कृष्णचन्द्र	सेवासदन	प्रेमचन्द
सोफिया	रंगभूमि	प्रेमचन्द
हरिप्रसन्न	सुनीता	जैनेन्द्र
गजाधर	सेवासदन	प्रेमचन्द

32. निम्नलिखित में से हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित निबंध-संग्रह हैं:

(a) आलोक पर्व (b) माटी हो गई सोना
(c) विचार और वितर्क (d) कुछ उथले कुछ गहरे

कोड:

(a) (b) और (c) सही (b) (a), (b) और (c) सही
(c) (c) और (d) सही (d) (a) और (b) सही

Ans : (a) 'आलोक पर्व' तथा 'विचार और वितर्क' निबन्ध संग्रह आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित हैं। इनके अन्य निबन्ध हैं- अशोक के फूल, कल्पलता, कुटज, साहित्य-सहचर, मध्यकालीन धर्म साधना।

जबकि 'माटी हो गयी सोना' निबन्ध कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का तथा 'कुछ उथले कुछ गहरे' निबन्ध 'इन्द्रनाथ मदान' का है।

33. निम्नलिखित में से कौन-से नाटक प्रेमचंद द्वारा रचित हैं?

(a) डिक्टेटर (b) संग्राम
(c) बड़े खिलाड़ी (d) प्रेम की वेदी

कोड:

(a) (b) और (d) सही (b) (a) और (c) सही
(c) (b) और (c) सही (d) (a) और (d) सही

Ans : (a) संग्राम तथा प्रेम की वेदी नाटक के रचयिता प्रेमचंद है इनका एक अन्य नाटक कर्बला भी हैं जबकि 'डिक्टेटर' तथा 'नये खिलाड़ी' की रचना प्रेमचन्द ने नहीं किया है।

हिन्दी साहित्य की लघु गद्य विधाएं (जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज)

34. 'आवारा मसीहा' किसके जीवन पर आधारित है?

(a) शरतचन्द्र (b) बंकिमचन्द्र
(c) रवीन्द्रनाथ टैगोर (d) विभूतिभूषण बन्दोपाध्याय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a) विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित जीवनी 'आवारा मसीहा' में शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय के जीवन वृतांत का वर्णन है। जबकि बंकिमचन्द्र, रवीन्द्रनाथ टैगोर एवं विभूतिभूषण बन्दोपाध्याय तीनों संगत नाम नहीं हैं।

35. निम्नलिखित में से कौन-सी रचनाएँ दलित आत्मकथाएँ हैं?

(a) अपने अपने पिंजरे (b) मुड़ मुड़ कर देखता हूँ
(c) मेरी पत्नी और भेड़िया (d) गर्दिश के दिन

कोडः

(a) (b) और (c) सही (b) (a) और (c) सही
(c) (a), (b) और (c) सही (d) (c), (d) और (a) सही

Ans : (b) अपने-अपने पिंजरे (मोहनदास नैमिशराय) एवं मेरी पत्नी और भेड़िया (डॉ. धर्मवीर) दोनों आत्मकथाएँ दलित आत्मकथाएँ हैं जबकि मुड़-मुड़कर देखता हूँ (राजेन्द्र यादव) एवं 'गर्दिश के दिन' (कमलेश्वर) दोनों आत्मकथा तो हैं, पर दलित आत्मकथा नहीं हैं।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना तथा प्रमुख वाद

36. आचार्य भरत के रससूत्र के व्याख्याता शंकुक के सिद्धान्त का नाम है:

(a) अनुमितिवाद (b) भोगवाद
(c) अभिव्यक्तिवाद (d) आरोपवाद

Ans : (a) आचार्य भरतमुनि रस सूत्र के व्याख्याता शंकुक के सिद्धान्त का नाम अनुमितिवाद है।

आचार्य	सिद्धान्त
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद या आरोपवाद
भट्ट शंकुक	अनुमितिवाद या अनुमानवाद
भट्ट नायक	भुक्तिवाद या भोगवाद
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद

37. निम्नलिखित में से कौन-सी पुस्तक आई. ए. रिचर्डस द्वारा लिखित नहीं है?

(a) प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म
(b) नोट्स टुवर्ड्स द डेफिनिशन ऑफ कल्चर
(c) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज़्म
(d) कॉलरिज ऑन इमैजिनेशन

Ans : (b) 'नोट्स टुवर्ड्स द डेफिनिशन ऑफ कल्चर' पुस्तक आई. ए. रिचर्ड्स द्वारा लिखित नहीं है बल्कि टी. एस. इलियट की पुस्तक है। जबकि प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज़्म, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज़्म तथा कॉलरिज आन इमैजिनेशन नामक पुस्तक रिचर्ड्स की है।

38. निम्नलिखित में से किन लेखकों का संबंध यथार्थवाद से है?

(a) मादाम बावेरी (Madame Bavary)
(b) जॉन लॉक (John Lock)
(c) सैमुअल पी. हटिंगटन (Samuel P. Hatingto)
(d) क्लॉड लेवी-स्ट्रॉस (Claude Levi-Strauss)

कोडः

(a) (a) और (b) सही (b) (b) और (d) सही
(c) (c) और (d) सही (d) (b) और (c) सही

Ans : (a) मादाम बावेरी (Madame Bavary) तथा जॉन लॉक (John Lock) लेखकों का संबंध यथार्थवाद (Realism) से हैं। जबकि सैमुअल पी. हटिंगटन (Samuel P. Hatingto)- उत्तर आधुनिकता तथा क्लॉड लेवी- स्ट्रॉस (Claude Levi-Strauss) का संबन्ध उत्तर संरचनावाद से है।

39. साधारणीकरण के विषय में कौन-से कथन सही हैं?

(a) साधारणीकरण रसास्वाद के बाद की प्रक्रिया है।
(b) साधारणीकरण आलम्बनत्व धर्म का होता है।
(c) साधारणीकरण के लिए भोजकत्व व्यापार अनिवार्य है।
(d) साधारणीकरण के बिना भी रसानुभूति संभव है।

कोडः

(a) (a) और (b) सही (b) (a) और (c) सही
(c) (b) और (c) सही (d) (c) और (d) सही

Ans : (c) साधारणीकरण के विषय में सही कथन है- अचार्य शुक्ल के अनुसार - 'साधारणीकरण आलम्बनत्व धर्म का होता है।' भट्ट नायक के अनुसार - ''साधारणीकरण के लिए भोजकत्व व्यापार अनिवार्य है।'' शेष अन्य त्रुटिपूर्ण हैं।

40. ''नीलोत्पल के बीच समाए मोती से आँसू के बूँद'' उक्त काव्यांश के लिए कौन से कथन सही हैं?

(a) इनमें अलंकार ध्वनि है।
(b) यह रस ध्वनि का उदाहरण है।
(c) इसमें अत्यंत तिरस्कृत वाच्य ध्वनि है।
(d) यह लक्षण लक्षणा पर आधारित है।

कोडः

(a) (a) और (c) सही (b) (c) और (d) सही
(c) (b) और (c) सही (d) (a) और (d) सही

Ans : (b) ''नीलोत्पल के बीच समाए मोती से आँसू के बूँद'' उक्त काव्यांश के लिए सही कथन है- इसमें अत्यन्त तिरस्कृत वाच्य ध्वनि है तथा यह लक्षण लक्षणा पर आधारित है। जबकि इसमें अलंकार ध्वनि है तथा यह रस ध्वनि का उदाहरण है, गलत कथन है।

तथ्य विविधा

41. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित सूफी रचनाओं का सही अनुक्रम है:

(a) चित्रावली, मृगावती, चन्दायन, अनुराग बाँसुरी
(b) मृगावती, चित्रावली, चन्दायन, अनुराग बाँसुरी
(c) चन्दायन, मृगावती, अनुराग बाँसुरी, चित्रावली
(d) चन्दायन, मृगावती, चित्रावली, अनुराग बाँसुरी

Ans : (d) रचनाकाल की दृष्टि से सूफी रचनाओं का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
चन्दायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद
मृगावती	1501 ई.	कुतुबन
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
अनुराग बाँसुरी	1764 ई.	नूर मुहम्मद

42. जन्म-काल के आधार पर निम्नलिखित संत कवियों का सही अनुक्रम है:

(a) दादू, मलूकदास, गुरु नानक, सुन्दरदास
(b) गुरु नानक, दादू मलूकदास, सुन्दरदास
(c) मलूकदास दादू सुन्दरदास, गुरु नानक
(d) गुरु नानक, सुन्दरदास, दादू मलूकदास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (b) जन्मकाल के आधार पर संत कवियों का सही अनुक्रम-

संत कवि	जन्मकाल
गुरुनानक	1469 ई.
दादू दयाल	1544 ई.
मलूकदास	1574 ई.
सुन्दर दास	1596 ई.

43. जन्मकाल के आधार पर निम्नलिखित रीतिग्रंथकारों का सही अनुक्रम है:
(a) सूरति मिश्र, देव, भूषण, जसवंत सिंह
(b) भूषण, जसवंत सिंह, देव, सूरति मिश्र
(c) भूषण, देव, सूरति मिश्र, जसवंत सिंह
(d) देव, सूरति मिश्र, भूषण, जसवंत सिंह

Ans : (b) जन्मकाल के आधार पर रीतिग्रंथकारों का सही अनुक्रम-

रीतिग्रंथकार	जन्मकाल
भूषण	1613 ई.
जसवन्त सिंह	1626 ई.
देव	1675 ई.
सूरति मिश्र	1709 ई.

44. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है:
(a) श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंह उपाध्याय, 'हरिऔध', गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', रामनरेश त्रिपाठी
(b) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी
(c) रामनरेश त्रिपाठी, श्रीधर पाठक, गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(d) श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'

Ans : (a) जन्मकाल के अनुसार कवियों का सही अनुक्रम -

कवि	जन्मकाल
श्रीधर पाठक	1859 ई.
अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	1865 ई.
गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'	1883 ई.
रामनरेश त्रिपाठी	1889 ई.

45. प्रकाशन-काल के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है:
(a) उर्वशी, कनुप्रिया, कामायनी, यशोधरा
(b) यशोधरा, कामायनी, कनुप्रिया, उर्वशी
(c) यशोधरा, उर्वशी, कामायनी, कनुप्रिया
(d) कामायनी, यशोधरा, कनुप्रिया, उर्वशी

Ans : (b) प्रकाशन काल के अनुसार रचनाओं का सही अनुक्रम इस प्रकार-

रचना	प्रकाशन काल	रचनाकार
यशोधरा	1932 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	1935 ई.	जयशंकर 'प्रसाद'
कनुप्रिया	1959 ई.	धर्मवीर भारती
उर्वशी	1961 ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'

46. प्रकाशन-काल की दृष्टि से हरिवंश राय 'बच्चन' की रचनाओं का सही अनुक्रम है:
(a) निशा निमंत्रण, प्रणय पत्रिका, जाल समेटा मिलन यामिनी
(b) प्रणय पत्रिका, निशा निमंत्रण, मिलन यामिनी, जाल समेटा
(c) मिलन यामिनी, प्रणय पत्रिका, निशा निमंत्रण, जाल समेटा
(d) निशा निमंत्रण, मिलन यामिनी, प्रणय पत्रिका, जाल समेटा

Ans : (d) प्रकाशन काल की दृष्टि से हरिवंश राय 'बच्चन' की रचनाओं का सही अनुक्रम है-

रचना	प्रकाशन काल
निशा निमंत्रण	1938 ई.
मिलन यामिनी	1950 ई.
प्रणय पत्रिका	1954 ई.
जाल समेटा	1959 ई.

47. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कविताओं का सही अनुक्रम है:
(a) मधुबाला, प्रलय की छाया, पटकथा, असाध्य वीणा
(b) पटकथा, असाध्य वीणा, मधुबाला, प्रलय की छाया
(c) प्रलय की छाया, मधुबाला, असाध्य वीणा, पटकथा
(d) प्रलय की छाया, पटकथा, मधुबाला, असाध्य वीणा

Ans : (c) प्रकाशन वर्ष के अनुसार दी गई कविताओं का सही अनुक्रम है-

कविताएं	प्रकाशन काल	कवि
प्रलय की छाया	1925 ई.	जयशंकर 'प्रसाद'
मधुबाला	1936 ई.	हरिवंशराय बच्चन
असाध्य वीणा	1961 ई.	अज्ञेय
पटकथा	1972 ई.	सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'

48. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है:
(a) दिव्या, जहाज का पंछी, अमृत और विष, पहला पड़ाव
(b) जहाज का पंछी, अमृत और विष, पहला पड़ाव, दिव्या
(c) अमृत और विष, पहला पड़ाव, दिव्या, जहाज का पंछी
(d) पहला पड़ाव, दिव्या, जहाज का पंछी, अमृत और विष

Ans : (a) प्रकाशन वर्ष के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम है-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
दिव्या	1945 ई.	यशपाल
जहाज का पंछी	1954 ई.	इलाचन्द्र जोशी
अमृत और विष	1966 ई.	अमृतलाल नागर
पहला पड़ाव	1987 ई.	श्रीलाल शुक्ल

49. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है:
(a) परिंदे, राजा निरबंसिया, उसने कहा था, एक टोकरी भर मिट्टी
(b) राजा निरबंसिया, उसने कहा था, परिंदे, एक टोकरी भर मिट्टी
(c) उसने कहा था, एक टोकरी भर मिट्टी, राज निरबंसिया, परिंदे
(d) एक टोकरी भर मिट्टी, उसने कहा था, राजा निरबंसिया परिंदे

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (d) प्रकाशन वर्ष के अनुसार दी गई कहानियों का सही अनुक्रम है-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
एक टोकरी भर मिट्टी	1901 ई.	माधव सप्रे
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
राजा निरबंसिया	1957 ई.	कमलेश्वर
परिन्दे	1960 ई.	निर्मल वर्मा

50. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबन्ध-संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(a) कला का जोखिम, आस्था और सौन्दर्य, शृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल
(b) अशोक के फूल, शृंखला की कड़ियाँ, आस्था और सौन्दर्य, कला का जोखिम
(c) शृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल, आस्था और सौन्दर्य कला का जोखिम
(d) आस्था और सौन्दर्य, कला का जोखिम, अशोक के फूल, शृंखला की कड़ियाँ

Ans : (c) निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम है-

निबन्ध संग्रह	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
शृंखला की कड़ियाँ	1942 ई.	महादेवी वर्मा
अशोक के फूल	1948 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
आस्था और सौन्दर्य	1961 ई.	रामविलास शर्मा
कला का जोखिम	1981 ई.	निर्मल वर्मा

51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित जीवनीपरक ग्रंथों का सही अनुक्रम है:

(a) व्योमकेश दरवेश, कलम का मज़दूर, कलम का सिपाही, आवारा मसीहा
(b) आवारा मसीहा, व्योमकेश दरवेश, कलम का मज़दूर, कलम का सिपाही
(c) कलम का मज़दूर, आवारा मसीहा, व्योमकेश दरवेश, कलम का सिपाही
(d) कलम का सिपाही, कलम का मज़दूर, आवारा मसीहा, व्योमकेश दरवेश

Ans : (d) प्रकाशन वर्ष के अनुसार जीवनीपरक ग्रंथों का सही अनुक्रम है-

जीवनी ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	ग्रंथकार
कलम का सिपाही	1962 ई.	अमृतराय
कलम का मज़दूर	1964 ई.	मदन गोपाल
आवारा मसीहा	1974 ई.	विष्णु प्रभाकर
व्योमकेश दरवेश	2010 ई.	विश्वनाथ त्रिपाठी

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का सही अनुक्रम है:

(a) सेतुबंध, एक दूनी एक, आठवाँ सर्ग, रति का कंगन
(b) आठवाँ सर्ग, सेतुबंध, रति का कंगन, एक दूनी एक
(c) सेतुबंध, आठवाँ सर्ग, एक दूनी एक, रति का कंगन
(d) आठवाँ सर्ग, सेतुबंध, एक दूनी एक, रति का कंगन

Ans : (c) प्रकाशन वर्ष के अनुसार सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का सही अनुक्रम है-

नाटक	प्रकाशन वर्ष
सेतुबन्ध	1972 ई.
आठवाँ सर्ग	1976 ई.
एक दूनी एक	1987 ई.
रति का कंगन	2010 ई.

53. प्रकाशन वर्ष के आधार पर निम्नलिखित आलोचनात्मक कृतियों का सही अनुक्रम है :

(a) कवि सुमित्रानंदन पंत, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, मिथक और साहित्य, भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास
(b) हिन्दी साहित्स का आदिकाल, कवि सुमित्रानंदन पंत, मिथक और साहित्य, भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास
(c) मिथक और साहित्य, कवि सुमित्रानंदन पंत, भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास, हिन्दी साहित्य का आदिकाल
(d) भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास, मिथक और साहित्य, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, कवि सुमित्रानंदन पंत

Ans : (b) प्रकाशन वर्ष के आधार पर आलोचनात्मक कृतियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

आलोचना ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	लेखक
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1952	हजारी प्रसाद द्विवेदी
कवि सुमित्रानन्दन पंत	1976	नन्द दुलारे वाजपेयी
मिथक और साहित्य	-	डॉ. नगेन्द्र
भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास	2001	रामविलास शर्मा

54. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की आलोचनात्मक कृतियों का सही अनुक्रम है:

(a) नयी कविता, जयशंकर प्रसाद, कवि निराला, आधुनिक साहित्य
(b) जयशंकर प्रसाद, आधुनिक साहित्य, कवि निराला, नयी कविता
(c) आधुनिक साहित्य, कवि निराला, जयशंकर प्रसाद, नयी कविता
(d) कवि निराला, आधुनिक साहित्य, नयी कविता जयशंकर प्रसाद

Ans : (b) आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी की आलोचनात्मक कृतियों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है-

आलोचनात्मक कृतियाँ	प्रकाशन वर्ष
जयशंकर प्रसाद	1940 ई.
आधुनिक साहित्य	1950 ई.
कवि निराला	1965 ई.
नयी कविता	1973 ई.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

55. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम है :

(a) वामन, कुन्तक, मम्मट, विश्वनाथ
(b) विश्वनाथ, कुन्तक, मम्मट, वामन
(c) कुन्तक, विश्वनाथ, वामन, मम्मट
(d) मम्मट, वामन, कुन्तक, विश्वनाथ

Ans : (a) काल क्रम की दृष्टि से आचार्यों का सही अनुक्रम इस प्रकार है-

आचार्य	काल क्रम
वामन	8वीं शती
कुन्तक	10वीं शती
मम्मट	11वीं शती
विश्वनाथ	14वीं शती

56. निम्नलिखित बोलियों को उनके क्षेत्र के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I	सूची II
(a) खड़ीबोली	(i) बिलासपुर
(b) ब्रजभाषा	(ii) सुल्तानपुर
(c) बांगरु	(iii) आगरा
(d) अवधी	(iv) बिजनौर
	(v) करनाल

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)

Ans : (b)

बोलियाँ	क्षेत्र
खड़ीबोली	बिजनौर
ब्रजभाषा	आगरा
बांगड़ु/बांगरु	करनाल
अवधी	सुल्तानपुर

57. निम्नलिखित काव्यभाषाओं को उनसे संबद्ध रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) अवहट्ठ	(i) भंवर गीत
(b) ब्रजभाषा	(ii) प्रिय प्रवास
(c) अवधी	(iii) कीर्तिलता
(d) खड़ीबोली	(iv) प्रबंध चिंतामणि
	(v) मधुमालती

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(v)	(iii)	(iv)
(c)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(v)	(ii)

Ans : (d)

काव्यभाषा	रचना	रचनाकार
अवहट्ठ	कीर्तिलता	विद्यापति
ब्रजभाषा	भंवर गीत	नन्ददास
अवधी	मधुमालती	मंझन
खड़ीबोली	प्रिय प्रवास	हरिऔध

58. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके रचयिताओं से सुमेलित कीजिए:

सूची I	सूची II
(a) नगर बाहिरे डोंबी तोहरि कुड़िया छाइ	(i) लूहिपा
(b) काआ तरुवर पंच बिड़ाल	(ii) कण्हपा
(c) कड़ुवा बोल न बोलिस नारि	(iii) खुसरो
(d) मोरा जोबना नवेलरा भयो है गुलाल	(iv) नरपति नाल्ह
	(v) सरहपा

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(v)	(iv)

Ans : (a)

पंक्ति	पंक्तिकार
नगर बाहिरे डोंबी तोहरि कुड़िया छाइ	कण्हपा
काआ तरुवर पंच बिड़ाल	लूहिपा
कड़ुवा बोल न बोलिस नारि	नरपति नाल्ह
मोरा जोबना नवेलरा भयो है गुलाल	खुसरो

59. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को उनके रचनाकारों से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) ओनई घटा, परी जग छाहाँ	(i) सूरदास
(b) आवत जात पनहियाँ टूटी	(ii) कुंभनदास
(c) अति मलीन वृषभानु कुमारी	(iii) तुलसीदास
(d) कीरति भनिति भूति भल सोई	(iv) जायसी
	(v) कबीरदास

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(b)	(i)	(v)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans : (d)

पंक्ति		पंक्तिकार
ओनई घटा, परी जग छाहाँ	-	जायसी
आवत जात पनहियाँ टूटी	-	कुंभनदास
अति मलीन वृषभानु कुमारी	-	सूरदास
कीरति भनिति भूतिभल सोइ	-	तुलसीदास

60. निम्नलिखित दार्शनिक सिद्धान्तों को उनसे सम्बद्ध कवियों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) अद्वैतवाद	(i) जायसी
(b) विशिष्टाद्वैतवाद	(ii) हरिदास
(c) शुद्धाद्वैतवाद	(iii) रैदास
(d) सखी संप्रदाय	(iv) कुंभनदास
	(v) तुलसीदास

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(v)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

Ans : (a)

दार्शनिक सिद्धान्त	कवि	प्रवर्तक
अद्वैतवाद	रैदास	शंकराचार्य
विशिष्टाद्वैतवाद	तुलसीदास	रामानुजाचार्य
शुद्धाद्वैतवाद	कुंभनदास	बल्लभाचार्य
सखी संप्रदाय	हरिदास	स्वामी हरिदास

61. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) जपुजी	(i) तुलसीदास
(b) रसमंजरी	(ii) कबीर
(c) बरवै नायिका भेद	(iii) नंददास
(d) वैराग्य संदीपनी	(iv) रहीम
	(v) नानक

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(v)	(iv)	(iii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(v)	(iii)	(i)

Ans : (c)

कृति	कृतिकार
जपुजी	नानक दास
रसमंजरी	नंददास
बरवै नायिका भेद	रहीमदास
वैराग्य संदीपनी	तुलसीदास

62. निम्नलिखित रचनाओं को उनके प्रतिपाद्य के आधार पर सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) शिवराज भूषण	(i) सर्वांग निरूपण
(b) छत्र प्रकाश	(ii) रीतिस्वच्छंद वृत्ति
(c) बिरहवारीश	(iii) जीवन चरित
(d) काव्य निर्णय	(iv) अलंकार निरूपण
	(v) रस निरूपण

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(v)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)

Ans : (b)

कृति	विषयवस्तु	कृतिकार
शिवराज भूषण	अलंकार निरूपण	भूषण
छत्रप्रकाश	जीवन चरित	लालकवि
बिरह वारीश	रीति स्वच्छन्द वृत्ति	बोधा
काव्यनिर्णय	सर्वांग निरूपण	भिखारीदास

63. निम्नलिखित रस प्रतिपादक कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) रस सागर	(i) मतिराम
(b) रस चंद्रोदय	(ii) कवीन्द्र
(c) रसराज	(iii) सोमनाथ
(d) रसपीयूष निधि	(iv) भिखारीदास
	(v) श्रीपति

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)
(c)	(v)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

Ans : (c)

कृति	कृतिकार
रस सागर	श्रीपति
रस चंद्रोदय	कवीन्द्र
रसराज	मतिराम
रसपीयूष निधि	सोमनाथ

64. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) दुःख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज जो नहीं कहीं।	(i) अज्ञेय
(b) मैं दिन को ढूँढ रही हूँ जुगनू की उजियाली में; मन माँग रहा है मेरा सिकता हीरक-प्याली में!	(ii) पंत
(c) रोज- सबेरे मैं थोड़ा-सा अतीत में जी लेता हूँ- क्योंकि रोज शाम को मैं थोड़ा- सा भविष्य में मर जाता हूँ।	(iii) महादेवी
(d) बिखरी अलकें ज्यों तर्क-जाल, वह विश्व मुकुट-सा उज्ज्वलतम शशिखंड-सदृश्य था स्पष्ट भाल	(iv) निराला
	(v) प्रसाद

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(ii)	(iv)	(v)	(i)

Ans : (a)

पंक्ति	पंक्तिकार
दुःख ही जीवन .... जो नहीं कहीं	निराला
मैं दिन को ढूँढ .... प्याली में	महादेवी वर्मा
रोज-सबेरे मैं थोड़ा.... मर जाता हूँ	अज्ञेय
बिखरी अलकें ज्यों ..... स्पष्ट भाल	प्रसाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

65. निम्नलिखित पात्रों को सम्बद्ध काव्य-कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) कर्ण	(i) उर्वशी
(b) कमला	(ii) यशोधरा
(c) औशीनरी	(iii) रश्मिरथी
(d) राहुल	(iv) प्रलय की छाया
	(v) कामायनी

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(v)	(i)

Ans : (c)

पात्र	कृति	कृतिकार
कर्ण	रश्मिरथी	दिनकर
कमला	प्रलय की छाया	जय शंकर प्रसाद
औशीनरी	उर्वशी	दिनकर
राहुल	यशोधरा	मैथिलीशरण गुप्त

66. निम्नलिखित कवियों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) अज्ञेय	(i) कला और बूढ़ा चाँद
(b) बच्चन	(ii) दीपशिखा
(c) रघुवीर सहाय	(iii) पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ
(d) सुमित्रानंदन पंत	(iv) सतरंगिनी
	(v) सीढ़ियों पर धूप में

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(v)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans : (c)

रचना	रचनाकार
कला और बूढ़ा चाँद	सुमित्रानंदन पंत
दीपशिखा	महादेवी वर्मा
पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ	अज्ञेय
सतरंगिनी	बच्चन
सीढ़ियों पर धूप	रघुवीर सहाय

67. निम्नलिखित कवियों को उनसे जुड़े आन्दोलनों के साथ सुमेलित कीजिएः

सूची-I	सूची-II
(a) लक्ष्मीकांत वर्मा	(i) नवगीत
(b) नरेश	(ii) प्रगतिवाद
(c) शंभूनाथ सिंह	(iii) प्रयोगवाद
(d) केदारनाथ अग्रवाल	(iv) अकविता
	(v) नकेनवाद

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(v)	(iv)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)

Ans : (a)

कवि	वाद
लक्ष्मीकांत वर्मा	अकविता
नरेश	नकेनवाद
शंभूनाथ सिंह	नवगीत
केदारनाथ अग्रवाल	प्रगतिवाद

68. निम्नलिखित कहानियों को उनसे सबद्ध पात्रों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) आकाशदीप	(i) सुनन्दा
(b) दिल्ली में एक मौत	(ii) मालती
(c) उसने कहा था	(iii) बुद्धगुप्त
(d) गैंग्रीन	(iv) अतुल
	(v) बोधासिंह

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

Ans : (a)

कहानी	पात्र	कहानीकार
आकाशदीप	बुद्धगुप्त	जयशंकर 'प्रसाद'
दिल्ली में एक मौत	अतुल	कमलेश्वर
उसने कहा था	बोधासिंह	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
गैंग्रीन	मालती	अज्ञेय

69. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके वर्ण्य विषय के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) अजय की डायरी	(i) समकालीन राजनीतिक परिवेश
(b) अन्तराल	(ii) विदेशों में शोषित नारी
(c) बसन्ती	(iii) स्त्री-पुरुष संबंधों में जटिलता
(d) महाभोज	(iv) विश्वविद्यालय की पृष्ठभूमि
	(v) महानगरों में बसी गंदी बस्तियों का चित्रण

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)

Ans : (a)

उपन्यास	वर्ण्यविषय	उपन्यासकार
अजय की डायरी	विश्वविद्यालय की पृष्ठभूमि	देवराज
अन्तराल	स्त्री-पुरुष संबंधों में जटिलता	मोहन राकेश
बसन्ती	महानगरों में बसी गंदी बस्तियों का चित्रण	भीष्म साहनी
महाभोज	समकालीन राजनीतिक परिवेश	मन्नूभण्डारी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

70. निम्नलिखित निबंधों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) कहनी-अनकहनी	(i) शरद जोशी
(b) गंधमादन	(ii) रामधारी सिंह दिनकर
(c) जीप पर सवार इल्लियाँ	(iii) कुबेरनाथ राय
(d) मिट्टी की ओर	(iv) धर्मवीर भारती
	(v) हरिशंकर परसाई

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(iii)	(v)	(iv)	(i)

Ans : (c)

निबन्ध	निबंधकार
कहनी-अनकहनी	धर्मवीर भारती
गंधमादन	कुबेरनाथ राय
जीप पर सवार इल्लियाँ	शरद जोशी
मिट्टी की ओर	रामधारी सिंह दिनकर

71. निम्नलिखित स्त्री-पात्रों को संबद्ध नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) उर्वी	(i) सुन्दरी
(b) सुन्दरी	(ii) स्कन्दगुप्त
(c) वेनुरती	(iii) देहान्तर
(d) देवसेना	(iv) पहला राजा
	(v) लहरों के राजहंस

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)
(c)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(d)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

Ans : (c)

नाटक	पात्र	नाटककार
सूर्यमुख	वेनुरती	लक्ष्मी नारायण लाल
स्कन्दगुप्त	देवसेना	जयशंकर 'प्रसाद'
पहला राजा	उर्वी	जगदीश चन्द्र माथुर
लहरों के राजहंस	सुन्दरी	मोहन राकेश

72. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके संबद्ध पात्रों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I	सूची II
(a) सूरज का सातवाँ घोड़ा	(i) रंजना
(b) मैला आंचल	(ii) इला
(c) एक इंच मुस्कान	(iii) विश्वनाथ प्रसाद
(d) तमस	(iv) माणिक मुल्ला
	(v) नत्थू

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(d)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)

Ans : (a)

उपन्यास	पात्र	उपन्यासकार
सूरज का सातवाँ घोड़ा	माणिक मुल्ला	धर्मवीर भारती
मैला आंचल	विश्वनाथ प्रसाद	फणीश्वरनाथ रेणु
एक इंच मुस्कान	रंजना	मन्नू भण्डारी
तमस	नत्थू	भीष्म साहनी

73. निम्नलिखित गद्य रचनाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I	सूची II
(a) हम-हशमत	(i) अजित कुमार
(b) बच्चन निकट से	(ii) रामवृक्ष बेनीपुरी
(c) माटी की मूरतें	(iii) प्रभाकर माचवे
(d) चीड़ों पर चाँदनी	(iv) कृष्णा सोबती
	(v) निर्मल वर्मा

कोड:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(v)	(iv)	(i)	(ii)

Ans : (b)

रचना	रचनाकार
हम-हशमत	कृष्णा सोबती
बच्चन निकट से	अजित कुमार
माटी की मूरतें	रामवृक्ष बेनीपुरी
चीड़ों पर चाँदनी	निर्मल वर्मा

74. निम्नलिखित काव्यांशों को उनमें निहित अलंकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I	सूची II
(a) "रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून पानी गये न ऊबरे, मोती मानुस चून।"	(i) असंगति
(b) "बंसी धुन सुनि बृज वधू चली बिसार विचार भुज भूषण पहिरे पगनि भुजन लपेटे हार।"	(ii) रूपक
(c) "जिन दिन देखे वे कुसुम गई सु बीति बहार अब अलि रही गुलाब की अपत कँटीली डार।"	(iii) श्लेष
(d) "उदित उदयगिरि मंच पर रघुबर बाल पतंग, बिकसे संत सरोज सब हरषे लोचन भृंग।"	(iv) अन्योक्ति
	(v) उत्प्रेक्षा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(ii)	(v)	(iii)	(i)
(c)	(i)	(iii)	(v)	(iv)
(d)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

Ans : (a)

पंक्ति	**अलंकार**
"रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून। पानी गये न ऊबरे, मोती मानुस चून।।"	श्लेष अलंकार
"बंसी धुन सुनि बृज वधू चली बिसार विचार भुज भूषण पहिरे पगनि भुजन लपेटे हार।।"	असंगति अलंकार
"जिन दिन देखे वे कुसुम गइ सु बीति बहार अब अलि रही गुलाब की अपत कँटीली डार।।"	अन्योक्ति अलंकार
"उदित उदयगिरि मंच पर रघुबर बाल पतंग, बिकसे संत सरोज सब हरषे लोचन भृंग।।"	रूपक अलंकार

75. निम्नलिखित अवधारणाओं को उनसे संबंधित आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I	सूची II
(a) उत्तर-संरचनावाद	(i) लुई अल्थ्युसर (Louis Althusser)
(b) यथार्थवाद	(ii) फ्रेडरिक जेमसन (Fredric Jameson)
(c) स्वच्छन्दतावाद	(iii) राबर्ट बर्न्स (Robert Burns)
(d) उत्तर-आधुनिकतावाद	(iv) जार्ज लुकाच (George Lukacs)
	(v) डी.एच. लॉरेन्स (D.H. Lawrence)

कोडः

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(c)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)

Ans : (a)

अवधारणा	**आचार्य**
उत्तर-संरचनावाद	लुई अल्थ्युसर
यथार्थवाद	जार्ज लुकाच
स्वच्छन्दतावाद	राबर्ट बर्न्स
उत्तर-आधुनिकतावाद	फ्रेडरिक जेमसन

गद्यांश तथा उस पर आधारित प्रश्न

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न-संख्या 76 से 80) के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए:

सौन्दर्य किसे कहते हैं? प्रकृति, मानव-जीवन तथा ललित कलाओं के आनन्ददायक गुण का नाम सौन्दर्य है। इस स्थापना पर आपत्ति यह की जाती है कि कला में कुरूप और असुन्दर को भी स्थान मिलता है; दुःखान्त नाटक देखकर हमें वास्तव में दुःख होता है; साहित्य में वीभत्स का भी चित्रण होता है; उसे सुन्दर कैसे कहा जा सकता है? इस आपत्ति का उत्तर यह है कि कला में कुरूप और असुन्दर विवादी स्वरों के समान हैं जो राग के रूप को निखारते हैं। वीभत्स का चित्रण देखकर हम उससे प्रेम नहीं करने लगते; हम उस कला से प्रेम करते हैं जो हमें वीभत्स से घृणा करना सिखाती हैं। वीभत्स से घृणा करना सुन्दर कार्य है या असुन्दर? जिसे हम कुरूप, असुन्दर और वीभत्स कहते हैं, कला में उसकी परिणति सौन्दर्य में होती है। दुःखान्त नाटकों में हम दूसरों का दुःख देखकर द्रवित होते हैं। हमारी सहानुभूति अपने तक, अथवा परिवार और मित्रों तक सीमित न रहकर एक व्यापक रूप ले लेती है। मानव-करुणा के इस प्रसार को हम सुन्दर कहेंगे या असुन्दर? सहानुभूति की इस व्यापकता से हमें प्रसन्न होना चाहिए या अप्रसन्न? दुःखान्त नाटकों अथवा करुण रस के साहित्य से हमें दुःख की अनुभूति होती है किन्तु यह दुःख अमिश्रित और निरपेक्ष नहीं होता। उस दुःख में वह आनन्द निहित होता है जो करूणा के प्रसार से हमें प्राप्त होता है। इसके सिवाय इस तरह के साहित्य में हम बहुधा मनुष्य को विषम परिस्थितियों से वीरता पूर्ण संघर्ष करते हुए पाते हैं। संघर्ष का यह उदात्त भाव दुःख की अनुभूति को सीमित कर देता है। वीर मनुष्यों का यह संघर्ष हमें अपनी परिस्थितियों के प्रति सजग करता है, उनकी पराजय भी प्रबुद्ध दर्शकों तथा पाठकों के लिये चुनोती का काम करती हैं उनकी वेदना हमारे लिये प्रेरणा बन जाती है आनन्द को इस व्यापक रूप में ले, उसे इन्द्रियजन्य सुख का पर्यायवाची ही न मान लें, तो हमें करुणा और वीभत्स के चित्रण में सौन्दर्य के अभाव की प्रतीति न होगी।

76. साहित्य में वीभत्स का भी चित्रण सुन्दर होता है, क्योंकि:

(a) वीभत्स को ही काव्यशास्त्र में प्रमुख रस माना गया है।
(b) कला में असुन्दर और कुरूप का सौन्दर्य में रूपान्तरण होता है।
(c) कला वीभत्स से घृणा करना नहीं सिखाती।
(d) वीभत्स का चित्रण आकर्षक होता है।

Ans : (b) दिये गये गद्यांश के अनुसार साहित्य में वीभत्स का भी चित्रण सुन्दर होता है, क्योंकि कला में असुन्दर और कुरूप का सौन्दर्य में रूपान्तरण होता है। शेष विकल्प असंगत है।

77. इनमें से कौन-सा कथन सही है?

(a) वीर मनुष्यों की पराजय आनन्द का मूल कारण है।
(b) दुःखान्त नाटकों में सहानुभूति के स्वजनों तक सीमित न रहने से मानव-करुणा का प्रसार होता है।
(c) दुःखान्त नाटक दूसरों के दुःख से जुड़े होने के कारण हमारे दुःख का कारण नहीं बनते।
(d) प्रबुद्ध दर्शक और पाठक दुःख को एक सीमित भाव मानते हैं।

Ans : (b) दिये गये कथनों में सही कथन है- दुःखान्त नाटकों में सहानुभूति के स्वजनों तक सीमित न रहने से मानव करुणा का प्रसार होता है। जबकि अन्य विकल्प असंगत है।

78. इनमें से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(a) वीर मनुष्यों की वेदना सामाजिक के लिए प्रेरणा बन जाती है।
(b) करूण रस के साहित्य में मनुष्य प्रायः विपरीत स्थितियों में संघर्षरत होता है।
(c) संघर्ष का औदात्य दुःख को सीमित करता है।
(d) दुःख में आनन्द की अनुपस्थिति होती है।

Ans : (d) गद्यांशानुसार- दिये कथनों में 'दुःख में आनन्द की अनुपस्थिति होती है।' यह कथन सही नहीं है। जबकि अन्य तीनों कथन सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

79. दुःखान्त नाटकों में सौन्दर्य की उपस्थिति का आधार क्या है?
(a) उनमें कुरूप और असुन्दर को महत्व दिया जाता है।
(b) सभी दुःखान्त नाटक प्रायः महान होते हैं।
(c) दुःखान्त नाटकों में मानव-करुणा का प्रसार होता है।
(d) दुःखान्त नाटकों में नाटककार स्वानुभूति का चित्रण करता है।

Ans : (c) गद्यांश के अनुसार 'दुखान्त नाटकों में सौन्दर्य की उपस्थिति का आधार - दुखान्त नाटकों में मानव करुणा का प्रसार होता है। शेष विकल्प असंगत है।

80. करुण रस के साहित्य में आनन्द निहित होता है क्योंकि:
(a) आनन्द मात्र इंद्रिय-जन्य सुख है।
(b) साहित्य में करुण रस अपरिहार्य है।
(c) इस साहित्य के मूल में सहानुभूति की व्यापकता है।
(d) साहित्य में दुःख की निरपेक्ष स्थिति है।

Ans : (c) गद्यांश के आधार पर करुण रस के साहित्य में आनन्द निहित इसलिए होता है। क्योंकि साहित्य के मूल में सहानुभूति की व्यापकता है।

कथोपकथन

निर्देशः प्रश्न संख्या 81 से 100 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason) (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

81. स्थापना (Assertion) (A) : जिस प्रकार हमारी आँखों के सामने आए हुए कुछ रूप व्यापार हमें रसात्मक भावों में मग्न करते हैं उसी प्रकार भूतकाल में प्रत्यक्ष की हुई कुछ परोक्ष वस्तुओं का वास्तविक स्मरण भी कभी-कभी रसात्मक होता है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि तब हमारी मनोवृत्ति स्वार्थ या शरीर यात्रा के रूखे विधानों से हटकर शुद्ध भावक्षेत्र में स्थित हो जाती है।
कोडः
(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

Ans : (a) जिस प्रकार हमारी आँखों के सामने आए हुए कुछ रूप व्यापार हमें रसात्मक भावों में मग्न करते है उसी प्रकार भूतकाल में प्रत्यक्ष की हुई कुछ परोक्ष वस्तुओं का वास्तविक स्मरण भी कभी-कभी रसात्मक होता है क्योंकि तब हमारी मनोवृत्ति स्वार्थ या शरीर यात्रा के रूखे विधानों से हटकर शुद्ध भावक्षेत्र में स्थित हो जाती है। अतः स्थापना तथा तर्क दोनों सही हैं।

82. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य का इतिहास वस्तुतः मनुष्य-जीवन के अखंड प्रवाह का इतिहास है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मनुष्य ही साहित्य का अन्तिम लक्ष्य है।
कोडः
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

Ans : (b) साहित्य का इतिहास वस्तुतः मनुष्य जीवन के अखण्ड प्रवाह का इतिहास है। आचार्य शुक्ल के शब्दों में ''प्रत्येक देश का साहित्य वहाँ की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब होता है।'' क्योंकि मनुष्य ही साहित्य का अन्तिम लक्ष्य है। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कहा भी है- ''मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है।'' अतः स्थापना और तर्क दोनों सही हैं।

83. स्थापना (Assertion) (A) : भूमंडलीकरण विश्व की पूँजीवादी व्यवस्था है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें पूरा विश्व एक बाज़ार है और व्यक्ति उपभोक्ता।
कोड :
(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

Ans : (c) भूमंडलीकरण विश्व की पूँजीवादी व्यवस्था है। क्योंकि इसमें पूरा विश्व एक बाज़ार है और व्यक्ति उपभोक्ता। अतः स्थापना और तर्क दोनों सही है।

84. स्थापना (Assertion) (A) : दलित साहित्य का वैचारिक आधार मार्क्सवाद है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें वर्ग-संघर्ष की हिमायत की गई है।
कोडः
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

Ans : (b) दलित साहित्य का वैचारिक आधार मार्क्सवाद है यह गलत है क्योंकि दलित साहित्य का वैचारिक आधार दलित उत्थान तथा यथार्थवाद हैं। और न ही दलित साहित्य में मार्क्सवाद या वर्ग-संघर्ष की हिमायत की गयी है। मार्क्सवाद की विचारधारा समाजवाद से सम्बन्धित है न कि किसी एक वर्ग विशेष से। अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों गलत है।

85. स्थापना (Assertion) (A) : अस्तित्ववाद सामाजिक कल्याण और सह अस्तित्व का दर्शन है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि यह व्यक्ति की स्वतन्त्रता और चयन की आजादी का पक्षधर है।
कोडः
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

Ans : (b) अस्तित्ववाद सामाजिक कल्याण और सह अस्तित्व का दर्शन है, यह तथ्य गलत है। सामाजिक कल्याण अस्तित्ववाद का दर्शन नहीं है बल्कि व्यक्ति के स्वयं के कल्याण का दर्शन है। अस्तित्ववाद का प्रभाव प्रयोगवाद में पूर्णतः दिखा, जिसका स्वरूप अहम्निष्ठ भाव था, क्योंकि यह (अस्तित्ववाद) व्यक्ति की स्वतंत्रता और चयन की आजादी का पक्षधर है। अतः स्थापना (A) गलत है तर्क (R) सही है।

86. स्थापना (Assertion) (A) : वासना या संस्कार वंशानुक्रम से चली आती हुई दीर्घ भाव परम्परा का मनुष्य जाति की अन्तः प्रकृति में निहित संचय नहीं है।
तर्क (Reason) (R) : इसी कारण भारतीय आचार्यों की यह मान्यता पश्चिम की मनोविश्लेषणवादी सामूहिक अवचेतन की अवधारणा से पुष्ट है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोडः

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही

Ans : (c) वासना या संस्कार वंशानुक्रम से चली आती हुई दीर्घ भाव परम्परा का मनुष्य जाति की अन्तःप्रकृति में निहित संचय नहीं है यह तथ्य गलत है क्योंकि मनुष्य जाति की अन्तःप्रकृति निहित वासना या संस्कार वंशानुक्रम में संचय होती है। इसी कारण भारतीय आचार्यों की यह मान्यता पश्चिम की मनोविश्लेषणवादी सामूहिक अवचेतन की अवधारणा से पुष्ट होती है, यह तथ्य भी गलत है क्योंकि भारतीय आचार्यों की अवधारणा पश्चिम से पुष्ट नहीं होती अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों गलत है।

87. स्थापना (Assertion) (A) : किसी काव्य का श्रोता या पाठक जिन विषयों को मन में लाकर रति, करुणा, क्रोध, उत्साह इत्यादि भावों तथा सौन्दर्य, रहस्य, गांभीर्य आदि भावनाओं का अनुभव करता है, वे अकेले उसी के हृदय से संबंध रखने वाले होते हैं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उपर्युक्त सभी विषय और भाव मनुष्य मात्र की भावात्मक सत्ता पर प्रभाव डालने वाले होते हैं।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (b) किसी काव्य का श्रोता या पाठक जिन विषयों को मन में लाकर करुणा, क्रोध उत्साह इत्यादि भावों तथा सौन्दर्य रहस्य, गांभीर्य आदि भावनाओं का अनुभव करता है, वे अकेले उसी के हृदय से संबंध रखने वाले होते है, यह स्थापना गलत है। दिये गये समस्त भावों का अनुभव अकेले नहीं बल्कि उपस्थिति समूचे सामाजिक के हृदय से संबंध रखने वाले होते हैं क्योंकि उपर्युक्त सभी विषय और भाव मनुष्य मात्र की भावात्मक सत्ता पर प्रभाव डालने वाले होते हैं। अतः स्थापना (A) गलत तथा तर्क (R) सही है।

88. स्थापना (Assertion) (A) : यह दृष्टिकोण पूर्णतः स्थापित है कि 'एकांकी' नाटक का लघु संस्करण है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि पूर्णकालिक नाटक को काट-छाँट कर नाट्यकार्य अथवा नाटकीय संघर्ष का पूर्ण विकास प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

Ans : (d) यह दृष्टिकोण पूर्णतः स्थापित है कि 'एकांकी' नाटक का लघु संस्करण है; यह तथ्य गलत है। एकांकी पूर्णतः लघु संस्करण न होकर नाटक का लघु रूप माना जाता है क्योंकि पूर्णकालिक नाटक को काट छाँटकर नाट्यकार्य अथवा नाटकीय संघर्ष का पूर्ण विकास प्रदर्शित नहीं किया जा सकता है। यह तर्क भी त्रुटिपूर्ण है क्योंकि एकांकी के माध्यम से नाटकीय संघर्ष का पूर्ण विकास संभव है। अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों गलत है।

89. स्थापना (Assertion) (A) : वस्तु सौन्दर्य एक ऐसी शक्ति या ऐसा धर्म है जो द्रष्टा को आन्दोलित और हिल्लोलित कर सकता है और द्रष्टा में भी ऐसी शक्ति है, एक ऐसा संवेदन है, जो द्रष्टव्य के सौन्दर्य से चलित और हिल्लोलित होने की योग्यता देता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि द्रष्टा और द्रष्टव्य में एक ही समानधर्मी तत्व अन्तर्निहित है।

कोडः

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

Ans : (a) वस्तु में सौन्दर्य एक ऐसी शक्ति या ऐसा धर्म है जो द्रष्टा को आन्दोलित और हिल्लोलित कर सकता है और द्रष्टा में भी ऐसी शक्ति है, एक ऐसा संवेदन है, जो द्रष्टव्य के सौन्दर्य से चालित और हिल्लोलित होने की योग्यता देता है। क्योंकि द्रष्टा और द्रष्टव्य में एक ही समानधर्मी तत्व अन्तर्निहित है। अतः स्थापना और तर्क दोनों सही है।

90. स्थापना (Assertion) (A) : नाटक जड़ या रूढ़ नहीं, एक गतिशील पाठ है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि वह लिखा कभी जाए, खेला वर्तमान में जाता है।

कोडः

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) सही (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही

Ans : (a) नाटक जड़ या रूढ़ नहीं, एक गतिशील पाठ है क्योंकि वह लिखा कभी जाए, खेला वर्तमान में जाता है। उदाहरणार्थ यदि जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटक 'स्कन्दगुप्त' लिया जाए तो लिखा 1928 ई. में है किन्तु उसे खेला जाये (मंचन किया जाए) तो वह वर्तमान में होगा अतः नाटक जड़ नहीं बल्कि गतिशील पाठ है। इसलिए स्थापना तथा तर्क दोनों सही है।

91. स्थापना (Assertion) (A) : कविता में चित्रित प्रेम निजी होता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि प्रेम सामाजिक भाव नहीं है।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही

Ans : (c) कविता में चित्रित प्रेम निजी होता है। क्योंकि प्रेम सामाजिक भाव नहीं है। दोनों गलत है। क्योंकि कविता में चित्रित प्रेम निजी के साथ-साथ अन्य (सामाजिक तथा सहृदय) का भी होता है तथा प्रेम सामाजिक भाव भी होता है। अतः दिये गये स्थापना तथा उसका तर्क दोनों गलत है।

92. स्थापना (Assertion) (A) : चेतना अनुभूति की सघनता और चिन्तन की पराकाष्ठा है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि अनुभूति और चिन्तन का सम्बन्ध शुद्ध हृदय के संवेदन से है।

कोडः

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही

Ans : (b) चेतना अनुभूति की सघनता और चिन्तन की पराकाष्ठा है; सही है। जबकि इसका तर्क क्योंकि अनुभूति और चिन्तन का संबंध शुद्ध हृदय के संवेदन से है; गलत हैं वह इसलिए कि अनुभूति का संबन्ध इन्द्रियों से तथा चिन्तन का संबंध विचार धारा से हैं अतः स्थापना (A) सही किन्तु तर्क (R) गलत है।

93. स्थापना (Assertion) (A) : श्रद्धा में कारण अनिर्दिष्ट और आलम्बन अज्ञात होता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि श्रद्धा में दृष्टि व्यक्ति के कर्मों से होती हुई श्रद्धेय तक पहुँचती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) सही

Ans : (c) श्रद्धा के कारण अनिर्दिष्ट और आलम्बन अज्ञात होते है; यह कथन गलत है। श्रद्धा के कारण अनिर्दिष्ट और आलम्बन ज्ञात होता है चाहे वह ईष्ट हो या प्रेमी हो या कोई अन्य हो क्योंकि श्रद्धा में दृष्टि व्यक्ति के कर्मों से होती हुई श्रद्धेय तक पहुँचती हैं अतः स्थापना (A) गलत तथा तर्क (R) सही है।

94. स्थापना (Assertion) (A) : छायावाद शुद्ध लौकिक प्रेम और सौन्दर्य का काव्य है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए उसमें राष्ट्रबोध और आध्यात्मिक चेतना न के बराबर है।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

Ans : (d) छायावाद शुद्ध लौकिक प्रेम और सौन्दर्य का काव्य नहीं है बल्कि वैयक्तिकता, प्रकृति प्रेम, करुणा की भावना, राष्ट्रीयता, नारी-चित्रण, मानवता तथा रूढ़ियों से मुक्ति का काव्य है; इसीलिए उसमें राष्ट्रीय चेतना, राष्ट्रबोध और आध्यात्मिक चेतना विद्यमान है। अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों गलत है।

95. स्थापना (Assertion) (A) : भक्ति को 'सा परानुरक्तिरीश्वरे।' कहा गया है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए भक्ति को साध्यस्वरूपा माना गया है।

कोड :

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत गलत

Ans : (c) भक्ति को 'सा परानुरक्तिरीश्वरे' कहा गया है। जो की सत्य कथन है। शाण्डिल्य सूत्र में कहा गया है कि - ''सा परानुरक्तिरीश्वरे'' अर्थात् भक्ति ईश्वर में सर्वश्रेष्ठ अनुरक्ति हैं। इसीलिए भक्ति को साध्यस्वरूपा माना गया है। अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है।

96. स्थापना (Assertion) (A) : मानव और प्रकृति के बीच समानता, पूर्व सम्पर्क, पूरकता या विरोध भाव में मिथक सृजन के सूत्र विद्यमान होते हैं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि प्रकृति में अलौकिकता और दिव्यशक्ति है और मानव कल्पना तथा प्रकृति के मध्य सीधा और अनिवार्य संबंध है।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही सही

Ans : (d) मानव और प्रकृति के बीच समानता पूर्व सम्पर्क, पूरकता या विरोध भाव में मिथक सृजन के सूत्र विद्यमान होते है; क्योंकि प्रकृति में अलौकिकता और दिव्य शक्ति है और मानव कल्याण तथा प्रकृति के मध्य सीधा और अनिवार्य सम्बन्ध है। अतः स्थापना (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है।

97. स्थापना (Assertion) (A) : स्वच्छन्दतावाद छायावाद और रहस्यवाद का पर्याय ही है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि यह द्विवेदी युगीन शास्त्रीयता की प्रतिक्रिया स्वरूप वैयक्तिक कल्पनातिरेक और निजी रहस्यानुभूति का प्रतिफलन है।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (b) स्वच्छन्दतावाद छायावाद और रहस्यवाद का पर्याय ही है; सही कथन नहीं है क्योंकि स्वच्छन्दतावाद और रहस्यवाद का पर्याय छायावाद है। जबकि यह द्विवेदी युगीन शास्त्रीयता इतिवृत्तात्मकता की प्रतिक्रिया स्वरूप वैयक्तिक कल्पनातिरेक और निजी रहस्यानुभूति का प्रतिफलन है। अतः स्थापना (A) गलत तथा तर्क (R) सही है।

98. स्थापना (Assertion) (A) : अद्वैतवाद आत्मतत्व का विस्तार है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि वह जीव और जगत की पृथक् सत्ता को स्वीकार करता है।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) सही

Ans : (d) अद्वैतवाद आत्मतत्व का विस्तार है जिसमें ब्रह्म एक है (अद्वैत अर्थात् न दो या दो नहीं है जो) जिसमें आत्मा एवं उसके भाव का विस्तार है। क्योंकि जीव और जगत् की पृथक् सत्ता को स्वीकार करता है। इसी संबंध में अद्वैतवाद के प्रवर्तक शंकराचार्य का मत है कि- ''ब्रह्म सत्य जगत् मिथ्या।'' अतः स्थापना और तर्क दोनों सही हैं।

99. स्थापना (Assertion) (A) : आधुनिकता कोई शाश्वत मूल्य नहीं, वह मूल्यों के परिवर्तन का पर्याय है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि बदलाव की प्रक्रिया में हर युग आधुनिक होता है।

कोडः

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

Ans : (c) आधुनिकता कोई शाश्वत मूल्य नहीं, वह मूल्यों के परिवर्तन का पर्याय है। आधुनिकता से आशय बदलाव से और बदलाव निरन्तर होता रहता है चाहे वह मूल्यों का ही क्यों न हो क्योंकि बदलाव की प्रक्रिया में हर युग आधुनिक होता है। अतः स्थापना और तर्क दोनों सही है।

100. स्थापना (Assertion) (A) : देश भक्ति, संस्कृति-राग, चरित्रों की उदात्तता, भाषिक गरिमा और लम्बी कालावधि के विस्तृत कथानक के कारण जयशंकर प्रसाद का 'चन्द्रगुप्त' महाकाव्योचित औदात्य से परिपूर्ण नाटक है।

तर्क (Reason) (R) : साथ ही उसमें ब्रेख्त के महानाट्य (एपिक थियेटर) की सम्पूर्ण विशेषताएँ भी मिलती हैं।

कोडः

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

Ans : (d) देश भक्ति, संस्कृति-राग, चरित्रों की उदात्तता, भाषिक गरिमा और लम्बी कालावधि के विस्तृत कथानक के कारण जयशंकर प्रसाद का 'चन्द्रगुप्त' महाकाव्योचित औदात्य से परिपूर्ण नाटक है। सत्य कथन है। साथ ही उसमें ब्रेख्त के महानाट्य (एपिक थियेटर) की सम्पूर्ण विशेषताएँ भी मिलती है; यह कथन जयशंकर प्रसाद के 'चन्द्रगुप्त' नाटक के सन्दर्भ में सही नहीं है। अतः स्थापना (A) सही है तथा तर्क (R) गलत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. नेट परीक्षा नवम्बर-2017
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1¼ घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

हिन्दीभाषा और उसका विकास

1. निम्नलिखित में से किस भाषा का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ?

(a) गुजराती (b) पंजाबी
(c) मराठी (d) सिन्धी

उत्तर– (a)

व्याख्या– शौरसेनी अपभ्रंश से गुजराती भाषा का विकास हुआ है। अपभ्रंश से उत्पन्न भाषा निम्नवत् है–

अपभ्रंश	भाषा (उपभाषा)
(1) शौरसेनी अपभ्रंश	(i) पश्चिमी हिन्दी (ii) राजस्थानी (iii) पहाड़ी (iv) गुजराती
(2) अर्धमागधी अपभ्रंश	(i) पूर्वी हिन्दी
(3) मागधी अपभ्रंश	(i) बिहारी (ii) बंगला (iii) उड़िया (iv) असमिया
(4) पैशाची अपभ्रंश	(i) लहँदा (ii) पंजाबी
(5) ब्राचड़ अपभ्रंश	(i) सिंधी
(6) महाराष्ट्री	(i) मराठी

हिन्दी साहित्य का इतिहास

2. 'शिवसिंह-सरोज' का प्रकाशन कब हुआ ?

(a) 1862 ई. (b) 1870 ई.
(c) 1883 ई. (d) 1888 ई.

उत्तर– (c)

व्याख्या– 'शिवसिंह सरोज' ग्रंथ का प्रकाशन 1883 ई. में हुआ। इसके लेखक 'शिवसिंह सेंगर' हैं।

3. आदिकालीन काव्यग्रंथों में कथा कहने की परंपरा को लक्ष्य करके 'पृथ्वीराज रासो' के संदर्भ में किस आलोचक ने लिखा है– ''कथा की परीक्षा इतिहास की दृष्टि से नहीं, काव्य की दृष्टि से होनी चाहिए। पुरानी कथाएँ काव्य ही अधिक हैं, इतिहास वे एकदम नहीं हैं।''

(a) मुनि जिनविजय (b) राहुल सांकृत्यायन
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

उत्तर– (c)

व्याख्या– पृथ्वीराज रासो के सन्दर्भ में आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ने लिखा है कि–
''कथा की परीक्षा इतिहास की दृष्टि से नहीं काव्य की दृष्टि से होनी चाहिए। पुरानी कथाएँ काव्य ही अधिक हैं, इतिहास वे एकदम नहीं हैं।''
राहुल सांकृत्यायन–का इतिहास ग्रंथ–हिन्दी काव्य धारा (1944 ई.)
हजारी प्रसाद द्विवेदी का इतिहास ग्रंथ – हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940 ई.) तथा विश्वनाथ प्रसाद मिश्र का साहित्येतिहास ग्रंथ–हिन्दी साहित्य का अतीत (I, II) है।

4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार, चौदहवीं-पन्द्रहवीं शताब्दी के हिन्दुओं-मुसलमानों, सामंतों, शहरों, सेना के सिपाहियों और लड़ाईयों का जीवंत और यथार्थ वर्णन किस कृति में हुआ है?

(a) हम्मीर काव्य (b) कीर्तिकौमुदी
(c) कीर्तिपताका (d) कीर्तिलता

उत्तर– (d)

व्याख्या– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार चौदहवीं-पन्द्रहवीं शताब्दी के मुसलमानों, सामन्तों, शहरों, सेना के सिपाहियों और लड़ाइयों का जीवन्त और यर्थाथ वर्णन विद्यापति कृत कीर्तिलता में है।

5. 'सगुनहि अगुनहि नहिं कछु भेदा' – इस तथ्य को तुलसीदास ने किसके द्वारा कहलवाया है?

(a) शिव (b) काग भुसुंडि
(c) भारद्वाज (d) तुलसीदास की स्वयं की उक्ति

उत्तर–(a)

व्याख्या– गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के बालकाण्ड के अन्तर्गत 'शिव-पार्वती संवाद' में भगवान शिव द्वारा यह चौपाई कहलवायी है।
यथा– सगुनहिं अगुनहिं नहिं कछु भेदा।
गावहिं मुनि पुरान बुध बेदा।
अगुन अरूप अलख अज जोई।
भगत प्रेम बस सगुन सो होई।।

6. वल्लभाचार्य की मृत्यु के बाद किसने कहा था– 'पुष्टिमार्ग का जहाज जात है सो जाको कछु लेना हो सो लेउ।'

(a) सूरदास (b) नन्ददास
(c) छीत स्वामी (d) विट्ठलनाथ

उत्तर– (d)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– पुष्टिमार्ग का जहाज जात है सो जाको कछु लेना हो सो लेउ।
यह कथन विट्ठलनाथ का है। इस कथन को गोसाई विट्ठलनाथ ने सूरदास की मृत्यु पर कहा था किन्तु UGC. द्वारा प्रश्न में वल्लभाचार्य की मृत्यु पर दिया गया है।

7. 'सूरसागर' में जगह-जगह दृष्टिकूट वाले पद मिलते हैं। यह भी विद्यापति का अनुकरण है।'' सूरदास से संबंधित उक्त विचार किस आलोचक का है?

(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी (b) बृजेश्वर वर्मा
(c) रामचंद्र शुक्ल (d) हरवंशलाल शर्मा

उत्तर– (c)

व्याख्या– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने साहित्येतिहास ग्रंथ में लिखा है कि– '''सूरसागर' में जगह-जगह दृष्टिकूट वाले पद मिलते हैं। यह भी विद्यापति का अनुकरण है।''
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने सूर के साहित्य से संबंधित 'सूर-साहित्य' नामक ग्रंथ लिखा है।

**8. ''हय रथ पालकी गयंद गृह ग्राम चारू
आखर लगाय लेत लाखन के सामा हौं।''
यह उक्ति किस कवि की है?**

(a) मतिराम (b) देव
(c) कुलपति मिश्र (d) पद्माकर

उत्तर– (d)

व्याख्या– हय रथ .... सामा हौं।
यह उक्ति पद्माकर की है।

उक्ति		कवि
हय रथ पालकी गयंद गृह ग्राम चारू आखर लगाय लेत लाखन के सामा हौं।	–	पद्माकर
कुंदन को रंग फीकौ लगै झलकै सब अंगन चारू गुराई	–	मतिराम
बड़े-बड़े नैनन सों आँसू-भरि भरि ढरि।	–	देव
एसिन कुंज बनी छबिपुंज, रहै अलि गुंजत यों सुख लीजै।	–	कुलपति मिश्र

**9. ''सावन आवन हेरि सखी, मनभावन-आवन-चोप बिसेखी। छाए कहूँ घन आनंद जान सम्हारि की ठौर लै भूलनि लेखी। बूँदें लगैं सब अंग दगैं उलटी गति आपने पापनि पेखी। पौन सों जागति आगि सुनी ही पै पानि तें लागति आँखिन देखी।''
इस सवैया में विरहिणी नायिका की किस मनः स्थिति का चित्रण किया गया है?**

(a) पुलक (b) मार्मिक स्थिति
(c) रोमांच (d) संकोच

उत्तर– (b)

व्याख्या– दिये गये सवैया के रचनाकार रीतिमुक्त धारा के प्रमुख कवि घनानन्द हैं। इस सवैया में कवि ने नायिका की मनः स्थिति का मार्मिक चित्रण किया है।
घनानन्द की प्रमुख काव्य कृतियाँ हैं–
(1) सुजान सार (2) इश्कलता (3) विरहलीला
(4) वियोग बेलि (5) कोकसार (6) कृपाकंद
(7) रस केलि वल्ली।

**10. ''प्रिय की सुधि–सी ये सरिताएँ, ये कानन कांतार सुसज्जित। मैं तो नहीं, किन्तु है मेरा हृदय किसी प्रियतम से परिचित। जिसके प्रेमपत्र आते हैं प्रायः सुख-संवाद – सन्निहित।''
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?**

(a) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(b) रामनरेश त्रिपाठी
(c) मैथिलीशरण गुप्त
(d) लाला भगवानदीन

उत्तर– (b)

व्याख्या– ''प्रिय की सुधि .... संवाद सिन्निहित।
यह पंक्ति कवि रामनरेश त्रिपाठी द्वारा रचित है।
रामनरेश त्रिपाठी की प्रमुख रचनाएं –
(1) मिलन (1917 ई.) (2) पथिक (1920 ई.)
(3) मानसी (1927 ई.) (4) स्वप्न (1929 ई.)
(5) कविता कौमुदी।

11. 'नाटक जारी है' काव्य-संग्रह के रचयिता हैं :

(a) श्रीकांत वर्मा (b) चंद्रकांत देवताले
(c) धूमिल (d) लीलाधर जगूड़ी

उत्तर– (d)

व्याख्या– 'नाटक जारी है' काव्य संग्रह के रचयिता लीलाधर जगूड़ी हैं।
इनकी प्रमुख रचनाएं –
(1) शंख मुखी शिखरो पर (2) इस यात्रा में
(3) रात अब भी मौजूद है (4) बची हुई पृथ्वी
(5) घबराये हुए शब्द (6) भय भी शक्ति देता है।
घूमिल की रचना – (1) संसद से सड़क तक (2) कल सुनना मुझे (3) सुदामा पांडे का प्रजातंत्र

12. निम्नलिखित में से 'आग और राग' का कवि किसे कहा जाता है?

(a) दिनकर (b) निराला
(c) पंत (d) प्रसाद

उत्तर– (a)

व्याख्या– 'आग और राग' का कवि रामधारी सिंह दिनकर को कहा जाता है।
दिनकर की रचनाएँ– (1) रेणुका (1935) (2) हुंकार (1939) (3) रसवंती (1940) (4) द्वन्द्वगीत (1940) (5) कुरूक्षेत्र (1946) (6) सामधेनी (1947) (7) रश्मिरथी (1952) (8) उर्वशी (1961) (9) परशुराम की प्रतीक्षा (1963) (10) हारे के हरिनाम।
निराला की प्रमुख रचनाएँ– (1) अनामिका (2) परिमल (3) गीतिका (4) तुलसीदास (5) कुकुरमुत्ता (6) नये पत्ते
जयशंकर प्रसाद की रचनाएँ– (1) उर्वशी (2) वन मिलन (3) प्रेमराज्य (4) कानन कुसुम (5) प्रेम पथिक (6) चित्राधार (7) कामायनी
सुमित्रानन्दन पंत की रचनाएँ– (1) उच्छ्वास (2) ग्रंथि (3) पल्लव (4) गुंजन (5) स्वर्ण किरण (6) स्वर्णधूलि (7) कला और बूढ़ा चाँद (8) लोकायतन (9) चिदम्बरा।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

13. जन्म-काल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(a) नानक, कबीर, सुन्दरदास, दादू
(b) कबीर, नानक, दादू, सुन्दरदास
(c) कबीर, दादू, नानक, सुन्दरदास
(d) नानक, सुन्दरदास, कबीर, दादू

उत्तर– (b)

व्याख्या– सही क्रम है– कबीर, नानक, दादू, सुन्दरदास

कवि	जन्मकाल	मृत्यु समय
कबीरदास	1398 ई.	1518 ई.
गुरू नानक	1469 ई.	1538 ई.
दादू दयाल	1544 ई.	1603 ई.
सुन्दरदास	1596 ई.	1689 ई.

14. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(a) शिवराजभूषण, ललित ललाम, पद्माभरण, नवरसतरंग
(b) नवरसतरंग, शिवराजभूषण, ललित ललाम, पद्माभरण
(c) पद्माभरण, ललित ललाम, शिवराजभूषण, नवरसतरंग
(d) ललित ललाम, शिवराजभूषण, पद्माभरण, नवरसतरंग

उत्तर– (d)

व्याख्या–सही क्रम है–ललितललाम, शिवराजभूषण, पद्माभरण, नवरसतरंग।

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
ललित ललाम	1664 ई.	मतिराम
शिवराज भूषण	1673 ई.	भूषण
पद्माभरण	–	पद्माकर
नवरसतरंग	1817 ई.	बेनी प्रवीन

15. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(a) मैथिलीशरण गुप्त, श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(b) श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(c) रामनरेश त्रिपाठी, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', श्रीधर पाठक
(d) श्रीधर पाठक, मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

उत्तर– (d)

व्याख्या–

कवि	जन्म काल
श्रीधर पाठक	1859 ई.
मैथिलीशरण गुप्त	1886 ई.
रामरनेश त्रिपाठी	1889 ई.
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1899 ई.

16. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(a) बच्चन, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, मुक्तिबोध
(b) बच्चन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय
(c) अज्ञेय, बच्चन, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय
(d) अज्ञेय, बच्चन, रघुवीर सहाय, मुक्तिबोध

उत्तर– (b)

व्याख्या–

कवि	जन्मकाल
हरिवंश राय बच्चन	1907 ई.
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1911 ई.
गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	1917 ई.
रघुवीर सहाय	1929 ई.

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

17. 'विश्वनाथ प्रसाद' निम्नलिखित में से किस उपन्यास का पात्र है?

(a) दीर्घतपा (b) कितने चौराहे
(c) मैला आँचल (d) परती परिकथा

उत्तर– (c)

व्याख्या– 'विश्वनाथ प्रसाद' मैला आँचल उपन्यास का पात्र है। जो इस उपन्यास में तहसीलदार है।
मैला आँचल (1954 ई.) फणीश्वर नाथ 'रेणु' का आँचलिक उपन्यास है। इस उपन्यास में पूर्णिया जिले के 'मेरीगंज' गाँव की कथा है।
रेणु के अन्य उपन्यास – (1) परती परिकथा (1957) (2) दीर्घतपा (3) जुलूस (4) कितने चौराहे।

18. बाल, वयः संधि और किशोर मन का मनोवैज्ञानिक अंकन किस उपन्यास में हुआ है?

(a) जयवर्धन (b) शेखर : एक जीवनी
(c) संन्यासी (d) संघर्ष

उत्तर– (b)

व्याख्या– बाल, वयः संधि और किशोर मन का मनोवैज्ञानिक अंकन सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय के उपन्यास– 'शेखर : एक जीवनी' में हुआ है।
अज्ञेय के उपन्यास–(1) शेखर एक जीवनी–भाग एक–1940 ई. भाग-दो–1944 ई. (2) नदी के द्वीप - 1951 ई. (3) अपने-अपने अजनवी - 1961 ई.

19. 'अ-कहानी' के प्रमुख प्रवक्ता हैं–

(a) गंगा प्रसाद विमल (b) महीप सिंह
(c) मधुकर सिंह (d) शिवप्रसाद सिंह

उत्तर– (a)

व्याख्या– अ-कहानी के प्रमुख प्रवक्ता - गंगाप्रसाद विमल हैं। जबकि महीप सिंह 'सचेतन कहानी' आन्दोलन के प्रवर्तक हैं।

20. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक प्रेमचन्द का है?

(a) जय पराजय (b) रूपया तुम्हें खा गया
(c) कृष्णार्जुन युद्ध (d) कर्बला

उत्तर– (d)

व्याख्या– 'कर्बला' नाटक प्रेमचन्द का है। प्रेमचन्द ने तीन नाटकों की रचना की– (1) कर्बला (1928) (2) संग्राम (1922) (3) प्रेम की वेदी।
'जय पराजय' नाटक के नाटककार उपेन्द्रनाथ 'अश्क' हैं तथा 'रूपया तुम्हें खा गया' नाटक भगवतीचरण वर्मा का है जबकि 'कृष्णार्जुन युद्ध (1918 ई.)' माखनलाल चतुर्वेदी का है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

21. हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित निबंध संग्रह नहीं है :
(a) नाथ संप्रदाय (b) प्रबंध प्रभाकर
(c) साहित्य का मर्म (d) लालित्य मीमांसा
उत्तर– (b)

व्याख्या– प्रबन्ध प्रभाकर (1933 ई.) निबन्ध के लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी नहीं है बल्कि बाबू गुलाब राय हैं जबकि नाथ सम्प्रदाय, साहित्य का मर्म, लालित्य मीमांसा, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध हैं।

22. 'प्रगतिवाद' शीर्षक पुस्तक के लेखक हैं–
(a) रामविलास शर्मा (b) रांगेय राघव
(c) शिवकुमार मिश्र (d) शिवदान सिंह चौहान
उत्तर– (*)

व्याख्या– प्रगतिवाद नाम से शिवकुमार मिश्र तथा शिवदान सिंह चौहान दोनों ने आलोचनात्मक ग्रंथ की रचना की है। अतः इस प्रश्न के दो विकल्प (c) और (d) सही होने के कारण इसे गलत घोषित करते हुए UGC ने इस पर सभी को अंक प्रदान किया।
शिवदान सिंह चौहान – प्रगतिवाद - (1946 ई.)
शिवकुमार मिश्र – प्रगतिवाद - (1966 ई.)

23. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :
(a) नीड़ का निर्माण फिर, जूठन, शिकंजे का दर्द, अपनी खबर
(b) अपनी खबर, नीड़ का निर्माण फिर, जूठन, शिकंजे का दर्द
(c) जूठन, शिकंजे का दर्द, अपनी खबर, नीड़ का निर्माण फिर
(d) शिकंजे का दर्द, अपनी खबर, नीड़ का निर्माण फिर, जूठन
उत्तर– (b)

व्याख्या–

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	लेखक
अपनी खबर	1960 ई.	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
नीड़ का निर्माण फिर	1970 ई.	हरिवंश राय 'बच्चन'
जूठन	1997 ई.	ओमप्रकाश 'वाल्मीकि'
शिकंजे का दर्द	2011 ई.	सुशीला टकभौरे

24. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :
(a) शरणार्थी, परिन्दे, कामरेड का कोट, डायन
(b) डायन, कामरेड का कोट, परिन्दे, शरणार्थी
(c) परिन्दे, शरणार्थी, डायन, कामरेड का कोट
(d) कामरेड का कोट, डायन, शरणार्थी, परिन्दे
उत्तर– (a)

व्याख्या–

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
शरणार्थी	1948 ई.	अज्ञेय
परिन्दे	1960 ई.	निर्मल वर्मा
कामरेड का कोट	1993 ई.	सृंजय
डायन	1998 ई.	भीष्म साहनी

25. कुबेरनाथ राय के निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :
(a) कामधेनु, मराल, आगम की नाव, गंधमादन
(b) गंधमादन, कामधेनु, मराल, आगम की नाव
(c) मराल, आगम की नाव, गंधमादन, कामधेनु
(d) आगम की नाव, गंधमादन, कामधेनु, मराल
उत्तर– (b)

व्याख्या– कुबेरनाथ राय के निबन्धों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम– गंधमादन (1972 ई.), कामधेनु (1980 ई.), मराल (1993 ई.), आगम की नाव (2002 ई.)

26. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम है :
(a) सज्जन, विशाख, जनमेजय का नागयज्ञ, ध्रुवस्वामिनी
(b) विशाख, ध्रुवस्वामिनी, सज्जन, जनमेजय का नागयज्ञ
(c) जनमेजय का नागयज्ञ, सज्जन, ध्रुवस्वामिनी, विशाख
(d) ध्रुवस्वामिनी, जनमेजय का नागयज्ञ, सज्जन, विशाख
उत्तर–(a)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद के नाटकों का सही क्रम है–

नाटक	प्रकाशन वर्ष
सज्जन	1910 ई.
विशाख	1921 ई.
जनमेजय का नागयज्ञ	1926 ई.
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

27. "त्रितयमिदं व्याप्रियते शक्तिर्व्युत्पत्तिरभ्यासः" – यह कथन किस आचार्य का है?
(a) भामह (b) रूद्रट
(c) मम्मट (d) जयदेव
उत्तर– (b)

व्याख्या– "त्रितयमिदं व्याप्रियते शक्तिर्व्युत्पत्तिरभ्यासः" यह कथन आचार्य रूद्रट का है। रूद्रट कश्मीर के निवासी थे तथा इनका समय 9वीं शती का पूर्वार्द्ध स्वीकार किया जाता है। रूद्रट के ग्रंथ का नाम - 'काव्यालंकार' है जिसमें 16 अध्याय एवं 734 श्लोक हैं।
आचार्य मम्मट का ग्रंथ है – काव्य प्रकाश
जयदेव का ग्रंथ है– (1) गीतगोविन्द (2) चन्द्रालोक
आचार्य भामह के ग्रंथ का नाम भी 'काव्यालंकार' है।

28. निम्नलिखित में से कौन-सा वक्रोक्ति का भेद नहीं है?
(a) उक्ति विन्यास वक्रता (b) वर्ण विन्यास वक्रता
(c) पद पूर्वार्ध वक्रता (d) प्रकरण वक्रता
उत्तर– (a)

व्याख्या– 'उक्ति विन्यास वक्रता' वक्रोक्ति का भेद नहीं है। 'वक्रोक्ति' के प्रवर्तक 'आचार्य कुन्तक' ने अपने ग्रंथ 'वक्रोक्तिजीवितम्' में वक्रोक्ति के छः भेद माने हैं–
(1) वर्ण विन्यास वक्रता (2) पद पूर्वार्धवक्रता
(3) पदपरार्ध वक्रता (4) वाक्य वक्रता (5) प्रकरण वक्रता (6) प्रबन्ध वक्रता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. रससूत्र के व्याख्याकारों का सही अनुक्रम है :
(a) भट्टनायक, भट्टलोल्लट, शंकुक, अभिनवगुप्त
(b) भट्टलोल्लट, शंकुक, अभिनवगुप्त, भट्टनायक
(c) भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(d) शंकुक, भट्टलोल्लट, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
उत्तर– (c)

व्याख्या– रससूत्र के व्याख्याकारों का सही क्रम–

आचार्य	दर्शन	सिद्धान्त
भट्टलोल्लट	मीमांसा दर्शन	उत्पत्तिवाद
शंकुक	न्याय दर्शन	अनुमितिवाद
भट्ट नायक	सांख्य दर्शन	भुक्तिवाद
अभिनव गुप्त	शैव दर्शन	अभिव्यक्तिवाद

30. निम्नलिखित ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है :
(a) आलोचना के मान, रसमीमांसा, नयी कविता, नयी कविता और अस्तित्ववाद
(b) रसमीमांसा, आलोचना के मान, नयी कविता, नयी कविता और अस्तित्ववाद
(c) रसमीमांसा, नयी कविता, आलोचना के मान, नयी कविता और अस्तित्ववाद
(d) नयी कविता और अस्तित्ववाद, नयी कविता, आलोचना के मान, रसमीमांसा
उत्तर– (b)

व्याख्या–

ग्रंथ	कालक्रम	ग्रंथकार
रस मीमांसा	1949 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
आलोचना के मान	1958 ई.	शिवदान सिंह चौहान
नयी कविता	1973 ई.	नन्ददुलारे वाजपेयी
नयी कविता और अस्तित्ववाद	1978 ई.	रामविलास शर्मा

तथ्य विविधा

31. निम्नलिखित लेखकों को रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) विजयसेन सूरि	(i) रेवन्तगिरि रास
(B) नरपति नाल्ह	(ii) भरतेश्वर बाहुबली रास
(C) शालिभद्र सूरि	(iii) बीसलदेव रासो
(D) आसगु	(iv) चन्दनबाला रास
	(v) योगचर्या

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(d)	(v)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर– (b)

व्याख्या–

रचनाकार	रचनाएँ
विजय सेन सूरि	रेवंतगिरि रास
नरपति नाल्ह	वीसलदेव रासो
शालिभद्र सूरि	भरतेश्वर बाहुबली रास
आसगु	चन्दनबाला रास
डोम्भिपा	योगचर्या

32. निम्नलिखित संप्रदायों को उनके प्रवर्तकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) श्री-संप्रदाय	(i) मध्वाचार्य
(B) ब्राह्म संप्रदाय	(ii) विष्णुस्वामी
(C) रूद्र-संप्रदाय	(iii) रामानुजाचार्य
(D) सनकादि संप्रदाय	(iv) वल्लभाचार्य
	(v) निम्बकाचार्य

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(v)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर– (d)

व्याख्या–

सम्प्रदाय	प्रवर्तक
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य
ब्रह्म सम्प्रदाय	मध्वाचार्य
रूद्र सम्प्रदाय	विष्णु स्वामी
सनकादि सम्प्रदाय	निम्बकाचार्य

33. निम्नलिखित प्रबंधकाव्यों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) चंडीचरित्र	(i) कुलपति मिश्र
(B) द्रोणपर्व (संग्राम सार)	(ii) रामसिंह
(C) सुजान चरित	(iii) गोविंद सिंह
(D) हिम्मतबहादुर विरूदावली	(iv) सूदन
	(v) पद्माकर

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(v)	(i)	(iii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(v)

उत्तर– (d)

व्याख्या–

प्रबन्धकाव्य	रचनाकार
चण्डीचरित्र	गुरु गोविन्द सिंह
द्रोणपर्व (संग्राम सार)	कुलपति मिश्र
सुजान चरित	सूदन
हिम्मतबहादुर विरूदावली	पद्माकर
पाहुड दोहा	राम सिंह

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) प्रेमवाटिका	(i) रसखान
(B) कवित्त रत्नाकर	(ii) सेनापति
(C) रस रतन	(iii) पुहकर कवि
(D) तिलकशतक	(iv) मुबारक
	(v) कादिर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

उत्तर– (b)

व्याख्या–

रचना	रचनाकार
प्रेमवाटिका	रसखान
कवित्त रत्नाकर	सेनापति
रसरतन	पुहकर कवि
तिलकशतक	मुबारक

35. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) वनबेला	(i) रामनरेश त्रिपाठी
(B) उत्तरा	(ii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(C) परिक्रमा	(iii) सुमित्रानंदन पंत
(D) चित्राधार	(iv) महादेवी वर्मा
	(v) जयशंकर 'प्रसाद'

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(iv)	(iii)	(v)

उत्तर– (b)

व्याख्या–

रचना	रचनाकार
वनबेला	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
उत्तरा	सुमित्रानन्दन पंत
परिक्रमा	महादेवी वर्मा
चित्राधार	जयशंकर प्रसाद
मिलन	रामनरेश त्रिपाठी

36. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) प्रिय स्वतंत्र रव अमृत मंत्र नव भारत में भर दे।	(i) जयशंकर प्रसाद
(B) इस पार प्रिये मधु है तुम हो, उस पार न जाने क्या होगा।	(ii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(C) अरे कहीं देखा है तुमने मुझे प्यार करने वाले को	(iii) हरिवंशराय बच्चन
(D) यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।	(iv) महादेवी वर्मा
	(v) सुमित्रानंदन पंत

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर– (c)

व्याख्या–

काव्य पंक्तियाँ	रचनाकार
प्रिय स्वतंत्र रव, अमृत मंत्र नव भारत में भर दे।	– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
इस पार प्रिये मधु है तुम हो, उस पार न जाने क्या होगा।	– हरिवंश राय 'बच्चन'
अरे कहीं देखा है तुमने, मुझे प्यार करने वाले को	– जयशंकर प्रसाद
यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो	– महादेवी वर्मा
सुन्दर है बिहग सुमन सुन्दर, मानव तुम सबसे सुन्दरतम्।।	– सुमित्रानन्दन पंत

37. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) जयदेव पुरी	(i) बलचनमा
(B) चंद्रमाधव	(ii) झूठा-सच
(C) फूल बाबू	(iii) नाच्यो बहुत गोपाल
(D) निर्गुनिया	(iv) नदी के द्वीप
	(v) सूरज का सातवां घोड़ा

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)

उत्तर– (a)

व्याख्या–

पात्र	उपन्यास	उपन्यासकार
जयदेव पुरी	झूठा-सच	यशपाल
चंद्रमाधव	नदी के द्वीप	अज्ञेय
फूल बाबू	बलचनमा	नागार्जुन
निर्गुनिया	नाच्यो बहुत गोपाल	अमृतलाल नागर

38. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) आनंदी	(i) मंत्र
(B) दीनदयाल	(ii) सवासेर गेहूँ
(C) डॉ. जयपाल	(iii) जुलूस
(D) शंकर	(iv) बड़े घर की बेटी
	(v) मूठ

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर– (b)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

पात्र	कहानी	कहानीकार
आनन्दी	बड़े घर की बेटी	प्रेमचन्द
दीनदयाल	जुलूस	प्रेमचन्द
डॉ. जयपाल	मूठ	प्रेमचन्द
शंकर	सवा सेर गेहूँ	प्रेमचन्द
भगत	मंत्र	प्रेमचन्द

39. निम्नलिखित रचनाओं को उनके नाट्य रूपों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) चन्द्रावली	(i) गीतिनाट्य
(B) विषस्य विषमौषधम्	(ii) एकांकी
(C) एक घूँट	(iii) भाण
(D) करूणालय	(iv) नाटिका
	(v) प्रहसन

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर– (a)

व्याख्या–

रचना	नाट्य रूप	नाटककार
चन्द्रावली	नाटिका	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
विषस्य विषमौषधम्	भाण	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
एक घूँट	एकांकी	जयशंकर प्रसाद
करूणालय	गीतिनाट्य	जयशंकर प्रसाद
अँधेर नगरी	प्रहसन	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

40. निम्नलिखित आचार्यों को उनके ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) अभिनवगुप्त	(i) सरस्वतीकण्ठाभरण
(B) राजशेखर	(ii) ध्वन्यालोकलोचन
(C) महिम भट्ट	(iii) काव्यप्रकाश
(D) भोजराज	(iv) काव्यमीमांसा
	(v) व्यक्तिविवेक

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(v)	(i)	(iii)
(b)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(c)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(d)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

उत्तर– (c)

व्याख्या–

आचार्य	ग्रंथ
अभिनव गुप्त	ध्वन्यालोक लोचन
राजशेखर	काव्यमीमांसा
महिम भट्ट	व्यक्ति विवेक
भोजराज	सरस्वती कण्ठाभरण
मम्मट	काव्य प्रकाश

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यान से पढ़िये और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न **41** से **45**) के दिए गए विकल्पों में सही विकल्प का चयन कीजिए।

"फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है; चित्त में यही आता है कि बहुत कम या बहुत सरल करना पड़े और फल बहुत-सा मिल जाये। श्रीकृष्ण ने कर्म-मार्ग से फलासक्ति की प्रबलता हटाने का बहुत ही स्पष्ट उपदेश दिया; पर उनके समझाने पर भी भारतवासी इस वासना से ग्रस्त होकर कर्म से तो उदास हो बैठे और फल के इतने पीछे पड़े कि गली में ब्राह्मण को एक पेठा देकर पुत्र की आशा करने लगे, चार आने रोज का अनुष्ठान कराके व्यापार से लाभ, शत्रु पर विजय, रोग से मुक्ति, धन-धान्य की वृद्धि तथा और भी न जाने क्या-क्या चाहने लगे। आसक्ति प्रस्तुत या उपस्थित वस्तु में ही ठीक कही जा सकती है। कर्म सामने उपस्थित रहता है। इससे आसक्ति उसी में चाहिए। फल दूर रहता है, इससे उसकी ओर कर्म का लक्ष्य काफी है। जिस आनंद से कर्म की उत्तेजना होती है और जो आनंद कर्म करते समय तक बराबर चला चलता है उसी का नाम उत्साह है।"

41. "फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है।" इस कथन के माध्यम से लेखक कहना चाहता है कि :

(a) कर्म करते समय फल के बारे में नहीं सोचना चाहिए।
(b) फल के बारे में अधिक आसक्ति से कर्म करने में रूचि घटती है।
(c) फल के बारे में अधिक आसक्ति से कर्म के प्रति उत्साह में इजाफा होता है।
(d) फल से लालच में जल्दी-जल्दी कर्म करना दुर्घटना का कारण हो सकता है।

उत्तर– (b)

व्याख्या– "फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है।" इस कथन के माध्यम से लेखक कहना चाहता है कि : फल के बारे में अधिक आसक्ति से कर्म करने में रूचि घटती है।

42. "श्रीकृष्ण ने कर्म मार्ग से फलासक्ति की प्रबलता हटाने का बहुत ही स्पष्ट उपदेश दिया था।" से तात्पर्य है–

(a) श्रीकृष्ण ने कहा था कि सिर्फ कर्म करते जाओ और फल की चिन्ता न करो।
(b) श्रीकृष्ण ने कहा था कि सिर्फ कर्म करते जाओ फल की चिन्ता न करो।
(c) श्रीकृष्ण ने कहा था कि यदि तुम निष्ठापूर्वक कर्म करोगे तो फल अवश्य मिलेगा।
(d) श्रीकृष्ण ने कहा था फल में आसक्ति की अधिकता कर्म के प्रति उत्साह में बाधक होती है।

उत्तर– (d)

व्याख्या– "श्रीकृष्ण ने कर्म मार्ग से फलासक्ति की प्रबलता हटाने का बहुत ही स्पष्ट उपदेश दिया था" से तात्पर्य है– दिये गये अवतरण के अनुसार श्रीकृष्ण ने कहा था कि फल में आसक्ति की अधिकता कर्म के प्रति उत्साह में बाधक होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. ''आसक्ति प्रस्तुत या उपस्थित वस्तु में ही ठीक कही जा सकती है।'' क्योंकि :
(a) जो प्रस्तुत नहीं है उसकी इच्छा संकट का कारण बन सकती है।
(b) जो प्रस्तुत नहीं है उसमें रूचि पैदा नहीं हो सकती है।
(c) कर्म प्रस्तुत होता है इसलिए उसके प्रति रूचि स्वाभाविक है।
(d) अप्रस्तुत की आकांक्षा मानसिक स्वास्थ्य की पहचान नहीं है।
उत्तर– (c)

व्याख्या– ''आसक्ति प्रस्तुत या उपस्थित वस्तु में ही ठीक कही जा सकती है।'' क्योंकि कर्म प्रस्तुत होता है इसलिए उसके प्रति रूचि स्वाभाविक है।

44. चार आने रोज का अनुष्ठान कराके व्यापार से लाभ की आशा करना गीता के विरूद्ध क्यों है?
(a) इसमें वासना मिली हुई है।
(b) इसमें कम खर्च करके ज्यादा प्राप्त करने की लालसा है।
(c) इस कर्म में उत्साह के साथ लोभ जुड़ा है।
(d) इसके पीछे अंधविश्वास है।
उत्तर– (a)

व्याख्या– चार आने रोज का अनुष्ठान कराके व्यापार से लाभ की आशा करना गीता के विरूद्ध है क्योंकि इसमें वासना मिली हुई है।

45. उपर्युक्त अवतरण में 'फल की विशेष आसक्ति' से लेखक का क्या अभिप्राय है?
(a) कर्म के प्रति अत्यधिक अनुराग।
(b) फल के प्रति अत्यधिक लोभ।
(c) कर्म और फल दोनों के प्रति अत्यधिक लोभ।
(d) कर्म के प्रति अनुराग और फल के प्रतिउदासीनता।
उत्तर– (b)

व्याख्या–दिये गये उपर्युक्त अवतरण में ''फल की विशेष आसक्ति' से लेखक का अभिप्राय है–''फल के प्रति अत्यधिक लोभ।''

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या **46 से 50** तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक **स्थापना (Assertion) (A)** है और दूसरा **तर्क (Reason) (R)** है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

46. स्थापना (Assertion) (A) : कविता आत्म प्रकाशन है, जो केवल कवि के हृदय को आनन्द प्रदान करती है।
तर्क (Reason) (R) : इसीलिए कविता को कवि की आत्मा का आलोक माना गया जो समस्त लोक को प्रकाशित करता है।
कोड :
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत
उत्तर– (b)

व्याख्या– कविता आत्म प्रकाशन ही नहीं है बल्कि कविता पर कल्पना, आत्मचिन्तन, सांस्कृतिक, सामाजिक परिस्थितियों का प्रभाव होता है जो केवल कवि को ही नहीं बल्कि समूचे लोक को आनन्द प्रदान करती है। इसलिए कविता को कवि की आत्मा या आलोक माना गया है जो समस्त लोक को प्रकाशित करता है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य समाज के सामूहिक हृदय का विकास है।
तर्क (Reason) (R) : इसीलिए समाज में रहने वाले विभिन्न धर्मावलम्बियों की चित्तवृत्ति का इसमें अलग-अलग विकास होता है।
कोड :
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत
उत्तर– (a)

व्याख्या– बालकृष्ण भट्ट ने लिखा है– ''साहित्य समाज के सामूहिक हृदय का विकास है।'' कथन सत्य है। किन्तु समाज में रहने वाले विभिन्न धर्मावलम्बियों की चित्रवृत्ति का इनमें अलग-अलग विकास होता है–
यह कथन असत्य है।

48. स्थापना (Assertion) (A) : मिथक सार्वकालिक और सार्वदेशिक होते हैं।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सभी देशों की जातीय अस्मिता और विश्वास एक जैसे हैं।
कोड :
(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) सही
उत्तर– (a)

व्याख्या– कोई भी मिथक सार्वकालिक या सार्वदेशिक नहीं होता है और ना ही सभी देशों की जातीय अस्मिता और विश्वास एक जैसे हैं। अतः दोनों कथन गलत हैं।

49. स्थापना (Assertion) (A) : रहस्यभावना के लिए द्वैत की स्थिति भी आवश्यक है और अद्वैत का आभास भी।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि एक के अभाव में विरह की अनुभूति असम्भव हो जाती है और दूसरे के बिना मिलन की इच्छा आधार खो देती है।
कोड :
(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही
उत्तर– (a)

व्याख्या– रहस्य भावना के लिए द्वैत की स्थिति भी आवश्यक है और अद्वैत का आभास भी। क्योंकि एक के अभाव में विरह की अनुभूति असम्भव हो जाती है और दूसरे के बिना मिलन की इच्छा आधार खो देती है। अतः दोनों ही कथन सही हैं।

50. स्थापना (Assertion) (A) : भारतेन्दु युग आधुनिकता का प्रवेश द्वार है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भारतेन्दु युगीन साहित्य में पश्चिमी संस्कृति के संघात से शुद्ध भारतीयता का उदय हुआ।
कोड :
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) सही
उत्तर– (a)

व्याख्या– भारतेन्दु युग आधुनिकता का प्रवेश द्वार है। क्योंकि भारतेन्दु युग से ही हिन्दी साहित्य के आधुनिक युग का प्रारम्भ होता है। लेकिन भारतेन्दु युगीन साहित्य में पश्चिमी संस्कृति के संघात से शुद्ध भारतीयता का उदय नहीं होता है। अतः कथन (A) सही है किन्तु तर्क (R) गलत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू.जी.सी. नेट परीक्षा नवम्बर-2017
हिन्दी
तृतीय प्रश्न पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : $2^1/_2$ घण्टा] [पूर्णाङ्क : 150

नोट–इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध जैन, नाथ साहित्य

1. सिद्धों में प्रचलित 'महामुद्रा' शब्द का अभिप्राय है :
(a) सिद्धि हेतु आसन का एक रूप
(b) सिद्धि हेतु की जाने वाली एक क्रिया
(c) सिद्धि प्राप्ति हेतु स्त्री-संसर्ग
(d) सिद्धि प्राप्ति हेतु स्त्री से विरक्ति
उत्तर– (c)

व्याख्या– सिद्धों में प्रचलित **'महामुद्रा'** शब्द का अभिप्राय है–'सिद्धि प्राप्ति हेतु स्त्री-संसर्ग।'
हिन्दी के सिद्धों का सम्बन्ध बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा से है जिसमें महामुद्रा को व्याख्यायित करते हुए कहा गया है कि–"तांत्रिक उपासना में सिद्ध योगिनी वह है जिसे साधक अपनी सहचरी बनाकर साधना करता है। इस साधना पद्धति को 'महामुद्रा' कहा जाता है।" सिद्ध साहित्य के प्रथम कवि (हिन्दी के भी प्रथम कवि) सरहपा ने अपने ग्रंथ 'दोहाकोश' में सिद्धि हेतु चार मुद्राओं का वर्णन किया है–(1) कर्ममुद्रा, (2) धर्म मुद्रा, (3) ज्ञान मुद्रा, (4) महामुद्रा।

2. "जायसी के शृंगार में मानसिक पक्ष प्रधान है, शारीरिक गौण है।" – यह कथन किस आलोचक का है?
(a) रामचंद्र शुक्ल (b) विजयदेवनारायण साही
(c) रामपूजन (d) श्याममनोहर पांडेय
उत्तर– (a)

व्याख्या– निर्गुण भक्ति धारा की प्रेममार्गी (सूफी) शाखा के प्रतिनिधि कवि मलिक मुहम्मद जायसी के शृंगारिकता के पक्ष को स्पष्ट करते हुए आचार्य रामचन्द्र शुक्ल लिखते हैं कि–"जायसी के शृंगार में मानसिक पक्ष प्रधान है, शारीरिक गौण है।"

3. "इसमें कोई सन्देह नहीं कि कबीर को 'राम-नाम' रामानंद जी से ही प्राप्त हुआ। पर आगे चल कर कबीर के 'राम' रामानंद के 'राम' से भिन्न हो गए।" - यह कथन किसका है?
(a) राहुल सांकृत्यायन (b) रामचंद्र शुक्ल
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी (d) माताप्रसाद गुप्त
उत्तर– (b)

व्याख्या– 'रामानन्द' कबीरदास के गुरु थे। बच्चन सिंह के अनुसार–"हिन्दी भक्ति काव्य का प्रथम क्रांतिकारी पुरस्कर्ता कबीर है।" कबीर की वाणी का संग्रह उनके शिष्य धर्मदास ने 'बीजक' नाम से 1464 ई. में किया जो–रमैनी, सबद और साखी तीन भागों में विभक्त है। हजारी प्रसाद द्विवेदी ने इन्हें 'वाणी का डिक्टेटर' कहा है। रामचन्द्र शुक्ल ने इनकी भाषा को 'सधुक्कड़ी' तथा श्यामसुन्दर दास ने 'पंचमेल खिचड़ी' कहा है।

4. विट्ठलनाथ ने वल्लभ संप्रदाय में किस तरह की पूजा-पद्धति का समावेश किया?
(a) बालकृष्ण की उपासना (b) युगलोपासना
(c) राधा-स्तुति (d) कांताभाव की उपासना
उत्तर– (b)

व्याख्या– स्वामी वल्लभाचार्य के पुत्र गोसाई विट्ठलनाथ ने वल्लभ सम्प्रदाय में 'युगलोपासना' अर्थात् राधा-कृष्ण के युगल रूप की उपासना का समावेश किया।

**5. "सचिव बैद गुरू तीनि ज्यों प्रिय बोलहिं भय आस।
राज, धर्म, तन तीनि कर होहिं बेगिहीं नास ॥"
यह दोहा 'रामचरितमानस' के किस कांड में है?**
(a) बालकांड (b) अयोध्याकांड
(c) सुन्दरकांड (d) लंकाकांड
उत्तर– (c)

व्याख्या– उक्त दोहा 'रामचरितमानस' के सुन्दरकाण्ड में वर्णित है। रामचरितमानस में कुल सात काण्ड हैं जो इस प्रकार है–
(1) बालकाण्ड (2) अयोध्या काण्ड (3) अरण्य काण्ड
(4) किष्किन्धाकाण्ड (5) सुन्दर काण्ड (6) लंकाकाण्ड
(7) उत्तरकाण्ड

6. डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल के अनुसार 'रामचंद्रिका' है :
(a) असाधारण महाकाव्य
(b) फुटकर कविताओं का संग्रह
(c) छंदों का अजायबघर
(d) अलंकार मंजूषा
उत्तर– (b)

व्याख्या– डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल के अनुसार 'रामचन्द्रिका' फुटकर कविताओं का संकलन है। जबकि डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी ने रामचन्द्रिका को 'छन्दों का अजायबघर' कहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. रीतिमुक्त कविता की प्रमुख प्रवृत्ति है:

(a) स्वानुभूति और स्वच्छंदता (b) अलंकृति
(c) विरोधवैचित्र्य (d) विनरहातिरेक

उत्तर– (a)

व्याख्या– रीतिमुक्त कविता की प्रमुख प्रवृत्ति है– स्वानुभूति और स्वच्छंदता। रीतिमुक्त कविताओं की अन्य प्रवृत्तियाँ निम्न हैं– अनुभूति पक्ष प्रधान, स्थूल एवं मांसल सौन्दर्य की उपेक्षा, शास्त्र परम्परा की उपेक्षा, सहज सरल ब्रजभाषा का प्रयोग। **रीतियुक्त काव्य धारा के प्रमुख कवि हैं–**घनानन्द, बोधा, आलम, ठाकुर, द्विजदेव।

8. तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के किस कांड में कलियुग का वर्णन किया है?

(a) बालकांड (b) अयोध्याकांड
(c) अरण्यकांड (d) उत्तरकांड

उत्तर– (d)

व्याख्या– तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' के 'उत्तरकाण्ड' में कलियुग का वर्णन किया है। 'रामचरितमानस' में कुल सात काण्ड हैं– बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, लंकाकाण्ड तथा उत्तरकाण्ड। यह अवधी भाषा तथा दोहा-चौपाई छन्द में रचित एक प्रबंध काव्य है।

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं विविध काव्य धाराएँ

**9. ''सीख सिखाई न मानति है, बर ही बस संग सखीन के आवै।
खेलत खेल नए जल में, बिना काम बृथा कत जाम बितावै।
छोड़ि कै साथ सहेलिन को, रहि के कहि कौन सवा दहि पावै।''
इस सवैया में नायिका की सखी का कौन-सा भाव व्यक्त हुआ है?**

(a) अनुराग (b) क्रोध
(c) उपालंभ (d) ईर्ष्या

उत्तर– (c)

व्याख्या–दी गई सवैया ''सीख सिखाई न.....ढरकावै।। रीतिकाल के प्रमुख कवि प्रताप साहि कृत 'व्यंग्यार्थ कौमुदी' (सं. 1882) का है। इस सवैया में नायिका की सखी 'उपालंभ (उलाहना)' का भाव व्यक्त कर रही है। शेष तीनों विकल्प असंगत हैं।

**10. ''घुसती है लाल-लाल मशाल अजीब सी,
अंतराल-विवर के तम में
लाल-लाल कुहरा,
कुहरे में, सामने, रक्तालोक-स्नात पुरूष एक रहस्य साक्षात!!''
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ मुक्तिबोध की किस कविता से हैं?**

(a) एक स्वप्न कथा (b) मुझे याद आते हैं
(c) अंधेरे में (d) मुझे क़दम-क़दम पर

उत्तर– (c)

व्याख्या– उपर्युक्त पंक्तियाँ मुक्तिबोध की कविता 'अंधेरे में' से हैं। मुक्तिबोध को लोकजीवन का जासूस कवि कहा जाता है।

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि : हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग छायावाद युग)

11. 'प्रियंवद' निम्नलिखित में से किस कविता से संबंधित पात्र है?

(a) प्रलय की छाया (b) असाध्यवीणा
(c) ब्रह्मराक्षस (d) कामायनी

उत्तर– (b)

व्याख्या– अज्ञेय द्वारा रचित असाध्य वीणा का पात्र 'प्रियंवद' है। अज्ञेय की अन्य कविताएँ है– कितनी नावों में कितनी बार, आँगन के पार द्वार, इन्द्रधनुष रौंदे हुए, सागरमुद्रा आदि।

12. 'मधुशाला' का प्रकाशन वर्ष है :

(a) 1935 (b) 1934
(c) 1936 (d) 1933

उत्तर– (a)

व्याख्या– 'मधुशाला' का प्रकाशन वर्ष 1935 है। 1936 में मधुबाला, 1937 में मधुकलश भी प्रकाशित हुई। इन तीनों ग्रंथों को हालावाद का धर्मग्रंथ माना जाता है।

**13. 'भारतेन्दु ने जिस प्रकार हिन्दी गद्य की भाषा का परिष्कार किया, उसी प्रकार काव्य की ब्रजभाषा का भी।'
- इस पंक्ति के लेखक हैं:**

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) रामकुमार वर्मा
(c) शिवदानसिंह चौहान (d) रामविलास शर्मा

उत्तर– (a)

व्याख्या– रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार– ''भारतेन्दु ने जिस प्रकार हिन्दी गद्य की भाषा का परिष्कार किया उसी प्रकार काव्य की ब्रजभाषा का भी।''

14. खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य है :

(a) साकेत (b) प्रियप्रवास
(c) कामायनी (d) लोकायतन

उत्तर– (b)

व्याख्या– 'प्रियप्रवास' को खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य माना जाता है। इसके रचियता हरिऔध जी हैं। इसमें कृष्ण कथा वर्णित है। साकेत– मैथिलीशरण गुप्त की, कामायनी– जयशंकर प्रसाद की तथा लोकायतन– सुमित्रानंदन पंत की काव्य रचना है।

15. कामाध्यात्म की समस्या निम्नलिखित में से किस रचना में उठाई गई है?

(a) आत्मजयी (b) संशय की एक रात
(c) उर्वशी (d) कनुप्रिया

उत्तर– (c)

व्याख्या– 'कामाध्यात्म की समस्या' का चित्रण रामधारी सिंह 'दिनकर' कृत 'उर्वशी' काव्य रचना में किया गया है। इस रचना के लिए दिनकर को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. **''क्षत्रिय ! उठो अब तो कुयश की कालिमा को मेट दो। निज देश को जीवन सहित तन मन तथा धन भेंट दो। वैश्यो सुनो व्यापार सारा मिट चुका है देश का। सब धन विदेशी हर रहे हैं, पार है क्या क्लेश का।**
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :
(a) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (b) मैथिलीशरण गुप्त
(c) प्रतापनारायाण मिश्र (d) रामधारीसिंह दिनकर
उत्तर– (b)

व्याख्या– उपर्युक्त पंक्तियाँ मैथिलीशरण गुप्त के भारत-भारती की हैं। रंग में भंग, विकट भट, जयद्रथ वध, किसान झंकार, द्वापर आदि इनकी अन्य रचनाएँ हैं तथा ये राष्ट्रकवि के पद पर आसीन हैं।

17. **''पीर भरो जिय धीर धरै नहिं**
कैसे रहे जल जाल के बाँधे?''
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में स्त्री की किस मनःस्थिति का संकेत किया गया है?
(a) दुःखातिरेक
(b) दुख का कम होना
(c) पीड़ा में आनंद की अनुभूति
(d) पीड़ा से मुक्ति का उपक्रम
उत्तर– (a)

व्याख्या– ''पीर भरो जिय धीर धरै नहिं
कैसे रहे जल जाल के बाँधे?''
उपर्युक्त पंक्तियों में स्त्री की दुःखतिरेक मनःस्थिति का संकेत किया गया है।

18. **''स्नेह-निर्झर बह गया है। रेत ज्यों तन रह गया है।''**
उपरोक्त गीत किस कवि का है?
(a) जयशंकर 'प्रसाद' (b) सूर्यकान्त त्रिपाठी
(c) नरेन्द्र शर्मा (d) रामकुमार वर्मा
उत्तर– (b)

व्याख्या– ''स्नेह-निर्झर बह गया है। रेत ज्यों तन रह गया है।'' उपरोक्त गीत सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के 'अणिमा' काव्य संग्रह में संकलित है। अनामिका, परिमल, गीतिका, कुकुरमुत्ता, बेला, नए पत्ते, अर्चना, आराधना, गीत गुंज, सांध्यकाकली, अपरा, बादल राग आदि इनकी अन्य प्रसिद्ध काव्य कृतियाँ हैं।

19. **'आत्मजयी' की कथावस्तु निम्नलिखित में से किस पर आधारित है?**
(a) छांदोग्यउपनिषद् (b) कठोपनिषद्
(c) केनोपनिषद् (d) वृहदारण्यकोपनिषद्
उत्तर– (b)

व्याख्या– 'आत्मजयी' की कथावस्तु कठोपनिषद् पर आधारित है। इसके रचयिता कुँवर नारायण हैं। इसमें नचिकेता प्रसंग का वर्णन है। चक्रव्यूह, परिवेश, हम-तुम, अपने सामने, कोई दूसरा नहीं, इन दिनों इनके प्रसिद्ध काव्य संग्रह हैं। आत्मजयी व वाजश्रवा के बहाने इनके द्वारा रचित खण्डकाव्य है।

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता)

20. **''हमें प्रयोगवादी कहना उतना ही सार्थक या निरर्थक है जितना हमें कवितावादी कहना।'' उक्त कथन किसका है?**
(a) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(b) गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
(c) लक्ष्मीकान्त वर्मा
(d) कुंवरनारायण
उत्तर– (a)

व्याख्या– ''हमें प्रयोगवादी कहना उतना ही सार्थक या निरर्थक है जितना हमें कवितावादी कहना'' उक्त कथन प्रयोगवाद के नामकरण के सम्बन्ध में सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' का है, जिसे उन्होंने दूसरा सप्तक की भूमिका में कहा है।

21. **''आधुनिक नारी अब अपनी पूरी गरिमा, देह-संपदा और वास्तविक सम्मान के साथ आई है। औरतें अब औरतें हैं, वे झूठी सती या वेश्याएं नहीं हैं, इसलिए नयी कहानी खलनायिकाओं से शून्य है।'' - नयी कहानी के संबंध में उपर्युक्त कथन किसका है?**
(a) कमलेश्वर (b) राजेन्द्र यादव
(c) मोहन राकेश (d) निर्मल वर्मा
उत्तर– (a)

व्याख्या–नयी कहानी के सम्बन्ध में उक्त कथन कमलेश्वर का है।

22. **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मार्क्सवादी सिद्धान्त के अनुकूल नहीं है?**
(a) मार्क्सवादी दर्शन का अनिवार्य घटक है द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद।
(b) मनुष्य के समस्त सामाजिक संबंध उसके उत्पादन संबंधों पर आधारित होते हैं।
(c) समाजवाद और साम्यवाद में आर्थिक तथा सामाजिक परिपक्वता में अन्तर होता है।
(d) साम्यवादी व्यवस्था में भी राज्य तथा समस्त राजनीतिक और कानूनी ढाँचे बने रहेंगे।
उत्तर– (d)

व्याख्या– ''साम्यवादी व्यवस्था में भी राज्य तथा समस्त राजनीति और कानूनी ढाँचे बने रहेंगे।'' कथन मार्क्सवादी सिद्धान्त के कतई अनुकूल नहीं है। क्योंकि कार्ल मार्क्स राज्य तथा राजनीति और कानूनी ढाँचे को तोड़कर साम्यवादी व्यवस्था की स्थापना की बात करता है। इसके लिए वह सशस्त्र क्रांति का आह्वान करता है। शेष सभी कथन मार्क्सवादी सिद्धान्त की पुष्टि करते हैं।

23. **निम्नलिखित मार्क्सवादी चिन्तकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है :**
(a) कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स, ब्लादीमीर इलिच लेनिन, माओ-त्से-तुंग
(b) फ्रेडरिक एंगेल्स, कार्ल मार्क्स, माओ-त्से-तुंग, ब्लादीमीर इलिच लेनिन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) ब्लादीमीर इलिच लेनिन, कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स, माओ-त्से-तुंग
(d) माओ-त्से-तुंग, कार्ल मार्क्स, फ्रेडरिक एंगेल्स, ब्लादीमीर इलिच लेनिन

उत्तर– (a)

व्याख्या– मार्क्सवादी चिंतकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है–

मार्क्सवादी चिंतक	**काल (ई. में)**
कार्ल मार्क्स	1818-1883
फ्रेडरिक एंगेल्स	1820-1895
ब्लादीमीर इजिच लेनिन	1870-1924
माओ-त्से-तुंग	1893-1976

गल्प और इतिहास : कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

24. "सिख अमलदारी को उखाड़ती हुई ब्रिटिश साम्राज्यशाही का चित्रण किस उपन्यास में हुआ है?
(a) बसन्ती (b) मय्यादास की माड़ी
(c) कुन्तो (d) समय सरगम

उत्तर– (b)

व्याख्या– सिख अमलदारी को उखाड़ती हुई ब्रिटिश साम्राज्यशाही का चित्रण 'मय्यादास की माड़ी' उपन्यास में हुआ है। यह भीष्म साहनी द्वारा लिखित उपन्यास है। झरोखे, तमस, बसन्ती, कुन्तो, नीलू, नीलिमा, नीलोफर इनके अन्य उपन्यास है।

25. फणीश्वरनाथ 'रेणु' के किस उपन्यास में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर बिहार के पूर्णिया जिले में आए हिंदू शरणार्थियों की दारूण कथा का चित्रण है?
(a) मैला आंचल (b) जुलूस
(c) परती परिकथा (d) कलंक मुक्ति

उत्तर– (b)

व्याख्या– फणीश्वरनाथ रेणु के 'जुलूस' उपन्यास में पूर्वी-पाकिस्तान से विस्थापित होकर बिहार के पूर्णिया जिले में आए शरणार्थियों की दारूण कथा का चित्रण है। 'मैला आँचल' की भाँति इसमें भी आँचलिकता की विशेषताएँ विद्यमान है। परती परिकथा, पल्टू बाबू रोड़ आदि इनके अन्य उपन्यास है।

26. 'सूनी घाटी का सूरज' उपन्यास के लेखक हैं :
(a) श्रीलाल शुक्ल (b) नरेश मेहता
(c) हिमांशु श्रीवास्तव (d) शैलेश मटियानी

उत्तर– (a)

व्याख्या– सूनी घाटी का सूरज 1957 उपन्यास के लेखक श्री लाल शुक्ल जी हैं। इनके द्वारा रचित अन्य उपन्यास हैं–
राग दरबारी– 1968, यहाँ से वहाँ– 1969, अंगद का पाँव– 1958, आदमी का जहर– 1972, सीमाएँ टूटती हैं– 1973, विश्रामपुर का संत– 1998 आदि।

27. 'काम और राम' का द्वन्द्व किस उपन्यास में चित्रित है?
(a) मानस का हंस (b) चित्रलेखा
(c) खंजननयन (d) नाच्यौ बहुत गोपाल

उत्तर– (a)

व्याख्या– 'काम और राम' का द्वन्द्व अमृत लाल नगर द्वारा रचित 'मानस का हंस' उपन्यास में चित्रित है। भगवती चरण वर्मा कृत 'चित्रलेखा' में पाप-पुण्य का वर्णन है। 'खंजन नयन' अमृत लाल नगर द्वारा रचित तथार सूरदास की भक्ति पर आधारित है। 'नाच्यौ बहुत गोपाल' भी इन्हीं के द्वारा रचित उपन्यास है, जिसमें 'मेहतर' कही जाने वाली अछूत जाति की सामाजिक व अंतरंग जीवन की करूणामयी, रसार्द्र व हृदयग्राही झांकी प्रस्तुत की गई है।

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

28. 'भारतीय काव्य-शास्त्र का नवनिर्माण' - शीर्षक निबंध के लेखक हैं :
(a) नंददुलारे वाजपेयी (b) रामविलास शर्मा
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर– (a)

व्याख्या– 'भारतीय काव्यशास्त्र का नवनिर्माण' शीर्षक निबंध के लेखक नंददुलारे वाजपेयी जी है। वाजपेयी जी आलोचनात्मक ग्रंथों की रचना के लिए प्रसिद्ध हैं। इनके आलोचनात्मक ग्रंथ हैं– जयशंकर प्रसाद, आधुनिक साहित्य, हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नया साहित्य : नए प्रश्न, साहित्य : एक अनुशीलन, प्रेमचन्द : एक साहित्यिक विवेचन, प्रकीर्णिका, महाकवि सूरदास तथा महा कवि निराला।

29. "साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध" - ग्रंथ के रचनाकार हैं :
(a) जयशंकर प्रसाद (b) अज्ञेय
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) महादेवी वर्मा

उत्तर– (d)

व्याख्या– 'साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध' महादेवी वर्मा के आलोचनात्मक निबन्धों का संग्रह है। इसका प्रकाशन 1962 ई. में हुआ।

30. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना जीवनी नहीं है?
(a) कलम का मज़दूर
(b) कलम का सिपाही
(c) मेरी पत्नी और भेड़िया
(d) प्रेमचंद घर में

उत्तर– (c)

व्याख्या– 'मेरी पत्नी और भेड़िया' डॉ. धर्मवीर द्वारा रचित आत्मकथा है न की जीवनी। 'कलम का मजदूर' मदन गोपाल द्वारा, 'कलम का सिपाही' अमृत राय द्वारा तथा 'प्रेमचन्द घर में' शिवरानी देवी (प्रेमचन्द की पत्नी) द्वारा लिखित मुंशी प्रेमचन्द की जीवनी है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

31. "अतएव, दो बालुकापूर्ण कगारों के बीच में एक निर्मल-स्रोतस्विनी का रहना आवश्यक है।"
यह संवाद 'चन्द्रगुप्त' नाटक के किस पात्र का है?

(a) चन्द्रगुप्त (b) चाणक्य
(c) सिल्यूकस (d) राक्षस

उत्तर– (b)

व्याख्या– "अतएव दो बालुकापूर्ण कगारों के बीच में एक निर्मल स्रोतस्विनी का रहना आवश्यक है।" यह संवाद (कथन) चाणक्य का है। "महत्वाकांक्षा का मोती निष्ठुरता की सीपी में रहता है।" यह चाणक्य का अन्य प्रसिद्ध कथन है। "अरूण यह मधुमय देश हमारा" कार्नेलिया का कथन है।

32. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न सुरेन्द्र वर्मा के किस नाटक में आया है?

(a) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(b) आठवाँ सर्ग
(c) नायक खलनायक विदूषक
(d) शकुन्तला की अंगूठी

उत्तर– (b)

व्याख्या– अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रश्न सुरेन्द्र वर्मा के नाटक आठवाँ सर्ग– 1976 में आया है। 'सूर्य की पहली किरण से सूर्य की अंतिम किरण तक' में स्त्री-पुरूष सम्बन्ध में उत्तर-आधुनिक व्यंजना है। 'शकुंतला की अँगूठी' में पैसे के समक्ष कला की महत्वहीनता व्यक्त की गई है। 'नायक खलनायक विदुषक' इनका अन्य नाटक है।

33. "कि मैं इस घर से ही अपने अन्दर कुछ ऐसी चीज़ लेकर गयी हूँ जो किसी भी स्थिति में मुझे स्वाभाविक नहीं रहने देती।"
'आधे-अधूरे' नाटक के प्रस्तुत संवाद का सम्बन्ध किस पात्र से है?

(a) बड़ी लड़की (b) छोटी लड़की
(c) स्त्री (d) लड़का

उत्तर– (a)

व्याख्या– "कि मैं इस घर से ही अपने अन्दर कुछ ऐसी चीज़ लेकर गयी हूँ जो किसी भी स्थिति में मुझे स्वाभाविक नहीं रहने देती।" इस संवाद का सम्बन्ध 'बड़ी लड़की' से है।

34. 'कारवाँ' किस का एकांकी संग्रह है?

(a) उपेन्द्रनाथ अश्क (b) विष्णु प्रभाकर
(c) रामकुमार वर्मा (d) भुवनेश्वर प्रसाद

उत्तर– (d)

व्याख्या– 'कारवाँ' भुवनेश्वर प्रसाद का एकांकी संग्रह है। ताँबे के कीड़े, एक साम्यहीन साम्यवादी, एकांकी के भाव, पतित (शैतान), प्रतिभा का विवाह, श्यामाः एक वैवाहिक बिडम्बना, स्ट्राइकर, ऊसर इनके नाटक एवं एकांकी है।

35. रचना-काल के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(a) एक और द्रोणाचार्य, मादा कैक्टस, सिंहासन खाली है, द्रौपदी
(b) द्रौपदी, सिंहासन खाली है, मादा कैक्टस, एक और द्रोणाचार्य
(c) सिंहासन खाली है, द्रौपदी, एक और द्रोणाचार्य, मादा कैक्टस,
(d) मादा कैक्टस, द्रौपदी, सिंहासन खाली है, एक और द्रोणाचार्य

उत्तर– (d)

व्याख्या– रचनाकाल के अनुसार दिए गए नाटकों का सही अनुक्रम इस प्रकार है–

नाटक	रचनाकार
मादा कैक्टस	लक्ष्मी नारायण लाल
द्रौपदी	गोपी राम शर्मा
सिंहासन खाली है	सुशील कुमार सिंह
एक और द्रोणाचार्य	शंकर शेष

36. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(a) आधे-अधूरे, अंधायुग, स्कन्दगुप्त, भारत जननी
(b) स्कन्दगुप्त, अंधायुग, भारत जननी, आधे-अधूरे
(c) भारत जननी, स्कन्दगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे
(d) आधे-अधूरे, भारत जननी, अंधायुग, स्कन्दगुप्त

उत्तर– (c)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार नाटकों का सही अनुक्रम है–

नाटक	प्रकाशन	वर्ष
भारत जननी	1877 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
स्कन्द गुप्त	1928 ई.	जयशंकर प्रसाद
अंधायुग	1954 ई.	धर्मवीर भारती
आधे-अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

37. रससूत्र 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः' किस ग्रंथ में आया है?

(a) साहित्यदर्पण (b) नाट्यशास्त्र
(c) रसगंगाधर (d) दशरूपक

उत्तर– (b)

व्याख्या–रससूत्र **"विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः"** भरतमुनि कृत नाट्यशास्त्र में आया है। उस सूत्र में भरतमुनि ने बताया है कि स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव व संचारी भाव के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है। 'साहित्य दर्पण' में आचार्य विश्वनाथ ने 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' सूत्र दिया है। 'रसगंगाधर' में पंडित राज जगन्नाथ ने – 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' सूत्र दिया। 'दशरूपक' धनंजयं कृत नाटक के दशरूपों का लक्षण एवं विशेषता को प्रकट करने वाला ग्रंथ है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

38. जहाँ बिना कारण के ही कार्य की संभावना व्यक्त की गई हो, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

(a) विभावना (b) निदर्शना
(c) असंगति (d) अर्थान्तरन्यास

उत्तर– (a)

व्याख्या– प्रश्नगत अलंकार एवं उनके उदाहरण इस प्रकार है–

अलंकार	लक्षण	उदाहरण
1. विभावना	बिना कारण के ही कार्य की संभावना	बिनु पग चलै सुनै बिनु काना
2. निदर्शना	उपमेय का गुण उपमान में या उपमान की गुण उपमेय में आरोपित होना	रवि ससि नखत दिपिहि ओहि जोति। रतन पदारथ मानिक मोती।।
3. असंगति	कार्य एवं कारण में संगति का अभाव	दृग दरझत टूटत कुटुम
4. अर्थान्तरन्यास	सामान्य का विशेष या विशेष का सामान्य से समर्थन	जे रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग। चंदन विष व्यापत नही, लपटे रहत भुजंग।।

39. निम्नलिखित में से कौन-सा रस का अवयव नहीं हैं?

(a) भाव (b) विभाव
(c) अनुभाव (d) संचारीभाव

उत्तर– (a)

व्याख्या– नाट्यशास्त्र में भरत मुनि द्वारा प्रदत्त सूत्र 'विभावानुभाव व्यभिचरिसंयोगाद्रस निष्पत्तिः' से स्पष्ट है कि स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव व संचारी या व्यभिचारी भाव ही रस के अवयव है न कि भाव के।

40. निम्नलिखित में से कौन-सा काव्य गुण नहीं है?

(a) श्लेष (b) माधुर्य
(c) शक्ति (d) समाधि

उत्तर– (c)

व्याख्या– श्लेष, माधुर्य व समाधि काव्य के गुण हैं जबकि शक्ति काव्य-गुण नहीं है।

41. ''काव्य की पूर्ण अनुभूति के लिए कल्पना का व्यापार कवि और श्रोता दोनों के लिए अनिवार्य है।'' उक्त कथन किस आचार्य का है?

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) नगेन्द्र
(c) नंददुलारे वाजपेयी (d) हजारीप्रसाद द्विवेदी

उत्तर– (a)

व्याख्या– ''काव्य की पूर्ण अनुभूति के लिए कल्पना का व्यापार कवि और श्रोता दोनों के लिए अनिवार्य है।'' यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। रामचन्द्र शुक्ल ने अपने प्रसिद्ध निबन्ध 'कविता क्या है' में कहा है– ''जिस तरह आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान दशा कहलाती है उसी तरह हृदय की मुक्तावस्था रस दशा कहलाती है। हृदय की इसी मुक्ति साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो विधान करती आयी है, उसे कविता कहते हैं।

42. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है :

(a) साहित्यदर्पण, वक्रोक्तिजीवितम्, ध्वन्यालोक, कविकण्ठाभरण
(b) कविकण्ठाभरण, ध्वन्यालोक, साहित्यदर्पण, वक्रोक्तिजीवितम्
(c) वक्रोक्तिजीवितम्, कविकण्ठाभरण, साहित्यदर्पण, ध्वन्यालोक
(d) ध्वन्यालोक, वक्रोक्तिजीवितम्, कविकण्ठाभरण, साहित्यदर्पण

उत्तर– (d)

व्याख्या– काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का कालक्रमानुसार अनुक्रम है–

काव्यशास्त्रीय ग्रंथ	काल	ग्रंथकार
ध्वन्यालोक	9वीं शदी उत्तरार्द्ध	आनन्दवर्धन
वक्रोक्तिजीवितम्	11वीं शदी पूर्वार्द्ध	कुन्तक
कविकण्ठाभरण	11वीं शदी उत्तरार्द्ध	क्षेमेन्द्र
साहित्यदर्पण	14वीं शदी	विश्वनाथ

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो, अरस्तू, लांजाइनस, क्रोंचे, आई.ए. रिचर्ड्स, नयी समीक्षा

43. अरस्तू द्वारा रचित 'पोएटिक्स' (On Poetics) नामक ग्रंथ में कितने अध्याय हैं?

(a) 26 अध्याय (b) 25 अध्याय
(c) 24 अध्याय (d) 23 अध्याय

उत्तर– (a)

व्याख्या– अरस्तू द्वारा रचित पोएटिक्स (On poetics) नामक ग्रंथ में कुल 26 अध्याय हैं। अरस्तू प्लेटो के शिष्य थे। अरस्तू ने महाकाव्य और त्रासदी के स्वरूप का विस्तृत विवेचन किया है। काव्य जगत को अनुकरण व विरेचन नामक दो सिद्धान्त दिए है।

44. निम्नलिखित में से किसका संबंध उत्तर-आधुनिकता से नहीं है?

(a) जॉक देरिदा (b) डेनियल बेल
(c) रोलां बार्थ (d) रेमंड विलियम्स

उत्तर– (d)

व्याख्या– रेमंड विलियम्स का संबंध उत्तर-आधुनिकता से नहीं है। शेष सभी का सम्बन्ध उत्तर-आधुनिकता से है। जॉक देरिदा फ्रांसीसी दार्शनिक थे जो 'विरचना' संरचना (Deconstruction) के सिद्धान्त के लिए प्रसिद्ध है।

अन्य तथ्य विविधा

45. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है:

(a) राउलवेल, कुवलयमाला कथा, वर्णरत्नाकर, उक्तिव्यक्तिप्रकरण
(b) उक्तिव्यक्तिप्रकरण, वर्णरत्नाकर, कुवलयमाला कथा, राउलवेल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) कुवलयमाला कथा, राउलवेल, उक्तिव्यक्तिप्रकरण, वर्णरत्नाकर

(d) वर्णरत्नाकर, उक्तिव्यक्तिप्रकरण, राउलवेल, कुवलयमाला कथा

उत्तर– (c)

व्याख्या– दी गई रचनाओं का अनुक्रम इस प्रकार है–

रचना	काल	रचनाकार
कुवलयमाला कथा	9वीं शताब्दी	उद्योतन सूरि
राउलवेल	10वीं शताब्दी	रोडा कवि
उक्तिव्यक्तिप्रकरण	12वीं शताब्दी	दामोदर पण्डित
वर्णरत्नाकार	14वीं शताब्दी	ज्योतिरीश्वर ठाकुर

46. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :

(a) हंस जवाहिर, पुहुपावती, यूसुफ जुलेखा, अनुराग बाँसुरी

(b) पुहुपावती, हंस जवाहिर, यूसुफ जुलेखा, अनुराग बाँसुरी

(c) पुहुपावती, हंस जवाहिर, अनुराग बाँसुरी, यूसुफ जुलेखा

(d) अनुराग बाँसुरी, हंस जवाहिर, पुहुपावती, यूसुफ जुलेखा

उत्तर– (c)

व्याख्या– रचनाकाल की दृष्टि से काव्यकृतियाँ इस प्रकार है–

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
पुहुपावती	–	दुखहरन
हंस जवाहिर	1731 ई.	कासिम शाह
अनुराग बाँसुरी	1821 ई.	नूर मुहम्मद
यूसुफ जुलेखा	–	शेख निसार

47. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है:

(a) कीर्तिलता, भक्तमाल, छिताईवार्ता, चित्रावली

(b) भक्तमाल, छिताईवार्ता, कीर्तिलता, चित्रावली

(c) चित्रावली, कीर्तिलता, भक्तमाल, छिताईवार्ता

(d) छिताईवार्ता, कीर्तिलता, भक्तमाल, चित्रावली

उत्तर– (a)

व्याख्या– रचनाकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम है–

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
कीर्तिलता	14वीं शती	विद्यापति
भक्तमाल	16वीं शती	नाभादास
छिताईवार्ता	16वीं शती	नारायण दास
चित्रावली	16वीं शती	उसमान

48. प्रकाशन वर्ष के अनुसार अज्ञेय की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(a) इत्यलम्, आँगन के पार द्वार, हरी घास पर क्षण भर, कितनी नावों में कितनी बार

(b) हरी घास पर क्षण भर, इत्यलम्, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार

(c) इत्यलम्, हरी घास पर क्षण भर, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार

(d) हरी घास पर क्षण भर, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, इत्यलम्

उत्तर– (c)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार अज्ञेय की रचनाओं का सही अनुक्रम इस प्रकार है–

रचना		काल
इत्यलम	–	1946 ई.
हरी घास पर क्षण भर	–	1949 ई.
आँगर के पार द्वार	–	1961 ई.
कितनी नावों में कितनी बार	–	1967 ई.

49. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(a) श्रांतपथिक, प्रेममाधुरी, मिलन, प्रियप्रवास

(b) प्रेममाधुरी, श्रांतपथिक, मिलन, प्रियप्रवास

(c) श्रांतपथिक, प्रेममाधुरी, प्रियप्रवास, मिलन

(d) प्रेममाधुरी, श्रांतपथिक, प्रियप्रवास, मिलन

उत्तर– (d)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार रचनाओं का सही अनुक्रम है–

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
प्रेममाधुरी	1875 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
श्रांत पथिक	1902 ई.	श्रीधर पाठक
प्रिय प्रवास	1914 ई.	हरिऔध
दीप शिखा	1942 ई.	महादेवी वर्मा

50. प्रकाशन वर्ष के अनुसार महादेवी वर्मा की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(a) नीहार, दीपशिखा, नीरजा, रश्मि

(b) दीपशिखा, नीहार, रश्मि, नीरजा

(c) नीरजा, नीहार, रश्मि, दीपशिखा

(d) नीहार, रश्मि, नीरजा, दीपशिखा

उत्तर– (d)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार महादेवी वर्मा की कृतियों का सही अनुक्रम इस प्रकार है–

कृति	प्रकाशन वर्ष
नीहार	1930 ई.
रश्मि	1932 ई.
नीरजा	1934 ई.
दीप शिखा	1942 ई.

51. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :

(a) शमशेर बहादुर सिंह, भवानीप्रसाद मिश्र, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतभूषण अग्रवाल

(b) भवानीप्रसाद मिश्र, शमशेर बहादुर सिंह, भारतभूषण अग्रवाल, गजानन माधव मुक्तिबोध

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) भवानीप्रसाद मिश्र, शमशेर बहादुर सिंह, गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतभूषण अग्रवाल
(d) शमशेर बहादुर सिंह, भवानीप्रसाद मिश्र, भारतभूषण अग्रवाल, गजानन माधव मुक्तिबोध

उत्तर– (a)

व्याख्या– जन्म काल के आधार पर रचनाकारों का सही अनुक्रम इस प्रकार है–

रचनाकार	जन्म वर्ष
शमशेर बहादुर सिंह	13 जनवरी 1911
भवानी प्रसाद मिश्र	19 फरवरी 1913
गजानन माधव मुक्तिबोध	13 नवम्बर 1917
भारत भूषण अग्रवाल	3 अगस्त 1919

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(a) कठगुलाब, शाल्मली, आपका बंटी, चित्तकोबरा
(b) आपका बंटी, चित्तकोबरा, शाल्मली, कठगुलाब
(c) चित्तकोबरा, आपका बंटी, कठगुलाब, शाल्मली
(d) शाल्मली, कठगुलाब, चित्तकोबरा, आपका बंटी

उत्तर– (b)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम है–

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	लेखक/लेखिका
आपका बंटी	1971 ई.	मन्नू भण्डारी
चित्तकोबरा	1979 ई.	मृदुला गर्ग
शाल्मली	1987 ई.	नासिरा शर्मा
कठगुलाब	1996 ई.	मृदुला गर्ग

53. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है :

(a) क्रिकेट मैच, कफ़न, बड़े भाई साहब, दो बैलों की कथा
(b) कफ़न, बड़े भाई साहब, क्रिकेट मैच, दो बैलों की कथा
(c) दो बैलों की कथा, बड़े भाई साहब, कफ़न, क्रिकेट मैच
(d) बड़े भाई साहब, दो बैलों की कथा, क्रिकेट मैच, कफ़न

उत्तर– (c)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचन्द्र की कहानियों का सही अनुक्रम है–

कहानी	प्रकाशन वर्ष
दो बैलों की कथा	1931 ई.
बड़े भाई साहब	1934 ई.
कफ़न	1936 ई.
क्रिकेट मैच	1936 ई.

54. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(a) वाद विवाद संवाद, साहित्य और इतिहास दृष्टि, कामायनीः एक पुनर्विचार, प्रेमचंद और उनका युग
(b) कामायनीः एक पुनर्विचार, प्रेमचंद और उनका युग, वाद विवाद संवाद, साहित्य और इतिहास दृष्टि
(c) प्रेमचंद और उनका युग, कामायनीः एक पुनर्विचार, साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाद विवाद संवाद,
(d) साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाद विवाद संवाद, प्रेमचंद और उनका युग, कामायनीः एक पुनर्विचार

उत्तर– (c)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार आलोचना ग्रंथों का सही कालक्रम है–

आलोचना ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
प्रेमचन्द्र और उनका युग	1952 ई.	राम विलास शर्मा
कामायनी : एक पुनर्विचार	1973 ई.	गजानन माधव मुक्तिबोध
साहित्य और इतिहास दृष्टि	1981 ई.	मैनेजर पाण्डेय
वाद विवाद संवाद	1989 ई.	नामवर सिंह

55. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :

(a) और-और औरत, एक कहानी यह भी, हादसे, कस्तूरी कुण्डल बसै
(b) हादसे, और-और औरत, कस्तूरी कुण्डल बसै, एक कहानी यह भी
(c) कस्तूरी कुण्डल बसै, हादसे, एक कहानी यह भी, और-और औरत
(d) एक कहानी यह भी, कस्तूरी कुण्डल बसै, और-और औरत, हादसे

उत्तर– (c)

व्याख्या– प्रकाशन वर्ष के अनुसार आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है–

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	लेखक/लेखिका
कस्तूरी कुण्डल बसै	2002 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
हादसे	2005 ई.	रमणिका ठाकुर गुप्ता
एक कहानी यह भी	2008 ई.	मन्नू भण्डारी
और-और औरत	2011 ई.	कृष्णा अग्निहोत्री

56. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध ग्रंथों से सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) राघवचेतन	(i) सूरसागर
(B) श्रीदामा	(ii) रामचरितमानस
(C) शबरी	(iii) पद्मावत
(D) चंदा	(iv) चित्रावली
	(v) चंदायन

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर– (d)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– पात्र तथा सम्बद्ध ग्रंथ इस प्रकार है–

पात्र	ग्रंथ	ग्रंथकार
राधव चेतन	पद्मावत	जायसी
श्रीदामा	सूरसागर	सूरदास
शबरी	रामचरितमानस	तुलसीदास
चंदा	चंदायन	मुल्ला दाउद

57. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) वैराग्य संदीपनी	(i) नूर मुहम्मद
(B) विरह मंजरी	(ii) तुलसीदास
(C) इंद्रावती	(iii) नंददास
(D) वीरसिंह देवचरित	(iv) हितहरिवंश
	(v) केशवदास

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(v)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर– (a)

व्याख्या– रचना एवं रचनाकार का सुमेल इस प्रकार है–

रचना	रचनाकार
वैराग्य संदीपनी	तुलसीदास
विरह मंजरी	नन्ददास
इन्द्रावती	नूर मुहम्मद
वीर सिंह देव चरित	केशव दास

58. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) मधुमालती	(i) मंझन
(B) रासपंचाध्यायी	(ii) रसखान
(C) भक्तिप्रताप	(iii) चतुर्भुज दास
(D) प्रेमवाटिका	(iv) नंददास
	(v) ध्रुवदास

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(iii)	(ii)	(v)	(i)

उत्तर– (a)

व्याख्या– ग्रंथों और उनके रचनाकारों का सही सुमेल है–

ग्रंथ	रचनाकार
मधुमालती	मंझन
रासपंचाध्यायी	नन्ददास
भक्ति प्रताप	चतुर्भुज दास
प्रेम वाटिका	रसखान

59. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) मिलन यामिनी	(i) रघुवीर सहाय
(B) दिल्ली	(ii) शमशेर बहादुर सिंह
(C) सागर मुद्रा	(iii) स.ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(D) इतने पास अपने	(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'
	(v) हरिवंशराय 'बच्चन'

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(iii)	(ii)	(v)	(iv)
(c)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)
(d)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

उत्तर– (d)

व्याख्या– रचना, रचनाकारों का सही सुमेल है–

रचना	रचनाकार
मिलन यामिनी	हरिवंश राय 'बच्चन'
दिल्ली	रामधारी सिंह 'दिनकर'
सागर मुद्रा	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
इतने पास अपने	शमशेर बहादुर सिंह

60. निम्नलिखित पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) लाला मदनमोहन	(i) भाग्यवती
(B) नाहर सिंह	(ii) वामा शिक्षक
(C) लाला भगवान दास	(iii) परीक्षागुरू
(D) वासुदेव शास्त्री	(iv) रहस्यकथा
	(v) नूतन ब्रह्मचारी

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(v)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर– (a)

व्याख्या– पात्र और सम्बन्धित उपन्यास इस प्रकार है–

पात्र	उपन्यास	उपन्यासकार
लाला मदनमोहन	परीक्षा गुरू	लाला श्रीनिवास दास
नाहर सिंह	नूतन ब्रह्मचारी	बालकृष्ण भट्ट
लाला भागवान दास	वामा शिक्षक	मुंशी ईश्वरी प्रसाद
वासुदेव शास्त्री	भाग्यवती	श्रद्धाराम फिल्लौरी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

61. निम्नलिखित नाटककारों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) विष्णु प्रभाकर	(i) कथा एक कंस की
(B) जगदीशचन्द्र माथुर	(ii) सूर्यमुख
(C) लक्ष्मीनारायण लाल	(iii) युगे-युगे क्रान्ति
(D) भीष्म साहनी	(iv) दशरथनंदन
	(v) रंग दे बसंती

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर– (c)

व्याख्या– नाटक एवं नाटककार का सही सुमेल है–

नाटककार	नाटक
विष्णु प्रभाकर	युगे-युगे क्रांति
जगदीशचन्द्र माथुर	दशरथ नन्दन
लक्ष्मी नारायण लाल	सूर्य मुख
भीष्म साहनी	रंग दे बसन्ती

62. निम्नलिखित आचार्यों को उनके द्वारा लिखित ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) दण्डी	(i) रसगंगाधर
(B) उद्भट	(ii) काव्यालंकारसारसंग्रह
(C) मम्मट	(iii) काव्यादर्श
(D) पंडितराज जगन्नाथ	(iv) काव्यप्रकाश
	(v) अलंकार सर्वस्व

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(v)	(ii)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)
(d)	(v)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर– (b)

व्याख्या– आचार्य एवं उनके ग्रंथ का सही सुमेल इस प्रकार है–

आचार्य	ग्रंथ सूची
दण्डी	काव्यादर्श
उद्भट	काव्यालंकार सार संग्रह
मम्मट	काव्यप्रकाश
पंडितराज जगन्नाथ	रसगंगाधर

63. निम्नलिखित सिद्धान्तकारों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) सास्युर दे फर्डीनांड	(i) लिटरेचर एण्ड रियलिटी
(B) जार्ज लूकाच	(ii) टेंशन इन पोयट्री
(C) एलेन टेट	(iii) स्टडीज इन यूरोपियन रियलिज्म
(D) हावर्ड फास्ट	(iv) कोर्स इन जनरल लिंग्विस्टिक्स
	(v) मार्क्सिज्म एण्ड पोयट्री

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(b)	(v)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

उत्तर– (c)

व्याख्या– सिद्धान्तकार एवं उनकी कृतियों का सही सुमेल–

सिद्धान्तकार	कृतियाँ
सास्युर दे फर्डीनांड	कोर्स इन जनरल लिंग्विस्टिक्स
जार्ज लूकाच	स्टडीज इन यूरोपियन रियलिज्म
एलेन टेट	टेंशन इन पोयट्री
हावर्ड फास्ट	रिलरेचर एण्ड रियलिटी

64. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचयिता कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची– I	सूची–II
(A) तू है गगन विस्तीर्ण तो मैं एक तारा क्षुद्र हूँ।	(i) मैथिलीशरण गुप्त
(B) निकल रही है उर से आह, ताक रहे सब तेरी राह।	(ii) गयाप्रसाद शुक्ल 'स्नेही'
(C) जल उठा स्नेह दीपक-सा, नवनीत हृदय था मेरा। अब शेष धूमरेखा से, चित्रित कर रहा अँधेरा।	(iii) जयशंकर प्रसाद
(D) अरूण अधरों की पल्लव प्राप्त, मोतियों हिलता हिम हास।	(iv) सुमित्रानंदन पंत
	(v) महादेवी वर्मा

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(d)	(v)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर– (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– सही सुमेल इस प्रकार है–

काव्य पंक्तियाँ	**रचनाकार**
तू है गगन विस्तीर्ण तो मैं एक तारा क्षुद्र हूँ।	– गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'
निकल रही है उर से आह, ताक रहे सब तेरी राह।	– मैथिली शरण गुप्त
जल उठा स्नेह दीपक-सा, नवनीत हृदय था मेरा। अब शेष धूमरेखा से, चित्रित कर रहा अंधेरा।	– जय शंकर प्रसाद
अरूण अधरों की पल्लव प्राप्त, मोतियों हिलता हिम हास।	– सुमित्रा नन्दन पंत

65. 'चन्द्रगुप्त' नाटक के निम्नलिखित पात्रों को उन के संवादों से सुमेलित कीजिए :

सूची– I	**सूची–II**
(A) चन्द्रगुप्त	(i) भूमा का सुख और उसकी महत्ता का जिसको आभास मात्र हो जाता है, उसको ये नश्वर चमकीले प्रदर्शन नहीं अभिभूत कर सकते।
(B) दाण्ड्यायन	(ii) संसार-भर की नीति और शिक्षा का अर्थ मैंने यही समझा है कि आत्मसम्मान के लिए मर मिटना ही दिव्य जीवन है।
(C) कार्नेलिया	(iii) भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ।
(D) चाणक्य	(iv) मुझे इस देश से जन्मभूमि के समान स्नेह होता हा रहा है।
	(v) मैंने एक अलौकिक वीरता का स्वर्गीय दृश्य देखा है।

कोड :

	(A)	**(B)**	**(C)**	**(D)**
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(v)	(iv)

उत्तर– (b)

व्याख्या– सही सुमेल इस प्रकार है–

पात्र	**संवाद**
(i) **चन्द्रगुप्त**	संसार भर की नीति और शिक्षा का अर्थ मैने यही समझा है कि आत्मसम्मान के लिए मर मिटना ही दिव्य जीवन है।
(ii) **दाण्ड्यायन**	भूमा का सुख और उसकी महत्ता का जिसको आभास मात्र हो जाता है, उसको ये नश्वर चमकीले प्रदर्शन नहीं अभिभूत कर सकते।
(iii) **कार्नेलिया**	मुझे इस देश से जन्मभूमि के समान स्नेह होता जा रहा है।
(iv) **चाणक्य**	भाषा ठीक करने से पहले मैं मनुष्यों को ठीक करना चाहता हूँ।

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 56 से 75 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) है और दूसरा तर्क (Reason) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

66. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य हृदय का परम उत्थान है और विज्ञान मस्तिष्क का चरम उत्कर्ष है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि विज्ञान हृदय को शान्ति तो नहीं दे पाता लेकिन काव्य का उत्कर्ष जीवन की सभी बढ़ती हुई आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

कोड :

(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

उत्तर– (d)

व्याख्या– "काव्य हृदय का परम उत्थान है और विज्ञान मस्तिष्क का चरम उत्कर्ष है।" कथन सत्य है, परन्तु इससे सम्बन्धित तर्क असंगत है।

67. स्थापना (Assertion) (A) : लोक आख्यान की निर्मित सामूहिक अचेतन की प्रक्रिया है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि लोक में इसके निर्माण की प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है।

कोड :

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही

उत्तर– (b)

व्याख्या– स्थापना (A) – "लोक आख्यान की निर्मित सामूहिक अचेतन की प्रक्रिया है।" तथा तर्क (R) "क्योंकि लोक में इसके निर्माण की प्रक्रिया अनवरत चलती रहती है।" दोनों सही हैं। और तर्क स्थापना की सही व्याख्या करता है।

68. स्थापना (Assertion) (A) : जयशंकर प्रसाद के नाटकों में रस और द्वन्द्व का समन्वय है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उनके नाटकों की संरचना पश्चिमी और आत्मा भारतीय है।

कोड :

(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) सही (R) गलत (d) (A) गलत (R) गलत

उत्तर– (b)

व्याख्या– स्थापना (A) – "जयशंकर प्रसाद के नाटकों में रस और द्वन्द्व का समन्वय है।" सही है तथा तर्क (R) "क्योंकि उनके नाटकों की संरचना पश्चिमी और आत्मा भारतीय है।" स्थापना की सही व्याख्या करता है।

69. स्थापना (Assertion) (A) : कलाकार सत्य को सुन्दर बनाकर शिवत्व की उपलब्धि करता है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए सृजन व्यापार कलाकार का आत्मकल्याण है, लोकमंगल नहीं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) सही (R) गलत (d) (A) सही (R) सही

उत्तर– (c)

व्याख्या– स्थापना (A) – ''कलाकार सत्य को सुन्दर बनाकर शिवत्व की उपलब्धि करता है।'' सही है जबकि तर्क (R) इसलिए सृजन व्यापार कलाकार का आत्मकल्याण है, लोकमंगल नहीं। गलत है। 'शिवत्व की उपलब्धि से' आशय है कि कल्याण की भावना इन कलाओं में स्वतः ही निहित होती है। यदि कल्याण की भावना नहीं है तो वह कला की श्रेणी में नहीं आती।

70. स्थापना (Assertion) (A) : भूमंडलीकरण विश्व की पूँजीवाद सांस्कृतिक व्यवस्था है, 'वसुधैव कुटुम्बकम्' नहीं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि पूँजीवादी व्यवस्था ने स्थानीय संस्कृति को सम्पूर्णतः नष्ट कर दिया है और अब पूरा विश्व ही एक परिवार है।

कोड :

(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

उत्तर– (b)

व्याख्या– स्थापना (A) – ''भूमण्डलीकरण विश्व की पूँजीवादी सांस्कृतिक व्यवस्था है, 'वसुधैव कुटुम्बकम्' नहीं'' सही है जबकि तर्क (R) ''क्योंकि पूँजीवादी व्यवस्था ने स्थानीय संस्कृति को सम्पूर्णतः नष्ट कर दिया है और अब पूरा विश्व ही एक परिवार है।'' गलत है।

71. स्थापना (Assertion) (A) : पश्चिम के नए ज्ञानोदय ने बहुस्तरीय वर्चस्ववाद का निषेध किया।

तर्क (Reason) (R) : इसी कारण साहित्यिक चेतना में न केवल विखण्डन समाप्त हुआ, बल्कि एकात्मकता को बढ़ावा मिला।

कोड :

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत

उत्तर– (d)

व्याख्या– न तो स्थापना (A) – ''पश्चिम के नए ज्ञानोदय ने बहुस्तरीय वर्चस्ववाद का निषेध किया।'' सही है और न ही तर्क (R) ''इसी कारण साहित्यिक चेतना में न केवल विखण्डन समाप्त हुआ, बल्कि एकात्मकता को बढ़ावा मिला।'' सही है।

72. स्थापना (Assertion) (A) : सांस्कृतिक एकरूपता साहित्य के लोकतंत्र में अनिवार्य है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि बहुलतावाद साहित्यिक संवेदना को खण्डित करता है।

कोड :

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) गलत (R) सही

उत्तर– (c)

व्याख्या– स्थापना (A) – ''सांस्कृतिक एकरूपता साहित्य के लोकतंत्र में अनिवार्य है।'' तथा तर्क (R) ''क्योंकि बहुलतावाद साहित्यिक संवेदना को खण्डित करता है।'' दोनों ही गलत हैं।

73. स्थापना (Assertion) (A) : हिन्दी अभिव्यक्ति की एक सम्पूर्ण और सशक्त सर्वसमावेशी बहुलतावादी सांस्कृतिक इकाई है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भारत के एक बड़े भूभाग की बोलियों का समूह इसकी शक्ति को बढ़ाता है।

कोड :

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) सही

उत्तर– (d)

व्याख्या– स्थापना (A) – ''हिन्दी अभिव्यक्ति की एक सम्पूर्ण और सशक्त सर्वसमावेशी बहुलतावादी सांस्कृतिक इकाई है।'' सही है और तर्क (R) ''क्योंकि भारत के एक बड़े भूभाग की बोलियों का समूह इसकी शक्ति को बढ़ाता है।'' स्थापना की सही व्याख्या करता है।

74. स्थापना (Assertion) (A) : जैसे वीरकर्म से पृथक् वीरत्व कोई पदार्थ नहीं, वैसे ही सुन्दर वस्तु से पृथक् सौन्दर्य कोई पदार्थ नहीं ।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि बाहर की कोई वस्तु नहीं है, मन के भीतर की वस्तु है। जो भीतर है वही बाहर है।

कोड :

(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

उत्तर– (d)

व्याख्या– स्थापना (A) – ''जैसे वीरकर्म से पृथक वीरत्व कोई पदार्थ नहीं, वैसे ही सुन्दर वस्तु से पृथक सौन्दर्य कोई पदार्थ नहीं।'' सही है तथा तर्क (R) ''क्योंकि सौन्दर्य बाहर की कोई वस्तु नहीं है, मन के भीतर की वस्तु है। जो भीतर है वही बाहर है।'' उसकी समुचित व्याख्या करता है।

75. स्थापना (Assertion) (A) : मनुष्य की श्रेष्ठ साधनाएँ ही संस्कृति है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इन्हीं साधनाओं के माध्यम से मनुष्य अविरोधी सत्य तक पहुँच सका है। संस्कृति इसी अविरोधी सत्य का पर्याय है।

कोड :

(a) (A) सही (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) गलत

उत्तर– (a)

व्याख्या– स्थापना (A) – ''मनुष्य की श्रेष्ठ साधनाएँ ही संस्कृति है।'' सही है तथा तर्क (R) ''क्योंकि इन्हीं साधनाओं के माध्यम से मनुष्य अविरोधी सत्य तक पहुँच सका है। संस्कृति इसी अविरोधी सत्य का पर्याय है।'' इसकी सही व्याख्या है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जनवरी-2017
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र
(विश्लेषण सहित व्याख्या)

1. ईसा की किस शताब्दी में अपभ्रंश का व्यवहार लोकभाषा के अर्थ में होने लगा?
(a) पहली शताब्दी (b) छठवीं शताब्दी
(c) नवीं शताब्दी (d) ग्यारहवीं शताब्दी
उत्तर (d)

व्याख्या- ईसा की ग्यारहवीं शताब्दी में अपभ्रंश का व्यवहार लोक भाषा के अर्थ में होने लगा था।
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार-''पहले जैसे 'गाथा' या 'गाहा' कहने से प्राकृत का बोध होता था वैसे ही पीछे 'दोहा' या 'दूहा' कहने से अपभ्रंश या लोक प्रचलित काव्य भाषा का बोध होने लगा।'' अर्थात् अपभ्रंश का लोकभाषा के अर्थ में प्रयोग अपभ्रंश के उत्तर कालीन अवस्था से माना जाता है।

2. 'पुरुष परीक्षा' किस कवि की रचना है?
(a) ज्योतिरीश्वर ठाकुर (b) गोरखनाथ
(c) विद्यापति (d) आचार्य देवसेन
उत्तर (c)

व्याख्या- 'पुरुष परीक्षा' विद्यापति की रचना है जो संस्कृत भाषा में है। संस्कृत भाषा में विद्यापति की अन्य रचनाएँ-
शैव सर्वस्व सार, गंगा वाक्यावली, दुर्गाभक्त तरंगिणी, भू-परिक्रमा, दान वाक्यावली, विभाग सार, लिखनावली, गया पत्तलक-वर्णकृत्य इत्यादि।
अवहट्ट भाषा में-कीर्तिलता (13वीं शताब्दी) तथा कीर्ति पताका
मैथिली भाषा में- पदावली (1403ई.) तथा गोरक्ष विजय (नाटक)
आचार्य देव सेन के ग्रंथ-
श्रावकाचार, नयचक्र, दर्शनसार, भाव संग्रह, आराधनासार तत्त्वसार तथा सावय धम्म दोहा इत्यादि।
गोरखनाथ के काव्य ग्रंथ-
डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल ने गोरखनाथ के 14 ग्रंथों को प्रमाणित मानकर उनका सम्पादन 'गोरखवानी' नाम से किया है- शब्द, पद, शिष्या दर्शन, प्राणसंकली, नरवैबोध, आत्मबोध, अभयमात्रा योग, पन्द्रह तिथि, सप्तवार, मछिन्द्र गोरख बोध, रोमावली, ज्ञान तिलक, ग्यान चौंतीसा तथा पंचमात्रा।
ज्योतिरीश्वर ठाकुर के ग्रंथ- वर्णरत्नाकर
नोट- (i) डा. नगेन्द्र देवसेन कृत श्रावकाचार को हिन्दी की प्रथम रचना मानते हैं।
(ii) देवसेन के नयचक्र की लघुनयचक्र का नाम भी दिया गया है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा विद्वान 'पृथ्वीराज रासो' को सर्वथा अप्रामाणिक ग्रंथ मानने वालों में शामिल नहीं है?
(a) रामचंद्र शुक्ल
(b) मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या
(c) गौरी शंकर हीरानंद ओझा
(d) डॉ. बूलर
उत्तर (b)

व्याख्या- पृथ्वीराज रासो को मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या ने सर्वथा प्रामाणिक ग्रंथ मानते हैं।

प्रामाणिक	अप्रामाणिक	अर्थप्रामाणिक
श्याम सुन्दरदास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	मुनिजन विजय
मिश्र बन्धु	देवी प्रसाद	मोहन सिंह
मोहन लाल विष्णु लाल पंड्या	कविराज श्यामलदास गौरीशंकर हीराचंद ओझा	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी
कर्नल टाड	बुल्हर	अगरचंद नाहट
मथुरा प्रसाद दीक्षित	रामकुमार वर्मा	
मोतीलाल मनेरिया	मुरारिदान	

नोट-नरोत्तम स्वामी पृथ्वीराज रासो को पूर्ण अप्रामाणिक मानते हैं।

4. ''मोरा जोबना नवेलरा भयो है गुलाल
कैसे घर दीन्हीं बकस मोरी माल।''
उक्त काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं :
(a) धर्मदास (b) अमीर खुसरो
(c) दरिया साहब (d) यारी साहब
उत्तर (b)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	कवि
''मोरा जोबना नवेल रा भयो है गुलाल कैसे घर दीन्हीं बकस मोरी माल।''	अमीर खुसरो
बरनौ मैं साहेब तुम्हारी चरना संतन सुखलायक दायक प्रभु दुःखहरना	धर्मदास

5. मीराबाई की उपासना किस प्रकार की थी?
(a) दास्य भाव (b) सख्य भाव
(c) माधुर्य भाव (d) वात्सल्य भाव
उत्तर (c)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या- हिन्दी साहित्य के कृष्ण काव्यधारा की प्रमुख कवयित्री मीराबाई की उपासना पद्धति माधुर्य भाव की थी। मीराबाई की प्रेमसाधना स्वकीया की प्रेमसाधना थी। इन्हें हिन्दी की आदि कवयित्री माना जाता है तथा इनकी भाषा राजस्थानी मिश्रित ब्रजभाषा है। मीराबाई की प्रमुख रचनाएँ इस प्रकार हैं-
गीत गोविन्द की टीका, नरसी जी का मायरा, राग सोरठा, राग गोविन्द, मलार राग, सत्यभामा नु रूसणं, मीरा की गरबी, रुक्मणी मंगल तथा मीराबाई का मलाल।

6. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार 'कबीर ने अपने साखियों में 'सधुक्कड़ी' भाषा का प्रयोग किया है।' 'सधुक्कड़ी' से उनका अभिप्राय है :
(a) ब्रजभाषा मिश्रित पूरबी बोली
(b) ब्रजभाषा मिश्रित खड़ी बोली
(c) राजस्थानी पंजाबी मिली खड़ी बोली
(d) पाँच भाषाओं के मिश्रण वाली भाषा
उत्तर (c)

व्याख्या- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- "कबीर ने अपनी साखियों में 'सधुक्कड़ी' भाषा का प्रयोग किया है।" सधुक्कड़ी से उनका अभिप्राय राजस्थानी, पंजाबी मिली खड़ी बोली से है।
कबीरदास के भाषा के सम्बन्ध में विद्वानों के मत-

विद्वान	मत
श्याम सुन्दर दास	पंचमेल खिचड़ी
रामचन्द्र शुक्ल	सधुक्कड़ी
हजारी प्रसाद द्विवेदी	भाषा के डिक्टेटर
बच्चन सिंह	संतभाषा

7. 'सुजान कुमार' किस सूफी प्रेमाख्यान का नायक है?
(a) मधुमालती (b) चित्रावली
(c) इंद्रावती (d) हंसजवाहिर
उत्तर (b)

व्याख्या- 'सुजान कुमार' चित्रावली नामक सूफी प्रेमाख्यान का नायक है। चित्रावली (1613) उसमान द्वारा अवधी भाषा तथा दोहा चौपाई छंद में रचित ग्रंथ है। इसमें नेपाल के राजकुमार सुजानकुमार तथा रूपनगर की राजकुमारी चित्रावली की प्रेमकथा का वर्णन है।
अन्य सूफी ग्रंथों की नायक-नायिक निम्नवत् है-

काव्य ग्रंथ		नायक-नायिका
मधु मालती	-	मधुमालती-मनोहर तथा प्रेमा-ताराचंद
इंद्रावती	-	राजकुँवर-इंद्रावती
हंसजवाहर	-	हंस-जवाहिर

**8. "सखी हौं स्याम रंग रँगी।
देखि बिकाय गई वह मूरति, सूरत माहिं पगी॥"
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?**
(a) हितहरिवंश (b) गदाधर भट्ट
(c) मीराबाई (d) जीव गोस्वामी
उत्तर (b)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	कवि
सखी हौं स्याम रंग रंगी। देखी विकाय गई वह मूरति सूरत माहि पगी।।	गदाधर भट्ट
रहो कोउ काहू मनहिं दिए। मेरे प्राननाथ श्री स्यामा सपथ करौ तिन छिए।।	हितहरि वंश
मन रे परसि हरि के चरन। सुभग सीतल कमल कोमल त्रिविध ज्वाला हरन।।	मीराबाई
एक दिनं बाजाय वांशी हँसिया हँसिया श्री जीवे कहये – मोरे देखह आसिया।	जीव गोस्वामी

**9. "तिय सैसव जोबन मिले, भेद न जान्यो जात।
प्रात समय निसि द्योस के दुवौ भाव दरसात॥"
इस दोहे में नायिका की किस अवस्था का वर्णन किया गया है?**
(a) सद्यः स्नाता (b) वयः संधि
(c) नवोढ़ा (d) मानमृदु
उत्तर (b)

व्याख्या- तिय सैसव जोबन मिले, भेद न जान्यो जात।
प्रात समय निसि द्योस के दुवौ भाव दरसात।।"
इस दोहे में नायिका की वयः सन्धि अवस्था का वर्णन किया गया है।

**10. "जगत जनायो जिहिं सकल, सो हरि जान्यो नाहिं।
ज्यों आँखिन सब देखियै, आँखि न देखी जाहिं॥"
उक्त दोहे में कौन-सा अलंकार है?**
(a) दृष्टांत (b) उदाहरण
(c) उपमा (d) प्रतिवस्तूपमा
उत्तर (b)

व्याख्या- "जगत जनायो जिहिं सरल सो हरि जान्यो नाहिं।
ज्यो आँखिन सब देखियै, आँखि न दे देखी जाहि।।"
उक्त दोहे में उदाहरण अलंकार है।
उदाहरण अलंकार- जहाँ पहले कोई बात कहकर उससे मिलती जुलती बात द्वारा दृष्टांत दिया जाय, लेकिन समानता किसी शब्द द्वारा प्रकट न हो वहाँ दृष्टान्त अलंकार होता है।
"परी प्रेम नंदलाल के मोहि न भावत भोग"
मधुपराज मद पाइकै, भिखन माँगत लोग।।
उपमा अलंकार- जहाँ दो भिन्न वस्तुओं में रूप, गुण, आकृति आदि को लेकर समता प्रदर्शित की जाय, वहाँ उपमालंकार होता है।
उधर गरजती सिंधु लहरिया, कुटिल काल के जालों सी
चली आ रहीं फेन उगलती, फन फैलाये ब्यालों सी।
प्रति वस्तूपमा अलंकार' जहाँ उपमेय और उपमान सम्बन्धी वाक्यों में एकार्थ अथवा समानार्थ सूचक शब्दों से एक ही या समान धर्म का कथन किया जाए वहाँ प्रतिवस्तुपमा अलंकार होता है।
सिंह सुता क्या कभी स्यार से व्याह करेगी?
क्या पर नर का हाथ कुल स्त्री कभी धरेगी?

11. मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिभा का विकास सर्वाधिक किस साहित्य- रूप में देखने को मिलता है?
(a) नाटककार रूप में (b) प्रबन्धकार रूप में
(c) प्रगीतकार रूप में (d) मुक्तककार रूप में
उत्तर (b)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या- मैथिली शरणगुप्त की प्रतिभा का निकास सर्वाधिक प्रबन्धकार के रूप में हिन्दी साहित्य में देखने को मिलता है। आधुनिक युग में प्रबंधकाव्य की विलोपमान परम्परा के संरक्षक मैथिलीशरण गुप्त को माना जाता है। मैथिलीशरण की रचनाएँ निम्नवत हैं-
रंग में भंग (1909) जयद्रथवध (1910), किसान (1917), विकट भट (1929), गुरू कुल (1929), साकेत (1931), भारत-भारती (1912), झंकार (1929), यशोधरा (1932), द्वापर (1936), जयभारत (1952), पंचवटी (1925), हिडिम्बा आदि।

12. '...... रचना न तो दर्शन है और न किसी ज्ञानी के प्रौढ़ मस्तिष्क का चमत्कार। यह तो अन्ततः, एक साधारण मनुष्य का शंकाकुल हृदय ही है, जो मस्तिष्क के स्तर पर चढ़कर बोल रहा है।' -रामधारी सिंह दिनकर द्वारा कहा गया यह कथन उनके किस काव्य के सम्बन्ध में है?

(a) रश्मिरथी (b) उर्वशी
(c) कुरूक्षेत्र (d) परशुराम की प्रतीक्षा

उत्तर (c)

व्याख्या- ....रचना न तो दर्शन है और न किसी ज्ञानी के प्रौढ़ मस्तिष्क का चमत्कार। यह तो अन्ततः एक साधारण मनुष्य का शंकाकुल हृदय ही है, जो मस्तिष्क के स्तर पर चढ़कर बोल रहा है। "रामधारी सिंह दिनकर द्वारा कहा गया यह उनकी काव्य रचना कुरुक्षेत्र (1946) नामक प्रबन्धक काव्य से लिया गया हैं कुरुक्षेत्र में 7 सर्ग हैं तथा इसके कथानायक भीष्म थे।
दिनकर की अन्य रचनाएँ- रेणुका (1935), हुँकार (1939) रसवंती (1940), द्वन्द्वगीत (1940) कुरुक्षेत्र (1946), सामधेनी (1947), रश्मिरथी (1952), नीलकुसुम (1954), दिल्ली (1954), उर्वशी (1961), परशुराम की प्रतीक्षा (1963), आत्मा की आँखें (1964), हरि को हरिनाम, धूप और धुँआ (1951), नीम के पत्ते, इतिहास के आँसू (1951) इत्यादि हैं।

**13. "उड़ गया गरजता यंत्र- गरुड़
बन बिंदु, शून्य में पिघल गया
पर साँप?"
ये पंक्तियाँ 'अज्ञेय' की किस कविता से हैं?**

(a) पहचान (b) साँप
(c) हरी घास पर क्षण भर (d) हवाई अड्डे पर विदा

उत्तर (d)

व्याख्या- "उड़ गय गरजता मंत्र- गरुड़
बन बिन्दु शून्य में विधा-गया पर साँप?
उपर्युक्त पंक्तियाँ प्रयोगवादी कवि अज्ञेय की हवाई अड्डे पर विदा नामक कविता से है। अज्ञेय प्रयोगवाद के प्रवर्तक तथा समस्त सप्तको के सम्पादक थे। अज्ञेय को प्रयोगवाद तथा नयी कविता का 'शलाका पुरुष' भी कहा जाता है।
अज्ञेय की चर्चित कविताएँ-
असाध्यवीणा, कलगी बाजरे की, साँप, नदी के द्वीप, हरी घास पर क्षणभर, जितना तुम्हारा सच, शब्द और सत्य, यह दीप अकेला सोन मछली, पहचान, हवाई अड्डे पर विदा।

14. 'ठंडा लोहा' कविता-संग्रह के रचनाकार हैं :

(a) धर्मवीर भारती
(b) भारतभूषण अग्रवाल
(c) गिरिजा कुमार माथुर
(d) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

उत्तर (a)

व्याख्या- ठण्डा लोहा (1952), काव्य संग्रह के रचनाकार धर्मवीर भारती हैं। धर्मवीर भारती मूलतः प्रेम के कवि हैं। इनकी अन्य प्रमुख रचनाएँ हैं- ठण्डा लोहा (1952), अंधायुग (1955), कनुप्रिया (1959), सात गीत वर्ष (1959), देशान्तर
भारत भूषण अग्रवाल के काव्य संग्रह- छवि के बंधन, जाते रहो, मुक्तिमार्ग, ओ अप्रस्तुत मन, कागज के फूल, एक उठा हुआ हाथ, उतना वह सूरज है, अनुपस्थित लोग।
गिरिजा कुमार माथुर के काव्य संग्रह- मंजीर (1941) नाश और निर्माण (1946) धूप के धान, शिला पंख चमकीले, छाया मत छूना, भीतरी नदी की यात्रा (1975) अभी कुछ और साक्षी रहे वर्तमान, पृथ्वी कल्प, कल्पान्तर,
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की काव्यकृतियाँ-
काठ की घण्टियाँ, बाँस का पुल, एक सूनी नाव, गर्म हवाएँ, कुआनो नदी, कविताएँ-1, कविताएँ-2 जंगल का दर्द, खूंटियों पर टँगे लोग।

15. उन्नीसवीं शताब्दी के मध्यवर्गीय बनिया समाज के जीवन का यथार्थ चित्रण किस उपन्यास में किया गया है?

(a) देवरानी जेठानी की कहानी
(b) रानी केतकी की कहानी
(c) वामा शिक्षक
(d) सूरजमुखी अँधेरे में

उत्तर (a)

व्याख्या- पं. गौरीदत्त कृत उपन्यास 'देवरानी जेठानी की कहानी' (1870ई.) की विषयवस्तु में उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य वर्गीय बनिया समाज के जीवन का यथार्थ चित्रण किया गया है। डॉ. गोपाल राय के अनुसार यह हिन्दी गद्य साहित्य का प्रथम उपन्यास भी माना है।
ईश्वरी प्रसाद व कल्याण राय कृत वामाशिक्षक (1872ई.) तथा श्रद्धाराम फिल्लौरी कृत भाग्यवती (1877ई.) उपदेश प्रधान सामाजिक उपन्यास है। जबकि इंशा अल्ला खाँ कृत 'रानी केतकी की कहानी'(उदयभान चरित) में सर्वप्रथम खड़ी बोली गद्य साहित्य में लौकिक शृंगारमय प्रेमाख्यानक परम्परा का सूत्रपात हुआ।

16. कामकुंठा की शिकार स्त्री के चरित्र का चित्रण किस उपन्यास में किया गया है?

(a) जिन्दगीनामा
(b) अनित्य
(c) शेषयात्रा
(d) सूरजमुखी अँधेरे के

उत्तर (d)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

उपन्यास	उपन्यासकार	विषयवस्तु
सूरजमुखी अँधेरे के (1972)	कृष्णा सोबती	काम कुण्ठा की शिकार स्त्री का चरित्र-चित्रण
जिन्दगीनामा (1979)	कृष्णा सोबती	ग्रामीण पंजाब का एक जीवंत दस्तावेज
अनित्य (1980)	मृदुला गर्ग	एक मध्य वर्गीय परिवार के संस्कारवान व्यक्तित्व के राष्ट्रीय संघर्ष का चित्रण
शेषयात्रा (1984)	ऊषाप्रियंवदा	नारी जीवन की त्रासद स्थितियों का एक यथार्थ बयान

17. निम्नलिखित में से हिन्दू-मुस्लिम एकता को प्रतिपादित करने वाला कौन सा नाटक है?

(a) नीलदेवी (b) रक्षाबन्धन
(c) सिन्दूर की होली (d) सगर-विजय

उत्तर (b)

व्याख्या-

नाटक	नाटककार	विषयवस्तु
रक्षाबंधन (1934ई)	हरिकृष्ण प्रेमी	हिन्दू-मस्लिम एकता को प्रतिपादित करता है
नीलदेवी (1881	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	राजपूतानी आनबान एवं नारी व्यक्तित्व की प्रतिष्ठा
सागर विजय (1933)	उदयशंकर भट्ट	सामाजिक समस्या प्रधान नाटक
सिन्दूर की होली (1934)	लक्ष्मी नारायण मिश्र	समस्या प्रधान सामाजिक नाटक जिसमें व्यक्ति और समाज के उत्तरोत्तर संघर्ष दर्शाया गया है।

18. निम्नलिखित में से भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का कौन-सा नाटक क्षेमीश्वरकृत 'चंडकौशिक' के आधार पर लिखा गया है?

(a) सत्य हरिश्चन्द्र
(b) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति
(c) विषस्य विषमौषधम्
(d) श्री चन्द्रावली

उत्तर (a)

व्याख्या- सत्य हरिश्चन्द्र (1875) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा अनूदित है। यह नाटक क्षेमीश्वर कृत चंड कौशिक के आधार पर लिखा गया है।

जबकि वैदिकी हिंसा हिंसान भवति (1873) एक प्रहसन, विषस्य विषमौषधम् (1876) एक भाण (एक पात्रीय नाटक) तथा श्री चन्द्रावली (1976) एक नाटिका आदि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के मौलिक नाटक हैं।

19. अर्थोपक्षेपक के कितने प्रकार होते हैं?

(a) पाँच (b) छः
(c) सात (d) आठ

उत्तर (a)

व्याख्या- सूच्य कथावस्तु के साधनों को अर्थोपक्षेपक कहते हैं, ये पाँच प्रकार के होते हैं-

विष्कम्भक
↓
प्रवेशक
↓
चूलिका
↓
अंकमुख या अंकास्य
↓
अंकावतार

20. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना मैथ्यू ऑर्नाल्ड की नहीं है?

(a) कल्चर एंड अनार्की (b) लिट्रेचर एंड ड्रामा
(c) एसेज ऑन चर्च एंड स्टेट (d) द कॉकटेल पार्टी

उत्तर (d)

व्याख्या- 'द कॉकटेल पार्टी' टी.एस. इलियट का नाटक है इनके द्वारा रचित अन्य रचनाएँ- द सेक्रेडवुड (1920), होमेज टु जॉन ड्राइडन (1924), एलिजावेथेन एसेज (1932), द यूज ऑफ पोएट्री एण्ड द यूज ऑफ मार्डन क्रिटिसिज्म (1933) सेलेक्टेड एसेज (1934), एसेज एंशेट एण्ड माण्डर्न (1936), नालेज एण्ड एक्सपीरिएन्स जबकि कल्चर एण्ड अनार्की (1869), लिट्रेचर एण्ड ड्रामा (1873), एसेज ऑन चर्च एण्ड स्टेट, द फंक्शन ऑफ क्रिटिसिज्म एट द प्रेजेन्ट टाइम (1877) आदि मैथ्यू ऑर्नाल्ड की है।

21. रामवृक्ष बेनीपुरी के अनुसार लेखन-काल की दृष्टि से विद्यापति की रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(a) कीर्तिलता, भू-परिक्रमा, पुरुष परीक्षा, कीर्तिपताका
(b) भू-परिक्रमा, पुरुष परीक्षा, कीर्तिलता, कीर्तिपताका
(c) कीर्तिलता, कीर्तिपताका, भू-परिक्रमा, पुरुष परीक्षा
(d) पुरुष परीक्षा,, भू-परिक्रमा, कीर्तिपताका, कीर्तिलता

उत्तर (a)

व्याख्या- रामवृक्ष वेनीपुरी के अनुसार लखेन काल की दृष्टि से विद्यापति की रचनाओं का सही अनुक्रम - कीर्तिलता- भू-परिक्रमा-पुरुष परीक्षा- कीर्तिपताका लिखनावली शैव-सर्वस्वसार गंगावाक्यावली-दानवाक्यावली-दुर्गाभक्ति तरंगिणी है।

कीर्तिलता तथा कीर्तिपताका अवहट्ट भाषा में है जबकि भू-परिक्रमा तथा पुरुष परीक्षा संस्कृत भाषा में मैथिली कवि विद्यपति द्वारा रचित है।

22. रचना-काल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(a) भिखारीदास, चिंतामणि, देव, महाराज जसवंत सिंह
(b) चिंतामणि, देव, भिखारीदास, महाराज जसवंत सिंह
(c) महाराज जसवंत सिंह, चिंतामणि, देव, भिखारीदास
(d) चिंतामणि, महाराज जसवंत सिंह, देव, भिखारीदास

उत्तर (d)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या- रचनाकार के अनुसार निम्नलिखित रीतिकालीन कवियों का सही अनुक्रम-

कवि		जीवनकाल
चिन्तामणि	-	1609 ई. - 1685 ई.
महाराज जसवंत सिंह	-	1628 ई. - 1688 ई.
देव	-	1673 ई. - 1767 ई.
भिखारीदास	-	1725 ई. - 1760 ई. (कविताकाल)

23. रचनाकाल के अनुसार श्रीधर पाठक की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) श्रांत पथिक, ऊजड़ ग्राम, एकांतवासी योगी, सांध्य अटन
(b) एकांतवासी योगी, ऊजड़ ग्राम, श्रांत पथिक, सांध्य अटन
(c) ऊजड़ ग्राम, श्रांत पथिक, सांध्य अटन, एकांतवासी योगी
(d) श्रांत पथिक, सांध्य अटन, एकांतवासी योगी, ऊजड़ ग्राम
उत्तर (b)

व्याख्या- श्रीधर पाठक की रचनाओं का रचनाकाल के अनुसार अनुक्रम-
मनोविनोद (1882), हिमालय (1885), एकांतवासी योगी (1886), जगत सच्चाई सार (1887), उजड़ग्राम (1989), गुनवंत हेमन्त (1908) श्रांतपथिक (1902), ऋतुसंहार, कश्मीर सुषमा (1904), वनाष्टक (1911), देहरादून (1915), स्वर्गीय वीणा, धनविजय, सांध्य अटन (1918) भारतगीत (1928) आदि।
नोट-श्रीधर पाठक ने एकांतवासी योगी की रचना लावनी या ख्याल शैली में की है तथा श्रांतपथिक की रचना रोला छंद में की है।

24. प्रकाशन वर्ष के अनुसार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) गीतिका, अणिमा, अर्चना, आराधना
(b) अणिमा, अर्चना, आराधना, गीतिका
(c) आराधना, अचैना, अणिमा, गीतिका
(d) अर्चना, आराधना, अणिमा, गीतिका
उत्तर (a)

व्याख्या- प्रकाशन वर्ष के अनुसार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की काव्य रचनाओं का सही अनुक्रम- अनामिका (1923ई.) परिमल (1930ई.) गीतिका (193ई.), तुलसीदास (1938ई.), कुकुरमुत्ता (1942ई.) अणिमा (1943ई.) बेला (1946ई.), नये पत्ते (1946ई.) अर्चना (1950ई.), आराधना (1953ई.), गीत गुंज (1954ई.) सांध्यकाकायी (1969ई.)।

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार हिन्दी नाटकों का सही अनुक्रम है :
(a) अंधा कुआँ, इक तारे की जाँख, बकरी, कोर्ट मार्शल
(b) इक तारे की आँख, बकरी, अँधा कुआँ, कोर्ट मार्शल
(c) बकरी, अंधा कुआँ, कोर्ट मार्शल, इक तारे की आँख
(d) अंधा कुआँ, बकरी, इक तारे की आँख, कोर्ट मार्शल
उत्तर (d)

व्याख्या-प्रकाशन वर्ष के अनुसार हिन्दी नाटकों का सही अनुक्रम-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
अंधा कुआँ	1955 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल
बकरी	1974 ई.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
इक तारे की आँख	1980 ई.	मणि मधुकर
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) परीक्षा गुरू, भाग्यवती, वामा शिक्षक, रानी केतकी की कहानी
(b) रानी केतकी की कहानी, परीक्षा गुरू, भाग्यवती, वामा शिक्षक
(c) रानी केतकी की कहानी, वामा शिक्षक, भाग्यवाती, परीक्षा गुरू
(d) भाग्यवती, परीक्षा गुरू, वामा शिक्षक, रानी केतकी की कहानी
उत्तर (c)

व्याख्या- प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार	विधा
रानी केतकी की कहानी	1798-1803	इंशाअल्ला खाँ	कहानी
वामा शिक्षक	1872 ई.	ईश्वरी प्रसाद व कल्याणराय	उपन्यास
भाग्यवती	1877 ई.	श्रद्धाराम फिल्लौरी	उपन्यास
परीक्षा गुरू	1882 ई.	श्रीनिवासदास	उपन्यास

नोट-(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल लाला श्री निवासदास कृत परीक्षागुरू को अंग्रेजी ढंग का हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास मानते हैं।

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :
(a) वाद विवाद संवाद, अधूरे साक्षात्कार, कामायनी : एक पुनर्विचार, हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष
(b) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष, कामायनी : एक पुनर्विचार, अधूरे साक्षात्कार, वाद विवाद संवाद
(c) कामायनी : एक पुनर्विचार, हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष, वाद विवाद संवाद, अधूरे साक्षात्कार
(d) अधूरे साक्षात्कार, वाद विवाद संवाद, हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष, कामायनी : एक पुनर्विचार
उत्तर (b)

व्याख्या-प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम-

ग्रन्थ	रचनाकार	आलोचक
हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	1954 ई.	शिवदान सिंह चौहान
कामायनीः एक पुनर्विचार	1961 ई.	मुक्तिबोध
अधूरे साक्षात्कार	1966 ई.	नेमिचन्द्र जैन
वाद-विवाद संवाद	1989 ई.	नामवर सिंह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

28. ऐतिहासिक दृष्टि से निम्नलिखित पाश्चात्य साहित्य चिंतकों का पूर्वापर अनुक्रम है :

(a) अरस्तू- कॉलरिज-मैथ्यू ऑर्नाल्ड- टी.एस. इतियट
(b) टी.एस. इलियट- मैथ्यू ऑर्नाल्ड- कॉलरिज- अरस्तु
(c) कॉलरिज- अरस्तू - टी.एस. इलियट- मैथ्यू ऑर्नाल्ड
(d) मैथ्यू ऑर्नाल्ड- टी.एस. इलियट-अरस्तू-कॉलरिज

उत्तर (a)

व्याख्या- ऐतिहासिक दृष्टि से निम्नलिखित पाश्चात्य साहित्य चिंतकों का पूर्वा पर अनुक्रम-

अरस्तू	-	384-322 ई.पू.
सैमुअल टेलर कोलरिज	-	1772 - 1834 ई.
मैथ्यू अर्नाल्ड	-	1822 - 1888 ई.
टी.एस. इलियट	-	1888- 1965 ई.

29. भरतमुनि के अनुसार नाट्य वृत्तियों का सही क्रम है :

(a) भारती, आरभटी, कौशिकी, सात्वती
(b) सात्वती, कौशिकी, भारती, आरभटी
(c) भारती, सात्वती, कौशिकी, आरभटी
(d) आरभटी, कौशिकी, सात्वती, भारती

उत्तर (c)

व्याख्या- भरतमुनि के अनुसार नाट्य वृत्तियों का सही क्रम-

भारती
↓
सात्वती
↓
कौशिकी
↓
आरभटी

30. जन्मकाल के अनुसार हिन्दी आलोचकों का सही क्रम है :

(a) नन्ददुलारे वाजपेयी, रामचन्द्र शुक्ल, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा
(b) रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नगेन्द्र
(c) नगेन्द्र, नन्ददुलारे वाजपेयी, रामचन्द्र शुक्ल, रामविलास शर्मा
(d) रामविलास शर्मा, नगेन्द्र, रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी

उत्तर (b)

व्याख्या- जन्मकाल के अनुसार आलोचकों का सही क्रम है-

आलोचक	जीवनकाल
रामचन्द्र शुक्ल	1884-1941 ई.
नंद दुलारे वाजपेयी	1906-1968 ई.
रामविलाश शर्मा	1912-2000 ई.
डॉ. नगेन्द्र	1915-2000 ई.

31. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) हौं सब कबिन्ह केर पछिलगा।	(i) कबीरदास
(b) कबित्त विवेक एक नहिं मोरे।	(ii) जायसी
(c) प्रभुजी, हौं पतितन की टीको।	(iii) मलूकदास
(d) अब तो अजपा जपु मन मेरे। सुर नर असुर टहलुआ जाके मुनि गंधर्व हैं जाके चेरे।	(iv) तुलसीदास
	(v) सूरदास

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iv)	(v)	(iii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(d)	(v)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या- काव्य पंक्तियाँ तथा कवियों का सुमेलन-

काव्य पंक्तियाँ	कवि
हौं सब कबिन्ह केर पछिलगा	जायसी
कबित्त बिवेक एक नहिं मोरे	तुलसीदास
प्रभुजी हौं पतितन कौ टीको	सूरदास
अब तो अजपा जपु मन मेरे सुर नर असुर टहलुआ जाके मुनि गध्रब हैं जाकि चेरे	मलूकदास
तुम जिन जानो गीत है, यह निज, ब्रह्म विचार	कबीरदास

32. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) राउलवेल	(i) आसगु
(b) खुमाण रासो	(ii) डोम्भिपा
(c) चंदनबाला रास	(iii) कुक्कुरिपा
(d) योगचर्या	(iv) रोड कवि
	(v) दलपति विजय

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(d)	(v)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (b)

व्याख्या- रचनाओं तथा उससे सम्बन्धित रचनाकार-

रचना	रचनाकार
राउलवेल	रोड कवि
खुमाण रासो	दलपति विजय
चंदनबाला रास	आसगु
योगचर्या	डोम्भिपा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. निम्नलिखित कवियों को उनकी काव्यकृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) सियारामशरण गुप्त	(i) मौर्य विजय
(b) बालकृष्ण शर्मा नवीन	(ii) राखी की चुनौती
(c) सुभद्राकुमारी चौहान	(iii) राष्ट्रीय तरंग
(d) गयाप्रसाद शुक्ल सनेही	(iv) विप्लव गायन
	(v) सतरंगे पंखों वाली

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(c)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (c)

व्याख्या- कवि तथा उससे सम्बन्धित काव्यकृतियों के साथ सुमेलन-

कवि	काव्यकृति
सियाराम शरण गुप्त	मौर्य विजय (1914)
बालकृष्ण शर्मा नवीन	विप्लव गायन
सुभद्रा कुमारी चौहान	राखी की चुनौती
गया प्रसाद शुक्ल सनेही	राष्ट्रीय तरंग
नागार्जुन	सतरंगे पंखों वाली (1959)

34. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनेक कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A)	श्रेय नहीं कुछ मेरा/मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में वीणा के माध्यम से अपने को मैंने/सब कुछ को सौंप दिया था।	(i)	मुक्तिबोध
(B)	परम अभिव्यक्ति/लगातार घूमती है जग में/पता नहीं जाने कहाँ, जाने कहाँ/ वह है।	(ii)	दिनकर
(C)	पर एक तत्त्व है बीज रूप स्थित मन में साहस में, स्वतंत्रता में, नूतन सर्जन में	(iii)	शमशेर
(D)	मैं उनका आदर्श जो व्यथा न खोल सकेंगे पूछेगा जग किन्तु पिता का नाम न बोल सकेंगे	(iv)	धर्मवीर भारती
		(v)	अज्ञेय

कोड-

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(v)	(iv)	(iii)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)

उत्तर (a)

व्याख्या- काव्य पंक्तियाँ तथा सम्बन्धित कवियों के साथ सम्मेलन

काव्य पंक्तियाँ	कवि
श्रेय नहीं कुछ मेरा/ मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में वीणा के माध्यम से अपने को मैंने/ सब कुछ को सौंप दिया था	अज्ञेय
परम अभिव्यक्ति/लगातार घूमती है राग में/पता नहीं जाने कहाँ, जाने कहाँ/ वह है।	मुक्तिबोध
पर एक तत्त्व है बीज रूप स्थित मन में साहस में, स्वतंत्रता में, नूतन सर्जन में	धर्मवीर भारती
मैं उनका आदर्श । जो व्यथा न खोल सकेंगे पूछेगा जग किन्तु पिता, का नाम न बोल सकेंगे	दिनकर
बात बोलेगी/ हम नहीं/ भेद खोलेगी/ बात ही।	शमशेर

35. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) मधूलिका	(i) शिवमंगल सिंह सुमन
(b) प्रभातफेरी	(ii) सियारामशरण गुप्त
(c) प्रण-भंग	(iii) रामेश्वर शुक्ल अंचल
(d) काठमांडू की पहली सांझ	(iv) नरेन्द्र शर्मा
	(v) रामधारी सिंह दिनकर

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(b)	(v)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या- रचनाओं तथा उससे सम्बन्धित रचनाकारों के साथ सही सुमेलन -

रचना	रचनाकार
मधूलिका (1938 ई.)	रामेश्वर शुक्ल 'अचल'
प्रभातफेरी (1938 ई.)	नरेन्द्र शर्मा
प्रण भंग	रामधारी सिंह 'दिनकर'
काठमांडू की पहली साँझ	शिवमंगल सिंह सुमन
मौर्य विजय (1914 ई.)	सियाराम शरण गुप्त

36. निम्नलिखित उपन्यासों को उनकी विषय-वस्तु के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) अपना मोर्चा	(i) औपनिषदिक आख्यान
(b) मुझे चाँद चाहिए	(ii) छात्र आंदोलन
(c) दिलो दानिश	(iii) रंगमंच और सिनेमा संसार
(d) अनामदास का पोथा	(iv) मुस्लिम संस्कृति
	(v) सांप्रदायिक संघर्ष

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(v)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(v)	(ii)

उत्तर (b)

व्याख्या- उपन्यासों, उनका प्रकाशन का उपन्यासकार तथा उसके विषयवस्तु के साथ सुमेलन-

उपन्यास	प्रकाशनकाल	उपन्यासकार	विषयवस्तु
अपना मोर्चा	1972 ई.	काशीनाथ सिंह	छात्र आन्दोलन
मुझे चाँद चाहिए	1993 ई.	सुरेन्द्र वर्मा	रंगमंच और सिनेमा संसार
दिलोदानिश	1993 ई.	दिलोदानिश	मुस्लिम संस्कृति
अनाम दास का पोथा	1976 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	औपनिषदिक आख्यान
तमस	1973 ई.	भीष्म साहनी	सांप्रदायिक संघर्ष

37. निम्नलिखित पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची I	सूची II
(a) मालविका	(i) सूर्यमुख
(b) मल्लिका	(ii) देहान्तर
(c) वेनुरति	(iii) चन्द्रगुप्त
(d) देवयानी	(iv) शस्त्र संतान
	(v) आषाढ़ का एक दिन

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(ii)	(iiii)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (a)

व्याख्या- नाटक तथा उससे सम्बन्धित पात्र का सही सुमेलन

नाटक	प्रकाशनकाल	नाटककार	पात्र
सूर्यमुख	1968 ई.	लक्ष्मीनारायण लाल	वेनुरति
देहान्तर	1987 ई.	आचार्य नंदकिशोर	देवयानी, ययाति, शर्मिष्ठा
चन्द्रगुप्त	1931 ई.	जयशंकर 'प्रसाद'	मालविका, कल्याणी सुवासिनी, कार्नेलिया
आषाढ़ का एक दिन	1958 ई.	मोहन राकेश	मल्लिका, अंबिका, कालिदास, मातुल विलोम, दंतुल

38. निम्नलिखित आलोचना-ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) साहित्य क्यों	(i) विश्वनाथ त्रिपाठी
(b) भाषा और संवेदना	(ii) प्रभाकर श्रोत्रिय
(c) लोकवादी तुलसीदास	(iii) जगदीश गुप्त
(d) कविता की तीसरी आँख	(iv) विजयदेव नारायण साही
	(v) रामस्वरूप चतुर्वेदी

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर (b)

व्याख्या-आलोचनात्मक ग्रंथ तथा उनके आलोचकों का साथ सही सुमेलन-

आलोचना ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
साहित्य क्यों	1988 ई.	विजयदेव नारायण साही
भाषा और संवेदना	1964 ई.	रामस्वरूप चतुर्वेदी
लोकवादी तुलसीदास	1974 ई.	विश्वनाथ त्रिपाठी
कविता की तीसरी आँख	1980 ई.	प्रभाकर श्रोत्रिय
नयी कविता : शक्ति और सीमा		जगदीश गुप्त

39. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) रस मीमांसा	(i) रामविलास शर्मा
(b) हिन्दी साहित्य का आदिकाल	(ii) नन्ददुलारे वाजपेयी
(c) निराला की साहित्य-साधना	(iii) रामचन्द्र शुक्ल
(d) आधुनिक साहित्य :सृजन और समीक्षा	(iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी
	(v) हजारीप्रसाद द्विवेदी

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(b)	(iv)	(iii)	(v)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर (d)

व्याख्या-ग्रन्थ तथा प्रकाशन काल के साथ रचनाकारों का सुमेलन

आलोचना ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
रस मीमांसा	1949 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1952 ई.	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
निराला की साहित्य साधना	तीन भाग- 1969 ई., 1972 ई. 1976 ई.	रामविलास शर्मा
आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा	1978 ई.	नंददुलारे वाजपेयी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

40. **निम्नलिखित उक्तियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :**

सूची I	सूची II
(a) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्'	(i) पंडितराज जगन्नाथ
(b) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'	(ii) मम्मट
(c) 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्'	(iii) कुन्तक
(d) 'तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृति पुनः क्वापि	(iv) भामह
	(v) विश्वनाथ

कोड-

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(v)	(i)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(c)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(d)	(v)	(ii)	(iv)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या- उक्तियों तथा उनके आचार्यों के साथ सही सुमेलन

उक्ति	आचार्य
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	भामह
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम	पंडितराज जगन्नाथ
तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृतिं पुनः क्वापि	मम्मट
शब्दार्थौ सहितौ वक्र कविव्यापार शालिनी।	कुन्तक

निर्देश : प्रश्न संख्या 41 से 45 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

41. **स्थापना (Assertion) (A) :** रीतिकाल में जन-साधारण का जीवन सामन्ती विलासपूर्ण आकांक्षाओं और भोगपूर्ण शृंगार से ओतप्रोत था।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए नैतिकता की दृष्टि से जन-साधारण का आचरण और चरित्र दरबारी संस्कृति से अलग नहीं हो पाया था।

कोड :

(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) सही (R) गलत

उत्तर (a)

व्याख्या- रीतिकाल में बहुत से कवियों की शृंगार एवं वीर रस प्रधान रचनाएँ हैं। रीतिकाल में जन साधारण का जीवन सामन्ती विलास पूर्ण आकांक्षाओं और भौंगपूर्ण जीवन से दूर था। कवि राजाश्रित होते थे इसलिए इस युग की अधिकतर कविता दरबारी है परन्तु जनसाधारण का आचरण दरबारी संस्कृति से अलग था।

42. **स्थापना (Assertion) (A) :** साहित्य एवं कलाएँ वर्ग-हितों का ही प्रतिबिम्बिन और प्रतिनिधित्व करती हैं।

तर्क (Reason) (R) : चूँकि साहित्य की चेतना शासन और सत्ता की विचारधारा से प्रतिबद्ध होती है।

कोड :

(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) गलत (d) (A) सही (R) सही

उत्तर (a)

व्याख्या- किसी देश का साहित्य और कला राजनीतिक, सामाजिक, साम्प्रदायिक तथा धार्मिक परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं आचार्य शुक्ल ने कहा "साहित्य किसी देश की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब होता है।" साहित्य सब कलाएँ वर्ग हितों का प्रतिबिम्बन कभी नहीं करती है। जबकि साहित्य की चेतना शासन और सत्ता प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक होती है। यह किसी विचारधारा से प्रतिबद्ध नहीं होती है।

43. **स्थापना (Assertion) (A) :** बिम्ब अतीन्द्रिय होते हैं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उनमें ऐन्द्रिकता का होना अनिवार्य है

कोड :

(a) (A) सही (R) गलत
(b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही
(d) (A) गलत (R) गलत

उत्तर (b)

व्याख्या- बिम्ब अतीन्द्रिय होते हैं। बल्कि बिम्ब 'ऐन्द्रिय' होते हैं। बिम्ब संवेदन से जुड़े होते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता 'ऐन्द्रियता' होती है। यही वजह है कि सुन्दरता से अधिक सजीवता बिम्ब का प्रधान गुण है। अलंकार में सजीवता हो सकती है लेकिन उनके प्रयोग का प्रधान उद्देश्य कविता में सौन्दर्य लाना होता है ठीक उसी प्रकार बिम्ब में सौन्दर्य हो सकता है लेकिन उसका काम कविता को सजीव बनाना है।

44. **स्थापना (Assertion) (A) :** हृदय सहित समाज में उत्पन्न होने वाला हर व्यक्ति 'सहृदय' और 'सामाजिक' होता है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए साहित्यशास्त्र में उनके लिए किसी गुण अथवा लक्षणों का उल्लेख नहीं किया गया।

कोड :

(a) (A) सही (R) सही
(b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही
(d) (A) सही (R) गलत

उत्तर (b)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या- सामान्यतः 'सहृदय' का तात्पर्य नाटक में उस दर्शक (सामाजिक) से लिया जाता है जो नाट्यशाला में बैठकर नाटक का अभिनय देखता है और उसका रसास्वादन करता है। काव्य के सन्दर्भ में 'सहृदय' का तात्पर्य उस श्रोता या पाठक से है जो काव्य को सुनकर या पढ़कर रसानुभूति करता है तथा कविता का आनन्द प्राप्त करता है। सहृदय की अवधारणा रस निष्पत्ति और साधारणीकरण की रसानुभूति की प्रक्रिया में सहृदय का योगदान भी आवश्यक है।

45. स्थापना (Assertion) (A) : रस कार्य (कारणजन्य) रूप वस्तु नहीं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि वह तो विभावादि समूहालम्बनात्मक अनुभव है न कि विभावादि द्वारा उत्पन्न की गई वस्तु। कारण-ज्ञान और कार्य ज्ञान का एक समय में होना कदापि संभव नहीं।

कोड :

(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही

(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) सही

उत्तर (d)

व्याख्या- रस कार्य रूप वस्तु नहीं है। भरत मुनि कहते हैं कि जिस प्रकार स्वस्थ चित्त वाला व्यक्ति ही भोज्य पदाथों का आस्वाद ले सकता है उसी प्रकार सहृदय ही रस का आस्वादन कर सकता है क्योंकि रस तो विभावादि समूहालम्बनात्मक अनुभव है, न कि विभावादि द्वारा उत्पन्न की गई वस्तु। कारण ज्ञान और कार्य ज्ञान का एक समय में होना कदापि सम्भव नहीं है।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50) के दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। उनके मूल या मर्म तक उनकी गति नहीं होती। भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति निवृत्ति को जागरित रखने वाली शक्ति कविता है जो धर्म-क्षेत्र में शक्ति भावना को जगाती रहती है। भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है। अपने मंगल और लोक के मंगल का संगम उसी के भीतर दिखाई पड़ता है। इस संगम के लिए प्रकृति के क्षेत्र के बीच मनुष्य को अपने हृदय के प्रसाद का अभ्यास करना चाहिए। जिस प्रकार ज्ञान नरसत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी। रागात्मिका वृत्ति के प्रसार के बिना विश्व के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित नहीं हो सकता। जब मनुष्य के सुख और आनन्द का मेल शेष प्रकृति के सुख-सौन्दर्य के साथ हो जायेगा, जब उसकी रक्षा का भाव तृणगुल्म, वृक्ष-लता, पशु-पक्षी, कीट-पतंग, सबकी रक्षा के भाव के साथ समन्वित हो जायेगा, तब उसके अवतार का उद्देश्य पूर्ण हो जायेगा और वह जगत् का सच्चा प्रतिनिधि हो जायेगा। काव्य योग की साधना इसी भूमि पर पहुँचाने के लिए हैं।

46. कविता की गति कहाँ तक होती है?

(a) निवृत्ति के मूल तक

(b) प्रवृत्ति और निवृत्ति की भीतरी व्यवस्था तक

(c) प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक

(d) प्रवृत्ति के मर्म तक

उत्तर (b)

व्याख्या- कविता की गति प्रवृत्ति और निवृत्ति की भीतरी व्यवस्था तक होती है जबकि शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है।

47. व्यापक मंगल भाव का संगम कहाँ दिखाई पड़ता है?

(a) शासन में (b) भक्ति में

(c) धर्म में (d) कविता में

उत्तर (d)

व्याख्या- व्यापक मंगल भाव का संगम कविता में दिखाई पड़ता है। कविता भक्ति के माध्यम से भी अपने और लोक मंगल की कामना करती है।

48. जीवन में स्वाभाविक सामंजस्य कैसे संभव है?

(a) रागात्मिक वृत्ति के प्रसार से

(b) सुख और आनंद में

(c) प्रकृति के सौंदर्य में

(d) आत्ममंगल में

उत्तर (a)

व्याख्या- जीवन में स्वाभाविक सामंजस्य रागात्मिक वृत्ति के प्रसार से सम्भव है। जीवन का प्राकृत सामंजस्य विश्व के साथ स्थापित करने के लिए रागात्मिका वृत्ति आवश्यक है।

49. मनुष्य जगत का सच्चा प्रतिनिधि कैसे बन सकता है?

(a) मनुष्य के मंगल और शेष प्रकृति के कल्याण-भाव से

(b) मनुष्य को सुख-आनंद देने से

(c) प्रकृति के रक्षा-भाव से

(d) मनुष्येतर प्राणियों के कल्याण से

उत्तर (a)

व्याख्या- मनुष्य जगत का सच्चा प्रतिनिधि मनुष्य के मंगल और शेष प्रकृति के कल्याण भाव से बन सकता है।

50. 'काव्य-योग की साधना' से आशय है :

(a) वैयक्तिक सुख-दुख (b) प्रकृति प्रेम

(c) लोकमंगल (d) रसात्मक अनुभूति

उत्तर (c)

व्याख्या-'काव्य योग की साधना' से आशय लोकमंगल से है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जनवरी-2017
हिन्दी
तृतीय प्रश्न-पत्र
(विश्लेषण सहित व्याख्या)

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो(2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. हुज्वेरी के अनुसार 'फना' का अर्थ है :
(a) जीवात्मा के शरीर का नाश
(b) जीवात्मा का परमात्मा में विलय
(c) किसी वस्तु की अपूर्णता का ज्ञान और उसे पाने की इच्छा से विरत होना
(d) व्यक्ति के अस्तित्व, स्वरूप और गुण का विनाश
उत्तर (c)

व्याख्या- हुज्वेरी के अनुसार 'फना' शब्द का अर्थ है- "किसी वस्तु की अपूर्णता का ज्ञान और उसे पाने की इच्छा से विरत होना।"
सूफी हुज्वेरी ने कहा है कि "जब लोग ये समझते हैं कि फना का अर्थ सत्ता और इस मनुष्य शरीर का नष्ट होना है तब वे भूल करते हैं। फना का वास्तविक मतलब यह है कि त्रुटियों के प्रति मनुष्य सचेतन हो जाता है और उसकी चाहना से विरत हो जाता है। यह बिल्कुल नामुमकिन है कि परमात्मा के गुण मनुष्य के गुण बन जाएँ अथवा परमात्मा के गुण मनुष्य के गुण में आ जाएँ।

2. 'रास पंचाध्यायी' किस छंद में लिखी गई है?
(a) इन्द्रवज्रा (b) उपेन्द्रवज्रा
(c) रोला (d) मालिनी
उत्तर (c)

व्याख्या- कृष्ण भक्ति शाखा के कवि नंददास द्वारा कृत 'रास पंचाध्यायी' रोला छंद में लिखा गया है, यह पाँच अध्यायों में विभाजित है। इस ग्रंथ में कृष्ण की रासलीला का अनुप्रासादियुक्त साहित्यिक भाषा में वर्णन है।
वियोगी हरि ने इसे 'हिन्दी का गीत गोविन्द' कहा है। अष्टछाप के कवियों में नंददास का स्थान काव्य सौष्ठव और भाषा की प्रांजलता में सूरदास के बाद है।

3. 'मैं नारि अपावन प्रभु जग पावन रावन रिपु जन सुखदाई। राजीव विलोचन भव भय मोचन पाहि-पाहि सरनहिं आई॥ 'रामचरितमानस' की उक्त चौपाई में व्यक्त विचार किस पात्र के हैं?
(a) अहल्या (b) शबरी
(c) तारा (d) मंदोदरी
उत्तर (a)

व्याख्या- मै नारि अपावन प्रभु जग पावन रावन रिपु जन सुखदाई।
राजीव विलोचन भव भय मोचन पाहि-पाहि सरनहिं आई।।
रामचरितमानस की उक्त चौपाई में व्यक्त-
विचार अहल्या ने व्यक्त किया। जब भगवान श्री राम अपने पत्नी सीता तथा अनुज लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों के वनवास हेतु वन गये थे। उस समय भगवान श्रीराम ने श्रापित अहल्या की अपने पवित्र चरणों से छूकर पुनः मानव जीवन प्रदान किया।

4. राम और सीता के विवाह के अवसर पर किस कवि ने मिथिला की स्त्रियों से 'गारी गीत' गवाया है?
(a) तुलसीदास (b) स्वामी अग्रदास
(c) केशवदास (d) प्राणचंद चौहान
उत्तर (c)

व्याख्या- केशवदास जी ने रामसीता के विवाह के अवसर पर मिथिला की स्त्रियों से 'गारी गीत' गवाया है। केशवदास कृत रामचन्द्रिका (1901 ई.) प्रबन्धकाव्य में जो कि भगवान श्रीराम के चरित्र पर आधारित है। यह 39 प्रकाशों (सर्गों) में विभक्त हैं।

5. "अच्युत-चरन तरंगिनी, शिव-सिर मालति-माल हरि न बनायो सुरसरी, कीजो इंदव-भाल।" इस दोहे के रचनाकार का नाम है :
(a) रहीम (b) रसलीन
(c) रसखान (d) रामसहाय
उत्तर (a)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
अच्युत चरन तरंगिनी शिव सिर मालति माल हरि न बनायो सुरसरी कीजो इंदव भाल	रहीमदास
ब्रह्म मैं ढूढयो पुरानन गानन, वेदरिया सुनी चौगुने चायन	रसखान
कत दिखाई कामिनी दई, दामिनी को यह बाँह थरथराति सो तन फिरै फरफरात घन मॉह	रसलीन
वृन्दावन विहरत फिरै, राधा नन्दकिशोर नीरद दामिनी जानि संग, बोलै डोलै ओर	रामसहाय

6. निम्नलिखित काव्य कृतियों में से कौन-सी कृति 'प्रबंधकाव्य' नहीं है?
(a) चंडीचरित्र (b) रामचरित
(c) सुजानचरित (d) सुजानहितप्रबंध
उत्तर (d)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	काव्यकार	विधा
चंडी चरित	गुरु गोविन्द सिंह	प्रबन्धकाव्य
सुजान चरित	सूदन	प्रबन्धकाव्य
रामचरित	सूरति मिश्र	प्रबन्धकाव्य
सुजान हित प्रबंध	घनानंद	काव्य ग्रंथ

7. "लिखन बैठि जाकी सबी गति गहि गरब गरूर। भए न केते जगत के चतुर चितेरे कूर॥" इस दोहे में 'सबी' शब्द का अर्थ है :

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(a) चित्र (नायिका के समान) (b) काल्पनिक चित्र
(c) आदर्श चित्र (d) मनोनुकूल चित्र

उत्तर (a)

व्याख्या- ''लिखन बैठि जाकी सबी गहि गरब गरूर।
भए न केते जगत के चतुर चितेरी क्रूर।।''
इस दोहे में 'सबी' शब्द का अर्थ चित्र (नायिका के समान) है। अर्थात् जो चित्रकार चित्र बना रहा है वह चित्र अपूर्व सुन्दरी नायिका के समान होना चाहिए। चित्र ऐसा होना चाहिए जिसके पीछे संसार चतुर (चालाक) चितेरे (प्रेमी) तथा क्रूर (निर्दय) सभी प्रकार के व्यक्तियों का मोहित करे अर्थात उसे पीछे, पीछे 'सबी' शब्द अरबी का 'शबीह' है जिसका अर्थ है यथार्थ चित्र अर्थात् ऐसा चित्र जो नायिका जैसा ही हू-ब-हू हो।

8. 'गीति संग्रह' के रचनाकार हैं :
(a) सूरति मिश्र (b) रसनिधि
(c) रसिक गोविन्द (d) श्रीपति

उत्तर (b)

व्याख्या- 'गीति संग्रह' के रचनाकार रसनिधि हैं। रसनिधि की अन्य रचनाएँ रतनहजारा, विष्णुपद कीर्तन, कवित्त, बारहमासा, रसनिधि सागर, हिंडोला, अरिल्ल आदि हैं।
रसिक गोविन्द की रचनाएँ- रसिक गोविन्दानन्दघन, पिंगल, रसिक गोविन्द युगल रस माधुरी, समय प्रबन्ध, लक्षिमन चन्द्रिका अष्टेश भाषा।
सूरति मिश्र की रचनाएँ- अलंकारमाला, रसरत्नमाला, रससरस, रसग्राहक चन्द्रिका, नखशिख, काव्य सिद्धान्त, रस रत्नाकर भक्ति विनोद, शृंगार सागर
श्रीपति की रचनाएँ- काव्य सरोज तथा रसासागर, कविकल्पद्रुम

9. 'शकुंतला नाटक' किसकी रचना है?
(a) जसवंतसिंह (b) राम
(c) नेवाज (d) नागरीदास

उत्तर (c)

व्याख्या- 'शकुन्तला नाटक' नेवाज की रचना है। यह ब्रजभाषा में है तथा यह 1680 ई. में लिखा गया है।
शकुन्तला नाटक वास्तव में नाटक न होकर काव्यग्रंथ ही हैं इसमें उत्तम छंद की रचना है तथा भावों का मार्मिक चित्रण मिलता है। मिश्रबंधुओं ने इनकी भाषा की बड़ी प्रशंसा की है। संयोग-शृंगार का इन्होंने विशेष वर्णन किया है। इनकी रचनाशैली रीति स्वच्छंद कवि ठाकुर की समान है। नेवाज ने सहज ढंग से प्रेम व्यापार का वर्णन किया है।

10. 'सूरसागर' के पदों का भावानुसरण करते हुए किस कवि ने कृष्ण के जीवन का चित्रण किया है?
(a) ब्रजवासीदास (b) रामचरणदास
(c) मंचित (d) प्रेमसखी

उत्तर (a)

व्याख्या- ब्रजवासीदास वृंदावन के रहने वाले तथा वल्लभ सम्प्रदाय के अनुयायी थे। इन्होंने सूरदास के पदों का भावानुसरण करते हुए 'भावविलास' नामक ग्रंथ ने कृष्ण के जीवन का चित्रण किया है। इस ग्रंथ में कथा भी सूरसागर क्रम से ली गई है और बहुत से स्थलों पर सूरदास के शब्दों और भाव भी चौपाइयों में रखे गये हैं। इस बात को ग्रंथकार भी स्वीकार करते हैं। यह रचना कुछ ब्रजभाषा में है।

11. निम्नलिखित में से जगन्नाथदास 'रत्नाकर' की कौन-सी रचना नहीं है?
(a) हिंडोला (b) गंगावतरण
(c) भ्रमरदूत (d) उद्धवशतक

उत्तर (c)

व्याख्या- भ्रमरदूत तथा प्रेमकली द्विवेदी युगीन ब्रजभाषा के कवि सत्यनारायण कविरत्न जी हैं। कविरत्न के समस्त रचनाओं का संकलन बनारसीदास चतुर्वेदी ने 'हृदयतरंग' नामक शीर्षक से प्रकाशित कराया। कविरत्न ने भवभूति के 'उत्तरामचरितम्' और लार्ड मैकाले के अंग्रेजी खण्ड काव्य 'होरेशस' का ब्रजभाषा में अनुवाद किया।
जबकि गंगावतरण (1927), उद्धवशतक (1929), हरिश्चन्द्र, हिंडोला (1894) शृंगार लहरी, कलकाशी, वीराष्टक आदि रचनाएँ द्विवेदीयुगीन ब्रजभाषी कवि जगन्नाथ दास रत्नाकर की है।
नोट- (i) रत्नाकर उर्दू में जकी उपनाम से कविता करते थे।
(ii) रत्नाकर ने अंग्रेजी विद्वान पोप के 'ऐसे ऑन क्रिटिसिज्म' का रोला छंद में समालोचनादर्श शीर्षक से अनुवाद किया।

12. निम्नलिखित में से कौन सा काव्य-संग्रह शमशेर बहादुर सिंह का नहीं है?
(a) कुछ कविताएँ (b) कुछ और कविताएँ
(c) आज अभी आँखों से (d) काल तुमसे होड़ है मेरी

उत्तर (c)

व्याख्या- कुछ कविताएँ (1959), कुछ और कविताएँ (1961), चुका भी हूँ नहीं मैं (1975), इतने अपने पास (1980), उदिता अभिव्यक्ति का संघर्ष (1980), बात बोलेगी (1981), काल तुमसे होड़ है मेरी (1988), कहीं बहुत दूर से सुन रहा हूँ (1995), सुकून की तलाश (1998), आदि रचनाएँ प्रयोगवादी कवि शमशेर बहादुर सिंह की है।

13. ''कहाँ हो ऐ हमारे प्राण प्यारे। किधर तुम छोड़कर हमको पधारे।।
बुढ़ापे में यह दुख भी देखना था। इसी को देखने को मैं बचा था।।''
ये काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
(a) प्रतापनारायण मिश्र (b) अम्बिकादत्त व्यास
(c) भारतेन्दु हरिश्चंद (d) उपाध्याय बद्रीनारायण चौधरी

उत्तर (c)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
कहाँ हो ऐ हमारे प्राण प्यारे। किधर तुम छोड़कर हमको पधारे बुढापे में यह दुःख भी देखा था। इसी को देखने को मैं बचा था।	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
निरधन दिन-दिन होत है, भारत भुव सब भाँति ताँहि बचाई न कोउ सकत निज भुज बुधि बलकाँति	बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'
नौन तेल लकड़ी घासहु घर टिक्स लगे जहं चना चिवैनी मोल मिलै जहं दीन प्रजा कहं	प्रतापनारायण मिश्र
पूरी अमी की कटोरिया सी चिरंजीवी रहौ विक्टोरिया रानी	अम्बिकादत्त व्यास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

**14. ''फिर परियों के बच्चे से हम सुभग सीप के पंख पसार।
समुद्र पैरते शुचि ज्योत्स्ना में पकड़ इंद्र के कर सुकुमार॥'' इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :-**

(a) सुमित्रानंदन पंत (b) महादेवी वर्मा
(c) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (d) जयशंकर प्रसाद

उत्तर (a)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	पंक्तिकार
''फिर परियों के बच्चे से हम सुभग सीप के पंख पसार समुद्र पैरते शुचि ज्योत्सना में पकड़ इन्द्र के कर सुकुमार	सुमित्रानंदन पंत
काम मंगल से मंडित श्रेय, सर्ग इच्छा का है परिणाम तिरस्कृत कर उसको तुम भूल बनाते हो असफल भवधाम	जयशंकर प्रसाद
होग फिर से दुर्घर्ष समर जड़ से चेतन का निशिवासर	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
पर शेष नहीं होगी यह मेरे प्राणों की क्रीड़ा तुमको पीड़ा में ढूढा तुममें ढूँढूंगी पीड़ा	महादेवी वर्मा

**15. ''सब का निचोड़ लेकर तुम
सुख से सूखे जीवन में
बरसो प्रभात हिमकन-सा
आँसू इस विश्व-सदन में।''
उक्त काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं :**

(a) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(b) जयशंकर प्रसाद
(c) महादेवी वर्मा
(d) सुमित्रानंदन पंत

उत्तर (b)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	पंक्तिकार
''सब का निचोड़ लेकर तुम सुख से सूखे जीवन में बरसो प्रभात हिमकन-सा आँसू, इस विश्व-सदन में।''	जयशंकर प्रसाद
पर शेष नहीं होगी यह मेरे प्राणों की क्रीड़ा तुमको पीड़ा में ढूंढा तुममें ढूँढूंगी पीड़ा।	महादेवी वर्मा
वियोगी होगा पहला कवि आह से उपजा होगा गान निकलकर आँखों से चुपचाप बही होगी कविता अनजान	सुमित्रानंदन पंत
जागो फिर एक बार शेरो की माँद में आया है आज स्यार	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

16. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना सुमित्रानंदन पंत की नहीं है?

(a) युगपथ (b) अतिमा
(c) उत्तरा (d) गीतगुंज

उत्तर (d)

व्याख्या- 'गीतगुंज'(1954), प्रमुख छायावादी कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की है। सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की अन्य रचनाएँ- अनामिका (1923), परिमल (1930), गीतिका (1936), तुलसीदास (1938), कुकुरमुत्ता (1942), अणिमा (1943), बेला (1946), नये पत्ते (1946), अर्चना (1950), आराधना (1953), सांध्यकाकली (1969)

जबकि अन्य सभी रचनाएँ सुमित्रानन्दन पंत की उच्छ्वास (1920), ग्रंथि (1920), वीणा (1927), पल्लव (1928), गुंजन (1932), युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्णकिरण (1947), स्वर्ण धूलि (1947), युगपथ (1949), उत्तरा (1949), अतिमा (1955), वाणी (1957), कला और बूढ़ा चाँद (1959), लोकायतन (1964), चिदम्बरा (1965), गीत हंस (1970), सत्यकाम (1975)।

17. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना महादेवी वर्मा की है?

(a) वीणा (b) गीतिका
(c) निशा (d) नीरजा

उत्तर (d)

व्याख्या-

काव्य संग्रह	प्रकाशनकाल	रचनाकार
नीरजा	1935 ई.	महादेवी वर्मा
वीणा	1927 ई.	सुमित्रानंदन पंत
गीतिका	1936 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

18. ''कहाँ जाऊँ/हर दिशा में/मृत्यु से भी बहुत आगे की/अपरिमित दूरियाँ हैं।'' कविता की ये पंक्तियाँ कुँवर नारायण की किस रचना से हैं?

(a) चक्रव्यूह (b) अपने सामने
(c) आत्मजयी (d) परिवेश : हम-तुम

उत्तर (c)

व्याख्या- ''कहाँ जाऊँ। हर दिशा में/ मृत्यु से भी बहुत आगे की। अपरिमित दूरियाँ हैं।''

यह काव्य पंक्तियाँ कुँवर नारायण की रचना आत्मजयी रचना से ली गयी है। कुँवर नारायण की रचनाएँ- चक्रव्यूह (1956), परिवेश : हम तुम (1961) आत्मजयी (1965) अपने सामने (1979), कोई दूसरा नहीं (1993) इन दिनो (2002), वाजश्रवा के बहाने (2008)।

19. ''चौपट चपेट'' और 'मयंक मंजरी' नाटकों के लेखक हैं :

(a) किशोरीलाल गोस्वामी (b) बाबू रामकृष्ण वर्मा
(c) मथुराप्रसाद चौधरी (d) रूपनारायण पाण्डेय

उत्तर (a)

व्याख्या- चौपट चपेट, मयंक मंजरी (1891) तथा प्रणयिनी परिणय (1890) के नाटककार किशोरी लाल गोस्वामी हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

20. डॉ. गोपालराय के अनुसार हिन्दी में 'नॉवेल' के अर्थ में उपन्यास पद का प्रथम प्रयोग किसने किया?
(a) भूदेव मुखोपाध्याय (b) राधाचरण गोस्वामी
(c) महावीरप्रसाद द्विवेदी (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
उत्तर (d)

व्याख्या- डॉ. गोपाल राय के अनुसार हिन्दी में नावेल के अर्थ में उपन्यास पद का सर्वप्रथम प्रयोग भारतेन्दु जी ने किया था। हिन्दी में 'नावेल' के अर्थ में उपन्यास शब्द का प्रथम प्रयोग भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने 1875 ई. में हरिश्चन्द्र चन्द्रिका में प्रकाशित अपने अपूर्ण रचना 'मालती' के लिए किया था।

21. पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' द्वारा रचित उपन्यास नहीं है :
(a) चंद हसीनों के खतूत (b) दिल्ली का कलंक
(c) बुधुआ की बेटी (d) दिल्ली का दलाल
उत्तर (b)

व्याख्या- 'दिल्ली का कलंक' प्रकृतिवादी उपन्यासकार ऋषभ चरण जैन का उपन्यास है। इनके अन्य उपन्यास निम्नवत हैं- पैसे का साथी (1928), दिल्ली का व्यभिचार (1928) वेश्यापुत्र (1929), मास्टर साहब (1927), सत्याग्रह (1930), दुराचार के अड्डे (1930), रहस्यमयी (1931), दिल्ली का कलंक (1936), चम्पाकली (1937), हिज हाइनेस (1938), मयखाना (1938), तीन इक्के (1940)।
बेचन शर्मा उग्र के उपन्यास- चंद हसीनों के खतूत (1927) दिल्ली का दलाल (1927), बुधुआ की बेटी (1928), शराबी (1930), सरकार तुम्हारी आँखों में (1937), चॉकलेट (1927), जी.जी.जी. (1937), फागुन के दिन चार (1960), जूहू (1963) आदि हैं।

22. करनट कबीलों के जीवन यथार्थ के विविध पक्षों पर आधारित उपन्यास है :
(a) कोई अजनबी नहीं (b) नरक कुंड में वास
(c) कब तक पुकारूँ (d) किस्सा गुलाम
उत्तर (c)

व्याख्या-

उपन्यास		उपन्यासकार	विषयवस्तु
कब तक पुकारूँ	1957 ई.	रांगेयराघव	जरायम पेशा करनट कबीलों के जीवन यथार्थ के विविध पक्षों पर आधारित
कोई अजनबी नहीं	1966 ई.	शैलेष मटयानी	पहाड़ी स्त्री रामरती की भटकन एवं मनोदशा का वर्णन
नरक कुण्ड में वास	1994 ई.	जगदीश चन्द्र	पंजाब के ग्रामीण दलित जीवन पर आधारित
किस्सा गुलाम	1986 ई.	रमेशचंद्र शाह	कथानायक विनायक के आकांक्षाओं और सपनों के बनने टूटने का चित्रण

23. 'अरुण और मधूलिका' किस कहानी के पात्र हैं?
(a) चित्तौड़ का उद्धार (b) अशोक
(c) आकाशदीप (d) पुरस्कार
उत्तर (d)

व्याख्या- 'अरुण और मधूलिका' जयशंकर प्रसाद कृत कहानी पुरस्कार के प्रमुख पात्र हैं। अन्य सभी कहानियाँ जयशंकर प्रसाद की है। जयशंकर प्रसाद की कहानियाँ- अशोक, आकाशदीप, चित्तौड़ का उद्धार, पत्थर की पुकार, उस पार का योगी : चंदा, देवदासी, ममता, खण्डहर की लिपि, घीसू, चूड़ी वाली, विसाती, सालवती, गुण्डा, छोटा जादूगर, ग्राम इत्यादि।
नोट- ग्राम (1911) जयशंकर प्रसाद की प्रथम कहानी तथा सालवती (1936) अन्तिम कहानी है।

24. भीष्म साहनी द्वारा रचित कहानी संग्रह नहीं है :
(a) भाग्यरेखा (b) वाङ्चू
(c) काठ का सपना (d) निशाचर
उत्तर (c)

व्याख्या- 'काठ का सपना' प्रमुख समकालीन कहानीकार मुक्तिबोध की कहानी है। मुक्तिबोध की कहानियाँ- काठ का सपना (1967), सतह से उठता आदमी (1971) आदि।
भीष्म साहनी की कहानी संग्रह- भाग्यरेखा (1953), पहला पाठ (1957), भटकती राख (1966), पटरियाँ (1973) वाङ्चू (1978), शोभायात्रा (1981), निशाचर (1983), पाली (1989), डायन (1998) आदि।

25. आधुनिक ईरान की पृष्ठभूमि पर रक्त रंजित इस्लामी क्रान्ति का चित्रण किस उपन्यास में किया गया है?
(a) सात नदियाँ एक समुन्दर (b) चक्रव्यूह
(c) धूप छाहीं रंग (d) किस्सा लोकतंत्र
उत्तर (a)

व्याख्या- निम्न उपन्यास का प्रकाशनकाल, उपन्यासकार तथा विषयवस्तु

उपन्यास	प्रकाशन काल	उपन्यासकार	विषयवस्तु
सात नदियाँ एक समुन्दर	1984 ई.	नासिरा शर्मा	आधुनिक ईरान की पृष्ठभूमि पर रक्त रंजित इस्लामी क्रान्ति का चित्रण
चक्रव्यूह	1988 ई.	श्रवण कुमार गोस्वामी	विश्वविद्यालय परिसर की वास्तविकताओं का अंकन
धूप छाहीं रंग	1970 ई.	गिरीश अस्थाना	द्वितीय विश्वयुद्ध और दफ्तर की जिन्दगी का बड़े पैमाने पर चित्रण
किस्सा लोकतंत्र	1993 ई.	विभूति नारायण राय	

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

26. जैनेन्द्र कुमार द्वारा रचित कहानी-संग्रह नहीं है :

(a) इन्सान के खण्डहर (b) नीलम देश की राजकन्या
(c) पाजेब (d) वातायन

उत्तर (a)

व्याख्या- इन्सान ने खण्डहर (1950) नामक कहानी संग्रह प्रमुख समकालीन कहानीकार मोहन राकेश का है। मोहन राकेश के अन्य कहानी संग्रह- इन्सान के खण्डहर (1950) नये बादल (1957), जानवर और जानवर (1958), एक और जिन्दगी (1961) फौलाद का आकाश (1966) आदि।

जैनेन्द्र के कहानी संग्रह- फाँसी (1929), वातायन (1931), दो चिड़िया (1934), एक रात (1935), नीलम देश की राजकन्या (1938), ध्रुवयात्रा (1944), पाजेब (1940), जयसन्धि (1948) आदि।

27. ''वैदिक सूत्रों के गरिमामय उद्‌गम से लेकर लोकगीतों के महासागर तक जिस अविच्छिन्न प्रवाह की उपलब्धि होती है, उस भारतीय भावधारा का मैं स्नातक हूँ।''
उपर्युक्त विचार विद्यानिवास मिश्र ने अपने किस निबन्ध : संग्रह की भूमिका में लिखे हैं?

(a) देश, धर्म और साहित्य (b) पीपल के बहाने
(c) छितवन की छाँह (d) शिरीष की याद आई

उत्तर (c)

व्याख्या- ''वैदिक सूत्रों के गरिमामय उद्‌गम से लेकर लोकगीतों के महासागर तक जिस अविच्छिन्न प्रवाह की उपलब्धि होती है, उस भारतीय भावधारा का मैं स्नातक हूँ।''

इस विचार हिन्दी साहित्य के प्रतिष्ठित ललित निबन्धकार डॉ. विद्यानिवास मिश्र ने अपने निबन्ध संग्रह छितवन की छाँह की भूमिका में लिखा है।

डॉ. विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रह-छितवन की छाँह (1953), हल्दी दूब (1955), कदम की फूली डाल (1956), तुम चन्दन हम पानी (1957), आँगन का पंछी और बनजारा मन (1963), मैने सिल पहुँचाई (1966), बसंत आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं (1972), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (1974ई.) परम्परा बन्धन नहीं (1976ई.), कँटीले तारों के आर-पार (1976) कौन तु फूलवा बीन निहारी (1980) निज मुख मुकुर (1981), भ्रमरानंद के पत्र (1981), तमाल के झरोखे से (1981, अस्मिता के लिए (1981), संचारिणी (1982), अंगद की नियति (1984), लागों रंग हरी (1985) गाँव का मन (1985), नैरन्तर्य और चुनौती (1988) शेफाली झर रही है। (1989), भाव पुरुष श्रीकृष्ण (1990), सोऽहम (1991), जीवन अलम्य है जीवन सौभाग्य है (1991), देश, धर्म और साहित्य (1992), नदी नारी और संस्कृति (1993), फागुन दुई रे दिना (1994), शिरीष की याद आई (1995), भारतीय चिन्तरधारा (1995), साहित्य का खुला आकाश (1996), लोक और लोक का स्वर (2000), रथयात्रा (2002), गिर रहा है आज पानी (2001)। स्वरूप विमर्श (2001), गाँधी का करुण रस (2002) थोड़ी सी जगह दे (2004), कितने मोरचे (2007), साहित्य के सरोकार(2007) आदि।

28. अज्ञेय ने 'शेखर' के संदर्भ में अपने किस निबन्ध में स्वीकार किया कि ''ज्यों क्रिस्तोफ के अनवरत आत्मशोध और आत्म साक्षात्कार का जो चित्र 'रोलाँ' ने प्रस्तुत किया है, उससे कुछ अवश्य प्रेरणा मिली?''

(a) अद्यतन (b) आत्मनेपद
(c) त्रिशंकु (d) धार और किनारे

उत्तर (b)

व्याख्या- अज्ञेय ने शेखर के संदर्भ में अपने निबन्ध संग्रह आत्मनेपद (1960) में स्वीकार किया है कि ''ज्या क्रिस्तोफ के अनवरत आत्मशोध और आत्म साक्षात्कार का जो चित्र रोलॉ ने प्रस्तुत किया है। उससे कुछ अवश्य प्रेरणा मिली?

अज्ञेय के निबन्ध संग्रह- त्रिशंकु (1945), सब रंग और कुछ राग (1956), आत्मनेपद (1960), आलबाल (1971), लिखी कागद कोरे (1972) भवंती (1972), अन्तरा (1975), अद्यतन (1977), जोग लिखी (1977), स्रोत और सेतु (1978), युग संधियों पर (1982), धार और किनारे (1982), कहाँ है द्वारका (1982), केन्द्र और परिधि (1984), छाया का जंगल (1984), सर्जना और सन्दर्भ (1985), स्मृति छंदा (1989), संवत्सर (1978)।

29. ''आज इस पराजय की बेला में
सिद्ध हुआ
झूठी थी सारी अनिवार्यता भविष्य की
केवल कर्म सत्य है
मानव जो करता है, इसी समय
उसी में निहित है भविष्य
युग-युग तक का।''
'अंधायुग' नाटक का उक्त संवाद किस अंक से उद्धृत है?

(a) कौरव नगरी (b) गांधारी का शाप
(c) प्रभु की मृत्यु (d) पशु का उदय

उत्तर (d)

व्याख्या-

नाटक का संवाद	अंक से उद्धृत संवाद
है कुरुक्षेत्र से कुछ भीखबर न आयी जीता या हारा बचा खुचा कौरव दल जाने किसकी लोथों पर जा उतरेगा यह नरभक्षी गिद्धों का भूखा बादल अन्त:पुर में मरघट की सी खामोशी कृश गाँधारी बैठी है शीश झुकाये सिंहासन पर धृतराष्ट्र मौन बैठे हैं संजय अब तक कुछ भी संवाद न लाये	कौरव नगरी
और जब पुत्र वह पराक्रमी यशस्वी है संजय चलो वही रहने दो युयुत्सु को पुत्र कहीं छिप जाओ प्राण बचाओ अब तुम्ही हो आश्रय अपने अन्धे पिता, वृद्ध माता के	गाँधारी का श्राप

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

आज इस पराजय की बेला में .....युग-युग तक का	पशु का उदय
तुम जो हो शब्द ब्रह्म, अर्थो के परम अर्थ जिसका आश्रय पाकर वाणी होती है व्यर्थ है तुम्हें नमन है, उन्हें नमन करते आये हैं जो निर्मल मन सदियों से लजीला का गायन	प्रभु की मृत्यु

30. ''समझदारी आने पर यौवन चला जाता है, जब तक माला गूँथी जाती है फूल कुम्हला जाते हैं।'' जयशंकर प्रसाद कृत 'चन्द्रगुप्त' नाटक का उक्त संवाद किस पात्र द्वारा बोला गया है?

(a) दाण्ड्यायन (b) चाणक्य
(c) चन्द्रगुप्त (d) सिंहरण

उत्तर (b)

व्याख्या-

चन्द्रगुप्त नाटक का संवाद	**सम्बन्धित पात्र**
''समझदारी आने पर यौवन चला जाता है, जब तक माला गूँथी जाती है फूल कुम्हला जाते हैं।''	चाणक्य
अतीत सुखों के लिए सोच क्यों? अनागत भविष्य का डर क्यों? वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा?	सिंहरण
आर्य संसार भर की नीति और शिक्षा का अर्थ मैंने यही समझा है कि आत्म सम्मान के लिए मर मिटना ही दिव्य जीवन है	चन्द्रगुप्त

31. 'काव्यशोभायाः कर्तारो धर्मः गुणाः ।'
यह किस आचार्य की उक्ति है?

(a) मम्मट (b) वामन
(c) आनन्दवर्द्धन (d) विश्वनाथ

उत्तर (b)

उक्ति	**आचार्य**
काव्य शोभायाः कर्त्तारो धर्मः गुणः	वामन
सुख दुःखात्मकोरसः	विश्वनाथ
तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावलंकृती- पुनः क्वापि	मम्मट
सहृदयहृदयाह्लादिशशब्दार्थमयत्वमेव काव्य लक्षणम्	आनन्द वर्धन

32. जहाँ समानार्थक विशेषणों से प्रस्तुत के वर्णन द्वारा अप्रस्तुत का बोध कराया जाय, वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?

(a) समासोक्ति (b) सहोक्ति
(c) विनोक्ति (d) व्यतिरेक

उत्तर (a)

व्याख्या- समासोक्ति अलंकार- जहाँ समानार्थक विशेषणों से प्रस्तुत के वर्णन द्वारा अप्रस्तुत का बोध कराया जाय, वहाँ समासोक्ति अलंकार होता है।

मिलहु सखी,हम तहँवा जाही। जाँह जाइ पुनि आउब नाही।
सात समुद्र पर वह देशा। कित रे मिलब कित आव संदेशा।।

व्यतिरेक अलंकार- जहाँ उपमेय की उपमान से श्रेष्ठ बताया जाय और उसका कारण भी दिया जाय, वहाँ व्यतिरेक अलंकार होता है।

कुंदन को रंग फीको लगै, झलकै अति अंगिनि चारू गोराई।
आंखिन में अलसानि, चितौन में मंजु विलासन की सरसाई।।

सहोक्ति अलंकार- जहाँ 'सह' संग आदि वाचक पदो द्वारा बहुत से बातों का कथन एवं साथ किया जाय, वहाँ सहोक्ति अलंकार होता है। **जस प्रताप वीरता बड़ाई । नाक घिनावहि संग सिधाई।।**

विनोक्ति अलंकार- जहाँ बिना, रहित आदि शब्दों की सहायता से एक बिना दूसरा पदार्थ शोभित अथवा अशोभित कहा जाय, वहाँ विनोक्ति अलंकार होता है।

जिय बिनु देह नदी बिनु वारि। तैसेहि नाथ पुरुष बिनु नारि।।

33. 'मैं साहित्य को मनुष्य की दृष्टि से देखने का पक्षपाती हूँ।' यह किस आचार्य की उक्ति है?

(a) महावीर प्रसाद द्विवेदी (b) रामचन्द्र शुक्ल
(c) हजारी प्रसाद द्विवेदी (d) नन्ददुलारे वाजपेयी

उत्तर (c)

उक्तियाँ	**आचार्य**
मैं साहित्य को मनुष्य की दृष्टि से देखने का पक्षपाती हूँ	हजारी प्रसाद द्विवेदी
''अन्तकरण की वृत्तियों के चित्र का नाम कविता है।''	महावीर प्रसाद द्विवेदी
''कविता का अन्तिम लक्ष्य जगत के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य हृदय का सामंजस्य स्थापन है।''	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
काव्य तो प्रकृति मानव अनुभूतियों का नैसर्गिक कल्पना के सहारे ऐसा सौन्दर्यमय चित्रण है जो मनुष्य मात्र में स्वभावतः अनुरूप भावोच्छ्वास और सौन्दर्य संवेदना उत्पन्न करता है।	नंद दुलारे वाजपेयी

34. निम्नलिखित में से किस आचार्य ने अलंकार को काव्य की आत्मा मानकर रस का महत्व गौण कर दिया?

(a) भामह (b) वामन
(c) विश्वनाथ (d) आनन्दवर्द्धन

उत्तर (a)

व्याख्या- आचार्य भामह ने अलंकार को काव्य की आत्मा मानकर रस का महत्व गौण कर दिया। भामह ने काव्य के मुख्य अंगों गुण, अलंकार आदि का विषद वर्णन किया था। आचार्य भरत और दण्डी ने दस तथा वामन बीस काव्य गुणों की गणना की। परन्तु सर्वप्रथम भामह ने यह प्रतिपादित किया था कि काव्य में तीन गुण होते हैं- माधुर्य, ओज और प्रसाद।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

35. जब वक्रोक्ति वक्ता की कंठ ध्वनि पर आश्रित होती है तब उसे क्या कहा जाता है?

(a) सभंग श्लेष वक्रोक्ति
(b) अभंग श्लेष वक्रोक्ति
(c) काकुवक्रोक्ति
(d) प्रहेलिका

उत्तर (c)

व्याख्या- काकु वक्रोक्ति अलंकार-जब वक्रोक्ति वक्ता की कण्ठ ध्वनि पर आश्रित होती है तब उसे काकु वक्रोक्ति कहते हैं।

मैं सुकुमारि नाथ बन जोगू। तुमहि उचित तप मो, कहँ भोगू॥

सभंगश्लेष अलंकार- जहाँ श्लिष्ट पद के खण्ड करके दो या दो से अधिक अर्थ प्राप्त हो, वहाँ सभंग श्लेष अलंकार होता है।

चिरजीवै जोरी जुरै, क्यों न सनेह गम्भीर।
को घटिए, वृष भानुजा, वे हलधर के बीर॥

अभंगश्लेष अलंकार- जहाँ श्लिष्ट पदों का बिना खण्ड किये दो या दो से अधिक अर्थ प्राप्त हो, वहाँ अभंग श्लेष अलंकार होता है।

रहिमन पानी राखियै, बिन पानी सब सून"
पानी गये न ऊबरे, मोती मानस चून॥

36. इनमें से कौन-सा ग्रंथ आचार्य भामह का है?

(a) काव्यालंकार (b) काव्यादर्श
(c) ध्वन्यालोक (d) साहित्यदर्पण

उत्तर (a)

काव्य ग्रन्थ	**काव्यकार**
काव्यालंकार	आचार्य भामह
काव्यादर्श	दण्डी
साहित्यदर्पण	विश्वनाथ
ध्वन्यालोक	आनन्दवर्धन

37. स्वाधीनता-प्राप्ति के अवसर पर लिखी गई निम्नलिखित कविता किस कवि की है?

मुक्त गगन है, मुक्त पवन है, मुक्त साँस गरबीली।
लाँघ सात लाँबी सदियों को हुई शृंखला ढीली।
टूटी नहीं कि लगा अभी तक, उपनिवेश का दाग?
बोल तिरंगे, तुझे उड़ाऊँ या कि जगाऊँ आग?"

(a) माखनलाल चतुर्वेदी (b) रामधारी सिंह दिनकर
(c) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (d) सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर (a)

काव्य पंक्तियाँ	**कवि**
"मुक्त गगन है,...... कि जगाऊ आग?"	माखन लाल चतुर्वेदी
हो जाने दो गर्क नशे में, मत पड़ने दो फर्क नशे में।।	बालकृष्ण शर्मा नवीन
कर पाता यदि मुक्त हृदय को मस्तक के शासन से उतर पकड़ता बाँह दलित की मंत्री के आसन से	रामधारी सिंह दिनकर

38. निम्नलिखित में से कौन प्रपद्यवादी कवि नहीं है?

(a) नलिन विलोचन शर्मा
(b) केसरी कुमार
(c) नरेश
(d) गिरिजा कुमार माथुर

उत्तर (d)

व्याख्या- प्रपद्यवाद का प्रवर्तन नलिन विलोचन शर्मा ने सन् 1956 ई. में प्रकाशित 'नकेन के प्रपद्य' संकलन में किया। प्रपद्यवाद को नकेनवाद भी कहा जाता है क्योंकि इसमें बिहार के तीन कवि नलिन विलोचन शर्मा, केशरी कुमार, और नरेश के नाम के प्रथम अक्षरों को आधार मानकर 'नकेन' बनता है।

प्रपद्यवाद और प्रयोगवाद में मूल अंतर यह है कि प्रपद्यवाद 'प्रयोग, को साध्य मानता है जबकि प्रयोगवाद 'प्रयोग' को साधन मानता है। जबकि गिरजा कुमार माथुर तार सप्तक के कवि हैं तथा प्रयोगवादी काव्यधारा में आते हैं।

39. "कविता तो कवि की आत्मा का आलोक है, उसके हृदय का रस है, जो बाहर की वस्तु का अवलम्ब लेकर फूट पड़ती है।" यह कथन किसका है?

(a) जयशंकर प्रसाद (b) नरेश मेहता
(c) रामधारी सिंह दिनकर (d) कुँवर नारायण

उत्तर (c)

व्याख्या- "कविता तो कवि की आत्मा का आलोक है उसके हृदय का रस है जो बाहर की वस्तु का अवलम्ब लेकर फूट पड़ती है"

-रामधारी सिंह दिनकर

"काव्य आत्मा की संकल्पात्मक अनुभूति है जिसका सम्बन्ध विश्लेषण विकल्प या विज्ञान से नहीं हैं वह एक श्रेयमयी प्रेम रचनात्मक ज्ञानधारा है।

जयशंकर प्रसाद

40. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक प्रेमचन्द के प्रसिद्ध उपन्यास पर आधारित है?

(a) श्वेत कमल (b) युगे-युगे क्रान्ति
(c) सूरदास (d) बंदिनी

उत्तर (c)

व्याख्या- वीरेन्द्र नारायण द्वारा कृत नाटक सूरदास प्रेमचंद के प्रसिद्ध उपन्यास रंगभूमि के पात्र सूरदास पर आधारित है।

जबकि अन्य सभी नाटक विष्णु प्रभाकर के हैं विष्णु प्रभाकर के नाटकों का अनुक्रम- युगे युगे क्रान्ति (1969),टूटते परिवेश (1974) कुहासा और किरण (1975), डरे हुए लोग (1978), वंदिनी (1979), अब और नहीं (1981), सत्ता के आर पार (1981) श्वेतकमल (1984)।

41. 'भक्तमाल' में दिए गए रामानंद के प्रथम चार शिष्यों का सही अनुक्रम है :

(a) सुखानंद, नरहर्यानंद, अनंतानंद, सुरसुरानंद
(b) अनंतानंद, सुखानंद, सुरसुरानंद, नरहर्यानंद
(c) सुरसुरानंद, अनंतानंद, नरहर्यानंद, सुखानंद
(d) सुखानंद, सुरसुरानंद, नरहर्यानंद, अनंतानंद

उत्तर (b)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या- नाभादास कृत भक्तमाल (1985ई.) में दिए गए रामानंद के शिष्यों का सही अनुक्रम-
अनन्तानंद- सुखानंद- सुरसुरानंद - नरहर्यानंद - भावानंद- पीपा- कबीरदास- सेन - धन्ना

42. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार निम्नलिखित संप्रदायों का सही अनुक्रम है :
(a) ब्रह्म संप्रदाय, सनकादि संप्रदाय, श्री संप्रदाय, रुद्र संप्रदाय
(b) सनकादि संप्रदाय, ब्रह्म संप्रदाय, श्री संप्रदाय, रुद्र संप्रदाय
(c) श्री संप्रदाय, ब्रह्म संप्रदाय, रुद्र संप्रदाय, सनकादि संप्रदाय
(d) रुद्र संप्रदाय, श्री संप्रदाय, ब्रह्म संप्रदाय, सनकादि संप्रदाय
उत्तर (c)

व्याख्या-
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार सम्प्रदायों का सही अनुक्रम :

सम्प्रदाय	प्रवर्तक	दर्शन
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य	विशिष्टाद्वैतवाद
ब्रह्मसम्प्रदाय	मध्वाचार्य	द्वैतवाद
रुद्रसम्प्रदाय	विष्णु स्वामी	शुद्धाद्वैतवाद
सनकादि सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद
रुद्र सम्प्रदाय	बल्लभाचार्य	शुद्धाद्वैतवाद

43. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :
(a) अंगदर्पण, विरहवारीश, व्यंग्यार्थकौमुदी, मधुरप्रिया
(b) व्यंग्यार्थकौमुदी, अंगदर्पण, मधुरप्रिया, विरहवारीश
(c) विरहवारीश, मधुरप्रिया, अंगदर्पण, व्यंग्याथकौमुदी
(d) मधुरप्रिया, अंगदर्पण, व्यंग्यार्थकौमुदी, विरहवारीश
उत्तर (a)

व्याख्या-

काव्यग्रंथ	प्रकाशन काल	रचनाकार
अंगदर्पण	1737 ई.	रसलीन
विरह वारीश	–	बोधा
व्यंग्यार्थ कौमुदी	1825 ई.	प्रतापसाहि
मधुरप्रिया	–	पजनेश

44. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) रश्मिरथी, कनुप्रिया, द्रौपदी, संशय की एक रात
(b) कनुप्रिया, रश्मिरथी, द्रौपदी, संशय की एक रात
(c) रश्मिरथी, कनुप्रिया, संशय की एक रात, द्रौपदी
(d) कनुप्रिया, द्रौपदी, रश्मिरथी, संशय की एक रात
उत्तर (c)

व्याख्या–

काव्यग्रंथ	प्रकाशनकाल	काव्यकार
रश्मिरथी	1952 ई	रामधारी सिंह दिनकर
कनुप्रिया	1959 ई.	धर्मवीर भारती
संशय की एक रात	1962 ई.	नरेश मेहता
द्रौपदी	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा

45. रचना काल के अनुसार भारतेन्दु हरिश्चंद्र की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) प्रेमतरंग, सतसई सिंगार, मधु मुकुल, भक्त सर्वस्व
(b) भक्त सर्वस्व, सतसई सिंगार, प्रेमतरंग, मधु मुकुल
(c) भक्त सर्वस्व, प्रेमतरंग, सतसई सिंगार, मधु मुकुल
(d) सतसई सिंगार, भक्त सर्वस्व, प्रेमतरंग, मधु मुकुल
उत्तर (c)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के रचनाओं का सही अनुक्रम-
भक्ति सर्वस्य, प्रेम मालिका, कार्तिक स्नान, वैशाख महात्म्य, प्रेम सरोवर, प्रेमाश्रुवर्षण, जैन कुतूहल, प्रेम सतसई शृंगार, होली, मधु मुकुल, राग संग्रह, बर्षाविनोद, विनय प्रेम पचासा, फूलों का गुच्छा, प्रेम फुलवारी, कृष्ण चरित, श्री अलवरत वर्मन, श्री राजकुमार सुखागत पत्र, सुमनोऽञ्जलि, श्रीजीवनजी महाराज, चतुरंग, देवी छद्म लीला, प्रातः स्मरण, मंगल पाठ, दैन्य प्रलाप, उरेहना, तन्मयलीला, दान लीला, रानी छद्म लीला, संस्कृत लावनी, वसन्त होली, स्फुट समस्याएँ, मुँह दिखावनी, उर्दू का स्यापा, प्रबोधिनी, प्रातः सुमीरण, बकरी विलाप, स्वरूप चिन्तन, श्री राजकुमार शुभागमन वर्णन, भारत शिखा, श्री पंचमी, श्री सर्वोत्तम स्रोत, निवेदन पंचक, मान सोपायन, प्रातः स्मरण स्तोत्र, हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान, अपवर्गदाष्टक, मनोमुकुमाला, वेणु गीतिश्रीनाथ स्तुति, मूक प्रश्न, अपवर्ग पंचक, पुरुषोत्तम पंचक, भारत वीरत्व, श्रीसीता बल्लभ स्तोत्र, श्रीरामलीला, भीष्म स्तवराज, मान लीला फूल बुझौअल, बंदरसभा, विजय वल्लरी, विजयिनी विजय वैजयन्ती, नये जमाने की मुकरी, जातीय संगीत, रिपुनाष्टक, स्फुट कविताएं, प्रिंस ऑफ वेल्स के पीड़ित होने पर।

46. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित प्रबंधकाव्यों का सही अनुक्रम है :
(a) उर्वशी, विष्णुप्रिया, आत्मजयी, लोकायतन
(b) आत्मजयी, उर्वशी, लोकायतन, विष्णुप्रिया
(c) विष्णुप्रिया, उर्वशी, लोकायतन, आत्मजयी
(d) लोकायतन, उर्वशी, आत्मजयी, विष्णुप्रिया
उत्तर (c)

व्याख्या–

प्रबन्धकाव्य	प्रकाशन वर्ष	प्रबन्धकार
विष्णुप्रिया	1957 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
उर्वशी	1961 ई.	रामधारी सिंह दिनकर
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानंदन पंत
आत्मजयी	1965 ई.	कुँवर नारायण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

47. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(a) राजकमल चौधरी, श्रीकांत वर्मा, केदारनाथ सिंह, धूमिल
(b) श्रीकांत वर्मा, केदारनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, धूमिल
(c) केदारनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, धूमिल, श्रीकांत वर्मा
(d) धूमिल, श्रीकांत वर्मा, केदारनाथ सिंह, राजकमल चौधरी

उत्तर (a)

व्याख्या–

कवि	जीवन काल
राजकमल चौधरी	1919-1967 ई.
श्रीकान्त वर्मा	1931-1986 ई.
केदारनाथ सिंह	1934- अब तक (जीवित)
धूमिल	1936-1975 ई.

48. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित निबन्धकारों का सही अनुक्रम है :

(a) बालमुकुन्द गुप्त, श्यामसुन्दरदास, सरदार पूर्णसिंह, गुलाबराय
(b) गुलाबराय, सरदार पूर्ण सिंह, श्यामसुन्दर दास, बालमुकुन्द गुप्त
(c) श्यामसुन्दर दास, सरदार पूर्ण सिंह, बालमुकुन्द गुप्त गुलाबराय
(d) सरदार पूर्ण सिंह, श्यामसुन्दर दास, गुलाबराय, बालमुकुन्द गुप्त

उत्तर (a)

व्याख्या–

निबन्धकार	जीवनकाल
बालमुकुन्द गुप्त	1865-1907 ई.
श्याम सुन्दर दास	1875-1938 ई.
सरदार पूर्ण सिंह	1881-1931 ई.
गुलाब राय	1888-1963 ई.

49. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासकारों का सही अनुक्रम है :

(a) यशपाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, रांगेय राघव
(b) हजारी प्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय, रांगेय राघव, यशपाल
(c) अज्ञेय, रांगेय राघव, यशपाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी
(d) रांगेय राघव, यशपाल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, अज्ञेय

उत्तर (a)

व्याख्या–

उपन्यासकार	जीवनकाल
यशपाल	1903-1981 ई.
हजारी प्रसाद द्विवेदी	1907-1971 ई.
अज्ञेय	1911-1987 ई.
रांगेय राघव	1923-1963 ई0

50. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(a) शरणार्थी, ठुमरी, सतह से उठता आदमी, शोभायात्रा
(b) शोभायात्रा, शरणार्थी, ठुमरी, सतह से उठता आदमीं
(c) सतह से उठता आदमी, शोभायादत्रा, शरणार्थी, ठुमरी
(d) ठुमरी, शोभायात्रा, शरणार्थी, सतह से उठता आदमी

उत्तर (a)

व्याख्या-

कहानी संग्रह	प्रकाशनकाल	कहानीकार
शरणार्थी	1948 ई	अज्ञेय
ठुमरी	1959 ई.	रेणु
सतह से उठता आदमी	1971 ई.	मुक्तिबोध
शोभायात्रा	1981 ई.	भीष्म साहनी

51. जन्म काल के अनुसार निम्नलिखित नाटककारों का सही अनुक्रम है :

(a) शंकर शेष, मोहन-राकेश, भीष्म साहनी, हरिकृष्ण प्रेमी
(b) मोहन-राकेश, भीष्म साहनी, शंकर शेष, हरिकृष्ण प्रेमी
(c) भीष्म साहनी, हरिकृष्ण प्रेमी, शंकर शेष, मोहन राकेश
(d) हरिकृष्ण प्रेमी, भीष्य साहनी, मोहन राकेश, शंकर शेष

उत्तर (d)

व्याख्या–

नाटककार	जन्मकाल
हरिकृष्ण प्रेमी	1907-1974 ई.
भीष्म साहनी	1915-2003 ई.
मोहन राकेश	1925- 1972 ई.
शंकर शेष	1833- 1981 ई.

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबंध-संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(a) मराल, विकलांग श्रद्धा का दौर, अद्यतन, अंगद का पाँव
(b) विकलांग श्रद्धा का दौर, अद्यतन, अंगद का पाँव, मराल
(c) अंगद का पाँव, अद्यतन, विकलांग श्रद्धा का दौर, मराल
(d) अद्यतन, अंगद का पाँव, मराल, विकलांग श्रद्धा का दौर

उत्तर (c)

व्याख्या-

निबन्ध संग्रह	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
अंगद का पाँव	1958 ई	श्रीलाल शुक्ल
अद्यतन	1977 ई.	अज्ञेय
विकलांग श्रद्धा का दौर	1980 ई	हरिशंकर परसाई
मराल	1993 ई.	कुबेरनाथ राय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

53. नाटक के कथानक में कुछ दृश्य सूच्य होते हैं। पाँच प्रकार के इन सूच्य कथानकों का सही अनुक्रम है :
(a) प्रवेशक, अकांस्य, विष्कंभक, चूलिका, अंकावतार
(b) अंकावतार, चूलिका, अंकास्य, विष्कंभक, प्रवेशक
(c) विष्कंभक, प्रवेशक, चूलिका, अकांस्य, अंकावतार
(d) चूलिका, अकांस्य, विष्कंभक, प्रवेशक, अंकावतार
उत्तर (c)

व्याख्या–नाटक के कथानक में पाँच प्रकार के दृश्य सूच्य होते हैं-
विष्कंभक
↓
प्रवेशक
↓
चूलिका
↓
अकांस्य
↓
अंकावतार

54. प्रकाशन वर्ष के अनुसार हजारीप्रसाद द्विवेदी के निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :
(a) हिन्दी साहित्य का आदिकाल, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, लालित्य मीमांसा, हिन्दी साहित्य की भूमिका
(b) मध्यकालीन बोध का स्वरूप, लालित्य मीमांसा, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदिकाल
(c) लालित्य मीमांसा, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हिन्दी साहित्य की भूमिका
(d) हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, लालित्य मीमांसा, मध्यकालीन बोध का स्वरूप
उत्तर (d)

व्याख्या–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचनात्मक ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम- सूरसाहित्य (1930) हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940), कबीर (1941), हिन्दी साहित्य का आदिकाल (1952, सहज साधना (1963), कालीदास की लालित्य योजना (1965), मध्यकालीन बोध का स्वरूप (1970)।

55. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का सही अनुक्रम है :
(a) आठवाँ सर्ग, द्रौपदी, रति का कंगन, एक दूनी एक
(b) द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, रति का कंगन, एक दूनी एक
(c) द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, एक दूनी एक, रति का कंगन
(d) एक दूनी एक, द्रौपदी, रति का कंगन, आठवाँ सर्ग
उत्तर (c)

व्याख्या–सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों का प्रकाशन वर्ष अनुसार अनुक्रम-
द्रौपदी (1972), सेतुबंध (1972), नायक खलनायक विदुषक (1972), सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975) आठवाँ सर्ग (1976), छोटे सैयद बड़े सैयद (1982), एक दूनी एक (1987), शकुन्तला की अँगूठी (1990), कैद-ए-हयात (1993), रति का कंगन (2010)।

निर्देश : प्रश्न संख्या 56 से 65 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (Assertion) (A) है और दूसरा तर्क (Reason (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

56. स्थापना (Assertion) (A) : जहाँ व्यक्ति जीवन का लोक जीवन में लय हो जाता है, वही भाव की पवित्र भूमि है।
तर्क (Reason) (R) : इसीलिए कविता में विश्व हृदय का यह आभास कविता की यथार्थवादी अवस्था है।
कोड :
(a) (A) सही (R) सही
(b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही
(d) (A) सही (R) गलत
उत्तर (d)

व्याख्या–जहाँ व्यक्ति अपने व्यक्तिगत जीवन को लोक जीवन के लय में समाहित कर देता है अथवा लोक जीवन के मंगल में लीन होकर स्व का अभिमान नहीं करता है। वहीं पर भाव की पवित्र भूमि होती हैं कविता में विश्व हृदय का आभास यथार्थवादी अवस्था नहीं है बल्कि कविता में लोक का सत्य चित्रण ही यथार्थवादी अवस्था है मात्र आभास नहीं।

57. स्थापना (Assertion (A) : काव्य का आनन्द लोकोत्तर और अनिर्वचनीय होता है।
तर्क (Reason (R) : क्योंकि रस को ब्रह्मानन्द का समानार्थी कहा गया है।
कोड :
(a) (A) सही (R) सही
(b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही
(d) (A) गलत (R) गलत
उत्तर (a)

व्याख्या–काव्य का आनन्द लोकोत्तर (लोक से अलग) होता है। जो मनुष्य को सांसारिक मोह माया से परे करता है। इस आनन्द का वर्णन नहीं किया जा सकता अर्थात् यह वर्णन भी अनुभव की प्रक्रिया है जिसे महसूस किया जा सकता है। काव्य के आनन्द में मनुष्य को रस की प्राप्ति होती है और यह काव्य रस ब्रह्म के समान आनन्द देने वाला है।

58. स्थापना (Assertion (A) : रस ज्ञान द्वारा ग्राह्य होता है।
तर्क (Reason (R) : क्योंकि हृदय की अनुभूति के साथ उसकी बौद्धिक सत्ता भी होती है।
कोड :
(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) सही
उत्तर (c)

व्याख्या–रस को ज्ञान से नहीं बल्कि भाव एवं संवेदना से ग्रहण किया जाता है। जहाँ हृदय की वास्तविक अनुभूति होती है वहाँ बुद्धि की सत्ता नहीं होती। अनुभूति संवेदना आधारित और बौद्धिकता तर्क आधारित होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

59. **स्थापना (Assertion (A) :** छायावादोत्तर कविता विचार-प्रधान काव्य है।
तर्क (Reason (R) : क्योकि उसमे कवि के निजी संवेदनानुभवों को अभिव्यक्त होने का अवसर नहीं मिला।
कोड :
(a) (A) गलत (R) गलत (b) (A) सही (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) सही
उत्तर (a)

व्याख्या–छायावादोत्तर कविता मात्र विचार प्रधान काव्य नहीं है बल्कि इस काल की कविता ने सामाजिक चेतना और भावबोध तथा संवेदना और यथार्थता को भी अपने परिवार में शामिल किया है। छायावादत्तोर 'कविता में प्रयोगवाद जरूर बौद्धिकता और विचार प्रधान काव्य को वरीयता देता है। इस प्रकार के काव्य में कवि की निजी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का अवसर मिलता है।

60. **स्थापना (Assertion (A) :** कला माध्यम के द्वारा कलाकार सत्य को सुन्दर बनाकर निजत्व की उपलब्धि करता है।
तर्क (Reason (R) : क्योंकि सत्य कलाकार की संचित पूजी होती है, सौन्दर्य-सृजन उसका व्यापार और लोकमंगल का प्रसार उसकी उपलब्धि।
कोड :
(a) (A) सही (R) सही (b) (A) गलत (R) गलत
(c) (A) गलत (R) सही (d) (A) सही (R) गलत
उत्तर (c)

व्याख्या–कला के माध्यम से कलाकार सत्य को सुन्दर बनाकर निजत्व की नहीं कला की उपलब्धि करता है और कला को जन कल्याण का मार्ग भी बनाता है। सत्य ही कलाकार की एकत्रित एवं संचित पूंजी है। सौन्दर्य का सृजन करना ही व्यापार है कला के माध्यम से लोक के मंगल का प्रसार करना ही कलाकार की उपलब्धि है।

61. **स्थापना (Assertion (A) :** काव्य-सौन्दर्य भाव और कला की एकान्विति में है।
तर्क (Reason (R) : क्योंकि काव्य में भाव पक्ष और कला पक्ष दोनों असम्बद्ध होते हैं।
कोड :
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) सही
उत्तर (a)

व्याख्या–काव्य सौन्दर्य तभी पूर्णता को प्राप्त कर सकता है जब उसके भाव पक्ष और कला पक्ष (शिल्प पक्ष) में सामंजस्य हो। काव्य में भाव पक्ष और कला पक्ष दोनों आपस में सम्बद्ध होते हैं तभी काव्य सौन्दर्य पैदा होता है।

62. **स्थापना (Assertion (A) :** मिथक मनुष्य के आदिम मस्तिष्क की सृजनशील शक्तियों का मूल्यवान सांस्कृतिक उपहार है।
तर्क (Reason (R) : क्योंकि आदिम मन और मस्तिष्क द्वारा प्रकृति के तत्त्वों और घटनाओं के मानवीकरण की अचेतन प्रक्रिया ही मिथक रचना का मूल बनी।
कोड :
(a) (A) सही (R) सही (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) गलत
उत्तर (a)

व्याख्या–मिथक मनुष्य के आदिम मस्तिष्क की सृजनशील शक्तियों का मूल्यवान सांस्कृतिक उपहार है। क्योंकि मिथक एक कथा है जो आदिम मानव की विचारशैली, विज्ञान, धर्म, दर्शन आदि से परिपूर्ण है। यह विचार मुख्यतः धार्मिकता से सम्बन्धित है क्योंकि उस समय भारत का मूल विश्वास धर्म में था।

63. **स्थापना (Assertion (A) :** कविता में शृंगार-चित्रण अनिवार्य है।
तर्क (Reason (R) : क्योंकि शृंगार की सरस वाग्धारा ही पाठक को आनन्दित कर सकती है, अन्य भावधारा नहीं।
कोड :
(a) (A) सही (R) गलत (b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) सही (R) सही (d) (A) गलत (R) गलत
उत्तर (d)

व्याख्या–कवित में शृंगार चित्रण अनिवार्य नहीं है बल्कि कविता में शृंगार चित्रण ऐच्छिक है। मात्र शृंगार ही पाठक को आनन्दित नहीं करता। अन्य रस (करुण, वीर, शांत) आदि भी पाठक को आनन्दित और द्रवित करते हैं। यह सभी कविता पर निर्भर करता है।

64. **स्थापना (Assertion (A) :** कविता एक अलौकिक और आध्यात्मिक प्रक्रिया है।
तर्क (Reason (R) : इसीलिए जीवन का लौकिक-पक्ष उसमें नहीं आ सकता
कोड :
(a) (A) सही (R) सही
(b) (A) गलत (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत
(d) (A) सही (R) गलत
उत्तर (c)

व्याख्या–कविता अलौकिक और आध्यात्मिक नहीं बल्कि लौकिक प्रक्रिया भी हैं कविता में जीवन का लौकिक पक्ष भी आ सकता है या होता है।

65. **स्थापना (Assertion (A) :** छायावादी काव्य आत्मनिष्ठता के कारण अहंवादी बन गया।
तर्क (Reason (R) : इसी कारण छायावादी कवियों ने सामाजिक नैतिकताओं की उपेक्षा की।
कोड :
(a) (A) गलत (R) सही (b) (A) सही (R) सही
(c) (A) गलत (R) गलत (d) (A) सही (R) गलत
उत्तर (c)

व्याख्या–छायावादी काव्य आत्मनिष्ठा के साथ सामाजिक जीवन से प्रतिबद्ध रहा और यह अहंवादी नहीं बल्कि रहस्यवादी बन गया। यह आत्मकेन्द्रित होकर आध्यात्मिकता की ओर अग्रसर हुआ। छायावादी कवियों ने सामाजिक नैतिकता की उपेक्षा नहीं की है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

66. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची -I		सूची -II
(a)	जेहि पंखी के नियर होई, करै बिरह के बात सोईपंखी जाई जरि, तरिवर होइ निपाल।।	(i)	तुलसीदास
(b)	हमको सपनेहुँ में सोच। जा दिन ते बिछुरे नंदनंदन ता दिन ते यह पोच।	(ii)	नंददास
(c)	अब जीवन की है कपि आस न कोय कनगुरिया की मुदरी कंगना होय ।।	(iii)	सूरदास
(d)	जिभिया ऐसी बावरी कहि गई सरग-पताल। आपुहि कह भीतर रही, जूती खात कपाल।	(iv)	जायसी
		(v)	रहीम

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(iii)	(i)	(v)
(b)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या–

काव्य पंक्तियाँ	पंक्तिकार
जेहि पंखी के नियर .... तरिवर होई नियात	जायसी
हमको सपनेहुँ ....दिन से यह पोच	सूरदास
अब जीवन की ....मुदरी कंगना होय	तुलसीदास
जिभिया ऐसी बावरी .... जूती खात कपाल	रहीम
नव मर्कत मनि स्याम कनक मनिगम व्रजबाला वृन्दावन को रीझि मनुँहु पहिराई माला	नंददास

67. निम्नलिखित पात्रों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची I		सूची II
(a)	मैना	(i)	मृगावती
(b)	ऋतुवर्ण	(ii)	चांदायन
(c)	रुक्मिणी	(iii)	सत्यवती कथा
(d)	राघवचेतन	(iv)	पद्मावत
		(v)	हंसजवाहिर

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(iv)	(ii)	(v)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या–

रचना	प्रकाशनार्थ	रचनाकार	पात्र
चंदायन	1379 ई.	मुल्लादाऊद	मैना, लोर (लोरिक) चंदा
सत्यवती कथा	1501 ई.	ईश्वरदास	ऋतुवर्ण, सत्यवती
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन	रुक्मिणी, राजकुमार
पद्मावत	1540 ई.	जायसी	राघवचेतन, रत्नसेन पद्मावती, नागमती
हंस जवाहिर	1731 ई.	कासिमशाह	हंस(राजा), जवाहिर (रानी)

68. निम्नलिखित कविताओं को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची I		सूची II
(a)	इशारे जिंदगी के	(i)	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(b)	बूंद टपकी एक नभ से	(ii)	अज्ञेय
(c)	चार ईमानदार	(iii)	भवानीप्रसाद मिश्र
(d)	मेरा प्रतिनिधि	(iv)	कुँवर नारायण
		(v)	रघुवीर सहाय

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(d)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर (b)

व्याख्या–

कविता	कवि
इशारे जिंदगी के	अज्ञेय
बूंद टपकी एक नभ से	भवानी प्रसाद मिश्र
चार ईमानदार	कुँवर नारायण
मेरा प्रतिनिधि	रघुवीर सहाय
काफी हाउस में एक मेलो ड्रामा	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

69. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची I		सूची II
(a)	प्रेमपथिक	(i)	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(b)	गीतिका	(ii)	महादेवी वर्मा
(c)	सांध्यगीत	(iii)	सुमित्रानंदन पंत
(d)	गुंजन	(iv)	मैथिलीशरण 'गुप्त'
		(v)	जयशंकर प्रसाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(d)	(iii)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर (a)

व्याख्या–

काव्य ग्रन्थ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
प्रेमपथिक	1914 ई.	जयशंकर प्रसाद
गीतिका	1936 ई.	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
सांध्यगीत	1936 ई.	महादेवी वर्मा
गुंजन	1932 ई.	सुमित्रा नंदन पंत
पंचवटी	1925 ई.	मैथिलीशरण गुप्त

70. निम्नलिखित कहानियों को उनके केन्द्रीय विचारों से सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) पूस की रात	(i) न्यायप्रियता
(b) शतरंज के खिलाड़ी	(ii) ऋण की समस्या
(c) ठाकुर का कुआँ	(iii) जाति भेद
(d) पंच परमेश्वर	(iv) राष्ट्रीय चेतना
	(v) अनमेल विवाह

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(c)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)

उत्तर (b)

व्याख्या– प्रेमचंद की कहानियाँ तथा उनके केन्दीय विचारों का सुमेलन-

कहानियाँ	विषयवस्तु
पूस की रात (1930ई.)	ऋण समस्या
शतरंज के खिलाड़ी (1924ई.)	राष्ट्रीय चेतना
ठाकुर का कुआँ (1932 ई.)	जाति भेद
पंचपरमेश्वर (1916 ई.)	न्यायप्रियता

71. निम्नलिखित पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) सेल्मा	(i) यह पथ बंधु था
(b) निर्गुनिया	(ii) सूरज का सातवाँ घोड़ा
(c) माणिक मुल्ला	(iii) अपने अपने अजनबी
(d) सरस्वती	(iv) नाच्यौ बहुत गोपाल
	(v) कितने चौराहे

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(v)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (b)

व्याख्या–

उपन्यास	प्रकाशन काल	उपन्यासकार	पात्र
यह पथ बंधु था	1954 ई.	नरेश मेहता	सरस्वती, श्रीधर
सूरज का सातवाँ घोड़ा	1952 ई.	धर्मवीर भारती	माणिकमुल्ला
अपने अपने अजनबी	1961ई.	अज्ञेय	सेल्मा
नाच्यौ बहुत गोपाल	1978 ई.	अमृतलाल नागर	निर्गुनिया
कितने चौराहे	1966 ई.	फणीश्वर नाथ रेणु	मनमोहन प्रियव्रत

72. निम्नलिखित एकांकी नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) रेशमी टाई	(i) उदयशंकर भट्ट
(b) लाटरी	(ii) भुवनेश्वर प्रसाद
(c) पर्दे के पीछे	(iii) उपेन्द्रनाथ अश्क
(d) रीढ़ की हड्डी	(iv) रामकुमार वर्मा
	(v) जगदीश चन्द्र माथुर

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(b)	(iv)	(ii)	(i)	(v)
(c)	(i)	(v)	(iii)	(ii)
(d)	(iv)	(iii)	(v)	(i)

उत्तर (b)

व्याख्या–

एकांकी/नाटक	एकांकीकार/ नाटककार
रेशमी टाई	राम कुमार वर्मा
लाटरी	भुवनेश्वर
पर्दे के पीछे	उदयशंकर भट्ट
रीढ़ की हड्डी	जगदीशचन्द्र माथुर
लक्ष्मी का स्वागत	उपेन्द्रनाथ अश्क

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

73. निम्नलिखित पात्रों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) चंपा-बुद्धगुप्त	(i) नमक का दरोगा
(b) अलोपीदीन-वंशीधर	(ii) ठेस
(c) सिरचन-मानु	(iii) हार की जीत
(d) बाबा भारती-खड्‌गसिंह	(iv) आकाश दीप
	(v) ताई

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर (a)

व्याख्या–

कहानी	प्रकाशन काल	कहानीकार	पात्र
नमक का दरोगा	1913 ई.	प्रेमचंद	अलोपीदीन वंशीधर
ठेस		रेणु	सिरचन-मानु
हार की जीत		बद्रीनाथ भट्ट सुदर्शन	बाबा भारती खड्‌गसिंह
आकाशदीप	1928ई.	जयशंकर प्रसाद	चंपा-बुद्धगुप्त
ताई		विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	रामजीदास, रामेश्वरी

74. निम्नलिखित सिद्धान्तों को उनके सिद्धांतकारों से सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) वक्रोक्ति सिद्धांत	(i) क्षेमेन्द्र
(b) रीति सिद्धांत	(ii) आनन्दवर्द्धन
(c) औचित्य सिद्धांत	(iii) कुन्तक
(d) ध्वनि सिद्धांत	(iv) वामन
	(v) भरत

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(v)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (c)

व्याख्या–

सिद्धान्त	सिद्धान्तकार
वक्रोक्ति सिद्धान्त	कुन्तक
रीति सिद्धान्त	वामन
औचित्य सिद्धान्त	क्षेमेन्द्र
ध्वनि सिद्धान्त	आनन्दवर्धन
रस सिद्धान्त	भरतमुनि

75. जयशंकर प्रसाद के नाट्यगीतों को उनके गाने वाले पात्रों से सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) "अरुण यह मधुमय देश हमारा...	(ii) मालविका
(b) "हिमाद्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती	(ii) देवसेना
(c) "तुम कनक किरण के अन्तराल में लुप-छिपकर चलते हो क्यों	(iii) कार्नेलिया
(d) "आह वेदना मिली विदाई ....''	(iv) अलका
	(v) राक्षस

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(c)	(iii)	(v)	(iv)	(i)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)

उत्तर (d)

व्याख्या–

नाट्य गीतों के गान	सम्बन्धित पात्र
"अरुण यह मधुमय देश हमारा..	कार्नेलिया
हिमाद्रि तुंग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती	अलका
तुम कनक किरण के अन्तराल में लुप छिपकर चलते हो क्यों	राक्षस
आह वेदना मिली विदाई	देवसेना
"मधुप कब एक कली का है। पाया जिसमें प्रेम रस सौरभ और सुहाग। बेसुध हो उस कली से मिलता भार अनुराग''।	मालविका

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2016

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'ण' वर्ण का उच्चारण स्थान है :
   (a) तालु (b) मूर्धा
   (c) वर्त्स (d) कंठ

उत्तर (b)

व्याख्या-व्यंजनों का वर्गीकरण उच्चारण के आधार पर-

कण्ठ्य (कण्ठ से) -	क, ख, ग, घ, ङ
तालव्य (तालु से) -	च, छ, ज, झ, ञ, य, श
मूर्धन्य(तालु के मूर्धाभाग से)-	ट, ठ, ड, ढ, ण, ष
दन्त्य (दाँतों के मूल से) -	त, थ, द, ध
वर्त्स्य (दन्तमूल से) -	न, स, र, ल
ओष्ठय -	प, फ, ब, भ, म
दन्तोष्ठ्य (निचले होंठ और ऊपर के दाँतों से)-	व, फ
स्वर यन्त्रीय (काकल्य) -	क

2. **आगम वे अ पुराणे, पंडित मान बहंति।**
   पक्क सिरिफल अलि अ जिम वाहेरित भ्रमयंति।।
   ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?
   (a) सरहपा (b) कण्हपा
   (c) डोम्भिपा (d) कुक्कुरिपा

उत्तर (b)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	काव्यकार
आगम वे अ पुराणे पंडित मान बहंति। पक्क सिरिफल अलि अ जिम वाहेरित, भ्रमयंति	कण्हपा
गंगा जउँना माझे बहइ रे नाई तहे बुडिली मातंगि योइआ लीले पार करेई	डोम्भिपा
जहि मन पवन न संचरइ, रवि ससि नाहि पवेश। तहि वत चित्त विसाम करु, सरेहे कहिअ उवेश।।	सरहपा
ससुरी निंद गेल, बहुडी जागअ। कानेट चोर निलका गई मागअ।। दिवसइ बहुणी काढ़इ डरे भाअ। रति भइले कामरु जाअ।।	कुक्कुरिपा

3. **सूर समाना चंद में दहूँ किया घर एक।**
   मन का चिंता तब भया कछू पुरबिला लेख।।
   इन पंक्तियों के रचनाकार हैं :
   (a) तुलसीदास (b) सुन्दरदास
   (c) दादूदयाल (d) कबीरदास

उत्तर (d)

व्याख्या-

काव्य पंक्तियाँ	कवि
सूर समाना चंद में दहूँ किया घर एक मन का चिंता तब भया कछु पुरबिला लेख	कबीरदास
निगम अगम साहब सुगम राम सांचिली चाह अंबु असन असलोकियत सुलभ सबहि जग माह	तुलसीदास
असत मिलइ अंतर पडइ, भाव भगति रस जाइ।। साथ मिलइ सुख ऊपजई, आनन्द अंग नवाई।।	दादूदयाल
बोलिए तौ तब जब बोलिबे की बुद्धि होय ना तौ मुख मौन गहि चुप होय रहिए	सुन्दरदास

4. **द्वैतवाद के प्रणेता हैं :**
   (a) मध्वाचार्य (b) वल्लभाचार्य
   (c) रामानुजाचार्य (d) रामानंद

उत्तर (a)

दर्शन	प्रणेता	सम्प्रदाय
द्वैतवाद	मध्वाचार्य	ब्रह्म सम्प्रदाय
विशिष्टा द्वैतवाद	रामानुजाचार्य	श्रीसम्प्रदाय
शुद्धा द्वैतवाद	बल्लभाचार्य	रुद्रसम्प्रदाय
द्वैताद्वैतवाद	निम्बार्काचार्य	सनकादि सम्प्रदाय
शुद्धाद्वैतवाद	विष्णु स्वामी	रुद्र सम्प्रदाय

नोट-हिन्दी में रामकाव्य के पुरस्कर्ता रामानंद माने जाते हैं। रामानंद ने उत्तर भारत में रामभक्ति को प्रतिष्ठित और प्रसारित किया।

5. **'रौजतुल हकायक' के रचयिता हैं :**
   (a) शेख नबी (b) कासिम शाह
   (c) नूर मुहम्मद (d) उसमान

उत्तर (c)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	प्रकाशनवर्ष	रचयिता
रौजतुल हकायक इंद्रावती अनुराग बाँसुरी	- 1744 ई. 1764 ई.	नूर मुहम्मद
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
ज्ञानदीप	1619 ई.	शेखनबी
हंस जवाहिर	1731 ई.	कासिम शाह

नोट- नूरमुहम्मद की 'रौजतुल हकायक' नामक ग्रंथ फारसी भाषा में लिखा है तथा अन्य सभी रचनाएँ अवधी भाषा में रचित प्रेमाख्यानक काव्य ग्रंथ है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

6. **इनमें से किस कवि ने प्रबंधात्मक वीर काव्य की भी रचना की है?**
(a) ग्वाल कवि
(b) रामसहाय दास
(c) पद्माकर भट्ट
(d) सम्मन
उत्तर (c)

व्याख्या-रीतिकाल में प्रबंधात्मक वीरकाव्य की रचना पद्माकर भट्ट ने किया है।
पद्माकर भट्ट के काव्य ग्रंथ- हिम्मत बहादुर विरुदावली, पद्माभरण, जगद् विनोद, प्रबोध पचासा, गंगालहरी, प्रतापसिंह विरुदावली, कलिपच्चीसी, रामरसायन, अलीजाह प्रकाश।
ग्वाल कवि सर्वांग निरुपण काव्य ग्रंथ-
यमुना लहरी, भक्त भावन, रसिकानंद, रसरंग, कृष्ण जू को नखशिख, दूषणदर्पण, राधामाधव मिलन, राधाष्टक, कवि हृदय विनोद, कवि दर्पण, नेह निर्वाह, बंसी बीसा, कुब्जाष्टक, षड्ऋतु वर्णन, अलंकार भ्रम भंजन, रसरूप, दृगशतक।
रामसहाय छंद निरूपण कवि के काव्य ग्रंथ-
वृत्त तरंगिणी (1816), अलंकार प्रकाश (1648), वाणीभूषण, रामसतसई तथा ककहरा।
'सम्मन नीति काव्यकार' कवि के काव्य ग्रंथ-
स्फुट दोहा, तथा पिंगल काव्यभूषण

7. **इनमें से किस कवि ने सतसई की रचना नहीं की है?**
(a) रसनिधि (b) वृन्द
(c) भूपति (d) बेनी 'प्रवीन'
उत्तर (d)

व्याख्या-बेनी प्रवीन के काव्यग्रंथ-शृंगार भूषण, नवरस तरंग, (1817) नानाराव प्रकाश।
वृन्द के काव्य ग्रंथ- बारहमासा (1668), भाव पंचाशिका (1686), नयन पचीसी (1686), पवन पचीसी (1691), शृंगार शिक्षा (1691), यमक सतसई (1706), अलंकार सतसई, वृन्द विनोद सतसई।
रसनिधि (पृथ्वी सिंह) के काव्य ग्रंथ- रतनहजारा, विष्णुपद कीर्तन, कवित्त, बारहमासा, रसनिधि सागर, हिंडोला, अरिल्ल, रसनिधि सतसई।
भूपति के काव्य ग्रंथ-भूपति सतसई, कण्ठाभूषण, तथा रसरत्नाकर।

8. **'भ्रमरदूत' के रचनाकार हैं :**
(a) सत्यनारायण कविरत्न
(b) लाला भगवानदीन
(c) जगन्नाथदास रत्नाकर
(d) राय देवीप्रसाद 'पूर्ण'
उत्तर (a)

व्याख्या-सत्यनारायण कविरत्न के काव्य ग्रंथ- भ्रमरदूत, तथा प्रेमकली।
जगन्नाथदास रत्नाकर के काव्य ग्रंथ- गंगावतरण (1927), उद्धवशतक (1929), हरिश्चन्द्र, हिंडोला (1894), शृंगारलहरी, कलकाशी, वीराष्टक
लाला भगवानदीन के काव्य ग्रंथ-वीर क्षत्राणि, वीर बालक, वीर पंचरत्न, नवीन बीन
रायदेवी प्रसाद पूर्ण के काव्य ग्रंथ-धाराधर धावन (1902), स्वदेशी कुण्डल (1910), मृत्युंजय (1904), राम-रावण विरोध (1906), बसंत वियोग (1912) पूर्ण संग्रह।
नोट-(i) सत्यनारायण कविरत्न की समस्त रचनाओं का संकलन बनारसीदास चतुर्वेदी ने 'हृदय तरंग' शीर्षक से प्रकाशित कराया।
(ii) कविरत्न ने भवभूति के 'उत्तर रामचरितम्' और 'मालती माधव' तथा लार्ड मैकाले के अंग्रेजी खण्डकाव्य 'होरेशस' का ब्रजभाषा में अनुवाद किया।
(iii) जगन्नाथदास रत्नाकर ने अंग्रेजी विद्वान पोप के 'ऐसे ऑन क्रिटिसिज्म' का रोला छंद में 'समालोचनादर्श' शीर्षक से अनुवाद किया।

9. **काम मंगल से मंडित श्रेय**
सर्ग इच्छा का है परिणाम;
तिरस्कृत कर उसको तुम भूल
बनाते हो असफल भवधाम।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ 'कामायनी' के किस वर्ग की हैं?
(a) वासना (b) काम
(c) श्रद्धा (d) लज्जा
उत्तर (c)

व्याख्या-जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित 'कामायनी' (1935) महाकाव्य में 15 सर्ग हैं।

पंक्तियाँ	सर्ग
काम मंगल ....असफल भवधाम	श्रद्धा
नारी ! तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास-रजत-नग पगतल में, पियूष स्रोत सी बहा करो जीवन के सुन्दर समतल में	लज्जा
मधुर क्रीडा मिश्र चिन्ता साथ ले उल्लास हृदय का आनन्द कूजन लगा करने रास।	वासना
था व्यक्ति सोचता आलस में, चेतना सजग रहती दुहरी, कानों के कान खोल करके, सुनती थी कोई ध्वनि गहरी	काम

10. **निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद का कौन-सा नाटक कल्हण की 'राजतरंगिणी' पर आधारित है?**
(a) राज्यश्री (b) विशाख
(c) जनमेजय का नागयज्ञ (d) अजातशत्रु
उत्तर (b)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-ये सभी नाटक प्रसिद्ध ऐतिहासिक नाटककार जयशंकर प्रसाद के हैं।

नाटक	प्रकाशनवर्ष	विषयवस्तु
विशाख	1921 ई.	विशाख का कथानक कल्हण की 'राजतरंगिणी' के आरम्भिक अंश से लिया गया है।
राज्यश्री	1915 ई.	इसका आधार 'हर्ष चरित' तथा चीनी यात्री ह्वेनसांग का ऐतिहासिक विवरण है।
जनमेजय का नागयज्ञ	1926 ई.	इसमें परीक्षित का प्रतापी पुत्र जनमेजय पिता का बदला लेने के लिए नागों का विध्वंस करना चाहता है।
अजातशत्रु	1922 ई.	इसमें तीन राज परिवारों-मगध, कोशल और कौशाम्बी को केन्द्र मानकर शासकों की महत्वाकांक्षा और सत्तालिप्सा को दिखाया गया है।

11. 'मुड़-मुड़ कर देखता हूँ किसकी आत्मकथा है?
(a) राजेन्द्र यादव (b) भीष्म साहनी
(c) रवीन्द्र कालिया (d) कमलेश्वर
उत्तर (a)

व्याख्या-

आत्मकथा	प्रकाशनवर्ष	आत्मकथाकार
मुड़-मुड़ कर देखता हूँ	2001 ई.	राजेन्द्र यादव
आज के अतीत	2003 ई.	भीष्म साहनी
गालिब छूटी शराब	2000 ई.	रवीन्द्र कालिया
जो मैंने जिया	1992 ई.	कमलेश्वर
यादों का चिराग	1997 ई.	
जलती हुई नदी	1999 ई.	

12. 'मणिकर्णिका' के लेखक हैं :
(a) ओम प्रकाश वाल्मीकि (b) डॉ. धर्मवीर
(c) तुलसीदास (d) सूरजपाल चौहान
उत्तर (a)

व्याख्या- सभी रचनाकार दलित आत्मकथाकार हैं तथा उनकी आत्मकथा निम्नवत है-

आत्मकथा	प्रकाशनवर्ष	आत्मकथाकार
मुर्दहिया	2010 ई.	तुलसीराम
मणिकर्णिका	2014 ई.	
जूठन	1997 ई.	ओमप्रकाश बाल्मीकि
मेरी पत्नी और भेड़िया	2009 ई.	डॉ. धर्मवीर
तिरस्कृत	2002 ई.	सूरजपाल सिंह चौहान
संतप्त	2006 ई.	

13. 'महाकाल' उपन्यास के लेखक हैं :
(a) अमृतराय (b) अमृतलाल नागर
(c) विष्णु प्रभाकर (d) उदयशंकर भट्ट
उत्तर (b)

व्याख्या-अमृतलाल नागर के उपन्यास- महाकाल (1947), सेठ बाके लाल (1955), बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नूपुर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघट वाला मुखड़ा (1968), एकदानैमिषारण्ये (1972), मानस का हंस (1972), नाच्यौ बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981), बिखरे तिनके (1978), अग्निगर्भा (1983), करवट (1985), तथा पीढ़ियाँ (1990)

विष्णु प्रभाकर के उपन्यास- ढलती रात (1951), वट के बंधन (1955), स्वप्नमयी (1956), कोई तो (1980), अर्धनारीश्वर (1992), संकल्प (1993)।

उदयशंकर भट्ट के उपन्यास- नये मोड़ (1954), सागर लहरे और मनुष्य (1956), लोक-परलोक (1958), शेष-अशेष (1960)

अमृतराय के उपन्यास- बीज (1952), नागफनी का देश (1953), हाथी के दाँत (1956), जंगल (1969), सुख-दुख (1969), भटियाली (1969), धुआँ (1977)

14. 'कामरेड का कोट' कहानी के लेखक हैं :
(a) विनोद कुमार शुक्ल (b) अखिलेश
(c) ज्ञानरंजन (d) सृंजय
उत्तर (d)

व्याख्या-

लेखक	कहानी संग्रह
सृंजय	कामरेड की कोट (1993), नंगा (2001), भागदत्त का हाथी (1988)
अखिलेश	आदमी नहीं टूटता, मुक्ति (1989), शापग्रस्त (1997), अँधेरा (2006)
ज्ञानरंजन	फेंस के इधर-उधर (1968), यात्रा (1975), क्षणजीवी (1977), सपना नही (1977)
विनोद कुमार शुक्ल	पेड पर कमरा (1988)

15. भारतेन्दु हरिश्चंद के निम्नलिखित रूपकों में से 'भाण' कौन-सा है?
(a) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति
(b) विषस्य विषमौषधम्
(c) भारत दुर्दशा
(d) नीलदेवी
उत्तर (b)

ये सभी नाटक, नाट्य विद्या के प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के हैं।

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटक के प्रकार
विषस्य विषमौषधम्	1876 ई.	भाण (एक पात्रीय नाटक)
वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति	1873 ई.	प्रहसन
भारत दुर्दशा	1880 ई.	नाट्य या लास्य रूपक
नीलदेवी	1881 ई.	गीतिरूपक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. 'सूरदास जब अपने प्रिय विषय का वर्णन शुरू करते हैं तो मानों अलंकारशास्त्र हाथ जोड़कर उनके पीछे-पीछे दौड़ा करता है। उपमाओं की बाढ़ आ जाती है, रूपकों की वर्षा होने लगती है।'
उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है?

(a) हजारी प्रसाद द्विवेदी (b) रामचंद्र शुक्ल
(c) नंददुलारे वाजपेयी (d) हरबंशलाल शर्मा

उत्तर (a)

व्याख्या- "सूरदास जब अपने प्रिय" विषय का वर्णन शुरू करते हैं तो मानो अलंकारशास्त्र हाथ जोड़कर उसके पीछे-पीछे दौड़ा करता है। उपमाओं की बाढ़ आ जाती है, रूपकों की वर्षा होने लगती है।" **- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी**

"वात्सल्य और शृंगार के क्षेत्र का जितना अधिक उद्घाटन सूर ने बन्द आँखो से किया, उतना किसी और कवि ने नहीं। इन क्षेत्रों का कोना-कोना वे झाँक आए।" **- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**

स्थिति विशेष का पूरा दिग्दर्न भी करे, घटना क्रम का अभ्यास भी दें और साथ ही समुन्नत कोटि के रूप सौन्दर्य और भाव सौन्दर्य की परिपूर्ण झलक भी दिखलाते जाय। यह विशेषता हमें कवि सूरदास में ही मिलती है- **नंददुलारे वाजपेयी**

17. भारत मुनि के रस सूत्र के व्याख्याता भट्टनायक के सिद्धांत का नाम है :

(a) अनुमितिवाद (b) उत्पत्तिवाद
(c) भुक्तिवाद (d) अभिव्यक्तिवाद

उत्तर (c)

व्याख्या-भरतमुनि के रस सूत्र के व्याख्याकार-

सिद्धान्त	**आचार्य**	**दार्शनिक मत**
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्ट नायक	सांख्य दर्शन
अनुमितिवाद	भट्ट शंकुक	न्याय दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा दर्शन
अभिव्यक्तिवाद	अभिनव गुप्त	शैवदर्शन

18. वक्रोक्ति सिद्धांत के प्रवर्तक आचार्य हैं :

(a) कुंतक (b) विश्वनाथ
(c) भामह (d) आनंदवर्द्धन

उत्तर (a)

व्याख्या-

सिद्धान्त	**प्रवर्तक**
वक्रोक्ति सिद्धान्त	आचार्य कुंतक
ध्वनि सम्प्रदाय	आनन्द वर्धन
अलंकार सम्प्रदाय	भामह

नोट- आचार्य विश्वनाथ रसवादी आचार्य हैं, भरत के रस सिद्धान्त के प्रमुख व्याख्याकार विश्वनाथ भी हैं।

19. अभिव्यंजनावादी सिद्धान्त के प्रवर्तक हैं :

(a) कॉलरिज (b) क्रोचे
(c) टी.एस. इलियट (d) मैथ्यू अर्नाल्ड

उत्तर (b)

व्याख्या-अभिव्यंजनावादी सिद्धान्त के प्रवर्तक प्रमुख इतावली पाश्चात्य, काव्यशास्त्री बेनेदेत्तो क्रोचे (1866-1952) है। क्रोचे द्वारा 1902 में 'ला क्रितीका' नामक पत्रिका का प्रकाशन किया गया है। ईस्थेटिक (1902), न्यू एसेज आन एस्थेटिक (1920) तथा डिफेंस ऑफ पोएट्र (1933) आदि क्रोचे की रचनाएँ हैं।

20. 'प्रेमचंद और उनका युग' के लेखक हैं :

(a) हंसराज रहबर (b) इन्द्रनाथ मदान
(c) नन्ददुलारे वाजपेयी (d) रामविलास शर्मा

उत्तर (d)

व्याख्या-रामविलास शर्मा की आलोचनात्मक कृतियाँ- प्रेमचंद (1941) भारतेन्दु युग (1943), निराला (1946), प्रगति और परम्परा (1948), साहित्य और संस्कृति (1949), प्रेमचंद और उनका युग (1952), प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना (1955), आस्था एवं सौन्दर्य (1956), भाषा एवं समाज (1961), साहित्य : स्थायी मूल्य और मूल्यांकन (1968), निराला की साहित्य साधना (तीन भाग- 1969, 1972, 1976), भारतेन्द्र युग और हिन्दी साहित्य की विकास परम्परा (1975), महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण (1977), नयी कविता और अस्तित्ववाद (1978), हिन्दी जाति का साहित्य (1986), बड़े भाई (1986), भारतीय सौन्दर्य बोध और तुलसीदास (2001)

नंददुलारे वाजपेयी की आलोचनात्मक कृतियाँ-

हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी (1942), जयशंकर प्रसाद (1940), प्रेमचन्द, आधुनिक साहित्य (1950), महाकवि सूरदास (1952), महाकवि निराला (1965), नयी कविता (1973), कवि सुमित्रानंदन पंत (1976), रस सिद्धान्त (1977), साहित्य का आधुनिक युग (1978), आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा (1978), रीति और शैली (1979), नया साहित्य नये प्रश्न (1955)

डॉ. इन्द्र नाथ मदान की आलोचनात्मक कृतियाँ- हिन्दी कहानी अपनी जबानी, कविता और कविता, प्रेमचन्द : एक विवेचन समकालीन आलोचना।

हंसराज रहबर की आलोचनात्मक कृतियाँ-

प्रेमचंद : जीवन, कला और कृतित्व, प्रगतिवाद : पुनर्मूल्यांकन, गालिब बेनकाब, गालिब हकीकत के आईने में, इकबाल और उनकी शायरी।

21. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है:

(a) पुष्पदंत, अद्दहमाण, स्वयंभू, हेमचंद्र
(b) अद्दहमाण, हेमचंद्र, स्वयंभू, पुष्पदंत
(c) स्वयंभू, पुष्पदंत, अद्दहमाण, हेमचंद्र
(d) हेमचंद्र, स्वयंभू, पुष्पदंत्त, अद्दहमाण

उत्तर (c)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

कवि	जीवनकाल
स्वयंभू	आठवीं शताब्दी (783 ई.)
पुष्पदंत	10वीं शताब्दी (972 ई.)
अद्दहमाण	12-13वीं शताब्दी
हेमचंद्र	11वीं शताब्दी (1088ई.)

22. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(a) बिहारी देव, भिखारीदास, पद्‌माकर
(b) देव, बिहारी, पद्‌माकर, भिखारीदास
(c) भिखारीदास, देव, बिहारी, पद्‌माकर
(d) भिखारीदास, बिहारी, देव, पद्‌माकर

उत्तर (a)

व्याख्या-

कवि	जीवनकाल
बिहारी	1595- 1663 ई.
देव	1673- 1767 ई.
भिखारीदास	18वीं शताब्दी (1750ई. के आसपास)
पद्‌माकर	1753 - 1833 ई.

23. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(a) हरिवंशराय बच्चन, नरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर शुक्ल अंचल, गोपाल सिंह नेपाली
(b) नरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर शुक्ल अंचल, हरिवंशराय बच्चन, गोपाल सिंह नेपाली
(c) रामेश्वर शुक्ल अंचल, हरिवंशराय बच्चन, गोपालसिंह नेपाली, नरेन्द्र शर्मा
(d) गोपाल सिंह नेपाली, हरिवंशराय बच्चन, नरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर शुक्ल अंचल

उत्तर (*)

व्याख्या-

कवि	जीवनकाल
हरिवंश राय बच्चन	1907-2003 ई.
गोपाल सिंह नेपाली	1913-1963 ई.
नरेन्द्र शर्मा	1913-1991 ई.
रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	1915-1996 ई.
नोट- आयोग ने इस प्रश्न को गलत माना है।	

24. मैथिलीशरण गुप्त की निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :

(a) यशोधरा, द्वापर, पंचवटी, साकेत
(b) पंचवटी, साकेत, यशोधरा,द्वापर
(c) द्वापर, यशोधरा, पंचवटी, साकेत
(d) साकेत, यशोधरा, द्वापर, पंचवटी

उत्तर (b)

व्याख्या-मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964) की काव्य कृतियों का सही अनुक्रम-
रंग में भंग (1909), जयद्रथ वध (1910), भारत भारती (1912), किसान (1917), पंचवटी (1925), हिन्दू (1927), विकट भट (1929), गुरुकुल (1929), झंकार (1929), साकेत (1931), यशोधरा (1932), द्वापर (1936), सिद्धराज (1936), जयभारत (1952), विष्णु प्रिया (1957), **वैतालिक।**

25. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित काव्य-संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(a) जमीन पक रही है, अभी बिल्कुल अभी, बाघ, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं
(b) बाघ, जमीन पक रही है, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं अभी बिल्कुल अभी
(c) अभी बिल्कुल अभी, जमीन पक रही है, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं, बाघ
(d) जमीन पक रही है, बाघ, अभी बिल्कुल अभी, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं

उत्तर (c)

व्याख्या- केदारनाथ सिंह के काव्य संग्रह का सही अनुक्रम-
अभी बिल्कुल अभी (1960), जमीन पक रही है (1980), यहाँ से देखो, अकाल में सारस (1989), उत्तर कबीर तथा अन्य कविताएँ (1995), बाघ (लम्बी कविता), ताल्सताय और साइकिल (2004)

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(a) कोणार्क, नारद की वीणा, अंधा कुआँ, बकरी
(b) नारद की वीणा, कोणार्क, अंधा कुआँ, बकरी
(c) अंधा कुआँ, बकरी, कोणार्क, नारद की वीणा
(d) बकरी, कोणार्क, अंधा कुआँ, नारद की वीणा

उत्तर (b)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
नारद की वीणा	1946 ई.	लक्ष्मी नारायण मिश्र
कोणार्क	1951 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
अंधा कुआँ	1955 ई.	लक्ष्मीनारायण लाल
बकरी	1974 ई.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(a) परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस, पल्टू बाबू रोड
(b) दीर्घतपा, जुलूस, पल्टू बाबू रोड, परती परिकथा
(c) जुलूस, दीर्घतपा, पल्टू बाबू रोड, परती परिकथा
(d) पल्टू बाबू रोड, परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस

उत्तर (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-फणीश्वरनाथ 'रेणु' एक आंचलिक उपन्यासकार है उनके उपन्यासों का सही अनुक्रम-

मैला आँचल (1954), परती परिकथा (1957), दीर्घतपा (1963), जुलूस (1965), कितने चौराहे (1966), पल्टू बाबू रोड (1979), राम रतन राय (1971) (अपूर्ण)

28. रमेशचन्द्र शाह के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(a) किस्सा गुलाम, पूर्वापर, विनायक, गोबर गणेश
(b) पूर्वापर, विनायक, किस्सा गुलाम, गोबर गणेश
(c) गोबर गणेश, पूर्वापर, विनायक, किस्सा गुलाम
(d) गोबर गणेश,किस्सा गुलाम, पूर्वापर, विनायक

उत्तर (d)

व्याख्या-रमेश चन्द्र शाह के उपन्यासों का सही अनुक्रम-
गोबर गणेश (1978), किस्सा गुलाम (1986), पूर्वापर (1990), आखिरी दिन (1992), पुनर्वास (1995), विनायक (2011), सफेद परदे पर आत्मनायक (2012), असबाब-ए-पीरानी (2012)

29. प्रकाशन वर्ष के अनुसार उषा प्रियंवदा के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(a) पचपन खंभे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, अंतर्वंशी, शेष यात्रा
(b) अंतर्वंशी, पचपन खंभे लाल दीवारें, शेष यात्रा, रुकोगी नहीं राधिका
(c) पचपन खंभे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, शेष यात्रा, अंतर्वंशी
(d) शेष यात्रा, पचपन खंभे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, अंतर्वंशी

उत्तर (c)

व्याख्या-उषा प्रियंवदा के उपन्यासों का सही अनुक्रम- पचपन खम्भे लाल दीवारे (1961), रुकोगी नहीं राधिका (1967), शेषयात्रा (1984), अन्तर्वंशी (2000), भए कबीर उदास (2007)

30. लेखन-काल के अनुसार निम्नलिखित पाश्चात्य आलोचकों का सही अनुक्रम है :

(a) वड्सवर्थ, क्रोचे, टी.एस. इलियट, आई.ए. रिचर्ड्स
(b) आई.ए. रिचर्ड्स, वड्सवर्थ, क्रोचे, टी.एस. इलियट
(c) टी.एस. इलियट, क्रोचे, वड्सवर्थ, आई.ए. रिचर्ड्स
(d) क्रोचे, आई.ए. रिचर्ड्स, वड्सवर्थ, टी.एस. इलियट

उत्तर (a)

व्याख्या-

पाश्चात्य आलोचक	जीवनकाल
विलियम वर्ड्सवर्थ (इंग्लैण्ड)	1770-1850 ई.
बेनेदेत्तो क्रोचे (इटली)	1866- 1952 ई.
टॉमस स्टर्न्स इलियट (अमेरिका)	1888-1965 ई.
ईवर आर्मस्ट्रोंग रिचर्ड्स	1893-1979 ई.

31. निम्नलिखित पात्रों को सम्बद्ध काव्य ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II	
(a)	चंदा	(i)	बीसलदेव रासो
(b)	नागमती	(ii)	चंदायन
(c)	राजमती	(iii)	ढोला-मारू रा दूहा
(d)	मालवणी	(iv)	पृथ्वीराज रासो
		(v)	पद्मावत

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)
(3)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(ii)	(v)	(iv)	(i)

उत्तर (a)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	रचनाकार	पात्र
बीसलदेव रासो (1212 ई.)	नरपति नाल्ह	राजमती, बीसलदेव
चंदायन (1379 ई.)	मुल्ला दाऊद	लोर (लोरिका)-चंदा
ढोला-मारु रा दूहा (11वीं शताब्दी)	कुशललाभ	ढोला-मारू
पृथ्वीराज रासो (1192 ई.)	चन्दबरदाई	पृथ्वीराज-संयोगिता
पद्मावती (1540)	जायसी	रत्नसेन-पद्मावती, नागमती

32. निम्नलिखित रचनाकारों को उनके आश्रयदाता राजाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II	
(a)	चंदबरदाई	(i)	छत्रसाल
(b)	बिहारी	(ii)	परमाल
(c)	जगनिक	(iii)	जयसिंह
(d)	भूषण	(iv)	पृथ्वीराज चौहान
		(v)	बीसलदेव

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर (c)

व्याख्या-

रचनाकार	जीवनकाल	आश्रयदाता
चंदबरदाई	1168-1192 ई.	पृथ्वीराज चौहान
बिहारी	1595- 1663 ई.	जयसिंह
जगनिक	12-13 शताब्दी	परमाल
भूषण	1613-1715 ई.	छत्रसाल
नरपति नाल्ह	13वीं शताब्दी	बीसलदेव

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. निम्नलिखित काव्यकृतियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II
(a) मुक्तिप्रसंग	(i)	लीलाधर जगूड़ी
(b) खुशबू के शिलालेख	(ii)	रामधारी सिंह 'दिनकर'
(c) अनुभव के आकाश में चाँद	(iii)	राजकमल चौधरी
(d) रेणुका	(iv)	नरेश सक्सेना
	(v)	भवानी प्रसाद मिश्र

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)

उत्तर (b)

व्याख्या-	
काव्य कृतियाँ	**कवि**
मुक्ति प्रसंग	राजकमल चौधरी
खुशबू के शिलालेख	भवानी प्रसाद मिश्र
अनुभव के आकाश में चाँद	लीलाधर जगूड़ी
रेणुका	रामधारी सिंह 'दिनकर'
संशय की एक रात	नरेश मेहता

34. निम्नलिखित काव्य कृतियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II
(a) आत्मजयी	(i)	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
(b) खूँटियों पर टँगे लोग	(ii)	श्रीकांत वर्मा
(c) मगध	(iii)	राजेश जोशी
(d) पहाड़ पर लालटेन	(iv)	कुँवर नारायण
	(v)	मंगलेश डबराल

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(2)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर (d)

व्याख्या-		
काव्य कृतियाँ	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
आत्मजयी	1965 ई.	कुँवर नारायण
खूँटियों पर टँगे लोग	1982 ई.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
मगध	1984 ई.	श्रीकांत वर्मा
पहाड़ पर लालटेन	1981 ई.	मंगलेश डबराल
समरगाथा		राजेश जोशी

35. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II
(a) पराधीन रहकर अपना सुख शोक न कह सकता है। वह अपमान जगत में केवल पशु ही सह सकता है	(i)	मैथिलीशरण गुप्त
(b) धरती हिला कर नींद भगा दे। वज्रनाद से व्योम जगा दे। दैव, और कुछ लाग लगा दे।	(ii)	जगन्नाथदास रत्नाकर
(c) दिवस का अवसान समीप था गगन था, कुछ लोहित हो चला	(iii)	नाथूराम शर्मा शंकर
(d) भेजे मनभावन के ऊधव के आवन की, सुधि ब्रज-गाँवनि मैं पावन जबै लगीं।	(iv)	रामनरेश त्रिपाठी
	(v)	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(v)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)

उत्तर (a)

पंक्ति	**कवि**
पराधीन रहकर अपना सुख शोक न कह सकता है। वह अपमान जगत में केवल पशु ही सह सकता है।	रामनरेश त्रिपाठी
धरती हिला कर नींद भगा दे। वज्रनाद से व्योम जगा दे। दैव और कुछ लाग लगा दे	मैथिलीशरण गुप्त
दिवस का अवसान समीप था गगन था कुछ लोहित हो चला	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
भेजे मनभावन के ऊधव के आवन की सुधि ब्रज गाँवनि मैं पावन जबै लगी।	जगन्नाथ दास रत्नाकर
देशभक्त वीरो, मरने से नेक नहीं डरना होगा, प्राणों का बलिदान देश की वेदी पर करना होगा।	नाथूराम शर्मा 'शंकर'

36. जयशंकर प्रसाद के नाट्यगीतों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II
(a) आह वेदना मिली विदाई, मैंने भ्रमवश जीवन संचित मधुकरियों की भीख लुटाई।	(i)	अजातशत्रु

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) यौवन तेरी चंचल छाया (ii) ध्रुवस्वामिनी
इसमें बैठ घूँट भर पी लूँ
जो रस तू है लाया।
(c) कैसी कड़ी रूप की ज्वाला (iii) स्कंदगुप्त
पड़ता है पतंग-सा इसमें
मन हो कर मतवाला
(d) स्वर्ग है नहीं दूसरा और (iv) कामना
सज्जन हृदय परम
करुणामय यही एक है ठौर
(v) चन्द्रगुप्त

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(i)	(iv)	(v)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(i)	(iii)	(iv)

उत्तर (c)

व्याख्या- सभी नाट्य गीत जयशंकर प्रसाद के नाटकों से लिया गया है।

नाट्यगीत	नाटक	प्रकाशन वर्ष
आह वेदना मिली विदाई, मैंने भ्रमवश जीवन संचित मधुकरियों की भीख लुटाई	स्कंदगुप्त	1928 ई.
यौवन तेरी चंचल छाया इसमें बैठ घूँट भर ली लूँ जो रस तू है लाया।	ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.
कैसी कड़ी रूप की ज्वाला पड़ता है पतंग है पतंग सा इसमें मन होकर मतवाला	चन्द्रगुप्त	1931 ई.
स्वर्ग है नहीं दूसरा और सज्जन हृदय परम करुणामय यही एक है ठौर	अजातशत्रु	1922 ई.

37. निम्नलिखित निबंध संग्रहों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I — **सूची II**
(a) आस्था और सौंदर्य (i) निर्मल वर्मा
(b) अपनी अपनी बीमारी (ii) विद्यानिवास मिश्र
(c) कला और जोखिम (iii) रामविलास शर्मा
(d) तमाल के झरोखे से (iv) हरिशंकर परसाई
(v) बालमुकुंद गुप्त

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(v)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (b)

व्याख्या-

निबन्ध संग्रह	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
आस्था और सौंदर्य	1961 ई.	रामविलास शर्मा
अपनी अपनी बीमारी	1972 ई.	हरिशंकर परसाई
कला का जोखिम	1981 ई.	निर्मल वर्मा
तमाल के झरोखे से	1981 ई.	विद्यानिवास मिश्र

38. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके चित्रित गाँवों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I — **सूची II**
(a) रागदरबारी (i) गंगौली
(b) आधा गाँव (ii) बेलारी
(c) मैला आँचल (iii) लखनपुर
(d) गोदान (iv) मेरीगंज
(v) शिवपालगंज

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(v)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर (a)

व्याख्या-

उपन्यास	उपन्यासकार	चित्रित गाँव
प्रेमाश्रम (1922 ई.)	प्रेमचन्द	लखनपुर
रागदरबारी (1968 ई.)	श्रीलाल शुक्ल	शिवपालगंज
आधा गाँव (1966 ई.)	राही मासूम रजा	गंगौली
मैला आँचल (1954 ई.)	फणीश्वर नाथ रेणु	मेरीगंज
गोदान (1936)	प्रेमचंद	बेलारी

39. निम्नलिखित संप्रदायों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I — **सूची II**
(a) औचित्य (i) भरत मुनि
(b) वक्रोक्ति (ii) आनन्दवर्द्धन
(c) ध्वनि (iii) भामह
(d) रस (iv) क्षेमेन्द्र
(v) कुन्तक

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(4)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

उत्तर (d)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

सम्प्रदाय	आचार्य (प्रवर्तक)
औचित्य सम्प्रदाय	क्षेमेन्द्र
वक्रोक्ति सम्प्रदाय	कुन्तक
ध्वनि सम्प्रदाय	आनन्दवर्द्धन
रस सम्प्रदाय	भरतमुनि
अलंकार सम्प्रदाय	भामह

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) चर्च एण्ड स्टेट	(i) मैथ्यू आर्नल्ड
(b) लिटरेचर एंड ड्रामा	(ii) होरेस
(c) द फाउंडेशन ऑफ एस्थेटिक्स	(iii) कॉलरिज
(d) आर्स पोएतिका	(iv) विलियम वर्ड्सवर्थ
	(v) आई.ए. रिचर्ड्स

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(3)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(ii)	(v)

उत्तर (b)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
चर्च एण्ड स्टेट	1830 ई.	कॉलरिज
लिटरेचर एण्ड ड्रामा	1873 ई.	मैथ्यू आर्नल्ड
द फांउडेशन ऑफ एस्थेटिक्स		विलियम वर्ड्सवर्थ
आर्स पोएतिका		होरेस
साइंस एण्ड पोएट्री	1926 ई.	आई.ए. रिचर्ड्स

निर्देश : प्रश्न संख्या 41 से 45 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (A) है और दूसरा तर्क (B) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजए।

41. स्थापना (Assertion (A) : परंपरा आधुनिकता की विरोधी है।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि परंपरा पुरातनता को पोषित कर भविष्य का मार्ग अवरुद्ध करती है।

(a) A गलत R गलत (b) A गलत R सही
(c) A सही R सही (d) A सही R गलत

उत्तर (a)

व्याख्या-परम्परा आधुनिकता की विरोधी नहीं होती है, क्योंकि परम्परा हमारे सामाजिक मूल्यों को संरक्षित करती है एवं आधुनिकता को स्वीकार करती है। परम्परा तथा आधुनिकता एक-दूसरे के पूरक होते हैं। प्रत्येक देश, समाज, जाति तथा धर्म की परम्परा अलग-अलग होती है। परम्परा पुरातनता को पोषित कर संरक्षित करती है तथा भविष्य के लिए आधुनिकता के साथ मिलकर परम्परा को विकसित एवं परिवर्धित करती है।

42. स्थापना (Assertion (A) : मिथक विगत का आलेख है जिसका संबंध केवल धर्म और इतिहास से है।

तर्क (Reason (R) : इसीलिए मिथक का प्रयोजन केवल सामाजिक व्यवस्था के संरक्षण और संचालन से है, रचनात्मक स्वतंत्रता से नहीं।

(a) A गलत R गलत (b) A गलत R सही
(c) A सही R सही (d) A सही R गलत

उत्तर (a)

व्याख्या-मिथक समाज में व्याप्त एक कल्पना है मिथक का सम्बन्ध धर्म एवं इतिहास से नहीं होता है मिथक अलिखित कल्पना है जिसका पालन हमारा समाज करता है। भूतकाल में हमारे पूर्वजों द्वारा जो नियम कानून अथवा लोक प्रथाओं का प्रारम्भ हुआ है उसी को मिथक कहते हैं, मिथक का कोई साक्ष्य या प्रमाण नहीं मिलता है, मिथक हर समाज और देश का अलग-अलग होता है, मिथक काल्पनिक होता है तथ्यात्मक नहीं होता है। मिथक का सम्बन्ध सामाजिक व्यवस्था के संरक्षण तथा संचालन से भी होता है।

43. स्थापना (Assertion (A) : धर्म और विज्ञान की तरह साहित्य में प्रतीक एक निश्चित अर्थ का प्रतिपादक होता है।

तर्क (Reason (R) : इसीलिए रचनात्मक स्तर पर साहित्यक प्रतीक के संबंध में पाठक और प्रयोक्ता के बीच मतभेद नहीं हो सकता।

(a) A सही R गलत (b) A गलत R सही
(c) A सही R सही (d) A गलत R गलत

उत्तर (d)

व्याख्या-धर्म एवं विज्ञान की तरह साहित्य में प्रतीक एक निश्चित अर्थ का प्रतिपादक नहीं होता है क्योंकि साहित्य का सम्बन्ध कल्पना और यथार्थ से होता है। साहित्य मनुष्य हृदय से उत्पन्न भावों द्वारा होता है तथा साहित्य सम्पूर्ण विश्व एवं मानवजाति के लिए होता है यह बंधन मुक्त होता है। रचनात्मक स्तर पर साहित्यिक प्रतीक के सम्बन्ध में पाठक और प्रयोक्ता के बीच मतभेद हो सकता है क्योंकि प्रत्येक पाठक एवं प्रयोक्ता का साहित्य के प्रति रुझान भिन्न-भिन्न होता है।

44. स्थापना (Assertion (A) : काव्य के संदर्भ में 'काव्यानुभूति', 'रसानुभूति' और 'सौंदर्यानुभूति' का उल्लेख प्रायः समान अर्थ में किया जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क (Reason (R) : क्योंकि सच्ची काव्यानुभूति भावानुभूति से ही सम्पृक्त होती है, जीवन की यथार्थ अनुभूति से नहीं

(a) A गलत R सही (b) A गलत R गलत
(c) A सही R गलत (d) A सही R सही

उत्तर (c)

व्याख्या-साहित्य में काव्य के सन्दर्भ में 'काव्यानुभूति' 'रसानुभूति' और सौन्दर्यानुभूति का उल्लेख प्रायः समान अर्थ में किया जाता है। साहित्य में 'काव्यानुभूति' का अर्थ है काव्य में अनुभूति यह भावानुभूति से सम्पृक्त (अलग) नहीं होती है, जीवन का यथार्थ अनुभूति से होती है। साहित्य में काव्यानुभूति, रसानुभूति तथा सौन्दर्यानुभूति महत्वपूर्ण तत्व है जो एक दूसरे के पूरक है जिसके बिना साहित्य सर्जना सम्भव नहीं है।

45. स्थापना (Assertion (A) : विरुद्धों का सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौंदर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि विरुद्धों का सामंजस्य चमत्कृत करता है और यही लोकधर्म का सौंदर्य है।

(a) A गलत R गलत (b) A सही R सही
(c) A गलत R सही (d) A सही R गलत

उत्तर (b)

व्याख्या-विरुद्धो का सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता है। विरुद्धों का सामंजस्य अर्थ साहित्य में विरोधी भावों का सामंजस्य होना क्योंकि साहित्य में विरुद्धों का सामंजस्य चमत्कार उत्पन्न करता है जो लोक धर्म का सौन्दर्य होता है। काव्य मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बन्धों के संकुचित दायरे से ऊपर उठकर लोक सामान्य भाव भूमि पर प्रतिष्ठित करती है।

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50) के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

श्रद्धा द्वारा हम दूसरे के महत्त्व के किसी अंश के अधिकारी नहीं हो सकते, पर भक्ति द्वारा हो सकते हैं। श्रद्धालु महत्त्व को स्वीकार करता है, पर भक्त महत्त्व की ओर अग्रसर होता है। श्रद्धालु अपने जीवन-क्रम को ज्यों का त्यों छोड़ता है; पर भक्त उनकी काट-छाँट में लग जाता है। अपने आचरण द्वारा दूसरों की भक्ति के अधिकारी होकर ही संसार के बड़े-बड़े महात्मा समाज के कल्याण-साधन में समर्थ हुए है। गुरु गोविन्द सिंह को यदि केवल दण्डवत् करने वाले और गद्दी पर भेंट चढ़ाने वाले श्रद्धालु ही मिलते, दिन रात साथ रहने वाले- अपने सारे जीवन को अर्पित करने वाले -भक्त न मिलते तो वे अन्याय -दमन में कभी समर्थ न होते। इससे भक्ति के सामाजिक महत्त्व को, इसकी लोक-हितकारिणी शक्ति को स्वीकार करने में किसी को आगा-पीछा नहीं हो सकता। सामाजिक महत्त्व के लिए आवश्यक है कि या तो आकर्षित करो या आकर्षित हो। जैसे इस आकर्षण-विधान के बिना अणुओं द्वारा व्यक्त पिण्डों का आविर्भाव नहीं हो सकता, वैसे ही मानव-जीवन की विशद् अभिव्यक्ति भी नहीं हो सकती।

46. हम दूसरे के महत्त्व के अधिकारी कैसे हो सकते हैं?

(a) श्रद्धा द्वारा (b) आचरण द्वारा
(c) आस्था द्वारा (d) भक्ति द्वारा

उत्तर (d)

व्याख्या- भक्ति द्वारा हम समाज/संसार में एक-दूसरे के महत्व के अधिकारी हो सकते हैं क्योंकि श्रद्धालु महत्व को स्वीकार करता है तथा अपने जीवन क्रम को ज्यों का त्यों भक्ति पर छोड़ता है।

47. महात्मा अन्याय का दमन करने में कैसे समर्थ होते हैं?

(a) लोक कल्याण साधना में सब कुछ समर्पित करने वाले भक्तों के सहयोग से
(b) भेंट चढ़ाने वाले भक्तों की दक्षिणा से
(c) श्रद्धालुओं के सहयोग से
(d) दण्डवत् करने वाले भक्तों के सहयोग से

उत्तर (a)

व्याख्या-लोक कल्याण साधना में सब कुछ समर्पित करने वाले भक्तों के सहयोग से बड़े-बड़े महात्मा अन्याय का दमन करने में समर्थ होते हैं।

48. समाज कल्याण संभव हो पाता है, यदि :

(a) अपना आचरण ठीक-ठाक होता है
(b) दूसरों का आचरण ठीक होता है
(c) ऐसा आचरण हो कि दूसरे आप के प्रति भक्ति रखें
(d) दिन रात काम करते रहें

उत्तर (c)

व्याख्या-समाज का कल्याण तभी सम्भव हो पाता है यदि ऐसा आचरण हो कि दूसरे व्यक्ति आपके प्रति भक्ति (श्रद्धा) रखें। अपने आचरण आप दूसरों के भक्ति के अधिकारी हों तथा समाज कल्याण साधन में समर्थ हों।

49. भक्ति के सामाजिक महत्त्व का अभिप्राय है :

(a) लोक-हितकारिणी शक्ति को अस्वीकार करना
(b) समाज के प्रति आकर्षित होना
(c) भक्त को सर्वोपरि मानना
(d) लोक-हितकारिणी शक्ति को स्वीकार करना

उत्तर (d)

व्याख्या-भक्ति के सामाजिक महत्व का अभिप्राय यह है कि लोक-हितकारिणी शक्ति को स्वीकार करना इसलिए यह आवश्यक है कि या तो आप दूसरों को आकर्षित करो या तो आप दूसरों के लिए आकर्षित हों।

50. मानव जीवन की सार्थक और व्यापक अभिव्यक्ति के लिए आवश्यक है :

(a) आकर्षण विधान (b) सामाजिक लगाव
(c) पिण्डों का आविर्भाव (d) अणुओं का अस्तित्व

उत्तर (a)

व्याख्या-मानव जीवन की सार्थक और व्यापक अभिव्यक्ति के लिए आकर्षण विधान आवश्यक है, जिस प्रकार आकर्षण विधान के बिना अणुओं द्वारा पिण्डों का आविर्भाव नहीं हो सकता उसी प्रकार मानव जीवन की विशद् अभिव्यक्ति नहीं हो सकती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2016
हिन्दी
तृतीय प्रश्न-पत्र
(विश्लेषण सहित व्याख्या)

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'चौपाई' छंद का पूर्व रूप है :

(a) पद्धड़िया (b) पज्झटिका
(c) अरिल्ल (d) चौपई

उत्तर (c)

व्याख्या-चौपाई छंद का पूर्व रूप चौपई है। अपभ्रंश तथा अवहट्ठ में चौपाई का चउपई' कहा जाता है। अपभ्रंश तथा अवहट्ट में चउपई (चौपाई) 15 मात्राओं का छन्द होता था जबकि आधुनिक चौपाई 16 मात्राओं का छन्द है तथा अरिल्ल (अडिल्ल) में सोलह (16) मात्राएँ एवं पद्धरि में भी सोलह (16) मात्राएँ होती हैं इसलिए UGC के अनुसार इस प्रश्न का उत्तर c होगा।

2. ''डिंगल कवियों की वीर-गाथाएं, निर्गुणिया संतों की वाणियाँ, कृष्ण भक्त या रागानुगा भक्तिमार्ग के साधकों के पद, राम-भक्त या वैधी भक्तिमार्ग के उपासकों की कविताएं, सूफी साधना से पुष्ट मुसलमान कवियों के तथा ऐतिहासिक हिन्दू कवियों के रोमांस और रीति-काव्य- ये छहों धाराएँ अपभ्रंश कविता का स्वाभाविक विकास हैं।''- यह कथन किसका है?

(a) रामचन्द्र शुक्ल
(b) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(c) रामविलास शर्मा
(d) राहुल सांकृत्यायन

उत्तर (b)

व्याख्या-डिंगल कवियों की वीर-गाथाएँ, निर्गुंणिया संतों की वाणियाँ कृष्ण भक्त या रागानुगा भक्तिमार्ग के साधकों के पद, राम भक्त या वैधी भक्तिमार्ग के उपासकों की कविताएँ, सूफी साधना से पुष्ट मुसलमान कवियों के तथा ऐतिहासिक हिन्दू कवियों के रोमांस और रीति-काव्य-ये छहो धाराएँ अपभ्रंश कविता का स्वाभाविक विकास है।'' **आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी**

3. कुंडलिनी के उद्बुद्ध होने पर जो स्फोट होता है, उसे क्या कहते हैं?

(a) नाद (b) बिन्दु
(c) प्रकाश (d) सिद्धि

उत्तर (a)

व्याख्या- कुंडालिनी के उद्बुद्ध होने पर जो स्फोट होता है उसे नाद कहते हैं 'नाद' और 'बिन्दु' संज्ञाएँ ब्रजयान सिद्धों में बराबर चलती रही, गोरख सिद्धांत में इसका उल्लेख मिलता है। 'नाद' और 'बिन्दु' के योग से जगत की उत्पत्ति सिद्ध और हठयोगी दोनों मानते हैं। नाथ सम्प्रदाय में हठयोग मूलतः देहशुद्ध का साधन है। देहशुद्धि और प्राणायाम से मन एकाग्र कर लेने के पश्चात् कुंडालिनी को जागृति करता है। महा कुंडालिनी में ही व्याप्त शक्ति का समाहार होता है। घट के भीतर चक्रो की कल्पना की गई है जिनसे होती हुई कुंडालिनी ब्रह्मरंध्र तक पहुँचकर सिद्धि की अनाहत घोष करती है।

4. स्वामी अग्रदास का संबंध किस भक्ति-शाखा से है?

(a) ज्ञानमार्गी शाखा (b) प्रेममार्गी शाखा
(c) रामभक्ति शाखा (d) कृष्णभक्ति शाखा

उत्तर (c)

व्याख्या-स्वामी अग्रदास सगुण काव्यधारा के रामभक्ति शाखा से सम्बन्धित हैं। स्वामी अग्रदास ने अपनी गद्दी जयपुर के पास रैवास में स्थापित किया। रसिक सम्प्रदाय में इन्हें ''अग्रअली'' भी कहा जाता है। स्वामी अग्रदास द्वारा रचित प्रमुख ग्रंथ-

हितोपदेश उपखाणा बावनी, ध्यान मंजरी, रामध्यान मंजरी, कुण्डलिया, तथा अष्टयाम या रामाष्टयाम

5. जायसी ने अपनी किस काव्यकृति में कयामत का वर्णन किया है?

(a) मसलानामा (b) अखरावट
(c) आखिरी कलाम (d) कहरानामा

उत्तर (c)

व्याख्या-जायसी निर्गुणधारा के प्रेममार्गी शाखा (सूफी काव्य धारा) के प्रमुख कवि हैं। निम्नलिखित सभी रचनाएँ जायसी की ही है। जायसी प्रसिद्ध सूफी फकीर शेख मोहिदी (मुहीउद्दीन) के शिष्य थे।

रचना		विषयवस्तु
आखिरी कलाम	-	कयामत का वर्णन तथा मुगल बादशाह बाबर की प्रशंसा है।
अखरावट	-	वर्णमाला के एक-एक अक्षर को लेकर सिद्धान्त सम्बन्धी तत्वों से भरी चौपाई है।
कहरानामा	-	आध्यात्मिक विवाह का वर्णन है। यह कहरवा शैली में लिखा गया है।
मसलानामा	-	ईश्वर भक्ति के प्रति प्रेम निवेदन है।

6. विशिष्टाद्वैत के प्रस्तोता आचार्य हैं :

(a) रामानुजाचार्य (b) रामानंद
(c) शंकराचार्य (d) मध्वाचार्य

उत्तर (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

दर्शन	प्रवर्तक	सम्प्रदाय
विशिष्टा द्वैतवाद	रामानुजाचार्य	श्रीसम्प्रदाय
द्वैतवाद	मध्वाचार्य	ब्रह्म सम्प्रदाय
अद्वैतवाद	शंकराचार्य	स्मार्त सम्प्रदाय
शुद्धाद्वैतवाद	विष्णुस्वामी	रुद्र सम्प्रदाय
द्वैताद्वैतवाद	निम्बार्काचार्य	सनकादि सम्प्रदाय
शुद्धाद्वैतवाद	बल्लभाचार्य	रुद्र सम्प्रदाय

7. गौड़ीय संप्रदाय के संस्थापक हैं :

(a) हरिदास निरंजनी (b) लालदास
(c) हितहरिवंश (d) चैतन्य महाप्रभु

उत्तर (d)

व्याख्या-

संस्थापक आचार्य	सम्प्रदाय
चैतन्य महाप्रभु	गौड़ीय सम्प्रदाय
हित हरिवंश	राधावल्लभ सम्प्रदाय
स्वामी हरिदास	सखी/टट्टी सम्प्रदाय
लाल दास	लाल पंथ

8. 'हितचौरासी' के रचयिता हैं :

(a) नंददास (b) हितहरिवंश
(c) छीतस्वामी (d) स्वामी हरिदास

उत्तर (b)

व्याख्या-हित चौरासी, राधा सुधानिधि तथा यमुनाष्टक आदि स्वामी हितहरिवंश की रचनाएँ हैं। सिद्धान्त के पद तथा केलिमाला स्वामी हरिदास की ग्रंथ है। जबकि छीतस्वामी की रचनाओं का संकलन 'पदावली' है।

नंददास के ग्रंथों का अनुक्रम-

अनेकार्थ मंजरी, मानमंजरी, सुदामचरित, रसमंजरी, रूपमंजरी, विरह मंजरी, प्रेमबारहखड़ी, श्यामा सगाई, रुक्मिणी मंगल, भँवर गीत, रासपंचाध्यायी, सिद्धान्त पंचाध्यायी, दशमस्कंध।

9. ''यह सूचित करने की आवश्यकता नहीं है कि न तो सूर का अवधी पर अधिकार था और न जायसी का ब्रजभाषा पर।'' यह कथन किसका है?

(a) हजारीप्रसाद द्विवेदी (b) नगेन्द्र
(c) रामचंद शुक्ल (d) रामकुमार वर्मा

उत्तर (c)

व्याख्या- ''यह सूचित करने की आवश्यकता नहीं है कि न तो सूर का अवधी पर अधिकार था और न जायसी का ब्रजभाषा पर।''

आचार्य रामचंद्र शुक्ल

10. 'गिरा अरथ, जल बीचि सम कहियत भिन्न न भिन्न। बंदौं सीताराम पद जिनहि परम प्रिय खिन्न॥' उक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(a) केशवदास (b) तुलसीदास
(c) ईश्वरदास (d) नागरीदास

उत्तर (b)

व्याख्या-

काव्य पंक्तियाँ	कवि
गिरा अरथ, जल बीचि सम कहियत भिन्न न भिन्न बंदौ सीताराम पद जिनहि परम प्रिय खिन्न	तुलसीदास
केसव केसनि असकरी बैरिहु जस न कराहिं। चन्द्रबदनि मृगलोचनी 'बाबा' कहि-कहि जाहि।।	केशवदास
अधर मधुरता कठिनता कुच तिक्षनता त्यौर। रस कवित्त परिपक्वता जाने रसिक न और।।	भिखारीदास
एक चित्त हमैं चितवै उस जोगी चित जोग। धरम न जानसि पापी, कहसि कौन तैं लोग।।	ईश्वरदास

11. ''धर्म का प्रवाह कर्म, ज्ञान और भक्ति, इन तीन धाराओं में चलता है। इन तीनों के सामंजस्य से धर्म अपनी पूर्ण सजीव दशा में रहता हैं किसी एक के भी अभाव से वह विकलांग रहता है।'' यह कथन किस आलोचक का है?

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) राहुल सांकृत्यायन (d) रामविलास शर्मा

उत्तर (a)

व्याख्या-''धर्म का प्रवाह कर्म, ज्ञान और भक्ति इन तीन धाराओं में चलता है। इन तीनों के सामंजस्य से धर्म अपनी पूर्ण सजीव दशा में रहता हैं किसी एक के भी अभाव से वह विकलांग रहता है।

-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

''लेकिन जोर देकर कहना चाहता हूँ कि अगर इस्लाम नहीं आया होता तो भी इस साहित्य का बारह आना वैसा ही होता जैसा आज है।'' **-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी**

12. इनमें से किस कवि ने 'नखशिख' शीर्षक से काव्य ग्रंथ की रचना नहीं की?

(a) कुलपति मिश्र (b) सूरति मिश्र
(c) नृपशम्भू (d) पजनेस

उत्तर (*)

व्याख्या- सभी काव्यकारों ने नखशिख शीर्षक से नायिकाओ के सौन्दर्य का वर्णन किया है। UGC ने इस प्रश्न का उत्तर C दिया है।

कुलपति मिश्र के काव्य ग्रंथ- रस रहस्य (1670), द्रोपपर्व (1680), युक्तितरंगिणी (1686), नखशिख, संग्रामसार

सूरति मिश्र के काव्य ग्रंथ- अलंकार माला, रसरत्नमाला, रस सरस, रसग्राहक चंद्रिका, नखशिख, काव्य सिद्धान्त, रस रत्नाकर, भक्ति विनोद, श्रृंगार सागर।

नृपशम्भूनाथ सिंह सोलंकी के काव्य ग्रंथ- नायिका भेद, नखशिख, सात शतक।

पंजनेस के काव्य ग्रंथ- पजनेस प्रकाश, नखशिख, मधुर प्रिया।

13. 'अंग दर्पण' किस कवि की रचना है :

(a) रसलीन (b) मुबारक
(c) बेनी प्रवीन (d) रामसिंह

उत्तर (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-अंग दर्पण (1737) तथा रस प्रबोध (1741), रसलीन की काव्य कृतियाँ हैं। शृंगार भूषण, नवरस तरंग (1817), नानाराव प्रकाश आदि बेनी 'प्रवीन' की काव्य कृतियाँ हैं।

जुगल विलास, रस शिरोमणि, अलंकार दर्पण तथा रस निवास आदि रामसिंह की काव्य कृतियाँ हैं। अलकशतक और तिलशतक आदि मुबारक (सैयद मुबारक अली; बिलग्रामी) के काव्य ग्रंथ हैं।

14. 'चिरजीवो जोरी जुरै क्यों न सनेह गँभीर।
को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के बीर॥
'विषभानुजा' और 'हलधर' में कौन-सा अलंकार है?

(a) यमक (b) प्रतीप
(c) श्लेष (d) ब्याजस्तुति

उत्तर (c)

व्याख्या-श्लेष अलंकार-जहाँ किसी शब्द के एक से अधिक अर्थ निकले वहाँ श्लेष अलंकार होता है। श्लेष शब्द श्लिष्ट शब्द से निष्पन्न हुआ है, जिसका अर्थ होता है चिपका हुआ। श्लिष्ट शब्द में एक से अधिक अर्थ चिपके रहते हैं।

चिर जीवो जोरी जुरै, क्यों न सनेह गम्भीर।
को घटि ये, वृष भानुजा, वे हलधर के बीर।।

प्रतीप अलंकार- जहाँ उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ बताया जाय और कारण न दिया हो, वहाँ प्रतीप अलंकार होता है। प्रतीप शब्द का अर्थ है- विलोम, विरुद्ध या उलटा। इस अलंकार में उपमा अलंकार के विपरीत की स्थिति होती है।

तरनि-तनूजा नीर सोहत स्याम शरीर सम।
तन मन की सब पीर, दरसन-परसन तैं दुरै।।

ब्याज स्तुति अलंकार-

जहाँ देखने या सुनने में तो निन्दा प्रतीत हो, पर वास्तव में हो प्रशंसा हो, वहाँ ब्याजस्तुति अलंकार होता है।

काशी पुरी की कुरीति महा।
जहाँ देह देए पुनि देह न पाइए।।

यमक अलंकार- (यमक का अर्थ है- युग्म या जोड़ा) जहाँ एक शब्द की आवृत्ति दो या दो से अधिक बार होती है, किन्तु उनके अर्थ भिन्न हों, वहाँ यमक अलंकार होता है। दूसरे शब्दों में यमक अलंकार का मूलाधार शब्दवृत्ति के साथ अर्थ की विभिन्नता है।

खग कुल कुल कुल सा बोल रहा।
किसलय का अंचल डोल रहा।।

15. 'पानिप अपार घन आनँद उकति ओछी
जतन जुगति जोन्ह कौन पै नपति है।'
उक्त काव्यांश में कवि क्या कहना चाहता है?

(a) नायिका का सौंदर्य वर्णन असंभव नहीं है
(b) नायिका के सौंदर्य से अच्छी कवि की उक्ति है
(c) नायिका के सौंदर्य की तुलना में मेरी उक्ति निकृष्ट है।
(d) नायिका का सौंदर्य और कवि की उक्ति दोनों अच्छे हैं।

उत्तर (c)

व्याख्या-'पानिप अपार घन आनँद उकति ओछी'
जतन जुगति जोन्ह कौन पै नपति है।'

उक्त काव्यांश में कवि घनानन्द कहना चाहता है कि नायिका के सौन्दर्य की तुलना में मेरी उक्ति (कहावत) निकृष्ट (निम्न कोटि) की है। कवि नायिक के अपूर्व सौन्दर्य का वर्णन करता है।

16. "अष्टछाप में सूरदास के पीछे इन्हीं का नाम लेना पड़ता है। इनकी रचना भी बड़ी सरस और मधुर है। इनके संबंध में यह कहावत प्रसिद्ध है कि "और कवि गढ़िया, नंददास जड़िया।" यह कथन किस आलोचक का है?

(a) रामचंद्र शुक्ल (b) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) रामकुमार वर्मा (d) नंददुलारे वाजपेयी

उत्तर (a)

व्याख्या-"अष्टछाप में सूरदास के पीछे इन्हीं का नाम लेना पड़ता है। इनकी रचना भी बड़ी सरस और मधुर है। इनके सम्बन्ध में यह कहावत प्रसिद्ध है कि "और कवि गढ़िया नन्ददास जड़िया।"

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

17. निम्नलिखित में से मैथिलीशरण गुप्त की कौन-सी रचना नायिका प्रधान नहीं है?

(a) यशोधरा (b) पंचवटी
(c) साकेत (d) विष्णुप्रिया

उत्तर (b)

व्याख्या-पंचवटी (1925), साकेत (1931), यशोधरा (1932) तथा विष्णु प्रिया (1957) आदि द्विवेदी युगीन कवि मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएँ हैं। यशोधरा में महात्मा गौतम बुद्ध की पत्नी यशोधरा का वर्णन नायिका के रूप में मिलता है, साकेत में लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला का वर्णन नायिका के रूप में मिलता है तथा विष्णुप्रिया पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध संत चैतन्य महाप्रभु की पत्नी विष्णुप्रिया का नायिका के रूप में वर्णन किया है। जबकि पंचवटी नायक प्रधान रचना है। जिसके नायक लक्ष्मण हैं।

18. 'छोड़ द्रुमों की मृदु छाया
तोड़ प्रकृति से भी माया
बाले ! तेरे बाल-जाल में कैसे उलझा दूँ लोचन?
इन काव्यपंक्तियों के रचयिता हैं :

(a) रामनरेश त्रिपाठी (b) जयशंकर प्रसाद
(c) सुमित्रानंदन पंत (d) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

उत्तर (c)

व्याख्या-

पंक्ति	कवि
"छोड द्रुमों की मृदु छाया तोड़ प्रकृति से भी माया बाले!तेरे बाल-जाल में कैसे उलझा दूँ लोचन?	सुमित्रानन्दन पंत
गंध विहीन फूल है जैसे चंद्र चंद्रिका-हीन यो ही फीका है मनुष्य का जीवन प्रेम-विहीन	रामनरेश त्रिपाठी
नारी! तुम केवल श्रद्धा हो विश्वास- रजत नग पग तल में। पीयूष-स्रोत-सी बहा करो जीवन के सुन्दर समतल में ।।	जयशंकर प्रसाद
जीर्ण बाहु है शीर्ण शरीर तुझे बुलाता कृषक अधीर ए विप्लव के वीर।	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

19. दिनकर की किस कृति का कथानायक कर्ण है?
(a) कुरुक्षेत्र
(b) रश्मिरथी
(c) परशुराम की प्रतीक्षा
(d) उर्वशी
उत्तर (b)

व्याख्या- रश्मिरथी (1952) रामधारी सिंह दिनकर का खण्ड काव्य है जिसका कथानायक कर्ण है। अन्य रचनाएँ भी राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना तथा प्रगतिवादी कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की है। कुरुक्षेत्र (1946) एक प्रबन्ध काव्य है जिसका कथानायक युधिष्ठिर है। उर्वशी (1961) एक गीति नाट्य है जिसका कथानायक पुरुरवा है। परशुराम की प्रतीक्षा (1963) जिसका कथानायक ऋषि परशुराम हैं।

20. 'अब तक क्या किया,
जीवन क्या जिया,
ज्यादा लिया और दिया बहुत-बहुत कम.....
उपर्युक्त पंक्तियों के रचयिता हैं :
(a) अज्ञेय (b) रघुवीर सहाय
(c) शमशेर बहादुर सिंह (d) मुक्तिबोध
उत्तर (D)

व्याख्या-

पंक्ति	कवि
अब तक क्या किया, जीवन क्या जिया, ज्यादा लिया और दिया बहुत-बहुत कम	मुक्तिबोध
राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत-भाग्य विधाता है। फटा सुपन्ना पहने जिसका गुन हर चरना गाता है।	रघुवीर सहाय
साँप ! तुम सभ्य तो हुए नहीं नगर में बसना भी तुम्हें नहीं आया। तब कैसे सीखा डँसना-विष कहाँ पाया?	अज्ञेय
चूका भी हूँ मैं नहीं कहाँ किया मैने प्रेम अभी जब करूँगा प्रेम पिघल उठेंगे युगों के भूधर उफन उठेंगे सात सागर किन्तु मैं हूँ मौन आज	शमशेर बहादुर सिंह

21. 'मौन भी अभिव्यंजना है :
जितना तुम्हारा सच है
उतना ही कहो।'
'मौन' के इस रचनात्मक संदर्भ की अभिव्यक्ति अज्ञेय ने अपनी किस काव्य कृति में की है?
(a) इंद्रधनुष रौंदे हुए ये
(b) पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ
(c) आँगन के पार द्वार
(d) हरी घास पर क्षण भर
उत्तर (a)

व्याख्या- मौन भी अभिव्यंजना है
जितना तुम्हारा सच है
उतना ही कहो।
'मौन के इस रचनात्मक अभिव्यक्ति अज्ञेय ने अपनी काव्यकति इंद्रधनुष रौंदे हुए ये (1957) से लिया है। अन्य रचनाएँ पहले में सन्नाटा बुनता हूँ (1969), आँगन के पार द्वार (1961), तथा हरी घास पर क्षण भर (1949) आदि भी सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की है।

22. 'विद्रोहिणी अम्बा' नाटक के रचयिता हैं :
(a) सेठ गोविन्ददास (b) चन्द्रगुप्त विद्यालंकार
(c) गोविन्दवल्लभ पंत (d) उदयशंकर भट्ट
उत्तर (d)

व्याख्या-उदयशकर भट्ट के नाटक- चन्द्रगुप्त मौर्य (1931), विक्रमादित्य (1929), दाहर अथवा सिन्धु पतन (1933), सागर विजय (1933), विद्रोहिणी अंबा (1935), कमला (1935), मत्स्यगन्धा (1937), विश्वामित्र (1938), राधा (1941), मुक्तिपथ (1944), शक-विजय (1949), अशोक वन वन्दिनी (1959), गुरू द्रोण का अन्तर्निरीक्षण (1959), अश्वत्थामा (1959), असुर सुन्दरी (1972)।
गोविन्द बल्लभ पंत के नाटक- कंजूस की खोपड़ी (1923), वरमाला (1925) राजमुकुट (1935), अंगूर की बेटी (1937), अन्तःपुर का छिद्र (1940), ययाति (1951), तुलसीदास (1974), आत्मदीप (1978)।
सेठ गोविन्ददास के नाटक- प्रकाश (1935), कर्त्तव्य (1936), सेवापथ (1940), विकास (1941), संतोष कहाँ (1945), कर्ण (1946), महत्व किसे (1947), गरीबी और अमीरी (1947)
चन्द्रगुप्त विद्यालंकार के नाटक- अशोक (1935), रेवा (1935)

23. निम्नलिखित में से किस नाटक का प्रच्छन्न नायक गौतम बुद्ध है?
(a) अजातशत्रु (b) विक्रमादित्य
(c) लहरों के राजहंस (d) दशाश्वमेध
उत्तर (c)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
अजातशत्रु	1922 ई.	जयशंकर प्रसाद
विक्रमादित्य	1929 ई.	उदय शंकर भट्ट
दशाश्वमेध	1950 ई.	लक्ष्मीनारायण मिश्र
लहरों के राजहंस	1963 ई.	मोहन राकेश

नोट-मोहन राकेश के ऐतिहासिक नाटक लहरों के राजहंश (1963) के प्रच्छन्न नायक गौतम बुद्ध हैं।

24. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटककार सर्वाधिक नाटकों का रचयिता है?
(a) ज्ञानदेव अग्निहोत्री (b) लक्ष्मीनारायण लाल
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
उत्तर (b)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-लक्ष्मीनारायण लाल के नाटक- अंधा कुआँ (1955), मादा कैक्टस (1959), तीन आँखों वाली मछली (1960), सूखा सरोवर (1960), नाटक बहुरंगी (1961), नाटक तोता मैना (1962), रातरानी (1962), दर्पन (1962), रक्तमाल (1963), सूर्यमुख (1968), कलंकी (1969), मिस्टर अभिमन्यु (1975), कर्फ्यू (1972), दूसरा दरवाजा (1972), अब्दुल्ला दीवाना (1973), नरसिंह कथा (1975), व्यक्तिगत (1975), गुरू (1976), यक्ष प्रश्न (1976), एक सत्य हरिश्चन्द्र (1976), गंगामाटी (1977), सगुन पक्षी (1977), सब रंग मोहभंग (1977), पंच पुरुष (1978), राम की लड़ाई (1979), बलराम की तीर्थयात्रा (1983), कजरीवन (1980), सुन्दर रस (1960), काफी हाउस में इन्तजार, हाथी घोड़ा चूहा।
भारतेन्दु हरिश्चन्द के नाटक-वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1973), विषस्य विषमौषधम् (1876), प्रेम जोगिनी (1875), चन्द्रावली (1876), भारत-दुर्दशा (1880), नीलदेवी (1881), अंधेर नगरी (1881), सती प्रताप (1883)।
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना के नाटक- बकरी (1978), लड़ाई (1979), तथा अब गरीबी हटाओ।
ज्ञानदेव अग्निहोत्री के नाटक- नेफा की एक शाम (1962), माटी जागीर (1964), वतन की आबरू (1966), अनुष्ठान, शुतुरमुर्ग (1968), चिराग जल उठा।

25. 'पूस की रात' कहानी का प्रमुख पात्र है :
(a) माधव (b) अलगू
(c) हल्कू (d) रग्घू
उत्तर (b)

व्याख्या- ये सभी रचनाएं महान कथाकार मुंखी प्रेमचन्द के कहानी के पात्र हैं।

कहानी	प्रकाशनवर्ष	पात्र
पूस की रात	1930 ई.	हल्कू, मुन्नी, जबरा (कुत्ता)
पंच परमेश्वर	1916 ई.	अलगू चौधरी, जुम्मन शेख
कफन	1936 ई.	माधव, घीसू, बुधिया

26. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के लेखक हैं :
(a) धर्मवीर भारती (b) कमलेश्वर
(c) राजेन्द्र यादव (d) मोहन राकेश
उत्तर (a)

व्याख्या-धर्मवीर भारती के उपन्यास- गुनाहों का देवता (1949), सूरज का सातवाँ घोड़ा (1952)
राजेन्द्र यादव के उपन्यास- प्रेत बोलते हैं (1952), उखड़े हुए लोग (1956), कुलटा (1958), शह और मात (1959), एक इंच मुस्कान (1963), अनदेखे अनजान पुल (1963), मंत्रविद्ध (1967)।
कमलेश्वर के उपन्यास- एक सड़क सत्तावन गलियाँ (1957), डाक बंगला (1959), लौटे हुए मुसाफिर (1961), समुद्र में खोया हुआ आदमी (1967), काली आँधी (1974), आगामी अतीत (1976), तीसरा आदमी (1976), वही बात (1980), सुबह दोपहर शाम (1982), रेगिस्तान (1988), कितने पाकिस्तान (2000)
मोहन राकेश के उपन्यास- अँधेरे बन्द कमरे (1961), न आने वाला कल (1968), अन्तराल (1972)।
नोट- (i) 'प्रेत बोलते हैं' उपन्यास को सन् 1960 में 'सारा आकाश' नाम से प्रकाशित कराया गया।
(ii) एक इंच मुस्कान की रचना राजेन्द्र यादव ने अपनी पत्नी मन्नू भण्डारी के सह-लेखन में किया था।

27. 'आवारा मसीहा' औपन्यासिक जीवनी किसके जीवन पर अधारित है?
(a) शरतचंद्र (b) बंकिमचंद्र
(c) महात्मा गांधी (d) विवेकानंद
उत्तर (a)

जीवनी	जीवनीकार	सम्बन्धित व्यक्ति
आवारा मसीहा (1974)	विष्णु प्रभाकर	शरतचन्द्र
योद्धा संन्यासी (1969)	हंसराज रहबर	विवेकानन्द
अकाल पुरुष गाँधी (1968)	जैनेन्द्र	महात्मा गाँधी
बापू (1940)	घनश्याम दास बिड़ला	महात्मा गाँधी
बापू के कारावास की कहानी (1949)	सुशीला नायर	महात्मा गाँधी

28. इनमें से कौन-सा उपन्यास भीष्म साहनी द्वारा रचित नहीं है?
(a) झरोखे (b) कड़ियाँ
(c) बसंती (d) पीढ़ियाँ
उत्तर (d)

व्याख्या-अमृतलाल नागर के उपन्यास- महाकाल (1947), सेठ बाँके लाल (1955), बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नूपुर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघटवाला मुखड़ा (1968), एकदानैमिषारण्ये (1972), मानस का हंस (1972), नाच्यौ बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981), बिखरे तिनके (1982), अग्निगर्भा (1983), करवट (1985), पीढ़ियाँ (1990)।
भीष्म साहनी के उपन्यास- झरोखा (1967) कड़ियाँ (1970), तमस (1973), वसंती (1980), मय्यादास की माड़ी (1988), कुंतो (1993), नीलू नीलिमा नीलोफर (2000)।

29. नागार्जुन द्वारा रचित मछुआरों के जीवन पर आधारित उपन्यास है :
(a) बूँद और समुद्र
(b) वरुण के बेटे
(c) सागर, लहरें और मनुष्य
(d) डूब
उत्तर (c)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

उपन्यास	उपन्यासकार	विषयवस्तु
वरुण के बेटे (1957)	नागार्जुन	मिथिला के मछुआरों के संघर्ष की कथा
सागर लहरें और मनुष्य (1956)	उदयशंकर भट्ट	बम्बई के बरसोवा मछुआरों की जिन्दगी का चित्रण
बूँद और समुद्र (1956)	अमृतलाल नागर	लखनऊ के चौक के रूप में भारत की विभिन्न छवि का चित्रण
डूब (1971)	वीरेन्द्र जैन	मध्य प्रदेश के पिछड़े पहाड़ी अंचल की पीड़ा का चित्रण

30. 'माटी की मूरतें' के लेखक हैं :
(a) जगदीशचन्द्र माथुर (b) विष्णु प्रभाकर
(c) रामवृक्ष बेनीपुरी (d) पद्मसिंह शर्मा
उत्तर (c)

व्याख्या-

रेखाचित्र	प्रकाशन वर्ष	लेखक
माटी की मूरतें गेहूँ और गुलाब लाल तारा मील के पत्थर	1946 ई. 1950 ई. 1938 ई. -	रामवृक्ष बेनीपुरी
कुछ शब्दः कुछ रेखाएँ	1965 ई.	विष्णु प्रभाकर
दस तस्वीर	1963 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
पद्म पराग प्रबन्ध मंजरी	1929ई. -	पद्म सिंह शर्मा

31. 'कर्मवीर' पत्रिका के संपादक थे :
(a) माखनलाल चतुर्वेदी (b) सोहनलाल द्विवेदी
(c) गुलाबराय (d) श्यामसुन्दर दास
उत्तर (a)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
कर्मवीर	1924 ई.	माखनलाल चतुर्वेदी तथा माधवराव सप्रे	साप्ताहिक/जबलपुर
साहित्य सन्देश	1937 ई.	बाबू गुलाब राय	मासिक/आगरा
सरस्वती	1902 ई.	श्याम सुन्दर दास	मासिक/काशी

32. महात्मा गांधी की जीवनी 'अकाल पुरुष गांधी' के लेखक हैं :
(a) गिरिराज किशोर (b) जैनेन्द्र कुमार
(c) यशपाल (d) इलाचन्द्र जोशी
उत्तर (b)

व्याख्या- अकाल पुरुष गाँधी (1968) में जैनेन्द्र द्वारा रचित महात्मा गाँधी की जीवनी है। पहला गिरमिटिया (1999) उपन्यास गिरिराज किशोर द्वारा लिखित महात्मा गाँधी के जीवन चरित्र पर आधारित है।

33. इनमें से कौन सा संस्मरणात्मक ग्रंथ कृष्णा सोबती द्वारा रचित है?
(a) हम हशमत (b) यादें और बातें
(c) दीवानखाना (d) स्मृतियों के छंद
उत्तर (a)

व्याख्या-हम हशमत (1977), हमहशमत (भाग-2) (1998), हमहशमत (भाग-3) (2012), शब्दों के आलोक में, सोबती एक सोहबत. आदि कृष्णा सोबती के संस्मरणात्मक कृतियाँ हैं।
जबकि स्मृतियों का छंद (1995) एवं अपने अपने रास्ते (2001), रामदरश मिश्र के संस्मरण हैं। दीवानखाना (1984),मितवाघर (1995), अमराई (2000) आदि पद्मा सचदेव की संस्मरणात्मक कृतियाँ हैं। यादें और बातें (1998) बिन्दु अग्रवाल की संस्मरणात्मक कृति है।

34. 'कविता कवि व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं, व्यक्तित्व से पलायन है।' यह कथन किसका है?
(a) लूकाच (b) कॉलरिज
(c) आई.ए. रिचर्ड्स (d) टी.एस. इलियट
उत्तर (d)

व्याख्या-कविता कवि-व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं, व्यक्तित्व से पलायन है। **-टी.एस. इलियट**
कविता रचना का वह प्रकार है जो वैज्ञानिक कृतियों से अर्थ में भिन्न है कि कविता का तात्कालिक प्रयोजन आनन्द है, सत्य नहीं। **-कॉलरिज**
नैतिकता सिर्फ दुनियादारी है और आचार संहिता इष्टसिद्धि की सामान्यतम व्यवस्था की अभिव्यक्ति है। **-रिचर्ड्स**

35. 'बायोग्राफिया लिटरेरिया' के लेखक हैं :
(a) वर्ड्सवर्थ (b) टी.एस. इलियट
(c) कॉलरिज (d) आई.ए.रिचर्ड्स
उत्तर (c)

व्याख्या-कॉलरिज के प्रमुख ग्रंथ- बायोग्राफिया लिटरेरिया, द फ्रेंड (1817), एड्स टू रिफ्लेक्शन (1825), चर्च एण्ड स्टेट (1830), कंफेशंज ऑफ एन इनक्वायरिंग स्पिरिट (1840)।
विलियम वर्ड्सवर्थ के काव्य संग्रह- एन इवनिंग वॉक एण्ड डिस्क्रिप्टव स्केचैज, लिरिकल बैलेड्स (1798), द प्रिल्यूड
टी.एस. इलियट की कृतियाँ- द सेक्रेड वुड (1920), होमेज टु जान ड्राइडन (1924), एलिजाबेथेन एसेज (1932), द यूज ऑफ पोएट्री एण्ड द यूज आफ क्रिटिसिज्म (1933), सेलेक्टेड एसेज (1934), एसेज एशेंट एण्ड माडर्न (1936), नालेज एण्ड एक्सपीरिएन्स।
आई.ए. रिचर्ड्स के ग्रंथ- दि फाउंडेशन ऑफ ईस्थेटिक (1922), दि मीनिंग ऑफ मीनिंग (1923), द प्रिंसिपुल्स ऑफ लिटररी क्रिटिसिज्म (1924), प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म (1929), साइंस एण्ड पोएट्री (1926), दि फिलासफी ऑफ रेटारिक (1936)।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. 'पेरिइप्सुस' के आधार पर 'काव्य में उदात्त तत्व' की अवधारणा का प्रवर्तन किसने किया?

(a) अरस्तू (b) लौंजाइनस
(c) टी.एस. इलियट (d) आई.ए. रिचर्ड्स

उत्तर (b)

व्याख्या-लौंजाइनस ने 'पेरिइत्सुस' (1554), के आधार पर **'काव्य में उदात्त तत्व'** की अवधारणा का प्रवर्तन किया है। पेरिइत्सुस मूलतः भाषणशास्त्र(रेटोरिक) का ग्रंथ है।

लौंजाइनस ने कहा- ''उदात्त महान आत्मा की प्रतिध्वनि है।''

लौंजाइनस ने 'उदात्त' को परिभाषित करते हुए लिखा- ''उदात्त अभिव्यंजना का अनिर्वचनीय प्रकर्ष और वैशिष्ट्य है।''

लौंजाइनस उदात्त के पाँच स्रोत मानते हैं-

(i) महान विचारों की उद्‌भावना की क्षमता।
(ii) प्रबल एवं अंतः प्रेरित भाव।
(iii) अलंकारों (विचारालंकार और शब्दालंकार) का समुचित प्रयोग
(iv) भव्य पद योजना। इसमें शब्द चयन, बिंबविधान और शैलीगत परिष्कार अन्तर्भूत है।
(v) रचना की गरिमा और उत्कर्ष का समुचित प्रभाव।

37. 'श्रेष्ठ कविता प्रबल मनोवेगों का सहज उच्छलन है, किन्तु इसके पीछे कवि की विचारशीलता और गहन चिन्तन होना चाहिए।' यह विचार किस पाश्चात्य चिंतक का है

(a) कॉलरिज (b) क्रोचे
(c) लेविस (d) वर्ड्सवर्थ

उत्तर (d)

व्याख्या-श्रेष्ठ कविता प्रबल मनोवेगों का सहज उच्छलन है किन्तु इसके पीछे कवि की विचारशीलता और गहन चिन्तन होना चाहिए-

-वर्ड्सवर्थ

''कविता रचना का वह प्रकार है जो वैज्ञानिक कृतियों से का अर्थ में भिन्न है कि उसका तात्कालिक प्रयोजन आनन्द है, सत्य नहीं और रचना के अन्य सभी प्रकारों से उसका अन्तर यह है कि सम्पूर्ण से वही आनन्द प्राप्त होना चाहिए जो उसके प्रत्येक अवयव से प्राप्त होने वाली स्पष्ट सन्तुष्टि के अनुरूप हो।'' **-कॉलरिज**

38. 'नया साहित्य : नये प्रश्न' ग्रंथ के लेखक हैं।

(a) नगेन्द्र (b) शांतिप्रिय द्विवेदी
(c) नन्ददुलारे वाजपेयी (d) हजारीप्रसाद द्विवेदी

उत्तर (c)

व्याख्या-नंददुलारे वाजपेयी के आलोचनात्मक ग्रंथ- हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी (1942) , जयशंकर प्रसाद (1940), प्रेमचंद, आधुनिक साहित्य (1950), महाकवि सूरदास (1952), नया साहित्य : नये प्रश्न (1955) महाकवि निराला (1965), नयी कविता (1973), कवि सुमित्रानंदन पंत (1976), रस सिद्धान्त (1977), साहित्य का आधुनिक युग (1978), आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा (1978), रीति और शैली (1979) ।

डा. नगेन्द्र की आलोचनात्मक कृतियां- सुमित्रानन्दन पंत (1938) . साकेत : एक अध्ययन (1939), आधुनिक हिन्दी नाटक (1940), देव और उनकी कविता (1941), रीतिकाव्य की भूमिका (1941), राम की शक्ति पूजा : निराला की कालजयी कृति, हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, शैली विज्ञान, आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ (1951), भारतीय समीक्षा और आचार्य शुक्ल की काव्य दृष्टि, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ (1962), रस सिद्धान्त (1964), नयी समीक्षा : नये सन्दर्भ, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, सियारामशरण गुप्त, भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका, काव्य विम्ब, साहित्य का समाजषास्त्र

हजारी प्रसाद द्विवेदी की प्रमुख आलोचनात्मक कृतियाँ- सूर साहित्य (1930), हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940), कबीर (1941) , हिन्दी साहित्य का आदिकाल (1952) , सहज साधना (1963), कालिदास की लालित्य योजना (1965), मध्यकालीन बोध का स्वरूप (1970)

शान्तिप्रिय द्विवेदी की आलोचनात्मक कृतियाँ- सामयिकी, हमारे साहित्य निर्माता, संचारिणी।

39. 'प्रतिभा' का संबंध किससे है?

(a) काव्य हेतु (b) काव्य-स्वरूप
(c) काव्य प्रयोजन (d) काव्य लक्षण

उत्तर (a)

व्याख्या-काव्य हेतु- 'हेतु' शब्द का अर्थ है ''हेतुर्नां कारणां'' अर्थात् हेतु कारण को कहते हैं। अतः 'काव्यहेतु' का अर्थ है- 'काव्य के उत्पत्ति का कारण किसी व्यक्ति में काव्य रचना की सामर्थ्य उत्पन्न करे देने वाले कारण ''काव्य हेतु'' कहलाते हैं। भारतीय काव्यशास्त्र में काव्य हेतु के तीन भेद बताए गए हैं-

(i) प्रतिभा
(ii) व्युत्पत्ति
(iii) अभ्यास

काव्य प्रयोजन- काव्य प्रयोजन का तात्पर्य है 'काव्य रचना का उद्देश्य'। वस्तुतः काव्य प्रयोजन काव्य प्रेरणा से अलग है क्योंकि काव्य प्रेरणा का अभिप्राय है काव्य की रचना के लिए प्रेरित करने वाले तत्व जबकि काव्य प्रयोजन का अभिप्राय है काव्य रचना के अनन्तर प्राप्त होने वाले लाभ। आचार्य भरतमुनि के अनुसार काव्य प्रयोजन 8 प्रकार के होते हैं-

(1) धर्म, (2) यश, (3) आयुष, (4) हित, (5) बुद्धि वृद्धि, (6) लोक उपदेश (7) दक्षता, (8) चरम विश्रांति प्राप्ति

काव्य लक्षण-संस्कृत में काव्य लक्षण आचार्यों ने मुख्यतः तीन आधारों पर किया है जो निम्न है।

(i) शब्द और अर्थ के आधार पर
(ii) शब्द के आधार पर
(iii) रस और ध्वनि के आधार पर

40. 'कविवचनसुधा' के संपादक थे :

(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(b) राधाकृष्णदास
(c) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'
(d) अम्बिकादत्त व्यास

उत्तर (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

पत्र	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
कविवचन सुधा हरिश्चन्द्र मैगजीन बालाबोधिनी	1868 ई. 1873 ई. 1874 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा./पा./सा./काशी मासिक/काशी मासिक/काशी
आनन्द कादंबिनी नागरी नीरद	1881 ई. 1893 ई.	बदरीनारायण चौधरी'प्रेमधन'	मासिक/मिर्जापुर मासिक/मिर्जापुर
पीयूष प्रवाह	1884 ई.	अम्बिकादत्त व्यास	काशी
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	1896 ई.	राधाकृष्ण दास	मासिक/काशी त्रैमासिक

नोट- (i) नागरी प्रचारिणी पत्रिका के प्रथम सम्पादक वेणी प्रसाद जी थे।
(ii) मा./पा./सा. का अर्थ मासिक, पाक्षिक तथा साप्ताहिक है।

41. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित रचनओं का सही अनुक्रम है :
(a) ज्ञानदीप, इन्द्रावती, प्रेमरतन, हंसजवाहिर
(b) इन्द्रावती, प्रेमरतन, ज्ञानदीप, हंसजवाहिर
(c) प्रेमरतन, इन्द्रावती, हंसजवाहिर, ज्ञानदीप
(d) ज्ञानदीप, प्रेमरतन, हंसजवाहिर, इन्द्रावती
उत्तर (*)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
ज्ञानदीप	1619 ई.	शेखनबी
प्रेमरतन		
हंसजवाहिर	1731 ई.	कासिम शाह
इन्द्रावती अनुराग बाँसुरी	1744 ई. 1764 ई.	नूर मुहम्मद

नोट- UGC ने इस प्रश्न का उत्तर A दिया है जो विकल्प के अनुसार संगति नहीं है।

42. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(a) मृगावती, चंदायन, मधुमालती, चित्रावली
(b) चंदायन, मृगावती, मधुमालती, चित्रावली
(c) मधुमालती, चंदायन, चित्रावली, मृगावती
(d) चित्रावली, मधुमालती, चंदायन, मृगावती
उत्तर (b)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
चंदायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
चित्रावली	1613 ई.	उसमान

43. जन्मकाल के आधार पर निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :
(a) भूषण, चिंतामणि, केशवदास, सेनापति
(b) सेनापति, भूषण, केशवदास, चिंतामणि
(c) केशवदास, सेनापति, चिंतामण, भूषण
(d) सेनापति, केशवदास, भूषण, चिंतामणि
उत्तर (c)

व्याख्या-

रचनाकार	जीवनकाल
केशवदास	1555–1617 ई.
सेनापति	1584–1688 ई.
चिंतामणि	1609–1685 ई.
भूषण	1613–1715 ई.

44. जन्मकाल के आधार पर निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :
(a) बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन, प्रतापनारायण मिश्र, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, जगमोहन सिंह
(b) भारतेन्दु हरिश्चंद्र, प्रतापनारायण मिश्र, जगमोहन सिंह, बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन
(c) भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बद्रीनारायण चौधरी प्रेमघन, प्रतापनारायण मिश्र, जगमोहन
(d) प्रतापनारायण मिश्र, भारतेन्दु हरिश्चंद्र, बद्रीनारायण चाधरी प्रेमघन, जगमोहन सिंह
उत्तर (c)

व्याख्या-

कवि	जन्मकाल
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	1850–1885 ई.
बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'	1855–1923 ई.
प्रतापनारायण मिश्र	1856–1894 ई.
जगमोहन सिंह	1857–1899 ई.

45. जयशंकर प्रसाद की निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :
(a) कानन कुसुम, आँसू, झरना, लहर
(b) आँसू, कानन कुसुम, लहर, झरना
(c) झरना, लहर, आँसू, कानन कुसुम
(d) कानन कुसुम, झरना, आँसू, लहर
उत्तर (d)

व्याख्या-जयशंकर प्रसाद की काव्यकृतियों का अनुक्रम-
उर्वशी (1909) वन मिलन (1909), प्रेमराज्य (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकोच्छ्वास (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेमपथिक (1914), महाराणा का महत्व (1914), चित्राधार (1918), झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933), कामायनी (1935)।

46. जन्मकाल के आधार पर निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :
(a) नागार्जुन, त्रिलोचन, भवानीप्रसाद मिश्र, नरेश मेहता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) त्रिलोचन, नागार्जुन, नरेश मेहता, भवानीप्रसाद मिश्र
(c) नागार्जुन, भवानीप्रसाद मिश्र, त्रिलोचन, नरेश मेहता
(d) भवानीप्रसाद मिश्र, त्रिलोचन, नागार्जुन, नरेश मेहता

उत्तर (c)

व्याख्या-

कवि	जन्मकाल
नागार्जुन	1911–1998 ई.
भवानी प्रसाद मिश्र	1913–1985 ई.
त्रिलोचन	1917–2007 ई.
नरेश मेहता	1921–2000 ई.

47. प्रकाशन वर्ष के अनुसार भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है :
(a) कबिरा खड़ा बाजार में, हानूश, आलमगीर, माधवी
(b) हानूश, कबिरा खड़ा बाजार में, माधवी, आलमगीर
(c) हानूश,माधवी, कबिरा खड़ा बाजार में, आलमगीर
(d) माधवी, कबिरा खड़ा बाजार में, आलमगीर, हानूश

उत्तर (b)

व्याख्या-भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम-
हानूश (1977), कबिरा खड़ा बाजार में (1981), माधवी (1985), मुआवजे (1993), रंग दे बसन्ती चोला (1998), आलमगीर (1999)।

48. कथावस्तु को प्रधान फल की प्राप्ति की ओर अग्रसर कराने वाले चमत्कारपूर्ण अंश को अर्थ प्रकृति कहा जाता है इन पाँच अर्थ प्रकृतियों का सही अनुक्रम है :
(a) बिंदु, पताका, प्रकरी, बीज, कार्य
(b) पताका, बीज, बिंदु, कार्य, प्रकरी
(c) बीज, बिंदु, प्रकरी, पताका, कार्य
(d) बीज, बिंदु, पताका, प्रकरी, कार्य

उत्तर (d)

व्याख्या-कथावस्तु को प्रधान फल की प्राप्ति के पाँच अर्थ प्रकृतियों का सही अनुक्रम-

(i) बीज
↓
(ii) बिन्दु
↓
(iii) पताका
↓
(iv) प्रकरी
↓
(v) कार्य

49. प्रकाशन वर्ष के अनुसार मृदुला गर्ग के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :
(a) उसके हिस्से की धूप, चित्तकोबरा, मैं और मैं, कठगुलाब
(b) चित्तकोबरा, उसके हिस्से की धूप, मैं और मैं, कठगुलाब
(c) उसके हिस्से की धूप, मैं और मैं, कठगुलाब, चित्तकोबरा
(d) कठगुलाब, चित्तकोबरा, मैं और मैं, उसके हिस्से की धूप

उत्तर (a)

व्याख्या-मृदुला गर्ग के उपन्यासों का सही अनुक्रम-
उसके हिस्से की धूप (1975), वंशज (1976), चित्तकोबरा (1979), अनित्य, मैं और मै (1984) कठगुलाब (1996)

50. प्रकाशन वर्ष के आधार पर जयशंकर प्रसाद के कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :
(a) प्रतिध्वनि छाया, आकाशदीप, इन्द्रजाल
(b) छाया, प्रतिध्वनि, आकाशदीप, इन्द्रजाल
(c) इन्द्रजाल, छाया, प्रतिध्वनि, आकाशदीप
(d) अकाशदीप, छाया, इन्द्रजाल, प्रतिध्वनि

उत्तर (b)

व्याख्या-जयशंकर प्रसाद के कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम-
छाया (1912), प्रतिध्वनि (1926), आकाशदीप (1929), आँधी (1931), इंद्रजाल (1936)।

51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :
(a) सूनी घाटी का सूरज, मकान, सीमाएँ टूटती हैं, विश्रामपुर का संत
(b) सूनी घाटी का सूरज, सीमाएँ टूटती हैं, मकान, विश्रामपुर का संत
(c) सीमाएँ टूटती हैं, सूनी घाटी का सूरज, मकान, विश्रामपुर का संत
(d) मकान, सूनी घाटी का सूरज, विश्रामपुर का संत, सीमाएँ टूटती हैं

उत्तर (b)

व्याख्या-श्रीलाल शुक्ल द्वारा लिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम- सूनी घाटी का सूरज (1957), अज्ञातवास (1962), रागदरबारी (1968), सीमाएँ टूटती है (1973), मकान (1976), पहला पड़ाव (1976) विश्रामपुर का संत (1998) ।

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :
(a) क्या भूलूँ क्या याद करूँ, बसेरे से दूर, टुकड़े दास्तान, जो मैंने किया
(b) बसेरे से दूर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े दास्तान, जो मैंने किया
(c) टुकड़े टुकड़े दास्तान, जो मैने किया,बसेरे से दूर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(d) जो मैंने किया, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, बसेरे से दूर, टुकड़े टुकड़े दास्तान

उत्तर (a)

व्याख्या-

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
क्या भूलूँ क्या याद करूँ नीड़ का निर्माण फिर बसरे से दूर दशद्वार से सोपान तक	1969 ई. 1970 ई. 1978 ई. 1985 ई.	हरिवंश राय बच्चन
टुकड़े टुकड़े दास्तान	1986 ई.	अमृतलाल नागर
जो मैंने जिया यादों का चिराग जलती हुई नदी	1992 ई. 1997 ई. 1999 ई.	कमलेश्वर

नोट- बच्चन जी ने अपनी आत्मकथा को 'स्मृति यात्रा यज्ञ' कहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

53. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबंध-संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(a) कल्पलता, कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल
(b) कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल, कल्पलता
(c) आलोक पर्व, कल्पलता, अशोक के फूल, कुटज
(d) अशोक के फूल, कल्पलता, कुटज, आलोक पर्व

उत्तर (d)

व्याख्या-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम- अशोक के फूल (1948), कल्पलता (1951), मध्यकालीन धर्म साधना (1952), विचार और वितर्क (1957), विचार प्रवाह (1959), कुटज (1964), साहित्य सहचर (1965), आलोच पर्व (1972)

54. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(a) आधुनिक हिन्दी साहित्य, रस सिद्धांत, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन
(b) रस सिद्धांत, आधुनिक हिन्दी साहित्य, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन
(c) आधुनिक हिन्दी साहित्य, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन, रस सिद्धांत
(d) आधुनिक हिन्दी साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य चिंतन, रस सिद्धांत, दक्खिनी हिन्दी का साहित्य

उत्तर (a)

व्याख्या-

आलोचना ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आलोचक**
आधुनिक हिन्दी साहित्य	1940 ई.	डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
रस सिद्धान्त	1964 ई.	डॉ. नगेन्द्र
दक्खिनी हिन्दी का साहित्य	1970 ई.	श्रीराम शर्मा
मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	1973 ई.	शिवकुमार मिश्र
रस सिद्धान्त	1977 ई.	नन्ददुलारे वाजपेयी

नोट- रस सिद्धान्त (1977)नामक आलोचनात्मक ग्रंथ की रचना नन्ददुलारे वाजपेयी ने भी की है।

55. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से डॉ. नगेन्द्र के आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(a) भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका, काव्य में उदात्त तत्त्व, साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका,
(b) भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका, काव्य में उदात्त तत्त्व, भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, साहित्य का समाजशास्त्र
(c) काव्य में उदात्त तत्त्व, भारतीय काव्य-शास्त्र की भूमिका, भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, साहित्य का समाजशास्त्र
(d) भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका, साहित्य का समाजशास्त्र, भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, काव्य में उदात्त तत्त्व

उत्तर (b)

व्याख्या-डा. नगेन्द्र की प्रमुख आलोचनात्मक कृतियाँ- सुमित्रानंदन पंत (1938) , साकेत : एक अध्ययन (1939), देव और उनकी कविता (1941), रीतिकाल की भूमिका (1941), राम की शक्ति पूजा : निराला की कालजयी कृति, विचार और अनुभूति (1944), हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, भारतीय समीक्षा और आचार्य शुक्ल की काव्य दृष्टि, रस सिद्धान्त (1964), नयी समीक्षा : नये संदर्भ, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, आधुनिक हिन्दी नाटक (1940) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, सियारामशरण गुप्त, भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका, काव्य बिम्ब, साहित्य का समाजशास्त्र, काव्य में उदात्त तत्व।

निर्देश : प्रश्न संख्या 56 से 65 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

56. स्थापना (Assertion (A) : 'रसौ वै सः ।'
तर्क (Reason (R) : इसीलिए रस को ब्रह्मास्वाद सहोदर कहा गया है।

(a) A सही और R गलत (b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही (d) A और R दोनों गलत

उत्तर (c)

व्याख्या-'रसौ वै सः का तात्पर्य है 'ब्रह्मानन्द का समानार्थी जिसका उल्लेख सर्वप्रथम तैत्तिरीय उपनिषद में मिलता है। भारतीय काव्यशास्त्रियों में सर्वप्रथम भट्टनायक ने रस को ब्रह्मानन्द (ब्रह्मस्वाद) सहोदर कहा। रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य- भरत मुनि हैं।

57. स्थापना (Assertion (A) : छायावाद केवल व्यक्ति के प्रेम, सौंदर्य और यौवन की कविता है।
तर्क (Reason (R) : इसीलिए उसमें सामाजिक नैतिकता की उपेक्षा मिलती है।

(a) A सही और R गलत (b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही (d) A और R दोनों गलत

उत्तर (d)

व्याख्या-छायावाद केवल व्यक्ति के प्रेम, सौंदर्य और यौवन की कविता नहीं है बल्कि छायावादी कविता अपनी बात को सीधे न कहकर प्रतीको या अन्योक्ति के माध्यम से कहती है। इसलिए इसे आध्यात्म के सन्दर्भ 'रहस्यवादी' तथा प्रेम के सन्दर्भ में 'स्वच्छन्दतावादी' कहा जाता है। साहित्य में छायावादी युग अपनी एक विशेष पहचान रखता है तथा ध्वन्यात्मकता, लाक्षणिकता, सौन्दर्यमय प्रतीक विधान, तथा उपचार वक्रता के साथ स्वानुभूति की विवृत्ति छायावाद की विशेषताएँ हैं।

58. स्थापना (Assertion (A) : रहस्य-भावना के लिए द्वैत की स्थिति भी आवश्यक है और अद्वैत का आभास भी।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क **(Reason (R) :** क्योंकि एक के अभाव में विरह की अनुभूति असंभव हो जाती है और दूसरे के बिना मिलन की इच्छा आधार खो देती है।

(a) A सही और R गलत (b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही (d) A और R दोनों गलत

उत्तर (c)

व्याख्या-काव्य में रहस्यवाद की भावना के लिए द्वैत की स्थिति भी आवश्यक है और अद्वैत का आभास भी आवश्यक होता है। क्योंकि एक के अभाव में विरह की अनुभूति असम्भव हो जाती है और दूसरे के बिना मिलन की इच्छा आधार खो देती हैं जब काव्य में अनन्त और अज्ञात प्रियतम को आलम्बन बनाकर अत्यन्त चित्रमयी भाषा में प्रेम की अनेक प्रकार से व्यंजना करता है उसे रहस्यवाद कहते हैं।

59. **स्थापना (Assertion (A) :** प्रसाद के अनुसार काव्य मन और आत्मा की संकल्पात्मक अनुभूति है, जिसका सम्बन्ध विश्लेषण, विकल्प या विज्ञान से नहीं है।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि काव्य आत्मा की मनन-शक्ति की वह असाधारण अवस्था है जो श्रेय सत्य को उसके मूल चारुत्व में सहसा ग्रहण कर युगों की समष्टि अनुभूतियों में अंतर्निहित शाश्वत चेतनता का काव्यमय सृजन करती है। इसीलिए छायावादी काव्य की मूल चेतना रहस्यवादी है।

(a) A गलत और R सही (b) A और R दोनों सही
(c) A और R दोनों गलत (d) A सही और R गलत

उत्तर (a)

व्याख्या-छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद के अनुसार काव्य मन और आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है क्योंकि काव्य आत्मा की मनन-शक्ति की वह अवधारण अवस्था है जो श्रेय सत्य को उसके मूल चारुत्व, में सहसा ग्रहण कर युगों की समष्टि अनुभूतियों में अंतर्निहित शाश्वत चेतनता का काव्यमय सृजन करती है। इसीलिए छायावादी काव्य की मूल चेतना रहस्यवादी है। रहस्यवाद में अज्ञात प्रियतम को उल्लिखित किया जाता है।

60. **स्थापना (Assertion (A) :** शुद्ध वियोग का दुख केवल प्रिय के अलग हो जाने की भावना से उत्पन्न क्षोभ या विषाद है जिसमें प्रिय के दुख या कष्ट आदि की कोई भावना नहीं रहती।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि जिस व्यक्ति से किसी की घनिष्ठता और प्रीति होती है वह उसके जीवन के बहुत से व्यापारों तथा मनोवृत्तियों का आधार होता है।

(a) A सही और R गलत (b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही (d) A और R दोनों गलत

उत्तर (b)

व्याख्या-प्रेम में शुद्ध वियोग का दुख केवल प्रिय के अलग हो जाने की भावना से उत्पन्न क्षोभ या विषाद है। जिसमें प्रिय के दुख या कष्ट की भावना प्रबल होती है। एक दूसरे के प्रेम में अनुरक्त नायक-नायिका के मिलन के अभाव को ही वियोग माना जाता है क्योंकि जिस व्यक्ति से किसी की घनिष्ठता और प्रीति होती है वह उसके जीवन के बहुत से व्यापारें तथा मनोवृत्तियों का आधार होता है।

61. **स्थापना (Assertion (A) :** आद्य बिंब आदिम मनुष्य की ऐंद्रिक कल्पना है।

तर्क (Reason (R) : इसीलिए आगे चलकर कथात्मक तत्वों के सम्मिलन से यही आद्य बिंब मिथक के रूप में विकसित हुआ।

(a) A सही और R गलत (b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही (d) A और R दोनों गलत

उत्तर (c)

व्याख्या-साहित्य में आद्य बिंब आदिम मनुष्य की ऐन्द्रिक कल्पना है। इसलिए आगे चलकर कथात्मक तत्वों के सम्मिलन से यही आद्य बिंब मिथक के रूप में विकसित हुआ। क्योंकि मिथक एक आस्था या विश्वास है जो पौराणिक कथाओं के माध्यम से युगो-युगो से समाज में अपना अस्तित्व बनाये रखा है। मिथक संस्कृति इतिहास का आख्यान होता है।

62. **स्थापना (Assertion (A) :** रस व्यापक स्तर पर भारतीय काव्य का महत्त्वपूर्ण तत्त्व है इसीलिए संपूर्ण हिन्दी कविता का एकमात्र निकष रस है।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि स्वतंत्रता के बाद तक की हिन्दी कविता का मूल्यांकन रस की शास्त्रीय पद्धति द्वारा ही संभव है।

(a) A सही और R गलत (b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही (d) A और R दोनों गलत

उत्तर (d)

व्याख्या-रस केवल भारतीय काव्य का महत्वपूर्ण तत्व है बल्कि यह पाश्चात्य काव्य का भी अभिन्न अंग है सम्पूर्ण हिन्दी काव्य में रस, छंद, अलंकार आदि तत्वों का प्रयोग किया जाता है। हिन्दी साहित्य में कविताओं के मूल्यांकन में विभिन्न कालखण्डों में उनकी शैली, विधान, कविता का उद्देश्य, देशकाल का वातावरण आदि का प्रभाव पड़ता है।

63. **स्थापना (Assertion (A) : साहित्य जनता की आभिजात्य** चित्तवृत्तियों का प्रतिबिंब है।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि साहित्य में अभिव्यक्त भाव और विचार जन सामान्य की धरोहर नहीं होते।

(a) A सही और R गलत
(b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही
(d) A और R दोनों गलत

उत्तर (d)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-साहित्य जनता की सभी प्रकार की चित्तवृत्तियों का प्रतिबिंब है। इसमें समाज के सभी वर्गों का प्रतिबिंब दर्शाया जाता है। साहित्य प्रत्येक देश की जनता की चित्तवृत्ति का संचित प्रतिबिम्ब होता है। जनता की चित्तवृत्ति बहुत कुछ राजनीतिक,सामाजिक, साम्प्रदायिक तथा धार्मिक परिस्थित के अनुसार होती है। क्योंकि साहित्य में अभिव्यक्त भाव और विचार जन सामान्य की धरोहर है।

64. स्थापना (Assertion (A) : साहित्य लेखक के विशिष्ट व्यक्तित्व का प्रकाशन है।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि जनसमूह के पास अपने अनुभवों को व्यक्त करने की कलात्मक सामर्थ्य नहीं होती।

(a) A सही और R गलत (b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही (d) A और R दोनों गलत

उत्तर (b)

व्याख्या-साहित्य लेखन केवल विशिष्ट लेखकों के व्यक्तित्व का प्रकाशन नहीं बल्कि साहित्य लेखन कोई भी कर सकता चाहे वह विशिष्ट व्यक्ति हो या सामान्य व्यक्ति हो। विशिष्ट व्यक्ति अपने अनुभवों के द्वारा कलात्मक सौन्दर्य को उच्च स्तर पर प्रस्तुत करता है जबकि जनसमूह (सामान्य जन) के पास अपने अनुभवों को व्यक्त करने की कलात्मक सामर्थ्य नहीं होती है।

65. स्थापना (Assertion (A) : दार्शनिकता और अनुभूति सम्पन्नता से ही व्यक्तित्व का समाजीकरण नहीं हो जाता।

तर्क (Reason (R) : क्योंकि व्यक्तित्व के समाजीकरण के लिए अपनी शक्तियों को मानव कल्याण और सामाजिक कार्य की ओर उन्मुख करना होता है।

(a) A सही और R गलत
(b) A गलत और R सही
(c) A और R दोनों सही
(d) A और R दोनों गलत

उत्तर (c)

व्याख्या-मानव द्वारा केवल दार्शनिकता और अनुभूति सम्पन्नता से ही व्यक्तित्व का सामाजीकरण नहीं हो जाता है क्योंकि व्यक्तित्व के समाजीकरण के लिए अपनी शक्तियों का मानव कल्याण और सामाजिक कार्य की ओर उन्मुख करना होता है।

66. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) रास पंचाध्यायी	(i) रसखान
(b) प्रेमवाटिका	(ii) सेनापति
(c) कवित्व रत्नाकर	(iii) नंददास
(d) बरवै नायिका भेद	(iv) आलम
	(v) रहीम

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(v)	(iii)
(c)	(iv)	(ii)	(v)	(i)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर (d)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
रास पंचाध्यायी	नंददास
प्रेमवाटिका	रसखान
कवित्व रत्नाकर	सेनापति
बरवै नायिका भेद	रहीम
सुदामा चरित	आलम

67. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(a) कौन परी यह बानि, अरी नित नीर भरी गगरी ढकरावै	(i) द्विजदेव
(b) यह प्रेम को पंथ कराल महा तरवारि की धार पै धावनौ है	(ii) प्रताप साहि
(c) चोजिन के चोजी, मौजिन के महाराज हम कविराज हैं, पैचाकर चतुर के	(iii) बोधा
(d) चांदनी के भारन दिखात उनयो सो चंद, गंध ही के भारन बहत मंद मंद पौन	(iv) पजनेस
	(v) ठाकुर

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(2)	(i)	(v)	(iii)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(v)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या-

काव्य पंक्तियां	कवि
कौन परी यह बानि, अरी। नित नीर भरी गगरी ढरकावै।।	प्रतापसाहि
यह प्रेम को पंथ कराल महा। तरवारि की धार पै धावनौ है	बोधा
चोजिन के चोजी, मौजिन के महाराज हम कविराज है, पैचाकर चतुर के	ठाकुर
चाँदनी के भारन दिखात उनयो सो चंद गंध ही के भारन बहत मंद मंद पौन	द्विजदेव
छहरै छबीली छटा छितिमंडल पै, उमग उजेरो महाओज उजबक सी। कवि पजनेश कंज मंजुल मुखी के गात, उपमाधिकात कल कुंदन तबक सी।	पजनेश

68. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) प्रबंध चिंतामणि	(i) श्रीधर
(B) रणमल्ल छंद	(ii) जैनाचार्य मेरुतुंग

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) जयचंद प्रकाश (iii) मधुकर कवि
(D) जयमयंक जसचंद्रिका (iv) भट्ट केदार
(v) दामोदर

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(d)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)

उत्तर (a)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
प्रबंध चिंतामणि	1304 ई.	जैनाचार्य मेरूतुंग
रणमल्ल छंद	1454 ई.	श्रीधर
जयचंद प्रकाश	1224 ई.	भट्ट केदार
जयमयंक जसचंद्रिका	1243 ई.	मधुकर कवि
लखमसेन पद्मावती	1459 ई.	दामोदर कवि

69. निम्नलिखित कविताओं को उनके प्रकाशन वर्ष के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) प्रेम माधुरी	(i) 1886
(B) एकांतवासी योगी	(ii) 1925
(C) हिमतरंगिणी	(iii) 1875
(D) नीहार	(iv) 1948
	(v) 1930

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (c)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	कवि
प्रेम माधुरी	1875 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
एकांतवासी योगी	1886 ई.	श्रीधर पाठक
हिमतरंगिणी	1948 ई.	माखनलाल चतुर्वेदी
नीहार	1930 ई.	महादेवी वर्मा
आँसू	1925 ई.	जयशंकर प्रसाद

नोट-एकांतवासी योगी 1886 श्रीधर पाठक की खड़ी बोली की अनूदित रचना जो मूलतः गोल्डस्मिथ द्वारा लिखित हरमिट है।

70. निम्नलिखित कविताओं को उनके प्रकाशन वर्ष के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) कुकुरमुत्ता	(i) 1933
(B) हुंकार	(ii) 1942
(C) भग्नदूत	(iii) 1936
(D) प्रेमसंगीत	(iv) 1939
	(v) 1937

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(c)	(v)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iv)	(i)	(v)

उत्तर (d)

व्याख्या-

कविता	प्रकाशन वर्ष	कवि
कुकुरमुत्ता	1942 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
हुंकार	1939 ई.	रामधारी सिंह दिनकर
भग्नदूत	1933 ई.	अज्ञेय
प्रेम संगीत	1937 ई.	भगवती चरण वर्मा
युगांत	1936 ई.	सुमित्रानंदन पंत

71. निम्नलिखित पात्रों को संबंधित रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) राधा	(i) राम की शक्ति पूजा
(B) जाम्बवान	(ii) असाध्य वीणा
(C) युधिष्ठिर	(iii) प्रियप्रवास
(D) केशकंबली	(iv) विजय पथ
	(v) महाप्रस्थान

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(v)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (b)

व्याख्या-

पात्र	रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
राधा	प्रियप्रवास	1914 ई.	हरिऔध
जाम्बवान	राम की शक्ति पूजा	1936 ई.	निराला
युधिष्ठिर	महाप्रस्थान		नरेश मेहता
केशकंबली	असाध्यवीणा		अज्ञेय

72. निम्नलिखित स्त्री चरित्रों को सम्बन्धित नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) शीलवती	(i) पहला राजा
(B) शर्मिष्ठा	(ii) द्रौपदी
(C) सुरेखा	(iii) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(D)	उर्वी	(iv)	देवयानी का कहना है
		(v)	देहान्तर

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(v)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(d)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)

उत्तर (b)

व्याख्या-

पात्र	नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
शीलवती	सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	1975 ई.	सुरेन्द्र वर्मा
शर्मिष्ठा	देहान्तर	1987 ई.	आचार्य नंदकिशोर
सुरेखा	द्रौपदी	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा
उर्वी	पहला राजा	1969 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
देवयानी	देवयानी का कहना है	1972 ई.	रमेश बक्षी

73. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची I		सूची II
(A)	भाग्यवती	(i)	अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध
(B)	नूतन ब्रह्मचारी	(ii)	श्रद्धाराम फिल्लौरी
(C)	अधखिला फूल	(iii)	राधाकृष्ण दास
(D)	आदर्श दंपति	(iv)	बालकृष्ण भट्ट
		(v)	लज्जाराम मेहता

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(b)	(iii)	(ii)	(v)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(v)	(ii)	(i)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
भाग्यवती	1877 ई.	श्रद्धाराम फिल्लौरी
नूतन ब्रह्मचारी	1886 ई.	बालकृष्ण भट्ट
अधखिला फूल	1907 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय
आदर्श दम्पति	1904 ई.	लज्जाराम मेहता
निस्सहाय हिन्दू	1890 ई.	राधाकृष्ण दास

74. निम्नलिखित आत्मकथाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची I		सूची II
(A)	पानी बिच मीन पियासी	(i)	रमणिका गुप्ता
(B)	आज के अतीत	(ii)	रवीन्द्र कालिया
(C)	पिंजरे की मैना	(iii)	मिथिलेश्वर
(D)	हादसे	(iv)	भीष्म साहनी
		(v)	चंद्रकिरण सौनरेक्सा

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(v)	(i)

उत्तर (d)

व्याख्या-

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
पानी बिच मीन पियासी कहाँ तक कहे युगों की बात	2011 ई.	मिथिलेश्वर
आज के अतीत	2003 ई.	भीष्म साहनी
पिंजरे की मैना	2008 ई.	चंद्रकिरण सौनरेक्सा
हादसे	2005 ई.	रमणिका गुप्ता
गालिब छूटी शराब	2000 ई.	रवीन्द्र कालिया

75. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची I		सूची II
(A)	भरत	(i)	साहित्य दर्पण
(B)	धनंजय	(ii)	नाट्य दर्पण
(C)	सागरनंदी	(iii)	नाट्य शास्त्र
(D)	रामचंद्र गुणचंद्र	(iv)	दशरूपक
		(v)	नाटक लक्षण रत्नकोष

कोड :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(d)	(ii)	(iii)	(v)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
नाट्यशास्त्र	भरत
दशरूपक	धनञ्जय
नाटक लक्षण रत्नकोष	सागरनंदी
नाट्य दर्पण	रामचंद्र गुणचंद
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2015

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णांक : 100

नोट इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. इनमें से किस बोली का बिहारी हिंदी से सम्बन्ध नहीं है?

(A) अवधी (B) मगही
(C) भोजपुरी (D) मैथिली

उत्तर (A)

व्याख्या-अवधी का सम्बन्ध बिहारी हिन्दी से नहीं है। अपभ्रंश तथा उनसे विकसित उपभाषा एवं बोलियों का विवरण निम्नवत् है-

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
1. शौरसेनी	पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी) ब्रजभाषा हरियाणवी या बंगारू बुन्देली कन्नौजी
	राजस्थानी	पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	पहाड़ी	कुमायुनी गढ़वाली नेपाली
	गुजराती	
2. अर्धमागधी	पूर्वी हिन्दी	अवधी बघेली छत्तीसगढ़ी
3. मागधी	बिहारी	भोजपुरी मगही मैथिली
	बंगला उड़िया असमिया	
4. पैशाची	लहंदा पंजाबी	
5. ब्राचड़	सिंधी	
6. महाराष्ट्री	मराठी	

2. 'दोहा' (दूहा) मूलतः किस भाषा का छंद है?

(A) प्राकृत (B) अपभ्रंश
(C) हिंदी (D) संस्कृत

उत्तर (B)

व्याख्या–'दोहा' या 'दूहा' कहने से अपभ्रंश या लोक प्रचलित काव्य-भाषा का बोध होता है। अतः यह मूलतः अपभ्रंश का छंद है। इसे लोकभाषा या देशभाषा भी कहते हैं। जबकि 'गाहा' या 'गाथा' कहने से प्राकृत का बोध होता है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

3. ''हिंदी साहित्य का अतीत'' के लेखक हैं :

(A) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (B) विश्वनाथ त्रिपाठी
(C) श्याम सुन्दर दास (D) गणपतिचन्द्र गुप्त

उत्तर (A)

व्याख्या-

हिन्दी साहित्य का इतिहास	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग)	प्रथम भाग- 1959 ई. द्वितीय भाग- 1960 ई.	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य वैज्ञानिक इतिहास (दो भाग)	1965 ई.	गणपति चन्द्र गुप्त
(i) हिन्दी भाषा का विकास (ii) हिन्दी भाषा और साहित्य	1924 ई. 1930 ई.	डा. श्यामसुन्दर दास डा. श्यामसुन्दर दास
(iii) हिन्दी कोविद रत्नमाला (दो भाग)	प्रथम भाग- 1909 ई. द्वितीय भाग- 1914 ई.	डा. श्यामसुन्दर दास

4. संदेसडउ सवित्थरउ हउँ कहणहँ असमत्थ।
भण पिय इक्कति बलियडइ बेवि समाणा हत्थ॥
उपर्युक्त दोहा किसका है

(A) नरपति नाल्ह (B) हेमचंद्र
(C) अब्दुर्रहमान (D) शांड्गधर

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–संदेसडउ सवित्थरउ ....समाणा हत्थ।।
उपर्युक्त दोहा की पंक्ति देशीभाषा में अब्दुर्रहमान द्वारा लिखित प्रथम काव्य ग्रन्थ 'संदेशरासक' से लिया गया है। संदेशरासक पहला धर्मेतर रास ग्रन्थ है।

5. जो नर दुख में दुख नहिं मानै।
सुख सनेह अरु भय नहिं जाके, कंचन माटी जानै।
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :

(A) सूरदास (B) गुरुनानक
(C) कबीरदास (D) रैदास

उत्तर (B)

व्याख्या–जो नर दुख में दुख .... कंचन मारी जानै।
यह प्रसिद्ध पंक्ति सिख सम्प्रदाय के प्रवर्तक एवं आदि गुरू गुरूनानकदेव की है। गुरूनानक का जन्मकाल (1469-1538ई.) है। इनकी प्रमुख रचनाएँ–"जपुजी", 'आसदीबार', 'रहिरास' और सोहिला है, गुरूनानक की सभी कृतियाँ गुरूग्रन्थ साहिब में संकलित हैं।

6. निम्नलिखित में से कौन 'अष्टछाप' का कवि नहीं है?

(A) कुम्भनदास (B) कृष्णदास
(C) छीतस्वामी (D) ध्रुवदास

उत्तर (D)

व्याख्या-अष्टछाप की स्थापना गोस्वामी विट्ठलनाथ ने सन् 1565 ई. में किया था। इसको चार वल्लभाचार्य और चार विट्ठलनाथ के शिष्यों को मिलाकर बनाया गया था।

कवि	जन्म-मृत्यु	गुरू	जन्मस्थान
कुम्भनदास	1468-1583 ई.	वल्लभाचार्य	जमुनावती (उ.प्र.)
सूरदास	1478-1583 ई.	" "	सीही (उ.प्र.)
परमानन्द दास	1493 ई. -	" "	कन्नौज (उ.प्र.)
कृष्णदास	1496-1578 ई.	" "	चिलोतरा(गुजरात)
गोविन्द स्वामी	1505-1585 ई.	विट्ठलनाथ	आंतरी(राजस्थान)
छीत स्वामी	1515-1585 ई.	" "	मथुरा (उ.प्र.)
चतुर्भुजदास	1530-1585 ई.	" "	जमुनावती (उ.प्र.)
नन्द दास	1533-1583 ई.	" "	रामपुर (उ.प्र.)

7. तुम नीके दुहि जानत गैया।
चलिए कुंवर रसिक मनमोहन लागौं तिहारे पैयाँ।
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं :

(A) सूरदास (B) कुम्भनदास
(C) नंददास (D) परमानंददास

उत्तर (B)

व्याख्या–तुम नीके दुहि ....लागौ तिहारे पैयाँ।
इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार कुम्भनदास जी हैं। कुम्भनदास (1468- 1583 ई.) प्रथम अष्टछापी कवि थे। ये जाति के क्षत्रिय थे।

8. निम्नलिखित में से कौन 'हनुमच्चरित्र' का रचयिता है?

(A) नाभादास (B) तुलसीदास
(C) अग्रदास (D) रायमल्ल पांडे

उत्तर (D)

व्याख्या- कवि	**काव्य ग्रंथ**
रायमल्ल पांडे	हनुमच्चरित (1639 ई.)
नाभादास	रासपंचाध्यायी सिद्धांत पंचाध्यायी
तुलसीदास	कवितावली (1574-1623 ई.)
अग्रदास	ध्यानमंजरी रामध्यानमंजरी अष्टयाम या रामाष्टयाम

9. 'ललित ललाम' किसका ग्रंथ है?

(A) जसवंत सिंह (B) भूषण
(C) पद्माकर (D) मतिराम

उत्तर (D)

व्याख्या–

काव्य ग्रन्थ	**कवि**
ललित ललाम (अलंकार निरूपण)	मतिराम
प्रबोध चन्द्रोदय	जसवंत सिंह
शिवराज भूषण	भूषण
पद्माभरण	पद्माकर

स्रोत-हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

10. डेल सो बनाय आय मेलत सभा के बीच
लोगन कबित्त कीबो खेल करि जानो है।
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?

(A) आलम (B) बोधा
(C) ठाकुर (D) द्विजदेव

उत्तर (C)

व्याख्या–डेल सो बनाय ....करि जानो है।
उपर्युक्त पंक्ति रीतिकालीन, रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि ठाकुर (1766-1823 ई.) की हैं।

11. निम्नलिखित में से कौन-सा लेखक भारतेंदु-मण्डल का नहीं है?

(A) प्रताप नारायण मिश्र
(B) बदरीनारायण चौधरी प्रेमधन
(C) बालकृष्ण भट्ट
(D) राजा लक्ष्मण सिंह

उत्तर (D)

व्याख्या–प्रताप नारायण मिश्र (1856-1894ई.), बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन' (1855-1923ई.), बालकृष्ण भट्ट (1844-1914ई.) तथा राधाकृष्ण दास (1865-1907ई.) आदि भारतेन्दुमण्डल के लेखक हैं। जबकि राजा लक्ष्मण सिंह (1826-1896ई.) भारतेन्दुमण्डल के पहले के कवि हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

12. 'रसकलस' किसकी रचना है?

(A) श्रीधर पाठक
(B) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(C) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
(D) मैथिलीशरण गुप्त

उत्तर (B)

व्याख्या–

काव्य	**प्रकाशन वर्ष**	**कवि**
रस कलस	1931ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
गुनवंत हेमंत	1900ई.	श्रीधर पाठक
भारत-भारती	1912ई.	मैथिलीशरण गुप्त
प्रेम पचीसी		गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'

नोट- हरिऔध, श्रीधर पाठक तथा मैथिलीशरण गुप्त आदि द्विवेदी मण्डल के कवि हैं जबकि गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' द्विवेदी मण्डल के बाहर के कवि हैं।

13. निम्नलिखित पंक्तियाँ किस कवि की हैं?
''क्या कहा मैं अपना खंडन करता हूँ?
ठीक है तो, मैं अपना खंडन करता हूँ?
मै विराट् हूँ- मैं समूहों को समोये हूँ।''

(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानंदन पंत
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (D) रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर (C)

व्याख्या–''क्या कहा मैं .... समूहों को समोये हूँ। यह पंक्ति प्रमुख छायावादी कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (1899-1961 ई.) की है।
इनकी प्रमुख रचनाएँ- अनामिका (1923 ई.), परिमल (1930ई.) गीतिका (1936 ई.), तुलसीदास (1942 ई.), कुकुरमुत्ता (1942 ई.) अणिमा (1943 ई.) बेला (1946 ई.), नये पत्ते (1946 ई.) अर्चना (1950 ई.) आराधना (1953ई.) गीतगुंज (1954 ई.) तथा सांध्यकली (1969ई.)

14. ''आज मैं अकेला हूँ, अकेले रहा नहीं जाता
जीवन मिला है यह, रतन मिला है यह''
उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(A) त्रिलोचन (B) केदारनाथ
(C) नागार्जुन (D) रघुवीर सहाय

उत्तर (A)

व्याख्या–''आज मैं अकेला .... मिला है यह''।। उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ छायावादोत्तर काल के प्रगतिवादी कवि त्रिलोचन (वासुदेव सिंह 'त्रिलोचन' 1917-2007ई.) की हैं। धरती (1945 ई.) गुलाब और बुलबुल (1956 ई.) दिगन्त (1957 ई.) ताप के ताए हुए दिन (1980 ई.) शब्द (1980 ई.), उस जनपद का कवि हूँ (1981ई.) अरघान (1984 ई.), तुम्हें सौंपता हूँ (1985 ई.), फूल नाम है एक (1985 ई.) अनकहनी भी कुछ कहनी है (1986 ई.) इत्यादि त्रिलोचन की काव्य कृतियाँ हैं।

15. निम्नलिखित में से महावीर प्रसाद द्विवेदी का कथन कौन-सा है?

(A) भाषा संसार का नादमय चित्र है, ध्वनिमय स्वरूप है।
(B) मनुष्यों की मुक्ति की तरह कविता की भी मुक्ति होती है।
(C) कवित्व को आत्मा की अनुभूति कहते हैं।
(D) अर्थ सौरस्य ही कविता का प्राण है।

उत्तर (D)

व्याख्या-

कथन	**कथनकार**
अर्थ सौरस्य ही कविता का प्राण है	महावीर प्रसाद द्विवेदी
भाषा संसार का नादमय चित्र है, ध्वनिमय स्वरूप है। मनुष्यों की मुक्ति की तरह कविता की भी मुक्ति होती है। कवित्व को आत्मा की अनुभूति कहते हैं।	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

16. निम्नलिखित में से किस उपन्यास को स्त्री लेखन का प्रस्थान बिंदु माना जाता है?

(A) मित्रो मरजानी (B) कठगुलाब
(C) आवाँ (D) चाक

उत्तर (A)

व्याख्या–कृष्णा सोवती द्वारा लिखित प्रथम उपन्यास मित्रो मरजानी (1967ई.) को हिन्दी साहित्य के उपन्यास विधा में स्त्री लेखन का प्रस्थान बिन्दु माना जाता है।
आवाँ (1999ई.)- चित्रामुद्गल, कठगुलाब (1996ई.) मृदुला गर्ग, चाक (1997ई)- मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यास हैं।

17. निम्नलिखित में से दो समानान्तर कथा-प्रसंगों पर चलने वाला शंकरशेष का नाटक है :

(A) कोमल गांधार (B) पोस्टर
(C) एक और द्रोणाचार्य (D) अरे मायावी सरोवर

उत्तर (C)

व्याख्या–शंकर शेष द्वारा लिखित नाटक- एक और द्रोणाचार्य (1977ई), कोमल गांधार, पोस्टर, अरे मायावी सरोवर (1980ई.)।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नोट- एक और द्रोणाचार्य दो समानान्तर कथा-प्रसंगों पर चलने वाला नाटक है महाभारत कालीन द्रोणाचार्य का पौराणिक मिथकीय चित्रण है। शंकर शेष विसंगति बोध के नाटककार हैं।

18. ''कविता करना अनन्त पुण्य का फल है। इस दुराशा और अनन्त उत्कण्ठा से कवि जीवन व्यतीत करने की इच्छा हुई।'' यह संवाद-पंक्ति जयशंकर प्रसाद के किस नाटक की है?

(A) चन्द्रगुप्त (B) ध्रुवस्वामिनी
(C) स्कन्दगुप्त (D) राज्यश्री

उत्तर (C)

व्याख्या–''कविता करना अनन्त ....की इच्छा हुई।'' उपर्युक्त संवाद- पंक्ति जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटक स्कन्द गुप्त (1928 ई.) में वर्णित है।
चन्द्रगुप्त (1931ई.), ध्रुवस्वामिनी (1933ई.), राज्यश्री (1915 ई.) आदि प्रसाद के नाटक हैं। प्रसाद एक ऐतिहासिक नाटककार हैं।

19. 'ठेस' कहानी के लेखक हैं :

(A) अज्ञेय (B) फणीश्वरनाथ रेणु
(C) अमरकांत (D) मोहन राकेश

उत्तर (B)

व्याख्या–

कहानी	**कहानीकार**
ठेस	फणीश्वरनाथ रेणु
कविप्रिया	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
मलवे का मालिक	मोहन राकेश
इण्टरव्यू	अमरकांत

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

20. निम्नलिखित में से कौन-सी कृति आई.ए.रिचर्ड्स की नहीं है?

(A) प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म
(B) द फिलॉसफी ऑफ रेटरिक
(C) कल्चर एण्ड अनार्की
(D) इंटरप्रेटेशन इन टीचिंग

उत्तर (C)

व्याख्या–दि प्रिंसिपुल्स ऑफ लिटररी क्रिटिसिज्म (1924 ई.), प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म (1929), साइंस एण्ड पोइट्री (1926 ई.), दि फिलॉसफी ऑफ रेटरिक (1936 ई.), इंटरप्रेटेशन इन टीचिंग आदि आई ए0 रिचर्ड्स (1893-1979 ई.) की रचना है जबकि कल्चर एण्ड अनार्की (1869ई0) मैथ्यू आर्नल्ड की रचना है।

तथ्य विविधा

21. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(A) दोहाकोष, श्रावकाचार, संदेशरासक, कीर्तिलता
(B) दोहाकोष, संदेशरासक, श्रावकाचार, कीर्तिलता
(C) संदेशरासक, दोहाकोष, कीर्तिलता, श्रावकाचार
(D) दोहाकोष, श्रावकाचार, कीर्तिलता, संदेशरासक

उत्तर (A)

व्याख्या–

रचना	**रचनाकार**
1. दोहाकोष	सरहपा
2. श्रावकाचार	जैन आचार्य देवसेन
3. संदेश रासक	अब्दुल रहमान
4. कीर्तिलता	विद्यापति

नोट- दोहाकोष का सम्पादन डॉ0 प्रबोध चन्द्र बागची ने किया।

22. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(A) कुतबन, उसमान, नूर मुहम्मद, कासिमशाह
(B) कुतबन, कासिमशाह, नूर मुहम्मद, उसमान
(C) कुतबन, उसमान, कासिमशाह, नूर मुहम्मद
(D) उसमान, कुतबन, कासिमशाह, नूर मुहम्मद

उत्तर (C)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार कवियों के जीवनकाल का सही अनुक्रम- कुतबन (1567-1689 ई.) उसमान, कासिमशाह तथा नूर मुहम्मद है।

23. रचनाकाल के अनुसार निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही क्रम है :

(A) ललित ललाम, भावविलास, शृंगार निर्णय, जगद् विनोद
(B) ललित ललाम, शृंगार निर्णय, भावविलास, जगद् विनोद
(C) ललित ललाम, जगद् विनोद, शृंगार निर्णय, भावविलास
(D) भावविलास, ललित ललाम, शृंगार निर्णय,जगद् विनोद

उत्तर (A)

व्याख्या–

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
ललित ललाम	1664 ई.	मतिराम
भावविलास	1689 ई.	देव
शृंगार निर्णय	1750 ई.	भिखारी दास
जगत् विनोद		पद्माकर भट्ट

नोट- महाकवि देव का मूल नाम देवदत्त है। देव आचार्य और कवि दोनों रूपों में प्रसिद्ध हैं।

24. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कथाकारों का सही अनुक्रम है :

(A) जैनेंद्र, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, भवगतीचरण वर्मा, जैनेंद्र
(C) हजारीप्रसाद द्विवेदी, जैनेंद्र, भगवतीचरण वर्मा, अमृतलाल नागर
(D) भगवतीचरण वर्मा, जैनेंद्र, हजारीप्रसाद द्विवेदी, अमृतलाल नागर

उत्तर (D)

व्याख्या– जन्मकाल के अनुसार कथाकारों का सही अनुक्रम-भगवतीचरण वर्मा (1903-1981 ई.), जैनेन्द्र (1905-1988 ई.), हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907-1971), अमृतलाल नागर (1916-1990) आदि हैं।

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है :
(A) इंदुमती, मक्रील, उसने कहा था, कफन
(B) इंदुमती, उसने कहा था, मक्रील, कफन
(C) इंदुमती, उसने कहा था, कफन, मक्रील
(D) इंदुमती, कफन, उसने कहा था, मक्रील

उत्तर (B)

व्याख्या–

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
इंदुमती	1900 ई.	किशोरीलाल गोस्वामी
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
मक्रील	1934 ई.	यशपाल
कफन	1936 ई.	प्रेमचन्द

नोट- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, 'इंदुमती' (1900 ई.) को हिन्दी साहित्य की प्रथम कहानी मानते हैं।

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है :
(A) नया ज्ञानोदय, सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य
(B) सारिका, आजकल, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय
(C) समकालीन भारतीय साहित्य, सारिका, आजकल, नया ज्ञानोदय
(D) आजकल, सारिका, समकालीन भारतीय साहित्य, नया ज्ञानोदय

उत्तर (D)

व्याख्या-

पत्रिका	सन्	संस्थापक
आजकल (मासिक)	1945ई. (दिल्ली)	प्रवीन उपाध्याय, योगेन्द्र दत्त शर्मा वर्तमान-सीमा ओझा/ फरहत परवीन
सारिका	1967ई.(दिल्ली)	कमलेश्वर
समकालीन भारतीय साहित्य	दिल्ली	इंद्रनाथ चौधरी, शानी, गिरिधर राठी
नया ज्ञानोदय (मासिक)	दिल्ली	रवीन्द्र कालिया वर्तमान-प्रभाकर श्रोत्रिय

27. प्रकाशन काल के आधार पर भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है :
(A) हानूश, माधवी, मुआवजे, आलमगीर
(B) माधवी, आलमगीर, हानूश, मुआवजे
(C) हानूश, मुआवजे, आलमगीर, माधवी
(D) मुआवजे, हानूश, माधवी, आलमगीर

उत्तर (A)

व्याख्या–भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम : हानूश (1977 ई.), कबिरा खड़ा बाजार में (1981 ई.), माधवी (1985 ई.), मुआवजे (1993 ई.), रंग दे बसंती चोला (1998 ई.), आलमगीर (1999 ई.) आदि भीष्म साहनी के नाटक हैं।

28. प्रकाशन काल की दृष्टि से महिला नाटककारों के नाटकों का सही अनुक्रम है :
(A) बिना दिवारों का घर, जो राम रचि राखा, ठहरा हुआ पानी, नेपथ्यराग
(B) बिना दिवारों का घर, ठहरा हुआ पानी, जो राम रचि राखा, नेपथ्यराग
(C) ठहरा हुआ पानी, बिना दिवारों का घर, नेपथ्यराग जो राम रचि राखा,
(D) जो राम रचि राखा, नेपथ्यराग बिना दिवारों का घर, ठहरा हुआ पानी,

उत्तर (B)

व्याख्या–

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
बिना दीवारों का घर	1965 ई.	मन्नू भण्डारी
ठहरा हुआ पानी	1975 ई.	शान्ति मेहरोत्रा
जो राम रचि राखा	1981 ई.	मृणाल पाण्डेय
नेपथ्यराग	2004 ई.	मीराकांत

29. प्रकाशन-वर्ष के आधार पर निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(A) सम्पत्तिशास्त्र, साहित्यालोचन, संस्कृति के चार अध्याय, मध्यकालीन बोध का स्वरूप
(B) साहित्यालोचन, सम्पत्तिशास्त्र, संस्कृति के चार अध्याय, मध्यकालीन बोध का स्वरूप

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) संस्कृति के चार अध्याय, सम्पत्तिशास्त्र, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, साहित्यालोचन
(D) सम्पत्तिशास्त्र, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, साहित्यालोचन, संस्कृति के चार अध्याय

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	**विधा**	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
सम्पत्ति शास्त्र	निबन्ध	1907 ई.	आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
साहित्यालोचन	आलोचना	1922 ई.	श्यामसुन्दर दास
संस्कृति के चार अध्याय	आलोचना	1956 ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'
मध्यकालीन बोध का स्वरूप	आलोचना	1070 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी

नोट- 'संस्कृति के चार अध्याय' (1956 ई.) के लिए रामधारी सिंह दिनकर को 1959 ई. में हिन्दी साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है।

30. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम है

(A) ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, काव्यादर्श, साहित्य दर्पण
(B) काव्यादर्श,ध्वन्यालोक, काव्यमीमांसा, साहित्य दर्पण
(C) काव्यादर्श, काव्यमीमांसा, ध्वन्यालोक, साहित्य दर्पण
(D) ध्वन्यालोक, काव्यादर्श, साहित्य दर्पण, काव्यमीमांसा

उत्तर (B)

व्याख्या–

ग्रन्थ	**समय**	**ग्रन्थकार**
काव्यादर्श	7वीं शती	आचार्य दण्डी
ध्वन्यालोक	9वीं शती (850ई.)	आनन्दवर्धन
काव्यमीमांसा	9वीं शती	राजशेखर
साहित्य दर्पण	14वीं शती	कविराज विश्वनाथ

31. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(A) हिंदी साहित्य की भूमिका	(i) परशुराम चतुर्वेदी
(B) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(C) उत्तरी भारत की संत परंपरा	(iii) बच्चन सिंह
(D) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास	(iv) राम कुमार वर्मा
	(v) लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(v)	(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(iii)	(v)	(ii)	(iv)	(D)	(v)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर (B)

व्याख्या-

इतिहास ग्रन्थ	**सन्**	**इतिहासकार**
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940ई.	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938ई.	डॉ. रामकुमार वर्मा
उत्तरी भारत की संत परम्परा		परशुराम चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	1996ई.	डॉ. बच्चन सिंह
आधुनिक हिन्दी साहित्य	1941ई.	लक्ष्मीसागर बार्ष्णेय

32. निम्नलिखित संप्रदायों को उनके प्रवर्तकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(A) श्री संप्रदाय	(i) रामानुजाचार्य
(B) रुद्र संप्रदाय	(ii) मध्वाचार्य
(C) सनकादि संप्रदाय	(iii) विष्णु स्वामी
(D) राधा वल्लभी संप्रदाय	(iv) निम्बार्काचार्य
	(v) श्रीहितजी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)	(B)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)	(D)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (B)

व्याख्या-

सम्प्रदाय	**प्रवर्तक**	**सिद्धान्त**
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य	विशिष्ट द्वैतवाद
रुद्र सम्प्रदाय	वल्लभचार्य/विष्णुस्वामी	शुद्धाद्वैतवाद
सनकादि सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद
राधावल्लभी सम्प्रदाय	श्रीहित जी	
'ब्रह्म सम्प्रदाय	मध्वाचार्य	द्वैतवाद
स्मार्त सम्प्रदाय	शंकराचार्य	अद्वैतवाद

33. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(A) चिंतामणि	(i) अंगदर्पण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) मतिराम (ii) शिवा बावनी
(C) भूषण (iii) रस रहस्य
(D) रसलीन (iv) रस राज
(v) काव्य प्रकाश

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)	(B)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(C)	(iv)	(v)	(iii)	(ii)	(D)	(v)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर (D)

व्याख्या–

काव्य ग्रन्थ	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
अंगदर्पण	1737 ई.	रसलीन
शिवा बावनी		भूषण
रस रहस्य	1670 ई.	कुलपति मिश्र
रसराज	1663 ई.	मतिराम
काव्य प्रकाश		चिन्तामणि

नोट- रसलीन का मूल नाम गुलाब नबी था।

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I **सूची - II**
(A) कुमारपाल प्रतिबोध **(i)** हेमचंद्र
(B) प्रबंध चिंतामणि (ii) जैनाचार्य मेरुतुंग
(C) कुमारपाल चरित (iii) सोमप्रभ सूरि
(D) हम्मीर रासो (iv) जगनिक
(v) शारंगधर

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(ii)	(i)	(v)	(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(D)	(iv)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर (A)

रचना	सन्	रचनाकार
कुमारपाल प्रतिबोध	12वीं शती (1184 ई.)	सोमप्रभु सूरि
प्रबंध चिंतामणि	14वीं शती (1304 ई.)	मेरुतुंग
कुमारपाल चरित		हेमचन्द्र
हम्मीर रासो	1357 ई.	शरंगधर
परमाल रासो (आल्हखण्ड)	1230 ई.	जगनिक

35. निम्नलिखित संपादकों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I **सूची - II**
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (i) सरस्वती
(B) प्रेमचन्द (ii) संगम
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (iii) प्रतीक
(D) अज्ञेय (iv) कविवचन सुधा
(v) हंस

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)	(B)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(C)	(iii)	(i)	(ii)	(v)	(D)	(iv)	(v)	(i)	(iii)

उत्तर (D)

व्याख्या–

पत्रिका	समय	सम्पादक
सरस्वती	1903 (इलाहाबाद)	महावीर प्रसाद द्विवेदी
प्रतीक	1947 (इलाहाबाद)	अज्ञेय
कविवचन सुधा	1868 (काशी)	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
हंस	1930 (बनारस)	प्रेमचंद

नोट- (i) 'सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी। पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 ई. में इसके सम्पादक श्यामसुन्दर दास थे तथा 1903 ई. में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद बने।
(ii) हंस का प्रकाशन सर्वप्रथम 1920 ई. बनारस से प्रेमचन्द के सम्पादन में शुरू हुआ। हंस का पुनर्प्रकाशन सन् 1986 ई. दिल्ली से राजेन्द्र यादव के सम्पादन में प्रारम्भ हुई।

36. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I **सूची - II**
(A) काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध **(i)** रघुवीर सिंह
(B) शेष स्मृतियाँ (ii) धीरेन्द्र वर्मा
(C) मेरी जीवनयात्रा (iii) जयशंकर प्रसाद
(D) शृंखला की कड़ियाँ (iv) राहुल सांकृत्यायन
(v) महादेवी वर्मा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(v)	(ii)	(iii)	(i)	(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(v)	(D)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

उत्तर (C)

व्याख्या-

रचना	प्र0 वर्ष	रचनाकार	विधा
शृंखला की कड़ियां	1942 ई.	महादेवी वर्मा	निबन्ध
काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध	1939 ई.	जयशंकर प्रसाद	निबन्ध
मेरी जीवनयात्रा	1946 ई.	राहुल सांकृत्यायन	आत्मकथा
शेष स्मृतियाँ	1939 ई.	रघुवीर सिंह	निबन्ध संग्रह
ब्रजभाषा व्याकरण		डॉ. धीरेन्द्र वर्मा	व्याकरण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	सूची - II
(A) कर्म का भोग भोग का कर्म यही जड़ का चेतन आनन्द	(i) निराला
(B) होगी जय, होगी जय, हे पुरुषोत्तम नवीन! कह महाशक्ति राम के वदन में हुई लीन	(ii) मुक्तिबोध
(C) मौन भी अभिव्यंजना है: जितना तुम्हारा सच है उतना ही कहो।	(iii) जयशंकर प्रसाद
(D) परम अभिव्यक्ति लगातार घूमती है जग में पता नहीं जाने कहाँ, जाने कहाँ वह है	(iv) अज्ञेय
	(v) धूमिल

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)	(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(i)	(iv)	(v)	(iii)	(D)	(v)	(iii)	(ii)	(i)

उत्तर (B)

व्याख्या–कर्म का भोग .....चेतन आनन्द — जयशंकर प्रसाद
होगी जय, होगी जय .... में हुई लीन। — निराला
मौन भी अभिव्यंजना .... ही कहो । — अज्ञेय
परम अभिव्यक्ति लगातार............ वह है। — मुक्तिबोध
दरअसल, अपने यहाँ जनतंत्र एक ऐसा तमाशा है जिसकी जान, मदारी की भाषा है। — धूमिल

38. निम्नलिखित पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची - I	सूची - II
(A) पर्णदत्त	(i) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(B) हेरूप	(ii) स्कन्दगुप्त
(C) ओक्काक	(iii) माधवी
(D) गालव	(iv) कलंकी
	(v) नरसिंह कथा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(v)	(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(v)	(i)	(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

उत्तर (D)

व्याख्या-

पात्र	नाटक	नाटककार	प्र.वर्ष
पर्णदत्त	स्कन्दगुप्त	जयशंकर प्रसाद	1928 ई.
हेरूप	कलंकी	लक्ष्मीनारायण लाल	1969 ई.
ओक्काक	सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	सुरेन्द्र वर्मा	1975 ई.
गालव	माधवी	भीष्म साहनी	1985 ई.
	नरसिंह कथा	लक्ष्मीनारायण लाल	1975 ई.

39. निम्नलिखित एकांकियों को उनके एकांकीकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	सूची - II
(A) जोंक	(i) भुवनेश्वर प्रसाद
(B) शिवाजी का सच्चा स्वरूप	(ii) रामकुमार वर्मा
(C) प्रतिभा का विवाह	(iii) उपेन्द्रनाथ अश्क
(D) पृथ्वीराज की आँखे	(iv) हरिकृष्ण प्रेमी
	(v) सेठ गोविन्ददास

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)	(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(v)	(iii)	(i)	(iv)	(D)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

उत्तर (A)

व्याख्या–

एकांकी	एकांकीकार
जोक	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
शिवाजी का सच्चा स्वरूप	सेठ गोविन्द दास
प्रतिमा का विवाह	भुवनेश्वर
पृथ्वीराज की आँखें	डॉ. रामकुमार वर्मा

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	सूची - II
(A) काव्य में अभिव्यंजनावाद	(i) मिश्रबन्धु
(B) रसपीयूषनिधि	(ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(C) रसकलस	(iii) सोमनाथ
(D) हिन्दी नवरत्न	(iv) लक्ष्मीनारायण 'सुधांशु'
	(v) देव

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)		(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(iii)	(v)	(ii)	(B)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)	(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

रचना	प्र.वर्ष	रचनाकार
काव्य में अभिव्यंजनावाद		लक्ष्मीनारायण सुधांशु
रसपीयूष निधि	1739 ई.	सोमनाथ
रसकलस	1931 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
हिन्दी नवरत्न	1910 ई.	मिश्रबन्धु
भाव विलास	1689 ई.	देव

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **41-45**) के दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है। अर्थपरायण लाख कहा करें कि 'गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या फायदा' पर हृदय नहीं मानता; बार-बार अतीत की ओर जाता है; अपनी यह बुरी आदत नहीं छोड़ता। इसमें कुछ रहस्य अवश्य है। हृदय के लिए अतीत एक मुक्ति लोक है जहाँ वह अनेक प्रकार के बंधनों से छूटा रहता है और अपने शुद्ध रूप में विचरता है। वर्तमान हमें अन्धा बनाए रहता है; अतीत बीच-बीच में हमारी आँखे खोलता रहता है। मैं तो समझता हूँ कि जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण मनुष्य के पीछे रहता है; आगे तो बराबर खिसकता हुआ दुर्भेद्य परदा रहता है। बीती बिसारने वाले 'आगे की सुध रखने का दावा' किया करें, परिणाम अशांति के अतिरिक्त और कुछ नहीं। वर्तमान को संभालने और आगे की सुध रखने का डंका पीटने वाले संसार में जितने ही अधिक होते जाते हैं, संघ-शक्ति के प्रभाव से जीवन की उलझने उतनी ही बढ़ती जाती हैं। बीता बिसारने का अभिप्राय है जीवन की अखंडता और व्यापकता को अनुभूति का विसर्जन; सहृदयता भावुकता का भंग- केवल अर्थ की निष्ठुर क्रीड़ा।

41. अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है, क्योंकि :
(A) मनुष्य अतीत जीवी होता है।
(B) मनुष्य वर्तमान से भागना चाहता है।
(C) वहाँ मनुष्य अनेक प्रकार के बंधनों से मुक्त रहता है
(D) मनुष्य अर्थपरायण नहीं होता है।
उत्तर (C)

व्याख्या–अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है क्योंकि हृदय के लिए अतीत एक मुक्ति लोक है जहाँ वह अनेक प्रकार के बंधनों से छूटा रहता है और अपने शुद्ध रूप में विचरता है।

42. **'वर्तमान हमें अंधा बनाए रहता है' -इसका भाव है।**
(A) वर्तमान में बहुत-सी समस्याएँ रहती हैं।
(B) हम वर्तमान की समस्याओं में ही उलझे रहते हैं।
(C) हमारी सारी समस्याएँ वर्तमान से संबद्ध रहती हैं।
(D) हमें वर्तमान से प्रेम होता है।
उत्तर (B)

व्याख्या–वर्तमान हमें अंधा बनाए रहता है इसका तात्पर्य यह है कि मनुष्य वर्तमान की समस्याओं में ही उलझे रहते हैं। जिससे मनुष्य को भूत एवं भविष्य का ध्यान नहीं रहता है।

43. **अशांति किसका परिणाम है?**
(A) वर्तमान से लगाव का। (B) वर्तमान की उपेक्षा का।
(C) भविष्य की चिंता का। (D) अतीत की विस्मृति का।
उत्तर (D)

व्याख्या–मानव द्वारा वर्तमान को संभालने तथा भविष्य की चिंता में अधिक व्यस्त होना तथा अतीत का विस्मृति होना ही अशांति का परिणाम है। अतीत का विस्मृति होने का अभिप्राय है जीवन की अखंडता और व्यापकता की अनुभूति का विसर्जन।

44. **केवल अर्थ की क्रीड़ा निष्ठुर है, क्योंकि :**
(A) वह उलझनों को बढ़ाती है।
(B) वह अतीत की उपेक्षा करती है।
(C) वह वर्तमान की अधिक चिंता करती है।
(D) वह मनुष्य को सहृदय नहीं रहने देती है।
उत्तर (D)

व्याख्या–मनुष्य में अर्थ की निष्ठर क्रीड़ा होने से उस (मनुष्य) सहृदयता भावुकता का विनाश होना होता है। अर्थ की निष्ठर क्रीड़ा मानव को सहृदय नहीं रहने देती है।

45. **जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण क्या है?**
(A) अतीत की स्मृति। (B) अतीत का सुख।
(C) अतीत का दुख। (D) अतीत का मोह।
उत्तर (A)

व्याख्या–अतीत की स्मृति ही मानव जीवन का नित्य स्वरूप दिखाने वाला दर्पण है। जो सदैव मनुष्य के पीछे रहता है। क्योंकि अतीत बीच-बीच में हमारी आँखे खोलता रहता है।

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के प्रश्नों के दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

46 **स्थापना (Assertion) (A) दो विरोधी मूल्यों के बीच भटकना और उससे उत्पन्न तनाव को झेलना ही आधुनिकता की एकमात्र पहचान है।**
तर्क (Reason) (R) इसीलिए आधुनिक नाटककार मोहन राकेश के नाटकों में व्यक्ति-स्वातन्त्र्य और चयन की आजादी को महत्व मिला।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड :

(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) सही और (R) गलत
उत्तर (C)

व्याख्या– मानव द्वारा दो विरोधी मूल्यों के बीच सामंजस्य स्थापित करना आधुनिकता की पहचान है। जिसमें व्यक्ति की विचारों की आजादी, सामाजिक स्वतन्त्रता होती है। आधुनिक नाटककार मोहन राकेश के नाटकों में व्यक्ति (स्त्री/पुरुष) स्वतंत्रता और चयन की आजादी को महत्व दिया है।

47. स्थापना (Assertion) (A) विभावादि के परिवर्तित स्वरूप के अनुसार रस के आस्वादन में विचित्रता नहीं आती।
तर्क (Reason) (R) क्योंकि रस स्वयं में विभाव-निरपेक्ष होता है।

कोड :

(A) (A) गलत और (R) गलत
(B) (A) सही और (R) सही
(C) (A) सही और (R) गलत
(D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक भरतमुनि के अनुसार, विभाव, अनुभाव, संचारी भावों से सम्पन्न स्थायी भावों का आस्वादन करते हुए सहृदयजन रस का आनन्द लेते हैं। सामाजिक भाव के हृदय में स्थित स्थायी भावों को अस्वादन के योग्य बनाने वाले कारणों को विभाव कहते हैं।
विभावेनानुभावेन व्यक्तः संचारिणी तथा।
रसतामेति रत्यादिः स्थायी भाव सचेतसाम्।। -आचार्य विश्वनाथ

48. स्थापना (Assertion) (A) प्रतिभा के विस्फोट के लिए रसावेश की आवश्यकता है किन्तु सारे रसिक कवि नहीं बनते।
तर्क (Reason) (R) राजशेखर ने रचनात्मक प्रतिभा को कारयित्री प्रतिभा कहा है जो कुछ ही लोगों में होती है।

कोड :

(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) गलत
(D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–काव्य हेतुओं में प्रतिभा का स्थान सर्वोपरि है। प्रतिभा नित्य नवीन उद्भावना करने वाली मानसिक शक्ति है। नये-नये भावों के उन्मेष से युक्त प्रज्ञा को प्रतिभा कहा जाता है। आचार्य राजशेखर ने प्रतिभा के दो भेद किये हैं-
(i) कारयित्री प्रतिभा (ii) भावयित्री प्रतिभा । कवि का उपकार करने वाली प्रतिभा को कारयित्री प्रतिभा कहते हैं तथा सहृदय का उपकार करने वाली प्रतिभा को भावयित्री प्रतिभा कहते हैं।

49. स्थापना (Assertion) (A) गुण मुख्य रूप से रस के धर्म हैं पर इन्हें गौण रूप में शब्दार्थ के धर्म भी माना जाता है।
तर्क (Reason) (R) क्योंकि गुण का निर्धारण शब्दार्थ से ही होता है।

कोड :

(A) (A) सही और (R) सही (B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) गलत (D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या–गुण मुख्य रूप से रस के धर्म हैं पर इन्हें गौण रूप में शब्दार्थ के धर्म भी माना जाता है क्योंकि काव्य में ओज प्रसाद आदि गुण होने पर ही उपमादि अलंकार उसकी शोभा में वृद्धि कर सकते हैं। इस प्रकार माधुर्य प्रसाद आदि गुण काव्य के नित्य धर्म हैं, क्योंकि उनके बिना काव्य में सौन्दर्य की उत्पत्ति नहीं हो सकती है। वामन के अनुसार गुणों की संख्या 20 है। इसमें 10 शब्द गुण और 10 अर्थ गुण हैं।
गुणों का निर्धारण केवल शब्दार्थ से नहीं होता बल्कि गुण शब्द और अर्थ के नित्य धर्म हैं।

50. स्थापना (Assertion) (A) कामायनी को रूपक काव्य भी कहा जाता है।
तर्क (Reason) (R) क्योंकि इसमें रूपक अलंकार की बहुलता है।

कोड :

(A) (A) सही और (R) सही (B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) सही (D) (A) गलत और (R) गलत
उत्तर (B)

व्याख्या–कामायनी (1935 ई.) छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित एक महाकाव्य है। रूपक काव्य वह काव्य होता है जिसमें पात्र मानवीकृत तो नहीं होते, परन्तु प्रतीकात्मक अवश्य होते हैं अर्थात् प्रवृत्ति भावना अथवा सूक्ष्म तत्व आदि नाम ही पात्र का नाम होता है। परन्तु प्रतीकात्मक पात्र में पात्र का नाम चाहे जो भी हो, वह पात्र अपने गुणों अथवा कार्यों द्वारा किसी प्रतीयमान तत्व या प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे रूपकात्मक काव्य में पात्र ही नहीं, अधिकांश घटनाएँ तथा वर्ण्य वस्तुएँ भी प्रतीकात्मक अथवा सांकेतिक होते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2015
हिन्दी
तृतीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 2-1/2 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 150

नोट-इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. संत मत के अलावा 'शब्द' (शबद) का प्रचलन और किस पंथ में हुआ था?

(A) सिद्ध (B) जैन
(C) नाथ पंथ (D) सखी संप्रदाय

उत्तर (C)

व्याख्या–संत मत के अलावा 'शब्द' (सबद) का प्रचलन नाथ पंथ में होता था। गोरखनाथ की गोरखबानी के संकलनकर्ता डॉ0 पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल द्वारा संकलित शब्द नामक ग्रंथ से हुआ है।

**2. गगन हुता नहिं महि हुती हुते चंद नहिं सूर।
ऐसे अंधकार महँ रचा मुहम्मद नूर।।
यह दोहा जायसी की किस काव्य-कृति का है?**

(A) पद्मावत (B) अखरावट
(C) आखिरी कलाम (D) कन्हावत

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	कवि
गगन हुता नहिं ....मुहम्मद नूर	आखिरी कलाम
सरवर तीर पदमिनी आई। खोपा छोरि केस मुकलाई।। ससि मुख, अंग मलयगिरि बासा। नागिन झाँपि लीन्ह चहुँ पासा	पद्मावत

**3. गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग।
यह काव्य पंक्ति किसकी है**

(A) गोरखनाथ (B) कबीरदास
(C) तुलसीदास (D) जायसी

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	कवि
गोरख जगायो ....भगायो लोग	तुलसीदास (कवितावली)
जे तूँ बाभन बमनी जाया। तो आन बाट होइ काहे न आया।।	कबीरदास
कवि विआस रस कवुँला पूरी। दूरिहि निअर निअर भा दूरी।।	जायसी
अवधू मन चंगा तो कठौती में गंगा	गोरखनाथ

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं विविध काव्य धाराएँ

4. 'हिन्दी रीति ग्रंथों की परंपरा चिंतामणि त्रिपाठी से चली, अतः रीतिकाल का आरंभ उन्हीं से मानना चाहिए'- किस इतिहासकार का कथन है?

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (D) बच्चन सिंह

उत्तर (A)

व्याख्या–'हिन्दी रीति ग्रंथों की परम्परा चिंतामणि त्रिपाठी से चली, अतः रीतिकाल का आरम्भ उन्हीं से मानना चाहिए' यह कथन इतिहासकार रामचन्द्र शुक्ल जी का है।

5. हिन्दी साहित्य के रीतिकाल का 'शृंगार काल' नाम निम्नलिखित में किस इतिहासकार ने रखा है?

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (D) रामकुमार वर्मा

उत्तर (C)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य में रीतिकाल का नामकरण तथा उसके प्रस्तोता निम्नवत् हैं-

नाम	प्रस्तोत
रीतिकाव्य	डॉ. जार्ज ग्रियर्सन
शृंगारकाल	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
अलंकृतकाल	मिश्र बन्धु
रीतिकाल	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
कलाकाल	डॉ0 रमाशंकर शुक्ल
अन्धकार काल	त्रिलोचन

**6. बालचंद विज्जावइ भासा
दुहु नहि लग्गइ दुज्जन हासा।
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?**

(A) स्वयंभू (B) नरपति नाल्ह
(C) विद्यापति (D) मधुकर कवि

उत्तर (C)

व्याख्या–बालचंद विज्जावई भाषा। दुहु नहि लग्गइ दुज्जन हासा।। यह विद्यापति के 'कीर्तिलता' नामक ग्रंथ से लिया गया है।

7. किस रासो काव्य की कथा का वर्णन शुक और शुकी के द्वारा किया गया है?

(A) पृथ्वीराज रासो (B) कीर्तिपताका
(C) बीसलदेव रासो (D) खुमाण रासो

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या—हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार-
महाकवि चन्दवरदायी द्वारा रचित ग्रंथ पृथ्वीराजरासों काव्य की कथा का वर्णन शुक और शुकी के द्वारा किया गया है।
'कीर्ति पताका- विद्यापति, 'बीसलदेव रासो (1212ई.)
नरपति नाल्ह, तथा 'खुमाण रासो' (9वीं शती)
दलपति विजय की रचना है
नोट-हिन्दी साहित्य ने सर्वप्रथम बारहमासा का वर्णन तथा वीरकाव्य परम्परा का प्रथम ग्रंथ नरपतिनाल्ह कृत बीसलदेव रासो (1212ई.) में मिलता है।

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

8. 'क्या हिंदी नाम की कोई भाषा ही नहीं' लेख के रचनाकार है।
(A) भारतुंदु हरिश्चंद्र (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) रामचंद्र शुक्ल
उत्तर (C)

व्याख्या—'क्या हिन्दी नाम की कोई भाषा ही नहीं' लेख के रचनाकार द्विवेदी युग (1900-1918ई.) के प्रवर्तक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी (1864-1938ई. है।

**9. ''सुधि मेरे आगम की जग में
सुख की सिहरन हो अंत खिली।''
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि की हैं?**
(A) मैथिलीशरण गुप्त (B) महादेवी वर्मा
(C) जयशंकर प्रसाद (D) सुभद्राकुमारी चौहान
उत्तर (B)

''सुधि मेरे आगम ....अंतखिली।''
उपर्युक्त पंक्ति छायावाद की प्रमुख कवियित्री महादेवी वर्मा (1907-1987 ई.) है।

बीती विभावरी जाग री अंबर पनघट मे डूबो रही तारा घट ऊषा नागरी	जयशंकर प्रसाद (लहर)
वेदने। तू भी भली बनी। पाई मैंने आज तुझी में अपनी चाह धनी।	मैथिलीशण गुप्त (साकेत)

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

10. 'देहाती दुनिया' के लेखक हैं :
(A) रामवृक्ष बेनीपुरी (B) सुदर्शन
(C) शिवपूजन सहाय (D) राहुल सांकृत्यायन
उत्तर (C)

व्याख्या-

रचना	प्र0 वर्ष	रचनाकार	विधा
देहाती दुनिया	1926 ई.	शिवपूजन सहाय	उपन्यास
जय यौधेय	1944 ई.	राहुल सांकृत्यायन	उपन्यास
पैरों में पंख बाँधकर	1952 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी	रेखाचित्र
राजपूत की हार		सुदर्शन	एकांकी

11. ''यद्यपि 1942 के जन-आंदोलन के समय इस गाँव में न तो फौजियों का कोई उत्पात हुआ था और न आंदोलन की लहर ही इस गाँव में पहुँच पायी थी, किंतु जिले भर की घटनाओं की खबर अफवाहों के रूप में यहाँ तक जरूर पहुँची थी।'' उपर्युक्त पंक्तियाँ किस उपन्यास से हैं?
(A) मैला ऑचल (B) काल कथा
(C) पीढ़ियाँ (D) इन्हीं हथियारों से
उत्तर (A)

व्याख्या-
उपर्युक्त पंक्ति आंचलिक उपन्यासकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' (1921-1977ई.) द्वारा रचित उपन्यास मैला ऑचल (1954ई.) में उल्लेखित है। इसमें भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के दौरान असहयोग आन्दोलन 1942ई. का वर्णन है।

उपन्यास	सन्	उपन्यासकार
मैला आँचल	1954 ई.	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
इन्हीं हथियारों से	2003 ई.	अमरकांत
पीढ़ियाँ	1990 ई.	अमृतलाल नागर
कालकथा	1998 ई.	कामतानाथ

12. निम्नलिखित में से किस उपन्यास का संबंध आप्रवासी जीवन से है?
(A) वे दिन (B) लाल पसीना
(C) लेकिन दरवाजा (D) निर्वासन
उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्र0वर्ष	उपन्यासकार	विषयवस्तु
लाल पसीना	1977 ई.	अभिमन्यु अनत	यह मॉरीशस में रह रहें अप्रवासी भारतीयों के जीवन से सम्बन्धित है।
वे दिन	1964 ई.	निर्मल वर्मा	चेकोस्लोवाकिया की पृष्ठभूमि पर आधारित तथा प्रवासी छात्रों के छात्र-जीवन का वर्णन है
लेकिन दरवाजा	1982 ई.	पंकज विष्ट	दिल्ली के समकालीन लेखक समाज का दस्तावेज।
निर्वासन	1961 ई.	अखिलेश	

नोट- अभिमन्यु अनत को मारीशस का प्रेमचंद कहा जाता है।

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

13. भारतेन्दु ने अपने किस नाटक को नाट्य रासक व लास्य रूपक कहा है?
(A) विषस्य विषमौषधम (B) नीलदेवी
(C) अंधेर नगरी (D) भारत दुर्दशा
उत्तर (D)

व्याख्या—भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1850-1885ई.) ने नाटक भारतेन्दु दुर्दशा (1880ई.) को नाट्य रासक व लास्य रूपक कहा है। इस नाटक में भारतवर्ष के तत्कालीन परिस्थिति का चित्रण व अंग्रेजी राज्य की अप्रत्यक्ष निन्दा की है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

भारतेन्दु के अन्य नाटक- वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1873ई.), प्रेम जोगिनी (1875ई.), विषस्य विषपौधधम् (1876ई.), चन्द्रावली (1876ई.), भारत-दुर्दशा (1880ई.), नीलदेवी (1881ई.), अंधेर नगरी (1881ई.), सती प्रताप (1883 ई.) इत्यादि।

14. निम्नलिखित में से किस नाटक में जातिवाद की समस्या को उठाया गया है?

(A) नाटक बाल भगवान (B) जलता हुआ रथ
(C) कोर्ट मार्शल (D) सबसे उदास कविता

उत्तर (C)

व्याख्या-

स्वदेशदीपक प्रगतिशील नाटककार है। इनके प्रमुख नाटक निम्न हैं-

नाटक	प्र0 वर्ष	नाटक का विषयवस्तु
नाटक बाल भगवान	1989 ई.	लेखक की इसी शीर्षक की कहानी का नाट्य रूपान्तर
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	फौजी जीवन की सच्चाई तथा जातिवाद की समस्या को उठाया गया है।
जलता हुआ रथ	1998 ई.	शोषक एवं शोषित के बीच का संघर्ष व दर्द
सबसे उदास कविता	1998 ई.	वर्ग संघर्ष का चित्रण
काल कोठरी	1999ई.	कलाकार की पीड़ा का चित्रण

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

15. हीन भए जल मीन अधीन कहा कति मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
'नीर सनेही' में कौन-सा अलंकार है?

(1) अभंगपद श्लेष (2) सभंगपद श्लेष
(3) श्लेष वक्रोक्ति (4) श्लेष और वक्रोक्ति

उत्तर (B)

व्याख्या–'नीर सनेही' में सभंग पद श्लेष अलंकार है।
अभंग श्लेष अलंकार- जहाँ श्लिष्ट पदों का बिना खण्ड किये दो या दो से अधिक अर्थ प्राप्त हो, वहाँ अभंग श्लेष अलंकार होता है।
सभंग श्लेष अलंकार- जहाँ श्लिष्ट पद के खण्ड करके दो या दो से अधिक अर्थ प्राप्त हो, वहाँ सभंग श्लेष अलंकार होता है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन आचार्य विश्वनाथ का नहीं है

(A) रस अखण्ड है
(B) रस स्वप्रकाश है
(C) रस वेद्यान्तरस्पर्श शून्य है
(D) रस अपने आकार से भिन्न रूप में आस्वादित किया जाता है

उत्तर (D)

व्याख्या–आचार्य विश्वनाथ का कथन निम्नलिखित है-**(i)** रस अखण्ड है। **(ii)** रस 'स्वप्रकाश' है। **(iii)** रस वेद्यान्तर स्पर्श शून्य है।

17. 'ध्वन्यालोक' किस शताब्दी का ग्रन्थ है?

(A) सातवीं शताब्दी (B) आठवीं शताब्दी
(C) नौवीं शताब्दी (D) ग्यारहवीं शताब्दी

उत्तर (C)

व्याख्या–ध्वन्यालोक नौवीं शताब्दी का ग्रंथ है जिसकी रचना आनन्दवर्धन ने किया था। आनन्दवर्धन ने काव्यशास्त्र में 'ध्वनि सम्प्रदाय' का प्रवर्तन किया है।

18. 'सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता होती है, इसलिए यह शुद्ध सौन्दर्य नाम की कोई चीज नहीं होती' -किसका कथन है?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) रामविलास शर्मा (D) नन्ददुलारे वाजपेयी

उत्तर (C)

व्याख्या–

सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता होती है, इसलिए यह शुद्ध सौन्दर्य नाम की कोई चीज नहीं होती।	रामविलास शर्मा
जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है उसी प्रकार हृदय की यह मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है-	रामचन्द्र शुक्ल
काव्य तो प्रकृत मानव अनुभूतियों का, नैसर्गिक कल्पना के सहारे, ऐसा सौन्दर्यमय चित्रण है जो मनुष्य मात्र में स्वभावतः अनुरूप भावोच्छ्वास और सौन्दर्य संवेदन उत्पन्न करता है।	नन्द दुलारे वाजपेयी

अन्य तथ्य विविधा

19. इनमें से कौन-सा युग्म अघोष ध्वनि है?

(A) ग, घ (B) ड, ढ (C) प, फ (D) द, ध

उत्तर (C)

व्याख्या–अघोष ध्वनि उच्चारण प्रयत्न (बाह्य प्रयत्न) के आधार पर प्रत्येक वर्ग के प्रथम, द्वितीय व्यंजन होता है-

क वर्ग की अघोष ध्वनि	-	क, ख
च वर्ग की अघोष ध्वनि	-	च, छ
ट वर्ग की अघोष ध्वनि	-	ट, ठ
त वर्ग की अघोष ध्वनि	-	त, थ
प वर्ग की अघोष ध्वनि	-	प, फ
श वर्ग की अघोष ध्वनि	-	श, ष

जबकि (i) ग, घ (ii) ड,ढ, तथा द, ध आदि घोष ध्वनियाँ हैं। घोष ध्वनियाँ उच्चारण प्रत्यन (बाह्यप्रयत्न) के आधार पर वो है जो प्रत्येक वर्ग के तृतीय, चतुर्थ, पंचम व्यंजन होता है।

20. निम्नलिखित में से रामदहिन मिश्र की कृति कौन-सी है?

(A) विभक्ति विचार (B) प्रवेशिका हिन्दी व्याकरण
(C) भाषा तत्त्व प्रकाश (D) हिन्दी व्याकरण

उत्तर (B)

व्याख्या–

व्याकरण ग्रन्थ	**लेखक**
प्रवेशिका हिन्दी व्याकरण	रामदहिन मिश्र
विभक्ति विचार	गोविन्द नारायण मिश्र
भाषा तत्त्व प्रकाश	विश्वेश्वर दत्त शर्मा
हिन्दी व्याकरण	राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'

21. हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार 'घत्ता' शब्द का व्यवहार मूलतः किस अर्थ में होता रहा है?

(A) छंद के रूप में
(B) कथा के एक अंश के रूप में
(C) छेदन के अर्थ में
(D) एक कड़वक के अर्थ में

उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–हिन्दी प्रमुख ललित निबन्धकार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार 'धत्ता' शब्द का व्यवहार मूलतः एक कड़वक के अर्थ में होता है।

22. कुछ नाहीं का नाँव धरि भरमा सब संसार।
साँच झूठ समझे नहीं, ना कुछ किया विचार॥
उपर्युक्त दोहा किस कवि का है?
(A) कबीरदास (B) रहीम (C) जायसी (D) दादूदयाल
उत्तर (D)

व्याख्या– पंक्तियाँ	**कवि**
कुछ नाहीं का नाँव ....कुछ किया विचार।	दादूदयाल
कवि विआस रस कँवला पूरी। दूरिहि निअर निअर भा दूरी।।	जायसी
तंत्र न जानूँ, मंत्र न जानूँ, जानूँ सुन्दर काया।।	कबीरदास
ज्यों चौरासी लाख लख में मनुष्य देह। त्यों ही दुर्लभ जग में सनेह।।	रहीम

23. निम्नलिखित में से कौन 'ब्राह्म संप्रदाय' का प्रवर्तक है?
(A) विष्णुस्वामी (B) निम्बार्काचार्य
(C) हित हरिवंश (D) मध्वाचार्य
उत्तर (D)

व्याख्या-

सम्प्रदाय	प्रवर्तक	जन्म मृत्यु	दर्शन
ब्राह्म सम्पदाय	मध्वाचार्य	1199 ई. (बेलिग्राम)	द्वैतवाद
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य	1016-1127 ई. (कांचीपुरम)	विशिष्टाद्वैतवाद
रूद्र सम्पदाय	विष्णुस्वामी	1300 ई.	शुद्धाद्वैतवाद
सनकादि सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य	1114-1162 ई. (निम्बापुर)	द्वैताद्वैतवाद
रूद्र सम्प्रदाय	बल्लभाचार्य	1478-1530ई. (चम्पारन)	शुद्धाद्वैतवाद
राधावल्लभ सम्प्रदाय	हितहरिवंश	1502-1552 ई.) (बाँदगाव मथुरा)	

24. कहा करौं बैकुंठहि जाय?
जहँ नहिं नंद, जहाँ न जसोदा, नहिं जहं गोपी ग्वाल न गाय।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?
(A) सूरदास (B) परमानंददास (C) नंददास (D) रसखान
उत्तर (B)

व्याख्या-

कहा करौ बैकुंठहि ....ग्वाल न गाय।	परमानंददास
बूझत स्याम कौन तू गोरी। कहाँ रहति, काकी है बेटी, देखी नहीं कहूँ ब्रज खोरी	सूरदास
नव मर्कत मनि स्याम कनक मनिगम ब्रजबाला। वृन्दावन को रीझि मनहुँ पहिराइ माला।।	नंददास
सेस महेस गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरंतर गावै। ताहि अहीर की छोहरिया छछिया भर छाछ पै नाच नचावै	रसखान

25. निम्नलिखित में से 'ज्ञानदीप' का रचनाकार कौन है?
(A) उसमान (B) कासिमशाह
(C) नूर मुहम्मद (D) शेख नबी
उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
ज्ञानदीप	1619 ई.	शेखनवी
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
हंस जवाहिर	1731 ई.	कासिम शाह
अनुराग बासुरी, इन्द्रावती	1764 ई. 1744 ई.	नूर मुहम्मद

नोट-ये सभी सूफी काव्य परम्परा की प्रमुख रचनाएँ हैं। इन सभी रचनाओं में अवधी भाषा का प्रयोग तथा प्रयुक्त छंद दोहा-चौपाई है।

26. कमलदल नैननि की उनमानि।
बिसरत नाहिं, सखी। मो मन तें मंद-मंद मुसकानि।
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचनाकार है :
(A) नंददास (B) मीराबाई (C) रहीम (D) रसखान
उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	कवि
कमलदल नैननि...............मंद-मंद मुसकानि	रहीमदास
घायल की गति घायल जानें और न जानें कोई	मीराबाई
धूरे भरे अति सोमित स्याम जू वैसी बनी सिर सुन्दर चोटी। खेलत खात फिरै अंगना पग पैंजनि बाजति पीरी कछोटी।।	रसखान
ताही छिन उड्डराज उदित रस रास सहायक। कुंमम-मंडित-बदन प्रिया जनु नागरि नायक।।	नंददास

27. 'हिंदू हृदय और मुसलमान आमने-सामने करके अजनबीपन मिटानेवालों में इन्हीं का नाम लेना पड़ेगा'- रामचंद शुक्ल का उक्त कथन किस कवि के संबंध में है?
(A) कबीरदास (B) जायसी (C) रहीम (D) रसखान
उत्तर (B)

व्याख्या–'हिन्दू हृदय और मुसलमान हृदय आमने-सामने करके अजनबीपन मिटाने वालों में इन्हीं का नाम लेना पड़ेगा' उपर्युक्त कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। यह कथन सूफी काव्य परम्परा के सूफी कवि मलिक मुहम्मद जायसी (1492-1542ई.) के सम्बन्ध में कही गई है।

28. भिखारीदास ने 'काव्य निर्णय' में किसका विवेचन किया है?
(A) सर्वांग-विवेचन (B) छंद-विवेचन
(C) अलंकार-विवेचन (D) काव्य-भेद
उत्तर (A)

व्याख्या–रीतिकालीन कवि भिखारीदास के ग्रंथ 'काव्य निर्णय' (1746ई.) में काव्य के भेदों का वर्णन अर्थात सर्वांग-विवेचन किया है। **भिखारीदास के अन्य ग्रंथ निम्न हैं-** नामकोश (1738 ई.) रस सारांश (1742 ई.), छंदार्णव पिंगल (1742ई), काव्य निर्णय (1746 ई.), शृंगार निर्णय (1750ई.), विष्णुपुराण भाषा, शतरंज शतिका, अमरकोश इत्यादि है।

29. रामचंद्र शुक्ल ने बिहारी की भाषा के बारे में क्या लिखा है?
(A) बिहारी की भाषा चलती है।
(B) बिहारी की भाषा साहित्यिक है।
(C) बिहारी की भाषा चलती होने पर भी साहित्यिक है।
(D) बिहारी की भाषा में शब्द-वैचित्र्य बहुत कम है।
उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने बिहारी (1595-1663ई.) की भाषा के बारे में लिखा कि- ''बिहारी की भाषा चलती होने पर भी साहित्यिक है।''

30. जहाँ कलह तँह सुख नहीं, कलक सुखन को सूल। सबै कलह इक राज में, राज कलह को मूल॥ इस दोहे के द्वारा किस कवि ने अतीतकालीन चित्तवृत्ति का वर्णन किया है?

(A) चाचा हित वृंदावनदास (B) भगवत रसिक
(C) अलबेली अलि (D) नागरीदास

उत्तर (D)

व्याख्या-

जहाँ कलह तहँ ....कलह को मूल।
उपर्युक्त दोहा नागरीदास द्वारा रचित है जिसमें कवि ने अतीत कालीन चित्तवृत्ति का वर्णन किया है।

पंक्तियाँ	कवि
संग करै भगवत रसिक, कर करवा गूदरि गरे। वृंदावन विहरत फिरै, जुगल रूप नैनन भरे	भगवत रसिक
अतिसय सरस सुगंध मंद गति बहत पवन रुचिकारी। नव नव रूप नवल नव जोबन बने नवल पिय प्यारी	अलबेली अलि
मिठबोलनी नवल मनिहारी भौहें गोल गरूर है, याके नयन चुटीले भारी	चाचा हित वृंदावन दास

31. ''भारतेंदु हरिश्चंद्र का प्रभाव भाषा और साहित्य दोनों पर बड़ा गहरा पड़ा। उन्होंने जिस प्रकार गद्य की भाषा को परिमार्जित करके उसे बहुत ही चलता, मधुर और स्वच्छ रूप दिया, उसी प्रकार हिंदी साहित्य को भी नए मार्ग पर लाकर खड़ा कर दिया।''

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) नंद दुलारे वाजपेयी (D) शिवदान सिंह चौहान

उत्तर (A)

व्याख्या–उपर्युक्त कथन प्रसिद्ध इतिहासकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा हिन्दी साहित्य में गद्य विधा या गद्य युग की शुरुआत करने वाले प्रसिद्ध कवि, नाटक, उपन्यासकार, अनुवादक, निबन्धकार तथा पत्र-पत्रिकाओं का उत्थानकर्ता भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1850-1885 ई.) के सन्दर्भ में कहा है।

32. इनमें से कौन-सा विचारक मार्क्सवादी है?

(A) लियो लावेंथल (B) जार्ज ल्यूकाच
(C) जॉक देरिदा (D) इप्पोलित तेन

उत्तर (B)

व्याख्या–जार्ज ल्यूकाच एक पाश्चात् काव्य शास्त्रीय एवं मार्क्सवादी विचारक है। जबकि लियो लावेंथल, इप्पोलित सेन, जॉक देरिदा आदि उत्तर आधुनिकतावाद विचारधारा के पाश्चात् काव्यशास्त्रीय हैं।

33. निर्मल वर्मा का यात्रा-संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी' आधारित है:

(A) शिमला प्रवास (B) मेघालय प्रवास
(C) यूरोप प्रवास (D) एशिया प्रवास

उत्तर (C)

व्याख्या–'चीड़ों पर चाँदनी' (1964 ई.) निर्मल वर्मा का यात्रा-संस्मरण है। इसमें निर्मल वर्मा जी ने अपने यूरोप प्रवास का वर्णन किया है। निर्मल वर्मा अवसाद, निराशा, अलगाव-बोध, संत्रासभाव, मन की अन्धकार भरी गुफाओं में भटकने वाली चेतना के उपन्यासकार हैं।

34. 'अछूत की शिकायत' कविता का प्रकाशन वर्ष क्या है?

(A) 1907ई. (B) 1912ई. (C) 1914ई. (D) 1920ई.

उत्तर (C)

व्याख्या–'अछूत की शिकायत' कविता का प्रकाशन 1914ई. में हुआ था। यह कविता हिन्दी साहित्य के प्रथम दलित कवि हीरा डोम द्वारा लिखा गया है। इसका प्रकाशन सरस्वती पत्रिका' में हुआ था।
नोट-संत रैदास को हिन्दी का प्रथम दलित कवि माना जाता है।

35. 'स्त्रीत्व का मानचित्र' किसकी रचना है?

(A) सुशीला टाकभोरे (B) सविता सिंह
(C) अनामिका (D) प्रभा खेतना

उत्तर (C)

व्याख्या–अनामिका के स्त्रीविमर्श (आलोचना) का सही अनुक्रम स्त्रीत्व का मानचित्र, उत्तर गाथा, मौसम बदलने की आहट मन माझने की जरूरत, स्त्री विमर्श का लोक पक्ष।
प्रभा खेतान के आलोचना- उपनिवेश में स्त्री,
अल्बेयर कामू वह पहला आदमी।

36. निम्नलिखित में से रामेश्वर प्रेम का कौन-सा नाटक बेन जॉनसन के नाटक 'वालपोनि' का 'दी फॉक्स' का हिन्दी रूपान्तर है?

(A) राजा नंगा है (B) लोमड़ वेश
(C) शस्त्र संतान (D) कैम्प

उत्तर (B)

व्याख्या–रामेश्वर प्रेम का अनूदित नाटक लोमड़ वेश (1980ई.) बेन जानसन के नाटक 'वालपोनि या 'दी फॉक्स' का हिन्दी रूपान्तर है। वह मूल रूप में अंग्रेजी में है।

37. निम्नलिखित में से किस एकांकी में संयुक्त परिवार की समस्या को उठाया गया है?

(A) अधिकार का रक्षक (B) बहनें
(C) सूखी डाली (D) तौलिए

उत्तर (C)

व्याख्या–'सूखी डाली' उपेन्द्र नाथ 'अश्क' (1910-1996ई.) की एकांकी है। इसमें संयुक्त परिवार की समस्या को दर्शाया गया है कि एक बड़े परिवार में कैसे सभी को सन्तुष्ट करते हुए एवं एकता के सूत्र में बाँध कर रखा गया है।
उपेन्द्र नाथ 'अश्क' की एकांकी निम्नलिखित है-
जोक, लक्ष्मी का स्वागत, पहेली, आपस का समझौता, अधिकार का रक्षक, बहने, सूखी डाली, तौलिए, पापी, वेश्या आदि।

38. 'बायोग्राफिया लिटरेरिया' का प्रकाशन-वर्ष है:

(A) 1795 ई. (B) 1772 ई.(C) 1817 ई. (D) 1840 ई.

उत्तर (C)

व्याख्या–बायोग्राफिया लिटरेरिया (1817ई.), सैमुअल टेलर कोलरिज (1772ई.-1834 ई.) की रचना है। इनका जन्म इंग्लैण्ड' में हुआ था। कोलरिज की अन्य महत्वपूर्ण रचनाएँ:-(1) द फ्रेंड (1817 ई.) (2) एड्स टु रिफ्लेक्शन (1825 ई.) चर्च एण्ड स्टेट (1830 ई.), कंफेशंज ऑफ एन इनक्वायरिग स्पिरिट (1840 ई.) इत्यादि।

39. निम्नलिखित में से डॉ. जॉनसन की कृति कौन-सी है?

(1) रेम्बलर (2) साइंस एंड पोइट्री
(3) इल्यूजन एंड रियलिटी (4) एस्थेटिक

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
रेम्बलर		डॉ. जॉनसन
एस्थेटिक	1902 ई.	वेनेदत्तो क्रोचे
साइंस एंड पोइट्री	1926 ई.	आई.ए.रिचर्ड्स
इल्यूजन एण्ड रिएलटी		काडवेल

40. निम्नलिखित में से कौन-सा समीक्षक नई आलोचना से सम्बन्धित नहीं है?

(A) स्पिनगार्न (B) रोलॉबार्थ
(C) क्लिंथ ब्रुक्स (D) जॉन क्रो रेन्सम

उत्तर (B)

व्याख्या–रोलॉबार्थ 'उत्तर संरचनावाद वाद' अवधारणा से सम्बन्धित है। जबकि स्पिनगार्न, क्लिंथ ब्रुक्स, तथा जॉन क्रो रेन्सम आलोचक नयी आलोचना से सम्बन्धित है।

41. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाओं का सही क्रम है

(A) हंसजवाहिर, जयचंद प्रकाश, मधुमालती, मृगावती
(B) मधुमालती, मृगावती, जयचंद प्रकाश, हंसजवाहिर
(C) मृगावती, मधुमालती, हंसजवाहिर, जयचंद प्रकाश
(D) जयचंद प्रकाश, मृगावती, मधुमालती, हंसजवाहिर

उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
जयचंद्र प्रकाश	1224 ई.	केदार भट्ट
मृंगावती	1501 ई.	कुतुबन
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
हंस जवाहिर	1731 ई.	कासिम शाह

42. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही क्रम है :

(A) जगनिक, खुसरो, श्रीधर, चंदबरदाई
(B) खुसरो, श्रीधर, चंदबरदाई, जगनिक
(C) चंदबरदाई, जगनिक, खुसरो, श्रीधर
(D) श्रीधर, खुसरो, चंदबरदाई, जगनिक

उत्तर (C)

व्याख्या–जन्मकाल की दृष्टि से आदिकालीन कवियों का सही क्रम निम्नलिखित है।
चंदबरदाई (1168-1192 ई.), जगनिक (1173ई.) अमीर खुसरो (1253-1325ई.), श्रीधर (14वीं शती) आदि हैं।

43. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही क्रम है :

(A) चिंतामणि, बिहारी, घनानंद, मतिराम
(B) बिहारी, चिंतामणि, मतिराम, घनानंद
(C) मतिराम, बिहारी, घनानंद, चिंतामणि
(D) बिहारी, घनानंद, मतिराम, चिंतामणि

उत्तर (B)

व्याख्या–जन्मकाल की दृष्टि से रीतिकालीन कवियों का सही क्रम निम्नलिखित है- बिहारी (1595 -1663 ई.), चिन्तामणि (1609-1685 ई.), मतिराम (1617-1709ई.) तथा घनानंद (1689-1739ई.) आदि है।

44. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही क्रम है

(A) गोविन्दस्वामी, आलम, गुमानमिश्र, वैताल
(B) वैताल, गोविन्दस्वामी, आलम, गुमानमिश्र
(C) गुमानमिश्र, आलम, वैताल, गोविन्दस्वामी
(D) आलम, वैताल, गुमानमिश्र, गोविन्दस्वामी

उत्तर (A)

व्याख्या–रचनाकाल की दृष्टि से रचनाकारों का सही क्रम निम्न है- गोविन्द स्वामी (1543-1568ई.), आलम (1683-1703ई.) गुमान मिश्र (1743-1783ई.) तथा वैताल (1782-1811ई.) आदि।
नोट-यह कवियों के काव्य रचना के रचनाकाल का समय है। यह कवियों का जन्म तिथि नहीं है।

45. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में रामचंद्र शुक्ल ने कृष्णभक्ति शाखा के कवियों को किस क्रम में प्रस्तुत किया है?

(A) चतुर्भुजदास, छीतस्वामी, गोविन्दस्वामी, परमानंददास
(B) गोविन्दस्वामी, छीतस्वामी, चतुर्भुजदास, परमानंददास
(C) छीतस्वामी, चतुर्भुजदास, परमानंददास, गोविन्दस्वामी
(D) परमानंददास, चतुर्भुजदास,छीतस्वामी, गोविन्दस्वामी

उत्तर (D)

व्याख्या–आचार्य रामचंद्र शुक्ल अपने 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का सही प्रस्तुत अनुक्रम निम्नवत है अष्टछाप कवियों का जीवनक्रम-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583ई.	सीही (उ.प्र.)	,,
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	,,
कृष्णदास	1496-1578ई.	चिलोतरा(गुजरात)	,,
गोविन्द स्वामी	1505-1585ई.	आंतरी(राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585ई.	मथुरा (उ.प्र.)	,,
चतुर्भुजदास	1530-1585ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	,,
नंददास	1533-1583ई.	रामपुर (उ.प्र.)	,,

46. रचनाकाल के अनुसार विष्णु प्रभाकर के उपन्यासों का सही क्रम है :

(A) अर्द्धनारीश्वर, ढलतीरात, स्वप्नमयी, कोई तो
(B) स्वप्नमयी, अर्द्धनारीश्वर, कोई तो, ढलतीरात
(C) ढलतीरात, स्वप्नमयी, कोई तो, अर्द्धनारीश्वर
(D) कोई तो, अर्द्धनारीश्वर, स्वप्नमयी, ढलतीरात

उत्तर (C)

व्याख्या–विष्णु प्रभाकर मानवतावादी उपन्यासकार हैं। इनकी इनकी प्रमुख रचनाएं निम्न हैं-
ढलती रात (1951 ई.), तट के बंधन (1955ई.), स्वप्नमयी (1956ई.), कोई तो (1980ई.), अर्द्धनारीश्वर (1992ई.) तथा संकल्प (1993ई.) इत्यादि विष्णु प्रभाकर के उपन्यास हैं।

47. कथाकारों का जन्म काल के आधार पर सही अनुक्रम है :

(A) विष्णुप्रभाकर, धर्मवीर भारती, मन्नूभण्डारी, नरेन्द्र कोहली
(B) धर्मवीर भारती, विष्णुप्रभाकर, नरेन्द्र कोहली, मन्नूभण्डारी
(C) मन्नूभण्डारी, विष्णुप्रभाकर, नरेन्द्र कोहली, धर्मवीर भारती
(D) नरेन्द्र कोहली, धर्मवीर भारती, विष्णुप्रभाकर, मन्नूभण्डारी

उत्तर (A)

व्याख्या–कथाकारों के जन्मकाल के अनुसार उनका जीवनक्रम निम्न है-
विष्णु प्रभाकर (1912-2009ई.) धर्मवीर भारती (1926-1997ई.) मन्नू भण्डारी (1931ई.) नरेन्द्र कोहली (1940ई.) आदि है।
नोट-विष्णु प्रभाकर को अर्धनारीश्वर (1992ई.) के लिए 1993 ई. में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

48. रचनाकाल के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम है :
(A) सेवा सदन, अधखिला फूल, नूतन ब्रह्मचारी, बूँद और समुद्र
(B) नूतन ब्रह्मचारी, अधखिला फूल, सेवा सदन, बूँद और समुद्र
(C) अधखिला फूल, नूतन ब्रह्मचारी, बूँद और समुद्र,सेवा सदन
(D) बूँद और समुद्र, सेवा सदन, अधखिला फूल, नूतन ब्रह्मचारी
उत्तर (B)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार उपन्यासों का सही अनुक्रम है-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
नूतन ब्रह्मचारी	1886 ई.	बालकृष्ण भट्ट
अधखिला फूल	1907 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय
सेवा सदन	1918 ई.	प्रेमचन्द
बूँद और समुद्र	1956 ई.	अमृतलाल नागर

49. रचनाकाल के अनुसार कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है:
(A) एक धनी व्यक्ति का बयान, ये तेरे प्रतिरूप, भूख के तीन दिन, सतह से उठता आदमी
(B) भूख के तीन दिन, ये तेरे प्रतिरूप, सतह से उठता आदमी, एक धनी व्यक्ति का बयान
(C) ये तेरे प्रतिरूप, भूख के तीन दिन, एक धनी व्यक्ति का बयान, सतह से उठता आदमी
(D) ये तेरे प्रतिरूप, भूख के तीन दिन, सतह से उठता आदमी, एक धनी व्यक्ति का बयान
उत्तर (D)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार कहानी-संग्रहों का सही अनुक्रम -

ये तेरे प्रतिरूप	1961 ई.	अज्ञेय
भूख के तीन दिन	1968 ई.	यशपाल
सतह से उठता आदमी	1971 ई.	मुक्तिबोध
एक धनी व्यक्ति का बयान	1997 ई.	अमरकांत

50. जयशंकर प्रसाद के काव्य ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है :
(A) आँसू, झरना, प्रेमपथिक, लहर
(B) प्रेमपथिक, झरना, आँसू, लहर
(C) झरना, लहर, आँसू, प्रेमपथिक
(D) प्रेमपथिक, लहर, झरना, आँसू
उत्तर (B)

व्याख्या–छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद (1889-1937ई.) के काव्य ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम निम्नवत है।
उर्वशी (1909ई.), वन मिलन (1909ई.), प्रेमराज्य (1909ई.), अयोध्या का उद्धार (1910ई.), शोकोच्छ्वास (1910ई.), बभ्रुवाहन (1911ई.), कानन कुसुम (1913ई.), प्रेमपथिक (1914ई.) महाराणा का महत्व (1914ई.), चित्राधर (1918ई.), झरना (1918ई.) आँसू (1925ई.), लहर (1933ई.) कामायनी (1935ई.) इत्यादि जयशंकर प्रसाद के काव्य-संग्रह हैं।

51. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है :
(A) युगांत, स्वर्णधूलि सत्यकाम, लोकायतन
(B) लोकायतन, सत्यकाम, स्वर्णधूलि, युगांत
(C) सत्यकाम, स्वर्णधूलि, युगांत, लोकायतन
(D) युगांत, स्वर्णधूलि, लोकायतन, सत्यकाम
उत्तर (D)

व्याख्या–सुमित्रानन्दन पंत के काव्य ग्रंथों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम-
उच्छ्वास (1920ई.), ग्रंथि (1920ई.), वीणा (1927ई.), पल्लव (1928ई.) गुंजन (1932ई.), युगान्त (1936ई.), स्वर्ण धूलि (1947ई.), लोकायतन (1964ई.), सत्यकाम (1975ई.), युगवाणी (1939ई.) ग्राम्या (1940ई.), स्वर्णकिरण (1947ई.) युगपथ (1949ई.) उत्तरा (1949ई.), कला और बूढ़ा चाँद (1959ई.) अतिमा (1955ई.), वाणी (1958ई.), चिदम्बरा आदि।

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पुस्तकों का सही अनुक्रम है :
(A) हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
(B) मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
(C) हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, मध्यकालीन बोध का स्वरूप
(D) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, हिंदी साहितय का आधा इतिहास, मध्यकालीन बोध का स्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
उत्तर (B)

व्याख्या-प्रकाशन वर्ष के हिन्दी साहित्य के इतिहास के पुस्तकों का सही अनुक्रम निम्न है-

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
मध्यकालीन बोध का स्वरूप	1970ई.	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य एवं संवेदना का विकास	1986ई.	डॉ. राम स्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	1996ई.	डॉ. बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास	2003ई.	सुमन राजे

53. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :
(A) त्रिशंकु, आला अफसर, भूख आग है, विषवंश
(B) त्रिशंकु, विषवंश, आला अफसर, भूख आग है
(C) आला अफसर, त्रिशंकु, भूख आग है, विषवंश
(D) विषवंश, आला अफसर, त्रिशंकु, भूख आग है
उत्तर (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
त्रिशंकु	1973 ई.	बृजमोहन शाह
आला अफसर	1979 ई.	मुद्राराक्षस
भूख आग है	1998 ई.	कृष्ण बलदेव वैद्य
विषवंश	1999 ई.	राजेश जैन

54. प्रकाशन-वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम है :
(A) एस्थेटिक, द सेक्रेड वुड, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म, रिवेल्युशन
(B) द सेक्रेड वुड, रिवेल्युशन, एस्थेटिक, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म
(C) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म, एस्थेटिक, द सेक्रेड वुड, रिवेल्युशन
(D) विलेल्युशन, प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म, एस्थेटिक, द सेक्रेड वुड

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (A)

ग्रन्थ	प्रकाशन वर्ष	ग्रन्थकार
एस्थेटिक	1902 ई.	क्रोच
द सेक्रेड वुड	1920 ई.	टी.एस. इलियट
प्रेक्टिकल क्रिटिसिज्म	1929ई.	रिचर्ड्स
रिवेल्युशन	1936ई.	फ्रैंक रेमंड लीविस

55. प्रकाशन-वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित आलोचना-ग्रन्थों का सही अनुक्रम है :
(A) रस मीमांसा, कालिदास की निरंकुशता, शुद्ध कविता की खोज, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
(B) शुद्ध कविता की खोज, कालिदास की निरंकुशता, रस मीमांसा, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
(C) कालिदास की निरंकुशता, रस मीमांसा, शुद्ध कविता की खोज, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण
(D) कालिदास की निरंकुशता, रस मीमांसा, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, शुद्ध कविता की खोज

उत्तर (C)

आलोचना ग्रंथ	प्र0 वर्ष	आलोचक
कालिदास की निरंकुशता	1911 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी
रस मीमांसा	1949 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
शुद्ध कविता की खोज	1966 ई.	रामधारी सिंह दिनकर
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण	1977 ई.	रामविलास शर्मा

56. निम्नलिखित सिद्धांतों को उनके सिद्धांतकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) द्वैत	(i) रामानुजाचार्य
(b) द्वैताद्वैत	(ii) वल्लभाचार्य
(c) शुद्धाद्वैत	(iii) निंबार्काचार्य
(d) विशिष्टाद्वैत	(iv) मध्वाचार्य
	(v) शंकराचार्य

कोड-

	a	b	c	d		a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	iv	(B)	iv	iii	ii	i
(C)	v	iii	iv	i	(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर (B)

व्याख्या-

सिद्धांतकार	सिद्धान्त	सम्प्रदाय
निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद	सनकादि सम्प्रदाय
बल्लभाचार्य/विष्णुस्वामी	शुद्धाद्वैतवाद	रूद्र सम्प्रदाय
रामानुजाचार्य	विशिष्टाद्वैतवाद	श्री सम्प्रदाय
मध्वाचार्य	द्वैतवाद	ब्रह्म सम्प्रदाय
शंकराचार्य	अद्वैतवाद	स्मार्त सम्प्रदाय

57. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) चतुर्भुजदास	(i) युगलशतक
(b) मीराबाई	(ii) अनेकार्थमंजरी
(c) श्री भट्ट	(iii) रागगोविन्द
(d) नंददास	(iv) द्वादशयश
	(v) कृष्णगीतावली

कोड-

	a	b	c	d		a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v	(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iii	iv	ii	i	(D)	iv	iii	i	ii

उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
अनेकार्थ मंजरी	नंददास
रागगोविन्द	मीराबाई
द्वादशयश	चतुर्भुजदास
युगलशतक	श्रीभट्ट
कृष्ण गीतावली	तुलसीदास

58. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(a) हिततरंगिणी	(i) रहीम
(b) सुदामाचरित्र	(ii) केशवदास
(c) माधवानलकामकंदला	(iii) आलम
(d) विज्ञानगीता	(iv) नरोत्तमदास
	(v) कृपाराम

कोड-

	a	b	c	d		a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v	(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iv	iii	ii	(D)	iv	v	ii	i

उत्तर (C)

व्याख्या-

ग्रंथ	ग्रंथकार
हिततरंगिणी	कृपाराम
सुदामाचरित्र (खण्डकाव्य)	नरोत्तमदास
माधवानलकामकंदला	आलम
विज्ञान गीता (1610ई.)	केशवदास
मदनाष्टक	रहीमदास

59. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) अर्द्धकथानक	(i) घनानंद
(b) काव्यकल्पद्रुम	(ii) बनारसीदास
(c) अलकशतक	(iii) सेनापति
(d) बारहमासा	(iv) मुबारक
	(v) सुंदर

कोड-

	a	b	c	d		a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv	(B)	ii	iii	iv	v
(C)	iii	ii	v	i	(D)	iv	v	iii	i

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
अर्द्धकथानक	1641 ई.	बनारसीदास जैन
काव्यकल्पद्रुम		सेनापति
अलकशतक		मुबारक
वारहमासा		सुन्दर
यमुनायश		घनानन्द

नोट-अर्द्धकथानक (1641ई.) बनारसीदास जैन की आत्मकथा है जो पद्यात्मक शैली में लिखा गया हिन्दी साहित्य का प्रथम आत्मकथा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

60. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) राठौड़ाँ री ख्यात	(i) शारंगधर पद्धति
(b) विराट पुराण	(ii) उपदेशरसायनरास
(c) पुष्पदंत	(iii) उत्तर पुराण
(d) जिनदत्त सूरि	(iv) गोरखनाथ
	(v) दयालदास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	v	iv	iii
(B)	v	iv	iii	ii
(C)	ii	i	v	iv
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचनाकार	रचना
दयालदास	राठौड़ाँ री ख्यात
गोरखनाथ	विराट पुराण
पुष्पदंत	उत्तर पुराण
जिनदत्त सूरि	उपदेश रसायनरास (1114ई.)
शारंगधर	शारंगधर पद्धति

61. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) वैश्यो! सूनों व्यापार सारा मिट चुका है देश का। सब धन विदेशी हर रहे हैं पार है क्या क्लेश का?	(i) जयशंकर प्रसाद
(b) तुम भूल गये पुरुषत्व मोह में, कुछ सत्ता है नारी की। समरसता है संबंध बनी अधिकार और अधिकारी की।।	(ii) पंत
(c) प्रथम रश्मि का आना रेंगिणि! तूने कैसे पहचाना? कहाँ-कहाँ हे बाल विहंगिनि? पाया तूने यह गाना?	(iii) महादेवी वर्मा
(d) क्या अमरों का लोक मिलेगा तेरी करुणा का उपहार? रहने दो हे देव! अरे यह मेरा मिटने का अधिकार।	(iv) निराला
	(v) मैथिलीशरण गुप्त

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	v
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	v	i	ii
(D)	v	i	ii	iii

उत्तर (D)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	कवि
वैश्यो ! सूनो व्यापार....... क्या क्लेश का?	मैथिलीशरणगुप्त
तुम भूल गये पुरुषत्व ....अधिकारी की।	जयशंकर प्रसाद
प्रथम रश्मि का ....तूने यह गाना ?	पंत
क्या अमरो का ....मिटने का अधिकार	महादेवी वर्मा
अशब्द अधरो का सुना भाष, मैं कवि हूँ, पाया है प्रकाश।	निराला

62. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) साहित्य का समाजशास्त्र	(i) इन्द्रनाथ मदान
(b) प्रगतिशील साहित्य की समस्यायें	(ii) केदारनाथ सिंह
(c) आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान	(iii) अज्ञेय
(d) अद्यतन	(iv) नगेन्द्र
	(v) रामविलास शर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	v	ii	iii
(C)	iii	i	iv	v
(D)	ii	v	iii	iv

उत्तर (B)

व्याख्या-

आलोचना/समालोचना	रचनाकार
साहित्य का समाजशास्त्र	नगेन्द्र
प्रगतिशील साहित्य की समस्यायें	रामविलास शर्मा
आधुनिक हिन्दी कविता में विम्ब विधान	केदारनाथ सिंह
अद्यतन	अज्ञेय
हिन्दी कहानी अपनी जबानी	डॉ. इन्द्रनाथ मदान

63. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) छप्पर	(i) मोहनदास नैमिशराय
(b) शिकंजे का दर्द	(ii) ओम प्रकाश बाल्मीकि
(c) अपने अपने पिंजरे	(iii) माताप्रसाद
(d) झोपड़ी से राजभवन	(iv) सुशीला टाकभोरे
	(v) जयप्रकाश कर्दम

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	iii	i	v	ii
(C)	v	iv	i	iii
(D)	ii	i	v	iii

उत्तर (C)

रचना	प्र0 वर्ष	विधा	रचनाकार
छप्पर	1994 ई.	उपन्यास	जयप्रकाश कर्दम
अपने अपने पिंजरे (दो भाग)	1995 ई.	आत्मकथा	मोहनदास नैमिशराय
झोपड़ी से राजभवन	2002 ई.	आत्मकथा	माताप्रसाद
शिकंजे का दर्द	2011ई.	आत्मकथा	सुशीला टकभोरे
पच्चीस चौका डेढ़ सौ	1993ई.	कहानी	ओमप्रकाश बाल्मीकि
नोट-उपर्युक्त सभी रचनाएँ दलित रचनाकारों की हैं।			

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

64. निम्नलिखित कहानियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) यारों के यार	(i) दूधनाथ सिंह
(b) मछली मरी हुई	(ii) शेखर जोशी
(c) सपाट चेहरे वाला आदमी	(iii) कृष्णा सोबती
(d) कोसी का घटवार	(iv) भीष्म साहनी
	(v) राजकमल चौधरी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	i	ii
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	iii	v	ii
(D)	ii	v	iii	iv

उत्तर (A)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
यारों के यार		कृष्णा सोबती
मछली मरी हुई	1966ई.	राजकमल
सपाट चेहरे वाला आदमी	1967ई.	दूधनाथ सिंह
कोसी का घटवार	1958ई.	शेखर जोशी
पाली	1989ई.	भीष्म साहनी

65. निम्नलिखित संवाद-पंक्तियों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) मैंने भावना में भावना का वरण किया है...	(i) चन्द्रगुप्त
(b) अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है..	(ii) लहरों के राजहंस
(c) समझदारी आने पर यौवन चला जाता है, जब तक माला गूंथी जाती है फूल कुम्हला जाते हैं।	(iii) आषाढ़ का एक दिन
(d) नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष बनाता है और उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध	(iv) कोमल गांधार
	(v) स्कन्दगुप्त

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	v	i
(B)	iii	v	i	ii
(C)	iii	v	ii	i
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर (B)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	कवि
मैंने भावना में.................... किया है	आषाढ़ का एक दिन
अधिकार सुख..................सारहीन है	स्कन्दगुप्त
समझदारी आने पर ....कुम्हला जाते हैं	चन्द्रगुप्त
नारी का आकर्षण........उसे गौतमबुद्ध	लहरों के राजहंस

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 66 से 75 तक के प्रश्नों के दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

66. **स्थापना (Assertion) (A) : काव्येषु नाटकं रम्यम्।**
तर्क (Reason) (R): क्योंकि उसमें काव्य के साथ-साथ सभी ललित कलाओं का समन्वय होता है।
(A) (A) सही और (R) गलत (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही (D)(A) गलत और (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या—नाट्य काव्य में रस होता है। नाटक के सम्बन्ध में भरतमुनि ने आठ रसों की विवेचना की है। नाटक में काव्य के साथ-साथ सभी ललित कलाओं का समन्वय होता है। क्योंकि नाटक में पाठ्य, गान, अभिनय तथा रस आदि का समावेश होता है। नाटक में अर्थ और क्रिया (अभिनय) से युक्त काव्य होता है। नटकर्म या नाटक के उद्देश्यों में नाटक के उद्देश्यों एवं मूल्य को प्रस्तुत किया जाता है।

67. **स्थापना (Assertion) (A) : काव्यानुभूति का मूल आधार लोकानुभूति ही है।**
तर्क (Reason) (R): क्योंकि केवल लोक जीवन का यथार्थ ही उसके ज्ञान और भाव-क्षेत्रों का विस्तार करता है, कल्पना नहीं।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) गलत और (R) गलत (D) (A) सही (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या—काव्य की अनुभूति का मूल आधार लोक (संसार) की अनुभूति ही है। काव्य के विस्तार के लिए कल्पना का होना अति आवश्यक है, कल्पना द्वारा ही उसके ज्ञान एवं भाव क्षेत्र का विस्तार करता है। काव्य तो प्रकृति मानव अनुभूतियों का, नैसर्गिक कल्पना के सहारे ऐसा सौन्दर्यमय चित्रण है जो मनुष्यमात्र में स्वभावतः अनुरूप भावोंच्छ्वास और सौन्दर्य-संवेदन उत्पन्न करता है।

68. **स्थापना (Assertion) (A) : केवल सुन्दरता ही कविता का लक्ष्य और उसका एकमात्र नियम है और सौन्दर्य ही अनन्तकाल तक कविता में गूँजता है।**
तर्क (Reason) (R): क्योंकि सत्य और शिव कविता कामिनी के सौन्दर्यवर्द्धन के लिए न तो उतने उपयोगी है और न कालजयी।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत
उत्तर (D)

व्याख्या—कविता मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित दायरे से ऊपर उठाकर लोक सामान्य-भाव भूमि पर प्रतिष्ठित करती है। कविता का लक्ष्य-सौन्दर्य नहीं है बल्कि कविता का लक्ष्य लोकरंजन एवं लोकमंगल से जुड़ी होती है। कविता संकुचित स्वार्थ सम्बन्धों के दायरे से ऊपर उठकर प्रशस्त लोक का समन्वय करती है। शिव कविता कामिनी के सौन्दर्यवर्द्धन के लिए उपयोग एवं कालजयी होती है।

69. **स्थापना (Assertion) (A) : आधुनिक मनुष्य को इतिहास और समय के नियमों-कानूनों का जितना ज्ञान है, उतना पहले किसी युग में प्राप्त नहीं था।**

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तर्क (Reason) (R): क्योंकि मध्यकालीन संस्कृति में धर्म का जो केन्द्रीय स्थान था, उसने धीरे-धीरे पीछे हटते हुए अपनी जगह इतिहास को समर्पित कर दी।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) सही (R) सही

उत्तर (D)

व्याख्या–मनुष्य सदैव अपने पूर्वजों से सीखता है। आधुनिक मनुष्य को इतिहास और समय के नियम-कानून का ज्ञान सर्वाधिक है क्योंकि मध्यकालीन युग में धर्म का जो मुख्य (केन्द्रीय) स्थान था वह अब इतिहास बन गया है। मानव अब धर्म के स्थान पर मानवता को प्राथमिकता देता है।

70. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य-सर्जना का एक आधार सामूहिक अचेतन को माना गया है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि कविता मूलतः सामूहिक वाचन के लिए ही होती है।

(A) (A) सही और (R) सही (B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर (B)

व्याख्या–साहित्य-सर्जना का एक आधार सामूहिक अचेतन को माना जाता है। कवि की अनुभूति लोक से परे होती है। कविता मूलतः स्वतः (एकान्त) वाचन के लिए होती है न कि सामूहिक वाचन के लिए। क्योंकि कविता अन्तःकरण की वृत्तियों के चित्र का नाम है। कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित मण्डल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य भाव भूमि पर ले जाती है।

71. स्थापना (Assertion) (A) : आधुनिकता परम्परा का विलोम नहीं है क्योंकि यह प्राचीन और नवीन के द्वन्द्व का परिणाम है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि आधुनिकता ने मानव-ज्ञान को निरन्तरता और नूतनता प्रदान की है, संस्कृति को गतिशीलता दी है।

(A) (A) सही और (R) गलत (B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही (D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–आधुनिक (Modernism) परम्परा, प्राचीन एवं नवीन का द्वन्द्व है। क्योंकि आधुनिकता ने मानव ज्ञान को निरन्तरता और नूतनता प्रदान की है। मनुष्य सदैव अपने पूर्वजों से सीखता है। भूतकाल में किये गये कार्यों एवं इतिहास द्वारा ज्ञान अर्जित करता है। व्यक्ति अपना विकास सदैव अपने पूर्वजों, पुरानी परम्पराओं एवं नियम-कानून एवं संस्कृति को देखकर उसमें परिवर्तन करके नवीनता प्रदान करता है।

72. स्थापना (Assertion) (A) : भारतेन्दु युगीन गद्य की भाषा तो खड़ी बोली हो गई पर कविता की भाषा ब्रज भाषा ही रही।

तर्क (Reason) (R): क्येंकि भारतेन्दु युगीन अधिकांश कवि ब्रज क्षेत्र के थे।

(A) (A) सही और (R) गलत (B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) गलत और (R) गलत (D) (A) सही और (R) सही

उत्तर (A)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य में गद्य विधाओं (गद्य साहित्य) के प्रवर्तक भारतेन्दु हरिश्चन्द्र हैं। भारतेन्दु युगीन गद्य की भाषा खड़ी बोली थी लेकिन काव्य की भाषा ब्रजभाषा थी क्योंकि भारतेन्दु युग से पहले अर्थात् रीतिकाल में कवियों की प्रिय भाषा ब्रजभाषा थी, ब्रजभाषा में काव्य कर्म होता था इसलिए भारतेन्दु युग में भी कविताओं का सृजन ब्रजभाषा में होता था।
खड़ी बोली में कविताओं का सृजन पूर्णतः द्विवेदी युग से प्रारम्भ हो जाता है।

73. स्थापना (Assertion) (A) : शब्द को सुनते ही संकेत के बल पर जो अर्थ साक्षात् समझ में आता है, उसे वाच्यार्थ कहते हैं। इस अर्थ को सूचित करने वाली शब्दवृत्ति अभिधावृत्ति कहलाती है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि भाषा में अर्थ-ग्रहण अभिधावृत्ति से ही होता है।

(A) (A) गलत और (R) सही (B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) गलत (D) (A) सही और (R) सही

उत्तर (C)

व्याख्या–किसी भी भाषा के शब्द को सुनने से संकेत के बल पर जो अर्थ प्रत्यक्ष पूर्णतः समझ में आता है उसे वाच्यार्थ कहते हैं। इस अर्थ को सूचित करने वाली शब्दवृत्ति अभिधावृत्ति कहलाती है। शब्द और अर्थ एक दूसरे पर आश्रित होते हैं। भाषा में अर्थ ग्रहण अभिधावृत्ति से नहीं होता है बल्कि ध्वनि से होता है।

74. स्थापना (Assertion) (A) : जिस जाति की सामाजिक अवस्था जैसी होती है, उसका साहित्य भी वैसा ही होता है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि जाति साहित्य का निर्णायक तत्त्व है।

(A)(A) सही और (R) गलत (B) (A) गलत और (R) गलत
(C)(A) सही और (R) सही (D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर (A)

व्याख्या–कवि जिस समाज में रहता है उस सामाजिक वातावरण का प्रभाव उसके काव्य में देखने को मिलता है। जिस जाति की सामाजिक अवस्था जैसी होगी उनका साहित्य भी वैसा ही होगा लेकिन साहित्य निर्माण में जाति की कोई भूमिका नहीं होती है और न ही जातिगत कोई तत्व पाया जाता है। साहित्य किसी जाति को नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज एवं सामाजिक वातावरण को प्रदर्शित (निरूपण) करता है।

75. स्थापना (Assertion) (A) : उत्तर आधुनिकता पूँजीवादी विकास की नई स्थिति और विश्व की नयी अर्थव्यवस्था का परिणाम है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि नवपूँजीवाद की नाना विकृतियों और नाना रूपों से सामाजिक साक्षात्कार ही उत्तर आधुनिकता है।

(A) (A) गलत और (R) गलत (B)(A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही (D)(A) सही और (R) गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–आज सम्पूर्ण विश्व विकास की दौर से गुजर रहा है। उत्तर आधुनिकता (Post modernism) पूंजीवादी अर्थव्यवस्था का परिणाम है। नवपूंजीवाद की अनेकों विकृतियों और अनेकों प्रारूपों का सामाजिक साक्षात्कार ही उत्तर आधुनिकता है। उत्तर आधुनिकता पूंजीवादी अर्थव्यवस्था एवं नवपूंजीवाद अर्थव्यवस्था एक दूसरे के पूरक हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2015

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

निर्देश : इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. इनमें से कौन-सा विराम चिन्ह ऐसा है जो हिन्दी में अंग्रेजी भाषा से नहीं लिया गया है?

(A) , (B) ;
(C) ? (D) ।

उत्तर – (D)

व्याख्या–(,) अल्पविराम, (;) अर्द्धविराम, (?) प्रश्नवाचक ये सभी चिह्न अंग्रेजी भाषा से हिन्दी भाषा में आये हैं। जबकि (।) पूर्ण विराम संस्कृत से आया है। (!) विस्मय बोधक, (' ', " ") उद्धरणचिन्ह, (–) योजक, (–) निर्देशन, {([ ])} कोष्टक, λ हंसपद, (O) लाघव चिन्ह, (........) लोप, (–) रेखांकन आदि विराम चिन्ह हैं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

2. महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने इनमें से किस कवि को हिन्दी का पहला कवि माना है?

(A) स्वयंभू (B) सरहपाद
(C) पुष्पदंत (D) गोरखनाथ

उत्तर – (B)

व्याख्या–'सरहपाद' को हिन्दी का प्रथम कवि 'राहुल सांकृत्यायन' और अन्य कवियों के द्वारा सर्वसम्मति से माना जाता है।

अन्य विद्वानों का मत-

मानने वाले विद्वान	**समय**	**कवि**
शिवसिंह सेंगर/ग्रियर्सन	7वीं शती	पुष्य/या पुण्ड
राहुल सांकृत्यायन	8वीं शती (769 ई0)	'सरहपाद- ये सहजयान के प्रवर्तक थे। इनके उपनाम इस प्रकार-सरहपा, सरोजवज्र, राहुलभद्र हैं। प्रमुख रचना-'दोहा कोश' है।
रामकुमार वर्मा	8वीं शती (783ई0)	स्वयंभू, जैन परम्परा के प्रथम कवि, एवं अपभ्रंश साहित्य का बाल्मीकि और व्यास कहा जाता है। इनकी प्रमुख रचना-पउम चरिउ (अपूर्ण) है, रिट्ठणेमि चरिउ (कृष्ण चरित्र) पर आधारित है।
गणपति चन्द्रगुप्त	1184 ई0	'शालिभद्र सूरि'-इनकी प्रमुख रचना-भारतेश्वरबाहु बलिरास
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	10वीं शती	राजामुंज
हजारी प्रसाद द्विवेदी	13वीं शती	अब्दुल रहमान- कृति संदेशरासक' पहला धर्मेत्तर रास ग्रंथ है और देशीभाषा में किसी मुसलमान द्वारा लिखित प्रथम काव्य ग्रंथ है। यह एक खण्ड काव्य है जिसमें विक्रमपुर की एक वियोगिनी के विरह का वर्णन किया गया है।

**3. "संदेसडउ सवित्थरउ पइ मइ कहणु न जाइ।
जे कालांगुलि मूंदडऊ सो बाँहडी समाइ।"**

इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं'

(A) विमलसूरि (B) अद्दहमाण
(C) हेमचन्द्र (D) दामोदर भट्ट

उत्तर – (B)

व्याख्या–संदेसडउ सवित्थरउ पइ मइ कहणु.......... बाँहडी समाई।। पंक्ति 'अब्दुल रहमान' की है।
जइ केवइं पवीसु पिउ, अकिया कुड्ड करीहु।
पाणिउ नवई सरवि जिव सब्वंगे पइसीसु।। पंक्ति जैन आचार्य हेमचन्द्र की है-
इनकी प्रमुख कृति सिद्धहेमचन्द्र शब्दानुशासन, देशीनाममालाकोश, काव्यानुशासन, कुमार पाल चरित है।
इनको प्राकृत भाषा का 'पाणिनी' तथा 'कलिकाल सर्वज्ञ' की उपाधि दी गयी है।
वेद पढ़ब, स्मृति अभ्यासिब पुराण देखब, धर्म करब- दामोदर भट्ट की पंक्ति है।

4. 'कबीर की अपेक्षा खुसरों का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था', किसका कथन है?

(A) जॉर्ज ग्रियर्सन (B) मिश्रबंधु
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) रामचंद्र शुक्ल

उत्तर – (D)

व्याख्या–खड़ी बोली के जनक 'अमीर खुसरो' (1253-1325ई.) के सन्दर्भ में शुक्ल जी का कथन है कि कबीर की अपेक्षा खुसरों का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर अधिक था, जिस प्रकार अंग्रेजों का ध्यान बोलचाल की भाषा की ओर था। खुसरों का लक्ष्य जनता का मनोरंजन था, परन्तु कबीर धर्मोपदेशक थे।"

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. निम्नलिखित ग्रंथों में से किसके रचयिता तुलसीदास नहीं हैं?

(A) वैराग्य संदीपनी (B) कृष्ण गीतावली
(C) हनुमच्चरित (D) पार्वती मंगल

उत्तर – (C)

व्याख्या–शुक्ल जी ने तुलसीदास के 12 ग्रंथ माने हैं जो इस प्रकार है।

रचना	काव्यरूप	भाषा	विषय
वैराग्य संदीपनी	मुक्तक	ब्रज	
रामाज्ञा प्रश्न	मुक्तक	अवधी	यह ज्योतिष ग्रंथ है इसमें 7 काण्ड 243 छन्द हैं।
रामलला नहछू	प्रबंध	ठेठ अवधी	इसमें नाक, कान, छेदन संस्कार का वर्णन है।
जानकी मंगल	प्रबंध	अवधी	यह राम-सीता के विवाह से संबंधित रचना
रामचरितमानस	प्रबंध	अवधी	यह 7 काण्डों में विभाजित है इसमें संवाद शैली तथा अंगीरस शान्त रस है, मानस और कवितावली में गोस्वामी जी ने 'कलिकाल का वर्णन किया है।
पार्वती मंगल	प्रबंध	अवधी	यह खण्ड काव्य है, शिव पार्वती के विवाह का वर्णन है, इसका कथानक 'कालिदास' की रचना 'कुमार सम्भव' से लिया गया है।
कृष्ण गीतावली	गीतकाव्य	ब्रज	इसकी रचना तुलसीदास जी ने वृंदावन की यात्रा के समय किया था, इसमें 'भ्रमरगीत' परम्परा का वर्णन तथा कृष्ण के जीवन चरित पर लिया गया है।
गीतावली	गीतकाव्य	ब्रज	यह 7 काण्डों में वात्सल्य वर्णन किया गया है जिस पर सूरदास का प्रभाव है।
विनय पत्रिका	गीतकाव्य	ब्रज	इसकी रचना काशी में हुई थी, इसमें कलयुग से तुलसी का आत्म निवेदन है, इसे भक्तों का 'कण्ठहार' कहा जाता है।
दोहावली	मुक्तक	ब्रज	इसमें 573 दोहे हैं नीतिकाव्य परम्परा में प्रमुख स्थान है।
बरवैरामायण	मुक्तक	अवधी	यह रचना राम के चरित्र पर आधारित है, तुलसी ने अपने मित्र रहीम की रचना 'बैरव नायिक भेद' को बैरव रामायण नाम से वर्णित किया था।
कवितावली	मुक्तक	ब्रज	इसकी रचना 'कवित्त सवैया' शैली में हुई है।

नोट-हनुमच्चरित (1639ई.) रायमल्ल पांडे की कृति है।

6. 'जायसी पहले कवि हैं, सूफी बाद में', किसका कथन है?

(A) श्याम मनोहर पांडेय
(B) चंदबली सिंह
(C) विजयदेव नारायण साही
(D) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर – (C)

व्याख्या–विजयदेव नारायण साही ने अपनी पुस्तक 'जायसी' (1983ई.) में यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि जायसी सूफी नहीं थे, वे जायसी को भक्ति से बाहर निकालकर कवि के रूप में प्रतिष्ठित करना चाहते थे, इसी संदर्भ में आपने कहा है, 'जायसी पहले कवि हैं, सूफी बाद के।।'

**7. ''जसोदा कहा कहौं हौं बात?
तुम्हारे सुत के करतब मो पै कहे नहिं जात''**
इन काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं-

(A) सूरदास (B) नंददास
(C) कृष्णदास (D) चतुर्भुजदास

उत्तर – (D)

व्याख्या- पंक्ति	कवि
जसोदा! कहा ....नहि जात	चतुर्भुजदास
मेरे नैन बिरह की बेली बेई सींचत नैन नीर के, सजनी!मूल पतार गई।।	सूरदास (वात्सल्य सम्राट)
कहन स्याम संदेश एक मैं तुम पै आयो।	नन्ददास
मो मन गिरधर छवि पर अटक्यौ। ललित त्रिभुगी, चाल पै चलि, कै चिबुकचारि गढ़ि ठटक्यौ।।	कृष्णदास

**8. ''अधर-मधुरता, कठिनता-कुच, तीक्षनता-त्यौर''
उक्त दोहे के द्वारा किस आचार्य कवि ने काव्य-रसिक को परिभाषित किया है?**

(A) चिंतामणि (B) भिखारीदास
(C) जसवंत सिंह (D) बेनी प्रवीन

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

पंक्ति	कवि
अधर मधुरता कठिनता–कुच, तीक्षनता त्यौर है। रस-कवित्त-परिपक्वता जाने रसिक न और।।	भिखारीदास
अवलोकनि में पलकै न लगे, पलकौ अवलोकि बिना ललकै	चिंतामणि
अलंकार अत्युक्ति यह, बरनत अतिसय रूप	जसवंत सिंह
भोर ही न्यौति गई ती तुम्है वह, गोकुल गाँव की ग्वारिन गोरी	बेनी प्रवीन

9. निम्नलिखित में से रीतिमुक्त कविता की विशेषता कौन-सी है?

(A) स्वच्छंदता (B) सामाजिकता
(C) निर्वैयक्तिकता (D) ऐतिहासिकता

उत्तर – (A)

व्याख्या–रीति मुक्त कवियों की विशेषता इस प्रकार है।
1. स्वच्छन्दवादी
2. आत्मप्रधान और व्यक्तिपरक
3. सांकेतिक और व्यंजना प्रधान
4. कल्पना और असाधारणता की प्राचुर्य।
5. भाव प्रधान अधिक, रूप प्रधान कम।

10. 'एकांत संगीत' किसकी रचना है?

(A) श्रीधर पाठक (B) हरिवंशराय बच्चन
(C) रामेश्वर शुक्ल अंचल (D) महादेवी वर्मा

उत्तर – (B)

व्याख्या–

रचना	वर्ष	रचनाकार	विशेष
एकांत संगीत	1939	हरिवंशराय बच्चन	आप 'हालवाद' के प्रवर्तक तथा हिन्दी में 'बायरन' के रूप में प्रसिद्ध हैं।
एकांतवासी योगी	1886	श्रीधर पाठक	खड़ी बोली के प्रथम स्वच्छन्दवादी कवि हैं। इनकी खड़ी बोली में रचित कविता 'गुनवंत हेमंत' है तथा खड़ी बोली की प्रथम पुस्तक 'एकांतवासी योगी' है।
लालचूनर	1944	रामेश्वर शुक्ल अंचल	इनकी प्रमुख रचना इस प्रकार है। मधुलिका (1938ई.), अपराजिता (1939ई.),किरण के बेला करील (1942ई.), वर्षान्त के बादल।
सप्तपर्णा	1960	महादेवी वर्मा	इनको हिन्दी के विशाल मंदिर की वीणापाणी कहा जाता है। इनका सर्वाधिक प्रिय प्रतीक दीपक और बादल है

11. 'शिवशंभु के चिट्ठे' के रचनाकार हैं

(A) बालमुकुन्द गुप्त (B) श्यामसुंन्दर दास
(C) सरदार पूर्ण सिंह (D) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर – (A)

व्याख्या–बालमुकुन्द गुप्त- शिवशम्भु के चिट्ठे 1904-05 इस रचना में तत्कालीन गवर्नर लार्ड कर्जन को सम्बोधित करके लिखा गया है।
श्याम सुन्दरदास - समाज और साहित्य, कर्तव्य और सभ्यता, साहित्य की विशेषताएं इनकी प्रमुख कृति हैं।
सरदार पूर्ण सिंह - कन्यादान, आचरण की सभ्यता, मजदूरी और प्रेम, सच्ची वीरता, पवित्रता, अमेरिका का मस्त कवि वाल्ट हिटमैन, सर्वोत्कृष्ट निबंध है।
बालकृष्ण भट्ट - को रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी का 'स्टील' कहा है, इनकी प्रमुख कृति निम्न है।
साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है। चन्द्रोदय, आत्मनिर्भरता। मेला-ठेला, काल चक्र का चक्कर, ईश्वर भी क्या ठठोल है इन्होंने हिन्दी में 'मनोविकार' सम्बन्धी निबंध का सूत्रपात किया है।

12. इनमें से कौन काशी नागरी प्रचारिणी सभा के प्रथम सभापति थे?

(A) बाबू श्याम सुंदरदास (B) पं. रामनारायण मिश्र
(C) बाबू राधाकृष्ण दास (D) बाबू गदाधर सिंह

उत्तर – (C)

व्याख्या–'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना 1893ई. में हुई थी। इसके संस्थापक सदस्यों में बाबू श्याम सुन्दर दास, पं. राम नारायण मिश्र, और ठाकुर शिवकुमार सिंह थे। इस सभा के प्रथम सभापति 'राधाकृष्णदास' थे। इसी सभा द्वारा 1896 ई. में त्रैमासिक पत्र 'नागरी प्रचारिणी पत्रिका' का प्रकाशन आरम्भ किया गया।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

13. 'दु:खिनी बाला' नाटक के लेखक हैं

(A) श्रीनिवासदास (B) राधाकृष्णदास
(C) किशोरीलाल गोस्वामी (D) प्रतापनारायण मिश्र

उत्तर – (B)

व्याख्या–

रचना	वर्ष	रचनाकार	अन्य नाटक
दु:खिनीबाला	1880	राधाकृष्णदास	महाराणा प्रताप (1882), महारानी पद्मावती, (1897), धर्मालाप
तत्वासंवरण	1883	लाला श्रीनिवासदास	प्रहलाद चरित्र (1888), रणधीर प्रेम मोहिनी (1877), संयोगिता स्वयंवर (1886)
प्रणयिनी परिणय	1890	किशोरीलाल गोस्वामी	मयंक मंजरी (1891)
कलिकौतुक रूपक	1886	प्रतापनारायण मिश्र	गोसंकट, हठी हम्मीर, जुआरी, खुआरी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी संग्रह प्रेमचंद का नहीं है?

(A) प्रेमपचीसी (B) प्रेमद्वादशी
(C) मुहब्बत की राहें (D) सप्त सरोज

उत्तर – (C)

व्याख्या–मुहब्बत की राहें (1945ई.), फरिश्ता (1946ई.), बिगड़े हुए दिमाग (1948ई.), इन्सान (1950ई.), सितार के तार (1951ई.), बलिदान की कहानियाँ (1951ई.), मंजिल (1951ई.), महफिल (1965ई.), मंगली की टिकुली (1982ई.), आप क्या कर रहे हैं (1983ई.) इत्यादि भैरव प्रसाद गुप्त के कहानी-संग्रह हैं।

प्रेमचन्द के प्रमुख कहानी संग्रह इस प्रकार है-
सप्त सरोज (1917ई.), नवनिध (1917ई.), प्रेमपूर्णिमा (1918ई.), प्रेमपच्चीसी (1923ई.), प्रेम प्रसून (1924ई.), प्रेम द्वादसी (1926ई.), प्रेम प्रतिमा (1926ई.), प्रेम प्रतिज्ञा (1929ई.), प्रेम चतुर्थी (1929ई.), प्रेम कुंज (1930ई.), सप्त सुमन (1930ई.), कफन (1936ई.)

प्रमुख कहानियाँ-नमक का दरोगा (1913ई.), बूढ़ी काकी (1920ई.), सवासेर गेंहूँ (1924ई.),
शतरंज कें खिलाड़ी (1924ई.), अलग्योझा (1929ई.), पूस की रात-(1930ई.), सद्गति (1930ई.),
दो बैलों की कथा (1931ई.), ठाकुर का कुआं (1932ई.), ईदगाह (1933ई.), कफन (1936ई.)

15. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी-संग्रह फणीश्वरनाथ रेणु का नहीं है?

(A) आदिम रात्रि की महक (B) अगिनखोर
(C) अच्छे आदमी (D) गरीबी हटाओ

उत्तर – (D)

व्याख्या–फणीश्वर नाथ रेणु का प्रमुख कहानी-संग्रह इस प्रकार है – ठुमरी (1959ई.), आदिम रात्रि की महक (1967ई.), अग्निखोर (1973ई.), एक श्रावणी दोपहर की धूप (1984ई.), अच्छे आदमी (1986ई.), प्रमुख कहानियाँ-तीसरी कसम उर्फ मारे गये गुलफाम, रसप्रिया, लाल पान की बेगम, ठेस, तीन बिंदिया है। इनको आँचलिक कथाकार के रूप में ख्याति प्राप्त है।
गरीबी हटाओ (1976ई.), नौ साल की छोटी पत्नी (1969ई.), काला रजिस्टर (1972ई.), चकैया नीम (1979ई.), ये सभी रवीन्द्र कालिया के कहानी-संग्रह है।

16. 'मृणाल' किस उपन्यास की प्रमुख पात्र है?

(A) निर्वासित (B) परख
(C) त्यागपत्र (D) अंतराल

उत्तर – (C)

व्याख्या–

लेखक	**उपन्यास**	**वर्ष**	**प्रमुख पात्र**	**विषयवस्तु**
जैनेन्द्र	त्यागपत्र	1937	मृणाल, शीला, प्रमोद	इसमें स्त्री के विद्रोही व्यक्तित्व का चित्रण है।
इलाचन्द्र जोशी	निर्वासित	1946	महीप, नीलिमा	इन्हीं दोनों के प्रेम प्रसंग का चित्रण है।
जैनेन्द	परख	1929	कट्टो	इसमें बुद्धि और अंतरा का संघर्ष है, इनका यह प्रथम उपन्यास है।
मोहन राकेश	अंतराल	1972	श्यामा	स्त्री-पुरुष संबंधों की जटिलता का चित्रण है।

17. बंबई के मजदूर संगठनों के जीवन-संघर्ष पर आधारित उपन्यास है -

(A) आवाँ (B) समरांगण
(C) अनित्य (D) अंतर्वशी

उत्तर – (A)

व्याख्या–

उपन्यासकार	**रचना**	**सन्**	**विषयवस्तु**
चित्रा मुद्गल	आवाँ	1999 ई.	बंबई के मजदूर संगठनों के जीवन संघर्ष पर आधारित है।
मेहरुन्निशा परवेज	समरांगण	2002 ई.	नारी जीवन की विवषता का चित्रण किया गया है।
मृदुला गर्ग	अनित्य		स्वतन्त्रता संग्राम और उसके बाद का जीवन
उषा प्रियंवदा	अंतर्वशी	2000 ई.	अमेरिका के प्रवासी भारतीयों का चित्रण है।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

18. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्दालंकार नहीं है?

(A) श्लेष (B) वीप्सा
(C) उपमा (D) वक्रोक्ति

उत्तर – (C)

व्याख्या– जहाँ शब्दों के द्वारा 'काव्य' में चमत्कार पैदा होता है वहां शब्दालंकार होता है इसका नाम इस प्रकार है। अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, आदि।
जहाँ अर्थ के द्वारा काव्य में चमत्कार होता है वहां अर्थालंकार होता है। उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, दीपक अतिश्योक्ति, व्यतिरेक, उदाहरण, संदेह भ्रांतिमान इत्यादि।

19. रस-सूत्र की व्याख्या करते हुए 'अभिव्यक्तिवाद' की स्थापना किस आचार्य ने की?

(A) भट्टनायक (B) श्री शंकुक
(C) भट्टलोल्लट (D) अभिनव गुप्त

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

आचार्य	समय	दर्शन	संयोग का अर्थ	निष्पति का अर्थ	सिद्धांत
भट्टलोल्लट	9वीं शती	मीमांसा	उत्पाद्य उत्पादक	उत्पन्न होना उपचित होना	उत्पत्तिवाद/ आरोपवाद
श्रीशंकुक	9वीं शती	न्याय	अनुमाप्य अनुमापक	अनुमति	अनुमितिवाद
भट्ट नायक	11वीं शती	सांख्य	भोज्य, भोजक	भुक्ति उपयोग	भुक्तिवाद/ भोगवाद
अभिनवगुप्त	11वीं शती	शैव दर्शन	व्यंग्य/व्यं जक	अभिव्यक्ति	अभिव्यक्तिवाद

तथ्य विविधा

20. प्रयत्न के आधार पर 'ल' किस प्रकार की ध्वनि है?

(A) पार्श्विक (B) उत्क्षिप्त
(C) प्रकंपित (D) संघर्षहीन

उत्तर – (A)

व्याख्या–प्रयत्न के आधार पर ल, पार्श्विक ध्वनि है ड, ढ़ उत्क्षिप्त, र, प्रकंपित/लुंठित ध्वनि है।

21. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है

(A) भरतेश्वर बाहुबली रास, श्रावकाचार, चंदनबाला रास, रेवंतगिरि रास
(B) रेवंतगिरि रास, श्रावकाचार, भरतेश्वर बाहुबली रास, चंदनबाला रास
(C) चंदनबाला रास, भरतेश्वर बाहुबली रास, रेवंतगिरि रास, श्रावकाचार
(D) श्रावकाचार, भरतेश्वर बाहुबली रास, चंदनबाला रास, रेवंतगिरि रास

उत्तर – (D)

व्याख्या–

रचनाकार	रचना	कालक्रम	विशेष
देवसेन	श्रावकाचार	933 ई.	इस कृति को डॉ. नगेन्द्र ने हिन्दी की प्रथम रचना माना है। इसमें श्रावक (गृहस्थ) धर्म का वर्णन है।
शालिभद्र सूरि	भरतेश्वर बाहुबली रास	1184 ई.	यह 205 छन्दों का 'खण्डकाव्य' है। इनकी प्रमुख कृति- बुद्धिरास, पंचपाण्डव (प्रबंध काव्य है।
आसुग कवि	चन्दन बाला रास	1200 ई.	इस रचना में करुणरस की प्रधानता है यह 'खण्डकाव्य' है।
विजय सेन सूरि	रेवंति गिरिरास	1231 ई.	इस रचना में रेवतगिरि तथा तीर्थंकर नेमिनाथ, की प्रतिमा के महत्त्व का प्रतिपादन ऐतिहासिक, पौराणिक इतिवृत्त तथा प्राकृतिक सौन्दर्य के आधार पर किया गया है। रेवंतगिरि रास चार 'कड़वकों' में विभक्त है।

22. अलंकार संप्रदाय से सम्बद्ध अलंकार ग्रंथों का सही कालानुक्रम है

(A) अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ, काव्यालंकार सार संग्रह, काव्यालंकार
(B) काव्यालंकार, अलंकार सर्वस्व, काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार कौस्तुभ
(C) काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ, काव्यालंकार
(D) काव्यालंकार, काव्यालंकार सार संग्रह, अलंकार सर्वस्व, अलंकार कौस्तुभ

उत्तर – (D)

व्याख्या–

आचार्य	रचना	कालक्रम	विशेष
भामह	काव्यालंकार	6वीं शदी	यह रचना छः परिच्छेदों में विभक्त है।
उद्भट	काव्यालंकार सार संग्रह	8वीं शदी	इसमें उद्भट ने अलंकारों का आलोचनात्मक एवं वैज्ञानिक ढंग पर विवेचना किया गया है।
रुय्यक	अलंकार सर्वस्व	12वीं शदी	आपके पिता 'राजानक तिलक- ने अलंकार सर्वस्व पर 'उद्भट-विवेक' नाम से टीका लिखी थी।
कर्णपूर्ण	अलंकार कौस्तुम	15वीं शदी	

23. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित पाश्चात्य आलोचकों का सही कालानुक्रम है

(A) कॉलरिज, मैथ्यू, आर्नल्ड, क्रोचे, जॉन ड्राइडन
(B) मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे, कॉलरिज, जॉन ड्राइडन
(C) क्रोचे, कॉलरिज, जॉन ड्राइडन, मैथ्यू आर्नल्ड
(D) जॉन ड्राइडन, कॉलरिज, मैथ्यू आर्नल्ड, क्रोचे

उत्तर – (D)

व्याख्या–जन्मकाल के अनुसार कालक्रम में पाश्चात्य आलोचक, जान ड्राइडन (1631ई.), कॉलरिज (1772ई.), मैथ्यू अर्नाल्ड (1822ई.) क्रोचे (1866ई.) हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है

(A) घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्‌भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना
(B) स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्‌भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना
(C) अद्‌भुत प्रायश्चित, अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी
(D) अंगूठी का नगीना, घराऊ घटना, स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी, अद्‌भुत प्रायश्चित

उत्तर – (A)

व्याख्या–

उपन्यासकार	**रचना**	**प्रकाशन वर्ष**
भुवनेश्वर मिश्र	घराऊ घटना	1894 ई0
लालाराम मेहता शर्मा	स्वतन्त्र रमा परतंत्र लक्ष्मी	1899 ई0
ब्रजनन्दन सहाय	अद्‌भुत प्रायश्चित	1906 ई0
किशोरी लाल गोस्वामी	अंगूठी का नगीना	1918 ई0

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है -

(A) अपने अपने पिंजरे, जूठन, मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द
(B) जूठन, मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे
(C) मुर्दहिया, शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे, जूठन
(D) शिकंजे का दर्द, अपने अपने पिंजरे, जूठन, मुर्दहिया

उत्तर – (A)

आत्मकथा	**प्रकाशन वर्ष**	**आत्मकथाकार**
अपने अपने पिंजरे	1995 ई.	मोहनदास नैमिशराय
जूठन	1997 ई-	ओम प्रकाश बाल्मीकि
मुर्दहिया	2010 ई.	डॉ0 तुलसीराम
मणिकर्णिका	2013 ई.	डॉ0 तुलसीराम
शिकंजे का दर्द-	2012 ई.	सुशीला टाक भौरे

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का सही अनुक्रम है

(A) मैला आंचल, परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस
(B) परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस, मैला आंचल
(C) मैला आंचल, परती परिकथा, जुलूस, दीर्घतपा
(D) परती परिकथा, मैला आंचल, जुलूस, दीर्घतपा

उत्तर – (A)

व्याख्या- फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का कालक्रम इस प्रकार है -

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**विषयवस्तु**
मैला आँचल	1954 ई.	इसमें बिहार प्रांत के पूर्णियाँ जिले के 'मेरीगंज' गाँव का वर्णन है।
परती परिकथा	1957	इसमें बिहार प्रांत के पूर्णियाँ जिले के 'परानपुर' गाँव का वर्णन है।
दीर्घतपा	1963	इसमें भ्रष्ट व्यवस्था के बीच एक ईमानदार व्यक्ति की संघर्ष का वर्णन है।
जुलूस	1965	इसमें पूर्वी पाकिस्तान से आये पूर्णियाँ जिले में शरणार्थियों की समस्या का चित्रण है।

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है

(A) सतमी के बच्चे, फाँसी, बिखरे मोती, दो बाँके
(B) सतमी के बच्चे, फाँसी, बिखरे मोती, फाँसी
(C) दो बाँके, सतमी के बच्चे, बिखरे मोती, फाँसी
(D) फाँसी, बिखरे मोती, सतमी के बच्चे, दो बाँके

उत्तर – (D)

व्याख्या–

कहानी संग्रह	**वर्ष**	**कहानीकार**
फाँसी	1929	जैनेन्द्र
बिखरे मोती	1932	सुभद्रा कुमारी चौहान
सतमी के बच्चे	1935	राहुल सांकृत्यायन
दो बाँके	1936	भगवती चरण वर्मा

28. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है

(A) सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त
(B) श्याम नारायण पाण्डेय, सोहनलाल द्विवेदी, रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त
(C) सियाराम शरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय, रामधारी सिंह दिनकर
(D) रामधारी सिंह दिनकर, सियाराम शरण गुप्त, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय

उत्तर – (C)

व्याख्या–जन्मकाल के अनुसार कवियों का अनुक्रम-
सियाराम शरण गुप्त (1894-1963)
सोहन लाल द्विवेदी (1906-1988)
श्याम नारायण पाण्डेय-(1907-1991)
रामधारी सिंह दिनकर (1908-74)

29. निम्नलिखित दैनंदिनियों (डायरियों) का सही कालानुक्रम है

(A) मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने
(B) प्रवास की डायरी, दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, कॉलिज डायरी
(C) दैनंदिनी, डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डायरी
(D) डायरी के कुछ पन्ने, मेरी कॉलिज डायरी, प्रवास की डयरी, दैनंदिनी

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

डायरी	वर्ष	डायरीकार
दैनन्दिनी	1885	राधाचरण गोस्वामी
डायरी के कुछ पन्ने	1940	घनश्यामदास बिड़ला
मेरी कॉलिज डायरी	1954	धीरेन्द्र वर्मा
प्रवास की डायरी	1971	हरिवंश राय बच्चन

30. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है

(A) हरिश्चंद्र मैगजीन, आनन्द कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती
(B) आनंद कादंबिनी, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, हरिश्चंद्र मैगजीन
(C) नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी, हरिश्चन्द्र मैगजीन, सरस्वती
(D) सरस्वती, हरिश्चंद्र मैगजीन, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, आनंद कादंबिनी

उत्तर – (A)

व्याख्या–

समाचार पत्र	सम्पादक	वर्ष	प्रकार	स्थान
हरिश्चन्द्र मैगजीन	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	1873	मासिक	बनारस
आनन्द-कादम्बनी	बदरी नारायण चौधरी (प्रेमघन)	1881	मासिक	मिर्जापुर
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	वेणी प्रसाद	1896	त्रैमासिक	काशी
सरस्वती	चिन्तामणि घोष/ महावीर प्रसाद द्विवेदी	1900	मासिक	काशी/ इलाहाबाद

नोट-सरस्वती प्रथमतः 1900ई. में काशी से प्रकाशित होती थी। पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 ई. में इसके सम्पादक श्यामसुन्दर दास थे तथा 1903 ई. इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।

31. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) जयमयंक जसचंद्रिका	(i) देवसेन
(b) पृथ्वीराज रासो	(ii) मधुकर कवि
(c) श्रावकाचार	(iii) सुमति मणि
(d) नेमिनाथ रास	(iv) चंदबरदाई
	(v) पुष्पदंत

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	iii	iv
(B)	ii	iv	i	iii
(C)	i	iii	iv	ii
(D)	iv	v	i	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या–

रचना	वर्ष	रचनाकार	विशेष
जयमयंक जस चंद्रिका	1168	मधुकर कवि	यह प्रबंध काव्य और अप्राप्त है।
पृथ्वीराज रासो	1192	चन्दबरदाई	शुक्लजी ने चन्दवरदायी को हिन्दी का प्रथम महाकवि माना है तथा 'पृथ्वीराज रासो' को हिन्दी प्रथम महाकाव्य माना है। यह वीर रस प्रधान प्रबंध काव्य है इसमें 69 सर्ग और भाषा डिंगल है।
श्रावकाचार	933	देवसेन	इसमें 250 दोहों में श्रावक (गृहस्थ) धर्म का वर्णन किया गया है।
नेमिनाथ	1213	सुमति मणि	इसमें तीर्थंकर नेमिनाथ की प्रतिमा और रेवन्ति गिरि तीर्थ का वर्णन है।
णयकुमार चरिउ		पुष्पदंत	इनको अपभ्रंश का 'भवभूति' अभिमान मेरू, कविकुल तिलक आदि कहा जाता है।

32. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) साहित्य लहरी	(i) रसखान
(B) प्रेम वाटिका	(ii) सूरदास
(C) रसमंजरी	(iii) हितहरिवंश
(D) भक्त नामावली	(iv) नंददास
	(v) ध्रुवदास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	v
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	iii	iv	v	ii
(D)	ii	v	i	iii

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

लेखक	रचना	विशेष
सूरदास	साहित्य लहरी	यह रचना दृष्टिकूट पदों में विभक्त है।
रसखान	प्रेमवाटिका	इनका मूल नाम (सैय्यद इब्राहीम) था, ये पंथ निर्पेक्ष कवि तथा बल्लभ सम्प्रदाय में दीक्षित थे।
नन्ददास	रस मंजरी	आप तुलसीदास के चचेरे भाई थे
ध्रुवदास	भक्तनामावली	
हितहरिवंश	यमुनाष्टक	

33. निम्नलिखित कवियों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) आलम	(i) सुजानहित प्रबंध
(b) घनानंद	(ii) शृंगारलतिका सौरभ
(c) ठाकुर	(iii) माधवानल कामकंदला
(d) द्विजदेव	(iv) ठाकुर ठसक
	(v) इश्कनामा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	v	i	iii
(C)	iii	i	iv	ii
(D)	iv	iii	v	i

उत्तर – (C)

व्याख्या–

कवि	रचना	विशेष
आलम	माधवानल कामकंदला	ये जाति के ब्राह्मण थे किन्दु शेख नामक रंगरेजिन से विवाह कर मुसलमान हो गये, 'प्रेम का पीर या इश्क का दर्द' इनके एक एक वाक्य में भरा पड़ा है।
घनानन्द	सुजानहित प्रबंध	घनानन्द दिल्ली के सुल्तान मुहम्मदशाह के मीर मुंशी थे। नादिरशाही सैनिकों द्वारा इनकी हत्या कर दी गयी।
ठाकुर	ठाकुर ठशक	इनका जन्म ओरछा, बुन्देलखण्ड में कायस्थ परिवार में हुआ था जैतपुर के राजा परीक्षित के आश्रयदाता थे।
बोधा	इश्कनामा	इनका वास्तविक नाम (बुद्धिसेन) था, 'इश्कनामा' प्रेम पर लिखे गये मुक्तकों का संग्रह है।
द्विजदेव	शृंगार लतिका सौरभ	इनका पूरा नाम 'मान सिंह' था, ये अयोध्या के नरेश थे।

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) एक पतंग अनंत में	(i) शमशेर बहादुर सिंह
(b) यहाँ से देखो	(ii) कुंवर नारायण
(c) बात बोलेगी	(iii) अशोक बाजपेयी
(d) आत्मजयी	(iv) श्रीकांत वर्मा
	(v) केदारनाथ सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	v	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	iii	v	i	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या–

रचना	वर्ष	रचनाकार
एक पतंग अनंत में	1984	अशोक वाजपेयी
यहाँ से देखो	1999	केदारनाथ सिंह
बात बोलेगी	1981	शमशेर बहादुर सिंह
आत्मजयी	1965	कुँवर नारायण
जलसाघर	1973	श्रीकान्त वर्मा

35. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) सूखी डाली	(i) राम कुमार वर्मा
(b) कारवाँ	(ii) जयशंकर प्रसाद
(c) बादल की मृत्यु	(iii) उपेन्द्र नाथ 'अश्क'
(d) एक घूंट	(iv) विष्णु प्रभाकर
	(v) भुवनेश्वर प्रसाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	ii	v
(B)	i	ii	iv	iii
(C)	iii	v	i	ii
(D)	ii	iv	iii	i

उत्तर – (C)

व्याख्या–

एकांकी	वर्ष	एकांकीकार
सूखी डाली	1941	उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
कारवाँ	1935	भुवनेश्वर प्रसाद
बादल की मृत्यु	1930	रामकुमार वर्मा
एक घूंट	1930	जयशंकर प्रसाद
मैं तुम्हे क्षमा नहीं करूँगा	1986	विष्णु प्रभाकर

36. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) मेरी आत्म कहानी	(i) रामवृक्ष बेनीपुरी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) स्मृति की रेखाएं (ii) शिवनंदन सहाय
(c) माटी की मूरतें (iii) श्याम सुंदर दास
(d) हरिश्चंद्र (iv) महादेवी वर्मा
(v) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	iii	v
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	ii	iii	v	i
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या–

रचनाकार	रचना	वर्ष	विधा
श्यामसुन्दरदास	मेरी आत्म कहानी	1941	आत्मकथा
महादेवी वर्मा	स्मृति की रेखाएँ	1947	रेखाचित्र
रामवृक्ष बेनीपुरी	माँटी की मूरतें	1946	रेखचित्र
शिवनन्दन सहाय	हरिश्चन्द्र	1905	जीवनी
कन्हैयालाल मिश्र	माटी हो गयी सोना	1959	रेखाचित्र

37. निम्नलिखित लेखिकाओं को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) ममता कालिया	(i) एक जमीन अपनी
(b) नासिरा शर्मा	(ii) शेष कादंबरी
(c) चित्रा मुद्गल	(iii) एक पत्नी के नोट्स
(d) अलका सारावगी	(iv) एकपति के नोट्स
	(v) जिंदा मुहावरे

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	i	ii
(B)	ii	iii	v	iv
(C)	v	ii	iii	iv
(D)	iii	iv	ii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या–

उपन्यासकार	उपन्यास	वर्ष
ममता कालिया	एक पत्नी के नोट्स	1997
नासिरा शर्मा	जिन्दा मुहावरे	1993
चित्रा मुद्गल	एक जमीन अपनी	1990
अलका सरावगी	शेष कादम्बरी	2001
महेन्द्र भल्ला	एक पति के नोट्स	1967

38. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय कृतियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) औचित्य विचार चर्चा	(i) आनंद वर्द्धन
(b) ध्वन्यालोक	(ii) भट्ट नायक
(c) शृंगार प्रकाश	(iii) भोजराज
(d) काव्य मीमांसा	(iv) राजशेखर
	(v) क्षेमेन्द्र

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	iii	iv
(B)	i	iii	iv	v
(C)	iii	iv	v	ii
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

आचार्य	ग्रंथ	विशेष
क्षेमेन्द्र	औचित्यविचार चर्चा	इनका जन्म कश्मीर में 10वीं सदी में हुआ था, इनके शिक्षा गुरू अभिनव गुप्त थे।
आनन्द वर्धन	ध्वन्यालोक	इनकी युगांतकारी रचना 'ध्वन्यालोक' है। ध्वनि के प्रथम पुरोधा हैं। ये ध्वनि को काव्य की 'आत्मा' मानते हैं।
भोजराज	शृंगार प्रकाश	इन्होंने दो नवीन रीतियों अवन्तिका, मागधी, की रचना की है।
राजेश्वर	काव्य मीमांसा	ये कन्नौज के प्रतिहार वंशी राजा महेन्द्र पाल (निर्भयराज) के आश्रित कवि थे। काव्यमीमांसा 18 प्राधिकरणों में विभक्त है। इन्होंने रीति को 'वचन कविन्यास' माना है।
भट्टनायक	हृदय दर्पण/ सहृदय दर्पण	

39. निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	(i) रमेशचंद शाह
(b) शब्द और मनुष्य	(ii) विश्वनाथ त्रिपाठी
(c) अज्ञेय वागर्थ-वैभव	(iii) निर्मल वर्मा
(d) लोकवादी तुलसीदास	(iv) शिवदान सिंह चौहान
	(v) परमानंद श्रीवास्तव

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	v
(B)	ii	iv	i	iii
(C)	iv	v	i	ii
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

आलोचना ग्रंथ	वर्ष	आलोचक
हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	1954	शिवदान सिंह चौहान
शब्द और मनुष्य	1988	परमानन्द श्रीवास्तव
अज्ञेय वागर्थ-वैभव	1995	रमेश चन्द्र शाह
लोकवादी तुलसीदास	1974	विश्वनाथ त्रिपाठी
शब्द और स्मृति	1976	निर्मल वर्मा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

40. निम्नलिखित नाटककारों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) हरिकृष्ण प्रेमी	(i) अंगूर की बेटी
(b) गोविन्द वल्लभ पंत	(ii) संन्यासी
(c) लक्ष्मीनारायण मिश्र	(iii) अशोक
(d) चंद्रगुप्त विद्यालंकार	(iv) रक्षा बंधन
	(v) कर्त्तव्य

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	ii	iii
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	ii	iii	v	i
(D)	iii	i	iv	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-

नाटककार	रचना	वर्ष
हरिकृष्ण प्रेमी	रक्षबंधन	1934
गोविन्द वल्लभ पंत	अंगूर की बेटी	1937
लक्ष्मी नारायण मिश्र	संन्यासी	1930
चन्द्रगुप्त विद्यालंकार	अशोक	1935
सेठ गोविन्द दास	कर्त्तव्य	1938

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45) के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भावभूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत् की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता। वह अपनी सत्ता को लोकसत्ता में लीन किये रहता है। उसकी अनुभूति सबकी अनुभूति होती है या हो सकती है। इस अनुभूति-योग के अभ्यास से हमारे मनोविकार का परिष्कार तथा शेष सृष्टि के साथ हमारे रागात्मक संबंध की रक्षा और निर्वाह होता है। जिस प्रकार जगत् अनेक प्रकृत सामंजस्य जगत् के भिन्न-भिन्न रूपों, व्यापारों या तथ्यों के साथ हो जाय। इन्हीं भावों के सूत्र से मनुष्य-जाति जगत् के साथ तादात्म्य का अनुभव चिरकाल से करती चली आई है।

41. भावों का व्यायाम और परिष्कार कब संभव है?

(A) भावों का स्वाभाविक संबंध मानव-जगत् से स्थापित होने पर
(B) भावों का स्वाभाविक संबंध प्रकृति-जगत् से स्थापित होने पर
(C) भावों का स्वाभाविक संबंध मानवेतर जगत् से स्थापित होने पर
(D) भावों का स्वाभाविक संबंध विश्व के विविध रूपों-व्यापारों के साथ स्थापित होने पर

उत्तर – (D)

व्याख्या–भावों का व्यायाम और परिष्कार तभी सम्भव है जब इनका प्रकृति सामंजस्य जगत में भिन्न-भिन्न रूपों व्यापारों या तथ्यों के साथ स्थापित हो जायें।

42. अनेक रूपात्मक जगत् की तरह हमारा हृदय अनेक भावात्मक है, क्योंकि

(A) जगत् की सत्ता से हमारी हृदय की सत्ता निरपेक्ष है।
(B) अनेक रूपात्मक जगत् की आंतरिक अभिव्यक्ति हमारे द्वारा संभव है।
(C) अनेक भावात्मक हृदय कारण है और जगत् उसकी अभिव्यक्ति।
(D) अनेक रूपात्मक जगत् और हमारे हृदय में प्रस्तुत-अप्रस्तुत संबंध है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–अनेक रूपात्मक जगत की तरह हमारा हृदय अनेक भावात्मक है, क्योंकि अनेक रूपात्मक जगत की आंतरिक अभिव्यंजना हमारे हृदय द्वारा संभव है।

43. मनुष्य जाति जगत् के साथ तादात्म्य का अनुभव किसके कारण करती रही है?

(A) बुद्धि के सामंजस्य के कारण।
(B) मन के सामंजस्य के कारण।
(C) अहंकार के सामंजस्य के कारण।
(D) हृदय के सामंजस्य के कारण।

उत्तर – (D)

व्याख्या–मनुष्य जाति जगत के साथ तादात्म्य का अनुभव चिरकाल से हृदय के सामंजस्य के कारण करती चली आ रही है।

44. शुद्ध अनुभूतियों का संचार कब होता है?

(A) लोक सामान्य की भावभूमि से हृदय को मिलाने से।
(B) लोक सामान्य की भावभूमि से हृदय को मुक्त करने से।
(C) हृदय को लोकजगत् में सिर्फ मनुष्य जगत् से संबद्ध रखने से।
(D) हृदय को लोकजगत् में सिर्फ चेतन जगत् से संबद्ध रखने से।

उत्तर – (A)

व्याख्या–शुद्ध अनुभूतियों का संचार तब होता है जब हम लोक सामान्य की भाव भूति से हृदय को मिला लेते हैं।

45. हमारे मनोविकार का परिष्कार किस दशा में संभव है?

(A) लोकसत्ता से अपनी सत्ता को विशिष्ट समझते रहने से।
(B) लोकसत्ता से अपनी सत्ता को निरर्थक समझते रहने से।
(C) लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता का समर्पण कर देने के अभ्यास से।
(D) लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता को तुच्छ मानकर अलग रखने से।

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–लोकसत्ता के सामने अपनी सत्ता का समर्पण कर देने के अभ्यास से हमारे मनोविकास का परिष्कार संभव होता है।

कथोपकथन

निर्देश: प्रश्न संख्या 46 से 50 तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक स्थापना (A) है और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

46. स्थापना (Assertion) (A) : मनुष्य को कर्म में प्रवृत्त करने वाली मूल प्रवृत्ति भावात्मिका है। केवल तर्कबुद्धि था विवेचना के बल से हम किसी कार्य में प्रवृत्त नहीं होते

तर्क (Reason) (R): क्योंकि जहाँ जटिल बुद्धि-व्यापार के अनंतर किसी कर्म का अनुष्ठान देखा जाता है वहाँ भी तह में कोई भाव या वासना छिपी रहती है।

(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–मनुष्य केवल तर्क, विश्लेषण या विवेचना मात्र से किसी भी कार्य में पूर्ण प्रवृत्त नहीं होता है। वह भावात्मिका (आत्मिक भाव) से जब किसी कार्य को करता है तो उस कार्य के पूर्ण सम्पन्न होने की निश्चितता बनी रहती है, वही उनकी मूल प्रवृत्ति है। जब कभी भी मात्र जटिल बुद्धि संरचना के कारण कोई भी कार्य किया जाता है तो वहाँ भी कोई न कोई भाव या इच्छा छिपी रहती है। अतः (A) और (R) दोनों सही है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : अभिव्यंजनावादियों के अनुसार कवि या कलाकार अपने अंतर की भावना को बाहर प्रकाशित करता है, बाहृय वस्तु को नहीं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि अभिव्यंजनावादी अंतर की भावना की जगह बाहृय वस्तु को अधिक महत्व देता है।

(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर – (A)

व्याख्या–अभिव्यंजना का अर्थ है अभिव्यक्ति। इस मत के अनुसार कोई भी कवि, कलाकार या अन्य कोई अपने अन्दर की भावना को बातों के, अभिनय के माध्यम से प्रकट करता है न कि जो बाह्य में वस्तु स्थित है उसे। अभिव्यंजनावादी आन्तरिक को ज्यादा महत्व देता है, बाह्य को कम। कथन (A) सही और (R) गलत है।

48. स्थापना (Assertion) (A) : मन को अनुरंजित करना, उसे सुख या आनंद पहुँचाना ही कविता का अंतिम लक्ष्य मानना चाहिए।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मनोविलास की सामग्री है जिससे सहृदय पाठक अपनी कुंठाओं से मुक्त होता है। इसे ही हृदय की मुक्तावस्था कहा गया है।

(A) (A) सही (R) सही
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) सही और (R) गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता का अंतिम लक्ष्य मात्र मन को अनुरंजित करना, सुख या आन्रद पहुँचाना ही नही है बल्कि इसका लक्ष्य मनुष्य एवं समस्त सृष्टि का कल्याण करना है। कविता मनोविलास की सामग्री नहीं है। शुक्लानुसार, हृदय की मुक्तावस्था ज्ञानदशा है। अतः (A) और (R) दोनों गलत है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : फ्रायड के अनुसार कला और धर्म का उद्‌भव अचेतन मानस की संचित प्रेरणाओं और इच्छाओं में ही होता है। इस कामशक्ति के उन्नयन के फलस्वरूप कलाकार सर्जन करता है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि अवचेतन मानस में कामशक्ति के उन्नयन के फलस्वरूप कलाकार सर्जन करता है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–फ्रायड के अनुसार कला और धर्म दोनों का उद्‌भव अवचेतन मानस की संचित प्रेरणाओं और इच्छाओं के द्वारा ही होती है। जब इस कामशक्ति का उन्नयन हो जाता है तभी कलाकार सर्जन करता है, अवचेतन मानस उत्पन्न कामशक्ति के द्वारा कलाकार सर्जन नहीं करता बल्कि अवचेतन मानस की संचित प्रेरणाओं और इच्छाओं के द्वारा उत्पन्न काम शक्ति से कलाकार सर्जन करता है कथन (A) सही और (R) गलत है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का जो चरम लक्ष्य सर्वभूत को आत्मभूत कराके अनुभव कराना है, उसके साधन में भी अहंकार का त्याग आवश्यक है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जब तक इस अहंकार से पीछा न छूटेगा तब तक प्रकृति के सब रूप मनुष्य की अनुभूति के भीतर नही आ सकते।

(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–काव्य का चरम लक्ष्य सर्वभूत को आत्मभूत करना है। इस आत्मभूत के साधन में अहंकार आता है तो इसका त्याग आवश्यक है। बिना इसके त्याग के मनुष्य अपने सभी रूपों को अपने भीतर नहीं ला सकता था उसे आत्मभूत नहीं कर सकता। कथन (A) और (R) दोनों सही हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2015

हिन्दी

तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 2-1/2 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 150

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. 'पंडिअ सअल सत्त बक्खाणई। देहहि बुद्ध बसंत न जाणइ।'

(A) सरहपा (B) कण्हपा
(C) शबरीपा (D) नागार्जुन

उत्तर (A)

व्याख्या-

पंक्ति	रचनाकार
पंडिअ सअल ......बसंत न जाणइ	सरहपा
एक्कण किज्जइ मंत्रण तंत	कण्हपा
जोई जोई पिण्डे सोई सोई ब्रह्माण्डे	गोरखनाथ

2. 'आध्यात्मिक रंग के चश्में आजकल बहुत सस्ते हो गए हैं'

(A) बिहारी (B) विद्यापति
(C) मतिराम (D) भिखारीदास

उत्तर (B)

व्याख्या–आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकल बहुत सस्ते हो गये हैं, उन्हे चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने 'गीत गोविन्द' के पदों को आध्यात्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी। यह उक्त कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की विद्यापति के लिए है।

3. मैथिली हिन्दी में रचित गद्य की पहली पुस्तक है-

(A) उक्तिव्यक्ति प्रकरण (B) वर्णरत्नाकर
(C) राउलवेल (D) वसंत विलास

उत्तर (B)

व्याख्या–मैथिली भाषा की हिन्दी गद्य की प्रथम पुस्तक 'वर्णरत्नाकार' है। इसके लेखक ज्योतिश्वर ठाकुर हैं। यह 'शब्दकोश' ग्रन्थ है, और इसका रचनाकाल 14वीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध माना जाता है।

4. 'राजमती' इनमें से किस काव्य कृति की नायिका हैं?

(A) कीर्तिपताका (B) आल्हाखंड
(C) बीसल देवरासो (D) रणमल्ल छंद

उत्तर (C)

व्याख्या–'राजमती' बीसलदेव रासो ग्रंथ की नायिका है। इसकी रचना 'नरपति नाल्ह' ने 1155 ई. में किया था। यह एक 'गेयकाव्य' है इसके 4 खण्ड हैं तथा लगभग (2000) चरण है। यह वर्णनात्मक काव्य है। इसे वीरगीत काव्य भी कहा जाता है- यह शृंगार प्रधान रचना है।

5. निम्नलिखित काव्य-कृतियों में से किसकी रचयिता मीराबाई नहीं हैं?

(A) गीतगोविंद टीका (B) प्रेमतत्वनिरूपण
(C) राग गोविंद (D) नरसी जी का मायरा

उत्तर (B)

व्याख्या–मीराबाई की प्रमुख रचना इस प्रकार-
गीतगोविन्द टीका, राग गोविन्द, नरसी जी का मायरा, राग सोरठा, मलार राग, रूक्मणी मंगल है।
'प्रेम तत्वनिरूपण' कृष्णदास की रचना है, इन्होंने वल्लभाचार्य से शिक्षा ग्रहण की इनकी भाषा गुजराती थी ये संगीतज्ञ तथा सुकवि गायक भी थे।

6. 'सूर समाना चंद में दहूँ किया घर एक।'

(A) सूरदास (B) कबीरदास
(C) चंदबरदाई (D) जायसी

उत्तर (B)

व्याख्या–

काव्य पंक्ति	कवि
1. सूर समाना चंद में दहूँ किया घर एक	कबीरदास
2. प्रभु हौं सब पतितन कौ टीकौ	सूरदास
3. राजनीति पाइयै। ग्यान पाइयै सु जानिय	चन्दबरदाई
4. नयन जो देखा कँवल भा निरमल नीर शरीर	जायसी

7. निम्नलिखित में से कौन राधावल्लभ संप्रदाय का प्रवर्तक है?

(A) वल्लभाचार्य (B) हित हरिवंश
(C) गोविंद स्वामा (D) छीत स्वामी

उत्तर (B)

व्याख्या–

सम्प्रदाय	प्रवर्तक
राधावल्लभ सम्प्रदाय	हित हरिवंश (इन्होंने राधा जी को गुरू रूप में स्वीकार किया है।)
वल्लभ सम्प्रदाय	वल्लभाचार्य (इन्हें पुष्टिमार्ग का प्रवर्तक और 'शुद्धाद्वैतवाद सिद्धान्त' के प्रतिपादक।)
निम्बार्क सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य
हरिदासी/सखी/या टट्टी सम्प्रदाय	स्वामी हरिदास
गौड़ी सम्प्रदाय	चैतन्य महाप्रभु

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

**8. "हमन है इश्क मस्ताना हमन को होशियारी क्या?
रहै आजाद या जग में, हमन दुनियाँ से यारी क्या?"
इन काव्य-पंक्तियों के रचयिता हैं-**

(A) अमीर खुसरो (B) नजीर अकबराबादी
(C) उसमान (D) कबीरदास

उत्तर (D)

व्याख्या–

काव्य पंक्ति	कवि
हमन है इश्क ....दुनियाँ से यारी क्या?	कबीरदास
सूनी सेज डरावन लागै, विरहा अगिन मोहि डस-डस जाय।	अमीर खुसरो
बंलदीप देखा अंगरेखा, तहा जाई जेहि कठिन करेजा।	उसमान
जब आदमी के पेट में आती है रोटियाँ। फूली नहीं बदन में समाती है रोटियाँ	नजीर अकबरवादी

**9. 'हिन्दू मग पर पाँव न राख्यौ।
का बहुतैं जो हिन्दी भाख्यौ॥'
ये काव्य-पंक्तियाँ किस बोली में है?**

(A) ब्रज (B) भोजपुरी
(C) अवधी (D) बुंदेली

उत्तर (C)

व्याख्या–"हिन्दू मग पर पाँव ....हिन्दी भाख्यौ"।
यह 'अवधी' भाषा की पंक्ति है, इसके लेखक 'नूर मुहम्मद' हैं। यह पंक्ति 'अनुराग बांसुरी' से उल्लिखित है। इस रचना में हिन्दी भाषा के प्रति मुसलमानों का भाव प्रकट होता है। जब 'नूरमुहम्मद' पर हिन्दी का समर्थन करने का आरोप लगा तो उन्होंने इस पंक्ति के द्वारा अपनी सफाई दी थी।

10. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही क्रम है-

(A) गुरुनानक, कबीरदास, दादूदयाल, मलूकदास
(B) कबीरदास, गुरुनानक, मलूकदास, दादूदयाल
(C) कबीरदास, गुरुनानक दादूदयाल, मलूकदास
(D) कबीरदास, दादूदयाल, गुरुनानक, मलूकदास

उत्तर (C)

संतकवि	जन्म स्थान	समय
कबीरदास	(लहरतारा) बनारस	1398 ई0
गुरूनानक	(तलबंड़ी) ननकाना साहब	1469 ई0
दादूदयाल	अहमदाबाद	1544 ई0
मलूकदास	कड़ा (इलाहबाद)	1574 ई0

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं विविध काव्य धाराएँ

11. रीतकाल के किस कवि ने अपनी कविताओं में ऋतुओं और त्योहारों के साथ जीवन को खूबसूरती के साथ मिलाया है?

(A) बिहारी (B) घनानंद
(C) देव (D) पद्माकर

उत्तर (D)

व्याख्या–पद्माकर ने अपनी कविताओं में ऋतुओं और त्योहारों के साथ जीवन को खूबसूरती के साथ मिलाया है। जैसे-
फागु की भीर अभीरिन में गहि गोविंद लै गई भीतर गोरी।
नैन नचाय कही मुसकाय लला फिर आयो खेलन होरी।।
नोट-शुक्ल जी कहते हैं "ऐसा सर्वप्रिय कवि इस काल के भीतर बिहारी को छोड़कर दूसरा नहीं हुआ।"

12. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना देव की नहीं है?

(A) कविकुलकल्पतरू (B) भावविलास
(C) भवानी विलास (D) अष्टयाम

उत्तर (A)

व्याख्या–प्रसिद्ध रीतिकाल के कवि देव की प्रमुख रचना इस प्रकार की है- भावविलास, भवानीविलास, अष्टयाम, रागरत्नाकर, कुशलविलास, जातिविलास, सुजानविनोद, प्रेमतरंग इत्यादि।
कविकुलकल्पतरू, रसविलास, शृंगार मंजरी, कृष्ण चरित, काव्य विवेक आदि चिंतामणि की रचनाएँ हैं।

13. 'रासपंचाध्यायी' किस छंद में लिखी गयी है?

(A) रोला (B) दोहा
(C) सोरठा (D) चौपाई

उत्तर (A)

व्याख्या–'रासपंचाध्यायी' नन्ददास की रचना है तथा यह रोला छन्द में रचित है। इसमें 'लौकिक एवं पारलौकिक' प्रेम को समन्वित रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह रचना 5 अध्यायों में है तथा श्रीमद् भागवत् इसका आधार ग्रंथ है।

14. प्रकृति के नाना रूपों के साथ केशव के हृदय का सामंजस्य कुछ भी न था? यह कथन किसका है?

(A) विश्वनाथप्रसाद मिश्र (B) लाला भगवान दीन
(C) रामचंद्र शुक्ल (D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर (C)

व्याख्या–आचार्य शुक्ल ने केशवदास की 'रामचन्द्रिका' के सन्दर्भ में कहा है कि केशव के लिए प्राकृतिक दृश्यों का कोई आकर्षक नहीं था प्रकृति के नाना रूपों के साथ केशव के हृदय का सामंजस्य कुछ न था।

15. रचनाकाल के आधार पर रचनाओं की सही क्रम है-

(A) कविकुलकल्पतरु, रसिकप्रिया, ललित ललाम, अलंकारमाला
(B) रसिकप्रिया, कविकुलकल्पतरु, ललित ललाम, अलंकारमाला
(C) रसिकप्रिया, ललित ललाम, अलंकारमाला, कविकुलकल्पतरु
(D) अलंकारमाला, रसिकप्रिया, कविकुलकल्पतरु, ललित ललाम

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

रचना	वर्ष	रचनाकार
रसिक प्रिया	1591 ई.	केशवदास
कविकुलकल्पतरु	1650-63 ई.	चिंतामणि
ललितललाम	1661-64 ई.	मतिराम
अलंकार माला	1711 ई.	सूरति मिश्र

16. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(a) भूषण	(i) रस रत्नाकर
(b) घनानंद	(ii) रसराज
(c) सूरति मिश्र	(iii) इश्कलता
(d) मतिराम	(iv) रस सारांश
	(v) अलंकार प्रकाश

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	i	ii
(B)	iii	iv	ii	i
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर (*)

व्याख्या–

रचनाकार	रचना
भिखारी दास	रस सारांश
घनानन्द	इश्कलता
सूरति मिश्र	रस रत्नाकर
मतिराम	रसराज
भूषण	अलंकार प्रकाश

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

17. 'बीती विभावरी जाग री।
अम्बर पनघट में डुबो रही, तारा-घट उषा-नागरी।'
उपर्युक्त पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद के किस काव्य संग्रह में संकलित हैं?

(A) प्रेमपथिक (B) झरना
(C) काननकुसुम (D) लहर

उत्तर (D)

व्याख्या–बीती विभावरी जाग री।
अंबर पनघट में डुबो रही, तारा-घट उषा-नागरी।।
यह पंक्ति जयशंकर प्रसाद की कृति 'लहर' (1933 ई.) से ली गई है। 'लहर' एक गीत काव्य भी है।
उर्वशी (1909ई.), वन मिलन (1909ई.) प्रेमराज्य (1909ई.), अयोध्या का उद्धार (1910ई.), शोकोच्छ्वास (1910ई.) वभ्रुवाहन (1911ई.), कानन कुसुम (1913ई.), प्रेमपथिक (1914ई.), महाराणा का महत्व (1914 ई.), चित्राधर (1918ई.), झरना (1918ई.), आँसू (1925ई.) लहर (1933 ई.), कामायनी (1935ई.) इत्यादि जयशंकर की काव्यकृतियाँ हैं।

18. महादेवी वर्मा की किस कृति में जीव-जन्तुओं और पशु पक्षियों से संबंधित संस्मरण है?

(A) अतीत के चलचित्र (B) पथ के साथी
(C) स्मृति की रेखाएँ (D) मेरा परिवार

उत्तर (D)

व्याख्या–'मेरा परिवार' (1956ई.) महादेवी वर्मा कृत जीव-जन्तुओं और पशु-पक्षियों से सम्बंधित संस्मरण है। इसमें गिल्लू (गिलहरी) सोना (हिरनी), दुर्मुख (खरगोश), गौरा (गाय), नीलू (कुत्ता), निक्को (नेवला) रोजी (कुतिया), रानी (घोड़ी) इत्यादि के संस्मरण हैं। "अतीत के चलचित्र" (1941ई.) और 'स्मृति की रेखाएँ' (1943ई.) में समाज के निरीह प्राणी रेखांकित हुए हैं।
पथ के साथी (1972ई.) में वे चित्रित है, जो महादेवी के अग्रज हैं एवं सहयोगी है और उन्हें प्रिय हैं। जैसे -रामा (नौकर), बिन्दा, परित्यक्तता-साबिया,पितृहीन घीसा इत्यादि।

19. प्रसाद की काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है-

(A) लहर, आँसू, उर्वशी, झरना
(B) आँसू, झरना, उर्वशी, लहर
(C) उर्वशी, झरना, आँसू, लहर
(D) झरना, उर्वशी, आँसू, लहर

उत्तर (C)

व्याख्या–प्रसाद की काव्य कृतियों का सही अनुक्रम : उर्वशी (1909) वनमिलन (1909), प्रेमराज्य (1909 ई.), शोकोच्छ्वास (1910 ई.), अयोध्या का उद्धार (1910) वभ्रुवाहन (1911) कानन कुसुम (1913) प्रेम पथिक (1914), महराणा का महत्व (1914 ई.), चित्राधर (1918) झरना (1918) आँसू (1925) लहर (1933), कामायनी (1935 ई.)

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता)

20. 'एक तनी हुई रस्सी है जिस पर मैं नाचता हूँ।' पंक्ति के रचनाकार हैं।

(A) अज्ञेय (B) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
(C) त्रिलोचन (D) केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर (A)

व्याख्या–

पंक्ति	पंक्तिकार
एक तनी हुई रस्सी........मैं नाचता हूँ।	अज्ञेय
लीक पर वे चले जिनके, चरण दुर्बल और हारे हैं।	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
जड़ता है जीवन की पीड़ा निस्तरंग पाषाणी क्रीड़ा।	त्रिलोचन
हिंसा और अहिंसा क्या है, जीवन में बढ़ हिंसा क्या है?	केदारनाथ अग्रवाल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

21. 'युगधारा' के रचयिता हैं -

(A) सुमित्रानंदन पंत (B) महादेवी वर्मा
(C) नागार्जुन (D) केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर (C)

व्याख्या–युगधारा (1953 ई.), सतरंगे पंखों वाली 1959 ई.), प्यासी पथराई आँखे (1962 ई.), भस्मांकुर (1971 ई.), तालाब की मछलियाँ (1975 ई.), तुमने कहा था (1980 ई.), खिचड़ी विप्लव देखा हमने (1980 ई.), हजार-हजार बाहों वाली (1981 ई.), पुरानी जूतियों का कोरस (1983 ई.) नागार्जुन की प्रमुख काव्य-कृतियाँ है।
नोट-नागार्जुन कृत भस्मांकुर (1971 ई.) एक खण्ड काव्य है जो 'बरवै' छंद में है।

22. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है-

(A) रश्मिरथी, कनुप्रिया, लोकायतन, आत्मजयी
(B) लोकायतन, रश्मिरथी, कनुप्रिया, आत्मजयी
(C) लोकायतन, कनुप्रिया, रश्मिरथी, आत्मजयी
(D) कनुप्रिया, लोकायतन, रश्मिरथी, आत्मजयी

उत्तर (A)

व्याख्या–

रचना	प्र0 वर्ष	रचनाकार
रश्मिरथी	1952	दिनकर
कनुप्रिया	1959	धर्मवीर भारती
लोकायतन	1964	पंत
आत्मजयी	1965	कुंवर नारायण

23. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित निबन्ध-संग्रहों का सही अनुक्रम है-

(A) प्रगति और परम्परा अंगद की नियति, अद्यतन, यत्र तत्र. सर्वत्र
(B) यत्र तत्र सर्वत्र, अद्यतन, प्रगति और परम्परा, अंगद की नियति
(C) अद्यतन, अंगद की नियति, प्रगति और परम्परा, यत्र तत्र सर्वत
(D) प्रगति और परम्परा, अद्यतन, अंगद की नियति, यत्र तत्र सर्वत्र

उत्तर (D)

निबन्ध संग्रह	प्र0 वर्ष	निबन्धकार
प्रगति और परम्परा	1949	रामविलास शर्मा
अद्यतन	1977	अज्ञेय
अंगद की नियति	1984	विद्या निवास मिश्र
यत्र तत्र सर्वत्र	2000	शरद जोशी

24. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) निशा निमंत्रण	(i) नरेन्द्र शर्मा
(B) प्रभात फेरी	(ii) हरिवंश राय बच्चन
(C) नींद के बादल	(iii) माखनलाल चतुर्वेदी
(D) जीवन के गान	(iv) शिवमंगल सिंह सुमन
	(v) केदारनाथ अग्रवाल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	ii
(B)	v	iii	iv	i
(C)	ii	i	v	iv
(D)	iii	i	ii	v

उत्तर (C)

रचनाकार	रचना	वर्ष
हरिवंश राय बच्चन	निशा निमंत्रण	1938 ई.
नरेन्द्र शर्मा	प्रभात फेरी	1938 ई.
केदारनाथ अग्रवाल	नींद के बादल	1947 ई.
शिव मंगल सिंह सुमन	जीवन के गान	1941 ई.
माखन लाल चतुर्वेदी	समर्पण	1956 ई.

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

25. निम्नलिखित में से कौन-सी कहानी राजी सेठ की नहीं है?

(A) समान्तर चलते हुए (B) अपने दायरे
(C) गलत होता पंचतंत्र (D) जाह्नवी

उत्तर (D)

व्याख्या–राजी सेठ की प्रमुख कहानियाँ-समान्तर चलते हुए, अपने दायरे, गलत होता पंचतंत्र, अंधे मोड़ के आगे, तीसरी हथेली, गमे हयात ने मारा, उसी जंगल में इत्यादि।
जाह्नवी-जैनेन्द्र की प्रमुख रचना है। उनकी अन्य कहानियाँ – फाँसी, एक रात, चिड़िया, खेल।

26. 'आधा गाँव' उपन्यास में चित्रित गाँव है-

(A) गंगौली (B) शिवपाल गंज (C) मेरीगंज (D) बेलारी

उत्तर (A)

व्याख्या–

उपन्यास	वर्ष	गाँव	उपन्यासकार
आधा गाँव	1966 ई.	गंगोली	राही मासूम रजा
रागदरबारी	1968 ई.	शिवपालगंज	श्रीलाल शुक्ल
मैला आँचल	1954ई.	मेरीगंज	रेणु
गोदान	1936ई.	बेलारी	प्रेमचन्द

27. महिला पुलिस कर्मियों के जीवन पर आधारित उपन्यास है-

(A) ग्लोबल गाँव का देवता (B) गुनाह बेगुनाह
(C) मुन्नी मोबाइल (D) जिंदा मुहावरे

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–'गुनाह बेगुनाह' (2011) मैत्रेयी पुष्पा का उपन्यास है। यह महिला पुलिस कर्मियों पर आधारित है।
ग्लोबल गाँव देवता- के लेखक 'रणेन्द्र' हैं यह आदिवासी जीवन पर आधारित रचना है।
जिन्दा मुहावरे (1993 ई.) की लेखिका 'नासिरा शर्मा' हैं यह कृति भारत विभाजन पर केन्द्रित है।
मुन्नी मोबाइल- के लेखक 'प्रदीप सौरभ' हैं।

28. इनमें से कौन शिशु- संवेदना की कहानी नहीं है?

(A) नादान दोस्त (B) चोरी
(C) कजाकी (D) दो सखियाँ

उत्तर (D)

व्याख्या–दो सखियाँ 1928 ई0 तथा अन्य कहानियाँ प्रेम चन्द की है। 'दो सखियाँ कहानी शिशु संवेदना से सम्बन्धित नहीं है।

29. निम्नलिखित कहानी संग्रहों का प्रकाशन-वर्ष के अनुसर सही अनुक्रम है :

(A) पुष्पलता, छाया, चित्रशाला (भाग-1), चिनगारियाँ
(B) चित्रशाला (भाग-1),पुष्पलता, छाया, चिनगारियाँ
(C) चिनगारियाँ छाया, पुष्पलता, चित्रशाला (भाग-1)
(D) छाया, पुष्पलता, चित्रशाला (भाग-1), चिनगारियाँ

उत्तर (D)

व्याख्या–

कहानी संग्रह	प्र0 वर्ष	कहानीकार
छाया	1912 ई.	जयशंकर प्रसाद
पुष्पलता		सुदर्शन
चित्रशाला (भाग1)	1924 ई.	विश्वम्भरनाथ शर्मा
चिनगारियाँ	1925 ई.	बेचन शर्मा 'उग्र'

30. निम्नलिखित उपन्यासों का सही कालानुक्रम है-

(A) नदी के द्वीप, देश द्रोही, शहर में घूमता आईना, तमस
(B) देश द्रोही, नदी के द्वीप, शहर में घूमता आईना, तमस
(C) तमस, देश द्रोही, शहर में घूमता आईना, नदी के द्वीप
(D) शहर में घूमता आईना, तमस, देशद्रोही, नदी के द्वीप

उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्र0 वर्ष	उपन्यासकार
देश द्रोही	1943	यशपाल
नदी के द्वीप	1951	अज्ञेय
शहर में घूमता आईना	1963	उपेन्द्रनाथ अश्क
तमस	1973	भीष्म साहनी

31. जगदीश चन्द्र के उपन्यासों का प्रकाशन-वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है -

(A) धरती धन न अपना, यादों का पहाड़, मुट्ठी भर कांकर, नरक कुण्ड में वास
(B) मुट्ठी भर कांकर, यादों का पहाड़, धरती धन न अपना, नरक कुण्ड में वास
(C) यादों का पहाड़, धरती धन न अपना, मुट्ठी भर कांकर, नरक कुण्ड में वास
(D) नरक कुण्ड में वास, मुट्ठी भर कांकर, यादों का पहाड़, धरती धन न अपना

उत्तर (C)

व्याख्या–जगदीश चन्द्र के उपन्यासों का सही क्रम–
यादों का पहाड़ (1966 ई.), धरती धन न अपना (1972 ई.), आधा पुल (1973 ई.), कभी न छोड़े खेत '1976 ई.), मिट्टी भर काँकर (1976 ई.), टुंडा लाट (1978 ई.), घास गोदाम (1985 ई.), नरक कुण्ड में वास (1994 ई.), लाट की वापसी (2000 ई.), जमीन तो अपनी थी (2001ई.)।

32. प्रकाशन-वर्ष के अनुसार निम्नलिखित ऐतिहासिक उपन्यासों का सही अनुक्रम है-

(A) मृगनयनी, एकदा नैमिषारण्ये, अनामदास का पोथा, अभिज्ञान
(B) एकदा नैमिषारण्यै, मृगनयनि, अभिज्ञान, अनामदास का पोथा
(C) मृगनयनी, अनामदास का पोथा, एकदा नैमिषारण्ये, अभिज्ञान
(D) अभिज्ञान, अनामदास का पोथा, मृगनयनी, एकदा नैमिषारण्ये

उत्तर (A)

निबन्ध संग्रह	प्र0 वर्ष	निबन्धकार
उपन्यास	**वर्ष**	**उपन्यासकार**
मृगनयनी	1950	वृन्दावन लाल वर्मा
एकदा नैमिषारण्ये	1972	अमृतलाल नागर
अनामदास का पोथा	1976	हजारी प्रसाद द्विवेदी
अभिज्ञान	1981	नरेन्द्र कोहली

33. निम्नलिखित कहानियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए -

सूची-I	सूची-II
(A) गुलबहार	(i) मास्टर भगवान दीन
(B) ग्यारह वर्ष का समय	(ii) गिरिजादत्त वाजपेयी
(C) पंडित और पंडितानी	(iii) रामचन्द्र शुक्ल
(D) कुंभ में छोटी बहू	(iv) किशोरीलालगोस्वामी
	(v) बंग महिला

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	iv	iii	ii	v
(D)	iv	iii	v	ii

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

कहानीकार	कहानी	वर्ष
किशोरीलाल गोस्वामी	गुलबहार	1902
रामचन्द्र शुक्ल	ग्यारह वर्ष का समय	1903
गिरिजादत्त वाजपेयी	पण्डित और पंडितानी	1903
बंग महिला	कुंभ में छोटी बहू	1906
भगवानदीन	प्लेग की चुड़ैल	1902

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

34. 'अंधा कुआँ' किसकी नाट्यकृति है?

(A) धर्मवीर भारती (B) लक्ष्मीनारायण लाल
(C) मोहन राकेश (D) सुरेन्द्र वर्मा

उत्तर (B)

व्याख्या–

नाटक	वर्ष	नाटककार
अंधा कुआँ	1955 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल
आधे-अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश
कैद-ए-हायात	1993 ई.	सुरेन्द्र वर्मा
नदी प्यासी थी	1954 ई.	धर्मवीर भारती

35. 'मल्लिका' किस नाटक की पात्र हैं?

(A) माधवी
(B) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(C) आषाढ़ का एक दिन
(D) आठवाँ सर्ग

उत्तर (C)

व्याख्या–

नाटक	पात्र	नाटककार
आषाढ़ का एक दिन (1958 ई0)	मल्लिका, अंबिका-स्त्रीपात्र कालीदास, विलोम, मातुल-पुरुष पात्र	मोहन राकेश
सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975 ई.)	शीलवती (इसमें नारीत्व की सार्थकता की तलाश की गई है।)	सुरेन्द्र वर्मा
आठवाँ सर्ग (1976ई.)	प्रियांगु	सुरेन्द्र वर्मा
माधवी (1985ई.)	माधवी-यह महाभारत की कथा पर आधारित है	भीष्म साहनी

36. इनमें से कौन-सा एकांकी भुवनेश्वर प्रसाद का है?

(A) राजपूत की हार (B) लक्ष्मी का स्वागत
(C) सबसे बड़ा आदमी (D) स्ट्राइक

उत्तर (D)

व्याख्या–

एकांकी	एकांकीकार
स्ट्राइक	भुवनेश्वर प्रसाद
राजपूत की हार	सुदर्शन
लक्ष्मी का स्वागत	उपेन्द्र नाथ अश्क
सबसे बड़ा आदमी	भगवती चरण वर्मा

37. 'विरुद्धों का सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है' किसकी धारणा है?

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) नगेन्द्र (D) राम विलास शर्मा

उत्तर (B)

व्याख्या–

धारणा	विचारक
विरुद्धों का सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौन्दर्य है-	रामचन्द्र शुक्ल
काव्य में अन्य भावों के उद्बोधन और मानव चरित्र के उन्नयन की शक्ति होनी चाहिए	महावीर प्रसाद द्विवेदी
रससिद्धान्त एक ऐसा व्यापक सिद्धान्त है, जिसमें इन वादों का विरोध मिट जाता है।	डॉ0 नगेन्द्र
भक्ति आन्दोलन एक जातिय एवं जनवादी आन्दोलन है।	रामविलास शर्मा

38. निम्नलिखित नाटकों का प्रकाशन-वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है-

(A) कबिरा खड़ा बाजार में, करफ्यू, डाक्टर, कोर्ट मार्शल
(B) डाक्टर, करफ्यू, कबिरा खड़ा बाजार में, कोर्ट मार्शल
(C) डाक्टर, कबिरा खड़ा बाजार में, कोर्ट मार्शल, करफ्यू
(D) करफ्यू डाक्टर, कोर्ट मार्शल, कबिरा खड़ा बाजार में

उत्तर (B)

व्याख्या-

नाटक	प्र0 वर्ष	नाटककार
डाक्टर	1958 ई.	विष्णु प्रभाकर
करफ्यू	1972 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल
कबिरा खड़ा बाजार में	1981 ई.	भीष्म साहनी
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक

39. निर्मल वर्मा के निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों का प्रकाशन काल के अनुसार सही अनुक्रम है-

(A) शब्द और स्मृति, कला का जोखिम, ढलान से उतरते हुए, आदि अंत और आरम्भ
(B) कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, ढलान से उतरते हुए, आदि अंत और आरम्भ
(C) ढलान से उतरते हुए, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, आदि अंत और आरम्भ
(D) आदि अंत और आरम्भ, ढलान से उतरते हुए, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–निर्मला वर्मा के निबन्धों का सही अनुक्रम है-चीड़ों पर चाँदनी (1964 ई.), हर बारिश में (1970ई.) शब्द और स्मृति (1976 ई.) कला का जोखिम (1981 ई.) ढलान से उतरते हुए (1985 ई.), भारत और यूरोप प्रतिश्रुति के क्षेत्र (1991ई.) शताब्दी के ढ़लते वर्षा में (1995 ई.) दूसरे शब्दों में (1997 ई.) आदि अंत और आरम्भ (2001 ई.)।

40. निम्नलिखित नाटकों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) भारत दुर्दशा	(i) ज्वाला प्रसाद मिश्र
(B) मयंक मंजरी	(ii) जयशंकर प्रसाद
(C) रुक्मिणी परिणय	(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(D) सीता वनवास	(iv) किशोरीलाल गोस्वामी
	(v) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	v	iii	i
(B)	iii	iv	v	i
(C)	ii	iii	i	iv
(D)	v	i	ii	iii

उत्तर (B)

व्याख्या–

नाटककार	नाटक	वर्ष
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	भारत दुर्दशा	1880
किशोरी लाल गोस्वामी	मयंक मंजरी	1891
हरिऔध	रूक्मणि परिणय	1894
ज्वाला प्रसाद मिश्र	सीता वनवास	1895
प्रसाद	सज्जन	1910

41. निम्नलिखित निबंध संग्रहों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) साहित्य का श्रेय और प्रेम	(i) दिनकर
(B) आलोक पर्व	(ii) रामविलास शर्मा
(C) रेती के फूल	(iii) जैनेन्द्र
(D) आस्था और सौन्दर्य	(iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी
	(v) अज्ञेय

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	i	ii
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	i	ii	iii	v
(D)	ii	v	i	iv

उत्तर (B)

व्याख्या–

लेखक	निबन्ध संग्रह	वर्ष
जैनेन्द्र	साहित्य का श्रेय और प्रेम	1953
हजारी प्रसाद द्विवेदी	आलोक पर्व	1972
दिनकर	रेती के फूल	1954
रामविलास शर्मा	आस्था और सौन्दर्य	1961
अज्ञेय	केन्द्र और परिधि	1984

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

42. ध्वनि सिद्धान्त के आचार्य हैं-

(A) आनंदवर्धन (B) वामन
(C) मम्मट (D) विश्वनाथ

उत्तर (A)

व्याख्या–

आचार्य	सिद्धांत
आनन्दवर्धन	ध्वनि सिद्धान्त
वामन	रीति सम्प्रदाय
आचार्य विश्वनाथ	रसवादी
आचार्य मम्मट	ध्वनिवादी

43. भारतीय काव्य शास्त्र में रसगत दोषों की संख्या कितनी मानी गयी है?

(A) 5 (B) 10
(C) 25 (D) 20

उत्तर (B)

व्याख्या– भारतीय काव्यशास्त्र में रसगत दोषों की संख्या 10 मानी गयी है।

44. नाट्यशास्त्र से सम्बद्ध निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम है-

(A) भाव प्रकाशन, दशरूपक, नाट्यदर्पण, अभिनव भारती
(B) नाट्यदर्पण, दशरूपक, भाव प्रकाशन, अभिनव भारती
(C) दशरूपक, अभिनव भारती, नाट्यदर्पण, भाव प्रकाशन
(D) अभिनव भारती, दशरूपक, नाट्यदर्पण, भाव प्रकाशन

उत्तर (D)

व्याख्या–

ग्रन्थ	समय	रचनाकार
अभिनव भारती	10वीं शदी का उत्तरार्द्ध	अभिनव गुप्त
दशरूपक	11वीं शदी का पूर्वार्द्ध	धनंजय
नाट्यदर्पण	12वीं शदी	रामचन्द्र-गुणचन्द्र
भाव प्रकाशन	13वीं शदी	शारदा तनय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, क्रोंचे, आई. ए. रिचर्ड्स, नयी समीक्षा

45. 'काव्य-सर्जन एक प्रकार के ईश्वरीय उन्माद का परिणाम है। यह कथन किसका है?

(A) कॉलरिज (B) प्लेटो (C) अरस्तू (D) क्रोचे

उत्तर (B)

व्याख्या–

कथन	वक्ता
काव्य सर्जन एक प्रकार के ईश्वरीय उन्माद का परिणाम है-	प्लेटो
भाव अनुभूति या संवेदना की मनोदशा का नाम है।	अरस्तू
भाषा मानव मन का शास्त्रागार है।	कॉलरिज
कला वस्तु में नहीं होती बल्कि वस्तु द्वारा अभिव्यक्ति रूप में होती है।	क्रोचे

46. 'जादुई यथार्थवाद' (Magical Realism) शब्द का सबसे पहले प्रयोग किसने किया?

(A) गैब्रियल गार्सिया मार्क्वेज (B) जुआन रूफो
(C) फ्रेन्ज रोह (D) जार्ज साइको

उत्तर (C)

व्याख्या–जादुई यथार्थवाद शब्द अंग्रेजी के मौजिक रियलिज्म का हिन्दी रूपान्तरण है। सर्वप्रथम 'फ्रेन्ज रोह' ने जर्मनी चित्रकारों के चित्रों का विश्लेषण करते हुए इस शब्द का प्रयोग किया था। जादुई यथार्थवाद का प्रतिष्ठापक 'बुआलो' के माना जाता है।

47. इनमें से मार्क्सवादी विचारक नहीं है ?

(A) जोसेफ एडीसन (B) लुकाच
(C) राल्फ फॉक्स (D) कॉडवेल

उत्तर (A)

व्याख्या–काल मार्क्स, लुकाच, काडवेल, ब्लाक, बेंजामिन, गोल्डमन एडार्नो आदि मार्क्सवादी विचारक हैं।
जोसेफ एडीसन' ये अंगेजी भाषा के निबंधकार, नाटककार, कवि, और राजनीतिज्ञ थे। इन्होंने अपने मित्र रिचर्ड स्टील के साथ (Spectator) पत्रिका की शुरुआत की थी।

48. इनमें से कौन-सा कथन सत्य है?

(A) प्लेटों की दृष्टि यथार्थपरक थी, अरस्तू की आदर्शपरक।
(B) प्लेटों और अरस्तू दोनों की ही दृष्टि आदर्शपरक थी।
(C) प्लेटो की दृष्टि आदर्शपरक थी, अरस्तू की यथार्थ परक।
(D) प्लेटो और अरस्तू दोनों की दृष्टि यथार्थपरक थी।

उत्तर (C)

व्याख्या–प्लेटों प्रत्ययवादी या आत्मवादी दार्शनिक था। वह आदर्श राज्य के कवि या साहित्यकार के निष्कासन की बात करता था। अरस्तू यथार्थवादी था उसके त्रासदी को विशेष महत्व दिया।

49. संवेदनशीलता का असाहचर्य (Dissociation of Sensibility)- यह अवधारणा किसकी है?

(A) आई.ए. रिचर्ड्स (B) जार्ज लुकाच
(C) टी.एस. इलियट (D) एफ.आर. लीविस

उत्तर (C)

व्याख्या–

अवधारणा	प्रवर्तक
संवेदनशीलता का असाहचर्य, मूर्तविधान	टी. एस. इलियट
मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेसण सिद्धांत	आई. ए. रिचर्ड्स
महान यथार्थवाद	जार्ज लुकाच

50. टी.एस. के आलोचना-ग्रन्थों का सही अनुक्रम है-

(A) द सेक्रेड वुड, एलिजाबेथेन एसेज, एसेजः एन्सियेंट एण्ड माडर्न
(B) एलिजाबेथेन एसेज, सेक्रेड वुड, सेलेक्टेड एसेज, एसेजः एन्सियेंट एण्ड माडर्न
(C) सेलेक्टेड एसेज, द सेक्रेड वुड, एलिजाबेथेन एसेज, एसेजः एन्सियेंट एण्ड माडर्न
(D) एसेजः एन्सियेंट एण्ड माडर्न, सेलेक्टेड एसेज, द सेक्रेड वुड, एलिजाबेथेन एसेज

उत्तर (A)

व्याख्या–टी.एस. इलियट के आलोचना ग्रन्थों का सही अनुक्रम : द सेक्रेड वुड (1920ई.) होमेज टु जॉन ड्राइडन (1924 ई.) एलिजाबेथेन एसेज (1932 ई.) द यूज ऑफ पोएट्री एण्ड द यूज ऑफ क्रिटिसिज्म (1933 ई.) सेलेक्टेड एसेज (1934 ई.) और एसेज एन्सियेट एण्ड माडर्न (1936 ई.) है।

51. निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) लिरिकल बैलड्स	(i) क्रोचे
(B) बायोग्राफिया लिटरेरिया	(ii) कॉलरिज
(C) एस्थेटिक	(iii) वड्सर्वर्थ
(D) दि फाउन्डेशन्स ऑफ एस्थेटिक्स	(iv) इलियट एस्थेटिक्स
	(v) रिचर्ड्स

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	v
(B)	ii	i	iii	v
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	v	i	iv	iii

उत्तर (A)

व्याख्या–

ग्रंथ	वर्ष	लेखक
लिरिकल बैलड्स	1798	वड्सवर्थ
बायोग्राफिया लिटरेरिया	1817	कॉलरिज
एस्थेटिक्स	1902	क्रोचे
दि फाउन्डेशन ऑफ एस्थेटिक्स	1922	रिचर्ड्स
दि सेक्रेड वुड	1920	इलियट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

अन्य तथ्य विविधा

52. हिन्दी साहित्य का इतिहास सर्वप्रथम किस भाषा में लिखा गया था?

(A) अंग्रेजी (B) हिन्दी
(C) फ्रेंच (D) जर्मन

उत्तर (C)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास ग्रंथ 'इस्त्वार द लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी'' के लेखक फ्रेंच विद्वान गार्सा द तासी हैं। इसकी भाषा 'फ्रेंच' है, यह पुस्तक 'दो भागों' में विभक्त है जिसका प्रकाशन क्रमशः (1839ई.) तथा (1847ई.) में हुआ।
यह ग्रंथ ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैण्ड की प्राच्य साहित्य अनुवाद समिति की ओर से 'पेरिस' में मुद्रित किया गया।
'इस्त्वार लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी' द्वितीय संस्करण में तीन भागों में विभक्त हो गया जिसका प्रकाशन सन् (1871ई.) में हुआ।
इस ग्रंथ में हिन्दी और उर्दू कवियों की संख्या 72 तथा 666 है यह ग्रंथ 'वर्ण क्रमानुसार' कवियों का वर्णन करता है।
डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय ने तासी के ग्रंथ का हिन्दी अनुवाद 'हिन्दुई साहित्य का इतिहास' नाम से प्रकाशन सन् (1952 ई.) में कराया।
ऐन्दुई- हिन्दवी (हिन्दी) और ऐन्दुस्तानी- हिन्दुस्तानी (उर्दू) अर्थप्रकट होता है, तासी जी उर्दू भाषा के समर्थक थे।

53. 'शाश्वती' डायरी के लेखक हैं-

(A) दिनकर (B) बच्चन
(C) रघुवीर सहाय (D) अज्ञेय

उत्तर (D)

व्याख्या-

डायरी	लेखक
शाश्वती	अज्ञेय
प्रवासी की डायरी	हरिवंश राय बच्चन
दिनकर की डायरी	दिनकर
दिल्ली मेरा परदेश	रघुवीर सहाय

**54. 'शब्द जादू है-
मगर क्या यह समर्पण कुछ नहीं है ?
ये पंक्तियाँ किस रचनाकार की हैं?**

(A) गजानन माधव मुक्तिबोध
(B) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(C) शमशेर बहादुर सिंह
(D) रघुवीर सहाय

उत्तर (B)

व्याख्या–

पंक्ति	रचनाकार
शब्द जादू है.......कुछ नहीं है।	अज्ञेय
कविता में कहने की आदत नहीं है पर कह दूं। वर्तमान समाज चल नहीं सकता।	मुक्तिबोध
बात बोले गी हम नहीं। भेद खोलेगी बात ही।।	शमशेर बहादुर सिंह
मैं अपनी एक मूर्ति बनाता हूँ और एक ढ़हाता हूँ।	रघुवीर सहाय

55. 'छप्पर' के लेखक हैं-

(A) ओमप्रकाश बाल्मीकि (B) मोहनदास नैमिशराय
(C) सूरजपाल चौहान (D) जयप्रकाश कर्दम

उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	वर्ष	लेखक	विधा
छप्पर	1994 ई.	जयप्रकाश कर्दम	उपन्यास
आवाजें	1997 ई.	मोहनदास नैमिशराय	कहानी
हैरी कब आयेगा	1999 ई.	सूरजपाल चौहान	कहानी
सलाम	2000 ई.	ओमप्रकाश बाल्मीकि	कहानी

56. निम्नलिखित में से कौन-सी उक्ति निबन्धकार रामचन्द्र शुक्ल की नहीं है?

(A) हृदय-प्रसार का स्मारक स्तंभ काव्य है।
(B) काव्य एक अखंड तत्त्व या शक्ति है, जिसकी गति अमर है।
(C) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है।
(D) धर्म की रसात्मक अनुभूति का नाम भक्ति है।

उत्तर (B)

व्याख्या–काव्य एक अखण्ड तत्त्व या शक्ति है, जिसकी गति अमर है। यह उक्ति 'शुक्ल' जी की नहीं है।

57. 'भारतेंदुबाबू हरिश्चन्द्र का जीवन-चरित' ग्रन्थ के रचनाकार हैं-

(A) राधाकृष्णदास (B) श्यामसुंदर दास
(C) श्रीधर पाठक (D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

उत्तर (A)

व्याख्या–

जीवनी	वर्ष	रचनाकार
भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र का जीवन चरित	1904 ई.	राधाकृष्णदास
प्राचीन पंडित और कवि	1918 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी

58. 'विभक्ति विचार' नामक पुस्तक की रचना किसने की थी?

(A) माधवप्रसाद मिश्र (B) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(C) गोविन्द नारायण मिश्र (D) कामता प्रसाद गुरू

उत्तर (C)

व्याख्या-

पुस्तक	रचनाकार
विभक्ति विचार	गोविन्द नारायण मिश्र,
रामलीला	माधव प्रसाद द्विवेदी
भाषा और व्याकरण	महावीर प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी व्याकरण	कामता प्रसाद गुरू

59. निम्नलिखित में से स्वकीया नायिका का भेद कौन-सा नहीं है?

(A) मध्या (B) मुग्धा
(C) प्रौढ़ा (D) वासकसज्जा

उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या—विनय, सरलता, सुशील आदि गुणों से युक्त गृह कार्यों में तत्पर पवित्रता स्त्री का स्वकीया नायिका कहते हैं। इसके मुख्य 3 भाग किये जाते हैं। (1) मुग्धा, (2) मध्या, (3) प्रगल्भा। प्रगल्भा का अर्थ है प्रौढ़ा। अतः वासक सज्जा स्वकीया नायिका भेद नहीं है। भरत मुनि ने नायिकों के भेदों की संख्या 8 बतायी है।

60. निम्नलिखित ग्रंथों का सही कालानुक्रम है-

(A) कवि कह गया है, जनांतिक, मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना, प्रेमचन्द और उनका युग
(B) मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना, जनांतिक, प्रेमचन्द और उनका युग, कवि कह गया है
(C) प्रेमचन्द और उनका युग, जनांतिक, मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना, कवि कह गया है
(D) जनांतिक, प्रेमचन्द और उनका युग, मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना, कवि कह गया है

उत्तर (C)

व्याख्या-

ग्रन्थ	वर्ष	रचनाकार
प्रेमचन्द और उनका युग	1952 ई.	रामविलास शर्मा
जनांतिक	1981 ई.	नेमिचन्द्र जैन
मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना	1993 ई.	नन्दकिशोर नवल
कवि कह गया है	2000 ई.	अशोक वाजपेयी

61. हिन्दी काव्यशास्त्र की निम्नलिखित कृतियों का सही कालानुक्रम है-

(A) श्रृंगार निर्णय, रसराज, रसिकानंद, रसकलस
(B) रसराज, श्रृंगारनिर्णय, रसिकानंद, रसकलस
(C) रसराज, रसिकानंद, रसकलस, श्रृंगारनिर्णय
(D) रसिकानंद, रसराज, श्रृंगार निर्णय, रसकलस

उत्तर (B)

व्याख्या-

कृति	समय	रचनाकार
रसराज	1633-34 ई.	मतिराम
श्रृंगार निर्णय	1807 ई.	भिखारीदास
रसिकानंद	1822 ई.	ग्वाल
रसकलस	1931 ई.	हरि औध

62. निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(a) सर्वंगी	(i) मलूकदास
(b) ग्यानबोध	(ii) धरणीदास
(c) प्रेमप्रगास	(iii) रज्जब
(d) शब्दसागर	(iv) दादूदयाल
	(v) बूला साहब

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	iii	i	ii	v
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	i	iv	v	ii

उत्तर (B)

व्याख्या–

ग्रंथ	लेखक	भाषा
सर्वांगी	रज्जब	राजस्थानी मिश्रित 'ब्रज'
ग्यानबोध	मूलकदास	'अवधी'
प्रेमप्रगास	धरणीदास	
शब्द सागर	बुला साहब	
अंगबधू	दादूदयाल	राजस्थानी, खड़ी बोली, मिश्रित 'ब्रज'

63. रीतिकाल की निम्नलिखित खड़ीबोली गद्य रचनाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) सुरासुरनिर्णय	(i) रामप्रसाद निरंजनी
(B) भाषायोग वाशिष्ठ	(ii) दीपचन्द जैन
(C) भाषा पद्म पुराण	(iii) हरि जी
(D) चिद्विलास	(iv) दौलतराम जैन
	(v) मुंखी सदासुखलाल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	1	v
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	v	i	iv	ii
(D)	i	iv	ii	v

उत्तर (C)

व्याख्या–

गद्य रचना	रचनाकार
सुरासुर निर्णय	मुंशी सदासुख लाल
भाषा योग वशिष्ट	रामप्रसाद निरंजनी
भाषा पद्य पुराण	दौलतराम जैन
चिद्विलास	दीपचंद जैन

64. निम्नलिखित कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) नया साहित्य : नये प्रश्न	(i) देवराज उपाध्याय
(B) रस सिद्धांत	(ii) शिवकुमार मिश्र
(C) मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन	(iii) आनन्द प्रकाश दीक्षित
(D) रोमांटिक साहित्य शास्त्र	(iv) नंददुलारे वाजपेयी
	(v) नगेन्द्र

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	ii	i
(B)	iv	v	ii	i
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

कृति	वर्ष	लेखक
नया साहित्य : नये प्रश्न	1955 ई.	नंददुलारे वाजपेयी
रस सिद्धांत	1964 ई.	नगेन्द्र
मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	1973 ई.	शिवकुमार मिश्र
रोमांटिक साहित्य शास्त्र	1951 ई.	देवराज उपाध्याय
काव्य में रस	1956 ई.	आनन्द प्रकाश दीक्षित

कथोपकथन

निर्देश: प्रश्न संख्या 65 से 75 तक के प्रश्नों के दो कथन दिये गये हैं। इनमें से एक स्थापना (A) और दूसरा तर्क (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए-

65. स्थापना (Assertion) (A) : मनुष्य के लिए कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियों में, किसी न किसी रूप में पायी जाती है।

तर्क (Reason) (R) : इसलिए कविता की जरूरत मनुष्य जाति को हमेशा रहेगी।

(A) (A) सही (R) सही (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर (A)

व्याख्या–मनुष्य के लिए कविता वास्तव में बहुत ही प्रयोजनीय (प्रयोग में लाये जाने योग्य/उपयोगी) है। यह संसार की सभी सभ्य-असभ्य जातियों में किसी न किसी रूप में पायी जाती है। उसकी महत्वपूर्ण उपयोगिता मनुष्य जाति में हमेशा बनी रहेगी।

66. स्थापना (Assertion) (A) : वैचारिक स्वतन्त्रता साहित्यकार को व्यापक सामाजिक सत्य और संवेदना से विमुख करती है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि विचारबद्धता उसकी संवेदनात्मक अभिव्यक्ति को सर्वस्वीकृति सामाजिक विस्तार देती है।

(A) (A) सही (R) सही (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–वैचारिक स्वतन्त्रता साहित्यकार को रूढ़ियों एवं कुप्रभावों से अलग और दूर तक सोचने का अवसर देती है। यह सामाजिक सत्य और संवेदना से विमुख न करके उस पर पुनर्विचार का मार्ग प्रशस्त करती है। विचारबद्धता से मौलिक वैचारिकता का हनन होता है जिससे कुछ नया होने या करने की सम्भावना समाप्त हो जाती है। विचारबद्धता अभिव्यक्ति को सर्वस्वीकृति सामाजिक विस्तार नहीं देती है।

67. स्थापना (Assertion) (A) : कवियों ने लोकरक्षा के विधान में करुणा को ही बीज भाव माना है। करुणा से रक्षा का विधान होता है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि कविता में अभिव्यक्त अन्य भाषों में लोकरक्षा का विधान नहीं पाया जाता।

(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर (B)

व्याख्या–लोकरक्षा या जनमानस या संसार की रक्षा के लिए मानव में संवेदनात्मक विकास आवश्यक है। इसमें भी सबसे प्रमुख भाव करुणा ही है। करुणा के द्वारा रक्षा का विधान करना सम्भव है। कविता में अभिव्यक्त अन्य भावों द्वारा भी नहीं यह तो भाव है एक मात्र भाव नहीं।

68. स्थापना (Assertion) (A) : मिथक सार्वकालिक और सार्वदेशिक होते हैं

तर्क (Reason) (R): इसीलिए मिथक के माध्यम से किसी भी समय और समाज के अन्तर्विरोध और संवेदना की अभिव्यक्ति सम्भव है।

(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) गलत
(D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर (D)

व्याख्या–मिथक सर्वकालीन (सभी कालों/समय में) और सर्वदेशिक (सभी देशों में) एक साथ और एक समान नहीं होते हैं। इसलिए मिथक के माध्यम से किसी भी समय और समाज में अन्तर्विरोध और संवेदना की अभिव्यक्ति सम्भव है।

69. स्थापना (Assertion) (A) : नाद सौन्दर्य से कविता की आयु नहीं बढ़ती।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नाद सौन्दर्य का योग कविता का पूर्ण स्वरूप खड़ा करने के लिए कुछ-न-कुछ आवश्यक होता है।

(A) (A) गलत और (R) सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) गलत
(D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर (A)

व्याख्या–नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है। नाद सौन्दर्य कविता को पूर्ण रूप प्रदान करने में आवश्यक होता है बिना इसके कविता पूर्णता को नहीं प्राप्त कर पाती।

70. स्थापना (Assertion) (A) : मरणासन्न महाकाव्य के गर्भ से उपन्यास का जन्म हुआ है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि उपन्यास का उदय पश्चिम में मध्यवर्ग के उदय के साथ हुआ।

(A) (A) गलत और (R) गलत
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) सही और (R) सही

उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–महाकाव्य और उपन्यास का विस्तार फलक लगभग समान है। महाकाव्य के अवसान की पृष्ठभूमि पर उपन्यास का जन्म हुआ और महाकाव्य का स्थान उपन्यास ले चुका है। उपन्यास पश्चिम मध्यवर्ग से उत्पन्न हुआ और वहाँ से 'बंगला साहित्य' से होते हुए हिन्दी में आया।

71. स्थापना (Assertion) (A) : साधारणीकरण की प्रमुख आधारशिला मानव सुलभ समानानुभूति है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मानव सुलभ समानानुभूति स्वाभाविक मानवीय प्रवृत्ति है, जिसे भारतीय दर्शन का बल भी प्राप्त है

(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) सही और (R) सही
(C) (A) गलत और (R) गलत
(D) (A) गलत और (R) सही

उत्तर (B)

व्याख्या–विशिष्ट को सामान्य करना ही साधारणीकरण है। साधारणीकरण का मुख्य बिन्दु मानव को सुलभ समान अनुभूति कराना है। वह समानानुभूति स्वाभाविक मानवीय प्रवृत्ति है। इस प्रवृत्ति को भारतीय दर्शन का भी सहयोग प्राप्त है। भारतीय आचार्य भट्टनायक' इसके जन्मदाता हैं।

72. स्थापना (Assertion) (A) : प्रसाद के नाटकों में रस और द्वन्द्व का आद्यन्त समन्वय हुआ है।

तर्क (Reason) (R) : कारण कि यह केवल उन पर पश्चिमी नाट्य चिन्तन के प्रभाव से ही सम्भव हुआ।

(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर (A)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद के नाटकों में रस और द्वन्द्व का आदि से अन्त तक समन्वय हुआ है। इस समन्वय में उन पर मात्र पश्चिम नाट्य चिंतन का ही प्रभाव नहीं है, बल्कि भारतीय नाट्य चिन्तन का भी प्रभाव है।

73. स्थापना (Assertion) (A) : आदर्श नागरिक को आत्म विकास करते हुए सारी धरती के सुख में ही अपना सुख मानना चाहिए।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि प्रत्येक नागरिक के व्यवहार की, उसकी अच्छाई-बुराई की मूल कसौटी समाज-कल्याण की भावना है।

(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत

उत्तर (A)

व्याख्या–आदर्श नागरिकों को आत्म विकास (अपना विकास) करते हुए सारी धरती (संसार) के सुख में ही अपना सुख मानना चाहिए और वह मानता है। प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने व्यवहार, अच्छाई-बुराई के मूल में समाज-कल्याण की भावना को चिन्हित करे।

74. स्थापना (Assertion) (A) : गोदान ग्रामीण जीवन का महाकाव्य है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि गोदान में समग्र युग-जीवन का चित्रण हुआ है।

(A) (A) गलत और (R) सही
(B) (A) सही और (R) सही
(C) (A) गलत और (R) गलत
(D) (A) सही और (R) गलत

उत्तर (D)

व्याख्या–'गोदान' प्रेमचन्द' का रचित उपन्यास है। इसमें किसान ग्रामीण जीवन का चित्रण है। तथा इसे ग्रामीण जीवन का महाकाव्य भी कहा जाता है। इसमें समग्र-युग जीवन का चित्रण नहीं बल्कि किसान ग्रामीण जीवन एवं जमींदारी प्रथा का चित्रण किया गया है।

75. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) उज्जवल नील मणि	(i) अप्पय दीक्षित
(B) कुवलयानन्द	(ii) विश्वनाथ
(C) साहित्य दर्पण	(iii) रूप गोस्वामी
(D) रस गंगाधर	(iv) जयदेव
	(v) पण्डितराज जगन्नाथ

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	v	iii	iv	i
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	iii	i	ii	v

उत्तर (D)

काव्यशास्त्री ग्रंथ	समय	आचार्य
उज्ज्वल नीलमणि	15-16वीं शती	रूपगोस्वामी
कुवलयानन्द	16वीं शती	अप्पय दीक्षित
साहित्य दर्पण	14वीं शती	विश्वनाथ
रस गंगाधर	17वीं शती	पंडित जगन्नाथ
चन्द्रालोक	13वीं शती	जयदेव

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2014

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णांक: 100

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. कंठ्योष्ठय ध्वनि का उदाहरण है

(A) औ (B) ए
(C) क (D) त

उत्तर (A)

व्याख्या–अ+उ =ओ तथा अ+ओ = 'औ' इस प्रकार 'अ' का उच्चारण स्थान 'कण्ठ' तथा 'उ' का उच्चारण स्थान 'ओष्ठ से बना है।
'ए' वर्ण का उच्चारण स्थान कण्ठ और तालु है। योग (अ+इ = ए/अ+ए = ऐ)
'क' वर्ण का उच्च्वारण स्थान 'कण्ठ' है। अन्य (अ, आ, क वर्ग, ह, विसर्ग (:) आते हैं।
'त' वर्ण का उच्चारण स्थान 'दन्त' है। अन्य (लृ, त वर्ग, ल, स ये सभी दन्त हैं।

2. पश्चिमी हिन्दी की दो बोलियों का सही युग्म है

(A) कन्नौजी- अवधी (B) ब्रज -बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी- बाँगरू (D) खड़ी बोली-बुन्देली

उत्तर (D)

व्याख्या–पश्चिमी बोली की निम्न बोलियाँ- खड़ी बोली (कौरवी) हरियाणवी (बागरू) ब्रज, बुन्देली, कन्नौज आती है।
'पूर्वी बोली' में (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) आती है।
'बिहारी बोली' में-मगही, मैथिली, भोजपुर क्षेत्र में बोली जाती है।
पहाड़ी बोली में- कुँमाउनी, गढ़वाली क्षेत्र में बोली जाती है।

3. शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होने की योग्यता प्राप्त करता है, तो उसे कहा जाता है

(A) वाक्य (B) ध्वनि
(C) पद (D) समास

उत्तर (C)

व्याख्या–भाषा की सार्थक लघुत्तम इकाई शब्द है, जबकि भाषा की सबसे छोटी इकाई 'ध्वनि' है।
'वाक्य' भाषा की पूर्ण सार्थक इकाई है। इसलिए जब शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे 'पद' कहते हैं।

4. अर्धमागधी अपभ्रंश से विकसित बोली है

(A) बाँगरू (B) बघेली
(C) ब्रजभाषा (D) भोजपुरी

उत्तर (B)

व्याख्या–अर्धमागधी से विकसित बोली भिन्न है। अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी शौरसेनी से विकसित बोली-पश्चिमी बोली-खड़ी बोली, (बागरू) हरियाणवी, कन्नौजी, बुन्देली, ब्रज है।
मागधी अपभ्रंश से विकसित बोली-भोजपुरी, मैथिली मगही, बंगला उडीसा, असमिया है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

5. 'प्रेमवाटिका' किसकी काव्यकृति है ?

(A) रसखान (B) नागरीदास
(C) आलम (D) भातेन्दु हरश्चिन्द्र

उत्तर (A)

व्याख्या–रसखान प्रेमवाटिका (1614) 53 दोहों की लघु काव्य कृति है। इसमे राधा-कृष्ण को मालिन-माली मानकर प्रेमोद्योग का वर्णन किया गया है। रसखान का मूलनाम (सैयद इब्राहीम) था।
आलम-ये रीतिमुक्त धारा के कवि हैं। 'प्रेम की पीर या इश्क का दर्द' इनके एक-एक वाक्य में मिलता है, इनकी प्रमुख रचना - **आलम केलि, माधवानलकामकंदला सुदामा चरित,**
नगरीदास-की प्रमुख रचना 'इश्कचमन' है। बणीढ़णी इनकी पत्नी थी।
भारतेन्दु जी- इनको गद्य के प्रवर्तक के रूप में जाना जाता है, इनके काव्य ग्रंथों की संख्या 70 है। इनके प्रमुख काव्य संग्रह- भक्ति, सर्वस्य, कार्तिक स्नान, प्रेम सरोवर, प्रेममाधुरी होली, वर्षा विनोद।

6. 'प्रेमसागर' के लेखक हैं

(A) ईशा अल्लाह खाँ (B) सदल मिश्र
(C) लल्लूजी लाल (D) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर (C)

व्याख्या–प्रेमसागर 1810 ई0 में लल्लूलाल द्वारा रचित महा कृति है।
इंसा अल्ला खाँ- की रचना 'रानी केतकी की कहानी' है या उदयभान चरित (1808)
सदल मिश्र- 'नासिकेतोपाख्यान' या चन्द्रावती (1803) है।
बालकृष्ण भट्ट-नलदमयंती स्वयंवर, वेणीसंहार 1909, नई रोशनी का विष है 1884। सच्ची समालोचना (1886)

**7. ''ज्ञान दूर कुछ क्रिया भिन्न है
इच्छा क्यों पूरी हो मन की,
एक दूसरे से न मिल सके
यह विडंबना है जीवन की।''
इन काव्य-पंक्तियों के रचनाकार हैं:**

(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानंदन पन्त
(C) अज्ञेय (D) रामनरेश त्रिपाठी

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–पंक्ति-ज्ञान दूर कुछ ......यह विडम्बना है जीवन की (यह पंक्ति प्रसाद जी की है इसमें कर्मवाद के प्रधान पर बल दिया गया है।
* यों मैं कवि हूँ आधुनिक हूँ, नया हूँ- यह पक्ति 'सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय' की है।
* पराधीन रहकर अपना सुख शोक न कह सकता है। स्वच्छन्दवादी कवि रामनरेश त्रिपाठी की पंक्ति है।

8. 'भाषा काव्य संग्रह' किसकी कृति है

(A) महेशदत्त शुक्ल (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) देवीदत्त शुक्ल (D) श्यामबिहारी मिश्र

उत्तर (A)

रचना	वर्ष	विधा	लेखक
भाषा का संग्रह	1873	साहित्य का इतिहास	महेश दत्त शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929	,, ,,	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
मिश्र बन्धु विनोद	1913 चतुर्थ संस्करण (1934)	,, ,,	मिश्र बन्धु 1.श्यामबिहारी 2.सुखदेव बिहारी 3.गणेश बिहारी

9. वल्लभाचार्य का 'वेदांत सूत्र' पर लिखा प्रसिद्ध ग्रंथ है

(A) पुष्टिमार्ग रहस्य (B) आनन्द भाष्य
(C) अणु भाष्य (D) सृष्टि हस्य

उत्तर (C)

व्याख्या–बल्लभाचार्य की रचना अणु भाष्य वेदान्त सूत्र पर आधारित (अपूर्ण) कृति है। इनकी प्रमुख रचना पूर्व मीमांसा भाष्य, उत्तर मीमांसा भाष्य, ब्रह्मसूत्र भाष्य, तत्त्वदीप है।

10. ''पानी परात को हाथ छुयौ नहि
नैनन के जल सों पग धोए।।''
किस कवि की पंक्तियाँ हैं ?

(A) सूरदास (B) रहीम
(C) गंग कवि (D) नरोत्तमदास

उत्तर (D)

व्याख्या-

पंक्तियां	पंक्तिकार
पानी परात .... पग धोए	नरोत्तमदास
मेरे नैना विरह की बेल वई	सूरदास
उत्तम जाति है ब्राह्मनी देखत चित्त लुभाय	रहीमदास
कबहुँ न भडुआ रन चढ़े कबहुँ न बाजी बंक	गंगकवि

11. तुलसीदास के गुरू थे

(A) रामानंद (B) हनुमत् शास्त्री
(C) नरहर्यानन्द (D) रामानुजाचार्य

उत्तर (C)

व्याख्या–लोकनायक तुलसीदास के दीक्षा गुरू- नरहर्यानन्द, और शिक्षा गुरू शेषसनातन थे, गुरू परम्परा नरहर्यानन्द-रामानन्द-राघवानन्द जी हैं।

12. 'कवित्त रत्नाकर' किस कवि की कृति है?

(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) पद्माकर (D) सेनापति

उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार	विशेष
कवित्त रत्नाकर	सेनापति	ये प्रकृति चित्रण और ऋतु वर्णन के प्रसिद्ध कवि थे इनके गुरू का नाम 'हीरामणि' था
काव्य निर्णय	भिखारीदास	इनका उपनाम 'दास' था, इस रचना में काव्य के सर्वांगीण अंगों, ध्वनि, रस, अलकार, गुण, दोष आदि का वर्णन किया गया है ये इनकी प्रमुख काव्य कृति है।
रामचन्द्रिका	केशवदास	इनका समय 1602 ई0 है, इसमें 39 प्रकाशों में राम के चरित्र का वर्णन किया गया है, यह प्रबंध काव्य है।
प्रबोध पचासा	पद्माकर	इसमें भक्ति भक्तिमाहात्म्य का वर्णन किया गया है पचासा शैली का आरम्भ इसी से हुआ है।

13. 'उत्तर कबीर' नामक कविता किस कवि की है?

(A) केदारनाथ सिंह (B) अशोक बाजपेयी
(C) कुँवर नारायण (D) ज्ञनेन्द्रपति

उत्तर (A)

व्याख्या–

रचना	पुरस्कार	वर्ष	लेखक
उत्तर कबीर	व्यास सम्मान	1997	केदारनाथ सिंह
आत्मजयी	व्यास सम्मान	1995	कुँवरनारायण
कहीं नहीं वही	साहित्य अकादमी	1994	अशोक बाजपेयी
संशयात्मा	साहित्य अकादमी	2006	ज्ञानेन्द्र पति

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

14. 'अनघ' नाटक किस कवि ने लिखा है?

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) सुमित्रानन्दन पन्त (D) रामकुमार वर्मा

उत्तर (B)

व्याख्या–मैथिलीशरण गुप्त 'अनघ नाटक 1935ई0 में द्वारा लिखा गया गीतनाट्य है।
भारतेन्दु जी का भारत जननी नाटक 1877 ई0 में लिखा गया हिन्दी का पहला मौलिक ओपेरा गीत नाट्य है।
पंत जी का बचपन का नाम गोसई दत्त था इन्हें 'सवेदनशील इन्द्रिय बोध का कवि' कहा जाता है। इनके प्रमुख नाटक ज्योत्स्ना, रजत शिखर, सौवर्ण, शिल्पी, मानसी, अतिमा इत्यादि।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

रामकुमार वर्मा की प्रथम एकांकी संग्रह 'पृथ्वीराज की आँखें सन् 1936 में प्रकाशित हुई।

15. 'घुमक्कड़शास्त्र' के लेखक हैं
(A) रामवृक्ष बेनीपुरी (B) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(C) सत्यदेव परिव्राजक (D) राहुल सांकृत्यायन
उत्तर (D)

व्याख्या– घुमक्कड़ शास्त्र की रचना 'राहुल सांकृत्यायन' ने किया है इस रचना में यायावरों के जीवन का वर्णन किया गया है। यह रचना यात्रा साहित्य विधा की है।

यात्रासाहित्य	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
पैरों में पंख बाँधकर उड़ते चलो उड़ते चलो	1952 1954	रामवृक्ष बेनीपुरी
हमारी जापान यात्रा	1932	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
यात्री मित्र ज्ञान के उद्यान में	1936 1937	सत्यदेव परिव्राजक
किन्नर देश में चीन में कम्यून एशिया के दुर्गम भूखण्डों में रूस में पच्चीस मास	1948 1957 1956 1952	राहुल सांस्कृत्यायन

16. 'आत्म निरीक्षण' के लेखक हैं
(A) वियोगी हरि (B) गुलाब राय
(C) हरिभाऊ उपाध्याय (D) सेठ गोविंददास
उत्तर (D)

व्याख्या

आत्मकथा	सन्	लेखक
आत्मनिरीक्षण	1958	सेठ गोविन्ददास
मेरी असफलताएं	1946	बाबू गुलाब राय
साधना के पथ पर	1946	हरिभाऊ उपाध्याय
मेरा जीवन प्रवाह	1948	हरि प्रसाद द्विवेदी (वियोगी हरि)

17. 'पृथ्वी प्रदक्षिणा' के लेखक हैं
(A) मौलवी महेश प्रसाद (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) शिवप्रसाद गुप्त (D) सत्यमेव परिव्राजक
उत्तर (C)

व्याख्या–

रचना	सन्	विधा	लेखक
पृथ्वी प्रदक्षिणा	1914	यात्रावृत्तांत	शिवप्रसाद गुप्त
मेरी जर्मन यात्रा	1926	,, ,,	सत्यदेव पारिव्राजक
मेरी ईरान यात्रा	1930	,, ,,	मौलवी महेश प्रसाद
मेरी लद्दाख यात्रा	1939	,, ,,	राहुल सांकृत्यायन

(**नोट**-यात्रा साहित्य का सूत्रपात भारतेन्दु जी ने किया।)

18. इनमें से किस उपन्यास के लेखक अमृतलाल नागर नहीं हैं?
(A) सुहाग के नूपुर (B) मानस का हंस
(C) भूले बिसरे चित्र (D) बूँद और समुद्र
उत्तर (C)

व्याख्या–

रचना	सन्	लेखक	विषयवस्तु
भूले बिसरे चित्र	1959	भगवतीचरण वर्मा	इस उपन्यास में तीन पीढ़ियों के जीवन मूल्यों के परिवर्तन की कथा है।
सुहाग के नूपुर	1960	अमृतलाल नागर	इस रचना में मध्यकालीन कुलवधुओं और नगर वधुओं का वर्णन है
मानस के हंस	1972	अमृतलाल नागर	यह रचना तुलसीदास के जीवन पर आधारित है।
बूंद और समुद्र	1956	अमृतलाल नागर	इसमें लखनऊ के चौक के रूप में भारत की विभिन्न छवि का वर्णन किया गया है।

19. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक सुरेन्द्र वर्मा का नहीं है?
(A) एक दूनी एक (B) मादा कैक्टस
(C) सेतुबंध (D) कैद-ए-हयात
उत्तर (B)

व्याख्या–'मादा कैक्टस' 1959 ई. यह एक प्रतीकात्मक नाटक है इसके लेखक लक्ष्मीनारायण लाल हैं।
सेतुबंध-1972ई., सुरेन्द्र वर्मा यह रचना संस्कृत भाषा के वाकाटक वंश के नरेश प्रवर सेन द्वितीय की रचना सेतुबंधु पर आधारित है।
एक-दूनी-एक-1987ई.
कैद ए-हयात- 1993ई., सुरेन्द्र वर्मा- यह रचना उर्दू के प्रसिद्ध लेखक मिर्जा गालिब के जीवन पर आधारित है।

20. निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास राहुल सांकृत्यायन का नहीं है?
(A) सिंह सेनापति (B) जय यौधेय
(C) दिवोदास (D) व्यतीत
उत्तर (D)

उपन्यास	वर्ष	लेखक	विषयवस्तु
व्यतीत	1953	जैनेन्द्र कुमार (आनंदीलाल उपनाम)	

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सिंह सेनापति	1842	राहुल सांकृत्यायन	इसमें वैशाली और तक्षशिला के गणराज्यों की कथा वर्णित है।
जय यौधेय	1944	राहुल सांकृत्यायन	इस रचना में यमुना, सतलज और हिमालय के बीच स्थित यौधेय राज्य के अवसान की कथा का चित्रण है।
दिवोदास	1961	राहुल सांकृत्यायन	इसमें आर्यो के कुण्ठा रहित जीवन का वर्णन`।

तथ्य विविधा

21. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित जीवनियों का सही अनुक्रम है:

(A) व्योमकेश दरवेश, प्रेमचंद घर में, वटवृक्ष की छाया में, आवारा मसीहा
(B) आवारा मसीहा, वटवृक्ष की छाया में, प्रेमचंद घर में, व्योमकेश दरवेश
(C) वटवृक्ष की छाया में, व्योमकेश दरवेश, आवारा मसीहा, प्रेमचंद घर में
(D) प्रेमचंद घर में, आवारा मसीहा, वटवृक्ष की छाया में, व्योमकेश दरवेश

उत्तर (D)

जीवनी	प्रकाशन वर्ष	सम्बन्धित व्यक्ति	रचनाकार
प्रेमचन्द घर में'	1944	प्रेमचन्द	शिवरानी देवी
आवारा मसीहा	1974	शरतचन्द्र	विष्णु प्रभाकर
वटवृक्ष की छाया में	2006	अमृतलालनागर	कुमुद नागर
व्योंमकेश दरवेश	2011	हजारी प्रसाद द्विवेदी	विश्वनाथ त्रिपाठी

नोट-व्योमकेश दरवेश 2011 में डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी की संस्मरणात्मक कृति जिस पर 2013 का 23वाँ व्यास सम्मानदेने की घोषणा 5 फरवरी 2014 को की गयी।
शिवरानी देवी प्रेमचन्द की पत्नी तथा कुमुद नागर अमृतलाल नागर की पत्नी हैं।

22. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से प्रेमचंद के उपन्यासों का सही क्रम है।

(A) गोदान, निर्मला, कर्मभूमि, रंगभूमि
(B) रंगभूमि, निर्मला, गोदान, कर्मभूमि
(C) रंगभूमि, निर्मला, कर्मभूमि, गोदान
(D) रंगभूमि, कर्मभूमि, निर्मला, गोदान

उत्तर (C)

व्याख्या–रंगभूमि 1925 यह उर्दू उपन्यास 'चौगाने हस्ती' का रूपान्तरण किया गया, इसे प्रेमचन्द का पहला चरित्र प्रधान उपन्यास माना गया इसके प्रमुख पात्र हैं- सूरदास, जानसेवक, महेन्द्र कुमार, सोफिया और डॉ0 विनय।
निर्मला-1927 ई0 इसमें दहेज प्रथा एवं अनमेल विवाह की समस्या वर्णित है। इसमें प्रमुख पात्र-निर्मला, तोताराम।
कर्मभूमि-1933 इसके पाँचवे भाग में हिन्दु मुस्लिम एकता अछूतोद्धार किसानों का उत्थान, हरिजन समस्या इत्यादि का वर्णन है। पात्र-शान्तिकुमार, सुभद्रा, अमरकान्त
गोदान-1936, यह रचना 'अवधप्रान्त के दो गाँवों (सेमरी व बेलारी) के बीच की है, यह 'यथार्थवादी रचना है, गोदान भारतीय किसानों का मर्मस्पर्शी, करूणा और त्रासदी का दस्तावेज है, पात्र-होरी, गोबर, धनिया, झुनिया, पं0 ओमकार, मिस्टर खन्ना, मिर्जा, मिस मालती, प्रमुख हैं।

23. प्रकाशन वर्ष के अनुसार अमृतलाल नागर के निम्नलिखित उपन्यासें का सही क्रम है

(A) महाकाल, बूँद और समुद्र, खंजन नयन, मानस का हंस
(B) बूँद और समुद्र, महाकाल, मानस का हंस, खंजन नयन
(C) महाकाल, बूँद और समुद्र, मानस का हंस, खंजन नयन
(D) खंजन नयन,मानस का हंस, महाकाल, बूँद और समुद्र,

उत्तर (C)

अमृतलाल नागर के उपन्यासों का क्रम है-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	विषयवस्तु
महाकाल	1947	इसमें बंगाल के अकाल का वर्णन है।
बूँद और समुद्र	1956	इसमें बूंद (व्यक्ति) और समुद्र-(समाज) का प्रतीक है।
'मानस का हंस'	1972	तुलसीदास का जीवन चरित्र है, इसे अखिल भारतीय वीर सिंह पुरस्कार भी मिला है।
खंजन नयनं	1981	सूरदास के जीवन चरित्र पर आधारित रचना है।

24. प्रकाशन के आरंभ की दृष्टि से निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही क्रम है

(A) माधुरी, विशाल भारत, जागरण, साहित्य संदेश
(B) विशाल भारत, जागरण,माधुरी, साहित्य संदेश
(C) जागरण, माधुरी, विशाल भारत, साहित्य संदेश
(D) साहित्य संदेश, विशाल भारत, माधुरी, जागरण,

उत्तर (A)

पत्रिका	प्र. वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
माधुरी	1922ई.	दुलारे लाल भार्गव/ प्रेमचंद	साप्ताहिक/लखनऊ
विशाल भारत	1928ई	बनारसीदास चतुर्वेदी	मासिक/कलकत्ता
जागरण	1932ई.	शिवपूजन सहाय/प्रेमचन्द	साप्ताहिक/काशी
साहित्य संदेश	1937ई	बाबू गुलाब राय	मासिक/आगरा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार महादेवी वर्मा की निम्नलिखित गद्य कृतियों का सही क्रम है

(A) शृंखला की कड़ियाँ, अतीत के चलचित्र, पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ

(B) अतीत के चलचित्र, शृंखला की कड़ियाँ, स्मृति की रेखाएँ, पथ के साथी,

(C) स्मृति की रेखाएँ, अतीत के चलचित्र, शृंखला की कड़ियाँ, पथ के साथी,

(D) पथ के साथी, स्मृति की रेखाएँ शृंखला की कड़ियाँ, अतीत के चलचित्र,

उत्तर (B)

व्याख्या–महादेवी वर्मा आधुनिक 'मीरा' और पीडावाद की कवयित्री के रूप में जग जाहिर हैं। आप बौद्ध दर्शन और विवेकानन्द, रामतीर्थ आदि से प्रभावित है। महादेवी वर्मा की 'गद्य' विधाएँ निम्न हैं-

रचना	प्रकाशन वर्ष	विधा
अतीत के चलचित्र	1941 ई.	रेखाचित्र
शृंखला की कड़ियां	1942	निबन्ध संग्रह
स्मृति के रखाएँ	1943	रेखाचित्र
पथ के साथी	1956	संस्मरण

26. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के निम्नलिखित निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है

(A) लिखि कागद कोरे, आत्मनेपद, कहाँ है द्वारका, अद्यतन

(B) अद्यतन लिखि कागद कोरे, आत्मनेपद, कहाँ है द्वारका,

(C) आत्मनेपद, अद्यतन, कहाँ है द्वारका,लिखि कागद कोरे,

(D) आत्मनेपद, लिखि कागद कोरे, अद्यतन, कहाँ है द्वारका,

उत्तर (D)

व्याख्या–अज्ञेय के निबंधों का सही क्रम है :
'आत्मनेपद' (1960), लिखि कागद कोरे (1972), अद्यतन (1977), और कहाँ है द्वारका 1982, अज्ञेय के ये निबंध विचार/चिन्तन प्रधान निबन्ध हैं
नोट-कुट्टिचातन' उपनाम से आपके व्यक्तिपरक निबंध छपे हैं।

27. निम्नलिखित व्यंग्य रचनाओं का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है

(A) जीप पर सवार इल्लियाँ, भित्तिचित्र, जो घर फूँके, यत्र तत्र सर्वत्र

(B) यत्र तत्र सर्वत्र, भित्तिचित्र, जीप पर सवार इल्लियाँ, जो घर फूँके,

(C) भित्तिचित्र, जीप पर सवार इल्लियाँ, यत्र तत्र सर्वत्र, जो घर फूँके,

(D) जो घर फूँके, यत्र तत्र सर्वत्र, जीप पर सवार इल्लियाँ, भित्तिचित्र

उत्तर (C)

व्याख्या–ये सभी व्यंग्य रचनाओं का कालक्रम है।

रचनाकार	रचना	प्रकाशन वर्ष
रवीन्द्रनाथ त्यागी	भित्तिचित्र	1966
शरद जोशी	जीप पर सवार इल्लियाँ	1971
शरद जोशी	यत्र तत्र सर्वत्र	2000
ज्ञान चतुर्वेदी	जो घर फूंके	2006

28. निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है

(A) त्यागपत्र, मेरी तेंरी उसकी बात, नदी के द्वीप, खंजन नयन

(B) त्यागपत्र, नदी के द्वीप, मेरी तेरी उसकी बात, खंजन नयन

(C) नदी के द्वीप,त्यागपत्र, खंजन नयन मेरी तेरी उसकी बात

(D) खंजन नयन, नदी के द्वीप, त्यागपत्र, मेरी तेरी उसकी बात

उत्तर (B)

व्याख्या–जैनेन्द्र द्वारा रचित उपन्यास 'त्यागपत्र' 1937, इसमें स्त्री के विद्रोही व्यक्तित्व का चित्रण किया गया है।
अज्ञेय कृति 'नदी के द्वीप' 1951 में इसमें रेखा, भुवन एवं गौरा की प्रेमकथा वर्णित है।
यशपाल कृति 'तेरी मेरी उसकी बात' 1974 स्वाधीनता आन्दोलन एवं उत्तर भारतीय समाज की राजनीतिक संघर्ष का चित्रण है।
अमृत लाल नागर- 'खंजन नयन' 1981, सूरदास के जीवन चरित्र पर आधारित है।

29. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही क्रम है-

(A) बिहारी, चिंतामणि, भूषण, मतिराम

(B) चिंतामणि, मतिराम,बिहारी, भूषण

(C) चिंतामणि, मतिराम, भूषण, बिहारी

(D) भूषण, मतिराम, चिंतामणि, बिहारी

उत्तर (A)

व्याख्या–जन्मकाल के अनुसार कवियों का क्रम
बिहारी लाल (1595-1663ई.), डा0 नगेन्द्र रीतिसिद्ध मानते हैं, प्रसिद्ध का कारण 'कल्पना की समाहार शक्ति' आप निम्बार्क सम्प्रदाय' में दीक्षित थे।
चिन्तामणि-(1609-1685ई.) उपनाम 'मणिलाल' आप रीति काल के आदि आचार्य हैं। त्रिपाठी बन्धुओं में श्रेष्ठ थे, मतिराम, भूषण आपके भाई हैं।
भूषण (1613-1715 ई.) 'भूषण' उपाधि रुद्रराम सोलंकी ने दिया था, आपकी समस्त रचनाएं 'मुक्तक शैली' में लिखी गयी हैं।
'मतिराम (1617-1701ई.)-इनकी कृति 'रसराज' रसिकजनों का कण्ठाहार माना जाता है। 'फूलमंजरी' प्रथम कृति है, 'ललित ललाम' अलंकरित रचना है।

30. भगवतीचरण वर्मा के निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है

(A) टेढ़े-मेढ़े रास्ते, भूले बिसरे चित्र, सामर्थ्य और सीमा, सीधे सच्ची बातें

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) सीधी सच्ची बातें, सामर्थ्य और सीमा, भूले बिसरे चित्र, टेढ़े-मेढ़े रास्ते
(C) भूले बिसरे चित्र, टेढ़-मेढ़े रास्ते, सीधी सच्ची बातें, सामर्थ्य और सीमा
(D) सामर्थ्य और सीमा, भूले बिसरे चित्र, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, सीधी सच्ची बातें

उत्तर (A)

व्याख्या–टेढ़े-मेढ़े रास्ते 1946 ई0 गाँधीवाद साम्यवाद और आतंकवाद का टेढ़े-मेढ़े रास्ते के रूप में चित्रण है।
'भूले बिसरे चित्र 1959'-तीन पीढ़ियों के जीवन मूल्यों के परिवर्तन की कथा है।
'सामर्थ्य और सीमा 1962, प्रकृति के समक्ष मनुष्य की असहायता का चित्रण है।
'सीधी सच्ची बातें 1968' सन् 1938-48 तक के राष्ट्रवादी नेताओं का मूल्यांकन।

31. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी आत्मकथाओं से सुमेलित कीजिए

सूची-I	**सूची-II**
(A) शिवपूजन सहाय	(i) दश द्वार से सोपान तक
(B) सुमित्रानंदन पन्त	(ii) मेरा जीवन
(C) हरिवंशराय बच्चन	(iii) अपनी खबर
(D) पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'	(iv) राख से लपटे
	(v) साठ वर्ष एक रेखांकन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	i	iv	ii	v
(C)	v	iii	v	ii
(D)	ii	v	i	iii

उत्तर (D)

व्याख्या–आत्मकथाओं का क्रम योग है-

आत्मकथा	**प्र0 वर्ष**	**आत्मकथाकार**
मेरा जीवन	1985	शिवपूजन सहाय
साठ वर्षः एक रेखांकन	1960	सुमित्रानन्दन पंत
दश द्वार से सोपान तक	1985	हरिवंशराय बच्चन
अपनी खबर	1960	पाण्डे बेचन शर्मा 'उग्र'
राख से लपटें		पुरुषोत्तमदास टण्डन

32. निम्नलिखित आलोचकों को उनके ग्रंथों से सुमेलित कीजिए

सूची-I	**सूची-I**
(A) नन्ददुलारे बाजपेयी	(i) जायसी
(B) लक्ष्मीकांत वर्मा	(ii) निराला
(C) रामविलास शर्मा	(iii) मानव मूल्य और साहित्य
(D) विजयदेव नारायण साही	(iv) हिन्दी साहित्यःबीसवीं शताब्दी
	(v) नई कविता के प्रतिमान

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	v
(B)	i	iii	v	ii
(C)	iv	v	ii	i
(D)	ii	i	iii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या–

आलोचना	**प्र. वर्ष**	**आलोचक**
हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	1942	नन्ददुलारे बाजपेयी
नई कविता के प्रतिमान	1957	लक्ष्मीकांत वर्मा
निराला	1946	रामविलास शर्मा
जायसी	1983	विजयदेव नारायण साही
मानवमूल्य और साहित्य	1999	धर्मवीर भारती

33. निम्नलिखित संस्मरणात्मक रेखाचित्रों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(A) चेतना के बिम्ब	(i) देवेन्द्र सत्यार्थी
(B) रेखाएँ बोल उठी	(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(C) जिन्दगी मुस्कराई	(iii) महादेवी वर्मा
(D) सिंहावलोकन	(iv) यशपाल
	(v) नगेन्द्र

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	ii	iv	iii	iv
(C)	iii	ii	i	iv
(D)	v	i	ii	iv

उत्तर (D)

व्याख्या–

संस्मरणात्मक रेखाचित्र	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
चेतना के बिम्ब	1967	डॉ0 नगेन्द्र
रेखाएँ बोल उठी	1949	देवेन्द्र सत्यार्थी
जिन्दगी मुस्कुराई	1953	कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
सिंहावलोकन	(1951,52,55)	यशपाल
मेरा परिवार	1972	महादेवी वर्मा

34. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों से सुमेलित कीजिए

सूची-I	**सूची-II**
(A) भगवतीचरण वर्मा	(i) पिंजरा
(B) इलाचन्द्र जोशी	(ii) मक्रील
(C) यशपाल	(iii) दो बाँके
(D) उपेन्द्र नाथ अश्क	(iv) एक कैदी
	(v) दीवाली और होली

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	ii	i
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	v	i	iv	iii
(D)	iv	i	iii	v

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

कहानीकार	प्रकाशन वर्ष	कहानी
भगवती चरण वर्मा	1936	दो बाँके
इलाचन्द्र जोशी	1942	दीवाली और होली
यशपाल	1934	मंक्रील
उपेन्द्रनाथ अश्क	1944	पिंजरा
जैनेन्द्र		एक कैदी

35. निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनके उपन्यासों से सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) राधाकृष्ण दास	(i) तारा
(B) किशोरीलाल गोस्वामी	(ii) कश्मीर यात्रा
(C) देवकीनन्दन खत्री	(iii) चन्द्रकान्ता
(D) श्रद्धाराम फिल्लौरी	(iv) भाग्यवती
	(v) निःसहाय हिन्दू

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	i	ii
(B)	v	i	iii	iv
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	i	iii	ii	iv

उत्तर 2)

व्याख्या–

उपन्यासकार	वर्ष	उपन्यास
राधाकृष्णदास	1890	निःसहाय हिन्दू (हिन्दी का प्रथम उपन्यास है जिसमें गोवध वर्णित है।
किशोरीलाल गोस्वामी	1902	तारा-ऐतिहासिकता का वर्णन किया गया है
देवकी नन्दन खत्री	1888	चन्द्रकांता (तिलस्म व ऐयारी का वर्णन है।)
श्रद्धाराम फुल्लौरी	1877	भाग्यवती (सामाजिक रचाना है यह हिन्दी का प्रथम उपन्यास माना जाता है।

36. निम्नलिखित नाटककारों को उनके नाटकों से सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) भारतेन्दु हरिश्चंद्र	(i) महारानी पद्मावती
(B) राधाचरण गोस्वामी	(ii) संगीत शाकुंतल
(C) प्रतापनारायण मिश्र	(iii) अंधेर नगरी
(D) बालकृष्ण भट्ट	(iv) अमरसिंह राठौर
	(v) नल दमयंती

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	iv	ii
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	ii	v	iii
(D)	iii	iv	ii	v

उत्तर (D)

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
अंधेर नगरी	1881	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
अमरसिंह राठौर	1895	राधाचरण गोस्वामी
संगीत शाकुंतल		प्रताप नारायण मिश्र
नल दमयन्ती	1895	बालकृष्ण भट्ट
महारानी पद्मावती	1882	राधाकृष्णदास

37. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों से सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) आत्मा की आँखे	(i) गजानन माधव मुक्तिबोध
(B) काठ का सपना	(ii) हरिवंशराय बच्चन
(C) समय और हम	(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(D) मिलनयामिनी	(iv) जैनेन्द्र कुमार
	(v) नगेन्द्र

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	v	iii
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	iii	i	iv	ii
(D)	ii	v	iii	i

उत्तर (C)

व्याख्या–

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
आत्मा की आंखे	1964	दिनकर
काठ का सपना	1967	मुक्तिबोध
समय और हम	1964	जैनेन्द्र
मिलनयामिनी	1950	हरिवंशराय बच्चन
आलोचक की आस्था	1966	डॉ. नगेन्द्र

38. सुमित्रानन्दन पन्त के निम्नलिखित काव्य-संग्रहों को उनके प्रकाशन वर्ष के अनुसार सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) पल्लव	(i) 1927
(B) वीणा	(ii) 1932
(C) गुंजन	(iii) 1936
(D) स्वर्ण किरण	(iv) 1926
	(v) 1947

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	v	iii	iv
(B)	iv	i	ii	v
(C)	iii	ii	iv	i
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–छायावादी कवि सुमित्रानंन्दन पंत के काव्य संग्रहों का प्रकाशन क्रम-

रचना	प्रकाशन वर्ष	विशेष
पल्लव	1926	पंत जी की इस रचना को छायावाद का घोषणा पत्र (मेनी फेस्टो) कहा जाता है।
वीणा	1927	यह छायावादी रचना है
गुंजन	1932	यह पंत जी की छायावाद की अंतिम रचना है, प्रथम रचना उच्छ्वास है।
स्वर्णकिरण	1947	यह अन्तश्चेतनावादी रचना मानी जाती है रविन्द दर्शन से प्रभावित है।

39. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके प्रकाशन स्थान से सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) आनंद कादंबिनी	(i) कानपुर
(B) ब्राह्मण	(ii) प्रयाग
(C) हिन्दी प्रदीप	(iii) मिर्जापुर
(D) उचित वक्ता	(iv) अजमेर
	(v) कलकत्ता

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	ii
(B)	ii	iv	iii	i
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	iii	i	ii	v

उत्तर (D)

व्याख्या–

सम्पादक	पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	स्थान
बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'	आनंदकादंबिनी	1881ई0	मिर्जापुर
प्रतापनारायण मिश्र	ब्राह्मण	1883 ई0	कानपुर
बालकृष्ण भट्ट	हिन्दी प्रदीप	1877 ई0	प्रयाग
दुर्गा प्रसाद मिश्र	उचित वक्ता	1878 ई0	कलकत्ता

40. निम्नलिखित निबंधकारों को उनके निबंध संग्रहों क साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'	(i) महके आँगन चहके द्वार
(B) वासुदेवशरण अग्रवाल	(ii) वन्दे वाणी विनायकौ
(C) रामवृक्ष बेनीपुरी	(iii) पृथ्वीपुत्र
(D) कुबेरनाथ राय	(iv) कछुवा धर्म
	(v) मराल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	iii	ii	iv	i
(C)	v	ii	iii	iv
(D)	ii	i	v	iii

उत्तर (A)

व्याख्या–

निबंधकार	निबंध	वर्ष
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	कछुआ धर्म	1919 ई0
वासुदेवशरण अग्रवाल	पृथ्वीपुत्र	1949 ई0
रामवृक्ष बेनीपुरी	वन्देवाणी विनायकौ	1854 ई0
कुबेरनाथ राय	मराल	1893 ई0
कन्हैयालाल मिश्र	महके आँगन चहके द्वार	

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45) के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें

यूरोप और अमरीका में जो आधुनिकता फैली है, उसका असली कारण वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्राथमिकता और प्राबल्य है। यह दृष्टि उद्योग और टेक्नोलॉजी से नहीं उत्पन्न हुई है, बल्कि टेक्नोलॉजी और उद्योग ही इस दृष्टि के परिणाम हैं। यूरोप और अमरीका का सबसे बड़ा लक्षण वैज्ञानिक दृष्टि है, निष्ठुर होकर सत्य को खोजने की व्याकुलता है और इस खोज के क्रम में श्रद्धा, विश्वास, परम्परा और धर्म, किसी भी बाधा को वृद्धि स्वीकार करने को तैयार नहीं है। आधुनिक मनुष्य के बारे में सामान्य कल्पना यह है कि अपने चिंतन में वह निर्मम होता है, निष्ठुर और निर्भीक होता है। जो बात बुद्धि की पकड़ में नहीं आ सकती, उसे वह त्रिकाल में भी स्वीकार नहीं करेगा और जो बातें बुद्धि से सही दिखाई देती हैं, उनकी वह खुली घोषणा करेगा, चाहे वे धर्म के विरुद्ध पड़ती हों, नैतिकता के खिलाफ जाती हों अथवा उनसे मानवता का चिरपोषित विश्वास खंड-खंड हो जाता हो।

41. वैज्ञानिक दृष्टि कब धर्म, नैतिकता और विश्वास का विरोध करती है?

(A) जब वे उसकी दृष्टि से सही हों।
(B) जब वे मानवता की विरोधी हों।
(C) जब वे समाज के मूल्यों के संरक्षक हों।
(D) जब वे उसकी दृष्टि से गलत हों।

उत्तर (D)

व्याख्या–वैज्ञानिक दृष्टि धर्म, नैतिकता और विश्वास का विरोध तब करती है जब वे उसकी दृष्टि में गलत होता है।

42. आधुनिक मनुष्य के संदर्भ में वैज्ञानिक दृष्टि की सबसे बड़ी सिद्धि है

(A) तथ्यों के प्रति मन की प्रतिक्रिया
(B) तथ्यों के प्रति हृदय की अनुभूति
(C) तथ्यों का वस्तुगत परीक्षण और निष्कर्ष
(D) तथ्यों के प्रति लोगों की क्रिया-प्रतिक्रिया

उत्तर (C)

व्याख्या–आधुनिक मनुष्य के बारे में वैज्ञानिक दृष्टि की सबसे बड़ी सिद्धि तथ्यों का वस्तुगत परीक्षण और निष्कर्ष है।

43. यूरोप और अमरीका में आधुनिकता के फैलने का कारण है।

(A) उद्योग और टेक्नोलॉजी का जन्म
(B) औद्योगिक वस्तुओं का उपयोग
(C) भौतिक दृष्टि का त्याग

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(D) वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्रधानता और प्रबलता

उत्तर (D)

व्याख्या–वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्रबलता और प्रधानता ही यूरोप और अमेरिका में आधुनिकता के फैलने का कारण है।

44. टेक्नोलॉजी-उद्योग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच संबंध है

(A) कार्य और कारण का (B) कारण और कार्य का
(C) आधार और अधिरचना का (D) जनक और जन्य का

उत्तर (A)

व्याख्या–टेक्नोलॉजी उद्योग और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच कार्य और कारण का सम्बन्ध है।

45. यूरोप और अमरीका किस संदर्भ में श्रद्धा, विश्वास, परम्परा, धर्म आदि किसी भी बाधा को मानने के लिए तैयार नहीं है?

(A) दार्शनिक सत्य की खोज के संदर्भ में
(B) वैज्ञानिक सत्य की खोज के संदर्भ में
(C) सामाजिक यथार्थ के अनुसंधान के संदर्भ में
(D) साहित्यिक अनुसंधान के संदर्भ में

उत्तर (B)

व्याख्या–यूरोप और अमेरिका वैज्ञानिक सत्य की खोज के सन्दर्भ में श्रद्धा, विश्वास, परम्परा, धर्म आदि किसी भी बाधा को मानने के लिए तैयार नहीं है।

कथोपकथन

46. स्थापना (Assertion) (A): काव्य का उत्कर्ष केवल प्रेमभाव की कोमल व्यंजना में ही माना जा सकता है
तर्क (Reason) (R) : क्रोध जैसे उग्र एवं प्रचंड भावों के विधान के साथ-साथ करुण-भाव की अभिव्यक्ति से काव्य में पूर्ण सौन्दर्य के साक्षात्कार होते हैं।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) सही, (R) गलत

उत्तर (B)

व्याख्या–काव्य के उत्कर्ष में प्रेमभाव, करूणभाव, वीरभाव, क्रोधभाव, इत्यादि होता है न कि केवल प्रेमभाव। क्रोध में उग्रभाव एवं प्रचण्ड भावों की प्रबलता होती है। काव्य में इसके साथ करुण भाव के आ जाने से पूर्ण सौन्दर्य का साक्षात्कार होता है। अतः (A) गलत और (R) सही है।

47. स्थापना (Assertion) (A): भूमंडलीकरण ने 'जन' की पुरानी धारणा बदल कर रख दी है। उसने 'जन' को 'मास' में बदल दिया है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भूमंडलीकरण के 'मास' में वही लोग शामिल हैं जिनके पास क्रयशक्ति है और जो जनसंचार साधनों के उपयोग में दक्ष हैं।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) सही (R)गलत
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (A)

व्याख्या–भूमंडलीकरण अर्थात् सम्पूर्ण पृथ्वी के एकीकरण ने 'जन' की पहले की धारणा को बदल दिया है। इस एकीकरण ने लोगों को द्रव्यमान, उत्पादन या बाजार बना दिया है। इसमें वही लोग शामिल हैं जिसके पास खरीदने की शक्ति होती है और जो संचार साधनों का उपयोग अच्छी तरह कर सकते हैं। कथन (A) और (R) दोनों सही है।

48. स्थापना (Assertion) (A): शृंगार को रसराज माना जाता है। इसीलिए वह सभी रसों में प्रधान है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जीवन के आदि से लेकर अन्त तक उसी का प्रसार है और जीवन की सभी भावनाएँ उसी से निःसृह हैं।

(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) सही, (R) गलत

उत्तर (D)

व्याख्या–'शृंगार' को रसो का राजा माना जाता है। राजा सभी में प्रधान होता है। परन्तु जीवन के आदि से अंत तक केवल शृंगार की ही प्रधानता नहीं होती है और सभी भावनाओं का विकास उसी से नहीं हुआ है। जीवन के आरम्भ से लेकर अंत तक समय-समय पर करुणा, शोक, वीर, भय आदि रसों का प्रवाह होता है। कथन (A) सही है (R) गलत है।

49. स्थापना (Assertion) (A): भारतेन्दु युग आधुनिकता का प्रवेश द्वार है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि वह मध्यकालीन परम्पराओं का पूर्ण विरोधी है।

(A) (A) गलत, (R) सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R)गलत
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–भारतेन्दु युग से ही हिन्दी साहित्य आधुनिक युग शुरू होता है। इसीलिए आधुनिकता का प्रवेश द्वार कहते हैं। लेकिन यह मध्यकालीन परम्पराओं का पूर्ण विरोधी नहीं है। अतः (A) सही है (R) गलत है।

50. स्थापना (Assertion) (A): प्रतीक अमूर्त का मूर्तीकरण है जिसमें अदृश्य सारतत्व की अभिव्यक्ति होती है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि जब किसी वस्तु का कोई एक भाग गोचर हो, और फिर आगे उस वस्तु का ज्ञान हो, तब उस भाग को प्रतीक कहते हैं।

(A) (A) गलत (R) सही (B)(A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R)गलत (D)(A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (B)

व्याख्या–प्रतीक या बिंब अमूर्त का मूर्तरूप है। इसमें अदृश्य के सार को दृश्यरूप में अभिव्यक्त किया जाता है। जब हमें कोई वस्तु न दिखाई दे रही हो और आगे मूर्तिकरण द्वारा उसका हमें ज्ञान हो तो वह प्रतीक कहलाता है। (A) & (R) दोनी सही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2014

हिन्दी

तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 2-1/2 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 150

निर्देश-इस प्रश्नपत्र में पच्चहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. पुष्पदंत की प्रबंध रचना है।

(A) रिट्ठणेमि चरिउ (B) णयकुमार चरिउ
(C) पउम चरिउ (D) भविसयत्तकहा

'णयकुमार चरिउ या नागकुमार चरिउ'	पुष्पदंत	प्रबंध काव्य
रिटठणेमि चरिउ या अरिष्टनेमि चरित	स्वयंभू	
'पउम चरिउ या पद्म चरित'	स्वयंभू	प्रबन्धकाव्य
भविसयत्तकहा या सूर्य पंचमी	धनपाल	

2. ''ब्रह्मणेहि म जाणंत हि भेऊ। एवइ पढ़िअउ ए उच्चउ बेऊ॥ मट्टी पार्णी कुस लइ पढ़ंत। घरहि बइसी अग्गि हुणंत॥'' उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(A) गोरखनाथ (B) सरहपा
(C) रैदास (D) कबीरदास

उत्तर (B)

व्याख्या–

पंक्ति	पंक्तिकार
ब्रह्मणेहि म जाणंत.....बइसी अग्नि हुणंत।	सरहपा
अवधू मन चंगा तो कठौती में गंगा।	गोरखदास
गोरख अटक्यौ कालपुर कौन कहावै साहूँ।	कबीरदास
कुलीन हम पण्डित हम जोगी सन्यासी।	रैदास

3. मुसलमान अनुयायी कबीरदास को किन का शिष्य मानते हैं?

(A) शेख़ तक़ी (B) रज्जब
(C) मुइनुद्दीन चिश्ती (D) नूर मुहम्मद

उत्तर (A)

व्याख्या–मुसलमान अनुयायी 'कबीर' को शेख तकी का शिष्य मानते हैं परन्तु सर्वविदित है कि ये रामानन्द के शिष्य परम्परा में अग्रणीय थे।

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं विविध काव्य धाराएँ

4. 'विज्ञान गीता' किस आचार्य कवि की कृति है?

(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) पद्माकर (D) सेनापति

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
कविप्रिया (1601ई.), रसिकप्रिया (1591ई.), विज्ञान गीता (1607ई.)	केशवदास
रस सारांश (1742ई.), काव्य निर्णय (1746ई.), शृंगार निर्णय (1750ई.), शतरंज शतिका	भिखारीदास
पद्माभरण (1810ई.), जगत विनोद, प्रबोध पचासा, गंगा लहरी	पद्माकर
कवित्तरत्नाकर, काव्यकल्पद्रुम	सेनापति

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

5. फोर्ट विलियम कॉलेज के किस शिक्षक के माध्यम से हिंदी भाषा को पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन आरम्भ हुआ?

(A) लॉर्ड मैकाले
(B) जार्ज ग्रियर्सन
(C) फादर कामिल बुल्के
(D) गिल क्राइस्ट

उत्तर (D)

व्याख्या–फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना 1800 ई. में जॉन गिल क्राइस्ट ने किया था। इन्हीं के माध्यम से हिन्दी भाषा की पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन आरम्भ हुआ, इनके द्वारा दो हिन्दी भाषी शिक्षक लल्लूलाल तथा सदल मिश्र को नियुक्त किया गया।
फोर्ट विलियम कालेज का वास्तविक संस्थापक लार्ड वेलेजली था यह विद्यालय कलकत्ता में स्थापित था।

6. जयशंकर प्रसाद कृत 'उर्वशी' किस विधा की रचना है?

(A) गीतिकाव्य (B) प्रगीत
(C) नाटक (D) चम्पू काव्य

उत्तर (D)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद कृति 'उर्वशी 1909' में लिखित प्रथम रचना तथा चम्पूकाव्य में यानी 'गद्य और पद्य' मिश्रित रचना है।

7. 'छायावाद का पतन' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(A) शांतिप्रिय द्विवेदी (B) रामविलास शर्मा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) नंददुलारे वाजपेयी (D) देवराज

उत्तर (D)

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
छायावाद का पतन	1966 ई.	देवराज
कवि और काव्य	1937ई0	शान्तिप्रिय द्विवेदी
प्रसाद, निराला और पंत	1931ई0	नन्ददुलारे बाजपेयी
आस्था और सौन्दर्य	1956ई0	रामविलास शर्मा

8. 'गीत पुंज' किस कवि की रचना है?

(A) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (B) सुमित्रानंदन पंत
(C) रामकुमार वर्मा (D) महादेवी वर्मा

उत्तर (A)

व्याख्या–

रचना	वर्ष	कवि
गीतपुंज	1954	निराला
गुंजन	1932	पंत
चित्ररेखा	1935	रामकुमार वर्मा
सान्ध्यगीत	1936	महादेवी वर्मा

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता)

9. 'संशयात्मा' किस कवि की रचना है?

(A) अशोक बाजपेयी (B) कुँवर नारायण
(C) ज्ञानेन्द्रपति (D) उदयप्रकाश

व्याख्या-

साहित्य अकादमी से पुरस्कृत पुरस्कृत रचना	वर्ष	प्राप्तकर्ता/लेखक
संशयात्मा	2006	ज्ञानेन्द्रपति
कहीं नहीं वही	1994	अशोक बाजपेयी
कोई दूसरा नहीं	1995	कुँवर नारायण
मोहनदास	2010	उदय प्रकाश

10. 'हम दीवानों की क्या हस्ती, हैं आज यहाँ कल वहाँ चले।'' ये काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की है?

(A) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) भगवती चरण वर्मा (D) शुभद्रा कुमारी चौहान

उत्तर (c)

व्याख्या–

काव्य पंक्ति	कवि
हम दिवानों की क्या....वहाँ चले	भगवती चरण शर्मा
कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ जिससे उथल-पुथल मच जाये	बालकृष्ण शर्मा नवीन
यौवन की मादक लाली में यौवन का हुलास देखा	सुभद्रा कुमारी चौहान
जगे एशिया, हिले विश्व और राजनीति का नाम न हो	माखन लाल चतुर्वेदी

11. ''बात बोलेगी/हम नहीं/भेद खोलेगी/ बात हो''- काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं।

(A) शमशेर बहादुर सिंह (B) नागार्जुन
(C) शिवमंगल सिंह सुमन (D) त्रिलोचन शास्त्री

उत्तर (A)

व्याख्या

काव्य पंक्ति	कवि
बात बोलेगी/हम नहीं/भेद खोलोगी/ बात ही''	शमशेर बहादुर सिंह
कालिदास सच-सच बतलाना/इंदुमती के मृत्युशोक से	नागार्जुन
हाय्! यहां मानव-मानव में समता का व्यवहार नहीं।	शिवमंगल सिंह सुमन'
मुझे जगत जीवन का प्रेमी बना रहा है प्यार तुम्हारा	त्रिलोचन

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

12. 'एक पत्नी के नोट्स' किसकी रचना है?

(A) ममता कालिया (B) चित्रा मुद्गल
(C) मेहरुन्निसा परवेज़ (D) मंजुल भगत

उत्तर (A)

व्याख्या–

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
एक पत्नी के नोट्स	1997	ममता कालिया
एक जमीन अपनी	1990	चित्रामुद्गल
आँखों की दहलीज	1969	मेहरून्निशा परवेज
बेगाने घर में	1978	मंजुल भगत
एक पति के नोट्स	-	महेन्द्र भल्ला

13. निर्मल वर्मा का पहला कहानी संग्रह है

(A) जलती झाड़ी (B) बीच बहस में
(C) परिंदे (D) कव्वे और कालापानी

उत्तर (C)

व्याख्या–निर्मल वर्मा की कहानी संग्रह का क्रम इस प्रकार है-परिन्दे(1960 ई.) जलती झाड़ी (1965 ई.) बीच बहस में (1973 ई.) पिछली गर्मियों में (1968 ई.), कव्वे और कालापानी (1983 ई.), सूखा तथा अन्य कहानियाँ (1995 ई.)

14. राजेन्द्र यादव की कहानी है।

(A) बदबू (B) जहाँ लक्ष्मी कैद है
(C) गदर (D) जानवर और जानवर

उत्तर (B)

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
जहाँ लक्ष्मी कैद है	1957	राजेन्द्र यादव
बदबू	1967	शेखर जोशी
जानवर और जानवर	1958	मोहन राकेश

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. प्रकाशन वर्ष के अनुसार इन उपन्यासों का सही अनुक्रम है

(A) सिंह सेनापति, शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग), राम रहीम, अलका
(B) अलका, राम रहीम, शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग), सिंह सेनापति
(C) शेखर : एक जीवनी (प्रथम भाग), राम रहीम, अलका, सिंह सेनापति
(D) राम रहीम, अलका, सिंह सेनापति, शेखरः एक जीवनी (प्रथम भाग)

उत्तर (B)

व्याख्या–

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
अलका	1933	निराला जी
राम रहीम	1936	राधिका रमण प्रसाद सिंह
शेखर एक जीवनी (भाग एक)	1940	अज्ञेय
सिंह सेनापति	1942	राहुल सांकृत्यायन

16. फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है।

(A) परती परिकथा, दीर्घतपा, पलटूबाबू रोड, मैला आँचल
(B) मैला आँचल, पलटूबाबू रोड, परती परिकथा, दीर्घतपा
(C) मैला आँचल, परती परिकथा, दीर्घतपा, पलटूबाबू रोड
(D) दीर्घतपा, मैला आँचल, पलटूबाबू रोड, परती परिकथा

उत्तर (C)

व्याख्या–फणीश्वर नाथ रेणु के उपन्यासों का सही क्रम-मैला-आँचल (1954) परती परिकथा (1957) दीर्घपता (1963), जुलूस (1965) कितने चौराहे (1966) पल्टू बाबू रोड (1979) रामरतन राय (1971) (अपूर्ण)।

17. प्रकाशन वर्ष के अनुसार जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम है

(A) प्रतिध्वनि, आकाशदीप, आँधी, इंद्रजाल
(B) आकाशदीप, प्रतिध्वनि, इंद्रजाल, आँधी
(C) आँधी, इंद्रजाल, आकाशदीप, प्रतिध्वनि
(D) प्रतिध्वनि, आकाशदीप, इंद्रजाल, आँधी

उत्तर (A)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद की कहानियों का सही अनुक्रम – छाया (1912), प्रतिध्वनि (1926), आकाशदीप (1928), आँधी (1931), इन्द्रजाल (1936) है।

18. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(A) वामाशिक्षक	(i) राधाकृष्ण दास
(B) भाग्यवती	(ii) बालकृष्ण भट्ट
(C) निस्सहाय हिन्दू	(iii) श्रद्धाराम फिल्लौरी
(D) नूतन ब्रह्मचारी	(iv) लाला श्रीनिवास दास
	(v) ईश्वरी प्रसाद-कल्याण राय

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	i	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	ii	iii	i	v

उत्तर (A)

उपन्यास	प्र.वर्ष	उपन्यासकार
वामा शिक्षक	1872	ईश्वरी प्रसाद कल्याण राय,
भाग्यवती	1877	श्रद्धाराम फुल्लौरी
निस्सहाय हिन्दू	1890	राधा कृष्णदास
नूतन ब्रह्मचारी	1886	बालकृष्ण भट्ट
परीक्षा गुरू	1882	लाला श्रीनिवास दास

19. प्रेमचंद के औपन्यासिक पात्रों को उनके उपन्यासों से सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) अमृतराय	(i) निर्मला
(B) कृष्णचन्द्र	(ii) सेवासदन
(C) जानसेवक	(iii) प्रेमा
(D) उदयभानु	(iv) कायाकल्प
	(v) रंगभूमि

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	iii	ii	v	i
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	iii	i	v

उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	वर्ष	पात्र	विशेष
प्रेमा	1907	अमृतराय	हिन्दुओं में विधवा विवाह की समस्या का चित्रण है।
सेवासदन	1918	कृष्णचन्द्र, सुमन	वेश्या जीवन से संबंधित घटना का चित्रण है।
रंगभूमि	1929	जनसेवक, सूरदास, सोफिया	औद्योगिकीकरण का दोष, पूंजीवादियों की शोषण नीति, अंग्रेजों के अत्याचार तथा भारतीय शिक्षितों की चरित्रहीनता का वर्णन है।
निर्मला	1927	उदयभानु	इसमें दहेज एवं अनमेल विवाह की समस्या का चित्रण है।
कायाकल्प	1926	चक्रधर	पुनर्जन्म की धारणा तथा सच्चे प्रेम का चित्रण है।

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

20. एकांकी में अन्विति अथवा संकलनत्रय के अंतर्गत काल, स्थान के साथ किसके निर्वाह की गणना की जाती है?

(A) पात्र (B) कार्य
(C) प्रकरी (D) पताका

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (B)

व्याख्या–भरत मुनि के अनुसार 'नाट्यशास्त्र' में संकलनत्रय का उल्लेख इस प्रकार है। इसके अन्तर्गत काल, स्थान और कार्य या वस्तु की गणना की जाती है। पताका, प्रकटी, बीज, बिन्दु, कार्य, ये पांच अर्थ प्रवृत्तियाँ हैं।

21. 'यथार्थवाद और छायावाद' निबंध के रचयिता हैं।
(A) जयशंकर प्रसाद (B) शांतिप्रिय द्विवेदी
(C) नंददुलारे वाजपेयी (D) मुकुटधर पाण्डेय
उत्तर (A)

व्याख्या–निबंध		**रचयिता**
यथार्थवाद और छायावाद	-	जयशंकर प्रसाद
वृत्त और विकास	-	शान्तिप्रिय द्विवेदी
रीति और शैली	-	नन्ददुलारे वाजपेयी
हिन्दी और छायावाद	-	मुकुटधर पाण्डेय

22. जयशंकर प्रसाद के किस नाटक का एक पात्र 'शर्वनाग' है?
(A) राज्यश्री (B) स्कंदगुप्त
(C) जनमेजय का नागयज्ञ (D) विशाख
उत्तर (B)

व्याख्या–

प्रसाद के नाटक	**प्र.वर्ष**	**पात्र**
स्कन्दगुप्त	1928	सर्वनाग, मातृगुप्त, धातुसेन, अनन्तदेवी
राज्यश्री	1915	गुहवर्मा, विकट घोष, राज्यवर्धन, हर्षवर्धन, गृहवर्मा, राज्यश्री
जनमेजय का नागयज्ञ	1926	उत्तंक, मणिमाला, जरत्कारू, दामिनी काश्यप
विशाख	1921	नरदेव, चन्द्रलेखा, इरावती

23. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक स्त्री-समस्या से सम्बन्धित नहीं है?
(A) अंधा कुआँ (B) चिंदियों की एक झालर
(C) साँच कहूँ तो (D) नेपथ्य राग
उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	सन्	लेखक	विषयवस्तु
अंधा कुआँ	1955	लक्ष्मीनारायण लाल	स्त्री समस्या के विषय में लिखा गया है।
सच कहूँ तो	1993	प्रभाकर श्रोत्रिय	बीसलदेव रासों पर आधारित स्त्री वियोग वर्णन है।
नेपथ्य राग	2004	मीराकांत	(स्त्री समस्या)
चिंदियों की एक झालर	1969	अमृत राय	स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की सामाजिक व्यवस्था का चित्रण है।

24. 'अंत हाजिर हो' किस महिला नाट्यकार की रचना है?
(A) शांति मेहरोत्रा (B) मृणाल पाण्डे
(C) त्रिपुरारि शर्मा (D) मीरा कांत
उत्तर (D)

व्याख्या- **नाटक**	**नाटककार**
अंत हाजिर हो, नेपथ्यराग (2004)	मीराकांत
एक और दिन, ठहरा हुआ पानी	शान्ति मेहरोत्रा
जो राम रचि राखा, आदमी जो मछुआरा नहीं	मृणाल पाण्डेय
काठ की गाड़ी, बाँझ घाटी	त्रिपुरारि शर्मा

25. 'छाया' नामक एकांकी के लेखक हैं।
(A) उपेन्द्रनाथ अश्क (B) रामकुमार वर्मा
(C) उदयशंकर भट्ट (D) सुदर्शन
उत्तर (D)

एकांकी	**एकांकीकार**
छाया	सुदर्शन
चरवाहे	उपेन्द्रनाथ अश्क
काम कन्दला	रामकुमार वर्मा
धूम शिखा	उदय शंकर भट्ट

26. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है।
(A) माधवी, मुआवजे, आलमगीर, हानूस
(B) हानूस, माधवी, मुआवजे, आलमगीर
(C) मुआवजे, हानूस, आलमगीर, माधवी
(D) आलमगीर, माधवी, हानूस, मुआवजे
उत्तर (B)

व्याख्या–भीष्म साहनी के नाटकों का सही अनुक्रम है : हानूश (1977), कबीरा खड़ा बाजार में (1981) माधवी (1985) मुआवजे (1993) रंग दे बसन्ती चोला (1998) और आलमगीर (1999)

27. विष्णु प्रभाकर के नाटकों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है।
(A) युगे युगे क्रांति, सत्ता के आर-पार, डाक्टर, टूटते परिवेश
(B) टूटते परिवेश, डाक्टर, सत्ता के आर-पार, युगे युगे क्रांति
(C) सत्ता के आर-पार, टूटते परिवेश, युगे युगे क्रांति, डाक्टर
(D) डाक्टर, युगे युगे क्रांति, टूटते परिवेश, सत्ता के आर-पार
उत्तर (D)

व्याख्या–विष्णु प्रभाकर के नाटकों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम-डॉक्टर (1958), युगे-युगे क्रान्ति (1969) टूटते परिवेश (1974) कुहासा और किरण (1975), डरे हुए लोग (1978), वंदिनि (1979) अब और नहीं (1981), सत्ता के आर-पार' (1981) श्वेत कमल (1984) है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

28. इनमें से कौन 'अनुभाव' का एक भेद है?

(A) निर्वेद (B) व्रीड़ा
(C) उन्माद (D) आहार्य

उत्तर (D)

व्याख्या—आचार्य भरत मुनि के ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' में यह सूत्र 'विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पतिः' मे अनुभाव का वर्णन किया गया है। (वाचिक, आंगिक, सात्विक) है। भानुदत्त के अनुसार चार भेद इस प्रकार हैं-
(कायिक, मानसिक, आहार्य और सात्विक) है। निर्वेद, व्रीड़ा और उन्माद संचारी भाव है।

29. शब्द में जहाँ मूल अर्थ नहीं, बल्कि उसका व्यंग्यार्थ अभिप्रेत होता है, वहाँ कौन सी शब्द-शक्ति होती है?

(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यंजना (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर (C)

व्याख्या—

विशेषता	सिद्धान्त	शब्द शक्ति
शब्द में जहां मूल अर्थ या मुख्यार्थ होता है-	रस सिद्धांत	अभिधा शक्ति/वाचक
जहां मुख्यार्थ बाधित होता है। तथा लक्ष्यार्थ आए	अलंकार सिद्धांत	लक्षणा/लक्ष्य/लक्ष्यार्थ
जहां पर मुख्यार्थ तथा लक्ष्यार्थ दोनों बाधित हो और व्यंग्यार्थ अभीष्ट होता है।	ध्वनि सिद्धांत	व्यंजना/व्यंजक/व्यंग्यार्थ

30. ''काव्यदोष'' की परिभाषा इनमें से सबसे पहले किसने दी?

(A) दंडी (B) भामह
(C) वामन (D) आनंदवर्धन

उत्तर (C)

व्याख्या—वामन ने काव्य दोष को सर्वप्रथम परिभाषा दी है और कहा- 'गुणं विपर्ययात्मानों दोषा:। अर्थात गुण की आत्मा के विपरीत अवयव ही दोष है। इन्होंने दोषों की संख्या 20 मानी है 10 गुण दोष, 10 अर्थ दोष,
दण्डी गुण को रीति का नियामक सिद्ध करने वाले प्रथम आचार्य हैं इन्होंने 'काव्य में कटु वचन' को दोष माना है।
भामह ने 'कुकवित्य' को साक्षात् मृत्यु माना है
आनन्दवर्धन 'रस' के साथ 'औचित्य' का सम्बन्ध स्थापित करने वाले प्रथम आचार्य आनन्दवर्धन हैं। 'हेयता' को काव्य में जोड़ने की चेष्टा की है।

**31. ''पाय महावर देन को नाइन बैठी आय।
फिरि फिरि जानि महावरी एड़ी मीड़ति जाय।।''
इन काव्य-पंक्तियों में कौन सा अलंकार है?**

(A) संदेह (B) भ्रांतिमान
(C) विशेषोक्ति (D) समासोक्ति

उत्तर (B)

व्याख्या—जहाँ समानता के कारण एक वस्तु में किसी दूसरी वस्तु का भ्रम हो तो वहाँ भ्रान्तिमान अलंकार होता है। इस उदाहरण में नायिका के पैर में महावर लगाने के लिए नाइन आयी लेकिन नायिका के पैर की लालिमा इतनी थी कि नाइन को पहले से महावर लगे होने का भ्रम हो गया।

32. रस निष्पत्ति के संदर्भ में 'भुक्तिवाद' किस आचार्य का मत है?

(A) अभिनव गुप्त (B) शंकुक
(C) भट्टनायक (D) भट्ट लोल्लट

उत्तर (C)

व्याख्या—

आचार्य	समय	वाद/सिद्धांत	दर्शन
भट्ट लोल्लट	9वीं शदी	उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	मीमांसा दर्शन
भट्ट शंकुक	9वीं शदी	अनुमितिवाद	न्यायदर्शन
भट्ट नायक	10वीं शदी	भुक्तिवाद/भोगवाद	सांख्य दर्शन
अभिनवगुप्त	11वीं शदी	अभिव्यक्तिवाद	शैव दर्शन

33. 'स्वर भंग' किस प्रकार का अनुभाव है?

(A) कायिक (B) वाचिक
(C) आहार्य (D) सात्विक

उत्तर (D)

व्याख्या—अनुभव चार प्रकार के होते हैं जो इस प्रकार हैं-(क) सात्विक अनुभाव-इसे मानसिक भाव भी कहते हैं। यह पवित्र माना जाता है। इसके आठ भेद हैं। स्तम्भ, स्वेद, रोमांच, स्वरभंग, कम्प, वैवर्ण्य, अश्रु, प्रलय,
(ख) कायिक-शारीरिक चेष्टाओं को प्रकट करना।
(ग) वाचिक-वाणी का प्रयोग करना।
(घ) आहार्य- वस्त्र/आभूषण सज्जा द्वारा आकर्षित करना।

34. ''लोकवृत्तानुकरणं नाट्यमेतन्मया कृतम'- यह कथन किस आचार्य का है ?

(A) भरत (B) अभिनव गुप्त
(C) धनंजय (D) रामचंद्र गुणचंद्र

उत्तर (A)

व्याख्या-

कथन	आचार्य
लोकवृत्तानंकरणं ....कृतम्	आचार्य भरत मुनि
प्रतिमा अपूर्ववस्तु निर्माणक्षमा प्रज्ञा	अभिनवगुप्त
विभावैरनुभावैश्य सात्विकैर्व्यभिचारिभिः	धनंजय
रस को सुखकारक और दुखकारक दो भागों में बांटा है।	रामचन्द्र गुणचन्द्र

35. ''काव्यं तु जायते जातु कस्यचित् प्रतिभावतः।'' यह उक्ति किस आचार्य की है?

(A) भामह (B) दण्डी
(C) उद्भट (D) मम्मट

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (A)

व्याख्या- कथन	आचार्य
काव्यं तु ....प्रतिभावतः	भामह
नैसर्गिकी च प्रतिमा श्रुतं च बहु निर्मलम	दण्डी
शान्त रस को रस विवेचन में सर्वप्रथम स्थान देने वाले आचार्य	उद्भट
शक्ति निर्पुणता लोकशास्त्र काव्याद्यवेक्षपात्	मम्मट

36. ''औचित्यं रससिद्धस्य स्थिरं काव्यस्य जीवितम'- यह उक्ति किस आचार्य की है?

(A) आनंदवर्धन (B) मम्मट
(C) क्षेमेन्द्र (D) विश्वनाथ

उत्तर (C)

कथन	आचार्य	शती
औचित्यं रससिद्धय.... जीवितम्	क्षेमेन्द्र	11वीं शदी
चारुत्वोत्कर्ष निबंधना हि वाच्यव्यंग्योः प्राधान्य-विवक्षा'।	आनन्दवर्धन	9वीं शदी
शक्ति कवित्वबीजरूपः संस्कार विषेशः	मम्मट	11वीं शदी
वाच्यातिणयिनी वाड़ग्ये ध्वनिस्त काव्य भुत्तममं	विश्वनाथ	14वीं शदी

37. निम्नलिखित में से कौन सा श्रृंखलामूलक अलंकार नहीं है?

(A) कारणमाला (B) माला दीपक
(C) एकावली (D) काव्यलिंग

उत्तर (D)

व्याख्या–जहाँ पर क्रम से या शृंखलाबद्ध वर्णन इस प्रकार से हो कि आगे के लिए कड़ी या माला बनती जाय वहाँ पर करुणमाला, माला दीपक, और एकावली, अलंकार होता है।
परन्तु जहाँ युक्ति द्वारा कारण देखकर पद या वाक्य के अर्थ का समर्थन किया जाता है वहाँ 'काव्यलिंग' अलंकार होता है।

38. इनमें से किस हिंदी आलोचक ने 'साधारणीकरण' की व्याख्या की है?

(A) नगेन्द्र (B) नन्ददुलारे वाजपेयी
(C) हजारीप्रसाद द्विवेदी (D) नामवर सिंह

उत्तर (A)

व्याख्या–'साधारणीकरण' के प्रणेता आचार्य भट्टनायक हैं, हिन्दी में डॉ. नगेन्द्र ने साधारणीकरण, की व्याख्या देते हुए कहा कि 'कवि की भावना' ही साधारणीकरण है। आचार्य शुक्ल- ने आलम्बन धर्म का साधारणीकरण माना है। श्यामसुन्दर दास ने 'भावक या पाठक को साधारणीकरण माना है।'

39. 'श्लेष' अलंकार कितने प्रकार का होता है?

(A) 2 (B) 3
(C) 4 (D) 5

उत्तर (A)

व्याख्या–श्लेष का अर्थ होता है चिपका हुआ अर्थात जहाँ एक ही शब्द में कई अर्थ चिपके हों वहां श्लेष अलंकार होता है। श्लेष अलंकार के दो प्रकार है। अभंग श्लेष एवं सभंग श्लेष।

40. प्रकाशन वर्ष के अनुसार रामविलास शर्मा की कृतियों का सही अनुक्रम है।

(A) बड़े भाई, भारतेनदु युग, परम्परा का मूल्यांकन, भाषा, साहित्य और संस्कृति
(B) भारतेन्दु युग, भाषा, साहित्य और संस्कृति, परम्परा का मूल्यांकन, बड़े भाई
(C) भाषा, साहित्य और संस्कृति, परम्परा का मूल्यांकन, बड़े भाई, भारतेन्दु युग
(D) परम्परा का मूल्यांकन, बड़े भाई, भाषा, साहित्य और संस्कृति, भारतेन्दु युग

उत्तर (B)

व्याख्या–प्रकाशन के अनुसार रामविलास शर्मा की कृतियों का सही अनुक्रम है : प्रेमचन्द (1941), 'भारतेन्दु युग (1943), निराला (1946) भाषा साहित्य और संस्कृति (1954) आस्था और सौन्दर्य (1961) भाषा और समाज (1961) परम्परा का मूल्यांकन (1981) बड़े भाई (1986), प्रगति और परम्परा (1948), प्रेमचंद और उनका युग (1952), निराला की साहित्य साधना (तीन भाग-1969, 1972, 1976), हिन्दी जाति का साहित्य (1986), भारतीय सौन्दर्य बोध और तुलसीदास (2001), भारतेन्दु युग और हिन्दी साहित्य का विकास परम्परा (1975), महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण (1977), नयी कविता और अस्तित्ववाद (1978), प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना (1955)

41. निम्नलिखित सम्प्रदायों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) भरत	(i) रीति
(B) दण्डी	(ii) ध्वनि
(C) वामन	(iii) रस
(D) आनंदवर्धन	(iv) अलंकार
	(v) वक्रोक्ति

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	ii	iv	v	iv
(D)	iv	v	ii	iii

उत्तर (B)

व्याख्या-

आचार्य	समय	सम्प्रदाय	ग्रंथ
भरतमुनि	द्वितीय शती	रस सम्प्रदाय	नाट्यशास्त्र
दण्डी	7वीं उत्तरार्द्ध	अलंकार सम्प्रदाय	काव्यादर्श
वामन	8वीं9वीं के बीच	रीति सम्प्रदाय	काव्यालंकार सूत्र वृत्ति
आनन्दवर्धन	9वीं उत्तरार्द्ध	ध्वनि सम्प्रदाय	ध्वन्यालोक
कुंतक	10वीं उत्तरार्द्ध	वक्रोक्ति सम्प्रदाय	वक्रोक्ति जीवितम्

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो, अरस्तू, लौंजाइनस, क्रोंचे, आई. ए. रिचर्ड्स, नयी समीक्षा

42. कविता सर्वोत्तम शब्दों का सर्वोत्तम क्रम विधान है। यह कथन किसका है?

(A) एडीसन (B) वर्ड्सवर्थ
(C) कॉलरिज (D) मैथ्यू आर्नल्ड

उत्तर (C)

मत	आलोचक
कविता सर्वोत्तम शब्दों का क्रम विधान है।	कॉलरिज
कविता प्रबल भावों का सहज उच्छलन है।	वर्ड्सवर्थ
कल्पना सर्वप्रथम प्रत्यक्ष दृश्य से प्रभावित होती है।	एडीसन
काव्य जीवन की आलोचना है।	मैथ्यू आर्नल्ड

43. आई.ए. रिचर्ड्स के ग्रंथों को उनके प्रकाशन के प्रथम संस्करण वर्ष से सुमेलित कीजिए।

सूची-I	सूची-II
(A) दि प्रिंसिपल्स ऑफ लिटररी क्रिटिसिज्म	(i) सन् 1922
(B) दि फिलॉसॉफी ऑफ रेटॉरिक	(ii) सन् 1924
(C) साइंस एंड पोइट्री	(iii) सन् 1929
(D) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	(iv) सन् 1926
	(v) सन् 1936

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	ii	i	v
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	ii	v	iv	iii

उत्तर (D)

व्याख्या–आई.ए. रिचर्ड्स के ग्रन्थों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम-दि फाउण्डेशन ऑफ ईस्थेटिक (1922), दि मीनिंग ऑफ मीनिंग 1923, दि प्रिंसिपुल्स ऑफ लिटरारी क्रिटिसिज्म (1924), साइंस एण्ड पोएट्री (1926), प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म (1929), द फिलासफी ऑफ रेटारिका (1936)।

कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, जायसी, ग्रन्थावली, सूरदास (भ्रमरगीत सार), तुलसीदास (उत्तरकाण्ड), प्रसाद (कामायनी–श्रद्धा, इड़ा सर्ग), निराला (राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता), अज्ञेय (असाध्य वीणा, नदी के द्वीप, मुक्तिबोध (अंधेरे में)

44. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों से सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(A) रागात्मक भाषा	(i) दि सेक्रेड वुड
(B) परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा	(ii) बायोग्राफिया लिटरेरिया
(C) कल्पना सिद्धांत	(iii) द मीनिंग ऑफ मीनिंग
(D) अनुकरण सिद्धांत	(iv) कल्चर एंड एनाकी
	(v) पेरि पोइएतिकेस

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	ii	iii	i
(C)	iii	i	ii	v
(D)	ii	iii	i	iv

उत्तर (C)

व्याख्या-

सिद्धांत	पुस्तक	लेखक
रागात्मक भाषा	द मीनिंग ऑफ मीनिंग	रिचर्ड्स एवं सी.के. आग्डेन
परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा	दि सेक्रेड वुड	इलियट
कल्पना सिद्धांत	बायोग्राफिया लिटरेरिया	कोलरिज
अनुकरण सिद्धांत	पेरिपोइएतिकेस	अरस्तू

अन्य तथ्य विविधा

45. इनमें से कौन सी ध्वनि संयुक्त व्यंजन है?

(A) क्य (B) च्च
(C) ट (D) औ

उत्तर (A)

व्याख्या–संयुक्त व्यंजन उसे कहते हैं जहाँ दो भिन्न व्यंजन मिलकर एक नया रूप ग्रहण करते हैं। जैसे-क् + य = क्य, च्च 'द्वित्व व्यंजन तथा 'औ' संयुक्त स्वर है। 'ट्' वर्ग स्पर्श व्यंजन है तथा उच्चारण स्थान 'मूर्द्धा' है। कुछ संयुक्त व्यंजन इस प्रकार है। क् + ष = क्ष, त् + र = त्र, ज + ञ = ज्ञ, स् + र = श्र।

46. निम्नलिखित में से किस भाषा को संविधान की अष्टम् सूची में सम्मिलित नहीं किया गया है?

(A) डोगरी (B) मणिपुरी
(C) मैथिली (D) छत्तीसगढ़ी

उत्तर (D)

व्याख्या–संविधान की आठवीं अनुसूची में कुल (22) भाषाओं को अब तक स्थान दिया गया है। जो इस प्रकार हैं। असमिया, बंगाली, गुजराती, हिन्दी, कन्नड, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलगू, संस्कृत, उर्दू, सिन्धी, कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी। अतः छत्तीसगढ़ी नहीं है।

47. 'मिला तेज से तेज' किस विधा की रचना है?

(A) जीवनी (B) आत्मकथा
(C) निबंध (D) संस्मरण

उत्तर (A)

व्याख्या–'मिला तेज से तेज' 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पर उनकी पुत्री 'सुधा चौहान' द्वारा लिखी गयी जीवनी' है।

48. "जनम अवधि हम रूप निहारल
नयन न तिरपित भेल।"
इन काव्य-पंक्तियों के रचयिता हैं

(A) विद्यापति (B) हितहरिवंश
(C) रसखान (D) मीराबाई

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

पंक्ति	कवि/लेखक
जनम अवधि हम....न तिरपित भेल	विद्यापति
कहा कहौ इन नैननि की बात, ये अति प्रिया बदन अंबुज रस अटके अनत न जात	हित हरिवंश
हरि तुम हरौ जन की पीर	मीराबाई
शेष, महेश, गनेश, दिनेश। सुरेशहु जाई निरंतर ध्यावै	रसखान

49. ''रूप की आराधना का मार्ग आलिंगन नहीं तो और क्या है?" इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं

(A) भवानीप्रसाद मिश्र (B) नरेन्द्र शर्मा
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर (C)

व्याख्या

पंक्ति	लेखक
रूप की आराधना.....तो और क्या है?	दिनकर
टूटने का दुःख बहुत प्यारे बन्धनों का आज झटका लगा रहा है।	भवानी प्रसाद मिश्र
प्रेम तुम्हारा है मेरी इन आँखों का आकाश। मृदु मुस्कान तुम्हारी मेरे प्राणों का उल्लास।	नरेन्द्र शर्मा
हे मेरी तुम! आओ बैठे पास-पास। हम हास और परिहास करें।	केदारनाथ अग्रवाल

50. ''कविता हमारे परिपूर्ण क्षणों की वाणी है।'' यह कथन किसका है?

(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानंदन पंत
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (D) महादेवी वर्मा

उत्तर (B)

व्याख्या-

कविता हमारे परिपूर्ण क्षणों की वाणी है।	पंत जी
काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है।	प्रसाद
साहित्य की मुक्ति उसके काव्य में देख पड़ती है।	निराला
कविता सबसे बड़ा परिग्रह है	महादेवी वर्मा

51. इनमें से कौन सी बोली ओंकार बहुला नहीं है?

(A) खड़ी बोली (B) ब्रज
(C) बुंदेली (D) कन्नौजी

उत्तर (A)

व्याख्या-

बोली	प्रकार (उच्चारण स्थान)
कौरवी (खड़ी बोली), हरियाणी/ बांगरू, दक्खिनी	आकार बहुला है।
ब्रज, बुन्देली, कन्नौजी, मारवाड़ी, कुमायँनी, गढ़वाली और मालवी,	ओंकार बहुला है
अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी	उदासीन आकार बहुला है
भोजपुरी, मगही, मैथिली	इकारान्त बहुला है

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार इन रचनाओं का सही अनुक्रम है।

(A) इतिहास तिमिर नाशक, साहित्य देवता, सीढ़ियों पर धूप में, शिवशंभु के चिट्ठे
(B) सीढ़ियों पर धूप में, इतिहास तिमिर नाशक, शिवशंभु के चिट्ठे, साहित्य देवता
(C) इतिहास तिमिर नाशक, शिवशंभु के चिट्ठे, साहित्य देवता, सीढ़ियों पर धूप में
(D) साहित्य देवता, सीढ़ियों पर धूप में, इतिहास तिमिर नाशक, शिवशंभु के चिट्ठे

उत्तर (C)

व्याख्या-

रचना	वर्ष	रचनाकार
इतिहास तिमिर नाशक	1873	शिव प्रसाद सितारे हिन्द
शिवशम्भु के चिट्ठे	1903-1905	बालमुकुन्द गुप्त
साहित्य देवता	1943	माखन लाल चतुर्वेदी
सीढ़ियों पर धूप में	1960	रघुवीर सहाय

53. भाषा-निर्माण की इकाइयों का सही अनुक्रम है।

(A) शब्द, ध्वनि, वाक्य, पद
(B) शब्द, वाक्य, ध्वनि, पद
(C) पद, वाक्य, ध्वनि, शब्द
(D) ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य

उत्तर (D)

व्याख्या–भाषा निर्माण में भाषा की लघुतम इकाई ध्वनि है। ध्वनियों से शब्द बनता है। शब्दों से पद का निर्माण होता है और पदों से वाक्य बनता है। भाषा का निर्माण आरोही क्रम में ध्वनि+शब्द+पद+वाक्य आते हैं।

54. निम्नांकित में से उच्चारण स्थान के आधार पर कंठ से लेकर मुख विवर में उच्चरित व्यंजन ध्वनियों का सही अनुक्रम है:

(A) कंठ्य, तालव्य, वर्त्स्य, दंत्य, ओष्ठ्य
(B) तालव्य, कंठ्य, ओष्ठय, दंत्य, वर्त्स्य
(C) दंत्य, ओष्ठय, कंठ्य, वर्त्स्य, तालव्य
(D) ओष्ठ्य, वर्त्स्य, तालव्य, कंठ्य, दंत्य

उत्तर (A)

व्याख्या–उच्चारण स्थान के आधार पर उच्चारित ध्वनियों का सही क्रम कंठ्य, तालव्य, वर्त्स्य, दंत्य, ओष्ठय है, वर्त्स्य ध्वनियाँ वे हैं जो दन्तमूल से उच्चारित होती है, इसमें (न,र,ल,स,) आते हैं।

55. देवनागरी लिपि का सही विकास क्रम है

(A) गुप्त लिपि, ब्राह्मी लिपि, देवनागरी लिपि, नागरी लिपि
(B) नागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, देवनागरी लिपि
(C) ब्राह्मी लिपि, नागरी लिपि, गुप्त लिपि, देवनागरी लिपि
(D) गुप्त लिपि, नागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि, देवनागरी लिपि

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– देवनागरी लिपि का विकास

ब्राह्मी
↓
उत्तर शैली (नागरी) | दक्षिणी शैली
↓
गुप्त लिपि
सिद्धमात्रिका/कुटिल लिपि
↓
प्राचीन नागरी
↓
देवनागरी

दक्षिणी शैली ↓ (तेलगू, तमिल, कन्नड़)

56. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है:

(A) केदारनाथ अग्रवाल, त्रिलोचन, धर्मवीर भारती,रघुवीर सहाय
(B) त्रिलोचन, रघुवीर सहाय, केदारनाथ अग्रवाल, धर्मवीर भारती
(C) धर्मवीर भारती, त्रिलोचन, केदारनाथ अग्रवाल, रघुवीर सहाय
(D) रघुवीर सहाय, त्रिलोचन, धर्मवीर भारती, केदारनाथ अग्रवाल

उत्तर (A)

व्याख्या–जन्मकाल के अनुसार कवियों का अनुक्रम निम्नलिखित है-केदारनाथ अग्रवाल, (1911-2000ई.), त्रिलोचन (1917-2007ई.) धर्मवीरभारती (1926-1997ई.) रघुवीर सहाय (1929-1990ई.)

57. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है:

(A) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिलीशरण गुप्त
(B) मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी
(C) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
(D) माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिलीशरण गुप्त, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

उत्तर (C)

व्याख्या-

रचना	वर्ष	कवि विशेष
अयोध्या सिंह उपाध्याय	(1865-1948)	इन्हें आधुनिक काल का सूरदास कहा जाता है।
मैथिली शरण गुप्त	(1886-1964)	ये आधुनिक युग के तुलसी स्वीकार किये जाते हैं।
माखन लाल चतुर्वेदी	(1889-1968)	आपको 'एक भारतीय आत्मा के नाम से जाना जाता है
बालकृष्ण शर्मा'नवीन'	(1897-1960)	का उपनाम 'नवीन' था प्रथम 'काव्य-संग्रह' कुंकुम- है।

58. प्रकाशन वर्ष के अनुसार रचनाओं का सही अनुक्रम है

(A) निशा निमंत्रण, मधुकलश, मधुशाला, मधुबाला
(B) मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश, निशा निमंत्रण
(C) मधुबाला, मधुशाला, निशा निमंत्रण, मधुकलश
(D) मधुकलश, निशा निमंत्रण, मधुशाला, मधुबाला

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	वर्ष	कवि
मधुशाला	1935 ई.	हरिवंश राय बच्चन (1907-2003)
मधुबाला	1936 ई.	" "
मधुकलश	1937 ई.	" "
निशानिमंत्रण	1938 ई.	" "
एकान्त संगीत	1939 ई.	" "
आकुल अंतर	1943 ई.	" "
सतरंगिनी	1945 ई.	" "
बंगाल का अकाल	1946 ई.	" "
हलाहल	1946 ई.	" "
खादी के फूल	1948 ई.	" "
मिलनयामिनी	1950 ई.	" "

59. जन्मकाल के अनुसार रचनाकारों का सही अनुक्रम है।

(A) श्रीधर पाठक, जगन्नाथदास रत्नाकर, रामनरेश त्रिपाठी, मुकुटधर पाण्डेय
(B) मुकुटधर पाण्डेय, श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, जगन्नाथदास रत्नाकर
(C) जगन्नाथदास रत्नाकर, रामनरेश त्रिपाठी, मुकुटधर पाण्डेय, श्रीधर पाठक
(D) रामनरेश त्रिपाठी, जगन्नाथदास रत्नाकर, श्रीधर पाठक, मुकुटधर पाण्डेय

उत्तर (A)

कवि/लेखक	जन्म-मृत्यु	विशेष
श्रीधर पाठक	(1859-1928)	खड़ी बोली के प्रथम स्वच्छंदतावादी कवि
जगन्नाथ दास रत्नाकर	(1889-1932)	ये उर्दू में 'जकी' उपनाम से रचना करते थे
राम नरेश त्रिपाठी	(1889-1962)	इनकी रचना 'मानसी' फुटकर कविताओं का संग्रह है तथा इसमें 'देश भक्ति' की चर्चा की गयी है।
मुकुटधर पाण्डेय	(1895-1984)	शुक्ल जी ने इन्हें छायावाद का प्रवर्तक माना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

60. जन्मकाल के अनुसार कवियों का सही अनुक्रम है।

(A) दादू दयाल, गुरु नानक, मलूक दास, सुंदरदास
(B) गुरु नानक, दादू दयाल, सुंदर दास, मलूक दास
(C) गुरु नानक, दादू दयाल, मलूक दास, सुंदर दास
(D) मलूक दास, गुरु नानक, दादू दयाल, सुंदर दास

उत्तर (C)

व्याख्या-

कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1. गुरूनानक	(1469-1538)	ननकाना (लाहौर)
2. दादू दयाल	(1554-1603)	अहमदाबाद (गुजरात)
3. मलूकदास	1574-1682)	कड़ा (इलाहाबाद)
4. सुन्दरदास	(1596-1689)	धौंसा (जयपुर)

61. निम्नलिखित निबंधकारों को उनके निबंधों के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I		सूची-II
(A) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर	(i)	आलोक पर्व
(B) रामधारी सिंह 'दिनकर'	(ii)	आलबाल
(C) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	(iii)	माटी हो गई सोना
(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी	(iv)	संचारिणी
	(v)	रेती के फूल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	ii	i
(B)	iv	iii	ii	v
(C)	ii	i	v	iii
(D)	v	iv	ii	i

उत्तर (A)

व्याख्या-

निबन्धकार	निबन्ध	वर्ष
कन्हैयालाल मिश्र	माटी हो गयी सोना	1959
रामधारी सिंह दिनकर	रेती के फूल	1954
अज्ञेय	आलबाल	1971
हजारी प्रसाद द्विवेदी	आलोक पर्व	1972
शान्तिप्रिय द्विवेदी	संचारिणी	1939

62. निम्नलिखित संस्मरणात्मक कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I		सूची-II
(A) आछे दिन पाछे गए	(i)	राजेन्द्र यादव
(B) नंगातलाई का गाँव	(ii)	काशीनाथ सिंह
(C) आँगन के बंदनवार	(iii)	कमलेश्वर
(D) वे देवता नहीं हैं	(iv)	विश्वनाथ त्रिपाठी
	(v)	विवेकी राय

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	i
(B)	iv	iii	v	ii
(C)	ii	iv	v	i
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या-क्रमानुसार-संस्मरणात्मक कृति-		
आछे के दिन पाछे गये	2004	काशीनाथ सिंह
नंगातलाई का गाँव	2006	विश्वनाथ त्रिपाठी
आँगन के बन्दनवार	2003	विवेकीराय
वे देवता नहीं है	2000	राजेन्द्र यादव
मेरे हमदम मेरे दोस्त	1975	कमलेश्वर

63. निम्नलिखित लेखकों को उनके यात्रावृत्तांत के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I		सूची-II
(A) राहुल सांकृत्यायन	(i)	आखिरी चट्टान तक
(B) रामवृक्ष बेनीपुरी	(ii)	चीड़ों पर चाँदनी
(C) मोहन राकेश	(iii)	मेरी तिब्बत यात्रा
(D) निर्मल वर्मा	(iv)	पैरों में पंख बाँधकर
	(v)	देश-विदेश

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	i	iii
(B)	iv	ii	v	i
(C)	v	iii	i	ii
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर (D)

व्याख्या-

लेखक	यात्रावृत्तांत	प्रकाशन वर्ष
राहुल सांकृत्यायन	मेरी तिब्बत यात्रा	1937 ई0
रामवृक्ष बेनीपुरी	पैरों में पंख बाँधकर	1952 ई0
मोहन राकेश	आखिरी चट्टान	1953 ई0
निर्मल वर्मा	चीड़ों पर चाँदनी	1964 ई0
दिनकर	देश-विदेश	1957 ई0

64. निम्नलिखित कहानियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

सूची-I		सूची-II
(A) ग्यारह वर्ष का समय	(i)	माधव राव सप्रे
(B) गुलबहार	(ii)	किशोरी लाल गोस्वामी
(C) एक टोकरी पर मिट्टी	(iii)	बंग महिला
(D) प्लेग की चुड़ैल	(iv)	रामचन्द्र शुक्ल
	(v)	भगवान दास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	i	v
(B)	i	ii	iv	iii
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	v	i	ii	iv

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

कहानी	**वर्ष**	**कहानीकार**
ग्यारह वर्ष का समय	1903	रामचन्द्र शुक्ल
गुलबहार	1902	किशोरी लाल गोस्वामी
एक टोकरी भर मिट्टी	1901	माधव राव सप्रे
प्लेग की चुड़ैल	1902	भगवानदास
दुलाई वाली	1907	बंग महिला

नोट- राजेन्द्र बाल घोष 'बंग महिला' को हिन्दी की प्रथम कहानी लेखिका स्वीकार किया जाता है। ये मीरजापुर निवासी बाबू पूर्णचन्द्र की धर्मपत्नी थीं।

65. निम्नलिखित काव्यसंग्रहों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
(A) आत्महत्या के विरुद्ध	(i) प्रभाकर माचवे
(B) हाशिये का गवाह	(ii) गजानन माधव मुक्तिबोध
(C) चाँद का मुँह टेढ़ा है	(iii) कुँवर नारायण
(D) स्वप्न भंग	(iv) रघुवीर सहाय
	(v) भारत भूषण अग्रवाल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iv
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	iii	iv	v	ii

उत्तर (C)

व्याख्या–

काव्य संग्रह	**कवि**
आत्महत्या के विरुद्ध	रघुवीर सहाय
हाशिये का गवाह	कुँवर नारायण,
चाँद का मुँह टेढ़ा है-	मुक्तिबोध
स्वप्न भंग	प्रभाकर माचवे
छवि के बंधन	भारत भूषण अग्रवाल

कथोपकथन

66. **स्थापना (Assertion) (A) : मनोविश्लेषणवाद में सबसे अधिक महत्त्व व्यक्ति के मन को दिया जाता है।**
तर्क (Reason) (R): क्योंकि व्यक्ति का मन सामाजिक प्रतिबंधों में कैद होकर जड़ हो जाता है।
(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) गलत
(D) (A) गलत और (R) गलत
उत्तर (C)

व्याख्या–'मनोविश्लेषणवाद' में मन का विश्लेषण किया जाता है। इसमें व्यक्ति विशेष महत्व मन को देता है। व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है। लेकिन अधिकतर व्यक्ति का मन सामाजिक प्रतिबंधों में कैद होकर जड़ नहीं होता है।

67. स्थापना (Assertion) (A) : ईश्वर और मनुष्य के बीच संबंध स्थापित करने का एक माध्यम धर्म है। धर्म साधना व्यक्तिनिष्ठ है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि साध्य और साधक का एकीकरण साधना के माध्यम से ही होता है।
(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–मनुष्य और ईश्वर के बीच का सम्बन्ध आस्था या विश्वास है और यही आस्था ही धर्म का प्रमुख तत्व है। धर्म की साधना व्यक्तिनिष्ठ है अर्थात धर्म को मानना या न मानना व्यक्तिगत है। साध्य और साधक के एक होने का माध्यम 'साधना' ही है।

68. स्थापना (Assertion) (A) : सामाजिक जीवन की स्थिति और पुष्टि के लिए करुणा का प्रसार आवश्यक है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि करुणा का व्यक्तिगत स्वार्थ से विरोध है। उसके लिए निजी हित छोड़ना पड़ता है।
(A) (A) गलत और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही
(D) (A) सही और (R) गलत
उत्तर (C)

व्याख्या–सामाजिक जीवन में समन्वय बनाये रखने के लिए करुणा/दया का होना आवश्यक है, करुणा और व्यक्तिगत स्वार्थ एक दूसरे के विरोधी हैं। करुणा के लिए व्यक्तिगत स्वार्थ का त्याग करना पड़ता है।

69. स्थापना (Assertion) (A) : इतिहास का साहित्य कुछ बड़े-बड़े व्यक्तियों के उत्थान और पतन के लेखे जोखे के नाम नहीं है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि इतिहासमूलक साहित्य मनुष्य के धारावाहिक जीवन के सारभूत रस का प्रवाह है।
(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या–साहित्य का इतिहास रचनाओं के उत्थान और पतन का विवरण मात्र ही नहीं होता है। यह साहित्य के विकास एवं संवर्द्धन की प्रक्रिया को प्रकट करता है। साहित्य का इतिहास मनुष्यरूप या समाज के क्रिया कलाप को क्रमबद्ध तरीके से सार रूप में प्रकट करता है।

70. स्थापना (Assertion) (A) : जाति भेद और छुआ-छूत की प्रथाओं ने हमारे देश को अनेक स्तरों में बाँट रखा है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि लोकतंत्र के शक्ति-विकेन्द्रीकरण का सबसे सही मार्ग यही है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) सही और (R) सही
(C) (A) गलत और (R) गलत
(D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–जाति, धर्म आदि के भेद ने और छुआ-छूत, रूढ़ियों और प्रथाओं ने देश तथा व्यक्ति को अनेक स्तरों पर बाँटा है। लोकतंत्र की शक्ति का विकेन्द्रीकरण इसी असमानता और प्रथा को दूर करने के लिए किया गया है न कि देश को बाँटने के लिए।

71. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य विद्या है और कला उपविद्या। इसलिए चौंसठ कलाओं की सूची में काव्य समाविष्ट नहीं है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि कला कौशल और शिल्प है, जबकि काव्य ज्ञान और जीवन का एक व्यापक सर्जनात्मक विधान है जिसमें सत् और असत् का विवेक रहता है।
(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत
उत्तर (C)

व्याख्या–भारतीय परम्परा में कुल 64 कलाएं मानी गयी हैं। काव्य को विद्या या ज्ञान माना जाता है और कला को उपविद्या। इन 64 कलाओं में काव्य सम्मिलित नहीं है। कला को कौशल और शिल्प माना जाता है और काव्य को ज्ञान एवं जीवन के विस्तृत पटल का सृजनात्मक रूप। अतः काव्य के द्वारा हम सत्य एवं असत्य को पहचानने की शक्ति प्राप्त करते हैं।

72. स्थापना (Assertion) (A) : नाटक शुद्ध साहित्य है, जिसकी आलोचना काव्यालोचन के स्थापित प्रतिमानों द्वारा की जा सकती है।
तर्क (Reason) (R): लेकिन नाटक शुद्ध साहित्य नहीं है। यह केवल नट की क्रिया है।
(A) (A) गलत और (R) सही
(B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) गलत
(D) (A) सही और (R) सही
उत्तर (B)

व्याख्या–नाटक शुद्ध साहित्य है, यह विद्या अभिनित प्रधान होती है। नाटक की आलोचना काव्य की आलोचना के लिए प्रतिमानों पर नहीं किया जा सकता है। नाटक केवल नट की क्रिया ही नहीं है। इसमें समाज तथा व्यक्ति की अच्छाइयों एवं बुराइयों को और मानव मन को विश्लेषित किया जाता है। स्थापना में नाटक को शुद्ध साहित्य माना गया है जबकि तर्क में इसे साहित्य नहीं माना गया है जो स्वतः ही गलत सिद्ध करता है।

73. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य की भूमि पर ले जाता है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि मनुष्य संबंधों का निर्वाह साहित्य से प्रेरित होकर केवल आत्म-संतोष के लिए करता है।
(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) सही और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–साहित्य मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बन्धों या व्यक्तिगत हितों के संकुचित विचार या मण्डल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य की भूमि पर ले जाता है। मनुष्य सम्बन्धों का निर्वाह न ही साहित्य से ही प्रेरित होकर और न ही आत्म संतोष के लिए करता है।

74. स्थापना (Assertion) (A) : मनुष्य की रागात्मक प्रवृत्ति उसे सामाजिक बंधनों से मुक्त होने के लिए प्रेरित करती है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि समाज मनुष्य की रागात्मकता को स्वीकार नहीं करता।
(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) सही और (R) सही
(C) (A) गलती और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–मनुष्य की रागात्मक प्रवृत्ति उसे सामाजिक सम्बन्धों से मुक्त होने के लिए प्रेरित करती है, समाज मनुष्य की रागात्मकता को स्वीकार करता है।

75. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य में व्यक्तिवादी चेतना समाज के बहुमुखी विकास को अवरुद्ध करती है।
तर्क (Reason) (R): क्योंकि व्यक्तिवाद से समाज में अराजकता फैलती है।
(A) (A) गलत और (R) गलत
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) सही और (R) सही
(D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या–साहित्य में व्यक्तिगत विचार समाज के बहुमुखी विकास को प्रतिबंधित करता है। व्यक्तिवाद से समाज में अराजकता का भाव पैदा होता है। जबकि समाज में समभाव और समन्वय की आवश्यकता होती है। इसलिए व्यक्तिवाद समाज के लिए अहितकर होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2014
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] **[पूर्णाङ्क : 100**

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. अवधी का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है?

(A) महाराष्टी (B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी (D) मागधी

उत्तर – (C)

व्याख्या–अवधी का विकास अर्द्धमागधी अपभ्रंश से हुआ है। हिन्दी का विकास क्रम- संस्कृत- पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी

अपभ्रंश तथा उनसे विकसित उपभाषा एवं बोलियों का विवरण निम्नवत है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बंगारू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमाँयुनी → गढ़वाली → नेपाली
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

2. इनमें से किसको संविधान की अष्टम् अनुसूची में सम्मिलित नहीं किया गया ?

(A) डोगरी (B) मैथिली
(C) ब्रज (D) असमिया

उत्तर – (C)

व्याख्या–संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को सम्मिलित किया गया है। आरम्भ में संविधान में कुल 14 भाषा मानी है। असमिया, बंगाली, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगू, संस्कृत, और उर्दू 21वां संविधान संशोधन (1967) ई0 द्वारा सिंधी को शामिल किया गया। 71वें संविधान संशोधन 1991 ई0 द्वारा कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली, तथा 92वें संविधान 2003 ई0 में बोडो, संथाली, मैथिली, डोगरी को जोड़ा गया है।
अतः 'ब्रज' को अभी तक स्थान नहीं मिल सका है। ब्रज पश्चिमी हिन्दी की एक बोली है।

3. विकास की दृष्टि से प्राकृत की पूर्वकालीन अवस्था का नाम है।

(A) पालि (B) संस्कृत
(C) हिन्दी (D) अवहट्ठ

उत्तर – (A)

व्याख्या–विकास की दृष्टि से प्राकृत की पूर्व कालीन अवस्था पालि है। हिन्दी भाषा के विकास का क्रम :-

संस्कृत (1500 ई0पू0 - 500 ई0पू0 तक)
पालि (500 ई0पू0- 1 ई0 तक)
प्राकृत (1 ई0 - 500 ई0 तक)
अपभ्रंश (500 ई0 - 1000 ई0पू0 तक)
हिन्दी (1000 ई0 से अब तक)

4. शब्दों की पद-रचना पर आधारित भाषाओं के वर्गीकरण को क्या कहा जाता है ?

(A) ऐतिहासिक वर्गीकरण
(B) कुलात्मक वर्गीकरण
(C) प्रभाव आधारित वर्गीकरण
(D) आकृतिमूलक वर्गीकरण

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–पद रचना का सम्बन्ध व्याकरण या भाषा की रूप रचना से है। सम्बन्धतत्त्व, पद रचना या वैयाकरणिक समानता पर आधारित वर्गीकरण आकृतिमूलक या रूपात्मक कहा जाता है। इसके दो भेद हैं। (क) अयोगात्मक (ख) योगात्मक। ऐतिहासिक वर्गीकरण को काल आधारित वर्गीकरण भी कहते हैं। इसे प्रागैतिहासिक प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक, वर्गों में बांटा गया। कुलात्मक को पारिवारिक वर्गीकरण भी कहते हैं इसमें भारोपीय द्रविण परिवार आते हैं। प्रभाव आधारित वर्गीकरण में एक भाषा का दूसरे पर प्रभाव आधार होता है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

5. गोकुलनाथ की रचना है

(A) पउम चरिउ (B) ललित विस्तार
(C) छंदानुशासन (D) चौरासी वैष्णवन की वार्ता

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार	समय
पउमचरिउ	स्वयंभू	8वीं शदी
ललित विस्तार	परशुराम शर्मा वैद्य	20वीं शदी
चौरासी वैष्णवन की वार्ता, दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता	गोकुलनाथ	17वीं शदी का उत्तरार्द्ध

6. इनमें से कौन सी रचना लल्लू लाल की नहीं है?

(A) सिंहासन बत्तीसी (B) बैताल पच्चीसी
(C) सुख सागर (D) लाल चंद्रिका

उत्तर – (C)

व्याख्या–लल्लू लाल की प्रमुख रचना-सिंहासन बत्तीसी (1801ई.), बैताल पच्चीसी (1801ई.), राजनीति (1802ई.), प्रेम सागर या नागरीदशम (1803-09ई.) भाषा कायदा (1811ई.), सभा विलास (1815ई.), माधोविलास (1817ई.), लालचन्द्रिका (1818ई.)। जबकि सुखसागर, मंतखबुत्त वारीख, सुरासुर निर्णय (1783ई.), मुंशी सदा सुखलाल 'नियाज' की रचना है।

7. 'आगम-वेअ-पुराणेहि, पाणिअ माण वहन्ति'

(A) सरहपा (B) कण्हपा
(C) शबरपा (D) डोंबिपा

उत्तर – (B)

व्याख्या –

पंक्ति	लेखक	समय
पण्डित सअल सत्त बक्खाणइ। देहहि रूद्ध बसंत न जाणइ।।	सरहपा	8वीं शदी
आगम वेअ-पुराणेहि, पाणिअ माण वहन्ति	कण्हपा	820 ई.
छाडु-छाडु माआ मोह विषम दुन्दोली, महासुहे विसन्ति शवरो लइआ सुण-मेहली।।	शबरपा	780 ई.
गंगा जउना मांझे रे बहइ नइ। ताहे बुडिली, मातंगि योइया लीले पार करेइ।।	डोंबिया	840 ई.

8. खड भाषा पुराणं च/कुरानं कथितं मया। भाषा के सम्बन्ध में यह पंक्ति किस कवि की है?

(A) जगनिक (B) नरपतिनाल्ह
(C) चंदबरदाई (D) अब्दुल रहमान

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार/लेखक
खड भाषा पुराणं ......कथितं मया	चन्दबरदाई
दव का दाधा कपुली मिल्ही। जीभ का दाधा नु परँगुराई।।	नरपति नाल्ह
कटि कटि शीश गिरै धरनी में उठि उठि ठंड तलवार। आठ कोश के तह गिरदा में। अंधाधुंध करै तलवार।	जगनिक
चौदिशि घोरधार छाप गउ गरुअ भरो । गगन-कुहर धुर धुरै सरोषउ अंबुधरो।	अब्दुल रहमान

9. 'रस गंगाधर' में पंडितराज जगन्नाथ ने किस बादशाह की प्रशंसा की है ?

(A) शाहजहाँ (B) औरंगजेब
(C) अकबर (D) बाबर

उत्तर – (A)

व्याख्या–पंडित जगन्नाथ, शाहजहाँ के समकालीन थे तथा उनके दरबार में रहते थे, इन्हें 'पंडितराज' की उपाधि शाहजहाँ ने ही दी थी। 'रसगंगाधर' में 'पंडितराज' ने अपने आश्रयदाता शाहजहाँ की प्रशंसा की है।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

10. इनमें से कौन सा इलाचंद्र जोशी का उपन्यास है ?

(A) सुनीता (B) मुक्ति पथ
(C) सुखदा (D) तेरी मेरी उसकी बात

व्याख्या – (B)

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
सुनीता	1935	जैनेन्द्र
मुक्तिपथ	1950	इलाचन्द्र जोशी
सुखदा	1952	जैनेन्द्र
तेरी मेरी उसकी बात	1973	यशपाल

11. इनमें से कौन मनोविश्लेषणवादी कथाकार नहीं है ?

(A) जैनेन्द्र (B) चतुरसेन शास्त्री
(C) इलाचंद्र जोशी (D) अज्ञेय

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–जैनेन्द्र (1905-1988 ई.), इलाचन्द्र जोशी (1902-1982 ई.), अज्ञेय (1911-1987 ई.), ये मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार है। जबकि चतुरसेनशास्त्री (1891-1960 ई.), प्रकृतिवादी, ऐतिहासिक उपन्यासकार हैं।

12. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का नाटक है

(A) गोरक्ष विजय (B) कालिका मंगल
(C) सरस्वती मंगल (D) विद्यासुंदर

उत्तर – (D)

व्याख्या-

अनुदित नाटक	वर्ष	मूलनाटक
विद्यासुन्दर	1868	संस्कृत नाटक चौर पंचाशिका
पाखण्ड विखण्डन	1872	प्रबोध चन्द्रोदय
कर्पूरमंजरी	1875	सट्टक संस्कृत का अनुवाद
मुद्राराक्षस	1878	संस्कृत से
सत्य हरिश्चन्द्र	1875	चंद्रकौशिक के आधार पर
ये सभी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटक हैं।		

13. इनमें से कौन सा काव्य रामकथा पर आधारित है ?

(A) भूमिजा (B) कामायनी
(C) नीरजा (D) यशोधरा

उत्तर – (A)

रचनाकार	रचना	वर्ष	विषयवस्तु
रघुवीर शरण मित्र	भूमिजा	1961	रामकथा पर आधारित ग्रंथ
जयशंकर प्रसाद	कामायनी	1936	जलप्लावन/शैवदर्शन
महादेवी वर्मा	नीरजा	1935	गीतकाव्य संग्रह
मैथिलीशरण गुप्त	यशोधरा	1932	बुद्ध की पत्नी यशोधरा का वियोग वर्णन

14. प्रेमचंद 'सेवासदन' उपन्यास का उर्दू शीर्षक है –

(A) बाजार-ए हुस्न (B) गोशा ए आफियत
(C) चौगाने हस्ती (D) हम खूर्मा व हम सबाब

उत्तर – (A)

व्याख्या-

उपन्यास	वर्ष	उर्दू शीर्षक	विशेष
सेवासदन	1918 ई0	बाजार-ए-हुस्न	वेश्या जीवन से सम्बद्ध समस्या का वर्णन
प्रेमाश्रय	1922 ई0	गोशा ए आफिमत	औपनिवेशिक शासन में जमींदार एवं किसानों के सम्बन्ध का चित्रण
रंगभूमि	1925	चौगाने हस्ती	औद्योगिकरण के दोष, पूँजीवादियों की शोषण नीति भारतीय शिक्षितों की चरित्रहीनता
प्रेमा अर्थात दो सखियों का विवाह	1907	हम खूर्मा व हम सबाब	हिन्दुओं में विधवा-विवाह का चित्रण
वरदान	1921	जलवा-ए-ईसार	प्रेम एवं विवाह की समस्या का चित्रण

15. नाक, भौंह, पेट, दाँत, मूँछ आदि विषयों के निबंधकार हैं।

(A) भारतेन्दु (B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) बालमुकुंद गुप्त (D) बालकृष्ण भट्ट

उत्तर – (B)

व्याख्या–धोखा, वृद्ध, खुशामद, दाँत, बालक, आप, बात, भौ, नारी, मुच्छ, परीक्षा, समझदार की मौत, तथा मनोयोग-प्रतापनारायण मिश्र जी के निबंध हैं।

16. जयशंकर प्रसाद का सर्वप्रथम नाटक है।

(A) सज्जन (B) राज्यश्री
(C) कामना (D) विशाख

उत्तर – (A)

व्याख्या–सज्जन (1910ई.), प्रायश्चित (1913ई.), राज्यश्री (1915ई.), विशाख (1921ई.), अजातशत्रु (1922ई.), जनमेजय का नागयज्ञ (1926ई.), कामना (1927ई.), स्कन्दगुप्त-(1928ई.), एक घूंट (1930ई.), चन्द्रगुप्त (1931ई.) (एकांकी) तथा ध्रुवस्वामिनी (1933ई.) प्रसाद जी के प्रसिद्ध नाटक हैं।

17. 'दूसरा दरवाजा' किस विधा की रचनाएँ हैं ?

(A) नाटक (B) उपन्यास
(C) गीतिनाट्य (D) कहानी

उत्तर – (A)

व्याख्या–लक्ष्मी नारायण लाल की प्रमुख नाट्य कृतियाँ - अंधा कुआँ (1955 ई.), मादा कैक्टस (1959 ई.), सुन्दर रस (1959ई.), सूखा सरोवर (1960ई.), नाटक बहुरंगी (1961 ई.), कर्फ्यू (1972 ई.), दूसरा दरवाजा (1972 ई.), अब्दुल्ला दीवाना (1973 ई.), यक्ष प्रश्न (1976 ई.), एक सत्य हरिश्चन्द्र (1976 ई.), गंगा माटी (1977 ई.), बलराम की तीर्थयात्रा (1983 ई.) इत्यादि।

18. इनमें से कौन सी रचना आत्मकथा है ?

(A) मैं आइना हूँ (B) पहला पड़ाव
(C) मेरा सात जनम (D) आत्मदाह

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	विधा	रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
पहला पड़ाव	उपन्यास	श्रीलाल शुक्ल	1976ई.

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

मेरा सात जन्म	आत्मकथा	हंसराज रहबर	1986 ई.(3खण्डों में)
आत्मदाह	उपन्यास	चतुरसेन शास्त्री	(1937 ई.)

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

19. 'काव्यालंकार' किसकी रचना है?

(A) भामह (B) राजशेखर
(C) दण्डी (D) रुद्रभट्ट

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार	समय
काव्यालंकार	भामह	6वीं शदी का मध्य
काव्य मीमांसा	राजशेखर	880-920 के बीच
काव्यादर्श	दण्डी	7वीं शदी उत्तरार्द्ध
श्रृंगार तिलक	रूद्रभट्ट	10वीं शदी

20. नाटक को पंचम वेद किसने कहा ?

(A) धनंजय (B) भट्टनायक
(C) भरतमुनि (D) भानुदत्त

उत्तर – (C)

व्याख्या–आचार्य भरतमुनि ने अपने ग्रंथ नाट्यशास्त्र में 'नाटक' को पाँचवें वेद की संज्ञा दी है।

तथ्य विविधा

21. रचनाकाल के अनुसार भारतेन्दु के नाटकों का सही क्रम है -

(A) नीलदेवी, अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा, सती प्रताप
(B) सती प्रताप, नीलदेवी, भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी
(C) अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा, नीलदेवी, सती प्रताप
(D) भारत दुर्दशा, नीलदेवी, अंधेर नगरी, सती प्रताप

उत्तर – (D)

व्याख्या–वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1873ई.), प्रेम जोगिनी (1875ई.), चंद्रावली (1876ई.), विषस्य विषमौषधम् (1876ई.), भारत-दुर्दशा (1880ई.), नीलदेवी (1881ई.), अन्धेर नगरी (1881ई.), सतीप्रताप (1882ई.), प्रेम जोगिनी (1875ई.), अंतिम दोनों नाटक अपूर्ण हैं, ये आधुनिक काल के आधार स्तम्भ भारतेन्दु जी के नाटक हैं।

22. पंत की काव्य-रचनाओं का सही क्रम है

(A) गुंजन, पल्लव, ग्राम्या, युगांत
(B) पल्लव, गुंजन, युगांत, ग्राम्या
(C) युगांत, गुंजन, ग्राम्या, पल्लव
(D) पल्लव, गुंजन, ग्राम्या, युगांत

उत्तर – (B)

व्याख्या–प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानन्दन पंत की काव्य कृतियों का क्रम - उच्छवास (1920ई.), ग्रंथी (1920ई.), पल्लव (1928ई.), गुंजन (1932ई.), युगांत (1936ई.), युगवाणी (1939ई.), ग्राम्या (1940ई.), स्वर्णकिरण (1947ई.), स्वर्णधूलि (1947ई.), उत्तरा (1949ई.) युगपथ (1949ई.), अतिमा (1955ई.), कला और बूढ़ा चाँद (1959ई.), लोकायतन (1964 ई.), वीणा (1972ई.), चिदम्बरा, सत्यकाम (1975ई.) है।

23. इन उपन्यासों का प्रकाशन काल के अनुसार सही क्रम है।

(A) बूँद और समुद्र, कठगुलाब, अमृत और विष,मैला आँचल
(B) मैला आँचल, अमृत और विष, बूँद और समुद्र, कठगुलाब
(C) कठगुलाब, बूँद और समुद्र, अमृत और विष, मैला आँचल
(D) मैला आँचल, बूँद और समुद्र, अमृत और विष, कठगुलाब

उत्तर – (D)

उपन्यासकार	उपन्यास	प्रकाशन काल	विशेष
रेणु जी	मैला आँचल	1954	पूर्णिया जिले मेरीगंज गाँव की कथा का वर्णन है।
अमृतलाल नागर	बूँद और समुद्र	1956	लखनऊ के चौक के रूप में भारत की छवि का वर्णन है।
अमृतलाल नागर	अमृत और विष	1966	भारतीय गणतंत्र के 15 वर्षों का राजनैतिक सामाजिक चित्रण
मृदुला गर्ग	कठ गुलाब	1996	'व्यास सम्मान' से पुरस्कृत है।

24. पत्रिकाओं का प्रकाशन काल के अनुसार सही क्रम है-

(A) सरस्वती, ब्राह्मण, हंस, नागरी प्रचारिणी पत्रिका
(B) ब्राह्मण, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, हंस
(C) नागरी प्रचारिणी पत्रिका, हंस, ब्राह्मण, सरस्वती
(D) सरस्वती, नागरी प्रचारिणी पत्रिका, हंस, ब्राह्मण

उत्तर – (B)

व्याख्या-

सम्पादक	पत्रिका	प्र0वर्ष	स्थान
प्रतापनारायण मिश्र	ब्राह्मण	1883	कानपुर
वेणी प्रसाद	नागरी प्रचारिणी पत्रिका	1896	बनारस
चिन्तामणि घोष	सरस्वती	1900	काशी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

प्रेमचन्द	हंस	1930	पहले काशी वर्तमान में दिल्ली

नोट-(i) सरस्वती प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्यामसुन्दर दास थे तथा 1903 में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।
(ii) हंस का पुनर्प्रकाशन 1986 ई. से दिल्ली में राजेन्द्र यादव के सम्पादन में प्रारम्भ हुआ।

25. ज्ञानपीठ पुरस्कृत कृतियों का वर्षवार सही अनुक्रम है-
(A) चिदम्बरा, यामा, उर्वशी, कितनी नावों में कितनी बार
(B) उर्वशी, कितनी नावों में कितनी बार, चिदम्बरा, यामा
(C) उर्वशी, चिदम्बरा, कितनी नावों में कितनी बार, यामा
(D) कितनी नावों में कितनी बार, यामा, चिदम्बरा, उर्वशी
उत्तर – (*)

व्याख्या- विकल्प में वर्षवार विकल्पों में कोई क्रम सही नहीं है। अतः इसका विवरण इस प्रकार भिन्न है।

रचना	प्रकाशन वर्ष	ज्ञानपीठ प0 वर्ष	रचनाकार
चिदम्बरा	1959	1968	पंत जी
उर्वशी	1961	1972	दिनकर
कितनी नावों में कितनी बार	1967	1978	अज्ञेय
यामा	1940	1982	महादेवी वर्मा

26. रचनाकाल के अनुसार काव्यों का सही क्रम है-
(A) आँसू, कामायनी, लहर, कानन कुसुम
(B) कानन कुसुम, आँसू, कामायनी, लहर
(C) लहर, आँसू, कामायनी, कानन कुसुम
(D) कानन कुसुम, आँसू, लहर, कामायनी
उत्तर – (D)

व्याख्या—प्रसाद की काव्य कृतियों का क्रम-उर्वशी (1909ई.), वन मिलन (1909ई.), प्रेमराज्य (1909ई.), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकाच्छ्वास (1910ई.), वभ्रुवाहन (1911ई.), कानन-कुसुम (1913ई.), प्रेमपथिक (1914ई.), महाराणा का महत्व (1914ई.), चित्राधर (1918ई.), झरना (1918ई.), आँसू (1925ई.), लहर (1933ई.), कामायनी (1936ई.), है।

27. जीवन काल के आधार पर कवियों का सही क्रम है-
(A) अमीर खुसरो, विद्यापति, रैदास, नानक
(B) नानक, विद्यापति, रैदास, अमीर खुसरो
(C) विद्यापति, रैदास, अमीर खुसरों, नानक
(D) विद्यापति, रैदास, नानक, अमीर खुसरो
उत्तर – (A)

व्याख्या-

कवि	जीवनकाल	जन्मस्थान
अमीर खुसरो	1255–1324	पटियाला (एटा) यू0पी0
विद्यापति	1368–1448	विस्फी (दरभंगा) बिहार
रैदास	1398–1518	काशी (यू0पी0)
गुरुनानक	1469–1538	तलवंडी (लाहौर)

28. प्रकाशन काल की दृष्टि से प्रेमचंद के उपन्यासों का सही अनुक्रम है-
(A) सेवासदन, प्रतिज्ञा, वरदान, रंगभूमि
(B) सेवासदन, वरदान, रंगभूमि, प्रतिज्ञा
(C) रंगभूमि, वरदान, प्रतिज्ञा, सेवासदन
(D) सेवासदन, प्रतिज्ञा, रंगभूमि, वरदान
उत्तर – (B)

व्याख्या—प्रकाशन काल के अनुसार प्रेमचन्द के उपन्यास - देवस्थान रहस्य (1905ई.) प्रेमा (1907ई.), सेवासदन (1918ई.), वरदान (1929ई.), प्रेमाश्रय (1921ई.), रंगभूमि (1925ई.), कायाकल्प (1926ई.), निर्मला (1927ई.), प्रतिज्ञा (1929ई.), गबन (1931ई.), कर्मभूमि (1932ई.), गोदान (1936ई.), मंगलसूत्र (1936ई.) अपूर्ण कृति है।
नोट-मंगलसूत्र (1936ई.) प्रेमचन्द के अधूरे उपन्यास को उनके पुत्र अमृत राय ने 1948 में पूरा किया है।

29. प्रकाशन काल की दृष्टि भीष्म साहनी के उपन्यासों का सही क्रम है-
(A) तमस, कड़ियाँ, नीलू नीलिमा नीलोफर, मय्यादास की माड़ी
(B) मय्यादास की माड़ी, तमस, कड़ियाँ, नीलू नीलिमा नीलोफर
(C) नीलू नीलिमा नीलोफर, तमस, कड़ियाँ, मय्यादास की माड़ी
(D) कड़ियाँ, तमस, मय्यादास की माड़ी, नीलू, नीलिमा नीलोफर
उत्तर (D)

व्याख्या–प्रकाशन काल के अनुसार भीष्म साहनी के उपन्यास-झरोखा (1967ई.) कड़िया (1970ई.), तमस (1973ई.), बसंती (1980ई.), मय्याददास की माड़ी (1982ई.), कुंतो (1993) नीलू नीलिमा नीलोफर (2000ई.) इत्यादि हैं।

30. प्रकाशन काल की दृष्टि से विष्णु प्रभाकर की रचनाओं का सही क्रम है-
(A) सृजन के सेतु, यादों को तीर्थयात्रा हमसफर मिलते रहे, अर्द्धनारीश्वर
(B) अर्द्धनारीश्वर, सृजन के सेतु, हमसफर मिलते रहे, यादों की तीर्थयात्रा
(C) यादों की तीर्थयात्रा, सृजन के सेतु, हमसफर मिलते रहे, अर्द्धनारीश्वर
(D) यादों की तीर्थयात्रा, अर्द्धनारीश्वर, सृजन का सेतु, हमसफर मिलते रहे
उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-विष्णु प्रभाकर की रचनाओं का सही अनुक्रम -

रचना	वर्ष	विधा
यादों की तीर्थयात्रा	1981	संस्मरण
सृजन के सेतु	1990	संस्मरण
हम सफर मिलते रहे	1996	संस्मरण
अर्द्धनारीश्वर	1992	उपन्यास

31. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) यारों के यार तीन पहाड़	(i) मैत्रेयी पुष्पा
(B) बिना दीवारों का घर	(ii) मेहरुन्निसा परवेज
(C) अकेला पलाश	(iii) मन्नू भण्डारी
(D) शेष यात्रा	(iv) कृष्णा सोवती
	(v) ऊषा प्रियंवदा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	i	iii	iv	ii
(C)	ii	iii	v	i
(D)	v	iv	iii	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	वर्ष	रचनाकार
यारों के यार तीन पहाड़	1967	कृष्णा सोबती
बिना दीवारों का घर	1965	मन्नू भण्डारी
अकेला पलाश	1981	मेहरुन्निशा परवेज
शेष यात्रा	1984	उषा प्रियंवदा
गुनाह बेगुनाह	2011	मैत्रेयी पुष्पा

32. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
(A) शिवप्रसाद सिंह	(i) एक टोकरी भर मिट्टी
(B) यशपाल	(ii) पाजेब
(C) जैनेन्द्र	(iii) पुलिस की सीटी
(D) माधव प्रसाद सप्रे	(iv) दादी माँ
	(v) हँसा जाई अकेला

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iii	ii	i
(D)	iii	ii	i	ii

उत्तर – (A)

कहानीकार	कहानी
शिव प्रसाद सिंह	दादी माँ
यशपाल	पुलिस की सीटी
जैनेन्द्र	पाजेब
माधव प्रसाद सप्रे	एक टोकरी भर मिट्टी
मार्कण्डेय	हंसा जाई अकेला

33. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय कृतियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) भारतीय साहित्य शास्त्र	(i) हेमचन्द्र
(B) भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका	(ii) बलदेव उपाध्याय
(C) रस मीमांसा	(iii) नगेन्द्र
(D) काव्यानुशासन	(iv) रामचन्द्र शुक्ल
	(v) अप्पय दीक्षित

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	iv
(B)	iv	iii	ii	v
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	ii	v	iii	iv

उत्तर – (C)

काव्य शास्त्रीय कृतियाँ	आचार्य
भारतीय साहित्य शास्त्र	बलदेव उपाध्याय
भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	नगेन्द्र
रस मीमांसा	रामचन्द्र शुक्ल
काव्यानुशासन	हेमचन्द्र
कुवलयानन्द	अप्पय दीक्षित

34. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके प्रकाशन-स्थान से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) नागरी प्रचारिणी पत्रिका	(i) इलाहाबाद
(B) सम्मेलन पत्रिका	(ii) जबलपुर
(C) पहल पत्रिका	(iii) दिल्ली
(D) नया प्रतीक	(iv) काशी
	(v) भोपाल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	ii	iii	i	v
(C)	iv	v	ii	iii
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

पत्रिका	प्र0 स्थान	सम्पादक
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	काशी (1896 ई.)	वेणी प्रसाद
सम्मेलन पत्रिका	इलाहाबाद	विभूति मिश्र
पहल पत्रिका	जबलपुर	ज्ञानरंजन
नयी पत्रिका	दिल्ली	अज्ञेय
साक्षात्कार	भोपाल	अशोक बाजपेयी

35. निम्नलिखित पात्रों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) रेखा	(i) मैला आँचल
(B) नीलिमा	(ii) दो दिन
(C) कमला	(iii) आँवा
(D) रायना	(iv) नदी के द्वीप
	(v) अंधेरे बन्द कमरे

कोड-

	a	b	c	d
(1)	i	v	ii	iii
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	v	i	ii
(D)	v	iii	ii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचनाकार	रचना	पात्र	प्र0 वर्ष
अज्ञेय	नदी के दीप	रेखा	1961
मोहन राकेश	अंधेरे बंद कमरे	नीलिमा	1961
रेणु	मैला आँचल	कमला	1954
निर्मल वर्मा	वे दिन	रायना	1964
चित्रा मुद्गल	आँवा	नमिता	1999

36. निम्नलिखित नाटकों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए -

सूची-I	सूची-II
(A) हानूश	(i) मुद्राराक्षस
(B) दशरथ नंदन	(ii) भीष्म साहनी
(C) पैर तले की जमीन	(iii) जगदीश चन्द्र माथुर
(D) तिलचट्टा	(iv) सुरेन्द्र वर्मा
	(v) मोहन राकेश

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	v
(B)	ii	iii	v	i
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	v	ii	i	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या–

नाटक	वर्ष	नाटककार
हानूश	1977	भीष्म साहनी
दशरथ नन्दन	1974	जगदीश चन्द्र माथुर
पैरों तले जमीन	अपूर्ण	मोहन राकेश
तिलचट्टा	1973	मुद्राराक्षस
रति का कंगन	2010	सुरेन्द्र वर्मा

37. निम्नलिखित सम्प्रदायों को उनके अनुयायियों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) वल्लभ सम्प्रदाय	(i) हरिव्यास देव
(B) निम्बार्क सम्प्रदाय	(ii) दामोदर दास
(C) राधावल्लभ सम्प्रदाय	(iii) गदाधर भट्ट
(D) चैतन्य सम्प्रदाय	(iv) जगन्नाथ गोस्वामी
	(v) गोविन्द स्वामी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iii
(B)	iv	i	iii	v
(C)	ii	i	v	iv
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या–

सम्प्रदाय	अनुयायी	सम्प्रदाय पुरस्कर्ता
वल्लभ सम्प्रदाय	गोविन्द स्वामी	वल्लभाचार्य
निम्बार्क सम्प्रदाय	हरि व्यास देव	निम्बार्काचार्य
राधावल्लभ सम्प्रदाय	दामोदर दास	हितहरिवंश
चैतन्य सम्प्रदाय	गदाधर भट्ट	चैतन्य महाप्रभु
हरिदासी/सखी/टट्टी सम्प्रदाय	जगन्नाथ गोस्वामी	स्वामी हरिदास

38. निम्नलिखित रचनाओं को उनकी विधाओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) प्रेत की छाया	(i) नाटक
(B) कर्बला	(ii) निबंध
(C) छितवन की छाँह	(iii) आत्मकथा
(D) अन्या से अनन्या	(iv) उपन्यास
	(v) एकांकी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	i	v
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	v	iii	ii	i
(D)	i	v	iii	iv

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

रचनाकार	रचना	वर्ष	विधा
इलाचन्द्र जोशी	प्रेत की छाया	1944	उपन्यास
प्रेमचन्द	कर्बला	1928	नाटक
विद्यानिवास मिश्र	छितवन की छाँह	1953	निबंध
प्रभा खेतान	अन्या से अनन्या	2007	आत्मकथा
जगदीश चन्द्र माथुर	भोर का तारा	1937	एकांकी

39. निम्नलिखित संस्थाओं को उनके संस्थापकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) ब्रह्म समाज	(i) ऐनी बेसेन्ट
(B) प्रार्थना समाज	(ii) विवेकानन्द
(C) आर्य समाज	(iii) दयानंद सरस्वती
(D) रामकृष्ण मिशन	(iv) राजा राममोहन राय
	(v) केशवचन्द्र सेन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	v
(B)	v	ii	iv	i
(C)	i	iii	ii	v
(D)	iv	v	iii	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या–

संस्थापक	संस्था	स्थापना वर्ष
राजा मोहन राय	ब्रह्म समाज	1828
केशवचन्द्र सेन	प्रार्थना समाज	1867
दयानन्द सरस्वती	आर्य समाज	1875
विवेकानन्द	रामकृष्ण मिशन	1897
श्रीमती एनी बेसेंट	थियोसोफिकल सोसाइटी	1875

40. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) जो बीत गयी सो बात गयी	(i) मुक्तिबोध
(B) मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में	(ii) दिनकर
(C) दो पाटों के बीच पिस गया	(iii) बच्चन
(D) रूप की आराधना का मार्ग आलिंगन नहीं तो और क्या है?	(iv) कायाकल्प
	(v) रंगभूमि

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	iv	ii	iii	v
(C)	iii	v	iv	ii
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर – (D)

पंक्ति	कवि
जो बीत गयी सो बात गयी -	हरिवंश राय बच्चन
मैं तो ....शून्य में-	अज्ञेय
दो पाटो .... पिस गया-	मुक्तिबोध
रूप की .... और क्या है-	दिनकर
आह अंतिम रात वह बैठी रही तुम पास मेरे	नरेन्द्र शर्मा

निर्देश-निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45) के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें -

शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। उनके मूल या मर्म तक उनकी गति नहीं होती। भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति को जागृत रखने वाली शक्ति कविता है जो धर्मक्षेत्र में शक्ति भावना को जगाती है। भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है। अपने मंगल और लोक के मंगल का संगम उसी के भीतर दिखाई पड़ता है। इस संगम के लिए प्रकृति के क्षेत्र के बीच मनुष्य को अपने हृदय के प्रसाद का अभ्यास करना चाहिए। जिस प्रकार ज्ञान नरसत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी। रागात्मिक वृत्ति के प्रसार के बिना विश्व के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित नहीं हो सकता। जब मनुष्य के सुख और आनंद का मेल शेष प्रकृति के सुख-सौंदर्य के साथ हो जायेगा, जब उसकी रक्षा का भाव तृणगुल्म, वृक्ष-लता, पशु-पक्षी, कीट-पतंग, सब की रक्षा के भाव के साथ समन्वित हो जायेगा, तब उसके अवतार का उद्देश्य पूर्ण हो जायेगा और वह जगत् का सच्चा प्रतिनिधि हो जायेगा।

41. स्व और लोक दोनों के मंग्रल का मिलन-बिंदु किसके भीतर है?

(A) भक्ति (B) ज्ञान
(C) योग (D) कर्म

उत्तर – (A)

व्याख्या–स्व (अपने) और लोक के मंगल का मिलन बिन्दु (संगम) भक्ति के अन्दर (भीतर) दिखाई पड़ता है।

42. नरसत्ता के प्रसार के लिए उपयुक्त है

(A) ज्ञान-हृदय (B) ज्ञान
(C) हृदय (D) कर्म

उत्तर – (A)

व्याख्या–जिस प्रकार ज्ञान नर सत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी अर्थात् नरसत्ता के प्रसार के लिए 'ज्ञान' और 'हृदय' दोनों ही उपयुक्त है।

43. जीवन का सामंजस्य विश्व के साथ स्थापित करने के लिए आवश्यक है-

(A) प्रकृति (B) ज्ञानात्मिका वृत्ति

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) वैराग्य (D) रागात्मिका वृत्ति

उत्तर – (D)

व्याख्या–जीवन का प्राकृतिक सामंजस्य विश्व के साथ स्थापित करने के लिए रागात्मिक वृत्ति आवश्यक है।

44. सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति जागृति रखने की शक्ति किसमें होती है?

(A) कविता (B) विज्ञान

(C) दर्शन (D) समाजशास्त्र

उत्तर – (A)

व्याख्या–भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति को जागृति करने की शक्ति कविता में है। प्रवृत्ति-निवृत्ति धर्म क्षेत्र में शक्ति की भावना को जगाती रहती है।

45. मनुष्य के अवतार का उद्देश्य कब पूर्ण कहा जायेगा ?

(A) सिर्फ मनुष्य समाज के साथ सामंजस्य स्थापित होने से

(B) मनुष्य समाज का शेष प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित होने से

(C) पशु-पक्षियों के साथ सामंजस्य स्थापित होने से

(D) वृक्ष-लता के साथ सामंजस्य स्थापित होने से

उत्तर – (B)

व्याख्या–जब मनुष्य का सुख और आनन्द शेष प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर लेगा तब मनुष्य के रूप में अवतार (जन्म) लेने का उद्देश्य पूर्ण कहा जा सकता है।

कथोपकथन

46. स्थापना (Assertion) (A) : मनुष्य की श्रेष्ठ साधना ही संस्कृति है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि साधनाओं के माध्यम से मनुष्य अविरोधी-सत्य तक पहुँच सका है।

(A) (A) गलत (R) सही

(B) (A) सही (R) सही

(C) (A) सही (R) गलत

(D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–मनुष्य की साधना का प्रतिफल ही संस्कृति है। साधना एक ऐसी शक्ति है जो मनुष्य को विरोधों से दूर कर अविरोधी सत्य की प्राप्ति करता है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : रस का निर्णायक सहृदय है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सहृदय रस का समीक्षक होता है।

(A) (A) सही (R) गलत

(B) (A) गलती (R) सही

(C) (A) गलत (R) गलत

(D) (A) सही (R) सही

उत्तर – (A)

व्याख्या–सहृदय श्रोता, दर्शक और पाठक में रस जिस रूप में उत्पन्न होगा। वह उसी रूप में उसको स्वीकार करता है और अपना मत देता है, किसी भी विषय पर सहृदयों की राय एक या अलग-अलग भी हो सकती है अतः वह रस का निर्णायक होता है लेकिन वह रस का समीक्षक नहीं होता है। समीक्षा करना आलोचक का काम है। क्योंकि वही उसमें गुण दोष देखता है।

48. स्थापना (Assertion) (A) : अंतर्मुखी प्रवृत्ति के व्यक्ति की मानसिक उलझनों की सफल अभिव्यक्ति 'एकालाप' के रूप में होती है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि 'एकालाप' साहित्यकार की मनोरुग्णता का द्योतक है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) सही

(C) (A) गलती (R) गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर – (D)

व्याख्या–व्यक्तित्व के मुख्यतः दो भेद हैं (A) अन्तर्मुखी (B) बहिर्मुखी। अन्तर्मुखी व्यक्ति स्वनुभव पर विशेष बल देता है तथा अपने विचारों को सबके सामने रखता है। यह विधि 'एकालाप' की श्रेणी में आती है। एकालाप मात्र मनोरुग्णता का द्योतक नहीं है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : युग जीवन के परिवेश में साहित्य की विकास परम्परा का निरूपण करना ही साहित्य के इतिहासकार का कर्तव्य-कर्म है।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि साहित्य का इतिहासकार युग जीवन के परिवेश से इतर होता है।

(A) (A) सही (R) सही

(B) (A) गलती (R) सही

(C) (A) सही (R) गलत

(D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–साहित्य का समाज, जीवन और समय से विशेष सम्बन्ध होता है। काल के परिवेश का साहित्य पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। साहित्यकारों का कर्तव्य है कि वह जीवन युग परिवेश को ध्यान में रखकर लेखन कर्म करे। साहित्यिक इतिहासकार युग जीवन से इतर न होकर उससे संबद्ध होता है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य में वस्तु और रूप एक दूसरे से अभिन्न और परस्पर अनुस्यूत होते हैं।

तर्क (Reason) (R): क्योंकि साहित्य में वस्तु और रूप की सत्ता एक दूसरे पर निर्भर है।

(A) (A) गलत (R) सही

(B) (A) सही (R) सही

(C) (A) गलती (R) गलत

(D) (A) सही (R) गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–बिम्ब और प्रतिबिंब के रूप में वस्तु और रूप का सहित्य में अन्योन्याश्रित सम्बन्ध है, इसमें वस्तु की स्थित रूप पर और रूप कि स्थिति वस्तु पर निर्भर है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2014

हिन्दी

तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 2-1/2 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 150

निर्देश: इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. 'कुवलयमाला कथा' के रचनाकार हैं

(A) रोड़कवि (B) उद्यतन सूरि
(C) दामोदर शर्मा (D) ज्योतिरीश्वर

उत्तर (B)

व्याख्या–

रचना	विद्या	रचनाकार	समय	भाषा
कुवलयमाला कथा	गद्य	उद्यतन सूरि	9वीं शदी	आदि कालीन राजस्थानी
राउलवेल	चम्पू	रोड़कवि	10वीं शदी	पूर्वी हिन्दी/अवधी
उक्ति व्यक्ति प्रकरण	व्याकरण ग्रंथ	दामोदर शर्मा	12वीं शदी	
वर्णरत्नाकर	शब्दकोष ग्रंथ	ज्योतिरीश्वर ठाकुर	14वीं शदी	मैथिली

2. 'बीसलदेव रासो' के रचनाकार हैं

(A) जगनिक (B) शारंगधर कवि
(C) नल्लसिंह (D) नरपति नाल्ह

उत्तर (D)

व्याख्या–

रचना	रचनाकार/लेखक	समय
बीसलदेव रासो	नरपति नाल्ह	1155 ई.
हम्मीर रासो	शारंगधर	(14वीं शदी) 1357 ई.
परमाल रासो	जगनिक	(13वीं शदी) 1230ई.
विजयपाल रासो	नल्ह सिंह	13वीं शती

3. अद्दहमाण की रचना है

(A) प्राकृत पैंगलम (B) संदेश रासक
(C) जयचंद्र प्रकाश (D) प्रबंध चिंतामणि

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार/लेखक	समय
प्राकृत पैंगलम्	सुमति (याकोबी के अनुसार),लक्ष्मीधर (हजारी प्रसाद के अनुसार)	14वीं शदी पूर्वार्द्ध
संदेशरासक	अब्दुल रहमाण	13वीं शदी आरम्भ
जय चन्द्र प्रकाश	भट्ट केदार	12वीं शदी
प्रबंध चिंतामणि	मेरूतुंग	1304 ई0

4. 'उक्तिव्यक्तिप्रकरण' ग्रंथ का विषय है

(A) पुराण (B) प्रेमकाव्य
(C) भक्तिकाव्य (D) व्याकरण

उत्तर (D)

व्याख्या–दामोदर शर्मा की रचना 'उक्ति व्यक्ति प्रकरण' है जो पांच प्रकरणों में है। यह एक व्याकरण ग्रंथ है तथा राजकुमारों को स्थानीय भाषा का ज्ञान करने के लिए लिखा गया था। 12वीं शदी में महाराज गोविन्द चन्द्रदेव के सभापण्डित थे।

5. 'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं

(A) रैदास (B) कृष्णदास
(C) परमानंददास (D) नंददास

उत्तर (A)

व्याख्या–वल्लभाचार्य के पुत्र 'विट्ठलनाथ' द्वारा अष्टछाप की स्थापना 1565 ई0 में किया था। अष्टछाप पर पुष्टिमार्गी भक्ति का प्रभाव है। इसमें कुल आठ कवियों का वर्णन है। पहले चार शिष्य वल्लभाचार्य के इस प्रकार हैं- सूरदास, कुम्भनदास, कृष्णदास, परमानन्ददास, तथा चार शिष्य विट्ठलनाथ के-गोविन्द स्वामी, नन्ददास, छित स्वामी, चतुर्भुज दास।

6. राधावल्लभी संप्रदाय के आचार्य हैं

(A) रामनुजाचार्य (B) गोस्वामी हितहरिवंश
(C) वल्लभाचार्य (D) शंकराचार्य

उत्तर (B)

व्याख्या–

सम्प्रदाय	सिद्धांत	आचार्य
राधा वल्लभी सम्प्रदाय		हित हरिवंश
श्री सम्प्रदाय	विशिष्ट द्वैत	रामानुजाचार्य
रूद्र सम्प्रदाय	शुद्धाद्वैत	वल्लभाचार्य
स्मार्त सम्प्रदाय	अद्वैत	शंकराचार्य

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. मलिक मुहम्मद जायसी की रचना नहीं है

(A) मधुमालती (B) अखरावट
(C) आखिरी कलाम (D) पद्मावत

उत्तर (A)

व्याख्या–मलिक मुहम्मद जायसी कि प्रमुख काव्य कृतियाँ- पद्मावत (1540 ई.), अखरावट. आखिरी कलाम, चित्ररेखा, मसलनामा, कहरनामा (महरी बाईसी), कान्हावत. इत्यादि जबकि मधुमालती (1545 ई.) मंझन की रचना है।

8. आठवीं शताब्दी के कवि नहीं हैं

(A) सरहपा (B) हेमचंद्र
(C) शबरपा (D) स्वयंभू

उत्तर (B)

व्याख्या-

कवि	रचना	समय
सरहपा	दोहाकोश	8वीं शदी
हेमचन्द्र	शब्दानुशासन	11वीं शदी
शबरपा	चर्यापद	8वीं शदी
स्वयंभू	पउमचरिउ	8वीं शदी

9. सखी संप्रदाय को कहा जाता है

(A) राधावल्लभ संप्रदाय (B) हरिदास संप्रदाय
(C) चिंत्याचिंत्य संप्रदाय (D) अष्टछाप संप्रदाय

उत्तर (B)

व्याख्या–सखी सम्प्रदाय को हरिदास या टट्टी सम्प्रदाय भी कहा जाता है। इसके संस्थापक स्वामी हरिदास जी हैं। 'राधावल्लभ सम्प्रदाय' के संस्थापक हित हरिवंश हैं 'चिंत्याचित्य सम्प्रदाय' के संस्थापक चैतन्य प्रभु हैं। 'अष्टछाप' के संस्थापक विट्ठलनाथ जी हैं।

10. मैथिली का प्राचीनतम उपलब्ध ग्रंथ है

(A) वर्णरत्नाकर (B) कीर्तिलता
(C) चर्यापद (D) ज्ञानेश्वरी

उत्तर (A)

व्याख्या–ज्योतिरीश्वर ठाकुर की रचना 'वर्णरत्नाकर' जो मैथिल भाषा का प्राचीनतम ग्रंथ है। इसमें शब्दकोष का वर्णन किया गया है। यह 14वीं शदी की रचना मानी जाती है। अन्य कीर्तिलता-विद्यापति, चर्यापद-शबरपा और ज्ञानेश्वरी- संत ज्ञानेश्वर की है, यह 'श्रीमद्भागवत गीता' की टीका है।

11. 'बौद्धगान ओ दोहा' का संपादन किसने किया है?

(A) राहुल सांकृत्यायन (B) सूर्यकांत शास्त्री
(C) प्रबोधचंद्र बागची (D) हरप्रसाद शास्त्री

उत्तर (D)

व्याख्या–

सम्पादक	सम्पादित ग्रंथ
हरप्रसाद शास्त्री	बौद्धगान ओ दोहा
प्रबोधचन्द्र बागची	दोहाकोश
राहुल सांकृत्यायन	काव्यधारा

12. 'दोहा' या 'दूहा' किस भाषा का लोकप्रिय छंद रहा है?

(A) पालि (B) प्राकृत
(C) अपभ्रंश (D) अवधी

उत्तर (C)

व्याख्या–आचार्य शुक्ल के अनुसार "जैसे गाथा या 'गाहा' कहने से प्राकृत का बोध होता था वैसे ही पीछे दोहा या दूहा कहने से 'अपभ्रंश' या लोक प्रचलित काव्यभाषा का बोध होने लगा।" यर्थात गाथा या गाहा से प्राकृत का तथा दोहा या दूहा से अपभ्रंश का बोध होता है।

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं विविध काव्य धाराएँ

13. "साखी सबदी दोहरा कहि कहनी-उपखान
भगति निसृपहि अधम कवि निंदहिं वेद पुरान।"
किस कवि की पंक्तियाँ हैं?

(A) कबीरदास (B) भिखारीदास
(C) तुलसीदास (D) सूरदास

उत्तर (C)

व्याख्या	
संस्कृत है कूप जल भाषा बहतानीर	कबीरदास
ब्रजभाषा हेतु ब्रजवास ही न अनुमानों ऐसे कबिन की बानी हूँसो जानिये।	भिखारीदास,
साखी सबदी.......निदंहि वेद पुरान,	तुलसीदास,
मोसौ कहत मोल कौ लीनों	सूरदास

14. नायिका भेद पर आधारित ग्रंथ 'रसमंजरी' के रचनाकार हैं

(A) सूरदास (B) बिहारी
(C) नंददास (D) विद्यापति

उत्तर (C)

व्याख्या–नन्ददास की रचना रसमंजरी (1550ई.) में रचित रीतिनिरूपण सम्बन्धी रचना है। इसमें नायिका भेद का वर्णन किया गया है। स्वकीया, परकीया नायिका के भेदों के साथ नौ प्रकार की नायिकाओं का वर्णन है। इनकी अन्य रचना इस प्रकार है रासपंचायध्यायी, सिद्धांत पंचाध्यायी, रूपमंजरी, विरहमंजरी, भ्रमर गीत इत्यादि।

15. कृपाराम द्वारा रचित नायिका-भेद की सबसे पुरानी पुस्तक है

(A) हित-तरंगिणी (B) श्रुति-भूषण
(C) उज्ज्वल नीलमणि (D) कर्णाभरण

उत्तर (A)

व्याख्या–कृपाराम कृति- हिततरंगिणी (1541 ई0) रीति निरूपण की पुरानी पुस्तक मानी जाती है इसमें नायक नायिका के भेदोंपभेद का उल्लेख है।
उज्ज्वल नीलमणि-रूप गोस्वामी, कर्णाभरण-गोविन्द की रचना है।

16. 'कविकुल कल्पतरू' के रचनाकार हैं

(A) देव (B) केशवदास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) चिंतामणि (D) भिखारीदास

उत्तर (C)

व्याख्या–

कवि/लेखक	**रचना**
चिंतामणि	कविकुलकल्पतरू (1650ई.), रसविलास (1633ई.), काव्य विवेक, शृंगार मंजरी (1643ई.)
देव	भावविलास (1689ई.), भवानीविलास, प्रेमचंद्रिका, सुजानविनोद, प्रेमतरंग काव्यरसायन
केशवदास	रसिकप्रिया (1591ई.), रामचन्द्रिका (1601ई.), कविप्रिया (1601ई.), विज्ञान गीता (1607ई.), छन्दमाला
भिखारी दास	शृंगार निर्णय (1750ई.), छन्दप्रकाश

17. रीति मुक्त शृंगारी कवि नहीं हैं

(A) सेनापति (B) द्विजदेव

(C) आलम (D) ठाकुर

उत्तर (A)

व्याख्या–सेनापति (1584-1688ई.), रीतिकाल के प्रसिद्ध रीतिबद्ध काव्यकार हैं जबकि द्विजदेव, ठाकुर, आलम, बोधा, घनानन्द रीतिकाल के रीतिमुक्त शृंगारिक कवि हैं।

18. नीति कवि 'दीनदयाल गिरि' की रचना नहीं है-

(A) अनुरागबाग (B) वैराग्य दिनेश

(C) विश्वनाथ नवरत्न (D) छत्र प्रकाश

उत्तर (D)

व्याख्या–रीतिकाल के प्रसिद्ध नीतिकाव्यकार दीनदयाल गिरि की प्रमुख रचना इस प्रकार है- अन्योक्तिकल्प द्रुम (1855ई.), अनुरागबाग (1831ई.), वैराग्य दिनेश (1849ई.), विश्वनाथ नवरत्न (1822ई.), दृष्टांत तरंगिणी (1822 ई.)। जबकि छत्रप्रकाश, विष्णु विलास लालकवि की रचना है।

19. 'भेजे मनभावन के ऊधव के आवन की सुधि ब्रज-गांवनि मैं पावन जबै लगी।'' उपरोक्त पंक्तियाँ किस काव्य कृति की है?

(A) रसकलश (B) गंगावतरण

(C) उद्धवशतक (D) भ्रमरगीत

उत्तर (C)

व्याख्या–भेजे मनभावन के उद्धव के आवन की ......पावन जबै लगी। यह पंक्ति 'उद्धवशतक' (1929ई.) से ली गयी है इसके रचयिता पं0 जगन्नाथ दास रत्नाकर हैं।

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

20. 'लालचंद्रिका' के रचनाकार हैं

(A) लल्लूलालजी (B) सदल मिश्र

(C) गंगा प्रसाद शुक्ल (D) राजा शिवप्रसाद

उत्तर (A)

व्याख्या–

रचना	**रचनाकार**	**सम्बन्ध विशेष**
लाल चंद्रिका	लल्लू लाल जी	बिहारी सतसई की टीका
रामचरित	सदल मिश्र	अध्यात्मरामायण का रूपान्तरण
भोजराज का सपना	शिव प्रसाद सितारेहिन्द	टकशाली हिन्दी में
कृषक क्रंदन	गया प्रसाद शुक्ल	शृंगारिक कविताएं 'सनेही' उपनाम से तथा राष्ट्रीय भावना की 'त्रिशूल' नाम से लिखते थे।

21. 'फोर्ट विलियम कॉलेज' की स्थापना कब हुई?

(A) 1801 ई. (B) 1810 ई.

(C) 1800 ई. (D) 1802 ई.

उत्तर (C)

व्याख्या–'फोर्ट विलियम कालेज' की स्थापना 1800 ई0 में लार्ड वेलेजली ने कोलकाता में किया था। **(I.C.S.)** अधिकारियों के परीक्षण हेतु किया गया था। इसके हिन्दुस्तानी विभाग के प्रथम अध्यक्ष गिलक्राइस्ट थे।

22. 'उत्तरायण' महाकाव्य के रचनाकार हैं

(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध

(B) रामकुमार वर्मा

(C) सियारामशरण गुप्त

(D) रामनरेश त्रिपाठी

उत्तर (B)

व्याख्या–

रचना	**विधा**	**रचनाकार**
उत्तरायण	महाकाव्य	राम कुमार वर्मा
प्रियप्रवास 1914 ई.	महाकाव्य	हरिऔध
आर्द्रा 1927 ई.	काव्यग्रंथ	सियाराम शरण गुप्त
मिलन 1917 ई.	खण्ड काव्य	रामनरेश त्रिपाठी

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता)

23. 'प्रयोगवाद' शब्द का सबसे पहले प्रयोग किस आलोचक ने किया है?

(A) नगेन्द्र (B) नंददुलारे वाजपेयी

(C) विजयदेव नारायण साही (D) रघुवंश

उत्तर (B)

व्याख्या–

वाद	**प्रवर्तक**
छायावाद	मुकुटधर पाण्डे
प्रयोगवाद	नन्ददुलारे वाजपेयी
नयी कविता	अज्ञेय

नोट-नन्ददुलारे वाजपेयी ने छायावाद को बैठे ठाले का धंधा कहा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

24. निम्नांकित कृतियों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही अनुक्रम है

(A) साकेतः एक अध्ययन, सीढ़ियों पर धूप में, सच्ची समालोचना, इतिहास तिमिर नाशक

(B) सच्ची समालोचना, साकेत : एक अध्ययन, इतिहास तिमिर नाशक, सीढ़ियों पर धूप में

(C) इतिहास तिमिर नाशक, सच्ची समालोचना, साकेत : एक अध्ययन, सीढ़ियों पर धूप में

(D) सीढ़ियों पर धूप में, सच्ची समालोचना, इतिहास तिमिर नाशक, साकेतः एक अध्ययन

उत्तर (C)

व्याख्या-

कृति	प्रकाशनवर्ष	कृतिकार
इतिहास तिमिर नाशक	(1873 ई.)	शिव प्रसाद सितारे हिन्द
सच्ची समालोचना	(1886ई.)	बालकृष्ण भट्ट
साकेत एक अध्ययन	(1939ई.)	डॉ0 नगेन्द्र
सीढ़ियों पर धूप में	(1959ई.)	रघुवीर सहाय

25. रघुवीर सहाय की कृतियों का प्रकाशन वर्ष के अनुसर सही अनुक्रम है :

(A) आत्महत्या के विरुद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गए हैं, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ

(B) हँसो-हँसो जल्दी हँसो, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ, लोग भूल गये हैं, आत्महत्या के विरुद्ध

(C) लोग भूल गये हैं, आत्महत्या के विरुद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ,

(D) कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ, लोग भूल गये हैं, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, आत्महत्या के विरुद्ध

उत्तर (A)

व्याख्या–रघुवीर सहाय की रचना का यथाक्रम-सीढ़ियों पर धूप में (1960ई.), आत्महत्या के विरुद्ध (1967ई.), हँसो-हँसो जल्दी हँसो (1975ई.), लोग भूल गये हैं (1982ई.), कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989ई.), एक समय था, इत्यादि।

26. ज्ञानपीठ प्रदान किए गए वर्षों के अनुसार निम्नांकित साहित्यकारों का सही अनुक्रम है:

(A) श्री नरेश मेहता, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानन्दन पंत

(B) रामधारी सिंह दिनकर, सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, श्री नरेश मेहता

(C) सुमित्रानन्दन पंत, रामधारी सिंह दिनकर, श्री नरेश मेहता, महादेवी वर्मा

(D) महादेवी वर्मा, सुमित्रानन्दन पंत, श्री नरेश मेहता, रामधारी सिंह दिनकर

उत्तर (A)

व्याख्या–

दिये गये विकल्प में उल्टे क्रम में सही है। सीधे क्रम में कोई विकल्प सही नहीं है।

ज्ञानपीठ प्राप्तकर्ता	वर्ष	कृति/रचना
सुमित्रानन्दन पंत	1968	चिदम्बरा
दिनकर	1972	उर्वशी
अज्ञेय	1978	कितनी नावों में
महादेवी वर्मा	1982	यामा
नरेश मेहता	1992	सम्पूर्ण साहित्य
निर्मल वर्मा	1999	सम्पूर्ण साहित्य
कुँवर नारायण	2005	सम्पूर्ण साहित्य
श्रीलाल शुक्ल	2009	सम्पूर्ण साहित्य
अमरकान्त	2009	सम्पूर्ण साहित्य
केदारनाथ सिंह	2013	सम्पूर्ण साहित्य

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

27. 'नई कहानी' आंदोलन चलाने वाले लेखक नहीं हैं

(A) राजेन्द्र यादव (B) गंगाप्रसाद विमल

(C) कमलेश्वर (D) मोहन राकेश

उत्तर (B)

व्याख्या–'नई कहानी आन्दोलन' को चलाने वाले कवि/लेखक इस प्रकार हैं- राजेन्द्र यादव, मोहन राकेश, कमलेश्वर। जबकि-गंगाप्रसाद विमल 'अकाहानी' आन्दोलन चलाया है।

28. 'पहला गिरमिटिया' उपन्यास के लेखक हैं

(A) अभिमन्यु अनत (B) विष्णु प्रभाकर

(C) गिरिराज किशोर (D) श्रीलाल शुक्ल

उत्तर (C)

व्याख्या–

उपन्यासकार	उपन्यास	वर्ष
अभिमन्यु अनत	अपनी-अपनी सीमा	1983 ई0
विष्णुप्रभाकर	अर्द्धनारीश्वर	1992 ई0
गिरिराज किशोर	पहला गिरमिटिया	1999 ई0
श्रीलाल शुक्ल	राग-विराग	2005 ई0

29. भगवतीचरण वर्मा के निम्नांकित उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है:

(A) टेढ़े मेढ़े रास्ते, चित्रलेखा, सामर्थ्य और सीमा, भूले बिसरे चित्र

(B) चित्रलेखा, टेढ़े मेढ़े रास्ते, भूले बिसरे चित्र, सामर्थ्य और सीमा

(C) भूले बिसरे चित्र, सामर्थ्य और सीमा, चित्रलेखा, टेढ़े मेढ़े रास्ते

(D) सामर्थ्य और सीमा, चित्रलेखा, भूले बिसरे चित्र, टेढे मेढ़े रास्ते

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–भगवती चरण वर्मा के प्रमुख उपन्यास इस प्रकार है। पतन (1927ई.), चित्रलेखा (1934ई.), तीन वर्ष (1936ई.), टेढे. मेढ़े रास्ते (1946ई.), आखिरी दाँव (1950ई.), अपने खिलौने (1957ई.) भूले बिसरे चित्र (1959ई.), वह फिर नहीं आयी (1960ई.), सामर्थ्य और सीमा (1962ई.), थके पाँव (1963ई.), रेखा (1964ई.) सीधी सच्ची बातें 1968, सबहि नचावत राम गोसाई (1970ई.), प्रश्न और मारीचिका (1973ई.), इत्यादि।

30. अज्ञेय के निम्नांकित कहानी संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है:

(A) परम्परा, शरणार्थी, विपथगा, अमरवल्लरी
(B) अमरवल्लरी, विपथगा, शरणार्थी, परम्परा
(C) शरणार्थी, अमरवल्लरी, परम्परा, विपथगा
(D) विपथगा, परम्परा, शरणार्थी, अमरवल्लरी

उत्तर (D)

व्याख्या–अज्ञेय जी के कहानी संग्रह क्रमशः इस प्रकार हैं- विपथगा (1937ई.), परम्परा (1944 ई.), कोठरी की बात (1945ई.),शरणार्थी (1948ई.), जयदोल (1951ई.), अमर वल्लरी (1955ई.), ये तेरे प्रतिरूप (1961 ई.) इत्यादि।

31. राही मासूम रजा के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है

(A) आधा गाँव, टोपी शुक्ला, दिल एक सादा कागज, असंतोष के दिन
(B) दिल एक सादा कागज, टोपी शुक्ला, आधा गाँव, असंतोष के दिन
(C) असंतोष के दिन, आधा गाँव, दिल एक सादा कागज, टोपी शुक्ला
(D) टोपी शुक्ला, असंतोष के दिन, आधा गाँव, दिल एक सादा कागज

उत्तर (A)

व्याख्या–आधा गाँव (1966ई.), टोपी शुक्ला या बलभद्र नारायण, (1969ई.), हिम्मत जौनपुरी, (1969ई.), ओस की बूँद (1970ई.), दिल एक सादा कागज (1973ई.), सीन-75 (1975ई.), कटरा बी आरजू (1978ई.), असंतोष के दिन (1985ई.), नीम का पेड़ (2003ई.), इत्यादि राही मासूम रजा के उपन्यास हैं।

32. निम्नांकित ऐतिहासिक उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है

(A) मधुर स्वप्न, कुणाल की आँखे, गढ़ कुंढार, वयं रक्षामः
(B) गढ़ कुंढार,मधुर स्वप्न, वयं रक्षामः कुणाल की आँखे,
(C) वयं रक्षामः, गढ़ कुंढार, कुणाल की आँखे, मधुर स्वप्न,
(D) मधुर स्वप्न, गढ़ कुंढार,कुणाल की आँखे, वयं रक्षामः

उत्तर (B)

उपन्यासकार	उपन्यास	वर्ष
वृंदालाल वर्मा	गढ़कुण्ढार	1929 ई0
राहुल सांकृत्यायन	मधुर स्वप्न	1950 ई0
चतुर सेन शास्त्री	वयं रक्षामः	1955 ई0
आनन्द प्रकाश जैन	कुणाल की आँखे	1967 ई0

33. निम्नांकित महिला कथाकारों के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही अनुक्रम है:

(A) पचपन खम्भे लाल दीवारें, तत्सम, दिलो दानिश, आँवा
(B) तत्सम, दिलो दानिश, पचपन खम्भे लाल दीवारें, आँवा
(C) आँवा, तत्सम, दिलो दानिश, पचपन खम्भे लाल दीवारें,
(D) दिलो दानिश, आँवा,तत्सम, पचपन खम्भे लाल दीवारें,

उत्तर (A)

उपन्यासकार	उपन्यास	वर्ष
उषा प्रियंवदा	पचपन खम्भे लाल दिवारें	1961 ई.
राजी सेठ	तत्सम	1983 ई.
कृष्णा सोबती	दिलोदानिश	1993 ई.
चित्रामुद्गल	आँवा	1999 ई.

34. महिला रचनाकारों के निम्नांकित कहानी संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है

(A) जोड़ बाकी, एक स्त्री का विदागीत, यही सच है, बोलने वाली औरत
(B) यही सच है,जोड़ बाकी, एक स्त्री का विदागीत, बोलने वाली औरत
(C) बोलने वाली औरत, जोड़ बाकी, एक स्त्री का विदागीत, यही सच है
(D) एक स्त्री का विदागीत, बोलने वाली औरत, जोड़ बाकी, यही सच है

उत्तर (B)

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
यही सच है,	1966ई.	मन्नु भण्डारी
जोड़बाकी	1981ई.	शशिप्रभाशास्त्री
एक स्त्री का विदागीत	1983ई.	मृणाल पाण्डेय
बोलने वाली औरत	2000ई.	ममता कालिया

35. निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I		सूची-I	
(a)	संजीव	(i)	समर शेष है
(b)	बदीउज्ज़मां	(ii)	सूत्रधार
(c)	राही मासूम रजा	(iii)	नागफनी का देश
(d)	अमृतराय	(iv)	एक चूहे की मौत
		(v)	दिल एक सादा कागज

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	v	iii
(B)	i	ii	iii	v
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	ii	iv	iii

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–क्रमानुसार सुमेलित उपन्यासकार, उपन्यास तथा वर्षों का विवरण इस प्रकार है-		
उपन्यास	उपन्यासकार	वर्ष
संजीव	सूत्रधार	2003ई.
बदीउज्जमां	एक चूहे की मौत	1971ई.
राही मासूम रजा	दिल एक सादा कागज	1973ई.
अमृत राय	नागफनी का देश	1953ई.
विवेकी राय	समर शेष है	1988ई

36. निम्नलिखित पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) बावनदास	(i) रागदरबारी
(b) रंगनाथ	(ii) आँवा
(c) मंदा	(iii) मैला आँचल
(d) नमिता पाण्डे	(iv) इदन्नमम्
	(v) आधा गाँव

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	iii	i
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	ii	iii	v	i

उत्तर (B)

व्याख्या–

कवि/लेखक	उपन्यास	वर्ष	पात्र
रेणु	मैला आँचल	1954 ई.	बावनदास
राही मासूम रजा	आधा गाँव	1966 ई.	सैयद मियाँ
श्रीलाल शुक्ल	रागदरबारी	1968 ई.	रंगनाथ
मैत्रेयी पुष्पा	इदन्नमम्	1994 ई.	मंदा
चित्रा मुद्गल	आँवा	1999 ई.	नमिता पाण्डे

37. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) मवाली	(i) कमलेश्वर
(b) पॉल गोमरा का स्कूटर	(ii) शेखर जोशी
(c) गुल की बन्नो	(iii) मोहन राकेश
(d) राजा निरबंसिया	(iv) उदय प्रकाश
	(v) धर्मवीर भारती

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	i
(B)	i	iii	ii	v
(C)	ii	iv	iii	v
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर (A)

व्याख्या-सुमेलित क्रम का विवरण इस प्रकार है।	
कहानीकार	**कहानी**
मोहन राकेश	मवाली
उदयप्रकाश	पाल गोमरा का स्कूटर
धर्मवीर भारती	गुलकी बन्नो
कमलेश्वर	राजानिरबंसिया
शेखर जोशी	कोसी का घटवार

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

38. 'शंकर शेष' द्वारा रचित नाटक नहीं है
(A) कोर्ट मार्शल
(B) एक और द्रोणाचार्य
(C) घरौंदा
(D) अरे मायावी सरोवर
उत्तर (A)

व्याख्या–फंदी, एक और द्रोणाचार्य (1977ई.), घरौंदा (1978ई.), अरे मायावी सरोवर (1980ई.) रक्तबीज, बन्धन अपने-अपने, चेहरे, कोमल गंधार (1982ई.), खजुराहो का शिल्पी, (1982ई.), पोस्टर (1983ई.), बिन बाती के दीप, आधी रात के बाद में रचित शंकर शेष के प्रसिद्ध नाटक हैं। जबकि बालभगवान (1989ई.), कोर्टमार्शल (1991 ई.) जलता हुआ रथ (1998 ई.), सबसे उदास कविता (1998 ई.), काल कोठरी (1999ई.), ये सभी रचनाएं स्वदेश दीपक के नाटक हैं।

39. विद्यानिवास मिश्र के निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही क्रम है
(A) कदम की फूली डाल, तुम चंदन हम पानी, तमाल के झरोखे से, शेफाली झर रही है
(B) तुम चंदन हम पानी, शेफाली झर रही है, कदम की फूली डाल, तमाल के झरोखे से
(C) शेफाली झर रही है, तुम चंदन हम पानी, तमाल के झरोखे से, कदम की फूली डाल
(D) तमाल के झरोखे से, तुम चंदन हम पानी, कदम की फूली डाल, शेफाली झर रही है
उत्तर (A)

व्याख्या– छितवन की छाँह (1953ई.), कदम की फूल डाल (1956ई.), तुम चन्दन हम पानी (1957ई.), मैने शील पहुँचाई (1966ई.) परम्परा बंधन नहीं (1976ई.), तमाल के झरोखे से (1981ई.), संचारिणी (1982ई.), अंगद की नीयत (1984ई.), शेफाली झर रही है (1989ई.), लागौ रंग, शिरीष की याद आयी, साहित्य के सरोवर, ये सभी विद्यानिवास मिश्र के निबंध-संग्रह है।

40. शरद जोशी के व्यंग्य निबंधों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है
(A) राह किनारे बैठ, यत्र-तत्र सर्वत्र, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, तिलिस्म
(B) तिलिस्म, यत्र-तत्र सर्वत्र, राह किनारे बैठ, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे
(C) हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, राह किनारे बैठ, तिलिस्म, यत्र-तत्र सर्वत्र
(D) यत्र-तत्र सर्वत्र, राह किनारे बैठ, हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, तिलिस्म
उत्तर (C)

व्याख्या–प्रकाशन का अनुक्रम इस प्रकार है- हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे (1971ई.), जीप पर सवार इंलियाँ (1971ई.), किसी बहाने (1971ई.), राह किनारे बैठ (1973ई.), तिलिस्म (1975ई.),दूसरी सतह (1975ई.), यत्र-तत्र-सर्वत्र (2000ई.),यथा सम्भव, इत्यादि शरद जोशी के निबंध-संग्रह हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

41. निम्नांकित गीतिनाट्यों का प्रकाशन वर्ष के क्रमानुसार सही अनुक्रम है

(A) अंधायुग, एक कंठ विषपायी, मत्स्य गंधा, अग्निलीक
(B) अग्निलीक, एक कंठ विषपायी, अंधायुग, मत्स्य गंधा
(C) अग्निलीक, अंधायुग, मत्स्य गंधा एक कंठ विषपायी,
(D) मत्स्य गंधा, अंधायुग, एक कंठ विषपायी, अग्निलीक

उत्तर (D)

व्याख्या–

नाटककार	गीतिनाट्य	प्रकाशन वर्ष
उदयशंकर भट्ट	मत्स्यगंधा	1937 ई0
धर्मवीर भारती	अंधायुग	1955 ई0
दुष्यंत कुमार	एक कंठ विषपायी	1963 ई0
भारत भूषण अग्रवाल	अग्निलीक	1976 ई0

42. निम्नलिखित निबंधों को उनके निबंधकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) ठिठुरता हुआ गणतंत्र	(i) कुबेरनाथ राय
(b) वसंत आ गया है	(ii) रामचंद्र शुक्ल
(c) प्रिया नीलकंठी	(iii) बालकृष्ण भट्ट
(d) काव्य में रहस्यवाद	(iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी
	(v) हरिशंकर परसाई

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	ii	v	iv

उत्तर (C)

व्याख्या–

निबन्धकार	निबन्ध
1. हरिशंकर परसाई	ठिठुरता हुआ गणतंत्र
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी	बसंत आ गया है
3. कुबेर नाथ राय	प्रिय नीलकंठी
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	काव्य में रहस्यवाद
5. बालकृष्ण भट्ट	संसार महानाट्यशाला

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

43. 'काव्यालंकार संग्रह' के रचनाकार हैं

(A) उद्भट (B) भामह
(C) दण्डी (D) वामन

उत्तर (A)

व्याख्या-		
काव्यालंकार संग्रह	9वीं शदीपूर्वाद्ध	उद्भट
काव्यालंकार	6वीं शदी का मध्यकाल	भामह
काव्यादर्श	7वीं शदी उत्तराद्ध,	दण्डी
काव्यालंकार सूत्रवृत्ति	8वीं 9वीं शदी	वामन

44. 'एवं क्रमहेतुमभिधाय रसविषयं लक्षणसूत्रमाह' यह रस संबंधी सूत्र किस आचार्य का है?

(A) भरतमुनि (B) आनन्दवर्धन
(C) अभिनव गुप्त (D) हेमचंद्र

उत्तर (C)

व्याख्या–

सूत्र	आचार्य	समय
वाङ्ग सत्वोयेतान्काव्यार्थावा ङ्गन्भावयन्तीति	भरतमुनि	दूसरी शदी
चारूत्वोत्कर्ष निबंधना हि वाच्यव्यंग्यो:	आनन्दवर्धन	9वीं शदी उत्तराद्ध
एवं क्रमहेतु.......लक्षणसूत्रमाह,	अभिनव गुप्त	10वीं शदी
सिरि जरखंडी लोअडी गलि मणियडा न बीस	हेमचन्द	12वीं शदी

45. मार्क्सवादी आलोचक नहीं है

(A) रामविलास शर्मा (B) नामवर सिंह
(C) शिवदान सिंह चौहान (D) विजयदेव नारायण साही

उत्तर (D)

व्याख्या–प्रकाश चन्द्र गुप्त, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, शिवदान सिंह चौहान, नेमिचन्द जैन, अमृतराय, शिवकुमार मिश्र, नामवर सिंह, ये सभी मार्क्सवादी समीक्षक हैं। जबकि विजय देव नारायण साही मलयज, परमानन्द श्रीवास्तव, राम स्वरूप चतुर्वेदी इत्यादि नये समीक्षकों में गिने जाते हैं।

46. 'काव्यादर्श' ग्रंथ के रचनाकार हैं

(A) दण्डी (B) वामन
(C) रुद्रट (D) भामह

उत्तर (A)

व्याख्या–

रचना	समय	रचनाकार
काव्यदर्श	7वीं शदी उत्तराद्ध	दण्डी
काव्यालंकार सूत्र वृत्ति	8वीं 9वीं के बीच में	वामन
काव्यालंकार	9वीं शदी	रूद्रट
काव्यालंकार	6वीं शदी का मध्यकाल	भामह

47. आचार्य कुंतक काव्य-शास्त्र में किस संप्रदाय के प्रवर्तक माने जाते हैं?

(A) औचित्य (B) वक्रोक्ति
(C) ध्वनि (D) रीति

उत्तर (B)

व्याख्या–क्रमशः सम्प्रदाय और प्रवर्तक- रस-भरतमुनि, अलंकार-भामह औचित्य-क्षेमेन्द्र, वक्रोक्ति-कुंतक, ध्वनि- आनन्दवर्धन, रीति-वामन, प्रवर्तक माने जाते हैं।

48. हिन्दी में 'लोकजागरण' की अवधारणा किस आलोचक की है?

(A) रामविलास शर्मा (B) शिवदान सिंह चौहान
(C) प्रकाशचंद्र गुप्त (D) राहुल सांकृत्यायन

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–रामविलास शर्मा ने हिन्दी साहित्य के 'भक्ति काल' को लोकजागरण' की संज्ञा दी है।

49. रामविलास शर्मा की निम्नांकित कृतियों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है:

(A) विराम चिह्न, भाषा साहित्य और संस्कृति, प्रगति और परम्परा, भाषा युगबोध और कविता
(B) प्रगति और परम्परा, भाषा साहित्य और संस्कृति, भाषा युगबोध और कविता, विराम चिह्न
(C) भाषा युगबोध और कविता, भाषा साहित्य और संस्कृति, प्रगति और परम्परा, विराम चिह्न
(D) प्रगति और परम्परा, विराम चिन्ह, भाषा युगबोध और कविता, भाषा साहित्य और संस्कृति

उत्तर (D)

व्याख्या–प्रगति और परम्परा (1948ई.), साहित्य और संस्कृति, (1949ई.), भाषा साहित्य और संस्कृति (1954ई.), प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ (1954ई.), आस्था और सौन्दर्य (1961ई.), भाषा और समाज (1961ई.), मानव सभ्यता का विकास (1965ई.), नयी कविता और अस्तित्ववाद (1978ई.), भाषा युगबोध और कविता (1981ई.), परम्परा का मूल्यांकन (1981ई.), लोक जागरण और हिन्दी साहित्य (1985ई.), विराम चिन्ह, हिन्दी जाति का साहित्य (1986ई.) इत्यादि रामविलास शर्मा के निबंध-संग्रह हैं।

50. नेमिचंद जैन की रचनाओं का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही क्रम है

(A) रंगदर्शन, तीसरा पाठ, अधूरे साक्षात्कार, जनांतिक
(B) जनांतिक, रंगदर्शन, तीसरा पाठ, अधूरे साक्षात्कार
(C) अधूरे साक्षात्कार, रंगदर्शन, जनांतिक, तीसरा पाठ
(D) तीसरा पाठ, अधूरे साक्षात्कार, जनांतिक, रंगदर्शन

उत्तर (C)

व्याख्या–नेमिचन्द्र के समीक्षात्मक ग्रंथ इस प्रकार हैं - अधूरे साक्षात्कार (1966ई.), रंगदर्शन (1967 ई.), बदलते परिप्रेक्ष्य (1968 ई.), जनांतिक (1981 ई.), भारतीय नाट्य परम्परा (1989 ई.), दृश्य अदृश्य (1993 ई.), रंग परम्परा (1996 ई.), रंग कर्म की भाषा (1996 ई.), तीसरा पाठ (1998 ई.) इत्यादि।

51. स्थापना (Assertion) (A): विखंडनवाद मार्क्सवाद का विस्थापन नहीं है अपितु उसकी जड़ों तक पहुँचना है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मार्क्सवाद से विखंडनवाद का जन्म हुआ है।

(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) और, (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) सही (R)गलत

उत्तर (D)

व्याख्या–मार्क्सवाद सामाजिक यथार्थवाद की बात करता है तथा तर्क के माध्यम से उसकी जड़ तक जाने की बात करता है। विखण्डनवाद भी जड़ तक पहुँचने की बात करता है। दोनों एक दूसरे से सन्दर्भित होते हैं। मार्क्सवाद और विखण्डन दोनों अलग-अलग विचार हैं।

52. निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) तुलसीदास	(i) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(b) महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण	(ii) शिवदान सिंह चौहान
(c) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	(iii) रामविलास शर्मा
(d) भाषा और संवेदना	(iv) माताप्रसाद गुप्त
	(v) नेमीचंद जैन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	iv	ii
(B)	v	iii	ii	i
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर (D)

व्याख्या–

ग्रंथ	वर्ष	ग्रंथकार/रचनाकार
तुलसीदास	1940	माताप्रसाद गुप्त
तारसप्तक	1943	नेमिचन्द जैन
हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	1954	शिवदान सिंह चौहान
भाषा और संवेदना	1964	रामस्वरूप चतुर्वेदी
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नव जागरण	1977	रामविलास शर्मा

53. निम्नलिखित सिद्धांतों को उनके विचारकों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) मनोविश्लेषणवाद	(i) अभिनव गुप्त
(b) अस्तित्ववाद	(ii) महिम भट्ट
(c) उत्पत्तिवाद	(iii) ज्याँ पाल सार्त्र
(d) अभिव्यक्तिवाद	(iv) युग
	(v) भट्टलोल्लट

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iii
(B)	iii	ii	iv	v
(C)	iv	iii	v	i
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या– सुमेलित, विचारक और सिद्धान्तों का विवरण इस प्रकार है-

विचारक	सिद्धांत
युंग	मनोविश्लेषणवाद
ज्यां पाल सार्त्र	अस्तित्ववाद
आचार्य भट्टलोलट	उत्पत्तिवाद
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, क्रोंचे, आई. ए. रिचर्ड्स, नयी समीक्षा

54. जादुई यथार्थवाद (मैजिक रियलिज्म) शब्द का सबसे पहले प्रयोग किसने किया?

(A) फ्रांज काफ्का (B) फ्रेन्ज रोह
(C) कामू (D) सार्त्र

उत्तर (B)

व्याख्या–'जादुई यथार्थवाद' (मैजिक रियलिज्म) शब्द का प्रयोग 'फ्रेन्ज रोह' ने किया था।

अन्य तथ्य विविधा

**55. 'मस्तीन सुखा डाहिबी। आसीम औरम थाहिबी।।
धी धी धुना नुप जाहिबी। फीफी फिना सत साहिबी।।''**

(A) मागधी (B) पैशाची
(C) बांगरू (D) कौरवी

उत्तर (B)

व्याख्या–मस्तीन सुखा डाहिबी.........फीफी फिना सत साहिबी। पैशाची भाषा का नमूना है, यह भाषा प्राचीन काल में कश्मीर क्षेत्र में बोली जाती थी।

56. 'देहरि भई विदेस' किस विधा की रचना है?

(A) नाटक (B) उपन्यास
(C) आत्मकथ्य (D) संस्मरण

उत्तर (C)

व्याख्या–स्व0 राजेन्द्र यादव जी की प्रसिद्ध कृति 'देहरि भई विदेश' (सन् 2005 ई.) में 20 लेखिकाओं का आत्मकथ्य संकलित है। इसको तीन शीर्षकों दस्तावेज, आत्मकथांश और आत्मकाव्य में विभक्त है। इस पुस्तक का सम्पादन राजेन्द्र यादव ने अर्चना वर्मा व बलवंत कौर के सहयोग से किया था।

57. 'भारोपीय परिवार' की भाषा नहीं है?

(A) कैल्टिक (B) इतालिक
(C) जर्मनिक (D) सियोयन

उत्तर (D)

व्याख्या–भारोपीय परिवार के अन्तर्गत 10 भाषाओं की गणना की जाती है जो इस प्रकार है। केल्तिक, इतालिक, जर्मनिक, ग्रीक, बाल्तोस्लाविक, आलबनीय, आर्मनीय, खत्ती, (हत्ती), तुखारीय, भारत-इरानी आर्य है। जबकि सियोयन, पिमन, शोशेनियन, इरोकोयीयन, इत्यादि एस्किमो वर्ग की भाषाएं हैं।

58. आधुनिक आर्य भाषाओं के वर्गीकरण के अनुसार पूर्वी समुदाय की भाषा नहीं है-

(A) उड़िया (B) मराठी
(C) बिहारी (D) बंगला

उत्तर (B)

व्याख्या–डॉ. ग्रियर्सन ने अपने ग्रंथ भाषा सर्वेक्षण में भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण निम्नलिखित किया है।

1. **उत्तरी पश्चिमी समुदाय**
   लंहदा (पश्चिमी पंजाबी)
   सिन्धी
2. **दक्षिणी समुदाय**
   मराठी
3. **पूर्वी समुदाय**
   उड़िया
   बिहारी
   बंगला
   असमिया
4. **बीच का समुदाय**
   पूर्वी हिन्दी
5. **केन्द्रीय अथवा भीतरी समुदाय**
   पश्चिमी हिन्दी
   पंजाबी
   गुजराती
   भीत्ली
   खानदेशी
   राजस्थानी
6. **पहाड़ी समुदाय**
   पूर्वी पहाड़ी अथवा नेपाली
   मध्य या केन्द्रीय पहाड़ी
   पश्चिमी पहाड़ी

59. ''हिन्दुस्तानी' शब्द यूरोप के लोगों की देन है।

(A) गार्सा-द-तासी (B) शिवसिंह सेंगर
(C) ग्रियर्सन (D) रामचंद्र शुक्ल

उत्तर (C)

व्याख्या–'हिन्दुस्तानी' शब्द को यूरोप के लोगों की देन मानने वाले विद्वान 'ग्रियर्सन' हैं।

60. पश्चिमी हिन्दी के अंतर्गत नहीं आती है

(A) बाँगरू (B) *कन्नौजी*
(C) बुन्देली (D) बघेली

उत्तर (D)

व्याख्या–*पश्चिमी हिन्दी की बोली- खड़ी बोली (कौरवी) ब्रज, हरियाणवी (बाँगरू), कन्नौजी, बुन्देली आती है। जबकि पूर्वी हिन्दी की बोली- अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी है।*

61. 'प्रभा खेतान' की आत्मकथा है

(A) एक कहानी यह भी (B) पिंजरे की मैना
(C) अन्या से अनन्या (D) हादसे

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
एक कहानी यह भी	(2007ई.)	मन्नू भंण्डारी
पिंजरे में मैना	(2008ई.)	चन्द्रकिरण सौनरेक्सा
अन्या से अनन्या	(2007ई.)	प्रभाखेतान
हादसे	(2005 ई.)	रमणिका गुप्ता

62. निम्नांकित दलित लेखकों की आत्मकथाओं का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है

(A) तिरस्कृत, हादसे, जूठन, मुर्दहिया
(B) मुर्दहिया, तिरस्कृत, जूठन, हादसे,
(C) जूठन, तिरस्कृत, हादसे, मुर्दहिया
(D) हादसे, मुर्दहिया, तिरस्कृत, जूठन,

उत्तर (C)

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
जूठन	1997	ओम प्रकाश बाल्मीकि
तिरस्कृत, संतप्त	2002, 2006	डॉ0 सूरजपाल चौहान
हादसे	2005	रमणिका गुप्ता
मुर्दहिया, मणिकर्णिका	2010, 2014	डॉ0तुलसीराम
मेरी पत्नी और भेड़िया	2010	डॉ0 धर्मवीर
शिकंजे का दर्द	2012	सुशीला टाकभौरे

63. निम्नलिखित कवियों को उनके काव्य संग्रहों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) नरेन्द्र शर्मा	(i) फूल नहीं रंग बोलते हैं
(b) नागार्जुन	(ii) बुनी हुई रस्सी
(c) केदारनाथ अग्रवाल	(iii) आत्मजयी
(d) भवानी प्रसाद मिश्र	(iv) युगधारा
	(v) प्रवासी के गीत

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	v	iii
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	v	iv	i	ii
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या–

कवि/लेखक	काव्य संग्रह	वर्ष
नरेन्द्र शर्मा	प्रवासी के गीत	1939 ई0
नागार्जुन	युगधारा	1956 ई0
केदारनाथ अग्रवाल	फूल नहीं रंग बोलते हैं	1965 ई0
भवानी प्रसाद मिश्र	बुनी हुई रस्सी	1971 ई0
कुँवर नारायण	आत्मजयी	1965 ई0

64. निम्नलिखित साहित्यकारों को उनके द्वारा संपादित पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) गणेश शंकर विद्यार्थी	(i) चाँद
(b) चंद्रधर शर्मा गुलेरी	(ii) मतवाला
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	(iii) प्रताप
(d) महादेवी वर्मा	(iv) समालोचक
	(v) कविवचन सुधा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	i
(B)	i	ii	iii	v
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	ii	iii	v	iv

उत्तर (A)

व्याख्या–

क्रमानुसार साहित्यकार, सम्पादित पत्रिका और स्थापना वर्ष का विवरण इस प्रकार है।

साहित्यकार	सम्पादित पत्रिका	स्थापना वर्ष
गणेश शंकर विद्यार्थी	प्रताप	1913 ई.
चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	समालोचक	1902 ई.
महादेवी वर्मा	चाँद	1920 ई.
निराला	मतवाला	1923 ई.
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	कवि वचनसुधा	1968 ई.

65. निम्नलिखित पात्रों को उनके काव्यों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) यशोदा	(i) असाध्य वीणा
(b) शची	(ii) प्रिय प्रवास
(c) अश्वत्थामा	(iii) आत्महत्या के विरुद्ध
(d) केशकम्बली	(iv) अंधा युग
	(v) विष्णुप्रिया

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	iv
(B)	ii	v	iv	i
(C)	iv	iii	ii	v
(D)	v	iii	i	ii

उत्तर (B)

व्याख्या–

कवि	काव्य	पात्र
हरिऔध	प्रियप्रवास	यशोदा
मैथिलीशरण गुप्त	विष्णुप्रिया	शची
धर्मवीर भारती	अंधायुग	अश्वत्थामा
अज्ञेय	असाध्य वीणा	केशकम्बली
रघुवीर सहाय	आत्महत्या के विरुद्ध	

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

66. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) विषम शिला संकुला पर्वतोभूता गंगा शशितारकहारा अभिद्रुता अतिशय पूता	(i) त्रिलोचन
(b) अर्ध विवृत जघनों पर तरुण सत्य के सिर धर लेटी थी वह दामिनी-सी रुचि गौर कलेवर	(ii) सुमित्रानन्दन पंत
(c) तुम मुझे प्रेम करो, जैसे मछलियाँ लहरों से करती हैं	(iii) कुँवर नारायण
(d) अनंत विस्तार का अटूट मौन मुझे भयभीत करता है।	(iv) शमशेर बहादुर सिंह
	(v) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	v
(B)	i	ii	iv	iii
(C)	iii	v	ii	iv
(D)	iv	v	iii	i

उत्तर (B)

काव्य पंक्ति	कवि
विषमशिला संकुला........अतिशय पूता	त्रिलोचन
अर्धविवृत जघनो ....गौर कलेवर।	पंत
तुम मुझे प्रेम करो ....लहरों से करती है	शमशेर बहादुर सिंह
अनंत विस्तार ....भयभीत करता है	कुँवर नारायण
लो और तेज हो गया उनका रोजगार, जो कहते आ रहे हैं पैसे लेकर उतार देंगे पार	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

कथोपकथन

67. स्थापना (Assertion) (A): जैसे विश्व में विश्वात्मा की अभिव्यक्ति होती है, वैसे ही नाटक में रस की।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नाटक में रस की स्थिति आद्यंत होती है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (A)

व्याख्या–जैसे विश्व में अभिव्यक्ति का मूल विश्वात्मा है, वैसे ही नाटक की अभिव्यक्ति का मूल 'रस' है। प्रेक्षक अन्ततः नाटक में रस का अनुभव ही करता है।

68. स्थापना (Assertion) (A): छायावाद के संबंध में मान्यता है कि किसी कविता के भावों की छाया यदि कहीं अन्यत्र जाकर पड़े तो उसे छायावादी कविता कहना चाहिए।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि छायावादी कविता अन्योक्ति से अधिक नहीं है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) सही, (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर (D)

व्याख्या–छायावादी कविता अपनी बात को सीधे न कहकर प्रतीक या अन्योक्ति के माध्यम से कहती है, इसीलिए इसे आध्यात्म के सन्दर्भ 'रहस्यवादी' प्रेम के सन्दर्भ में स्वच्छन्दतावादी कहा जाता है।

69. स्थापना (Assertion) (A): जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की यह मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है। हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द-विधान करती आई है, उसे कविता कहते हैं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि कविता मनुष्य की चेतना को अनासक्त बनाती है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) सही, (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (B)

व्याख्या–शुक्लानुसार 'जब आत्मा सांसारिक माया से मुक्त होता है तो ज्ञान दशा की ओर अग्रसर हो जाता है। उसी तरह हृदय जब बन्धनों से मुक्त होता है तो रसदशा को प्राप्त करता है और सहृदय कहलाता है। हृदय की इसी मुक्ति साधना/साध्य के लिए जब मनुष्य की वाणी शब्द विधान का सहारा, साधन के रूप में लेता है तो वह कविता कहलाती है। कविता मनुष्य की चेतना को असक्त या सशक्त बनाती है।

70. स्थापना (Assertion) (A): शास्त्रीय सिद्धांत परिवर्तनशील हैं, उनका युगानुकूल पुनराख्यान होना चाहिए।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि शास्त्रीय सिद्धांतों का युगानुकूल पुनराख्यान न होने से उनका महत्त्व बना रहता है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) सही, (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर (B)

व्याख्या–कोई भी सिद्धांत अपने समय के लिए तो उपयुक्त होता है लेकिन वह हमेशा उपयुक्त नहीं रह सकती है क्योंकि समय परिवर्तनशील है अतः व्यवस्था भी परिवर्तनीय होनी चाहिए यदि वह प्रासंगिक न रह गयी हो तो,सिद्धान्त का पुनराख्यान होना चाहिए कि हम समय की माँग को पूरा कर सके और आगे बढ़े न कि इसलिए कि उनका महत्व कम करना है।

71. स्थापना (Assertion) (A): सर्वभूत को आत्मभूत करके अनुभव करना ही काव्य का चरम लक्ष्य है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि साहित्यकार लोकसत्ता को न स्वीकार करके सिर्फ व्यक्ति सत्ता को स्वीकार करता है।
(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (C)

व्याख्या–काव्य का चरम लक्ष्य है कि कवि सर्वभूत (सबका) आत्मभूत (अपना) अनुभव करके व्यक्त करें। साहित्यकार के लिए व्यक्ति सत्ता से ज्यादा महत्व लोकसत्ता का होता है।

72. स्थापना (Assertion) (A): भक्ति में लेन-देन का भाव नहीं होता है
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि लेन-देन का भाव स्वार्थ की जमीन पर प्रतिष्ठित होता।
(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) सही, (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर (D)

व्याख्या–भक्ति निःस्वार्थ भाव से करनी चाहिए, इसमें लेन-देन का भाव नहीं होता, जहाँ लेन-देन का भाव होता है, वहाँ स्वार्थ की स्थापना होती है।

73. स्थापना (Assertion) (A): जिस साहित्य से हमारी सुरुचि न जागे वह साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सुरुचि सम्पन्नता मात्र साहित्य तक ही सीमित है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–साहित्य का कार्य समाज का हित करना है "साहितो भावः या साहित्या" जिसमें हित की भावना निहित हो उसे साहित्य कहते हैं अगर साहित्य ऐसा है जो हमारे अन्दर सुन्दर विचार भाव या रुचि न जगा सके तो वह साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं है। सुरुचि सम्पन्नता को प्रतिष्ठित करने का माध्यम साहित्य मात्र ही नहीं है। इसके अन्य भी माध्यम हैं।

74. स्थापना (Assertion) (A): रचना जीवन का अर्थ विस्तार करती है, तो भावक तथा आलोचक रचना का अर्थ विस्तार करता है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि रचना में जीवन का संचित अनुभव निहित होता है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (B)

व्याख्या–कोई भी रचना जीवन का अर्थ विस्तार करती है। भावक या आलोचक रचना का अर्थ विस्तार करता है क्योंकि आलोचना को रचना का पुनर्सृजन माना जाता है। रचना में लेखक या कवि के जीवन का संचित अनुभव निहित होता है।

75. स्थापना (Assertion) (A): मिथक मनुष्य जाति के सांस्कृतिक इतिहास का आख्यान है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि मिथक के बिना इतिहास का लेखन असंभव है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–मिथक एक आस्था है या विश्वास है, जो जनश्रुति या पैराणिक कथाओं के माध्यम से व्यक्त होता है। यह सांस्कृतिक इतिहास का आख्यान होता है, मिथक के बिना इतिहास लेखन सम्भव है, मिथक में तमाम ऐसी बातें होती हैं जो तर्क या कसौटी पर खरा नहीं उतरता है, जबकि इतिहास में ऐसा बहुत कम होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2013
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)
समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णां : 100

निर्देश: इस प्रश्न पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. इनमें से कौन सी बोली पश्चिमी हिन्दी वर्ग की नहीं है।
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) बुन्देली (D) कन्नौजी
उत्तर (A)

व्याख्या–हिन्दी की कुल 5 उपभाषाएं तथा 18 बोलियाँ इस प्रकार है-

हिन्दी की उपभाषाएँ	बोलियाँ
1. पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी) ब्रज, हरियाणवी बांगरू, बुन्देली, कन्नौजी
2. पूर्वी हिन्दी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
3. राजस्थानी हिन्दी	पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
4. बिहारी हिन्दी	मगही, मैथिली, भोजपुरी
5. खास/पहाड़ी	गढ़वाली, कुमायूँनी, नेपाली

2. 'श' ध्वनि का उच्चारण स्थान है
(A) मूर्धन्य (B) तालव्य
(C) दन्त्य (D) ओष्ठय
उत्तर (B)

व्याख्या–'श' का उच्चारण स्थान - तालव्य, 'ष' का मूर्धन्य तथा 'स' का उच्चारण स्थान- दन्त्य है।

3. 'अर्धकथानक' किस भाषा की रचना है?
(A) अवधी (B) ब्रज
(C) बुंदेली (D) राजस्थानी
उत्तर (B)

व्याख्या–अर्धकथानक (1941 ई.) में रचित 'बनारसीदास जैन' की आत्मकथा है। यह हिन्दी की पहली आत्मकथा मानी जाती है, इसकी भाषा 'ब्रज' है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. 'उक्तिव्यक्तिप्रकरण' के लेखक कौन हैं?
(A) पुष्पदंत (B) रोड़ कवि
(C) ठाकुर ज्योतिरीश्वर (D) दामोदर शर्मा
उत्तर (D)

व्याख्या–दामोदर शर्मा द्वारा रचित 'उक्तिव्यक्ति प्रकरण' (12वीं शताब्दी में रचित) एक व्याकरण ग्रंथ है। महापुराण, णयकुमार चरिउ तथा जसहर चरिउ- ये सभी रचनाएं 'पुष्पदंत' की है। राउलवेल यह (चम्पू काव्य) कवि रोड़ा की प्रसिद्ध कृति है। वर्णरत्नाकर (14वीं शती) में रचित ज्योतिरीश्वर ठाकुर की रचना है जो मैथिली भाषा की प्राचीनतम् कृति है। यह एक 'शब्दकोश' ग्रंथ है।

5. "उज्ज्वल वरदान चेतना का, सौन्दर्य जिसे सब कहते हैं"
(A) श्रद्धा (B) आशा
(C) लज्जा (D) आनंद
उत्तर (C)

व्याख्या–उज्ज्वल वरदान चेतना का सौन्दर्य जिसे सब कहते हैं, जिसमें अनन्त अभिलाषा के सपने सब जगते रहते हैं। इस पंक्ति को जयशंकर प्रसाद की भाषा कृति 'कामायनी' के छठवें सर्ग 'लज्जा' से लिया गया है। कामायनी (1935ई.) में कुल 15 सर्ग हैं।

**6. "सुनिहैं कथा कौन निर्गुन की,
रचि पचि बात बनावत
सगुन सुमेरु प्रगट दखियत
तुम तृन की ओट दुरावत।"
ये पंक्तियाँ किसकी हैं?**
(A) सूरदास (B) नन्ददास
(C) कृष्णदास (D) परमानंद दास
उत्तर (A)

व्याख्या–सुनहि कथा कौन ....ओट दुरावत। पंक्तियाँ भक्तिकाल के कवि कृष्णभक्ति शाखा के प्रमुख कवि तथा वात्सल्य सम्राट सूरदास जी की है।

7. 'आखिरी कलाम' काव्य का प्रतिपाद्य विषय है
(A) इस्लाम दर्शन (B) प्रेमाख्यान
(C) लोक संस्कृति (D) युगबोध
उत्तर (A)

व्याख्या–'आखिरी कलाम', 'जायसी' की रचना है, इसमें **बाबर की प्रशंसा** के साथ कयामत (इस्लाम दर्शन) का वर्णन किया गया है। इसमें फारसी अक्षरों का प्रयोग किया गया है। इनकी अन्य रचना पद्मावत (1540ई.), अखरावट, चित्ररेखा, मसलनामा है।

8. 'तद्भव' पत्रिका का प्रकाशन स्थल है
(A) भोपाल (B) दिल्ली
(C) लखनऊ (D) अहमदाबाद
उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

सम्पादक	पत्रिका	वर्ष	प्रकाशन स्थल
अखिलेश	तद्भव	1999	लखनऊ
हरिनारायण	कथादेश	1997	दिल्ली
अशोक वाजपेयी	पूर्वाग्रह	1974	भोपाल
महात्मा गांधी	हिन्दी नवजीवन	1921	अहमदाबाद

9. इनमें से किस कवि का समावेश अज्ञेय संपादित ''चौथा सप्तक'' में किया गया है?

(A) जगदीश गुप्त (B) सुमन राजे
(C) नागार्जुन (D) शम्भुनाथ सिंह

उत्तर (B)

व्याख्या–'तार सप्तक' (1943ई.) के कवि-प्रभाकर माचवे, भारत भूषण अग्रवाल, गिरिजा कुमार माथुर, रामविलाश शर्मा, अज्ञेय, गजानन माधव मुक्तिबोध तथा नेमिचन्द्र जैन आदि।

दूसरा सप्तक (1951ई.) के कवि-शमशेर बहादुर सिंह, शकुन्तला माथुर, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, हरिनारायण व्यास तथा नरेश मेहता आदि। **तीसरा सप्तक (1959ई.) के कवि-** कुँवर नारायण, केदारनाथ सिंह, कीर्ति चौधरी, प्रयाग नारायण त्रिपाठी, विजयदेव नारायण साही, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना तथा मदन वात्स्यायन आदि।

चौथा सप्तक (1979ई.) के कवि- अवधेश कुमार, राजकुमार कुंभज, स्वदेश भारती, सुमन राजे, राजेन्द्र किशोर, श्रीरामशर्मा तथा नन्द किशोर आचार्य आदि।

नोट-प्रत्येक सप्तक में (सात-सात) कवियों का संग्रह है। चारों सप्तकों का सम्पादन अज्ञेय ने किया है।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

10. 'कॉमरेड का कोट' किसकी रचना है?

(A) अमरकांत (B) राजेश जोशी
(C) सृंजय (D) फणीश्वरनाथ रेणु

उत्तर (C)

व्याख्या– भगदत्त का हाथी (1988ई.), कॉमरेड का कोट (1993 ई.), गंगा (2001), समकालीन कहानीकार 'सृंजय' के ये प्रसिद्ध कहानी संग्रह है।

जिन्दगी और जोंक, देश के लोग, मौत का नगर, मिलन मित्र, एक धनी व्यक्ति का बयान (1997ई.), सुख और दुःख का साथ (2002ई.), कुहासा इत्यादि अमरकांत के कहानी-संग्रह हैं।

ठुमरी (1959ई.), आदिम रात्रि की महम (1967ई.), एक श्रावणी दोपहर की धूप (1984ई.), अच्छे आदमी (1986ई.) आदि फणीश्वरनाथ रेणु के कहानी-संग्रह हैं।

11. 'श्यामा स्वप्न' के लेखक कौन हैं?

(A) किशोरीलाल गोस्वामी (B) ठाकुर जग-मोहन सिंह
(C) ब्रजनंदन सहाय (D) गोपालराम गहमरी

उत्तर (B)

व्याख्या–'श्यामास्वप्न (1888ई.) ठाकुर जगमोहन सिंह द्वारा रचित उपन्यास है, ये भारतेन्दु युग के शृंगार रस तथा प्रकृति चित्रण काव्यकार हैं।

किशोरीलाल गोस्वामी की प्रसिद्ध उपन्यास–

प्रेम सम्पत्तिलता, श्यामलता, श्यामा-सरोजिनी, देवयानी सौन्दर्योपासक (1912ई.), अरण्यबाला, लालचीन इत्यादि ब्रजनन्दसहाय प्रसिद्ध कृति है।

गोपालराय गहमरी की प्रसिद्ध उपन्यास– आप जासूसी उपन्यासकार हैं। इन्हे जासूसी उपन्यास का पुरस्कर्ता माना जाता है। इनकी प्रसिद्ध रचना इस प्रकार है- चक्करदार चोरी, भोजपुर में ठगी, जासूस की जासूसी इत्यादि।

12. 'मेरी तेरी उसकी बात' के लेखक कौन हैं?

(A) भगवतीचरण वर्मा (B) यशपाल
(C) अमृतलाल नागर (D) शिवप्रसाद सिंह

उत्तर (B)

व्याख्या–

उपन्यास	उपन्यासकार
दादा कामरेड (1941ई.), देश द्रोही (1943ई.), दिव्या (1945ई.), पार्टी कामरेड (1946ई.), मनुष्य के रूप (1949ई.), अमिता (1956ई.), झूठा सच दोभाग-(1958-60ई.), बारह घण्टे (1962ई.), अप्सरा का श्राप (1965ई.), क्यों फँसे (1968ई.), तेरी मेरी उसकी बात (1974ई.)	यशपाल
पतन (1927ई.), चित्रलेखा (1934ई.), तीन वर्ष (1936ई.), टेढे-मेढ़े रास्ते (1946ई.), आखिरी दाँव (1950ई.), अपने खिलौने (1957ई.), भूले बिसरे चित्र (1959ई.), वह फिर नहीं आई (1960ई.), सामर्थ्य और सीमा (1962ई.), थके पाँव (1963ई.), रेखा (1964ई.), सच्ची सीधी बातें (1968ई.), सवहि नचावत राम गोसांई (1970ई.) प्रश्न और मारिचीका (1973ई.)	भगवती चरण वर्मा
बूंद और समुद्र (1956ई.), सुहाग के नूपुर (1960ई.), एकदानैमिशारण्ये (1972ई.), मानस का हंस (1972ई.), नाच्यौ बहुत गोपाल (1978ई.), खंजन नयन (1981ई.), अग्निगर्भा (1983ई.), पीढ़ियाँ (1990ई.)	अमृतलाल नागर
अलग-अलग वैतरणी (1967ई.), गली आगे मुड़ती है (1974ई.), नीला चाँद (1988ई.), शैलूष (1989ई.), मंजुशिमा (1990ई.), कुहरे में युद्ध (1992ई.), औरत (1993ई.), दिल्ली दूर है (1993ई.), वैश्वानर (1996ई.)	शिव प्रसाद सिंह

13. इनमें से कौन सी दलित आत्मकथा नहीं है।

(A) नागफनी (B) जूठन
(C) अपनी खबर (D) मुर्दहिया

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–1. पाण्डे बेचन शर्मा 'उग्र' की रचना 'अपनी खबर आत्मकथा है न कि दलित आत्मकथा, दलित आत्मकथा ये इस प्रकार है-
2. नागफनी- 2007- रूपनारायण सोनकर,
3. जूठन 1997 ओम प्रकाश बाल्मीकि,
4. मुर्दहिया 2010, डॉ तुलसीराम

14. "कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन?"
कथन किस रचना से है?
(A) ध्रुवस्वामिनी (B) प्रेमयोगिनी
(C) कर्पूर मंजरी (D) नीलदेवी
उत्तर (A)

व्याख्या–"कितना अनुभूतिपूर्ण था वह एक क्षण का आलिंगन" यह कथन प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी' (1933ई.) में पात्र 'ध्रुवस्वामिनी' द्वारा कथित है।

15. 'व्योमकेश दरवेश' के लेखक कौन हैं?
(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी (B) यशपाल
(C) रुद्र काशिकेय (D) विश्वनाथ त्रिपाठी
उत्तर (D)

व्याख्या- व्योमकेश दरवेश (2011) विश्वनाथ तिवारी द्वारा लिखित 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' की जीवनी है, इस कृति के लिए त्रिपाठी जी को (2013 का व्यास सम्मान) प्रदान किया गया।

16. 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' किस विधा से संबंधित रचना है?
(A) उपन्यास (B) रेखाचित्र
(C) यात्रा वृत्तान्त (D) कहानी
उत्तर (C)

व्याख्या–'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' नामक लेख राहुल सांकृत्यायन का प्रसिद्ध यात्रावृत्तान्त घुमक्कड़शास्त्र (1948 ई.) में संकलित है।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

17. 'भाषा और समाज' के लेखक कौन हैं?
(A) राम विलास शर्मा (B) देवेन्द्र नाथ शर्मा
(C) धीरेन्द्र वर्मा (D) उदयनारायण तिवारी
उत्तर (A)

व्याख्या–मार्क्सवादी समीक्षक रामविलास शर्मा की प्रसिद्ध कृतियाँ इस प्रकार है- प्रगति और परम्परा (1949ई.), साहित्य और संस्कृति (1949ई.), डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा-विचारधारा (1953 ई.), आस्था और सौन्दर्य (1961ई.), भाषा और समाज (1961 ई.), परम्परा का मूल्यांकन (1981 ई.)।

18. 'अनुमितिवाद' की अवधारणा किसकी है?
(A) शंकुक (B) रुद्रट
(C) भट्टनायक (D) विश्वनाथ
उत्तर (A)

व्याख्या-

आचार्य	सिद्धान्त	दर्शन
भट्टलोल्लट	उत्पत्तिवाद या आरोपवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्ट नायक	मुक्ति/भोगवाद	सांख्य
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव

19. 'जादुई यथार्थवाद' के प्रतिष्ठापक कौन हैं?
(A) कीट्स (B) देरिदा
(C) फ्रॉयड (D) बुअलो
उत्तर (D)

व्याख्या–'जादुई यथार्थवाद' के प्रतिष्ठापक 'बुअलो' है। जाक देरिदा, उत्तर आधुनिकतावाद विचारधारा का समर्थन करता है।

20. उत्तर संरचनावाद के मुख्य विचारक हैं
(A) दान्ते (B) ब्रेडले
(C) सास्यूर (D) जॉनसन
उत्तर (C)

व्याख्या–'उत्तर संरचनावाद' भाषिक सिद्धांत पर आधारित है, इसमें भाषा का सम्बन्ध बाह्य जगत से नहीं होता है, वह स्वायत्त है। भाषा के बाहर कोई यथार्थ नहीं है। जिसे यथार्थ जगत कहा जाता है, वह वस्तुतः भाषा के द्वारा निर्मित है।
इसके प्रमुख विचारक- सास्यूर, देरिदा, रोला बार्थ, मिशेलफूको इत्यादि आते हैं।

तथ्य विविधा

21. निम्नलिखित लेखकों का जन्म के अनुसार सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) प्रतापनरायण मिश्र-बालमुकुन्द गुप्त-बालकृष्ण भट्ट-राजा लक्ष्मण सिंह
(B) बालमुकुन्द गुप्त-राजा लक्ष्मण सिंह-प्रतापनारायण मिश्र-बालकृष्ण भट्ट
(C) राजा लक्ष्मण सिंह-बालकृष्ण भट्ट-प्रतापनारायण मिश्र-बालमुकुन्द गुप्त
(D) बालकृष्ण भट्ट-प्रतापनारायण मिश्र-बालमुकुन्द गुप्त-राजा लक्ष्मण सिंह
उत्तर (C)

व्याख्या–जन्म के अनुसार यथाक्रम-
1. राजालक्ष्मण सिंह (1826-1896)
2. बालकृष्ण भट्ट (1844-1914),
3. प्रतापनारायण मिश्र- (1856-1894)
4. बाल मुकुन्द गुप्त (1865-1907)

22. इन कृतियों का काल के आधार पर सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) रसिकप्रिया-शृंगार मंजरी-षड्ऋतु वर्णन-रस रहस्य
(B) शृंगार मंजरी-षड्ऋतु वर्णन-रसिकप्रिया-रस रहस्य
(C) रस रहस्य-षड्ऋतु वर्णन- रसिकप्रिया-शृंगार मंजरी
(D) षड्ऋतु वर्णन-रस रहस्य-रसिकप्रिया-शृंगार मंजरी
उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या- कृतियों का प्रकाशन के अनुसार काल इस प्रकार है।

कृति	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
रसिक प्रिया	1591 ई.	केशवदास
शृंगार मंजरी	1643 ई.	चिंतामणि
ऋतुवर्णन	1650-70ई.	ग्वालकवि
रस रहस्य	1670 ई.	कुलपति मिश्र

23. निम्नलिखित मनोवैज्ञानिक उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) संन्यासी-अजय की डायरी-अपने-अपने अजनबी-कल्याणी
(B) कल्याणी-संन्यासी-अजय की डायरी-अपने-अपने अजनबी
(C) अजय की डायरी-कल्याणी-अपने अपने अजनबी-संन्यासी
(D) अपने अपने अजनबी-संन्यासी-अजय की डायरी- कल्याणी

उत्तर (B)

व्याख्या–मनोवैज्ञानिक उपन्यासकारों का अनुक्रम भिन्न है-

रचना	वर्ष	रचनाकार
1. कल्याणी	1939 ई0	जैनेन्द्र
2. संन्यासी	1940 ई0	इलाचन्द्र जोशी
3. अजय की डायरी	1960 ई0	डॉ0 देवराज
4. अपने-अपने अजनबी	1961 ई0	अज्ञेय

24. प्रकाशन के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कोर्ट मार्शल- कबिरा खड़ा बाजार में- कथा एक कंस की- द्रौपदी
(B) कबिरा खड़ा बाजार में- कथा एक कंस की- द्रौपदी- कोर्ट मार्शल
(C) कथा एक कंस की- द्रौपदी -कोर्ट मार्शल- कबिरा खड़ा बाजार में
(D) द्रौपदी- कथा एक कंस की- कबीरा खड़ा बाजार में - कोर्ट मार्शल

उत्तर (D)

नाटक	वर्ष	नाटककार
द्रौपदी	1972 ई0	सुरेन्द्र वर्मा
कथा एक कंस की	1976 ई0	दया प्रकाश सिन्हा
कबीरा खड़ा बाजार में	1981 ई0	भीष्म साहनी
कोर्ट मार्शल	1991 ई0	स्वदेश दीपक

25. प्रकाशन के अनुसार इन पत्रिकाओं का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) हिन्दी प्रदीप- ब्राह्मण- चाँद -हंस
(B) ब्राह्मण- चाँद -हंस -हिन्दी प्रदीप
(C) चाँद- हंस- हिन्दी प्रदीप- ब्राह्मण
(D) हंस- हिन्दी प्रदीप- ब्राह्मण- चाँद

उत्तर (A)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	स्थान	सम्पादक
हिन्दी प्रदीप (मासिक)	1877ई.	इलाहाबाद	1. बालकृष्ण भट्ट
ब्राह्मण (मासिक)	1883ई.	कानपुर	2. प्रतापनारायण मिश्र
चाँद (साप्ताहिक, मासिक)	1920ई.	प्रयाग	3. महादेवी वर्मा
हंस (मासिक)	1930ई.	बनारस (बाद में दिल्ली से)	4. प्रेमचन्द

26. काल के अनुसार निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) खुमाण रासो- बीसलदेव रासो- चन्दनबाला रास- पउमचरिउ
(B) बीसलदेव रासो- चन्दनबाला रास -पउमचरिउ -खुमाण रासो
(C) पउमचरिउ- खुमाण रासो- बीसलदेव रासो- चन्दनबाला रास
(D) चन्दनबाला रास- पउमचरिउ- खुमाण रासो- बीसलदेव रासो

उत्तर (C)

व्याख्या–

रचनाकार	रचना	वर्ष
स्वयंभू	पउमचरिउ	8वीं शती
दलपति विजय	खुमाण रासो	9वीं शती
नरपति नाल्ह	बीसलदेव रासो	1155 ई0
आसगु	चन्दन बाला रास	1200 ई0 के लगभग

27. काल के अनुसार निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) भोजराज- रूय्यक- विश्वनाथ- वामन
(B) वामन- भोजराज-रूय्यक- विश्वनाथ
(C) रूय्यक- विश्वनाथ - वामन- भोजराज
(D) विश्वनाथ- वामन- भोजराज- रूय्यक

उत्तर (B)

व्याख्या-

आचार्य	काल/समय	रचना
वामन	8वीं 9वीं शती के मध्य	काव्यालंकार सूत्र वृत्ति
भोजराज	11वीं शती का पूर्वार्द्ध	सरस्वती कंठाभरण
रूय्यक	12वीं शती का मध्य	अलंकार सर्वस्व
विश्वनाथ	14वीं शती	साहित्य दर्पण

28. इन ग्रंथों का काल के आधार पर सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) काव्यादर्श- ध्वन्यालोक- काव्यप्रकाश- साहित्य दर्पण
(B) ध्वन्यालोक- काव्यप्रकाश- साहित्य दर्पण- काव्यादर्श
(C) काव्यप्रकाश- साहित्य दर्पण- काव्यादर्श- ध्वन्यालोक
(D) साहित्य दर्पण -काव्यादर्श- ध्वन्यालोक- काव्यप्रकाश

उत्तर (-A)

व्याख्या–

रचनाकार	रचना	काल/समय
दण्डी	काव्यादर्श	600 ई0
आनन्दवर्धन	ध्वन्यालोक	850 ई0
मम्मट	काव्य प्रकाश	12वीं शताब्दी
विश्वनाथ	साहित्य दर्पण	1384 ई0

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

29. चरण में मात्राओं की संख्या (कम से अधिक) के आधार पर मात्रिक छंदों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) पीयूषवर्धक- रोला- गीतिका- चौपाई
(B) रोला- गीतिका- चौपाई- पीयूषवर्धक
(C) गीतिका- चौपाई- पीयूषवर्धक-रोला
(D) चौपाई- पीयूषवर्धक- रोला- गीतिका
उत्तर (D)

छन्द	चरण	मात्राओं की संख्या
चौपाई	चार	16
पियूष वर्धक	चार	19
रोला	चार	24
गीतिका	चार	26

30. प्रकाशन के अनुसार इन उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) नदी के द्वीप- अँधेरे बंद कमरे- वे दिन-भाग्यवती
(B) अँधेरे बंद कमरे- वे दिन- भाग्यवती- नदी के द्वीप
(C) वे दिन- भाग्यवती- नदी के द्वीप -अँधेरे बंद कमरे
(D) भाग्यवती- नदी के द्वीप- अँधेरे बंद कमरे- वे दिन
उत्तर (D)
व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
भाग्यवती	1877ई.	श्रद्धाराम फुल्लौरी
नदी के द्वीप	1951ई.	अज्ञेय
अंधेरे बन्द कमरे	1961ई.	मोहन राकेश
वे दिन	1964ई.	निर्मल वर्मा

31. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(a) कविवचन सुधा	(i) प्रतापनारायण मिश्र
(b) ब्राह्मण	(ii) बालकृष्ण भट्ट
(c) हिन्दी प्रदीप	(iii) प्रेमचंद
(d) विश्वभारती	(iv) बाबू हरिश्चन्द्र
	(v) हजारीप्रसाद द्विवेदी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iv	i	ii	v
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर (C)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक
1. कविवचन सुधा	1868ई.	बाबू हरिश्चन्द
2. ब्राह्मण	1883ई.	प्रतापनारायण मिश्र
3. हंस	1930ई.	प्रेमचन्द
4. हिन्दी प्रदीप	1877ई.	बालकृष्ण भट्ट
5. विश्व भारती		हजारी प्रसाद द्विवेदी

32. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) मैंने स्मृति के दीप जलाए	(i) शिवपूजन सहाय
(b) भावों की तीर्थयात्रा	(ii) फणीश्वरनाथ रेणु
(c) वे दिन वे लोग	(iii) रामनाथ सुमन
(d) वन तुलसी की गंध	(iv) विष्णु प्रभाकर
	(v) महादेवी वर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	v
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर (B)
व्याख्या–

संस्मरण	रचनाकार	प्रकाशन वर्ष
1.मैने स्मृति के दीप जलाए	रामनाथ सुमन	1876ई.
2.भावों (यादों) की तीर्थयात्रा	विष्णु प्रभाकर	1981ई.
3. वे दिन वे लोग	शिवपूजन सहाय	1965ई.
4. वन तुलसी की गंध	फणीश्वरनाथ रेणु	1984ई.
5. पथ के साथी	महादेवी वर्मा	1956ई.

33. निम्नलिखित कृतियों को उनके विधा रूपों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) एक कंठ विषपायी	(i) जीवनी
(b) अन्या से अनन्या	(ii) यात्रा-वृत्तांत
(c) एक बूंद सहसा उछली	(iii) गीति नाट्य
(d) उत्तरयोगी श्री अरविंद	(iv) आत्मकथा
	(v) संस्मरण

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	iv	ii	i

उत्तर (D)

रचना	प्र. वर्ष	विधा	रचनाकार
एक बूंद सहसा उछली	1960ई.	यात्रा-वृत्तांत	अज्ञेय
एक कंठ विषपायी	1963ई.	गीतिनाट्य	दुश्यन्त कुमार
उत्तरयोगी श्री अरविन्द	1970ई.	जीवनी	डॉ0 शिव प्रसाद सिंह
वे देवता नहीं	2000ई.	संस्मरण	राजेन्द्र यादव
अन्या से अनन्या	2007ई.	आत्मकथा	प्रभा खेतान

34. निम्नलिखित लम्बी कविताओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) हरिजन गाथा	(i) अरुण कमल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(b) बाघ (ii) निराला
(c) शिवाजी का पत्र (iii) केदारनाथ सिंह
(d) प्रमथ्यु गाथा (iv) नागार्जुन
(v) धर्मवीर भारती

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iv	ii	iii
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर (A)

व्याख्या-

कविता	कविताकार
1. हरिजन गाथा	नागार्जुन
2. बाघ	केदारनाथ सिंह
3. शिवाजी का पत्र	निराला
4. प्रमथ्यु गाथा	धर्मवीर भारती
5. सबूत	अरुण कमल

35. निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके लेखकों को सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) मैं साहित्य को मनुष्य की दृष्टि से देखने का पक्षपाती हूँ	(i) बालकृष्ण भट्ट
(b) नाद सौंदर्य से कविता की आयु बढ़ती है	(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है	(iii) प्रतापनारायण मिश्र
(d) आचरण की सभ्यता का यह देश ही निराला है	(iv) रामचन्द्र शुक्ल
	(v) सरदार पूर्णसिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	iv	i	v
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	i	ii	iii

उत्तर (B)

पंक्तियाँ	लेखक
मैं साहित्य को मनुष्य की दृष्टि से देखने का पक्षपाती हूँ।	हजारी प्रसाद द्विवेदी
नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है।	रामचन्द्र शुक्ल
साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।	बालकृष्ण भट्ट
आचरण की सभ्यता का यह देश ही निराला है	सरदार पूर्ण सिंह
एक का अनेक होना ही नाश का हेतु है।	प्रतापनारायण मिश्र

36. निम्नलिखित निबंध संग्रहों को उनके निबंधकारों के साथ सुमेलित कजिए

सूची-I	सूची-II
(a) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	(i) कुबेरनाथ राय
(b) प्रिया नीलकंठी	(ii) धर्मवीर भारती
(c) ठेले पर हिमालय	(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(d) आलोक पर्व	(iv) विद्यानिवास मिश्र
	(v) विष्णुकांत शास्त्री

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iiii	v
(B)	v	iii	ii	iv
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर (C)

व्याख्या–

निबन्ध	निबन्धकार	प्रकाशन वर्ष
1.मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	विद्यानिवास मिश्र	1974
2.प्रिया नीलकण्ठी	कुबेरनाथ राय	1968
3.ठेले पर हिमालय	धर्मवीर भारती	1958
4. आलोक पर्व	हजारी प्रसाद द्विवेदी	1972
5. चिन्तनमुद्रा	विष्णु कान्त शास्त्री	1977

37. निम्नलिखित कवियों को उनकी पंक्तियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) अज्ञेय	(i) बात बोलेगी हम नहीं, भेद खोलेगी बात ही
(b) निराला	(ii) मुक्त करो नारी को मानव
(c) पंत	(iii) रूपों में एक अरूप सदा खिलता है
(d) शमशेर बहादुर सिंह	(iv) बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु
	(v) व्यक्ति का है धर्म तप, करुणा, क्षमा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	i	v
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर (A)

व्याख्या-

कवि	पंक्तियाँ
अज्ञेय	रूपों में एक अरूप सदा लिखता है
निराला	बाँधों न नाव इस ठाँव बन्धु
पंत	मुक्त करो नारी को मानव
शमशेर बहादुर सिंह	बात बोलेगी हम नहीं भेद खोलेगी बात ही

38. निम्नलिखित पंक्तियों उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) केशव कहि न जाई का कहिए।	(i) सूर
(b) अविगत गति कछु कहत न आवै।	(ii) कबीर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(c) राम भगति अनियारे तीर (iii) जायसी
(d) जोरी लाइ रकत कै लेई (iv) तुलसी
(v) मीरा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	v	iii	ii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	ii	iii	i	v

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्तियाँ	कवि
1. केशव कहि न जाइ का कहिए	तुलसीदास
2. अविगत गति कुछ कहत न आवै	सूरदास
3. राम भगति अनियारे तीर	कबीरदास
4. जोरी लाइ रकत कै लेई	जायसी
5. बसो मेरे नैनन में नंदलाल	मीरा

39. निम्नलिखित कृतियों को उनकी कवि आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) रस रहस्य	(i) भिखारीदास
(b) रससारांश	(ii) कुलपति मिश्र
(c) कविकुल कल्पतरु	(iii) मतिराम
(d) ललित ललाम	(iv) चिंतामणि
	(v) पद्माकर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचनाकार	रचना	वर्ष
1. कुलपति मिश्र	रस रहस्य	1670
2. भिखारी दास	रस सारांश	1742
3. चिंतामणि	कविकुल कल्पतरु	1650
4. मतिराम	ललित ललाम	1661-64 के बीच
5. पद्माकर	पद्माभरण	1810 के लगभग

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनकी भाषा के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) कवितावली	(i) पिंगल
(b) पृथ्वीराज रासो	(ii) ब्रज
(c) बरवैनायिका भेद	(iii) खड़ी बोली
(d) अमीर खुसरो की मुकरिया	(iv) अवधी
	(v) भोजपुरी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iv	iii	ii
(C)	ii	iii	i	iv
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर (D)

व्याख्या-

रचनाकार	रचना	भाषा
1. तुलसीदास	कवितावली	ब्रज
2. चन्दवरदाई	पृथ्वीराज रासो	पिंगल
3. रहीम दास	बरवैनायिका भेद	अवधी
4. अमीर खुसरो	अमीर खुसरो की मुकरियाँ	खड़ी बोली
5. ठाकुर कवि	विदेशिया	भोजपुरी

निर्देशः निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45 तक) के उत्तरों के दिए गये बहु-विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

'कल्पना' और 'व्यक्तित्व' की, पाश्चात्य समीक्षा-क्षेत्र में, इतनी अधिक मुनादी हुई कि काव्य के और सब पक्षों से दृष्टि हटकर इन्हीं दो पर जा जमी। 'कल्पना' काव्य का बोधपक्ष है। कल्पना में आई रूप-व्यापार-योजना का कवि या श्रोता को अंतः साक्षात्कार का बोध होता है पर इस बोधपक्ष के अतिरिक्त काव्य का भावपक्ष भी है। कल्पना को रूप योजना के लिए प्रेरित करने वाले और कल्पना में आई हुई वस्तुओं में श्रोता या पाठक को रमाने वाले रति, करुणा, क्रोध, उत्साह, आश्चर्य इत्यादि भाव या मनोविकार होते हैं। इसी से भारतीय दृष्टि ने भावपक्ष को प्रधानता दी और रस के सिद्धान्त की प्रतिष्ठ की। पर पश्चिम में 'कल्पना' की पुकार के सामने धीरे-धीरे समीक्षकों का ध्यान भावपक्ष से हट गया और बोधपक्ष पर ही भिड़ गया। काव्य की रमणीयता उस हल्के आनन्द के रूप में ही मानी जाने लगी जिस आनन्द की लिए हम नई-नई सुन्दर भड़कीली और विलक्षण वस्तुओं को देखने जाते हैं इस प्रकार कवि तमाशा दिखाने वाले के रूप में और श्रोता या पाठक तटस्थ तमाशबीन के रूप में समझे जाने लगे। केवल देखने का आनन्द कुछ विलक्षण को देखने का कुतूहल मात्र होता है।

41. कवि या श्रोता को अंतः साक्षात्कार बोध किसका होता है?
(A) व्यक्तित्व का
(B) विलक्षणता का
(C) कल्पना में आई रूप-व्यापार-योजना का
(D) मनोविकारों का
उत्तर (C)

व्याख्या–'कल्पना' काव्य का बोध पक्ष है। अतः कल्पना में आये रूप व्यापार योजना से कवि या श्रोता को अन्तः साक्षात्कार का बोध होता है।

42. भारतीय दृष्टि से काव्य में किस सिद्धांत की प्रतिष्ठ की?
(A) रस सिद्धांत की
(B) कुतूहल सिद्धांत की
(C) कल्पना सिद्धांत की
(D) श्रोता या पाठक की तटस्थता की
उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–भारतीय दृष्टि ने रति करुणा, क्रोध इत्यादि मनोविकार के भावपक्ष को प्रधानता दी तथा रस सिद्धान्त की प्रतिष्ठ की।

43. केवल देखने का आनन्द क्या है?
(A) रसानुभूति
(B) श्रोता या पाठक को काव्य का मर्म समझाना
(C) भावपक्ष को प्रबल बनाना
(D) कुछ विलक्षण को दिखाने का कुतूहल मात्र
उत्तर (D)

व्याख्या–केवल (सिर्फ) देखने का आनन्द कुछ विलक्षण को देखने का कुतूहल मात्र होता है।

44. 'कल्पना' काव्य का कौन सा पक्ष है?
(A) भावपक्ष (B) बोधपक्ष
(C) रमणीय पक्ष (D) अलंकार पक्ष
उत्तर (B)

व्याख्या–कल्पना काव्य का बोध पक्ष है।

45. काव्य में पाश्चात्य समीक्षा क्षेत्र में सर्वाधिक चर्चा किस तत्त्व को लेकर हुई है?
(A) भावपक्ष की
(B) रस सिद्धांत की प्रतिष्ठ की
(C) काव्य में गम्भीर रमणीयता की
(D) कल्पना और व्यक्तित्व की
उत्तर (D)

व्याख्या–कल्पना और व्यक्तित्व की पाश्चात्य समीक्षा क्षेत्र में सर्वाधिक चर्चा होती है।

कथोपकथन

46. स्थापना (Assertion) (A) : उत्तर आधुनिकता वृद्ध पूँजीवाद है।
तर्क (Reason) (R): इसमें विश्व बाजार से प्रभावित तीसरी दुनिया का उपभोक्तावादी चिन्तन ज्यादा मुखर हुआ है।
(1) (A) सही और (R) गलत
(2) (A) और (R) दोनों गलत
(3) (A)और (R) दोनों सही
(4) (A) गलत (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या-उत्तर आधुनिक विमर्श में पूँजीवाद का ह्रास होता है तथा उपभोक्तावाद को प्रमुखता प्रदान की जाती है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : अधिकतर मनोवेत्ताओं के मतानुसार बुद्धिवादी पाठक का रचना के साथ पूर्ण तादात्म्य अथवा साधारणीकरण सहज सम्भव नहीं है।
तर्क (Reason) (R): आस्वादन के समय पाठक ''वेदान्तर शून्य'' हो जाता है, अतः मानसिक अन्तराल, के कारण उसका साधारणीकरण हो सकता है।
(A) (A) गलत (R) सही (B)(A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत (D)(A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–बुद्धिवादी पाठक का रचना के साथ तादात्म्य अथवा साधारणीकरण सहज सम्भव है।

48. स्थापना (Assertion) (A) : वक्रोक्ति स्वतंत्र संप्रदाय न होकर आचार्य कुन्तक का एकल मतवाद है।
तर्क (Reason) (R): संप्रदाय में एकाधिक विचारकों की सहभागिता अनिवार्य होती है। इसे अधिकतर आचार्यों ने अलंकार माना है, संप्रदाय नहीं
(1) (A) सही (R) सही
(2) (A) और (R) दोनों गलत
(3) (A) सही (R) गलत
(4) (R) सही (R) गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–वक्रोक्ति सम्प्रदाय नहीं है। यह एक सिद्धान्त है। जिसके प्रतिष्ठापक आचार्य कुन्तक है।
किसी सम्प्रदाय की प्रमाणिकता उसके मानने वालों की संख्या तथा विषयवस्तु पर आधारित होती है। ज्यादातर आचार्य 'वक्रोक्ति' को मात्र एक अलंकार ही मानते हैं।

49. स्थापना (Assertion) (A) : 'रमणीयार्थ प्रतिपादक' प्रत्येक ''शब्द'' काव्य नहीं होता
तर्क (Reason) (R): जब सर्वोत्तम शब्द अपने सर्वोत्तम क्रम में किसी वाक्य में सुगठित हो जाता है, तब वह काव्य का स्तर प्राप्त करता है
(1) (A) और (R) गलत
(2) (A) और (R) दोनों सही
(3) (A) गलत (R) गलत
(4) (A) सही (R) गलत
उत्तर (B)

व्याख्या–'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' अर्थात रमणीय अर्थ प्रदान करने वाले सर्वोत्तम शब्द जब अपने सर्वोत्तम क्रम में आते हैं। तभी वह काव्य का स्तर प्राप्त करते हैं। अन्यथा नहीं। यह कथन पण्डितराज जगन्नाथ का है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : प्रतीकवाद एक प्रकार का काव्यात्मक रहस्यवाद है
तर्क (Reason) (R): इसमें केवल रहस्यपूर्ण और वक्रतापूर्ण सृजन किया जाता है।
(1) (A) सही (R) गलत
(2) (A) और (R) दोनों सही
(3) (A) और (R) दोनों गलत
(4) (A) गलत (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–प्रतीक वाद में प्रतीकों के माध्यम से रहस्यवाद की ओर संकेत किया जाता है लेकिन यह केवल रहस्यपूर्ण और वक्रतापूर्ण सृजन नहीं करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2013

हिन्दी

तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 2-1/2 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 150

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. 'कुवलयमाला कथा' के रचनाकार हैं

(A) उद्योतन सूरि (B) मेरुतुंग
(C) दामोदर शर्मा (D) हेमचन्द्र

उत्तर (A)

रचना	रचनाकार
कुवलयमाला कथा	उद्योतनसूरि
प्रबंध चिंतामणि	जैनाचार्य मेरुतुंग
उक्तिव्यक्तिप्रकरण	दामोदर शर्मा
कुमारपाल चरित	हेमचन्द

नोट–'कुवलयमाला कथा (9वीं शताब्दी) उद्योतन सूरि की आदिकालीन राजस्थानी हिन्दी गद्य की प्रमुख रचना है।

2. 'सबरस' के रचनाकार हैं

(A) मुल्ला वजही (B) कुली कुतुबशाह
(C) इंशा अल्ला खाँ (D) सैयद हुसैन अली खाँ

उत्तर (A)

व्याख्या–'सबरस' (1635ई.) दक्खिनी गद्य के प्रसिद्ध कवि 'मुल्ला वजहीं की कृति है, इसे उर्दू साहित्य की प्रथम गद्य रचना मानी गयी है।

3. हठयोग का प्रभाव निम्नलिखित कवियों में से किस पर पड़ा है?

(A) स्वयंभू (B) घाघ भड्डरी
(C) गोरखनाथ (D) अद्दहमाण

उत्तर (C)

व्याख्या–नाथ पंथ का मूल बौद्धों की ब्रजयान शाखा है। बौद्ध-सिद्धों में उत्पन्न विकार के विरोध स्वरूप गोरखनाथ ने पतंजलि के उच्च लक्ष्य ईश्वर प्राप्ति को लेकर 'हठयोग' का प्रवर्तन किया तथा षट्चक्रो वाला योगमार्ग चलाया और नाथपंथ की स्थापना की। इसका प्रचार-प्रसार राजपूताना तथा पंजाब में था।

4. तुलसीदास की किस रचना में संत-महंतों के लक्षण वर्णित हैं?

(A) वैराग्य संदीपनी (B) रामाज्ञा प्रश्न
(C) पार्वती मंगल (D) जानकी मंगल

उत्तर (A)

रचना	समय	विषय-वस्तु
वैराग्य संदीपनी	(1559-60 ई.)	संतो और महंतो के लक्षण वर्णित किये हैं।
'रामाज्ञा प्रश्न'	(1559-60 ई.)	ज्योतिष संबंधी रचना है।
'पार्वती मंगल'	(1586 ई.)	पार्वती और शिव के विवाह का वर्णन है।
'जानकी मंगल'	(1572-73 ई.)	जानकी एवं राम के विवाह का वर्णन है।

5. 'दृष्टिकूट' पदों की रचना किस कवि ने की है?

(A) कबीरदास (B) सूरदास
(C) तुलसीदास (D) रहीम

उत्तर (B)

व्याख्या–'दृष्टिकूट' पदों की रचना सूरदास ने की है। 'साहित्य लहरी' (1550ई.) दृष्टिकूट पदों का संकलन है। सूरसागर और सूरसरावली सूरदास की अन्य कृति हैं।

6. एही रूप सकती औ सीऊ। एही रूप त्रिभुवन कर जीऊ॥ काव्य पंक्ति किस कवि की है?

(A) मलिक मुहम्मद जायसी (B) तुलसीदास
(C) हृदयनाथ (D) कुतुबन

उत्तर (A)

व्याख्या–

पंक्ति	पंक्तिकार
एही रूप सकती ....कर जीऊ	जायसी
गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग-	तुलसीदास
रूकमिनी पुनि वैसहि मरि गई कुलवंत	
सत सो सति भई-	कुतुबन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. ''जसोदा! कहा कहौं हौं बात?
तुम्हरे सुत के करतब मो पै कहत कहे नहिं जात।।''
ये किस कवि की काव्य पंक्तियाँ हैं?

(A) सूरदास (B) चतुर्भुजदास
(C) कुम्भनदास (D) हरिदास

उत्तर (B)

व्याख्या–''जसोदा! कहा कहौ ....कहे नहिं जात।'' चतुर्भुजदास की पंक्ति है। चतुर्भुजदास कुम्भनदास के पुत्र तथा गोसाई विट्ठलनाथ के शिष्य तथा 'अष्टछाप' के कवियों में से एक हैं।
चतुर्भुज दास (1530-1585), कुंभनदास के पुत्र थे इनकी प्रमुख रचनाएँ- 'द्वादशयश' तथा 'हितजू को मंगल' आदि।

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

8. फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना कब हुई?

(A) सन् 1800 ई. (B) सन् 1805 ई.
(C) सन् 1857 ई. (D) सन् 1900 ई.

उत्तर (A)

व्याख्या–लार्ड वेलेजली ने 1800 ई. में 'फोर्ट विलियम कालेज (कलकत्ता), की स्थापना की थी। इसमें हिन्दुस्तानी भाषा का प्रथम प्रोफेसर जॉन गिलक्राइस्ट को बनाया गया। इसी कॉलेज में लल्लूलाल तथा सदल मिश्र की भी नियुक्ति की गयी थी।

9. 'सुखसागर' के रचनाकार हैं

(A) लल्लू लाल
(B) सदल मिश्र
(C) बाबू हरिश्चंद्र
(D) मुंशी सदासुखलाल 'नियाज'

उत्तर (D)

व्याख्या–'सुखसागर' मुंशी सदासुख लाल 'नियाज' की रचना है। यह 'विष्णु पुराण' या 'भागवत' का पद्यानुवाद है। 'सुरासुर निर्णय' इनका निबंध है। डॉ. नगेन्द्र ने इनका नाम मुंशी सदासुख लाल 'निसार', बताया है तथा सुखसागर इनका उपनाम बताया है।
भाषा के सन्दर्भ में इनका कथन है कि ''रस्मों रिवाज भाखा का दुनिया से उठ गया।''

10. 'मुकुल' नामक कविता-संग्रह किस रचनाकार का है?

(A) पं. नरेन्द्र शर्मा (B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) रामेश्वर शुक्ल -अंचल' (D) सुभद्राकुमारी चौहान

उत्तर (D)

व्याख्या–त्रिधारा (1931 ई.), और मुकुल (1934ई.), सुभद्रा कुमारी चौहान का काव्य संग्रह है। 'झाँसी की रानी' आपकी प्रसिद्ध काव्यकृति है। सुभद्रा कुमारी चौहान राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा की प्रमुख कवयित्री हैं।

11. ''यह अभिनव मानव प्रजा सृष्टि
द्वयता में लगी निरंतर ही वर्णों की करती रहे वृष्टि।''
ये काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानन्दन पंत
(C) महादेवी वर्मा (D) रामधारी सिंह 'दिनकर'

उत्तर (A)

व्याख्या–

पंक्ति	पंक्तिकार
यह अभिनव ....करती रहे वृष्टि.....	प्रसाद
सुन्दर विश्वासों से ही बनता है सुखमय जीवन....	पंत
यह दोनों दो ओरे थी, संसृति की चित्रपटी की....	महादेवी वर्मा
उतर पकड़ता बाँह दलित की मंत्री के आसन से....	दिनकर

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

12. 'बेकसी का मजार' उपन्यास के लेखक हैं

(A) अमृतलाल नागर (B) प्रतापनारायण श्रीवास्तव
(C) चतुरसेन शास्त्री (D) विष्णु प्रभाकर

उत्तर (B)

व्याख्या–ढलती रात (1951ई.) तट के बंधन (1955 ई.), स्वप्नमयी (1956ई.), कोई तो (1980ई.), अर्धनारीश्वर (1992 ई.), संकल्प (1993ई.) आदि विष्णु प्रभाकर के उपन्यास हैं।
वैशाली की नगरवधू (1949ई.), आलमगीर (1954ई.) वयं रक्षामः (1955ई.) आदि चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास हैं।
बेकसी का मजार (1957ई.), विदा (1927ई.), विजय (1937ई.) विकास (1938ई.) आदि प्रताप नारायण श्रीवास्तव के उपन्यास हैं
शतरंज के मोहरे (1959ई.), अमृत और विष (1966ई.), महाकाल (1947ई.) मानस का हंस (1972ई.), खंजन नयन (1981ई.) आदि अमृतलाल नागर के उपन्यास हैं।

13. 'नूतन ब्रह्मचारी' उपन्यास के रचनाकार हैं

(A) राधाकृष्ण दास (B) ठाकुर जगमोहन सिंह
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) लज्जाराम मेहता

उत्तर (C)

व्याख्या–नूतन ब्रह्मचारी (1886ई.), रहस्यकथा (1879ई.), सौ अजान एक सुजान (1892ई.), रहस्यकथा (अपूर्ण) बालकृष्ण भट्ट के उपन्यास हैं।
'नूतन ब्रह्मचारी' में ब्रह्मचारी विनायक के सरल व्यवहार के प्रभाव से डाकुओं के हृदय परिवर्तन को दिखाया गया है। यह विद्यार्थियों को चारित्रिक शिक्षा देने के लिए लिखा गया है।

निस्सहाय हिन्दू (1890ई.)	- राधाकृष्ण दास
श्यामा स्वप्न (1888ई.)	- ठाकुर जगमोहन सिंह
धूर्त रसिक लाल (1889ई.),	- लज्जाराम मेहता
स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी (1899 ई.)	-'' ''
आदर्श हिन्दू (1914ई.)	-'' ''

14. 'कालीचरन' किस उपन्यास का पात्र है?

(A) परतीः परिकथा (B) झूठा सच
(C) मैला आँचल (D) गोदान

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–कालीचरन, बाबनदास, विश्वनाथ प्रसाद इत्यादि मैला आँचल (1954 ई.) नामक उपन्यास के पात्र हैं।
यह हिन्दी का प्रथम आँचलिक उपन्यास माना जाता है। इसके रचनाकार 'फणीश्वरनाथ 'रेणु' हैं।

झूठा सच (भाग-1) 1958 ई.	यशपाल
(भाग-2) 1960 ई.	"
परती परिकथा (1957ई.)	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
गोदान (1936 ई.)	प्रेमचन्द

15. इनमें से कौन सी महिला कथाकार हिन्दी की नहीं है?
(A) कृष्णा सोबती (B) राजी सेठ
(C) मधु कांकरिया (D) महाश्वेता देवी
उत्तर (D)

व्याख्या–महाश्वेता देवी बांग्ला साहित्य की प्रसिद्ध कथाकार लेखिका हैं जंगल के दावेदार, अग्निगर्भ इत्यादि इनकी रचनाएँ हैं।

16. कमलेश्वर द्वारा रचित कहानी नहीं है
(A) राजा निरबंसिया (B) मांस का दरिया
(C) एक और जिन्दगी (D) कस्बे का आदमी
उत्तर (C)

व्याख्या–राजा निरबंसिया (1957ई.), कस्बे का आदमी (1958ई.), खोई हुई दिशाएँ (1963ई.) मांस का दरिया (1966ई.) बयान (1973 ई.), आजादी मुबारक (2002ई.) आदि कमलेश्वर की कहानी-संग्रह हैं। जबकि इंसान के खण्डहर (1950ई.) नये बादल (1957ई.), जनावर और जानवर (1958 ई.), एक और जिन्दगी (1961ई.) फौलाद का आकाश ((1966ई.) आदि कहानी संग्रह मोहन राकेश का है।
नोट- कमलेश्वर 'समान्तर कहानी' आन्दोलन (1972ई.) के पुरस्कर्ता भी हैं।

17. इनमें से कौन सी कृति वृन्दावनलाल वर्मा की है?
(A) गोदान (B) भुवन विक्रम
(C) चित्रलेखा (D) यही सच है
उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द
भुवन विक्रम	1957 ई.	वृन्दावन लाल शर्मा
चित्रलेखा	1934 ई.	भगवती चरण वर्मा
यही सच है	1966 ई.	मन्नू भण्डारी

18. इनमें जीवनीपरक उपन्यास नहीं है
(A) खंजन नयन (B) मानस का हंस
(C) पहला गिरिमिटया (D) भूले बिसरे चित्र
उत्तर (D)

व्याख्या–भूले बिसरे चित्र (1959 ई.) भगवती चरण वर्मा का उपन्यास है इसमें मध्यम वर्गीय परिवार की चार पीढ़ियों का चित्रण किया है। खंजननयन (1981ई.) में सूरदास का तथा 'मानस का हंस (1972 ई.) में तुलसीदास का जीवन चित्रण है इसके रचनाकार अमृतलाल नागर हैं। 'पहला गिरमिटिया' (1999ई.) गांधी जी के जीवन पर आधारित गिरिराज किशोर का उपन्यास है।

19. कौन सा उपन्यास अधूरा नहीं है?
(A) इरावती (B) मंगलसूत्र
(C) चोटी की पकड़ (D) रत्ना की बात
उत्तर (D)

व्याख्या–रत्ना की बात (1954 ई.) तुलसीदास के जीवन पर आधारित रांगेय राघव का पूर्ण उपन्यास है। इरावती जयशंकर प्रसाद मंगलसूत्र (1936 ई.) प्रेमचन्द तथा चोटी की पकड़ (1944 ई.) निराला का अधूरा (अपूर्ण) उपन्यास है।

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

20. इनमें से संकलन-त्रय में किसकी गणना नहीं की जाती है?
(A) समय संकलन (B) स्थान संकलन
(C) प्रभाव संकलन (D) कार्य संकलन
उत्तर (C)

व्याख्या–संकलनत्रय में मुख्यतः तीन बिन्दुओं का वर्णन किया जाता है जिसमें स्थान संकलन, समय या काल संकलन और कार्य या वस्तु संकलन प्रमुख है। 'प्रभाव संकलन' संकलनत्रयी के गणना में नहीं आता है।

21. 'अंगद का पाँव' के लेखक हैं
(A) हरिशंकर परसाई (B) धर्मवीर भारती
(C) शरद जोशी (D) श्रीलाल शुक्ल
उत्तर (D)

व्याख्या–'अंगद का पाँव (1958 ई.), यहाँ से वहाँ (1970 ई.), मेरी श्रेष्ठ व्यंग रचनाएँ (1979ई.), कुछ जमीन पर कुछ हवा में (1993ई.), आओ बैठे तो कुछ देर (1995ई.), अगली शताब्दी का शहर (1996ई.), खबरों की जुगाली (2006ई.) इत्यादि, श्रीलाल शुक्ल के व्यंग्य परक निबंध संग्रह हैं।

22. 'जयवर्द्धमान' नाटक के लेखक कौन हैं?
(A) डॉ. रामकुमार वर्मा (B) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
(C) उदयशंकर भट्ट (D) सेठ गोविन्द दास
उत्तर (A)

व्याख्या–कौमुदी महोत्सव (1954ई.), विजयपर्व (1954ई.), नानाफड़नवीस (1956ई.), अशोक का शोक (1967ई.), अग्निशिखा (1970 ई.) संत तुलसीदास (1974ई.), जयवर्द्धमान (1975ई.), स्वयंवरा (1980ई.) इत्यादि डॉ0 रामकुमार वर्मा के नाटक हैं।

23. 'चक्कर क्लब' के रचनाकार हैं
(A) अमृतलाल नागर (B) नगेन्द्र
(C) यशपाल (D) बालमुकुन्द गुप्त
उत्तर (C)

व्याख्या–न्याय का संघर्ष (1940ई.) राज्य की कथा, चक्कर क्लब, 'देखा सोचा समझा' (1951 ई.), बात बात में बात, (1950 ई.), गाँधीवाद की शव परीक्षा, इत्यादि यशपाल के प्रमुख निबंध संग्रह हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

24. काव्य-हेतुओं में व्युत्पत्ति का सही अर्थ है

(A) परिश्रम (B) शब्द ज्ञान
(C) लोक ज्ञान (D) प्रगाढ़ पांडित्य

उत्तर (B)

व्याख्या–काव्य हेतुओं में मुख्यतः तीन प्रकार के अर्थ माने जाते हैं- (1) प्रतिभा (2) व्युत्पत्ति (3) अभ्यास। यहाँ पर व्युत्पत्ति का सही अर्थ 'शब्द ज्ञान' है।

25. काव्य गुणों के प्रतिष्ठापक आचार्य हैं

(A) रुद्रट (B) दण्डी
(C) वामन (D) अप्पय दीक्षित

उत्तर (C)

व्याख्या–काव्य गुणों के प्रतिष्ठापक आचार्य वामन हैं, वामन ने गुणों को दो भागों में विभाजित किया है - (1) शब्दगुण (2) अर्थगुण । वामन ने गुणों की संख्या 20 माना है। भरतमुनि ने 10 गुण माने हैं जबकि भामह, मम्मट, आनन्द वर्धन आदि आचार्यों ने प्रसाद, माधुर्य और ओज नामक तीन गुण माना है।

26. 'वैदग्धाभंगी भणिति' - किसका सूत्र है?

(A) कुंतक (B) भोज
(C) राजशेखर (D) पंडितराज जगन्नाथ

उत्तर (A)

व्याख्या–

सूत्र	सूत्रकार
वैदग्धाभंगी भणिति (चमत्कार पूर्व कथन-)	कुंतक
अदोषं/निर्दोषं गुणवत्त्काव्यमलंकारलकृतम्-	भोजराज
तस्य कवेः कर्म स्मृतं काव्यम्	राजशेखर
रमणीयार्थ -प्रतिपादक : शब्दः काव्यम्	जगन्नाथ

27. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा स्थापित सिद्धांत नहीं है।

(A) विसंगति बोध
(B) लोकमंगल की साधनावस्था
(C) हृदय की मुक्तावस्था
(D) विरुद्धों का सामंजस्य

उत्तर (A)

व्याख्या–'लोकमंगल की साधनावस्था', 'हृदय की मुक्तावस्था' तथा 'विरुद्धो का सामंजस्य', शुक्ल जी का सिद्धान्त है।
'विसंगति बोध' पाश्चात्य से होते हुए हिन्दी साहित्य में आया हुआ है इसका तात्पर्य है मानव जीवन का निरुद्देश्य और अर्थहीन होना। आधुनिक रचनाकार के अनुसार मानव के पैदा होने, जीने और मर जाने में कोई संगति नहीं है। सब कुछ बेमेल तथा बेइमानी है। यह विसंगति बोध है। यह आधुनिकता बोध से सम्बन्धित है।

28. 'हिन्दी जाति की अवधारणा' के पुरस्कर्त्ता कौन हैं?

(A) अज्ञेय (B) रामविलास शर्मा
(C) नगेन्द्र (D) भगीरथ मिश्र

उत्तर (B)

व्याख्या–हिन्दी जाति के अवधारणा के पुरस्कर्ता प्रसिद्ध मार्क्सवादी समीक्षक 'रामविलास शर्मा' हैं। भारतेन्दु युग के संदर्भ में इन्होंने कहा है। "भारतेन्दु युग का साहित्य हिन्दी भाषी जनता का जातीय साहित्य है वह हमारे जातीय नवजागरण का साहित्य है"। इसी प्रकार प्रेमचन्द के संदर्भ में कहते हैं कि "प्रेमचन्द की आवाज सुनकर हमें अपने देश और जनता पर गर्व होता है। उस जातीय संस्कृति पर गर्व होता है। जिसे प्रेमचन्द सवांर रहे थे"।

29. 'भाषा और संवेदना' के लेखक हैं।

(A) जगदीश गुप्त (B) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) रमेश चंद्र शाह (D) विजयदेव नारायण साही

उत्तर (B)

व्याख्या–रामस्वरूप चतुर्वेदी ने काव्य-भाषा की सर्जनात्मकता को केन्द्र में रखकर समीक्षा की है। इनका मानना है कि "भाषा का आधारभूत रूप वह है जो रचनाकार समाज से स्वीकार करता है और उसी के अनुरूप उसकी संवेदना निखरती है।"
इनकी प्रमुख रचना इस प्रकार है- हिन्दी नवलेखन (1960 ई.), भाषा और संवेदना (1964 ई.), हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, (1986 ई.) आदि।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, क्रोंचे, आई. ए. रिचर्ड्स, नयी समीक्षा

30. इनमें से कौन 'मनोविश्लेषणवाद' से जुड़े विचारक नहीं हैं?

(A) एडलर (B) फ्रायड
(C) जुंग (D) सार्त्र

उत्तर (D)

व्याख्या–एडलर, फ्रायड तथा जुंग मूलतः मनोविश्लेषणवादी है, जबकि सार्त्र, कीर्केगार्द, इत्यादि विद्वान मूलतः 'अस्तित्ववादी' है।

कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, जायसी, ग्रन्थावली, सूरदास (भ्रमरगीत सार), तुलसीदास (उत्तरकाण्ड), प्रसाद (कामायनी–श्रद्धा, इड़ा सर्ग), निराला (राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता), अज्ञेय (असाध्य वीणा, नदी के द्वीप, मुक्तिबोध (अंधेरे में)

31. खुसरों की रचना 'खालिक बारी' वस्तुतः है

(A) पहेलियों का संकलन
(B) कहमुकरियों का संकलन
(C) फारसी-हिन्दी शब्दकोश
(D) मनोरंजनपरक रचना

उत्तर (C)

व्याख्या–अमीर खुसरो 'खड़ी बोली 'हिन्दी' के प्रथम कवि माने जाते हैं। इनकी प्रमुख रचनाएं इस प्रकार हैं- (1) खालिक बारी (फारसी हिन्दी शब्दकोश) (2) हालात-ए-कन्हैया (3) नजरान-ए-हिन्दी (4) पहेलियाँ, मुकरियाँ (5) दो सुखने इत्यादि हैं।

32. किस समीक्षक ने विद्यापति की पदावलियों को जीव और परमात्मा के सम्बन्ध का रूपक माना है?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) आनन्द कुमार स्वामी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) शिव प्रसाद सिंह (D) रामवृक्ष बेनीपुरी

उत्तर (B)

व्याख्या–आनन्द कुमार स्वामी ने विद्यापति की 'पदावली' को जीव और परमात्मा का रूपक माना है।
* निराला ने 'पदावली' को 'नागिन की लहर' माना है।
* विद्यापति को रामचन्द्र शुक्ल ने श्रृंगारिक कवि कहा है।
* हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'श्रृंगार रस का सिद्ध वाक' कवि माना है।
* सर्वप्रथम ग्रियर्सन ने विद्यापति को 'रहस्यवादी' कहा।

33. सिंधी भाषा का विकास अपभ्रंश की किस बोली से माना गया है?

(A) ब्राचड़ (B) पैशाची
(C) मागधी (D) अर्धमागधी

उत्तर (A)

व्याख्या–

अपभ्रंश रूप	**आधुनिक भाषा रूप**
ब्राचड़	सिंधी
पैशाची	पिशाच जाति की भाषा (लहंदा, पंजाबी)
मागधी	बिहारी हिन्दी (मगधी, मैथिली, भोजपुरी)
अर्द्ध मागधी	पूर्वी हिन्दी- (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी)

34. इनमें से कौन सी भाषा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में नहीं है?

(A) डोगरी (B) संथाली
(C) बोडो (D) भोजपुरी

उत्तर (D)

व्याख्या–भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में वर्तमान में कुल 22 भाषाएँ सम्मिलित हैं। इसमें 'भोजपुरी' भाषा शामिल नहीं है।

35. इनमें से किस शब्द में उपसर्ग नहीं है?

(A) अपमान (B) अपराध
(C) अपयश (D) अपमति

उत्तर (B)

व्याख्या–अप + मान = अपमान,
अप +यश = अपयश
अप + मति = अपमति,
इन सभी में 'अप' उपसर्ग है, जबकि 'अपराध' में कोई उपसर्ग नहीं है। क्योंकि उपसर्ग का अलग अर्थ होता है, और जुड़े हुए शब्द का अलग अर्थ होता है यहाँ पर अपराध में अप का अर्थ नीचे हुआ और राध का कोई अर्थ नहीं हुआ अतः अप और राध दोनों शब्द एक-दूसरे के पूरक है इसलिए इसमें कोई उपसर्ग नहीं होगा।

अन्य तथ्य विविधा

36. 'सरस्वती' पत्रिका के प्रथम सम्पादक हैं

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) बाबू श्यामसुंदर दास
(D) ठाकुर शिवप्रसाद सिंह

उत्तर (C)

व्याख्या–'सरस्वती' मासिक पत्रिका का आरम्भ 1900 ई. में 'काशी' से हुआ था। इसके प्रथम सम्पादक श्यामसुन्दरदास, राधाकृष्णदास, जगन्नाथदास, कार्तिक प्रसाद और किशोरीलाल गोस्वामी थे। बाद में यह पत्रिका इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी तथा (1903 ई.) से (1920 ई.) तक इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी हुए। (1901 ई.) में इसके सम्पादक स्वयं श्यामसुन्दर दास हुए।

37. 'बालाबोधिनी' मासिक पत्रिका के संपादक थे

(A) पं. प्रतापनारायण मिश्र (B) पं. राधाचरण गोस्वामी
(C) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (D) ठा. जगमोहन सिंह

उत्तर (C)

व्याख्या–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने महिलाओं के लिए 'बालाबोधिनी' (मासिक) पत्रिका का सम्पादन (1874 ई.) में बनारस से आरम्भ किया था। 'कविवचन सुधा' (1868ई.) मासिक, पाक्षिक, साप्ताहिक तथा 'हरिश्चन्द्र मैगजीन' (1873 ई.) मासिक पत्रिका का सम्पादन किया।

38. 'चेखब : एक इंटरव्यू' किसकी रचना है?

(A) रणवीर रांग्रा (B) पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'
(C) राजेन्द्र यादव (D) प्रभाकर माचवे

उत्तर (C)

व्याख्या-

इण्टरव्यू (साक्षात्कार)	**सन्**	**रचनाकार**
जवाब दो विक्रमादित्य चेखबः एक इंटरव्यू	2003 ई.	राजेन्द्र यादव
मैं इनसे मिला	1955 ई.	पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'
सृजन की मनोभूमि साहित्यिक साक्षात्कार	1968 ई. 1978 ई.	रणवीर रांग्रा रणवीर रांग्रा
जैनेन्द्र के विचार	1939 ई.	प्रभाकर माचवे

39. 'मित्र संवाद' पत्र साहित्य किनके बीच लिखे गये पत्रों का संग्रह है?

(1) रामविलास शर्मा- केदारनाथ अग्रवाल
(2) नेमिचंद जैन-नागार्जुन
(3) अमृतलाल नागर- यशपाल
(4) हजारी प्रसाद द्विवेदी- शिवप्रसाद सिंह

उत्तर (A)

व्याख्या–मित्र-संवाद (1992 ई.) के सम्पादक डॉ. रामविलास शर्मा है। इसमें रामविलास शर्मा एवं केदारनाथ अग्रवाल के पत्रों का संग्रह है।

40. 'लगता नहीं है दिल मेरा' आत्मकथा की लेखिका है

(A) कृष्णा अग्निहोत्री (B) मन्नू भण्डारी
(C) मैत्रेयी पुष्पा (D) पद्मा सचदेव

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
आत्मकथा	**सन्**	**आत्मकथाकार**
लगता नहीं है दिल मेरा	1997ई.	कृष्णा अग्निहोत्री
बूंद बावड़ी	1999ई.	पद्मा सचदेव
कस्तूरी कुण्डल बसै	2002ई.	मैत्रेयी पुष्पा
गुड़िया भीतर गुड़िया	2008ई.	मैत्रेयी पुष्पा
एक कहानी यह भी	2007ई.	मन्नू भण्डारी
कली यह भी	2007ई.	मन्नू भण्डारी

41. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से विद्यानिवास मिश्र के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम है

(A) मैंने सिल पहुँचाई, तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई, तुम चन्दन हम पानी
(B) तुम चन्दन हम पानी, मैंने सिल पहुँचाई, तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई
(C) तमाल के झरोखे से, शिरीष की याद आई, तुम चन्दन हम पानी, मैंने सिल पहुँचाई
(D) शिरीष की याद आई, तुम चन्दन हम पानी, मैंने सिल पहुँचाई, तमाल के झरोखे से

उत्तर (B)

व्याख्या–डॉ. विद्यानिवास मिश्र मुख्यतः ललित निबन्धकार है निबन्ध का सही अनुक्रम है - 'तुम चन्दन हम पानी' (1957 ई.) 'मैंने सिल पहुंचाई' (1966 ई.) तमाल के झरोखे से (1981 ई.) शिरीष की याद आई (1995 ई.)। डॉ. विद्यानिवास के 40 निबन्ध संग्रह हैं। इनका प्रथम निबन्ध-संग्रह छितवन की छाँह (1953ई.) है।

42. प्रकाशन वर्ष के आधार पर अज्ञेय के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) आत्मनेपद, अन्तरा, धार और किनारे, त्रिशंकु
(B) अन्तरा, धार और किनारे, त्रिशंकु, आत्मनेपद
(C) धार और किनारे, त्रिशंकु, आत्मनेपद, अन्तरा
(D) त्रिशंकु, आत्मनेपद, अन्तरा, धार और किनारे

उत्तर (D)

व्याख्या– 'त्रिशंकु (1945 ई.), सब रंग और कुछ राग (1956 ई.), आत्मनेपद' (1960 ई.), आलबाल (1971 ई.), लिखी कागद कोरे (1972 ई.), भवन्ती (1972 ई.), 'अन्तरा' (1975 ई.), जोग लिखा (1977 ई.), अद्यतन (1977 ई.), स्रोत और सेतु (1978 ई.), संवत्सर (1978 ई.), धार और किनारे (1982 ई.), युग सन्धियों पर (1982 ई.), कहाँ है द्वारिका (1982 ई.), केन्द्र और परिधि (1984 ई.), छाया का जंगल (1984 ई.), सर्जना और सन्दर्भ (1985 ई.), स्मृति छन्दा (1989 ई.), इत्यादि अज्ञेय के निबन्ध-संग्रह हैं।

43. प्रकाशन के अनुसार इलाचन्द्र जोशी के उपन्यासों का सही अनुक्रम है

(A) निवार्सित, जिप्सी, जहाज का पंछी, कवि की प्रेयसी
(B) जिप्सी, जहाज का पंछी, कवि की प्रेयसी, निर्वासित
(C) जहाज का पंछी, कवि की प्रेयसी, निर्वासित, जिप्सी
(D) कवि की प्रेयसी, निर्वासित, जिप्सी, जहाज का पंछी

उत्तर (A)

व्याख्या–इलाचन्द्र जोशी मनोविश्लेषणवादी उपन्यासकार हैं इनके उपन्यासों का सही अनुक्रम है - घृणामयी (1929ई.), संन्यासी (1940ई.), पर्दे की रानी (1942ई.), प्रेम और छाया (1944ई.), निर्वासित (1946 ई.), मुक्तिपथ (1948ई.), सुबह के भूले (1951ई.) 'जिप्सी' (1952 ई.) 'जहाज का पंछी (1954 ई.) ऋतु चक्र (1969ई.), भूत का भविष्य (1973ई.) तथा कवि की प्रेयसी (1976 ई.)।

44. प्रकाशन के अनुसार इन रचनाओं का सही अनुक्रम है

(A) पल्लव, लहर, नीरजा, अनामिका
(B) लहर, नीरजा, अनामिका, पल्लव
(C) नीरजा, अनामिका, पल्लव, लहर
(D) अनामिका, पल्लव, लहर, नीरजा

उत्तर (D)

व्याख्या–

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**विधा**	**रचनाकार**
अनामिका	1923 ई.	काव्यसंग्रह	निराला
पल्लव	1928 ई.	काव्यसंग्रह	सुमित्रानंदन पंत
लहर	1933 ई.	काव्यसंग्रह	जयशंकर प्रसाद
नीरजा	1935 ई.	काव्यसंग्रह	महादेवी वर्मा

45. प्रकाशन के अनुसार इन नाटकों का सही अनुक्रम है

(A) सूखा सरोवर, मिस्टर अभिमन्यु, कर्फ्यू, मादा कैक्टस
(B) मिस्टर अभिमन्यु, कर्फ्यू, मादा कैक्टस, सूखा सरोवर
(C) मादा कैक्टस, सूखा सरोवर, मिस्टर अभिमन्यु, कर्फ्यू
(D) कर्फ्यू, मादा कैक्टस, सूखा सरोवर, मिस्टर अभिमन्यु

उत्तर (C)

व्याख्या–नाटकों का सही अनुक्रम इस प्रकार है - अन्धा कुआँ (1955 ई.), 'मादा कैक्टस' (1959 ई.) सूखा सरोवर (1960 ई.), तीन आँखों वाली मछली (1960 ई.), नाटक बहुरंगी (1961 ई.), कलंकी (1969 ई.), मिस्टर अभिमन्यु (1971 ई.), कर्फ्यू (1972 ई.), दूसरा दरवाजा (1972 ई.), अब्दुल्ला दीवाना (1972 ई.), यक्ष प्रश्न (1976 ई.), राम की लड़ाई (1979 ई.) ये सभी नाटक 'लक्ष्मी नारायणलाल' जी के हैं।

46. प्रकाशन की दृष्टि से रामविलास शर्मा के ग्रंथों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) आस्था और सौन्दर्य, भारत की भाषा समस्या, निराला की साहित्य साधना भाग-1, नयी कविता और अस्तित्ववाद
(B) भारत की भाषा समस्या, निराला की साहित्य साधन भाग-1, नयी कविता और अस्तित्ववाद, आस्था और सौन्दर्य
(C) निराला की साहित्य साधना भाग-1, नयी कविता और अस्तित्ववाद, आस्था और सौन्दर्य, भारत की भाषा समस्या
(D) नयी कविता और अस्तित्ववाद, आस्था और सौन्दर्य, भारत की भाषा समस्या, निराला की साहित्य साधना भाग-1

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–रामविलास शर्मा की आलोचनात्मक कृति-प्रेमचन्द (1941ई.), भारतेन्दु युग (1943ई.), निराला (1946ई.), प्रगति और परम्परा (1948ई.), साहित्य और संस्कृति (1949ई.) प्रेमचन्द और उनका युग (1952ई.), भाषा और समाज (1961ई.), 'आस्था और सौन्दर्य' (1961 ई.) 'भारत की भाषा समस्या' (1965 ई.) निराला की साहित्य साधना भाग-1 (1969 ई.) नयी कविता और अस्तित्ववाद (1978 ई.), हिन्दी जाति का साहित्य (1986ई.) इत्यादि।

ये सभी रामविलास शर्मा की आलोचनात्मक कृति है। रामविलास शर्मा एक प्रगतिवादी (मार्क्सवादी) आलोचक हैं।

47. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित नाट्य रचनाओं का सही अनुक्रम है

(A) अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी, रक्षाबन्धन, नहुष
(B) नहुष, अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी, रक्षा बन्धन
(C) ध्रुवस्वामिनी, रक्षाबन्धन, नहुष, अंधेर नगरी
(D) रक्षाबन्धन, नहुष, अन्धेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी

उत्तर (B)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
नहुष	1859 ई.	गोपाल चन्द्र गिरधर दास
अंधेर नगरी	1881 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द
ध्रुव स्वामिनी	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद
रक्षाबन्धन	1934 ई.	हरिकृष्ण प्रेमी

48. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित एकांकियों का सही अनुक्रम है

(A) कारवाँ, एकादशी, नदी प्यासी थी, एक घूँट
(B) एक घूँट, कारवाँ, एकादशी, नदी प्यासी थी
(C) एकादशी, नदी प्यासी थी, एक घूँट, कारवाँ
(D) नदी प्यासी थी, एक घूँट, कारवाँ, एकादशी

उत्तर (B)

व्याख्या-

एकांकी	एकांकीकार
एक घूँट	जयशंकर प्रसाद
कारवाँ	भुवनेश्वर प्रसाद
एकादशी	सेठ गोविन्द दास
नदी प्यासी थी	धर्मवीर भारती

49. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है

(A) जिन्दगीनामा, आवाँ, कुइयाँजान, बेघर
(B) आवाँ, कुइयाँजान, बेघर, जिन्दगीनामा
(C) कुइयाँजान, बेघर, जिन्दगीनामा, आवाँ
(D) बेघर, जिन्दगीनामा, आवाँ, कुइयाँजान

उत्तर (D)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
बेघर	1971ई.	ममता कालिया
जिन्दगीनामा	1979ई.	कृष्णा सोबती
आवाँ	1999ई.	चित्रा मुद्गल
कुइयाँजान	2005ई.	नासिरा शर्मा

50. प्रकाशन के अनुसार वृन्दावनलाल वर्मा के उपन्यासों का सही अनुक्रम है

(A) कचनार, मृगनयनी, रामगढ़ की रानी, विराटा की पद्मिनी
(B) विराटा की पद्मिनी, कचनार, मृगनयनी, रामगढ़ की रानी
(C) मृगनयनी, रामगढ़ की रानी, विराटा की पद्मिनी, कचनार
(D) रामगढ़ की रानी, विराटा की पद्मिनी, कचनार, मृगनयनी

उत्तर (B)

व्याख्या–वृन्दावनलाल वर्मा जी के उपन्यास का सही अनुक्रम - गढ़कुण्डार (1928ई.), विराटा की पदमिनी (1936 ई.) झांसी की रानी (1946ई.) कचनार (1948 ई.), मृगनयनी (1950 ई.), अहिल्याबाई (1955ई.), भुवन विक्रम (1957ई.), रामगढ़ की रानी (1961 ई.), कीचड़ का कमल (1964ई.) महारानी दुर्गावती (1964ई.) सोती आग (1966ई.), देवगढ़ की मुस्कान (1973ई.) इत्यादि।

51. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं का सही अनुक्रम है

(A) जागरण प्रतीक, नयी कविता, कल्पना
(B) प्रतीक, नयी कविता, कल्पना, जागरण
(C) नयी कविता, कल्पना, जागरण, प्रतीक
(D) कल्पना, जागरण, प्रतीक, नयी कविता

उत्तर (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	प्रकाशन स्थान	सम्पादक
जागरण	1929 ई.	बनारस	शिवपूजन सहाय, प्रेमचन्द
प्रतीक	1947 ई.	इला./दिल्ली	अज्ञेय
नयी कविता	1954 ई.	इलाहाबाद	जगदीशगुप्त, रामस्वरूप चतुर्वेदी
कल्पना	1949 ई.	हैदराबाद	आर्येन्द्र शर्मा

52. प्रकाशन की दृष्टि से प्रेमचंद की कहानियों का सही अनुक्रम है

(A) नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति, रानी सारंगा
(B) शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति, रानी सारंगा, नमक का दरोगा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) रानी सारंगा, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी, सद्गति
(D) सद्गति, रानी सारंगा, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी

उत्तर (C)

व्याख्या-प्रेमचन्द की कहानियों का प्रकाशन वर्ष निम्न है-	
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**
रानी सारंगा	1910 ई.
नमक का दरोगा	1913 ई.
शतरंज के खिलाड़ी	1925 ई.
सद्गति	1931 ई.

53. प्रकाशन के आधार पर निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है
(A) कलकत्ता से पेकिंग, चीड़ों पर चाँदनी, यात्रा चक्र, मेरी तिब्बत यात्रा
(B) चीड़ों पर चाँदनी, यात्रा चक्र, मेरी तिब्बत यात्रा, कलकत्ता से पेकिंग
(C) यात्रा चक्र, मेरी तिब्बत यात्रा, कलकत्ता से पेकिंग, चीड़ों पर चाँदनी
(D) मेरी तिब्बत यात्रा, कलकत्ता से पेकिंग, चीड़ों पर चाँदी, यात्रा चक्र

उत्तर (D)

व्याख्या-ये सभी रचनाएं यात्रा-साहित्य विधा की है		
कृतियाँ	**प्रकाशन वर्ष**	**कृतिकार**
मेरी तिब्बत यात्रा	1937 ई.	राहुल सांकृत्यायन
कलकत्ता से पेकिंग	1955 ई.	डा. भगवतशरण उपाध्याय
चीड़ो पर चाँदनी	1964 ई.	निर्मल वर्मा
यात्रा चक्र	1995 ई.	धर्मवीर भारती

54. प्रकाशन के अनुसार निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है
(A) डिप्टी कलक्टरी, वापसी, फैंस के इधर उधर, गदल
(B) गदल, डिप्टी कलक्टरी, वापसी, फैंस के इधर उधर
(C) वापसी, फैंस के इधर उधर, गदल, डिप्टी कलक्टरी,
(D) फैंस के इधर उधर, गदल, डिप्टी कलक्टरी, वापसी

उत्तर (B)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशनवर्ष**	**कहानीकार**
गदल	1955 ई.	रांगेय राघव
डिप्टी कलक्टरी	1956 ई.	अमरकान्त
वापसी	1960 ई.	उषाप्रियंवदा
फैंस के इधर-उधर	1968 ई.	ज्ञान रंजन

55. निराला के निम्नलिखित निबंध संग्रहों का प्रकाशनवर्ष के आधार पर सही अनुक्रम है
(A) प्रबंध प्रतिमा, चाबुक, चयन, प्रबंध पद्म
(B) चाबुक, चयन, प्रबंध पद्म, प्रबंध प्रतिमा
(C) प्रबंध पद्म, प्रबंध प्रतिमा, चाबुक, चयन
(D) चयन, प्रबंध पद्म, प्रबंध प्रतिमा, चाबुक

उत्तर (C)

व्याख्या–प्रकाशन वर्ष के अनुसार निराला के निबन्धों का सही अनुक्रम है।
प्रबन्ध पदम, प्रबन्ध प्रतीक्षा (1940ई.), प्रबन्ध पूर्णिमा, चाबुक (1951 ई.) और चयन है।

56 स्थापना (Assertion) (A) : 'एब्सर्डबोध' व्यक्ति के भीतरी यथार्थ को उद्घाटित करता है, अतः यह अत्यन्त महत्त्वपूर्ण नहीं है।
तर्क (Reason) (R): यह आस्था और तर्क, दोनों को नकारता है, अतः अधिक महत्वपूर्ण नहीं है
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–'एब्सर्डबोध' (विसंगति बोध) व्यक्ति के भीतरी यथार्थ को उदघाटित करता अतः यह अत्यन्त महत्वपूर्ण नहीं है जबकि यह आस्था और तर्क दोनों को नकारता है, इसलिए यह अधिक महत्वपूर्ण नहीं है।

57. स्थापना (Assertion) (A) : मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र में सर्वोपरि है- श्रम का सौन्दर्य।
तर्क (Reason) (R): मार्क्सवादियों के अनुसार हाथ मात्र कर्म इन्द्रिय न होकर आद्य सर्जना शक्ति है। वहीं हर कला की सृष्टि करता है। अतः श्रम और सौन्दर्य परस्पर पूरक हैं।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–मार्क्सवाद -द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद सिद्धांत पर आधारित है। इसमें श्रमिक वर्ग को श्रेष्ठ माना जाता है। यहाँ पर श्रम ही सौन्दर्य है तथा श्रम और सौन्दर्य एक दूसरे के पूरक हैं।

58. स्थापना (Assertion) (A) : हिन्दी काव्यशास्त्र का सर्वोच्च प्रदेय है- 'सर्वांग निरूपण'
तर्क (Reason) (R): सर्वांग निरूपक आचार्यों ने रस, अलंकार, पिंगल आदि का निरूपण करते हुए इसके अन्तर्गत काव्य हेतु, प्रयोजन, गुण-दोष आदि की भी चर्चा की है, जो अत्यन्त उपयोगी है।
(A) (A) और (R) दोनो गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– सर्वांग अर्थात काव्य के सभी अँगों का निरूपण जिसमें काव्य शास्त्रियों ने काव्य की समीक्षा, आलोचना एवं काव्य रचना के लिए विभिन्न अंगों या सिद्धांतो का प्रतिपादन किया जिसमें रस, छन्द, अलंकार, रीति, ध्वनि इत्यादि प्रमुख है। इन्हीं के माध्यम से काव्य हेतु काव्य प्रयोजन काव्य गुण दोष शब्द शक्तियों आदि की चर्चा की गई है।

59. स्थापना (Assertion) (A) : अधिकतर संस्कृत आचार्य औचित्य के पोषक रहे हैं, अतः औचित्य सम्प्रदाय के स्वतंत्र अस्तित्व का औचित्य कदापि सिद्ध नहीं होता है।
तर्क (Reason) (R): औचित्य का आग्रह आचार्य भरत से लेकर आनंदवर्धन, महिमभट्ट आदि सभी ने बहुशः किया है।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–'औचित्य' सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य क्षेमेन्द्र माने जाते हैं अधिकतर आचार्यों ने अपने सिद्धान्त में औचित्य की चर्चा की है यह क्षेमेन्द्र का स्वतंत्र सिद्धांत के रूप में एकल मत है। अतः इसे पूर्णतः सम्प्रदाय नहीं कहा जा सकता है। क्योंकि सम्प्रदाय में मतानुयायी अधिक होते हैं।

60. स्थापना (Assertion) (A) : प्लेटों के अनुसार भावातिरेक अत्यन्त अनिष्टकर होता है और अरस्तू के अनुसार भावों का दमन बड़ा घातक होता है, अतः आदर्शवाद और त्रासदी दोनों सिद्धान्त संदिग्ध है।
तर्क (Reason) (R): प्लेटो साहित्यकार के निष्कासन पर बल देते थे और अरस्तू मात्र विरेचन तक उसकी उपयोगिता मानते थे, अतः दोनों सिद्धांत अधूरे लगते हैं।
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर (D)

व्याख्या–अरस्तू के गुरू प्लेटो तथा प्लेटो के गुरू सुकरात थे प्लेटों ने प्रपत्यवाद एवं आदर्शवाद को तथा अरस्तु ने त्रासदी एवं विरेचन के सिद्धान्त को जन्म दिया। अपने सिद्धान्त में प्लेटो ने भावों के अतिरेक को अनिष्टकर बताया है तो अरस्तू ने भावों के दमन को अनिष्टकर कहा है। अतः दोनों सिद्धान्त संदिग्ध अवस्था में है।

61. स्थापना (Assertion) (A) : 'उत्तर संरचनावाद' मुख्यतः पाठकेन्द्रित है और वह पाठ 'अर्थापन' साध्य होता है।
तर्क (Reason) (R): पाठ को इतना महत्व देना और ''लेखक की मृत्यु'' की घोषणा कर देना सस्यूर का अतिवादी चिन्तन है, अतः यह पुनर्विचारणीय है।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–उत्तर संरचनावाद के मुख्य बिन्दु 'पाठ' है। पाठ के बाहर कुछ भी नहीं है और पाठ का कोई स्थिर अर्थ भी नहीं होता अर्थात एक पाठ को अनेक प्रकार से पढ़ा जा सकता है। यहाँ पर लेखक नगण्य हो जाता है। सस्यूर ने इसे ''लेखक की मृत्यु'' करार दिया जिस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

62. स्थापना (Assertion) (A) : काव्यानुभूति सदैव लोकोत्तर होती है।
तर्क (Reason) (R): कवि की अनुभूति लोक से परे होती है। इसीलिए उसे ब्रह्मनन्द सहोदर कहा गया है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–काव्यानुभूति सदैव लोकोत्तर होती है। कवि की अनुभूति लौकिक एवं अलौकिक दोनों होती है। ब्रह्मानन्द सहोदर का सम्बन्ध काव्य रस से है कवि से नहीं।

63. स्थापना (Assertion) (A) : प्रेम में प्रिय अच्छा लगता है, साथ ही प्रेमी में यह वृत्ति हो जाती है कि मैं भी प्रिय को अच्छा लगूँ।
तर्क (Reason) (R): प्रिय और प्रेमी दोनों में परस्पर अनुभूतिजन्य तादात्म्य आधार के रूप में काम करता है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (B)

व्याख्या–प्रेम में प्रिय और प्रेमी दोनों में एक दूसरे के प्रति अच्छा लगने की वृत्ति पायी जाती है। इसमें परस्पर दोनों का अनुभव तादात्म्य स्थापित करते हुए आधार का कार्य करता है।

64. स्थापना (Assertion) (A) : कविता ही हृदय को प्रकृत दशा में लाती है और जगत के बीच क्रमशः उसका अधिकाधिक प्रसार करती हुई उसे मनुष्यत्व की उच्च भूमि पर ले जाती है
तर्क (Reason) (R): कविता का सम्बन्ध हृदय से न होकर मन से और वह विविध शब्दजालों के माध्यम से अभिव्यक्ति पाती है।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) सही (R)गलत
उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–कविता मनुष्य के हृदय की प्रकृतदशा में लाती है और व्यक्ति के मनुष्यत्व की उच्च भूमि पर पहुंचाने का कार्य करती है कविता का सम्बन्ध हृदय से होता है और कविता मात्र शब्दजाल नहीं है।

65. स्थापना (Assertion) (A) : भाव का ज्ञान से विरोध नहीं है। दोनों के प्रस्थान बिन्दु अवश्य भिन्न हैं, पर दोनों का लक्ष्य बिन्दु एक ही है।
तर्क (Reason) (R): भाव का सम्बन्ध हृदय से है और ज्ञान का सम्बन्ध बुद्धि से, अतः दोनों एक दूसरे के विरोधी हैं।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (C)

व्याख्या–भाव का ज्ञान से विरोध नहीं है। दोनों का व्यापार भिन्न है। किन्तु लक्ष्य बिन्दु एक ही है। भाव का सम्बन्ध हृदय से और ज्ञान का सम्बन्ध बुद्धि से है और दोनों एक दूसरे से अन्तर्सम्बन्धित है। यहाँ पर स्थापना में भाव तथा ज्ञान को सम्बन्धित बताया गया है जबकि तर्क में दोनों को विरोधी।

66. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) सत्यनारायण 'कविरत्न'	(i) गंगालहरी
(b) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'	(ii) वीर सतसई
(c) रामचरित उपाध्याय	(iii) भ्रमरदूत
(d) वियोगी हरि	(iv) देवदूत
	(v) वायुदूत

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	iv
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	v	iv	ii	i
(D)	ii	v	i	iii

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचनाकार	रचना
सत्यनारायण कविरत्न	भ्रमरदूत
जगन्नाथदास 'रत्नाकर'	गंगालहरी
रामचरित उपाध्याय	देवदूत
वियोगी हरि	वीर सतसई

67. निम्नलिखित नाटकों के साथ उनके पात्रों को सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) अंधेर नगरी	(i) चाणक्य
(b) कोर्ट मार्शल	(ii) सुरेखा
(c) द्रौपदी	(iii) रामचन्दर
(d) कौमुदी महोत्सव	(iv) नारायण दास
	(v) मातृगुप्त

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	iii	iv
(B)	ii	iii	i	v
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर (C)

व्याख्या-

नाटक	पात्र	प्रकाशवर्ष	नाट्यकार
अंधेर नगरी	नारायणदास	1881 ई.	भारतेन्दु
कोर्ट मार्शल	रामचन्दर	1991 ई.	स्वदेश दीपक
द्रौपदी	सुरेखा	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा
कौमुदी महोत्सव	चाणक्य	1954 ई.	रामकुमार वर्मा
स्कन्द गुप्त	मातृगुप्त	1928 ई.	जयशंकर प्रसाद

68. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) भरत मिलाप	(i) अग्रदास
(b) ध्यानमंजरी	(ii) ईश्वरदास
(c) रामायण महानाटक	(iii) लालदास
(d) अवध-विलास	(iv) प्राणचंद चौहान
	(v) हृदयराम

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	v	ii	iii	i
(C)	iii	v	i	ii
(D)	ii	i	v	iii

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
भरत मिलाप		ईश्वरदास
ध्यान मंजरी		अग्रदास
रामायण महानाटक	1618 ई.	प्राणचन्द चौहान
अवध विलास	1643 ई.	लालदास
हनुमन्नाटक	1623 ई.	हृदयराम

69. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) नंददास	(i) युगलशतक
(b) श्री भट्ट	(ii) रागमाला
(c) रसखान	(iii) प्रेम वाटिका
(d) हरिराम व्यास	(iv) रूपमंजरी
	(v) रणमल्ल छंद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	iii	ii
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	iii	ii	i	iv
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर (A)

व्याख्या-	
रचनाकार	**रचना**
नंददास	रूपमंजरी
श्री भट्ट	युगल शतक
रसखान	प्रेमवाटिका (1614 ई.)
हरिराम व्यास	रागमाला
श्रीधर	रणमल्ल छन्द

70. इन उक्तियों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	**सूची-II**
(a) शब्दार्थ शरीरं तावत् काव्यम्	(i) भामह
(b) काव्यं ग्राह्यम् अलंकारात्	(ii) मम्मट
(c) मुख्यार्थहतिर्दोषः	(iii) विश्वनाथ
(d) करोति कीर्ति प्रीतिं च साधु काव्य निबन्धनम्	(iv) वामन
	(v) दण्डी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iv	ii	i
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर (B)

व्याख्या-		
उक्तियाँ	**सम्बंधित आचार्य**	**रचना**
A. शब्दार्थ शरीरं तावत् काव्यम्	दण्डी	काव्यादर्श
B. काव्यं ग्राह्यम् अलंकारात	वामन	काव्यलंकार सूत्र वृत्ति
C. मुख्यार्थहतिर्दोषः	मम्मट	काव्य प्रकाश
D.करोति कीर्ति प्रीतिं निबन्धनम्	भामह	काव्यालंकार
E. वाक्यं रसात्मक काव्यं	विश्वनाथ	साहित्यदर्पण

71. इन स्थापनाओं को उनके विद्वानों के साथ सुमेलित कीजए

सूची-I	**सूची-II**
(a) महान कवि वही हो सकता है, जो साथ में गंभीर दार्शनिक हो	(i) टी.एस.इलियट
(b) कविता व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि उससे पलायन है	(ii) कॉलरिज
(c) काव्य-भाषा तथ्यात्मक नहीं, रागात्मक होती है	(iii) लांजाइनस
(d) महान् व्यक्तित्व ही महान विचारों से सम्पन्न होता है।	(iv) आई.ए.रिचर्ड्स
	(v) ड्राइडन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	ii	iv	v
(C)	v	iv	iii	i
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर (D)

व्याख्या-		
स्थापना	**विद्वान**	**सिद्धांत**
A. महानकवि वही हो सकता है, जो साथ में गंभीर दार्शनिक हो।	कॉलरिज	कल्पना सिद्धांत
B. कविता व्यक्तित्व का अभिव्यक्ति नहीं बल्कि उससे पलायान है।	टी.एस. इलियट	निर्वैक्तिकता का सिद्धांत
C. काव्यभाषा तथ्यात्मक नहीं रागात्मक होती है।	आई.ए. रिचर्ड्स	सम्प्रेषण एवं मूल्य सिद्धांत
D. महान व्यक्तित्व ही महान विचारों से सम्पन्न होता है	लोंजाइनस	औदात्यवाद

72. निम्नलिखित उदाहरणों को उनके अलंकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	**सूची-II**
(a) दृग अरुझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति। परति गाँठ दुरजन हिए, दई नई यह रीति।	(i) रूपक
(b) चंचल-अंचल सा नीलांबर	(ii) उत्प्रेक्षा
(c) खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघ वन बीच गुलाबी रंग	(iii) असंगति
(d) अम्बर-पनघट में डुबो रही तारा-घट ऊषा-नगरी	(iv) विरोधाभास
	(v) उपमा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	v	ii	i

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) ii iii iv v
(D) v iv i iii

उत्तर (B)

व्याख्या-		
उदाहरण	**अलंकार**	**विशेष**
A. दृग अरुझत....... .....नयी यह रीति	असंगति	जहाँ कार्य कहीं और तथा कारण कहीं और अर्थात असमानता हो
B. चंचल अंचल सा नीलांबर	उपमा	जहाँ उपमेय की तुलना उपमान से की जाय।
C. खिला हो ज्यों........गुलाबी रंग	उत्प्रेक्षा	जहाँ उपमेय से उपमान की संभावना हो।
D. अम्बर पनघट..... ...ऊषा नागरी	रूपक	जहां उपमेय तथा उपमान में अभेद रूप हो।

73. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियो के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) कितना अकेला हूँ मैं, इस समाज में	(i) मुक्तिबोध
(b) पिस गया वह भीतरी औ बाहरी दो कठिन पाटों बीच	(ii) अज्ञेय
(c) वे पत्तर जोड़ रहे हैं, तुम सपने जोड़ रहे हो	(iii) नागार्जुन
(d) मैं ही वसंत का अग्रदूत	(iv) रघुवीर सहाय
	(v) निराला

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	iii	v
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर (A)

व्याख्या-	
पंक्तियाँ	**कवि**
कितना अकेला........समाज में	रघुवीर सहाय
पिस गया........पाटो के बीच	मुक्तिबोध
वे पत्तर .... रहे हो।	नागार्जुन
मैं ही बसन्त का अग्रदूत।	निराला
कन्हाई ने प्यार किया कितनी गोपियों को कितनी बार	अज्ञेय

74. निम्नलिखित कवियों को उनकी जनपदीय भाषा से सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) जगदीश गुप्त	(i) बुंदेली
(b) बंशीधर शुक्ल	(ii) राजस्थानी
(c) ईसुरी	(iii) भोजपुरी
(d) सूर्यमल्ल मिश्रण	(iv) अवधी
	(v) ब्रज

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	v	ii	iii
(C)	iii	ii	i	v
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर (D)

व्याख्या-		
कवि	**जनपदीय भाषा**	**उपभाषा**
जगदीश गुप्त	ब्रज	पश्चिमी हिन्दी
बंशीधर शुक्ल	अवधी	पूर्वी हिन्दी
ईसुरी	बुन्देली	पश्चिमी हिन्दी
सूर्य मल्ल मिश्रण	राजस्थानी	राजस्थानी
भिखारी ठाकुर	भोजपुरी	बिहारी हिन्दी

75. निम्नलिखित रचनाकारों को उनके सर्वाधिक सम्बद्ध जनसंचार माध्यमों से सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) उदयशंकर भट्ट	(i) दूरदर्शन
(b) इलाचन्द्र जोशी	(ii) फिल्म
(c) मनोहरश्याम जोशी	(iii) समाचार पत्रकारिता
(d) अज्ञेय	(iv) रेडियो
	(v) कम्प्यूटर-इण्टरनेट

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	i	ii
(B)	v	iii	ii	i
(C)	iii	i	iv	ii
(D)	iv	ii	i	iii

उत्तर (A)

व्याख्या-	
रचनाकार	**सम्बन्धित जनसंचार माध्यम**
उदयशंकर भट्ट	फिल्म
इलाचन्द जोशी	रेडियो
मनोहर श्याम जोशी	दूरदर्शन
अज्ञेय	समाचार पत्रकारिता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2013

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के प्रथम इतिहासकार हैं

(A) जॉर्ज ग्रियर्सन (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) शिवसिंह सेंगर (D) गार्सा द तासी

उत्तर (D)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य के प्रथम इतिहासकार फ्रेंच विद्वान गार्सा द तासी है। इन्होंने फ्रेंच भाषा में 'इस्त्वार द-ला लितरेत्युर ऐंदुई ऐन्दुस्तानी' नामक इतिहास ग्रन्थ लिखा जिसका प्रथम भाग (1839 ई0) तथा द्वितीय भाग 1847 ई0 में प्रकाशित हुआ और दूसरा संस्करण 1871 ई0 में आया। इसमें कवियों का विवरण वर्णक्रमानुसार दिया गया है।

2. 'कुमारपाल प्रतिबोध' के रचनाकार कौन हैं?

(A) हेमचन्द्र (B) सारंगधर
(C) सोमप्रभु सूरि (D) विद्याधर

उत्तर (C)

व्याख्या–'कुमारपाल प्रतिबोध' (1184 ई0) सोमप्रभु सूरि की रचना है। यह गद्य-पद्य समिश्रित संस्कृत-प्राकृत काव्य है। 'कुमारपाल चरित' नामक प्राकृत काव्य हेमचन्द्र का है।

3. इनमें से कौन नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में नहीं है?

(A) रामनारायण मिश्र (B) श्यामसुन्दर दास
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) ठाकुर शिवकुमार सिंह

उत्तर (C)

व्याख्या–नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना 1893 ई0 में की गयी थी। इसके संस्थापक सदस्यों में मुख्यतः तीन- रामनारायण मिश्र, श्याम सुन्दर दास तथा ठाकुर शिव कुमार सिंह थे। रामचन्द्र शुक्ल इसमें सम्मिलित नहीं थे।

4. इनमें कौन वैष्णव भक्ति का आचार्य नहीं है?

(A) शंकराचार्य (B) रामानुजाचार्य
(C) वल्लभाचार्य (D) मध्वाचार्य

उत्तर (A)

व्याख्या–शंकराचार्य वैष्णव भक्त आचार्य नहीं थे। इन्होंने ज्ञान और भक्ति तथा निर्गुण और सगुण का विरोध करते हुए निर्गुण ब्रह्म से ही ज्ञान को सम्बद्ध किया, इन्होंने 'अद्वैतवाद' सिद्धान्त का प्रवर्तन किया और स्मार्त सम्प्रदाय की स्थापना की तथा इसी में पंचदेवोपासना की व्यवस्था की। रामानुजाचार्य वैष्णव भक्ति के आद्य आचार्य माने जाते हैं।

5. जगनिक की रचना कही जाती है

(A) बीसलदेव रासो (B) परमाल रासो
(C) पृथ्वीराज रासो (D) आल्हा खण्ड

उत्तर (B)

व्याख्या–जगनिक की रचना का मूल नाम 'परमाल रासो' है। इसी को उत्तर प्रदेश में 'आल्हाखण्ड' के नाम से जाना जाता है। (1865 ई0) में चार्ल्स इलियट ने आल्हाखण्ड के नाम से इसका प्रकाशन कराया था। यह एक लोकगेय काव्य है। विकल्प में दोनों होने के कारण (U.G.C.) ने दोनों को सही माना है। बीसलदेव रासो नरपति नाल्ह की तथा पृथ्वीराज रासों-चन्दबरदायी की रचना है।

6. 'राम की शक्तिपूजा' की यौगिक प्रक्रिया का स्रोत क्या है?

(A) वेदान्त (B) योगवशिष्ठ
(C) नव वेदान्त (D) हठ योग

उत्तर (C)

व्याख्या–'राम की शक्ति पूजा' निराला की लम्बी कविता है। यह नव वेदान्त यौगिक प्रक्रिया पर आधारित है तथा इसका प्रेरणा स्रोत कृतवासी रामायण (बंग्ला) है।

7. इनमें से कौन 'तार सप्तक' के कवि नहीं हैं?

(A) भारत भूषण अग्रवाल (B) भवानी प्रसाद मिश्र
(C) प्रभाकर माचवे (D) गिरिजा कुमार माथुर

उत्तर (B)

व्याख्या–'तारसप्तक' 1943 ई0 से प्रयोगवाद का जन्म माना जाता है। दूसरा सप्तक (1951 ई0), तीसरा सप्तक (1959ई0), चौथा सप्तक (1979ई0) में छपा था। इन सप्तकों के सम्पादक 'अज्ञेय' थे।

भवानी प्रसाद मिश्र दूसरे सप्तक के कवि हैं, जबकि अन्य सभी तार सप्तक के कवि हैं। चारों सप्तकों में सात-सात कवियों की रचनाओं का संकलन किया गया है।

8. 'एक हथौड़ा वाला घर में और हुआ' किसकी पंक्ति है?

(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) रामदरश मिश्र
(C) रामकुमार वर्मा (D) शिवमंगल सिंह सुमन

उत्तर (A)

व्याख्या–केदारनाथ अग्रवाल प्रगतिवाद के प्रमुख कवि हैं। "एक हथौड़ा वाला घर में और हुआ", "आज नदी बिल्कुल उदास थी" इनकी पंक्तियाँ है तथा इनकी प्रमुख काव्य कृतियाँ इस प्रकार हैं- युग की गंगा (1947), नींद के बादल (1947), फूल नहीं रंग बोलते हैं (1965) इत्यादि।

9. प्रयोगवाद को 'बैठे ठाले का धंधा' किसने कहा है?

(A) नगेन्द्र (B) शिवदान सिंह चौहान

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) रामकुमार वर्मा (D) नन्ददुलारे वाजपेई

उत्तर (D)

व्याख्या–नंददुलारे वाजपेयी को प्रायः छायावादी, स्वच्छन्दतावादी, सौष्ठववादी, रसवादी तथा आध्यात्मवादी समीक्षक कहा जाता है। इन्होंने प्रयोगवाद को 'बैठे ठाले का धंधा कहा है।

10. 'अग्निपथ के पार चंदन-चाँदनी का देश' किसकी पंक्ति है?

(A) हरिवंशराय बच्चन (B) महादेवी वर्मा
(C) रामनरेश त्रिपाठी (D) नरेन्द्र शर्मा

उत्तर (B)

व्याख्या–अग्निपथ ....चांदनी का देश
मैं नीर भरी दुख की बदली, आधुनिक काल की मीरा 'महादेवी वर्मा' की पंक्तियाँ हैं। इनकी प्रमुख रचना-नीहार (1930 ई0), रश्मि (1932 ई0), नीरजा (1935 ई0) साध्यगीत (1936 ई0), यामा (1940 ई0), दीपशिखा (1942 ई0), सप्तपर्णा (1960 ई0) इत्यादि।

11. 'आनन्द कादम्बिनी' के संपादक कौन थे?

(A) बाबू महादेव सेठ
(B) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(C) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(D) अम्बिका प्रसाद व्यास

उत्तर (C)

व्याख्या–'आनन्द कादम्बिनी' (1881ई0), मासिक तथा नागरी-नीरद (1893 ई.), साप्ताहिक मिर्जापुर से प्रकाशित होने वाली पत्रिकायें थी। इसकें सम्पादक बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन' हैं।

12. 'फादर कामिल बुल्के' को हिन्दी साहित्य में महत्त्व दिए जाने का कारण है

(A) कोश निर्माण (B) ये सभी
(C) रामकथा लेखन (D) तुलसी साहित्य के विशेषज्ञ

उत्तर (B)

व्याख्या–फादर कामिल बुल्के का जन्म 1909 ई0 में बेल्जियम में हुआ था। 'रामकथा का विकास' पर शोध कार्य किया। रामकथा उत्पत्ति और विकास, मुक्तिदाता, नया विधान, अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोष, नीलाक्षी, बाइबिल का हिन्दी अनुवाद तथा तुलसी साहित्य पर विशेष कार्य किया। 1982 ई0 में दिल्ली में इनका निधन हो गया।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

13. 'वट पीपल' के लेखक कौन हैं?

(A) हरिवंशराय बच्चन (B) निर्मल वर्मा
(C) रामधारी सिंह दिनकर (D) रामकुमार वर्मा

उत्तर (C)

व्याख्या–मिट्टी की ओर (1946 ई0), 'अर्द्धनारीश्वर' (1952 ई0), 'रेती के फूल' (1954 ई0) 'वेणुवन' (1958) 'उजलीआग' (1956) वट पीपल (1961 ई0) साहित्यमुखी (1968 ई0) इत्यादि रामधारी सिंह 'दिनकर' के निबन्ध-संग्रह है।

14. 'समांतर कहानी' के पुरस्कर्ता हैं

(A) महीप सिंह (B) कमलेश्वर सिंह
(C) मोहन राकेश (D) राजेन्द्र यादव

उत्तर (B)

व्याख्या–

कहानी आन्दोलन	सन्	पुरस्कर्ता
1. नयी कहानी	1956-57	मोहन राकेश, राजेन्द्र यादव, कमलेश्वर
2. अ-कहानी	1960-62	डॉ0 गंगा प्रसाद विमल
3. सचेतन कहानी	1964 ई0	डॉ0 महीप सिंह
4. सहज कहानी	1968 ई0	अमृत राय
5. समान्तर कहानी	1972 ई0	कमलेश्वर
6. सक्रिय कहानी	1979 ई0	राकेश वत्स

15. 'शेषयात्रा' की लेखिका कौन हैं?

(A) उषा प्रियंवदा (B) कृष्णा सोबती
(C) नासिरा शर्मा (D) मन्नू भण्डारी

उत्तर (A)

व्याख्या–'पचपन खम्भे लाल दिवारे' (1961 ई0) 'रुकोगी नहीं राधिका' (1967ई0) 'शेष यात्रा' (1984) 'अन्तर्वशी' (2000) तथा 'भए कबीर उदास (2007) उषा प्रियंवदा के उपन्यास हैं।

16. निम्नलिखित में कौन सी रचना उपन्यास नहीं है?

(A) अजय की डायरी
(B) एक साहित्यिक की डायरी
(C) जयवर्धन
(D) पहला गिरमिटिया

उत्तर (B)

व्याख्या–'एक साहित्यिक की डायरी' (1964 ई0) मुक्तिबोध की आलोचनात्मक कृति है। जबकि अन्य सभी-'अजय की डायरी' (1960 ई0) 'जयवर्धन' (1956 ई0), पहला गिरमिटिया (1999) क्रमशः डॉ0 देवराज, जैनेन्द्र तथा गिरिराज किशोर के उपन्यास हैं।

17. 'झोपड़ी से राजभवन तक' के लेखक कौन है?

(A) नैमिशराय (B) माताप्रसाद
(C) कंवल भारती (D) सूरजपाल चौहान

उत्तर (B)

व्याख्या–

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्म कथाकार
झोपड़ी से राजभवन तक	2002	माताप्रसाद
अपने-अपने पिंजरे	1995	मोहन दास नैमिशराय
तिरस्कृत	2002	सूरज पाल चौहान
संतप्त	2006	सूरज पाल चौहान

18. 'अगले जनम मोहि बिटिया न कीजो' की लेखिका कौन हैं?

(A) मधु कांकरिया (B) अनामिका
(C) ऊषा राजे सक्सेना (D) मृणाल पाण्डेय

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–

रचना	लेखिका
रास्तों पर भटकते हुए (2000ई.)	मृणाल पाण्डेय (उपन्यास)
'अगले जनम मोहि बिटिया न कीजो'	मधु कांकरिया (कहानी)
अवांतर कथा	अनामिका (उपन्यास)
इंद्र धनुष की तलाश में	उषाराजे सक्सेना

नोट- 'अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो' उर्दू साहित्यकार कुर्तुलुन-ए-हैदर की रचना है। जो कि विकल्प में नहीं है। अतः विकल्प (A) सही उत्तर है।

19. 'गोबर गणेश' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
(A) रमेश चन्द्र शाह (B) विवेकी राय
(C) शिवप्रसाद सिंह (D) शैलेश मटियानी
उत्तर (A)

व्याख्या–गोबर गणेश (1978ई.), किस्सा गुलाम (1986ई.), पूर्वापर (1990 ई.), 'आखिरी दिन (1992 ई.), पुनर्वास (1995 ई.), ये उपन्यास रमेश चन्द्र शाह के हैं।

20. 'आत्माराम की टें-टें' निबन्ध में आत्माराम के प्रतीक हैं
(A) गोविन्द नारायण मिश्र (B) गोपालराम 'गहमरी'
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) बालमुकुन्द गुप्त
उत्तर (D)

व्याख्या–महावीर प्रसाद द्विवेदी के 'भाषा और व्याकरण' लेख में 'अनस्थिरता' शब्द को लेकर बालमुकुन्द ने एक व्यंग्य लेख लिखा था। जिसके प्रति उत्तर में महावीर प्रसाद ने सरगौ नरक ठेकाना नाहिं' नामक लेख 'कल्लु अल्हइत' के नाम से लिखा था। बाद में गोविन्दनारायण मिश्र ने महावीर प्रसाद का पक्ष लेते हुए 'आत्माराम की टें-टें' नामक लेख लिखा। इस लेख में ही 'आत्माराम' के प्रतीक बालमुकुन्द गुप्त हैं।

तथ्य विविधा

21. प्रकाशन के अनुसार इन आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) प्रेमचन्द और उनका युग- हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष- छायावाद - हिन्दी नवरत्न
(B) हिन्दी नवरत्न- प्रेमचंद और उनका युग- हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष- छायावाद
(C) हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष- छायावाद- हिन्दी नवरत्न- प्रेमचन्द और उनका युग
(D) छायावाद -हिन्दी नवरत्न - प्रेमचन्द और उनका युग - हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष
उत्तर (B)

व्याख्या–

ग्रंथकार	ग्रंथ	प्र0 वर्ष
मिश्र बंधु	हिन्दी नवरत्न	1910 ई0
रामविलास शर्मा	प्रेमचन्द और उनका युग	1952 ई0
शिवदान सिंह चौहान	हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष	1954 ई0
नामवर सिंह	छायावाद	1955 ई0

22. जन्म के आधार पर इन निबंधकारों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) रामवृक्ष बेनीपुरी - वासुदेवशरण अग्रवाल -भगवतशरण उपाध्याय -डॉ0 संपूर्णानन्द
(B) वासुदेवशरण अग्रवाल- भगवतशरण उपाध्याय- डॉ0 संपूर्णानन्द- रामवृक्ष बेनीपुरी
(C) भगवतशरण उपाध्याय -डॉ0 संपूर्णानन्द- रामवृक्ष बेनीपुरी -वासुदेवशरण अग्रवाल
(D) डॉ0 संपूर्णानन्द- रामवृक्ष बेनीपुरी -वासुदेवशरण अग्रवाल -भगवतशरण उपाध्याय
उत्तर (D)

व्याख्या–जन्म के आधार पर सही अनुक्रम–
डॉ0 सम्पूर्णानन्द (1890ई.), रामवृक्ष बेनीपुरी (1896ई.), वासुदेवशरण अग्रवाल (1904 ई.), भगवत शरण उपाध्याय (1908 ई.) है।

23. प्रकाशन वर्ष के आधार पर इन उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) रुकोगी नहीं राधिका-आपका बंटी -सूरजमुखी अँधेरे के- चित्तकोबरा
(B) आपका बंटी-सूरजमुखी अँधेरे के -चित्तकोबरा-रुकोगी नहीं राधिका
(C) सूरजमुखी अँधेरे के -चितकोबरा- रुकोगी नहीं राधिका- आपका बंटी
(D) चित्तकोबरा-रुकोगी नहीं राधिका-आपका बंटी- सूरजमुखी अँधेरे के
उत्तर (-A)

व्याख्या-

उपन्यास	वर्ष	उपन्यासकार
रुकोगी नहीं राधिका	1967 ई.	ऊषा प्रियंवदा
आपका बंटी	1971 ई.	मन्नू भण्डारी
सूरजमुखी अन्धेरे के	1972 ई.	कृष्णा सोबती
चित्तकोबरा	1979 ई.	मृदुला गर्ग

24. प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम कौन सा है
(A) विशाख- अजातशत्रु- स्कन्दगुप्त- राज्यश्री
(B) अजातशत्रु -स्कन्दगुप्त -राज्यश्री- विशाख
(C) राज्यश्री -विशाख -अजातशत्रु- स्कन्दगुप्त
(D) स्कन्दगुप्त- राज्यश्री -विशाख- अजातशत्रु
उत्तर (C)

व्याख्या–प्रसाद जी के नाटकों का सही अनुक्रम- राज्यश्री (1915ई.), विशाख (1921ई.), अजातशत्रु (1922ई.), स्कन्दगुप्त (1928 ई.) है।

25. जैनेन्द्र कुमार के उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) त्यागपत्र- कल्याणी- सुखदा- सुनीता
(B) सुनीता -त्यागपत्र- कल्याणी- सुखदा
(C) कल्याणी- सुखदा- सुनीता- त्यागपत्र

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(D) सुखदा- सुनीता- त्यागपत्र -कल्याणी

उत्तर (B)

व्याख्या– जैनेन्द्र के उपन्यासो का सही अनुक्रम-
सुनीता (1934ई.), त्यागपत्र (1937ई.), कल्याणी (1939ई.), सुखदा (1952 ई.) है।

26. काल के अनुसार निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) भामह - दण्डी - आनन्दवर्द्धन -अभिनवगुप्त
(B) दण्डी - आनन्दवर्द्धन- अभिनवगुप्त- भामह
(C) आनन्दवर्द्धन-अभिनवगुप्त- भामह- दण्डी
(D) अभिनवगुप्त- भामह- दण्डी - आनन्दवर्द्धन

उत्तर (A)

व्याख्या–

आचार्य	रचना	समय
भामह	काव्यालंकार	6वीं शताब्दी
दण्डी	काव्यादर्श	7वीं शताब्दी
आनन्दवर्द्धन	ध्वन्यालोक	9वीं शताब्दी
अभिनवगुप्त	ध्वन्यालोक लोचन (टीका)	10-11वीं शताब्दी

27. चरण में वर्णों की संख्या (कम से अधिक) के आधार पर इन वार्णिक छंदों का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) वसन्त तिलका -मन्दाक्रान्ता -शार्दूल विक्रीडित- इन्द्रवज्रा
(B) मन्दाक्रान्ता -शार्दूल विक्रीडित -इन्द्रव्रजा- वसन्त तिलका
(C) शार्दूल विक्रीडित -इन्द्रवज्रा- वसन्त तिलका- मन्दाक्रान्ता
(D) इन्द्रवज्रा- वसन्त तिलका- मन्दाक्रान्ता-शार्दूल-विक्रीडित

उत्तर (D)

व्याख्या– चरणों में वर्णों की संख्या का क्रम-
इन्द्रवज्रा (11वर्ण), वसन्त तिलका मन्दाक्रांता (17 वर्ण) शार्दूल विक्रीडित (19वर्ण) है।

28. आदिकाल के निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) गोरखनाथ -अमीर खुसरो -विद्यापति - सरहपा
(B) अमीर खुसरो -विद्यापति- सरहपा- गोरखनाथ
(C) सरहपा- गोरखनाथ- अमीर खुसरो- विद्यापति
(D) विद्यापति- सरहपा- गोरखनाथ- अमीर खुसरो

उत्तर (C)

व्याख्या– रचनाकारों का सही क्रम-सरहपा (769ई.) राहुल सांकृत्यायन के अनुसार, गोरखनाथ (845 ई.), 13वीं शती-शुक्लानुसार, 11वीं शती बड़वाल के अनुसार, अमीर खुसरो (1255-1324 ई0), विद्यापति (1350-1460ई0)।

29. स्थापना के आधार पर इन हिन्दी संस्थाओं का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) काशी नागरी प्रचारणी सभा- हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा-साहित्य अकादमी
(B) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा- साहित्य अकादमी-काशी नागरी प्रचारणी सभा
(C) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा- साहित्य अकादमी - काशी नागरी प्रचारणी सभा -हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
(D) साहित्य अकादमी- काशी नागरी प्रचारणी सभा- हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

उत्तर (A)

व्याख्या–

संस्था	स्थापना वर्ष	स्थान
काशी नागरी प्रचारणी सभा	1893 ई0	काशी
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग	1910 ई0	इलाहाबाद
राष्ट्र भाषा प्रचार समिति	1936 ई0	वर्धा
साहित्य अकादमी	1954 ई0	नई दिल्ली

30. जन्म के आधार पर इन कवियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) सूरदास- परमानंद दास- कृष्णदास- कुंभनदास
(B) कुंभनदास- सूरदास- परमानंद दास -कृष्णदास
(C) परमानंद दास- कृष्णदास- कुंभनदास- सूरदास
(D) कृष्णदास- कुंभनदास- सूरदास- परमानंद दास

उत्तर (B)

व्याख्या– जन्म के अनुसार कवियों का अनुक्रम-कुम्भनदास (1468 ई.), सूरदास (1478 ई.), परमानन्ददास (1493 ई.) कृष्णदास (1496 ई.) है।

31. निम्नलिखित भाषा रूपों और उनके प्रयोक्ताओं को सुमेलित कीजिए

सूची-I		सूची-II	
(a)	दक्खिनी	(i)	दामोदर पण्डित
(b)	कोसली	(ii)	कुतुबशाह
(c)	ब्रजबुलि	(iii)	सरहपाद
(d)	संधाभाषा	(iv)	शंकर देव अवतरे
		(v)	कुतुबन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	iv	ii	i

उत्तर (B)

व्याख्या–

भाषा	प्रयोक्ता
दक्खिनी	कुतुबशाह
कोसली	दामोदर पण्डित
ब्रजबुलि	शंकरदेव अवतरे
संध्याभाषा	सरहपाद
अवधी	कुतुबन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

32. निम्नलिखित इतिहास ग्रंथों को उनके लेखकों से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(a) हिन्दी साहित्य का अतीत	(i) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(b) हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	(ii) गणपति चन्द्र गुप्त
(c) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	(iii) रामकुमार वर्मा
(d) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	(iv) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
	(v) डॉ. नगेन्द्र

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर (C)

व्याख्या–

लेखक	इतिहास ग्रंथ	प्र0 वर्ष
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग)	1959 (I), 1960 (II)
रामस्वरूप चतुर्वेदी	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	1986 ई0
गणपति चन्द्र गुप्त	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	1965 ई0
रामकुमार वर्मा	हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई0

33. निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) बीजक	(i) जायसी
(b) अखरावट	(ii) कबीर
(c) भक्तमाल	(iii) नन्ददास
(d) श्याम सगाई	(iv) नाभादास
	(v) हितहरिवंश

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	ii
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर (C)

व्याख्या–

रचना	रचनाकार
बीजक (1464 ई.)	कबीरदास
अखरावट	जायसी
भक्तमाल (1585 ई.)	नाभादास
श्याम सगाई	नन्ददास
हित चौरासी	हित हरिवंश

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) छत्रसाल दशक	(i) घनानन्द
(b) कवि कुल कल्पतरू	(ii) देव
(c) भाव विलास	(iii) भूषण
(d) इश्कलता	(iv) चिन्तामणि
	(v) सूरदास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	i	iii	iv	ii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	iii	iv	ii	i

उत्तर (D)

व्याख्या–

रचना	रचनाकार
छत्रसाल दशक	भूषण
कविकुल कल्पतरु	चिन्तामणि
भाव विलास (1689ई.)	देव
इश्कलता	घनानन्द
नलदमन	सूरदास

नोट- यह सूरदास रीतिकाल के कवि हैं भक्तिकाल वाले नहीं।

35. निम्नलिखित काव्य छंदों को उनके प्रयोक्ता कवियों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-I
(a) सॉनेट	(i) अज्ञेय
(b) हाइकू	(ii) त्रिलोचन
(c) सवैया	(iii) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
(d) कवित्त	(iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
	(v) मंगलेश डबराल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	iv	ii
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	iv	ii	v	i
(D)	ii	i	iii	iv

उत्तर (D)

व्याख्या–

सॉनेट	त्रिलोचन
हाइकू	अज्ञेय
सवैया	गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'
कवित्त	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

36. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों के साथ उनके कवियों को सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) चिर सजग आँखे उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना	(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(b) रूपोद्यान प्रफुल्लप्राय कलिका राकेदु बिम्बानना	(ii) मैथिलीशरण गुप्त
(c) वेदने! तू भी भली बनी	(iii) महादेवी वर्मा
(d) सुरम्य रम्ये, रस राशि रंजिते	(iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
	(v) सुभद्रा कुमारी चौहान

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	v	iii	i	ii
(C)	ii	i	v	iv
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर (A)

व्याख्या–

काव्य पंक्तियाँ	रचयिता
चिर सजग..........व्यस्त बना	महादेवी वर्मा
रूपोद्यान.............बिम्बानना	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
वेदने! तू भी भली बनी	मैथिलीशरण गुप्त
सुरम्य रम्ये, रस राशि रंजिते	महावीर प्रसाद द्विवेदी
नंदन वन सी फूल उठी यह छोटी सी कुटिया मेरी	सुभद्रा कुमारी चौहान

37. निम्नलिखित नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) बंधन अपने-अपने	(i) सुरेन्द्र वर्मा
(b) सिन्दूर की होली	(ii) शंकर शेष
(c) अशोक का शोक	(iii) लक्ष्मी नारायण मिश्र
(d) नायक, खलनायक विदूषक	(iv) मोहन राकेश
	(v) रामकुमार वर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	ii	iii
(B)	ii	iii	v	i
(C)	v	i	iii	ii
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर (B)

व्याख्या–

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
बंधन अपने-अपने		शंकर शेष
सिन्दूर की होली	1934 ई.	लक्ष्मी नारायण मिश्र
अशोक का शोक	1967 ई.	रामकुमार वर्मा
नायक, खलनायक विदूषक	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा
आषाढ़ का एक दिन	1958 ई.	मोहन राकेश

38. निम्नलिखित कहानियों को उनके कहानीकारों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) लाल पान की बेगम	(i) रामदरश मिश्र
(b) एक औरत की जिन्दगी	(ii) निर्मल वर्मा
(c) लन्दन की एक रात	(iii) फणीश्वरनाथ रेणु
(d) शवयात्रा	(iv) श्रीकांत वर्मा
	(v) कृष्ण बलदेव वेद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	ii
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	iv	iii	i	v
(D)	iii	i	ii	iv

उत्तर (D)

व्याख्या–

कहानी	कहानीकार
लाल पान की बेगम	फणीश्वर नाथ रेणु
एक औरत की जिन्दगी	रामदरश मिश्र
लन्दन की एक रात	निर्मल वर्मा
शवयात्रा	श्रीकान्त वर्मा
जामुन की गुठली	कृष्णदेव बलदेव वेद

39. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है।	(i) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(b) श्रद्धेय बनने का मतलब है 'नान परसन' अभिव्यक्ति हो जाना।	(ii) रामचन्द्र शुक्ल
(c) काव्य आत्मा की संकल्पात्मक अनुभूति है।	(iii) बालमुकुन्द गुप्त
(d) पंडिताई भी एक बोझ है।	(iv) हरिशंकर परसाई
	(v) जयशंकर प्रसाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	iii	i	v
(C)	ii	v	iv	iii
(D)	ii	iv	v	i

उत्तर (D)

व्याख्या–

पंक्तियाँ	लेखक
भक्ति धर्म ......अनुभूति है।	रामचन्द्र शुक्ल
श्रद्धेय बनने ....हो जाना।	हरिशंकर परसाई
काव्य ....अनुभूति है।	जयशंकर प्रसाद
पंडिताई भी एक बोझ है ।	हजारी प्रसाद द्विवेदी
यह विचार वैसा ही बेतुका है जैसा अभी वर्षा में होली गायी जाती है ।	बालमुकुन्द गुप्त

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

40. निम्नलिखित अवधारणाओं के साथ उनके संस्थापकों को सुमेलित कीजिए

सूची-I	सूची-II
(a) सहृदय	(i) भट्टनायक
(b) साधारणीकरण	(ii) आनन्दवर्द्धन
(c) मधुमती भूमिका	(iii) जगदीश गुप्त
(d) अर्थ की लय	(iv) केशवप्रसाद मिश्र
	(v) अभिनव गुप्त

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या–

अवधारणा	संस्थापक
सहृदय	आनन्दवर्द्धन
साधारणीकरण	भट्नायक
मधुमती भूमिका	केशव प्रसाद मिश्र
अर्थ की लय	जगदीश गुप्त

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45 तक) के दिए गए बहु-विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

व्यक्ति-सम्बन्ध-हीन सिद्धान्त-मार्ग निश्चयात्मिका बुद्धि को चाहे व्यक्त हो, पर प्रवर्तक मन को अव्यक्त रहते हैं। वे मनोरंजनकारी तभी लगते हैं, जब किसी व्यक्ति के जीवन-क्रम के रूप में देखे जाते हैं। शील की विभूतियाँ अनन्त रूपों में दिखाई पड़ती है। मनुष्य जाति ने जब से होश सँभाला, तब से वह इन अनन्त रूपों को महात्माओं के आचरणों तथा आख्यानों और चरित्र-सम्बन्धों पुस्तकों में देखती चली आ रही है। जब इन रूपों पर मनुष्य मोहित होता है, तब सात्विक शील की ओर आप से आप आकर्षित होता है। शून्य सिद्धान्त वाक्यों में कोई आकर्षण-शक्ति या प्रवृत्तिकारिणी क्षमता नहीं होती। 'सदा सत्य बोलो', 'दूसरों की भलाई करो', 'क्षमा करना सीखो' -ऐसे-ऐसे सिद्धान्त वाक्य किसी को बार-बार बकते सुन वैसा ही क्रोध आता है जैसे किसी बेहूदे की बात सुनकर। जो इस प्रकार की बातें करता चला जाय उससे चट कहना चाहिए- 'बस चुप रहो, तुम्हें बोलने की तमीज नहीं, तुम बच्चों या कोलभोलों के पास जाओ। ये बातें हम पहले से जानते हैं। मानव-जीवन के बीच हम इसके सौन्दर्य का विकास देखना चाहते हैं। यदि तुम्हें दिखाने की प्रतिभा या शक्ति हो तो दिखाओ, नहीं तो चुपचाप अपना रास्ता लो।' गुण प्रत्यक्ष नहीं होता, उसके आश्रय और परिणाम प्रत्यक्ष होते हैं। अनुभावात्मक मन को आकर्षित करने वाले आश्रय और परिणाम हैं, गुण नहीं। ये ही अनुभूति के विषय हैं। अनुभूति पर प्रवृत्ति और निवृत्ति निर्भर है। अनुभूति मन की पहली क्रिया है, संकल्प-विकल्प दूसरी। अतः सिद्धान्त-पथों के सम्बन्ध में जो आनन्दानुभव करने की बातें हैं, जो अच्छी लगने की बातें हैं, वे पथिकों में तथा उनके चारों ओर पाई जाएँगी। सत्पथ के दीपक उन्हीं के हाथ में हैं- या वे ही सत्पथ के दीपक हैं। सत्वोन्मुख प्राणियों के लिए ऐसे पथिकों के सामीप्य-लाभ की कामना करना स्वाभाविक ही है।

41. मनुष्य सात्विक शील की ओर आप ही आप आकर्षित कब होता है?

(A) जब शील की विभूतियों के अनन्त रूपों पर मोहित होता है
(B) शून्य सिद्धान्त वाक्यों को सुनकर
(C) जब वह काव्य गुणों को पढ़ता है
(D) निश्चयात्मक बुद्धि का जब उदय होता है

उत्तर (A)

व्याख्या–जब मनुष्य शील की विभूतियों के अनन्त रूप में मोहित होता है तब वह सात्विक शील की ओर अपने आप ही आकर्षित होता है।

42. प्रवृत्ति और निवृत्ति किस पर निर्भर है?

(A) कविता के आस्वादन पर
(B) कविता के गुणों पर
(C) अनुभूति पर
(D) महात्माओं के आचरण पर

उत्तर (C)

व्याख्या–अनुभूति पर ही प्रवृत्ति और निवृत्ति निर्भर है अनुभूति मन की पहली क्रिया है।

43. मन की दूसरी क्रिया क्या है?

(A) अनुभूति (B) सौन्दर्य
(C) प्रत्यक्षानुभूति (D) संकल्प-विकल्प

उत्तर (D)

व्याख्या–अनुभूति मन की पहली क्रिया है तथा संकल्प-विकल्प मन की दूसरी क्रिया है।

44. व्यक्ति-सम्बन्धहीन सिद्धांत मार्ग मनोरंजनकारी कब लगते हैं?

(A) निश्चयात्मक बुद्धि के अभाव में।
(B) सिद्धान्तकारी वाक्यों को सुनकर।
(C) जब वे किसी व्यक्ति के जीवनक्रम के रूप में देखे जाते हैं।
(D) सत्वोन्मुख प्राणियों के वचन सुनकर।

उत्तर (C)

व्याख्या– व्यक्ति सम्बन्धहीन सिद्धान्त मार्ग प्रवर्तक मन को मनोरंजनकारी तभी लगते हैं, जब वे किसी व्यक्ति को जीवन क्रम के रूप में देखे जाते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

45. मानव-जीवन के बीच हम किस सौन्दर्य का विकास देखना चाहते हैं?

(A) संकल्प-विकल्प का।
(B) सिद्धान्त-वाक्यों में निहित बातों का।
(C) बच्चों को अच्छे-अच्छे सिद्धान्त वाक्य सुनाने का।
(D) गुण-कथन का।

उत्तर (B)

व्याख्या– मानव जीवन के बीच में हम सिद्धान्त वाक्यों में निहित बातों के सौन्दर्य का विकास देखना चाहते हैं।

कथोपकथन

46. स्थापना (Assertion) (A) : उपमान को अप्रस्तुत विधान मानना हिन्दी का प्राचीन सिद्धान्त है

तर्क (Reason) (R): यह स्थापना आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की है अर्थात् यह नवीन सिद्धान्त है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (B)

व्याख्या–उपमान को (अप्रस्तुत) तथा उपमेय को (प्रस्तुत) विधान मानना नवीन सिद्धान्त है। इसकी स्थापना आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने की है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : अस्तित्ववाद विज्ञान विरोधी दर्शन है।

तर्क (Reason) (R): यह 'चयन' की अगाध छूट देता है और अराजकता, अनास्था तथा अतिस्वच्छन्दता को प्रश्रय देता है। विज्ञान का भी यह अंध समर्थन नहीं करता।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (A)

व्याख्या–अस्तित्ववादी दर्शन विज्ञान का विरोध करता है। वह उसका अंध समर्थन नहीं करता है। अस्तित्ववाद उन समस्त विचारों के विरुद्ध है जो व्यक्ति को अ-मनुष्य और अस्तित्वहीन बनाते हैं। यह मनुष्य को स्वतंत्र मानता है। यह मनुष्य को न तो वस्तु और न ही मशीन मानता है इसकी दृष्टि में मनुष्य क्रियात्मक शक्ति है। कीर्केगार्द सार्त्र आदि अस्तित्ववादी हैं।

48. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का सर्वस्व है 'काव्यालंकार' इसके रहते अन्य किसी की आवश्यकता नहीं।

तर्क (Reason) (R): काव्यालंकार में 'रसध्वनि' 'रसवदलंकार' आदि समस्त सम्प्रदायों का स्वतः सन्निवेश हो जाता है। वही सच्चे अर्थों में शोभाकारक धर्म है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (B-)

व्याख्या–काव्य का सर्वस्व है-रस, छन्द, अलंकार इत्यादि न कि सिर्फ काव्यालंकार। काव्यालंकार में सिर्फ अलंकार समाहित होते हैं अन्य कोई भी सिद्धान्त नहीं।

49. स्थापना (Assertion) (A) : बिंब का मुख्य ध्येय होता है, वर्ण्य विषय का एन्द्रिय प्रतिबिम्बन।

तर्क (Reason) (R): बिंब-विधायक रचनाकार ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से अपने भावों का सम्मूर्त्तन करके उनका संप्रेषण करता है और अपने बिंब से पाठक को जोड़ता है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–शब्दों या रचना के माध्यम से रचनाकार रचना को बिंब (रूप, प्रतिरूप या मॉडल) का आकार देने का प्रयत्न करता है तथा वर्ण्य विषय का केन्द्रीय प्रतिबिंबन करता है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : 'स्वच्छंदवाद' न छायावाद है, न रहस्यवाद।

तर्क (Reason) (R): यह शास्त्रीय जड़ता की प्रतिक्रिया से उत्पन्न वैयक्तिक कल्पनातिरेक और निजी रहस्यानुभूति की उपज है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (A)

व्याख्या–स्वच्छन्दवाद एक स्वतंत्र काव्यधारा मानी जाती है। पाश्चात्य प्रभाव स्वरूप इसका विकास भारतीय शास्त्रीय जड़ता के विरोध स्वरूप हुआ था। रामचन्द्र शुक्ल, श्रीधर पाठक को स्वच्छन्दतावाद का जनक मानते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2013
हिन्दी
तृतीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 2-1/2 घण्टा] [पूर्णाङ्क:150

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी के अनुसार पूर्वी हिन्दी आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के किस वर्ग में आती है?

(A) उदीच्य (B) प्रतीच्य
(C) मध्यदेशीय (D) प्राच्य

उत्तर – (D)

व्याख्या–सुनीति कुमार चटर्जी के अनुसार भाषा का वर्गीकरण -

1. उदीच्य	-	सिंधी, लहँदा, पंजाबी
2. प्रतीच्य	-	गुजराती, राजस्थानी
3. मध्यदेशीय	-	पश्चिमी हिन्दी
4. प्राच्य	-	पूर्वी हिन्दी,बिहारी,उड़िया,असमिया,बंगला
5. दक्षिणात्य	-	मराठी

2. 'अंगबधू' किस कवि की रचना है?

(A) दादू दयाल (B) रज्जब
(C) विद्यापति (D) कबीरदास

उत्तर – (A)

व्याख्या–'अंगबधू' दादू दयाल की रचना या इनकी रचनाओं का संकलन है। 'अंगबधू' के संकलनकर्ता रज्जब हैं। 'हरडेवाणी भी दादू की रचनाओं का संग्रह है।

**3. 'कर्मठ कठमलिया कहे ज्ञानी ज्ञान-विहीन
तुलसी त्रिपथ बिहाय गो राम दुआरे दीन'' - में त्रिपथ का अर्थ है -**

(A) निर्गुण, सगुण और मुक्ति मार्ग
(B) उत्तम मार्ग, मध्यम मार्ग और निम्न मार्ग
(C) द्वैत, अद्वैत और द्वैताद्वैत
(D) कर्म मार्ग, ज्ञान मार्ग और उपासना मार्ग

उत्तर – (D)

व्याख्या–इस पंक्ति के अनुसार तुलसी के त्रिपथ का अर्थ है- कर्म मार्ग, ज्ञानमार्ग, तथा उपासना मार्ग।

4. 'ढलमल-ढलमल चंचल अंतल, झलमल झलमल तारा' -पंक्ति में मुख्यत: वर्णन है

(A) नदी की धारा का (B) नीले आकाश का
(C) चाँदनी रात का (D) साड़ी के आँचल का

उत्तर – (A)

व्याख्या– इस पंक्ति में पानी में पड़ते हुए तारे की स्थिति या गति को अभिव्यंजित किया गया है। अतः नदी की धारा का वर्णन है।

**5. संतन को कहाँ सीकरी सों काम?
आवत जात पनहिया टूटी, बिसरि गयो हरि नाम॥
–पंक्तियाँ किस कवि की है?**

(A) तुलसीदास (B) कुम्भनदास
(C) कबीरदास (D) दादू दयाल

उत्तर – (B)

व्याख्या–कुम्भनदास अष्टछाप के प्रथम कवि हैं। ये बल्लभाचार्य के शिष्य थे, अकबर द्वारा फतेहपुर सीकरी बुलाये जाने पर निम्न पद कहे थे।
''संतन को कहा......................बिसरि गयो हरिनाम''।

**6. बहु बीती थोरी रही, सोऊ बीती जाय।
हित ध्रुव बेगि बिचारि कै बसि वृंदावन आय॥
-पंक्तियाँ किस कवि की है?**

(A) सूरदास (B) कुम्भनदास
(C) ध्रुवदास (D) रहीम

उत्तर – (C)

व्याख्या–ध्रुवदास, हितहरिवंश के शिष्य स्वप्न में हुए थे। इनके रचित 40 ग्रन्थ माने जाते हैं। 'भक्तनामावली', सिद्धान्त विचार, ब्रजलीला, मानलीला, दानलीला इत्यादि इनके प्रमुख ग्रंथ हैं। ''बहु बीती थोरी.....बसि वृन्दावन आय''।। पंक्तियाँ ध्रुवदास की हैं।
नोट-ध्रुवदास रीतिकाल तथा भक्तिकाल के कवियों को जोड़ने वाले रससिद्ध कवि माने जाते हैं।

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

7. लल्लू लाल द्वारा रचित नहीं है-

(A) सिंहासन बत्तीसी (B) शकुंतला नाटक
(C) प्रेम सागर (D) चंद्रावती

उत्तर – (D)

व्याख्या–<u>लल्लूलाल की प्रमुख रचना इस प्रकार है</u>- सिंहासन बत्तीसी (1801 ई.), बैताल पच्चीसी (1801 ई.), माधोनल (1801 ई.) राजनीति (1802 ई.), शकुन्तला नाटक (1810 ई.), प्रेम सागर (1810 ई.), लतायफ-इ-हिन्दी (1810 ई.), ब्रजभाषा व्याकरण (1811 ई.), सभा विलास (1815 ई.), माधव विलास (1817 ई.), लाल चन्द्रिका (1818 ई.) है। जबकि चन्द्रावती या नासिकेतोपाख्यान (1803 ई.), सदल मिश्र की रचना है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

8. छायावाद के समर्थन में सबसे पहला लेख लिखने वाले लेखक हैं-

(A) जयशंकर प्रसाद (B) मुकुटधर पाण्डेय
(C) श्रीधर पाठक (D) नन्ददुलारे बाजपेयी

उत्तर – (B)

व्याख्या–छायावाद के समर्थन में सर्वप्रथम लेख मुकुटधर पाण्डेय ने 1920 ई. में जबलपुर से प्रकाशित 'श्रीशारदा' पत्रिका में 'हिन्दी में छायावाद' नामक शीर्षक से लिखा था। हिन्दी में छायावाद शब्द का प्रथम प्रयोग भी मुकुटधर ने ही किया था।

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता)

9. 'संशय की एक रात' किसके संशय पर आधारित रचना है?

(A) राम (B) कृष्ण
(C) शंकर (D) विष्णु

उत्तर – (A)

व्याख्या–संशय की एक रात (1962 ई.), के रचनाकार 'नरेश मेहता' हैं। इसमें युद्ध को लेकर राम के मन में उत्पन्न हुए संशय का वर्णन है। बाद में यह निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि युद्ध सीता के लिए नहीं, बल्कि प्रजा के लिए होगा।

10. इनमें से कौन सी रचना पौराणिक कथा पर आधारित नहीं है?

(A) महाप्रस्थान (B) उर्वशी
(C) कनुप्रिया (D) अमन का राग

उत्तर – (D)

व्याख्या–'अमन का राग' शमशेर बहादुर सिंह की एक लम्बी कविता है। जबकि महाप्रस्थान-नरेश मेहता, 'उर्वशी' (1961 ई.) दिनकर का गीतिनाट्य तथा कनुप्रिया (1959 ई.) धर्मवीर भारती की प्रबन्धात्मक रचनाएँ हैं। जो पौराणिक कथा पर आधारित हैं।

11. 'शारदीया' गद्य काव्य-कृति के रचनाकार हैं-

(A) दिनेश नंदिनी डालमिया (B) सुमन राजे
(C) महादेवी वर्मा (D) मेहरुन्निसा परवेज

उत्तर – (A)

व्याख्या–शबनम (1937 ई.), मौक्तिक माला (1938 ई.), शारदीया (1939), दुपहरिया के फूल (1942 ई.), स्पन्दन (1949 ई.), इत्यादि दिनेश नन्दिनी डालमिया की गद्य काव्य कृति है।

12. कौन सी रचना रामधारी सिंह 'दिनकर' की नहीं है?

(A) अध्यात्म चिन्तन (B) रेणुका
(C) दिल्ली (D) नीम के पत्ते

उत्तर – (A)

व्याख्या–रामधारी सिंह दिनकर के काव्य रचनाएँ-रेणुका (1935 ई.), हुंकार (1939 ई.), रसवंती (1940 ई.), द्वन्द्वगीत (1940 ई.), कुरुक्षेत्र (1946 ई.), सामधेनी (1947 ई.) रश्मिरथी (1952 ई.), नील कुसुम (1954 ई.), दिल्ली (1954 ई.) उर्वशी (1964 ई.), परशुराम की प्रतीक्षा (1963 ई.), आत्मा की आँखे (1964 ई.), हारे के हरिनाम, धूप और धुआँ (1951 ई.), नीम के पत्ते, इतिहास के आँसू (1951 ई.) इत्यादि है।

13. 'कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ' इनमें से किस रचनाकार की रचना है?

(A) रघुवीर सहाय (B) रामदरश मिश्र
(C) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (D) धूमिल

उत्तर – (A)

व्याख्या–सीढ़ियों पर धूप में (1960 ई.), लोग भूल गये हैं, (1982 ई.), कुछ पते, कुछ चिट्ठियां (1989 ई.), आत्महत्या के विरुद्ध (1967 ई.), हँसो हँसो जल्दी हँसो (1975 ई.), एक समय था आदि रघुवीर सहाय के काव्य संग्रह हैं।

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

14. शिवपूजन सहाय का एकमात्र उपन्यास है

(A) देहाती दुनिया (B) भिखारिणी
(C) मनोरमा (D) एकाकिनी

उत्तर – (A)

व्याख्या - उपन्यासकार	**उपन्यास**	**प्रकाशन वर्ष**
शिवपूजन सहाय	देहाती दुनिया	1926 ई.
विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'	भिखारिणी	1929 ई.
चण्डी प्रसाद हृदयेश	मनोरमा	1924 ई.
श्रीनाथ सिंह	एकाकिनी	1927 ई.

15. हजारी प्रसाद द्विवेदी के किस उपन्यास में औपनिषधिक कथा का आधार लिया गया है?

(A) बाणभट्ट की आत्मकथा (B) पुनर्नवा
(C) चारुचंद्र लेख (D) अनामदास का पोथा

उत्तर – (D)

व्याख्या–हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907 ई.) प्रमुख उपन्यास-
1. **बाणभट्ट की आत्मकथा** (1946 ई.), में मध्यकालीन जड़ता प्रहार किया गया है। इसमें व्यष्टि तथा समष्टि समन्वय मिलता है। यह एक क्लासिकल रोमैंटिक उपन्यास हैं। 2. **चारुचन्द्र लेख** (1963 ई.), इसमें मध्यकालीन धार्मिक अभिप्रायों को आधुनिक दृष्टि से देखा गया है, इसका नायक 'सातवाहन' है। 3. **पुनर्नवा** (1973 ई.) इसमें गोपाल आर्यक तथा चन्दा की प्रेम कथा वर्णित है। 4. **अनामदास का पोथा** (1976 ई.) यह औपनिषधिक कथा पर आधारित है। इसमें रैक्व ऋषि और जाबाला राजकुमारी की प्रेमकथा का वर्णन है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. 'कर्मनाशा की हार' किसका कहानी-संग्रह है?
(A) धर्मवीर भारती (B) शिव प्रसाद सिंह
(C) मार्कण्डेय (D) ज्ञानरंजन
उत्तर – (B)

व्याख्या–
शिवप्रसाद सिंह के प्रमुख कहानी संग्रह- आर-पार की माला (1955), कर्मनाशा की हार (1958), इन्हें भी इन्तजार है (1961), मुरदा सराय (1966)।
ज्ञानरंजन के कहानी संग्रह- फेंस के इधर उधर (1968) सुबह का डर (1971), आदमीनामा (1978), नई तारीख (1979), कल की फटे हाल कहानियाँ (1980), सदी का सबसे बड़ा आदमी (1986)।
मारकण्डेय के कहानी संग्रह- पान फूल (1954), पत्थर और परछाइयाँ (1956), महुए का पेड़ (1957), हंसा जाई अकेला (1957), भूदान (1958), माही (1962), बीच के लोग (1975) इत्यादि हैं।
धर्मवीर भारती के कहानी संग्रह-मुर्दो का गाँव (1946), स्वर्ग और पृथ्वी (1949), चाँद और टूटे हुए लोग (1955), बंद गली का आखिरी मकान (1969) इत्यादि हैं।

17. जैनेन्द्र कुमार द्वारा रचित कहानी नहीं है-
(A) फांसी
(B) नीलम देश की राजकन्या
(C) पाजेब
(D) अमरवल्लरी
उत्तर – (D)

व्याख्या–जैनेन्द्र के कहानी संग्रह-खेल (1928 ई.), फाँसी (1929 ई.), वातायन (1930 ई.), दो चिड़िया (1934 ई.), एक रात (1935 ई.) ध्रुव यात्रा (1944 ई.), नीलमदेश की राजकन्या, (1933 ई.), एक रात (1934 ई.), पाजेब (1942 ई.), आदि है।
अज्ञेय के कहानी संग्रह-विपथगा (1937 ई.), परम्परा, (1940 ई.), कोठरी की बात, (1945 ई.), शरणार्थी (1948 ई.), जयदोल (1951 ई.), अमरबल्लरी (1954 ई.), ये तेरे प्रतिरूप (1954 ई.), हैं।

18. 'एक प्लेट सैलाब' कहानी की लेखिका है
(A) ऊषा प्रियंवदा (B) मन्नू भंडारी
(C) कृष्णा सोबती (D) शिवानी
उत्तर – (B)

व्याख्या–मन्नू भण्डारी के प्रमुख कहानी संग्रह- मैं हार गयी (1957 ई.), यही सच है (1966 ई.), एक प्लेट सैलाब (1968 ई.), तीन निगाहों की एक तस्वीर (1968 ई.), त्रिशंकु (1978 ई.) इत्यादि है। **ऊषा प्रियंवदा के कहानी संग्रह-** जिंदगी और गुलाब के फूल (1961 ई.), फिर बसन्त आया (1961 ई.), एक कोई दूसरा (1966 ई.), कितना बड़ा झूठ (1972 ई.) इत्यादि हैं।
कृष्णा सोबती के कहानी संग्रह - बादलों के घेरे में (1980 ई.),
शिवानी के कहानी संग्रह- लाल हवेली (1965 ई.), पुष्पहार (1994 ई.), अपराधिनी (1972 ई.), रथ्या (1976 ई.), स्वयं सिद्धा (1977 ई.), रति विलाप (1977 ई.), पुष्पाहार (1978 ई.)

19. 'यह पथ बंधु था' उपन्यास के लेखक हैं-
(A) नरेश मेहता (B) विवेकी राय
(C) श्रीलाल शुक्ल (D) राजेन्द्र अवस्थी
उत्तर – (A)

व्याख्या–नरेश मेहता के प्रसिद्ध उपन्यास-डूबते मस्तूल (1954 ई.), यह पथ बंधु था (1962 ई.), धूमकेतु एक श्रुति (1962 ई.), दो एकांत (1964 ई.), नदी यशस्वी है (1967 ई.), प्रथम फाल्गुन (1968 ई.), उत्तर कथा (दो भाग) (1979 ई. 1982 ई.) आदि।
श्रीलाल शुक्ल के उपन्यास-सूनी घाटी का सूरज (1957 ई.), अज्ञात वास (1962 ई.), राग दरबारी (1968 ई.), सीमाएँ टूटती हैं (1973 ई.), मकान (1976 ई.), पहला पड़ाव (1976 ई.), विश्रामपुर का संत (1998 ई.) आदि हैं।
विवेकीराय के उपन्यास-बबूल (1967 ई.), पुरुष पुराण (1975 ई.) लोकऋण (1977 ई.) श्वेत पत्र (1979 ई.), सोना माटी (1983), समर शेष है (1988 ई.), मंगल भवन् (1994 ई.) नमामि ग्रामम् (1997 ई.), अमंगल हारी। (2000 ई.), देहरी के पार (2003 ई.), इत्यादि हैं। विवेकी राय एक आंचलिक उपन्यासकार हैं।
राजेन्द्र अवस्थी के उपन्यास-सूरज किरन की छाँव (1959 ई.), जंगल के फूल (1960 ई.) उतरते ज्वार की सीपियाँ (1968 ई.) जाने कितनी आँखे (1969 ई.), बहता हुआ पानी (1971 ई.) बीमार शहर (1973 ई.) अकेली आवाज (1976 ई.) मछली बाजार (1977 ई.), एक रजनीगंधा की चोरी (1985 ई.) इत्यादि हैं।

20. 'नाच्यौ बहुत गोपाल' उपन्यास की नायिका है
(A) मृणालिनी (B) बुधिया
(C) निर्गुनिया (D) सिलिया
उत्तर – (C)

व्याख्या–नाच्यौ बहुत गोपाल (1978 ई.), अमृतलाल नागर का उपन्यास है। यह दलित-मेहतर समाज (भंगी समाज) पर केन्द्रित है। निर्गुनिया' प्रमुख पात्र है।

21. 'शेखर एक जीवनी' उपन्यास के स्त्री पात्र हैं-
(A) रेखा – गौरा (B) अमला – रंजना
(C) सेल्मा – योके (D) शशि - सरस्वती
उत्तर – (D)

व्याख्या -

पात्र	उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
रेखा-गौरा	नदी के द्वीप	1951	अज्ञेय
योके-सेल्मा	अपने अपने अजनबी	1961	अज्ञेय
शशि-सरस्वती	शेखर एक जीवनी (दोभाग)	भाग एक-1940 भाग दो-1944	अज्ञेय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. भारत विभजन पर आधारित उपन्यास नहीं है -

(A) झूठा सच (B) तमस
(C) सीधी सच्ची बातें (D) आधा गाँव

उत्तर – (C)

व्याख्या–सीधी सच्ची बातें (1968 ई.), भगवती चरण वर्मा का उपन्यास है। इसमें 1938-48 ई. तक के भारतीय इतिहास को सामान्य रूप से प्रस्तुत किया गया है, जो कि भारत विभाजन से सम्बन्ध नहीं रखता है।

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
झूठा सच (दो भाग)	भाग एक-1958 भाग दो- 1960	यशपाल
तमस	1973	भीष्म साहनी
आधा गाँव	1966	राही मासूम रजा

23. इनमें से कौन सी रचना भीष्म साहनी की है?

(A) बुनी हुई रस्सी (B) कड़ियाँ
(C) बहुत रात गए (D) कुछ और कविताएँ

उत्तर – (B)

व्याख्या–

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
कड़ियाँ	1970	भीष्म साहनी	उपन्यास
बुनी हुई रस्सी	–	भवानी प्रसाद मिश्र	काव्य-संग्रह
कुछ और कवितायें	1961	शमशेर बहादुर सिंह	काव्य-संग्रह
बहुत रात गये	1967	नरेन्द्र शर्मा	काव्य-संग्रह

24. कौन सा उपन्यास भगवती चरण वर्मा का नहीं है?

(A) पतन (B) चित्रलेखा
(C) टेढ़े-मेढ़े रास्ते (D) न आने वाला कल

उत्तर – (D)

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
पतन	1927 ई.	भगवती चरण वर्मा
चित्रलेखा	1934 ई.	,,
टेढ़े मेढ़े रास्ते	1946 ई.	,,
न आने वाला कल	1969 ई.	मोहन राकेश

25. इनमें से कौन सी कृति प्रतिबंधित रही है?

(A) भारत भारती (B) बंदिनी
(C) झाँसी की रानी (D) चिनगारियाँ

उत्तर – (D)

व्याख्या–'चिनगारियाँ' पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' जी का कहानी संग्रह है। क्रान्तिकारी विचारों के कारण (1928 ई.) में ब्रिटिश सरकार ने इसे जब्त कर प्रतिबंधित कर दिया था।
'भारत-भारती' भी कुछ समय के लिए प्रतिबंधित थी। भारत-भारती (1912 ई.) मैथिलीशरण गुप्त की रचना है, झाँसी की रानी, सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्य कृति है।

26. 'लाल पसीना' उपन्यास के लेखक हैं

(A) रामदेव धुरंधर (B) अभिमन्यु अनत
(C) हेमराज सुन्दर (D) अनन्त गोपाल शेवड़े

उत्तर – (B)

व्याख्या–अभिमन्यु 'अनत' के उपन्यास-नदी बहती रही (1970 ई.), एक बीघा प्यार (1972 ई.), आन्दोलन (1971 ई.), जम गया सूरज (1973 ई.), तपती दोपहरी (1977 ई.), लाल पसीना (1977 ई.), कुहासे का दायरा (1978 ई.), शेफाली (1979 ई.), हड़ताल कब होगी (1979 ई.), अपनी तलाश (1982 ई.), अपनी-अपनी सीमा (1983 ई.) गाँधी जो बोले थे (1984 ई.), लहरों की बेटी (1995 ई.), एक उम्मीद और इत्यादि है।
नोट-अभिमन्यु अनत को मारीशस का प्रेमचन्द कहा जाता है।

27. 'जगदम्बा बाबू गाँव आ रहे हैं' कहानी संग्रह किस कथा लेखिका का है?

(A) ममता कालिया (B) मैत्रेयी पुष्पा
(C) चित्रा मुद्‌गल (D) राजी सेठ

उत्तर – (C)

व्याख्या – चित्रामुद्‌गल के कहानी संग्रह-जहर ठहरा हुआ (1980 ई.), लाक्षागृह (1982 ई.), अपनी वापसी (1983 ई.) इस हमाम में (1987 ई.), जगदम्बा बाबू गाँव आ रहे हैं (1992 ई.), जिनावर (1996 ई.), भूख (2001 ई.), लपटे (2002 ई.) आदि हैं।
राजी सेठ के कहानी संग्रह- अन्धे मोड़ से आगे (1979 ई.), तीसरी हवेली (1981 ई.), यात्रा मुक्त (1987 ई.), दूसरे देश काल में (1992 ई.), यह कहानी नहीं (1998 ई.), गमे हयात ने मारा (2006 ई.) इत्यादि हैं।
मैत्रेयी पुष्पा के कहानी संग्रह-चिन्हार (1991 ई.), ललमनियाँ (1996 ई.), गोमा हँसती है (1998 ई.) इत्यादि मैत्रेयी पुष्पा की कहानी संग्रह हैं।
ममता कालिया के कहानी संग्रह-छुटकारा (1969 ई.) सीट नं. 6 (1978 ई.), एक अदद औरत (1979 ई.) प्रतिदिन (1983 ई.), उसका यौवन (1985 ई.), बोलने वाली औरत (2000 ई.), मुखौटा (2002 ई.) इत्यादि हैं।

28. 'मैय्यादास की माड़ी' उपन्यास के लेखक हैं-

(A) भीष्म साहनी (B) अमरकांत
(C) राही मासूम रजा (D) जगदीश चंद्र

उत्तर – (A)

व्याख्या–भीष्म साहनी के उपन्यास-झरोखे (1967 ई.), कड़ियाँ (1970 ई.), तमस (1973 ई.), बसंती (1980 ई.), मैयादास की माड़ी (1988 ई.), कुन्तो (1993 ई.), नीलू नीलिमा नीलोफर (2000) हैं।

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

29. रामवृक्ष बेनीपुरी का नाटक है -

(A) कोणार्क (B) अग्निशिखा
(C) आम्बपाली (D) अंधा कुआँ

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या -

नाटककार	नाटक	प्र0 वर्ष
जगदीश चन्द्र माथुर	कोणार्क	1951 ई.
रामकुमार वर्मा	अग्निशिखा	1970 ई.
रामवृक्ष बेनीपुरी	आम्बपाली	1940 ई.
लक्ष्मी नारायण लाल	अंधा कुआँ	1955 ई.

30. 'रंग दे बसंती चोला - नाटक के रचनाकार हैं-

(A) सुरेन्द्र वर्मा (B) मोहन राकेश
(C) भीष्म साहनी (D) विनोद रस्तोगी

उत्तर – (C)

व्याख्या–भीष्म साहनी की प्रसिद्ध नाट्य कृति-हानूश (1977 ई.), कबिरा खड़ा बाजार में (1981 ई.), माधवी (1985 ई.), मुआवजे (1993 ई.), रंग दे बसंती चोला (1998 ई.), आलमगीर (1999 ई.), है।
मोहन राकेश के नाटक-आषाढ़ का एक दिन (1958 ई.), लहरों के राजहंस (1963 ई.), आधे-अधूरे (1969 ई.), पैरों तले अँधेरा (अपूर्ण) आदि हैं।
सुरेन्द्र वर्मा के नाटक-द्रौपदी (1972 ई.), सेतुबंध (1972 ई.), नायक खलनायक विदूषक (1972 ई.) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975 ई.), आठवाँ सर्ग (1976 ई.) छोटे सैयद बड़े सैयद (1982 ई.), एक दूनी एक (1987 ई.), शकुन्तला की अँगूठी (1990 ई.), कैद-ए-हयात (1993 ई.) आदि हैं।

31. निर्मल वर्मा द्वारा रचित निबंधों का संग्रह नहीं है-

(A) कला का जोखिम (B) शब्द और स्मृति
(C) चिन्तन मुद्रा (D) ढलान से उतरते हुए

उत्तर – (C)

व्याख्या–निर्मल वर्मा का निबंध संग्रह-चीड़ों पर चाँदनी (1964), हर बारिश में (1970), शब्द और स्मृति (1976), कला का जोखिम (1981 ई.), ढलान से उतरते हुए (1985 ई.), भारत और यूरोप प्रतिश्रुति के क्षेत्र (1991), शताब्दी के ढ़लते वर्षों में (1995), दूसरे शब्दों में (1997), आदि अन्त और आरम्भ (2001) है। जबकि चिन्तन मुद्रा (1977 ई.), विष्णुकान्त शास्त्री का निबंध है।

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

32. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के विरोधी आचार्य हैं-

(A) भामह (B) आचार्य विश्वनाथ
(C) रुद्रट (D) मम्मट

उत्तर – (B)

व्याख्या–वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक आचार्य कुंतक हैं। इसका सर्वप्रथम शास्त्रीय विवेचन भामह ने किया था। जबकि आचार्य विश्वनाथ रसवादी आचार्य हैं तथा वक्रोक्ति के विरोधी हैं।

33. अलंकार सम्प्रदाय के संस्थापक आचार्य हैं-

(A) रुद्रट (B) भामह
(C) दण्डी (D) उद्भट

उत्तर – (B)

व्याख्या–'अलंकार सम्प्रदाय' के संस्थापक आचार्य 'भामह' हैं। इन्होंने दो शब्दालंकार तथा 36 अर्थालंकार अर्थात् कुल 38 अलंकारों का वर्णन किया है। 'वक्रोक्ति' को यह अलंकार का मूल या राजा मानते हैं। 'काव्यालंकार' इनका प्रसिद्ध ग्रंथ है।

34. कारयित्री और भावयित्री प्रतिभा का विभाजन किस आचार्य ने किया है?

(A) धनंजय (B) महिम भट्ट
(C) श्री हर्ष (D) राजशेखर

उत्तर – (D)

व्याख्या–काव्य के हेतु तीन माने गये हैं। (प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास)
राजशेखर ने प्रतिभा के दो भेद 'कारयित्री तथा भावयित्री' किये हैं। कारयित्री प्रतिभा कवि में तथा भावयित्री प्रतिभा सहृदय में होती है।

35. 'देखिए मार्क्सवाद सिखाता है कि हर चीज पर डाउट करो' –यह कथन किस आलोचक का है?

(A) रामविलास शर्मा (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) रामचंद्र शुक्ल (D) शिवदान सिंह चौहान

उत्तर – (A)

व्याख्या–देखिये मार्क्सवाद ....डाउट करो। कथन मार्क्सवादी आलोचक/समीक्षक रामविलास शर्मा जी का है।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, क्रोंचे, आई. ए. रिचर्ड्स, नयी समीक्षा

36. किस आचार्य ने भावातिरेक को अनिष्टकर माना है?

(A) अरस्तू (B) लोंजाइनस
(C) प्लेटो (D) रिचर्ड्स

उत्तर – (C)

व्याख्या–प्लेटों ने प्रत्ययवाद एवं आदर्शवाद का प्रवर्तन किया। प्लेटों ने साहित्य में भावों के अतिरेक (अधिकता) को अनिष्टकर माना है ये साहित्यकार के निष्कासन पर बल देते हैं।

37. पश्चिम के आचार्यों में किसने भावदमन को अनिष्टकर माना है?

(A) अरस्तू (B) होरेस
(C) कीट्स (D) इलियट

उत्तर – (A)

व्याख्या–अरस्तू ने त्रासदी एवं विरेचन के सिद्धान्त का प्रवर्तन किया इनके अनुसार साहित्य में भावों का दमन बड़ा घातक होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी, जायसी, ग्रन्थावली, सूरदास (भ्रमरगीत सार), तुलसीदास (उत्तरकाण्ड), प्रसाद (कामायनी– श्रद्धा, इड़ा सर्ग), निराला (राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता), अज्ञेय (असाध्य वीणा, नदी के द्वीप, मुक्तिबोध (अंधेरे में)

38. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ने वैदिक ध्वनियों की संख्या मानी है।
(A) 13 स्वर, 38 व्यंजन = 51
(B) 12 स्वर, 34 व्यंजन = 46
(C) 13 स्वर, 41 व्यंजन = 56
(D) 14 स्वर, 36 व्यंजन = 50
उत्तर – (A)

व्याख्या–धीरेन्द्र वर्मा ने अपने ग्रंथ 'हिन्दी भाषा का इतिहास' में वैदिक ध्वनियों की मूल संख्या (51) मानी है जिसमें 13 स्वर एवं 38 व्यंजन है।

अन्य तथ्य विविधा

39. 'अरे यायावर रहेगा याद' किसका यात्रावृतांत है?
(A) यशपाल (B) रामवृक्ष बेनीपुरी
(C) अज्ञेय (D) निर्मल वर्मा
उत्तर – (C)

व्याख्या -

लेखक	यात्रावृत्त	वर्ष
अज्ञेय	अरे यायावर रहेगा याद एक बूँद सहसा उछली	1953 ई. 1960 ई.
रामवृक्ष बेनीपुरी	पैरों में पंख बाँधकर उड़ते चलो उड़ते चलो	1952 ई. 1954 ई.
यशपाल	लोहे की दीवार के दोनों ओर	1953 ई.
निर्मल वर्मा	चीड़ों पर चाँदनी	1964 ई.

40. इनमें से कौन सी कृति संस्मरण विधा की नहीं है?
(A) पथ के साथी (B) हम हशमत
(C) लौट आओ धार (D) मित्र संवाद
उत्तर – (D)

व्याख्या–मित्र संवाद (1992 ई.) में रामविलास शर्मा तथा केदारनाथ अग्रवाल के पत्रों का संकलन है। पथ के साथी (1956 ई.), हम हशमत (दो भाग) (1977ई.) 'लौट आओ धार (1995 ई.), क्रमशः महादेवी वर्मा, कृष्णा सोवती तथा दूधनाथ सिंह का संस्मरण है।

41. रचना-काल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) मृगावती, पद्मावत, चित्रावली, इन्द्रावती
(B) पद्मावत, चित्रावली,मृगावती, इन्द्रावती
(C) चित्रावली,मृगावती, इन्द्रावती, पद्मावत
(D) इन्द्रावती, पद्मावत, चित्रावली, मृगावती
उत्तर – (A)

व्याख्या -

रचना	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
पद्मावत	1540 ई.	जायसी
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
इन्द्रावती	1744 ई.	नूर मुहम्मद

42. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम बताइए-
(A) धरती धन न अपना, मुरदाघर, आधा गाँव, किसनगढ़ के अहेरी
(B) मुरदाघर, किसनगढ़ के अहेरी आधा गाँव, धरती धन न अपना
(C) आधा गाँव, धरती धन न अपना, मुरदाघर, किसनगढ़ के अहेरी
(D) किसनगढ़ के अहेरी, आधा गाँव, धरती धन न अपना, मुरदाघर
उत्तर – (C)

कृति	प्रकाशित वर्ष	कृतिकार
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रजा
धरती धन न अपना	1972 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
मुरदाघर	1974 ई.	जगदम्बा प्रसाद दीभित
किसनगढ़ के अहेरी	1981 ई.	संजीव

43. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है
(A) महाभोज, पहला गिरमिटिया, कितने पाकिस्तान, मछली मरी हुई
(B) मछली मरी हुई, महाभोज, पहला गिरमिटिया, कितनी पाकिस्तान
(C) पहला गिरमिटिया, कितने पाकिस्तान, महाभोज, मछली मरी हुई
(D) कितने पाकिस्तान, मछली मरी हुई, महाभोज, पहला गिरमिटिया
उत्तर – (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासार
मछली मरी हुई	1966 ई.	राज कमल चौधरी
महाभोज	1979 ई.	मन्नू भण्डारी
पहला गिरमिटिया	1999 ई.	गिरिराज किशोर
कितने पाकिस्तान	2000 ई.	कमलेश्वर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम बताइए-
(A) ग्राम, पंचपरमेश्वर, पाजेब, दुलाई वाली
(B) पंचपरमेश्वर, पाजेब, दुलाई वाली, ग्राम
(C) पाजेब, दुलाई वाली, ग्राम, पंचपरमेश्वर
(D) दुलाई वाली, ग्राम, पंचपरमेश्वर, पाजेब
उत्तर – (D)

व्याख्या -

कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
दुलाई वाली	1907 ई.	बंग महिला
ग्राम	1911 ई.	जयशंकर प्रसाद
पंचपरमेश्वर	1916 ई.	प्रेमचन्द
पाजेब	1942 ई.	जैनेन्द्र

45. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है-
(A) अतीत के चलचित्र, दस तसवीरें, बोलती प्रतिमा, समय के पाँव
(B) बोलती प्रतिमा, अतीत के चलचित्र, समय के पाँव, दस तसवीरें
(C) दस तसवीरें, समय के पाँव, बोलती प्रतिमा, अतीत के चलचित्र
(D) समय के पाँव, बोलती प्रतिमा, अतीत के चलचित्र, दस तसवीरें
उत्तर – (B)

व्याख्या -

कृति	**प्रकाशन वर्ष**	**कृतिकार**
बोलती प्रतिमा	1937 ई.	श्रीराम शर्मा
अतीत के चलचित्र	1941 ई.	महादेवी वर्मा
समय के पाँव	1962 ई.	माखन लाल चतुर्वेदी
दस तसवीरें	1963 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर

46. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निर्मल वर्मा के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम बताइए
(A) कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, शताब्दी के ढलते वर्षों में, ढलान से उतरते हुए
(B) ढलान से उतरते हुए, शताब्दी के ढलते वर्षों में, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति
(C) शब्द और स्मृति, कला का जोखिम, ढलान से उतरते हुए, शताब्दी के ढलते वर्षों में
(D) शताब्दी के ढलते वर्षों में, कला का जोखिम, शब्द और स्मृति, ढलान से उतरते हुए
उत्तर – (C)

व्याख्या–निर्मल वर्मा का निबंध संग्रह-चीड़ों पर चाँदनी (1964), हर बारिश में (1970), शब्द स्मृति (1976), कला का जोखिम (1981 ई.), ढलान से उतरते हुए (1985 ई.), भारत और यूरोप प्रतिश्रुति के क्षेत्र (1991), शताब्दी के ढलते वर्षों में (1995), दूसरे शब्दों में (1997) आदि अन्त और आरम्भ (2001) है।

47. प्रकाशन वर्ष के अनुसार कुबेरनाथ राय के निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम बताइए-
(A) रस आखेटक, विषाद योग, महाकवि की तर्जनी, दृष्टि अभिसार
(B) दृष्टि अभिसार, रस आखेटक, विषाद योग, महाकवि की तर्जनी
(C) विषाद योग, दृष्टि अभिसार, रस आखेटक, महाकवि की तर्जनी
(D) महाकवि की तर्जनी, विषाद योग, रस आखेटक, दृष्टि अभिसार
उत्तर – (A)

व्याख्या–कुबेरनाथ राय के निबंध संग्रहों का यथाक्रम-प्रिया नीलकण्ठी (1968 ई.), रस आखेटक (1970 ई.), निषाद बाँसुरी (1974 ई.), पर्ण मुकुट (1978 ई.), कामधेनु (1980 ई.),पत्र मणि पुतुल के नाम (1980 ई.), मन पवन की नौका (1980 ई.), किरात नदी में चन्द्र मधु (1983 ई.), त्रेता का बृहद मास (1986 ई.), मराल (1993 ई.), उत्तर कुरु (1994 ई.), वाणी का क्षीर सागर (1998 ई.), अन्धकार में अग्निशिखा (1998 ई.), आगम की नाव (2002 ई.) विषाद योग (1973 ई.), महाकवि की तर्जनी (1979 ई.), दृष्टि अभिसार (1984 ई.) इत्यादि।

48. निम्नलिखित कवियों का काल क्रमानुसार सही अनुक्रम है –
(A) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, ऋतुराज, मदन कश्यप, नरेश मेहता
(B) ऋतुराज, मदन कश्यप, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, नरेश मेहता
(C) मदन कश्यप, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, नरेश मेहता, ऋतुराज
(D) नरेश मेहता, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, ऋतुराज, मदन कश्यप
उत्तर – (D)

व्याख्या–कवियों का कालक्रमानुसार यथाक्रम-
नरेश मेहता (1921-2000 ई.)
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (1927-83 ई.),
ऋतुराज (1940 ई.),
मदन कश्यप (1954 ई.) है।

49. प्रकाशन के अनुसार निम्नलिखित निबंध संग्रहों का सही अनुक्रम बताइए-
(A) कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल, विचार और वितर्क
(B) अशोक के फूल, विचार और वितर्क, कुटज, आलोक पर्व
(C) विचार और वितर्क, कुटज, आलोक पर्व, अशोक के फूल
(D) कुटज, अशोक के फूल, विचार और वितर्क, आलोक पर्व
उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–प्रकाशन वर्ष के अनुसार हजारी प्रसाद के निबंध संग्रह-अशोक के फूल (1948 ई.), कल्पलता (1951 ई.), मध्यकालीन धर्म साधना (1952 ई.), विचार और वितर्क (1954 ई.), विचार प्रवाह (1959 ई.), कुटज (1964 ई.), आलोक पर्व (1972 ई.), साहित्य सहचर (1972 ई.) है।
नोट-हजारी प्रसाद द्विवेदी हिन्दी के प्रमुख ललित निबन्धकार हैं।

50. प्रकाशन की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम बताइए -
(A) मैला आँचल, बलचनमा, जल टूटता हुआ, बहती गंगा
(B) जल टूटता हुआ, बहती गंगा, बलचनमा, मैला आँचल
(C) बलचनमा, मैला आँचल, बहती गंगा, जल टूटता हुआ
(D) बहती गंगा, जल टूटता हुआ, मैला आँचल, बलचनमा
उत्तर – (C)

व्याख्या -

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
बलचनमा	1952 ई.	नागार्जुन
मैला आँचल	1954 ई.	रेणु
बहती गंगा	1952 ई.	शिवप्रसाद मिश्र
जल टूटता हुआ	1969 ई.	रामदरश मिश्र

51. प्रकाशन वर्ष के अनुसार प्रेमचंद के निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइए-
(A) वरदान, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला
(B) प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला, प्रेमाश्रम
(C) रंगभूमि, निर्मला, वरदान, प्रेमाश्रम
(D) निर्मला, वरदान, प्रेमाश्रम, रंगभूमि
उत्तर – (A)

व्याख्या–प्रेमचन्द के उपन्यासों का अनुक्रम- देवस्थान रहस्य (1905 ई.), प्रेमा (1907 ई.), सेवासदन (1918 ई.), वरदान (1921 ई.), प्रेमाश्रय (1922 ई.), रंगभूमि (1925 ई.), कायाकल्प (1926 ई.), निर्मला (1927 ई.), गबन (1931 ई.), कर्मभूमि (1933 ई.), गोदान (1936 ई.), मंगलसूत्र अधूरा (1948 ई.) है।

52. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित महाकाव्यों का सही अनुक्रम बताइए-
(A) साकेत, उर्वशी, प्रियप्रवास, कामायनी
(B) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, उर्वशी
(C) कमायनी, उर्वशी, साकेत, प्रियप्रवास
(D) उर्वशी, प्रियप्रवास, कामायनी, साकेत
उत्तर – (B)

महाकाव्य	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
प्रियप्रवास	1914 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	1936 ई.	जयशंकर प्रसाद
उर्वशी	1961 ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'

53. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम बताइए-
(A) मुड़ मुड़ कर देखता हूँ, आज के अतीत, अर्धकथानक, टुकड़े टुकड़े दास्तान
(B) टुकड़े टुकड़े दास्तान, अर्धकथानक, आज के अतीत, मुड़ मुड़ कर देखता हूँ
(C) आज के अतीत, मुड़ मुड़ कर देखता हूँ, अर्धकथानक, टुकड़े टुकड़े दास्तान
(D) अर्धकथानक टुकड़े टुकड़े दास्तान, आज के अतीत, मुड़ मुड़ कर देखता हूँ
उत्तर – (D)

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
अर्धकथानक	1641 ई.	बनारसीदास जैन
टुकड़े-टुकड़े दास्तान	1986 ई.	अमृतलाल नागर
आज के अतीत	2003 ई.	भीष्म साहनी
मुड़-मुड़ कर देखता हूँ	2001 ई.	राजेन्द्र यादव

नोट-बनारसी दास द्वारा कृत अर्धकथानक (1641 ई.) हिन्दी की प्रथम आत्मकथा है। जो पद्यात्मक शैली में है।

54. प्रकाशन वर्ष के अनुसार लल्लूजी लाल की कृतियों का सही अनुक्रम बताइए-
(A) शकुंतला नाटक, सभाविलास, लाल चन्द्रिका, सिंहासन बत्तीसी
(B) सिंहासन बत्तीसी, लाल चंन्द्रिका, सभाविलास, शकुंतला नाटक
(C) सिंहासन बत्तीसी, शकुंतला नाटक, सभाविलास, लाल चन्द्रिका
(D) लाल चन्द्रिका, सिंहासन बत्तीसी, शकुंतला नाटक, सभाविलास
उत्तर – (C)

व्याख्या– <u>लल्लूलाल की प्रमुख रचना इस प्रकार है</u>- सिंहासन बत्तीसी (1801 ई.), बैताल पच्चीसी (1801 ई.), माधोनल (1801 ई.) राजनीति (1802 ई.), शकुन्तला नाटक (1810 ई.), प्रेम सागर (1810 ई.), लतायफ-इ-हिन्दी (1810 ई.), ब्रजभाषा व्याकरण (1811 ई.), सभा विलास (1815 ई.), माधव विलास (1817 ई.), लाल चन्द्रिका (1818 ई.) है।

55. प्रकाशन वर्ष के अनुसार नन्ददुलारे बाजपेयी के निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों का सही अनुक्रम बताइए -
(A) हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी, आधुनिक साहित्य, रस सिद्धांत, रीति और शैली
(B) रस सिद्धांत, रीति और शैली, आधुनिक साहित्य, हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी
(C) रीति और शैली, रस सिद्धांत, हिन्दी साहित्य- बीसवीं शताब्दी, आधुनिक साहित्य
(D) हिन्दी साहित्य-बीसवीं शताब्दी, रीति और शैली, रस सिद्धांत, आधुनिक साहित्य
उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–नन्दुदुलारे वाजपेयी के आलोचना का सही क्रम- जयशंकर प्रसाद (1940 ई.), प्रेमचन्द, महाकवि सूरदास (1952 ई.), हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी (1942 ई.), आधुनिक इतिहास (1950 ई.), महाकवि निराला (1965 ई.), नयी कविता (1973 ई.), कवि सुमित्रानंदन पंत (1976 ई.), रससिद्धान्त (1977 ई.), साहित्य का आधुनिक युग (1978 ई.), आधुनिक साहित्य सृजन और समीक्षा (1978 ई), नया साहित्य नये प्रश्न, रीति और शैली (1979 ई.) है।

नोट-नन्द दुलारे वाजपेयी को समन्वयशील, स्वच्छन्दतावादी एवं सौष्ठववादी आलोचक माना जाता है।

56. निम्नलिखित कहानियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) एक और जिन्दगी	(i) रामदरश मिश्र
(B) सर्पदंश	(ii) मोहन राकेश
(C) शरणागत	(iii) मुक्तिबोध
(D) विपात्र	(iv) वृन्दावन लाल वर्मा
	(v) चतुरसेन शास्त्री

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-	
कहानी	**कहानीकार**
एक और जिन्दगी - 1961	मोहन राकेश
सर्पदंश - 1982	रामदरश मिश्र
शरणागत - 1950	वृन्दालाल वर्मा
विपात्र	मुक्तिबोध
अंबपालिका	चतुरसेन शास्त्री

57. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके छंदों के साथ सुमेलित कीजिए -

सूची-I	सूची-II
(A) जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहिं।	(i) सवैया
(B) राम को रूप निहारत जानकी कंकन के नग की परछाहीं।	(ii) कवित्त
(C) जानत है वह सिरजन हारा, जो कछु है मन मरम हमारा।	(iii) रूपमाला
(D) अधर लगे हैं आनि करकै प्रयान-प्रान चाहत चलन ये सँदसो लै सुजान को।	(iv) दोहा
	(v) चौपाई (अर्द्धाली)

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	i	iii
(B)	v	iii	ii	i
(C)	iv	ii	iii	v
(D)	iv	i	v	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-	
पंक्ति	**छन्द**
अधर लगे हैं .... सुजान को	दोहा
जब मैं था.............................. मैं नाहि	सवैया
राम को रूप ....की परिछाहीं	चौपाई
जानत हैं वह ....मरम हमारा	कबित्त

58. निम्नलिखित कृतियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) एसेस इन क्रिटिसिज्म	(i) क्रोचे
(B) एस्थेटिका	(ii) रेनेवेलेक
(C) फिलॉसफी ऑफ रिटोरिक	(iii) आई.ए. रिचर्ड्स
(D) ए हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न क्रिटिसिज्म	(iv) मैथ्यू ऑर्नल्ड
	(v) अरस्तू

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	i	iii
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	iv	i	iii	ii
(D)	iii	iv	ii	v

उत्तर – (C)

व्याख्या	
रचना	**रचनाकार**
एसेस इन क्रिटिसिज्म	मैथ्यू आर्नल्ड
एस्थेटिका - 1902 ई.	क्रोचे
फिलॉसफी ऑफ रिटोरिक- 1936 ई.	आई.ए.रिच
ए हिस्ट्री और मॉडर्न क्रिटिसिज्स	रेनेवेलेक

59. निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) शृंगार प्रकाश	(i) महिम भट्ट
(B) व्यक्ति-विवेक	(ii) अप्पय दीक्षित
(C) चित्र मीमांसा	(iii) भोज
(D) रस मंजरी	(iv) रुद्र भट्ट
	(v) भानुदत्त

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	ii	v
(B)	iv	iii	i	ii

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) ii i iii iv
(D) v ii iv iii

उत्तर – (A)

व्याख्या	
आलोचना ग्रंथ	**आलोचक**
शृंगार प्रकाश	भोजराज
व्यक्ति-विवेक	महिम भट्ट
चित्रमीमांसा	अप्पय दीक्षित
रसमंजरी	भानुदत्त
शृंगार तिलक	रूद्र भट्ट

60. निम्नलिखित सम्प्रदायों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) राधावल्लभ सम्प्रदाय	(i) शेख फरीद
(B) खालसा सम्प्रदाय	(ii) प्राणनाथ
(C) सूफी सम्प्रदाय	(iii) गुरु गोविन्द सिंह
(D) प्रणामी सम्प्रदाय	(iv) बिहारी
	(v) सुंदरदास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	iv	iii	i	ii
(C)	iii	ii	iv	i
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
सम्प्रदाय	**कवि**
राधा वल्लभ सम्प्रदाय	बिहारी
खालसा सम्प्रदाय	गुरुगोविन्द सिंह
सूफी सम्प्रदाय	शेख फरीद
प्रणामी सम्प्रदाय	प्राणनाथ
संत सम्प्रदाय	सुन्दरदास

61. निम्नलिखित हिन्दी सेवियों को उनके मूल-स्थान से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) जॉर्ज ए. ग्रियर्सन	(i) इंग्लैंड
(B) फ्रेडरिक पिन्काट	(ii) आयरलैण्ड
(C) वरान्निकोव	(iii) मॉरीशस
(D) अभिमन्यु अनत	(iv) रूस
	(v) इटली

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	i	iv
(B)	iii	iv	ii	i
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iv	iii	v	ii

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
हिन्दी सेवी	**मूल स्थान**
जार्ज ग्रियर्सन	आयरलैण्ड
फेडरिक पिंकाट	इंग्लैण्ड
वरान्निकोव	रूस
अभिमन्यु अनत	मॉरिशस

62. निम्नलिखित पुरस्कारों को उनके पुरस्कृत साहित्यकारों से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) प्रथम देव पुरस्कार	(i) जयशंकर प्रसाद
(B) मंगला प्रसाद पारितोषिक	(ii) महादेवी वर्मा
(C) प्रथम भारत भारती	(iii) अमरकान्त
(D) व्यास पुरस्कार (2011)	(iv) दुलारे लाल भार्गव
	(v) सुमित्रानन्दन पंत

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	i	ii
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	iii	ii	ii	v

उत्तर (B)

व्याख्या-		
पुरस्कार	**वर्ष**	**पुरस्कृत साहित्यकार**
प्रथम देवकुमार पुरस्कार		दुलारे लाल भार्गव
मंगला प्रसाद पारितोषिक		जयशंकर प्रसाद
प्रथम भारत-भारती	1982	महादेवी वर्मा
व्यास पुरस्कार (आम के पत्ते के लिए)	2011	रामदरश मिश्र
प्रथम ज्ञानपीठ(हिन्दी में) (चिदम्बरा के लिए)	1968	सुमित्रानंदन पंत
साहित्य अकादमी (इन्हीं हथियारों से के लिए)	2007	अमरकांत

63. निम्नलिखित रचनाओं को उनके दुहरे शीर्षकों से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) तीसरी कसम	(i) सती सुख देवी
(B) बिगड़ै का सुधार	(ii) मारे गए गुलफाम
(C) रानी केतकी की कहानी	(iii) देवबाला
(D) ठेठ हिन्दी का ठाठ	(iv) उदय भान चरित
	(v) लवंगलता

कोड -

	a	b	c	d
(A)	i	iii	ii	iv
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iv	iii	i	ii

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
प्रथम नाम	**दूसरा नाम**	**लेखक**
तीसरी कसम	मारे गये गुलफाम	फणीश्वर नाथ रेणु
बिगड़े का सुधार	सती सुख देवी	लज्जाराम मेहता
रानी केतकी की कहानी	उदयभान चरित	इंशा अल्लाह खाँ
ठेठ हिन्दी का ठाठ	देवबाला	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
लवंगलता	आदर्शबाला	किशोरी लाल

64. निम्नलिखित कवियों को उनके आश्रयदाताओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) मतिराम	(i) प्रतापगढ़ अधिपति हिन्दूपति सिंह
(B) पद्माकर	(ii) बूंदी राजा भावसिंह
(C) रत्नाकर	(iii) नाभा नरेश जसवंतसिंह
(D) भिखारीदास	(iv) नागपुर महाराज रघुनाथ राव
	(v) अयोध्या नरेश प्रतापनारायण सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	v	i
(B)	iii	i	ii	iv
(C)	v	ii	i	iii
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
कवि	**आश्रयदाता**	**प्रमुख कृति**
मतिराम	बूँदी के राजाभाव सिंह	ललितललाम
पद्माकर	नागपुर महाराज रघुनाथ राव	जगद्विनोद
रत्नाकर	अयोध्या नरेश प्रताप नारायण सिंह	उद्धवशतक
भिखारीदास	प्रतापगढ़ अधिपति हिन्दू सिंह	काव्य निर्णय

65. निम्नलिखित पंक्तियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे, उठाने ही होंगे	(i) कामायनी
(B) हँस पड़ा गगन, वह शून्य लोक	(ii) अँधेरे में
(C) स्थिर समर्पण है हमारा	(iii) कुकुरमुत्ता
(D) आप अपने से उगा मैं	(iv) नदी के द्वीप
	(v) असाध्य वीणा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	iii	i
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iv	iii	ii	v

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
पंक्ति	**कृति**	**कृतिकार**
अब अभिव्यक्ति...... उठाने ही होंगे	अंधेरे में	मुक्तिबोध
हंस पड़ा गगन....... शून्यलोक	कामायनी	प्रसाद जी
स्थिर समर्पण है हमारा	नदी के दीप	अज्ञेय
आप अपने से उगा मैं	कुकुरमुत्ता	निराला

कथोपकथन

66. स्थापना (Assertion) (A) : मानववाद नास्तिक दर्शन है और मानवतावाद आस्तिक दर्शन।

तर्क (Reason) (R): मानवतावाद मूलतः निर्गुण निराकार का प्रतिपादन करता है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (R) गलत (A) सही

उत्तर – (C)

व्याख्या–मानववाद नास्तिक और मानवतावाद आस्तिक दर्शन है। मानवतावाद निर्गुण तथा सगुण दोनों का प्रतिपादन करता है।

67. स्थापना (Assertion) (A) : हिन्दी कवि आचार्यों की मौलिक देन है- 'रसरीति' की स्थापना।

तर्क (Reason) (R) : हिन्दी रीतिकाव्य में रस से ज्यादा रीति को महत्व दिया गया है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी रीतिकाव्य में 'रस' को ज्यादा महत्त्व दिया गया है न कि रीति को।

68. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का सर्वप्रमुख हेतु है: 'व्युत्पत्ति'।

तर्क (Reason) (R) : 'व्युत्पत्ति' नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा की उपज होती है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–काव्य हेतु तीन प्रकार के होते हैं - (1) प्रतिभा (2) व्युत्पत्ति (3) अभ्यास। इनमें सर्वप्रमुख शक्ति 'प्रतिभा' है। 'प्रतिभा' को ही भट्टतौत ने 'नवनवोन्मेषशालिनी प्रज्ञा' कहा है।

69. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य के अपरिहार्य तत्व हैं- शब्द, अर्थ, कल्पना, भाव और विचार।
तर्क (Reason) (R) : इनमें कई तत्त्व जोड़े या छोड़े जा सकते हैं,अतः इनमें अपरिहार्य कोई नहीं है।
(A) (A) गलत (R) सही
(B) (R) गलत (A) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर – (C)

व्याख्या–शब्द, अर्थ, कल्पना, भाव और विचार इत्यादि काव्य के अपरिहार्य तत्त्व है। इन्हें आवश्यकतानुसार जोड़ा घटाया जा सकता है।

70. स्थापना (Assertion) (A) : भाषा अर्थ को उन्मीलित करती है, न कि अर्थ की सृष्टि करती है।
तर्क (Reason) (R) : यह देरिदा का मत है। वह 'पाठ' पर जोर देता है, लेखन पर नहीं।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर – (A)

व्याख्या–जाक देरिदा 'विखण्डन/विरचना' के प्रवर्तक हैं इनके अनुसार भाषा अर्थ को उत्पन्न करती है न कि उसकी सृष्टि। देरिदा पाठ को प्रमुख मानता है लेखक को नहीं।

71. स्थापना (Assertion) (A) : आचार्य शुक्ल के अनुसार 'लोकमंगल' के विधायक भाव हैं- करुणा और क्रोध।
तर्क (Reason) (R) : महर्षि बाल्मीकि के काव्योद्रेक के ये ही दोनों हेतु थे। शुक्ल जी ने क्रोध की जगह प्रेम को रख दिया है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (A)

व्याख्या–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल काव्य में लोक मंगल के विधायक भाव करुणा और क्रोध को मानते हैं। काव्य में करुणा और क्रोध रस का होना अनिवार्य है।

72. स्थापना (Assertion) (A) : लय शब्द मात्र में ही नहीं, अर्थ, भाव, विचार सबमें होती है।
तर्क (Reason) (R) : शब्द-अर्थ अन्योन्याश्रित होते हैं। शब्द श्रव्य होते हैं और अर्थ बुद्धिग्राह्य। दोनों के अनुपात से ही श्रेष्ठ साहित्य का सृजन होता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर – (A)

व्याख्या–लय-शब्द, अर्थ, भाव तथा विचार सबमें होती है। शब्द और अर्थ एक दूसरे पर आश्रित होते हैं।

73. स्थापना (Assertion) (A) : ग्लानि से दुबला होने में देर लगती है और पानीदार ही दुबला होता है।
तर्क (Reason) (R) : दुबला होना आदमी की निर्बलता की निशानी है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत
उत्तर – (B)

व्याख्या–ग्लानि व्यक्ति को आंतरिक असहजता प्रदान करती है और व्यक्ति पश्चाताप की अग्नि में जलता रहता है और यह स्थिति पानीदार (इज्जतदार) लोगों के साथ ज्यादा होती है।

74. स्थापना (Assertion) (A) : काव्य का विषय सदा 'विशेष' होता है 'सामान्य' नहीं। वह 'व्यक्ति' सामने लाता है 'जाति' नहीं।
तर्क (Reason) (R) : काव्य की संरचना सदैव 'जाति' पर आश्रित होकर 'व्यक्ति' केन्द्रित हो जाती है।
(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) सही (R) गलत
उत्तर – (D)

व्याख्या–काव्य-व्यक्ति, मानवता, समाज, सभ्यता एवं संस्कृति इत्यादि को सामने लाता है। न कि जाति, वर्ण, लिंग, इत्यादि को।

75. स्थापना (Assertion) (A) : साहसपूर्ण आनंद की उमंग का नाम उत्साह है।
तर्क (Reason) (R) : साहस के बिना वीरकर्म का सम्पादन नहीं होता है। अतः आनंद भी प्राप्त नहीं होता।
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर – (C)

व्याख्या–आनन्द हमें तभी प्राप्त होता है जब हम संवेदनात्मक रूप से पूर्णतः किसी कार्य या क्रिया-प्रतिक्रिया में संलग्न होते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2012

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. 'सरहपा' का सम्बन्ध निम्न में से किससे है?

(A) सिद्ध साहित्य (B) रासो काव्य
(C) नाथ साहित्य (D) जैन काव्य

उत्तर – (A)

व्याख्या–सरहपा सिद्ध साहित्य तथा सिद्धों में प्रथम है। राहुल सांकृत्यायन ने इनका समय 769 ई. माना है। इनकी रचना 'दोहाकोश' है। सरहपा के अन्य नाम- सरहपाद, सरोजवज्र तथा राहुल भद्र है।

2. निम्नलिखित में से कौन अष्टछाप के कवि नहीं हैं?

(A) सूरदास (B) कुंभनदास
(C) नन्ददास (D) सुन्दरदास

उत्तर – (D)

व्याख्या–सुन्दरदास अष्टछाप के कवि नहीं हैं। अष्टछाप में आठ कवि आते हैं। अष्टछाप की स्थापना सन् 1565 ई. में हुई थी।

व्याख्या–आचार्य रामचंद्र शुक्ल अपने 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का अनुक्रम निम्नवत है -

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583 ई.	जमुनावतो (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583 ई.	सीही (उ.प्र.)	,,
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	,,
कृष्णदास	1496-1578 ई.	चिलोतरा(गुजरात)	,,
गोविन्द स्वामी	1505-1585 ई.	आंतरी(राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585 ई.	मथुरा (उ.प्र.)	,,
चतुर्भुजदास	1530-1585 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	,,
नंददास	1533-1583 ई.	रामपुर (उ.प्र.)	,,

3. बिहारी किस धारा के कवि हैं?

(A) रीतिसिद्ध (B) रीतिमुक्त
(C) स्वच्छन्द (D) रीतिबद्ध

उत्तर – (A)

व्याख्या–बिहारी (1595-1663 ई.) रीतिकाल के रीतिसिद्ध काव्यधारा के कवि हैं। बिहारी की एकमात्र प्रसिद्ध रचना 'बिहारी-सतसई' है।

4. अंग्रेजी स्वच्छन्दतावादी काव्य का प्रभाव हिन्दी की किस काव्यधारा पर दिखाई देता है?

(A) प्रगतिवाद (B) प्रयोगवाद
(C) छायावाद (D) नई कविता

उत्तर – (C)

व्याख्या–अंग्रेजी स्वच्छन्दतावाद (रोमैंटिसिज्म) का प्रभाव हिन्दी में छायावाद (1918-1936 ई.) पर दिखाई पड़ता है। छायावाद काल में स्वच्छन्दता को बढ़ावा दिया गया तथा विचारों की उन्मुक्त स्वतन्त्रता दिखलाई पड़ती है।

**5. "दुःख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज जो नहीं कहीं।"
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कविता से उद्धृत हैं?**

(A) सरोज स्मृति (B) राम की शक्तिपूजा
(C) तुलसीदास (D) कुकुरमुत्ता

उत्तर – (A)

व्याख्या–प्रस्तुत पंक्ति प्रसिद्ध छायावादी कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (1899-1961 ई.) की है।

दुःख ही जीवन ....नहीं कही।	निराला(सरोज स्मृति)
धिक् जीवन जो पाता ही आया है विरोध धिक साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध।	निराला (राम की शक्ति पूजा)
होगा फिर से दुर्धर्ष समर, जड़ से चेतन का निशिसमर कवि के प्रति छवि से जीवनहर, जीवनभर	निराला (तुलसीदास)

6. 'समय देवता' किस कवि की कविता है?

(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) नागार्जुन
(C) माखनलाल चतुर्वेदी (D) नरेश मेहता

उत्तर – (D)

व्याख्या–'समय देवता' नरेश मेहता की एक लम्बी कविता है। जिसमें धरती के विभिन्न भागों की सांस्कृतिक-राजनीतिक स्थिति का 'सिनारियो' (परिदृश्य) प्रस्तुत किया है।
बादल को घिरते देखा है, पाषाणी, सिन्दूर तिलकित भाल, तुम्हारी दंतुरित मुस्कान, पाँच पूत भारतमाता के कालिदास हरिजनगाथा तथा अकाल और उसके बाद नागार्जुन की कविताएँ हैं।
जबकि कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा माखनलाल चतुर्वेदी की प्रसिद्ध कविता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

7. प्रेमचंद किस प्रवृत्ति के उपन्यासकार हैं?

(A) आदर्शवादी (B) यथार्थवादी
(C) आदर्शोन्मुख यथार्थवादी (D) यथार्थोन्मुख आदर्शवादी

उत्तर – (C)

व्याख्या–प्रेमचन्द (1880-1936 ई.) आदर्शोन्मुख यथार्थवादी उपन्यासकार है। गोदान (1936 ई.) इसका सशक्त उदाहरण है।

8. अमृतलाल नागर के जीवनीपरक उपन्यास 'खंजन नयन' में किसके जीवन का चित्रण किया गया है?

(A) सूरदास (B) तुलसीदास
(C) रैदास (D) मीराबाई

उत्तर – (A)

व्याख्या–खंजन नयन (1981 ई.) सूरदास के जीवन पर तथा मानस का हंस (1972 ई.) तुलसीदास के जीवन पर आधारित है यह अमृतलाल नागर (1916-1990ई.) का जीवनीपरक उपन्यास है।

9. 'रस आखेटक' के रचनाकार हैं –

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) कुबेरनाथ राय (D) शरद जोशी

उत्तर – (C)

व्याख्या–प्रिया नीलकण्ठी (1968 ई.), रस आखेटक (1970 ई.) गंधमादन (1972 ई.), विषादयोग (1973 ई.), महाकवि की तर्जनी (1979 ई.), निषाद बासुरी (1974ई.) इत्यादि कुवेर नाथ राय के निबन्ध-संग्रह हैं। कुबेरनाथ राय रसधर्मा ललित निबन्धकार हैं।

अशोक के फूल (1948 ई.), कल्पलता (1951 ई.), मध्यकालीन धर्म साधना (1952 ई.), विचार और वितर्क (1957 ई.), विचार प्रवाह (1959 ई.), कुटज (1964 ई.), साहित्य सहचर (1965 ई.), आलोक पर्व (1972 ई.) इत्यादि आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907-1987 ई.) के निबन्ध संग्रह हैं। ये प्रमुख ललित निबन्धकार है।

यथासम्भव, जीप पर सवार इल्लियाँ (1971 ई.),हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, किसी बहाने (1971 ई.), रहा किनारे बैठ (1972 ई.) तिलस्म (1973 ई.), दूसरी सतह (1975 ई.), यत्र तत्र सर्वत्र (2000 ई.) इत्यादि शरद जोशी के निबन्ध-संग्रह हैं।

छितवन की छाँह (1953 ई.), हल्दी दूब (1955 ई.), तुम चन्दन हम पानी (1957 ई.), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (1974 ई.), संचारिणी (1982 ई.), अंगद की नियति (1984 ई.), शेफाली झर रही है (1989 ई.), फागुन दुई रे दिना (1994 ई.), शिरीष की याद आई (1995 ई.) इत्यादि डॉ. विद्या निवास मिश्र के प्रमुख निबन्ध-संग्रह हैं।

10. निम्न में से कौन सी हरिशंकर परसाई की रचना नहीं है?

(A) विकलांग श्रद्धा का दौर (B) ठिठुरता हुआ गणतन्त्र
(C) प्रेमचन्द के फटे जूते (D) जीप पर सवार इल्लियाँ

उत्तर – (D)

व्याख्या–पगडंडियों का जमाना (1966 ई.), सदाचार की तावीज (1967 ई.), ठिठुरता हुआ गणतंत्र (1970 ई.), वैष्णव की फिसलन (167 ई.), विकलांग श्रद्धा का दौर (1980 ई.), तुलसीदास चंदन घिसें (1986 ई.), कहत कबीर (1987 ई.), आवारा भीड़ के खतरे (1998 ई.) प्रेमचन्द के फटे जूते इत्यादि हरिशंकर परसाई के निबन्ध-संग्रह हैं। यथासम्भव, जीप पर सवार इल्लियाँ (1971 ई.),हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, किसी बहाने (1971 ई.), रहा किनारे बैठ (1972 ई.) तिलस्म (1973 ई.), दूसरी सतह (1975 ई.), यत्र तत्र सर्वत्र (2000 ई.) इत्यादि शरद जोशी के निबन्ध-संग्रह हैं।

11. 'एक बूँद सहसा उछली' किस विधा की रचना है?

(A) यात्रा-वृत्तान्त (B) संस्मरण
(C) रेखाचित्र (D) निबंध

उत्तर – (A)

व्याख्या–'अरे यायावर रहेगा याद (1953 ई.) तथा 'एक बूँद सहसा उछली (1960 ई.), अज्ञेय का यात्रा-वृतान्त है।

12. 'आलोचक के मुख से' किस आलोचक के व्याख्यानों का संकलन है?

(A) नन्ददुलारे वाजपेयी (B) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) नामवर सिंह (D) प्रभाकर श्रोत्रिय

उत्तर – (C)

व्याख्या–'आलोचक के मुख से (2005 ई.) नामवर सिंह के व्याख्यानों का संकलन है।

13. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' किसकी रचना है?

(A) विद्यानिवास मिश्र (B) विष्णुकान्त शास्त्री
(C) कुबेरनाथ राय (D) गुलाब राय

उत्तर – (A)

व्याख्या– छितवन की छाँह (1953 ई.), हल्दी दूब (1955 ई.), तुम चन्दन हम पानी (1957 ई.), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है ((1974 ई.), संचारिणी (1982 ई.), अंगद की नियति (1984 ई.), शेफाली झर रही है (1989 ई.), फागुन दुई रे दिना (1994 ई.), शिरीष की याद आई (1995 ई.) इत्यादि डॉ. विद्या निवास मिश्र के प्रमुख निबन्ध-संग्रह हैं।

प्रिया नीलकण्ठी (1968 ई.), रस आखेटक (1970 ई.) गंधमादन (1972 ई.), विषादयोग (1973 ई.), महाकवि की तर्जनी (1979 ई.), निषाद बाँसुरी (1974 ई.) इत्यादि कुवेर नाथ राय के निबन्ध-संग्रह हैं। कुवेरनाथ राय रस धर्मा ललित निबन्धकार हैं।

कुछ चंदन की कुछ कपूर की (1971 ई.), चिन्तन मुद्रा (1977 ई.) अनुचिन्तन (1986 ई.), आधुनिक हिन्दी साहित्य के विशिष्ट पक्ष (2004 ई.) आदि विष्णुकान्त शास्त्री के निबन्ध-संग्रह हैं।

ठलुआ क्लब, फिर निराशा क्यों?, मेरी असफलताएँ, मेरे मकान, मेरे नापिताचार्य, मेरे दैनिकी की एक पृष्ठ, प्रीतिभोज अध्ययन और आस्वाद, प्रबन्ध प्रभाकर (1954 ई.), मेरे निबन्ध (1955 ई.) इत्यादि, बाबू गुलाबराय के निबन्ध-संग्रह हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. निम्नलिखित में से कौन मार्क्सवादी आलोचक नहीं है?
(A) शिवदान सिंह चौहान (B) शिवकुमार मिश्र
(C) प्रकाशचंद्र गुप्त (D) रामस्वरूप चतुर्वेदी
उत्तर – (D)

व्याख्या–रामस्वरूप चतुर्वेदी (1931-2003 ई.) भाषिक संवेदना एवं आधुनिकता बोध तथा नयी समीक्षा के आलोचक माने जाते हैं। जबकि शिवदान सिंह चौहान, शिवकुमार मिश्र, प्रकाशचंद गुप्त, नेमिचन्द्र जैन, शमशेर बहादुर सिंह, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध नामवर सिंह, अमृतराय, रांगेय राघव, विश्वनाथ त्रिपाठी, विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, रमेश कुंतल मेघ, धनंजय वर्मा, नंदकिशोर नवल, मैनेजर पाण्डेय, शम्भुनाथ आदि मार्क्सवादी या प्रगतिवादी आलोचक माने जाते हैं।

15. निम्नलिखित में से कौन सी आलोचना कृति विजयदेव नारायण साही की है?
(A) जायसी (B) सूरदास
(C) साहित्यालोचन (D) रस मीमांसा
उत्तर – (A)

व्याख्या-

आलोचना कृति	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
जायसी	1983 ई.	विजयदेव नारायण साही
सूरदास	1945 ई.	ब्रजेश्वर शर्मा
साहित्यालोचन	1922 ई.	श्यामसुन्दरदास
रसमीमांसा	1949 ई.	रामचन्द्र शुक्ल

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

16. 'ऑफ ग्रैमेटोलॉजी' के लेखक कौन हैं?
(A) जाक देरिदा (B) रिचर्ड रोर्टी
(C) फ्रैडरिक जेमसन (D) पॉल दि मान
उत्तर – (A)

व्याख्या–ऑफ ग्रैमेटोलॉजी, दि एण्ड ऑफ मैन, राइट एण्ड डिफरेंस (1978 ई.) जाक देरिदा (1930-2004) की रचना है। जाक देरिदा को 'विखण्डनवाद' का प्रवर्तक माना जाता है। पॉल दि मान विखण्डनवाद के प्रबल समर्थक माने जाते हैं।

तथ्य विविधा

17. खड़ी बोली के विकास में फोर्ट विलियम कालेज का विशिष्ट योगदान है, क्योंकि -
(a) अंग्रेजों ने खड़ी बोली के विकास को प्रमुखता दी।
(b) खड़ी बोली के प्रशिक्षण से विविध साहित्यिक विधाओं में सृजन हुआ।
(c) खड़ी बोली में साहित्यिक लेखक युग की आवश्यकता थी।
(A) (a) और (b) सही, (c) गलत
(B) (a) और (c) सही, (b) गलत
(C) (b) और (c) सही, (a) गलत
(D) (c) सही (a) और (b) गलत
उत्तर – (B)

व्याख्या–फोर्ट विलियम कॉलेज (1800 ई.) कलकत्ता ने, साहित्यिक विधाओं के सृजन में योगदान न देकर केवल खड़ी बोली का प्रश्रय प्रदान किया था तथा खड़ी बोली हिन्दी की सर्वप्रथम शुरुआत भी किया था।

18 (a) ब्रजभाषा में गीतात्मकता स्वाभाविक रूप से आ जाती है।
(b) ब्रजभाषा में परुष वर्णों का अभाव है।
(A) (a) और (b) दोनों सही
(B) (a) आंशिक सही, (b) सही
(C) (a) और (b) दोनों गलत
(D) (a) सही (b) आंशिक सही
उत्तर – (B)

व्याख्या–ब्रजभाषा में गीतात्मकता स्वाभाविक रूप से आती है, पर ऐसा हमेशा नहीं होता है। ब्रजभाषा में कोमल वर्गों की बहुलता है तथा परुष वर्णों की कमी है।

19. (a) नयी कविता में नये मनुष्य की प्रतिष्ठा हुई है।
(b) नयी कविता में व्यक्त मनुष्य का द्वन्द्व अंशतः आयातित है।
(A) (a) सही (b) गलत
(B) (a) और (b) दोनों सही
(C) (a) सही (b) आंशिक सही
(D) (a) गलत (b) सही
उत्तर – (A)

व्याख्या–नयी कविता परम्परागत कविता से आगे नये भावबोधों की अभिव्यक्ति के साथ ही नये मूल्यों और नये शिल्प विधान लघुमानव, इत्यादि का अन्वेषण करती है। इसके दो प्रमुख तत्व हैं- अनुभूति की सच्चाई और बुद्धिमूलक यथार्थवादी दृष्टि। इसमें व्यक्त मनुष्य का द्वन्द्व पाश्चात्य प्रभावित है।

20. छायावाद की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :
(a) आत्मानुभूति की अभिव्यक्ति
(b) साम्राज्यवाद के प्रति विद्रोह
(c) सौन्दर्य के प्रति अत्यधिक आकर्षण
(d) छायावाद रहस्यवाद का पर्याय है।
(A) सभी सही
(B) (a), (c), (d) सही, (b) आंशिक सही
(C) (c) आंशिक सही, (a), (b), (d) सही
(D) (c), (b), (a) सही, (d) आंशिक सही
उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–'छायावाद' (1918-1936 ई.) रहस्यवाद का पर्याय नहीं है इसमें रहस्यवाद का आंशिक लक्षण पाया जाता है। महादेवी वर्मा (1907-1987 ई.) रहस्यवादी कवयित्री में आती है।

21. निम्नलिखित इतिहास ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?

(A) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - हिन्दी साहित्य की भूमिका - हिन्दी साहित्य का इतिहास – मिश्रबंधु विनोद

(B) हिन्दी साहित्य का इतिहास - हिन्दी साहित्य की भूमिका - मिश्रबंधु विनोद - हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

(C) हिन्दी साहित्य की भूमिका- हिन्दी साहित्य का इतिहास- मिश्रबंधु विनोद- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

(D) मिश्रबंधु विनोद- हिन्दी साहित्य का इतिहास- हिन्दी साहित्य की भूमिका- हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास

उत्तर – (D)

व्याख्या-

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
मिश्रबन्धु विनोद	1913 ई.	मिश्र बन्धु
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	रामकुमार वर्मा

22. गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं का सही क्रम कौन सा है?

(A) गीतावली- दोहावली - विनय पत्रिका - रामचरित मानस

(B) रामचरित मानस - दोहावली - गीतावली - विनय पत्रिका

(C) दोहावली - गीतावली - रामचरित मानस विनय पत्रिका

(D) विनय पत्रिका - दोहावली - गीतावली रामचरित मानस

उत्तर – (B)

व्याख्या–गोस्वामी तुलसीदास (1532-1623 ई.) की रचनाओं का सही अनुक्रम-
वैराग्य संदीपनी (सं. 1626-27 ई.),
रामाज्ञा प्रश्नावली (दोहावली रामायण) (सं. 1627-28 ई.),
रामलला नहछू (सं. 1628-29),
जानकी मंगल (सं. 1629-30 ई.),
रामचरित मानस (सं. 1631 ई.)
पार्वती मंगल (सं. 1643 ई.),
कृष्ण गीतावली (सं. 1643-60 ई.),
गीतावली (पदावली रामायण) (सं. 1653 ई.),
विनय पत्रिका (विनयावली, रामगीतावली) (सं. 1653 ई.),
दोहावली (सं. 1640 ई.
बरवै रामायण (बरवा (सं. 1630-80 ई.),
कवितावली या कबित्तावली (हनुमानबाहुक) (सं. 1631-80)

23. जन्मतिथि की दृष्टि से द्विवेदी युगीन कवियों का सही क्रम कौन सा है?

(A) श्रीधर पाठक - अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध - मैथिलीशरण गुप्त - रामनरेश त्रिपाठी

(B) मैथिलीशरण गुप्त - अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध - श्रीधर पाठक - रामनरेश त्रिपाठी

(C) रामनरेश त्रिपाठी - श्रीधर पाठक - अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध - मैथिलीशरण गुप्त

(D) अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध - मैथिलीशरण गुप्त - श्रीधर पाठक - रामनरेश त्रिपाठी

उत्तर – (A)

व्याख्या–जन्मतिथि की दृष्टि से द्विवेदी युगीन कवियों का सही क्रम- श्रीधर पाठक (1859-1928 ई.), अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध (1865-1947 ई.), मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964 ई.) तथा रामनरेश त्रिपाठी (1889-1962 ई.) है।

24. आधुनिक हिन्दी की निम्नलिखित कृतियों का प्रकाशन काल की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?

(A) आत्मजयी - कनुप्रिया - उर्वशी - यशोधरा

(B) कनुप्रिया - उर्वशी - आत्मजयी - यशोधरा

(C) उर्वशी - कनुप्रिया - यशोधरा - आत्मजयी

(D) यशोधरा - उर्वशी - कनुप्रिया - आत्मजयी

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना (काव्य)	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
यशोधरा	1932 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
उर्वशी	1961 ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'
कनुप्रिया	1959 ई.	धर्मवीर भारती
आत्मजयी	1965 ई.	कुँवर नारायण

25. निम्नलिखित पाश्चात्य समीक्षकों का जन्म की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?

(A) अरस्तू - प्लेटो - लोंजाइनस - कॉलरिज

(B) प्लेटो - अरस्तू - लोंजाइनस - कॉलरिज

(C) कॉलरिज - प्लेटो - अरस्तू - लोंजाइनस

(D) लोंजाइनस - अरस्तू - प्लेटो - कॉलरिज

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–जन्मतिथि की दृष्टि से सही अनुक्रम -
प्लेटो (427 ई. पू.-347 ई. पू.)
अरस्तू (384 ई. पू.-322 ई. पू.)
लोजाइनस (प्रथम-तृतीय शताब्दी),
कॉलरिज (1772-1834 ई.) है।

26. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्न पत्रिकाओं का सही क्रम क्या है?
(A) कवि वचन सुधा - सरस्वती - चाँद - हंस
(B) सरस्वती - हंस - चाँद - कवि वचन सुधा
(C) हंस - चाँद - कवि वचन सुधा - सरस्वती
(D) चाँद - हंस - सरस्वती - कवि वचन सुधा
उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	प्रमुख सम्पादक
कविवचन सुधा	1968 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
सरस्वती	1900 ई.	महावीर प्रसार द्विवेदी
चाँद	1920 ई.	महादेवी वर्मा
हंस	1930 ई.	प्रेमचंद

नोट- (i) सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 ई. में इसके सम्पादक श्यामसुन्दर दास थे तथा 1903 ई. में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।
(ii) हंस का पुनर्प्रकाशन (मासिक) 1986 ई. का सम्पादक राजेन्द्र यादव ने किया था। इसका प्रकाशन दिल्ली से होता है।

27. निम्नलिखित उपन्यासों का प्रकाशन की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) तमस - सूखा बरगद - आधा गाँव - झूठा सच
(B) झूठासच - आधा गाँव - सूखा बरगद - तमस
(C) सूखा बरगद - झूठा सच - आधा गाँव - तमस
(D) झूठा सच - आधा गाँव - तमस - सूखा बरगद
उत्तर – (D)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
झूठा सच(दोभाग)	भाग-एक-(1958 ई.) भाग-दो- (1960 ई.)	यशपाल
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रजा
तमस	1973 ई.	भीष्म साहनी
सूखा बरगद	1986 ई.	मंजूर एहतसाम

28. निम्नलिखित कवियों का सही क्रम क्या है?
(A) पद्माकर - बिहारी - चिन्तामणि - केशवदास
(B) बिहारी - पद्माकर - केशवदास - चिन्तामणि
(C) चिन्तामणि - केशवदास - बिहारी - पद्माकर
(D) केशवदास - चिन्तामणि - बिहारी - पद्माकर
उत्तर – (D)

व्याख्या–कवियों का जीवनकाल का सही अनुक्रम-
केशवदास (1555-1617 ई.) चिन्तामणि (1609-1685)
बिहारी (1595-1663 ई.) तथा पद्माकर (1753-1833 ई.) है।
नोट-रचनाकाल के अनुसार चिन्तामणि, बिहारी से पहले आते हैं।

29. निम्नलिखित काव्यों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) लोकायतन - राम की शक्तिपूजा - झरना-प्रिय प्रवास
(B) झरना- प्रिय प्रवास - लोकायतन - राम की शक्तिपूजा
(C) प्रिय प्रवास - झरना - राम की शक्तिपूजा - लोकायतन
(D) राम की शक्तिपूजा - लोकायतन - झरना - प्रिय प्रवास
उत्तर – (C)

व्याख्या-

काव्य कृति	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
प्रिय प्रवास	1914 ई.	हरिऔध
झरना	1918 ई.	जयशंकर प्रसाद
राम की शक्ति पूजा	1936 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानन्दन पंत

30. निम्नलिखित पंक्तियों के साथ कवियों का सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) घुन खाये शहतीरों पर	(i) केदारनाथ अग्रवाल
(b) एक बीते के बराबर	(ii) नागार्जुन
(c) किंतु हम हैं द्वीप	(iii) धूमिल
(d) भूख से रिरियाती हुई	(iv) अज्ञेय
	(v) लीलाधर जगूड़ी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	v	iv	iii	i
(C)	i	ii	iii	v
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

पंक्ति	कवि
घुन खाये शहतीरो पर	नागार्जुन
एक बीते के बराबर	केदारनाथ अग्रवाल
किन्तु हम हैं द्वीप	अज्ञेय
भूख से रिरियाती हुई	धूमिल

31. निम्नलिखित सम्पादकों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) श्यामसुन्दर सेन	(i) कवि वचन सुधा
(b) राजा लक्ष्मण सिंह	(ii) समाचार सुधावर्षण
(c) भारतेन्दु हरिश्चंद्र	(iii) आनन्द कादम्बिनी
(d) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'	(iv) प्रजा हितैषी
	(v) मतवाला

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	i	iii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**
समाचार सुधावर्षण	1854 ई.	श्यामसुन्दर सेन
प्रजा हितैषी	1855 ई.	राजा लक्ष्मण सिंह
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
मतवाला	1923 ई.	महादेव प्रसाद सेठ

32. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके प्रकाशन वर्ष के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	**सूची-II**
(a) सार सुधा निधि	(i) 1877
(b) बंग दूत	(ii) 1930
(c) भारत मित्र	(iii) 1879
(d) हंस	(iv) 1829
	(v) 1931

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	iii	ii	v	i
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	iii	i	v

उत्तर – (*)

व्याख्या-

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**प्रमुख सम्पादक**
सार सुधा निधि	1879 ई.	सदानन्द मिश्र
बंगदूत	1829 ई.	राजा राममोहन राय
भारत मित्र	1877 ई.	रूद्रदत्त
हंस	1930 ई.	प्रेमचंद
नोट-हंस का पुर्नप्रकाशन 1986 ई. में दिल्ली से प्रारम्भ हुआ जिसके सम्पादक राजेन्द्र यादव थे।		

33. निम्नलिखित आलोचनात्मक कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) दूसरी परम्परा की खोज	(i) रामधारी सिंह दिनकर
(b) नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र	(ii) नामवर सिंह
(c) हिन्दी साहित्य का आदिकाल	(iii) गजानन माधव मुक्तिबोध
(d) नया साहित्य नये प्रश्न	(iv) नन्ददुलारे वाजपेयी
	(v) हजारी प्रसाद द्विवेदी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	v	iv
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	i	v	iii
(D)	iii	ii	v	iv

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
दूसरी परम्परा की खोज	1982 ई.	नामवर सिंह
नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र	1971 ई.	गजानन माधव मुक्तिबोध
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1952 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
नया साहित्य : नये प्रश्न	1955 ई.	नन्द दुलारे वाजपेयी
शुद्ध कविता की खोज	1966 ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'

34. निम्नलिखित कथनों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	**सूची-II**
(a) करुणा दुःखात्मक वर्ग में आने वाला मनोविकार है।	(i) डॉ. नगेन्द्र
(b) मनुष्य की श्रेष्ठ साधनाएं ही संस्कृति है।	(ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(c) छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।	(iii) रामचन्द्र शुक्ल
(d) भक्ति आन्दोलन एक जातीय और जनवादी आन्दोलन है।	(iv) रामविलास शर्मा
	(v) रामस्वरूप चतुर्वेदी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	v	iii	ii
(D)	ii	iv	i	v

उत्तर – (B)

व्याख्या –

करुणा दुःखात्मक वर्ग में आने वाला मनोविकार	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
मनुष्य की श्रेष्ठ साधनाएँ ही संस्कृति है।	हजारी प्रसाद द्विवेदी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।	डॉ. नगेन्द्र
भक्ति आन्दोलन एक जातीय और जनवादी आन्दोलन है	रामविलास शर्मा
सूर्य और चन्द्र हिन्दू और इस्लामी संस्कृति के परम्परित प्रतीक हैं।	रामस्वरूप चतुर्वेदी

35. निम्नलिखित कृतियों को उनकी विधा के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) लहरों के राजहंस	(i) नाटक
(b) आधा गाँव	(ii) निबंध
(c) तुम चन्दन हम पानी	(iii) आत्मकथा
(d) मुर्दहिया	(iv) रेखाचित्र
	(v) उपन्यास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	v	iv	i
(B)	v	iv	iii	i
(C)	ii	iii	i	v
(D)	i	v	ii	iii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	विधा	रचनाकार
लहरों के राजहंस	1963 ई.	नाटक	मोहन राकेश
आधा गाँव	1966 ई.	उपन्यास	राही मासूम रजा
तुम चन्दन हम पानी	1957 ई.	निबन्ध-संग्रह	विद्यानिवास मिश्र
मुर्दहिया	2010 ई.	आत्मकथा	तुलसीदास
नंगा तलाई का गाँव	2004 ई.	संस्मरण	विश्वनाथ त्रिपाठी

36. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके पात्रों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) गबन	(i) मृणाल
(b) नदी के द्वीप	(ii) डॉ. प्रशान्त
(c) मैला आँचल	(iii) जालपा
(d) बाणभट्ट की आत्मकथा	(iv) भुवन
	(v) निपुणिका

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	v
(B)	ii	i	v	iii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	v	ii	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	पात्र	उपन्यासकार
गबन	1931 ई.	जालपा	प्रेमचन्द
नदी के द्वीप	1951 ई.	भुवन	अज्ञेय
मैला आँचल	1954 ई.	डॉ. प्रशान्त	फणीश्वरनाथ रेणु
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946 ई.	निपुणिका	हजारी प्रसाद द्विवेदी
त्याग पत्र	1937 ई.	मृणाल	जैनेन्द्र

37. निम्नलिखित पात्रों को नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) सिंहरण	(i) आधे-अधूरे
(b) युयुत्स	(ii) हानूश
(c) जुनेजा	(iii) चन्द्रगुप्त
(d) दक्ष	(iv) अंधायुग
	(v) एक कंठ विषपायी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	iii	iv	i	v
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पात्र	नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
सिंहरण	चन्द्रगुप्त	1931 ई.	जयशंकर प्रसाद
युयुत्स	अंधायुग	1955 ई.	धर्मवीर भारती
जुनेजा	आधे-अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश
दक्ष	एक कंठ विषपायी	1963 ई.	दुष्यन्त कुमार
एमिल जैकब	हानूस	1977 ई.	भीष्म साहनी

नोट-अंधायुग (1955 ई.) धर्मवीर भारती तथा एक कंठ विषपायी (1963 ई.) दुष्यंत कुमार का गीति-नाट्य है।

38. निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) भट्ट लोल्लट	(i) स्फोटवाद
(b) शंकुक	(ii) अभिव्यक्तिवाद
(c) अभिनवगुप्त	(iii) अनुमितिवाद
(d) भट्ट नायक	(iv) आरोपवाद
	(v) भुक्तिवाद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	v
(B)	i	ii	v	iv
(C)	iv	iii	i	ii
(D)	ii	i	iii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-

आचार्य	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	आरोपवाद/उत्पत्तिवाद	मीमांसा दर्शन
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय दर्शन
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव दर्शन
भट्ट नायक	भुक्तिवाद/भोगवाद	सांख्य दर्शन

39. निम्नलिखित आचार्यों को उनके कालखंड के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(a) भामह	(i) दसवीं सदी
(b) क्षेमेन्द्र	(ii) सत्रहवीं सदी
(c) विश्वनाथ	(iii) ग्यारहवीं सदी
(d) पंडितराज जगन्नाथ	(iv) चौदहवीं सदी
	(v) छठी सदी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iv
(B)	v	iii	iv	ii
(C)	iii	ii	i	v
(D)	iv	i	iii	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

आचार्य	कालखण्ड	प्रमुख रचना
भामह	छठीं सदी	काव्यालंकार
क्षेमेन्द्र	ग्यारहवीं सदी	औचित्यविचार चर्चा
विश्वनाथ	चौदहवीं सदी	साहित्य दर्पण
पंडित राज जगन्नाथ	सत्रहवीं सदी	रस गंगाधर
धनंजय	दसवीं सदी	दशरूपक

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 40 से 44 तक) के उत्तरों के दिये गये बहु-विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

यूरोपीय उपन्यास के विकास में पूँजीवादी अर्थतन्त्र और मध्य वर्ग का योगदान बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है और अक्सर इस अवधारणा को हिन्दी उपन्यास के इतिहास पर भी चस्पाँ कर दिया जाता है। पर हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों को देखते हुए हिन्दी उपन्यास के सम्बन्ध में इस सामान्यीकरण को संगत नहीं माना जा सकता। 1870-90 की अवधि में हिन्दी क्षेत्र में न तो पूँजीवादी अर्थतन्त्र का कोई वर्चस्व था, न ही कोई मजबूत मध्य वर्ग पैदा हुआ था। इस समय भारत ब्रिटिश उपनिवेशवाद के चंगुल में तड़फड़ा रहा था और एक विदेशी पूँजीवादी उसका चौतरफा शोषण कर रहा था। इस विदेशी पूँजीवाद की भाषा अंग्रेजी थी। इस व्यवस्था के पोषक और सहायक के रूप में अंग्रेजी पढ़ा-लिखा मध्य वर्ग वजूद में आ रहा था, पर वह अधिकतर अहिन्दी भाषी, विशेष रूप से बँगला भाषी था। दरअसल हिन्दी उपन्यास हिन्दी भाषी जनता की राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति था।

40. पूँजीवादी अर्थतन्त्र और मध्य वर्ग ने साहित्य की किस विधा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया?

(A) यूरोपीय उपन्यास (B) भारतीय उपन्यास
(C) हिन्दी उपन्यास (D) बँगला उपन्यास

उत्तर – (A)

व्याख्या–पूँजीवाद और मध्यवर्ग ने साहित्य की यूरोपीय उपन्यास विधा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

41. हिन्दी उपन्यास के सम्बन्ध में किस सामान्यीकरण को संगत नहीं माना जा सकता?

(A) हिन्दी उपन्यास के विकास पर पश्चिमी उपन्यासों का भी प्रभाव है।
(B) हिन्दी उपन्यास पूँजीवाद की देन है।
(C) हिन्दी उपन्यास में परम्परा से चली आती कथा का भी योगदान है।
(D) हिन्दी उपन्यास भारतीय जनता की राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी उपन्यास पूँजीवाद की देन नहीं है। यह भारतीय परम्परा, राष्ट्रीय आकांक्षा तथा पाश्चात्य की अभिव्यक्ति है।

42. 1870-90 की अवधि में हिन्दी क्षेत्र में किस अर्थतन्त्र का वजूद नहीं था?

(A) सामन्तवादी अर्थतन्त्र (B) जमींदारी अर्थतन्त्र
(C) पूँजीवादी अर्थतन्त्र (D) वाणिज्यिक अर्थतन्त्र

उत्तर – (C)

व्याख्या–1870-90 की अवधि में हिन्दी क्षेत्र में पूँजीवादी अर्थतन्त्र का कोई वर्चस्व (वजूद) नहीं था।

43. 1870-90 की अवधि में भारत किसके चंगुल में तड़फड़ा रहा था?

(A) ब्रिटिश उपनिवेशवाद (B) फ्राँसीसी उपनिवेशवाद
(C) जर्मन उपनिवेशवाद (D) ब्रिटिश राष्ट्रवाद

उत्तर – (A)

व्याख्या–1870-90 के बीच भारत ब्रिटिश उपनिवेशवाद के चंगुल में फँसा था।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

44. हिन्दी उपन्यास किसकी राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति था?

(A) हिन्दी भाषी जनता (B) अहिन्दी भाषी
(C) अंगरेजी पढ़ा-लिखा वर्ग (D) मध्य वर्ग

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी उपन्यास हिन्दी भाषी जनता की राष्ट्रीय आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।

कथोपकथन

45. स्थापना (Assertion) (A) : किसी व्यक्ति का लोभ उस व्यक्ति से केवल बाह्य सम्पर्क रखकर ही तुष्ट नहीं हो सकता, उसके हृदय का सम्पर्क भी चाहता है।

तर्क (Reason) (R) : लोभ प्रेम का मूल है।

(1) (A) गलत, (R) सही
(2) (A) सही, (R) सही
(3) (A) सही, (R) गलत
(4) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर – (A)

व्याख्या–लोभ प्रेम का मूल न होकर प्रेम लोभ का मूल है। क्योंकि जब किसी व्यक्ति को किसी व्यक्ति से प्रेम होता है तो वह प्रेम केवल वाह्य सम्पर्क नहीं होता बल्कि आन्तरिक जुड़ाव होता है। प्रेम द्वारा लोभ उत्पन्न हो सकता है लेकिन किसी व्यक्ति को लोभ के द्वारा प्रेम नहीं हो सकता है।

46. स्थापना (Assertion) (A) : भरत मुनि के अनुसार स्थायी भाव ही रस रूप में परिणत होता है।

तर्क (Reason) (R) : उनके प्रसिद्ध रससूत्र में स्थायी भव का स्पष्ट उल्लेख है।

(1) (A) सही, (R) सही (2) (A) सही, (R) गलत
(3) (A) गलत, (R) गलत (4) (A) गलत, (R) सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–भरत मुनि के अनुसार स्थाई भाव ही रस में बदल जाता है। भरतमुनि का सूत्र -
"विभावानुभवव्यभिचारीसंयोजगात्रसनिष्पत्ति :"
अर्थात् विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारी या संचारी भाव के योग से रस की उत्पत्ति होती है। इससूत्र में स्थायी भाव का उल्लेख नहीं है। भरतमुनि के अनुसार रस की संख्या आठ है तथा संचारी भावों की संख्या 33 है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : "बिनु पग चले सुनै बिनु काना" - असंगति अलंकार का उदाहरण है।

तर्क (Reason) (R) : असंगति अलंकार में कारण के बिना कार्य हो जाता है।

(1) (A) गलत, (R) गलत (2) (A) सही, (R) गलत
(3) (A) सही, (R) सही (4) (A) गलत, (R) सही

उत्तर – (A)

व्याख्या–जहाँ कारण के बिना कार्य होना पाया जाये, वहाँ विभावना अलंकार होता है।
"बिनु पद चलै सुनै बिनु काना" में विभावना अलंकार है।
जहाँ कारण कहीं (अन्यत्र) तथा कार्य कही (अन्यत्र) हो वहाँ असंगति अलंकार होता है।
जैसे- दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीति।
परति गाँठ दुर्जन हिये, दई नई यह रीति।

48. स्थापना (Assertion) (A) : भाषा वैज्ञानिकों की दृष्टि में हिन्दी और उर्दू अलग-अलग भाषाएँ हैं।

तर्क (Reason) (R) : उनका व्याकरण एक ही है।

(1) (A) सही, (R) सही (2) (A) गलत, (R) गलत
(3) (A) गलत, (R) सही (4) (A) सही, (R) गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–भाषा वैज्ञानिकों के अनुसार हिन्दी तथा उर्दू अलग-अलग भाषा नहीं है। तथा इन दोनों भाषाओं (हिन्दी और उर्दू) के व्याकरण में समानता है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : मैथिली संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है।

तर्क (Reason) (R) : इसके शामिल होने से हिन्दी भाषियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

(1) (A) गलत, (R) सही (2) (A) गलत, (R) गलत
(3) (A) सही, (R) सही (4) (A) सही, (R) गलत

उत्तर – (D)

व्याख्या–भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कुल 22 भाषायें सम्मिलित हैं, जिसमें से एक मैथिली भी हैं। मैथिली हिन्दी भी 'बिहारी हिन्दी' की एक बोली है, जो हिन्दी क्षेत्र की भाषा के अन्तर्गत ही है। इसलिए इसके संविधान में सम्मिलित होने से भी हिन्दी की संख्या में वृद्धि नहीं होती है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : "हमारे मत में हिन्दी और उर्दू दो बोली न्यारी-न्यारी है"- यह कथन राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द' का है।

तर्क (Reason) (R) : यह कथन ईस्ट इंडिया कम्पनी की भाषा नीति के विरुद्ध है।

(A) (A) सही, (R) गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) गलत, (R) गलत (D) (A) सही (R) सही

उत्तर – (A)

व्याख्या–हमारे मत में हिन्दी और उर्दू दो बोली न्यारी न्यारी है। यह कथन राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द का है। जो कि समकालीन परिदृश्य में ईस्ट इंडिया कम्पनी की भाषा नीति का समर्थन करता प्रतीत होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2012

हिन्दी

तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 2-1/2 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 150

निर्देशः इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. अपभ्रंश का मुख्य छंद है

(A) दोहा (B) बरवै
(C) कुंडलियां (D) सवैया

उत्तर (A)

व्याख्या–अपभ्रंश का मुख्य छन्द दोहा, पज्झटिका, अरिल्ल, कड़वक, तोमर, त्रोटक इत्यादि है। दोहा को अपभ्रंश काल में दूहा भी कहा जाता था।

2. 'पंडित सअल सन्त बक्खाणइ। देहहि बुद्ध बसंत न जाणइ'।

(A) मीनपा (B) शबरीपा
(C) गोरक्षपा (D) सरहपा

उत्तर (D)

व्याख्या–'पंडित सअल ....न जाणइ'
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' (1929ई.) के अनुसार, यह कथन सरहपा का है।
'सरहपा' हिन्दी के प्रथम कवि तथा 84 सिद्धों में भी प्रथम माने जाते हैं। इनकी रचना का नाम 'दोहाकोश' है।

3. 'परमात्मप्रकाश' के रचनाकार हैं

(A) रामसिंह (B) योगीन्द्र/जोइन्दु
(C) हेमचन्द (D) मेरुतुंग

उत्तर (B)

रचना	समय	रचनाकार
पाहुड दोहा	11वीं शताब्दी	रामसिंह
परमात्मप्रकाश, योगसागर	6वीं शताब्दी	जोइन्दु या योगीन्द्र
कुमारपाल चरित, योग शस्त्र, प्रकृत व्याकरण छन्दोनुशासन देशी नाममालाकोष सिद्ध हेमचन्द्र शब्दानुशासन	12वीं शताब्दी	हेमचन्द्र
प्रबन्ध चिन्तामणि	1304 ई.	जैनाचार्य मेरुतुंग

नोट-जोइन्दु या योगीन्द्र की रचनाओं को अपभ्रंश में दोहा काव्य परम्परा का आरम्भ माना जाता है।

4. 'गोरखबानी' के सम्पादक हैं

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) श्यामसुंदर दास (D) पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल

उत्तर (D)

व्याख्या– 'गोरखबानी' का सम्पादन डॉ. पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल ने किया है। यह गोरखनाथ की रचनाओं का संकलन है। डॉ. बड़थ्वाल ने गोरखनाथ का समय 11वीं शताब्दी माना है तथा गोरखनाथ की रचनाओं की संख्या 14 बताया है।

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
हिन्दी भाषा का विकास हिन्दी भाषा और साहित्य हिन्दी कोविद रत्नमाला (दो भाग)	1924 ई. 1930 ई. प्रथम भाग-1909 ई. द्वितीय भाग-1914 ई.	डॉ. श्यामसुन्दर दास
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका हिन्दी साहित्यःउद्भव और विकास हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1940 ई. 1952ई. 1952 ई.	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

5. किस रचना का दूसरा नाम 'आल्हा खंड' है?

(A) पृथ्वीराज रासो (B) परमाल रासो
(C) विजयपाल रासो (D) हम्मीर रासो

उत्तर (B)

रचना	रचनाकार	विषयवस्तु
परमाल रासो (आल्हा खण्ड)	जगनिक	इसमें आल्हा-उदल दो सरदारों की वीरता का वर्णन है। यह लोक गेय काव्य है।
पृथ्वीराज रासो	चन्दबरदाई	यह हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है तथा चन्दबरदाई को प्रथम महाकवि माना जाता है। यह शुक-शकी संवाद के रूप में रचित हैं।
विजयपाल रासो	नल्ल सिंह	यह नल्ल सिंह द्वारा रचित एक वीर काव्य है।
हम्मीर रासो	शरंगधर	

नोट-आल्हाखण्ड को सर्वप्रथम सन् 1865 ई. में फर्रूखाबाद के तत्कालीन जिलाधीश 'चार्ल्स इलियट' ने प्रकाशित कराया था।

6. 'सजन सकारे जाँयगे नैन मरेंगे रोय' उक्ति है

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(A) अमीर खुसरो (B) कबीर
(C) दादूदयाल (D) रहीम
उत्तर (A)

व्याख्या-	
पंक्ति	**कवि**
सजन सकारे जाँयगे नैन मरेंगे रोय'	अमीर खुसरो
जे तूँ बाभन बमनी जाया। तो आन बाट होई काहे न आया।।	कबीरदास
अपना मस्तक काटि कै वीर हुआ कबीर	दादूदयाल
ज्यों चौरासी लाख लख में मनुषदेह। त्यों ही दुर्लभ जग में सनेह।।	रहीमदास

अमीर खुसरो को खड़ी बोली हिन्दी का प्रथम कवि माना जाता है। इनका मूल नाम अबुल हसन था। इन्हें 'हिन्दुस्तान का तूती' कहा जाता है। इनके गुरू का नाम निजामुद्दीन औलिया था।

7. 'अष्टछाप' के कवि हैं
(A) स्वामी हरिदास (B) हित हरिवंश
(C) प्रियादास (D) कुंभनदास
उत्तर (D)

व्याख्या– अष्टछाप की स्थापना 1565 ई. में गोस्वामी विट्ठलनाथ ने की थी। इनमें कुल आठ कवि आते हैं।
आचार्य रामचंद्र शुक्ल अपने 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का प्रस्तुत सही अनुक्रम निम्नवत है अष्टछाप कवियों का जीवनक्रम-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583ई.	जमुनावतो (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583ई.	सीही (उ.प्र.)	,,
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	,,
कृष्णदास	1496-1578ई.	चिलोतरा(गुजरात)	,,
गोविन्द स्वामी	1505-1585ई.	आंतरी(राजस्थान)	विट्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585ई.	मथुरा (उ.प्र.)	,,
चतुर्भुजदास	1530-1585ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	,,
नंददास	1533-1583ई.	रामपुर (उ.प्र.)	,,

8. 'हेरी म्हा तो दरद दिवाणी म्हारॉं दरद न जाण्यॉं कोय-उक्ति है
(A) सहजोबाई (B) मीराबाई
(C) दयाबाई (D) मुक्ताबाई
उत्तर (B)

व्याख्या–'हेरी म्हा ....जाण्यॉं कोय। मीराबाई (1498-1546) का कथन है। मीराबाई भक्तिकाल की कृष्णभक्ति शाखा की प्रमुख कवयित्री हैं। इनके गुरू "रैदास' माने जाते हैं। इनकी भक्ति माधुर्य भाव की थी। नरसी जी का मायरा, गीत गोविन्द की टीका, रागगोविन्द, राग सोरठा इत्यादि मीराबाई की प्रमुख रचना है।
सहजोबाई की रचना सहज प्रकाश है। सहजोबाई, दयाबाई, मुक्ताबाई आदि कवियित्री संत काव्य से सम्बन्धित हैं।

9. 'मांगि के खैबो मसीत के साइबो, लैबो को एक न दैबो को दोऊ।' पंक्ति का संबंध तुलसीदास की किस रचना से है?
(A) रामचरितमानस (B) विनयपत्रिका
(C) गीतावली (D) कवितावली
उत्तर (D)

व्याख्या–'मांगि के खैबो .... दैबो को दोऊ।' पंक्ति तुलसीदास (1532-1623ई.) की रचना 'कवितावली' या कवित्तावली (हनुमानबाहुक) (सं. 1631-80ई.) से है। यह ब्रजभाषा में रचित है। रामचन्द्र शुक्ल ने इनकी कुल 12 रचनाओं का उल्लेख किया है।

10. इनमें से कौन सी रचना तुलसीदास की है?
(A) रामध्यान मंजरी (B) रामसतसई
(C) कृष्णगीतावली (D) श्रीरामार्चन पद्धति
उत्तर (C)

व्याख्या-	
कृष्ण गीतावली	तुलसीदास
रामसतसई	
श्रीरामार्चन पद्धति	रामानन्द
रामध्यान मंजरी	स्वामी अग्रदास

नोट-शिव सिंह सेंगर ने रामसतसई' को तुलसीदास की रचना बताया है।

11. 'कबीर कानि राखी नहीं, वर्णाश्रम षट दरसनी' किसने कहा है?
(A) रैदास (B) मलूकदास
(C) नाभादास (D) प्रियादास
उत्तर (C)

व्याख्या–नाभादास रामभक्ति शाखा के कवि हैं। इन्होंने लगभग 1585 ई. में भक्तमाल की रचना की। यह एक जीवनीपरक ग्रन्थ है। इसी में कबीर के सन्दर्भ में कहते हैं कि-
'कबीर कानि राखी नहीं, वर्णाश्रम षट दरसनी'
नाभादास तुलसी के सन्दर्भ में भी कहते हैं-
कलि कुटिल जीव निस्तारहि बाल्मीकि तुलसी भयो।
नोट-प्रियादास ने 'भक्तमाल' की टीका लिखी है।

12. इनमें से किसका समय सबसे पहले है?
(A) कबीरदास (B) रैदास
(C) धर्मदास (D) दादूदयाल
उत्तर (B)

व्याख्या–जन्मकाल के अनुसार कवियों का कालक्रम:-
रैदास (1388-1498 ई.)
कबीर (1398-1518 ई.)
धर्मदास (1400-1500 ई.)
दादूदयाल (1544-1603 ई.)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं विविध काव्य धाराएँ

13. प्रतापसाहि की रचना नहीं है

(A) काव्य विलास (B) व्यंग्यार्थ कौमुदी
(C) नवरस तरंग (D) शृंगार मंजरी

उत्तर (B)

व्याख्या–काव्य विलास (1809ई.), व्यंग्यार्थ कौमुदी (1825ई.), जयसिंह प्रकाश शृंगार मंजरी, शृंगारशिरोमणि, अलंकार चिन्तामणि, काव्य विनोद, जुगल नखशिख इत्यादि प्रताप साहि की रचनायें हैं। जबकि शृंगार भूषण, नवरस तरंग (1817ई.) नानाराव प्रकाश 'बेनीप्रवीन' की रचना है।

14. 'छत्रप्रकाश' प्रबंध काव्य के रचनाकार हैं

(A) सूदन (B) लालकवि
(C) भूषण (D) पद्माकर

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	कवि
छत्रप्रकाश (प्रबन्धकाव्य) विष्णु विलास	लाल कवि
सुजान चरित (प्रबन्धकाव्य)	सूदन
जगद् विनोद	पद्माकर
छत्रसाल दशक	भूषण

15. निम्नलिखित में से कौन नीतिकार कवि नहीं है?

(A) रहीमदास (B) गिरधर कविराय
(C) दीनदयाल गिरि (D) गिरिधर दास

उत्तर (D)

व्याख्या–रहीमदास, गिरिधर कविराय, दीनदयाल गिरि, बैताल, सम्मन तथा रामसहाय दास-रीतिकाल के प्रसिद्ध नीतिकाव्यकार हैं। गिरिधरदास, रीतिकाल के अलंकार निरूपण रीतिबद्ध कवियों में एक हैं। भारती भूषण (1833 ई.) इनकी प्रसिद्ध रचना है।

16. 'लोगन कवित्त कीबो खेल करि जानो है' किसकी उक्ति है?

(A) ठाकुर (B) घनानंद
(C) केशवदास (D) मतिराम

उत्तर (A)

व्याख्या–'लोगन कवित्त .... जानो है'। यह पंक्ति रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि ठाकुर की हैं। 'ठाकुर-ठसक' तथा 'ठाकुर शतक' ठाकुर कवि की प्रसिद्ध रचना है। यह जैतपुर के राजा परीक्षित के आश्रित थे।

17. इनमें किसका समय सबसे बाद में है?

(A) केशवदास (B) रहीमदास
(C) घनानंद (D) पद्माकर

उत्तर (D)

व्याख्या–जन्म के अनुसार कवियों का कालक्रम-
रहीमदास (1553-1626ई.) केशवदास (1555-1617ई.)
घनानन्द (1689-1739ई.) पद्माकर (1753-1833ई.)

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

18. निम्नलिखित में से किन लेखकों का संबंध 'फोर्ट विलियम कॉलेज' से था?

(A) राजा लक्ष्मण सिंह, शिवप्रसाद सिंह 'सितारे हिंद'
(B) रामप्रसाद निरंजनी, वैकुण्ठनाथ मिश्र
(C) जुगुलकिशोर, बालमुकुंद गुप्त
(D) लल्लूलाल, सदल मिश्र

उत्तर (D)

व्याख्या–'फोर्ट विलियम कालेज' की स्थापना 1800 ई. में वेलेजली ने कलकत्ता में किया था। लल्लू लाल को 1802ई. में भाषा मुंशी के पद पर तथा सदल मिश्र को 'हिन्दुस्तानी विभाग' में 1803ई. को नियुक्त किया गया था। जॉन गिलक्राइस्ट को 1800ई. में हिन्दी भाषा का प्रथम प्रोफेसर बनाया गया था।

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद
(प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता)

19. 'सूअरदान' के लेखक हैं

(A) मनोज सोनकर (B) रूपनारायण सोनकर
(C) तुलसीराम (D) जयप्रकाश कर्दम

उत्तर (B)

रचना	प्रकाशन	रचनाकार	विधा
सुअरदान		रूपनारायण सोनकर	
जाँच	2005ई.	मनोज सोनकर	कहानी
मुर्दहिया	2010ई.	तुलसीराम	आत्मकथा
गूंगा नहीं था मैं	1997ई.	जयप्रकाश कर्दम	काव्य-संग्रह

20. 'अन्न हैं मेरे शब्द' किस कवि की कृति है?

(A) स्वप्निल श्रीवास्तव (B) रवीन्द्र श्रीवास्तव
(C) आलोक श्रीवास्तव (D) एकान्त श्रीवास्तव

उत्तर (D)

रचना	रचनाकार	विधा
अन्न हैं मेरे शब्द	एकान्त श्रीवास्तव	काव्य-संग्रह
मुझे दूसरी पृथ्वी चाहिए	स्वप्निल श्रीवास्तव	काव्य-संग्रह
अमीन	आलोक श्रीवास्तव	काव्य संग्रह

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

21. निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास काशीनाथ सिंह का है?

(A) रेहन पर रग्घू (B) चाक
(C) एक ब्रेक के बाद (D) ग्लोबल गाँव के देवता

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
रेहन पर रग्घू	2008 ई.	काशीनाथ सिंह
चाक	1997 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
एक ब्रेक के बाद	2008 ई.	अलका सरावगी
ग्लोबल गाँव के देवता	2009 ई.	रणेन्द्र

22. 'कथासतीसर' की लेखिका हैं

(A) चित्रा मुद्गल (B) क्षमा शर्मा
(C) नीलाक्षी सिंह (D) चन्द्रकांता

उत्तर (D)

व्याख्या–अर्थान्तर और अन्तिम साक्ष्य (1981ई.) बाकी सब खैरियत है (1983ई.), एलान गली जिन्दा है (1984ई.) यहाँ वितस्ता बहती है (1992ई.), अपने-अपने कोणार्क (1995ई.) कथा सतीसर (2001ई.) इत्यादि चन्द्रकान्ता के उपन्यास हैं।
जबकि एक जमीन अपनी (1990ई.), आवाँ (2000ई.) गिलिगडु (2002ई.) इत्यादि चित्रा मुद्गल के उपन्यास हैं।
नोट-'कथासतीसर' (2001) के लिये चन्द्रकान्ता को 2005 का व्यास सम्मान मिला है।

23. 'अनारो' किसका उपन्यास है?

(A) ममता कालिया (B) चित्रा मुद्गल
(C) मंजुल भगत (D) राजीसेठ

उत्तर (C)

व्याख्या–अनारो (1977ई.), बेगाने घर में (1978ई.), खातुल (1983ई.), तिरछी बौछार (1984ई.), गंजी (1995ई.) इत्यादि-मंजुल भगत के उपन्यास हैं।
एक जमीन अपनी (1990), आवाँ (2000ई.) तथा गिलिगडु (2002) आदि चित्रा मुद्गल के उपन्यास हैं।
बेघर (1971ई.) नरक दर नरक (1975ई.), प्रेम कहानी (1980ई.), साथी लड़कियाँ, एक पत्नी के नोट्स (1997ई.) दुक्खम- सुक्खम आदि ममता कालिया के उपन्यास हैं।
तत्सम् (1983ई.) निष्कवच (1995) आदि राजी सेठ के उपन्यास हैं।

24. 'सुचरिता' का संबंध किस उपन्यास से है?

(A) शेखर एक जीवनी (B) बाणभट्ट की आत्मकथा
(C) पहला गिरमिटिया (D) राग दरबारी

उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	पात्र	उपन्यासकार
शेखर एक जीवनी (दोभाग)	भाग एक-1940 भाग दो-1944	शशि-शेखर, सरस्वती शारदा, रामेश्वर, बाबा मदन सिंह	अज्ञेय
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946	निउनिया (निपुणिका), तुवर मिलिंद, सुचरिता महामाया, विरतिबज्र	हजारी प्रसाद द्विवेदी
पहला गिरमिटिया	1999	मोहनदास	गिरिराज किशोर
राग दरबारी	1968	वैद्य जी	श्रीलाल शुक्ल

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

25. इनमें से कौन सा नाटक भारतेन्दु का नहीं है?

(A) भारत जननी (B) भारत दुर्दशा
(C) भारत सौभाग्य (D) अंधेर नगरी

उत्तर (C)

व्याख्या–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटक- वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1873ई), विषस्य विषमौषधम् (1876ई.) प्रेमजोगिनी (1875ई.), चन्द्रावली (1876ई.) भारत-दुर्दशा (1880ई.), नीलदेवी (1881ई.), अंधेरनगरी (1881ई.), सती प्रताप (1883ई.), भारत-जननी (1877ई.)
जबकि भारत सौभाग्य (1888ई.) बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमधन' का नाटक है।

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

26. 'दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीत' में कौन सा अलंकार है?

(A) विरोधाभास (B) असंगति
(C) विभावना (D) निदर्शना

उत्तर (B)

व्याख्या–
असंगति अलंकार-
जहाँ कारण कहीं और (अन्यत्र) हो और कार्य कहीं (अन्यत्र) हो रहा हो वहाँ असंगति अलंकार होता है।
'दृग उरझत टूटत कुटुम, जुरत चतुर चित प्रीत'
विभावन अलंकार-
जहाँ पर कारण के बिना ही कार्य की उत्पत्ति हो जाय वहाँ विभावना अलंकार होता है-
जैसे- बिनु पद चलै, सुनै बिनु काना
निदर्शना अलंकार-
जहाँ उपमेय और उपमान -वाक्य असम्बद्ध हो किन्तु सादृश्य के आक्षेप के द्वारा उन्हें सुसम्बद्ध रूप से उपस्थित करके उनकी संगति दिखाई जाय वहाँ निदर्शन अलंकार होता है।
जैसे- यह प्रेम को पंथ कराल महा, तरवार की धार पै धावनो है।
विरोधाभास अलंकार-
जहाँ विरोध न रहने पर भी विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।
जैसे-या अनुरागी चित्त की गति समुझहिं नहि कोय।
ज्यो-ज्यो बूड़ै स्याम रंग त्यो-त्यो उज्ज्वल होय।।

27. निम्नलिखित में से 'दस द्वारे का पिंजरा' उपन्यास के रचनाकार हैं :

(A) अनामिका (B) अलका सरावगी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) मधु काँकरिया (D) नासिरा शर्मा

उत्तर (A)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
दस द्वारे का पिंजरा	2008ई.	अनामिका
शेष कादम्बरी	2001ई.	अलका सरावगी
सेज पर संस्कृत	2008ई.	मधु काँकरिया
जीरो रोड	2008ई.	नासिरा शर्मा

28. 'रससूत्र' के व्याख्याता कौन हैं?

(A) भरत मुनि, महिम भट्ट, मम्मट, विश्वनाथ
(B) लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(C) विश्वनाथ, पं. जगन्नाथ, महिम भट्ट, अप्पय दीक्षित
(D) केशव मिश्र, विद्याधर, राजशेखर, जयदेव

उत्तर (B)

रससूत्र के व्याख्याता	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद या आरोपवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्ट नायक	भुक्तिवाद या भोगवाद	सांख्य
अभिनवगुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव

29. ''साधरणीकरण' आलम्बनत्व धर्म का होता है'' कथन किसका है?

(A) आचार्य विश्वनाथ
(B) आचार्य अभिनवगुप्त
(C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(D) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

उत्तर (C)

व्याख्या–साधारणीकरण' की अवधारणा भट्ट नायक की देन है।
(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- ''साधारणीकरण आलम्बनत्व धर्म का होता है।
(ii) नागेन्द्र के अनुसार- ''साधारणीकरण कवि भावना का होता है।''
(iii) केशव प्रसाद मिश्र- ''साधारणीकरण सहृदय की चेतना का होता है।''
(iv) श्यामसुन्दर दास के अनुसार- ''साधारणीकरण भावक या पाठक का होता है।''

अन्य तथ्य विविधा

30. आगरा का बोली-क्षेत्र है

(A) अवधी (B) खड़ीबोली
(C) ब्रज (D) छत्तीसगढ़ी

उत्तर (C)

व्याख्या–ब्रजभाषा बोली का क्षेत्र- आगरा, मथुरा, बरेली, भरतपुर, करौली, धौलपुर बुलन्दशहर, अलीगढ़, एटा, बदायूं मैनपुरी, गुड़गाँव इत्यादि ब्रजभाषा पश्चिमी हिन्दी की बोली है।

खड़ी बोली का क्षेत्र- बिजनौर, रामपुर, मेरठ मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, दिल्ली, गाजियाबाद इत्यादि।

अवधी बोली का क्षेत्र-अयोध्या, बहराइच, लखनऊ, गोंड़ा, बाराबंकी, सीतापुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, इलाहाबाद, मिर्जापुर, रायबरेली, फैजाबाद, उन्नाव, सुल्तानपुर लखीमपुर खीरी इत्यादि।

31. मुल्ला वजही की रचना है

(A) कुतुब मुश्तरी (B) कदमराव व पदमराव
(C) शिकारनामा (D) इरशादनामा

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
कुतुबमुश्तरी सबरस	1609 ई. 1635 ई.	मुल्ला वजही
शिकारनामा		ख्वाजा वन्दा नेवाज गेसूदराज

नोट-मुल्ला वजही दक्षिणी हिन्दी के प्रसिद्ध के रचनाकार हैं। सबरस (1635ई.) उर्दू साहित्य की प्रथम गद्य रचना मानी जाती है।

32. 'गार्सा द तासी' ने 'हिन्दुस्तानी साहित्य का इतिहास' किस भाषा में लिखा है?

(A) फ्रांसीसी (B) जर्मन
(C) अंग्रेजी (D) हिन्दी

उत्तर (A)

व्याख्या–गार्सा द तासी ने फ्रेंच भाषा में 'इस्तवार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई हिन्दुस्तानी' नामक इतिहास ग्रंथ लिखा था। जिसका प्रथम भाग 1839 ई. तथा दूसरा भाग 1847 ई. में प्रकाशित हुआ था। हिन्दुस्तानी साहित्य का इतिहास सर्वप्रथम तासी ने फ्रेंच भाषा में लिखा था।

लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय ने इसका अनुवाद 'हिन्दुई साहित्य का इतिहास (1952ई.) नाम से किया था।

33. अंग्रेजी सरकार की ओर से अदालत का कामकाज देश की प्रचलित भाषाओं में करने का 'इश्तहारनामा' किस सन् में निकला?

(A) सन् 1816 (B) सन् 1826
(C) सन् 1836 (D) सन् 1946

उत्तर (C)

व्याख्या–1830 ई. की सरकारी विज्ञप्ति और 1836ई. के इश्तहार नामा के द्वारा देशी भाषाओं को अदालती कामकाज में स्थान दिया गया। इसके पहले मुख्यतः फारसी अदालती भाषा हुआ करती थी।

34. यह काव्य पंक्ति- 'हिन्दू मग पर पॉव न राखेउँ। का जौ बहुतै हिंदी भाखेउ।' किसकी है?

(A) जायसी (B) नूर मुहम्मद
(C) मंझन (D) कुतुबन

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–'हिन्दू मग ....हिंदी भाखेउ।' यह पंक्ति नूरमुहम्मद की रचना 'अनुराग बाँसुरी(1764ई.) से लिया गया है। यह फारसी अक्षरों में लिखा गया है। इसकी भाषा संस्कृति गर्भ है। इसमें हिन्दी भाषा के प्रति मुसलमानों का भाव व्यंजित होता है। इस रचना में चौपाइयों के बीच-बीच बरवै का प्रयोग किया गया है।

पंक्ति	कवि
रूकमिनि पुनि वैसहि मरि गई। कुलवंती सत सो सति भई	कुतुबन
नैन विरह अंजन जिन सारा। विरह रूप दरपन संसारा।। कोटि माहि बिरला जग कोई। जाहि सरीर बिरह दुख होई।।	मंझन
कवि विआस रस काँवला पूरी। दूरिहि निअर निअर भा दूरी	जायसी

35. इनमें कौन सी पत्रिका मासिक नहीं थी?
(A) बालाबोधिनी (B) हिन्दी प्रदीप
(C) सरस्वती (D) नागरी प्रचारिणी
उत्तर (D)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	विधा
बालाबोधिनी	1874 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मासिक
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक
नागरी प्रचारिणी	1896 ई.	वेणी प्रसाद	त्रैमासिक

नोट-'सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 ई. में इसके सम्पादक श्यामसुन्दरदास थे तथा 1903 ई. में सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।

36. निम्नलिखित में से किन साहित्यकारों का जन्म शताब्दी वर्ष सन् 2011 था?
(A) बच्चन, दिनकर, रामकुमार वर्मा, सुभद्राकुमारी चौहान
(B) अज्ञेय, त्रिलोचन, मुक्तिबोध, महादेवी वर्मा
(C) नागार्जुन, अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल, शमशेर
(D) नागार्जुन, भैरवप्रसाद गुप्त, उपेन्द्रनाथ 'अश्क', भीष्म साहनी
उत्तर (C)

साहित्यकार	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
नागार्जुन	1911-1998ई.	तरौनी (दरभंगा)
अज्ञेय	1911-1987ई.	कसया (देवरिया)
केदारनाथ अग्रवाल	1911-2000ई.	कमासिन (बाँदा)
शमशेर	1911-1993ई.	देहरादून
हरिवंश राय बच्चन	1907-2003ई.	इलाहाबाद
रामकुमार वर्मा	1905-1990ई.	सागर (म0प्र0)
सुभद्रा कुमारी चौहान	1905-1948ई.	निहालपुर (इला0)
रामधारी सिंह दिनकर	1908-1974ई.	सिमरिया (बिहार)
वासुदेव सिंह 'त्रिलोचन'	1917-2007ई.	सुल्तानपुर (उ0प्र0)
महादेवी वर्मा	1907-1987	फर्रुखाबाद(उ0प्र0)
गजानन माधव मुक्तिबोध	1917-1964	ग्वालियर (म0प्र0)
उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	1910-1996	जलंधर (पंजाब)

37. हिन्दी दैनिक 'समाचार सुधावर्षण' के सम्पादक हैं
(A) जुगल किशोर (B) श्यामसुंदर सेन
(C) बालमुकुंद गुप्त (D) राधाकृष्ण दास
उत्तर (B)

व्याख्या-

पत्र	प्रकाशन वर्ष	स्थान	सम्पादक
उदंत मार्तण्ड (साप्ताहिक)	30 मई 1826 ई.	कलकत्ता	जुगलकिशोर
समाचार सुधावर्षण (दैनिक)	1854 ई.	कलकत्ता	श्यामसुन्दरदास
हिन्दी बंगवासी (साप्ताहिक)	1890 ई.	कलकत्ता	बालमुकुन्द गुप्त
सरस्वती (मासिक)	1900 ई.	काशी	चिन्तामणि, घोष श्यामसुन्दर दास, तथा महावीर प्रसाद द्विवेदी

नोट- (i) उदन्त मार्तण्ड हिन्दी की प्रथम पत्रिका है। जिसका सम्पादन कानपुर निवासी जुगलकिशोर ने किया।
(ii) 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन को आधार मानकर 30 मई को 'राष्ट्रीय हिन्दी पत्रकारिता दिवस' मनाया जाता है।
(iii) कलकत्ता से सन् 1854 ई. हिन्दी का प्रथम दैनिक समाचार पत्र 'समाचार सुधावर्षण' है जिसका सम्पादन श्यामसुन्दरदास ने किया था।

38. 'द न्यू क्रिटिसिज्म' पुस्तक के लेखक हैं
(A) जॉन क्रो रैंसम (B) जाक देरीदा
(C) रोला बार्थ (D) सॉस्यूर
उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
गाड विदाउट थंडर द वर्ड्स बाडी द न्यू क्रिटिसिज्म	(1930) (1938) (1941)	जान क्रो रैसम
ऑफ ग्रैमेटोलॉजी राइटिंग एण्ड डिफरेंस दि एण्ड ऑफ मैन	- (1978ई.) -	जाक देरिदा
द डेथ ऑफ ऑथर द फैशन सिस्टम		रोला बार्थ

39. 'राइटिंग एंड डिफरेंस' पुस्तक किस आलोचक की है?
(A) मिशेल फूको (B) वर्जीनिया वुल्फ
(C) सिमोन द बुआ (D) जाक देरीदा
उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
ऑफ ग्रैमेटोलॉजी राइटिंग एण्ड डिफरेंस दि एण्ड ऑफ मैन	- 1978 ई. -	जाक देरिदा

40. 'व्योमकेश दरवेश' किस विधा की रचना है?

(A) आत्मकथा (B) संस्मरण
(C) जीवनी (D) डायरी

उत्तर (C)

व्याख्या–'व्योमकेश दरवेश' (2011) विश्वनाथ त्रिपाठी कृत हजारी प्रसाद द्विवेदी की जीवनी है। इस कृति के लिए त्रिपाठी जी को 2013 का व्यास सम्मान प्रदान किया गया है।

41. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम बताइयेः

(A) कृष्णायन, कीर्तिपताका, रामचरितमानस, रामचन्द्रिका
(B) कीर्तिपताका, रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, कृष्णायन
(C) रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, कृष्णायन, कीर्तिपताका
(D) रामचन्द्रिका, रामचरितमानस, कीर्तिपताका, कृष्णायन

उत्तर (B)

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
कीर्ति पताका	13वीं शदी	विद्यापति
रामचरित मानस	1574ई.	तुलसीदास
रामचन्द्रिका	1601ई.	केशवदास
कृष्णायन	1943ई.	द्वारिका प्रसाद मिश्र

42. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(A) साकेत, कामायनी, कुरुक्षेत्र, अंधायुग
(B) कामायनी, कुरुक्षेत्र, साकेत, अंधायुग
(C) साकेत, कुरुक्षेत्र, अंधायुग, कामायनी
(D) अंधायुग, कुरुक्षेत्र, साकेत, कामायनी

उत्तर (A)

काव्य कृति	प्रकाशन वर्ष	कवि	विधा
साकेत	1931ई.	मैथिलीशरण गुप्त	महाकाव्य
कामायनी	1935ई.	जयशंकर प्रसाद	महाकाव्य
कुरुक्षेत्र	1946ई.	रामधारी सिंह दिनकर	प्रबन्धकाव्य
अंधायुग	1955ई.	धर्मवीरभारती	गीतिनाट्य

नोट-हिन्दी साहित्य में 'रामचरित मानस के बाद रामकाव्य का दूसरा स्तम्भ मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत (1931ई.) है। साकेत उर्मिला की उपेक्षा पर लिखा गया है। 'साकेत' शब्द मूलतः पालि भाषा का शब्द है जिसका अर्थ अयोध्या है। इसमें 12 सर्ग है।

43. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम हैः

(A) अनुराग बॉसुरी, मृगावती, ज्ञानदीप, इंद्रावती
(B) ज्ञानदीप, मृगावती, अनुराग बाँसुरी, इंद्रावती
(C) मृगावती, ज्ञानदीप, इंद्रावती, अनुराग बाँसुरी
(D) इंद्रावती, मृगावती, ज्ञानदीप, अनुराग बाँसुरी

उत्तर (C)

व्याख्या-

ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	ग्रंथकार
मृगावती	1501ई.	कुतुबन
ज्ञानदीप	1619ई.	शेखनबी
इन्द्रावती	1744ई.	नूर मुहम्मद
अनुराग बाँसुरी	1764ई.	नूर मुहम्मद

44. जीवनकाल की दृष्टि से निम्नलिखित निबन्धकारों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) रामचन्द्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी
(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, विद्यानिवास मिश्र
(D) विद्यानिवास मिश्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर (B)

व्याख्या–जन्मकाल के अनुसार निबन्धकार का अनुक्रम-
महावीर प्रसाद द्विवेदी (1864-1938 ई.), रामचन्द्र शुक्ल (1884-1941 ई.), हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907-1972 ई.) तथा विद्या निवास मिश्र (1928-2005 ई.) है।

45. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित निबन्ध संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(A) अशोक के फूल, अर्द्धनारीश्वर, आत्मनेपद, शृंखला की कड़ियां
(B) अर्द्धनारीश्वर, आत्मनेपद, शृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल
(C) आत्मनेपद, शृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल, अर्द्धनारीश्वर
(D) शृंखला की कड़ियाँ, अशोक के फूल, अर्द्धनारीश्वर, आत्मनेपद

उत्तर (D

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
शृंखला की कड़ियां	1942ई.	महादेवी वर्मा
अशोक के फूल	1948ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
अद्धनारीश्वर	1952ई.	'दिनकर' रामधारी सिंह
आत्मनेपद	1960ई.	अज्ञेय

46. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(A) परीक्षा गुरु, निस्सहाय हिन्दू, ठेठ हिन्दी का ठाठ, देहाती दुनिया
(B) निस्सहाय हिन्दू, परीक्षा गुरु, ठेठ हिन्दी का ठाठ, देहाती दुनिया
(C) देहाती दुनिया, परीक्षा गुरु, निस्सहाय हिन्दू, ठेठ हिन्दी का ठाठ
(D) ठेठ हिन्दी का ठाठ, देहाती दुनिया, परीक्षा गुरु, निस्सहाय हिन्दू

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
परीक्षा गुरू	1882 ई.	श्रीनिवास दास
निस्सहाय हिन्दू	1890ई.	राधाकृष्ण दास
ठेठ हिन्दी का ठाठ	1899ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
देहाती दुनिया	1926ई.	शिवपूजन सहाय

नोट-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने लाला श्रीनिवास दास कृत 'परीक्षा गुरू' (1882ई.) को अंग्रेजी के ढंग का हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास माना है।

47. रचनाकाल के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी के निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) अनामदास का पोथा, पुनर्नवा, बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख
(B) पुनर्नवा, बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, अनामदास का पोथा
(C) बाणभट्ट की आत्मकथा, चारुचन्द्र लेख, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा
(D) चारुचन्द्र लेख, बाणभट्ट की आत्मकथा, पुनर्नवा, अनामदास का पोथा

उत्तर (C)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907-1971ई.) के उपन्यासों का सही अनुक्रम-
बाणभटट की आत्मकथा (1946ई.) चारूचन्द्र लेख (1963), पुनर्नवा (1973ई.), अनामदास का पोथा (1976ई.) है।

48. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है :

(A) ग्यारह वर्ष का समय, दुलाई वाली, पंच परमेश्वर, दोपहर का भोजन
(B) दुलाई वाली, ग्यारह वर्ष का समय, पंच परमेश्वर, दोपहर का भोजन
(C) दोपहर का भोजन, पंच परमेश्वर, दुलाई वाली, ग्यारह वर्ष का समय
(D) पंच परमेश्वर, दुलाई वाली, ग्यारह वर्ष का समय, दोपहर का भोजन

उत्तर (A)

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
ग्यारह वर्ष का समय	1903ई.	रामचन्द्र शुक्ल
दुलाईवाली	1907ई.	बंग महिला
पंच परमेश्वर	1916ई.	प्रेमचन्द्र
दोपहर का भोजन		अमरकान्त

नोट-लक्ष्मीनारायण लाल ने शिल्प विधि की दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की कहानी 'ग्यारह वर्ष का समय' (1903ई) को हिन्दी की प्रथम कहानी माना है।

49. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(A) स्कंदगुप्त, झाँसी की रानी, चंद्रावली, कबिरा खड़ा बाजार में
(B) चंद्रावली, कबिरा खड़ा बाजार में, स्कंदगुप्त, झाँसी की रानी
(C) झाँसी की रानी, स्कंदगुप्त, चंद्रावली, कबिरा खड़ा बाजार में
(D) चंद्रावली, स्कंदगुप्त, झाँसी की रानी, कबिरा खड़ा बाजार में

उत्तर (D)

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
चंद्रावली	1876ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
स्कन्दगुप्त	1928ई.	जयशंकर प्रसाद
झाँसी की रानी	1948ई.	वृन्दावनलाल वर्मा
कबिरा खड़ा बाजार में	1981ई.	भीष्म साहनी

50. रचनाकाल के आधार पर प्रसाद के निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(A) चन्द्रगुप्त, अजातशत्रु, राज्यश्री, ध्रुवस्वामिनी
(B) अजातशत्रु, राज्यश्री, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
(C) राज्यश्री, अजातशत्रु, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
(D) अजातशत्रु, राज्यश्री, ध्रुवस्वामिनी, चन्द्रगुप्त

उत्तर (C)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम-
सज्जन (1910ई.), कल्याणी परिणय (1912ई.), करुणालय (1913ई.), प्रायश्चित (1913ई.), राज्यश्री (1915ई.), विशाखा (1921ई.), अजातशत्रु (1922ई.), जनमेजय का नागयज्ञ (1926ई.), कामना (1927ई.), स्कन्द गुप्त (1928ई.), एक घूंट (1930ई.) चन्द्रगुप्त (1931ई.), ध्रुवस्वामिनी (1933ई.),
नोट- जयशंकर प्रसाद कृत 'एक घूंट, (1930ई.) को आधुनिक ढंग की प्रथम एकांकी स्वीकार किया जाता है।

51. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :

(A) मेरी जीवन यात्रा, अर्धकथा, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े-टुकड़े दास्तान
(B) अर्धकथा, मेरी जीवन यात्रा, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े-टुकड़े दास्तान
(C) टुकड़े-टुकड़े दास्तान, मेरी जीवन यात्रा, अर्धकथा, क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(D) क्या भूलूँ क्या याद करूँ, टुकड़े-टुकड़े दास्तान, अर्धकथा, मेरी जीवन यात्रा

उत्तर (B)

व्याख्या-

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
अर्धकथा	1641ई.	बनारसीदास जैन
मेरी जीवन यात्रा	1946ई.	राहुल सांकृत्यायन
क्या भूलूँ क्या याद करूँ	1969ई.	हरिवंश राय 'बच्चन'
टुकड़े-टुकड़े दास्तान	1986ई.	अमृतलाल नागर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नोट- (i) अर्धकथा या 'अर्धकथानक (1641ई.) बनारसीदास जैन की आत्मकथा है। यह ब्रजभाषा पद्य में लिखी गई है तथा हिन्दी की प्रथम प्राचीनतम आत्मकथा है।
(ii) डॉ. नागेन्द्र की आत्मकथा अर्धकथा (1988ई.) है।

52. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :
(A) भारत भारती, रस कलश, उर्वशी, शम्बूक
(B) रस कलश, भारत भारती, उर्वशी, शम्बूक
(C) उर्वशी, शम्बूक, भारत भारती, रस कलश
(D) शम्बूक, रस कलश, भारत भारती, उर्वशी
उत्तर (A)

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
भारत-भारती	1912ई.	मैथिलीशरण गुप्त	राष्ट्रीय कविता
रसकलश	1931ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	रीति ग्रंथ
उर्वशी	1961ई.	रामधारी सिंह दिनकर	गीतिनाट्य
शम्बूक		जगदीश गुप्त	काव्य संग्रह

नोट-मैथिलीशरण गुप्त को 'भारत भारती' की रचना की मूल प्रेरणा 'मसद्दसे हाली' तथा ब्रजमोहन दत्तात्रेय कैफी कृत 'भारत दर्पण' से प्राप्त हुई। इन्हें भारत-भारती लिखने पर महात्मा गाँधी ने राष्ट्रकवि की उपाधि दी।

53. रचनाकाल की दृष्टि से निराला की निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :
(A) तुलसीदास, परिमल, नए पत्ते, आराधना
(B) अराधना, परिमल, नए पत्ते, तुलसीदास
(C) नए पत्ते, आराधना, परिमल, तुलसीदास
(D) परिमल, तुलसीदास, नए पत्ते, आराधना
उत्तर (D)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (1899-1961ई.) की काव्य कृतियों का अनुक्रम-
अनामिका (1923ई.), परिमल (1930ई.), गीतिका (1936ई.), तुलसीदास (1938ई.), कुकुरमुत्ता (1942ई.) अणिमा (1943ई.), बेला (1946ई.), नये पत्ते (1946ई.), अर्चना (1950ई.), आराधना (1953ई.), गीतगुंज (1954ई.), सांध्य कॉकली (1969ई.) है।
नोट-निराला की पहली कविता जूही की कली (1916ई.) तथा अन्तिम कविता "पत्रोंकंठित जीवन का विष बुझा हुआ" है।

54. रचनाकाल के आधार पर निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है :
(A) रागदरबारी, धरती धन न अपना, महाभोज, झीनी झीनी बीनी चदरिया
(B) महाभोज, राग दरबारी, धरती धन न अपना, झीनी झीनी बीनी चदरिया
(C) धरती धन न अपना, झीनी झीनी बीनी चदरिया, महाभोज, राग दरबारी
(D) राग दरबारी, महाभोज, धरती धन न अपना, झीनी झीनी बीनी चदरिया
उत्तर (A)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
रागदरबारी	1968ई.	श्रीलाल शुक्ल
धरती धन न अपना	1972ई.	जगदीशचन्द्र
महाभोज	1979ई.	मन्नू भण्डारी
झीनी-झीनी बीनी चदरिया	1986ई.	अब्दुल बिस्मिल्लाह

नोट-महाभोज (1979 ई.), मन्नू भण्डारी का उपन्यास है जबकि महाभोज (1982 ई.), मन्नू भण्डारी का ही नाटक है। यह उपन्यास का ही नाट्य रूपान्तर है।

55. हिन्दी भाषा के विकास का सही क्रम है
(A) पालि, प्राकृत, संस्कृत, अपभ्रंश
(B) संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश
(C) संस्कृत, अपभ्रंश, पालि, प्राकृत
(D) अपभ्रंश, संस्कृत, प्राकृत, पालि
उत्तर (B)

व्याख्या–हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम -
संस्कृत
(1500ई.पू.- 500 ई.पू. तक)
↓
पालि
(500 ई.पू.- 1 ई. तक)
↓
प्राकृत
(1ई.- 500 ई. तक)
↓
अपभ्रंश
↓
(500 ई. - 1000 ई. तक)
↓
हिन्दी (आधुनिक भारतीय भाषायें)
(1000 ई.-अब तक)

56. निम्नलिखित कवियों को उनके काव्य-संग्रहों के साथ सुमेलित कीजिए :
(A) बालकृष्ण शर्मा नवीन — (i) हिमतरंगिणी
(B) रामनरेश त्रिपाठी — (ii) प्रवासी के गीत
(C) माखनलाल चतुर्वेदी — (iii) हम विषपायी जनम के
(D) सोहनलाल द्विवेदी — (iv) पथिक
(v) भैरवी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	iii	ii
(B)	i	ii	iii	iv

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) iii iv i v
(D) ii i iii iv

उत्तर (C)

व्याख्या-		
काव्यग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**कवि**
हम विषपायी जनम के		बालकृष्ण शर्मा नवीन
'पथिक'	1929ई.	रामनरेश त्रिपाठी
हिमतरंगिणी	1948ई.	माखन लाल चतुर्वेदी
भैरवी	1951ई.	सोहनलाल द्विवेदी
प्रवासी के गीत	1938ई.	नरेन्द्र शर्मा

57. निम्नलिखित साहित्यकारों को उनके द्वारा सम्पादित पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र — (i) आनंद कादम्बिनी
(B) अंबिकादत्त व्यास — (ii) हिन्दी प्रदीप
(C) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' — (iii) ब्राह्मण
(D) बालकृष्ण भट्ट — (iv) कवि वचन सुधा
(v) पियूष प्रवाह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	i	v
(D)	iii	i	ii	iv

उत्तर (A)

व्याख्या-			
पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
कविवचनसुधा	1868ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.,पा.,सा./काशी
पीयूष प्रवाह	1884ई.	अम्बिकादत्त व्यास	दैनिक/काशी
आनन्द कादम्बिनी	1881ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'	मासिक/मिर्जापुर
हिन्दी प्रदीप	1877ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
ब्राह्मण	1883ई.	प्रताप नारायण मिश्र	मासिक/कानपुर

58. निम्नलिखित उपन्यासकारों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) भीष्म साहनी — (i) कटरा वी आरजू
(B) श्रीलाल शुक्ल — (ii) तमस
(C) राही मासूम रजा — (iii) शहर में कर्फ्यू
(D) शिव प्रसाद सिंह — (iv) राग दरबारी
(v) वैतरणी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	i	iii	iv	v
(C)	ii	iv	i	v
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर (C)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
तमस	1973ई.	भीष्म साहनी
रागदरबारी	1968ई.	श्रीलाल शुक्ल
कटरा बी आरजू	1978ई.	राही मासूम रजा
अलग-अलग वैतरणी	1967ई.	शिव प्रसाद सिंह
शहर में कर्फ्यू	1986ई.	विभूति नारायण राय

59. निम्नलिखित आलोचना ग्रंथों को उनके आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) रस मीमांसा — (i) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(B) नाथ सम्प्रदाय — (ii) नंददुलारे वाजपेयी
(C) आस्था और सौन्दर्य — (iii) रामचंद्र शुक्ल
(D) हिन्दी साहित्य:बीसवीं शताब्दी — (iv) रामविलास शर्मा
(v) देवीशंकर अवस्थी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर (B)

व्याख्या-		
आलोचना ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आलोचक**
रस मीमांसा	1949ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
नाथ सम्प्रदाय	1950ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
आस्था और सौन्दर्य	1961ई.	रामविलास शर्मा
हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	1942ई.	नन्ददुलारे वाजपेयी
साहित्य विधाओं की प्रकृति	1998ई.	देवीशंकर अवस्थी

60. निम्नलिखित पात्रों को उनके उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) गोबर — (i) नदी के द्वीप
(B) भुवन — (ii) बाणभट्ट की आत्मकथा
(C) महामाया — (iii) मृगनयनी
(D) कुमारगिरि — (iv) गोदान
(v) चित्रलेखा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	ii	v
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	iv	iii	v	ii

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-			
उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	पात्र	उपन्यासकार
गोदान	1936ई.	गोबर, धुनिया, गोविन्दी, दातादीन, मालती, मेहता भोला, खन्ना, राय साहब	प्रेमचन्द्र
नदी के द्वीप	1951ई.	भुवन, गौरा, रेखा, हेमेन्द्र, चन्द्रमोहन, डा. रमेश	अज्ञेय
बाण भट्ट की आत्मकथा	1946ई.	निउनिया (निपुणिका) सुचारिता महामाया, तुवर मिलिन्द	हजारी प्रसाद द्विवेदी
चित्रलेखा	1934ई.	बीजगुप्त, कुमार गिरि, चाणक्य, चित्रलेखा	भगवती चरण वर्मा
मृगनयनी	1950ई.	मृगनयनी, मानसिंह, अटल, लाखी, गयासुद्दीन	वृन्दावन लाल वर्मा

61. निम्नलिखित पात्रों को उनके काव्यों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) प्रियंवदा (i) प्रलय की छाया
(B) कमला (ii) उर्वशी
(C) औशीनारी (iii) आत्मजयी
(D) नचिकेता (iv) असाध्यवीणा
(v) अंधायुग

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	v
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	ii	iii	v	i

उत्तर (B)

व्याख्या-		
काव्य	पात्र	काव्यकार
असाध्यवीणा	प्रियंवदा	अज्ञेय
प्रलय की छाया	कमला	जयशंकर प्रसाद
उर्वशी	औशीनरी	रामधारी सिंह दिनकर
आत्मजयी	नचिकेता	कुँवर नारायण
अंधायुग	प्रमथ्यु	धर्मवीर भारती

62. निम्नलिखित सिद्धांतों को उनके विचारकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) अभिव्यंजनावाद (i) टी.एस. इलियट
(B) आभिजात्यवाद (ii) सार्त्र
(C) आस्तित्ववाद (iii) जाक देरीदा
(D) विखण्डनवाद (iv) क्रोचे
(v) मैथ्यू आर्नल्ड

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	v	iii	ii	i
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर (D)

सिद्धान्त	विचारक	जन्म-मृत्यु
अभिव्यंजनावाद	क्रोचे	1866-1952(इटली)
अभिजात्यवाद	टी.एस. इलियट	1888-1965 (अमेरिका)
अस्तित्ववाद	सार्त्र	
विखण्डनवाद	जाक देरिदा	1930-2004 (अल्जीरिया)
नव्य अभिजात्यवाद	मैथ्यूआर्नल्ड	

63. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) फणीश्वरनाथ रेणु (i) दोपहर का भोजन
(B) अमरकांत (ii) ठेस
(C) उषा प्रियंवदा (iii) परदा
(D) यशपाल (iv) वापसी
(v) पुरस्कार

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	v	iv	iii
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	ii	v	iv	iii
(D)	ii	v	iv	i

उत्तर (B)

कहानी	कहानीकार
ठेस	फणीश्वर नाथ 'रेणु'
दोपहर का भोजन	अमरकान्त
वापसी	उषा प्रियंवदा
परदा	यशपाल
पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद

64. निम्नलिखित निबंधों को उनके निबंधकारों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) मजदूरी और प्रेम (i) कुबेरनाथ राय
(B) कुटज (ii) अध्यापक पूर्ण सिंह
(C) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (iii) विद्यानिवास मिश्र
(D) लोभ और प्रीति (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(v) रामचंद्र शुक्ल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	iii	v
(B)	iv	ii	iii	i

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) v ii iv iii
(D) iv ii iii v
उत्तर (A)

व्याख्या-	
निबन्ध	**निबन्धकार**
मजदूरी और प्रेम	अध्यापक पूर्ण सिंह
कुटज	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	विद्यानिवास मिश्र
लोभ और प्रीति	रामचन्द्र शुक्ल
रस आखेटक	कुबेरनाथ राय

65. निम्नलिखित उक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) मैं उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र समझता हूँ। — (i) महादेवी वर्मा
(B) अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन है — (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) करुणा सेंत का सौदा नहीं है। — (iii) प्रेमचंद
(D) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है। — (iv) जयशंकर प्रसाद
(v) रामचंद्र शुक्ल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	ii
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	i	ii	iv	iii

उत्तर (A)

व्याख्या	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
मैं उपन्यास को .....समझता हूँ।	प्रेमचन्द्र
अधिकार सुख ....सारहीन है।	जयशंकर प्रसाद
करुणा .... नहीं है	रामचन्द्र शुक्ल
मनुष्य ही ....लक्ष्य है	हजारी प्रसाद द्विवेदी
काव्य या कला का सत्य जीवन की परिधि में सौन्दर्य के माध्यम द्वारा व्यक्त अखण्ड सत्य है	महादेवी वर्मा

कथोपकथन

66. स्थापना (Assertion) A : साहित्य सामूहिक अवचेतन का निषेध है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि साहित्य में सिर्फ व्यक्ति मन की अभिव्यक्ति होती है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही, (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (B)

व्याख्या–साहित्य सामूहिक अवचेतन का निषेध नहीं बल्कि यह अवचेतन की संस्कृति है। साहित्य में सिर्फ व्यक्ति मन की ही अभिव्यक्ति नहीं होती है। इसमें सभी मानव, जीव जगत, प्रकृति,समाज, इत्यादि आते हैं।

67. स्थापना (Assertion) A : विषमता और दुख-सुख का द्वंद्व विकास का मूलाधार है।
तर्क **(Reason) R : क्योंकि समता से विकास असंभव है।**

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (A)

व्याख्या–विकास, जीवन के दो पहलू दुख और सुख के द्वन्द्व से ही निःसृत (निकलता) होता है। विकास समानता और असमानता दोनों पर निर्भर करता है क्योंकि जब तक तुलनात्मक प्रक्रिया की अवधारणा विकासत्मकता प्रक्रिया का निर्धारण करता है।

68. स्थापना (Assertion) : कला सामाजिक अनुपयोगिता की अनुभूति के विरुद्ध अपने को प्रमाणित करने का प्रयत्न है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कलाकार सामाजिक अभावों के खिलाफ संघर्ष करता है

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही, (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर (D)

व्याख्या–जिसे समाज अनुपयोगी मानता है, कला उसी को प्रमाणित करने का प्रयास करती है तथा इसे सिद्ध करने के लिए कलाकार सामाजिक अनुपलब्धता के खिलाफ संघर्ष करता है। कलाकार के माध्यम से ही समाज का चित्रण किया जाता है।

69. स्थापना (Assertion) A : सौन्दर्य बाहर की कोई वस्तु नहीं, मन के भीतर की वस्तु है।
तर्क (Reason) R : कारण कि सौन्दर्य की सत्ता मन के बाहर नहीं होती है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही, (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–सम्पूर्ण सौन्दर्य बाह्य तथा आन्तरिक का योग है। वास्तव में सौन्दर्य की कसौटी आन्तरिक कसौटी ही है। आन्तरिक सौन्दर्य का अर्थ है, मानव के मन, व्यवहार, सोच, आदि होता है।

70. **स्थापना (Assertion) A : नारीवाद का एक उद्देश्य पुरुष-सत्ता का निषेध है।**
तर्क (Reason) R : **क्योंकि नारीवाद का एकमात्र उद्देश्य यही है।**
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–'नारीवाद' के उद्देश्यों में एक उद्देश्य 'पुरुष सत्ता का निषेध' है। नारीवाद के कई उद्देश्य हैं। जैसे, आर्थिक , सामाजिक, राजनीतिक, इत्यादि सभी क्षेत्रों में समान या समुचित भागीदारी हो।

71. **स्थापना (Assertion) A : प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट विकाय।**
तर्क (Reason) R : **क्योंकि प्रेम दो कौड़ी का होता है।**
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही, (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या–प्रेम एक संवेदना है। यह मानवीय मनोवृत्तियों का परिणाम है। प्रेम मनुष्य (स्त्री/पुरुष) के आन्तरिक मन से उत्पन्न होता है तथा इसकी उत्पत्ति स्वतः होती है। प्रेम को बेचा या खरीदा नहीं जा सकता क्योंकि प्रेम मानव की तथा मानव जीवन में एक अमूल्य निधि है।

72. **स्थापना (Assertion) A : स्थायी साहित्य जीवन की चिरन्तन समस्याओं का समाधान है।**
तर्क (Reason) R : **क्योंकि स्थायी साहित्य का लोक जीवन की तात्कालिक समस्याओं से कोई संबंध नहीं होता।**
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही, (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या–स्थायी साहित्य जीवन की दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान है तथा इसका सम्बन्ध लोक जीवन की तात्कालिक समस्याओं से सम्बद्ध होता है।

73. **स्थापना (Assertion) A : लोकहृदय में हृदय के लीन होने का नाम रसदशा है।**
तर्क (Reason) R : इसलिए साधारणीकरण के लिए कवि का लोकधर्मी होना आवश्यक नहीं है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–लोक हृदय में हृदय के लीन होने का नाम रसदशा है। साधारणीकरण के लिए कवि को लोकधर्मी होना आवश्यक है। साधारणीकरण की अवधारणा आचार्य भट्ट नायक ने दिया था।

74. **स्थापना (Assertion) A : भारतेन्दु युग आधुनिकता का प्रवेशद्वार है।**
तर्क (Reason) R : क्योंकि भारतेन्दु युगीन कविता में मध्यकालीन भावबोध का नितांत अभाव है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य में आधुनिकता की शुरुआत भारतेन्दु युग से होती है। इस युग में मध्यकालीन (भक्ति एवं रीति) से सम्बन्धित साहित्य भी रचा जा रहा था। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को आधुनिक हिन्दी का जनक कहा जाता है।

75. **स्थापना (Assertion) A : रस ब्रह्मास्वाद सहोदर है।**
तर्क (Reason) R : **क्योंकि रस में लौकिक विषयों का सर्वथा तिरोभाव होता है।**
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (B)

व्याख्या–रस ब्रह्मास्वाद या ब्रह्मानंद सहोदर माना जाता है। रस में लौकिक विषयों का आविर्भाव होता है। रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक भरतमुनि हैं। उनके अनुसार-
"विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः।"

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2012

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजए।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. 'खड़ी बोली' के लिए सुनीतिकुमार चटर्जी ने किस शब्द का प्रयोग किया है?

(A) जनपदीय हिन्दुस्तानी (B) वर्नाक्युलर हिन्दुस्तानी
(C) कौरवी (D) रेख्ता

उत्तर – (A)

व्याख्या–खड़ी बोली के लिये सुनीति कुमार चटर्जी ने जनपदीय हिन्दुस्तानी का प्रयोग किया है। खड़ी बोली के लिए जार्ज ग्रियर्सन ने वर्नाक्युलर हिन्दुस्तानी का प्रयोग किया है।

2. हिन्दी वर्णमाला में 'अं' और 'अः' क्या है?

(A) स्वर (B) व्यंजन (C) अयोगवाह (D) संयुक्ताक्षर

उत्तर – (C)

व्याख्या–हिन्दी वर्णमाला में अं और अः न ही स्वर में और न ही व्यंजन में आते हैं। इसलिए इन्हें अयोगवाह कहा जाता है। 'अं' को अनुस्वर तथा अः को विसर्ग भी कहते हैं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

3. 'पउमचरिउ' किसकी रचना है?

(A) अब्दुल रहमान (B) विद्यापति
(C) स्वयम्भू (D) चन्दबरदायी

उत्तर – (C)

व्याख्या–पउमचरिउ (रामकथा), रिठ्ठणेमिचरउ (हरिवंशपुराण-कृष्णकथा) तथा स्वयंभूछन्द जैनाचार्य स्वयंभू की रचना है। यह अपभ्रंश के कवि माने जाते हैं। इन्हें अपभ्रंश का बाल्मीकि कहा जाता है। अब्दुल रहमान द्वारा रचित एक मात्र ग्रंथ संदेशरासक है जिसकी रचनाकाल 12वीं शदी का उत्तरार्ध तथा 13वीं शताब्दी का पूर्वाध माना जाता है। हिन्दी में लिखा जाने वाला यह पहला धर्मेत्तर रस ग्रंथ है, इसमें विक्रमपुर की एक वियोगिनी के विरह का वर्णन है। संदेशरासक एक खण्ड काव्य है। किसी मुसलमान द्वारा हिन्दी में लिखा जाने वाला पहला ग्रंथ है। चन्दबरदाई द्वारा लिखित एकमात्र रासो काव्य पृथ्वीराज रासो है। यह प्रबन्ध शैली तथा डिंगल भाषा में लिखा जाने वाला वीर तथा शृंगार काव्य है। चन्दबरदाई हिन्दी के प्रथम महाकवि तथा पृथ्वीराज रासो हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है। पृथ्वीराज रासो में 68 छन्दों का प्रयोग किया गया है तथा चन्दबरदाई को 'छप्पय छंद' का विशेषज्ञ माना जाता है। विद्यापति संस्कृत अवहट्ट तथा मैथिली भाषा में रचना करने वाले प्रथम कवि हैं। विद्यापति तिरहुत के राजा शिवसिंह और कीर्ति सिंह के राजदरबारी कवि थे। विद्यापति को शृंगारी, भक्त, एवं रहस्यवादी कवि माना जाता है।

4. गोस्वामी तुलसीदास की रचना 'कवितावली' किस भाषा की रचना है?

(A) अवधी (B) ब्रजभाषा
(C) मैथिली (D) बुन्देली

उत्तर – (B)

व्याख्या-तुलसीदास की रचनाओं की भाषा-

अवधी भाषा	**ब्रजभाषा**
रामचरित मानस	कवितावली (कवित्त रामायण)
पार्वती मंगल	दोहावली रामायण
जानकी मंगल	गीतावली (पदावली रामायण)
बरवै रामायण (बरवा)	विनयपत्रिका (विनयावली, रामगीतावाली)
रामाज्ञा प्रश्न (दोहावली रामायण)	कृष्णगीतावली
राम लला नहछू	वैराग्य संदीपनी

नोट-तुलसीदास द्वारा बाहु पीड़ा से पीड़ित होने पर लिखा जाने वाला काव्य हनुमान बाहुक, कवितावली या कवित्तावली में ही रखा गया है।

5. छायावाद को 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह किसने कहा है?

(A) सुमित्रानन्दन पन्त (B) डॉ. नागेन्द्र
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) जयशंकर प्रसाद

उत्तर – (B)

व्याख्या–छायावाद के सम्बन्ध में विभिन्न विद्वानों के कथन-

(i) "छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है।" **-डॉ. नागेन्द्र**

(ii) "जब वेदना के आधार पर स्वानुभूतिमयी अभिव्यक्ति होने लगी तब हिन्दी में उसे छायावाद के नाम से अभिहित किया गया।"
-जयशंकर प्रसाद

(iii) छायावाद शब्द का प्रयोग दो अर्थों में समझना चाहिए एक तो रहस्यवाद के अर्थ में, दूसरा इसका सम्बन्ध काव्यवस्तु से है, अर्थात् जहाँ कवि उस अनन्त और अज्ञात प्रियतम की आलम्बन बनाकर अत्यन्त चित्रमयी भाषा में प्रेम की अनेक प्रकार से व्यंजना करता है।"
-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iv) "छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह नहीं रहा।"
-डॉ. रामविलास शर्मा

6. निम्नलिखित में से कौन 'मिश्र बन्धुओं' में नहीं है?

(A) कृष्णबिहारी मिश्र (B) श्यामबिहारी मिश्र
(C) गणेशबिहारी मिश्र (D) शुकदेव बिहारी मिश्र

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–श्याम बिहारी मिश्र, गणेश बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र, तीनों भाई थे जो कि मिश्र बन्धु के नाम से जाने जाते हैं। 'मिश्रबन्धु विनोद' (इतिहास ग्रंथ) (1913, 1934), हिन्दी नवरत्न (1910), नेत्रो-मीलन, इत्यादि इनकी रचनाएँ हैं।
जबकि कृष्ण बिहारी मिश्र इनमें शामिल नहीं हैं। कृष्ण बिहारी मिश्र की रचना 'देव और बिहारी' इनकी आलोचना कृति है।
नोट-मिश्रबन्धु विनोद (इतिहास ग्रंथ) चार भागों में विभक्त है जिसके प्रथम तीन भाग का प्रकाशन सन् 1913 ई. में तथा चतुर्थ भाग का 1934 ई. में प्रकाशन हुआ।

7. सूफी प्रेमाख्यानक काव्य- परम्परा में 'आराध्य' को प्राय: किस रूप में देखा गया है?
(A) गुरू के रूप में (B) प्रेमी के रूप में
(C) सखा के रूप में (D) प्रेमिका के रूप में
उत्तर – (D)

व्याख्या–सूफी प्रेमाख्यानक परम्परा में 'आराध्य' या 'परमात्मा' को प्रेमिका के रूप में देखा गया है। जबकि 'आराधक' या 'आत्मा' को प्रेमी के रूप में। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने स्त्री तथा पुरुष को क्रमशः 'परमात्मा' तथा 'आत्मा' का प्रतीक माना है। सूफी प्रेमाख्यानक परम्परा के प्रमुख कवि मलिक मुहम्मद जायसी को माना जाता है।

8. निम्नलिखित में से कौन 'तार सप्तक' का कवि नहीं है?
(A) शमशेर बहादुर सिंह (B) गिरिजाकुमार माथुर
(C) मुक्तिबोध (D) प्रभाकर माचवे
उत्तर – (A)

व्याख्या–गिरिजा कुमार माथुर, प्रभाकर माचवे तथा मुक्तिबोध तार सप्तक (1943) के कवि हैं। जबकि शमशेर बहादुर सिंह दूसरा सप्तक (1951ई.) के कवि हैं।

9. 'शिवपालगंज' किस उपन्यास से संबंधित हैं?
(A) विश्रामपुर का सन्त (B) राग दरबारी
(C) आधा गाँव (D) मैला आँचल
उत्तर – (B)

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	सम्बन्धित स्थान	उपन्यासकार
विश्रामपुर का संत	1998		श्रीलाल शुक्ल
रागदरबारी	1968	शिवपाल गंज	श्रीलाल शुक्ल
आधा गाँव	1966	गंगोली	राही मासूम रजा
मैला आँचल	1954	पूर्णिया/ मेरीगंज	फणीश्वर नाथ रेणु

10. ''दो राह, समय के रथ का घर्घर नाद सुनो
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।''
उपर्युक्त पंक्तियाँ किसकी कविता से उद्धृत है?
(A) शिवमंगल सिंह 'सुमन' (B) रामधारी सिंह दिनकर
(C) मैथिलीशरण गुप्त (D) जानकीवल्लभ शास्त्री
उत्तर – (B)

पंक्ति	पंक्तिकार
''दो राह, समय के ....जनता आती है।''	रामधारी सिंह 'दिनकर' (जनतंत्र का जन्म)
अबला जीवन हाय! तुम्हारी यही कहानी आँचल में है दूध और आँखों में पानी।	मैथिलीशरण गुप्त (यशोधरा)

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

11. 'अन्धायुग' किस नाट्यविधा के अन्तर्गत आता है?
(A) गीतिनाट्य (B) नाटक (C) रूपक (D) प्रहसन
उत्तर – (A)

व्याख्या–अन्धायुग (1955ई.) धर्मवीर भारती की गीति नाट्य विधा की रचना है। इसे काव्य-नाट्य भी कहा जाता है।

12. हिन्दी के किस आलोचक ने 'देवरानी जेठानी की कहानी' को हिन्दी का प्रथम उपन्यास माना है?
(A) नामवर सिंह (B) रामविलास शर्मा
(C) विजय मोहन सिंह (D) गोपाल राय
उत्तर – (D)

व्याख्या–पं. गौरीदत्त कृत देवरानी जेठानी की कहानी (1870ई.) को गोपाल राय ने हिन्दी का प्रथम उपन्यास माना है। हिन्दी में अंग्रेजी ढंग का प्रथम मौलिक उपन्यास लाला श्रीनिवास का 'परीक्षा गुरू' (1882) माना जाता है।

13. 'शिखर से सागर तक' -किस रचनाकार की जीवनी है?
(A) निराला (B) मुक्तिबोध
(C) अज्ञेय (D) धर्मवीर भारती
उत्तर – (C)

व्याख्या-

जीवनी	प्रकाशन वर्ष	सम्बन्धित व्यक्ति	जीवनीकार
शिखर से सागर तक	1986 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	रायकमल राय
निराला की साहित्य साधना	1969 ई.	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	रामविलास शर्मा
मुक्तिबोध की आत्मकथा	1984 ई.	मुक्तिबोध	विष्णुचंद शर्मा

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

14. 'रस गंगाधर' के रचयिता कौन हैं?
(A) अभिनवगुप्त (B) दण्डी
(C) पंडितराज जगन्नाथ (D) आचार्य विश्वनाथ
उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
रस गंगाधर	पंडित राज जगन्नाथ
काव्यदर्श	दण्डी
तन्त्रालोक	अभिनव गुप्त
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

15. भरत मुनि के अनुसार काव्य में कुल कितने गुण होते हैं?
(A) दस (B) पाँच (C) तीन (D) सात
उत्तर – (A)

व्याख्या–भरतमुनि ने गुणों की संख्या '10' मानी है- (श्लेष, प्रसाद, समता, समाधि, माधुर्य, ओज, पद सौकुमार्य, अर्थव्यक्ति, उदारता, कांति।) मम्मट, भामह तथा आनन्दवर्धन ने गुणों की संख्या तीन मानी है - (माधुर्य, ओज, प्रसाद)।

16. 'समालोचनादर्श' के शीर्षक से 'एस्से ऑन क्रिटिसिज्म' का अनुवाद किसने किया?
(A) रामचंद्र शुक्ल (B) डॉ. नागेन्द्र
(C) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' (D) रमेश कुन्तल मेघ
उत्तर – (C)

व्याख्या जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' ने पोप के 'एस्से ऑन क्रिटिसिज्म' का समालोचनादर्श (1897 ई.) नाम से पद्यात्मक अनुवाद किया।

तथ्य विविधा

17. निम्नलिखित इतिहास ग्रन्थों का कालक्रमानुसार सही क्रम कौन सा है?
(A) मिश्रबन्धु विनोद - मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान शिवसिंह सरोज - इस्त्वार द ल लितरेत्यूर ऐंदुई ए ऐंदूस्तानी
(B) इस्त्वार द ल लितरेत्यूर ऐंदुई ऐ ऐंदूस्तानी - शिवसिंह सरोज - मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान - मिश्रबन्धु विनोद
(C) शिवसिंह सरोज - इस्त्वार द ल लितरेत्यूर एंदुई ऐ ऐंदूस्तानी - मिश्रबन्धु विनोद - मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान
(D) मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दर्न हिन्दुस्तान- इस्त्वार द ल लितरेत्यूर ऐंदुई ऐ ऐंदूस्तानी - शिवसिंह सरोज - मिश्रबन्धु विनोद
उत्तर – (B)

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी (दोभाग)	प्रथम भाग -1839 द्वितीय भाग- 1847	गार्सा द तासी
शिव सिंह सरोज	1883 ई.	शिव सिंह सेंगर
मार्डन वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ नार्दन हिन्दुस्तान	1888 ई.	जार्ज ग्रियर्सन
मिश्र बन्धु विनोद	1913 ई.	मिश्रबन्धु

18. नवजागरण कालीन सुधारवादी संस्थाओं के शुरुआत का सही क्रम कौन सा है?
(A) ब्रह्म समाज- प्रार्थना समाज- आर्य समाज- रामकृष्ण मिशन
(B) रामकृष्ण मिशन- आर्य समाज- ब्रह्म समाज- प्रार्थना समाज
(C) प्रार्थना समाज- आर्य समाज- रामकृष्ण मिशन- ब्रह्म समाज
(D) आर्य समाज- ब्रह्म समाज- प्रार्थना समाज- रामकृष्ण मिशन
उत्तर – (A)

संस्था	स्थापना वर्ष	संस्थापक
ब्रह्म समाज	1828 ई.	राजा राममोहन राय
प्रार्थना समाज	1867 ई.	महादेव गोविन्द रानाडे
आर्य समाज	1867 ई.	दयानन्द सरस्वती
रामकृष्ण मिशन	1897 ई.	स्वामी विवेकानन्द

19. छायावादी काव्यधारा के प्रमुख स्तम्भों का जन्मतिथि के आधार पर सही क्रम कौन सा है?
(A) सुमित्रानन्दन पंत- जयशंकर प्रसाद-सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'- महादेवी वर्मा
(B) जयशंकर प्रसाद-सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-सुमित्रानन्दन पंत- महादेवी वर्मा
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- महादेवी वर्मा- जयशंकर प्रसाद- सुमित्रानन्दन पंत
(D) महादेवी वर्मा -जयशंकर प्रसाद- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -सुमित्रानन्दन पंत
उत्तर – (B)

व्याख्या–छायावादी स्तम्भों का जन्मतिथि के अनुसार अनुक्रम- जयशंकर प्रसाद (1889- 1937), सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (1899-1961) सुमित्रानन्दन पंत (1900-1977) और महादेवी वर्मा, (1907-1987) है। ये सभी छायावादी रचनाकार हैं।

20. प्रकाशन की दृष्टि से निम्न काव्य कृतियों का सही क्रम क्या है?
(A) गीत फरोश-युगवाणी-हरी घास पर क्षण भर-कुकुरमुत्ता
(B) कुकुरमुत्ता-हरी घास पर क्षण भर-युगवाणी-गीत फरोश
(C) हरी घास पर क्षण भर-कुकुरमुत्ता-युगवाणी-गीत फरोश
(D) युगवाणी-कुकुरमुत्ता-हरी घास पर क्षण भर-गीत फरोश
उत्तर – (D)

कृति	प्रकाशन वर्ष	कृतिकार
युगवाणी	1939 ई.	सुमित्रानन्दन पंत
कुकुरमुत्ता	1942 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
हरी घास पर क्षण भर	1949 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
गीत फरोश	1956 ई.	भवानी प्रसाद मिश्र

21. निराला के उपन्यास का प्रकाशन की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) अप्सरा-अलका-निरूपमा-प्रभावती
(B) प्रभावती-निरूपमा-अप्सरा-अलका
(C) निरूपमा-अलका-प्रभावती-अप्सरा
(D) अलका-अप्सरा-निरूपमा-प्रभावती
उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (1899-1965) के उपन्यासों का अनुक्रम - अप्सरा (1931), अलका (1933), निरूपमा (1936), प्रभावती (1936), चोटी की पकड़, काले कारनामें (1950) है।

22. आधुनिक हिन्दी कविता के प्रमुख आन्दोलन का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) प्रगतिवाद- प्रयोगवाद- नयी कविता- अकविता
(B) प्रयोगवाद- प्रगतिवाद- अकविता- नयी कविता
(C) नयी कविता- प्रगतिवाद- प्रयोगवाद- अकविता
(D) अकविता- प्रगतिवाद- प्रयोगवाद- नयी कविता

उत्तर – (A)

व्याख्या-कविता आन्दोलनों का सही अनुक्रम-

प्रमुख आन्दोलन	स्थापना वर्ष	आन्दोलनकर्ता
प्रगतिवाद	1936 ई.	मुल्कराज आनंद एवं सज्जाद जहीर
प्रयोगवाद	1943 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
नयी कविता	1954 ई.	जगदीश गुप्त
अकविता	1965 ई.	श्याम परमार

नोट-जगदीश चतुर्वेदी ने सन् 1964 ई. में डॉ. इन्द्रनाथ मदान एवं रमेश कुन्तल 'मेघ' द्वारा सम्पादित 'अभिव्यक्ति' में 'अभिनव काव्य' को एक नया नाम 'एंटी पोइट्री' या अकविता दिया।

23. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख काव्यशास्त्रियों का सही क्रम क्या है?

(A) आनन्दवर्धन-भरत मुनि-जगन्नाथ-विश्वनाथ
(B) भरत मुनि-आनन्दवर्धन-विश्वनाथ-जगन्नाथ
(C) जगन्नाथ-विश्वनाथ-आनन्दवर्धन-भरत मुनि
(D) विश्वनाथ-आनन्दवर्धन-भरत मुनि-जगन्नाथ

उत्तर – (B)

व्याख्या–काव्यशास्त्रियों का जीवनक्रम के अनुसार सही अनुक्रम-
भरतमुनि (दूसरी शती ई.पू.-दूसरी शती ई.)
आनन्दवर्धन-(9वीं शती का मध्य।
विश्वनाथ (14वीं शती)
जगन्नाथ (17वीं शती)

24. प्रकाशन वर्ष के आधार पर निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) आँवा- चाक- आपका बंटी- रुकोगी नहीं राधिका
(B) आपका बंटी- आँवा- रुकोगी नहीं राधिका- चाक
(C) रुकोगी नहीं राधिका- आपका बंटी- चाक- आँवा
(D) चाक- आँवा- रुकोगी नहीं राधिका- आपका बंटी

उत्तर – (C)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
रुकोगी नहीं राधिका	1967 ई.	उषा प्रियंवदा
आपका बंटी	1971 ई.	मन्नू भण्डारी
चाक	1997 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
आँवा	1999 ई.	चित्रा मुद्गल

नोट-आँवा (1999), चित्रा मुद्गल के उपन्यास के लिए 2003 में व्यास सम्मान से पुरस्कृत किया गया है।

25. प्रेमाख्यान काव्य परम्परा की प्रमुख रचनाओं का सही क्रम क्या है?

(A) चन्दायन-मृगावती-पद्मावत-मधुमालती
(B) मधुमालती-मृगावती-चन्दायन-पद्मावत
(C) पद्मावत-चन्दायन-मृगावती-मधुमालती
(D) मृगावती-पद्मावत-मधुमालती-चन्दायन

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
चन्दायन	1379 ई	मुल्ला दाऊद
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
पद्मावत	1540 ई.	जायसी
मधुमालती	1645 ई.	मंझन

26. निम्नलिखित रचनाकारों के साथ उनकी रचनाओं का सुमेलन कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द	(i) भाषा और संवेदना
(B) लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	(ii) फोर्ट विलियम-कालेज
(C) मिश्रबंधु	(iii) भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश
(D) रामविलास शर्मा	(iv) भूगोल हस्तामलक
	(v) हिन्दी नवरत्न

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	ii
(B)	ii	iii	i	v
(C)	iv	ii	v	iii
(D)	i	iii	iv	v

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
भूगोल हस्तामलक	राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द'
फोर्ट विलियम कालेज	लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
हिन्दी नवरत्न	मिश्र बन्धु
भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश	रामविलाश शर्मा
भाषा और संवेदना	रामस्वरूप चतुर्वेदी

27. निम्नलिखित रचनाकारों के साथ उनकी रचनाओं का सुमेलन कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर	(i) राउल वेल
(B) दामोदर भट्ट	(ii) उक्ति व्यक्ति प्रकरण
(C) नरपति नाल्ह	(iii) बीसलदेव रासो
(D) रोड	(iv) वर्ण रत्नाकर
	(v) खुमान रासो

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	i	iii	iv	ii
(C)	ii	i	iii	iv
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
वर्ण रत्नाकर	14वीं शती	ज्योतिरीश्वर ठाकुर
उक्ति व्यक्ति प्रकरण	12वीं शती	दामोदर भट्ट
बीसलदेव रासो	1155ई.	नरपति नाल्ह
राउल वेल	10वीं शती	रोड़ा/रोड़
खुमाण रासो	9वीं शती	दलपति विजय

28. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	**सूची II**
(A) सुमित्रानन्दन पंत	(i) कविप्रिया
(B) घनानन्द	(ii) मृगावती
(C) केशवदास	(iii) इश्कलता
(D) कुतुबन	(iv) ग्राम्या
	(v) लहर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	ii	i	iv	v
(D)	iv	iii	i	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
ग्राम्या	1940 ई.	सुमित्रानन्दन पंत
इश्कलता	-	घनानन्द
कविप्रिया	1601 ई.	केशवदास
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
लहर	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद

29. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	**सूची II**
(A) रघुवीर सहाय	(i) माया दर्पण
(B) श्रीकान्त वर्मा	(ii) फूल नहीं रंग बोलते हैं
(C) दिनकर	(iii) आत्महत्या के विरुद्ध
(D) केदारनाथ अग्रवाल	(iv) अनामिका
	(v) परशुराम की प्रतीक्षा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	v	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	v	iv	iii	i
(D)	ii	iii	iv	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-

काव्य	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
आत्महत्या के विरुद्ध	1967 ई.	रघुवीर सहाय
माया दर्पण	1967 ई.	श्रीकान्त वर्मा
परशुराम की प्रतीक्षा	1963 ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'
फूल नहीं रंग बोलते हैं	1965 ई.	केदारनाथ अग्रवाल
अनामिका	1923 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

30. निम्नलिखित कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	**सूची II**
(A) नागार्जुन	(i) संशय की एक रात
(B) नरेश मेहता	(ii) अकाल में सारस
(C) भवानी प्रसाद मिश्र	(iii) सतपुड़ा के जंगल
(D) केदारनाथ सिंह	(iv) युगधारा
	(v) आत्मजयी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	ii
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	ii	iii	v	i
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-

कृति	**प्रकाशन वर्ष**	**कृतिकार**
युगधारा	1952 ई.	नागार्जुन
संशय की एक रात	1962 ई.	नरेश मेहता
सतपुड़ा के जंगल		भवानी प्रसाद मिश्र
अकाल में सारस	1988 ई.	केदारनाथ सिंह
आत्मजयी	1965 ई.	कुंवर नारायण

नोट-आत्मजयी (1965 ई.) काव्य के लिए कुंवर नारायण को 1995 ई. में व्यास सम्मान प्रदान किया गया है।

31. निम्नलिखित गद्यकृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	**सूची II**
(A) साहित्यालोचन	(i) रामचन्द्र शुक्ल
(B) रस मीमांसा	(ii) विद्यानिवास मिश्र
(C) ठेले पर हिमालय	(iii) धर्मवीर भारती
(D) तमाल के झरोखे से	(iv) श्याम सुन्दर दास
	(v) विवेकी राय

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	v	iv	ii	i
(C)	ii	i	iii	iv
(D)	iv	i	iii	ii

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
कृति	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
साहित्य लोचन	1922 ई.	श्याम सुन्दर दास
रस मीमांसा	1949 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
ठेले पर हिमालय	1958 ई.	धर्मवीर भारती
तमाल के झरोखे से	1981 ई.	विद्यानिवास मिश्र
वन तुलसी की गंध	2000 ई.	विवेकीराय

32. निम्नलिखित कथाकारों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) कृष्णा सोवती	(i) कितने पाकिस्तान
(B) श्रीलाल शुक्ल	(ii) टोपी शुक्ला
(C) राही मासूम रजा	(iii) समय सरगम
(D) कमलेश्वर	(iv) विश्रामपुर का सन्त
	(v) जुलूस

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	i	ii	v	iv
(C)	ii	i	iii	i
(D)	iv	v	iii	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
कितने पाकिस्तान	2000 ई.	कमलेश्वर
विश्रामपुर का संत	1998 ई.	श्रीलाल शुक्ल
टोपी शुक्ला	1969 ई.	राही मासूम रजा
समय सरगम	2000 ई.	कृष्ण सोबती
जुलूस	1965 ई.	फणीश्वर नाथ रेणु

33. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	(i) परदा
(B) रामचन्द्र शुक्ल	(ii) बुद्धू का काँटा
(C) यशपाल	(iii) दोपहर का भोजन
(D) अमरकान्त	(iv) ग्यारह वर्ष का समय
	(v) एक और जिन्दगी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	v	iv
(B)	iv	v	i	ii
(C)	ii	iv	i	iii
(D)	iii	v	iv	i

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
बुद्धू का काँटा	1912 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
ग्यारह वर्ष का समय	1903 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
परदा	1944 ई.	यशपाल
दोपहर का भोजन	-	अमरकान्त
एक और जिन्दगी	1961 ई.	मोहन राकेश

नोट- लक्ष्मीनारायण लाल ने शिल्प विधान की दृष्टि से आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की कहानी 'ग्यारह वर्ष का समय' (1903) को हिन्दी की प्रथम कहानी माना जाता है।

34. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) निर्मल वर्मा	(i) कोसी का घटवार
(B) मार्कण्डेय	(ii) कसाईबाड़ा
(C) शिवमूर्ति	(iii) हंसा जाई अकेला
(D) शेखर जोशी	(iv) लन्दन की एक रात
	(v) पालगोमरा का स्कूटर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	iv	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
लन्दन की एक रात	-	निर्मल वर्मा
हंसा जाई अकेला	1957 ई.	मार्कण्डेय
कसाईबाड़ा	1980 ई.	शिवमूर्ति
कोसी का घटवार	1950 ई.	शेखर जोशी
पाल गोमरा का स्कूटर	1997 ई.	उदय प्रकाश

35. निम्नलिखित पंक्तियों के साथ कवियों का सुमेलन कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) ज्यों ज्यों निहारिये नेरे ह्वै नैननि	(i) पद्माकर
(B) ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहनवारी	(ii) घनानन्द
(C) नैन नचाई कह्यौ मुसकाइ	(iii) मतिराम
(D) रावरे रूप की रीति अनूप	(iv) भूषण
	(v) ठाकुर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	ii	ii	iv	v
(C)	v	ii	i	iii
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर – (A)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
ज्यों-ज्यों ....नैननि	मतिराम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

ऊँचे घोर ....रहनवारी	भूषण
नैन ....मुसकाई	पद्माकर
रावरे रूप ....अनूप	घनानन्द
सेवक सिपाही हम उन राजपूतन के	ठाकुर

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 36 से 40 तक) के उत्तरों के दिये गये बहु-विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

प्राचीन और मध्यकालीन आर्य भाषाओं-संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश- का क्षेत्र सार्वदेशिक था। जिस रूप में वे उपलब्ध हैं उस रूप में उनका व्याकरणिक ढाँचा भी अलग था। इन भाषाओं में प्रादेशिक निष्ठा नहीं थी, किन्तु जातीय भाषाओं में यह निष्ठा बढ़ी। संस्कृत से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश और अपभ्रंश से उत्तर भारत की आधुनिक आर्य भाषाओं का विकास हुआ। ऐसा विश्वास किया जाता रहा है और इसके लिये सिद्धान्त भी गढ़े गये थे। किन्तु अब यह धारणा कि हिन्दी या बंगला आदि अपभ्रंश से निकली, खंडित हो चुकी है। किन्तु जातीय भाषाओं ने संस्कृत और अपभ्रंश से बहुत कुछ लिया है। हिन्दी ने उनकी विरासत को सबसे अधिक ग्रहण किया- विशेष रूप से अपभ्रंश की विरासत को। शब्द-समूह, उच्चारण तथा व्याकरणिक ढाँचे के अलग होने से अपभ्रंश साहित्य को हिन्दी साहित्य का अंग नहीं माना जा सकता। किन्तु सांस्कृतिक नैरन्तर्य के लिये उसका अध्ययन आवश्यक है।

36. संस्कृत का क्षेत्र किस सीमा तक विस्तृत था?
(A) प्रादेशिक (B) सार्वदेशिक
(C) मध्यदेशीय (D) क्षेत्रीय
उत्तर – (B)

व्याख्या–संस्कृत, प्राकृत तथा अपभ्रंश का क्षेत्र सार्वदेशिक था। अर्थात् यह भारत के या देश के सभी भागों में फैली थी।

37. सांस्कृतिक नैरन्तर्य के लिए किसका अध्ययन आवश्यक नहीं है?
(A) संस्कृत (B) प्राकृत
(C) ब्रजभाषा (D) हिन्दी
उत्तर – (C)

व्याख्या–सांस्कृतिक नैरन्तर्य के लिये संस्कृत, प्राकृत तथा हिन्दी का अध्ययन आवश्यक है, जबकि ब्रजभाषा इसके लिये आवश्यक नहीं है।

38. जातीय भाषा के रूप में आज किस भाषा को मान्यता प्राप्त है?
(A) प्राकृत (B) बंगला
(C) अपभ्रंश (D) संस्कृत
उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी तथा बंगला को जातीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है।

39. अपभ्रंश को हिन्दी साहित्य के इतिहास का अंग मानने के लिये क्या आधार होना चाहिए?
(A) शब्द-समूह में भिन्नता होना चाहिए?
(B) व्याकरणिक ढाँचे में भिन्नता होनी चाहिए।
(C) उच्चारण में भिन्नता होनी चाहिए
(D) जातीयता में भिन्नता होनी चाहिए।
उत्तर – (D)

व्याख्या–अपभ्रंश को हिन्दी साहित्य का अंग मानने के लिए जातीयता में भिन्नता होनी चाहिए।

40. संस्कृत से सीधा संबंध किस भाषा का है?
(A) प्राकृत (B) अपभ्रंश
(C) आधुनिक भारतीय भाषाएँ (D) हिन्दी
उत्तर – (A)

व्याख्या–संस्कृत से पालि, पालि से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश तथा अपभ्रंश से उत्तर भारत की आधुनिक भाषाओं का विकास हुआ है। अतः संस्कृत से सीधा सम्बन्ध प्राकृत भाषा से है।

कथोपकथन

41. (a) हिन्दी में भक्ति धारा का उदय बाहरी आक्रमण की प्रतिक्रिया है।
(b) यह भारतीय साधना परम्परा का स्वतः स्फूर्त विकास है
इनमें से
(A) (a) और (b) दोनों सही
(B) (a) सही और (b) गलत
(C) (a) गलत और (b) सही
(D) (a) और (b) दोनों आंशिक सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–(i) हिन्दी में भक्तिधारा का उदय बाहरी आक्रमण की प्रतिक्रिया है। **- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**
(ii) यह भारतीय साधना परम्परा का स्वतः स्फूर्त विकास है। **-डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी**
भक्ति धारा के उदय का कोई निश्चित कारण नहीं था। अतः (A) और (R) दोनों आंशिक सही माने जायेंगे।

42. (a) 'विभाजन व्यापार' रस प्रक्रिया की सुदृढ़ भूमिका है।
(b) विभाव ही रस का हेतु है।
(A) (a) आंशिक सही (b) गलत
(B) (a) और (b) दोनों सही
(C) (a) गलत और (b) आंशिक सही
(D) (a) सही और (b) आंशिक सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–रस प्रक्रिया में विभाव का सुदृढ़ भूमिका होती है विभाव, अनुभाव, संचारीभाव सभी रस के कारण या उद्देश्य में सम्मिलित होते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

43. (a) 'छायावाद' और 'रहस्यवाद' में तात्त्विक भेद नहीं है।
(b) 'छायावाद' में अभिव्यक्ति की सूक्ष्मता और 'रहस्यवाद' में अज्ञात के प्रति जिज्ञासा है।

(A) (a) गलत और (b) सही
(B) (a) सही और (b) गलत
(C) (a) आंशिक सही और (b) सही
(D) (a) सही और (b) आंशिक सही

उत्तर – (C)

व्याख्या–'छायावाद' और 'रहस्यवाद' में अंशतः तात्त्विक भेद है। 'छायावाद' में अभिव्यक्ति की सूक्ष्मता और 'रहस्यवाद' अज्ञात के प्रति जिज्ञासा है।

44. (a) 'नयी कविता' में निरूपित मनुष्य मात्र द्वन्द्वग्रस्त है।
(b) 'नयी कविता' मात्र व्यक्ति-चेतना की कविता नहीं है।

(A) (a) और (b) दोनों सही
(B) (a) सही और (b) गलत
(C) (a) आंशिक सही और (b) सही
(D) (a) सही और (b) आंशिक सही

उत्तर – (C)

व्याख्या–'नयीकविता' के मनुष्य में आकांक्षा, पीड़ा, हताशा, निराशा तथा दुविधा से ग्रसित स्थिति का चित्रण मिलता है। 'नयी कविता' में व्यक्ति चेतना न होकर 'मैं' या 'लघुमानव' की भावना प्रबल है।

45. स्थापना (Assertion) (A) : शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है।
तर्क (Reason) (R) : भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति को जागृत रखने वाली शक्ति शासन में नहीं होती।

(A) (A) सही और (R) सही
(B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) सही (R) गलत

उत्तर – (A)

व्याख्या–शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति- निवृत्ति को जागृत रखने वाली शक्ति शासन में नहीं होती है क्योंकि यह बाहरी व्यवस्था है।

46. स्थापना (Assertion) (A) : कवि-वाणी के प्रसार से हम संसार के सुख-दुःख, आनन्द-क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं।
तर्क (Reason) (R) : इस प्रकार के अनुभव के अभ्यास से हृदय का बन्धन नहीं खुलता है।

(A) (A) सही और (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–कवि-वाणी के प्रसार से हम संसार के सुख दुःख, आनन्द, क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं। इस प्रकार के अनुभव के अभ्यास से हृदय का बन्धन खुलता है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : भक्ति में लेन-देन का भाव नहीं रहता।
तर्क (Reason) (R) : समर्पण भक्ति का मूल है।

(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) सही (R) सही

उत्तर – (D)

व्याख्या–श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। भक्ति निःस्वार्थ सृजित होती है। भक्ति में व्यक्ति अपना अस्तित्व खोकर अगले को ही सब कुछ मान लेता है। अतः समर्पण भक्ति का मूल है।

48. स्थापना (Assertion) (A) : प्रिय के वियोग से जो दुःख होता है, उसमें कभी-कभी दया या करुणा का भी कुछ अंश मिला रहता है।
तर्क (Reason) (R) : प्रिय के वियोग पर उत्पन्न करुणा का विषय प्रिय के सुख का निश्चय है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर – (A)

व्याख्या–प्रिय के वियोग से जो करुणा उत्पन्न होती है, वह प्रिय के सुख से नहीं बल्कि दुःख का निश्चय करके होती है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : दुष्कर्म के अनेक अप्रिय फलों में से एक अपमान है।
तर्क (Reason) (R) : दुष्कर्म से उत्पन्न अपमान के प्रति स्वयं को चरित्रवान सिद्ध करना सदाचरण है।

(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) गलत
(D) (A) सही (R) सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–सदा सत्य का आचरण करना ही सदाचरण है। न कि दुष्कर्म से उत्पन्न अपमान की कालिमा को मिटाने के लिये या अपने को चरित्रवान सिद्ध करने का प्रयास करने के लिये सदाचारी व्यक्ति दुष्कर्म करेगा ही नहीं।

50. स्थापना (Assertion) (A) : प्रेम का समाजीकरण होता है तो उसे भक्ति कहते हैं।
तर्क (Reason) (R) : प्रेम सामाजिक भाव नहीं है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) सही
(D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर – (A)

व्याख्या–प्रेम व्यक्तिगत न होकर जब सामाजिक हो जाता है, तो वह भक्ति की श्रेणी में आता है। प्रेम सामाजिक भाव है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2012
हिन्दी
तृतीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 2-1/2 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 150

निर्देशः इस प्रश्नपत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भक्तिकाल की पूर्व पीठिका, सिद्ध, जैन, नाथ साहित्य

1. पुष्पदंत किस शताब्दी के कवि थे?
(A) आठवीं शताब्दी (B) सातवीं शताब्दी
(C) दसवीं शताब्दी (D) ग्यारहवीं शताब्दी
उत्तर (C)

व्याख्या–पुष्पदन्त या आविर्भाव 972 ई. (10वीं शताब्दी) में हुआ था। पुष्पदन्त अपभ्रंश के महाकवि हैं। पुष्पदंत को हिन्दी का भवभूति कहा जाता है। शिवसिंह सेंगर ने पुण्य कवि को '**भाखा का जड़**' कहा है।
पुष्पदंद की तीन रचनाएँ प्रकाश में आ चुकी हैं-1. महापुराणा (इसमें कुल 102 संधियाँ हैं) 2. जसहरचरित (यह काव्य चार संधियों में पूरा हुआ और इसमें नामनुसार यशोधरा का जीवन चरित् और उनके जन्मजन्मांतरों का वर्णन है) 3. णायकुमारचरिउ (इस काव्य में नौ संधियाँ हैं)।
नोट-पुष्पदंत ने स्वयं को 'अभिमान मेरु', 'काव्यरत्नाकर' 'कवि कुल तिलक' आदि उपाधियों से विभूषित किया है।

2. 'दोहाकोश' किसकी रचना है?
(A) विद्याधर (B) सरहपा
(C) पुष्पदंत (D) शबरपा
उत्तर (B)

व्याख्या–दोहाकोश, सरहपा (769ई.) 8वीं शताब्दी के कवि तथा हिन्दी के प्रथम कवि की रचना है। सरहपा हिन्दी के साथ-साथ सिद्धों में भी प्रथम कवि हैं।
शबरपा (780ई.) की प्रमुख रचना 'चर्यापद' है यह एक प्रकार का गीत है जो सामान्यतः अनुष्ठानों के समय गाया जाता है। चर्यापद संधाभाषा के दृष्ट कूट में लिखी गई है।
नोट-(i) महामहोपाध्याय हर प्रसाद शास्त्री के 'बौध गान ओ दोहा में सरहपा और कृष्णाचार्य का दोहा संगृहीत है। इसे 'प्राचीन बांग्ला' भी कहा है। **(ii)** दोहाकोश' में तिल्लोपा, सरहपा कण्हपा के दोहों को संगृहीत किया गया है जिसका सम्पादन डॉ. प्रबोध चन्द्र वागची ने किया है।

3. "हरि रस पीया जानिए, जे कबहूं न जाय खुमार। मैमंता घूमत फिरै, नाहीं तन की सार।।" इन काव्य पंक्तियों के कवि हैं।
(A) सूरदास (B) कबीरदास
(C) रसखान (D) नन्ददास
उत्तर (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
हरि रस पीया.......तन की सार	कबीर दास
धूरि भरे अति सोभित स्याम जू वैसी बनी सिर सिर सुन्दर चोटी।	रसखान
नव मर्कत मनि स्याम कनक मनिगम व्रजबाला। वृन्दावन को रीझि मनहुँ पहिराइ माला।।	नंददास
मेरे नैन विरह की बेल बई। सींचत नैन नीर के, सजनी। मूल पतार गई	सूरदास

4. 'साहित्य लहरी' के रचनाकार हैं :
(A) तुलसीदास (B) सूरदास
(C) कृष्णदास (D) सुन्दरदास
उत्तर (B)

व्याख्या-कृष्ण भक्ति शाखा के प्रमुख अष्टछापी कवि सूरदास (1478-1583) की तीन रचनाएँ पायी जाती हैं, जो निम्नवत हैं-

रचना	रचना विशेष
सूरसागर	सूरसागर भागवत महापुराण के दशम स्कन्ध का उपजीव्य है
सूरसरावली	सूर सरावली की रचना संसार को होली का रूपक मानकर की गयी है।
साहित्य लहरी (1550 ई.)	साहित्य लहरी में अलंकार और नायिका भेदों के उदाहरण प्रस्तुत करने वाले 118 दृष्टिकूट पद हैं।

5. अष्टछाप की स्थापना किसने की?
(A) विट्ठलनाथ (B) वल्लभाचार्य
(C) सूरदास (D) रामानंद
उत्तर (A)

व्याख्या– अष्टछाप (अष्टाखा) की स्थापना गोसाई विट्ठलनाथ ने 1565 ई. में किया था। विट्ठलनाथ वल्लभाचार्य के शिष्य हैं। अष्टछाप आठ कवियों से मिलकर बना है जिसमें चार शिष्य विट्ठलनाथ के तथा चार कवि बल्लभाचार्य के हैं।

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583 ई.	सीही (उ.प्र.)	"
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	"
कृष्णदास	1496-1578 ई.	चिलोतरा (गुजरात)	"
गोविन्द स्वामी	1505-1585 ई.	आंतरी (राजस्थान)	विट्ठलनाथ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

छीतस्वामी	1515-1585 ई.	मथुरा (उ.प्र.)	”
चतुर्भुजदास	1530-1585 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	”
नंददास	1533-1583 ई.	रामपुर (उ.प्र.)	”

6. गोस्वामी तुलसीदास की अन्तिम रचना कौन-सी है?
(A) विनयपत्रिका (B) दोहावली
(C) कवितावली (D) हनुमानबाहुक
उत्तर (D)

व्याख्या–हनुमानबाहुक तुलसीदास (1532-1623ई.) की अन्तिम रचना मानी जाती है। जीवन के अन्तिम समय जब तुलसीदास गोस्वामी जी के भुजाओं में असहनीय पीड़ा हो रही थी तब उससे मुक्ति के लिए गोस्वामी जी ने इसकी रचना की थी। हनुमानबाहुक, कवितावली या कबित्तावली में संग्रहीत है। यह ब्रजभाषा में तथा कवित्त एवं छप्पय छन्दों में रचित है।

7. मृगावती किसकी रचना है?
(A) उसमान (B) कुतुबन
(C) मंझन (D) जायसी
उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
चित्रावली	1613 ई.	उसमान
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
पद्मावत	1540 ई.	जायसी

8. निम्नलिखित काव्योक्ति तुलसी की किस रचना से है?
"श्रुति सम्मत हरिभक्ति पथ संजुत विरति विवेक।"
(A) रामचरितमानस (B) कवितावली
(C) विनयपत्रिका (D) गीतावली
उत्तर (A)

व्याख्या-ये सभी रचनायें भक्तिकाल के सगुण काव्य धारा के प्रमुख कवि तुलसीदास (1532-1623ई.) की है।

पंक्ति	रचना
"श्रुति सम्मत हरिभक्ति पथ संजुत विरति विवेक।	रामचरितमानस
गोरख जगायो जोगु, भगति भगायो लोगु। निगम नियोगते, सो केलि ही छरो सो है।	कवितावली
जाके प्रिय न राम बैदेही। तजिये ताहि कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही	विनय पत्रिका
जौ हौं मातु मते महं हवै हौं	गीतावली

9. 'चंडी चरित्र' किसकी रचना है?
(A) गुरू गोविन्दसिंह (B) भूषण
(C) लालकवि (D) सूदन
उत्तर (A)

रचना	रचनाकार
चंडी चरित्र	गुरु गोविन्द सिंह
शिवा बावनी	भूषण
छत्र प्रकाश	लाला कवि (गोरेलाल)
सुजान चरित	सूदन

सामाजिक-सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं विविध काव्य धाराएँ

10. 'काव्य की रीति सिखी सुकबीन सों देखी सुनी बहुलोक की बातें'- इस काव्योक्ति के कवि हैं :
(A) केशवदास (B) मतिराम
(C) पद्माकर (D) भिखारीदास
उत्तर (D)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
काव्य की रीति...........की बातें	भिखारीदास (काव्य निर्णय)
फागु की भीर, अभीरिन में गहि गोविन्द लै गई भीतर गोरी।	पद्माकर
कुंदन को रंग फीकौ लगै, झलकै अति अंगनि चारु गोराई	मतिराम
जदपि सुजति सुलच्छनी, सुबरन सरस सुवृत्त। भूषन बिनु न बिराजई, कविता बनिता मित्त।।	केसवदास

11. देवकवि की रचना है :
(A) काव्यनिर्णय (B) रसराज
(C) शृंगार निर्णय (D) भावविलास
उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
भावविलास	1689 ई.	देवकवि (देव)
काव्य निर्णय	1746 ई.	भिखारीदास
रसराज	1633-43 ई.	मतिराम
शृंगार निर्णय	1750 ई.	भिखारीदास

12. शब्दशक्ति के विषय में निम्नलिखित कथन किसका है?
"अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणा हीन।
अधम व्यंजना रस विरस, उलटी कहत नवीन।।
(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) देवकवि (D) चिंतामणि
उत्तर (C)

पंक्ति	पंक्तिकार
"अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणा हीन। व्यंजना रस विरस, उलटी कहत नवीन।।	देवकवि (देव)
आँखिन मंदिबे के मिस आनि, अचानक पीठि उरोज लगावैं। कैहूँ कहूँ मुसकाय चितै, अगराय अनूपम अंग दिखावैं।	चिन्तामणि
अधर मधुरता कठिनता कुच तिसनता त्यौर। रस कवित्त परिपक्वता जाने रसिक न और।।	भिखारीदास
जदपि सुजति सुलच्छनी, सुबस सरस सुवृत्त। भूषन बिनु न बिराजई, कविता बनिता मित्त।।	केशवदास

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

13. निम्नलिखित में से कौन सा मतिराम का ग्रंथ नहीं है?

(A) रसराज (B) रसविलास
(C) ललित ललाम (D) छंदसार

उत्तर (B)

व्याख्या–फूलमंजरी, लक्षण शृंगार, साहित्य सार, रसराज (1663), ललित ललाम, सतसई (1681), अलंकार पंचाशिका (1690), वृत्त कौमुदी (1701) आदि रचनाएँ मतिराम (1617-1701) की है। रसविलास (1633), छन्द विचार पिंगल, शृंगार मंजरी (1643) कविकुलकल्पतरू (1650), कृष्ण चरित, काव्य विवेक, काव्यप्रकाश, कवित्त विचार आदि चिन्तामणि (1600-1680) की रचनाएँ हैं।

14. निम्नलिखित में से कौन रीतिमुक्त कवि नहीं है?

(A) बोधा (B) ठाकुर
(C) पद्माकर (D) आलम

उत्तर (C)

व्याख्या–बोधा, ठाकुर (1766-1833), घनानन्द (1689-1739) द्विजदेव (1820-1869), शेख आलम, आदि रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्यधारा के कवि हैं। केशवदास, सेनापति, जसवंत सिंह (1626-1688), मतिराम, (1613-1701), देव (1673-1767) भिखारीदास, पद्माकर (1753-1833) आदि रीतिकाल के रीतिबद्ध काव्यधारा के कवि हैं। जबकि बिहारी (1595-1665) रीतिकाल के रीतिसिद्ध काव्यधारा के कवि हैं।

आधुनिकता : अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु (महावीर प्रसाद, द्विवेदी युग, छायावाद युग)

15. 'ज्यौं-ज्यौं बसे जात दूरि-दूरि प्रिय प्राण मूरि।
त्यौं-त्यौं धसे जात मन मुकुर हमारे मैं।।"
भ्रमरगीत प्रसंग से सम्बन्धित उपर्युक्त पंक्तियों के कवि हैं :

(A) नन्ददास (B) सूरदास
(C) सत्यनारायण कविरत्न (D) जगन्नाथदास रत्नाकर

उत्तर (D)

पंक्ति	पंक्तिकार
ज्यो ज्यो बसे ....मुकुर हमारे मैं।।	जगन्नाथदास रत्नाकर
ताही छिन उड्डराज उदित रस रास सहायक। कुंकुम-मंडित-बदन प्रिया जनु नागरि नायक।।	नंददास
शोभित कर नवनीत लिए। घुटुरून चलन रेनू तन मंडित मुख दधि लेप किए।।	सूरदास
अलबेली कुछु बेलि द्रुमन सो लिपटि सुहाई। धोए-धोए पातन की अनुपम कमनाई।।	सत्यनारायण 'कविरत्न'

16. निम्नलिखित में से किस गद्य कृति का निर्माण फोर्ट विलियम कॉलेज में हुआ था?

(A) भाषा योग वाशिष्ठ (B) भाषा पद्म पुराण
(C) नासिकेतोपाख्यान (D) दृष्टन्त सागर

उत्तर (C)

व्याख्या–फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना 1800ई. में हुई फोर्ट विलियम कालेज में लल्लू लाल तथा सदल मिश्र की नियुक्ति हुई थी। वहीं पर लल्लू लाल ने प्रेमसागर तथा सदल मिश्र ने नासिकेतोपाख्यान नामक गद्यकृति की रचना की थी। भाषा योग वशिष्ठ (1741ई.) रामप्रसाद निरंजनी की रचना तथा 'भाषा पद्म पुराण' पं. दौलत राम की रचना है।

17. राजा लक्ष्मण सिंह ने 'अभिज्ञानशाकुन्तल' का अनुवाद कब किया?

(A) 1863 ई. (B) 1880 ई.
(C) 1876 ई. (D) 1881 ई.

उत्तर (A)

व्याख्या–राजा लक्ष्मण सिंह (1826-1896) में कालिदास के संस्कृत के तीन ग्रन्थों का अनुवाद हिन्दी में किया-अभियानशाकुन्तलम (1862) रघुवंश (1878) मेघदूत (1882) है।

18. निम्नलिखित में से कौन सी रचना कृष्णकथा पर आधारित नहीं है?

(A) प्रियप्रवास (B) अग्निलीक
(C) भ्रमरदूत (D) अंधायुग

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	प्र० वर्ष	रचनाकार	विषय वस्तु
अग्निलीक	1976 ई.	भारतभूषण अग्रवाल	रामकथा पर आधारित रचना
प्रिय प्रवास	1914 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	खड़ी बोली हिन्दी का प्रथम महाकाव्य
भ्रमर दूत		सत्यनारायण कविरत्न	कृष्णकथा पर आधारित रचना
अंधायुग	1955 ई.	धर्मवीर भारती	कृष्ण कथा पर आधारित गीति नाट्य रचना

19. 'शिवशंभू के चिट्ठे' के निबन्धकार हैं :

(A) बालमुकुन्द गुप्त (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) अध्यापक पूर्ण सिंह (D) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

उत्तर (A)

व्याख्या–शिवशम्भू के चिट्ठे (1904-05) बाल मुकुन्द गुप्त का प्रसिद्ध व्यंग्य निबन्ध है। इसमें तत्कालिक गर्वनर जनरल लार्ड कर्जन के भारत विरोधी कारनामों पर ओजपूर्ण तीखी, एवं व्यंग्यात्मक शैली में प्रहार किया गया है। गुप्त जी 'बंगभाषा' तथा 'भारतमित्र' पत्रिका के सम्पादक भी थे।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

20. "जो घनीभूत पीड़ा थी, मस्तक में स्मृति-सी छाई, दुर्दिन में आँसू बनकर, वह आज बरसने आई।"
उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(A) मैथिलीशरण गुप्त (B) महादेवी वर्मा
(C) जयशंकर प्रसाद (D) नरेन्द्र शर्मा

उत्तर (C)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिवार**
जो घनीभूत पीड़ा ....बरसाने आई	जयशंकर प्रसाद (आँसू)
वे मुस्काते फूल नहीं जिनको आता है मुरझाना। वे तारों के दीप नहीं जिनको आता है बुझ जाना।।	महादेवी वर्मा
हम कौन थे, क्या हो गये और क्या होंगे अभी। आओ विचारे आज मिलकर ये समस्याएँ सभी	मैथिलीशरण गुप्त (भारत-भारती)

21. "धिक्! धाए तुम यों हनहूत,
धो दिया श्रेष्ठ कुल धर्म धूत
राम के नहीं, काम के सुत कहलाए।"
उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों का सम्बन्ध किस काव्य रचना से है?

(A) साकेत (B) तुलसीदास
(C) राम की शक्तिपूजा (D) संशय की एक रात

उत्तर (B)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिवार**
"धिक ! धाए ....सूत कहलाए	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (तुलसीदास)
अशब्द अधरों का सुना भाष, मैं कवि हूँ पाया है प्रकाश	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (सरोज स्मृति)
वेदने! तू भी भली बनी। पाई मैंने आज तुझी में अपनी चाह घनी	मैथिलीशरण गुप्त (साकेत)

22. निम्नलिखित में से कौन सा खण्डकाव्य रामनरेश त्रिपाठी का नहीं है?

(A) मिलन (B) पथिक
(C) नहुष (D) स्वप्न

उत्तर (C)

खण्ड काव्य	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
मिलन	1917 ई.	रामनरेश त्रिपाठी
पथिक	1920 ई.	रामनरेश त्रिपाठी
स्वप्न	1929 ई.	रामनरेश त्रिपाठी
नहुष		मैथिलीशरण गुप्त

वैचारिक पृष्ठभूमि, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद
(प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता)

23. 'कविता दो शब्दों के बीच की नीरवता में रहती है।' काव्य-भाषा के सम्बन्ध में उपर्युक्त मत किसका है?

(A) नामवरसिंह (B) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) शमशेर बहादुर सिंह (D) अज्ञेय

उत्तर (D)

व्याख्या–कविता दो शब्दों की नीरवता में रहती है। काव्य भाषा के सन्दर्भ में यह कथन सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का है।

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ (प्रेमचन्द युगीन एवं उत्तरोत्तर उपन्यास एवं उपन्यासकार, कहानी और प्रमुख कहानीकार)

24. 'निःसहाय हिन्दू" उपन्यास के लेखक हैं :

(A) श्रीनिवास दास (B) राधकृष्ण दास
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) राधाचरण गोस्वामी

उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
निःसहाय हिन्दू	1890 ई.	राधाकृष्ण दास
परीक्षा गुरू	1882ई.	श्रीनिवास दास
सौ अजान एक सुजान	1892ई.	बालकृष्ण भट्ट
सौदामिनी	1893ई.	राधाचरण गोस्वामी

नोट-श्रीनिवासदास कृत उपन्यास 'परीक्षागुरू' (1882) को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी का प्रथम उपन्यास तथा श्रीनिवासदास को प्रथम उपन्यासकार मानते हैं।

25. 'मुन्नी मोबाइल' किसका उपन्यास है?

(A) प्रदीप सौरभ (B) महुआ माजी
(C) ऋता शुक्ला (D) तुलसीराम

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	**रचनाकार**	**विधा**
मुन्नी मोबाइल	प्रदीप सौरभ	उपन्यास
मैं बोरिशाइल्ला	महुआ मांझी	उपन्यास
मृत्युगंध जीवनगंध	ऋता शुक्ला	उपन्यास
मुर्दहिया	तुलसीराम	आत्मकथा

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु, प्रसाद, प्रमुख निबन्ध एवं निबन्धकार

26. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक श्रीनिवास दास का नहीं है?

(A) रणधीर प्रेममोहिनी (B) महारानी पद्मावती
(C) तप्ता-संवरण (D) संयोगिता स्वयंवर

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–रणधीर प्रेम मोहिनी (1878ई.) तप्ता संवरण (1883ई.) संयोगिता स्वयंवर (1885 ई.) प्रहलाद चरित्र (1888) आदि लाला श्री निवास दास के नाटक हैं। जबकि पदमावती (1882ई.), महाराणा प्रताप (1897), दुःखिनी बाला (1880ई.) आदि राधाकृष्ण दास के उपन्यास हैं।

27. निम्नलिखित में से भारतेन्दु का कौन सा नाटक 'प्रबोध चन्द्रोदय' की प्रतीकात्मक शैली से प्रभावित है?

(A) अंधेर नगरी
(B) विषयस्य विषमीषधम
(C) भारत दुर्दशा
(D) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति

उत्तर (C)

व्याख्या–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का नाटक भारत दुर्दशा (1880) नाट्य रासक यह प्रबोध चन्द्रोदय की प्रतीकात्मक शैली से प्रभावित है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1850-1885) के अन्य नाटक एवं उसके प्रकार-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटक के प्रकार
वैदिकी हिंसा, हिंसा न भवति	1873 ई.	प्रहसन
विषस्य विसमौषधम	1876 ई.	भाण (एक पात्रीय नाटक)
प्रेमयोगिनी	1875 ई.	4 अंकों की नाटिका
चन्द्रावली	1876 ई.	नाटिका
भारत दुर्दशा	1880 ई.	नाट्य या रसका या लास्य रूपक
नीलदेवी	1881 ई.	गीतिरूपक
अंधेर नगरी	1881 ई.	प्रहसन
सती प्रताप	1883 ई.	पौराणिक नाटक

28. 'अनन्तदेवी' प्रसाद के किस नाटक की पात्र हैं?

(A) राज्यश्री (B) स्कन्दगुप्त
(C) ध्रुवस्वामिनी (D) विशाख

उत्तर (B)

व्याख्या–ये सभी नाटक जयशंकर प्रसाद। (1889-1937) के हैं।

नाटक	प्रकाशन वर्ष	पात्र
राज्यश्री	1915 ई.	सूरमा, राज्यश्री
स्कन्द गुप्त	1928 ई.	पृथ्वीसेन, पुरुगुप्त, भट्टार्क देवसेना, विजया, अनन्तदेवकी
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	चन्द्रगुप्त, रामगुप्त, शिखर स्वामी, ध्रुवस्वामिनी
विशाख	1921 ई.	चन्द्रलेखा

काव्यशास्त्र : काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन, आधुनिक हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

29. मंगल का विधान करने वाले दो भाव हैं। किसका कथन है?

(A) श्यामसुन्दर दास (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) हजारीप्रसाद द्विवेदी (D) नन्ददुलारे वाजपेयी

उत्तर (B)

व्याख्या–मंगल का विधान करने वाले दो भाव हैं। यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है। आचार्य शुक्ल लोक मंगल की बात करते हैं।

**30. "सत्त्वोद्रेकाद खण्ड स्वप्रकाशनन्द चिन्मयः।
वेद्यान्तरस्पर्शशून्यो ब्रह्मास्वादसहोदरः।
लोकोत्तर चमत्कार प्राणः कैश्चित्प्रमातृभिः।
स्वाकारवद भिन्नत्वेनायमास्वाद्यते रसः।"
रस के विषय में उपर्युक्त स्थापना किस आचार्य की है?**

(A) आचार्य भरत (B) आचार्य भट्टनायक
(C) आचार्य अभिनवगुप्त (D) आचार्य विश्वनाथ

उत्तर (D)

व्याख्या–"सत्वोद्रेकाद खण्ड ....भिन्नत्वेनायमास्वाद्यते रसः। रस के सन्दर्भ में 'साहित्य दर्पण' में उद्धृत आचार्य विश्वनाथ का कथन है।

31. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक कालिदास के चरित्र से सम्बन्धित नहीं है?

(A) आठवाँ सर्ग (B) कन्धे पर बैठा था शाप
(C) शकुन्तला की अँगूठी (D) आषाढ़ का एक दिन

उत्तर (C)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार	विषय वस्तु
शकुन्तला की अँगूठी	1990ई.	सुरेन्द्र वर्मा	शकुन्तला तथा दुष्यन्त का चरित्र चित्रण है।
कन्धे पर बैठा था शाप		मीराकांत	
आषाढ़ का एक दिन	1958ई.	मोहन राकेश	कालिदास के चरित्र से सम्बन्धित है।
आठवाँ सर्ग	1976ई.	सुरेन्द्र वर्मा	

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, क्रोंचे, आई. ए. रिचर्ड्स, नयी समीक्षा

32. 'आलोचना का विषय कवि नहीं, कविता है।' किसका कथन है?

(A) ड्राइडन (B) टी.एस. इलियट
(C) क्रोचे (D) लांजाइनस

उत्तर (B)

व्याख्या–पाश्चात् काव्यशास्त्रीय टॉमस स्टर्न्स इलियट (1888-1965) का जन्म अमेरिका में हुआ था। इनकी रचना द वेस्टलैंड के लिए 1948 में नोबेल पुरस्कार मिला था।

टी.एस. इलियट के कथन-

(i) आलोचना का विषय कवि नहीं, कविता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(ii) सांस की तरह आलोचना अनिवार्य तथा नैसर्गिक क्रिया है।
(iii) काव्य श्रेष्ठ मनोरंजन है।
(iv) कविता कवि- व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं, व्यक्तित्व से पलायन है।

अन्य तथ्य विविधा

33. ब्रजभाषा का विकास किससे हुआ?
(A) मागधी (B) पैशाची
(C) शौरसेनी (D) अर्धमागधी
उत्तर (C)

व्याख्या–ब्रजभाषा हिन्दी की एक बोली जिसका विकास पश्चिमी हिन्दी से तथा पश्चिमी हिन्दी का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बांगरु → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
(2) खश	→ पहाड़ी	→ कुमाँयूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(3) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(4) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बांग्ला → उड़िया → असमिया	
(5) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(6) ब्राचड़	→ सिंधी	
(7) महाराष्ट्री	→ मराठी	

34. अपभ्रंश की उत्तरकालीन अवस्था का नाम है :
(A) पालि (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) अवहट्ट
उत्तर (D)

व्याख्या–अपभ्रंश की उत्तरकालीन अवस्था को अवहट्ठ, अवहट्ठ, पुरानी हिन्दी इत्यादि नामों से जाना जाता है।
हिन्दी भाषा का विकास क्रम-

संस्कृत
(1500 ई.पू. - 500 ई.पू. तक)
↓
पालि
(500 ई.पू. - 1 ई. तक)
↓
प्राकृत
(1 ई. - 500 ई. तक)
↓
अपभ्रंश
(500 ई.- 1000 ई. तक)
↓
हिन्दी
(1000 ई. - अब तक)

नोट- अवहट्ठ अपभ्रंश का ही परवर्ती या परिवर्तित रूप है। अपभ्रंश और आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के बीच की कड़ी को 'अवहट्ठ' कहा है।

35. अपभ्रंश में कुल कितने स्वर थे?
(A) आठ (B) बारह
(C) दस (D) नौ
उत्तर (A)

व्याख्या–अपभ्रंश में स्वरों की संख्या आठ है। जिनमें चार ह्रस्व स्वर (अ, इ, उ, ए) तथा चार दीर्घ स्वर (आ, ई, ऊ, ओ) है। (ए, औ) स्वर आदिकाल में आते हैं।

36. 'मगही' किस हिन्दी प्रदेश की बोली है?
(A) मध्यप्रदेश (B) बिहार
(C) राजस्थान (D) छत्तीसगढ़
उत्तर (B)

व्याख्या–मगही बिहारी हिन्दी की एक बोली है। यह बिहार प्रदेश में पटना, गया, पलामू, हजारीबाग, मुंगेर इत्यादि स्थानों पर बोली जाती है। बिहारी हिन्दी के अन्तर्गत आने वाली अन्य बोलियाँ-

बिहारी हिन्दी → भोजपुरी
→ मगही
→ मैथिली

37. भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण का आधार है :
(A) रूपरचना (B) ध्वनि
(C) इतिहास (D) अर्थ
उत्तर (C)

व्याख्या–भाषाओं के पारिवारिक वर्गीकरण में विश्व की भाषाओं को परिवारों में बाँटा जाता है। जिसका मुख्य आधार इतिहासबद्ध होता है। हिन्दी भारोपीय परिवार की भाषा है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

विश्व की भाषा परिवार - भारोपीय परिवार (भारत, यूरोपीय), द्रविड़ परिवार, काकेशी परिवार, चीनी या एकाक्षरी परिवार, बुरुशस्की परिवार, उराल अल्लाई परिवार, सामी-हामी परिवार, काकेशियन परिवार, बुशमैन परिवार, हित्ती परिवार, इत्यादि प्रमुख है।

38. सखी-सम्प्रदाय के संस्थापक हैं :

(A) हित हरिवंश (B) वल्लभाचार्य
(C) स्वामी हरिदास (D) मध्वाचार्य

उत्तर (C)

सम्प्रदाय	प्रवर्तक
सखी/हरिदासी/टट्टी सम्प्रदाय	स्वामी हरिदास
राधा वल्लभ सम्प्रदाय	हित हरिवंश
ब्रह्म सम्प्रदाय	मध्वाचार्य
पुष्टिमार्ग	बल्लभाचार्य

39. बालकृष्ण भट्ट किसके सम्पादन कर्म से जुड़े थे?

(A) ब्राह्मण (B) सरस्वती
(C) कविवचन सुधा (D) हिंदी प्रदीप

उत्तर (D)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	मुख्य सम्पादक
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट

नोट-'सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 ई. में इसके सम्पादक श्यामसुन्दर दास थे तथा 1903 ई. में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।

40. 'पिंजरे में मैना' किसकी आत्मकथा है?

(A) चित्रा मुद्गल (B) मैत्रेयी पुष्पा
(C) चन्द्रकिरण सौनेरिक्सा (D) मृदुला गर्ग

उत्तर (C)

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
पिंजरे में मैना	2008	चन्द्रकिरण सौनरिक्सा
कस्तूरी कुण्डल बसै गुड़िया भीतर गुड़िया	2002 2005	मैत्रेयी पुष्पा

नोट-पिंजरे में पन्ना (उपन्यास) मणि मधुकर की रचना है।

41. निम्नलिखित साहित्यिक वादों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रपद्यवाद, प्रयोगवाद
(B) छायावाद, प्रयोगवाद, प्रपद्यवाद, प्रगतिवाद
(C) प्रपद्यवाद, छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद
(D) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, प्रपद्यवाद

उत्तर (D)

व्याख्या-

साहित्यिक वाद	समय	प्रवर्तक
छायावाद	1918-1935	मुकुटधर पाण्डेय
प्रगतिवाद	1936-1944	त्रिलोचन
प्रयोगवाद	1943- 1955	सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
प्रपद्यवाद	1956	नलिन विलोचन शर्मा

नोट- (i) प्रगतिवाद आन्दोलन की शुरूआत, लखनऊ में अप्रैल 1936 ई. में 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना से होती हैं इसके प्रथम अध्यक्ष मुंशी प्रेमचन्द हैं।
(ii) प्रपद्यवाद को नकेनवाद भी कहा जाता है क्योंकि इसमें बिहार के तीन कवि नलिन विलोचन शर्मा, केशरी कुमार और नरेश के प्रथम अक्षरों को मिलाकर 'नकेन' बनता है।

42. जीवनकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(A) सोहनलाल द्विवेदी, सूरदास, केशवदास, जगन्नाथदास रत्नाकर
(B) जगन्नाथदास रत्नाकर, सोहनलाल द्विवेदी, सूरदास, केशवदास
(C) सूरदास, केशवदास, जगन्नाथदास रत्नाकर, सोहनलाल द्विवेदी
(D) केशवदास, सूरदास, जगन्नाथदास रत्नाकर, सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर (C)

व्याख्या–जीवनकाल के अनुसार कवियों का क्रम - सूरदास (1483-1583), केशवदास (1555-1617) जगन्नाथ दास रत्नाकर (1866-1932), सोहन लाल द्विवेदी (1906.....) है।

43. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(A) कुवलयमालाकथा, राउलवेल, उक्तिव्यक्ति प्रकरण, वर्णरत्नाकर
(B) राउलवेल,कुवलयमालाकथा, उक्तिव्यक्ति प्रकरण, वर्णरत्नाकर
(C) उक्तिव्यक्ति प्रकरण, राउलवेल, कुवलयमालाकथा, , वर्णरत्नाकर
(D) वर्णरत्नाकर, उक्तिव्यक्ति प्रकरण, राउलवेल, कुवलयमालाकथा

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
कुवलयमाला कथा	778 ई.	उद्योतन सूरि
राउलवेल	10वीं शताब्दी	रोडा कवि
उक्तिव्यक्ति प्रकरण	12वीं शताब्दी	दामोदर शर्मा
वर्णरत्नाकर	14वीं शताब्दी	ज्योतिरीश्वर ठाकुर

44. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) साकेत, प्रियप्रवास, तुलसीदास, कृष्णायन
(B) प्रियप्रवास, साकेत, तुलसीदास, कृष्णायन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) कृष्णायन, प्रियप्रवास, साकेत, तुलसीदास
(D) तुलसीदास, प्रियप्रवास, साकेत, कृष्णायन

उत्तर (B)

व्याख्या-

काव्य ग्रन्थ	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
प्रियप्रवास	1914 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
तुलसीदास	1938 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
कृष्णायन	1943 ई.	द्वारिका प्रसाद

नोट-हिन्दी साहित्य में 'रामचरितमानस' के बाद रामकाव्य का दूसरा स्तम्भ मैथिलीशरण गुप्त कृत साकेत है। 'साकेत' शब्द मूलतः पालि भाषा का है जिसका अर्थ अयोध्या है। इसमें 12 सर्ग है।

45. रचनाकाल के आधार पर दिनकर की निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :

(A) दिनकर की डायरी, वट पीपल, संस्कृति के चार अध्याय, मिट्टी की ओर
(B) वट पीपल, संस्कृति के चार अध्याय, मिट्टी की ओर, दिनकर की डायरी
(C) मिट्टी की ओर, संस्कृति के चार अध्याय, वट पीपल, दिनकर की डायरी
(D) संस्कृति के चार अध्याय, मिट्टी की ओर, वट पीपल, दिनकर की डायरी

उत्तर (C)

व्याख्या–रचनाकाल के अनुसार रामधारी सिंह 'दिनकर' के निबन्ध संग्रह निम्नवत है - मिट्टी की ओर (1946), अर्द्धनारीश्वर (1952), रेती के फूल (1954), हमारी सांस्कृतिक एकता (1956), वेणुवन (1958), उजली आग (1956), राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता (1958), धर्म नैतिकता और विज्ञान (1959), वट पीपल (1961), साहित्यमुखी (1968) आधुनिकता बोध (1973) है।
नोट-अर्द्धनारीश्वर (1992) विष्णु प्रभाकर का उपन्यास है तथा अर्द्धनारीश्वर (1952), रामधारी सिंह दिनकर का निबन्ध संग्रह है।

46. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइए :

(A) चित्रलेखा, विराटा की पद्मिनी, बूँद और समुद्र, सुहाग के नूपुर
(B) विराटा की पद्मिनी, चित्रलेखा, बूँद और समुद्र, सुहाग के नूपुर
(C) सुहाग के नूपुर, चित्रलेखा, विराटा की पद्मिनी, बूँद और समुद्र
(D) बूँद और समुद्र, चित्रलेखा, सुहाग के नूपुर, विराटा की पद्मिनी

उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
विराटा की पद्‌मिनी	1929 ई.	वृन्दावन लाल वर्मा
चित्रलेखा	1934 ई.	भगवतीचरण वर्मा
बूंद और समुद्र	1956 ई.	अमृत लाल नागर
सुहाग के नूपुर	1960 ई.	अमृत लाल नागर

नोट-भगवती चरण वर्मा कृत 'चित्रलेखा' पर फ्रेन्च उपन्यासकार अनातोले के 'थाया' का प्रभाव है।

47. रचनाकाल की दृष्टि से प्रेमचन्द के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(A) गबन, गोदान, सेवासदन, रंगभूमि
(B) रंगभूमि, गोदान, गबन, सेवासदन
(C) गोदान, गबन, सेवासदन, रंगभूमि
(D) सेवासदन, रंगभूमि, गबन, गोदान

उत्तर (D)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य में उपन्यास विधा के जनक प्रेमचंद (1880-1936) के उपन्यासों का सही अनुक्रम - देवस्थान रहस्य (1905), प्रेमा (1907), सेवासदन (1918) वरदान (1921), प्रेमाश्रम (1922), रंगभूमि (1925), काया कल्प (1926), निर्मला (1927), प्रतिज्ञा (1929), गबन (1931), कर्मभूमि (1933), गोदान (1936), मंगलसूत्र (1936) है।
नोट-प्रेमचन्द के अधूरे उपन्यास मंगलसूत्र (1936) को उनके पुत्र अमृत राय ने 1948 में पूरा किया था।

48. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम है :

(A) बड़े भाई साहब, वापसी, डेफोडिल जल रहे हैं, पाल गोमरा का स्कूटर
(B) वापसी, बड़े भाई साहब, पाल गोमरा का स्कूटर, डेफोडिल जल रहे हैं।
(C) डेफोडिल जल रहे हैं, पाल गोमरा का स्कूटर, बड़े भाई साहब, वापसी
(D) बड़े भाई साहब, डेफोडिल जल रहे हैं, वापसी, पाल गोमरा का स्कूटर

उत्तर (A)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
बड़े भाई साहब	1931 ई.	प्रेमचन्द
वापसी	1960 ई.	उषा प्रियंवदा
डेफोडिल जल रहे हैं	1978 ई.	मृदुला गर्ग
पाल गोमरा का स्कूटर	1997 ई.	उदय प्रकाश

49. रचनाकाल की दृष्टि से सुरेन्द्र वर्मा के निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) छोटे सैयद बड़े सैयद, द्रौपदी, आठवाँ वर्ग, शकुंतला की अँगूठी
(B) शकुंतला की अँगूठी, द्रौपदी, आठवाँ वर्ग, छोटे सैयद बड़े सैयद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) द्रौपदी, आठवाँ सर्ग, छोटे सैयद बड़े सैयद, शकुंतला की अँगूठी
(D) आठवाँ सर्ग, द्रौपदी, छोटे सैयद बड़े सैयद, शकुंतला की अँगूठी

उत्तर (C)

व्याख्या- रचनाकाल के अनुसार सुरेन्द्र वर्मा, के नाटकों का क्रम - द्रौपदी (1972), सेतुबंधु (1972), नायक खलनायक बिदुषक (1972), सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975), आठवाँ सर्ग (1976), छोटे सैयद बड़े सैयद (1982), एक दूनी एक (1987), शकुन्तला की अँगूठी (1990), कैद-ए-हयात (1993) है।

50. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :
(A) कुकुरमुत्ता, दीपशिखा, पल्लव, कामायनी
(B) दीपशिखा, पल्लव, कामायनी, कुकुरमुत्ता
(C) कामायनी पल्लव, दीपशिखा, कुकुरमुत्त
(D) पल्लव, कामायनी, दीपशिखा, कुकुरमुत्ता

उत्तर (D)

व्याख्या-

काव्य कृतियाँ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
पल्लव	1928 ई.	सुमित्रानन्दन पंत
कामायनी	1936 ई.	जयशंकर प्रसाद
दीपशिखा	1942 ई.	महादेवी वर्मा
कुकुरमुत्ता	1942 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

नोट-जयशंकर प्रसाद कृत कामायनी (1936ई.) एक महाकाव्य है। कामायनी को छायावाद का उपनिषद कहा जाता है। कामायनी समरसतावाद-आनंदवाद से प्रभावित है तथा इसमें 15 सर्ग है एवं ताटंक छन्द का प्रयोग मिलता है।

51. रचनाकाल के आधार पर अज्ञेय की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :
(A) आँगन के पार द्वार, हरी घास पर क्षण भर, भग्नदूत, बावरा अहेरी
(B) भग्नदूत, हरी घास पर क्षण भर, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार
(C) हरी घास पर क्षण भर, भग्नदूत, बावरा अहेरी, आँगन के पार द्वार
(D) बावरा अहेरी, हरी घास पर क्षण भर, भग्नदूत, आँगन, के पार द्वार

उत्तर (B)

व्याख्या–सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के रचनाओं का रचनाकाल के अनुसार अनुक्रम - भग्नदूत (1933), चिन्ता (1942), इत्यलम् (1946) हरी घास पर क्षणभर (1949), बावरा अहेरी (1954), इंद्रधनुष रौंदे हुए थे (1957), अरी ओ करुणा प्रभामय (1959), आँगन के पार द्वार (1961), पूर्वा (1965), सुनहले शैवाल (1966), कितनी नावों में कितनी बार (1967), क्योंकि मैं उसे जानता हूँ (1969), सागर मुद्रा (1970), पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ (1973), महावृक्ष के नीचे (1977), नदी की बाँक छाया (1981), ऐसा कोई घर आपने देखा है (1986) है।

52. जीवनकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम है :
(A) श्रीधर पाठक, मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर, अज्ञेय
(B) मैथिलीशरण गुप्त, श्रीधर पाठक, दिनकर, अज्ञेय
(C) श्रीधर पाठक दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त, अज्ञेय
(D) श्रीधर पाठक, अज्ञेय, दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त

उत्तर (A)

व्याख्या–जीवनकाल की दृष्टि से रचनाकारों का सही अनुक्रम- श्रीधर पाठक (1859-1928), मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964), रामधारी सिंह 'दिनकर' (1908-1974), सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (1911-1987) है।

53. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कविताओं का सही अनुक्रम बताइए :
(A) अंधेरे में, असाध्यवीणा, सरोज-स्मृति, पटकथा
(B) असाध्यवीणा, सरोज-स्मृति, पटकथा, अंधेरे में
(C) सरोज-स्मृति, असाध्यवीणा, अंधेरे में, पटकथा
(D) पटकथा, सरोज-स्मृति, असाध्यवीणा, अंधेरे में

उत्तर (C)

व्याख्या-

काव्यकृति	प्रकाशन वर्ष	कवि
सरोज-स्मृति	1935 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
असाध्यवीणा	1961 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
अंधेरे में	1964 ई.	मुक्तिबोध
पटकथा	1972 ई.	धूमिल

नोट-सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' कृत 'सरोज स्मृति' (1935) को हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ तथा प्रथम शोकगीत माना जाता है।

54. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है :
(A) सतरंगे पंखों वाली, युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं, मिट्टी की बारात
(B) युग की गंगा, सतरंगे पंखों वाली, फूल नहीं रंग बोलते हैं, मिट्टी की बारात
(C) मिट्टी की बारात, युग की गंगा, सतरंगे पंखों वाली, फल नहीं रंग बोलते हैं
(D) फूल नहीं रंग बोलते हैं, युग की गंगा, मिट्टी की बारात, सतरंगे पंखों वाली

उत्तर (B)

व्याख्या-

काव्यकृति	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
युग की गंगा	1947 ई.	केदारनाथ अग्रवाल
सतरंगे पंखों वाली	1959 ई.	नागार्जुन
फूल नहीं रंग बोलते हैं	1965 ई.	केदारनाथ अग्रवाल
मिट्टी की बारात	1972 ई.	शिवमंगल सिंह सुमन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

55. ब्राह्मी लिपि के विकास का अनुक्रम है :

(A) ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, कुटिल लिपि, देवनागरी लिपि
(B) कुटिल लिपि, ब्राह्मी लिपि, गुप्त लिपि, देवनागरी लिपि
(C) ब्राह्मी लिपि,देवनागरी लिपि, गुप्त लिपि, कुटिल लिपि,
(D) देवनागरी लिपि, ब्राह्मी लिपि कुटिल लिपि, गुप्त लिपि,

उत्तर (A)

व्याख्या–ब्राह्मी लिपि का विकास इस प्रकार है-

ब्राह्मी
→ दक्षिणी शैली (तेलगु, तमिल, कन्नड लिपियों का विकास)
→ उत्तरी शैली
↓
गुप्तलिपि (4-5वीं शताब्दी)
↓
कुटिललिपि (सिद्धमात्रिका)
→ देवनागरी लिपि (9वीं शताब्दी)
→ शारदालिपि (10वीं शताब्दी)

नोट- देवनागरी को उत्तर भारत में नागरी तथा दक्षिण भारत में नन्दि नागरी कहते हैं। देवनागरी लिपि का प्रथम प्रयोग गुजरात के राजा जयभट्ट के शिलालेख में पाया जाता है। गुजरात के नागर ब्राह्मणों के नाम पर इसका नाम 'नागरी' पड़ा।

56. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) शलभ में शापमय वर हूँ — (i) सुमित्रानंदन पंत
(B) दुःख ही जीवन की कथा रही — (ii) बच्चन
(C) वियोगी होगा पहला कवि — (iii) निराला
(D) जो बीत गयी सो बात गयी — (iv) महादेवी वर्मा
(v) जयशंकर प्रसाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	iii	iv	ii	i
(C)	iv	iii	i	ii
(D)	i	iv	iii	ii

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
शलभ मैं शापमय वर हूँ।	महादेवी वर्मा
दुःख ही जीवन की कथा रही	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
वियोगी होगा पहला कवि	सुमित्रा नंदन पंत
जो बीत गयी सो बात गयी	हरिवंश राय बच्चन
बीती विभावरी जाग री। अंबर पनघट में डुबो रही तारा घट उषा नागरी	जयशंकर प्रसाद

57. निम्नलिखित पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) मल्लिका — (i) देहान्तर
(B) देवसेना — (ii) आषाढ़ का एक दिन
(C) शीलवती — (iii) स्कंदगुप्त
(D) शर्मिष्ठा — (iv) कोमल गांधार
(v) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	i	iii
(B)	iii	ii	i	v
(C)	ii	iii	v	i
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या-

नाटक	पात्र	प्र0 वर्ष	नाटककार
आषाढ़ का एक दिन	मल्लिका, विलोम, मातुल दंतुल	1958	मोहन राकेश
स्कन्द गुप्त	देवसेना, पृथ्वीसेन कुमारगुप्त, भट्टार्क, बंधु वर्मा	1928	जयशंकर प्रसाद
सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	शीलवती	1975	सुरेन्द्र वर्मा
देहान्तर	शर्मिष्ठा, पुरू, ययाति, देवयानी	1987	नंदकिशोर आचार्य
कोमल गांधार	शकुनि	1982	शंकर शेष

58. निम्नलिखित आंचलिक उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) रतिनाथ की चाची — (i) रांगेय राघव
(B) परती परिकथा — (ii) नागार्जुन
(C) कब तक पुकारूँ — (iii) रामदरश मिश्र
(D) पानी के प्राचीर — (iv) फणीश्वरनाथ रेणु
(v) हिमांशु श्रीवास्तव

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	v
(B)	ii	iv	v	iii
(C)	iii	i	v	ii
(D)	ii	iv	i	iii

उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
रतिनाथ की चाची	1948 ई.	नागार्जुन
परती परिकथा	1957 ई.	फणीश्वरनाथ रेणु
कब तक पुकारूँ	1957 ई.	रांगेय राघव
पानी के प्राचीर	1961 ई.	रामदरश मिश्र

59. निम्नलिखित कवियों के साथ उनकी कृतियों को सुमेलित कीजिए :

(A) चिंतामणि — (i) छत्रसाल दशक
(B) मतिराम — (ii) काव्य मंजरी
(C) भूषण — (iii) वृत्त कौमुदी
(D) बोधा — (iv) विरह वारीश
(v) कवि कुलकल्पतरू

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	v
(B)	v	iii	i	iv
(C)	iv	iii	i	ii
(D)	ii	i	v	iv

उत्तर (B)

व्याख्या-	
रचना	रचनाकार
कवि कुलकल्पतरू	चिन्तामणि
वृत्त कौमुदी	मतिराम
छत्रसाल दशक	भूषण
विरह वारीश	बोधा
काव्य मंजरी	पदुमनदास

60. निम्नलिखित आचार्यों को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) बल्लभाचार्य — (i) विशिष्टद्वैतवाद
(B) निम्बार्काचार्य — (ii) अद्वैतवाद
(C) रामानुजाचार्य — (iii) द्वैतवाद
(D) मध्वाचार्य — (iv) द्वैताद्वैतवाद
(v) शुद्धद्वैतवाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	i	iii
(B)	i	ii	iv	iii
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	ii	i	iv	v

उत्तर (A)

व्याख्या-		
आचार्य	सिद्धान्त	सम्प्रदाय
बल्लभाचार्य	शुद्धाद्वैतवाद	रूद्र सम्प्रदाय
निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद	सनकादि सम्प्रदाय
रामानुजाचार्य	विशिष्ट द्वैतावाद	श्री सम्प्रदाय
मध्वाचार्य	द्वैतवाद	ब्रह्म सम्प्रदाय
शंकराचार्य	अद्वैतवाद	स्मार्त सम्प्रदाय

61. निम्नलिखित कृतियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) चंदायन — (i) कुतुबन
(B) मृगावती — (ii) मंझन
(C) अखरावट — (iii) मुल्ला दाउद
(D) मधुमालती — (iv) जायसी
(v) दामोदर कवि

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	v
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iv	v	i
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर (D)

व्याख्या-			
रचना	प्र० वर्ष	रचनाकार	भाषा
चंदायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद	अवधी
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन	अवधी
अखरावट	1541 ई.	जायसी	अवधी
मधुमालती	1545 ई.	मंझन	अवधी
लखनसेन-पदमावती कथा	1459 ई.	दामोदर कवि	राजस्थानी

62. निम्नलिखित कवियों को उनके कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) स्वयंभू — (i) संदेशरासक
(B) पुष्पदंत — (ii) पउम चरिउ
(C) अब्दुल रहमान — (iii) महापुराण
(D) शबरपा — (iv) राउलवेल
(v) चर्यापद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	iii	i	v
(C)	v	ii	iii	i
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर (B)

व्याख्या-	
रचना	रचनाकार
संदेशरासक	अब्दुल रहमान
पउमचरिउ	स्वयंभू
महापुराण	पुष्पदंत
चर्यापद	शबरपा
राउलवेल	रोड़ा कवि

63. भाषा की उत्पत्ति के सम्बन्ध में निम्नलिखित सिद्धान्तों को उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) धातु सिद्धान्त — (i) स्वीट
(B) यो हे हो सिद्धान्त — (ii) रेवेज

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) इंगित सिद्धान्त (iii) राये
(D) सम्पर्क सिद्धान्त (iv) न्वायर
(v) हेज

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	iv	v
(B)	iv	v	iii	ii
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	ii	iv	v	iii

उत्तर (C)

व्याख्या-

सिद्धान्त	**प्रतिपादक**
धातु सिद्धान्त/रणन सिद्धान्त	हेज/प्लेटो
यो हे हो सिद्धान्त	न्वायर
इंगित सिद्धान्त	राये
सम्पर्क सिद्धान्त	रेवेज
संकेत/निर्णयवाद	रूसो
संगीत सिद्धान्त	डार्विन, स्पेंसर, येस्पर्शन

64. निम्नलिखित आचार्यो को उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) भट्ट लोल्लट (i) अनुमितिवाद
(B) शंकुक (ii) अभिव्यक्तिवाद
(C) भट्टनायक (iii) भुक्तिवाद
(D) अभिनव गुप्त (iv) अभिव्यंजनावाद
(v) उत्पत्तिवाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	v	iii	ii
(B)	v	i	iii	ii
(C)	iii	ii	v	i
(D)	ii	iii	i	v

उत्तर (B)

व्याख्या-

आचार्य	**सिद्धान्त**	**दर्शन**
आचार्य लोल्लट	उत्पत्तिवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्ट नायक	भुक्तिवाद	सांख्य
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव
क्रोंचे	अभिव्यंजनावाद	

65. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके संपादकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) प्रतीक (i) बनारसीदास चतुर्वेदी
(B) विशाल भारत (ii) अज्ञेय
(C) कर्मवीर (iii) महादेवी वर्मा
(D) चाँद (iv) माखनलाल चतुर्वेदी
(v) प्रेमचंद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	iii	i	iv	iii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर (D)

व्याख्या-

पत्रिका	**स्थापना वर्ष**	**प्रथम सम्पादक**
प्रतीक	1947 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वत्स्यायन 'अज्ञेय'
विशाल भारत	1928 ई.	बनारसीदास चतुर्वेदी
कर्मवीर	1924 ई.	माखनलाल चतुर्वेदी
चाँद	1920 ई.	महादेवी वर्मा
हंस	1930 ई.	प्रेमचंद

कथोपकथन

66. स्थापना (Assertion) A : बिम्ब में अर्थ की सम्भाव्यता निहित होती है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि अर्थ हमेशा निश्चित होता है।

(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (C)

व्याख्या–बिम्ब (प्रतीक) में अर्थ की सम्भावना निहित होती है, परन्तु अर्थ हमेशा निश्चित नहीं होता है।

67. स्थापना (Assertion) A : जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कविता में कवि हृदय लोक सामान्य की भूमि पर पहुँच जाता है।

(A) (A) अंशत सही (R) सही
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (B)

व्याख्या–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- "जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है", क्योंकि कविता में कवि हृदय लोक-सामान्य की भूमि पर पहुँच जाता है।

68. स्थापना (Assertion) A : प्रेमचन्द यथार्थवाद से आदर्शवाद को श्रेष्ठ समझते थे
तर्क (Reason) R : क्योंकि आदर्शवाद उनकी दृष्टि में सम्पूर्ण जीवन-दृष्टि है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D)
(A) गलत (R) सही

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या—प्रेमचन्द्र प्रारम्भ में आदर्शवाद को श्रेष्ठ मानते थे। ये अपने रचना के अन्तिम दौर में आदर्श से यथार्थ की ओर बढ़ते हैं। आदर्शवाद ही प्रेमचन्द्र की दृष्टि में सम्पूर्ण जीवन नहीं था। प्रेमचन्द्र आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी रचनाकार हैं।

69. स्थापना (Assertion) A : कलामात्र के लिए वही साहित्य हो सकता है जो विचारशून्य हो।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कला विचारों से पलायन है।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और, (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (B)

व्याख्या—विचार भी एक कला है। कला विचार से पलायन नहीं करती बल्कि विचारों को सुरक्षित करती है। साहित्य का सृजन विचार के बिना असम्भव है।

70. स्थापना (Assertion) A : कहानी छोटे मुँह बड़ी बात करती है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कहानी लघुजीवन खण्ड के माध्यम से एक सम्पूर्ण जीवनबोध या सत्य को प्रकाशित करती है।
(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) सही (R) गलत
उत्तर (C)

व्याख्या—कहानी का आकार छोटा होने पर भी उसमें जीवनबोध तथा सत्य को प्रदर्शित करने की सामर्थ्य होती है। क्योंकि कहानी लघु जीवन खण्ड के माध्यम से एक सम्पूर्ण जीवनबोध या सत्य को प्रकाशित करती है।

71. स्थापना (Assertion) A : नाटक केवल चाक्षुष यज्ञ है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि आधुनिक मान्यता है कि नाटक में दृश्य की तुलना में श्रव्य तत्त्व कम महत्वपूर्ण होता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और, (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) सही (R) गलत
उत्तर (B)

व्याख्या—नाटक के दो तत्त्व प्रमुख हैं- श्रव्य और दृश्य। अर्थात् नाटक श्रव्य और दृश्य दोनों होता है। नाटक में दृश्य एवं श्रव्य दोनों तत्त्व महत्वपूर्ण है।

72. स्थापना (Assertion) A : साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि साहित्य का लक्ष्य केवल मनुष्य का चरित्र निर्माण है।
(A) (A) सही (R) सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) सही (R) गलत
उत्तर (D)

व्याख्या—बालकृष्ण भट्ट के अनुसार- "साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।" साहित्य का लक्ष्य सिर्फ चरित्र निर्माण ही नहीं है। बल्कि मनुष्य के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण करता है।

73. स्थापना (Assertion) A : काव्य आत्मा की संकल्पात्मक अनुभूति है। जिसका सम्बन्ध विश्लेषण, विकल्प या विज्ञान से नहीं है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि विज्ञान का सम्बन्ध संवेदना से नहीं होता।
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सहा
(D) (A) सही (R) गलत
उत्तर (B)

व्याख्या—जयशंकर प्रसाद के अनुसार- "काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है। जिसका सम्बन्ध विश्लेषण विकल्प या विधान से नहीं है। विज्ञान का सम्बन्ध तर्क से होता है जबकि साहित्य का सम्बन्ध संवेदना से होता है।

74. स्थापना (Assertion) A : संस्कृति के विकास के लिए मानसिक स्वतंत्रता अनिवार्य है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि संस्कृति एक मानसिक व्यापार है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) गलत, (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर (D)

व्याख्या—संस्कृति एक मानसिक व्यापार है। अतः संस्कृति के विकास के लिये मानसिक स्वतन्त्रता होनी चाहिए।

75. स्थापना (Assertion) A : स्त्री पैदा नहीं होती बनाई जाती है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि समाज उसे जन्म से वहीं संस्कार प्रदान करता है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (B)

व्याख्या—लिंग के आधार पर स्त्री पैदा होती है। लेकिन कर्म, व्यवहार, संवेदना इत्यादि के आधार पर स्त्री बनायी जाती है। समाज जन्म से उसे वही संस्कार प्रदान करता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2011

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णांक: 100

नोट प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. निम्नलिखित में से कौन सी बोली पश्चिमी हिन्दी की नहीं है?

(A) ब्रजभाषा (B) बुन्देली
(C) खड़ी बोली (D) अवधी

उत्तर (D)

व्याख्या–अवधी का विकास अर्धमागधी अपभ्रंश की पूर्वी हिन्दी उपभाषा की बोली है। जबकि ब्रजभाषा, खड़ी बोली तथा बुन्देली शौरसेनी अपभ्रंश पश्चिमी हिन्दी उपभाषा से विकसित हुई है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
1. शौरसेनी	पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी) ब्रजभाषा हरियाणवी या बाँगरू बुन्देली कन्नौजी
	राजस्थानी	पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	पहाड़ी	कुमायूँनी गढ़वाली नेपाली
2.अर्धमागधी	पूर्वी हिन्दी	अवधी बघेली छत्तीसगढ़ी
3. मगधी	बिहारी बंगला उड़िया असमिया	भोजपुरी मगही मैथिली
4. पैशाची	लहंदा पंजाबी	
5. ब्राचड़	सिंधी	
6. महाराष्ट्री	मराठी	

2. संविधान की आठवीं अनुसूची में कौन सी भाषा शामिल नहीं है?

(A) बोडो (B) मैथिली
(C) भोजपुरी (D) डोगरी

उत्तर (C)

व्याख्या–संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को सम्मिलित किया गया है। आरम्भ में संविधान में कुल 14 भाषाएँ थी। असमिया, बंगाली, गुजराती, हिन्दी, कन्नड,कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़ीया, पंजाबी, तमिल, तेलगू, संस्कृत, और उर्दू 21वां संविधान संशोधन (1967) ई0 द्वारा सिंधी को शामिल किया गया। 71वें संविधान संशोधन 1991 ई0 द्वारा कोकणी, मणिपुरी, नेपाली, तथा92वें संविधान 2003 ई0 में बोडो, संथाली, मैथिली, डोगरी को जोड़ा गया है।
संविधान की आठवीं अनुसूची में भोजपुरी शामिल नहीं है। इसे संविधान में शामिल करने का प्रस्ताव लाया गया है।

3. बिहारी उपभाषा वर्ग के अन्तर्गत कौन सी बोली नहीं होती है?

(A) भोजपुरी (B) बुन्देली
(C) मगही (D) मैथिली

उत्तर (B)

व्याख्या–भोजपुरी, मगही और मैथिली, मगही अपभ्रंश की बिहारी उपभाषा की बोलियां हैं। जबकि बुन्देली शौरसेनी अपभ्रंश की पश्चिमी हिन्दी उपभाषा की बोली है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी का प्रथम कवि किसे माना है?

(A) सरहपाद (B) पुष्य
(C) शालिभद्र सूरि (D) स्वयंभू

उत्तर (A)

व्याख्या-

हिन्दी के प्रथम कवि	जन्मकाल	मानने वाले विद्वान
सरहपाद	769ई. (8वीं शताब्दी)	राहुल सांस्कृत्यायन
पुष्य या पुण्ड	972 ई. (9वीं शताब्दी)	शिवसिंह सेंगर
शालिभद्र सूरि	12 वीं शताब्दी	गणपति चन्द्र गुप्त
स्वयंभू	783ई. (8वीं शताब्दी)	राम कुमार वर्मा

नोट-सर्वसम्मति से सरहपाद (769ई.) को ही हिन्दी का प्रथम कवि माना जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. निम्नलिखित में से अष्टछाप का कवि कौन नहीं है?
(A) मलूकदास (B) सूरदास
(C) परमानन्ददास (D) कुम्भनदास
उत्तर (A)

व्याख्या– आचार्य रामचंद्र शुक्ल अपने 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का सही प्रस्तुत अनुक्रम निम्नवत है अष्टछाप कवियों का जीवनक्रम-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583ई.	सीही (उ.प्र.)	,,
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	,,
कृष्णदास	1496-1578ई.	चिलोतरा(गुजरात)	,,
गोविन्द स्वामी	1505-1585ई.	आंतरी(राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585ई.	मथुरा (उ.प्र.)	,,
चतुर्भुजदास	1530-1585ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	,,
नंददास	1533-1583ई.	रामपुर (उ.प्र.)	,,

6. निम्नलिखित में से कौन सी रचना चिन्तामणि की है?
(A) अलंकार प्रकाश (B) रसराज
(C) कवि कुलकल्पतरू (D) काव्य निर्णय
उत्तर (C)

व्याख्या-

काव्य रचना	रचनाकाल	रचनाकार
अलंकार प्रकाश	1648 ई.	भूषण (मुरलीधर)
रसराज	1663 ई.	मतिराम
कविकुल कल्पतरु	1650 ई.	चिंतामणि
काव्य निर्णय	1746 ई.	भिखारीदास

7. इनमें से कौन सा कवि द्विवेदी युग का है?
(A) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'
(B) राधाकृष्णदास
(C) जसवन्त सिंह
(D) गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
उत्तर (D

व्याख्या–बदरी नारायण चौधरी प्रेमधन (1855-1923ई.) एवं राधाकृष्ण दास (1865- 1907ई.) भारतेन्दु युग के तथा गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही' (1883- 1972ई.) द्विवेदी युग के कवि हैं, जबकि जसवन्त सिंह (1626-1688ई.) रीतिकाल के कवि हैं।

8. इनमें से कौन सा कवि प्रगतिवादी नहीं है?
(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) भवानीप्रसाद मिश्र
(C) त्रिलोचन (D) शिवमंगल सिंह 'सुमन'
उत्तर (B)

व्याख्या–केदारनाथ अग्रवाल (1911-2000ई.) वासुदेव सिंह 'त्रिलोचन' (1917-2007), तथा शिवमंगल सिंह 'सुमन' (1915-2002) आदि सभी प्रगतिवादी कवि हैं। जबकि भवानी प्रसाद मिश्र (1913-1985ई.) प्रयोगवाद कवि हैं तथा यह दूसरे सप्तक में संकलित हैं।

9. 'पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ'- किसकी पंक्ति है?
(A) अज्ञेय (B) नागार्जुन
(C) रामकुमार वर्मा (D) शमशेरबहादुर सिंह
उत्तर (A)

व्याख्या- पंक्ति	पंक्तिकार
पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ।	अज्ञेय
धुन खाये शहतरों पर ही बारह खड़ी विधाता बाँचे।	नागार्जुन
एक पीली शाम, पतझर का जरा अटका हुआ पत्ता।	शमशेर बहादुर सिंह
हे ग्राम देवता नमस्कार सेना-चाँदी से नहीं किन्तु तुमने मिट्टी से दिया प्यार	रामकुमार वर्मा

10. निम्नलिखित में से कौन सी रचना सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की नहीं है?
(A) काठ की घंटियाँ (B) कुआनो नदी
(C) आत्महत्या के विरुद्ध (D) लिपटा रजाई में
उत्तर (C)

व्याख्या–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य कृतियाँ - काठ की घण्टियाँ, बाँस का पुल, एक सूनी नाँव, गर्म हवाएँ कुआनो नदी, कविताएँ-1, कविताएँ-2, जंगल का दर्द, खूटियों पर टँगे लोग, काफी हाउस में एक मेलोड्रामा, अहं से मेरे बड़ी हो तुम, विगत प्यार, लिपटा रजाई में मैंने कब कहा इत्यादि।
रघुवीर सहाय की रचनाएँ- सीढ़ियों पर धूप में (1960), आत्महत्या के विरुद्ध (1967), हँसो हँसो जल्दी हँसो (1975), लोग भूल गए हैं (1982) कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989), एक समय था इत्यादि है।

11. 'इन्दु' पत्रिका के संपादक का नाम है
(A) अम्बिकाप्रसाद गुप्त (B) जगदीश गुप्त
(C) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' (D) काशीप्रसाद जायसवाल
उत्तर (A)

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	पत्रिका का प्रकार/प्रकाशन स्थल
इन्दु	1909 ई.	अम्बिका प्रसाद गुप्त	मासिक/काशी
नयी कविता	1954 ई.	जगदीश गुप्त	अर्द्धवार्षिक/ इलाहाबाद
समालोचक	1902 ई.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'	मासिक/ जयपुर
पाटलिपुत्र	1914 ई.	काशी प्रसाद जायसवाल	मासिक/ पटना

12. 'रसगंगाधर' किसका ग्रन्थ है?
(A) मम्मट (B) पंडितराज जगन्नाथ
(C) विश्वनाथ (D) क्षेमेन्द्र
उत्तर (B)

व्याख्या-

ग्रन्थ	ग्रन्थकार
रस गंगाधर	पण्डित राज जगन्नाथ
काव्य प्रकाश	मम्मट
कवि कण्ठाभरण	क्षेमेन्द्र
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ कविराज

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

13. निम्नलिखित में से कौन सा उपन्यास देवकीनन्दन खत्री का नहीं है?
(A) नरेन्द्र मोहिनी (B) भाग्यवती
(C) चन्द्रकान्ता (D) कुसुम कुमारी
उत्तर (B)

व्याख्या–चंद्रकांता (1888), चंद्रकांता संतति (24 भाग- 1896) नरेन्द्र मोहिनी (1893), वीरेन्द्र वीर (1895) कुसुम कुमारी (1899) काजर की कोठरी (1902), अनूठी बेगम (1905), गुप्त गोदना (1913), भूतनाथ (6 भाग- 1907) इत्यादि देवकी नंदन खत्री के उपन्यास हैं।
जबकि भाग्यवती (1877)- श्रद्धाराम फुल्लौरी और कुसुमलता (1899)- हरेकृष्ण जौहर का उपन्यास है।
नोट- देवकी नंदन खत्री कृत भूतनाथ (6भाग- 1907) अधूरा उपन्यास है।

14. निम्नलिखित में से कौन सा कहानीकार ग्रामीण चेतना का नहीं है?
(A) मारकण्डेय (B) विवेकी राय
(C) शिवप्रसाद सिंह (D) निर्मल वर्मा
उत्तर (D)

व्याख्या–निर्मल वर्मा पाश्चात्य परम्परा के कहानीकार/उपन्यासकार माने जाते हैं। इनकी कहानियों में रोमानी रुचि से प्रभावित है। निर्मल वर्मा अवसाद निराशा, अलगाव बोध संत्रास भाव, मन की अंधकार भरी गुफाओं में भटकने वाली चेतना के उपन्यासकार है। जबकि मारकण्डेय, विवेकी राय तथा शिवप्रसाद सिंह ग्रामीण चेतना के कहानीकार हैं।

15. 'आवारा मसीहा' रचना किसके जीवन पर आधारित है?
(A) बंकिमचन्द्र
(B) प्रेमचन्द (C) शरतचन्द्र
(D) रवीन्द्रनाथ टैगेर **उत्तर (C)**

व्याख्या–बंगला के प्रसिद्ध उपन्यासकार शरतचन्द्र चटोपाध्याय के जीवन पर विष्णु प्रभाकर ने 'आवारा मसीहा' (1974ई.) नामक जीवनी लिखी। यह तीन पर्वो में विभक्त है- 'दिशाहरा', 'दिशा की खोज' और 'दिशांत'।
जबकि प्रेमचंद की जीवनी उनकी पत्नी शिवरानी देवी ने 'प्रेमचंद के घर में (1944) नाम से किया। प्रेमचंद के पुत्र अमृतराय ने प्रेमचन्द्र की जीवनी 'कलम का सिपाही' (1962ई.) में लिखा है।

16. निम्नलिखित में से कौन सी रचना नाट्यकाव्य नहीं है?
(A) अग्निलोक (B) परशुराम की प्रतीक्षा
(C) अंधायुग (D) एक कंठ विषपायी
उत्तर (B)

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
अग्निलीक	1976ई.	भारत भूषण अग्रवाल	नाट्य काव्य
अंधायुग	1955ई.	धर्मवीर भारती	नाट्य काव्य
एक कंठ विषपायी	1963ई.	दुश्यन्त कुमार	नाट्य काव्य
परशुराम की प्रतीक्षा	1963ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'	काव्य

17. निम्नलिखित में से कौन सा ग्रन्थ हजारी प्रसाद द्विवेदी का नहीं है?
(A) अशोक के फूल (B) कुटज
(C) विचार प्रवाह (D) वृन्त और विकास
उत्तर (D)

व्याख्या–अशोक के फूल (1948), कल्पलता (1951), मध्यकालीन धर्म साधना (1952), विचार और वितर्क (1957), विचार प्रवाह (1959), कुटज (1964), साहित्य सहचर (1965), आलोक पर्व (1972) इत्यादि हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907-1971) के निबन्ध संग्रह हैं।
जबकि कवि और काव्य (1936), साहित्यिकी (1938), जीवनयात्रा, संचारिणी (1939), युग और साहित्य (1941), सामयिकी (1955), धरातल (1948), प्रतिष्ठान, सांकल्प (1955), आधान (1957), वृन्त और विकास (1959) इत्यादि शान्तिप्रिय द्विवेदी के निबंध संग्रह हैं।

18. 'प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ' नामक ग्रन्थ के लेखक का नाम क्या है?
(1) नगेन्द्र (2) नंददुलारे वाजपेयी
(3) कुबेरनाथ राय (4) रामविलास शर्मा
उत्तर (D)

व्याख्या-

आलोचना ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ	1954ई.	रामविलाश शर्मा
रस सिद्धान्त	1977ई.	नन्द दुलारे वाजपेयी
रीतिकाव्य की भूमिका	1941ई.	डॉ. नागेन्द्र
महाकवि की तर्जनी	1979ई.	कुबेरनाथ राय

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

19. इनमें से कौन 'रससूत्र' का व्याख्याता नहीं है?
(A) शंकुक (B) भट्टलोल्लट
(C) वामन (D) अभिनव गुप्त
उत्तर (C)

व्याख्या–भरतमुनि के 'रस सूत्र' के व्याख्याकारों में चार नाम आता है जिनमें - भट्ट लोल्लट, शंकुक भट्टनायक एवं अभिनवगुप्त है। जबकि वामन रीति सम्प्रदाय के जनक (प्रवर्तक) माने जाते हैं।

20. 'द प्रिंसिपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म' किसका ग्रन्थ है?
(A) आई.ए. रिचर्ड्स (B) मैथ्यू आर्नल्ड
(C) लुकाच (D) क्रोचे
उत्तर (A)

व्याख्या–'द प्रिसिंपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म (1924), प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म (1929), साइंस एण्ड पोएट्री (1926), दि फिलासफी ऑफ रेटारिक (1936) आदि आई.ए. रिचर्ड्स (1893-1979) की रचनाएँ हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

ऐस्थेटिक (1902), क्रोचे की रचना है। जबकि कल्चर एण्ड अनार्की (1869), लिट्रेचर एण्ड ड्रामा (1873), एसेज आन चर्च एण्ड स्टेट, द फंक्शन ऑफ क्रिटिसिज्म एट द प्रेजेन्ट टाइम (1877) आदि मैथ्यू आर्नल्ड की रचना है।

तथ्य विविधा

21. निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, कुरुक्षेत्र।
(B) साकेत, प्रियप्रवास, कुरुक्षेत्र, कामायनी।
(C) कामायनी, कुरुक्षेत्र, साकेत, प्रियप्रवास।
(D) प्रियप्रवास, कामायनी, कुरुक्षेत्र, साकेत।

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
प्रिय प्रवास	1914ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	प्रबन्धकाव्य
साकेत	1931ई.	मैथिलीशरण गुप्त	महाकाव्य
कामायनी	1936ई.	जयशंकर प्रसाद	महाकाव्य
कुरुक्षेत्र	1946ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'	प्रबन्धकाव्य

22. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से हिन्दी पत्रिकाओं का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, भरतोदय, हरिश्चन्द्र मैगजीन
(B) ब्राह्मण, हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनन्द कादम्बिनी, भारतोदय
(C) हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनन्द कादम्बिनी, ब्राह्मण, भारतोदय
(D) भारतोदय, ब्राह्मण, हरिश्चन्द्र मैगजीन, आनन्द कादम्बिनी,

उत्तर (C)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	पत्रिका का प्रकार/स्थान
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873 ई.	भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र	मासिक/ बनारस
आनन्द कादम्बिनी	1881ई.	बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'	मासिक/ मिर्जापुर
ब्राह्मण	1883ई.	प्रतापनारायण मिश्र	मासिक/ कानपुर
भारतोदय	1885ई.	सीताराम शर्मा	दैनिक/ कानपुर

23. निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए।

(A) उपेन्द्रनाथ अश्क, इलाचन्द्र जोशी, मोहन राकेश, नरेन्द्र कोहली।
(B) इलाचन्द्र जोशी, उपेन्द्रनाथ अश्क, मोहन राकेश, नरेन्द्र कोहली।
(C) इलाचन्द्र जोशी, उपेन्द्रनाथ अश्क, मोहन राकेश, नरेन्द्र कोहली।
(D) नरेन्द्र कोहली, मोहन राकेश, इलाचन्द्र जोशी, उपेन्द्रनाथ अश्क।

उत्तर (B)

व्याख्या–रचनाकारों का जीवनकाल के अनुसार अनुक्रम- इलाचन्द्र जोशी (1902-1982ई.) उपेन्द्रनाथ अश्क (1910-1996ई.) मोहन राकेश (1925-1972ई.) तथा नरेन्द्र कोहली (1940ई.) है।

24. रामचरितमानस के काण्डों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, अरण्यकाण्ड
(B) बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड
(C) अयोध्याकाण्ड,बालकाण्ड,अरण्यकाण्ड,किष्किन्धाकाण्ड
(D) अयोध्याकाण्ड,अरण्यकाण्ड,बालकाण्ड,किष्किन्धाकाण्ड

उत्तर (B)

व्याख्या–तुलसीदास द्वारा कृत रामचरित मानस (1574ई) में सात काण्ड है। जिनका अनुक्रम इस प्रकार है- बालकाण्ड- अयोध्याकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड- सुन्दरकाण्ड- लंकाकाण्ड- उत्तरकाण्ड है।

25. कवियों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) द्विजदेव, केशवदास, विद्यापति, रसखान।
(B) विद्यापति,द्विजदेव, रसखान, केशवदास।
(C) विद्यापति, रसखान, केशवदास, द्विजदेव।
(D) रसखान, विद्यापति, केशवदास, द्विजदेव ।

उत्तर (C)

व्याख्या–कवियों का जीवनकाल के अनुसार अनुक्रम- विद्यापति (1350-1460), रसखान (1533-1618ई.), केशवदास (1555-1617ई.) तथा द्विजदेव (1820-1861ई.) है।

26. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) कहै कबीर सुनो भाई साधो, भारत दुर्दशा, स्कन्दगुप्त, कबिरा खड़ा बाजार में।
(B) भारत दुर्दशा, स्कन्दगुप्त, कबिरा खड़ा बाजार में, कहै कबीर सुनो भाई साधो ।
(C) स्कन्दगुप्त, कहै कबीर सुनो भाई साधो, भारत दुर्दशा, कबिरा खड़ा बाजार में,
(D) भारत दुर्दशा, कबिरा खड़ा बाजार में, स्कन्दगुप्त, कहै कबीर सुनो भाई साधो, ।

उत्तर (B)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
भारत दुर्दशा	1880ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
स्कन्द गुप्त	1928ई.	जयशंकर प्रसाद
कबिरा खड़ा बाजार में	1972ई.	भीष्म साहनी
कहै कबीर सुने भाई साधो	1987ई.	नरेन्द्र मोहन

27. निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) धरती धन न अपना, झूठा सच, आधा गाँव, धार।
(B) धार, झूठा सच, आधा गाँव,,धरती धन न अपना, , ।
(C) झूठा सच, धरती धन न अपना, आधा गाँव, धार।
(D) झूठा सच, आधा गाँव, धरती धन न अपना, धार।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उत्तर (D)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
झूठा सच (दो भाग)	प्रथम भाग 1958 द्वितीय भाग 1960	यशपाल
आधा गाँव	1966ई.	राही मासूम रजा
धरती धन न अपना	1972ई.	जगदीश चन्द
धार	1990ई.	संजीव

28. प्रकाशन-वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) पंच परमेश्वर, परदा, परिन्दे, पाल गोमरा का स्कूटर
(B) पंच परमेश्वर, परिन्दे, परदा, पाल गोमरा का स्कूटर
(C) परदा, पंच परमेश्वर, परिन्दे, पाल गोमरा का स्कूटर
(D) परिन्दे, परदा, पाल गोमरा का स्कूटर, पंच परमेश्वर

उत्तर (A)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
पंच परमेश्वर	1916 ई.	प्रेमचन्द
परदा	1944 ई.	यशपाल
परिन्दे	1960ई.	निर्मल वर्मा
पाल गोमरा का स्कूटर	1997 ई.	उदय प्रकाश

29. निम्नलिखित निबन्धकारों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्णसिंह, श्यामसुन्दर दास, बाबू गुलाबराय।
(B) सरदार पूर्णसिंह, बालमुकुन्द गुप्त, श्यामसुन्दर दास, बाबू गुलाबराय।
(C) श्यामसुन्दर दास, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्णसिंह, बाबू गुलाब राय।
(D) बाबू गुलाबराय, श्यामसुन्दर दास, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्णसिंह,

उत्तर (A)

व्याख्या-

निबन्धकार	जीवनकाल
बालमुकुन्द गुप्त	1865-1907ई.
श्याम सुन्दर दास	1875-1945ई.
सरदार पूर्ण सिंह	1881-1939ई.
बाबू गुलाब राय	1888-1963ई.

30. निम्नलिखित आचार्यों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) भरतमुनि, भामह, विश्वनाथ, अभिनव गुप्त
(B) भरतमुनि, विश्वनाथ,भामह, अभिनव गुप्त
(C) भरतमुनि, भामह, अभिनव गुप्त. विश्वनाथ
(D) भरतमुनि, अभिनव गुप्त. विश्वनाथ, भामह

उत्तर (C)

व्याख्या-

आचार्य	जीवनकाल	प्रमुख रचना
भरतमुनि	द्वितीय शताब्दी	नाट्य शास्त्र
भामह	6वीं शताब्दी	काव्यालंकार
अभिनव गुप्त	10-11वीं शताब्दी	ध्वन्यालोकलोचन
विश्वनाथ	14वीं शताब्दी	साहित्य दर्पण

31. निम्नलिखित कृतियों को उनके निबन्धकारों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) पगडंडियों का जमाना — (i) श्रीलाल शुक्ल
(B) अंगद का पाँव — (ii) कुबेरनाथ राय
(C) गन्ध मादन — (iii) शरद जोशी
(D) जीप पर सवार इल्लियाँ — (iv) हरिशंकर परसाई
(v) रवीन्द्रनाथ त्यागी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	v	ii	i	iv
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	i	iv	ii	iii

उत्तर (C)

व्याख्या-

निबन्ध	रचनाकाल	निबन्धकार
पगडंडियों का जमाना	1966 ई.	हरिशंकर परसाई
अंगद का पाँव	1958 ई.	श्री लाल शुक्ल
गन्ध मादन	1972 ई.	कुबेरनाथ राय
जीप पर सवार इल्लियाँ	1971 ई.	शरद जोशी
फूलों वाले कैक्टस	1978ई.	रवीन्द्रनाथ त्यागी

32. निम्नलिखित आलोचकों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) रामस्वरूप चतुर्वेदी — (i) छायावाद का पतन
(B) देवराज — (ii) हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास
(C) रामविलास शर्मा — (iii) नयी कविता के प्रतिमान
(D) लक्ष्मीकांत वर्मा — (iv) आस्था और सौन्दर्य
(v) कविता के नये प्रतिमान

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	i	ii
(B)	iv	v	ii	i
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर (D)

व्याख्या-

आलोचना	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	1986 ई.	रामस्वरूप चतुर्वेदी
छायावाद का पतन	1948 ई.	डॉ. देवराज
आस्था और सौन्दर्य	1961 ई.	राम विलास शर्मा
नयी कविता के प्रतिमान	1957 ई.	लक्ष्मीकान्त वर्मा
कविता के नए प्रतिमान	1968 ई.	नामवर सिंह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. निम्नलिखित कहानियों को उनके कहानीकारों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) ग्यारह वर्ष का समय (i) बंग महिला
(B) दुलाईवाली (ii) जयशंकर प्रसाद
(C) ग्राम (iii) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द
(D) रानी केतकी की कहानी (iv) रामचन्द्र शुक्ल
(v) इंशा अल्ला खाँ

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	iv	i	ii	v
(C)	i	iii	iv	v
(D)	v	ii	iv	i

उत्तर (B)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
ग्यारह वर्ष का समय	1903 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
दुलाई वाली	1907 ई.	बंग महिला (राजेन्द्र बाला घोष)
ग्राम	1911 ई.	जयशंकर प्रसाद
रानी केतकी की कहानी	1808 ई.	इंशा अल्ला खाँ
राजा भोज का सपना	1850-80ई.	शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'

34. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) विराटा की पद्मिनी (i) चतुरसेन शास्त्री
(B) वैशाली की नगरवधू (ii) वृन्दावनलाल वर्मा
(C) दिव्या (iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(D) चारुचन्द्र लेख (iv) यशपाल
(v) जैनेन्द्र कुमार

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	iii	i
(D)	i	iii	iv	v

उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
विराटा की पद्मिनी	1936 ई.	वृन्दावन लाल वर्मा
वैशाली की नगरवधू	1949 ई.	चतुरसेन शास्त्री
दिव्या	1945 ई.	यशपाल
चारुचन्द्र लेख	1963 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
परख	1929 ई.	जैनेन्द्र

35. निम्नलिखित काव्यसंग्रहों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) हिम किरीटिनी (i) त्रिलोचन
(B) अमोला (ii) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) काल तुझसे होड़ है (iii) भवानी प्रसाद मिश्र
(D) गीत फरोश (iv) शमशेर बहादुर सिंह
(v) शिवमंगलसिंह सुमन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	v	i
(B)	iii	i	v	ii
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर (D)

व्याख्या-

काव्य संग्रह	प्रकाशन वर्ष	कवि
हिम किरीटनी	1943 ई.	माखन लाल चतुर्वेदी
अमोला		वासुदेव सिंह 'त्रिलोचन'
काल तुझसे होड़ है	1988 ई.	शमशेर बहादुर सिंह
गीत फरोश	1953 ई.	भवानी प्रसाद मिश्र
मिट्टी की बारात	1972 ई.	शिव मंगल सिंह सुमन

36. निम्नलिखित आत्मकथाओं को उनकी लेखिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए

(A) एक कहानी यह भी (i) प्रभा खेतान
(B) अन्या से अनन्या (ii) रमणिका गुप्ता
(C) हादसे (iii) अमृता प्रीतम
(D) रसीदी टिकट (iv) मन्नू भण्डारी
(v) मैत्रेयी पुष्पा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	ii	iii
(B)	i	iv	ii	iii
(C)	ii	iii	i	iv
(D)	iii	iv	i	ii

उत्तर (A)

व्याख्या-

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
कली यह भी एक कहानी यह भी	2007 ई. 2007 ई.	मन्नू भण्डारी
अन्या से अनन्या	2007 ई.	प्रभा खेतान
हादसे	2005 ई.	रमणिका ठाकुर गुप्ता
रसीदी टिकट	1976 ई.	अमृता प्रीतम
कस्तूरी कुण्डल बसै गुड़िया भीतर गुड़िया	भाग-1 (2002) भाग-2 (2008)	मैत्रेयी पुष्पा

37. निम्नलिखित कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) ग्लोबल गाँव के देवता (i) मोहनदास नैमिशराय
(B) जूठन (ii) रणेन्द्र
(C) मुक्तिपर्व (iii) सूरजपाल चौहान
(D) छप्पर (iv) जयप्रकाश कर्दम
(v) ओमप्रकाश बाल्मीकि

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	ii	v
(B)	v	iv	iii	i

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) ii v i iv
(D) v i ii iv
उत्तर (C)

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
ग्लोबल गॉंव के देवता		रणेन्द्र	उपन्यास
जूठन	1997 ई.	ओम प्रकाश बाल्मीकि	आत्मकथा
मुक्ति पर्व	1999 ई.	मोहन दास नैमिशराय	उपन्यास
छप्पर	1994 ई.	जय प्रकाश कर्दम	उपन्यास
संतप्त	2006	सूरजपाल सिंह चौहान	आत्मकथा

38. निम्नलिखित उक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) गोरख जगायो जोग, भगति भगाया लोग। — (i) घनानन्द
(B) अनबूड़े बूड़े तिरे, जे बूड़े सब अंग। — (ii) मीराबाई
(C) अति सूधो सनेह को मारक है। — (iii) सूरदास
(D) बसो मेरे नैनन में नंद लाल — (iv) बिहारी
(v) तुलसी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	v	iv	i	ii
(C)	ii	iv	v	i
(D)	i	iv	ii	v

उत्तर (B)

व्याख्या-

उक्ति	उक्तिकार
गोरख ....लोग	तुलसीदास
अनबूड़े .... सब अंग	बिहारी
अति .... मारग है	घनानन्द
बसो ....नन्दलाल	मीराबाई
लरिकाई कौ प्रेम कहौ अलि कैसे करि के छूटत	सूरदास

39. निम्नलिखित उक्तियों को उनके ग्रन्थकारों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) प्रददोषौ शत्दार्थै सगुणावलंकृती पुनःक्वापि — (i) भट्टतौत
(B) प्रज्ञानवनवोन्येषशालिनी प्रतिभा मता — (ii) तुलसी
(C) न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनिता मुखम् — (iii) मम्मट
(D) कीरति भनिति भूति भल सोई। सुरसरि सम सब कहँ हित होई।। — (iv) भामह
(v) जायसी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	ii	iv
(B)	i	v	iv	ii
(C)	i	iii	iv	ii
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर (D)

उक्ति	उक्तिकार
प्रददोषौ ....पुनः क्वपि	मम्मट
प्रज्ञा ....मता	भट्टतौत
न कान्तमपि ....मुखम	भामह
कीरति ....हित होई	तुलसी
कवि विआस रस कवँला पूरी। दूरिहि निअर निअर भा दूरी।।	जायसी

40. निम्नलिखित कृतियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए

(A) द कम्यूनिस्ट मेनोफेस्टो — (i) कॉडवेल
(B) द यूज ऑफ पोयट्री एंड यूज ऑफ क्रिटिसिज्म — (ii) आर्नल्ड मैथ्यू
(C) इल्यूजन एंड रिएलिटी — (iii) कार्ल मार्क्स
(D) द पोयटिक इमेज — (iv) टी.ए. इलिएट
(v) सी.डे.लेविस

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	v	i
(B)	iii	i	iv	v
(C)	iii	iv	i	v
(D)	v	iv	i	iv

उत्तर (C)

व्याख्या-

कृति	लेखक
द कम्यूनिस्ट मेनीफेस्टो	कार्ल मार्क्स
द यूज ऑफ पोयट्री एण्ड यूज ऑफ क्रिटिसिज्म	टी.एस. इलियट
इल्यूजन एण्ड रियलिटी	कॉडवेल
द पोय टिक इमेज	सी. डे. लेविस
कल्चर एण्ड अनार्की	मैथ्यू अर्नाल्ड

निर्देश:निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45) के उत्तरों के दिए गये बहु विकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं उनके मन की गम्भीरता और शान्ति समुद्र की तरह विशाल और गहरी या आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है। वे कभी चंचल नहीं होते। रामायण में बाल्मीकि जी ने कुम्भकर्ण की गाढ़ी नींद में वीरता का एक चिह्न दिखलाया है। सच है, सच्चे वीरों की नींद आसानी से नहीं खुलती। ये सत्वगुण के क्षीर समुद्र में ऐसे डूबे रहते हैं कि इनको दुनिया की खबर ही नहीं होती। वे संसार के सच्चे परोपकारी होते हैं। ऐसे लोग दुनिया के तख्ते को अपनी आँख की पलकों से हलचल मे डाल देते हैं। जब ये शेर जागकर गर्जते हैं, तब सदियों तक इनकी आवाज की गूँज सुनाई देती रहती है और सब आवाजें बन्द हो जाती हैं।

41. सच्चे वीर पुरुष कैसे होते हैं?
(A) सुन्दर, शान्त और चंचल
(B) बुद्धिमान और कायर
(C) तमो और रजोगुण से परिपूर्ण
(D) धीर, गम्भीर और आजाद
उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–सच्चे वीर पुरुष धीर, गम्भीर और आजाद होते हैं, उनके मन की गम्भीरता और शान्ति समुद्र की तरह विशाल और गहरी या आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है।

42. कुम्भकर्ण का उल्लेख किस सन्दर्भ में किया गया है?
(A) वीरता के सन्दर्भ में (B) आलस के सन्दर्भ में
(C) गाढ़ी नींद के सन्दर्भ में (D) कायरता के सन्दर्भ में
उत्तर (A)

व्याख्या–कुम्भकर्ण की गाढ़ी नींद का उल्लेख वीरता के सन्दर्भ में किया गया है। सच्चे वीरों की नींद आसानी से नहीं खुलती ये सत्वगुण के क्षीर समुद्र में डूबे रहते हैं।

43. जब सच्चे वीर जागकर शेर की तरह गर्जते हैं तो क्या होता है?
(A) लोग डरकर भाग जाते हैं।
(B) अपनी वीरता खो देते हैं।
(C) सदियों तक उनकी आवाज की गूँज सुनाई देती है।
(D) युद्ध के मैदान में डट जाते हैं।
उत्तर (C)

व्याख्या–जब सच्चे वीर जागकर शेर की तरह गरजते हैं तो सदियों तक उनकी आवाज की गूँज सुनाई देती है।

44. सच्चे वीर के मन की गम्भीरता कैसी होती है?
(A) पहाड़ की तरह ऊँची और पानी की तरह तरल
(B) समुद्र की तरह विशाल और आकाश की तरह स्थिर
(C) हवा की तरह अमूर्त और आग की तरह ज्वलनशील
(D) बर्फ की तरह शीतल और चीनी की तरह मीठी
उत्तर (B)

व्याख्या–सच्चे वीर के मन की गम्भीरता समुद्र की तरह विशाल और गहरी या आकाश की तरह स्थिर और अचल होती है।

45. इस अवतरण का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?
(A) सच्ची मानवता (B) सच्ची दयालुता
(C) सच्ची धीरता (D) सच्ची वीरता
उत्तर (D)

व्याख्या-इस गद्यावतरण का उपयुक्त शीर्षक 'सच्ची वीरता' हो सकता है।

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 46 से 50 तक दी गयी स्थापनाओं (Assertion) और तर्कों (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

46. स्थापना (Assertion) A : चिन्तन की अपेक्षा कर्म सत्य के अधिक समीप होता है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कर्म में सक्रियता और व्यावहारिकता होती है।
(A) (A) और (R) दोनों सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D)(A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या–चिन्तन में काल्पनिकता का भी समावेश होता है क्योंकि कल्पना व्यक्ति अपने मानसिक स्थिति के अनुसार करता है जबकि कर्म में सत्य ज्यादा होता है। क्योंकि कर्म सक्रिय एवं व्यवहारिक भी होता है।

47. स्थापना (Assertion) A : भाषा ही एकमात्र साधन है जो अन्य पशुओं से मनुष्य को पृथक करती है।
तर्क (Reason) R : **क्योंकि भाषा केवल मनुष्य की अर्जित सम्पत्ति है।**
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (D)

व्याख्या–मनुष्य तथा पशु में अन्तर के कई कारण हैं, मात्र भाषा ही एक मात्र साधन नहीं है जो मनुष्य को पशुओं को पृथक करती है। भाषा मनुष्य की अर्जित एवं सर्वोत्तम सम्पत्ति है।

48. स्थापना (Assertion) A : सीखने का प्रयत्न किये बिना सिखाने की लालसा विफल होती है।
तर्क **(Reason) R : क्योंकि सिखाने के लिए सीखने की आवश्यकता नहीं है।**
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) गलत
उत्तर (D)

व्याख्या–अगर किसी मनुष्य में सीखने में रुचि नहीं रखी जाती है तो सिखाने में पूर्ण सफलता कभी नहीं हासिल किया जा सकता है। सिखाने के लिये सीखने की आवश्यकता होती है जो मनुष्य स्वतः निपुण या कौशलपूर्ण न हो वह दूसरों को कुछ सिखा नहीं सकता है।

49. स्थापना (Assertion) A : लोभ चाहे जिस वस्तु का हो, जब बढ़ जाता है तब उस वस्तु की प्राप्ति, सान्निध्य या उपभोग से जी नहीं भरता।
तर्क (Reason) R : क्योंकि मनुष्य नहीं चाहता है कि उसकी प्राप्ति बार-बार हो।
(A) (A) और (R) दोनों गलत (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (B)

व्याख्या–जिस वस्तु के प्रति मनुष्य का लोभ होता है वह चाहता है कि वह वस्तु उसे बार-बार मिले। लोभ किसी वस्तु के प्रति लगाव या चाहत उत्पन्न करता है जिससे मनुष्य उसका सान्निध्य या उपभोग चाहता है।

50. स्थापना (Assertion) A : कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भावभूमि पर ले जाती है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कविता मानव के हृदय को व्यापक नहीं बनाती।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलती (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या–कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित मण्डल' से ऊपर उठाकर लोक सामान्य भाव-भूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है। कविता मानव हृदय को व्यापक बनाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2011
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. निम्नलिखित में से कौन भारोपीय परिवार की भाषा नहीं है?
(A) मराठी (B) गुजराती (C) मलयालम (D) हिंदी
उत्तर – (C)

व्याख्या–मराठी, गुजराती, तथा हिन्दी सभी भारोपिय परिवार की भाषा है जबकि मलयालम द्रविड़ परिवार की भाषा है।

2. ब्रज भाषा कहाँ बोली जाती है?
(A) इलाहाबाद (B) ओरछा एवं झाँसी
(C) मथुरा-वृंदावन (D) बनारस
उत्तर – (C)

व्याख्या-

बोली	**क्षेत्र**
ब्रजभाषा	मथुरा-वृन्दावन, आगरा, भरतपुर बरेली
अवधी	इलाहाबाद, लखनऊ, प्रतापगढ़, मिर्जापुर
बुन्देली	ओरछा-झांसी, हमीरपुर, दँतिया, सागर
भोजपुरी	बनारस, गोरखपुर, बलिया, भोजपुर

3. हिंदी भाषा की उत्पत्ति हुई है
(A) वैदिक संस्कृत (B) लौकिक संस्कृत
(C) शौरसेनी अपभ्रंश (D) प्राकृत
उत्तर – (C)

व्याख्या–हिन्दी भाषा की उत्पत्ति का विकासक्रम-

वैदिक संस्कृत (1500ई.पू.- 1000 ई.पू. तक)
↓
लैकिक संस्कृत (1000 ई.पू.-500 ई.पू. तक)
↓
पालि (500 ई.पू. - 1 ई. तक)
↓
प्राकृत (1 ई. - 500 ई. तक)
↓
अपभ्रंश (500 ई. - 1000 ई तक)
↓
शौरसेनी अपभ्रंश- पश्चिमी हिन्दी-
→ खड़ी बोली (कौरवी)
→ ब्रजभाषा
→ हरियाणवी
→ बुन्देली
→ कन्नौजी

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. महाप्रभु वल्लभाचार्य के शिष्यों का वृत्तान्त इस ग्रंथ में है :
(A) दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता
(B) भक्तिमाल
(C) चौरासी वैष्णवन की वार्ता
(D) वचनामृत
उत्तर – (C)

व्याख्या -

ग्रंथ	**रचनाकार**	**विषयवस्तु**
चौरासी वैष्णवन की वार्ता	गोकुलनाथ	इसमें बल्लभाचार्य के शिष्यों का जीवनवृत्त वर्णित है।
दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता	गोकुलनाथ	इसमें विट्ठलनाथ के शिष्यों का जीवनवृत्त वर्णित है।

5. 'काशी में हम प्रगट भए, रामानन्द चेताये।' किसकी पंक्ति है?
(A) कबीर (B) तुलसी
(C) सूर (D) रैदास
उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	**पंक्तिकार**
काशी में हम प्रगट भए, रामानन्द चेताये'	कबीर
जाके कुटुंब सब ढोर ढोवंत फिरहि अजहूँ बनारसी आसपासा	रैदास (संत रविदास)
मातु पिता जग जाइ तज्यों विधि हूँ न लिखी कछु भाल भलाई।।	गोस्वामी तुलसीदास
हम भक्तन के भक्त हमारे। सुनु अर्जुन परतिज्ञा मेरी यह व्रत टरत न टारे।।	सूरदास

6. 'रासो' शब्द की उत्पत्ति 'रसायण' से किसने मानी है?
(A) गार्सा-द-तासी (B) पं. रामनारायण दूगड
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) पं. हरप्रसाद शास्त्री
उत्तर – (C)

व्याख्या–'रासो' शब्द की उत्पत्ति मानने वाले विद्वान -

शब्द	**विद्वान**
रसायण	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
राजसूय	गार्सा द तासी
राजयश	हरप्रसाद शास्त्री
रासक	नरोत्तम स्वामी
रास	नन्द दुलारे वाजपेयी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

7. लक्षण ग्रंथ का अर्थ है :
(A) नायिका भेद (B) काव्यांग विवेचन
(C) रस निष्पत्ति (D) गुण-दोष
उत्तर – (B)

व्याख्या–काव्य के लक्षण दोहा, सवैया, कवित्त, इत्यादि छन्दों के रूप में कवि आचार्यों द्वारा निरूपण ही लक्षण ग्रन्थ होता है। छन्द, अलंकार, नायिका भेद इत्यादि का काव्यगत विवेचन ही लक्षण ग्रंथ है।

8. निम्नलिखित कवियों में रीतिसिद्ध कौन है?
(A) बिहारी (B) घनानन्द
(C) मतिराम (D) तोष
उत्तर – (A)

व्याख्या-

कवि	जीवनकाल	रीतिकालीन धारा
बिहारी	1595-1663 ई.	रीतिसिद्ध
घनानन्द	1689-1739 ई.	रीतिमुक्त
मतिराम	1617-1701 ई.	रीतिबद्ध
तोष	1765 ई.	रीतिबद्ध

9. 'विश्वजन की अर्चना में नहीं बाधक था इस व्यष्टि का अभिमान'- किसकी पंक्ति है?
(A) भारतभूषण अग्रवाल (B) अज्ञेय
(C) नेमीचन्द्र जैन (D) त्रिलोचन
उत्तर – (C)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
विश्वजन की ....का अभिमान।	नेमिचन्द्र जैन
साँप! तुम सभ्य तो हुए नहीं- नगर में बसना भी तुम्हें नहीं आया।	अज्ञेय
मुझे जगत जीवन का प्रेमी, बना रहा है प्यार तुम्हारा।	त्रिलोचन
मुश्किल यह है कि मैं जिंदगी को एक इमारत की तरह गढ़ना चाहता था।	भारत भूषण अग्रवाल

10. 'मतवाला' के संपादक कौन थे?
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) धर्मवीर भारती
(C) निराला (D) शिवपूजन सहाय
उत्तर – (C)

पत्र	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक
मतवाला	1923 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
जागरण	1932 ई.	शिवपूजन सहाय
धर्मयुद्ध	1950 ई.	धर्मवीर भारती
नोट-मतवाला (1923) के प्रथम प्रधान सम्पादक महादेव प्रसाद सेठ थे जो कलकत्ता से साप्ताहिक प्रकाशित होता था।		

11. 'साखी' किसका संकलन है?
(A) शमशेर बहादुर सिंह (B) कीर्ति चौधरी
(C) हरिनारायण व्यास (D) विजयदेव नारायण साही
उत्तर – (D)

व्याख्या-

कवि	काव्य संग्रह
विजयदेव नारायण साही	साखी, मछलीघर, संवाद तुमसे।
हरिनारायण व्यास	मृग और तृष्णा, त्रिकोण पर सूर्योदय, बरगद के चिकने पत्ते
शमशेर बहादुर सिंह	कुछ कविताएँ (1959), कुछ और कविताएँ (1961), चुका भी हूँ नहीं मैं (1975), इतने अपने पास (1980), उदिता अभिव्यक्ति का संघर्ष (1980), बात बोलेगी (1981), काल तुमसे होड़ है मेरी (1988), कुछ बहुत दूर से सुन रहा हूँ (1995), सुकून की तलाश (1995)।

12. 'जीवन-विवेक ही साहित्य विवेक है'- किसका कथन है?
(A) रामविलास शर्मा (B) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(C) मुक्तिबोध (D) अज्ञेय
उत्तर – (B)

व्याख्या-

कथन	कथनकार
जीवन विवेक ही साहित्य विवेक है	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मार्क्सवाद कहता है हर वस्तु पर डाउट करो	रामविलास शर्मा
दु:ख सबको माँजता है	अज्ञेय
जो कुछ भी है उससे बेहतर चाहिए	मुक्तिबोध

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

13. निम्नलिखित में से कौन प्रगतिशील आलोचक नहीं है?
(A) नन्ददुलारे वाजपेयी (B) शिवदान सिंह चौहान
(C) प्रकाशचन्द्र गुप्त (D) रामविलास शर्मा
उत्तर – (A)

व्याख्या–नन्ददुलारे वाजपेयी को छायावादी, प्रभाववादी, स्वच्छन्दतावादी, सौष्ठावादी, रसवादी, आध्यात्मवादी समीक्षक कहा जाता है। जबकि शिवदान सिंह चौहान, प्रकाशचन्द्र गुप्त, रामविलास शर्मा, आदि सभी प्रगतिशील/प्रगतिवादी/मार्क्सवादी आलोचक हैं।

14. 'अल्मा कबूतरी' किसकी रचना है?
(A) मृदुला गर्ग (B) गीतांजलिश्री
(C) मैत्रेयी पुष्पा (D) चित्रा मुद्गल
उत्तर – (C)

व्याख्या -

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
अल्मा कबूतरी	2000 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
कठगुलाब	1996 ई.	मृदुला गर्ग
एक जमीन अपनी	1990 ई.	चित्रा मुद्गल
माई	1993 ई.	गीतांजलि श्री

15. 'विलोम' किस नाटक का पात्र है?
(A) चंद्रगुप्त (B) अंधायुग
(C) कोमल गांधार (D) आषाढ़ का एक दिन
उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार	पात्र
आषाढ़ का एक दिन	1958 ई.	मोहन राकेश	विलोम, मातुल, दंतुल, अंबिका, कालिदास, मल्लिका
चन्द्रगुप्त	1931 ई.	जयशंकर प्रसाद	चाणक्य, सिंहरण, कार्नेलिया, कल्याणी, सुवासिनी, आम्भीक सिल्यूकस, शकटार, राक्षस
अन्धायुग	1955 ई.	धर्मवीर भारती	युयुत्सु महाभारत के पात्र
कोमल गांधार	1982 ई.	शंकरशेष	गाँधारी, महाभारत के पात्र

16. निम्नलिखित में से कौन सी कृति आत्मकथा है?

(A) कलम का सिपाही
(B) चीड़ों पर चाँदनी
(C) अर्द्धकथानक
(D) बाणभट्ट की आत्मकथा

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
अर्द्धकथानक	1641 ई.	बनारसी दास जैन	आत्मकथा
कलम का सिपाही	1962 ई.	अमृत राय	जीवनी
चीड़ों पर चाँदनी	1964 ई.	निर्मल वर्मा	यात्रा साहित्य
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	उपन्यास

नोट - (i) अर्द्धकथानक (1641 ई.) बनारसीदास जैन द्वारा व्रजभाषा में पद्यात्मक शैली में लिखा गया हिन्दी का प्रथम आत्मकथा है।
(ii) कलम का सिपाही (1962 ई.) प्रेमचन्द की जीवनी है जिसकी रचना प्रेमचन्द के पुत्र अमृतराय ने की है।

17. 'छितवन की छाँह' निबंध संग्रह के रचयिता कौन हैं?

(A) बालकृष्ण भट्ट
(B) हरिशंकर परसाई
(C) विद्यानिवास मिश्र
(D) हजारीप्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (C)

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
छितवन की छाँह	1953 ई.	विद्यानिवास मिश्र
अशोक के फूल	1948 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
संसार महानाट्यशाला	–	बालकृष्ण भट्ट
पगडंडियों का जमाना	1966 ई.	हरिशंकर परसाई

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

18. 'अनुमितिवाद' के प्रतिष्ठाता कौन हैं?

(A) भरतमुनि
(B) आनन्दवर्धन
(C) शंकुक
(D) अभिनव गुप्त

उत्तर – (C)

व्याख्या–भरतमुनि के रससूत्र की व्याख्या शंकुक ने अनुमितिवाद के सिद्धान्त से किया है। जबकि 'ध्वनि सम्प्रदाय' के प्रवर्तक आनन्दवर्धन हैं।

**19. 'किंशुक कुसुम जानकर झपटा भौरा शुक की लाल चोंच पर!
तोते ने निज ठोर चलाई जामुन का फल उसे सोचकर॥'
में कौन सा अलंकार है?**

(A) संदेह
(B) स्वाभावोक्ति
(C) अन्योक्ति
(D) भ्रांतिमान

उत्तर – (D)

व्याख्या–भ्रांतिमान अलंकार- जहाँ किसी वस्तु में किसी दूसरी वस्तु के होने का भ्रम हो जाये वहाँ भ्रान्तिमान अलंकार होता है।
जैसे- किंशुक कुसुम जानकर झपटा भौरा शुक की लाल चोंच पर।
तोते ने निज ठोर चलाई जामुन का फल उसे सोचकर।।
सन्देह अलंकार- जहाँ किसी वस्तु में किसी दूसरी वस्तु के सादृश्य होने के कारण उपमेय में उपमान का संशय होने में सन्देह अलंकार होता है।
जैसे- सारी बीच नारी है कि नारी बीच सारी है।
कि सारी ही की नारी है कि नारी ही की सारी है।।
अन्योक्ति अलंकार- जहाँ किसी की बात किसी और पर ढाल कर कही जाय, वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है।
जैसे- स्वारथ सुकृत श्रम वृथा, देखु विहंग विचार।
बाज पराये पानि पर तू पच्छीनु न मार।।
स्वभावोक्ति अलंकार-जहाँ किसी के स्वभाव, धर्म, कर्म, दशा का यथावत् अथवा स्वाभाविक वर्णन हो, वहाँ स्वाभावोक्ति अलंकार होता है।
जैसे- चितवनि भोरे भग्य की, मोरे मुख मुसकानि।
लगनि लटकि आली गरे, चित खटकति नित आनि।।

20. 'काव्यालंकार' के रचयिता हैं :

(A) भरत (B) कुन्तक (C) भामह (D) दण्डी

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	रचनाकाल
काव्यालंकार	भामह
नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
वक्रोक्ति जीवितम्	कुतंक
काव्यादर्श	दण्डी

तथ्य विविधा

21. कालक्रम के अनुसार चतुरसेन शास्त्री के उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) हृदय की परख, हृदय की प्यास, अमर अभिलाषा, आत्मदाह
(B) आत्मदाह, अमर अभिलाषा, हृदय की प्यास, हृदय की परख
(C) हृदय की प्यास, आत्मदाह, हृदय की परख, अमर अभिलाषा
(D) अमर अभिलाषा, हृदय की परख, आत्मदाह, हृदय की प्यास

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यासों का सही अनुक्रम - हृदय की परख (1918), हृदय की प्यास (1931), अमर अभिलाषा (1933), व्यभिचार (1954), एवं आत्मदाह (1937) है।

22. कालखंड की दृष्टि से कहानियों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) कफन, ग्राम, पाल गोमरा का स्कूटर, डिप्टी कलेक्टरी
(B) ग्राम, कफन, डिप्टी कलेक्टरी, पाल गोमरा का स्कूटर
(C) पाल गोमरा का स्कूटर, डिप्टी कलेक्टरी,कफन, ग्राम
(D) डिप्टी कलेक्टरी, पाल गोमरा का स्कूटर, ग्राम, कफन

उत्तर – (B)

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
ग्राम	1911 ई.	जयशंकर प्रसाद
कफन	1936 ई.	प्रेमचन्द
डिप्टी कलेक्टरी	1956 ई.	अमरकान्त
पाल गोमरा का स्कूटर	1997 ई.	उदय प्रकाश

23. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) राज्यश्री, खजुराहो का शिल्पी, कोणार्क, भारत दुर्दशा
(B) कोणार्क, भारत दुर्दशा, राज्यश्री, खजुराहो का शिल्पी
(C) खजुराहो का शिल्पी, कोणार्क, राज्यश्री, भारत दुर्दशा
(D) भारत दुर्दशा, राज्यश्री, कोणार्क, खजुराहो का शिल्पी

उत्तर – (D)

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
भारत दुर्दशा	1880 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
राज्यश्री	1915 ई.	जयशंकर प्रसाद
कोर्णाक	1951 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
खजुराहो का शिल्पी	1982 ई.	शंकर शेष

24. कालक्रमानुसार ग्रंथों का सही अनुक्रम है :

(A) काव्य प्रकाश, दशरूपक, काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र
(B) नाट्यशास्त्र, काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, दशरूपक, काव्य प्रकाश
(C) काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र, काव्य प्रकाश, दशरूपक
(D) दशरूपक, काव्य प्रकाश, काव्यालंकारसूत्रवृत्ति, नाट्यशास्त्र

उत्तर – (B)

काव्यशास्त्रीय ग्रंथ	रचनाकाल	ग्रंथकार
नाट्यशास्त्र	द्वितीय शताब्दी	भरतमुनि
काव्यलंकार सूत्रवृत्ति	9वीं शताब्दी	वामन
दशरूपक	10वीं शताब्दी	धनंजय
काव्य प्रकाश	12वीं शताब्दी	मम्मट

25. प्रकाशन काल के अनुसार निम्नलिखित यात्रा वर्णनों का सही अनुक्रम बताइए :

(A) अरे यायावर रहेगा याद, देश-विदेश, तंत्रलोक से यंत्रलोक तक, हँसते निर्झर दहकती भट्टी
(B) हँसते निर्झर दहकती भट्टी, देश-विदेश, अरे यायावर रहेगा याद, तंत्रलोक से यंत्रलोक तक
(C) देश-विदेश, तंत्रलोक से यंत्रलोक तक, हँसते निर्झर दहकती भट्टी, अरे यायावर रहेगा याद
(D) अरे यायावर रहेगा याद, देश-विदेश, हँसते निर्झर दहकती भट्टी, तंत्रलोक से यंत्रलोक तक

उत्तर – (A)

यात्रा साहित्य	प्रकाशन वर्ष	लेखक
अरे यायावर रहेगा याद एक बूँद सहसा उछली	1953 1960	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
देश विदेश मेरी यात्राएँ	1957 1970	रामधारी सिंह 'दिनकर'
तंत्रलोक से यन्त्रलोक तक अप्रवासी की यात्राएँ	1968 1972	डा0 नागेन्द्र
हँसते निर्झर : दहकती भट्टी ज्योतिपुंज हिमालय हमसफर मिलते रहे	1966 1982 1996	विष्णु प्रभाकर

26. निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम निर्धारित कीजिए :

(A) भगवतीचरण वर्मा, बच्चन, अज्ञेय, नरेन्द्र शर्मा
(B) अज्ञेय, नरेन्द्र शर्मा, बच्चन, भगवतीचरण वर्मा
(C) बच्चन, भगवतीचरण वर्मा, नरेन्द्र शर्मा, अज्ञेय,
(D) नरेन्द्र शर्मा, अज्ञेय, बच्चन, भगवतीचरण वर्मा

उत्तर – (A)

रचनाकार	जीवनकाल
भगवती चरण वर्मा	1903-1981 ई.
हरिवंश राय बच्चन	1907-2003 ई.
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1911-1987 ई.
नरेन्द्र शर्मा	1913-1991 ई.

27. ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त रचनाकारों का सही क्रम लिखिए :

(A) कुँवर नारायण, निर्मल वर्मा, दिनकर, अज्ञेय
(B) अज्ञेय, दिनकर, कुँवर नारायण, निर्मल वर्मा,
(C) दिनकर, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, कुँवर नारायण,
(D) निर्मल वर्मा, कुँवर नारायण, अज्ञेय, दिनकर

उत्तर – (C)

व्याख्या-ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त रचनाकार-

पुरस्कृत लेखक	रचना	पुरस्कृत वर्ष
रामधारी सिंह दिनकर	उर्वशी	1972 ई.
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	कितनी नावों में कितनी बार	1978 ई.
निर्मल वर्मा	सम्पूर्ण साहित्य	1999 ई.
कुँवर नारायण	सम्पूर्ण साहित्य	2005 ई.

नोट-सन् 1984 ई. के बाद ज्ञानपीठ पुरस्कार लेखक के समग्र साहित्यिक योगदान पर दिया जाने लगा।

28. आदिकालीन रचनाओं का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) भरतेश्वर बाहुबली रास, स्थूलिभद्र रास, नेमिनाथ रास, संगीत रत्नाकर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) स्थूलिभद्र रास, नेमिनाथ रास, संगीत रत्नाकर, भरतेश्वर बाहुबली रास
(C) नेमिनाथ रास, स्थूलिभद्र रास, भरतेश्वर बाहुबली रास, संगीत रत्नाकर
(D) संगीत रत्नाकर, भरतेश्वर बाहुबली रास, नेमिनाथ रास, स्थूलिभद्र रास

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
भरतेश्वर बाहुबली रास	1184 ई.	शालिभद्र सूरि
स्थूलिभद्र रास	1209 ई.	जिन धर्म सूरि
नेमिनाथ रास	1213 ई.	सुमतिगणि
संगीत रत्नाकर	12वीं शताब्दी	शारंगदेव

29. रचनाकाल के अनुसार सही अनुक्रम लिखिए :
(A) इन्द्रधनुष रौंदे हुए थे, सीढ़ियों पर धूप, नए इलाके में, वाजश्रवा के बहाने
(B) वाजश्रवा के बहाने, नए इलाके में, सीढ़ियों पर धूप, इन्द्रधनु रौंदे हुए थे,
(C) नए इलाके में, सीढ़ियों पर धूप, इन्द्रधनु रौंदे हुए थे, वाजश्रवा के बहाने
(D) सीढ़ियों पर धूप, इन्द्रधनु रौंदे हुए थे, वाजश्रवा के बहाने, नए इलाके में,

उत्तर – (A)

व्याख्या-

काव्य संग्रह	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
इन्द्रधनुष रौंदे हुए थे	1957 ई.	अज्ञेय
सीढ़ियों पर धूप में	1959 ई.	रघुवीर सहाय
नए इलाके में	1996 ई.	अरूण कमल
वाजश्रवा के बहाने	2008 ई.	कुँवर नारायण

30. काव्य-लक्षण और उनके प्रतिष्ठापकों का सुमेलन कीजिए :

(A) 'शब्दार्थौं सहितौ काव्यम्।	(i) पण्डितराज जगन्नाथ
(B) 'शरीरं तावदिष्टार्थ व्यवच्छिन्ना।	(ii) विश्वनाथ
(C) 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्।	(iii) कुंतक
(D) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्।	(iv) दण्डी
	(v) भामह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iv	v	iii	i
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	iv	ii	i

उत्तर – (C)

व्याख्या-

काव्य लक्षण	प्रतिष्ठापक आचार्य
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	भामह
शरीर तावदिष्तार्थ व्यवच्छिन्ना पदावली	दण्डी
रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्	पण्डित राज जगन्नाथ
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
वक्रोन्तिः काव्य जीवितम्	कुंतक

31. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A) अभिव्यंजनावाद	(i) इलिएट
(B) अंतश्चेतनावादी यथार्थवाद	(ii) वर्ड्सवर्थ
(C) स्वच्छंदतावाद	(iii) क्रोचे
(D) संप्रेषण	(iv) रिचर्ड्स
	(v) डी.एच. लारेन्स

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	ii	v
(B)	v	ii	iii	iv
(C)	iv	i	v	ii
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर – (D)

व्याख्या-

सिद्धान्त	प्रतिपादक
अभिव्यंजनावाद	क्रोचे
अन्तश्चेतनावादी यथार्थवाद	डी.एच. लारेन्स
स्वच्छन्दतावाद	वर्ड्सवर्थ
सम्प्रेषण	रिचर्ड्स
निर्वैयक्तिकता	इलियट

32. निबंधकार और कृतियों का सुमेलन कीजिए :

(A) कुबेरनाथ राय	(i) चिंतामणि
(B) हजारीप्रसाद द्विवेदी	(ii) प्रिया नीलकंठी
(C) विद्यानिवास मिश्र	(iii) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है।
(D) रामचन्द्र शुक्ल	(iv) भीष्म को क्षमा नहीं किया
	(v) साहित्य देवता

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	iv	v
(B)	v	iv	iii	ii
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	iv	v	ii	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या -

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
प्रिया नीलकंठी	1968 ई.	कुबेरनाथ राय
भीष्म को क्षमा नहीं किया	1970-75 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	1974 ई.	विद्या निवास मिश्र
चिन्तामणि	1949 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
साहित्य देवता	1943 ई.	माखनलाल चतुर्वेदी

33. उपन्यास और उपन्यासकारों का सुमेलन कीजिए :

(A) पुनर्नवा	(i) यशपाल
(B) कब तक पुकारूँ	(ii) भगवतीचरण वर्मा
(C) भूले बिसरे चित्र	(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) मनुष्य के रूप	(iv) रांगेय राघव
	(v) अमृतलाल नागर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	v	iv	ii
(B)	ii	iii	v	iv
(C)	iii	iv	ii	i
(D)	iv	v	iii	i

उत्तर – (C)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
पुनर्नवा	1973 ई.	हजारीप्रसाद द्विवेदी
कब तक पुकारूँ	1957 ई.	रांगेय राघव
भूले बिसरे चित्र	1959 ई.	भगवतीचरण वर्मा
मनुष्य के रूप	1949 ई.	यशपाल
बूँद और समुद्र	1956 ई.	अमृतलाल नागर

34. पत्रिकाओं तथा उनके संपादकों का सुमेलन कीजिए :

(A) वागर्थ — (i) कमला प्रसाद
(B) नया ज्ञानोदय — (ii) प्रयाग शुक्ल
(C) वसुधा — (iii) रवीन्द्र कालिया
(D) रंग प्रसंग — (iv) अखिलेश
(v) विजय बहादुर सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	v	iv	iii
(B)	v	iii	i	ii
(C)	ii	i	iv	v
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर – (B)

व्याख्या -

पत्रिका	पत्रिका का प्रकार/स्थान	सम्पादक
वागर्थ	मासिक/कलकत्ता	विजय बहादुर सिंह
नया ज्ञानोदय	मासिक/दिल्ली	रविन्द्र कालिया
वसुधा	त्रैमासिक/भोपाल	कमला प्रसाद
रंग प्रसंग		प्रयाग शुक्ल
तद्भव	त्रैमासिक/लखनऊ	अखिलेश

35. कहानीकार और उनकी कहानियों का सुमेलन कीजिए :

(A) उषा प्रियंवदा — (i) सिक्का बदल गया
(B) मन्नू भंडारी — (ii) परिन्दे
(C) कृष्णा सोबती — (iii) वापसी
(D) निर्मल वर्मा — (iv) आर्द्रा
(v) अकेली

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	i	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	v	i	iii	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या -

कहानी	कहानीकार
वापसी	उषा प्रियंवदा
अकेली	मन्नू भण्डारी
सिक्का बदल गया	कृष्णा सोबती
परिन्दे	निर्मल वर्मा
आर्द्रा	मोहन राकेश

36. पंक्तियों के साथ कवियों का सुमेलन कीजिए :

(A) जिधर अन्याय, है उधर शक्ति — (i) नागार्जुन
(B) नारी तुम केवल श्रद्धा हो — (ii) दिनकर
(C) बहुत दिनों तक चक्की रोई, चूल्हा रहा उदास — (iii) निराला
(D) सिंहासन खाली करो कि जनता आती है — (iv) पंत
(v) प्रसाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	iii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	v	i	ii
(D)	iv	v	ii	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पंक्ति	कविता	कवि
जिधर अन्याय, है उधर शक्ति	राम की शक्ति पूजा	निराला
नारी तुम केवल श्रद्धा हो	कामायनी	प्रसाद
बहुत दिनों तक चक्की रोई, चूल्हा रहा उदास	अकाल और उसके बाद	नागार्जुन
सिंहासन खाली करो कि जनता आती है	दिल्ली	दिनकर
सोच रहा हूँ जटिल जगत पर जीवन पर जन मन से	ग्राम्या	पंत

37. विधा को उसकी रचना के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) कविता — (i) पहला गिरमिटिया
(B) कहानी — (ii) देहान्तर
(C) उपन्यास — (iii) अशोक के फूल
(D) नाटक — (iv) शहादतनामा
(v) अबूतर-कबूतर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	i	ii
(B)	i	iii	ii	v
(C)	iv	v	iii	i
(D)	ii	iii	v	iv

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
पहला गिरमिटिया	1999 ई.	गिरिराज किशोर	उपन्यास
देहान्तर	1987ई.	नन्दकिशोर आचार्य	नाटक
अशोक के फूल	1948ई.	हजारीप्रसाद द्विवेदी	निबन्ध
शहादतनामा		जितेन्द्र भाटिया	कहानी
अबूतर-कबूतर	1984ई.	उदय प्रकाश	कविता

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

38. पात्र को उनकी कृति के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) निउनिया (i) नदी के द्वीप
(B) राय साहब (ii) मैला आँचल
(C) प्रशांत (iii) महाभोज
(D) रेखा (iv) गोदान
(v) बाणभट्ट की आत्मकथा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iv	ii	i
(C)	iv	ii	i	v
(D)	iii	iv	i	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार	पात्र
नदी के द्वीप	1951 ई.	अज्ञेय	रेखा, भुवन, गौरा
मैला आँचल	1954 ई.	रेणु	प्रशान्त, बावनदास, कमली, कालीचरण, लक्ष्मी
महाभोज	1979 ई.	मन्नू भण्डारी	बिसेसर, सुकुल बाबू, जोरावर, दा साहब
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द	रायसाहब, होरी, गोबर, धनिया, भोला
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946 ई.	हजारीप्रसाद द्विवेदी	निउनिया, महामाया, सुचरिता, बाणभट्ट

39. नाटक को उसके पात्रों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) चन्द्रगुप्त (i) विलोम
(B) आषाढ़ का एक दिन (ii) ओक्काक
(C) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (iii) मेघराज
(D) देहान्तर (iv) सिंहरण
(v) पुरू

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	ii
(B)	iv	i	ii	v
(C)	iii	iv	v	ii
(D)	ii	v	iv	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार	पात्र
चन्द्रगुप्त	1931	जयशंकर प्रसाद	सिंहरण, अम्भीक, राक्षस, सिल्यूकस, कार्नेलिया, कल्याणी
आषाढ का एक दिन	1958	मोहन राकेश	विलोम मातुल, मल्लिका अंबिका, कालिदास, दंतुल
सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	1975	सुरेन्द्र वर्मा	ओक्काक
देहान्तर	1987	नन्द किशोर आचार्य	पुरू, ययाति, शर्मिष्ठा, देवयानी

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 40 से 44 तक) के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

कलियुग सब युगों से अच्छा है, क्योंकि इसमें मानस-पाप का कुछ फल नहीं होता, किंतु मानस-पुण्य का पूरा फल मिलता है। राम का नाम राम से भी बड़ा है, भय की कोई जरूरत नहीं है। योग ने गृहस्थ को जरूरत से ज्यादा संशयालु बना दिया था, भक्ति ने पूरा आशावादी। एक ने मुक्ति को महँगा सौदा बता दिया, दूसरे ने बहुत सस्ता। योग में गलदश्रु भावुकता को कोई स्थान नहीं जो भक्ति पद-पद पर भक्त को कंप, आवेग, जड़ता और रोमोद्‌गम की अवस्था ले आ देती है वह इस क्षेत्र में अपरिचित थी और यदि सचमुच ही भाग और विभाग कल्पित हैं, कल्प-विकल्प बेकार है, संसार मृग-मरीचिका है, परम तत्त्व विभाग और अविभाग से परे है, सूक्ष्म और स्थूल के अतीत है- यदि वे एक -रस है, समरस है तो फिर रोने से होता क्या है?

40. कलियुग सब युगों से क्यों अच्छा है?

(A) क्योंकि इसमें पाप और पुण्य समान है।
(B) इसमें मानस पाप का फल मिलता है।
(C) इसमें मानस पाप से मनुष्य दंडित नहीं होता है।
(D) इसमें मानस पुण्य का फल मिलता है।

उत्तर – (D)

व्याख्या–कलियुग सब युगों से इसलिए अच्छा है क्योंकि इसमें मानस पाप का कोई फल नहीं होता किन्तु मानस को पुण्य का पूरा फल मिलता है।

41. भक्ति ने मुक्ति को क्यों सस्ता बना दिया है?

(A) भक्ति साधना कठिन नहीं है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) भक्त की दृष्टि में मुक्ति का कोई महत्त्व नहीं है।
(C) भक्ति ईश्वरीय प्रेम के कारण सुलभ है।
(D) भक्ति में योग के समान कृच्छ साधना नहीं है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–भक्ति ने मुक्ति को इसलिए सस्ता बना दिया है क्योंकि भक्त की दृष्टि में मुक्ति का कोई महत्व नहीं है वह इसके प्रति पूर्णतः आशावादी है कि भक्ति से मुक्ति मिलता ही है।

42. योग में गलदश्रु भावुकता को क्यों स्थान नहीं है?
(A) योग साधना कठोर साधना है।
(B) योग में भावना को स्थान नहीं है।
(C) योग की पद्धति में ज्ञान की शुष्कता है।
(D) योग गृहस्थ के लिए दुष्कर है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–योग में गलदश्रु भावुकता को इसलिए स्थान नहीं प्राप्त है क्योंकि योग में किसी भी प्रकार की भावुकता या भावना को स्थान नहीं दिया जाता है।

43. योग और भक्ति ने गृहस्थ को किस रूप में प्रभावित किया है?
(A) गृहस्थ के लिए योग साधना कठिन है।
(B) भक्ति में सरसता है, योग में दुष्करता है।
(C) भक्ति एक सस्ता सौदा है, योग महँगा।
(D) गृहस्थ के लिए भक्ति आकर्षक है, योग में दुष्करता है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–योग और भक्ति ने गृहस्थ को इस प्रकार से प्रभावित किया है कि भक्ति में समरसता है और योग में दुष्करता है।

44. परम तत्त्व क्या है?
(A) वह अखण्ड चैतन्य स्वरूप है।
(B) वह विभाग-अविभाग से परे है।
(C) वह गुणहीन-आकारहीन है।
(D) वह मायातीत है।

उत्तर – (B)

व्याख्या–परम तत्त्व विभाग और अविभाग से परे है, सूक्ष्म और स्थूल के अतीत है।

कथोपकथन

45. स्थापना (Assertion) A : आन्तरिक संवेद्य-भावों की रसाग्रही अभिव्यक्ति कविता है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कविता लोकरंजन से जुड़ी हुई है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर – (D)

व्याख्या–आन्तरिक संवेदों की रसात्मक अभिव्यक्ति कविता है। कविता लोकरंजन एवं लोक मंगल इत्यादि भावनाओं से जुड़ी हुई है। कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बन्धों के संकुचित मण्डल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य भाव-भूमि पर ले जाती है।

46. स्थापना (Assertion) A : दण्ड कोप का ही एक विधान है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि दण्ड से कोपशमन होता है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) गलत (R) गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–दण्ड, कोप (क्रोध, गुस्सा) का ही परिणाम होता है जब व्यक्ति क्रोधित या गुस्से में होता है तो वह स्वयं या अन्य को दण्डित करता है जिससे उसका कोप (गुस्सा या क्रोध) शान्त होता है।

47. स्थापना (Assertion) A : श्रद्धा का मूलतत्त्व है दूसरे का महत्व स्वीकारना।
तर्क (Reason) R : क्योंकि स्वार्थियों और अभिमानियों के हृदय में श्रद्धा टिक सकती है।
(A) (A) गलत (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) सही (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर – (D)

व्याख्या–जब हम दूसरे को अपने से श्रेष्ठ मानते हैं या उसके महत्व को स्वीकार कर लेते हैं तब हम श्रद्धा में होते हैं। ऐसी स्थिति में स्वार्थी एवं अभिमानी व्यक्ति के हृदय में श्रद्धा का निवास नहीं हो सकता है। श्रद्धेय व्यक्ति का सम्मान किया जाता है।

48. स्थापना (Assertion) A : सबसे मधुर या रसमयी वाग्धारा वही है जो करुण प्रसंग लेकर चले।
तर्क (Reason) R : कविता में करुण प्रसंग अनिवार्य है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) गलत (R) सही (D) (A) सही (R) सही

उत्तर – (A)

व्याख्या–करुणा, शील और सात्त्विकता का संस्थापक भाव है। करुणा प्रसंग रूपी वाग्धारा मधुर या रसमयी हो सकती है लेकिन कविता के लिये करुणा ही अनिवार्य नहीं है। कविता के लिए प्रेम, संवेदना, करुणा, क्रोध आदि सभी तत्त्वों की आवश्यकता होती है।

49. स्थापना (Assertion) A : प्रेमचन्द ने साहित्य में मनुष्य के स्वत्व का अन्वेषण किया है।
तर्क (Reason) R : प्रेमचन्द की रचनाएँ कल्पनाश्रित है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत (D) (A) सही (R) गलत

उत्तर – (D)

व्याख्या–प्रेमचन्द के साहित्य में मनुष्यता की खोज की गयी है। प्रेमचन्द की रचनाएं आदर्शोन्मुखी यथार्थवादी होती है अर्थात् यथार्थता का भाव ज्यादा हो।

50. स्थापना (Assertion) A : कबीर क्रांतिकारी कवि हैं।
तर्क (Reason) R : वीर और ओज उनकी कविता के मुख्य स्वर हैं।
(A) (A) सही (R) सही (B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) गलत (D) (A) गलत (R) सही

उत्तर – (C)

व्याख्या–हजारीप्रसाद द्विवेदी ने कबीर को क्रान्तिकारी कवि स्वीकार किया है। कबीर की कविता का मुख्य स्वर, अद्‌भुत, शान्त,प्रतीक योजना, रूपक विधान, यथार्थबोधता इत्यादि है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2010

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णांक : 100

नोट प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. साहित्यिक अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' किसने कहा था?

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) शिवसिंह सेंगर (D) राहुल सांकृत्यायन

उत्तर (A)

व्याख्या–सर्वप्रथम चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने 'उत्तर अपभ्रंश' को पुरानी हिन्दी कहा, बाद में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'साहित्यिक अपभ्रंश' को पुरानी हिन्दी कहा।

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- "सिद्धो की रचनाओं की भाषा देश मिश्रित अपभ्रंश या पुरानी हिन्दी की काव्य भाषा है, यह तो स्पष्ट है।"

2. ब्रजभाषा किस अपभ्रंश से विकसित है?

(A) शौरसेनी (B) मागधी
(C) अर्द्ध मागधी (D) पैशाची

उत्तर (A)

व्याख्या–ब्रजभाषा का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है।

हिन्दी का विकास क्रम- संस्कृत- पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी

अपभ्रंश तथा उनसे विकसित उपभाषा एवं बोलियों का विवरण निम्नवत है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बंगारू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी → गुजराती	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

हिन्दी साहित्य का इतिहास

3. 'अब लौं नसानी, अब न नसैहौं'- किसकी उक्ति है?

(A) तुलसीदास (B) सूरदास
(C) मीराबाई (D) कबीरदास

उत्तर (A)

व्याख्या-

पंक्ति	**कवि**
अब लौं नसानी, अब न नसैहौं	तुलसीदास
मेरे नैन बिरह की बेल बई	सूरदास
घायल की गति घायल जानै और न जानै कोई	मीराबाई
हरि मोरा पिउ में हरि की बहुरिया	कबीरदास

4. 'राउलवेल' किसकी रचना है?

(A) चन्द बरदाई (B) रोड कवि
(C) दामोदर शर्मा (D) स्वयंभू

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	**रचनाकार**
राउलवेल	रोड कवि
पृथ्वीराज रासो	चन्द बरदाई
उक्ति व्यक्ति प्रकरण	दामोदर शर्मा
पउम चरिउ	स्वयंभू

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5. इनमें से कौन सी रचना अवधी भाषा की नहीं है?

(A) रामचरितमानस (B) पद्मावत
(C) विनयपत्रिका (D) चंदायन

उत्तर (C)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार	भाषा
रामचरितमानस	तुलसीदास	अवधी
पद्मावत	जायसी	ठेठ अवधी
विनयपत्रिका	तुलसीदास	ब्रजभाषा
चंदायन	मुल्ला दाऊद	अवधी

6. 'उद्धवशतक' किसकी कृति है?

(A) सत्यनारायण कविरत्न (B) गयाप्रसाद शुक्ल सनेही
(C) नाथूराम शर्मा शंकर (D) जगन्नाथदास रत्नाकर

उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
उद्धव शतक	1929 ई.	जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
प्रेमकली		सत्यनारायण कविरत्न
प्रेम पचीसी		गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
शंकर सर्वस्व	1951 ई.	नाथू राम 'शंकर'

7. इनमें से कौन सी रचना केशवदास की नहीं है?

(A) रामचन्द्रिका (B) कविप्रिया
(C) ललित ललाम (D) रसिकप्रिया

उत्तर (C)

व्याख्या–केशवदास की प्रमुख रचनाएँ- रसिक प्रिया (1591) रामचन्द्रिका (1607), कविप्रिया (1601), रतन बावनी (1601), वीर सिंह देव चरित (1607), विज्ञान गीता (1610), जहाँगीर जस चन्द्रिका (1612), नखशिख, छंदमाल है। जबकि फूलमंजरी, लक्षण शृंगार, साहित्यसार, रसराज (1663ई.) ललित ललाम (1661-64), सतसई (1681ई.), अलंकार पंचाशिका (1690) तथा वृत्त कौमुदी (1701) आदि मतिराम की काव्य ग्रंथ हैं।

8. निराला कृत 'राम की शक्तिपूजा' की रचना का आधार-ग्रन्थ कौन सा है?

(A) कम्बन रामायण (B) कृत्तिवास रामायण
(C) रामचरितमानस (D) रामचन्द्रिका

उत्तर (B)

व्याख्या–सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (1899-1961) द्वारा कृत राम की शक्ति पूजा (1936ई.) पर 'कृत्तिवासी रामायण, या कृत्तिवास कृत 'बंगला रामायण' का प्रभाव है।

9. 'आत्मजयी' किसकी रचना है?

(A) कुँवर नारायण (B) दुष्यन्त कुमार
(C) धर्मवीर भारती (D) श्रीनरेश मेहता

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	प्र० वर्ष	रचनाकार	विधा
आत्मजयी	1965ई.	कुँवर नारायण	प्रबन्ध काव्य
साये में धूप	1975 ई.	दुष्यंत कुमार	काव्य-संग्रह
कनुप्रिया	1959 ई.	धर्मवीर भारती	काव्य
संशय की एक रात		नरेश मेहता	प्रबन्ध काव्य

नोट-आत्मजयी (1965ई.) कुँवर नारायण एक प्रबन्ध काव्य है। इसमें कठोपनिषद के नचिकेता प्रसंग पर आधारित है।

10. इनमें नयी कहानी आन्दोलन के प्रारम्भकर्त्ताओं में से कौन सी नहीं है?

(A) कमलेश्वर (B) राजेन्द्र यादव
(C) ज्ञानरंजन (D) मोहन राकेश

उत्तर (C)

व्याख्या–'नयी कहानी' आन्दोलन का प्रारम्भ 1956-57 में होता है। 'नयी कहानी' आन्दोलन का प्रारम्भ 1956-57 में होता है। 'नयी कहानी' आन्दोलन के प्रमुख उन्नायकों में कमलेश्वर, मोहन राकेश तथा राजेन्द्र यादव आते हैं। जबकि ज्ञानरंजन मुख्यतः 'अ-कहानी' आन्दोलन से जुड़े हैं।

11. इनमें से कौन सा महाकाव्य नहीं है?

(A) साकेत (B) कामायनी
(C) महाप्रस्थान (D) प्रियप्रवास

उत्तर (C)

व्याख्या-

रचना	प्र० वर्ष	रचनाकार	विधा
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त	महाकाव्य
कामायनी	1936 ई.	जयशंकर प्रसाद	महाकाव्य
प्रिय प्रवास	1914 ई.	हरिऔध	महाकाव्य
महाप्रस्थान		नरेश मेहता	प्रबन्धकाव्य

नोट-प्रिय प्रवास (1914) कृत हरिऔध को खडी बोली हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है। 'प्रिय प्रवास' का सर्वप्रथम नाम, 'ब्रजांगना विलाप' था।

12. डिंगल भाषा का सम्बन्ध किस साहित्य से है?

(A) हरियाणवी साहित्य (B) राजस्थानी साहित्य
(C) अवधी साहित्य (D) मैथिली साहित्य

उत्तर (B)

व्याख्या–डिंगल एवं पिंगल भाषा का सम्बन्ध राजस्थानी साहित्य से है।

(i) अपभ्रंश + राजस्थानी = डिंगल

(ii) अपभ्रंश + ब्रजभाषा = पिंगल

आदि काल में वीर रस की रचनाओं में डिंगल का तथा कोमलकान्त पदावली के लिए पिंगल का प्रयोग किया जाता था।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

13. 'मैं बोरिशाइल्ला' किसकी रचना है?

(A) अनामिका (B) महुआ माझी
(C) मैत्रेयी पुष्पा (D) चित्रा मुद्‌गल

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
कहानी संग्रह	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
मै बोरिशइल्ला	2006 ई.	महुआ माझी
अवांतर कथा	2000 ई.	अनामिका
गोमा हँसती है	1998 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
जहर ठहरा हुआ	1980 ई.	चित्रा मुद्गल

14. निम्नलिखित रचनाओं में आत्मकथा कौन सी नहीं है?

(A) मेरी आत्मकहानी (B) मेरी असफलताएँ
(C) मेरी जीवनयात्रा (D) माटी की मूरतें

उत्तर (D)

व्याख्या-			
रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**	**विधा**
मेरी आत्म कहानी	1941 ई.	श्याम सुन्दर दास	आत्मकथा
मेरी असफलताएँ		बाबू गुलाब राय	आत्मकथा
मेरी जीवन यात्रा	1946 ई.	राहुल सांकृत्यायन	आत्मकथा
माटी की मूरतें	1946 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी	रेखाचित्र

15. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' किसका निबन्ध है?

(A) विद्यानिवास मिश्र (B) कुबेरनाथ राय
(C) हरिशंकर राय (D) धर्मवीर भारती

उत्तर (A)

व्याख्या-		
निबन्ध संग्रह	**प्रकाशन वर्ष**	**निबन्धकार**
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है	1974ई	विद्यानिवास मिश्र
प्रिया नीलकण्ठी	1968ई.	कुबेरनाथ राय
पगडंडियो का जमाना	1966ई.	हरिशंकर परसाई
ठेले पर हिमालय	1958ई.	धर्मवीर भारती

16. निम्नलिखित में से कौन सा नाटक सुरेन्द्र वर्मा कृत नहीं है?

(A) छोटे सैयद, बड़े सैयद (B) द्रौपदी
(C) बादशाह गुलाम बेगम (D) सेतुबन्ध

उत्तर (C)

व्याख्या–नरमेध, बादशाह गुलाम बेगम (1979ई.), प्रजा ही रहने दो (1977ई.), घोड़ा और घास (1980ई.), चेहरे-चेहरे किसके चेहरे (1983ई0), केवल मेरा नाम लो (1984), जुर्म आयद (1987ई.), काठ की तोप (2001ई.) इत्यादि गिरिराज किशोर के नाटक हैं। जबकि द्रौपदी (1972ई.), सेतुबन्ध (1972ई.), नायक खलनायक बिदूषक (1972), सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975), आठवाँ सर्ग (1976ई.) छोटे सैयद बड़े सैयद (1982ई.) एक दूनी एक (1987ई.) शकुन्तला की अँगूठी (1990ई.) कैद-ए-हयात (1993ई.) आदि सुरेन्द्र वर्मा के नाटक हैं।

17. 'अरे यायावर रहेगा याद' किसके द्वारा रचित यात्रावृत्त है?

(A) रामवृक्ष बेनीपुरी (B) अज्ञेय
(C) राहुल सांकृत्यायन (D) यशपाल

उत्तर (B)

व्याख्या-		
यात्रा साहित्य	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
अरे यायावर रहेगा याद एक बूँद सहसा उछली	1953 ई. 1960 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वास्त्यायन 'अज्ञेय'
पैरो में पंख बाँधकर उड़ते चलो उड़ते चलो	1952 ई. 1954 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी
लोहे की दीवार के दोनों ओर राह बीती	1953 ई. 1956 ई.	यशपाल
मेरी तिब्बत यात्रा घुमक्कड़ शास्त्र	1937 ई. 1948 ई.	राहुल सांकृत्यायन

नोट-राहुल सांकृत्यायन, अज्ञेय, और नागार्जुन को आधुनिक हिन्दी साहित्य का, घुमक्कड़ वृहत् त्रयी' कहा जाता है।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

18. निम्नलिखित में से कौन मार्क्सवादी समालोचक नहीं है?

(A) शिवदानसिंह चौहान (B) नंददुलारे वाजपेयी
(C) रामविलास शर्मा (D) नामवर सिंह

उत्तर (B)

व्याख्या–नन्द दुलारे वाजपेयी (1906-1968) छायावादी प्रभाववादी सौष्ठावादी इत्यादि प्रकार के आलोचक हैं।

जबकि 'शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा (1912-2000ई.) तथा नामवर आदि मार्क्सवादी, प्रगतिवादी, या प्रगतिशील आलोचक हैं।

19. 'काव्यशोभाकरान्धर्मानलंकारान्प्रचक्षते' किसकी उक्ति है

(A) दण्डी (B) भामह
(C) रुद्रह (D) भरतमुनि

उत्तर (A)

व्याख्या-	
उक्ति	**उक्तिकार**
काव्यशोभाकरान्धर्मानलंकारान्प्रचक्षते	दण्डी
ननु शब्दार्थौ काव्यम्	रुद्रट
विभावानुभावव्यभिचारि संयोगाद्रि रसनिष्पतिः	भरतमुनि
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	भामह

20. 'संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे' पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(A) उपमा (B) रूपक
(C) रूपकातिशयोक्ति (D) अन्योक्ति

उत्तर (B)

व्याख्या–रूपक अलंकार- जहाँ उपमेय का उपमान में भेद रहित आरोपण हो वहाँ रूपक अलंकार होता है।

जैसे- 'संतौ भाई आई ग्यान की आधी रे'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उपमा अलंकार- जहाँ उपमेय और उपमान में गुण, रूप या चमत्कृत सौन्दर्यमूलक सादृश्य का प्रतिपादन किया जाय, वहाँ 'उपमा अलंकार' होता है।

या

"जब एक ही वाक्य में उपमेय और उपमान का सादृश्य अथवा साम्य प्रतिपादित किया जाए और विपरीत धर्म की कोई चर्चा न हो तो वहाँ 'उपमा' अलंकार होता है।

जैसे- (i) सुनि सुर सरि सम पावन बानी।
(ii) पीपर पात सरिस मन डोला।

रूपकातिश्योक्ति अलंकार-जहाँ केवल उपमान के वर्णन से उपमेय का बोध कराया जाय वहाँ रूपकातिशयोक्ति अलंकार होता है।

जैसे- बाँधा था विधु को किसने इन काली जंजीरों से।
मणि वाले फणियों का मुख क्यों भरा हुआ हीरो से।

अन्योक्ति अलंकार-जहाँ किसी की बात किसी और पर डाल कर कही जाय, वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है।

जैसे- स्वारथ सुकृत श्रम वृथा, देखु विहंग विचार।
बाज पराये पानि पर तू पच्छीनु न मार।।

तथ्य विविधा

21. निम्नलिखित रचनाओं का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम लिखिए :

(A) रामचन्द्रिका, रामचरितमानस, वैदेही वनवास, राम की शक्तिपूजा
(B) रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, वैदेही वनवास, राम की शक्तिपूजा
(C) वैदेही वनवास, राम की शक्तिपूजा, रामचरितमानस, रामचन्द्रिका
(D) राम की शक्तिपूजा, रामचरितमानस, रामचन्द्रिका, वैदेही वनवास

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
रामचरितमानस	1574 ई.	तुलसीदास
रामचन्द्रिका	1601 ई.	केशवदास
वैदेही वनवास	1940 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध"
राम की शक्ति पूजा	1936 ई.	निराला

22. प्रकाशन काल के अनुसार निम्नलिखित हिन्दी पत्रिकाओं का सही अनुक्रम बताइये :

(A) सरस्वती, हिन्दी प्रदीप, कविवचनसुधा, नागरी प्रचारिणी पत्रिका।
(B) हिन्दी प्रदीप, सरस्वती, कविवचनसुधा, नागरी प्रचारिणी पत्रिका।
(C) कविवचनसुधा, हिन्दी प्रदीप, नागरी प्रचारिणी पत्रिका। सरस्वती,
(D) नागरी प्रचारिणी पत्रिका, सरस्वती, कविवचनसुधा, हिन्दी प्रदीप

उत्तर (C)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
कविवचन सुधा	1868ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा./पा./सा./काशी
हिन्दी प्रदीप	1877ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
नागरी प्रचारिणी पत्रिका	1896ई.	वेणी प्रसाद	त्रैमासिक/काशी
सरस्वती	1900ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी

नोट- (i) मा./पा./सा. अर्थ मासिक, पाक्षिक तथा साप्ताहिक है।
(ii) 'सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी। पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्याम सुन्दर दास थे तथा 1903ई. में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।

23. काल के अनुसार रचनाकारों का सही अनुक्रम लिखिए।

(A) लाला श्रीनिवास दास, प्रेमचन्द, अमृतलाल नागर, कमलेश्वर
(B) प्रेमचन्द, लाला श्रीनिवास दास, अमृतलाल नागर, कमलेश्वर
(C) अमृतलाल नागर, कमलेश्वर, लाला श्रीनिवास दास, प्रेमचन्द,
(D) प्रेमचन्द, अमृतलाल नागर, लाला श्रीनिवास दास, कमलेश्वर

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचनाकार	जीवनकाल क्रमानुसार
लाला श्रीनिवास दास	1851-1887 ई.
प्रेमचन्द	1880-1936 ई.
अमृत लाल नागर	1916-1900 ई.
कमलेश्वर	1932-2007 ई.

24. निम्नलिखित रचनाकारों का सही अनुक्रम बताइये:

(A) प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी।
(B) निराला, प्रसाद, महादेवी, पंत।
(C) प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी।
(D) पंत, प्रसाद, निराला, महादेवी।

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-	
रचनाकार	**जीवनकाल क्रमानुसार**
जयशंकर प्रसाद	1890-1937 ई.
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	1899-1962 ई.
सुमित्रानन्दन पंत	1900-1970 ई.
महादेवी वर्मा	1907-1987 ई.

25. युग की दृष्टि से रचनाकारों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) हरिऔध, मीराबाई, चन्द बरदाई, सेनापति।
(B) चन्द बरदाई, हरिऔध, मीराबाई, सेनापति।
(C) मीराबाई, चन्द बरदाई, सेनापति, हरिऔध।
(D) चन्द बरदाई, मीराबाई, सेनापति, हरिऔध।

उत्तर (D)

व्याख्या-		
रचनाकाल	**जन्मकाल**	**युग**
चन्दबरदाई	1168-1192	आदिकाल
मीराबाई	1516-1546 ई.	भक्तिकाल
सेनापति	1589-	रीतिकाल
अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध"	1865-1947ई.	आधुनिक काल

26. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) चन्द्रगुप्त, अंधेर नगरी, आषाढ़ का एक दिन, आठवाँ सर्ग।
(B) अंधेर नगरी, आषाढ़ का एक दिन, चन्द्रगुप्त, आठवाँ सर्ग।
(C) अंधेर नगरी, चन्द्रगुप्त, आषाढ़ का एक दिन, आठवाँ सर्ग।
(D) अंधेर नगरी, आषाढ़ का एक दिन, चन्द्रगुप्त, आठवाँ सर्ग।

उत्तर (C)

व्याख्या-		
नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
अन्धेर नगरी	1881 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
चन्द्रगुप्त	1931 ई.	जयशंकर प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन	1958 ई.	मोहन राकेश
आठवाँ सर्ग	1976 ई.	सुरेन्द्र वर्मा

27. निम्नलिखित उपन्यासों का कालानुसार सही अनुक्रम लिखिए:

(A) टेढ़े-मेढ़े रास्ते, गोदान, राग दरबारी, मैला आँचल।
(B) गोदान, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, मैला आँचल, राग दरबारी, ।
(C) गोदान, मैला आँचल, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, राग दरबारी, ।
(D) मैला आँचल, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, गोदान, राग दरबारी, ।

उत्तर (B)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द
टेढ़े-मेढ़े रास्ते	1946 ई.	भगवतीचरण वर्मा
मैला आँचल	1954 ई.	फणीश्वरनाथ रेणु
राग दरबारी	1968 ई.	श्रीलाल शुक्ला

28. निम्नलिखित कहानियों का कालानुसार सही अनुक्रम लिखिए।

(A) उसने कहा था, वापसी, तिरिछ, कफन।
(B) तिरिछ, कफन, वापसी, उसने कहा था।
(C) कफन, वापसी, उसने कहा था, तिरिछ।
(D) उसने कहा था, कफन, वापसी, तिरिछ।

उत्तर (D)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
कफन	1936 ई.	प्रेमचन्द
वापसी	1960 ई.	उषा प्रियंवदा
तिरिछ	1989 ई.	उदय प्रकाश

29. निम्नलिखित साहित्येतिहासकारों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, शिव सिंह सेंगर।
(B) गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, शिव सिंह सेंगर, हजारी प्रसाद द्विवेदी।
(C) गार्सा द तासी, शिव सिंह सेंगर, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी।
(D) शिव सिंह सेंगर, गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी।

उत्तर (C)

व्याख्या-		
साहित्य	**प्रकाशन वर्ष**	**साहित्यकार**
इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी	1839 प्रथम भाग 1847 द्वितीय भाग	गार्सा द तासी
शिव सिंह सरोज	1883	शिव सिंह सेंगर
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929	रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940	हजारी प्रसाद द्विवेदी

30. निम्नलिखित आर्यों का कालानुसार सही अनुक्रम लिखिए :

(A) पंडितराज जगन्नाथ, कुन्तक, भामह, रूप गोस्वामी।
(B) भामह, कुन्तक, रूप गोस्वामी पंडितराज जगन्नाथ।
(C) कुन्तक, भामह, पंडितराज जगन्नाथ, रूप गोस्वामी।
(D) रूप गोस्वामी, कुन्तक, भामह, पंडितराज जगन्नाथ।

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

आचार्य	आचार्य का कालक्रम	रचना
भामह	6वीं शताब्दी	काव्यालंकार
कुन्तक	10-11वीं शताब्दी	वक्रोक्ति जीवितम्
रूप गोस्वामी	15-16वीं शताब्दी	उज्ज्वल नीलमणि
पंडित जगन्नाथ	17वीं शताब्दी	रस गंगाधर

31. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A) आलोचना — (i) सुधीर पचौरी
(B) तद्भव — (ii) अरुण कमल
(C) हंस — (iii) अखिलेश
(D) वाक् — (iv) राजेन्द्र यादव
(v) नमिता सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	i
(B)	i	iv	ii	iii
(C)	i	ii	iv	iii
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर (A)

व्याख्या-

पत्रिका	सम्पादक	प्रकार/स्थान
आलोचना	अरुण कमल	त्रैमासिक/दिल्ली
तद्भव	अखिलेश	त्रैमासिक/लखनऊ
हंस	राजेन्द्र यादव	मासिक/दिल्ली
वाक्	सुधीर पचौरी	त्रैमासिक
वर्तमान साहित्य	नमिता सिंह	मासिक/अलीगढ़

नोट-हंस का सर्वप्रथम प्रकाशन प्रेमचन्द्र द्वारा 1930 ई. में बनारस में प्रारम्भ किया गया था।

32. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) कितने पाकिस्तान — (i) शिवप्रसाद सिंह
(B) तमस — (ii) कमलेश्वर
(C) मृगनयनी — (iii) वृन्दावनलाल वर्मा
(D) नीला चाँद — (iv) भीष्म साहनी
(v) मन्नू भण्डारी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	iii	iv
(B)	iv	iii	v	ii
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर (C)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
कितने पाकिस्तान	2000 ई.	कमलेश्वर
तमस	1973 ई.	भीष्म साहनी
मृगनयनी	1950 ई.	वृन्दावन लाल वर्मा
नीला चाँद	1988 ई.	शिव प्रसाद सिंह
आपका बंटी	1971 ई.	मन्नू भण्डारी

33. निम्नलिखित कहानीकारों को उनकी कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) उषा प्रियंवदा — (i) ताई
(B) अमरकांत — (ii) वापसी
(C) मोहन राकेश — (iii) दोपहर का भोजन
(D) विश्वंभरनाथ शर्मा कौशिक — (iv) परमात्मा का कुत्ता
(v) जिंदगी और जोंक

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	ii	iv
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	iii	i	v	iv
(D)	v	iii	ii	iv

उत्तर (B)

व्याख्या-

कहानी	कहानीकार
वापसी	ऊषा प्रियंवदा
दोपहर का भोजन	अमरकान्त
परमात्मा का कुत्ता	मोहन राकेश
ताई	विश्वम्भर शर्मा 'कौशिक'
जिन्दगी और जोंक	अमरकान्त

34. निम्नलिखित नाटकों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) रक्षाबन्धन — (i) लक्ष्मीनारायण लाल
(B) अंधा कुआँ — (ii) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
(C) बकरी — (iii) हरिकृष्ण प्रेमी
(D) कोर्ट मार्शल — (iv) स्वदेश दीपक
(v) सुरेन्द्र वर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	ii	iv
(B)	v	iii	ii	i
(C)	i	v	ii	iv
(D)	iv	ii	i	iii

उत्तर (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
रक्षाबन्धन	1934 ई.	हरिकृष्ण प्रेमी
अंधा कुँआ	1955 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

बकरी	1974 ई.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक
सेतुबंध	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा

35. **निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके कवियों का नाम सुमेलित कीजिए :**

(A) साईं के सब जीव हैं कीरी कुंजर दोय — (i) विद्यापति
(B) देसिल बयना सबजन मिट्ठा — (ii) कबीर
(C) भूषन बिनु न बिराजई, कविता बनिता मित्त — (iii) पद्माकर
(D) नैन नचाय कही मुसकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी — (iv) केशव
(v) बिहारी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	iii	ii
(B)	v	ii	iii	iv
(C)	i	ii	v	iv
(D)	ii	i	iv	iii

उत्तर (D)

व्याख्या-

पंक्ति	**पंक्तिकार**
सांई के सब जीव हैं कीरी कुंजर दोय	कबीर
देसिल बयना सब जन मिट्ठा	विद्यापति
भूषन बिनु न बिराजई, कविता बनिता मित्त	केशवदास
नैन नचाय कही मुसकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी	पद्माकर
सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात। मनौ नीलमनि सैल पर आतप पर्यो प्रभात।।	बिहारी

36. **निम्नलिखित कृतियों को उनके कृतिकारों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(A) संसद से सड़क तक — (i) केदारनाथ अग्रवाल
(B) फूल नहीं रंग बोलते हैं — (ii) दुष्यन्त कुमार
(C) युगधारा — (iii) धूमिल
(D) साए में धूप — (iv) नागार्जुन
(v) शमशेर बहादुर सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	v	iv	iii	i

उत्तर (B)

व्याख्या-

कृतियाँ	**प्रकाशन वर्ष**	**कृतिकार**
संसद से सड़क तक	1972 ई.	सुदामा पाण्डे 'धूमिल'
फूल नहीं रंग बोलते हैं	1965 ई.	केदारनाथ अग्रवाल
युगधारा	1953 ई.	नागार्जुन
साये में धूप	1975 ई.	दुष्यन्त कुमार
दोआब		शमशेर बहादुर सिंह

37. **निम्नलिखित उक्तियों को उनके ग्रन्थकारों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(A) सौन्दर्यमलंकारः — (i) विश्वनाथ
(B) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् — (ii) वामन
(C) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये — (iii) पंडितराज जगन्नाथ
(D) रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम् — (iv) कालिदास
(v) मम्मट

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	iii	i	ii
(D)	i	ii	v	iv

उत्तर (A)

व्याख्या-

उक्ति	**उक्तिकार**
सौन्दर्यमलंकारः	वामन
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
वागर्थविव सम्पृक्तौ वागार्थप्रति पत्तये	कालिदास
रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दःकाव्यम्	पंडितराज जगन्नाथ
तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनःक्वापि	मम्मट

38. **निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(A) ध्वन्यालोक — (i) मम्मट
(B) काव्यालंकार — (ii) हेमचन्द्र
(C) काव्यप्रकाश — (iii) आनन्दवर्धन
(D) काव्यानुशासन — (iv) भामह
(v) विश्वनाथ

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iv	v	iii	ii
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	v	iii	ii	i

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-	
ग्रंथ	**आचार्य**
ध्वन्यालोक	आनन्दवर्धन
काव्यालंकार	भामह
काव्य प्रकाश	मम्मट
काव्यानुशासन	हेमचन्द्र
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ

39. निम्नलिखित ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(a) एस्से इन क्रिटिसिज्म (i) कॉलरिज
(b) बायोग्राफिया लिटरेरिया (ii) मैथ्यू आर्नल्ड
(c) एस्थेटिक्स (iii) आई.ए. रिचर्ड्स
(d) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म (iv) क्रोचे
(v) टी.एस. इलियट

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	iii	i
(B)	i	v	iii	iv
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर (C)

व्याख्या-	
ग्रथ	**ग्रंथकार**
एस्से इन क्रिटिसिज्म	मैथ्यू अर्नाल्ड
बायोग्राफिया लिटरेरिया	कॉलरिज
एस्थेटिक्स	क्रोचे
प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	आई.ए. रिचर्ड्स
दि सेक्रेड वुड	टी.एस. इलियट

40. निम्नलिखित अंशों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) जो घनीभूत पीड़ा थी। (i) अज्ञेय
(B) हेर प्यारे को सेज पास, नम्रमुख हँसी खिली। (ii) प्रसाद
(C) हम नहीं कहते कि हम को छोड़कर स्रोतस्विनी बह जाय। (iii) निराला
(D) जी हाँ हजूर, मैं गीत बेचता हूँ। (iv) बच्चन
(v) भवानीप्रसाद मिश्र

कोड-

	A	B	C	D
(1)	i	ii	v	iv
(2)	v	iii	ii	i
(3)	iv	ii	i	iii
(4)	ii	iii	i	v

उत्तर (D)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
जो घनीभूत पीड़ा थी	जयशंकर प्रसाद
हेर प्यारे को सेज पास, नम्रमुख हँसी खिली	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
हम नहीं कहते कि हमें को छोड़कर स्रोतस्विनी बह जाय	अज्ञेय
जी हाँ हजूर, मैं गीत बेचता हूँ।	भवानी प्रसाद मिश्र
वह मादकता ही क्या जिसमें बाकी रह जाये जग का भय।	हरिवंशराय बच्चन

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़े और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45) के उत्तरों के दिए गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

जिन कर्मों में किसी प्रकार का कष्ट या हानि सहने का साहस अपेक्षित होता है उन सबके प्रति का साहस अपेक्षित होता है उन सबके प्रति उत्कंठापूर्ण आनंद उत्साह के अन्तर्गत लिया जाता है। कष्ट या हानि के भेद के अनुसार उत्साह के भी भेद हो जाते हैं। साहित्य मीमांसकों ने इसी दृष्टि से युद्धवीर, दानवीर, दयावीर इत्यादि भेद किये हैं। इनमें सबसे प्राचीन और प्रधान युद्धवीरता है, जिसमें आघात, पीड़ा या मृत्यु की परवाह नहीं रहती। इस प्रकार की वीरता का प्रयोजन अत्यन्त प्राचीन काल से पड़ता चला आ रहा है, जिसमें साहस और प्रयत्न दोनों चरम उत्कर्ष पर पहुँचते हैं। पर केवल कष्ट या पीड़ा सहन करने के साहस में ही उत्साह का स्वरूप स्फरित नहीं होता। उसके साथ आनन्दपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कंठा का योग चाहिए।

41. उत्साह के भेद किस आधार पर किये गये हैं?

(A) दुर्बलता के आधार पर
(B) उत्साह के आधार पर
(C) कष्ट या हानि के भेद के आधार पर
(D) पीड़ा या आघात के आधार पर

उत्तर (C)

व्याख्या–उत्साह के भेद कष्ट या हानि के भेद के आधार पर किये गये हैं। युद्धवीर, दानवीर, दयावीर, इत्यादि उत्साह के भेद हैं।

42. उत्कंठापूर्ण आनन्द किसके अन्तर्गत लिया जाता है?

(A) वीरता के अन्तर्गत (B) उत्साह के अन्तर्गत
(C) युद्ध के अन्तर्गत (D) दान के अन्तर्गत

उत्तर (B)

व्याख्या–उत्कंठापूर्ण आनन्द उत्साह के अन्तर्गत लिया जाता है।

43. साहित्य-मीमांसकों ने वीरता के कौन-कौन से भेद किये हैं?

(A) युद्धवीर, दानवीर और दयावीर
(B) कर्मवीर और धर्मवीर
(C) शूरवीर और परिश्रमी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(D) अध्यवसायी और ईमानदार

उत्तर (A)

व्याख्या–साहित्य मीमांसको ने वीरता के युद्धवीर, दानवीर, दयावीर इत्यादि भेद किये हैं।

44. सबसे प्राचीन कौन सी वीरता है?

(A) दानवीरता (B) दयावीरता
(C) वाक्‌वीरता (D) युद्धवीरता

उत्तर (D)

व्याख्या–सबसे प्रधान और प्राचीन युद्धवीरता है। इसमें आघात, पीड़ा या मृत्यु की परवाह नहीं रहती है।

45. युद्धवीरता के लिए किस प्रकार की प्रवृत्ति अपेक्षित है?

(A) चंचलता और अस्थिरता।
(B) चतुराई और भीरुता।
(C) साहस, प्रयत्न और कष्ट सहने का धीरज।
(D) दुष्टता और धृष्टता।

उत्तर (C)

व्याख्या–युद्धवीरता के लिये साहस, प्रयत्न और कष्ट सहने का धीरज होना चाहिए।

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 46 से 50 तक दी गयी स्थापनाओं (Assertions) और तर्कों (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

46. स्थापना A : चेतना अनुभूति की सघनता तथा चिन्तन से समन्वित आधार पर स्वरूप ग्रहण करती है।

तर्क R : क्योंकि अनुभूति का सम्बन्ध हृदय की संवेदनाशीलता से है और चिन्तन का सम्बन्ध बुद्धि से है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (B)

व्याख्या–अनुभूति का सम्बन्ध संवेदनशीलता से एवं चिन्तन का सम्बन्ध बुद्धि से है। अतः स्थापना और तर्क दोनों सही है।

47. स्थापना A : समाज का आत्यंतिक कल्याण शुभ बुद्धि द्वारा चालित दृढ़ संकल्प में है।

तर्क R : क्योंकि यह संकल्पशक्ति मनुष्य से असाध्य साधन नहीं कराती है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) सही
(D) (A) और (R) गलत

उत्तर (A)

व्याख्या–शुभ बुद्धि के दृढ़ संकल्प द्वारा किये कार्यों से समाज का आत्यंतिक कल्याण होता है। संकल्प शक्ति मनुष्य से असाध्य साधन भी कराती है।

48. स्थापना A : वीरता की कभी नकल नहीं हो सकती जैसे मन की प्रसन्नता कभी कोई उधार नहीं ले सकता

तर्क R : क्योंकि वीरता का सम्बन्ध मनोबल से है।

(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) गलत (R) सही

उत्तर (C)

व्याख्या–वीरता उसी के पास होती है जिसके पास प्रबल मनोबल एवं साहस हो। बिना मनोबल के यह अनुसरण से नहीं प्राप्त होती है।

49. स्थापना A : मानव जीवन की पूर्णता के लिए कर्म, ज्ञान और उपासना तीनों के मेल की आवश्यकता है।

तर्क R : क्योंकि मनुष्य जीवन की पूर्णता में उपासना का स्थान सबसे महत्वपूर्ण है।

(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनो सही
(D) (A) सही (R) गलत

उत्तर (D)

व्याख्या–मानव जीवन की पूर्णता कर्म, ज्ञान एवं उपासना के समन्वय एवं सन्तुलन में है। न कि किसी की अधिकता एवं कमी में सबका सन्तुलन एवं समन्वय जरूरी है।

50. स्थापना A : श्रद्धा का कारण निर्दिष्ट और ज्ञात होता है।

तर्क R : क्योंकि श्रद्धा में दृष्टि पहले कर्मों पर से होती हुई श्रद्धेय तक पहुँचती है।

(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत

उत्तर (B)

व्याख्या– कर्मो के माध्यम से व्यक्ति की महत्ता स्वीकार करना श्रद्धा है। जब हम किसी को श्रद्धेय मानते हैं तो सर्वप्रथम उसके कर्मो का अनुसरण करते हैं। कर्मो के अनुसार ही व्यक्ति श्रद्धेय की दृष्टि से देखा जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2010

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णांक : 100

नोट प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. निम्नलिखित में से कौन द्रविड़ परिवार की भाषा है?

(A) उड़िया (B) बंगला
(C) असमिया (D) कन्नड़

उत्तर (D)

व्याख्या–हिन्दी, उड़िया, बंगला, असमिया, आदि भारोपिय परिवार की भाषा है जबकि कन्नड़, तमिल, तथा तेलगू आदि द्रविड़ परिवार की भाषा है।

2. किस क्षेत्र की बोली को 'काशिका' कहा गया है?

(A) बेसवाड़ा (B) आरा-भोजपुर
(C) बनारस (D) मगध

उत्तर (C)

व्याख्या–बनारस की क्षेत्रीय बोली को 'काशिका' कहा जाता है। अवध की क्षेत्रीय बोली को 'बैसवाड़ा' कहा जाता है। काशिका का दूसरा नाम भोजपुरी है।

3. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति किससे हुई है?

(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) पैशाची (D) कैथी

उत्तर (B)

व्याख्या–लिपि की उत्पत्ति एवं उसका विकास-

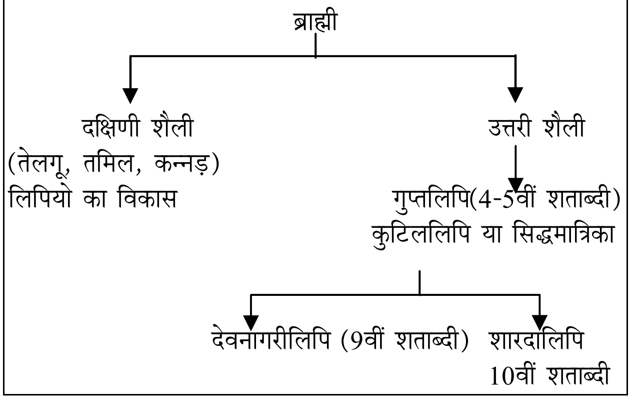

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. अष्टछाप के कवियों में प्रथम नियुक्त कीर्तनकार कवि कौन थे?

(A) नन्ददास (B) कृष्णदास
(C) सूरदास (D) कुभनदास

उत्तर (D)

व्याख्या– आचार्य रामचंद्र शुक्ल अपने 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का सही प्रस्तुत अनुक्रम निम्नवत है अष्टछाप कवियों का जीवनक्रम-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583ई.	सीही (उ.प्र.)	"
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	"
कृष्णदास	1496-1578ई.	चिलोतरा(गुजरात)	"
गोविन्द स्वामी	1505-1585ई.	आंतरी(राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585ई.	मथुरा (उ.प्र.)	"
चतुर्भुजदास	1530-1585ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	"
नंददास	1533-1583ई.	रामपुर (उ.प्र.)	"

5. जायसीकृत 'पद्मावत' है

(A) पुराणकाव्य (B) धर्मकाव्य
(C) रूपक काव्य (D) चम्पूकाव्य

उत्तर (C)

व्याख्या–जायसी कृत पद्मावत (1540ई.) उच्च कोटि का प्रबन्ध काव्य है। डॉ. नगेन्द्र ने इसे प्रतीकात्मक या रूपक काव्य कहा है। इसे समासोक्ति काव्य भी कहा जाता है।

6. 'बसो मेरे नैनन मे नन्दलाल' -किसकी पंक्ति है

(A) सूरदास (B) नंददास
(C) मीराबाई (D) कृष्णदास

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
"बसो मेरे नैनन मे नन्दलाल"	मीराबाई
लरिकाई को प्रेम कहौ अलि कैसे करि के छूटत	सूरदास
नव मर्कत मनि स्याम मनिगम ब्रजबाला। वृन्दावन को रीझि मनहुँ पहिराई माला।	नन्दलाल
कंचन मनि मरकत रस ओपी। नंद सुवन के संगम सुखकर अधिक विराजति गोपी	कृष्णदास

**7. अमिय हलाहल मदभरे श्वेत स्याम रतनार।
नियत मरत झुकि झुकि परत जेहि चितवत एक बार।
-किसकी पंक्तियाँ हैं ?**

(A) बिहारी (B) रसलीन
(C) केशवदास (D) घनानन्द

उत्तर (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
'अमिय हलाहल .... एक बार।	रसलीन
सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात। मनौ नील मनि-सैल पर आतप पर्‌यो प्रभात।।	बिहारी
अति सुधौ सनेह को मारगु हैं, जहँ नैकु सयानप बाँक नहीं।	घनानंद
जदपि सुजाति सुलक्षनी, सुबरन सरस सुवृत्त भूषण बिनु न बिराजई, कविता बनिता मित्त।।	केशवदास

8. 'बरवै रामायण' किसकी रचना है?

(A) सूरदास (B) तुलसीदास
(C) नंददास (D) केशवदास

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
बरवै रामायण (बरवा)	तुलसीदास
साहित्य लहरी	सूरदास
रासपंचाध्यायी	नन्ददास
विज्ञानगीता	केसवदास

9. 'हिंदी प्रदीप' पत्रिका के संपादक कौन हैं?

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) लाला श्रीनिवासदास
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) राधाचरण गोस्वामी

उत्तर (C)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
हिन्दी प्रदीप	1877ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
बालबोधिनी	1874ई.	भारतेन्दु	मासिक/बनारस
सदादर्श	1874ई.	लाला श्रीनिवासदास	मासिक/काशी
भारतेन्दु	1884ई.	राधा चरण गोस्वामी	/वृन्दावन

10. तोड़ने ही होंगे मठ और गढ़ सब'- किसकी पंक्ति है?

(A) निराला (B) रघुवीर सहाय
(C) नागार्जुन (D) मुक्तिबोध

उत्तर (D)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
तोड़ने ही होंगे मठ और गढ़ सब	मुक्तिबोध
राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत-भाग्य विधाता है- फटा सुथन्ना पहने जिसका गुन हर चरना गाता है।	रघुवीर सहाय
कई दिनों तक चूल्हा रोया चक्की रही उदास कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उसके पास	नागार्जुन
अशब्द अधरों का सुना भाष, मैं कवि हूँ, पाया है प्रकाश।	निराला

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

11. 'आवारा मसीहा' किसकी रचना है?

(A) विष्णु प्रभाकर (B) विद्यानिवास मिश्र
(C) हरिवंशराय बच्चन (D) नरेन्द्र शर्मा

उत्तर (A)

व्याख्या-

जीवनी	प्रकाशन वर्ष	जीवनीकार	सम्बन्धित व्यक्ति
आवारा मसीहा	1974	विष्णु प्रभाकर	शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय
उत्सव पुरुष नरेश मेहता	2003	महिमा मेहता	नरेश मेहता

नोट-आवारा मसीहा (1974) विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखित शरतचन्द्र चटटोपाध्याय की जीवनी है। इसके तीन खण्ड हैं- दिशहारा, दिशा की खोज और दिशान्त।

12. पशु-पक्षियों पर लिखित महादेवी वर्मा का रेखाचित्र संकलन है

(A) पथ के साथी (B) मेरा परिवार
(C) स्मृति की रेखाएँ (D) अतीत के चलचित्र

उत्तर (B)

व्याख्या–अतीत के चलचित्र (1941ई.), स्मृति की रेखाएँ (1943ई.) तथा मेरा परिवार (1972ई.), महादेवी वर्मा के रेखाचित्र हैं। मेरा परिवार में वर्मा जी ने नीलकण्ठ (मोर) गिल्लू (गिलहरी), सोना (हिरनी), दुर्मुख (खरगोश), गौरा (गाय), नीलू (कुत्ता), निक्को (नेवला) रोजी (कुतिया) रानी (घोड़ी) इत्यादि पशु-पक्षियों का वर्णन किया है। जबकि पथ के साथी (1956 ई.) महादेवी वर्मा का संस्मरण है।

13. रामचन्द्र शुक्ल की आलोचनात्मक कृति कौन सी है?

(A) रससिद्धान्तः स्वरूप विश्लेषण
(B) काव्यमीमांसा
(C) रसमीमांसा
(D) वाङ्मय विमर्श

उत्तर (C)

व्याख्या-

आलोचना	आलोचनाकार
रस मीमांसा	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
रस सिद्धान्तःस्वरूप एवं विश्लेषण	डॉ. आनन्द प्रकाश दीक्षित
काव्य मीमांसा	राजशेखर
वाड्.मय विमर्श	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

14. मनोविश्लेषणात्मक शैली के उपन्यासकार हैं :

(A) प्रेमचंद (B) रांगेय राघव
(C) इलाचन्द्र जोशी (D) वृंदावनलाल वर्मा

उत्तर (C)

व्याख्या–इलाचन्द्र जोशी (1902-1982), अज्ञेय (1911-1998), जैनेन्द्र (1905-1988) तथा डॉ. देवराज (1917-1999) इत्यादि मनोविश्लेषणात्मक शैली के उपन्यासकार हैं।

15. 'निउनिया' किस उपन्यास की पात्र है?

(A) अनामदास का पोथा (B) चारूचन्द्रलेख
(C) पुनर्नवा (D) बाणभट्ट की आत्मकथा

उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष एवं पात्र

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	पात्र
बाणभट्ट की आत्मकथा	1946 ई.	बाणभट्ट (निउनिया) निपुणिका
चारुचन्द्र लेख	1963 ई.	राजा सातवाहन, चन्द्रलेखा
पुनर्नवा	1973 ई.	लोरिकायन एवं मृच्छकटिकम्
अनामदास का पोथा	1976 ई.	छान्दोग्य एवं बृहदारण्यक

16. 'ठेले पर हिमालय' किस विधा की रचना है?
(A) उपन्यास (B) कहानी
(C) यात्रा-वृत्त (D) निबंध
उत्तर (D)

व्याख्या–ठेले पर हिमालय (1958ई.) धर्मवीर भारती का निबन्ध है।

17. 'वन्दे वाणी विनायकौ' निबंध संकलन के रचयिता कौन हैं?
(A) विद्यानिवास मिश्र (B) रामवृक्ष बेनीपुरी
(C) गुलाबराय (D) प्रतापनारायण मिश्र
उत्तर (B)

व्याख्या–रामवृक्ष बेनीपुरी के निबन्ध संग्रह- गेहूँ और गुलाब (1950), तथा वन्दे वाणी विनायकौ (1954)
प्रताप नारायण मिश्र के निबन्ध-धोखा, दाँत, बालक वृद्ध, आप, भौ, नारी, मुच्छ, ह, द, घूरे का लत्ता बिने, अपव्यय, वृद्ध दान, ईश्वर की मूर्ति, होली है अथवा होरी।
डॉ. विद्या निवास मिश्र के निबन्ध-संग्रह-छितवन की छाँह (1953) हल्दी दूब (1955) तुम चन्दन हम पानी (1957), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (1974), तमाल के झरोखे से (1981), संचारिणी (1982), शिरीष की याद आई (1995),
कुबेरनाथ राय के निबन्ध संग्रह-प्रिया नीलकण्ठी (1968), रस आखेटक (1970), विषाद योग (1973), निषाद बासुरी (1974), पर्णमुकुट (1978, महाकवि की तर्जनी (1979), मराल (1993), उत्तर कुरु (1994), वाणी का क्षीर सागर (1998), अन्धकार में अग्निशिखा (1998), आगम की नाव (2002)।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

18. भरतमुनि के रससूत्र में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं है?
(A) स्थायीभाव (B) विभाव
(C) अनुभाव (D) व्यभिचारी भाव
उत्तर (A)

व्याख्या–आचार्य भरतमुनि ने अपने ग्रंथ नाट्यशास्त्र में रस सूत्र की व्याख्या की है। भरतमुनि का रस सूत्र-"विभावानुभाव व्यभिचारिसंयोगात् रसनिष्पतिः" इसमें स्थायीभाव का उल्लेख नहीं किया है।

19. 'साधारणीकरण' संकल्पना के उद्‌गाता कौन हैं?
(A) कुंतक (B) वामन
(C) भट्‌टनायक (D) अभिनव गुप्त
उत्तर (C)

व्याख्या–साधारणीकरण के प्रतिष्ठापक भट्‌टनायक हैं। पाठक, श्रोता या दर्शक में पाठ, दृश्य इत्यादि की रसानुभूति होना ही साधारणीकरण है।

20. शब्द की द्वयर्थी योजना से कौन सा अलंकार होता है?
(A) अनुप्रास (B) वक्रोक्ति
(C) श्लेष (D) उत्प्रेक्षा
उत्तर (B)

व्याख्या–वक्रोक्ति अलंकार-जहाँ पर वक्ता के कथन का श्रोता द्वारा वक्ता के अभिप्रेत आशय से श्लेष अथवा काकु उक्ति से भिन्न अर्थ लगाया जाय वहाँ वक्रोक्ति अलंकार होता है। वक्रोक्ति में शब्द के दो अर्थ होते हैं।
जैसे-गौरव शालिनी प्यारी हमारी, सदा तुमही एक इष्ट अहो।
हौ न गऊ, नहीं हौं अवशा, अलिनीहूँ नहीं, अस काहे कहे।।
श्लेष अलंकार-श्लेष का अर्थ है- चिपकना,मिलना अथवा संयोग। जहाँ एक शब्द के साथ अनेक अर्थ चिपके रहते हैं वहाँ श्लेष अलंकार होता है।
जैसे- मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ
जा तन की झाई परै स्याम हरित दुति होय।।
अनुप्रास अलंकार-जहाँ वर्णो या व्यंजनों की सम्यता के आधार पर एक से अधिक बार आवृत्ति हो, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है। जैसे-मुदित महीपति मन्दिर आए। सेवक सचिव सुभन्त बुलाए।।
उत्प्रेक्षा अलंकार-जब उपमेय में उपमान की सम्भावना या कल्पना कर ली जाये, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।
जैसे- सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात।
मनो नील मनि सैल पर आतप पर्‌यो प्रभात।।

तथ्य विविधा

21. कालक्रम की दृष्टि से प्रेमचंद के उपन्यासों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) सेवासदन, कर्मभूमि, रंगभूमि, गोदान
(B) कर्मभूमि, गोदान, सेवासदन, रंगभूमि,
(C) गोदान, कर्मभूमि, रंगभूमि, सेवासदन
(D) रंगभूमि,कर्मभूमि, गोदान, सेवासदन
उत्तर (C)

व्याख्या– प्रेमचंद (1880-1936) के उपन्यासों का सही अनुक्रम- देवस्थान रहस्य (1905), प्रेमा (1907), सेवासदन (1918), वरदान (1921), प्रेमाश्रय (1922), रंगभूमि (1925), कायाकल्प (1926), निर्मला (1927), प्रतिज्ञा (1929), गबन (1931), कर्मभूमि (1933), गोदान (1936), मंगलसूत्र (1948 अधूरा)
नोट-प्रेमचंद ने 'प्रेमा' (1907) उपन्यास को संशोधित करके 'प्रतिज्ञा' (1929) शीर्षक से प्रकाशित कराया गया।

22. कालखण्ड की दृष्टि से कहानियों का सही अनुक्रम लिखिए :
(A) उसने कहा था, रानी केतकी की कहानी, तिरिछ, शरणागत
(B) रानी केतकी की कहानी, उसने कहा था, शरणागत, तिरिछ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) शरणागत, रानी केतकी की कहानी, उसने कहा था, तिरिछ,
(D) तिरिछ, उसने कहा था, रानी केतकी की कहानी, शरणागत

उत्तर (B)

व्याख्या-

कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
रानी केतकी की कहानी	1808 ई.	इंशा अल्ला खाँ
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
शरणागत	1912 ई.	वृन्दावन लाल वर्मा
तिरिछ	1989	उदय प्रकाश

23. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) अंधायुग, शारदीया, कोर्ट मार्शल, मादा कैक्टस
(B) शारदीया,अंधायुग, मादा कैक्टस, कोर्ट मार्शल
(C) मादा कैक्टस, कोर्ट मार्शल, शारदीया, अंधायुग
(D) कोर्ट मार्शल, अंधायुग, मादा कैक्टस, शारदीया

उत्तर (A)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
अंधायुग	1955 ई.	धर्मवीर भारती
शारदीया	1959 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
कोर्टमार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक
मादा कैक्टस	1959 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

24. हजारीप्रसाद द्विवेदी के आलोचनात्मक ग्रंथों का सही अनुक्रम है :
(A) कबीर, हिंदी साहित्य का आदिकाल, हिंदी साहित्य की भूमिका, सूर साहित्य
(B) सूर साहित्य, हिंदी साहित्य की भूमिका, कबीर, हिंदी साहित्य का आदिकाल
(C) हिंदी साहित्य का आदिकाल, कबीर, हिंदी साहित्य की भूमिका, सूर साहित्य
(D) हिंदी साहित्य की भूमिका, सूर साहित्य, हिंदी साहित्य का आदिकाल, कबीर

उत्तर (B)

व्याख्या– हजारी प्रसाद द्विवेदी (1907-1971) के उपन्यासों का सही अनुक्रम-
सूर साहित्य (1930), हिन्दी साहित्य की भूमिका (1940), कबीर (1941), हिन्दी साहित्य का आदिकाल (1952), सहज साधना (1963), कालिदास की लालित्य योजना (1965), मध्यकालीन बोध का स्वरूप (1970) है।

25. प्रकाशनकाल के अनुसार रेखाचित्रों का सही अनुक्रम बताइए।
(A) माटी की मूरतें, अमिट रेखाएँ, अतीत के चलचित्र, कुछ शब्द कुछ रेखाएँ
(B) कुछ शब्द कुछ रेखाएँ, अतीत के चलचित्र, माटी की मूरतें, अमिट रेखाएँ,
(C) अतीत के चलचित्र, माटी की मूरतें, अमिट रेखाएँ, कुछ शब्द कुछ रेखाएँ
(D) अतीत के चलचित्र, कुछ शब्द कुछ रेखाएँ, अमिट रेखाएँ, माटी की मूरतें,

उत्तर (C)

व्याख्या-

रेखाचित्र	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
अतीत के चलचित्र स्मृति की रेखाएँ मेरा परिवार	1941 ई. 1943 ई. 1972 ई.	महादेवी वर्मा
माटी की मूरतें गेंहूँ और गुलाब लाल तारा मील के पत्थर	1946 ई. 1950 ई. 1938 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी
अमिट रेखाएँ	1951 ई.	सत्यवती मल्लिक
कुछ शब्दः कुछ रेखाएँ	1965 ई.	विष्णु प्रभाकर

26. रचनाकाल के अनुसार पत्रिकाओं का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए।
(A) हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, भारतेन्दु, सदादर्श
(B) सदादर्श, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, भारतेन्दु,
(C) भारतेन्दु, ब्राह्मण,हिंदी प्रदीप, सदादर्श
(D) ब्राह्मण, भारतेन्दु, हिंदी प्रदीप, सदादर्श

उत्तर (B)

व्याख्या-

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
सदादर्श	1874 ई.	श्रीनिवासदास	मासिक/काशी
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रताप नारायण मिश्र	मासिक/कानपुर
भारतेन्दु	1884 ई.	राधाचरण गोस्वामी	वृन्दावन

27. निराला की रचनाओं का सही अनुक्रम बताइए।
(A) अनामिका, परिमल, गीतिका, कुकुरमुत्ता
(B) कुकुरमुत्ता, गीतिका, परिमल, अनामिका
(C) परिमल, गीतिका, कुकुरमुत्ता, अनामिका
(D) गीतिका, कुकुरमुत्ता, अनामिका, परिमल,

उत्तर (A)

व्याख्या–सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (1899-1961) के काव्य संग्रेहों का सही अनुक्रम-
अनामिका (1923), परिमल (1930), गीतिका (1936), तुलसीदास (1938), कुकुरमुत्ता (1942), अणिमा (1943) बेला (1946), नये पत्ते (1946), अर्चना (1950), आराधना (1953), गीतगुंज (1954), सांध्यकाकली (1969) है।
नोट- सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की प्रथम कविता जूही की कली (1916ई.) है।

28. 'कामायनी' के सर्गो का सही अनुक्रम हैः
(A) चिंता, काम, आशा, श्रद्धा
(B) श्रद्धा, आशा, चिंता, काम
(C) चिंता, आशा, श्रद्धा, काम
(D) आशा, काम, श्रद्धा, चिंता

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद (1889-1937) कृत 'कामायनी' (1936), महाकाव्य में कुल 15 सर्ग हैं, जिनका क्रम इस प्रकार है- चिन्ता, आशा, श्रद्धा, काम, वासना, लज्जा, कर्म, ईर्ष्या, इड़ा, स्वप्न, संघर्ष, निर्वेद, दर्शन, रहस्य तथा आनन्द है।

29. रचनाकाल के अनुसार लंबी कविताओं का सही अनुक्रम लिखिए।
(A) असाध्य वीणा, पटकथा, कन्हार, प्रलय की छाया
(B) पटकथा, असाध्य वीणा, प्रलय की छाया, कन्हार
(C) प्रलय की छाया, असाध्य वीणा, पटकथा, कन्हार
(D) कन्हार, असाध्य वीणा, पटकथा, प्रलय की छाया

उत्तर (C)

व्याख्या-

कविता	प्रकाशन वर्ष	कवि
प्रलय की छाया	1931 ई.	जयशंकर प्रसाद
असाध्य वीणा	1961 ई.	अज्ञेय
पटकथा	1972 ई.	धूमिल
कन्हार		

30. आचार्यों और उनके सिद्धान्तों के साथ सुमेलन कीजिए:

(A) भट्ट लोल्लट	(i) अभिव्यक्तिवाद
(B) शंकुक	(ii) उत्पत्तिवाद
(C) भट्ट नायक	(iii) अस्तित्ववाद
(D) अभिनव गुप्त	(iv) अनुमितिवाद
	(v) भुक्तिवाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	iii
(B)	iii	iv	i	v
(C)	iii	i	v	ii
(D)	ii	iv	v	i

उत्तर (D)

व्याख्या-

आचार्य	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्टनायक	भुक्तिवाद	सांख्य
अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव
सार्त्र	अस्तित्ववाद	

31. निम्नलिखित ग्रंथकार और उनके ग्रंथों का सुमेलन कीजिए :

(A) इलियट	(i) पेरिइप्सुस
(B) वर्ड्सवर्थ	(ii) पेरिपोइतिकेस
(C) लोंगिनुस	(iii) लिरिकल बैलड्स
(D) अरस्तू	(iv) रिपब्लिक
	(v) दि वेस्ट लैंड

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	iii	i	ii
(C)	iii	iv	i	v
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर (B)

व्याख्या-

ग्रंथ	ग्रंथकार
दि वेस्ट लैण्ड	इलियट
लिरिकल वैलड्स	वर्ड्सवर्थ
पेरिइप्सुस	लोंगिनुस
पेरिपोइतिकेस	अरस्तू
रिपब्लिक	प्लेटो

32. निम्नलिखित रचनाकारों के साथ उनकी रचनाओं का सुमेलन कीजिए :

(A) अज्ञेय	(i) विकल्पहीन नहीं है दुनिया
(B) किशन पटनायक	(ii) स्त्रीत्व का मानचित्र
(C) केदारनाथ सिंह	(iii) शब्द और मनुष्य
(D) अनामिका	(iv) संवत्सर
	(v) कब्रिस्तान में पंचायत

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	v	ii
(B)	i	iii	v	ii
(C)	ii	v	iv	iii
(D)	i	v	iii	ii

उत्तर (A)

व्याख्या-

रचना	रचनाकार
संवत्सर	अज्ञेय
विकल्पहीन नहीं है दुनिया	किशन पटनायक
कब्रस्तान में पंचायत	केदारनाथ सिंह
स्त्रीत्व का मानचित्र	अनामिका
शब्द और मनुष्य	परमानन्द श्रीवास्तव

33. कवियों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) केदारनाथ सिंह	(i) अग्निलीक
(B) ज्ञानेन्द्र पति	(ii) आत्मजयी
(C) भारतभूषण अग्रवाल	(iii) निर्वाचित कविताएँ
(D) कुँवर नारायण	(iv) अकाल में सारस
	(v) संशयात्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	ii	iii	v	iv
(C)	iii	i	iv	v
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर (A)

व्याख्या-

काव्य संग्रह	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
अकाल में सारस		केदारनाथ सिंह
संशयात्मा	2004 ई.	ज्ञानेन्द्र पति
अग्निलीक	1976 ई.	भारत भूषण अग्रवाल
आत्मजयी	1965 ई.	कुँवर नारायण
निर्वाचित कविताएँ	2004 ई.	भगवत रावत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. संपादकों को उनकी पत्रिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) अखिलेश — (i) पूर्वाग्रह
(B) नमिता सिंह — (ii) वर्तमान साहित्य
(C) राजेन्द्रकुमार — (iii) तद्भव
(D) प्रभाकर श्रोत्रिय — (iv) बहुवचन
(v) समयान्तर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	ii	iii
(B)	ii	iii	i	v
(C)	v	i	iv	ii
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर (D)

व्याख्या-

पत्रिका	सम्पादक
तद्भव	अखिलेश
वर्तमान साहित्य	नमिता सिंह
बहुवचन	राजेन्द्र कुमार
पूर्वग्रह	प्रभाकर श्रोत्रिय
समयान्तर	पंकज विष्ठ

35. कहानी और कहानीकारों का सुमेलन कीजिए :

(A) सद्गति — (i) प्रसाद
(B) बिसाती — (ii) जैनेन्द्र
(C) दो बाँके — (iii) प्रेमचंद
(D) पाजेब — (iv) चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'
(v) भगवतीचरण वर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	ii	iv
(B)	iv	v	ii	iii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	iii	i	v	ii

उत्तर (D)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
सद्गति	1930	प्रेमचंद
बिसाती		जयशंकर प्रसाद
दो बांके	1936	भगवती चरण वर्मा
पाजेब	1945	जैनेन्द्र
उसने कहा था	1915	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'

36. पंक्तियों के साथ कवियों का सुमेलन कीजिए :

(A) सेस महेस गनेस दिनेश — (i) सूरदास
(B) मन लेत पै देत छटाँक नहीं — (ii) तुलसीदास
(C) जैसे उड़ि जहाज को पंछी — (iii) घनानंद
(D) गिरा अनयन नयन बिनु बानी — (iv) रसखान
(v) केशवदास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iii
(B)	iv	iii	i	ii
(C)	iv	v	ii	i
(D)	iii	iv	i	v

उत्तर (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
सेस महेस गनेस दिनेस	रसखान
मन लेते पै देत छटाँक नहीं	घनानन्द
जैसे उड़ि जहाज को पक्षी	सूरदास
गिरा अनयन नयन बिनु पानी	तुलसीदास

37. रचना के साथ उसकी विधा को सुमेलित कीजिए :

(A) शब्द और मनुष्य — (i) नाटक
(B) काशी का अस्सी — (ii) यात्रा-वर्णन
(C) इला — (iii) उपन्यास
(D) पैरों में पंख बाँधकर — (iv) आलोचना
(v) निबंध

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	iv	iii	i	ii
(C)	ii	ii	v	iv
(D)	v	iv	ii	iii

उत्तर (B)

व्याख्या

रचना	रचनाकार	विधा
शब्द और मनुष्य	परमानन्द श्रीवास्तव	आलोचना
काशी का अस्सी	काशीनाथ सिंह	उपन्यास
इला	प्रभाकर श्रोत्रिय	नाटक
पैरों में पंख बाँधकर	रामवृक्ष बेनीपुरी	यात्रा साहित्य
मिठउवा	अष्टभुजा प्रसाद शुक्ला	निबन्ध

38. उपन्यासों का उनके पात्रों के साथ सुमेलन कीजिए :

(A) रंगभूमि — (i) मृणाल
(B) झूठा-सच — (ii) नीलिमा
(C) त्यागपत्र — (iii) योके
(D) अंधेरे बंद कमरे — (iv) तारा
(v) सोफिया

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	v
(B)	iv	ii	v	iii
(C)	v	iv	i	ii
(D)	iii	v	ii	iv

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या			
उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार	पात्र
रंगभूमि	1925 ई.	प्रेमचन्द्र	सोफिया
झूठा-सच	भाग-1-1958 भाग-2-1960	यशपाल	तारा
त्यागपत्र	1937 ई.	जैनेन्द्र	मृणाल
अन्धेरे बन्द कमरे	1961 ई.	मोहन राकेश	नीलिमा
अपने-अपने अजनबी	1961	अज्ञेय	योके, सेल्मा

39. पात्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) देवसेना	(i) कोणार्क
(B) विशु	(ii) आधे अधूरे
(C) गांधारी	(iii) स्कंदगुप्त
(D) सावित्री	(iv) रातरानी
	(v) अंधायुग

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	v	ii
(B)	v	ii	i	iii
(C)	ii	v	iii	iv
(D)	i	iv	v	ii

उत्तर (A)

व्याख्या			
नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार	पात्र
स्कन्दगुप्त	1928 ई.	जयशंकर प्रसाद	देवसेना, पृथ्वीसेन, भट्टार्क, पुरुगुप्त, बंधु वर्मा, विजया
कोणार्क	1951 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर	विशु, नरसिंह देव, धर्मपाल
अंधायुग	1955 ई.	धर्मवीर भारती	गांधारी, युयुत्स
आधे अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश	सावित्री,जुनेजा, महेन्द्रनाथ जगमोहन अशोक

निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 39 से 44 तक) के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें :

भाषा पर कबीर का जबरदस्त अधिकार था। वे वाणी के डिक्टेटर थे। जिस बात को उन्होंने जिस रूप में प्रकट करना चाहा है उसे उसी रूप में भाषा से कहलवा लिया- बन गया है तो सीधे-सीधे, नहीं तो दरेरा देकर। भाषा कुछ कबीर के सामने लाचार-सी नजर आती है। उसमें मानों ऐसी हिम्मत ही नहीं है कि इस लापरवाह फक्कड़ की किसी फरमाइश को नाही कर सके। और अकह कहानी को रूप देकर मनोग्राही बना देने की तो जैसी ताकत कबीर की भाषा में है वैसी बहुत कम लेखकों में पाई जाती है।

40. कबीर की वाणी के विषय में क्या कहा गया है?

(A) कबीर वाणी के महापंडित थे।
(B) कबीर वाणी के धनी थे।
(C) कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।
(D) कबीर वाणी के लोकनायक थे।

उत्तर (C)

व्याख्या–कबीर की वाणी के विषय में कहा गया है कि कबीर 'वाणी के डिक्टेटर (तानाशाह) थे। हजारी प्रसाद द्विवेदी ने भी इस कथन का समर्थन किया है।

41. कबीर के सामने भाषा का रूप कैसा था?

(A) भाषा का परिष्कृत रूप सामने आता है।
(B) भाषा लाचार-सी नजर आती है।
(C) भाषा पर उनका नियंत्रण नहीं है।
(D) भाषा में बिखराव दृष्टिगत होता है।

उत्तर (B)

व्याख्या–कबीर का भाषा पर जबरदस्त अधिकार था। भाषा उनके सामने लचर सी नजर आती है।

42. कबीर की भाषा में कैसी हिम्मत नहीं है?

(A) कि वह आशय को व्यक्त न कर सके।
(B) कि वह इस फक्कड़ की फरमाइश को नाहीं कर सके।
(C) कि वह कबीर के काव्यानुरूप प्रयुक्त न हो।
(D) कि वह सहज, सरल और सरस न बन सके।

उत्तर (B)

व्याख्या– कबीर की भाषा में ऐसी हिम्मत नहीं है कि वह इस फक्कड़ की फरमाइश को पूरी न कर सके।

43. कबीर की भाषा में कैसी ताकत थी?

(A) असत्य को सत्य सिद्ध कर दे।
(B) अकह कहानी को मनोग्राही बना दे।
(C) दुरूह दर्शन को भी स्पष्ट कर दे।
(D) सहज को भी असहज बना दे।

उत्तर (B)

व्याख्या–कबीर की भाषा में ऐसी ताकत है कि वह अकह कहानी को मनोग्राही बना दे।

44. कबीर ने बात को किस रूप में प्रकट करना चाहा?

(A) उसे उसी रूप में भाषा से कहलवा लिया।
(B) उसी रूप में भाषासे प्रकट नहीं कर सकते थे।
(C) परोक्ष रूप में व्यक्त कर देते थे।
(D) अधिक दुरूह बना देते थे।

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– कबीर ने जिस बात को जिस रूप में चाहा उसे उसी रूप में भाषा से कहलवा लिया। बना तो सीधे से नहीं तो काट-छाँट करके।

कथोपकथन

45. **स्थापना (Assertion) A : सही शब्द वे ही हैं, जो उनके बीच के अंतराल का सबसे अधिक उपयोग करें।**
तर्क (Reason) R : अन्तराल के उस मौन द्वारा भी अर्थवत्ता का पूरा ऐश्वर्य सम्प्रेषित कर सके।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) गलत (R) गलत
उत्तर (B)

व्याख्या–शब्द की सार्थकता इसी में होती है कि छोटे होने पर भी ज्यादा से ज्यादा अर्थ को प्रेषित करें। सही शब्द वो जो सार्थक हो जिनका उपयोग हो तथा जो कम शब्द में अधिक अर्थ सम्प्रेषित करते हो।

46. **स्थापना (Assertion) A : भरतमुनि ने अद्‌भुत को दिव्य तथा आनन्दज बताया है।**
तर्क (Reason) R : उनकी दृष्टि अलंकारों तक गई थी।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–रस सिद्धान्त के प्रतिपादक आचार्य भरतमुनि हैं। भरतमुनि ने अदभुत रस को दिव्य एवं आनन्द को उत्पन्न करने वाला बताया है। भरत मुनि ने सिर्फ चार अलंकारों का वर्णन किया है। अतः भरतमुनि का अलंकार पर आंशिक प्रभाव है।

47. **स्थापना (Assertion) A : गुण मुख्य रूप से रस के धर्म हैं।**
तर्क (Reason) R : इन्हें गौण रूप से शब्दार्थ के भी धर्म नहीं माना जाता है।
(A) (A) गलत (R) गलत
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) सही (R) सही
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (B)

व्याख्या–गुण मख्यतः रस के धर्म होते हैं। गौण रूप से इन्हें शब्दार्थ का धर्म माना जाता है।

48. **स्थापना (Assertion) A : कवियों और दार्शनिकों की दृष्टि में विश्व भावमय है।**
तर्क (Reason) R : इसी कारण जीवन की ठोस वास्तविकताओं से पलायन की वृत्ति पनपी है।
(A) (A) सही (R) सही
(B) (A) गलत (R) गलत
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (C)

व्याख्या–कवियों और दार्शनिकों ने विश्व को भावतम या भावकत्व व्यापार माना है। जबकि जीवन से पलायन में इसका कारण नहीं है। जीवन से पलायन में आर्थिक सामाजिक, पारिवारिक तथा व्यक्तिगत कारण होते हैं।

49. **स्थापना (Assertion) A : प्रेम जब व्यष्टि सौंदर्य से ऊपर उठता है तब वह आध्यात्मिक बनता है।**
तर्क (Reason) R : क्योंकि प्रेम आध्यात्मिक होता है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर (A)

व्याख्या–प्रेम जब भक्ति से ऊपर उठता है या व्यष्टि से समष्टि की ओर बढ़ता है तो वह आध्यात्मिक हो जाता है। प्रेम का सम्बन्ध आन्तरिक संवेदनात्मक भाव से है। प्रेम ही मानव जीवन की सर्वोच्चता को प्राप्त करने का साधन है।

50. **स्थापना (Assertion) A : काव्य का सत्य असाधारण होता है।**
तर्क (Reason) R : क्योंकि वह सामान्य सत्य से मिलता है।
(A) (A) गलत (R) गलत
(B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) सही (R) गलत
उत्तर (D)

व्याख्या–काव्य का सत्य साधारण भावभूमि से ऊपर उठकर असाधारण हो जाता है। तर्क में सामान्य सत्य की बात कही गयी है जबकि स्थापना में असाधारण सत्य है। अतः स्थापना और तर्क अर्न्तसम्बन्धित न होने के कारण तर्क गलत है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2009

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. संचार माध्यमों में प्रयोग होता है-

(A) हिन्दी का शासकीय रूप
(B) हिन्दी का साहित्यिक रूप
(C) हिन्दी का शुद्ध व्याकरणिक रूप
(D) हिन्दी का व्यावहारिक रूप

उत्तर – (A)

व्याख्या–संचार माध्यमों में हिन्दी का शासकीय मानक रूप प्रयोग होता है। मानक हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है तथा समस्त शासकीय कार्य राजभाषा (मानक हिन्दी) में ही होता है।

2. निम्नलिखित में से अर्द्ध स्वर कौन सा है?

(A) य (B) प
(C) क्ष (D) ज्ञ

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी में 'य' और 'व' को अर्धस्वर माना जाता है। इसका निर्माण निम्नवत होता है।

इ + अ = य
उ + अ = व

हिन्दी में 'क्ष' एवं 'ज्ञ' संयुक्त व्यंजन है। ये दो शब्दों को मिलाकर बने हैं।

क् + ष = क्ष
ज् + ञ = ज्ञ

3. इनमें कौन सी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है?

(A) अवधी (B) बिहारी
(C) बघेली (D) छत्तीसगढ़ी

उत्तर – (B)

व्याख्या–अपभ्रंश तथा उनसे विकसित 'उपभाषा' एवं बोलियों का विवरण निम्नवत् है।

हिन्दी का विकास क्रम- संस्कृत- पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बंगारू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी → गुजराती	→ कुमाँयूनी → गढ़वाली → नेपाली
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

4. बोली का लघुतम रूप है -

(A) व्यक्ति बोली (B) उपबोली
(C) सहायक बोला (D) वर्ण

उत्तर – (D)

व्याख्या–बोली भाषा का लघुत्तम (सबसे छोटा) रूप ध्वनि होता है। ध्वनि के लिखित रूप को वर्ण कहते हैं क्योंकि वर्ण ध्वनि का मूर्त रूप है वर्ण के बाद शब्द होता है तथा शब्दों को मिलाकर वाक्य बनाये जाते हैं।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

5. साहित्येतिहास-लेखन की विधि नहीं है

(A) अकारादि क्रम
(B) लेखकों का कालक्रम
(C) रचनाओं का कालक्रम
(D) परिस्थिति-प्रवृत्ति मूलक क्रम

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–साहित्य इतिहास लेखन में लेखक कालक्रम, रचना कालक्रम, परिस्थिति प्रवृत्तिक्रम, वर्णक्रम, विधेयवादी, समाजशास्त्रीय एवं शोध प्रविधि आदि का प्रयोग किया जाता है। जबकि साहित्य इतिहास लेखन में अकारादि क्रम का प्रयोग नहीं किया जाता है।

6. 'शब्दानुशासन' के लेखक हैं-

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) हेमचन्द्र
(C) सरहपाद (D) स्वयंभू

उत्तर – (B)

व्याख्या–'शब्दानुशासन' हेमचन्द्र का व्याकरण ग्रंथ है। इसमें संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश तीनों का समावेश है। रसमीमांसा (1949)- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, दोहाकोश-सरहपा, पउमचरिउ-स्वयंभू की रचना है।

7. 'खालिकबारी' किसकी रचना है?

(A) खालिक खलक (B) रहीम
(C) अमीर खुसरो (D) अकबर

उत्तर – (C)

व्याख्या–खालिकबारी (कोश ग्रंथ), दो सुखनें, हालात-ए- कन्हैया, नजरान-ए-हिन्दी, पहेलियाँ, मुकरियाँ, गजल इत्यादि अमीर खुसरों (1253-1325) की रचना है।

नोट- (i) अमीर खुसरो का वास्तविक नाम अबुल हसन था।
(ii) अमीर खुसरों निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे।
(iii) अमीर खुसरो खड़ी बोली के आदि कवि तथा प्रथम कवि कहे जाते हैं।

8. सूफीकाव्य का उद्देश्य है-

(A) प्रेम-निरूपण (B) काव्यशास्त्र निरूपण
(C) इस्लाम धर्म का प्रचार (D) राष्ट्रीय चेतना

उत्तर – (A)

व्याख्या–सूफी काव्य का उद्देश्य प्रेम के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करना है। इसमें स्त्री को परमात्मा तथा पुरुष को आत्मा के रूप में चित्रित किया गया है। अतः सूफी काव्य सर्वप्रमुख उद्देश्य प्रेम निरूपण है।

9. रीतिमुक्त कवि नहीं है

(A) घनानन्द (B) बोधा
(C) जसवन्त सिंह (D) ठाकुर

उत्तर – (C)

व्याख्या–रीतिबद्ध काव्य धारा के कवि-जसवन्त सिंह (1626-1688), चिन्तामणि (1609-1685), देव (1673-1767), पद्माकर (1753-1833) मतिराम (1717), भूषण (1613-1715) आदि कवि हैं।

रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि-घनानन्द (1689-1739), ठाकुर (1766-1833), द्विजदेव (1829-1869), शेख आलम तथा बोधा आदि कवि हैं।

रीतिसिद्ध काव्य धारा के कवि - बिहारी लाल (1595-1663)

10. 'जूही की कली' कविता के कवि हैं-

(A) पन्त (B) निराला
(C) प्रसाद (D) महादेवी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

कविता	प्रकाशन वर्ष	कवि
जूही की कली	1916 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी'निराला'
गिरजे का घण्टा	1916 ई.	सुमित्रा नंदन पंत
सावन पंचक	1906 ई.	जयशंकर प्रसाद
जाग बेसुध जाग		महादेवी वर्मा

नोट- (i) उपर्युक्त सभी कविताएँ कवियों की प्रथम रचना है प्रथम प्रभात (1918) जयशंकर प्रसाद की प्रथम छायावादी कविता है।
(ii) जूही की कली (1916) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की प्रथम कविता है। जिसे महावीर प्रसाद द्विवेदी ने अश्लील कहकर सरस्वती में नहीं प्रकाशित किया था।

11. 'हालावाद' क प्रवर्तक का नाम है-

(A) नरेन्द्र शर्मा
(B) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'
(C) जगदीश गुप्त
(D) हरिवंशराय बच्चन

उत्तर – (D)

व्याख्या–हालावाद (1933ई.) के प्रवर्तक हरिवंशराय बच्चन (1907-2003) है। इसे प्रेम और मस्ती का काव्य भी कहा जाता है। हरिवंश राय बच्चन छायावाद के समकालीन कवि हैं।

12. 'तुम विद्युत बन आओ पाहुन, मेरे नयनों पर पग धर-धर' पंक्ति है

(A) महादेवी वर्मा की (B) मीरा की
(C) श्रीनरेश मेहता की (D) लीलाधर जगूड़ी की

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
तुम विद्युत बन आओ पाहुन, मेरे नयनों पर पग धर-धर	महादेवी वर्मा
घायल की गति घायल जानै और न जानै कोई	मीराबाई
भय भी शक्ति देता है	लीलाधर जगूड़ी
हकला रहा वह प्रभात का ग्वाला	नरेश मेहता

13. अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' किसने कहा है?

(A) ग्रियर्सन (B) श्यामसुन्दरदास
(C) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (D) भारतेन्दु

उत्तर – (C)

व्याख्या–अपभ्रंश/उत्तर अपभ्रंश को पुरानी हिन्दी सबसे पहले चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (1883-1922) ने कहा है।

14. 'कविवचन सुधा' के सम्पादक थे-

(A) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द
(B) भारतेन्दु
(C) बालमुकुन्द गुप्त
(D) गुलाबराय

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-			
पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
कविवचनसुधा	1968	भारतेन्दु हरिश्चंद्र	मा.पा.सा./काशी
हिन्दी बंगवासी	1890	बालमुकुन्द गुप्त	साप्ताहिक/कलकत्ता
साहित्य संदेश	1937	बाबू गुलाब राय	मासिक/ आगरा
बनारस अखबार	1845	राजा शिव प्रसाद सिंह 'सितारे हिन्द'	साप्ताहिक/बनारस

15. 'नागरी प्रचारिणी सभा' का स्थापना वर्ष है-

(A) 1893 ई. (B) 1857 ई.
(C) 1902 ई. (D) 1917 ई.

उत्तर – (A)

व्याख्या–नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना 9 जुलाई 1893 ई. को काशी में हुई थी। इसके प्रथम अध्यक्ष राधाकृष्ण दास थे। इसके संस्थापक सदस्यों में पं. रामनारायण मिश्र, शिवकुमार सिंह, बाबू श्याम सुन्दर दास थे। इसी संस्था द्वारा 1896ई. में 'नागरी प्रचारिणी पत्रिका' का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ।

16. 'शिवशम्भू के चिट्ठे के लेखक हैं-

(A) श्यामसुन्दर दास (B) बालमुकुन्द गुप्त
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी (D) मुंशी सदासुखलाल

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
निबन्ध	**निबन्धकार**
शिवशम्भू के चिट्ठे	बाल मुकुन्द गुप्त
कर्तव्य और सभ्यता	बाबू श्यामसुन्दर दास
अशोक के फूल	हजारी प्रसाद द्विवेदी
सुरासुर निर्णय	सदासुख लाल 'नियाज'

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

17. 'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता' निबन्ध के लेखक हैं-

(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) भारतेन्दु

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
निबन्ध	**निबन्धकार**
कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता	महावीर प्रसाद द्विवेदी
नाखून क्यों बढ़ते हैं	हजारीप्रसाद द्विवेदी
कश्मीर कुसुम	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
संसार महानाट्यशाला	बालकृष्ण भट्ट

18. 'अधिकार-सुख कितना मादक किन्तु सारहीन है'- पंक्ति प्रसाद के किस नाटक से है?

(1) ध्रुवस्वामिनी (2) अजातशत्रु
(3) चन्द्रगुप्त (4) स्कन्दगुप्त

उत्तर – (D)

व्याख्या–"अधिकार सुख कितना मादक किन्तु सारहीन है।" यह जयशंकर प्रसाद (1890-1937) के नाटक स्कन्दगुप्त (1928) के पात्र स्कन्दगुप्त का आत्मकथन है।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

19. संचारी भावों की संख्या है -

(A) 9 (B) 33
(C) 16 (D) 99

उत्तर – (B)

व्याख्या–आचार्य भरत मुनि ने अपने नाट्यशास्त्र में रसों की संख्या 8, जबकि वर्तमान समय में शान्त रस को जोड़कर कुल 9 रस हो गये हैं। संचारी भावों की संख्या 33, स्थाई भावों की संख्या 9, और सात्विक भावों की संख्या 8 बताई है। अभिनवगुप्त के अनुसार रसो की संख्या 9 है।

20. 'विखण्डनवाद' के प्रवर्तक हैं-

(A) मैथ्यूआर्नल्ड (B) इलियट
(C) देरिदा (D) कामू

उत्तर – (C)

सिद्धान्त	**प्रवर्तक**
विखण्डनवाद	जाक देरिदा
वस्तुनिष्ठ समीकरण एवं निर्वैयक्तिकता, संवेदनशीलता का असाहचर्य, व्यैक्तिप्रज्ञा का सिद्धान्त एवं परम्परा की परिकल्पना	इलियट

तथ्य विविधा

21. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित आलोचकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, रामविलास शर्मा
(B) रामविलास शर्मा, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी
(C) रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा
(D) हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नन्ददुलारे वाजपेयी, रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
आलोचक	**कालक्रम**	**युग**
रामचन्द्र शुक्ल	1884-1942 ई.	छायावाद
नन्ददुलारे वाजपेयी	1906-1967 ई.	छायावाद
हजारीप्रसाद द्विवेदी	1907-1970 ई.	प्रगतिवाद
रामविलास शर्मा	1912-2000 ई.	मार्क्सवादी/प्रगतिवादी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

22. निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम बताइये :

(A) सरस्वती, हंस, कविवचन सुधा, इन्दु
(B) कविवचन सुधा, सरस्वती, इन्दु, हंस
(C) इन्दु, सरस्वती, हंस, कविवचन सुधा
(D) हंस, सरस्वती, कविवचन सुधा, इन्दु

उत्तर – (B)

व्याख्या

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु	मा.,पा.,सा.,/काशी
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी
इन्दु	1909 ई.	अम्बिका प्रसाद गुप्त	मासिक/काशी
हंस	1930 ई.	प्रेमचन्द	मासिक/बनारस

नोट- (i) मा.,पा.,सा., का अर्थ मासिक, पाक्षिक, साप्ताहिक है।
(ii) सरस्वती प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी। पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्यामसुन्दर दास थे तथा 1903 में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।
(iii) हंस का पुनर्प्रकाशन 1986 में दिल्ली से मासिक रूप से राजेन्द्र यादव के सम्पादकत्व में प्रकाशित होने लगी।

23. प्रकाशन-काल की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम लिखिए :

(A) दुलाईवाली, आँधी, पाजेब, यारों के यार
(B) पाजेब, यारों के यार, आँधी, दुलाईवाली
(C) आँधी, यारों के यार, दुलाईवाली, पाजेब
(D) यारों के यार, आँधी, पाजेब, दुलाईवाली

उत्तर – (A)

व्याख्या-

कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
दुलाईवाली	1907 ई.	बंगमहिला
आँधी	1931 ई.	जयशंकर प्रसाद
पाजेब	1945 ई.	जैनेन्द्र
यारो के यार	1967 ई.	कृष्णा सोवती

24. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित निबन्ध-संग्रहों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) शृंखला की कड़ियाँ, विषादयोग, शिवशम्भु के चिट्ठे, आत्माराम की टेंटें
(B) विषादयोग, शिवशम्भु के चिट्ठे, शृंखला की कड़ियाँ, आत्माराम के टेंटें
(C) आत्माराम की टेंटें, शिवशम्भु के चिट्ठे, विषादयोग, शृंखला की कड़ियाँ
(D) शिवशम्भु के चिट्ठे, आत्माराम की टेंटें, शृंखला की कड़ियाँ, विषादयोग

उत्तर – (D)

व्याख्या-

निबन्ध	**प्रकाशन वर्ष**	**निबन्धकार**
शिवशम्भू के चिट्ठे	1904-05 (भारत मित्र में प्रकाशित)	बालमुकुन्द गुप्त
आत्माराम की टेंटें	1904-05	गोविन्द नारायण मिश्र
शृंखला की कड़ियाँ	1942	महादेवी वर्मा
विषाद योग	1973	कुबेरनाथ राय

25. कालक्रम की दृष्टि से निम्नांकित उपन्यासों का सही अनुक्रम बताइये :

(A) कब तक पुकारूँ, अन्तिम अरण्य, भूतनाथ, डूबते मस्तूल
(B) भूतनाथ, कब तक पुकारूँ, डूबते मस्तूल, अंतिम अरण्य
(C) अंतिम अरण्य, कब तक पुकारूँ, डूबते मस्तूल, भूतनाथ
(D) डूबते मस्तूल, कब तक पुकारूँ, अंतिम अरण्य, भूतनाथ

उत्तर – (C)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
अन्तिम अरण्य	2000 ई.	निर्मला वर्मा
कब तक पुकारूँ	1957 ई.	रांगेय राघव
डूबते मस्तूल	1954 ई.	नरेश मेहता
भूतनाथ	1906 ई.	देवकीनन्दन खत्री

26. इनमें कौन सा युग्म संगत है?

(A) वीसलदेव रासो- नरपति नाल्ह
(B) खुमाणरासो- जगनिक
(C) विजयपाल रासो-चन्दबरदाई
(D) परमाल रासो- दलपति विजय

उत्तर – (A)

व्याख्या-रचना एवं रचनाकार के अनुसार संगतक्रम निम्नवत है-

ग्रंथ	**वर्ष**	**ग्रंथकार**
वीसलदेव रासो	1212 ई.	नरपति नाल्ह
खुमाणरासो	9वीं शताब्दी	दलपति विजय
विजयपाल रासो	1543 ई.	नल्ल सिंह
परमाल रासो	1230 ई.	जगनिक
पृथ्वीराज रासो	1192 ई.	चन्द्रबरदाई

27. इसमें कौन सा युग्म संगत नहीं है?

(A) भारत दुर्दशा - भारतेन्दु
(B) प्रायश्चित - जयशंकर प्रसाद
(C) दशरथ नंदन - जगदीश चन्द्र माथुर
(D) कबिरा खड़ा बाजार में - लक्ष्मीनारायण लाल

उत्तर – (D)

व्याख्या-रचना एवं रचनाकार के अनुसार संगतक्रम निम्नवत है-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
भारत दुर्दशा	1880 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
प्रायश्चित	1913 ई.	जयशंकर प्रसाद
दशरथ नन्दन	1974 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
कबिरा खड़ा बाजार में	1981 ई.	भीष्म साहनी
नाटक तोता मैना	1962 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

28. कौन सा युग्म संगत है?
(A) कौन तुम मेरे हृदय में- महादेवी वर्मा
(B) न जाने नक्षत्रों से कौन-प्रसाद
(C) जो घनीभूत पीड़ा थी-पंत
(D) सखि, वे मुझसे कहकर जाते- निराला
उत्तर – (A)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
कौन तुम मेरे हृदय में	महादेवी वर्मा
न जाने नक्षत्रों से कौन	सुमित्रानन्दन पंत
जो घनीभूत पूड़ा थी	जयशंकर प्रसाद
सखि वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त
दु:ख ही जीवन की कथा रही	निराला

29. निम्नलिखित कहानी और कहानीकारों को सुमेलित कीजिए :
(A) यही सच है — (i) राजकमल चौधरी
(B) परिंदे — (ii) यशपाल
(C) फूलों का कुर्ता — (iii) मन्नू भंडारी
(D) जिन्दगी और जोंक — (iv) निर्मल वर्मा
(v) अमरकांत

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	iv	ii
(B)	iv	v	i	ii
(C)	iii	iv	ii	v
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
यही सच है	1966 ई.	मन्नू भण्डारी
परिन्दे	1960 ई.	निर्मल वर्मा
फूलों का कुर्ता	1949 ई.	यशपाल
जिन्दगी और जोंक	1958 ई.	अमरकान्त
दाम्पत्य	–	राजकमल चौधरी

30. निम्नलिखित काव्य कृतियों तथा कृतिकारों को सुमेलित कीजिए :
(A) ईश्वर की अध्यक्षता में — (i) रघुवीर सहाय
(B) अबूतर कबूतर — (ii) नागार्जुन
(C) आत्महत्या के विरुद्ध — (iii) लीलाधर जगूड़ी
(D) जलसाघर — (iv) उदय प्रकाश
(v) श्रीकांत वर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	v
(B)	ii	i	v	iv
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	v	i	iv	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
कृति	**प्रकाशन वर्ष**	**कृतिकार**
ईश्वर की अध्यक्षता में		लीलाधर जगूड़ी
अबूतर कबूतर	1984 ई.	उदय प्रकाश
आत्महत्या के विरुद्ध	1967 ई.	रघुवीर सहाय
जलसाघर	1973 ई.	श्रीकान्त
सतरंगे पंखों वाली	1959 ई.	नागार्जुन

31. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों और कवियों को सुमेलित कीजिए :
(A) अति सूधो सनेह को मारग है — (i) तुलसीदास
(B) अब लौं नसानी अब न नसैहौं — (ii) सूरदास
(C) सटपटाति-सी ससि मुखी मुख घूँघट पर ढाँकि — (iii) बिहारी
(D) ऊधौ मन न भए दस-बीस — (iv) घनानन्द
(v) मीराबाई

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iv
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	v	iii	i	ii
(D)	i	iv	ii	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
काव्य पंक्ति	**पंक्तिकार**
अति सूधौ सनेह कौ मारग है	घनानन्द
अब लौ नसानी अब न नसैहौं	तुलसीदास
सटपटाति सी ससि मुखी मुख घूँघट पर ढाँकि	बिहारी
ऊधौ मन न भए दस -बीस	सूरदास
जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई	मीराबाई

32. निम्नलिखित रेखाचित्रों और रचनाकारों को सुमेलित कीजिए :
(A) पदम पराग — (i) बनारसीदास चतुर्वेदी
(B) बोलती प्रतिमा — (ii) देवेन्द्र सत्यार्थी
(C) माटी की मूरतें — (iii) पद्म सिंह शर्मा
(D) रेखाएँ बोल उठी — (iv) श्रीराम शर्मा
(v) रामवृक्ष बेनीपुरी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	iv	ii
(B)	iii	iv	v	ii
(C)	i	v	iii	iv
(D)	iv	iii	v	i

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
रेखाचित्र	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
पद्म पराग प्रबन्ध मंजरी	1929 ई. -	पद्म सिंह शर्मा
बोलती प्रतिमा	1937 ई.	श्रीराम शर्मा
माटी की मूरतें मिटटी के पुतले पुरानी स्मृतियाँ नये स्केच	1946 - -	रामवृक्ष बेनीपुरी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

रेखाएँ बोल उठीं	1949 ई.	देवेन्द्र सत्यार्थी
रेखाचित्र सेतुबन्ध	1952 ई. 1952 ई.	बनारसीदास चतुर्वेदी

33. निम्नलिखित आत्मकथाओं और उनके लेखकों को सुमेलित कीजिए :

(A) अन्या से अनन्या — (i) ओमप्रकाश बाल्मीकि
(B) बसेरे से दूर — (ii) मन्नू भण्डारी
(C) जूठन — (iii) मृदुला गर्ग
(D) एक कहानी यह भी — (iv) हरिवंशराय बच्चन
(v) प्रभा खेतान

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	v
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	v	iv	iii	i
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

आत्मकथा	**प्रकाशन वर्ष**	**आत्मकथाकार**
अन्या से अनन्या	2007 ई.	प्रभा खेतान
क्या भूलूँ क्या याद करूँ नीड़ का निर्माण फिर बसेरे से दूर दशद्वार से सोपान तक	प्रथम 1969 ई द्वितीय 1970 ई तृतीय 1978 ई. चतुर्थ 1985 ई.	हरिवंशराय बच्चन
जूठन	1997 ई.	ओमप्रकाश बाल्मीकि
एक कहानी यह भी कली यह भी	2007 ई. 2007 ई.	मन्नू भण्डारी

34. निम्नलिखित पत्रिकाओं को सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) हंस — (i) महीप सिंह
(B) संचेतना — (ii) राजेन्द्र यादव
(C) आलोचना — (iii) विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
(D) दस्तावेज — (iv) अरुणकमल
(v) रवीन्द्र कालिया

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iv	iii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	iv	i	iii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार-स्थान**
हंस	1986 ई.	राजेन्द्र यादव	मासिक/दिल्ली
संचेतना	–	महीप सिंह	–
आलोचना	–	अरूण कमल	त्रैमासिक/दिल्ली
दस्तावेज	1978 ई.	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	गोरखपुर
नया ज्ञानोदय	2002 ई.	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली

नोट-हंस (1930) का सम्पादन सर्वप्रथम मुंशी प्रेमचन्द ने किया जिसका प्रकाशन बनारस से होता था जो एक मासिक पत्रिका है।

35. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों और उनके कवियों को सुमेलित कीजिए :

(A) रवि हुआ अस्त, ज्योति के पत्र पर लिखा अमर — (i) सुमित्रानन्दन पंत
(B) शैया सैकत पर दुग्धधवल तन्वंगी गंगा ग्रीष्म विकल — (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(C) सखि, वे मुझसे कहकर जाते — (iii) निराला
(D) शशि मुख पर घूँघट डाले — (iv) नागार्जुन
(v) जयशंकर प्रसाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	v
(B)	ii	i	iv	iv
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	iii	i	ii	v

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	**कवि**
रवि हुआ........................लिखा अमर	निराला
शैया सैकत ....ग्रीष्म विकल	पंत
सखि, वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त
शशि मुख पर घूँघट डाले	जयशंकर प्रसाद
जन-जन में जो ऊर्जा भर दे, मै उद्गाता हूँ, उस रवि का	नागार्जुन

36. निम्नलिखित पात्रों को नाट्यकृतियों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) चन्द्रगुप्त — (i) महेन्द्रनाथ
(B) आधे अधूरे — (ii) प्रपंच बुद्धि
(C) कोणार्क — (iii) चाणक्य
(D) अंधायुग — (iv) अश्वत्थामा
(v) विशु

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	iv	ii
(B)	iii	i	v	iv
(C)	ii	iii	i	v
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर – (B)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**	**पात्र**
चन्द्रगुप्त	1931	जयशंकर प्रसाद	चाणक्य, आम्भीक सेल्यूकस, कार्नेलिया
आधे अधूरे	1969	मोहन राकेश	महेन्द्र नाथ, जुनेजा, सावित्री, जगमोहन
कोणार्क	1951	जगदीश चन्द्र माथुर	विशु
अंधा युग	1955	धर्मवीर भारती	अश्वत्थामा
स्कन्दगुप्त	1928	जयशंकर प्रसाद	भट्टार्क, देवसेना, विजया, बंधुवर्मा, प्रपंच बुद्धि

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. निम्नलिखित नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) कोर्ट मार्शल	(i) भीष्म साहनी
(B) इतिहास चक्र	(ii) प्रताप सहगल
(C) अन्वेषक	(iii) लक्ष्मीनारायण लाल
(D) कबिरा खड़ा बाजार में	(iv) स्वदेश दीपक
	(v) दयाप्रकाश सिन्हा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	ii	i	iv
(C)	iv	v	ii	i
(D)	iv	ii	v	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक
इतिहास चक्र	1973 ई.	दया प्रकाश सिन्हा
अन्वेषक	1992 ई.	प्रताप सहगल
कबिरा खड़ा बाजार में	1981 ई.	भीष्म साहनी
राम की लड़ाई	1979 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

38. निम्नलिखित सिद्धान्तों और चिन्तकों को सुमेलित कीजिए :

(A) अनुमितिवाद	(i) अभिनव गुप्त
(B) उत्पत्तिवाद	(ii) भट्ट नायक
(C) साधारणीकरण	(iii) भट्ट शंकुक
(D) अभिव्यक्तिवाद	(iv) भट्ट लोल्लट
	(v) भरतमुनि

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	ii	iii	v	iv
(C)	iv	ii	i	v
(D)	v	i	iii	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

सिद्धान्त	प्रवर्तक
अनुमितिवाद	शंकुक
उत्पत्तिवाद	भट्ट लोल्लट
साधारणीकरण	भट्ट नायक
अभिव्यक्तिवाद	अभिनव गुप्त
रस सिद्धान्त	भरतमुनि

निर्देश : निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़े और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **39-43** तक) के उत्तरों के लिए दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करें।

आधुनिक मानव की चिंतन-प्रक्रिया पर भी विज्ञान ने गहरा प्रभाव डाला है। आस्था और श्रद्धा के स्थान पर तर्क और बुद्धि की प्रतिष्ठा से ही परम्परागत मूल्यों पर प्रश्न-चिन्ह लगा है। किन्तु इस तथ्य का एक दूसरा पहलू भी है। वैज्ञानिक चिन्तन ने देश की जो दूरियाँ कम कर दी हैं, उससे मानव-मानव में अन्तर घटा है जिससे कई पुराने मूल्यों को ही नए आयाम मिले हैं। जो सहयोग छोटे-से ग्राम या समाज तक सीमित था, अब विश्वव्यापी बनता जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप अन्तरराष्ट्रीयतावाद पर अधिक बल दिया जाने लगा है। युद्ध पहले से अधिक गर्हित ठहराया जाने लगा है। समता भी अधिक महत्वपूर्ण मूल्य हो गया है। इसलिए यह कहना तो उचित नहीं जान पड़ता कि नये मूल्यों का विकास नहीं हुआ, किन्तु संप्रति इतना अवश्य है कि कोई नया मूल्य इतना व्यापक नहीं हो सका कि पूरी मूल्य-व्यवस्था दे सके। अधिकांश नवीनता पुरातन के संशोधन में ही रही है।

39. विज्ञान ने हमारी चिन्तन-प्रक्रिया पर किस प्रकार प्रभाव डाला है?

(A) हम अपने परम्परागत मूल्यों को तर्क और बुद्धि की कसौटी पर परखने लगे हैं।
(B) हमारा विश्वास सभी परम्परागत मूल्यों से उठ गया है।
(C) हमारी सोच शुद्ध भौतिकवादी बन गई है।
(D) हम पूर्णतः आत्मकेन्द्रित हो गये हैं।

उत्तर – (B)

व्याख्या–चिन्तन प्रक्रिया पर विज्ञान के प्रभाव स्वरूप हम अपने परम्परागत मूल्यों को तर्क और बुद्धि की कसौटी पर परखने लगे हैं।

40. वैज्ञानिक चिन्तन से क्या परिवर्तन हुआ है?

(A) हमें अधिक भौतिक लाभ मिलने लगे हैं।
(B) हमारी भौतिक दूरियाँ सिमट जाने से विश्वमानवता की परिकल्पना साकार हुई है, फलस्वरूप अन्तरराष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ है।
(C) अब हम अपने ग्राम से ही नहीं चिपटे रहना चाहते अपितु विश्व भ्रमण करना चाहते हैं।
(D) विश्व के भौतिक सुखों के प्रति अधिक आकृष्ट हुए हैं।

उत्तर – (B)

व्याख्या–वैज्ञानिक चिन्तन से मानव-मानव के बीच की दूरियाँ कम हुई हैं और अन्तर्राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ है।

41. विज्ञान ने किन नये मूल्यों के निर्माण में सहयोग दिया है?

(A) विज्ञान ने भौतिक सुख-सुविधाओं को महत्वपूर्ण बना दिया है।
(B) रंगभेद व नस्लवाद को बढ़ावा दिया है।
(C) मनुष्य को आत्मकेन्द्रित बना दिया है।
(D) मनुष्य-मनुष्य के बीच सभी प्रकार के भेद-भाव मिटाकर समता के धरातल पर ला खड़ा किया है।

उत्तर – (D)

व्याख्या–विज्ञान ने मनुष्य के बीच भेद भाव को मिटाकर समता की भावना का विकास किया है।

42. क्या आज के सभी मूल्य नव-निर्मित हैं?

(A) आज सभी मूल्यों के नव-निर्माण में ही हम विश्वास करते हैं।
(B) आज मूल्य ही महत्वहीन हो गये हैं।
(C) नहीं, अधिकांश पुरातन मूल्य ही संशोधित रूप में आ रहे हैं।
(D) हम पुरातन मूल्यों को बदलना नहीं चाहते हैं।

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–आज नये मूल्य आये हैं लेकिन अधिकांशतः पुराने मूल्यों का संशोधित रूप ही हमारे सामने उपस्थित है।

43. **उपर्युक्त गद्य अवतरण का उपयुक्त शीर्षक है।**
(A) विज्ञान का महत्व
(B) मूल्य चिन्तन
(C) पुरातन मूल्यों का महत्व
(D) अन्तरराष्ट्रीयता की परिकल्पना
उत्तर – (A)

व्याख्या–इस गद्य अवतरण का केन्द्रीय बिन्दु या शीर्षक मानव के विकास में विज्ञान का महत्व या योगदान है।

कथोपकथन

44. **स्थापना (A) : नाद सौंदर्य का योग कविता की पूर्णता के लिए आवश्यक है।**
तर्क (R) : नाद सौंदर्य से कविता की आयु बढ़ती है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है न कि नाद सौन्दर्य कविता की पूर्णता के लिये आवश्यक है।

45. **स्थापना (A) : व्यक्तिवाद का एक रूप अहंवाद है।**
तर्क (R) : अहंवादी व्यक्ति समाज का तिरस्कार करता है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–व्यक्तिवादी व्यवित अहंवादी, अहंकारी एवं स्थायी हो जाता है और वह समाज का तिरस्कार करता है क्योंकि वह समाज के सभी वर्गों के मनुष्यों को अपने से निम्न मानता है।

46. **स्थापना (A) : सिद्धान्ततः प्रजातंत्र को सर्वोत्तम शासन व्यवस्था कहा जा सकता है।**
तर्क (R) : शासन प्रायः प्रजा के हित में समर्पित होता है
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर – (B)

व्याख्या–विश्व में प्रजातन्त्र/लोकतंत्र (जनता का शासन) को सर्वोत्तम शासन माना जाता है क्योंकि यह शासन प्रजा के हित के लिये होता है। इसमें प्रजा (जनता) द्वारा शासन प्रजा के लिये होता है।

47. **स्थापना (A) : कला की सर्जना आध्यात्मिक क्रिया है।**
तर्क (R) : आध्यात्मिकता और कला अन्योन्याश्रित है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) गलत (R) सही
उत्तर – (C)

व्याख्या–कला की सर्जना सिर्फ आध्यात्मिक क्रिया ही नहीं है। आध्यात्मिकता और कला का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध नहीं है। कला अध्यात्म के साधन का कार्य कर सकती है।

48. **स्थापना (A) : बड़े-बड़े राज्य उत्पाद की बिक्री के लिए सौदागर हो गये हैं।**
तर्क (R) : क्योंकि व्यापारनीति राजनीति का प्रधान अंग हो गयी है।
(A) (A) गलत (R) सही
(B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर – (C)

व्याख्या–व्यापार नीति राजनीति के प्रधान अंगों में से एक है इसलिये राज्य उत्पाद की बिक्री को प्रमुखता प्रदान करते हैं।

49. **स्थापना (A) : ध्वनि काव्य चित्रकाव्य से श्रेष्ठ है।**
तर्क (R) : क्योंकि चित्रकाव्य रस की सृष्टि नहीं कर पाता है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–मात्र चित्रकाव्य रस की पूर्ण सृष्टि करने में समर्थ नहीं है। जबकि ध्वनि काव्य में यह पूर्णता पायी जाती है। इसलिये ध्वनि काव्य चित्रकाव्य से श्रेष्ठ है।

50. **स्थापना (A) : कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ सम्बन्धों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक की सामान्य भावभूमि पर ले जाती है।**
तर्क (R) : क्योंकि इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–कविता मनुष्य को सामान्य भाव भूमि से ऊपर ले जाती है क्योंकि इस स्तर पर पहुँचने पर मनुष्य समाज, संसार, एवं मानव कल्याण को देखता है और व्यक्तिगत रूप को सम्पूर्णता में समाहित पाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2009
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] **[पूर्णाङ्क : 100**

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. 'हिन्दुस्तानी' भाषा का रूप क्या है :
(A) संस्कृतनिष्ठ
(B) हिन्दी उर्दू मिश्रित
(C) दक्खिनी हिन्दी
(D) ब्रज अवधी का मिश्रित रूप
उत्तर – (B)

व्याख्या–'हिन्दुस्तानी' शब्द कभी उर्दू तथा कभी हिन्दी एवं कभी दोनों के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है।
पद्मसिंह शर्मा के अनुसार- 'विशुद्ध हिन्दी और उर्दू-ए-मुअल्ला की एक दरम्यानी सूरत का नाम 'हिन्दुस्तानी' कहा जाता है।
डॉ. ग्रियर्सन के अनुसार- "हिन्दुस्तानी मुख्य रूप से दोआब की भाषा है।" अतः हिन्दुस्तानी का प्रयोग हिन्दी उर्दू मिश्रित के लिये किया जाता है।

2. इनमें कौन सी बोली पश्चिमी हिन्दी वर्ग की नहीं है :
(A) बांगरु (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) छत्तीसगढ़ी
उत्तर – (D)

व्याख्या-अपभ्रंश तथा उनसे विकसित 'उपभाषा' एवं बोलियों का विवरण निम्नवत है-

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुँमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

3. वर्तमान समय में संविधान द्वारा स्वीकृत भाषाओं की संख्या है :
(A) चौदह (14) (B) बीस (20)
(C) बाईस (22) (D) छब्बीस (26)
उत्तर – (C)

व्याख्या–भारतीय संविधान के आठवीं अनुसूची में वर्तमान समय में 22 भाषायें सम्मिलित हैं जो इस प्रकार है- असमिया, बंगला, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़ कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिन्धी, तमिल, तेलगू, उर्दू, कोंकणी, मणिपुरी, नेपाली, मैथिली, संथाली, डोगरी, बोडो।

4. 'ग्रिम नियम' का सम्बन्ध किससे है?
(A) स्वनिम् विज्ञान (B) बोली विज्ञान
(C) अर्थ विज्ञान (D) कोश विज्ञान
उत्तर – (A)

व्याख्या–ग्रिम नियम का सम्बन्ध स्वनिम् विज्ञान अर्थात् ध्वनि विज्ञान से है। इसके प्रवर्तक जर्मन भाषा के विद्वान 'याकोब ग्रिम' है। यह 1822 ई. में प्रकाश में आया। इस नियम का सम्बन्ध भारोपीय स्पर्शों से है जो जर्मन भाषा में परिवर्तित हो गये थे। ग्रिम नियम बलाघात पर आधारित है।

5. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय कहाँ है?
(A) हैदराबाद (B) कोचीन
(C) मद्रास (D) बंगलौर
उत्तर – (C)

व्याख्या-

हिन्दी संस्था का नाम	मुख्यालय
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा	चेन्नई (मद्रास)
हिन्दी प्रचार सभा	हैदराबाद
मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद्	बंगलौर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

हिन्दी साहित्य का इतिहास

6. नन्ददास की किस रचना का सम्बन्ध नायक-नायिका भेद से है :

(A) रासपंचाध्यायी (B) रसमंजरी
(C) स्यामसगाई (D) भंवर गीत

उत्तर – (B)

व्याख्या–रसमंजरी (1550 ई.) में नन्ददास ने दोहा, चौपाई शैली में नायक नायिकाओं का वर्णन किया है। इसमें स्वकीया और परकीया नायिका के भेदोपभेद को चित्रित किया गया है। 'रास पंचाध्यायी' में कृष्ण की रासलीला को रोला छन्द में वर्णित किया गया है जबकि, भँवर गीत में सगुण और निर्गुण पर गोपी और उद्धव के संवाद का वर्णन है। 'श्याम सगाई' में श्याम की सगाई का वर्णन है।

7. 'आनन्द कादम्बिनी' के संस्थापक थे :

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(B) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'
(C) प्रतापनारायण मिश्र
(D) राधा चरण दास

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
आनन्द कादम्बिनी नागरी नीरद	1881 ई. 1893 ई.	बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'	साप्ताहिक/मिर्जापुर साप्ताहिक/मिर्जापुर
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र	मासिक /कानपुर
कविवचनसुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.पा.सा./काशी
हरिश्चन्द्र मैंगजीन	1873 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मासिक/बनारस
बालबोधिनी	1874 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मासिक/बनारस

8. 'दीदी' पत्रिका के सम्पादक थे :

(A) ठाकुर श्रीनाथ सिंह (B) ठाकुर जगमोहन सिंह
(C) गणेशशंकर विद्यार्थी (D) प्रतापनारायण मिश्र

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक
दीदी	1939 ई.	ठाकुर श्रीनाथ सिंह
प्रताप	1913 ई.	गणेश शंकर विद्यार्थी
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र

9. इनमें कौन सी रचना कुँवरनारायण की है?

(A) पथिक (B) बाजश्रवा के बहाने
(C) मगध (D) पहाड़ पर लालटेन

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य संग्रह	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
बाजश्रवा के बहाने	2008 ई.	कुँवर नारायण
पथिक	1920 ई.	रामनरेश त्रिपाठी
मगध		श्रीकान्त वर्मा
पहाड़ पर लालटेन		मंगलेश डबराल

10. इनमें कौन बावरी पंथ से सम्बन्धित नहीं है?

(A) बुल्ला साहेब (B) बुलाल साहेब
(C) पलटू साहेब (D) संत साहेब

उत्तर – (C)

व्याख्या–'बावरी पंथ की प्रवर्तक बावरी साहिबा थी। बुल्ला साहेब, बुलाल साहेब, संत साहेब, इसी सम्प्रदाय से सम्बन्धित थे। जबकि पलटू साहेब जगजीवन दास के शिष्य थे तथा यह सत्यानामी (सतनामी) सम्प्रदाय के सन्त थे।

11. 'कब को टेरत दीन है, होत न स्याम सहाय! तुम हू लागी जगत गुरु, जगनायक जग बाय।' इस दोहे में कवि :

(A) शिकायत करता है (B) प्रार्थना करता है
(C) आत्मनिवेदन करता है (D) व्यंग्य करता है

उत्तर – (A)

व्याख्या–कब को ....जग बाय।
इस पंक्ति में कवि अपने ईष्ट से शिकायत कर रहा है।

**12. 'जन गण मन अधिनायक जय हे,
प्रजा विचित्र तुम्हारी है,
भूख-भूख चिल्लाने वाली अशुभ
अमंगलकारी है' - इन पंक्तियों के लेखक हैं :**

(A) केदारनाथ अग्रवाल (B) नागार्जुन
(C) केदारनाथ सिंह (D) धूमिल

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
जनगणमन ....अमंगलकारी है।	नागार्जुन
बाप बेटा बेचता है भूख से बेहाल होकर धर्म,धीरज, प्राण खोकर।	केदारनाथ अग्रवाल
हाँ, हाँ, मैं कवि हूँ कवि यानी भाषा में भदेस हूँ	धूमिल (सुदामा पाण्डेय)
मैंने जब भी सोचा मुझे रामचन्द्र शुक्ल की मूछे याद आई	केदारनाथ सिंह

13. 'सब्बंगी' रचना किसकी है?

(A) दादूदास (B) पीपा (C) रैदास (D) रज्जब

उत्तर – (D)

व्याख्या–'सब्बंगी' रज्जब की रचना है। इसमें इन्होंने अपनी तथा अन्य निर्गुण संतों की रचनाओं का संकलन किया है। रज्जब ने अंगबधू' नाम से दादू दयाल की रचनाओं का संकलन किया है।

14. प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना भारतवर्ष में कब हुई थी?

(A) 1930 ई. में (B) 1932 ई. में
(C) 1936 ई. में (D) 1938 ई. में

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना 1935 में पेरिस में एम फार्स्टर के नेतृत्व में प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन (प्रगतिशील लेखक संघ) के अधिवेशन से हुआ। भारत में (1936 ई. में सज्जाद जहीर और मुल्क राज आनन्द के नेतृत्व में यह संस्था खुली और लखनऊ में इसका प्रथम अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन की अध्यक्षता प्रेमचन्द्र ने की थी।

15. 'हिन्दुस्तानी' पत्रिका का प्रकाशन किस संस्था ने प्रारंभ किया?
(A) हिन्दी अकादमी (B) हिन्दी साहित्य एकेडमी
(C) हिन्दी साहित्य सम्मेलन (D) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
उत्तर – (A)

व्याख्या–'हिन्दुस्तानी' त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन 'हिन्दी अकादमी' या 'हिन्दुस्तानी एकेडमी (प्रयाग) द्वारा किया जाता है। इस संस्था की स्थापना 1927 ई. में डा. धीरेन्द्र वर्मा ने की थी। इसके प्रथम अध्यक्ष तेज बहादुर सप्रु थे।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

16. 'लड़ाई' के नाटककार हैं :
(A) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (B) उपेन्द्रनाथ अश्क
(C) रामकुमार वर्मा (D) मोहन राकेश
उत्तर – (A)

व्याख्या–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटक - बकरी (1974), लड़ाई (1979) तथा अब गरीबी हटाओ।
उपेन्द्रनाथ अश्क के नाटक - लक्ष्मी का स्वागत (1935), स्वर्ग की झलक (1940), छठा बेटा (1940), जय पराजय (1937), देवताओं की छाया में (1940), अलग-अलग रास्ते (1954), अंजो दीदी (1955), भँवर (1961), बड़े खिलाड़ी (1967), लौटता हुआ दिन (1972), कैद, उड़ान।
मोहन राकेश के नाटक - आषाढ़ का दिन (1958), लहरों के राजहंस (1963), आधे अधूरे (1969) पैरो तले जमीन (अधूरा)।
राम कुमार वर्मा के नाटक - कौमुदी महोत्सव (1954)

17. 'कव्वे और कालापानी' के कहानीकार हैं :
(A) अखिलेश (B) उदय प्रकाश
(C) स्वयं प्रकाश (D) निर्मल वर्मा
उत्तर – (D)

व्याख्या–निर्मल वर्मा के कहानी संग्रह-जलती झाड़ी (1965), पिछली गर्मियों में (1968), बीच बहस में (1973), कव्वे और कालापानी (1983), सूखा तथा अन्य कहानियाँ (1995), परिन्दे (1960)।
उदय प्रकाश के कहानी संग्रह-दरियाई घोड़ा, तिरिछ (1989) और अंत में प्रार्थना (1994), पाल गोमरा का स्कूटर (1997), पीली छतरी वाली लड़की (2001) दत्तात्रेय का दुःख (2002) मोहनदास (2010)
स्वयंप्रकाश के कहानी संग्रह-मात्रा एवं भार (1974), सूरज कहां निकलेगा (1980), जंग (2002) दुखिया दास कबीर (2003), नकवेसर कागा ले भागा (2003), किताब में लिखा है (2003), आघात पुरुष (2005), तर्पण (2006)
अखिलेश के कहानी संग्रह-आदमी नहीं टूटता, मुक्ति (1989), शापग्रस्त (1997), अँधेरा (2006)।

18. 'शेष स्मृतियाँ' संस्मरण के लेखक हैं :
(A) केदारनाथ सिंह (B) रघुवीर सहाय
(C) दूधनाथ सिंह (D) कुँवरचन्द्र प्रकाश सिंह
उत्तर – (D)

व्याख्या-

संस्मरण	प्रकाशन वर्ष	लेखक
शेष स्मृतियाँ		कुंवर चन्द्रप्रकाश सिंह
ताना बाना		केदारनाथ सिंह
दिल्ली मेरा परदेश		रघुवीर सहाय
लौट आओ धार	1995	दूधनाथ सिंह
एक शमशेर भी है	2012	दूधनाथ सिंह

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

19. 'रमणीयार्थ प्रतिपादक : शब्दः काव्यम्' किस आचार्य का कथन है :
(A) मम्मट (B) विश्वनाथ
(C) पंडितराज जगन्नाथ (D) भामह
उत्तर – (C)

व्याख्या-

कथन	आचार्य
रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्	जगन्नाथ
तद् दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनःक्वापि	मम्मट
शब्दार्थौ स हितौ काव्यम्	भामह
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ

तथ्य विविधा

20. झाँकियाँ निकलती हैं ढोंग अविश्वास की
बदबू आती है मरी हुई बात की
इस हवा में अब नहीं डोलूँगा
नहीं, नहीं, मैं यह खिड़की नहीं खोलूँगा।
ये पंक्तियाँ किसकी हैं :
(A) प्रभाकर माचवे (B) भारतभूषण अग्रवाल
(C) नरेश मेहता (D) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
उत्तर – (D)

व्याख्या

पंक्ति	पंक्तिकार
झाँकियाँ .... खोलूगा	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
गा रे गा हरवाहे दिल चाहे वही तान खेतों में पका धान।	प्रभाकर माचवे
यह सोच जुही सी चाँदनी नव नवीन पंख कुँवर खोसे	नरेश मेहता
डूबता दिन भीगती सी शाम, बंद कर दो काम, लो विश्राम	भारत भूषण अग्रवाल

21. निम्नलिखित रचनाओं का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम लिखिए :
(A) आखिरी कलाम, वैराग्य संदीपनी, बरवै नायिकाभेद, बीसलदेव रासो

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) बीसलदेव रासो, आखिरा कलाम, वैराग्य संदीपनी, बरवै नायिकाभेद
(C) बरवै नायिकाभेद, वैराग्य संदीपनी, आखिरी कलाम, बीसलदेव रासो
(D) बीसलदेव रासो, वैराग्य संदीपनी, बरवै नायिकाभेद, आखिरी कलाम

उत्तर – (B)

व्याख्या-

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
बीसलदेव रासो	1155 ई.	नरपति नाल्ह
आखिरी कलाम	1528 ई.	जायसी
वैराग्य संदीपनी	1557 ई.	तुलसीदास
बरवै नायिका भेद	1610-15 ई.	रहीम दास

22. निम्नलिखित हिन्दी समाचार पत्रों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए :
(A) कर्मवीर, आज, विशाल भारत, जनसत्ता
(B) आज, कर्मवीर, विशाल भारत, जनसत्ता
(C) जनसत्ता, विशाल भारत, कर्मवीर, आज
(D) विशाल भारत, जनसत्ता, कर्मवीर, आज

उत्तर – (B)

व्याख्या-

समाचार पत्र	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
आज	1920 ई.	बाबू विष्णुराव पराड़कर	दैनिक/वाराणसी
कर्मवीर	1924 ई.	माखन लाल चतुर्वेदी और माधवराव सप्रे	साप्ताहिक/जबलपुर
विशाल भारत	1928 ई.	बनारसीदास चतुर्वेदी	मासिक/कलकत्ता
जनसत्ता	1930 ई.	ओम थनवी	

23. दिनकर की रचनाओं का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए :
(A) हुंकार, रेणुका, रसवंती, उर्वशी
(B) रेणुका, रसवंती, उर्वशी, हुंकार
(C) उर्वशी, रेणुका, हुंकार, रसवंती
(D) रसवंती, उर्वशी, हुंकार, रेणुका

उत्तर – (A)

व्याख्या–रामधारी सिंह 'दिनकर' की रचनाओं का सही अनुक्रम-रेणुका (1935), हुंकार (1939), रसवंती (1940), द्वन्द्वगीत (1940), कुरुक्षेत्र (1946), सामधेनी (1947), रश्मिरथी (1952), नील कुसुम (1954), दिल्ली (1954), उर्वशी (1961), परशुराम की प्रतीक्षा (1963), आत्मा की आँखें (1964), हारे के हरिनाम, धूप और धुँआ (1951) नीम के पत्ते, इतिहास के आँसू (1951)।

24. निम्नलिखित नाटकों का रचनाकाल के अनुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए :
(A) अंधायुग, प्रायश्चित, कोर्ट मार्शल, भारत दुर्दशा
(B) भारत दुर्दशा, प्रायश्चित, कोर्ट मार्शल, अंधायुग
(C) अंधायुग, भारत दुर्दशा, प्रायश्चित, कोर्ट मार्शल
(D) भारत दुर्दशा, प्रायश्चित, अंधायुग, कोर्ट मार्शल

उत्तर – (D)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
भारत दुर्दशा	1880 ई.	भारतेन्दु हरिचन्द्र
प्रायश्चित	1913 ई.	जयशंकर प्रसाद
अन्धायुग	1955 ई.	धर्मवीर भारती
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक

25. निम्नलिखित आलोचकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए :
(A) विजयदेवनारायण साही, डॉ. देवराज, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लक्ष्मीकान्त वर्मा
(B) डॉ. देवराज, लक्ष्मीकान्त वर्मा, विजयदेवनारायण साही, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, डॉ. देवराज
(D) लक्ष्मीकान्त वर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, डॉ. देवराज

उत्तर – (B)

व्याख्या- जन्मतिथि के अनुसार आलोचकों का जन्मतिथि के अनुसार सही अनुक्रम-

आलोचक	**कालक्रम**
डॉ. देवराज	1917-1999 ई.
लक्ष्मीकान्त वर्मा	1922-1999 ई.
विजयदेव नारायण साही	1924-1986 ई.
रामस्वरूप चतुर्वेदी	1931-2003 ई.

26. निम्नलिखित उपन्यासों का रचनाकाल के अनुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए :
(A) कसप, चन्द्रकान्ता, नदी के द्वीप, तितली
(B) तितली, चन्द्रकान्ता, कसप, नदी के द्वीप
(C) चन्द्रकान्ता, तितली, नदी के द्वीप, कसप
(D) नदी के द्वीप, कसप, चन्द्रकान्ता, तितली

उत्तर – (C)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
चन्द्रकान्ता	1888 ई.	देवकी नन्दन खत्री
तितली	1934 ई.	जयशंकर प्रसाद
नदी के द्वीप	1951 ई.	अज्ञेय
कसप	1982 ई.	मनोहर श्याम जोशी

27. निम्नलिखित काव्य संग्रहों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए :
(A) भग्नदूत, मँजीर, चाँद का मुँह टेढ़ा है, साखी
(B) मँजीर, चाँद का मुँह टेढ़ा है, साखी, भग्नदूत
(C) चाँद का मुँह टेढ़ा है, साखी, भग्नदूत, मँजीर
(D) साखी, चाँद का मुँह टेढा है, मँजीर, भग्नदूत

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
काव्य संग्रह	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
भग्नदूत	1933 ई.	अज्ञेय
मँजीर	1941 ई.	गिरिजा कुमार माथुर
चाँद का मुँह टेढ़ा है	1964 ई.	मुक्तिबोध
साखी	1983 ई.	विजयदेव नारायण साही

28. निम्नलिखित का सही अनुक्रम क्या है :

(A) अस्तित्ववाद, फ्रायडवाद, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद
(B) फ्रायडवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद
(C) संरचनावाद, अस्तित्ववाद, फ्रायडवाद उत्तरसंरचनावाद
(D) उत्तरसंरचनावाद, संरचनावाद, फ्रायडवाद, अस्तित्ववाद

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
सिद्धान्त	**कालक्रम**	**प्रयोक्ता**
संरचनावाद	1725 ई.	विको
अस्तित्ववाद	1813-1835 ई.	कीर्केगार्द
फ्रायडवाद	1856-1939 ई.	फ्रायड
उत्तर संरचनावाद	1970 ई.	रोलाबर्थ

29. निम्नलिखित निबंध संग्रहों का रचनाकाल के अनुसार सही क्रम रेखांकित कीजिए :

(A) चाबुक, परम्परा का मूल्यांकन, नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक
(B) परम्परा का मूल्यांकन, नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक, चाबुक
(C) चाबुक, नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक, परम्परा का मूल्यांकन
(D) नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध, आत्मपरक, परम्परा का मूल्यांकन, चाबुक

उत्तर – (*)

व्याख्या-		
निबन्ध संग्रह	**प्रकाशन वर्ष**	**निबन्धकार**
परम्परा का मूल्यांकन	1981 ई.	रामविलास शर्मा
नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबन्ध	1964 ई.	मुक्तिबोध
आत्मपरक	1983 ई.	अज्ञेय
चाबुक	1951 ई.	निराला

30. निम्नलिखित काव्यान्दोलनों का सही कालानुक्रम रेखांकित कीजिए :

(A) युयुत्सावाद, अकविता, नयी कविता, नकेनवाद
(B) नयी कविता, नकेनवाद, अकविता, युयुत्सावाद
(C) नकेनवाद, नयी कविता, अकविता, युयुत्सावाद
(D) नयी कविता, अकविता, नकेनवाद, युयुत्सावाद

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
काव्य आन्दोलन	**कालक्रम**	**प्रवर्तक**
नयी कविता	1954 ई.	जगदीश चन्द्र गुप्त
नकेनवाद	1956 ई.	नलिन विलोचन शर्मा, केशरी कुमार,नरेश
अकविता	1965 ई.	जगदीश चतुर्वेदी
युयुत्सावाद	1968 ई.	शलभ श्रीराम सिंह

31. निम्नलिखित उपन्यास और उनके नारीपात्रों को सुमेलित कीजिए :

(A) परख	(i) जालपा
(B) गबन	(ii) शशि
(C) त्यागपत्र	(iii) कट्टो
(D) शेखर की जीवनी	(iv) मृणालिनी
	(v) धनिया

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	i	iv
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	v	iv	i	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-			
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**	**पात्र**
परख	1929 ई.	जैनेन्द्र	कट्टो
गबन	1931 ई.	प्रेमचन्द्र	जालपा
त्यागपत्र	1937 ई.	जैनेन्द्र	मृणालिनी
शेखर की जीवनी	भाग I-1940 भाग II-1944	अज्ञेय	शशि, शेखर
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द्र	धनिया, गोबर

32. निम्नलिखित आत्मकथाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) दस द्वार से सोपान तक	(i) वृन्दावन लाल वर्मा
(B) मेरी आत्म कहानी	(ii) राहुल सांकृत्यायन
(C) अपनी कहानी	(iii) श्याम सुन्दर दास
(D) मेरी जीवन यात्रा	(iv) हरिवंश राय बच्चन
	(v) चन्दर सेन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	v
(B)	iv	iii	i	ii
(C)	v	iv	iii	i
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
आत्मकथा	**प्रकाशन वर्ष**	**आत्मकथाकार**
क्या भूलूँ क्या याद करूँ नीड़ का निर्माण फिर बसेरे से दूर दश द्वार से सोपान तक	प्रथम-1969 ई. द्वितीय-1970 ई. तृतीय-1978 ई. चतुर्थ-1985	हरिवंशराय बच्चन
मेरी आत्म कहानी	1941 ई.	श्यामसुन्दर दास
अपनी कहानी	1970 ई.	वृन्दावनलाल वर्मा
मेरी जीवन यात्रा	1946 ई.	राहुल सांकृत्यायन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

33. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(A) बात बोलेगी — (i) केदारनाथ अग्रवाल
(B) साम्राज्ञी का नैवेद्य दान — (ii) शिवमंगल सिंह सुमन
(C) यमुना के प्रति — (iii) अज्ञेय
(D) अकाल में सारस — (iv) शमशेर बहादुर सिंह
(v) केदारनाथ सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	iv	ii
(B)	iv	iii	i	v
(C)	v	ii	iii	i
(D)	ii	iv	v	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
काव्य	**कवि**
बात बोलेगी	शमशेर बहादुर सिंह
साम्राज्ञी का नैवेद्य दान	अज्ञेय
यमुना के प्रति	केदार नाथ अग्रवाल
अकाल में सारस	केदारनाथ सिंह
प्रलय-सृजन	शिवमंगल सिंह 'सुमन'

34. **निम्नलिखित रचनाओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(A) हंसावली — (i) कुतुबन
(B) चन्दायन — (ii) ईश्वर दास
(C) सत्यवती — (iii) कवि असाइत
(D) मृगावती — (iv) मुल्ला दाउद
(v) उसमान

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	i	ii	iv	v
(C)	v	ii	iii	iv
(D)	iv	iii	i	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
हंसावली	1370 ई.	कवि असाइत
चन्दायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद
सत्यवती	1501 ई.	ईश्वरदास
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
चित्रावली	1613 ई.	उसमान

35. **निम्नलिखित उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(A) अप्सरा — (i) वृन्दावन लाल वर्मा
(B) मृगनयनी — (ii) प्रेमचन्द्र
(C) कर्मभूमि — (iii) निराला
(D) मित्रों मरजानी — (iv) कृष्णा सोबती
(v) चित्रा मुद्गल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	ii	iv
(B)	ii	i	iii	v
(C)	v	ii	iii	iv
(D)	ii	v	i	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
अप्सरा	1931 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
मृगनयनी	1905 ई.	वृन्दावन लाल वर्मा
कर्मभूमि	1932 ई.	प्रेमचन्द
मित्रों मरजानी	1967 ई.	कृष्णा सोबती
आवाँ	1999 ई.	चित्रा मुद्गल

36. **निम्नलिखित ग्रन्थ और ग्रन्थकारों को सुमेलित कीजिए :**

(A) रसगंगाधर — (i) मम्मट
(B) साहित्य दर्पण — (ii) आनन्दवर्धन
(C) काव्य प्रकाश — (iii) विश्वनाथ
(D) वक्रोक्ति जीवितम् — (iv) कुन्तक
(v) पंडित राज जगन्नाथ

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	i	iv
(B)	iii	ii	iv	i
(C)	v	i	ii	iii
(D)	iii	ii	i	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-	
ग्रन्थ	**ग्रन्थकार**
रस गंगाधर	पण्डितराज जगन्नाथ
साहित्य दर्पण	विश्वनाथ
काव्य प्रकाश	मम्मट
वक्रोक्ति जीवितम	कुन्तक
ध्वन्यालोक	आनन्दवर्धन

37. **निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :**

(A) राष्ट्रगीत में भला कौन यह भारत भाग्य विधाता है — (i) गिरिजा कुमार माथुर
(B) क्या करूँ जो शंभुधनु टूटा तुम्हारा — (ii) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(C) अब मैं कवि नहीं रहा, काला झंडा हूँ — (iii) रघुवीर सहाय
(D) साधो आज मेरे सत की परीक्षा है — (iv) विजय देव नारायण साही
(v) प्रभाकर माचवे

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	v	iv	iii
(B)	iii	i	ii	iv
(C)	v	iii	i	ii
(D)	iv	i	v	iii

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-	
काव्य पंक्ति	**पंक्तिकार**
राष्ट्रगीत में ....विधाता है।	रघुवीर सहाय
क्या करूँ.......................टूटा तुम्हारा।	गिरिजा कुमार माथुर
अब मैं ....झण्डा हूँ।	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
साधो ....परीक्षा है।	विजयदेव नारायण साही
कविता क्या है कहते हैं जीवन का दर्शन है, आलोचन।	प्रभाकर माचवे

38. निम्नलिखित यात्रा साहित्य और उनके लेखकों को सुमेलित कीजिए :

(A) ठेले पर हिमालय (i) रांगेय राघव
(B) आखिरी चट्टान (ii) अमृत राय
(C) सुबह के रंग (iii) मोहन राकेश
(D) पैरों में पंख बाँधकर (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी
(v) धर्मवीर भारती

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	v	iii
(B)	i	iv	ii	v
(C)	iii	ii	i	iv
(D)	v	iii	ii	iv

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
यात्रा साहित्य	**प्रकाशन वर्ष**	**लेखक**
ठेले पर हिमालय, यादे यूरोप की, यात्रा चक्र,	1958 ई. 1955 ई.	धर्मवीर भारती
आखिरी चट्टान	1953 ई.	मोहन राकेश
सुबह के रंग		अमृतराय
पैरों में पंख बाँधकर उड़ते चलो उड़ते चलो	1952 ई. 1954 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी

39. निम्नलिखित साहित्यिक वादों के साथ सम्बन्धित कवियों का सुमेलन कीजिए :

(A) प्रगतिवाद (i) अज्ञेय
(B) हालावाद (ii) जगदीश चतुर्वेदी
(C) अकविता (iii) सुभद्रा कुमारी चौहान
(D) प्रयोगवाद (iv) हरिवंशराय बच्चन
(v) त्रिलोचन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	ii	i
(B)	iii	ii	v	iv
(C)	i	v	iv	iii
(D)	ii	i	iii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
वाद	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्बन्धित कवि**
प्रगतिवाद	1936 ई.	त्रिलोचन
हालावाद	1933 ई.	हरिवंशराय बच्चन
अकविता	1965 ई.	जगदीश चतुर्वेदी
प्रयोगवाद	1943 ई.	अज्ञेय
राष्ट्रीय काव्य धारा	छायावाद के समान्तर	सुभद्रा कुमारी चौहान

40. निम्नलिखित पत्र-पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) भारतेन्दु (i) शिव प्रसाद गुप्त
(B) ब्राह्मण (ii) प्रताप नारायण मिश्र
(C) विशाल भारत (iii) राधाचरण गोस्वामी
(D) आज (iv) बनारसीदास चतुर्वेदी
(v) गणेश शंकर विद्यार्थी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	v	iii	iv
(B)	iii	ii	iv	i
(C)	v	iv	ii	iii
(D)	i	v	iii	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
पत्र-पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**
भारतेन्दु	1883 ई.	राधाचरण गोस्वामी
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र
विशाल भारत	1928 ई.	बनारसीदास चतुर्वेदी
आज	1920 ई.	बाबू विष्णु राव पराड़कर
प्रताप	1913 ई.	गणेश शंकर विद्यार्थी

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41-45 तक) के उत्तरों को दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

महाकाव्य की रचना जातीय संस्कृति के किसी महाप्रवाह, सभ्यता के उद्‌गम, संगम, प्रलय, किसी महाचरित्र के विराट उत्कर्ष अथवा आत्मतत्व के किसी चिर अनुभव रहस्य को प्रदर्शित करने के लिए की जाती है। आर्य-सभ्यता के विकास-काल में जब देव-दानवों का (अर्थात् दैव और आसुर संस्कृतियों का) संघर्ष हो रहा था, तब महर्षि बाल्मीकि ने देवपक्ष का विजयघोष करने वाले रामायण महाकाव्य का निर्माण किया, वेदव्यास ने द्वापर के अन्त में कुरुक्षेत्र संग्राम का स्मारक महाभारत ग्रन्थ रखा, जो कलियुग का अग्रदूत, अत्यन्त दुखान्त सृजन है।

41. महाकाव्य की रचना किसको प्रदर्शित करने के लिए की जाती है?

(A) किसी महच्चरित्र के आत्मतत्व को
(B) किसी महत् विषय को
(C) किसी महान नायक को
(D) किसी महच्चरित्र के विराट उत्कर्ष को

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–महाकाव्य की रचना किसी सहचरित्र के विराट उत्कर्ष को प्रकट या प्रदर्शित करने के लिये की जाती है।

42. आर्य सभ्यता के विकास काल में किनके मध्य संघर्ष हो रहा था?
(A) दैव और आसुर संस्कृतियों के मध्य
(B) आर्य और अनार्यों के मध्य
(C) देशी और विदेशियों के मध्य
(D) सत और असत प्रवृत्तियों के मध्य
उत्तर – (A)

व्याख्या–आर्य सभ्यता के विकास काल में दैव और दानवों (दैव और असुरों की संस्कृतियों) के मध्य संघर्ष हो रहा था।

43. महाभारत किस युग के अन्त में लिखा गया :
(A) त्रेता युग के अन्त में (B) द्वापर के अन्त में
(C) भक्तिकाल के अन्त में (D) आदिकाल के अन्त में
उत्तर – (B)

व्याख्या–वेदव्यास द्वारा महाभारत द्वापर युग के अन्त में लिखा गया था।

44. महाभारत को कैसा सृजन कहा गया है :
(A) सुखान्त सृजन (B) प्रसादान्त सृजन
(C) दुखान्त सृजन (D) सुखान्त दुखान्त सृजन
उत्तर – (C)

व्याख्या–महाभारत को कलियुग का अग्रदूत दुःखान्त सृजन कहा गया है।

45. महाकाव्य की रचना में क्या होना चाहिए :
(A) राष्ट्रीय चेतना का महाप्रवाह
(B) जातीय संस्कृति का महाप्रवाह
(C) सांस्कृतिक सामाजिक चेतना
(D) मानवीय चेतना
उत्तर – (B)

व्याख्या–महाकाव्य की रचना में जातीय संस्कृति का प्रवाह सभ्यता का उद्‌गम, प्रलय, संगम इत्यादि को होना चाहिए।

कथोपकथन

46. स्थापना (Assertion) (A) : नाटक का अपनी समग्रता में परिचय देना ही नट-कर्म के आगे पीछे जो मूल प्रयोजन है वहाँ तक जाना पड़ेगा।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि नटकर्म का प्रयोग में कवि रचित काव्य प्रस्तुत किया जाता है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) और (R) दोनों सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (A)

व्याख्या–नटकर्म या नाटक के उद्देश्यों में नाटक के उद्देश्यों एवं मूल्य को प्रस्तुत किया जाता है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : करुणा ही लोगों की श्रद्धा को अपनी ओर खींचती है
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि करुणा का विषय दूसरों का दुख नहीं है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर – (A)

व्याख्या–किसी प्राणी को दूसरे पर करुणा करने पर करुणा करने वाले पर श्रद्धा उत्पन्न होती है।अतः करुणा ही लोगों की श्रद्धा को अपनी ओर खींचती है। करुणा का विषय दूसरों का दुःख होता है।

48. स्थापना (Assertion) (A) : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचनाओं का मूल स्वर देश भक्ति नहीं है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि देशप्रेम की भावना तत्कालीन भारतीय समाज में नहीं है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (C)

व्याख्या–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की रचनाओं का मूल स्वर देश भक्ति या राष्ट्रीयता है। देशप्रेम की भावना तत्कालीन समाज (भारतेन्दु समाज) में प्रमुख रूप से पायी जाती है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उसमें अपने मंगल और लोकमंगल का संगम दिखाई पड़ता है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर – (C)

व्याख्या–श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति होती है। भक्ति में अपने मंगल और लोकमंगल का संगम होता है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : निराला की कल्पनायें उनके भावों की सहचरी नहीं है।
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उनकी कल्पनायें सुशील स्त्रियों की भाँति पति के पीछे-पीछे चलती नहीं है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर – (D)

व्याख्या–निराला की कल्पनाएँ उनके भावों की सहचरी है तथा उनके भावों का संवहन करती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2008

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णांक : 100

नोटः प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. हिन्दी भाषा का सम्बन्ध किससे है?

(A) शौरसेनी अपभ्रंश (B) अपभ्रंश
(C) पश्चिमी प्राकृत (D) प्राकृत

उत्तर (A)

व्याख्या–हिन्दी भाषा का सम्बन्ध शौरसेनी अपभ्रंश से है। शौरसेनी अपभ्रंश से विकसित उपभाषा एवं बोलियों का विवरण निम्नवत है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
शौरसेनी	पश्चिमी हिन्दी	खड़ी बोली (कौरवी) हरियाणवी या बाँगरू ब्रजभाषा बुन्देली कन्नौजी
	राजस्थानी	पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	पहाड़ी	कुमायूँनी गढ़वाली नेपाली
	गुजराती	

2. इनमें से कौन सी रचना अवधी में नहीं है?

(A) पद्मावत (B) मधुमालती
(C) कवितावली (D) नूर जवाहर

उत्तर (C)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	भाषा
पद्मावत	1540 ई.	जायसी	ठेठ अवधी
मधुमालती	1545 ई.	मंझन	अवधी
नूर जवाहर	1731	कासिमशाह	अवधी+ब्रज
कवितावली	1574-1623	तुलसीदास	ब्रजभाषा

हिन्दी साहित्य का इतिहास

3. 'देसिल बयना सब जब मिट्ठा'- किसका कथन है?

(A) तुलसीदास (B) सूरदास
(C) कबीरदास (D) विद्यापति

उत्तर (D)

व्याख्या-

कथन	कथनकार
देसिल बयना सब जन मिट्ठा। ते तैंसन जापो अवहट्ठा	विद्यापति
हमनं है इश्क मस्ताना हमन को होशियारी क्या?	कबीरदास
माँगी के खइबौ मसीत को सोइबो, लेबे को एक न दैबे को दोऊ।।	तुलसीदास (कवितावली)
लरिकाई कौ प्रेम कहौ अलि कैसे करि के छूटत	सूरदास

4. 'हिन्दी नयी चाल में ढली, सन् 1873 ई. में'- यह किसका कथन है?

(A) रामविलास शर्मा (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) किशोरीदास वाजपेयी (D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

उत्तर (D)

व्याख्या–हिन्दी खड़ी बोली गद्य का ठीक परिष्कृत रूप 'हरिश्चन्द्र चन्द्रिका' 1873 ई. में प्रकट हुआ। इसी के सन्दर्भ में भारतेन्दु जी ने 'कालचक्र' में कहा कि - हिन्दी नयी चाल में ढली, सन् 1873 ई. में।
रामविलास शर्मा के अनुसार-"हिन्दी नये चाल में नहीं ढली।"

5. वल्लभाचार्य किस वाद के संस्थापक थे?

(A) अद्वैत (B) द्वैताद्वैत
(C) शुद्धाद्वैत (D) विशिष्टाद्वैत

उत्तर (C)

व्याख्या-

सम्प्रदाय	प्रवर्तक	दर्शन
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य	विशिष्टा द्वैतवाद
ब्रह्म सम्प्रदाय	मध्वाचार्य	द्वैतवाद
रुद्र सम्प्रदाय	विष्णु स्वामी	शुद्धाद्वैतवाद
सनकादि सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद
रुद्र सम्प्रदाय	बल्लभाचार्य	शुद्धा द्वैतवाद

6. निम्नलिखित में से कौन आचार्य कवि नहीं हैं?

(A) केशवदास (B) भिखारीदास
(C) चिन्तामणि (D) ब्रजवासीदास

उत्तर (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–केशवदास (1555-1617) भिखारीदास तथा चिन्तामणि (1609-1685) रीतिकाल के आचार्य कवियों में गिने जाते हैं। जबकि ब्रजवासीदास रीतिकाल के अन्य कवियों की श्रेणी में 'प्रबन्धकाव्यकार' के रूप में आते हैं। ब्रजविलास (1770ई.) इनकी प्रबन्ध रचना है। इसमें 'सूरसागर' के कथाक्रम में कृष्ण के जीवन का चित्रण किया गया है।

7. 'कर्मवीर' के सम्पादक थे :

(A) शिवप्रसाद गुप्त (B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) बाबू विष्णु राव पराडकर (D) गणेशशंकर विद्यार्थी

उत्तर (B)

व्याख्या-

पत्र/पत्रिका	स्थापना वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
कर्मवीर	1924	माखनलाल चतुर्वेदी एवं माधवराव सप्रे	साप्ताहिक/जबलपुर
आज	1920	बाबू विष्णु राव पराड़कर	दैनिक/वाराणसी
प्रताप	1913	गणेश शंकर विद्यार्थी	साप्ताहिक/कानपुर

8. 'कुआनो नदी के रचनाकार हैं :

(A) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (B) रघुवीर सहाय
(C) श्रीकान्त वर्मा (D) नरेश मेहता

उत्तर (A)

व्याख्या–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की कृतियाँ-काठ की घण्टियाँ, बाँस का पुल, एक सूनी नाव, गर्म हवाएँ, कुआनो नदी, कविताएँ-1, कविताएँ-2, जंगल का दर्द, खूटियों पर टँगे लोग।
रघुवीर सहाय की कृतियाँ- सीढ़ियों पर धूप में (1960) आत्महत्या के विरुद्ध (1967), हँसो, हँसो जल्दी हँसो (1975) लोग भूल गये हैं (1982), कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989), एक समय था।
नरेश मेहता की कृतियाँ- वन पाखी सुनो, बोलने दो चीड़ को, मेरा समर्पित एकांत, चैत्या, उत्सवा, संशय की एक रात, महा-प्रस्थान, प्रवाद पर्व, शबरी,
श्रीकान्त वर्मा की कृतियाँ- दिनारंभ (1967), माया दर्पण (1967), जलसाघर (1973), मगध।

9. इनमें कौन-सा महाकाव्य नहीं है?

(A) लोकायतन (B) रामदूत
(C) गंगावतरण (D) कुरुक्षेत्र

उत्तर (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
लोकायतन	1964ई.	सुमित्रानंदन पंत	प्रबन्ध/महाकाव्य
रामदूत	2002ई.	हरिश्चन्द्र पाण्डेय	प्रबन्ध/महाकाव्य
गंगावतरण	1927ई.	जगन्नाथदास रत्नाकर	प्रबन्ध/महाकाव्य
कुरुक्षेत्र	1946ई.	रामधारी सिंह 'दिनकर'	खण्डकाव्य

10. 'उज्ज्वल नीलमणि' किस आचार्य की रचना है?

(A) मधुसूदन सरस्वती (B) रूपगोस्वामी
(C) रामानन्द (D) रामानुजाचार्य

उत्तर (B)

व्याख्या-

रचना (काव्य ग्रंथ)	रचनाकार
उज्ज्वल नीलमणि	रूप गोस्वामी
भगवद्भक्ति रसायन	मधुसूदन सरस्वती
रामार्चन पद्धति	रामानन्द
श्री भाष्य	रामानुजाचार्य

11. सर्वव्यापी एक कुम्हारा, जाकी महिमा आर न पारा। हिन्दू तुरुक का एकै कर्ता, एकै ब्रह्मा सबन का भर्ता। के रचनाकार हैं-

(A) कबीरदास (B) मलूकदास
(C) तुलसीदास (D) रहीमदास

उत्तर (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
सर्वव्यापी एक .... का भर्ता	मलूकदास
साखी सबदी दोहरा, कहि किहनी उपखान भगति निरूपहि भगत कलि निंदहि वेद पुरान	तुलसीदास
हरिजननी मैं बालक तोरा	कबीरदास

12. 'भाषा प्रवीन सुछन्द सदा रहे, सो धन जी के कवित्त बखानै' पंक्ति हैं-

(A) घनानन्द की (B) बोधा की
(C) ब्रजरत्नदास की (D) रत्नाकर की

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
भाषा प्रवीन ....बखानै	ब्रजरत्नदास
झलकै अति सुन्दर आनन गौर छके दृग राजति कानन ह्वै	घनानंद
कबहूँ मिलिबो, कबहूँ मिलिबो, वह धीरज ही में धरैबो करै।	बोधा (बुद्धिसेन)
कुटिल कटारी है अटारी है उतंग अति जमुना तरंग है तिहारौ सतसंग है।	जगन्नाथदास रत्नाकर

नोट-ब्रजरत्नदास ने उपर्युक्त कथन 'घनानन्द कवित्त' ने घनानन्द की प्रशस्ति में लिखा है।

13. 'अपने यहाँ संसद ऐसी घानी है जिसमें आधा तेल आधा पानी है' के कवि हैं-

(A) केदारनाथ सिंह (B) धूमिल
(C) लीलाधर जगूड़ी (D) राजेश जोशी

उत्तर (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
अपने यहाँ संसद ऐसी घानी है जिसमें आधा तेल आधा पानी है।	धूमिल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

अब उसे मालूम है कि कविता घेराव में	लीलाधर जगूड़ी
मैं पूरी ताकत के साथ शब्दों को फेकना चाहता हूँ, आदमी की तरफ	केदारनाथ सिंह
जादू है जादू है जादू है कविता	राजेश जोशी

14. नागरी प्रचारिणी सभा, काशी के संस्थापकों में थे-

(A) शिवकुमार सिंह और बाबूश्यामसुन्दर दास
(B) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और भारतेन्दु
(C) प्रताप नारायण मिश्र और बालकृष्ण भट्ट
(D) रत्नाकर और शिवप्रसाद गुप्त

उत्तर (A)

व्याख्या–नागरी प्रचारिणी सभा, काशी की स्थापना 1893ई. में श्यामसुन्दरदास, रामनारायण मिश्र और शिवकुमार सिंह ने किया था। नागरी प्रचारिणी सभा से वेणी प्रसाद के सम्पादकत्व में नागरी प्रचारिणी पत्रिका (1896) काशी से त्रैमासिक पत्रिका का प्रारम्भ किया।

15. निम्नलिखित में कौन-सी हिन्दी पत्रिका है?

(A) केरल ज्योति (B) केरल दर्शन
(C) दक्षिण निधि (D) देशपोषिणी

उत्तर (A)

व्याख्या–'केरल ज्योति' हिन्दी की पत्रिका है, जिसका प्रकाशन 'केरल हिन्दी प्रसार सभा' त्रिवेन्द्रम के तत्वाधान में भास्करन नायर के सम्पादन में 1966 ई. में प्रारम्भ हुआ है।

16. 'विपाशा' पत्रिका का प्रकाशन किस प्रदेश से होता है?

(A) उत्तर प्रदेश (B) दिल्ली
(C) हिमाचल प्रदेश (D) बिहार

उत्तर (C)

व्याख्या–विपाशा पत्रिका का प्रकाशन भाषा एवं संस्कृत विभाग (हिमांचल प्रदेश) द्वारा किया जाता है यह द्वैमासिक पत्रिका है।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

17. 'आधुनिक काल में गद्य का आविर्भाव सबसे प्रधान घटना है।'- यह कथन किसका है?

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) रामविलास शर्मा (D) नन्ददुलारे वाजपेयी

उत्तर (B)

व्याख्या-

कथन	**कथनकार**
आधुनिक काल में गद्य का आविर्भाव प्रधान घटना है। विलक्षण बात यह है कि आधुनिक गद्य साहित्य की परम्परा का प्रवर्तन नाटकों से हुआ।	रामचन्द्र शुक्ल
काव्य में अन्य भावों का उद्बोधन और मानव चरित्र के उन्नयन की शक्ति होनी चाहिए	महावीर प्रसाद द्विवेदी
भारतेन्दु युग का साहित्य हिन्दी भाषी जनता का जातीय साहित्य है, वह हमारे जातीय नवजागरण का साहित्य है।	डॉ. रामविलास शर्मा
विकासशील मानव जीवन के महत्वपूर्ण या मार्मिक अंशों की अभिव्यक्ति, वही साहित्य की मोटी परिभाषा हो सकती है।	नन्द दुलारे वाजपेयी

18. स्वदेश दीपक की रचना है-

(A) आधे अधूरे (B) कबिरा खड़ा बाजार में
(C) बकरी (D) कोर्ट मार्शल

उत्तर (D)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक
आधे अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश
कबिरा खड़ा बाजार में	1981 ई.	भीष्म साहनी
बकरी	1974 ई.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

19. भरतमुनि ने अपभ्रंश को नाम दिया है?

(A) लोकभाषा (B) जनभाषा
(C) देशभाषा (D) अशुद्धभाषा

उत्तर (C)

व्याख्या–भरतमुनि (दूसरी-तीसरी शताब्दी) में 'अपभ्रंश' को देशभाषा कहा है। जबकि विद्यापति ने अपभ्रंश से भिन्न प्रचलित बोलचाल की भाषा को देशभाषा कहा है।

20. भुक्तिवाद की अवधारणा किसकी है?

(A) मम्मट (B) भट्टनायक
(C) भट्टलोल्लट (D) आनन्दवर्द्धन

उत्तर (B)

व्याख्या-

सिद्धान्त	**प्रवर्तक आचार्य**
भुक्तिवाद	भट्टनायक
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट
अनुमितिवाद	शंकुक
अभिव्यक्तिवाद	अभिनव गुप्त
ध्वनि सिद्धान्त	आनन्दवर्धन

तथ्य विविधा

21. निम्नलिखित रचनाओं का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम लिखिए :

(A) कीर्तिलता, विनयपत्रिका, वीरसिंह देव चरित, ठाकुर ठसक
(B) ठाकुर ठसक, विनयपत्रिका, कीर्तिलता, वीरसिंह देव चरित
(C) वीरसिंह देव चरित, ठाकुर ठसक, कीर्तिलता, विनयपत्रिका
(D) विनयपत्रिका, कीर्तिलता, ठाकुर ठसक, वीरसिंह देव चरित

उत्तर (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
काव्य ग्रन्थ	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
कीर्तिलता	13वीं शताब्दी	विद्यापति
विनय पत्रिका	1596 ई.	तुलसीदास
वीर सिंह देवचरित	1607ई.	केशवदास
ठाकुर ठसक	1600 के बाद	ठाकुर

22. निम्नलिखित रचनाओं का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम क्या है?

(A) उर्वशी, पद्मावत, पथिक, अनामिका
(B) पद्मावत, पथिक, अनामिका, उर्वशी
(C) पद्मावत, उर्वशी, अनामिका, पथिक
(D) पथिक, पद्मावत,उर्वशी, अनामिका

उत्तर (B)

व्याख्या-			
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**ग्रंथकार**	**प्रकार**
पद्मावत	1540 ई.	जायसी	महाकाव्य
पथिक	1920 ई.	रामनरेश त्रिपाठी	काव्य संग्रह
अनामिका	1923 ई.	निराला	काव्य संग्रह
उर्वशी	1961 ई.	दिनकर	गीति नाट्य

23. कौन सा अनुक्रम सही है?

(A) प्रायश्चित, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, सज्जन
(B) चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, सज्जन, प्रायश्चित
(C) सज्जन, प्रायश्चित, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी
(D) ध्रुवस्वामिनी, चन्द्रगुप्त, सज्जन, प्रायश्चित

उत्तर (C)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम-
सज्जन (1910), कल्याणी परिणय (1912), करुणालय (1912), प्रायश्चित (1913), राज्यश्री (1915), विशाख (1921), अजातशत्रु (1922), जनमेजय का नागयज्ञ (1926), कामना (1927), स्कन्दगुप्त (1928), एक घूंट (1929), चन्द्रगुप्त (1931), ध्रुवस्वामिनी (1933)।

24. निम्नलिखित वर्गों में रचनाकारों का कालक्रमानुसार कौन-सा अनुक्रम सही है?

(A) दिनकर, बच्चन, अज्ञेय, मैथिलीशरण गुप्त
(B) मैथिलीशरण गुप्त, बच्चन, दिनकर, अज्ञेय
(C) अज्ञेय, बच्चन, दिनकर, मैथिलीशरण गुप्त
(D) बच्चन, अज्ञेय, मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर

उत्तर (B)

व्याख्या-	
कवि	**(कालक्रम) जन्म-मृत्यु**
मैथिलीशरण गुप्त	1886-1946 ई.
हरिवंशराय 'बच्चन'	1907-2003 ई.
रामधारी सिंह 'दिनकर'	1908-1974 ई.
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1911-1987 ई.

25. निम्नलिखित वर्गों में कालक्रमानुसार, आचार्यों का कौन सा क्रम सही है?

(A) मम्मट, दंडी, भामह, आनन्दवर्द्धन
(B) दंडी, आनन्दवर्द्धन, मम्मट, भामह
(C) भामह दंडी, आनन्दवर्द्धन, मम्मट
(D) आनन्दवर्द्धन, भामह, मम्मट, दंडी

उत्तर (C)

व्याख्या-		
आचार्य	**कालक्रम**	**प्रमुख रचना**
भामह	6वीं शताब्दी के मध्य	काव्यालंकार
दण्डी	7वीं शताब्दी	काव्यदर्श
आनन्दवर्धन	9वीं शताब्दी के मध्य	ध्वन्यालोक
मम्मट	11वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	काव्य प्रकाश

26. रचनाकाल के अनुसार कौन-सा अनुक्रम सही है?

(A) शिवशंभु के चिट्ठे, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध, कुटज, कहाँ है द्वारका
(B) काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध, कहाँ है द्वारका, कुटज, शिवशंभु के चिट्ठे
(C) कुटज, कहाँ है द्वारका, शिवशंभु के चिट्ठे, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध
(D) कहाँ है द्वारका, कुटज, शिवशंभु के चिट्ठे, काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध

उत्तर (A)

व्याख्या-		
निबन्ध	**प्रकाशन वर्ष**	**निबन्धकार**
शिवशम्भू के चिट्ठे	1904-05 ई.	बालमुकुन्द गुप्त
काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध	1939 ई.	जयशंकर प्रसाद
कुटज	1964 ई.	हजारीप्रसाद द्विवेदी
कहाँ है द्वारका	1982 ई.	अज्ञेय

27. रचनाकाल के अनुसार कौन-सा अनुक्रम सही है?

(A) पीली छतरी वाली लड़की, यारों के यार, ग्यारह वर्ष का समय, ठाकुर का कुआँ
(B) ग्यारह वर्ष का समय, ठाकुर का कुआँ, यारों के यार, पीली छतरी वाली लड़की
(C) ठाकुर का कुआँ, यारों के यार, पीली छतरी वाली लड़की ग्यारह वर्ष का समय
(D) यारों के यार, पीली छतरी वाली लड़की, ग्यारह वर्ष का समय, ठाकुर का कुआँ

उत्तर (B)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
ग्यारह वर्ष का समय	1903 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
ठाकुर का कुआँ	1932 ई.	प्रेमचन्द्र
यारो के यार	1967 ई.	कृष्णा सोबती
पीली छतरी वाली लड़की	2001 ई.	उदय प्रकाश

28. रचनाकाल के अनुसार पत्रिकाओं का सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए-

(A) नयी कविता, नागरी नीरद, दिनमान, चाँद
(B) चाँद, नागरी नीरद, दिनमान, नयी कविता
(C) नागरी नीरद, चाँद, नयी कविता, दिनमान
(D) दिनमान, नागरी नीरद, चाँद, नयी कविता

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

पत्र-पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
नागरी नीरद	1893ई.	बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'	साप्ताहिक/मिर्जापुर
चाँद	1920ई.	महादेवी वर्मा	साप्ताहिक/प्रयाग
नयी कविता	1954ई.	जगदीश गुप्त	अर्द्धवार्षिक/इलाहाबाद
दिनमान	1965ई.	रघुवीर सहाय	साप्ताहिक/दिल्ली

29. उपन्यासकारों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम रेखांकित कीजिए-

(A) राधिकारमण प्रसाद सिंह, अमृतलाल नागर, मोहन राकेश, देवकीनंदन खत्री
(B) देवकीनंदन खत्री, राधिकारमण प्रसाद सिंह, अमृतलाल नागर, मोहन राकेश
(C) मोहन राकेश, देवकीनंदन खत्री, अमृतलाल नागर, राधिकारमण प्रसाद सिंह
(D) अमृतलाल नागर, मोहन राकेश, राधिकारमण प्रसाद सिंह, देवकीनंदन खत्री

उत्तर (B)

व्याख्या-

उपन्यासकार	कालक्रम (जन्म-मृत्यु)
देवकी नन्दन खत्री	1861-1913 ई.
राधिका रमण प्रसाद सिंह	1890-1971 ई.
अमृत लाल नागर	1916-1990 ई.
मोहन राकेश	1925-1972 ई.

30. काल के अनुसार कवियों के सही अनुक्रम को रेखांकित कीजिए-

(A) श्रीधर पाठक, महादेवी वर्मा, त्रिलोचन, श्रीकांत वर्मा
(B) श्रीकांत वर्मा, श्रीधर पाठक, महादेवी वर्मा, त्रिलोचन
(C) महादेवी वर्मा, त्रिलोचन, श्रीकांत वर्मा, श्रीधर पाठक
(D) त्रिलोचन, श्रीधर पाठक, महादेवी वर्मा, श्रीकांत वर्मा

उत्तर (A)

व्याख्या-

कवि	कालक्रम (जन्म-मृत्यु)	युग
श्रीधर पाठक	1859-1928	द्विवेदी युग
महादेवी वर्मा	1907-1987	छायावाद
त्रिलोचन	1917-2007	प्रगतिवाद
श्रीकान्त वर्मा	1931- 1986	साठोत्तरी आन्दोलन

31. निम्नलिखित उपन्यासकारों और उनकी रचनाओं को सुमेलित कीजिए :

(A)	देश द्रोही	(i)	वृन्दावन लाल वर्मा
(B)	भूले बिसरे चित्र	(ii)	यशपाल
(C)	अनामदास का पोथा	(iii)	निराला
(D)	निरुपमा	(iv)	भगवती चरण वर्मा
		(v)	हजारीप्रसाद द्विवेदी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	iii	v	ii	iv
(B)	v	ii	iv	i
(C)	ii	iv	v	iii
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर (C)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
देशद्रोही	1943 ई.	यशपाल
भूले बिसरे चित्र	1959 ई.	भगवती चरण वर्मा
अनामदास का पोथा	1976ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
निरुपमा	1936ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
भुवन विक्रम	1957ई.	वृंदावनलाल वर्मा

32. निम्नलिखित पंक्तियों के साथ उनके कवियों के नाम सुमेलित कीजिए :

(A)	जात पांत पूछे नहिं कोई	(i)	तुलसीदास
(B)	गिरा अनयन नयन बिनु बानी	(ii)	परमानन्ददास
(C)	प्रेम प्रेम से होय प्रेम ते पारहिं पइए	(iii)	जायसी
(D)	मानुष प्रेम भयो बैकुंठी	(iv)	रामनन्द
		(v)	सूरदास

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	iii	v	ii	iv
(B)	v	ii	iv	i
(C)	iv	i	v	iii
(D)	iv	iii	ii	i

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
जात पांत पूछे नहीं कोई, हरि को भजै सो हरि का होई।	रामानन्द
गिरा अनयन नयन बिनु बानी	तुलसीदास
प्रेम प्रेम ते होय प्रेम ते परहि पाइए	सूरदास
मानुष प्रेम भयो बैकुंठी नाहित काह छार भए मूठी	जायसी
जब ते प्रीति श्याम ते कीनी ता दिन ते मेरे इन नैननि नेंकह नींद न लीनी	परमानन्ददास

33. निम्नलिखित कहानियों को उनके कहानीकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A)	कृष्ण चन्दर	(i)	जहाँ लक्ष्मी कैद है
(B)	हरिशंकर परसाई	(ii)	राजा निरबंसिया
(C)	राजेन्द्र यादव	(iii)	महुए का पेड़
(D)	कमलेश्वर	(iv)	पाँच रुपये की आजादी
		(v)	वापसी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	ii	v	iv	iii
(C)	i	ii	v	iv
(D)	iv	iii	i	ii

उत्तर (a)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
महुए का पेड़	1957 ई.	कृष्ण चन्दर मार्कण्डेय
पाँच रूपये की आजादी	-	हरिशंकर परसाई
जहाँ लक्ष्मी कैद है	1957 ई.	राजेन्द्र यादव
राजा निरबंसिया	1957 ई.	कमलेश्वर
वापसी	1960 ई.	उषा प्रियंवदा
पेशावर एक्सप्रेस	-	कृष्ण चन्दर

34. निम्नलिखित ग्रन्थ और ग्रन्थकारों को सुमेलित कीजिए:

(A) प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म — (i) लॉन जाइनस
(B) सैक्रेड वुड — (ii) रिचर्ड्स
(C) लिरिकल बैलेड्स — (iii) अरस्तू
(D) पोयटिक्स — (iv) वर्ड्स वर्थ
(v) टी.एस. इलिएट

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	ii	v	iv	iii
(B)	v	iii	ii	i
(C)	i	ii	v	iv
(D)	iv	i	ii	i

उत्तर (A)

व्याख्या-

ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	ग्रन्थकार
प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म	1929 ई.	आई.ए. रिचर्ड्स
सैक्रेड वुड	1920 ई.	टी.एस. इलियट
लिरिकल बैलेड्स	1798 ई.	वर्ड्स वर्थ
पोयटिक्स	1741 ई.	अरस्तू
पेरिहुप्सुस	1554 ई.	लांजाइननस

नोट-लोंजाइनस के परिहुप्सुस को सर्वप्रथम इतावली विद्वान रोबेर तेल्लो ने 1554 ई. में प्रकाशित करवाया था। इसका अंग्रेजी रूपान्तर 1652 ई. में, 'आफ दि हाइट ऑफ एलोक्वेन्स', शीर्षक से प्रकाशित करवाया।

35. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) अरुण यह मधुमय देश हमारा — (i) अज्ञेय
(B) हम नदी के द्वीप हैं — (ii) धूमिल
(C) दुखों के दागों को तमगो सा पहना — (iii) जयशंकर प्रसाद
(D) मेरे लिए हर आदमी एक जोड़ी जूता है — (iv) मुक्तिबोध
(v) निराला

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	iv	iii	i	v
(B)	i	iv	ii	iii
(C)	iii	i	iv	ii
(D)	v	ii	iii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
अरुण यह मधुमय देश हमारा	जयशंकर प्रसाद (चन्द्रगुप्त)
हम नदी के द्वीप है,हम धारा नहीं हैं	अज्ञेय (नदी के द्वीप)
दुःखो के दागो को तमगो सा पहना	मुक्तिबोध
मेरे लिये हर आदमी एक जोड़ी जूता है	सुदामा पाण्डेय'धूमिल'
धिक् जीवन जो पाता ही आया है विरोध धिक साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (रामकी शक्ति पूजा)

36. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A) नयाज्ञानोदय — (i) रवीन्द्र कालिया
(B) साहित्य अमृत — (ii) विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
(C) वाक् — (iii) आलोक मेहता
(D) दस्तावेज — (iv) सुधीश पचौरी
(v) त्रिलोकी नारायण चतुर्वेदी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	ii	i	ii	iv
(C)	i	v	iv	ii
(D)	i	v	iii	iv

उत्तर (C)

व्याख्या-

पत्र-पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रार/स्थान
नया ज्ञानोदय	2002 ई.	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली
साहित्य अमृत	1995 ई.	त्रिलोकी नारायण चतुर्वेदी	
वाक्	2007 ई.	सुधीश पचौरी	त्रैमासिक/
दस्तावेज	1978 ई.	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	गोरखपुर
आउट लुक	-	आलोक मेहता	मासिक/दिल्ली

37. निम्नलिखित नाटककार और उनकी रचनाओं को सुमेलित कीजिए :

(A) धर्मवीर भारती — (i) दशरथ नन्दन
(B) जगदीश चन्द्र माथुर — (ii) जनकवि जगनिक
(C) मणि मधुकर — (iii) रस गन्धर्व
(D) कुंवर चन्द्र प्रकाश सिंह — (iv) अन्धा युग
(v) अन्धेर नगरी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	i	iii	iv	v
(B)	ii	iv	i	iii
(C)	iv	i	iii	ii
(D)	v	iii	i	ii

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
अन्धा युग	1955 ई.	धर्मवीर भारती
दशरथ नन्दन	1974 ई.	जगदीश चन्द्र माथुर
रस गंधर्व	1975 ई.	मणि मधुकर
अंधेर नगरी	1881 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
जनकवि जगनिक		कुंवर चन्द्र प्रकाश सिंह

38. निबन्ध और निबन्धकार को सुमेलित कीजिए :

(A) नया साहित्य नये प्रश्न — (i) महादेवी वर्मा
(B) विचार और वितर्क — (ii) अज्ञेय
(C) हिन्दी साहित्यः आधुनिक परिदृश्य — (iii) नन्द दुलारे बाजपेई
(D) मेरा परिवार — (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(v) विवेकी राय

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	iv	ii	i	iii
(B)	iii	iv	ii	i
(C)	v	iii	iv	ii
(D)	ii	v	iii	iv

उत्तर (B)

व्याख्या-

निबन्ध	**प्रकाशन वर्ष**	**निबन्धकार**
नया साहित्य नये प्रश्न	1955 ई.	नन्द दुलारे वाजपेयी
विचार एवं वितर्क	1954 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्यः आधुनिक परिदृश्य	1967 ई.	अज्ञेय
मेरा परिवार	1972 ई.	महादेवी वर्मा
फिर बैतलवा डाल पर	1962 ई.	विवेकी राय

39. निम्नलिखित उपन्यासों को उनके पुरुष पात्रों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) देवीदीन — (i) नीला चाँद
(B) कीर्तिवर्मा — (ii) किस्सा गुलाम
(C) ओंकारनाथ — (iii) जूठन
(D) कुन्दन — (iv) गबन
(v) गोदान

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	iv	i	v	ii
(B)	i	iii	iv	v
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर (A)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**	**पात्र**
गबन	1931 ई.	प्रेमचन्द्र	देवीदीन, जालपा, रामनाथ, रतन, जोहरा
नीला चाँद	1988 ई.	शिप्रसाद सिंह	कीर्ति वर्मा
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द्र	ओकारनाथ, गोविन्दी, मेहता, मालती, खन्ना
किस्सा गुलाम	1986 ई.	रमेश चन्द्र शाह	कुन्दन
जूठन	1997 ई.	ओमप्रकाश बाल्मीकि	

नोट-जूठन (1997), ओमप्रकाश बाल्मीकि की एक दलित आत्मकथा है।

40. निम्नलिखित काव्य लक्षणों का उनके प्रतिस्थापकों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् — (i) दण्डी
(B) ननु शब्दार्थौ काव्यम् — (ii) कुन्तक
(C) शब्दार्थौ सहितौ वक्रकवि व्यापार शालिनी — (iii) भामह
(D) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् — (iv) भरतमुनि
(v) विश्वनाथ

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	ii	iv	iii	i
(B)	iv	v	ii	iii
(C)	i	iv	iii	v
(D)	iii	i	ii	v

उत्तर (D)

व्याख्या-

काव्य लक्षण	**प्रतिष्ठापक**
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	भामह
ननु शब्दार्थौ काव्यम्	दण्डी
शब्दार्थौ सहितौ वक्रकवि व्यापार शालिनी	कुन्तक
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
विभावानुभाव व्याभिचारि संयोगाद्रसनिष्पतिः	भरतमुनि

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़े और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 41 से 45 तक) के उत्तरों के दिये गये बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

साहित्य तो एक सात्विक जीवन है। उसे कठिन तपस्या और महान यज्ञ समझना चाहिए। जहाँ व्यक्ति के व्यक्तित्व के कोई स्वतंत्र विषय नहीं रह जाते, उच्च साहित्य की वह भाव-भूमि है। वहाँ अपरिग्रह का साम्राज्य है, फोटो नहीं छापे जाते। वहाँ वाणी मौन रहती है 'गाथा'गाने में सुख नहीं मानते। उस उच्च स्तर से जितने क्रिया कलाप होते हैं, आत्म प्रेरणा से होते हैं, पर आज दिन हिन्दी में आत्म-प्रेरणा और 'आत्मकथा' का नाम लेना पाखण्ड बढ़ाना है। हमारे देश में आत्मकथा लिखने की परिपाटी नहीं रही।

41. साहित्य को क्या माना गया है?

(A) कठिन साधना और तपस्या
(B) लेखन का महान यज्ञ
(C) कठिन तपस्या और महान यज्ञ
(D) लेखन तपस्या और कठिन साधना

उत्तर (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या—साहित्य एक सात्विक जीवन है। साहित्य को कठिन तपस्या और महान यज्ञा माना जाता है।

42. उच्च साहित्य की भावभूमि क्या है?
(A) जहाँ व्यक्ति स्वतंत्र विषय नहीं चुन सकता
(B) जहाँ लेखक के व्यक्तित्व की स्वतंत्रता नहीं रहती
(C) जहाँ व्यक्ति को लिखने की स्वतंत्रता नहीं रहती
(D) जहाँ व्यक्तित्व के कोई स्वतंत्र विषय नहीं रह जाते
उत्तर (D)

व्याख्या—जहाँ व्यक्ति के व्यक्तित्व का स्वतंत्र विषय नहीं रह जाता, वहीं उच्च साहित्य की भाव भूमि है। यहाँ अपरिग्रह की प्रमुखता होती है।

43. उच्च स्तर के क्रियाकलाप किससे होते हैं?
(A) आत्मानुभव से (B) आत्म प्रेरणा से
(C) आत्म कथन से (D) आत्मावलोकन से
उत्तर (B)

व्याख्या—उच्च स्तर से जितने क्रियाकलाप होते हैं, वो सभी आत्म-प्रेरणा से होते हैं।

44. किस देश में आत्मकथा लिखने की परिपाटी नहीं रही?
(A) भारतवर्ष में (B) उत्तर प्रदेश में
(C) रूस में (D) अमेरिका में
उत्तर (A)

व्याख्या—हमारे देश (भारतवर्ष) में आत्मकथा लिखने की परिपाटी नहीं रही है। हिन्दी में आत्मकथा का विकास अंग्रेजी साहित्य से हुआ।

45. हिन्दी में किस विधा को पाखण्ड कहा गया है?
(A) गाथा को (B) आत्मप्रेरित संस्मरण को
(C) आत्मकथा को (D) गाथा को
उत्तर (C)

व्याख्या—हिन्दी में आत्मप्रेरणा और 'आत्मकथा' विधा को पाखण्ड कहा गया है।

कथोपकथन

46. **स्थापना (Assertion) (A) : मनोविज्ञान के आधार पर व्यक्ति के भाषागत ग्रहण और सम्प्रेषण सामर्थ्य में अन्तर स्वाभाविक है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक क्षमता में अन्तर नहीं है।
(A) (A) सही (R) गलत
(B) (A) सही (R) सही
(C) (A) गलत (R) सही
(D) (A) गलत (R) गलत
उत्तर (A)

व्याख्या—मनोविज्ञान के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति में वैयक्तिक विभिन्नता होती है तथा उसके (IQ) लेबल में समानता नहीं पायी जाती है। यही कारण है कि भाषा ग्रहण एवं सम्प्रेषण में अन्तर स्वाभाविक है और प्रत्येक व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक क्षमता में अन्तर होता है।

47. **स्थापना (Assertion) (A) : नये काव्य में नये जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा और स्वतंत्र प्रयोग की प्रवृत्ति मिलती है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें जीवन मूल्यों का बिखराव मिलता है।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) सही (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (A)

व्याख्या—समाज में समय के परिवर्तन के साथ जीवन मूल्यों में भी परिवर्तन होता रहता है। समाज से ही साहित्य निःसृत एवं स्वतन्त्रता की प्रवृति पायी जाती है क्योंकि जीवन मूल्यों में विखराव के साथ ही नवीन मूल्यों की स्थापना होती है।

48. **स्थापना (Assertion) (A) : कामायनी का नायक शास्त्रीय महाकाव्यों के नायकों से भिन्न है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि उसका अजनबीपन जीवन के प्रति तुच्छता बरतता है।
(A) (A) गलत (R) सही (B) (A) सही (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही (D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर (B)

व्याख्या—कामायनी के नायक में शास्त्रीय महाकाव्यों के (धीरललित, धीर प्रशान्त, धीरोद्धत) नायकों का कोई भी एक विशेष रूप या गुण नहीं पाया जाता है, इनका अंशमात्र पाया जाता है। इसलिये यह नायक शास्त्रीय नायक से भिन्न है। कामायनी के नायक का अजनबीपन जीवन के प्रति तुच्छता नहीं बरतता। उसका जीवन मनुष्यत्व की खोज करता है।

49. **स्थापना (Assertion) (A) : बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि बैर से दोस्ती बढ़ती है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर (A)

व्याख्या—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के कथानुसार बैर, क्रोध का अचार या मुरब्बा है। अर्थात् बैर से क्रोध में स्थिरता आती है और वह किसी भी स्तर तक जा सकता है। बैर में दोस्ती घटती है। बैर और दोस्ती एक-दूसरे के विरोधी हैं।

50. **स्थापना (Assertion) (A) : काव्य की पूर्ण अनुभूति के लिए कल्पना का व्यापार कवि और श्रोता दोनों के लिए अनिवार्य है।**
तर्क (Reason) (R) : क्योंकि काव्यानुभूति में वस्तु के साथ वक्ता की मूर्त्त भावना होती है।
(A) (A) सही (R) गलत (B) (A) गलत (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत (D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर (D)

व्याख्या—कोई भी वस्तु अनुभूति के माध्यम से ही मूर्त रूप धारण करती है। अतः काव्य अनुभूति के लिये कल्पना का व्यापार कवि और श्रोता है। पाठक दोनों के लिये अनिवार्य है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2008

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. इनमें से कौन पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है?

(A) कौरवी (B) बुंदेली
(C) मारवाड़ी (D) कन्नौजी

उत्तर – (C)

व्याख्या–खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, बुन्देली, कन्नौजी और हरियाणवी (बंगारु) पाँच बोलियाँ पश्चिमी हिन्दी के अन्तर्गत आती है। जबकि मारवाड़ी (पश्चिमी राजस्थानी) जयपुरी (पूर्वी राजस्थानी), मेवाती, (उत्तरी राजस्थानी) और मालवी (दक्षिणी राजस्थानी) आदि राजस्थानी हिन्दी के अन्तर्गत आती है।

अपभ्रंश से विकसित हिन्दी भाषा तथा उनकी बोलियाँ निम्नवत है-

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थाना (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

हिन्दी साहित्य का इतिहास

2. हिन्दी साहित्य के इतिहास का प्रथम लेखक कौन है?

(A) जार्ज ग्रियर्सन (B) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(C) शिवसिंह सेंगर (D) गार्सां द तॉसी

उत्तर – (D)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य के इतिहास का प्रथम लेखक गार्सां द ताँसी है। इस्त्वार द ला लितरेत्युर एन्दुई ऐन्दुस्तानी, ताँसी का इतिहास ग्रंथ है जो फ्रेंच भाषा में लिखा गया है। इसके प्रथम भाग का प्रकाशन 1839 ई., द्वितीय भाग का प्रकाशन 1847 ई. में हुआ था तथा तृतीय भाग का प्रकाशन 1871 ई. में हुआ था।

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
शिवसिंह सरोज	1883 ई.	शिवसिंह 'सेंगर'
द मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान	1888 ई.	जार्ज ग्रियर्सन
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

नोट-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का इतिहास मूलतः नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'हिन्दी शब्दसागर' की भूमिका रूप में 'हिन्दी साहित्य का विकास' के नाम से सन् 1929 ई. में प्रकाशित हुआ।

3. आदिकालीन साहित्य में वीर रस की रचनाओं में किस भाषा का प्रयोग किया गया?

(A) पिंगल (B) बुन्देली
(C) डिंगल (D) प्राकृत

उत्तर – (C)

व्याख्या–आदिकाल में वीर रस की रचनाओं में डिंगल भाषा या शैली का प्रयोग किया जाता था। इसमें पुरुष वर्गों का प्रयोग किया जाता है। यह दो भाषाओं के मिश्रण से बनी है –

डिंगल = अपभ्रंश + राजस्थानी

जबकि आदिकाल में कोमल कान्त पदावली के लिए पिंगल भाषा या शैली का प्रयोग किया जाता था। यह दो भाषाओं के मिश्रण से बनी है। **पिंगल = अपभ्रंश + ब्रजभाषा**

4. 'साहित्य लहरी' की विषयवस्तु क्या है?

(A) नायिका भेद (B) अवतार लीला
(C) निर्गुण का खण्डन (D) नीति

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–साहित्य लहरी (1550 ई.) सूरदास की रचना है। इसमें दृष्टकूट में राधाकृष्ण की लीलाओं का वर्णन है तथा अलंकारों एवं नायिका भेदों का वर्णन भी कूट पद में किया गया है। इस ग्रंथ में सूरदास की वंश परम्परा का भी वर्णन मिलता है।
सूरदास (1478-1583) की रचनाएँ-सूरसागर, सूरसारावली, तथा साहित्य लहरी (1550 ई.)

5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने प्रेमाख्यान काव्य परंपरा का प्रथम कवि किसे माना है?
(A) मंझन (B) जायसी
(C) मुल्ला दाऊद (D) कुतुबन
उत्तर – (D)

व्याख्या- प्रेमाख्यान काव्य परम्परा का प्रथम कवि उनकी रचना एवं मानने वाले विद्वान की सारणी निम्नवत है-

प्रस्तोता	रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार/कवि
गणपति चन्द्र गुप्त/ डॉ. नागेन्द्र	हंसावली	1370 ई.	असाइत
रामकुमार वर्मा	चंदायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद
हजारी प्रसाद द्विवेदी	सत्यवती कथा	1501 ई.	ईश्वरदास
रामचन्द्र शुक्ल	मृगावती	1503 ई.	कुतुबन

6. 'जे हाल मिसकी मकुन तगाफुल दुराय नैना, बनाय बतियाँ।' पंक्ति किसकी है
(A) अमीर खुसरो (B) मुल्ला दाऊद
(C) चंद बरदाई (D) रसलीन
उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
जे हाल मिसकी मकुन तगाफुल दुराय नैना बनाय, बतियाँ।	अमीर खुसरो
कुट्टिल केस सुदेस पोह पारिचिटात पिक्क सद। कमलगंध-बटासंध हंसगति चलित मंद मंद।।	चंदबरदाई (पृथ्वीराजरासो)
अमिय,हलाहल, मदभरे, सेत स्याम रतनार। जियत, मरत झुकि परत जेहि चितवन एक बार।।	रसलीन (अंगदर्पण)

7. प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका 'कल्पना' कहाँ से प्रकाशित होती थी?
(A) कोलकाता (B) त्रिवेन्द्रम
(C) मुंबई (D) हैदराबाद
उत्तर – (D)

व्याख्या–प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिका 'कल्पना' 1949 ई. में हैदराबाद से प्रकाशित होती थी। यह द्विमासिक पत्रिका थी। इसका सम्पादन आर्येन्द्र शर्मा ने किया था।

8. 'रावरे रूप को रीति अनूप, नये नये लागत ज्यों-ज्यों निहारिये' -किसकी पंक्ति है
(A) बोधा (B) घनानन्द
(C) ठाकुर (D) देव
उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
रावरे रूप ....निहारिये	घनानन्द
रावरो रूप भरयो अँखियान भरयो सु भरयो उनरयो सु दरयो परै	देव
कबहू मिलिबो, कबहूँ मिलिबो, वह धीरज ही में धरैबो करे।।	बोधा (बुद्धिसेन)
लोगन कवित्त कीबो खेल करि जानो है	ठाकुर

9. केसव कहि न जाई का कहिए।
देखत तब रचना विचित्र अति, समुझि मनहि मन रहिए।
किस कवि की पंक्तियाँ हैं?
(A) केशवदास (B) तुलसीदास
(C) सूरदास (D) नंददास
उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
केसव कहि ....मन रहिस	तुलसीदास
नव मर्कत मनि स्याम कनक मनिगम ब्रजबाला वृन्दावन को रीझि मनहुँ पहिराई माला।।	नन्दलाल
हम भक्तन के भक्त हमारे। सुन अर्जुन परतिज्ञा मेरी यह ब्रत टरत न टारे	सूरदास
जदपि सुजाति सुलक्षनी, सुबरन सरस सुवृत्त भूषन बिनु न विराजई, कविता बनिता मित्त	केशवदास

10. मिश्रबंधुओं में कौन नहीं है?
(A) शुकदेव बिहारी मिश्र (B) कृष्णबिहारी मिश्र
(C) श्यामबिहारी मिश्र (D) गणेशबिहारी मिश्र
उत्तर – (B)

व्याख्या–श्याम बिहारी मिश्र, शुकदेव बिहारी मिश्र तथा गणेश बिहारी मिश्र तीनों भाई थे तथा मिश्र बन्धु के नाम से जाने जाते थे। मिश्रबन्धुओं ने 'मिश्र बन्धु विनोद' नाम से हिन्दी साहित्य का इतिहास सन् 1913 ई. में लिखा। जिसके तीन भाग का प्रकाशन 1913 ई. में हुआ तथा चौथे भाग का प्रकाशन 1934 ई. में हुआ था।

11. निम्नलिखित में कौन-सा युग्म संगत है?
(A) रस विमर्श - रामचंद्र शुक्ल
(B) रस मीमांसा - राममूर्ति त्रिपाठी
(C) रस सिद्धांत - आनन्द प्रकाश दीक्षित
(D) रसज्ञ रंजन - महावीर प्रसाद द्विवेदी
उत्तर – (B)

व्याख्या- सभी रचना एवं रचनाकारों का संगत युग्म -

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
रस विमर्श	1965 ई.	डा. राममूर्ति त्रिपाठी
रस मीमांसा	1949 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
रस सिद्धांत	1964 ई.	डा. नगेन्द्र
रसज्ञ रंजन	1920 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी
काव्य में रस	1956 ई.	डा. आनन्द प्रकाश दीक्षित

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

12. निम्नलिखित में कौन-सा युग्म असंगत है?
(A) बरवै रामायण - तुलसीदास
(B) बरवै नायिका भेद - रहीम
(C) कृष्ण गीतावली - सूरदास
(D) विज्ञान गीता - केशवदास
उत्तर – (C)

व्याख्या-सभी रचना एवं रचनाकारों का संगत युग्म -

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
बरवै रामायण	1573-1623 ई.	तुलसीदास
बरवै नायिका भेद	1610-1615 ई.	रहीमदास
कृष्ण गीतावली	1586-1603 ई.	तुलसीदास
साहित्य लहरी	1550 ई.	सूरदास
विज्ञान गीता	1610 ई.	केशवदास

13. निम्नलिखित में कौन-सा युग्म असंगत है?
(A) माधवी - दूधनाथ सिंह
(B) द्रौपदी - सुरेन्द्र वर्मा
(C) उत्तरप्रियदर्शी - अज्ञेय
(D) मृदुला गर्ग - एक और अजनबी
उत्तर – (A)

व्याख्या-सभी संगत युग्म निम्नवत है।

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
माधवी	1955 ई.	भीष्म साहनी	नाटक
द्रौपदी	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा	नाटक
उत्तरप्रियदर्शी	1967 ई.	अज्ञेय	गीतिनाट्य
एक और अजनबी	1998 ई.	मृदुला गर्ग	नाटक
यमगाथा	2000 ई.	दूधनाथ सिंह	नाटक

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

14. इनमें से 'नई कहानी' आंदोलन के साथ कौन कहानीकार नहीं जुड़ा था?
(A) मोहन राकेश (B) कमलेश्वर
(C) ज्ञानरंजन (D) राजेन्द्र यादव
उत्तर – (C)

व्याख्या–'नई कहानी' आन्दोलन 1955-56 के लगभग चला। मोहन राकेश, कमलेश्वर एवं राजेन्द्र यादव इसके प्रमुख उन्नायक थे। जबकि 'अकहानी आन्दोलन 1960-62 के आस-पास चला। इसके प्रवर्तक डॉ. गंगा प्रसाद विमल थे। ज्ञानरंजन, दूधनाथ सिंह, रवीन्द्र कालिया, सुधा अरोड़ा इत्यादि इस आन्दोलन के प्रमुख कहानीकार हैं।

15. इनमें से 'गंगौली' गाँव किस उपन्यास के केन्द्र में है?
(A) जल टूटता हुआ (B) अलग अलग वैतरणी
(C) परती परिकथा (D) आधा गाँव
उत्तर – (D)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार	सम्बन्धित स्थान
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रजा	गंगौली गाँव
जल टूटता हुआ	1969 ई.	रामदरश मिश्र	पाण्डे पुरवा गाँव
अलग-अलग वैतरणी	1967 ई.	शिवप्रसाद सिंह	करैता गाँव
परती परिकथा	1957 ई.	फणीश्वरनाथ रेणु	परानपुर गाँव

16. 'कोर्ट मार्शल' नाटक समाज की किस समस्या पर आधारित है?
(A) जातिवाद (B) नारी शोषण
(C) युद्ध की समस्या (D) सांप्रदायिकता
उत्तर – (A)

व्याख्या–कोर्ट मार्शल (1991 ई.) स्वदेश दीपक का प्रसिद्ध नाटक है। इसमें वर्ग एवं जातिवाद का भयावह रूप किस तरह भारतीय फौज में भी हावी है यह चित्रण किया गया है।

17. विजयदेव नारायण साही की कविताएँ किस सप्तक में संगृहीत हैं?
(A) तीसरा सप्तक (B) चौथा सप्तक
(C) तार सप्तक (D) दूसरा सप्तक
उत्तर – (A)

व्याख्या-तार सप्तक (1943) में संकलित कवियों का विवरण -

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म-स्थान
1.	सच्चिदानंद वात्स्यायन अज्ञेय	1911-1987	देवरिया
2.	रामविलास शर्मा	1912-2000	उन्नाव
3.	गजानन माधव मुक्ति बोध	1917-1964	ग्वालियर
4.	प्रभाकर माचवे 'बलवंत'	1917-1991	ग्वालियर
5.	नेमिचन्द्र जैन	1918	आगरा
6.	गिरिजा कुमार माथुर	1918-1994	मध्य प्रदेश
7.	भारतभूषण अग्रवाल	1919-1975	मथुरा

'दूसरा सप्तक' (1951) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म-स्थान
1.	शमशेर बहादुर सिंह	1911-1993	देहरादून
2.	भवानी प्रसाद मिश्र	1913-1985	होशंगाबाद
3.	शकुन्त माथुर	1922	दिल्ली
4.	हरिनारायण घनश्याम व्यास	1923	मध्य प्रदेश

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

5.	नरेश मेहता	1924	गुजरात
6.	धर्मवीर भारती	1926-1997	इलाहाबाद
7.	रघुवीर सहाय	1929-1990	लखनऊ

'तीसरा सप्तक (1959)' में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	**जन्म-मृत्यु**	**जन्म स्थान**
1.	प्रयाग नारायण त्रिपाठी	1919	रायबरेली
2.	मदन वात्स्यायन	1922	-
3.	विजय देव नारायण साही	1924-1982	काशी
4.	कुँवर नारायण	1927	फैजाबाद
5.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	1927-1983	बस्ती
6.	केदारनाथ सिंह	1932	-
7.	कीर्ति चौधरी	1935	उन्नाव

चौथा सप्तक (1979) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	**जन्म-मृत्यु**	**जन्मस्थान**
1.	अवधेश कुमार		
2.	राजकुमार कुंभज		
3.	स्वदेश भारती		
4.	नंद किशोर आचार्य		
5.	सुमन राजे		
6.	श्रीराम शर्मा		
7.	राजेन्द्र किशोर		

नोट-चारों सप्तकों के सम्पादक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' है। सप्तक सात कवियों का संकलन होता है।

18. इसमें से कौन-सा उपन्यास विभाजन समस्या पर आधारित नहीं है?

(A) आधा गाँव (B) आखिरी कलाम
(C) सूखा बरगद (D) झूठा सच

उत्तर – (B)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**	**विषय-वस्तु**
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रजा	भारत विभाजन
सूखा बरगद	1986 ई.	मंजूर एहतेशाम	भारत विभाजन
झूठा सच	1958 ई.	यशपाल	भारत विभाजन
आखिरी कलाम	2003 ई.	दूधनाथ सिंह	बाबरी मस्जिद ध्वंस की घटना पर आधारित है।

19. 'छायावाद का पतन' किसका ग्रंथ है?

(A) नामवर सिंह
(B) विजयदेव नारायण साही
(C) डॉ. देवराज
(D) देवराज उपाध्याय

उत्तर – (C)

व्याख्या-

ग्रंथ (आलोचना)	**प्रकाशन वर्ष**	**ग्रंथकार**
छायावाद का पतन	1948 ई.	डा. देवराज
छायावाद	1955 ई.	नामवर सिंह
रोमांटिक साहित्यशास्त्र	1951 ई.	डा. देवराज उपाध्याय
जायसी	1983 ई.	विजयदेव नारायण साही

20. 'ठेले पर हिमालय' किसकी रचना है?

(A) धर्मवीर भारती (B) अज्ञेय
(C) निर्मल वर्मा (D) शरद जोशी

उत्तर – (A)

व्याख्या–धर्मवीर भारती के निबन्ध संग्रह-ठेले पर हिमालय (1950), पश्यन्ती (1969), कहनी अनकहनी (1970), कुछ चेहरे कुछ चिन्तन (1995), शब्दिता (1677), मानव मूल्य और साहित्य (1960)।

निर्मल वर्मा के निबन्ध संग्रह-चीड़ो पर चाँदनी (1964), हर बारिश में (1970), शब्द और स्मृति (1976), कला का जोखिम (1981), ढलान से उतरते हुए (1985), भारत और यूरोप प्रतिश्रुति के क्षेत्र (1991), शताब्दी के ढलते वर्षों में (1995), दूसरे शब्दों में (1997), आदि अंत और आरम्भ (2001)

शरद जोशी के निबन्ध संग्रह-यथा सम्भव, जीप पर सवार इल्लियाँ (1971), हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे, किसी बहाने (1971), रहा किनारे बैठ (1972), तिलस्म (1973), दूसरी सतह (1975), यत्र तत्र सर्वत्र (2000) है।

अज्ञेय के निबन्ध संग्रह-त्रिशंकु (1945), सब रंग और कुछ राग (1956), आत्मनेपद (1960), आलवाल (1971), भवंती (1972), लिखी कागद कोरे (1972), अन्तरा (1975), अद्यतन (1977), स्रोत और सेतु (1978), युग सन्धियों पर (1982), केन्द्र और परिधि (1984), छाया का जंगल (1984), सर्जना और सन्दर्भ (1985), स्मृति छंदा (1989), संवत्सर (1978) है।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

21. पाणिनि ने किस ग्रंथ के द्वारा भाषा को एकरूपता देने का प्रयास किया?

(A) महाभाष्य (B) अष्टाध्यायी
(C) योगवशिष्ठ (D) बृहस्पति नीतिसार

उत्तर – (B)

व्याख्या–पाणिनि का भाषा या ध्वनि को एकरूपता प्रदान करने वाला ग्रन्थ 'अष्टाध्यायी' (7-8 शताब्दी ई. पू.) है।

पाणिनि का 'अष्टाध्यायी', कात्यायन की 'वर्तिका' और पतंजलि का 'महाभाष्य' तीनों ने मिलकर व्याकरण को उच्चतम बिन्दु तक पहुंचाया है। अष्टाध्यायी में प्रत्याहार सूत्र, कारक, संक्षिप्तता, शब्दव्युत्पत्ति, पद विभाग, वर्ण विकार इत्यादि वर्णन है। इसमें लगभग 4000 सूत्र हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

तथ्य विविधा

22. शब्द रचना में किसका योगदान नहीं होता?

(A) प्रत्यय (B) पद
(C) धातु (D) उपसर्ग

उत्तर – (B)

व्याख्या–प्रत्यय, धातु, उपसर्ग, इत्यादि के योग से शब्द का निर्माण होता है। जबकि शब्दों के संघात से पद का निर्माण होता है। अतः शब्दों से पद बनता है न कि पदों से शब्द।

23. निम्नलिखित में से किस शब्द में रूप साधक प्रत्यय है?

(A) बचपन (B) लड़के
(C) मातृत्व (D) एकता

उत्तर – (B)

व्याख्या–'लड़के' शब्द से पुरुष जाति या रूप का बोध होता है। अतः 'लड़के' में रूप साधक प्रत्यय है। बचपन, मातृत्व, एकता शब्द भाववाचक है अतः इन शब्दों में भावसाधक प्रत्यय है।

24. प्रकाशन काल की दृष्टि से कौन-सा अनुक्रम सही है?

(A) माँ, श्यामास्वप्न, सत्ती मैया का चौरा, सोनामाटी
(B) सत्ती मैया का चौरा, सोनामाटी, माँ, श्यामास्वप्न
(C) श्यामास्वप्न, माँ, सत्ती मैया का चौरा, सोनामाटी
(D) सोनामाटी, सत्ती मैया का चौरा, श्यामास्वप्न, माँ

उत्तर – (C)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
श्यामा स्वप्न	1888 ई.	जगमोहन सिंह
माँ	1929 ई.	विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'
शती मैया का चौरा	1959 ई.	भैरव प्रसाद गुप्त
सोनामाटी	1983 ई.	विवेकी राय

25. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) ममता, गूँगे, सुखमय जीवन, जिंदगी और जोंक
(B) सुखमय जीवन, ममता, गूँगे, जिंदगी और जोंक
(C) जिंदगी और जोंक, सुखमय जीवन,ममता, गूँगे
(D) गूँगे, ममता, जिंदगी और जोंक, सुखमय जीवन

उत्तर – (B)

व्याख्या-

कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
सुखमय जीवन	1911 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
ममता	1929 ई.	जयशंकर प्रसाद
गूँगे	1945 ई.	रांगेय राघव
जिन्दगी और जोंक	1958 ई.	अमरकान्त

26. कालक्रम की दृष्टि से पत्रिकाओं का सही अनुक्रम क्या है?

(A) सरस्वती, श्री शारदा, आनंद कादंबनी, प्रतीक
(B) श्री शारदा, प्रतीक, आनंद कादंबनी, सरस्वती
(C) सरस्वती, श्री शारदा, प्रतीक, आनंद कादंबनी
(D) आनंद कादंबनी, सरस्वती, श्री शारदा, प्रतीक

उत्तर – (D)

व्याख्या-

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
आनन्द कादंबिनी	1881 ई.	बदरीनारायण चौधरी-'प्रेमधन'	मासिक/मिर्जापुर
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी
श्री शारदा	1916 ई.	नर्मदा प्रसाद मिश्र	
प्रतीक	1947 ई.	अज्ञेय	द्विमासिक/इलाहाबाद

नोट-'सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्यामसुन्दर थे तथा 1903 में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।

27. निम्नलिखित काव्य संग्रहों के प्रकाशन का सही अनुक्रम क्या है?

(A) गुंजन पल्लव, वीणा, ग्रंथि
(B) पल्लव, वीणा, ग्रंथि, गुंजन
(C) ग्रंथि, वीणा, पल्लव, गुंजन
(D) वीणा, ग्रंथि, गुंजन, पल्लव

उत्तर – (C)

व्याख्या–सुमित्रानंदन पंत (1900-1977) के काव्य संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार अनुक्रम - उच्छ्वास (1920), ग्रंथि (1920), वीणा (1927), पल्लव (1928), गुंजन (1932), युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्ण किरण (1947), स्वर्ण किरण (1947), युगपथ (1949), उत्तरा (1949), वाणी (1958), कला और बूढ़ा चाँद (1959), अतिमा (1955), लोकायतन (1964), चिदम्बरा, सत्यकाम (1975)।

28. कालक्रम की दृष्टि से यशपाल के निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) दादा कामरेड, देशद्रोही, दिव्या, झूठा सच
(B) झूठा सच, देशद्रोही, दिव्या, दादा कामरेड
(C) देशद्रोही, दिव्या, दादा कामरेड, झूठा सच
(D) दिव्या, दादा कामरेड, झूठा सच, देशद्रोही

उत्तर – (A)

व्याख्या–कालक्रम के अनुसार यशपाल (1903-1976) के उपन्यासों का अनुक्रम - दादा कामरेड (1941), देशद्रोही (1943), दिव्या (1945), पार्टी कामरेड (1946), मनुष्य के रूप (1949), अमिता (1956), झूठा सच (भाग-I 1958 भाग-II 1960) बारह घण्टे (1962), अप्सरा का श्राप (1965), क्यों फँसे (1968), मेरी तेरी उसकी बात (1974)।

29. कालक्रम की दृष्टि से निबंध संग्रह का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कल्पलता, शृंखला की कड़िया, शिवशंभु के चिट्ठे, रसज्ञ रंजन

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) शिवशंभु के चिट्ठे, कल्पलता, शृंखला की कड़ियां, रसज्ञ रंजन
(C) शिवशंभु के चिट्ठे, रसज्ञ रंजन, शृंखला की कड़ियां, कल्पलता
(D) रसज्ञ रंजन, शृंखला की कड़ियां, कल्पलता, शिवशंभु के चिट्ठे

उत्तर – (C)

व्याख्या-

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
शिवशम्भू के चिट्ठे	1904-05 ई.	बालमुकुन्द गुप्त
रसज्ञ रंजन	1920 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी
शृंखला की कड़ियां	1942 ई.	महादेवी वर्मा
कल्पलता	1950 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी

30. कालक्रम की दृष्टि से अज्ञेय के निम्नलिखित काव्य संग्रहों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कितनी नावों में कितनी बार, इत्यलम,सागर मुद्रा, हरी घास पर क्षणभर
(B) सागर मुद्रा, कितनी नावों में कितनी बार, हरी घास पर क्षणभर, इत्यलम
(C) हरी घास पर क्षणभर, कितनी नावों में कितनी बार, सागर मुद्रा, इत्यलम
(D) इत्यलम, हरी घास पर क्षणभर, कितनी नावों में कितनी बार, सागर मुद्रा

उत्तर – (D)

व्याख्या–सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के काव्य संग्रहों का अनुक्रम - भग्नदूत (1933), चिन्ता (1942), इत्यलम (1946), हरी घास पर क्षण भर (1949), बावरा अहेरी (1954), इन्द्रधनुष रौंदे हुए थे (1957), अरी ओर करुणा प्रभामय (1959), आँगन के पार द्वारा (1961), पूर्वा (1965) सुनहले शैवाल (1966), कितनी नावों में कितनी बार (1967), क्योंकि मै उसे जानता हूँ (1969), सागरमुद्रा (1970), पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ (1973), महावृक्ष के नीचे (1977), नदी की बाँक छाया में (1981), ऐसा कोई घर आपने देखा है (1986)।

31. निम्नलिखित काव्यपंक्तियों को उनकी भाषा के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) जसुमति हरि पालने झुलावै — (i) डिंगल
(B) तेहि अवसर एक तापस आवा तेजपुंज लघु बयस सुहावा — (ii) दखनी
(C) अतिरंग स्वामी सूँ मिलि राति। बेटी राजा भोज की। — (iii) ब्रज
(D) दखन है नगीना अँगूठी है जग अँगूटी-कूँ-हरकत नगीना है लग — (iv) मैथिली
(v) अवधी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	i	ii
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	ii	iii	v	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	भाषा
जसुमति हरि ....तापस आवा	ब्रजभाषा
तेहि अवसर ....बयस सुहावा	अवधी
अतिरंग स्वामी .... भोज की	डिंगल
दखन है ....नगीना है लग	दक्खनी
खने खने नयन कोन अनुसरई। खने खने बसत धूलि तनु भरई।।	मैथिली

32. निम्नलिखित क्रिया रचना को उनके सही भाषा रूप से सुमेलित कीजिए :

(A) अयेउ — (i) अवधी
(B) अइल — (ii) ब्रज
(C) आवा — (iii) अपभ्रंश
(D) आयौ — (iv) पालि
(v) भोजपुरी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	iii
(B)	iii	v	i	ii
(C)	iv	iii	ii	i
(D)	ii	iii	i	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-

क्रिया रचना	भाषा
अयेउ	अपभ्रंश
अइल	भोजपुरी
आवा	अवधी
आयौ	ब्रज

33. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) सतरंगिनी — (i) निराला
(B) सतरंगे पंखोंवाली — (ii) केदारनाथ 'प्रभात'
(C) अणिमा — (iii) हरिवंश राय बच्चन
(D) ऋतंबरा — (iv) नागार्जुन
(v) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	iii	iv	i	ii
(C)	v	ii	iv	iii
(D)	ii	v	iii	i

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य ग्रन्थ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
सतरंगिनी	1945 ई.	हरिवंशराय 'बच्चन'
सतरंगे पंखों वाली	1959 ई.	नागार्जुन
अणिमा	1943 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
ऋतंबरा	1957 ई.	केदारनाथ मिश्र 'प्रभात'
कुंकुम	1939 ई.	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके सही अलंकारों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) मुख नहीं चंद्रमा है — (i) संदेह
(B) मुख तो चंद्र ही है — (ii) अपह्नुति
(C) मुख देखकर चाँद का आभास हुआ — (iii) रूपक
(D) मुख है कि चाँद — (iv) भ्रांतिमान
(v) उत्प्रेक्षा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	i	iii
(B)	iii	v	ii	iv
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	i	v	ii	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पंक्ति	अलंकार	परिभाषा
मुख नहीं चंद्रमा है	अपह्नुति	जहाँ प्रस्तुत या उपमेय का प्रतिरोध करके अप्रस्तुत या उपमान की स्थापना की जाय।
मुख तो चंद्र ही है	रूपक	जहाँ उपमेय में उपमान का आरोपण किया जाय।
मुख देखकर चाँद का आभास हुआ	भ्रांतिमान	समानता के कारण उपमेय की उपमान मान लेना
मुख है कि चाँद	संदेह	साम्य के कारण संशय या अनिश्चित का होना
मुख मानो चाँद है	उत्प्रेक्षा	जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना की जाय।

35. इन उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) तमस — (i) धर्मवीर भारती
(B) पीली आँधी — (ii) मोहन राकेश
(C) अँधेरे बंद कमरे — (iii) शिव प्रसाद सिंह
(D) नीला चाँद — (iv) भीष्म साहनी
(v) प्रभा खेतान

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	v	ii	iii
(B)	v	i	iii	ii
(C)	i	iii	v	iv
(D)	ii	i	iii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या -

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
तमस	1973 ई.	भीष्म साहनी
पीली आँधी	1996 ई.	प्रभा खेतान
अन्धेरे बन्द कमरे	1961 ई.	मोहन राकेश
नीला चाँद	1988 ई.	शिव प्रसाद सिंह
सूरज का सातवाँ घोड़ा	1952 ई.	धर्मवीर भारती

36. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके सही कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र — (i) धूमिल
(B) यह तीसरा आदमी कौन है? मेरे देश की संसद मौन है — (ii) दिनकर
(C) तोड़ने ही होंगे मठ और गढ़ सब — (iii) पंत
(D) आ गये प्रियवंद! केशकम्बली! गुफा गेह — (iv) अज्ञेय
(v) मुक्तिबोध

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	v	i	iv
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	v	ii	iii	i
(D)	iii	i	v	iv

उत्तर – (D)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
द्रुतझरो ....जीर्ण पत्र	सुमित्रानंदन पंत
यह तीसरा .... मौन है	सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'
तोड़ने ही .... गढ़ सब	मुक्तिबोध
आ गये ....गुफा गेह	अज्ञेय
श्वानों को मिलता दूध-भात बच्चे भूखे अकुलाते हैं माँ की हड्डी से ठिठुर चिपक जाड़े की रात बिताते हैं।।	रामधारी सिंह 'दिनकर'

37. निम्नलिखित शब्दों को उनके संधि के नाम के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) नीरोग — (i) दीर्घ संधि
(B) दीर्घाकार — (ii) गुण संधि
(C) सदाचार — (iii) विसर्ग संधि
(D) प्रत्येक — (iv) वृद्धि संधि
(v) व्यंजन संधि

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	v	i
(B)	iii	i	v	iv
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

शब्द	सन्धि विच्छेद	संधि
नीरोग	निः + रोग	विसर्ग सन्धि

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

दीर्घाकार	दीर्घ + आकार	दीर्घ सन्धि
सदाचार	सत् + आचार	व्यंजन सन्धि
प्रत्येक	प्रति + एक	यण सन्धि
सदैव	सदा + एव	वृद्धि सन्धि

38. निम्नलिखित काव्य लक्षणों को उनके आचार्यों के सही नामों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम् — (i) विश्वनाथ
(B) तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि — (ii) भामह
(C) वाक्यं रसात्मकं काव्यम् — (iii) पंडितराज जगन्नाथ
(D) रमणीयार्थ - प्रतिपादकः शब्दः काव्यम् — (iv) मम्मट
(v) आनंदवर्धन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	iv	ii
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	ii	iv	i	iii
(D)	iii	ii	v	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

वाक्य लक्षण	**आचार्य**
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	भामह
तद्दोषौ................पुनः क्वापि	मम्मट
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
रमणीयार्थ ....काव्यम्	जगन्नाथ
काव्यरस्यात्मा ध्वनिः	आनन्दवर्धन

निर्देश : निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 39 से 43 तक) के उत्तरों के दिए गए बहु विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करें।

लोक में फैली दुख की छाया को हटाने में ब्रह्म की आनंदकला,जो शक्तिमय रूप धारण करती है, उसकी भीषणता में भी अद्भुत मनोहरता, कटुता में भी अपूर्व मधुरता, प्रचंडता में भी गहरी आर्द्रता साथ लगी रहती है। विरुद्धों का यही सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौंदर्य है, जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता। इस सामंजस्य का और कई रूपों में भी दर्शन होता है। किसी कोट, पतलून, हैट वाले को धारा प्रवाह संस्कृत बोलते अथवा किसी पंडितवेशधारी सज्जन को अंग्रेजी में प्रगल्भ वक्तृता देते सुन व्यक्तित्व का जो एक चमत्कार सा दिखाई पड़ता है, उसकी तह में भी सामंजस्य का यही सौंदर्य समझना चाहिए। भीषणता और सरसता, कोमलता और कठोरता, कटुता और मधुरता, प्रचंडता और मृदुता का सामंजस्य ही लोकधर्म का सौंदर्य का यह उद्घाटन असौंदर्य का आवरण हटाकर होता है। धर्म और मंगल की यह ज्योति अधर्म और अमंगल की घटा को फाड़ती हुई फूटती है। इससे कवि हमारे सामने असौंदर्य, अमंगल, अत्याचार, क्लेश इत्यादि भी रखता है; रोष, हाहाकार और ध्वंस का दृश्य भी लाता है। यदि किसी ओर उन्मुख ज्वलंत रोष है, तो उसके और सब ओर करुण दृष्टि फैली दिखाई पड़ती है। यदि किसी ओर ध्वंस और हाहाकार है, तो और सब ओर उसका सहगामी रक्षा और कल्याण है। व्यास ने भी अपने ''जयकाव्य'' में अधर्म के पराभव और धर्म की जय का सौंदर्य प्रत्यक्ष किया।

39. कर्मक्षेत्र का सौंदर्य किसमें है?

(A) अन्याय के प्रति रोष दिखाने में
(B) लोगों के प्रति मृदुता के व्यवहार में
(C) विरोधी भावों के सामंजस्य में
(D) उपर्युक्त तीनों सही हैं

उत्तर – (C)

व्याख्या–विरुद्धों या विरोधी भावों का सामंजस्य ही कर्म क्षेत्र का सौन्दर्य है। जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता।

40. सूटधारी के संस्कृत बोलने पर क्या प्रतिक्रिया मन में उठती है?

(A) सामंजस्य की कमी दिखाई देती है
(B) उसका अज्ञान प्रकट होता है
(C) उसका संस्कृत प्रेम मन को छू जाता है
(D) उसके संस्कृत उच्चारण पर हँसी आती है।

उत्तर – (C)

व्याख्या–जब कोई सूटधारी धारा प्रवाह संस्कृत बोलता है तो उसका संस्कृत प्रेम मन को छू जाता है यह सामंजस्य का सौन्दर्य ही है।

41. विध्वंस और अत्याचार के सहगामी भाव क्या हो सकते हैं?

(A) भ्रष्टाचार और क्लेश
(B) रक्षा और मंगल का भाव
(C) अद्भुत मनोहरता का भाव
(D) सौंदर्य का दिव्य संगीत

उत्तर – (B)

व्याख्या–विध्वंस और अत्याचार के सहगामी भाव रक्षा और मंगल का भाव है।

42. 'आनंदकला के विकास' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(A) जीवन में सरसता और कोमलता पैदा करना
(B) अधर्म को अधर्म से काटना
(C) अन्याय के प्रति रोष प्रकट करना
(D) सारे भाव, रूप और व्यापारों में उचित सामंजस्य

उत्तर – (A)

व्याख्या–जीवन में सरसता और कोमलता पैदा करना ही आनन्द कला का विकास है। इसमें सारे भाव, रूप और व्यापार अपना योग देते हैं।

43. इस गद्य अवतरण के लिए उपयुक्त शीर्षक क्या है?

(A) विरोधों के सामंजस्य का सौंदर्य

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) सौंदर्य का उद्घाटन
(C) व्यास की काव्य कला
(D) व्यक्तित्व का चमत्कार
उत्तर – (A)

व्याख्या–गद्य अवतरण का उपयुक्त शीर्षक 'विरोधों के सामंजस्य का सौन्दर्य' है।

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 44 से 50 तक दी गई स्थापनाओं (Assertions) और तर्कों (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़ें और बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

44. स्थापना (A) : जैसे वीर कर्म से पृथक वीरत्व कोई पदार्थ नहीं, वैसे ही सुंदर वस्तु से पृथक सौन्दर्य कोई पदार्थ नहीं।
तर्क (R) : सौन्दर्य मनोगत नहीं होता, वस्तुगत होता है।
(A) A सही R गलत (B) A और R दोनों गलत
(C) A और R दोनों सही (D) A गलत R सही
उत्तर – (C)

व्याख्या–वीरकर्म (क्रिया) से पृथक वीरत्व का भाव नहीं होता तथा सुन्दर वस्तु से पृथक सौन्दर्य का भाव नहीं होता वस्तुतः सौन्दर्य ही होता है। वस्तुगत सौन्दर्य से ही मनोगत सौन्दर्य की परिणति होती है।

45. स्थापना (A) : नारी का आकर्षण पुरुष बनाता है, और उसका अपकर्षण उसे गौतम बुद्ध बना देता है।
तर्क (R) : गौतम के वैराग्य में यशोधरा के प्रति अपकर्षण नहीं,बल्कि बुद्धत्व प्राप्ति के लिए उनका संकल्प कारणभूत था।
(A) A और R दोनों गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों सही (D) A सही R गलत
उत्तर – (A)

व्याख्या–नारी का आकर्षण पुरुष को पुरुष अर्थात वीर बनाता है। गौतम के वैराग्य में यशोधरा के प्रति अपकर्षण नहीं था बल्कि बुद्धत्व प्राप्ति के लिये उनका संकल्प कारणभूत था।

46. स्थापना (A) : भक्ति और प्रेम दोनों में समर्पण का तत्व समान है।
तर्क (R) : भक्ति और प्रेम स्व के परित्याग से संभव है।
(A) A गलत R सही
(B) A और R दोनों गलत
(C) A सही R गलत
(D) A और R दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–भक्ति और प्रेम दोनों उभयअंगी होते हैं। इनमें एक अंग भगवान और प्रेमी है तो दूसरा अंग भक्त और प्रेमिका। प्रेमिका और भक्त, प्रेमी और भगवान के सन्मुख समर्पण स्व के त्याग के बिना सम्भव नहीं होता है।

47. स्थापना (A) : रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून, पानी गए न ऊबरै, मोती मानुस चून।
तर्क (R) : धन बल और सत्ता बल के आगे पानीदार मनुष्य भी असमर्थ और निरही है।
(A) A सही R गलत
(B) A और R दोनों सही
(C) A गलत R सहा
(D) A और R दोनों गलत
उत्तर – (A)

व्याख्या–स्थापना रहीमदास की प्रसिद्ध पंक्ति है। किन्तु स्थापना एवं तर्क में कोई भी अन्तर्सम्बन्ध नहीं है।

48. स्थापना (A) : काव्य में भावपक्ष और कलापक्ष दोनों असंपृक्त हैं।
तर्क (R) : रचना में भाषा और संवेदना परस्पर आश्रित हैं।
(A) A और R दोनों गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A गलत R सही (D) A सही R गलत
उत्तर – (B)

व्याख्या–काव्य में भावपक्ष (अनुभूति पक्ष) तथा कलापक्ष (अभिव्यक्ति पक्ष) होते हैं। भाव पक्ष काव्य के अंतरंग तत्त्वों एवं कला पक्ष काव्य के बहिरंग तत्त्वों से सन्दर्भित होता है। इस प्रकार ये दोनों एक दूसरे से असंपृक्त (पृथक) है। रचना में संवेदना के अनुकूल ही भाषा का प्रयोग किया जाता है। इसलिए दोनों अन्योन्याश्रित है।

49. स्थापना (A) : प्रेम गली अति साँकरी, तामे द्वै न समाय।
तर्क (R) : प्रेम मनुष्य को सीमित कर देता है।
(A) A और R दोनों सही
(B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों गलत
(D) A सही R गलत
उत्तर – (A)

व्याख्या–जब व्यक्ति किसी भी वस्तु या व्यक्ति से प्रेम करता है तब वह उसमें किसी अन्य का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करता है। इसलिए वहाँ पर व्यक्तिगत या अपनत्व की भावना का जन्म होता है। जो मनुष्य को सीमाओं में सीमित कर देता है।

50. स्थापना (A) : जो ज्ञान मानवता को पीस डाले, वह ज्ञान नहीं कोल्हू है।
तर्क (R) : सच्चा ज्ञान मनुष्यता को उन्नत करता है, उसे नष्ट नहीं करता।
(A) A सही R गलत
(B) A और R दोनों सही
(C) A गलत R सही
(D) A और R दोनों गलत
उत्तर – (B)

व्याख्या–जिस ज्ञान से मानवता का पतन होता है वह कोल्हू के समान सीमित दायरे में रहकर अनिष्टकारक हो जाता है। सच्चा ज्ञान, मनुष्यता, मानवता को उच्चतम स्तर तक ले जाता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2007

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोटः प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. इनमें से कौन सी राजस्थानी बोली नहीं है?

(A) मारवाड़ी (B) बुन्देली
(C) मेवाती (D) मालवी

उत्तर – (B)

व्याख्या– बुन्देली पश्चिमी हिन्दी की बोली है जबकि मारवाड़ी, मेवाती तथा मालती राजस्थानी हिन्दी की बोलियाँ ।

हिन्दी का विकास क्रम – संस्कृत- पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी

अपभ्रंश तथा उनसे विकसित उपभाषा एवं बोलियों का विवरण निम्नवत है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही
		→ मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

2. 'करम' शब्द की व्युत्पत्ति किस प्रक्रिया से हुई?

(A) अर्द्ध तत्सम (B) तत्सम
(C) ऋण-अनुवाद (D) तद्भव

उत्तर – (D)

व्याख्या–'करम' शब्द की व्युत्पत्ति' 'तद्भव' शब्द काम से हुई है। 'काम' शब्द ही व्युत्पत्ति तत्सम शब्द कर्म से हुई है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

3. आचार्य शुक्ल के अनुसार हिन्दी साहित्य का आविर्भाव कब से माना जा सकता है?

(A) प्राकृत से
(B) संस्कृत से
(C) प्राकृत की अंतिम अपभ्रंश अवस्था से
(D) पालि से

उत्तर – (C)

व्याख्या–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य का आरम्भ सम्वत् 1050 (933 ई.) से सम्वत् 1375 (1318 ई.) तक माना है। शुक्ल के अनुसार- "हिन्दी साहित्य का आविर्भाव राजा भोज के समय से तथा प्राकृत की अन्तिम अपभ्रंश अवस्था से होता है। शुक्ल जी इस समय की भाषा को प्राकृताभास (प्राकृत की रूढ़ियों से बहुत कुछ बद्ध) हिन्दी कहा है।

4. अपभ्रंश के प्रथम महाकवि कौन थे?

(A) हेमचन्द्र (B) स्वयंभू
(C) रामचन्द्र (D) सोमप्रभ सूरि

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–अपभ्रंश के प्रथम कवि एवं महाकवि 8वीं शताब्दी लगभग (783 ई.) के स्वयंभू हैं। यह अपभ्रंश के 'बाल्मीकि' कहे जाते हैं। डॉ. रामकुमार वर्मा ने इन्हें हिन्दी का प्रथम कवि माना है। पउमचरिउ, रिट्ठणेमि चरिउ तथा स्वयंभू छंद आदि स्वयंभू की रचनायें हैं।

5. हिन्दी का प्रथम महाकाव्य कौन सा है?

(A) पृथ्वीराज विजय (B) रामचरित मानस
(C) पृथ्वीराज रासो (D) पद्मावत

उत्तर – (C)

व्याख्या- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- "हिन्दी का प्रथम महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो' को तथा प्रथम महाकवि 'चन्दबरदायी' को माना है।' पृथ्वीराज रासो' में 69 समय (सर्ग या अध्याय) है। सर्वप्रथम डॉ. बूलर ने इसे अप्रमाणिक घोषित किया।

काव्य ग्रन्थ	प्रकाशन वर्ष	ग्रंथकार
पृथ्वीराज विजय		जयानक भट्ट
रामचरितमानस	1574 ई.	गोस्वामी तुलसीदास
पद्मावत	1540 ई.	मलिक मोहम्मद जायसी

6. 'आल्हाखंड' किसने लिखा?

(A) जगनिक (B) अमीर खुसरो
(C) चंदबरदायी (D) नरपति नाल्ह

उत्तर – (A)

व्याख्या–'आल्हा खण्ड' के रचनाकार जगनिक हैं। इसका मूल नाम परमाल रासो (1230 ई.) है। यह एक लोकगेय काव्य है तथा बरसात में गाया जाता है। यह वीर रस से परिपूर्ण वीरता का गीत है। बैसवाड़ा इसका प्रमुख केन्द्र माना जाता है। 1865 ई. में चार्ल्स इलियट ने सबसे पहले इसे 'आल्हा खण्ड' के नाम से प्रकाशित करवाया था।

7. इनमें से हिन्दी साहित्य का इतिहास किसने नहीं लिखा?

(A) नगेन्द्र (B) लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
(C) रामकुमार वर्मा (D) बच्चन सिंह

उत्तर – (A)

व्याख्या-–डॉ. नगेन्द्र ने हिन्दी साहित्य का इतिहास (1973 ई.) का सम्पादन किया है लेखन नहीं किया है। जबकि अन्य इतिहासकारों ने हिन्दी साहित्य का मूल लेखन किया है। जिसका विवरण निम्नवत है।

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
आधुनिक हिन्दी साहित्य	1941 ई.	लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	1996 ई.	बच्चन सिंह

**8. 'बारह बरस लौ कूकुर जीवै, अरु तेरह लौ जियैं सयार।
बरस अठारह क्षत्रिय जीवैं, आगे जीवन को धिक्कार॥
-ये पंक्तियां किस रासो काव्य की हैं?**

(A) खुमाण रासो (B) पृथ्वीराज रासो
(C) हम्मीर रासो (D) परमाल रासो

उत्तर – (D)

व्याख्या-

पंक्ति	ग्रन्थ	ग्रंथकार
बारह बरस ....को धिक्कार	परमाल रासो (आल्हा खण्ड)	जगनिक
उक्ति धर्म विशालस्य। राजनीति नवरसं।। खट भाषा पुराणं च। कुरानं कथित मया।।	पृथ्वीराज रासो	चन्दबरदाई
पिउ चित्तौड़ न आविऊ, सावण पहिली तीज।	खुमाण रासो	दलपति विजय
चलिउ वीर हम्मीर पाअमर मे इणि कम्पई	हम्मीर रासो	शारंगधर

9. हिन्दी का पहला दैनिक समाचार पत्र कौन सा था?

(A) बंग दर्शन (B) समाचार सुधावर्षण
(C) उदन्त मार्तण्ड (D) भारत मित्र

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पत्र-पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
समाचार सुधावर्षण	1854 ई.	श्यामसुन्दर सेन	दैनिक/कलकत्ता (प्रथम दैनिक हिन्दी समाचार पत्र)
उदन्त मार्तण्ड	30 मई 1826 ई.	जुगल किशोर शुक्ल	साप्ताहिक/कलकत्ता (हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र)
भारत मित्र	1877 ई.	रुद्रदत्त	साप्ताहिक/कलकत्ता

नोट-1. भारत का प्रथम समाचार पत्र बंगाल गजट (अंग्रेजी) है।
2. हिन्दी प्रदेश से प्रकाशित हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र बनारस अखबार है। इस साप्ताहिक अखबार का प्रकाशन बनारस से 1845 ई. में राजा शिवप्रसाद सिंह के सम्पादन में होती थी।

**10. 'अमिय हलाहल मद भरे,सेत स्याम रतनार
जियत मरत झुकि झुकि परत, जेहि चितवत इक बार।'
-इन काव्य पंक्तियों के कवि हैं :**

(A) बिहारी (B) रसलीन
(C) घनानन्द (D) मतिराम

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
अमिय हलाहल .... इक बार	रसलीन
कुंदन को रंग फीकौ, लगै लड़कै सब अंगन चारु गुराई	मतिराम

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाय। सौंह करै गौहनि हँसे,दैन कहै नटि जाय।।	बिहारीलाल
झलकै अति सुन्दर आनन गौर छके दृग राजति कानन द्वै	घनानंद

11. इनमें से किस कवि ने लक्षण ग्रंथ नहीं लिखा?

(A) देव (B) पद्माकर

(C) भूषण (D) बिहारी

उत्तर – (D)

व्याख्या–काव्य के लक्षण दोहा, सवैया, कवित्त इत्यादि छन्दों या रस, अलंकार आदि सिद्धान्तों के रूप में कवि आचार्यों द्वारा निरूपण ही लक्षण ग्रन्थ होता है। इनकी रचना लक्षण और उदाहरण युक्त होती है। इन्हें रीतिबद्ध या आचार्य कवि भी कहा जाता है। रीतिबद्ध काव्यधारा के कवि-देव, पद्माकर भूषण इत्यादि। जिन कवियों ने रीति ग्रन्थों की रचना न करके काव्य सिद्धान्त या लक्षणों के अनुसार रचना की है। रस,अलंकार, नायिका भेद, इत्यादि इसके ध्यान में तो हैं परन्तु काव्य में इन्होंने इसका प्रत्यक्ष प्रयोग नहीं किया है, लेकिन उसके अनुसार उपकृष्ट काव्य की रचना की ऐसे कवियों को 'रीतिसिद्ध' कवि भी कहा जाता है। रीतिसिद्ध काव्य धारा के प्रमुख कवि- बिहारी हैं।

12. 'बरवै नायिका भेद' का रचनाकार कौन है?

(A) रहीम (B) रसलीन

(C) बिहारी (D) मतिराम

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
बरवै नायिका भेद	1510-15 ई.	रहीमदास
अंगदर्पण	1737 ई.	रसलीन
बिहारी सतसई	1662 ई.	बिहारी
रसराज	1663 ई.	मतिराम

13. इनमें से कौन वैष्णव भक्ति का आचार्य नहीं है

(A) वल्लभाचार्य (B) मध्वाचार्य

(C) शंकराचार्य (D) रामानुजाचार्य

उत्तर – (C)

व्याख्या–वल्लभाचार्य (शुद्धाद्वैतवाद), मध्वाचार्य (द्वैतावाद), और रामानुजाचार्य (विशिष्ट द्वैतावाद) से सम्बन्धित आचार्य हैं। ये सभी वैष्णव भक्ति आचार्य हैं, वैष्णव भक्ति में सगुण की प्रधानता रहती है। जबकि शंकराचार्य (अद्वैतवाद) से सम्बन्धित आचार्य हैं। इसका मुख्य धर्म या भक्ति स्मृति है : जिसमें निर्गुण की प्रधानता होती है।

14. इनमें से काशी नागरी प्रचारिणी सभा के संस्थापकों में कौन नहीं है?

(A) बाबू श्याम सुन्दर दास (B) ठाकुर शिवकुमार सिंह

(C) रामनारायण मिश्र (D) रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर – (D)

व्याख्या–'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' की स्थापना 1893ई. को काशी (बनारस) में की गयी थी। इसके संस्थापकों सदस्यों में श्यामसुन्दर दास, ठाकुर शिवकुमार सिंह और रामनारायण मिश्र हैं। इसके प्रथम सभापति राधाकृष्ण दास थे।

15. 'साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है।'- यह परिभाषा किसकी है?

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) बालकृष्ण भट्ट

(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी (D) हजारीप्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

परिभाषा	लेखक
साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है	बालकृष्ण भट्ट
अंतःकरण की वृत्तियों के चित्र का नाम कविता है	महावीर प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी नयी चाल में ढली	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है	हजारी प्रसाद द्विवेदी

16. प्रसादकृत 'प्रलय की छाया' की विषयवस्तु के केन्द्र में है :

(A) महाराणा प्रताप का पराभव

(B) पद्मिनी का अग्निदाह

(C) जल प्रलय

(D) रानी कमलावती का पश्चाताप

उत्तर – (D)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद कृत 'प्रलय की छाया' की विषय वस्तु 'रानी कमलावती' का पश्चाताप है। इस कविता में अलाउद्दीन गुजरात के गुर्जर नरेश को पराजित करके उनकी पत्नी कमलावती को दिल्ली लाता है। जहाँ रानी बन्दी के रूप में पश्चाताप करती हुई जीवन व्यतीत करती है। यह रचना प्रथम बार 1931 ई. हंस में प्रकाशित हुई थी। बाद में लहर (1933 ई.) नामक काव्य संग्रह में संकलित की गयी है।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

17. निम्नलिखित में से कौन सी रचना उपन्यास नहीं है?

(A) रात का रिपोर्टर (B) विषाद मठ

(C) पश्यन्ती (D) अजय की डायरी

उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
रात का रिपोर्टर	1989 ई.	निर्मल वर्मा	उपन्यास
विषाद मठ	1946 ई.	रांगेय राघव	उपन्यास
अजय की डायरी	1960 ई.	डॉ. देवराज	उपन्यास
पश्यन्ती	1969 ई.	धर्मवीर भारती	ललित निबन्ध संग्रह

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

18. 'शीलवती' सुरेन्द्र वर्मा के किस नाटक की पात्र हैं?
(A) सेतुबन्ध
(B) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक
(C) आठवाँ सर्ग
(D) द्रौपदी
उत्तर – (B)

व्याख्या-सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों तथा प्रकाशन वर्ष एवं पात्रों का विवरण-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	पात्र
सेतुबन्ध	1972 ई.	प्रभावती, कालीदास
सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक	1975 ई.	शीलवती
आठवाँ सर्ग	1976 ई.	प्रियंगु मंजरी
द्रौपदी	1972 ई.	सुरेखा मनमोहन

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

19. प्रयोगवाद को 'बैठे ठाले का धन्धा' किस आलोचक ने कहा?
(A) नन्द दुलारे बाजपेयी (B) रामविलास शर्मा
(C) शिवदानसिंह चौहान (D) नामवर सिंह
उत्तर – (A)

व्याख्या–नन्द दुलारे बाजपेयी ने 'नया साहित्य नये प्रश्न' (1955) में 'प्रयोगवाद' को बैठे ठाले का धन्धा कहा है। वे कहते हैं प्रयोक्ताओं के पास न तो काव्य सम्बन्धी कोई कौशल था और न किसी प्रकार की कोई कथनीय वस्तु थी।

तथ्य विविधा

20. 'स्वाभाविक','स्वागत'
-इन दोनों शब्दों में कौन सा उपसर्ग है?
(A) दोनों में 'स्व' है।
(B) दोनों में 'सु' है।
(C) दोनों में क्रमशः 'स्व' और 'सु' है।
(D) दोनों में क्रमशः 'सु' और 'स्व' है।
उत्तर – (C)

व्याख्या– स्व + भाव + इक = स्वाभाविक
सु + आगत = स्वागत
दोनों में क्रमशः 'स्व' और 'सु' उपसर्ग का प्रयोग किया है। 'उपसर्ग' शब्द के आरम्भ में लगता है जबकि 'प्रत्यय' शब्द के अन्त में।

21. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म संगत है?
(A) विषाद मठ : अमृत लाल नागर
(B) विश्वबाहु परशुराम : चतुरसेन शास्त्री
(C) अंतिम अरण्य : निर्मल वर्मा
(D) मय्यादास की माड़ी : मोहन राकेश
उत्तर – (C)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
विषाद मठ	1946 ई.	रांगेय राघव
विश्वबाहु परशुराम	1997 ई.	विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
अन्तिम अरण्य	2000 ई.	निर्मल वर्मा
मय्यादास की माड़ी	1988 ई.	भीष्म साहनी
पीढ़ियाँ	1990 ई.	अमृतलाल नागर

22. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म असंगत है?
(A) तिरस्कृत : मोहनदास नैमिष राय
(B) अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान
(C) जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि
(D) हादसे : रमणिका गुप्ता
उत्तर – (A)

व्याख्या-सभी रचनाएँ आत्मकथा हैं जिनका संगत युग्म निम्नवत है-

आत्मकथा	प्रकाशन वर्ष	आत्मकथाकार
तिरस्कृत	2002 ई.	सूरजपाल चौहान
अन्या से अनन्या	2007 ई.	प्रभा खेतान
जूठन	1997 ई.	ओम प्रकाश बाल्मीकि
हादसे	2005 ई.	रमणिका गुप्ता
अपने-अपने पिंजरे	1995 ई.	मोहनदास नैमिशराय

23. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म संगत है?
(A) आह वेदना मिली विदाई : जयशंकर प्रसाद
(B) सखि वे मुझसे कहकर जाते : महादेवी वर्मा
(C) एक बार बस और नाच तू श्यामा : सुमित्रानंदन पंत
(D) दु:ख सब को मांजता है : निराला
उत्तर – (A)

व्याख्या–काव्य पंक्तियों एवं उनके रचनाकारों का संगत युग्म निम्नवत है-

पंक्ति	कवि
आह वेदना मिली विदाई	जयशंकर प्रसाद
सखि वे मुझ से कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त
एक बार बस और नाच तू श्यामा	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
दु:ख सबको माजता है	अज्ञेय
सुन्दर है विहग,सुमन सुन्दर मानव तुम सबसे सुन्दरतम्	सुमित्रानंदन पंत
पर शेष नहीं होगी यह मेरे प्राणों की, क्रीड़ा, तुमको पीड़ा में ढूँढा तुममें ढूंढूंगी पीड़ा	महादेवी वर्मा

24. प्रकाशन काल की दृष्टि से सही अनुक्रम है :
(A) चित्रलेखा, सन्यासी, निर्मला, न आने वाला कल
(B) निर्मला,चित्रलेखा, सन्यासी, न आने वाला कल
(C) न आने वाला कल, चित्रलेखा, निर्मला, सन्यासी
(D) सन्यासी, चित्रलेखा, निर्मला, न आने वाला कल
उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
निर्मला	1927 ई.	प्रेमचन्द
चित्रलेखा	1934 ई.	भगवती चरण वर्मा
सन्यासी	1941 ई.	इलाचन्द्र जोशी
न आने वाला कल	1968 ई.	मोहन राकेश

25. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) मिठाईवाला, वापसी, यक्षगान, इन्दुमति
(B) वापसी, यक्षगान, मिठाईवाला, इन्दुमति
(C) इन्दुमति, मिठाईवाला, वापसी, यक्षगान
(D) यक्षगान, इन्दुमति, वापसी, मिठाईवाला

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
इन्दुमती	1900 ई.	किशोरीलाल गोस्वामी
मिठाईवाला	1942 ई.	भगवती प्रसाद बाजपेयी
वापसी	1960 ई.	उषा प्रियंवदा
यक्षगान	1997 ई.	अखिलेश

नोट- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किशोरीलाल गोस्वामी द्वारा लिखित कहानी 'इन्दुमती' (1900 ई.) को हिन्दी साहित्य का 'प्रथम कहानी' माना हैं।

26. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुकम क्या है?

(A) सुधा, रूपाभ, कृति, हिन्दी प्रदीप
(B) हिन्दी प्रदीप, सुधा, रूपाभ, कृति
(C) रूपाभ, कृति, हिन्दी प्रदीप, सुधा
(D) कृति, हिन्दी प्रदीप, सुधा, रूपाभ

उत्तर – (B)

व्याख्या-			
पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
सुधा	1929 ई.	दुलारे लाल भार्गव	मासिक/लखनऊ
रूपाभ	1938 ई.	सुमित्रानंदन पंत	मासिक/
कृति	1958 ई.	नरेश मेहता	/दिल्ली

27. कालक्रम की दृष्टि से लक्ष्मीनारायण लाल के नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कलंकी, बलराम की तीर्थयात्रा, अंधा कुंआँ, मादा कैक्टस
(B) मादा कैक्टस, अंधा कुंआँ, बलराम की तीर्थयात्रा, कलंकी
(C) कलंकी, मादा कैक्टस, अंधा कुंआँ, बलराम की तीर्थयात्रा
(D) अंधा कुंआँ, मादा कैक्टस, कलंकी, बलराम की तीर्थयात्रा

उत्तर – (D)

व्याख्या–लक्ष्मी नारायण लाल के नाटकों का सही अनुक्रम निम्नवत है – अंधा कुआँ (1955), मादा कैक्टस (1959), तीन आँखों वाली मछली (1960), सूखा सरोवर (1960), नाटक बहुरंगी (1961), नाटक तोता मैना (1962), रातरानी (1962), दर्पण (1962), रक्तमाल (1963), सूर्यमुख (1968), कलंकी (1969), मिस्टर अभिमन्यु (1971), कर्फ्यू (1972), दूसरा दरवाजा (1972), अब्दुला दीवाना (1975), नरसिंह कथा (1975), व्यक्तिगत (1975), गुरू (1976), यक्षप्रश्न (1976), एक सत्य हरिश्चन्द्र (1976), गंगामाटी (1977), सगुन पंछी (1977), सब रंग मोह भंग (1977), पंचपुरुष (1978), राम की लड़ाई (1979), बलराम की तीर्थयात्रा (1983), कजरीवन (1980), सुन्दर रस (1960), काफी हाउस में इन्तजार, हाथी घोड़ा चूहा।

28. निम्नलिखित ग्रन्थों के प्रकाशन का सही अनुक्रम क्या है?

(A) बाणभट्ट की आत्मकथा, चारूचन्द्रलेख, पुनर्नवा, आनामदास का पोथा
(B) आनामदास का पोथा, पुनर्नवा, बाणभट्ट की आत्मकथा, चारूचन्द्रलेख
(C) पुनर्नवा, आनामदास का पोथा, चारूचन्द्रलेख, बाणभट्ट की आत्मकथा
(D) चारूचन्द्रलेख, बाणभट्ट की आत्मकथा, आनामदास का पोथा, पुनर्नवा

उत्तर – (A)

व्याख्या–हजारी प्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों का सही अनुक्रम निम्नवत-बाणभट्ट की आत्मकथा (1946), चारुचन्द्र लेख (1963), पुनर्नवा (1973), अनामदास का पोथा (1976) है।

29. निम्नलिखित संस्थाओं की स्थापना का सही अनुक्रम क्या है?

(A) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा
(B) हिन्दी साहित्य सम्मेलन, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, काशी नागरी प्रचारिणी सभा
(C) काशी नागरी प्रचारिणी सभा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय
(D) केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
संस्था	**स्थापना वर्ष**	**स्थान**
काशी नागरी प्रचारिणी सभा	1893 ई.	काशी
हिन्दी साहित्य सम्मेलन	1910 ई.	प्रयाग (इलाहाबाद)
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा	1918 ई.	चेन्नई (मद्रास)
केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय	1960 ई.	नई दिल्ली

30. इतिहास की दृष्टि से हिन्दी महाकाव्यों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) साकेत, लोकायतन, प्रियप्रवास, कामायनी
(B) प्रियप्रवास, कामायनी, साकेत, लोकायतन,
(C) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, लोकायतन,
(D) लोकायतन, कामायनी, प्रियप्रवास, साकेत

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
महाकाव्य	**प्रकाशन वर्ष**	**रचयिता**
प्रिय प्रवास	1914 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त
कामायनी	1936 ई.	जयशंकर प्रसाद
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानंदन पंत

31. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनकी भाषा के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) का पूछहु तुम धातु निछोही जो गुरू कीन्ह अंतरपट ओही — (i) अपभ्रंश
(B) ढोला मारिय ढिल्लि मह मुच्छिउ मेच्छ सरीर — (ii) ब्रज
(C) जो माँगहु सा देहुँ मनोहर यहै बात तेरी खोटी — (iii) गढ़वाली
(D) उसकी चोटी सटकाई लख नागिन अपनी केंचली छोंड सटक गई — (iv) अवधी
(v) खड़ी बोली

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	v
(B)	iv	i	ii	v
(C)	i	iv	v	ii
(D)	ii	iii	i	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
काव्य पंक्ति	**भाषा**
का पूछहु ....अंतरपट ओही	अवधी
ढोला मारिय .... मेच्छ शरीर	अपभ्रंश
जो माँगहु .... तेरी खोटी	ब्रज
उसकी चोटी .... सटक गई	खड़ी बोली
खाणनि मिली त आदमी चल न सक दो	गढ़वाली

32. निम्नलिखित काव्य ग्रन्थों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) हित तरंगिणी — (i) रहीम
(B) प्रेम वाटिका — (ii) रसलीन
(C) मदनाष्टक — (iii) कृपाराम
(D) अंगदर्पण — (iv) रसखान
(v) बिहारी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	i	v	iii	iv
(C)	iv	ii	i	v
(D)	ii	v	iii	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
हित तरंगिणी	1541 ई.	कृपाराम
प्रेमवाटिका	1614 ई.	रसखान
मदनाष्टक		रहीम
अंगदर्पण	1737 ई.	रसलीन
बिहारी सतसई	1662 ई.	बिहारी

33. निम्नलिखित बोलियों को उनके भौगोलिक क्षेत्र के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) हड़ौती — (i) उत्तराखण्ड
(B) बघेली — (ii) उत्तर प्रदेश
(C) गढ़वाली — (iii) राजस्थान
(D) कन्नौजी — (iv) मध्य प्रदेश
(v) हरियाणा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	v	ii	iii
(B)	iii	iv	ii	i
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	iv	i	v	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
बोली	**भौगोलिक क्षेत्र**
हड़ौती	राजस्थानी
बघेली	मध्य प्रदेश
गढ़वाली	उत्तराखण्ड
कन्नौजी	उत्तर प्रदेश
बंगारू	हरियाणा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A) सजनि मधुर निजत्व दे मिलूं अभिमानिनी में — (i) जयशंकर प्रसाद
(B) प्रिय के हाथ लगाए जागी, ऐसी मैं से गई अभागी — (ii) सुमित्रानंदन पंत
(C) तू अब तक सोई है आली आंखों में भरे विहागरी — (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
(D) कौन तुम रूपसि कौन, व्योम से उतर रही चुपचाप — (iv) महादेवी वर्मा
(v) विद्यावती कोकिल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	ii	i
(B)	iv	iii	i	ii
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	**काव्यकार**
सजनि मधुर ....अभिमानिनी में	महादेवी वर्मा
प्रिय के हाथ .... अभागी	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
तू अब तक .... विहागरी	जयशंकर प्रसाद
कौन तुम .... चुपचाप	सुमित्रानंदन पंत
बालचन्द विज्जावहू भाषा। दुहु नहि लग्गइ दुज्जन हासा।।	विद्यापति

35. इन कथनों के साथ उनके अलंकारों को सुमेलित कीजिए :

(A) वह आदमी नहीं हैवान है — (i) उत्प्रेक्षा
(B) वे तो मानो देवता हैं — (ii) रूपक
(C) कहीं यह उसकी चाल तो नहीं — (iii) भ्रांतिमान
(D) आप तो साक्षात् इन्द्र हैं — (iv) विरोधाभास
(v) अपन्हुति

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	ii	i
(B)	iii	i	iv	v
(C)	ii	iv	v	iii
(D)	v	i	iii	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

कथन	**अलंकार**
वह आदमी नहीं,हैवान है	अपन्हुति
वे तो मानो देवता हैं	उत्प्रेक्षा
कहीं यह उसकी चाल तो नहीं	भ्रान्तिमान
आप तो साक्षात् इन्द्र हैं	रूपक
या अनुरागी चित्त की गति समुझहिं नहि कोय। ज्यो-ज्यो बूडै स्याम रंग त्यो-त्यो उज्ज्वल होय।	विरोधाभास

36. निम्नलिखित विधि के क्रिया रूपों को उनकी बोली के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) करो — (i) अपभ्रंश
(B) करहु — (ii) भोजपुरी
(C) करौ — (iii) अवधी
(D) करा — (iv) बांगरू
(v) ब्रज

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	v	ii
(B)	v	i	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	i	v	ii	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

क्रिया रूप	**बोली**
करो	बंगारू
करहु	अवधी
करौ	ब्रज
करा	भोजपुरी
करि	अपभ्रंश

37. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे — (i) अज्ञेय
(B) सब ने भी अलग अलग संगीत सुना — (ii) महादेवी वर्मा
(C) नयन में जिसके जलद वह तृषित चातक हूँ — (iii) निराला
(D) अशनि-पात से शायित उन्नत शत-शत वीर — (iv) मुक्तिबोध
(v) कुँवर नारायण

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iii	ii	v
(B)	iv	i	v	ii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	iii	v	iv	i

उत्तर – (C)

व्याख्या -

पंक्ति	**पंक्तिकार**
अब अभिव्यक्ति .... ही होंगे	मुक्तिबोध
सबने ....संगीत सुना	अज्ञेय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नयन में .... चातक हूँ	महादेवी वर्मा
अशनि पात ....शत-शत वीर	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
अजीब वक्त है, बिना लड़े ही एकदेश का देश स्वीकारता चला जाता तो अपनी ही तुच्छताओं के अधीन।	कुँवर नारायण

38. निम्नलिखित शब्दों को उनके समास के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) वनवास — (i) कर्मधारय
(B) दान-पुण्य — (ii) अव्ययी भाव
(C) त्रिनेत्र — (iii) द्वन्द्व
(D) यथाविधि — (iv) बहुब्रीहि
(v) तत्पुरुष

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	v	i
(B)	v	iii	iv	ii
(C)	v	ii	iii	i
(D)	i	iv	iii	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-

शब्द	**समास**	**समास विग्रह**
वनवास	तत्पुरुष समास	वन में वास
दान-पुण्य	द्वन्द समास	दान और पुण्य
त्रिनेत्र	बहुब्रीहि समास	तीन हैं नेत्र जिसके अर्थात भगवान शंकर
यथाविधि	अव्ययीभाव समास	विधि के अनुसार
क्रोधाग्नि	कर्मधारय	क्रोध रूपी अग्नि

निर्देश : निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 39 से 43 तक) के उत्तरों के लिए दिय गये बहु विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव करें।

आरंभ में मानवतावाद मानवता को शोषण और बंधन से मुक्त करने के महान और उदार आदर्शों से चालित हुआ था। तत्वचिंतकों और साहित्य मनीषियों के मन में इस आदर्श का रूप बहुत ही उदार था, पर व्यवहार में मनुष्य की उदारता केवल एक ही राष्ट्र के मनुष्यों की मुक्ति तक सीमित होकर रह गई। धीरे-धीरे राष्ट्रीयता नामक देवी का जन्म हुआ। यह एक हद तक प्रगतिशील विचारों की ही उपज थी। हमारे देश में भी नये जीवन-साहित्य के स्पर्श से नवीन जीवन-आदर्श जाग पड़े। मानवतावाद भी आया, दलितों, अधःपतितों और उपेक्षितों के प्रति सहानुभूति का भाव भी आया; और साथ ही साथ राष्ट्रीयता भी आई। पश्चिमी देशों में राष्ट्रीय भावना के बहुल प्रचार ने एक राष्ट्र के भीतर सुविधाभोगी और सुविधा के जुटाने वाले दो वर्गों के व्यवधान को बढ़ाने में सहायता पहुँचाई। जिन लोगों के पास संपत्ति है और जिनके पास संपत्ति नहीं है, उनका अंतर भयंकर होता गया। एक तरफ तो विषमता बढ़ती गयी और दूसरी तरफ राष्ट्रीयता की देवी युवावस्था की देहलीज पर पहुँच कर ऐसी ईर्ष्यालु रमणीय साबित हुई जो सारे परिवार को ही ले डूबती है। इस विकृत विचारों ने ठाँय-ठाँय दो महायुद्धों को भू-पृष्ठ पर उतार दिया। इस प्रकार मनुष्यता की महिमा भी विकृत रूप में भयंकर हो उठी।

39. मानवता के उदय का प्रेरणा स्रोत क्या था?

(A) मानवता को शोषण और बन्धन से मुक्त करना
(B) मानव के लिए सुख-सुविधाएँ जुटाना
(C) मानवता को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट करना
(D) मनुष्य के मन में राष्ट्रीय भावना जगाना

उत्तर – (A)

व्याख्या–मानवतावाद के उदय का मूल प्रेरणा स्रोत था मानवता को शोषण और बन्धन से मुक्त कराना।

40. राष्ट्रीयता का जन्म कैसे हुआ?

(A) जब आधुनिक युग में देश राष्ट्र का रूप लेने लगे।
(B) जब मानवता के स्थान पर राष्ट्रीयता का महत्व बढ़ गया।
(C) जब उदार मानवतावाद एक राष्ट्र की परिधि में सीमित हो गया।
(D) जब लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना प्रबल हो गयी।

उत्तर – (C)

व्याख्या–जब उदार मानवतावाद एक राष्ट्र की परिधि में सीमित हो गया तब राष्ट्रीयता नामक एक विचारधारा का जन्म हुआ।

41. संकुचित राष्ट्रीय भावना का दुष्परिणाम क्या निकला?

(A) आंतरिक कलह के कारण कई राष्ट्रों का बँटवारा होता गया।
(B) राष्ट्रीयता ने मानवता की भावना को कुचल दिया।
(C) राष्ट्रों में, परस्पर श्रेष्ठता की होड़ लग गयी।
(D) मानवता, धनी और निर्धन-दो वर्गों में बँट गयी।

उत्तर – (D)

व्याख्या–संकुचित राष्ट्रीय भावना ने मानवता को धनी और निर्धन दो वर्गों में बाँट दिया। जिसका परिणाम भयंकर सिद्ध हुआ।

42. मनुष्यता की महिमा किन कारणों से विकृत हो उठी?

(A) संकुचित राष्ट्रीय भावना और परिणामतः महायुद्ध।
(B) राष्ट्रों की अतिशय महत्वाकांक्षाएँ।
(C) मानव मूल्यों का ह्रास और राष्ट्रों का विघटन।
(D) मनुष्य के शोषण के प्रति बढ़ता हुआ रुझान।

उत्तर – (A)

व्याख्या–संकुचित राष्ट्रीय भावना और उसके परिणाम स्वरूप दो महायुद्धों के कारण मनुष्यता की महिमा विकृत रूप धारण करके भयंकर हो उठी।

43. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक बताइए।

(A) मानवतावादी राष्ट्रीय भावना।
(B) राष्ट्रीय भावना के विविध रूप।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) मानवता से राष्ट्रीयता की ओर।
(D) राष्ट्रीयता से मानवतावाद की ओर।
उत्तर – (C)

व्याख्या—गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'मानवता से राष्ट्रीयता की ओर' है।

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 44 से 50 तक दी गई स्थापनाओं (Assertions) और तर्कों (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़ें और बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

44. स्थापना (A) : कविता मनुष्य के हृदय की स्वार्थ-सम्बन्धों के संकुचित दायरे से ऊपर उठकर लोक-सामान्य-भाव भूमि पर प्रतिष्ठित करती है।
तर्क (R) : क्योंकि कविता संकुचित आत्म और प्रशस्त लोक का समन्वय है।
(A) A और R दोनों गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A सही R गलत (D) A गलत R सही
उत्तर – (C)

व्याख्या—कविता संकुचित स्वार्थ सम्बन्धी के दायरे से ऊपर उठकर प्रशस्त लोक का समन्वय करती है। कविता में स्वार्थ संकुचित होता है न कि आत्म।

45. स्थापना (A) : काव्यभाषा को सहज होना चाहिए और उसे वैचित्र्य वक्रता, अलंकार आदि के आडम्बर से मुक्त होना चाहिए।
तर्क (R) : अलंकार,उक्ति वैचित्र्य का प्रयोग श्रेष्ठ कवि ही कर सकते हैं।
(A) A सही R गलत (B) A और R दोनों गलत
(C) A और R दोनों सही (D) A गलत R सही
उत्तर – (A)

व्याख्या—काव्य भाषा को सहज एवं सरल होना चाहिए और उसे वैचित्र्य, वक्रता, अलंकार आदि के प्रयोग से युक्त होना चाहिए लेकिन आडम्बर से मुक्त होना चाहिए। अलंकार उक्ति वैचित्र्य का प्रयोग केवल श्रेष्ठ कवि ही कर सकते हैं, यह गलत है। इसका प्रयोग कोई भी कर सकता है।

46. स्थापना (A) : मिथक जातीय स्मृति पर आधारित होते हैं
तर्क (R) : इसीलिए मिथक को विकासशील माना गया है।
(A) A और R दोनों गलत (B) A गलत R सही
(C) A सही R गलत (D) A और R दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या—लोक प्रचलित पौराणिक कथाएँ ही मिथक है। यह मिथक जनता के चित्त या जातीय स्मृति में संचित रहते हैं। बाह्य और आन्तरिक परिस्थितियाँ बदलने पर मिथकों में परिस्थितियों के अनुकूल परिवर्तन कर लिया जाता है। इसलिए मिथक विकासशील हो जाते हैं।

47. स्थापना (A) : तुलसी के मत में-
'निर्गुण रूप सुलभ अति,सगुन जान नहि कोई।
सुगम अगम नाना चरित, सुनि मुनि-मन भ्रम होई॥'
तर्क (R) : क्योंकि सगुण साकार को उपासना और अनुभव के दायरे में लाना सहज है, जबकि निर्गुण-निराकार की उपासना और अनुभूति नितान्त कठिन।
(A) A और R दोनों सही (B) A सही R गलत
(C) A और R दोनों गलत (D) A गलत R सही
उत्तर – (C)

व्याख्या—स्थापना में निर्गुण को सुलभ/सुगम बताया गया है और सगुण को दुर्लभ। दुर्गम जबकि तर्क में सगुण को सुलभ। सुगम और निर्गुण को दुर्लभ दुर्गम बताया गया है। अतः स्थापना एवं तर्क में अन्तर्सम्बन्ध नहीं है।

48. स्थापना (A) : प्रयोगवाद केवल शिल्प का चमत्कार है।
तर्क (R) : क्योंकि प्रयोगवादी कविता में कई नए शिल्पगत प्रयोग किए गए।
(A) A गलत R सही (B) A और R दोनों सही
(C) A सही R गलत (D) A और R दोनों गलत
उत्तर – (A)

व्याख्या—प्रयोगवाद केवल शिल्प का चमत्कार नहीं है प्रयोगवादी कविता में कई नये सिद्धान्तों- नयी भाषा, नये विषय, छन्द मुक्ति, इत्यादि का शिल्पगत प्रयोग किया गया है।

49. स्थापना (A) : अनुभव की प्रामाणिकता दलित और स्त्री-लेखन की मूल शर्त है।
तर्क (R) : क्योंकि साहित्यकार वर्ग चेतना से प्रतिबद्ध होता है।
(A) A और R दोनों सही (B) A गलत R सही
(C) A सही R गलत (D) A गलत R गलत
उत्तर – (A)

व्याख्या—अनुभव की प्रामाणिकता का तात्पर्य है 'स्व' की अनुभूति। कहा जाता है कि दलित ही दलित के और स्त्री ही स्त्री के बारे में लिख सकती है यह लेखन दलित और स्त्री के द्वारा ही मानना इनकी मूल शर्त है। क्योंकि इनका लेखन करने वाला जो साहित्यकार होगा वह अपने वर्ग के प्रति प्रतिबद्ध होगा।

50. स्थापना (A) : जैसे विश्व में विश्वात्मा की अभिव्यक्ति होती है वैसे ही नाटक में रस की।
तर्क (R) : क्योंकि प्रेक्षक नाटक में आद्यन्त रस का अनुभव करता है।
(A) A सही R गलत (B) A और R दोनों गलत
(C) A गलत R सही (D) A और R दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या—जैसे विश्व की अभिव्यक्ति का मूल विश्वात्मा है वैसे ही नाटक की अभिव्यक्ति का मूल रस है। प्रेक्षक अन्ततः नाटक में रस का अनुभव ही कराता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2007

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. निम्नलिखित बोलियों में से कौन-सी बोली उत्तर प्रदेश में नहीं बोली जाती?

(A) अवधी (B) ब्रज
(C) मैथिली (D) खड़ी बोली

उत्तर – (C)

व्याख्या-

बोली	**बोली क्षेत्र**
मैथिली	**बिहार-**चम्पारन, मुजफ्फरपुर, मुंगेर भागलपुर, दरभंगा, पूर्णिया।
अवधी	**उ.प्र.**-फैजाबाद, अयोध्या, लखीमपुर खीरी, बहराइच, गोंडा, बाराबंकी, लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, सुल्तानपुर, रायबरेली, इलाहाबाद, जौनपुर, मिर्जापुर तथा प्रतापगढ़।
ब्रजभाषा	**उ.प्र.**- मथुरा, आगरा, अलीगढ़, बरेली, बदायूँ, एटा, मैनपुरी, गुड़गाँव, भरतपुर, करौली।
खड़ी बोली	**उ.प्र.**-मेरठ, बिजनौर, रामपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर, दिल्ली, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर।

2. हिन्दी को राजभाषा के रूप में मान्यता कब मिली?

(A) 26 जनवरी 1950 (B) 14 सितम्बर 1949
(C) 15 अगस्त, 1947 (D) 14 सितम्बर, 1955

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी को राजभाषा के रूप में 14 सितम्बर 1949ई. को मान्यता मिली थी। इसी तिथि को संविधान में हिन्दी को राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया गया था। 14 सितम्बर को ही प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाया जाता है।

3. 'छ' ध्वनि का उच्चारण स्थान है :

(A) दन्त्य (B) ओष्ठय
(C) तालव्य (D) वर्त्स्य

उत्तर – (C)

व्याख्या-वर्ण एवं उनके उच्चारण स्थान के आधार पर -

उच्चारण स्थान	**वर्ण**
कण्ठ्य (कण्ठ)	क,ख,ग,घ,ङ., अ, आ, ह, विसर्ग (:)
तालव्य (तालु)	च,छ,ज,झ,ञ,इ,ई,य,श,ज्ञ
मूर्धन्य या (मूर्द्धा)	ट,ठ,ड,ढ,ण,ऋ,र,ष
दन्त्य (दन्त)	त,थ,द,ध,न,ल़,ल,स
ओष्ठ्य (ओष्ठ)	प,फ,ब,भ,म,उ,ऊ
दन्तोष्ठ	व, फ
कण्ठतालु	ए, ऐ
कण्ठ मूर्द्धा	क्ष
कण्ठ ओष्ठ	ओ, औ
तालु मुर्द्धा	श्र
दन्त मूर्द्धा	त्र
अनुनासिक, नासिका, नासिक्य	ङ.ञ,ण,न,म, अनुस्वर (.)
दन्त तालव्य	ज़
अन्तस्थ व्यंजन	य,र,ल,व
उष्म व्यंजन	श, ष, स, ह
अर्ध स्वर	य, व
पार्श्विक	ल
लुण्ठित/प्रकंपित	र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. 'पुरानी हिन्दी' नामकरण किसने किया?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) इंशा अल्ला खाँ (D) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

उत्तर – (D)

व्याख्या–सर्वप्रथम चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने उत्तर अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' का नाम दिया। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'प्राकृताभाष' हिन्दी तथा भोलाशंकर व्यास ने हिन्दी के आरम्भिक रूप को 'अवहट्ट' कहा है।

5. किन रचनाकारों की भाषा को 'संध्याभाषा' कहा गया?

(A) बौद्ध-सिद्ध (B) जैन मुनि
(C) सन्त कवि (D) रासक परम्परा के कवि

उत्तर – (A)

व्याख्या–बौद्ध सिद्धों की भाषा को 'संध्याभाषा' कहा जाता है। यह नाम मुनिदत्त तथा अद्वयबज्र ने दिया है। अन्तः साधनात्मक भावनाओं को व्यक्त करने के कारण इनकी भाषा को संध्या भाषा कहा जाता है।

6. कौन-सी कृति जायसी की है?

(A) मधुमालती (B) मृगावती

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) कन्हावत (D) अनुराग बाँसुरी

उत्तर – (C)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्य ग्रंथकार**
कन्हावत		मलिक मुहम्मद जायसी
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
अनुराग बाँसुरी	1764 ई.	नूर मुहम्मद

7. हिन्दी साहित्य के आरम्भिक काल को सिद्ध-सामन्त काल किसने कहा?

(A) रामकुमार वर्मा (B) राहुल सांकृत्यायन
(C) गणपतिचन्द गुप्त (D) मिश्र बन्धु

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य के आरम्भिककाल या आदिकाल का नाम एवं नामकरणकर्ता निम्नवत है-

नाम	**नामकरणकर्ता**	**समय सीमा**
सिद्ध-सामन्त-काल	राहुल सांकृत्यायन	
सन्धि एवं चारण काल	रामकुमार वर्मा	693-943 ई.
आरम्भिक (उन्मेष) काल	मिश्र बन्धु	700-1444 ई.
प्रारम्भिक काल	गणपति चन्द गुप्त	1184-1350 ई.
चारणकाल	डॉ0 ग्रियर्सन	700-1318 ई.
बीजवपन काल	महावीर प्रसाद द्विवेदी	
आदिकाल	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	1000-1400 ई.
आधार काल	सुमन राजे	
वीरकाल	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	
अपभ्रंश काल	धीरेन्द्र वर्मा	
अन्धकाल	कपिल कुलश्रेष्ठ	
आधारकाल	मोहन अवस्थी	
संक्रमण या प्रवर्तन काल	राम खेलावन पाण्डेय	
वीरगाथा काल	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	993-1318 ई.

8. मध्वाचार्य किस सम्प्रदाय के संस्थापक हैं?

(A) द्वैत (B) अद्वैत
(C) शुद्धाद्वैत (D) विशिष्टाद्वैत

उत्तर – (A)

व्याख्या-

सम्प्रदाय	**प्रवर्तक**	**दर्शन**
श्री सम्प्रदाय	रामानुजाचार्य	विशिष्टा द्वैतवाद
ब्रह्म सम्प्रदाय	मध्वाचार्य	द्वैतवाद
रुद्र सम्प्रदाय	विष्णु स्वामी	शुद्धाद्वैतवाद
सनकादि सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य	द्वैताद्वैतवाद
रुद्र सम्प्रदाय	बल्लभाचार्य	शुद्धाद्वैतवाद

9. तुलसीदास की किस रचना का सम्बन्ध ज्योतिष से है?

(A) रामलला नहछू (B) जानकी मंगल
(C) हनुमान-बाहुक (D) रामाज्ञा प्रश्नावली

उत्तर – (D)

व्याख्या-गोस्वामी तुलसीदास (1532-1623) की रचना एवं उसका सम्बन्ध या रचना की विषयवस्तु -

रचना	**विषय वस्तु**
रामललानहछू	संस्कारों पर स्त्री गीत अर्थात सोहर, भगवान राम के जन्म के समय से सम्बन्धित है।
जानकी मंगल	भगवान राम-सीता के विवाह का वर्णन
हनुमान बाहुक	बाहु पीड़ा से मुक्ति के लिये हनुमान जी की स्तुति की गयी है।
रामाज्ञाप्रश्न	यह एक ज्योतिष ग्रंथ है।

10. निम्नलिखित में से कौन-से रीतिसिद्ध कवि हैं?

(A) देव (B) बिहारी
(C) मतिराम (D) पद्माकर

उत्तर – (B)

व्याख्या–मुख्यतः बिहारी की ही गणना रीतिसिद्ध कवियों में की जाती है। रीतिबद्ध कवियों में केशवदास, चिन्तामणि, देव, मतिराम पद्माकर, जसवंत सिंह, सेनापति इत्यादि कवि आते हैं। रीतिमुक्त कवियों में आलम, घनानन्द, ठाकुर, बोधा द्विजदेव आदि कवि आते हैं।

11. हिन्दी प्रदीप के सम्पादक थे :

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) प्रेमघन (D) राधाकृष्ण दास

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पत्र-पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.पा.सा./काशी
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873 ई.		मासिक/काशी
बालाबोधिनी	1874 ई.		मासिक/काशी
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन	मासिक/मिर्जापुर
नागरी नीरद	1893 ई.		साप्ताहिक/मिर्जापुर
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नोट-(1) राधाकृष्ण दास सरस्वती पत्रिका के सम्पादन मण्डल के सदस्य थे।
(2) 'सरस्वती' प्रथमतः काशी से प्रकाशित होती थी पुनः इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्यामसुन्दरदास थे तथा 1903 में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने।

12. 'शेर सिंह का शस्त्र समर्पण' के रचनाकार हैं:
(A) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (B) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) सुभद्रा कुमारी चौहान (D) जयशंकर प्रसाद
उत्तर – (D)

व्याख्या -

कविता	**प्रकाशन वर्ष**	**कवि**
शेरसिंह का शस्त्र समर्पण	–	जयशंकर प्रसाद
जूही की कली	1916	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
दिल्ली	1954	रामधारी सिंह दिनकर
झाँसी की रानी	–	सुभद्रा कुमारी चौहान

13. 'कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, जिससे उथल-पुथल मच जाए'-किसकी पंक्ति है
(A) बालकृष्ण शर्मा नवीन (B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) माखनलाल चतुर्वेदी (D) सोहनलाल द्विवेदी
उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	**पंक्तिकार**
कवि कुछ ....मच जाये	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
पराधीन रहकर अपना सुख, शोक न कह सकता है। वह अपमान जगत में केवल पशु ही सह सकता है।	रामनरेश त्रिपाठी
सखे, बता दो कैसे गाऊ, अमृत मौत का नाम न हो, जगे, एशिया, हिले विश्व और राजनीति का नाम न हो	माखन लाल चतुर्वेदी
न हाथ एक शस्त्र हो, न हाथ एक अस्त्र हो, न अन्न वीर वस्त्र हो, हटो नहीं, डरो नहीं, बढ़े चलो बढ़े चलो	सोहन लाल द्विवेदी

14. इनमें से कौन 'नकेनवादी' रचनाकार नहीं है?
(A) नलिन विलोचन शर्मा (B) केसरी कुमार
(C) केदारनाथ सिंह (D) नरेश
उत्तर – (C)

व्याख्या–नकेनवाद लगभग प्रयोगवाद के साथ-साथ चलने वाली काव्यधारा है। इसका स्वतंत्र आन्दोलन के रूप में 1956 ई. में सामने आया। इसका दूसरा नाम प्रपद्यवाद भी है। इसके संस्थापकों में तीन नाम प्रमुख है।

न	नलिन विलोचन शर्मा	(तीनों बिहार के)
के	केशरी कुमार	
न	नरेश	

जबकि केदारनाथ सिंह प्रयोगवाद से तथा तीसरा सप्तक के कवि हैं।

15. 'हरिजन गाथा' किसकी रचना है?
(A) धूमिल (B) नागार्जुन
(C) लीलाधर जगूड़ी (D) आलोक धन्वा
उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
हरिजन गाथा	–	नागार्जुन
ईश्वर की अध्यक्षता में	–	लीलाधर जगूड़ी
दुनिया रोज बनती है	1998 ई.	आलोक धन्वा
मोचीराम	–	सुदामा पाण्डे 'धूमिल'

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

16. इनमें से कौन सी रचना कृष्णा सोबती की है?
(A) विजन (B) आँवा
(C) जिन्दगीनामा (D) चितकोबरा
उत्तर – (C)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
जिन्दगीनामा	1979 ई.	कृष्णा सोबती
विजन	2002 ई.	मैत्रेयी पुष्पा
आवाँ	1999 ई.	चित्रा मुद्‌गल
चितकोबरा	1979 ई.	मृदुला गर्ग

17. 'ताज महल का टेंडर' किसका नाटक है?
(A) अजय शुक्ला (B) स्वदेश दीपक
(C) सुशील कुमार सिंह (D) विभुकुमार
उत्तर – (A)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
ताजमहल का टेंडर	1999 ई.	अजय शुक्ला
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक
सिंहासन खाली है	1974 ई.	सुशील कुमार सिंह
कहे ईसा सुने मुसा	1984 ई.	विभु कुमार

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

18. अनुमितिवाद की अवधारणा किसकी है?
(A) भट्टनायक (B) विश्वनाथ
(C) भट्ट लोल्लट (D) शंकुक
उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
सिद्धान्त/अवधारणा	**आचार्य**	**दर्शन**
अनुमितिवाद	शंकुक	न्याय दर्शन
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्टनायक	सांख्य दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा दर्शन
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव दर्शन
रस सिद्धान्त	भरतमुनि	–
साधारणीकरण	भट्टनायक	–
ध्वनि सिद्धान्त	आनन्दवर्धन	–

19. अलंकारों की काव्य का शोभाकारक धर्म किसने माना?

(A) भामह (B) दण्डी
(C) मम्मट (D) क्षेमेन्द्र

उत्तर – (B)

व्याख्या–'काव्य शोभाकरान धर्मान अलंकार प्रचक्षते' अर्थात् काव्य के शोभाकरक धर्म ही अलंकार हैं। यह कथन दण्डी का है। अलंकार सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक भामह हैं। जबकि 'अनलंकृती पुनःक्वापि' कथन मम्मट का है। 'औचित्य' सम्प्रदाय के प्रतिष्ठापक क्षेमेन्द्र हैं।

20. भक्ति को रस रूप में प्रतिष्ठित करने वाले आचार्य हैं :

(A) मधुसूदन सरस्वती (B) जीव गोस्वामी
(C) बल्लभाचार्य (D) रूप गोस्वामी

उत्तर – (D)

व्याख्या–भक्ति को रस रूप में प्रतिष्ठित करने वाले आचार्य रूप गोस्वामी एवं मधुसूदन सरस्वती दोनों हैं पर रूप गोस्वामी प्रमुख माने जाते हैं। रूपगोस्वामी अपने ग्रंथ 'हरिभक्ति रसामृत सिन्धु' में मुख्य और गौण दो प्रकार का भक्ति रस माना है। रूप गोस्वामी के अनुसार भक्ति 'परम रसरूपा' हैं।

तथ्य विविधा

21. निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम क्या है?

(A) कीर्तिलता, रामचरित मानस, रसराज, प्रिय-प्रवास
(B) प्रिय-प्रवास, रसराज, रामचरित मानस, कीर्तिलता
(C) रामचरित मानस, प्रिय-प्रवास, कीर्तिलता, रसराज
(D) रसराज, प्रिय-प्रवास, कीर्तिलता, रामचरित मानस

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशनवर्ष**	**ग्रंथकार**
कीर्तिलता	14वीं शताब्दी	विद्यापति
रामचरित मानस	1574 ई.	गोस्वामी तुलसीदास
रसराज	1663 ई.	मतिराम
प्रिय प्रवास	1914 ई.	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

22. निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) नए पत्ते, आँसू, ग्रंथि, ठंडा लोहा
(B) ठंडा लोहा, ग्रंथि, आँसू, नए पत्ते
(C) आँसू, ग्रंथि, नए पत्ते, ठंडा लोहा
(D) नए पत्ते, ठंडा लोहा, ग्रंथि, आँसू

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
काव्य कृति	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
ग्रन्थि	1920 ई.	सुमित्रानन्दन पंत
आँसू	1925 ई.	जयशंकर प्रसाद
नये पत्ते	1946 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
ठण्डा लोहा	1952 ई.	धर्मवीर भारती

नोट-जयशंकर प्रसाद कृत आँसू (1925 ई.) 133 छंदों का विरह प्रधान स्मृति काव्य है। इसे 'हिन्दी का मेघदूत' कहा जाता है।

23. निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) झूठा-सच, राग दरबारी, चन्द्रकांता, गोदान
(B) चन्द्रकांता, गोदान, झूठा-सच, राग दरबारी
(C) गोदान, राग दरबारी, झूठा-सच, चन्द्रकांता
(D) राग दरबारी, झूठा-सच, चन्द्रकांता, गोदान

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
चन्द्रकान्ता	1888 ई.	देवकीनंदन खत्री
गोदान	1936 ई.	प्रेमचन्द
झूठा सच	भाग एक-1958 भाग दो-1960	यशपाल
रागदरबारी	1968 ई.	श्रीलाल शुक्ल

24. निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) राम की लड़ाई, ध्रुव स्वामिनी, आधे-अधूरे, विद्या सुन्दर
(B) ध्रुव स्वामिनी, आधे-अधूरे, राम की लड़ाई, विद्या सुन्दर
(C) विद्या सुन्दर, राम की लड़ाई, आधे-अधूरे, ध्रुव स्वामिनी
(D) विद्या सुन्दर, ध्रुव स्वामिनी, आधे-अधूरे, राम की लड़ाई

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
विद्यासुन्दर	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
ध्रुवस्वामिनी	1833 ई.	जयशंकर प्रसाद
आधे-अधूरे	1969 ई.	मोहन राकेश
राम की लड़ाई	1979 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

25. निम्नलिखित पत्रिकाओं का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) पूर्वग्रह, कथादेश, मतवाला, हिन्दुस्तान
(B) हिन्दुस्तान, कथादेश, पूर्वग्रह, मतवाला
(C) मतवाला, हिन्दुस्तान, पूर्वग्रह, कथादेश
(D) कथादेश, पूर्वग्रह, मतवाला, हिन्दुस्तान

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पत्र-पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
मतवाला	1923 ई.	महादेव प्रसाद सेठ	साप्ताहिक/कलकत्ता
हिन्दुस्तान	1936 ई.	शशि शेखर	
पूर्वग्रह	1974 ई.	अशोक वाजपेयी	मासिक/भोपाल
कथा देश	1997 ई.	हरिनारायण	मासिक/दिल्ली

26. निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) तिरिछ, शरणागत, तीसरी कसम, उसने कहा था
(B) तीसरी कसम, तिरिछ, शरणागत, उसने कहा था
(C) उसने कहा था, शरणागत, तीसरी कसम, तिरिछ
(D) शरणागत, तीसरी कसम, तिरिछ, उसने कहा था

उत्तर – (C)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
उसने कहा था	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
शरणागत	1955 ई.	वृन्दावनलाल वर्मा
तीसरी कसम	1956 ई.	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
तिरिछ	1989 ई.	उदय प्रकाश

27. निम्नलिखित निबंधों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) चिन्तामणि, अशोक के फूल, छितवन की छांह, रस-आखेटक
(B) रस-आखेटक, अशोक के फूल, छितवन की छांह, चिन्तामणि
(C) चिन्तामणि, रस-आखेटक, छितवन की छांह, अशोक के फूल
(D) अशोके के फूल, छितवन की छांह, चिन्तामणि, रस-आखेटक

उत्तर – (A)

व्याख्या-

निबन्ध संग्रह	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
चिन्तामणि (भाग-1)	1939 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
अशोक के फूल	1948 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी
छितवन की छाँह	1953 ई.	विद्यानिवास मिश्र
रस-आखेटक	1970 ई.	कुबेरनाथ राय

28. निम्नलिखित का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) अस्तित्ववाद, संरचनावाद,यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद
(B) यथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद,अस्तित्ववाद, संरचनावाद
(C) मनोविश्लेषणवाद,संरचनावाद, अस्तित्ववाद, यथार्थवाद
(D) संरचनावाद,यथार्थवाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद

उत्तर – (D)

व्याख्या-

सिद्धान्त	प्रवर्तक	समय
संरचनावाद	विको	1725 ई.
यथार्थवाद	वाल्जाक (फ्रांस) जार्ज एलियट (ब्रिटेन) हावेल (अमेरिका)	19वीं शताब्दी
अस्तित्ववाद	कीर्केगार्द/पास्कल	1813-55 ई.
मनोविश्लेषणवाद/ फ्रायडवाद	सिगमंड फ्रायड	1856-1939 ई.

29. इन रचनाओं को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) रेखाएं बोल उठी — (i) महादेवी वर्मा
(B) अतीत के चलचित्र — (ii) रामकुमार वर्मा
(C) जिन्दगी मुसकाई — (iii) देवेन्द्र सत्यार्थी
(D) मील का पत्थर — (iv) श्रीलाल शुक्ल
(v) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	v	i	iv
(B)	iii	ii	v	iv
(C)	v	iv	i	iii
(D)	iii	i	v	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
रेखाएँ बोल उठीं	1949 ई.	देवेन्द्र सत्यार्थी	रेखाचित्र
अतीत के चलचित्र	1941 ई.	महादेवी वर्मा	रेखाचित्र
जिन्दगी मुसकाई	1953 ई.	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	संस्मरण
मील का पत्थर		रामकुमार वर्मा	
अगली शताब्दी का शहर	1996 ई.	श्रीलाल शुक्ल	निबन्ध संग्रह

30. इन साहित्येतिहास ग्रन्थों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) हिन्दी साहित्य का नया इतिहास — (i) रामकुमारवर्मा
(B) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — (ii) गणपति चन्द्र गुप्त

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (iii) रामस्वरूप चतुर्वेदी

(D) हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास (iv) लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

(v) बच्चन सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	ii	i	iii
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	iii	i	v	ii
(D)	ii	iv	iii	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

इतिहास ग्रन्थ	**प्रकाशन वर्ष**	**इतिहासकार**
हिन्दी साहित्य का नया इतिहास		बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	दो भाग- 1965 ई.	गणपतिचन्द्र गुप्त
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	1986 ई.	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दुई साहित्य का इतिहास (अनुवादित)	1952 ई.	लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

31. इन काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक (i) दिनकर

(B) साँप तुम सभ्य हुए नहीं (ii) धूमिल

(C) एक आदमी रोटी बेलता है (iii) निराला

(D) श्वानों को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं (iv) नागार्जुन

(v) अज्ञेय

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	v	i	iv	iii
(C)	iii	v	ii	i
(D)	i	ii	v	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	**कवि**
पेट पीठ दोनों मिलकर है एक	निराला
साँप तुम सभ्य तो हुए नहीं	अज्ञेय
एक आदमी रोटी बेलता है	धूमिल
श्वानो को मिलता दूध भात भूखे बालक अकुलाते हैं	दिनकर
घुन खाये शहतीरों पर बारह खड़ी विधाता बाँचे	नागार्जुन

32. इन काव्य पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) अति सूधो सनेह को मारग है (i) पदमाकर

(B) साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि (ii) भिखारी दास

(C) गुलगुली गिल में गलीचा है गुनीजन है (iii) भूषण

(D) आगे के कवि रीझिहै तो कविताई न तो राधिका कन्हाई सुमिरन को बहानौ है (iv) बोधा

(v) घनानन्द

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	iii	v
(B)	v	iii	iv	i
(C)	ii	v	i	iii
(D)	v	iii	i	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	**पंक्तिकार**
अति सूधो सनेह को मारग है	घनानन्द
साजि चतुरंग वीर रंग में तुरंग चढ़ि	भूषण
गुलगुली गिल में गलीचा है गुनीजन है	पद्माकर
आगे के कवि ....बहानौ है	भिखारीदास
अति खीन मृनाल के तारहु ते नहिं ऊपर पाँव दै आवनो है। यह प्रेम को पंथ कराल महा तरवारि की धार पै धावनो है।।	बोधा

33. इन रचनाओं को उनकी काव्य भाषा के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) विजयपाल रासो (i) हिन्दवी

(B) चर्यागीत (ii) अपभ्रंश

(C) कीर्तिलता (iii) संधाभाषा

(D) खुसरों की पहेलियाँ (iv) मैथिली

(v) ब्रजभाषा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	iv	i
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	iii	v	i	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या

रचना	रचनाकार	भाषा
विजयपाल रासो	नल्ल सिंह	अपभ्रंश
चर्यागीत कोश	सरहपा	संधा भाषा
पदावली	विद्यापति	मैथिली
खुसरो की पहेलियाँ	अमीर खुसरो	हिन्दवी
कीर्तिलता	विद्यापति	अवहट्ठ

नोट-चर्यागीत कोश सरहपा की रचना तथा चर्यापद शबरपा की रचना है।

34. इन संस्थाओं को उनके स्थानों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) नागरी प्रचारिणी सभा (i) दिल्ली
(B) साहित्य अकादमी (ii) मद्रास
(C) एशियाटिक सोसायटी (iii) काशी
(D) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति (iv) कलकत्ता
(v) वर्धा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	ii
(B)	i	iii	v	iv
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	iii	i	iv	v

उत्तर – (D)

व्याख्या-

संस्था	प्रकाशन वर्ष	स्थान
नागरी प्रचारिणी सभा	1893 ई.	काशी
साहित्य अकादमी	1954 ई.	दिल्ली
एशियाटिक सोसायटी	1784 ई.	कलकत्ता
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति	1936 ई.	वर्धा
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार संस्था	1915 ई.	मद्रास

35. इन नाटकों को उनके नाटककारों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) कोमली गांधार (i) भीष्म साहनी
(B) मुक्ति का रहस्य (ii) सुरेन्द्र वर्मा
(C) करफ्यू (iii) लक्ष्मीनारायण मिश्र
(D) माधवी (iv) शंकर शेष
(v) लक्ष्मीनारायण लाल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	v	i
(B)	ii	v	i	iii
(C)	iv	ii	v	i
(D)	i	iii	ii	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
कोमली गांधार	1982 ई.	शंकरशेष
मुक्ति का रहस्य	1932 ई.	लक्ष्मी नारायण मिश्र
करफ्यू	1972 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल
माधवी	1955 ई.	भीष्म साहनी
द्रौपदी	1972 ई.	सुरेन्द्र वर्मा

36. इन चरित्रों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) सुन्दरी (i) चन्द्रगुप्त
(B) कल्याणी (ii) देहान्तर
(C) उर्वी (iii) शकुन्तला की अंगूठी
(D) कनक (iv) लहरों के राज हंस
(v) पहला राजा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	v	iii
(B)	iii	ii	i	v
(C)	v	i	iii	ii
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार	पात्र
लहरों के राजहंस	1963 ई.	मोहन राकेश	सुन्दरी, नंद, अलका, श्यामांग
चन्द्रगुप्त	1931 ई.	जयशंकर प्रसाद	कल्याणी, चाणक्य, अलका, सुवासिनी
पहला राजा	1969 ई.	जगदीशचन्द्र माथुर	उर्वी, पृथु, शुक्राचार्य
शकुन्तला की अंगूठी	1990 ई.	सुरेन्द्र वर्मा	कनक
देहान्तर	1987 ई.	नन्द किशोर आचार्य	शर्मिष्ठा, ययाति देवयानी, पुरु

37. इन कविताओं को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) परिवर्तन (i) अज्ञेय
(B) यमुना के प्रति (ii) पंत

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(C) पेशोला की प्रतिध्वनि (iii) निराला
(D) सोन मछली (iv) धर्मवीर भारती
(v) प्रसाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	v
(B)	iii	v	ii	i
(C)	ii	iii	v	i
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
कविता	**कवि**
परिवर्तन	सुमित्रानंदन पंत
यमुना के प्रति	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
पेशोला की प्रतिध्वनि	जयशंकर प्रसाद
सोन मछली	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
प्रमथ्युगाथा	धर्मवीर भारती

38. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए।
(A) पहल (i) कमला प्रसाद
(B) वसुधा (ii) नन्द किशोर नवल
(C) तद्भव (iii) ज्ञान रंजन
(D) कथाक्रम (iv) अखिलेश
(v) शैलेन्द्र सागर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	v
(B)	iii	i	iv	v
(C)	v	ii	i	iii
(D)	iii	i	v	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या-			
पत्र/पत्रिका	**स्थापना वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
पहल	1960 ई.	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जयपुर
वसुधा	1953 ई.	कमला प्रसाद	–
तद्भव	1999 ई.	अखिलेश	त्रैमासिक/लखनऊ
कथाक्रम	2000 ई.	शैलेन्द्र सागर	त्रैमासिक/लखनऊ
कसौटी	1999 ई.	नन्दकिशोर नवल	–

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न संख्या 46 से 50 तक) के उत्तरों के लिए दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें-
शील हृदय की वह स्थायी स्थिति है जो सदाचार की प्रेरणा आप से आप करती है। सदाचार ज्ञान द्वारा प्रवर्तित हुआ है या भक्ति द्वारा, इसका पता यों लग सकता है कि ज्ञान द्वारा प्रवर्तित जो सदाचार होगा, उसका साधन बड़े कष्ट से- हृदय को पत्थर के नीचे दबाकर- किया जायेगा; पर भक्ति द्वारा प्रवर्तित जो सदाचार होगा, उसका अनुष्ठान बड़े आनन्द से, बड़ी उमंग के साथ, हृदय से होता हुआ दिखाई देगा। उसमें मन को मारना न होगा, उसे और सजीव करना होगा। कर्तव्य और शील का वही आचरण सच्चा है जो आनन्दपूर्वक हर्षपुलक के साथ हो।

39. सदाचार किन से प्रवर्तित होता है?
(A) प्रेम और भक्ति द्वारा (B) भक्ति और धर्म द्वारा
(C) धार्मिक भावना द्वारा (D) ज्ञान और भक्ति द्वारा
उत्तर – (D)

व्याख्या–सदाचार ज्ञान और भक्ति के द्वारा प्रवर्तित होता है।

40. भक्ति द्वारा प्रवर्तित सदाचार का अनुष्ठान कैसे होता है?
(A) आनन्द से और हृदय से (B) कष्ट से किन्तु हृदय से
(C) ज्ञान और हृदय से (D) भक्ति और ज्ञान से
उत्तर – (A)

व्याख्या–भक्ति द्वारा प्रवर्तित सदाचार का अनुष्ठान बड़े आनन्द से तथा बड़ी उमंग के साथ हृदय से होता हुआ दिखाई देता है।

41. ज्ञान द्वारा प्रवर्तित सदाचार का पता कैसे लगता है?
(A) हृदय को साथ लेकर
(B) कष्टपूर्वक हृदय को दबाकर
(C) प्रेमपूर्वक हृदय को दबाकर
(D) बुद्धि के प्रयोग द्वारा
उत्तर – (B)

व्याख्या–ज्ञान द्वारा प्रवर्तित सदाचार का पता कष्टपूर्वक हृदय को दबाकर किया जाता है।

42. कर्तव्य और शील का कौन-सा आचरण सच्चा है?
(A) जो ज्ञान और बुद्धि से युक्त हो
(B) जो हृदय और बुद्धि से युक्त हो
(C) जो आनन्द और हर्ष से युक्त
(D) जो कर्तव्य ज्ञान से युक्त हो
उत्तर – (C)

व्याख्या–कर्तव्य और शील का वही आचरण सच्चा है जो आनन्द और हर्ष से युक्त हो।

43. हृदय की वह कौन-सी स्थायी दशा है जो सदाचार को प्रेरित करती है?
(A) प्रेम दशा (B) शील दशा
(C) ज्ञान दशा (D) भक्ति
उत्तर – (B)

व्याख्या–शील हृदय की वह स्थायी दशा है जो सदाचार को आप से आप ही प्रेरित करती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 44 से 50 तक दी गई स्थापनाओं (Assertion) और तर्कों (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

44. स्थापना (Assertion) A : मिथक सामूहिक जीवन का संचित अनुभव है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि इसे सामाजिक स्तर पर विश्वास का व्यापक आधार प्राप्त होता है।
(A) A सही R गलत (B) A गलत R सही
(C) A गलत R दोनों गलत (D) A और R दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–मिथक लोक प्रचलित पौराणिक कथायें ही हैं। मिथक सामूहिक जीवन अर्थात् समाज का संचित अनुभव होता है। मिथक का सामाजिक स्तर पर विश्वास का व्यापक आधार होता है। क्योंकि यह पौराणिक कथाओं का आधार लेकर धर्म से जुड़ा होता है।

45. स्थापना (Assertion) A : उत्तर आधुनिकता के अनुसार तकनीक मनुष्यता की शत्रु है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि इससे मानव की नैसर्गिकता समाप्त हो गई और उसका अपनी प्रकृति से अलगाव हो गया।
(A) A और R दोनों गलत (B) A सही R गलत
(C) A गलत R सही (D) A और R दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–उत्तर आधुनिक विमर्श के केन्द्र में प्रौद्योगिकी (तकनीकी) और उपभोगवाद (बाजारवाद) है। यह तकनीकी मनुष्य की शत्रु हो गयी है और बाजारवाद ने मनुष्य को एक संसाधन बना दिया है। इससे मानव नैसर्गिकता का अन्त हो रहा है और वह प्रकृति से अलग हो रहा है।

46. स्थापना (Assertion) A : 'संसार में मनुष्य जाति के बीच कविता हृदय के भावों को लेकर ही उठी है।' यह धारणा आज तक चली आ रही है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कविता का सम्बन्ध कल्पना से है, यथार्थ से नहीं।
(A) A और R दोनों गलत (B) A सही R गलत
(C) A और R दोनों सही (D) A गलत R सही
उत्तर – (B)

व्याख्या–संसार में मनुष्य जाति के बीच कविता का उद्गम मनुष्य हृदय में उत्पन्न हुये भावों से ही माना जाता है। कविता का सम्बन्ध कल्पना और यथार्थ दोनों से है।

47. स्थापना (Assertion) A : काव्य की आत्मा रस है और गुण रस के धर्म हैं।
तर्क (Reason) R : क्योंकि गुण रस के उपकारक हैं।
(A) A सही R गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A गलत R सही
उत्तर – (B)

व्याख्या–काव्य की आत्मा रस है। इस सन्दर्भ में आचार्य विश्वनाथ भी कहते हैं 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' अर्थात् रसात्मक वाक्य ही काव्य है। रस के धर्म निर्वहण करने वाले तत्त्व को गुण कहा जाता है। गुण को रस का उपकारक भी माना जाता है।

48. स्थापना (Assertion) A : खण्ड काव्य में जीवन का खण्ड-चित्र प्रस्तुत किया जाता है।
तर्क (Reason) R : इसीलिए यह चरित काव्य का एक विशेष भेद है।
(A) A और R दोनों गलत (B) A गलत R सही
(C) A सही R गलत (D) A और R दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–खण्ड काव्य में किसी भी महान या प्रसिद्ध व्यक्ति के जीवन का एक खण्ड (भाग हिस्सा) प्रस्तुत किया जाता है तथा उनके जीवन में घटित होने वाली किसी एक घटना को चित्रित किया जाता है। क्योंकि यह उसके चरित्र-चित्रण से सम्बन्धित होता है इसलिये चरित काव्य का एक भेद माना जाता है।

49. स्थापना (Assertion) A : जिस नायिका के शरीर में नव यौवन का प्रवेश हो रहा हो, उसे मुग्धा नायिका कहते हैं और उसमें लज्जा भाव बड़ा प्रबल होता है।
तर्क (Reason) R : इसी कारण उसे परकीया नायिका की कोटि में गिना जाता है।
(A) A सही R गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A गलत R अंशतः सही
उत्तर – (A)

व्याख्या–नव यौवनायुक्त नायिका या 16-18 वर्ष की नायिका को मुग्धा नायिका कहा जाता है। ऐसी नायिका में लज्जा की अधिकता होता है। मात्र इसी कारण उस नायिका को परकीया नहीं कहा जा सकता है।

50. स्थापना (Assertion) A : रूपक में कार्यावस्था एवं अर्थप्रकृति को मिलाने वाला तत्व संधि है।
तर्क (Reason) R : क्योंकि कथांशो का सम्बन्ध एक ओर अर्थप्रकृति से होता है तो दूसरी ओर कार्यावस्था से।
(A) A गलत R सही (B) A सही R गलत
(C) A और R दोनों गलत (D) A और R दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–नाटक या रूपक के कथा-विन्यास के तीन आधार होते हैं।
1. कार्यावस्था-कार्य की सिद्धि के लिये नायक सन्दर्भित घटनाएँ 'कार्यावस्था' है।
2. अर्थप्रकृति-नाटक या रूपक में फल प्रयोजन की सिद्धि के लिये मिलकर व्यापार करने वाली घटनायें 'अर्थप्रकृति' कहलाती हैं।
3. संधि-एक प्रयोजन की कथावस्तु को दूसरे प्रयोजन की कथावस्तु के अंश से सम्बन्धित करने की कला 'संधि' कहलाती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2006

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] **[पूर्णाङ्क : 100**

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्नों के दो (2) अंक निर्धारित हैं। विद्यार्थी सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. खड़ी बोली कहाँ बोली जाती है?

(A) झांसी (B) कानपुर
(C) मेरठ (D) अलीगढ़

उत्तर – (C)

व्याख्या–खड़ी बोली का क्षेत्र- मेरठ, रामपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, दिल्ली, तथा गाजियाबाद आदि हैं।

2. नागरी लिपि का विकास किस लिपि से हुआ है?

(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) नागरीलिपि (D) हिब्रू

उत्तर – (B)

व्याख्या–लिपि का विकास-

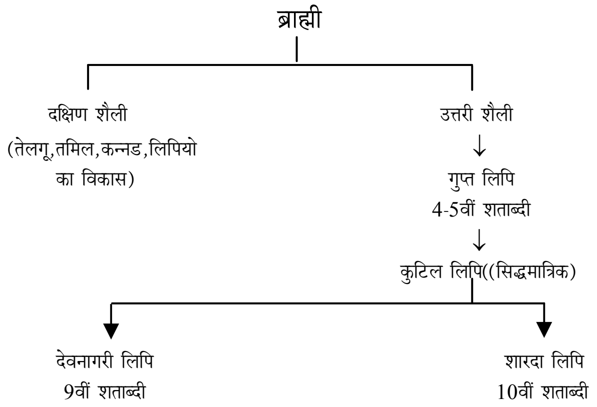

नोट-देवनागरी का सर्वप्रथम प्रयोग गुजरात के राजा जयभट्ट (7वीं-8वीं शताब्दी ई.) के एक शिलालेख में हुआ है।

3. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय कहाँ है?

(A) वर्धा (B) बैंगलोर
(C) हैदराबाद (D) मद्रास

उत्तर – (D)

व्याख्या–दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय मद्रास (चेन्नई) में है। इसकी स्थापना महात्मा गाँधी द्वारा सन् 1927 ई. में दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए किया गया था। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का पूर्व नाम 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन था।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. गोस्वामी गोकुल नाथ द्वारा लिखित ग्रंथ का नाम है :

(A) ज्ञानमंजरी (B) हितोपदेश
(C) भुवन दीपिका (D) चौरासी वैष्णवों की वार्ता

उत्तर – (D)

व्याख्या–गोस्वामी गोकुलनाथ द्वारा ग्रंथ- चौरासी वैष्णवन की वार्ता तथा दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता है।

5. 'आल्हाखण्ड' का रचयिता कौन है?

(A) चन्दबरदाई (B) जगनिक
(C) नरपति नाल्ह (D) अब्दुल रहमान

उत्तर – (B)

व्याख्या-

रचना	रचनाकाल	रचनाकार
परमाल रासो (आल्ह खण्ड)	1230 ई.	जगनिक
पृथ्वीराज रासो	1192 ई.	चन्दवरदाई
बीसलदेव रासो	1212 ई.	नरपति नाल्ह
संदेश रासक	12-13 शताब्दी	अब्दुल रहमान

6. इनमें से कौन 'आलवार' महिला संत है?

(A) आंडाल (B) अज्कामाशी
(C) सहजोबाई (D) मीराबाई

उत्तर – (A)

व्याख्या–अलवार सन्त दक्षिण के वैष्णव संत हैं इनकी संख्या 12 है। आण्डाल दक्षिण की अलवार महिला संत हैं। जबकि सहजोबाई तथा मीराबाई उत्तर भारत की महिला संत कवि है।

7. तुलसीकृत कृष्ण काव्य कौन सा है?

(A) कृष्णायन (B) कृष्ण चरित
(C) कृष्ण चन्द्रिका (D) कृष्ण गीतावली

उत्तर – (D)

व्याख्या–'कृष्ण गीतावली' तुलसीदास जी का कृष्ण काव्य पर रचित ग्रंथ है। कृष्णायन (1943) द्वारका प्रसाद मिश्र का महाकाव्य है।

8. 'प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी' किसकी पंक्ति है

(A) संत दादूदयाल (B) रैदास
(C) संत पीपा (D) संत पलटू दास

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	कवि
प्रभुजी तुम चंदन हम पानी	रैदास
घायल की गति घायल जानै और न जानै कोई	मीराबाई

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

9. इनमें से कौन रीतिबद्ध नहीं है?
(A) मतिराम (B) केशवदास
(C) घनानन्द (D) चिन्तामणि
उत्तर – (C)

व्याख्या–रीति काल के रीतिबद्ध काव्य धारा के कवि- केशवदास (1555-1617), सेनापति, जसवंत सिंह (1626-1688), मतिराम (1617-1701), देव (1673-1767), भिखारीदास, पद्माकर (1653-1833), **रीतिकाल के रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि -** शेखआलम, घनानन्द (1689-1739), बोधा, ठाकुर (1766-1833), द्विजदेव (1820-1869), **रीतिकाल के रीतिसिद्ध काव्य धारा के कवि -** बिहारी लाल (1595-1663)

10. कौन सा लेखक भारतेन्दु मंडल का नहीं है?
(A) प्रतापनारायण मिश्र (B) बालकृष्ण भट्ट
(C) प्रेमधन (D) श्रीधर पाठक
उत्तर – (D)

व्याख्या–भारतेन्दु एवं उनका मण्डल-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रतापनारायण मिश्र, ठाकुर जगमोहन सिंह, नवनीत चतुर्वेदी, अम्बिकादत्त व्यास, राधाकृष्ण दास आदि। जबकि श्रीधर पाठक द्विवेदी युगीन स्वच्छन्दतावादी कवि थे।

11. 'एक भारतीय आत्मा' नाम से कविता की रचना की :
(A) मैथिलीशरण गुप्त ने (B) माखनलाल चतुर्वेदी ने
(C) सोहन लाल द्विवेदी ने (D) बाल कृष्ण शर्मा नवीन ने
उत्तर – (B)

व्याख्या–'एक भारतीय आत्मा' कविता माखन लाल चतुर्वेदी की रचना है। माखनलाल चतुर्वेदी का उपनाम भी **'एक भारतीय आत्मा'** है। सन् 1963 ई. में इन्हें पद्म भूषण की उपाधि से सम्मानित किया गया।

कवि	उपनाम
बालकृष्ण शर्मा	नवीन
मैथिलीशरण गुप्त	मधुप, राष्ट्रकवि, रसिकेन्द्र

12. इनमें से कौन सा नाम सही है?
(A) पहला तारसप्तक (B) दूसरा तारसप्तक
(C) तारसप्तक (D) तीसरा तारसप्तक
उत्तर – (C)

व्याख्या–तार सप्तक (1943) - दूसरा सप्तक (1951) - तीसरा सप्तक (1959) - चौथा सप्तक (1979), इन सभी सप्तकों का सम्पादन सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने किया है।

13. प्रपद्यवाद किसका पर्याय है?
(A) नई कविता (B) नकेनवाद
(C) अकविता (D) प्रयोगवाद
उत्तर – (B)

व्याख्या–प्रपद्यवाद (1956 ई.) को नकेनवाद भी कहते हैं। प्रपद्यवाद का प्रवर्तन नलिन विलोचन शर्मा ने किया था। बिहार के तीन कवि नलिन विलोचन शर्मा, केशरी कुमार और नरेश के नाम के प्रथम अक्षरों को आधार मानकर 'नकेन' बनता है।

अकविता (1965) के प्रवर्तक जगदीश चतुर्वेदी, प्रयोगवाद (1943) के प्रवर्तक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' तथा नयी कविता (1954) नाम अज्ञेय का अपनी एक रेडियो वार्ता में सर्वप्रथम प्रयोग किया एवं नयी कविता (1954) का आरम्भ जगदीश गुप्त द्वारा सम्पादित 'नयी कविता' पत्रिका के प्रकाशन से माना जाता है।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

14. अज्ञेय की कौन सी रचना यात्रा पर आधारित है?
(A) एक बूंद सहसा उछली (B) आत्मनेपद
(C) बावरा अहेरी (D) जयदोल
उत्तर – (A)

व्याख्या–सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (1911-1987) की रचना, विधा एवं प्रकाशन वर्ष-

रचना	प्रकाशन वर्ष	विधा
अरे यायावर रहेगा याद एक बूँद सहसा उछली	1953 1960	यात्रा-साहित्य यात्रा-साहित्य
आत्मनेपद	1960	आलोचना
बावरा अहेरी	1954	काव्य संग्रह
जयदोल	1951	कहानी संग्रह

15. कौन सी रचना शमशेर बहादुर सिंह की है?
(A) पीली छतरी वाली लड़की (B) पीली रात
(C) पीली आंधी (D) एक पीली शाम
उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
पीली छतरी वाली लड़की	2001	उदयप्रकाश	कहानी संग्रह
पीली आँधी	1996	प्रभा खेतान	उपन्यास
एक पीली शाम	–	शमशेर बहादुर	कविता

16. 'कटरा बी आर्जू' किसकी रचना है?
(A) असगर वजाहत (B) गुलशेरखां शानी
(C) राही मासूम रज़ा (D) अब्दुल बिस्मिल्ला
उत्तर – (C)

व्याख्या–<u>राही मासूम रजा के उपन्यास-</u>आधा गाँव (1966), टोपी शुक्ला (1969), हिम्मत जौनपुरी (1969), ओस की बूँद (1973), सीन 75 (1977) कटरा बी. आर्जू (1978), असंतोष के दिन (1985), नीम के पेड़ (2003)।
<u>गुलशेर खाँ 'शानी' के उपन्यास-</u>काला जल (1965), कस्तूरी (1964), पत्थरों में बन्द आवाज (1964), साल बनो का द्वीप (1967), नदी और सीपियाँ (1970), एक लड़की की डायरी (1973), फूल तोड़ना मना है (1980) साँप और सीढ़ी (1983)।
<u>अब्दुल विस्मिल्ला के उपन्यास-</u>समर शेष है (1980), झीनी झीनी बीनी चदरिया (1986), जहरवाद (1987), दंतकथा (1990), मुखड़ा क्या देखे (1996), अपवित्र आख्यान (2008), रावी लिखता है।
<u>असगर वजाहत के उपन्यास-</u>सात आसमान (1996), कैसी आग लगाई (2004), मनमाटी (2011) बरखा रचाई।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

17. 'नेपथ्य राग' किसका नाटक है?
(A) मीराकान्त (B) मृणाल पाण्डेय
(C) त्रिपुरारी शर्मा (D) कुसुम कुमार
उत्तर – (A)

व्याख्या–मीराकांत के नाटक - नेपथ्य राग (2004), अंतहाजिर हो, कन्धे पर बैठा शाप
मृणाल पाण्डेय के नाटक - जो राम रचि राखा (1981), मौजूदा हालात को देखते हुए (1979) आदमी जो मछुआरा नहीं था (1883)।
कुसुम कुमार के नाटक - संस्कार को नमस्कार, ओम क्रान्ति क्रान्ति, सुनों शेफाली, दिल्ली ऊँचा सुनती है, रावणलीला, मादामिट्टी, पवन चतुर्वेदी की डायरी, सलामी मंच एवं लश्कर चौक (1979)।
त्रिपुरारी शर्मा के नाटक-काठ की गाड़ी, बाँझ घाटी

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

18. रुद्रट वक्रोक्ति को शब्दालंकार मानते हैं, इसे अर्थालंकार किसने माना है?
(A) दण्डी (B) क्षेमेन्द्र
(C) वामन (D) आनन्दवर्धन
उत्तर – (A)

व्याख्या–वक्रोक्ति को रुद्रट शब्दालंकार मानते हैं जबकि दण्डी वक्रोक्ति को अर्थालंकार मानते हैं। वामन 'रीति सम्प्रदाय',क्षेमेन्द्र 'औचित्य सम्प्रदाय' तथा आनन्दवर्धन ध्वनिसम्प्रदाय, के प्रवर्तक आचार्य हैं।

19. इनमें से कौन भरतमुनि के रस-सूत्र का व्याख्याकार है?
(A) मम्मट (B) भट्टलोल्लट
(C) भामह (D) क्षेमेन्द्र
उत्तर – (B)

व्याख्या– सूत्र– विभावनुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पन्तिः।
भरतमुनि (रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक)
↓
व्याख्याकार (क्रम से)– भट्ट लोल्लट
↓
भट्ट शंकुक
↓
भट्टनायक
↓
अभिनवगुप्त

तथ्य विविधा

20. 'प' ध्वनि का उच्चारण स्थान है :
(A) दन्त्य (B) ओष्ठ्य
(C) मूर्धन्य (D) कंठ्य
उत्तर – (B)

व्याख्या- उच्चारणा स्थान के आधार पर -

स्थान	**ध्वनि**
कण्ठ्य (कण्ठ से)	क, ख, ग, घ, ङ
तालव्य (तालु से)	च, छ, ज, झ, ञ, य, श
मूर्धन्य (तालु के मूर्धा भाग से)	ट, ठ, ड, ढ, ण, र, ष
दन्त्य (दाँतों के मूर्धा भाग से)	त, थ, द, ध, न, ल, स
वर्त्स्य (दन्त मूल से)	न, स, र, ल
ओष्ठय (दोनों होठो से)	प, फ, ब, भ, म
दन्तोष्ठ्य	व, फ
स्वर यन्त्रीय (काकल्प)	क

21. निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम क्या है?
(A) पहला राजा, बकरी, स्कन्दगुप्त, कोर्टमार्शल
(B) कोर्टमार्शल, स्कन्दगुप्त, पहला राजा, बकरी
(C) स्कन्दगुप्त, पहला राजा, बकरी, कोर्टमार्शल
(D) बकरी, कोर्टमार्शल, पहला राजा, स्कन्दगुप्त
उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**
स्कन्दगुप्त	1928	जयशंकर प्रसाद
पहला राजा	1969	जगदीशचन्द्र माथुर
बकरी	1974	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
कोर्ट मार्शल	1991	स्वदेश दीपक

22. निम्नलिखित कविताओं का सही अनुक्रम क्या है?
(A) मुक्ति-प्रसंग, संसद से सड़क तक, अपनी केवल धार, आवज की भी जगह है
(B) संसद से सड़क तक, आवाज की भी जगह है, मुक्ति प्रसंग, अपनी केवल धार
(C) अपनी केवल धार, आवाज की भी जगह है, मुक्ति-प्रसंग, संसद से सड़क तक
(D) आवाज की भी जगह है, संसद से सड़क तक, मुक्ति-प्रसंग, अपनी केवल धार
उत्तर – (B)

व्याख्या-

कविता	**प्रकाशन वर्ष**	**कवि**
संसद से सड़क तक	1972	धूमिल 'सुदामा पाण्डेय
आवाज की भी जगह है		
मुक्ति प्रसंग		राजकमल चौधरी
अपनी केवल धार	1980	अरुण कमल

23. निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) पानी के प्राचीर, जंगल जहाँ से शुरू होता है, मैला-आंचल, लोकऋण
(B) लोकऋण, मैला-आंचल, जंगल जहाँ से शुरू होता है, पानी के प्राचीर
(C) जंगल जहाँ से शुरू होता है, लोकऋण, पानी के प्राचीर, मैला-आंचल
(D) मैला-आंचल, पानी के प्राचीर, लोकऋण, जंगल जहाँ से शुरू होता है
उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-		
निबंध	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
मैला आँचल	1954	फणीश्वरनाथ रेणु
पानी के प्राचीर	1961	रामदरश मिश्र
लोक ऋण	1977	विवेकीराय
जंगल जहां शुरू होता है	2000	संजीव

24. निम्नलिखित पत्रिकाओं के प्रकाशन का सही अनुक्रम क्या है?

(A) हंस, आलोचना, रविवार, सरस्वती
(B) आलोचना, सरस्वती, रविवार, हंस
(C) रविवार, हंस, सरस्वती, आलोचना
(D) सरस्वती, हंस, आलोचना, रविवार

उत्तर – (D)

व्याख्या-			
पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
सरस्वती	1900	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी
हंस	1930	प्रेमचन्द	मासिक/बनारस
आलोचना	1951	शिवदान सिंह चौहान	त्रैमासिक/दिल्ली
रविवार			

25. निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम कौन-सा है?

(A) कफन, वापसी, पुरस्कार, राजा निरबंशिया
(B) वापसी, कफन, राजा निबंशिया, पुरस्कार
(C) राजा निरबंशिया, वापसी, पुरस्कार, कफन
(D) पुरस्कार, कफन, राजा निरवंशिया, वापसी

उत्तर – (D)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
पुरस्कार		जयशंकर प्रसाद
कफन	1936	प्रेमचन्द
राजा निरबंसिया	1957	कमलेश्वर
वापसी	1960	ऊषा प्रियंवदा

26. निम्नलिखित निबंधों का सही अनुक्रम कौन सा है?

(A) प्रबंध-प्रतिमा, अतीत के चलचित्र, ठेले पर हिमालय, प्रिया-नीलकंठी
(B) अतीत के चलचित्र, प्रिया-नीलकंठी, ठेले पर हिमालय, प्रबंध-प्रतिमा
(C) ठेले पर हिमालय, प्रिया-नीलकंठी, प्रबंध-प्रतिमा, अतीत के चलचित्र
(D) प्रिया-नीलकंठी, ठेले पर हिमालय, प्रबंध-प्रतिमा, अतीत के चलचित्र

उत्तर – (A)

व्याख्या-		
निबन्ध	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
प्रबन्ध प्रतिमा	1940	निराला
अतीत के चलचित्र (रेखाचित्र)	1941	महादेवी वर्मा
ठेले पर हिमालय	1958	धर्मवीर भारती
प्रिया नीलकण्ठी	1968	कुबेरनाथ राय

27. निम्नलिखित का सही अनुक्रम क्या है?

(A) नकेनवाद, प्रगतिवाद, छायावाद, हालावाद
(B) हालावाद, प्रगतिवाद, नकेनवाद, छायावाद
(C) छायावाद, हालावाद, प्रगतिवाद, नकेनवाद
(D) प्रगतिवाद, नकेनवाद, हालावाद, छायावाद

उत्तर – (C)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य में युगों का सही अनुक्रम-

छायावाद	-	1918
हालावाद	-	1933
प्रगतिवाद	-	1936
नकेनवाद	-	1956

28. रामचरितमानस के 'काण्डों' का सही अनुक्रम क्या है?

(A) अरण्य काण्ड,किष्किंधा काण्ड, अयोध्या काण्ड, बाल काण्ड
(B) बाल काण्ड, अयोध्या काण्ड, अरण्य काण्ड, किष्किंधा काण्ड
(C) बाल काण्ड, किष्किंधा काण्ड, अरण्य काण्ड, अयोध्या काण्ड
(D) अयोध्या काण्ड, अरण्य काण्ड, बाल काण्ड, किष्किंधा काण्ड

उत्तर – (B)

व्याख्या–गोस्वामी तुलसीदास द्वारा कृत रामचरित मानस (1574) के 'कांडो' का सही अनुक्रम-
बालकाण्ड - अयोध्याकाण्ड - अरण्यकाण्ड - किष्किन्धाकाण्ड
सुन्दरकाण्ड - लंकाकाण्ड - उत्तर काण्ड।

29. काव्यशास्त्र के इन ग्रंथों को रचनाकारों के नाम से सुमेलित कीजिए।

(A) ध्वन्यालोक	(i) आचार्य विश्वनाथ
(B) साहित्यदर्पण	(ii) मम्मट
(C) रसगंगाधर	(iii) आनन्दवर्धन
(D) काव्यप्रकाश	(iv) पण्डितराज जगन्नाथ
	(v) राजशेखर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	ii	i
(B)	iii	i	iv	ii
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
काव्यशास्त्रीय ग्रंथ	**रचनाकाल**	**आचार्य**
ध्वन्यालोक	9वीं शताब्दी	आनन्दवर्द्धन
साहित्य दर्पण	14वीं शताब्दी	आचार्य विश्वनाथ
रस गंगाधर	17वीं शताब्दी	पण्डित राज जगन्नाथ
काव्य प्रकाश	12वी शताब्दी	मम्मट
काव्य मीमांसा	9वीं शताब्दी	राजशेखर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

30. इन रचनाकारों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) गुलाबराय — (i) सिंहावलोकन
(B) बच्चन — (ii) मेरी असफलताएं
(C) वियोगीहरि — (iii) नीड़ का निर्माण फिर
(D) यशपाल — (iv) मेरा जीवन-प्रवाह
(v) अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	i
(B)	iii	iv	v	ii
(C)	ii	iv	iii	i
(D)	i	iii	ii	iv

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
मेरी असफलताएं		गुलाब राय	आत्मकथा
नीड़ का निर्माण फिर	1970	हरिवंश राय बच्चन	आत्मकथा
मेरा जीवन प्रवाह	1948	वियोगीहरि	आत्मकथा
सिंहावलोकन (तीन भाग)	1951 1952 1955	यशपाल	आत्मकथा
अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा	1948	राहुल सांकृत्यायन	यात्रा साहित्य

31. निम्नलिखित आलोचकों तथा उनकी कृतियों का सुमेलन कीजिए।

(A) हजारीप्रसाद द्विवेदी — (i) नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
(B) नगेन्द्र — (ii) छायावाद का पतन
(C) देवराज — (iii) मानवमूल्य और साहित्य
(D) मुक्तिबोध — (iv) कबीर
(v) रस-सिद्धान्त

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	i	ii
(B)	iv	ii	i	v
(C)	iv	v	ii	i
(D)	i	iii	ii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

आलोचना	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
नए साहित्य का सौंदर्यशास्त्र	1971	मुक्तिबोध
छायावाद का पतन	1948	डॉ. देवराज
मानव मूल्य और साहित्य		डॉ. धमवीर भारती
कबीर	1941	हजारी प्रसाद द्विवेदी
रस सिद्धान्त	1964	डॉ. नगेन्द्र

नोट-रस सिद्धान्त (1977) के रचनाकार नन्ददुलारे वाजपेयी की भी एक रचना हैं।

32. पत्रिकाओं का संपादकों के साथ सुमेलन कीजिए।

(A) हिन्दीप्रदीप — (i) पं. जुगल किशोर
(B) बंगदूत — (ii) निराला
(C) उदन्त-मार्तण्ड — (iii) बालकृष्ण भट्ट
(D) मतवाला — (iv) राजाराम मोहन राय
(v) रामवृक्ष बेनीपुरी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	iv	i	ii	iii
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	i	iv	ii	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
हिन्दी प्रदीप	1877	बालकृष्ण भटट	मासिक/प्रयाग
बंगदूत	1829	राजाराम मोहन राय	साप्ताहिक/कलकत्ता
उदन्त मार्तंड	1826	पं. जुगल किशोर	साप्ताहिक/कलकत्ता
मतवाला	1923	निराला	साप्ताहिक/कलकत्ता

33. कवियों और कृतियों का सुमेलन कीजिए।

(A) केशवदास — (i) ललित ललाम
(B) मतिराम — (ii) रसिक प्रिया
(C) भूषण — (iii) भाव विलास
(D) देव — (iv) आर्यासप्तशती
(v) शिवाबावनी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	ii	i
(B)	ii	i	v	iii
(C)	iv	v	i	ii
(D)	ii	iv	iii	i

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य ग्रन्थ	प्रकाशन वर्ष	कवि
ललितललाम	1661-64	मतिराम
रसिक प्रिया	1591	केशवदास
भाव विलास	1689	देव
शिवा बावनी		भूषण
आर्या सप्तशती		गोवर्धनाचार्य

34. निम्नलिखित पंक्तियों और कवियों का सुमेलन कीजिए।

(A) 'कनक कदलि पर सिंह समारल ता पर मेरु समाने' — (i) घनानंद

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) 'नैन नचाय कही मुसकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी' — (ii) रसखान
(C) 'अति सूधों सनेह को मारग है — (iii) विद्यापति
(D) 'मोर पखा सिर ऊपर राखि हौं, गुंज की माल गले पहिरौगी — (iv) मतिराम
(v) पद्माकर

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	iv
(B)	iii	v	i	ii
(C)	v	ii	i	iii
(D)	iv	iii	ii	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	**पंक्तिकार**
कनक कदलि पर सिंह समारज ता पर मेरू सामने	विद्यापति
नैन नचाय कही मुसकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी	पद्माकर
अति सूधो सनेह को मारग है	घनानन्द
मोर पखा सिर ऊपर राखि हौं, गूंज की माल गले पहिरौंगी	रसखान
नृपति नैन कमलनि बूधा, चितवत बासर जाहि। हृदय कमल में हरि लें, कमलमुखी कमलाहि	मतिराम (सतसई)

35. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को कवियों से सुमेलित कीजिए।
(A) स्नेह निर्झर बह गया है — (i) प्रसाद
(B) ओ! वरुणा की शांत कछार — (ii) हरिऔध
(C) सखि! वे मुझसे कहकर जाते — (iii) निराला
(D) दिवस का अवसान समीप था — (iv) मैथिली शरण गुप्त
(v) महादेवी वर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	v	iii
(B)	iv	i	iii	ii
(C)	ii	iii	v	i
(D)	iii	i	iv	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य पंक्तियाँ	**कवि**
स्नेह निर्झर बह रहा है	निराला
अरे! वरूणा की शांत कछार	जयशंकर प्रसाद
सखि ! वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त
दिवस का अवसान समीप था	हरिऔध
मिलन का मत नाम लो मैं विरह में चिर हूँ	महादेवी वर्मा

36. निम्नलिखित पात्रों को नाट्य कृतियों से सुमेलित कीजिए।
(A) स्कंदगुप्त — (i) विशु
(B) कोणार्क — (ii) विलोम
(C) आषाढ़ का एक दिन — (iii) प्रपंचबुद्धि
(D) सूर्य की पहली किरण से अंतिम किरण — (iv) शीलवती
(v) दाण्ड्यायन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	iii	ii
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iii	i	ii	iv
(D)	v	iv	iii	ii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**नाटककार**	**नाटक पात्र**
स्कन्दगुप्त	1928	जयशंकर प्रसाद	प्रपंचबुद्धि, देवसेना, विजया, भट्टार्क, पुरु गुप्त, पृथ्वीसेन
कोणार्क	1957	जगदीशचन्द्र माथुर	विशु, नरसिंह देव, धर्मपाल
आषाढ़ का एक दिन	1958	मोहन राकेश	विलोम,कालिदास, मातुल, दंतुल, मल्लिका, अंबिका
सूर्य की पहली किरण से अंतिम किरण तक	1975	सुरेन्द्र वर्मा	शीलवती

37. निम्नलिखित रचनाकारों और रचनाओं को सुमेलित कीजिए।
(A) जैनेन्द्र — (i) वे दिन
(B) निर्मल वर्मा — (ii) जूठन
(C) ओमप्रकाश बाल्मीकि — (iii) आओ पें पें घर चले
(D) प्रभा खेतान — (iv) मुक्तिबोध
(v) यह पथ बंधु था

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	i	ii	iii
(B)	iii	v	i	ii
(C)	iii	ii	iv	i
(D)	i	iii	ii	v

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
मुक्तिबोध	1965	जैनेन्द्र	उपन्यास
वे दिन	1964	निर्मल वर्मा	उपन्यास
जूठन	1997	ओमप्रकाश बाल्मीकि	आत्मकथा
आओ पें पें घर चलें	1990	प्रभा खेतान	उपन्यास

38. निम्नलिखित कवियों और कृतियों को सुमेलित कीजिए।

(A) सुमित्रानंदन पंत (i) लहर
(B) जयशंकर प्रसाद (ii) स्वर्णधूलि
(C) निराला (iii) एकांत संगीत
(D) हरिवंश राय बच्चन (iv) बावरा अहेरी
(v) अर्चना

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	i	iv	v
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	ii	i	v	iii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य कृतियाँ	प्रकाशन वर्ष	कवि
स्वर्ण धूलि	1947	सुमित्रानंदन पंत
लहर	1933	जयशंकर प्रसाद
अर्चना	1950	निराला
एकांत संगीत	1939	हरिवंशराय बच्चन
बावरा अहेरी	1954	अज्ञेय

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबन्धित प्रश्नों (प्रश्न सं. 39 से 43) के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। उनके मूल या मर्म तक उनकी गति नहीं होती। भीतरी या सच्ची प्रवृत्ति-निवृत्ति को जागृत रखने वाली शक्ति कविता है जो धर्म क्षेत्र में शक्ति भावना को जगाती रहती है। भक्ति धर्म की रसात्मक अनुभूति है। अपने मंगल और लोक के मंगल का संगम उसी के भीतर दिखाई पड़ता है। इस संगम के लिए प्रकृति के क्षेत्र के बीच मनुष्य को अपने हृदय के प्रसार का अभ्यास करना चाहिए। जिस प्रकार ज्ञान नरसत्ता के प्रसार के लिए है उसी प्रकार हृदय भी। रागात्मिका वृत्ति के प्रसार के बिना विश्व के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित नहीं हो सकता। जब मनुष्य के सुख और आनन्द का मेल शेष प्रकृति के सुख-सौन्दर्य के साथ हो जाएगा। जब उसकी रक्षा का भाव तृणगुल्म, वृक्ष लता, पशु-पक्षी, कीट-पतंग सब की रक्षा के भाव के साथ समन्वित हो जाएगा, तब उसके अवतार का उद्देश्य पूर्ण हो जाएगा और वह जगत का सच्चा प्रतिनिधि हो जाएगा। काव्य योग की साधना इसी भूमि पर पहुंचाने के लिए है।

39. भक्ति किसे कहते हैं?

(A) प्रेम की आनन्दात्मक अनुभूति को
(B) भगवान के प्रति प्रेमानुभूति को
(C) लोक की आनन्दात्मक अनुभूति को
(D) धर्म की रसात्मक अनुभूति को

उत्तर – (D)

व्याख्या–धर्म की रसात्मक अनुभूति को ही भक्ति कहते हैं।

40. अपने मंगल और लोक के मंगल के संगम के लिए मनुष्य को अपने हृदय के प्रसार का अभ्यास कहाँ करना चाहिए?

(A) सांसारिक जीवन में
(B) प्रकृति के क्षेत्र में
(C) लोक जीवन में
(D) राजनीतिक जीवन में

उत्तर – (B)

व्याख्या–अपने मंगल और लोक मंगल के संगम के लिए मनुष्य को अपने हृदय से प्रसार का अभ्यास प्रकृति के क्षेत्र में करना चाहिए।

41. शासन की पहुंच कहाँ तक होती है?

(A) प्रवृत्ति-निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक
(B) शासन की पहुंच हर क्षेत्र में होती है
(C) प्रवृत्ति-निवृत्ति के मर्म तक
(D) प्रवृत्ति-निवृत्ति की संपूर्ण व्यवस्था तक

उत्तर – (A)

व्याख्या–शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति की बाहरी व्यवस्था तक ही होती है। शासन की पहुँच प्रवृत्ति और निवृत्ति के मूल या मर्म तक नहीं होती है।

42. किस वृत्ति के प्रसार से संसार के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित होता है?

(A) आनन्दवृत्ति के प्रसार से
(B) धर्म वृत्ति के प्रसार से
(C) रागात्मिका वृत्ति के प्रसाद से
(D) कर्म वृत्ति के प्रसार से

उत्तर – (C)

व्याख्या–रागात्मिक वृत्ति के प्रसार से सम्पूर्ण संसार के साथ जीवन का प्रकृत सामंजस्य घटित होता है।

43. धर्म के क्षेत्र में शक्ति भावना किससे जागती है?

(A) भक्ति भावना से
(B) धर्म भावना से
(C) सामाजिक भावना से
(D) कविता शक्ति से

उत्तर – (D)

व्याख्या–धर्म के क्षेत्र में शक्ति भावना कविता शक्ति से जागृति होती है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कथोपकथन

निर्देश : प्रश्न संख्या 44 से 50 तक दी गई स्थापनाओं (Assertion) और तर्कों (Reason) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

44. स्थापना (Assertion) (A) : मिथक मानव इतिहास को समझने का द्वार है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि ये इतिहास की भांति तथ्यात्मक होते हैं।

(A) A गलत R सही (B) A सही R गलत
(C) A और R दोनों सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (D)

व्याख्या–मिथक समाज में व्याप्त एक कल्पना है जिसका पालन हमारा समाज करता है। भूतकाल में हमारे पूर्वजों द्वारा जो नियम कानून अथवा लोक प्रथाओं का प्रारम्भ हुआ है उसी को मिथक कहते हैं मिथक का कोई साक्ष्य या प्रमाण नहीं मिलता है मिथक काल्पनिक होता है। मिथक हर समाज और देश का अलग अलग होता है, मिथक काल्पनिक होता है तथ्यात्मक नहीं होता है।

45. स्थापना (Assertion) (A) : पश्चिम के नए ज्ञानोदय ने बहुस्तरीय वर्चस्ववाद को बढ़ावा दिया।

तर्क (Reason) (R) : उसी कारण साहित्य में विकेन्द्रीकरण क प्रवृत्ति बढ़ी।

(A) A सही R गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–पश्चिमी देशों के नए ज्ञानोदय के कारण साहित्य विश्व में चारों ओर फैला। पश्चिमी देश (विकसित देश) का शिक्षा स्तर, मनोवैज्ञानिकता, दार्शनिकता, सामाजिक यथार्थवाद उच्च कोटि का माना जाता है। पश्चिम के साहित्य द्वारा सम्पूर्ण विश्व में ज्ञान की धारा प्रवाहित हुई।

46. स्थापना (Assertion) (A) : रहस्यवाद की कविताओं में सबसे अधिक विरक्तिजनक दो बातें होती हैं- भावों में सच्चाई का अभाव और व्यंजना की कृत्रिमता

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भावों का संबंध विशुद्ध अध्यात्म से होता है।

(A) A सही R गलत (B) A और R दोनों गलत
(C) A गलत R सही (D) A और R दोनों सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–रहस्यवाद की कविताओं में धर्म, दर्शन को स्वीकार किया गया है। रहस्यवाद के अन्तर्गत आने वाली रचनाएँ में शब्दकला, वासनात्मक, प्रणयोद्गार, वेदना विवृत्ति, सौंदर्य संघटन मधुचर्या, अतृप्ति व्यंजना इत्यादि की अधिकता रहती है। रहस्यवाद में भाव मन से जुड़े होते हैं।

47. स्थापना (Assertion) (A) : साधारणीकरण की अवस्था में सामाजिक या दर्शक भाव मुक्त होकर एकाग्र चित्त से रस का अनुभव करता है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए पश्चिमी नाट्य चिंतक ब्रेक्त ने भी इस बात का समर्थन किया है।

(A) A गलत R सही (B) A और R दोनों सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A सही R गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–रस में 'साधारणीकरण' की अवधारणा सर्वप्रथम भट्टनायक ने प्रस्तुत किया। साधारणीकरण की अवस्था में सामाजिक या दर्शक भाव से मुक्त होकर रस की अनुभूति करता है। रस सूत्र के व्याख्याता भारतीय काव्यशास्त्रीय भरतमुनि हैं।

48. स्थापना (Assertion) (A) : कला सौंदर्य का विधान करती है।

तर्क (Reason) (R) : कविता में असुन्दर और कुरूप वस्तुओं का वर्णन भी कलात्मक सौन्दर्य के अन्तर्गत आता है।

(A) A और R दोनों गलत
(B) A और R दोनों सही
(C) A सही R गलत
(D) A गलत R सही

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता में काल्पनिकता, यथार्थवाद, विसंगति आदि का वर्णन रहता है। कविता में असुन्दर और कुरूप वस्तुओं को अलंकार, रस, छन्द आदि का प्रयोग काव्य वर्णन में कलात्मक सौन्दर्य के अंतर्गत आता है। कला ही सौन्दर्य का निर्माण करती है। कला द्वारा किसी भी वस्तु को सौन्दर्यमयी बनाया जा सकता है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : श्लिष्ट या अनेकार्थवाची शब्दों के द्वारा अनेक अर्थ के अभिमान में शब्द श्लेष अलंकार होता है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें सार्थक अथवा निरर्थक शब्दों की आवृत्ति होती है।

(A) A सही R गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A और R दोनों सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–श्लेष का अर्थ है- चिपकना, मिलना अथवा संयोग। जहाँ एक शब्द के अनेक अर्थ चिपके रहते हैं, वहाँ अनेकार्थवाची शब्दों के द्वारा अनेक अर्थों का अभिज्ञान होता है। श्लेष अलंकार में सिर्फ सार्थक शब्दों का ही आवृत्ति होती है।

50. स्थापना (Assertion) (A) : ज्यों-ज्यों सभ्यता बढ़ती गई त्यों-त्यों मनुष्य की ज्ञानसत्ता बुद्धि व्यवसायात्मक होती गई।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि इसमें भावसत्ता का अभाव है।

(A) A और R दोनों गलत
(B) A सही R गलत
(C) A और R दोनों सही
(D) A गलत R सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–मानव का विकास उसकी बुद्धि/ज्ञान पर निर्भर करती है। जैसे-जैसे सत्यता अर्थात् सत्य का प्रभाव बढ़ता है वैसे-वैसे मनुष्य की ज्ञान सत्ता में बढ़ोत्तरी विकासात्मक प्रक्रिया के तहत होती गयी। भावसत्ता की वृद्धि वहाँ होती है जहाँ प्रेम, श्रद्धा अथवा सम्मान होता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2006

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

समय : 1-1/4 घण्टा] **(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)** [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. भारतीय भाषाओं को भारतीय संविधान की किस अनुसूची में शामिल किया गया है?
(A) अष्टम (B) सप्तम
(C) नवम (D) दशम
उत्तर – (A)

व्याख्या–भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा का संविधान में प्रावधान किया गया है तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान किया गया है। 14 सितम्बर, 1949ई. को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई।

2. ग्रिम नियम किस भाषा की ध्वनियों से संबंधित है?
(A) जर्मन (B) फ्रेंच
(C) रूसी (D) हिन्दी
उत्तर – (A)

व्याख्या–ग्रिम नियम जर्मन भाषा की ध्वनियों से सम्बन्धित है।

3. 'महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय' का मुख्यालय है-
(A) लखनऊ (B) पुणे
(C) दिल्ली (D) वर्धा
उत्तर – (D)

व्याख्या–महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना 1936 ई. में वर्धा (महाराष्ट्र) में किया है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. खड़ी बोली का प्रयोग सबसे पहले किस पुस्तक में हुआ?
(A) भक्तिसागर (B) सुखसागर
(C) काव्यसागर (D) प्रेमसागर
उत्तर – (D)

व्याख्या–खड़ी बोली का सर्वप्रथम प्रयोग लल्लू लाल द्वारा कृत प्रेमसागर (1810 ई. में) हुआ है। लल्लू लाल फोर्ट विलयम कॉलेज कलकत्ता के प्राध्यापक थे। लल्लू लाल ने आगरा में एक प्रेस खोला जिसका नाम 'संस्कृत प्रेस' था। जबकि सुखसागर मुंशी सदासुखलाल 'नियाज' की प्रमुख रचना है।

5. पुष्टि मार्ग का आधार ग्रन्थ कौन-सा है?
(A) भगवद्गीता (B) महाभारत
(C) श्रीमद्भागवत (D) रामायण
उत्तर – (C)

व्याख्या–पुष्टिमार्ग का आधार ग्रंथ श्रीमद्भागवत है। पुष्टिमार्ग की स्थापना बल्लभाचार्य (1478-1530) ने किया है। पुष्टिमार्गी भक्ति में तीन प्रकार के मार्ग, जीव, तथा भक्त होते हैं, जो निम्न है -

मार्ग	जीव	भक्त
मर्यादा मार्ग (वैदिक मार्ग)	मर्यादा जीव	मर्यादा भक्ति
प्रवाह मार्ग (लौकिक सुख मार्ग)	प्रवाह जीव	प्रवाह भक्ति
पुष्टिमार्ग (भक्ति मार्ग)	पुष्टि जीव	पुष्टि या शुद्ध भक्ति

6. हिन्दी साहित्य के आदिकाल का 'अभिनव जयदेव' किसे कहा जाता है?
(A) चन्दबरदाई (B) विद्यापति
(C) पुष्पदत्त (D) जगनिक
उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य के आदिकाल का अभिनव जयदेव विद्यापति को कहा जाता है। विद्यापति को कविशेखर, कवि कण्ठहार, नव कवि शेखर, खेलन कवि, दशावधान, पंचानन, मैथिल कोकिल कविरंजन आदि नामों से भी जाना जाता है।

7. कृष्ण गीतावली किसकी रचना है?
(A) मीराबाई (B) रसखान
(C) सूरदास (D) तुलसीदास
उत्तर – (D)

व्याख्या-गोस्वामी तुलसीदास (1532-1623 ई.) की रचनाएँ एवं उनकी भाषा –

ब्रजभाषा	अवधी भाषा
वैराग्य संदीपनी	रामाज्ञा प्रश्नावली (दोहावली रामायण)
कृष्ण गीतावली	रामलला नहछू
गीतावली-(पदावली रामायण)	जानकी मंगल
विनय पत्रिका(रामगीतावली)	रामचरित मानस
दोहावली	पार्वती मंगल
कवितावली (हनुमान बाहुक)	बरवै रामायण

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

सूरदास (1478-1583) की रचनाएँ-सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी (1550)	
मीराबाई (1516-1546) की रचनाएँ-गीत गोविन्द की टीका, नरसी जी का मायरा, राग सोरठा, राग गोविन्द, मलार राग, सत्यभामा नु रुसणं, मीरा की गरबी, रुक्मणी मंगल।	
रसखान (1533-1618) की रचनाएँ-सुजान रसखान, प्रेम वाटिका (1614), दानलीला, अष्टयाम	

8. 'आवत जात पनहियाँ टूटी बिसरि गयो हरि नाम' यह पंक्ति किस कवि की है?

(A) चतुर्भुजदास (B) सूरदास
(C) कुम्भनदास (D) नन्ददास

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
आवत जात पनहियाँ टूटी बिसरि गयो हरि नाम	कुम्भनदास
निर्गुन कौन देस को बासी? मधुकर हँसि समुझाय सौह दै बूझति सांच, न हांसी	सूरदास
नव मर्कत मनि स्याम कनक मनिगम ब्रजबाला वृन्दावन को रीझि मनहुँ पहिराई माला	नंददास

9. 'कुन्दन को रंग फीको लगै, झलकै अति अंगनि चारू गोराई' ये पंक्ति किस कवि की है?

(A) भूषण (B) बिहारी
(C) देव (D) मतिराम

उत्तर – (D)

व्याख्या-	
पंक्ति	**पंक्तिकार**
कुन्दन को रंग फीको लगै, झलकै अति अंगनि चारू गोराई	मतिराम
सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलोने गात। मनौ नीलमनि सैल पर आतप पर्‌यौ प्रभात।।	बिहारी
शिवा को बखानो कि बखानौ छत्रशाल को	भूषण
अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणा-लीन अधम व्यंजना रस बिरस उलटी कहत नवीन।।	देव

10. 'तंत्रीनाद कवित्त रस सरस राग रति रंग, अनबूड़े बूड़े तिरे जे बूड़े सब अंग'' इस दोहा में कौन-सा अलंकार है?

(A) उपमा (B) विरोधाभास
(C) दृष्टान्त (D) रूपक

उत्तर – (B)

व्याख्या–विरोधाभास अलंकार- जहाँ विरोध न रहने पर भी विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

जैसे-तंत्रीनाद कवित्त रस सरस राग रति रंग,
अनबूड़े बूड़े तिरे जे बूड़े सब अंग।।

दृष्टान्त अलंकार-जहाँ उपमेय और उपमान के साधारण धर्म का बिम्ब-प्रतिबिम्ब भाव दर्शित किया जाये तथा वाचक शब्द का उल्लेख न हो, वहाँ दृष्टान्त अलंकार होता है।

जैसे-पगी प्रेम नन्दलाल के हमें न भावत भोग।
मधुप राजपद पाय के, भीख न माँगत लोग।।

उपमा अलंकार-जब एक ही वाक्य में उपमेय और उपमान का सादृश्य अथवा साम्य प्रतिपादित किया जाए और विपरीत धर्म की कोई चर्चा न हो तो वहाँ उपमा अलंकार होता है।

जैसे- पीपर पात सरिस मन डोला

रूपक अलंकार-जहाँ उपमेय और उपमान में भेदरहित आरोप किया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।

जैसे-उदित उदय गिरिमंच पर रघुवर बाल पतंग।
विकसेऊ सन्त सरोज वन, हरषे लोचन- भृंग।।

11. 'हिम किरीटिनी' किसकी रचना है?

(A) माखनलाल चतुर्वेदी (B) हरिऔध
(C) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (D) सोहनलाल द्विवेदी

उत्तर – (A)

व्याख्या-माखन लाल चतुर्वेदी (1889-1968) की काव्य रचनाएँ- हिमकिरीटिनी (1943ई.) हिम तरंगिनी (1949ई.) माता (1951ई.), समर्पण (1956ई.)

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (1897-1960), की काव्य रचनाएँ- कुंकुम (1939 ई.), रश्मि रेखा, अपलक, क्वासि, हम विषपायी जनम के, विनोबा स्तवन, उर्मिला।

अयोध्या सिंह उपाध्याय (1865-1947) के काव्य रचनाएँ- कृष्णशतक (1882), रसिक रहस्य (1899), प्रेमांबुवारिधि (1900), प्रेमप्रपंच (1900), प्रेमाबु प्रश्रवण (1901) प्रेमाबु प्रवाह (1901), प्रिय प्रवास (1914) चोखे चौपदे (1932), फूलपत्ते (1935), चुभते चौपदे (1924), पद्म प्रसून (1925), बोलचाल (1928), रस कलश (1931), परिजात (1937), कल्पलता (1937), ग्रामगीत (1938), हरिऔध सतसई (1940), बैठे ही बनवास (1941), मर्म स्पर्श (1956)।

12. 'आह! वेदना मिली विदाई'- किस नाटक के गीत की पंक्ति है?

(A) अजातशत्रु (B) चन्द्रगुप्त
(C) स्कन्दगुप्त (D) ध्रुवस्वामिनी

उत्तर – (C)

व्याख्या- ये समस्त नाटक जयशंकर प्रसाद (1989-1937) के हैं-	
नाटक के गीत/पंक्ति	**नाटक**
'आह! वेदना मिली विदाई।	स्कन्द गुप्त
''यदि प्रेम ही जीवन का सत्य है तो, संसार ज्वालामुखी है।''	चन्द्रगुप्त (कार्नेलिया सुवासिनी से)
हिमाद्रि तुग शृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती स्वयं प्रभा समुज्वला स्वतंत्रता पुकारती	स्कन्दगुप्त (समवेत गायन)
अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन होता है।	स्कन्दगुप्त (स्कन्दगुप्त का आत्मकथन)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

13. 'सारिका' पत्रिका का सम्पादन इनमें से किसने नहीं किया?

(A) चन्द्रगुप्त विद्यालंकार (B) मोहन राकेश
(C) राजेन्द्र यादव (D) कमलेश्वर

उत्तर – (C)

व्याख्या–सारिका पत्रिका जिसका प्रकाशन दिल्ली /मुम्बई से होता था उसके सम्पादकों में चन्द्रगुप्त विद्यालंकार, मोहन राकेश तथा कमलेश्वर शामिल थे। जबकि राजेन्द्र यादव ने हंस का पुनर्प्रकाशन (1986) दिल्ली, मासिक पत्रिका का सम्पादन किया। हंस का प्रारम्भिक स्थापना प्रेमचन्द ने 1930 में बनारस में किया था।

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

14. कछुआ धर्म किस विधा की रचना है?

(A) संस्मरण (B) रेखाचित्र
(C) निबन्ध (D) कहानी

उत्तर – (C)

व्याख्या–'कछुआ धर्म' तथा मारेसि मोहि कुठाव, नामक शीर्षक से चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने महत्वपूर्ण निबन्ध लिखा।

15. 'ऐ लड़की' किसकी रचना है?

(A) मैत्रेयी पुष्पा (B) मन्नू भंडारी
(C) ममता कालिया (D) कृष्णा सोबती

उत्तर – (D)

व्याख्या–कृष्णा सोबती की कहानियाँ-बादलों के घेरे (1980), सिक्का बदल गया, यारो के यार (1967), तिन पहाड़, ऐ लड़की।
मैत्रेयी पुष्पा की कहानियाँ-चिन्हार (1991), ललमनियाँ (1996), गोमा हँसती है (1998), जवाबी कागज।
मन्नू भण्डारी की कहानियाँ-मैं हार गयी (1957) यही सच है (1966) एक प्लेट शैलाब (1968), तीन निगाहों की एक तस्वीर (1968), रानी माँ का चबूतरा, गीत का चुम्बन, त्रिशंकु (1978), बंद दराजो के साथ।
ममता कालिया की कहानियाँ-छुटकारा (1969), सीट नं 6 (1978), एक अदद औरत (1979), प्रतिदिन (1983), उसका यौवन (1985), बोलने वाली औरत (2000), जाँच अभी जारी है, मुखौटा (2002)

16. 'चाकलेट' उपन्यास किसकी रचना है?

(A) चतुरसेन शास्त्री (B) पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
(C) ऋषभचरण जैन (D) इलाचन्द्र जोशी

उत्तर – (B)

व्याख्या–पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' के उपन्यास-चंद हसीनो के खतूत (1927), दिल्ली का दलाल (1927), बुधुआ की बेटी (1928), शराबी (1930), सरकार तुम्हारी आँखों में (1937), चाकलेट (1927), जी जी जी (1927), फागुन के दिन चार (1960), जुहू (1963)।
ऋषभ चरण जैन के उपन्यास-पैसे का साथी (1928), दिल्ली का व्यभिचार (1928), वेश्यापुत्र (1929), मास्टर साहब (1927), सत्याग्रह (1930), रहस्यमयी (1931), दिल्ली का कलंक (1936),चम्पाकली (1937) हिज हाइनेस (1938), मयखाना (1938), दुराचार के अड्डे (1930), तीन इक्के (1940)
आचार्य चतुरसेन शास्त्री के उपन्यास-हृदय की परख (1918), हृदय की प्यास (1931), अमर अभिलाषा (1933), व्यभिचार (1924), आत्मदाह (1937)।
इलाचन्द्र जोशी के उपन्यास-घृणामयी (1929), सन्यासी (1940), पर्दे की रानी (1942), प्रेत और छाया (1944), निर्वासित (1946), मुक्तिपथ (1948), सुबह के भूले (1951), जिप्सी (1952), जहाज का पंक्षी, (1954) ऋतु चक्र (1969), भूत का भविष्य (1973), कवि की प्रेयसी (1976)।

17. 'शकुन्तला की अँगूठी' के नाटककार हैं-

(A) सुरेन्द्र वर्मा (B) रमेश बक्षी
(C) प्रभाकर श्रोत्रिय (D) शंकर शेष

उत्तर – (A)

व्याख्या–सुरेन्द्र वर्मा के नाटक-द्रौपदी (1972), सेतुबंध (1972), नायक खलनायक विदूषक (1972), सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक (1975), आठवाँ सर्ग (1976), छोटे सैय्यद बड़े सैय्यद (1982), एक दूनी एक (1987), शकुन्तला की अँगूठी (1990), कैद-ए-हयात (1993)।
रमेश बक्षी के नाटक-देवयानी का कहना है (1972) तीसरा हाथी (1975) वामाचार (1977), यादों के घर और, कसे हुए तार (1979)।
शंकर शेष के नाटक-फंदी, घरौंदा (1978), एक और द्रोणाचार्य (1977), अरे मायाबी सरोवर (1980), रक्तबीज, बंधन अपने-अपने चेहरे, कोमल गांधार (1982), पोस्टर (1983), खजुराहो का शिल्पी (1982), बिन बाती के दीप, आधी रात के बाद।
प्रभाकर श्रोत्रिय के नाटक-इला (1989), साँच कहूँ तो (1993), फिर से जहाँ पनाह (1997)।

18. 'काव्यानुभूति की जटिलता चित्तवृत्तियों की संख्या पर निर्भर नहीं बल्कि संवादी-विसंवादी वृत्तियों के द्वन्द्व पर आधारित है।' यह कथन किसका है?

(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) नामवर सिंह
(C) नंददुलारे वाजपेयी (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (A)

व्याख्या–"काव्यानुभूति की जटिलता चित्त वृत्तियों की संख्या पर निर्भर नहीं बल्कि संवादी-विसंवादी वृत्तियों के द्वन्द पर आधारित है"। **-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**
"रसात्मक शब्दार्थ ही काव्य है और उसकी छन्दोमयी विशिष्ट विद्या आधुनिक अर्थ में कविता है।" **- डॉ. नगेन्द्र**

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

19. लोंजाइनस के अनुसार उदात्त का प्रमुख स्रोत क्या है?

(A) विचार (B) प्रकृति
(C) भावप्रवणता (D) अलंकार योजना

उत्तर – (A)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–लोंजाइनस ने विचार को उदात्त का प्रमुख स्रोत माना है। लोंजाइनस उदात्तवाद सिद्धान्त के प्रवर्तक हैं।

तथ्य विविधा

20. 'चक्र' का 'चक्का' हो जाना किस ध्वनि प्रवृत्ति का उदाहरण है?

(A) विषमीकरण (B) समीकरण
(C) विपर्यय (D) आगम

उत्तर – (B)

व्याख्या–चक्र का चक्का हो जाना ध्वनि के समीकरण प्रवृत्ति का उदाहरण है। जब किसी शब्द का ध्वनि परिवर्तित होता है तो एक नवीन ध्वनि के साथ नया शब्द उत्पन्न होता है। यह प्रवृत्ति ध्वनि के समीकरण प्रवृत्ति का उदाहरण है।

21. कालक्रम की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?

(A) मतवाला,कल्पना,सारिका, पहल
(B) कल्पना, मतवाला, सारिका, पहल
(C) सारिका, मतवाला, पहल, कल्पना
(D) पहल, कल्पना, सारिका, मतवाला

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
मतवाला	1923	महादेव प्रसाद सेठ	साप्ताहिक/कलकत्ता
कल्पना	1949	आर्येन्द्र शर्मा	द्विमासिक/हैदराबाद
सारिका		चन्द्रगुप्त विद्यालंकार, कमलेश्वर, मोहन राकेश	/दिल्ली /मुम्बई
पहल	1960	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जयपुर

22. प्रकाशन काल की दृष्टि से कौन-सा अनुक्रम सही है?

(A) त्यागपत्र, सुखदा, परख, सुनीता
(B) परख, सुनीता, त्यागपत्र, सुखदा
(C) सुनीता, परख, त्यागपत्र, सुखदा
(D) सुखदा, सुनीता, त्यागपत्र, परख

उत्तर – (B)

व्याख्या–जैनेन्द्र के उपन्यासों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम-परख (1929), सुनीता (1934), त्यागपत्र (1937), कल्याणी (1939), सुखदा (1952), विवर्त (1953), व्यतीत (1953), जयवर्द्धन (1956), मुक्तिबोध (1965), अनन्तर (1968), अनाम स्वामी (1974), दशार्क (1985)

23. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों का कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी, मिश्रबन्धु, रामचंद्र शुक्ल, रामकुमार वर्मा
(B) रामकुमार वर्मा, रामचंद्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबंधु, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामकुमार वर्मा
(D) मिश्रबन्धु, रामचंद्र शुक्ल, रामकुमार वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तर – (D)

व्याख्या-

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखक	कालक्रम (जन्म मृत्यु)
मिश्रबन्धु	
रामचन्द्र शुक्ल	1884-1941 ई.
रामकुमार वर्मा	1905-1990 ई.
हजारी प्रसाद द्विवेदी	1907-1971 ई.

24. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) संयोगिता स्वयंवर, चंद्रगुप्त, सिन्दूर की होली, कोणार्क
(B) चन्द्रगुप्त,संयोगिता स्वयंवर, कोणार्क, सिन्दूर की होली
(C) चन्द्रगुप्त, संयोगिता स्वयंवर,सिन्दूर की होली, कोर्णाक
(D) कोणार्क, चंद्रगुप्त, संयोगिता स्वयंवर, सिन्दूर की होली

उत्तर – (A)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
संयोगिता स्वयंवर	1886	लाला श्रीनिवास दास
चन्द्रगुप्त	1928	जयशंकर प्रसाद
सिन्दूर की होली	1934	लक्ष्मीनारायण मिश्र
कोणार्क	1951	जगदीश चन्द्र माथुर

25. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) यही सच है, रोज, उसने कहा था, कफन
(B) रोज, कफन, यही सच है, उसने कहा था
(C) उसने कहा था, कफन, रोज, यही सच है
(D) कफन, उसने कहा थ, यही सच है, रोज

उत्तर – (C)

व्याख्या-

कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
उसने कहा था	1915	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
कफन	1936	प्रेमचन्द्र
रोज		अज्ञेय
यही सच है	1966	मन्नू भण्डारी

26. कालक्रम की दृष्टि से आत्मकथा के निम्नलिखित खण्डों का सही अनुक्रम क्या है?

(A) बसेरे से दूर, नीड़ का निर्माण फिर, दशद्वार से सोपान तक, क्या भूलूँ क्या याद करूँ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) क्या भूलूँ क्या याद करूँ, नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, दशद्वार से सोपान तक
(C) नीड़ का निर्माण फिर, बसेरे से दूर, दशद्वार से सोपान तक, क्या भूलूँ क्या याद करूँ
(D) दशद्वार से सोपान तक, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, बसेरे से दूर, नीड़ का निर्माण फिर

उत्तर – (B)

व्याख्या– ये सभी आत्मकथाएँ हालावाद के प्रवर्तक तथा छायावादी कवि हरिवंश राय बच्चन (1907-2003) की है –
प्रथम - क्या भूलूँ क्या याद करूँ (1969)
द्वितीय - नीड़ का निर्माण फिर (1970)
तृतीय- बसेरे से दूर (1978)
चतुर्थ- दश द्वार से सोपान तक (1985)

27. निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) अनामिका, पल्लव, भारत भारती, दीपशिखा
(B) दीपशिखा, अनामिका, पल्लव, भारत भारती
(C) पल्लव, अनामिका, भारत भारती, दीपशिखा
(D) भारत भारती, पल्लव, अनामिका, दीपशिखा

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
भारत भारती	1912	मैथिलीशरण गुप्त
पल्लव	1928	सुमित्रानन्दन पंत
अनामिका	1938	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
दीपशिखा	1942	महादेवी वर्मा

नोट-(i) अनामिका नवीन का प्रकाशन 1938 ई. में हुआ था।
(ii) भारत भारती (1912) लिखने पर महात्मा गाँधी ने मैथिलीशरण गुप्त को राष्ट्रकवि की उपाधि दी।

28. निम्नलिखित ग्रंथों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) हिन्दी नवरत्न, देव और बिहारी, बिहारी और देव, बिहारी का नया मूल्यांकन
(B) देव और बिहारी, हिन्दी नवरत्न, बिहारी का नया मूल्यांकन, बिहारी और देव
(C) बिहारी और देव, देव और बिहारी, बिहारी का नया मूल्यांकन हिन्दी नवरत्न
(D) बिहारी का नया मूल्यांकन, बिहारी और देव, हिन्दी नवरत्न, देव और बिहारी

उत्तर – (A)

व्याख्या-

आलोचना ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आलोचक**
हिन्दी नवरत्न	1910	मिश्रबन्धु
देव और बिहारी		कृष्ण बिहारी मिश्र
बिहारी और देव		लाला भगवान दीन
बिहारी का नया मूल्यांकन		

29. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रन्थों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) रंसगंगाधर, काव्यालंकार सूत्र, ध्वन्यालोक, काव्यालंकार
(B) काव्यालंकार, काव्यालंकार सूत्र, ध्वन्यालोक, रसगंगाधर
(C) काव्यालंकार सूत्र, रसगंगाधर, काव्यालंकार, ध्वन्यालोक
(D) ध्वन्यालोक, काव्यालंकार सूत्र, रसगंगाधर, काव्यालंकार

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्यशास्त्रीय ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आचार्य**
काव्यालंकार	6वीं शताब्दी पूर्वार्द्ध	भामह
काव्यालंकार सूत्र	8वीं शताब्दी उत्तरार्द्ध	वामन
ध्वन्यालोक	9वीं शताब्दी उत्तरार्द्ध	आनन्दवर्द्धन
रस गंगाधर	17वीं शताब्दी पूर्वाद्ध	पण्डितराज जगन्नाथ

30. निम्नलिखित ग्रन्थों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) नयी कविता के प्रतिमान, कामायनी : एक पुनर्विचार, कविता के नये प्रतिमान, छायावाद का पतन
(B) कविता के नये प्रतिमान, नयी कविता के प्रतिमान, छायावाद का पतन, कामायनी : एक पुनर्विचार
(C) छायावाद का पतन, कामायनी : एक पुनर्विचार, नयी कविता के प्रतिमान, कविता के नये प्रतिमान
(D) कामायनी : एक पुनर्विचार, छायावाद का पतन, कविता के नये प्रतिमान, नयी कविता के प्रतिमान

उत्तर – (*)

व्याख्या-

आलोचना ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**आलोचक**
कामायनी एक पुनर्विचार	1961	गजानन माधव मुक्तिबोध
छायावाद का पतन	1948	डा. देवराज
कविता के नये प्रतिमान	1968	डा. नामवर सिंह
नयी कविता के प्रतिमान	1957	लक्ष्मीकान्त वर्मा

नोट-कोई उत्तर सही नहीं है।

31. कौन-सा युग्म संगत है?
(A) दुःखवा मैं कासे कहूँ मोर सजनी- 'उग्र'
(B) 'ताई' -सुदर्शन
(C) 'ग्यारह वर्ष का समय'-जयशंकर प्रसाद
(D) 'रानी केतकी की कहानी'-इंशा अल्ला खाँ

उत्तर – (D)

व्याख्या -

कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
दुखवा मैं कासे कहूँ मोर सजनी		आचार्य चतुरसेन शास्त्री
ताई		विश्वम्भर नाथ शर्मा 'कौशिक'

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

ग्यारह वर्ष का समय	1903	रामचन्द्र शुक्ल
रानी केतकी की कहानी	1798-1803	इंशा अल्ला खाँ
उसकी माँ		बेचन शर्मा 'उग्र'
हार की जीत		'सुदर्शन'
ममता	1929	जयशंकर प्रसाद

32. इन उपन्यासों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I		सूची-II	
(A)	दिल्ली का दलाल	(i)	मोहन राकेश
(B)	गुनाहों का देवता	(ii)	भगवती प्रसाद वाजपेयी
(C)	अन्तराल	(iii)	भगवतीचरण वर्मा
(D)	भूले बिसरे चित्र	(iv)	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
		(v)	धर्मवीर भारती

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	v	i	iii
(B)	iv	v	i	ii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	v	iii	i	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
दिल्ली का दलाल	1927	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
गुनाहो का देवता	1949	धर्मवीर भारती
अन्तराल	1972	मोहन राकेश
भूले बिसरे चित्र	1959	भगवती चरण वर्मा
अनाथ पत्नी	1928	भगवती प्रसाद वाजपेयी

33. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों कोउनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I		सूची-II
(A)	धूप सा तन दीप सी मैं	(i) निराला
(B)	मधुप गुनगुनाकर कह जाता	(ii) पंत
(C)	स्नेह निर्झर बह गया है	(iii) नरेन्द्र शर्मा
(D)	हाय! मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन	(iv) महादेवी वर्मा
		(v) प्रसाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	iii	iv
(B)	iv	v	i	ii
(C)	v	iii	iv	ii
(D)	v	ii	i	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य पंक्ति	पंक्तिकार
धूप सा तन दीप सी मैं	महादेवी वर्मा
धुप गुनगुनाकर कह जाता	जयशंकर प्रसाद
स्नेह निर्झर बह गया है	निराला
हाय। मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन	पंत
आज के बिछुड़े न जाने कब मिलेंगे	नरेन्द्र शर्मा

34. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I		सूची-II	
(A)	बाला बोधिनी	(i)	प्रेमचंद्र
(B)	हंस	(ii)	हरिशंकर परसाई
(C)	प्रतीक	(iii)	भारतेन्दु हरिश्चन्द
(D)	कल्पना	(iv)	अज्ञेय
		(v)	आर्येन्द्र शर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	v	i
(B)	i	v	iv	ii
(C)	iii	i	iv	v
(D)	iv	iii	v	i

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रसार/स्थान
कविवचनसुधा हरिश्चन्द्र मैगजीन बालाबोधिनी	1868 1873 1874	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.,पा,सा,/काशी मासिक/बनारस मासिक/बनारस
हंस	1930	प्रेमचन्द	मासिक/बनारस
प्रतीक	1947	अज्ञेय	द्विमासिक/इलाहाबाद
कल्पना	1949	आर्येन्द्र शर्मा	द्विमासिक/हैदराबाद

35. सुमेलित कीजिए-

सूची-I		सूची-II
(A)	मृगावती	(i) शेख नबी
(B)	मधुमालती	(ii) जायसी
(C)	आखिरी कलाम	(iii) मंझन
(D)	अनुराग बांसुरी	(iv) कुतुबन
		(v) नूर मुहम्मद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	v	iii	ii
(B)	ii	v	iv	i
(C)	iii	i	v	iv
(D)	iv	iii	ii	v

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या -		
प्रेमाख्यान ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**
मृगावती	1503	कुतुबन
मधुमालती	1945	मंझन
आखिरी कलाम		जायसी
अनुराग बाँसुरी	1764	नूर मुहम्मद
ज्ञानदीप	1619	शेख नबी

36. इन बोलियों को उनके बोली क्षेत्र से सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) बांगरु	(i) अलीगढ़
(B) भोजपुरी	(ii) मेरठ
(C) कुमाँयुनी	(iii) अल्मोड़ा
(D) खड़ी बोली	(iv) छपरा
	(v) रोहतक

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	iii	ii
(B)	iv	iii	ii	iv
(C)	i	iv	iii	ii
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-	
बोली	**बोली का क्षेत्र**
बंगारू	रोहतक
भोजपुरी	छपरा
कुमाँयुनी	अल्मोड़ा
खड़ी बोली	मेरठ
ब्रजभाषा	अलीगढ़

37. इन रचनाओं को उनकी लेखिकाओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) आपका बन्टी	(i) उषा प्रियंवदा
(B) पचपन खम्भे लाल दीवारे	(ii) मन्नू भण्डारी
(C) आवाँ	(iii) ममता कालिया
(D) बेघर	(iv) चित्रा मुद्गल
	(v) कृष्णा सोबती

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	iv	v	iii
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	iii	v	ii	i
(D)	iv	iii	i	v

उत्तर – (B)

व्याख्या-		
उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
आपका बंटी	1971	मन्नू भण्डारी
पचपन खम्भे लाल दीवारे	1961	उषा प्रियंवदा
आवाँ	2000	चित्रा मुद्गल
बेघर	1971	ममता कालिया
समय सरगम	2000	कृष्णा सोबती

38. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) दोनों ओर प्रेम पलता है	(i) प्रसाद
(B) धिक् जीवन जो पाता ही आया विरोध	(ii) तुलसीदास
(C) परहित सरिस धर्म नहीं भाई	(iii) निराला
(D) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ	(iv) मैथिलीशरण गुप्त
	(v) महादेवी वर्मा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	i	v	iv
(B)	v	ii	i	iv
(C)	iv	iii	ii	v
(D)	iii	ii	iv	i

उत्तर – (C)

व्याख्या-	
काव्य पंक्ति	**पंक्तिकार**
दोनों ओर प्रेम पलता है	मैथिलीशरण गुप्त
धिक् जीवन जो पाता ही आया विरोध	निराला
परहित सरिस धर्म नहीं भाई	तुलसीदास
वीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ	महादेवी वर्मा
मानव जीवन वेदी पर परिणय हो विरह मिलन का दुःख सुख दोनों नाचेंगे है खेल आँख का मन का	जयशंकर प्रसाद

39. सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	(i) मम्मट
(B) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि	(ii) विश्वनाथ
(C) रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्द काव्यम्	(iii) भामह
(D) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	(iv) आनन्दवर्धन
	(v) पण्डितराज जगन्नाथ

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	ii	iii
(B)	iii	i	v	ii
(C)	ii	iii	iv	v
(D)	i	iv	v	ii

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-	
वाक्य	**आचार्य**
शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्	भामह
तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि	मम्मट
रमणीयार्थ प्रतिपदकः शब्द काव्यम्	पण्डित राज जगन्नाथ
वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	विश्वनाथ
सहृदय हृदयाह्लादि शब्दार्थमयत्वमेय काव्य लक्षणम्	आनन्दवर्द्धन

40. सुमेलित कीजिए-

सूची-I	सूची-II
(A) विरेचन सिद्धान्त	(i) देरिदा
(B) निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	(ii) कॉलरिज
(C) रूपवाद	(iii) अरस्तू
(D) विखण्डनवाद	(iv) रूसो
	(v) इलियट

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	i	ii
(B)	iii	v	ii	i
(C)	ii	iv	i	iii
(D)	iii	v	iv	i

उत्तर – (D)

व्याख्या-	
सिद्धान्त	**विचारक**
विरेचन सिद्धान्त	अरस्तू
निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त	इलियट
रूपवाद	रूसो
विखंडनावाद	जाँक देरिदा
कल्पना का सिद्धान्त	कालरिज

निर्देश : (41-45) - निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, इससे अपनी श्रद्धा के बदले में हम श्रद्धेय से अपने लिए कोई बात नहीं चाहते। श्रद्धा धारण करते हुए हम अपने को उस समाज में समझते हैं जिस के किसी अंश पर चाहे हम व्यष्टि रूप में उसके अन्तर्गत न भी हों-जानबूझ कर उसने कोई शुभ प्रभाव डाला। श्रद्धा स्वयं ऐसे कामों के प्रतिकार में होती है जिनका शुभ प्रभाव अकेले हम पर नहीं बल्कि सारे मनुष्य समाज पर पड़ सकता है। श्रद्धा एक ऐसी आनन्दपूर्ण कृतज्ञता है जिसे हम केवल समाज में प्रतिनिधि रूप में प्रकट करते हैं। सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध या घृणा प्रकट करने के लिए समाज ने प्रत्येक व्यक्ति की प्रतिनिधित्व प्रदान कर रखा है। यह काम उसने इतना भारी समझा है कि उसका भार सारे मनुष्यों को बाँट दिया है, दो चार माननीय लोगों के ही सिर पर नहीं छोड़ रखा है। जिस समाज में सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार का क्रोध प्रकट करने के लिए जितने ही अधिक लोग तत्पर पाए जाएंगे,उतना ही वह समाज जाग्रत समझा जाएगा। श्रद्धा की सामाजिक विशेषता एक इसी बात से समझ लीजिए कि हम श्रद्धा रखते हैं उस पर चाहते हैं कि और लोग भी श्रद्धा रखें पर जिस पर हमारा प्रेम होता है उससे और दस पाँच आदमी प्रेम रखें इसकी हमें परवाह क्या, इच्छा ही नहीं होती, क्योंकि हम प्रिय पर लोभवश एक प्रकार का अनन्य अधिकार या इजारा चाहते हैं। श्रद्धालु अपने भाव में संसार को भी सम्मिलित करना चाहता है पर प्रेमी नहीं।

41. उपर्युक्त गद्य अवतरण का शीर्षक हो सकता है-

(A) श्रद्धा और परोपकार
(B) श्रद्धा एक व्यक्तिगत भाव
(C) श्रद्धा का स्वरूप
(D) श्रद्धा और स्वार्थ

उत्तर – (C)

व्याख्या–उपर्युक्त गद्य अवतरण का शीर्षक श्रद्धा का स्वरूप हो सकता है।

42. श्रद्धा और प्रेम में क्या अंतर है?

(A) श्रद्धा सामाजिक है और प्रेम व्यक्तिगत है
(B) श्रद्धा के मूल में व्यक्तिगत कारण होते हैं
(C) प्रेम में दुनियादारी का भाव होता है
(D) प्रेम और श्रद्धा का एक ही धरातल होता है

उत्तर – (A)

व्याख्या–श्रद्धा एक सामाजिक भाव है जब हम किसी पर श्रद्धा करते हैं तो उसके बदले में हम श्रद्धेय से कुछ नहीं चाहते, जबकि प्रेम व्यक्तिगत होता है प्रेम में हम प्रिय पर लोभवश एक अनन्य अधिकार रखते हैं तथा प्रिय से प्रेम की आशा या चाहत रखते हैं।

43. श्रद्धा एक आनन्दपूर्ण कृतज्ञता है, क्योंकि -

(A) इससे हमारा स्वार्थ सिद्ध होता है
(B) इससे श्रद्धेय की भलाई होती है
(C) हम व्यक्तिगत रूप से श्रद्धा प्रकट करते हैं
(D) हम समाज के प्रतिनिधि के रूप में इसे प्रकट करते हैं

उत्तर – (D)

व्याख्या–श्रद्धा एक आनन्दपूर्ण कृतज्ञता है क्योंकि श्रद्धा एक सामाजिक भाव है, हम समाज के प्रतिनिधि के रूप में श्रद्धा को प्रकट करते हैं।

44. उपर्युक्त गद्यांश का निष्कर्ष है-

(A) श्रद्धा एक वैयक्तिक भाव है
(B) श्रद्धा एक सामाजिक भाव है
(C) श्रद्धा से श्रद्धाकर्ता का महत्व बढ़ता है
(D) श्रद्धा भाव केवल श्रद्धालु तक सीमित है

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–उपर्युक्त गद्यांश का निष्कर्ष है कि श्रद्धा एक सामाजिक भाव है जिसका प्रयोग हम अपने प्रिय अथवा श्रद्धेय के लिए करते हैं।

45. जाग्रत समाज का क्या लक्षण है?
(A) केवल सदाचार पर श्रद्धा करना
(B) केवल अत्याचार पर श्रद्धा करना
(C) सदाचार और अत्याचार पर उदासीन रहना
(D) सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध करना
उत्तर – (D)

व्याख्या–जाग्रत समाज का लक्षण यह है कि वह सदाचार पर श्रद्धा और अत्याचार पर क्रोध व्यक्त करे तथा समाज में श्रद्धेय का सम्मान करे एवं अत्याचारी का विरोध करे।

कथोपकथन

निर्देश (46-50) - दी गई स्थापनाओं और तर्कों को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहुविकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।
कूट -

46. स्थापना (Assertion) (A) : साहित्य की साधना अखिल विश्व के साथ एकत्व अनुभव करने की साधना है।
तर्क (Reason) (R) : साहित्य विश्वबन्धुत्व की भावना को पुष्ट करता है।
(A) (A) और (R) दोनों गलत
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) गलत और (R) सही
उत्तर – (C)

व्याख्या–साहित्य साधना (निर्माण/रचना) अखिल विश्व/सम्पूर्ण विश्व को स्वतः में अनुभव करती है क्योंकि साहित्य में विश्व बन्धुत्व की भावना होती है। साहित्य कभी भी स्वतः (एकात्मक) के लिए नहीं होता है बल्कि साहित्य की रचना सम्पूर्ण संसार के लिए होती है।

47. स्थापना (Assertion) (A) : संत न छाड़ै संतई, कोटिक मिलै असंत, चन्दन विष व्यापत नहीं लपटे रहत भुजंग।
तर्क (Reason) (R) : दुष्टों की संगति में संतों का स्वभाव बदल जाता है।
(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) और (R) दोनों गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (A)

व्याख्या–जिस प्रकार चन्दन के वृक्ष पर अनेको विषैले सांप लिपटे रहते फिर भी वृक्ष पर कोई असर नहीं पड़ता उसी प्रकार चाहे करोड़ो दुष्ट आत्माएँ मिल जाए फिर भी साधु (सज्जन) के गुणों को अवगुण में नहीं बदल सकते। दुष्टो की संगत में रहने पर भी सन्त अपने स्वभाव को नहीं छोड़ते हैं।

48. स्थापना (Assertion) (A) : अंग्रेजी पढ़ि के जदपि सद् गुन होत प्रवीन
पै निज भाषा ज्ञान बिन रहत हीन को हीन
तर्क (Reason) (R) : अंग्रेजी भाषा पढ़कर सभी लोग सम्मानित होते हैं।
(A) (A) और (R) दोनों सही
(B) (A) और (R) दोनों गलत
(C) (A) गलत और (R) सही
(D) (A) सही और (R) गलत
उत्तर – (B)

व्याख्या–अंग्रेजी (विदेशी) भाषा पढ़कर सभी लोग विद्वान हो जाते हैं लेकिन अपनी भाषा में हीनता महसूस करते हैं। अपनी भाषा के ज्ञान के बिना कोई भी सम्मानित नहीं महसूस कर सकता है।

49. स्थापना (Assertion) (A) : भाषा संस्कृति की संवाहक होती है।
तर्क (Reason) (R) : भाषा के बिना संस्कृति की कल्पना संभव नहीं है।
(A) (A) सही और (R) गलत
(B) (A) गलत और (R) सही
(C) (A) और (R) गलत
(D) (A) और (R) दोनों सही
उत्तर – (D)

व्याख्या–भाषा किसी समाज के विकास का द्योतक है, जो भाषा जितना अधिक एवं उच्च स्तर पर प्रयोग की जाती है वह उतनी ही प्रगतिशील होती है, भाषा के द्वारा ही हम अपनी कला, संस्कृति, ज्ञान आदि का प्रचार प्रसार करते हैं।

50. स्थापना (Assertion) (A) : दलित की पीड़ा को दलित लेखक ही अभिव्यक्त कर सकता है।
तर्क (Reason) (R) : सहानुभूति, स्वानुभूति के स्तर तक नहीं पहुँच सकती है।
(A) (A) गलत और (R) सही
(B) (A) सही और (R) गलत
(C) (A) और (R) दोनों सही
(D) (A) और (R) दोनों गलत
उत्तर – (C)

व्याख्या–ऐसा माना जाता है कि जिसके ऊपर कष्ट होता है वह उसकी अनुभूति ज्यादा अच्छी तरह कर सकता है। दलित की पीड़ा को दलित लेखक अन्य लेखकों से अच्छा ही अभिव्यक्त कर सकता है क्योंकि उसकी सहानुभूति और स्वानुभूति दोनों स्वतः की होगी। वह अपने आप को दूसरो से कहीं बेहतर समझ सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2005
हिन्दी
द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल
(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया है?

(A) 343 (B) 434
(C) 334 (D) 445

उत्तर – (A)

व्याख्या–भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा का संविधान में प्रावधान किया गया है तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिन्दी को राजभाषा घोषित किया गया है। 14 सितम्बर 1949 को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई है।

2. ''मुण्डा'' भाषा परिवार का क्षेत्र कौन सा है?

(A) राजस्थान (B) मध्य प्रदेश
(C) तमिलनाडु (D) छोटा नागपुर

उत्तर – (D)

व्याख्या-

भाषा परिवार	परिवार क्षेत्र
मुण्डा भाषा	छोटा नागपुर (झारखण्ड)
द्रविड़ भाषा	तमिलनाडु
राजस्थानी हिन्दी भाषा	राजस्थान
पूर्वी हिन्दी भाषा	मध्य प्रदेश

3. 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रसार सभा' का मुख्यालय कहाँ है?

(1) बैंगलुरु (2) चेन्नई
(3) हैदराबाद (4) अर्नाकुलम

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी भाषा की 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा' का मुख्यालय मद्रास (चेन्नई) में है। इसकी स्थापना महात्मा गाँधी द्वारा सन् 1927ई. में दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए किया गया था। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का पूर्व नाम हिन्दी साहित्य सम्मेलन था।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

4. 'चौरासी वैष्णवन की वार्ता' किसकी रचना है?

(A) गोस्वामी तुलसीदास (B) नन्ददास
(C) नाभादास (D) गोस्वामी गोकुलनाथ

उत्तर – (D)

व्याख्या–गोस्वामी गोकुलनाथ के ग्रंथ-चौरासी वैष्णवन की वार्ता एवं दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता।
गोस्वामी तुलसीदास के ग्रंथ - वैराग्य संदीपनी, रामाज्ञा प्रश्नावली (दोहावली रामायण) रामलला नहछू, जानकी मंगल, रामचरित मानस, पार्वती मंगल, कृष्ण गीतावली, गीतावली (पदावली रामायण), विनय पत्रिका (विनयावली, रामगीतावली) दोहावली, बरवै रामायण (बरवा), कवितावली या कबित्तावली (हनुमान बाहुक)।
नंददास के ग्रंथ - अनेकार्थ मंजरी, मान मंजरी, सुदामा चरित, रसमंजरी, रूपमंजरी, विरहमंजरी, प्रेमबारह खडी, श्यामा सगाई, रुक्मिणी मंगल, भँवर गीत, रासपंचाध्यायी, सिद्धान्त पंचाध्यायी, दशमस्कंध भाषा।
नाभादास के ग्रंथ - भक्तमाल (1585) अष्टयाम

5. आल्हा किस ऋतु में गाया जाता है?

(A) ग्रीष्म ऋतु (B) शरद् ऋतु
(C) वर्षा ऋतु (D) बसन्त ऋतु

उत्तर – (C)

व्याख्या–रासो काव्य परम्परा के प्रमुख कवि जगनिक द्वारा रचित ग्रंथ परमाल रासो (आल्हा खण्ड - 1230 ई.) एक वीरगीत/वीर काव्य है जो सामान्यतः वर्षा ऋतु में गाया जाता है।

6. बीसलदेव रासो के रचयिता हैं' –

(A) जगनिक (B) नरपति नाल्ह
(C) चंदबरदाई (D) शारंगधर

उत्तर – (B)

व्याख्या-

ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विशेष
बीसलदेव रासो	1212 ई.	नरपति नाल्ह	शृंगार रस / वीर काव्य
परमाल रासो (आल्हा खण्ड)	1230 ई.	जगनिक	वीर रस/ वीर काव्य
पृथ्वीराज रासो	1192 ई	चन्द्रवरदाई	वीररस/प्रबन्ध काव्य
हम्मीर रासो		शारंगधर	

7. 'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ए ऐंदुस्तानी' की रचना की-

(A) कीथ ने (B) ग्रियर्सन ने
(C) गार्सा द तासी ने (D) गिलक्राइस्ट ने

उत्तर – (C)

व्याख्या–'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी' नामक इतिहास ग्रंथ की रचना ''गार्सा द तासी'' ने किया। गार्सा द तासी एक फ्रेंच विद्वान थे तथा उनका इतिहास ग्रंथ फ्रेंच भाषा के दो भागो में सन् 1839 ई. तथा 1847 ई. में प्रकाशित हुआ। इसका तीसरा संस्करण 1871ई. में प्रकाशित हुआ था। हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का सबसे पहला प्रयास तासी ने किया था।
जार्ज ग्रियर्सन द्वारा रचित 'द माडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' (1888 ई.) सच्चे अर्थों में हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास ग्रन्थ माना जाता है।

8. इनमें से कौन-सा कवि अष्टछाप का नहीं है?

(A) सूरदास (B) कुम्भनदास
(C) नन्ददास (D) रैदास

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या– रैदास (संत रविदास) भक्तिकाल निर्गुण काव्य धारा के ज्ञानाश्रयी शाखा के कवि हैं।
अष्टछाप के कवि, जीवनकाल तथा जन्मस्थान का विवरण निम्नवत् हैं-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुंभनदास	1468-1583 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583 ई.	सीही (उ.प्र.)	”
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नोज (उ.प्र.)	”
कृष्णदास	1496-1578 ई.	चिलोतरा (गुजरात)	”
गोविन्द स्वामी	1505-1585 ई.	आंतरी (राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585 ई.	मथुरा (उ.प्र.)	”
चतुर्भुजदास	1530-1585 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	”
नंददास	1533-1583 ई.	रामपुर (उ.प्र.)	”

9. “अनुराग बाँसुरी” किसकी रचना है?
(A) रहीम (B) रसखान (C) नूर मुहम्मद (D) छीत स्वामी
उत्तर – (C)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
इन्द्रावती अनुराग बाँसुरी	1744 ई. 1764 ई.	नूर मुहम्मद
बरवै नायिक भेद	1610-15 ई.	रहीमदास
पदावली		छीतस्वामी
प्रेमवाटिका	1614 ई.	रसखान

10. ‘नैन नचाय कही मुसुकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी’- ये काव्य-पंक्ति किस कवि की है?
(A) पद्माकर (B) मतिराम (C) घनानन्द (D) देव
उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
नेन नचाय कही मुसुकाय, लला फिर आइयो खेलन होरी-	पद्माकर
कुंदन को रंग फीको लगै झलकै सब अंगन चारु गुराई।	मतिराम
अभिधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणालीन अधमव्यंजना रस बिरस, उलटी कहत नवीन	देव
झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजति कानन छ्वै	घनानंद

11. ‘सखि वे मुझसे कह कर जाते’-किस कवि की काव्य पंक्ति है?
(A) सियारामशरण गुप्त
(B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) अयोध्या सिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’
(D) जगदीश गुप्त
उत्तर – (B)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
सखि वे मुझसे कहकर जाते	मैथिलीशरण गुप्त (यशोधरा)
रूपोद्यानप्रफुल्लप्राय कलिका राकेंदुबिंवानना। तन्वंगी कलहासिनी सुरसिका क्रीड़ाकला पुत्तली	अयोध्या सिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’’ (प्रिय प्रवास)
चीरन चीरि दले-भले कंज, मिटी त तऊ मन की अखिलाखै। नौचि कै हारन तै मुकुता, गाहि चोंच मै, मूँदि रहयौ दुऔ आँखे।।	जगदीश गुप्त (छन्दशती)

12. ‘शिवशम्भु के चिट्ठे’ के लेखक कौन है?
(A) प्रतापनारायण मिश्र (B) श्रीनिवास दास
(C) बालकृष्ण भट्ट (D) बालमुकुन्द गुप्त
उत्तर – (D)

व्याख्या-

निबन्ध	प्रकाशन वर्ष	निबन्धकार
शिवशम्भू के चिट्ठे	1904-05 ई.	बालमुकुन्द गुप्त
घूरे का लत्ता बीनै		प्रतापनारायण मिश्र
संसार महानाट्यशाला		बालकृष्ण भट्ट

13. ‘नया ज्ञानोदय’ पत्रिका के सम्पादक कौन हैं?
(A) मृणाल पाण्डेय (B) रवीन्द्र कालिया
(C) प्रभाकर श्रोत्रिय (D) ज्ञान रंजन
उत्तर – (B)

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
नया ज्ञानोदय	2002 ई.	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली
पहल	1960 ई.	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जयपुर
अक्षर		प्रभाकर श्रोत्रिय	मासिक/भोपाल

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

14. देश-विभाजन को लेकर लिखा गया उपन्यास है-
(A) अमृत और विष (B) झूठा सच
(C) अपने-अपने अजनबी (D) अंतराल
उत्तर – (B)

व्याख्या–

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार	विषयवस्तु
झूठा सच (दो भाग)	भाग-1-1958 भाग-2-1960	यशपाल	राष्ट्र विभाजन एवं त्रासदी का चित्रण स्वतंत्रता पश्चात देश की यथार्थ स्थिति
अमृत और विष	1966ई.	अमृतलाल नागर	भारतीय गणतंत्र के 15 वर्षों का राजनैतिक एवं सामाजिक चित्रण
अपने-अपने अजनबी	1961ई.	अज्ञेय	मत्यु से साक्षात्कार
अन्तराल	1972ई.	मोहन राकेश	सामाजिक राजनीतिक चित्रण

15. ‘धातुसेन’ प्रसाद के किस नाटक का पात्र है?
(A) राज्यश्री (B) चन्द्रगुप्त
(C) ध्रुवस्वामिनी (D) स्कन्दगुप्त
उत्तर – (D)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	पात्र
स्कन्दगुप्त	1928 ई.	धातुसेन, पुरुगुप्त, अनंतदेवी, देवसेना, विजया, भट्टार्क बंधु वर्मा
राज्यश्री	1915 ई.	राज्यश्री
चन्द्रगुप्त	1931 ई.	चाणक्य, शकटार, सिंहरण, सिल्यूकस, कर्नेलिया, कल्याणी, एलिस, मालविका, अलका, सुवासिनी, आम्भीक, राक्षस
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	चन्द्रगुप्त, रामगुप्त, शिखर स्वामी, ध्रुवस्वामिनी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

16. निम्नलिखित रचनाओं में से कौन-सा यात्रावृत्त है?

(A) चीड़ों पर चाँदनी (B) भूले-बिसरे चित्र
(C) अपनी खबर (D) पथ के साथी

उत्तर – (A)

व्याख्या–

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
चीड़ों पर चाँदनी	1964 ई.	निर्मल वर्मा	यात्रावृत्त
अपनी खबर	1960 ई.	पाण्डेय वेचन शर्मा 'उग्र'	आत्मकथा
पथ के साथी	1956 ई.	महादेवी वर्मा	संस्मरण
भूले बिसरे चित्र	1959 ई.	भगवतीचरण वर्मा	उपन्यास

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

17. अपभ्रंश शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?

(A) भरत मुनि (B) पतंजलि
(C) राजशेखर (D) भामह

उत्तर – (D)

व्याख्या–अपभ्रंश शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग भामह ने किया था। स्वयंभू को 'अपभ्रंश' का बाल्मीकि और पुष्पदंत को 'अपभ्रंश का व्यास' कहा जाता है।

18. 'व्यंजना शक्ति' का कार्य क्या है?

(A) मूल्य अर्थ को व्यक्त करना
(B) प्रयोजन को व्यक्त करना
(C) मुख्यार्थ की व्याख्या करना
(D) मुख्यार्थ में छिपे अकथित अर्थ को व्यक्त करना

उत्तर – (D)

व्याख्या–व्यंजना शक्ति का कार्य काव्य के मुख्यार्थ में छिपे अकथित अर्थ को व्यक्त करती है।

19. 'विखण्डनवाद' के प्रवर्तक कौन हैं?

(A) देरिदा (B) लीविस
(C) फूकोयामा (D) ग्राम्शी

उत्तर – (A)

व्याख्या–विखण्डनवाद (विखण्डन का सिद्धान्त) के प्रवर्तक जॉक देरिदा हैं। फ्रैंक रेमंड लीविस 'नयी आलोचना' से सम्बन्धित प्रमुख आलोचक हैं - ग्राम्शी मार्क्सवादी आलोचना के प्रमुख समीक्षक हैं।

20. काव्य में 'निर्वैयक्तिकता' के सिद्धांत की स्थापना किसने की?

(A) कॉलरिज (B) मैथ्यू अर्नाल्ड
(C) टी.एस. इलियट (D) आई.ए. रिचर्ड्स

उत्तर – (C)

व्याख्या-

सिद्धान्त	प्रवर्तक
निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण का सिद्धान्त, संवेदनशीलता का असाहचर्य सिद्धान्त, वैयक्तिप्रज्ञा (वैयक्तिक बुद्धि) एवं परम्परा की परिकल्पना का सिद्धान्त	टी.एस. इलियट
सम्प्रेषण एवं मूल्य का सिद्धान्त, रागात्मक भाषा का सिद्धान्त	आई. ए.रिचर्ड्स
नव्य अभिजात्यवाद का सिद्धान्त	मैथ्यू आर्नाल्ड
कल्पना का सिद्धान्त	कॉलरिज

तथ्य विविधा

21. कालक्रम की दृष्टि से सही अनुक्रम क्या है?

(A) ब्राह्मण, बंगदूत, हिन्दी प्रदीप, हंस
(B) हिन्दी प्रदीप, हंस, बंगदूत, ब्राह्मण
(C) बंगदूत, हिन्दी प्रदीप, ब्राह्मण, हंस
(D) हंस, हिन्दी प्रदीप, बंगदूत, ब्राह्मण

उत्तर – (C)

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
बंगदूत	1829 ई.	राजाराममोहन राय	साप्ताहिक/कलकत्ता
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र	मासिक/कानपुर
हंस	1930 ई.	प्रेमचन्द	मासिक/बनारस

22. निम्नलिखित उपन्यासों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम क्या है?

(A) सूरज का सातवां घोड़ा, शेखर एक जीवनी, कंकाल, परीक्षा गुरू
(B) कंकाल, परीक्षा गुरु, शेखर एक जीवनी, सूरज का सातवां घोड़ा
(C) परीक्षा गुरु, कंकाल, सूरज का सातवां घोड़ा, शेखर एक जीवनी
(D) परीक्षा गुरु, कंकाल, शेखर एक जीवनी, सूरज का सातवां घोड़ा

उत्तर – (D)

व्याख्या-

उपन्यास	प्रकाशन वर्ष	उपन्यासकार
परीक्षा गुरू	1882 ई.	श्रीनिवासदास
कंकाल	1929 ई.	जयशंकर प्रसाद
शेखर एक जीवनी	1941 ई.	अज्ञेय
सूरज का सातवां घोड़ा	1952 ई.	धर्मवीर भारती

नोट-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने लाला श्रीनिवासदास 'कृत' 'परीक्षागुरू' को अंग्रेजी के ढंग का हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास मानते हैं।

23. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों का कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?

(A) रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, गार्सा द तासी, शिवसिंह सेंगर
(B) शिव सिंह सेंगर, गार्सा द तासी, मिश्रबंधु, रामचन्द्र शुक्ल
(C) शिवसिंह सेंगर, गार्सा द तासी, रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु
(D) गार्सा द तासी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, रामचन्द्र शुक्ल

उत्तर – (D)

व्याख्या -

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
शिवसिंह सरोज	1883 ई.	शिवसिंह सेंगर
इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी	प्रथम भाग-1839 द्वितीय भाग-1847 तृतीय भाग-1871	गार्सा द तासी
मिश्रबन्धु विनोद	1913 ई.	मिश्रबन्धु
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

24. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम क्या है?

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(A) आषाढ़ का एक दिन, आधे अधूरे, पैरों तले जमीन, लहरों के राजहंस
(B) आषाढ़ का एक दिन, आधे अधूरे, पैरों तले जमीन, लहरों के राजहंस
(C) आधे अधूरे, लहरों के राजहंस, पैरों तले जमीन, आषाढ़ का एक दिन
(D) पैरों तले जमीन, आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे अधूरे

उत्तर – (A)

व्याख्या–मोहन राकेश आधुनिकता बोध के नाटककार हैं तथा उनके प्रमुख नाटकों का सही अनुक्रम - आषाढ़ का एक दिन (1958), लहरों का राजहंस (1963), आधे अधूरे (1969) तथा पैरों तले जमीन (अधूरा)।

25. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित कहानियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) पूस की रात, पत्नी, बुद्धू का काँटा, परिन्दे
(B) बुद्धू का काँटा, पूस की रात, पत्नी, परिन्दे
(C) पत्नी, बुद्धू का काँटा, पूस की रात, परिन्दे
(D) पूस की रात, परिन्दे, बुद्धू का काँटा, पत्नी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
बुद्धू का काँटा	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
पूस की रात	1930 ई.	प्रेमचन्द
पत्नी		जैनेन्द्र
परिन्दे	1960 ई.	निर्मल वर्मा

26. कालक्रम की दृष्टि से निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम क्या है?
(A) अपनी खबर, आज के अतीत, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा
(B) अर्द्धकथा, अपनी खबर, आज के अतीत, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा
(C) आज के अतीत, अपनी खबर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा
(D) अपनी खबर, क्या भूलूँ क्या याद करूँ, अर्द्धकथा, आज के अतीत

उत्तर – (A)

व्याख्या-

आत्मकथा	**प्रकाशन वर्ष**	**आत्मकथाकार**
अपनी खबर	1960 ई.	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
क्या भूलूँ क्या याद करूँ नीड़ का निर्माण फिर बसेरे से दूर दश द्वार से सोपान तक	प्रथम-1969 द्वितीय-1970 तृतीय-1978 चतुर्थ-1985	हरिवंश राय बच्चन
अर्द्धकथा	1988	डॉ. नगेन्द्र
आज के अतीत	2003	भीष्म साहनी

27. निम्नलिखित काव्य-कृतियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) साकेत, कामायनी, लोकायतन, प्रियप्रवास
(B) प्रियप्रवास, साकेत, कामायनी, लोकायतन
(C) प्रियप्रवास, कामायनी, साकेत, लोकायतन
(D) कामायनी, साकेत, लोकायतन, प्रियप्रवास

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य कृति	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**	**प्रकार**
प्रिय प्रवास	1914 ई.	हरिऔध	प्रबन्ध काव्य
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त	काव्य ग्रंथ
कामायनी	1936 ई.	जयशंकर प्रसाद	महाकाव्य
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानंदन पंत	महाकाव्य

28. निम्नलिखित काव्य-प्रवृत्तियों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) अलंकारिकता, इतिवृत्तात्मकता, क्षणवाद, शोषण का विरोध
(B) इतिवृत्तात्मकता, शोषण का विरोध, अलंकारिकता, क्षणवाद
(C) अलंकारिकता, इतिवृत्तात्मकता, शोषण का विरोध, क्षणवाद
(D) अलंकारिकता, क्षणवाद, शोषण का विरोध, इतिवृत्तात्मकता

उत्तर – (C)

व्याख्या- काव्य- 'प्रवृत्तियों' का सही अनुक्रम-

काव्य प्रवृत्तियाँ	**काल (युग)**
अलंकारिकता	रीतिकाल
इतिवृत्तात्मकता	द्विवेदी युग
काल्पनिकता	छायावाद
शोषण का विरोध	प्रगतिवाद
क्षणवाद	नई कविता

29. 'आलोचना' पत्रिका के सम्पादकों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) धर्मवीर भारती, शिवदान सिंह चौहान, नन्द दुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह
(B) नन्द दुलारे वाजपेयी, शिवदान सिंह चौहान, धर्मवीर भारती, नामवर सिंह
(C) शिवदान सिंह चौहान, धर्मवीर भारती, नन्द दुलारे वाजपेयी, नामवर सिंह
(D) शिवदान सिंह चौहान, नन्द दुलारे वाजपेयी, धर्मवीर भारती, नामवर सिंह

उत्तर – (B)

व्याख्या–'आलोचना (त्रैमासिक/दिल्ली) पत्रिका के सम्पादकों का सही अनुक्रम – नन्ददुलारे वाजपेयी, शिवदान सिंह चौहान (1951), धर्मवीर भारती, रघुवंश, ब्रजेश्वर वर्मा, विजय देव नारायण शाही , नामवर सिंह, अरूण कमल (वर्तमान सम्पादक)

30. इनमें से कौन-सा अनुक्रम संगत है?
(A) जयशंकर प्रसाद, स्कन्दगुप्त, धातुसेन, प्रसादान्त
(B) जयशंकर प्रसाद, चन्द्रगुप्त, प्रपंचबुद्धि, दुखान्त
(C) जयशंकर प्रसाद, राज्यश्री, कोमा, दुखान्त
(D) जयशंकर प्रसाद, ध्रुवस्वामिनी, चाणक्य, सुखान्त

उत्तर – (A)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद के सम्बन्ध में सही अनुक्रम-
जयशंकर प्रसाद-स्कन्दगुप्त-धातुसेन-प्रसादान्त

31. कौन-सा युग्म संगत है?
(A) साहित्य लहरी — पद्माकर
(B) लोकायतन — निराला
(C) एक कण्ठ विषपायी — नागार्जुन
(D) वैराग्य संदीपनी — तुलसीदास

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
साहित्य लहरी	1550 ई.	सूरदास	काव्यग्रंथ
लोकायतन	1964 ई.	सुमित्रानंदन पंत	महाकाव्य
एक कण्ठ विषपायी	1963 ई.	दुष्यन्त कुमार	नाट्यगीति
वैराग्य संदीपनी	1569-70 ई.	तुलसीदास	काव्य ग्रंथ
पद्माभरण	1810 ई.	पद्माकर	रीतिग्रन्थ
भस्मांकुर	1971 ई.	नागार्जुन	खण्ड काव्य
अनामिका	1923 ई.	निराला	काव्य संग्रह

32. इन सिद्धांतों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) उत्पत्तिवाद	(i) अभिनव गुप्त
(B) अनुमितिवाद	(ii) भट्टनायक
(C) अभिव्यक्तिवाद	(iii) भट्ट लोल्लट
(D) भुक्तिवाद	(iv) विश्वनाथ
	(v) शंकुक

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iv	iii	i
(B)	i	v	ii	iii
(C)	iii	v	i	ii
(D)	iv	ii	iii	v

उत्तर – (C)

व्याख्या-

सिद्धान्त	आचार्य	दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा
अनुमितिवाद	शंकुक	न्याय
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्टनायक	सांख्य

33. इन रचनाओं को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) खुमाण रासो	(i) चन्दबरदाई
(B) परमाल रासो	(ii) अब्दुर्रहमान
(C) बीसलदेव रासो	(iii) दलपति विजय
(D) पृथ्वीराज रासो	(iv) नरपति नाल्ह
	(v) जगनिक

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	v	iv	i
(B)	i	ii	v	iv
(C)	v	iv	iii	ii
(D)	ii	iii	v	i

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार
खुमाण रासो	9वीं शताब्दी	दलपति विजय
परमाल रासो (आल्ह खण्ड)	1230 ई.	जगनिक
बीसलदेव रासो	1212 ई.	नरपति नाल्ह
पृथ्वीराज रासो	1192 ई.	चन्दबरदाई
संदेश रासक	12-13शताब्दी	अब्दुर्रहमान

नोट-संदेश रासक, देशीभाषा में किसी मुसलमान द्वारा लिखा गया पहला धर्मेत्तर रास ग्रंथ है। यह एक खण्ड काव्य है।

34. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) राज्यश्री	(i) प्रभाकर श्रोत्रिय
(B) यमगाथा	(ii) लक्ष्मीनारायण लाल
(C) राम की लड़ाई	(iii) जयशंकर प्रसाद
(D) साँच कहूँ तो	(iv) स्वदेश दीपक
	(v) दूधनाथ सिंह

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	i	iv
(B)	v	iii	ii	i
(C)	iii	ii	iv	v
(D)	iii	v	ii	i

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
राज्यश्री	1915 ई.	जयशंकर प्रसाद	नाटक
यमगाथा	2000 ई.	दूधनाथ सिंह	नाटक
राम की लड़ाई	1979 ई.	लक्ष्मीनारायण लाल	नाटक
साँच कहूँ तो	1993 ई.	प्रभाकर श्रोत्रिय	नाटक
कोर्ट मार्शल	1991 ई.	स्वदेश दीपक	नाटक

35. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) बसो मोरे नैनन में नंदलाल	(i) नानक देव
(B) प्रभु जी मोरे अवगुन चित्त न धरो	(ii) कबीर
(C) अब लौ नसानी अब न नसैहौ	(iii) सूरदास
(D) अव्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बन्दे	(iv) तुलसीदास
	(v) मीराबाई

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	iv	ii
(B)	iv	ii	iii	i
(C)	iii	iv	v	i
(D)	ii	iii	iv	v

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
बसो मेरे नैनन में नंदलाल	मीराबाई
प्रभुजी मोरे अवगुन चित्त न धरो	सूरदास
अब लौ नसानी अब न नसैहो	तुलसीदास
अव्वल अल्लह नूर उपाया कुदरत के सब बन्दे	कबीरदास
जो नर दुख में दुख नहि मानै सुख सनेह अरू भय नहि जाके	नानक देव

36. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) स्वर ध्वनियाँ	(i) क,ख,ग,घ,ड.
(B) तालव्य ध्वनियाँ	(ii) ख,थ,फ,भ
(C) अल्पप्राण ध्वनियाँ	(iii) क,त,प,ट
(D) महाप्राण ध्वनियाँ	(iv) अं, अः,ए, ओ
	(v) च,छ,ज,झ

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	iv	v
(B)	v	ii	i	iii
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	iv	v	iii	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या–स्वर ध्वनियाँ- अं, अः, ऐ, ओ
तालव्य ध्वनियाँ- च, छ, ज, झ
अल्पप्राण ध्वनियाँ- क, त, प, ट
महाप्राण- ख, थ, फ, भ
कण्ठ ध्वनियाँ- क, ख, ग, घ, ङ
नोट - घोष/सघोष ध्वनियाँ - समस्त स्वर वर्ग का 3, 4, 5 वर्ण तथा य र ल व ह ध्वनियाँ आती हैं।

37. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) क्रोचे	(i) अभिव्यंजनावाद
(B) आई.ए. रिचर्ड्स	(ii) कल्पना
(C) कॉलरिज	(iii) निर्वैक्तिकता का सिद्धांत
(D) इलियट	(iv) सम्प्रेषण सिद्धांत
	(v) उदात्त तत्व

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iii	ii	i
(B)	i	iv	ii	iii
(C)	iv	ii	i	iiii
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-

सिद्धान्त	प्रवर्तक
अभिव्यंजनावाद का सिद्धान्त	क्रोचे
सम्प्रेषण का सिद्धान्त	आई. ए. रिचर्ड्स
कल्पना का सिद्धान्त	कॉलरिज
निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त	इलियट
उदात्त तत्व का सिद्धान्त	लोंगिनुस/लोंजाइनस

38. इनमें से कौन-सा उद्धरण रचना और रचनाकार के संबंध से संगत है?

सूची I	सूची II
(A) 'संत हृदय नवनीत समाना'	(i) रसलीन
(B) 'काहे री नलिनी तू कुम्हिलानी'	(ii) बिहारी
(C) 'अमिय हलाहल मद भरे'	(iii) तुलसीदास
(D) 'मेरी भवबाधा हरो'	(iv) कबीर
	(v) सूरदास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	i	ii
(B)	iv	ii	i	v
(C)	v	iii	ii	iv
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पंक्ति	पंक्तिकार
सन्त हृदय नवनीत समाना	तुलसीदास
काहे री नलिनी तू कुम्हिलानी	कबीर
अमिय हलाहल मद भरे	रसलीन
मेरे भव बाधा हरो, राधा नागरि सोइ	बिहारी
देखि री! हरि के चंचल नैन। खंजन मीन मृंगज चपलाई नहि पटतर एक सैन।।	सूरदास

39. इन बोलियों को उनके बोली क्षेत्र से सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) ब्रजभाषा	(i) छपरा
(B) भोजपुरी	(ii) सुल्तानपुर
(C) मैथिली	(iii) बरेली
(D) अवधी	(iv) अलीगढ़
	(v) दरभंगा

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	ii	v	i
(B)	iv	i	v	ii
(C)	ii	i	v	iii
(D)	v	ii	iii	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-

बोली	बोली क्षेत्र
ब्रजभाषा	अलीगढ़
भोजपुरी	छपरा
मैथिली	दरभंगा
अवधी	सुल्तानपुर
ब्रजभाषा	बरेली

40. इन आचार्यों को उनकी कृतियों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
(A) चिन्तामणि	(i) नख-शिख वर्णन
(B) मतिराम	(ii) काव्य निर्णय
(C) केशव	(iii) कविकुल कल्पद्रुम
(D) भिखारीदास	(iv) काव्य कल्पद्रुम
	(v) ललित ललाम

कोड-

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	i	iv
(B)	iii	iv	v	i
(C)	v	iv	i	iii
(D)	iii	v	i	ii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
कविकुल कल्पद्रुम	1650 ई.	चिन्तामणि
ललित ललाम	1661-64 ई.	मतिराम
नख-शिख वर्णन		केशवदास
काव्य निर्णय	1746 ई.	भिखारीदास

निर्देश : (41-45) - निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिए गए प्रश्नों के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

कविता विश्व का अन्तरतम संगीत है, उसके आनन्द का रोमहास है, उसमें हमारी सूक्ष्मतम दृष्टि का मर्म प्रकाश है। जिस प्रकार कविता में भावों का अन्तरस्थ हत्स्पन्दन अधिक गम्भीर, परिस्फुट तथा परिपक्व रहता है, उसी प्रकार छन्दबद्ध भाषा में भी राग का प्रभाव, उसकी शक्ति, अधिक जाग्रत, प्रबल तथा परिपूर्ण रहती है। राग-ध्वनि लोक की कल्पना है। जो कार्य भाव जगत् में कल्पना करती है, वह कार्य शब्द जगत् में राग, दोनों अभिन्न है। यदि किसी भाषा के छन्दों में, भारती के प्राणों में शक्ति तथा स्फूर्ति संचार करने वाले उसके संगत को अपनी उन्मुक्त झंकारों के पंखों में उड़ने के लिए प्रशस्त क्षेत्र तथा विशालकोश न मिलता हो, वह पिंजरबद्ध कीर की तरह, छन्द के अस्वाभाविक बन्धनों से कुण्ठित हो, उड़ने की चेष्टा में छटपटाकर गिर पड़ता हो, तो

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

उसे भाषा में छन्दबद्ध काव्य का प्रयोजन ही क्या? प्रत्येक भाषा के छन्द उसके उच्चारण संगीत के अनुकूल होने चाहिए। जिस प्रकार पतंग डोर के लघु-गुरु संकेतों की सहायता से और भी ऊँची-ऊँची उड़ती जाती है, उसी प्रकार कविता का राग भी छन्द के इंगितों से दृप्त तथा प्रभावित होकर अपनी ही उन्मुक्ति में अनन्त की ओर अग्रसर होता है। हमारे साधारण वार्तालाप में भाषा संगीत को जो यथेष्ट क्षेत्र नहीं प्राप्त होता, उसी की पूर्ति के लिए काव्य में छन्दों का प्रादुर्भाव हुआ है। कविता में भावों के प्रगाढ़ संगीत के साथ भाषा का संगीत भी पूर्ण परिस्फुट होना चाहिए तभी दोनों में संतुलन रह सकता है।

41. कविता का राग छन्द तृप्त होता है-

(A) यह कथन भ्रामक है (B) यह कथन गलत है
(C) यह कथन सही है (D) यह कथन अस्पष्ट है

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता का राग विश्व का अन्तरतम संगीत है। कविता आनन्द का रोमहास तथा सूक्ष्मतम दृष्टि का मर्म प्रकाश है जिस प्रकार कविता में भावों का अन्तरस्थ हत्स्पन्दन अधिक गम्भीर परिस्फुट तथा परिपक्व रहता है उसी प्रकार छन्दबद्ध भाषा से कविता का राग छन्द तृप्त होता है।

42. कविता में छन्दों का अस्वाभाविक बन्धन-

(A) उचित है (B) उसका निषेध करना चाहिए
(C) अनुचित है (D) उससे बचना चाहिए

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता पिंजरबद्ध कीर की तरह छन्द के अस्वाभाविक बन्धनों से बंधा (कुण्ठित) होता है जिससे कविता स्वच्छंद वातावरण में अपना विकास नहीं कर पाती, यह सर्वथा अनुचित है।

43. राग और कल्पना में क्या संबंध है?

(A) परस्पर अभिन्न है (B) परस्पर पूरक है
(C) परस्पर विपरीत है (D) परस्पर समानार्थी है

उत्तर – (B)

व्याख्या–राग और कल्पना एक दूसरे के परस्पर पूरक हैं कविता के राग का प्रभाव, शक्ति, जाग्रत, प्रबल तथा परिपूर्ण होती है तथा राग-ध्वनि लोक की कल्पना तथा कार्य भाव जगत में कल्पना करती है।

44. छन्द के इंगित से कविता का राग-

(A) बाधित होता है (B) कुण्ठित होता है
(C) स्पष्ट होता है (D) अनन्त की ओर अग्रसर होता है

उत्तर – (C)

व्याख्या– कविता का राग छन्दों के इंगितों से दृप्त तथा प्रभावित होकर अपनी उन्मुक्ति में अनन्त की ओर अग्रसर (स्पष्ट) होता है।

45. भाषा का संगीत किसका उपकारक है?

(A) कल्पना का (B) भावो के संगीत का
(C) छन्द का (D) सूक्ष्म दृष्टि का

उत्तर – (C)

व्याख्या–कविता में भावों के प्रगाढ़ संगीत तथा भाषा के संगीत का पूर्ण परिस्फुट होना छन्दों का उपकारक होना चाहिए।

कथोपकथन

निर्देश : (46-50) – दी गई स्थापनाओं (Assertion) और (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़कर बहु-विकल्पीय उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

46. A- स्थापना : भक्तिकालीन हिन्दी कविता लोकमंगल के प्रति समर्पित है।
R- तर्क : लोकहित भक्ति काव्य का मुख्य उद्देश्य है।

(A) A सही और R गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A गलत R सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (B)

व्याख्या–भक्तिकाल मुख्यतः दो भागों में बँटा है, पूर्व भक्तिकाल तथा उत्तर भक्तिकाल। भक्तिकालीन काव्य का प्रमुख उद्देश्य लोक कल्याण एवं सामान्य जनमानस के हित के लिए मार्ग प्रशस्त करना। भक्तिकाल की कविताएँ लोक मंगल के प्रति समर्पित थी, भक्तिकाल में काव्य परम्परा की तीन शाखायें सगुण भक्ति काव्य परम्परा, निर्गुण भक्ति काव्य परम्परा तथा सूफी (प्रेमाख्यान) काव्य परम्परा प्रचलित थी।

47. A- स्थापना : वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान।
उमड़कर आँखों से चुपचाप, बही होगी कविता अनजान।
R- तर्क : कविता की मूल प्रेरणा वेदना है।

(A) A सही और R गलत (B) A गलत और R सही
(C) A और R दोनों गलत (D) A और R दोनों सही

उत्तर – (B)

व्याख्या–वियोगी होगा पहला कवि आह से उपजा होगा गान। निकलकर आँखों से चुपचाप बही होगी कविता अनजान। उपर्युक्त पंक्ति आधुनिक काल के प्रमुख छायावादी तथा प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत की है।

48. A- स्थापना : भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता राष्ट्रीय चेतना से अनुप्राणित है।
R- तर्क : सभी कवि राष्ट्रीय आन्दोलन में सक्रिय थे।

(A) A और R दोनो सही (B) A सही R गलत
(C) R सही A गलत (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (A)

व्याख्या–भारतेन्दु युग में हिन्दी कविता नाटक उपन्यास आदि सभी विधाएँ राष्ट्रीय चेतना से अनुप्रमाणित थी तथा सभी भारतेन्दु युगीन कवियों में देशभक्ति की भावना थी जो उनकी रचनाओं में परिलक्षित होती है। लेकिन भारतेन्दु युग के सभी कवि राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल नहीं थे।

49. A- स्थापना : हिन्दी के सभी नए कवि अस्तित्ववादी हैं।
R- तर्क : हिन्दी की नई कविता में एक ही भावधारा उपलब्ध है।

(A) A और R दोनों गलत (B) A गलत R सही
(C) A और R दोनों सही (D) A सही R गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–आधुनिक काल के कवियों ने हिन्दी में अस्तित्ववाद कुछ कवियों ने ही अपनाया है। हिन्दी की नई कविता में एक ही भावधारा उपलब्ध है।

50. A- स्थापना : नारी चेतना की प्रामाणिक अभिव्यक्ति स्त्री लेखिकाएँ ही कर सकती हैं।
R- तर्क : स्त्री सम्बन्धी सर्जनात्मक लेखन और स्त्री-विमर्श दोनों अलग हैं।

(A) A सही और R गलत (B) A और R दोनों सही
(C) A गलत और R सही (D) A और R दोनों गलत

उत्तर – (C)

व्याख्या–नारी चेतना की प्रामाणिक अभिव्यक्ति केवल नारी ही करें ऐसा जरूरी नहीं है,अनेकें पुरुष लेखकों ने भी नारी चेतना को अभिव्यक्त किया है। स्त्री सम्बन्धी सर्जनात्मक लेखन और स्त्री विमर्श दोनों अलग है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, जून-2005

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं।
सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. निम्नलिखित में से कौन पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है?

(A) बुंदेली (B) ब्रज
(C) कन्नौजी (D) बघेली

उत्तर – (D)

व्याख्या–हिन्दी का विकास क्रम- संस्कृत- पालि → प्राकृत → अपभ्रंश → हिन्दी
अपभ्रंश तथा उनसे विकसित उपभाषा एवं बोलियों का विवरण निम्नवत है।

अपभ्रंश	उपभाषा	बोली
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

2. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है?

(A) 343-351तक (B) 434-315 तक
(C) 434-135 तक (D) 334-153 तक

उत्तर – (A)

व्याख्या–14 सितम्बर 1949 ई. को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा का संविधान में प्रावधान है तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है।

3. 'दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा' का मुख्यालय कहाँ पर स्थित है?

(A) हैदराबाद (B) बेंगालूर
(C) चेन्नई (D) मैसूर

उत्तर – (C)

व्याख्या–हिन्दी भाषा का दक्षिण भारत हिन्दी प्रभार सभा का मुख्यालय मद्रास (चेन्नई) में था। इसकी स्थापना महात्मा गांधी द्वारा सन् 1927 ई. में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए किया गया था। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का पूर्व नाम हिन्दी साहित्य सम्मेलन था।

4. निम्नलिखित में से कौन-सी सघोष महाप्राण ध्वनि है?

(A) ख (B) घ
(C) ज (D) ठ

उत्तर – (B)

व्याख्या– सघोष महाप्राण– सघोष महाप्राण वो ध्वनियाँ होती हैं जो महाप्राण व्यंजन तथा घोष व्यंजन को मिलाकर अर्थात जो व्यंजन दोनों में पाये जाये, बनती है।
महाप्राण व्यंजन – ख, घ, छ, झ, फ, भ, ठ, ढ, थ, ध, श, स, ष, ह
घोष व्यंजन– ग, घ, ङ, ज, झ, ञ, ड, ढ, ण, द, ध, न, ब, भ, म, य, र, ल, व, ह
सघोष महाप्राण – घ, झ, भ, ढ, ध

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

अघोष महाप्राण – अघोष महाप्राण वो ध्वनियाँ होती हैं जो महाप्राण व्यंजन तथा अघोष व्यंजन को मिलाकर अर्थात जो व्यंजन दोनों में पाये जाये बनती हैं
महाप्राण व्यंजन – ख, घ, छ, झ, फ, भ, ठ, ढ, थ, धन, श, स, ष, ह
अघोष व्यंजन– क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, स
अघोष महाप्राण– ख, छ, ठ, थ, फ, श, ष, स।

5. **निम्नलिखित में से कौन-सा पश्च स्वर है**
(A) आ (B) इ
(C) ई (D) अ
उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी भाषा में जिह्वा के पश्चस्वर उत्थापित आधार पर आ, उ, ऊ ओ, ओ, ऑ आदि हैं इ, ई अग्र स्वर तथा अ मध्य स्वर हैं।

6. **हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन-सा है?**
(A) पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी
(B) प्राकृत, अपभ्रंश, हिन्दी, पालि
(C) अपभ्रंश, पालि, प्राकृत, हिन्दी
(D) हिन्दी, पालि, अपभ्रंश, प्राकृत
उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी भाषा का विकास -
संस्कृत (1500 ई.पू.- 500 ई.पू.)
↓
पालि (500 ई.पू.- 1 ई.)
↓
प्राकृत (1 ई.- 500 ई.)
↓
अपभ्रंश (500 ई.- 1000ई.)
↓
हिन्दी (1000ई.- अब तक)
(आधुनिक भारतीय भाषाएँ)

हिन्दी साहित्य का इतिहास

7. **हिन्दी में हिन्दी साहित्य का इतिहास सबसे पहले किसने लिखा है?**
(A) ग्रियर्सन (B) शिवसिंह सेंगर
(C) गार्सा द तासी (D) रामचन्द्र शुक्ल
उत्तर – (C)

व्याख्या–हिन्दी साहित्य का इतिहास सर्वप्रथम फ्रेंच विद्वान 'गार्सा द तासी' ने 'इस्त्वार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी' नाम से लिखा। जिसके प्रथम भाग का प्रकाशन 1839ई. तथा द्वितीय भाग का प्रकाशन 1847ई. में हुआ। यह फ्रेन्च भाषा में लिखा गया है। बाद में यह तीन भागों में विभक्त हो गया जिसका प्रकाशन सन् 1871ई. में हुआ था। यह ग्रंथ ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैण्ड की प्राच्य साहित्य अनुवादक समिति की ओर से पेरिस में मुद्रित किया गया।

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
द माडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान	1888 ई.	ग्रियर्सन
शिव सिंह सरोज	1883 ई.	शिव सिंह सेंगर
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	रामचन्द्र शुक्ल

नोट-(1) डॉ. किशोरीलाल गुप्त ने *'द माडर्न वर्नाक्युलर लिटलेचर ऑफ हिन्दुस्तान'* का *हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास'* शीर्षक से सन् 1957 ई. में अनुवाद किया।
(2) आचार्य शुक्ल का इतिहास मूलतः नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित *'हिन्दी शब्द सागर'* की भूमिका के रूप में 'हिन्दी साहित्य का विकास' के नाम से सन् 1929 ई. में प्रकाशित हुआ।

8. **'हिन्दी साहित्य की भूमिका' पुस्तक के लेखक कौन हैं?**
(A) रामचन्द्र शुक्ल (B) रामकुमार वर्मा
(C) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (D) हजारी प्रसाद द्विवेदी
उत्तर – (D)

व्याख्या -

इतिहास ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	इतिहासकार
हिन्दी साहित्य की भूमिका हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1940 ई. 1952 ई. 1952 ई.	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	डा. रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो भाग) वाङ्मय विमर्श	I-1959 II-1960 1944 ई.	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

9. **निम्नलिखित में से कौन अष्टछाप का कवि है?**
(A) मीराबाई (B) रसखान
(C) सूरदास (D) विद्यापति
उत्तर – (C)

व्याख्या–आचार्य रामचंद्र शुक्ल अपने 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' में कृष्ण भक्ति शाखा के कवियों का सही प्रस्तुत अनुक्रम निम्नवत है अष्टछाप कवियों का जीवनक्रम-

कवि	जीवनकाल	जन्म स्थान	गुरू
कुम्भनदास	1468-1583 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	बल्लभाचार्य
सूरदास	1478-1583 ई.	सीही (उ.प्र.)	,,
परमानन्ददास	1493 ई.	कन्नौज (उ.प्र.)	,,
कृष्णदास	1496-1578 ई.	चिलोतरा(गुजरात)	,,
गोविन्द स्वामी	1505-1585 ई.	आंतरी(राजस्थान)	विठ्ठलनाथ
छीतस्वामी	1515-1585 ई.	मथुरा (उ.प्र.)	,,
चतुर्भुजदास	1530-1585 ई.	जमुनावती (उ.प्र.)	,,
नंददास	1533-1583 ई.	रामपुर (उ.प्र.)	,,

10. **'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका के सम्पादक कौन थे?**
(A) चौधरी बद्रीनारायण चौधरी प्रेमधन
(B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) शिव प्रसाद सितारे हिंद
(D) महावीर प्रसाद द्विवेदी
उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'	मासिक/मिर्जापुर

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

नागरी नीरद	1893 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'	साप्ताहिक/मिर्जापुर
सरस्वती	1903 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी	मासिक/इलाहाबाद
कविवचन सुधा	1868 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.पा.सा./काशी
हरिश्चन्द्र मैगजीन	1873 ई.		मासिक/बनारास
बालबोधिनी	1874		मासिक/बनारस
बनारस अखबार	1845 ई.	राजा शिवप्रसाद 'सितारेहिन्द'	साप्ताहिक/बनारास

नोट-सरस्वती की स्थापना सन् 1900 में काशी में हुई थी इसके प्रथम सम्पादक चिन्तामणि घोष थे

11. निम्नलिखित में से कौन सप्तक परम्परा का कवि नहीं है?

(A) हरि नारायण व्यास (B) श्रीकांत वर्मा
(C) नेमिचन्द्र जैन (D) नरेश मेहता

उत्तर – (B)

व्याख्या-तार सप्तक (1943) में संकलित कवियों का विवरण -

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1911-1987	देवरिया
2.	रामविलास शर्मा	1912-2000	उन्नाव
3.	गजानन माधव मुक्ति बोध	1917-1964	ग्वालियर
4.	प्रभाकर माचवे 'बलवंत'	1917-1991	ग्वालियर
5.	नेमिचन्द्र जैन	1918	आगरा
6.	गिरिजा कुमार माथुर	1918-1994	मध्य प्रदेश
7.	भारतभूषण अग्रवाल	1919-1975	मथुरा

'दूसरा सप्तक' (1951) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	शमशेर बहादुर सिंह	1911-1993	देहरादून
2.	भवानी प्रसाद मिश्र	1913-1985	होशंगाबाद
3.	शकुन्त माथुर	1922	दिल्ली
4.	हरिनारायण घनश्याम व्यास	1923	मध्य प्रदेश
5.	नरेश मेहता	1924	गुजरात
6.	धर्मवीर भारती	1926-1997	इलाहाबाद
7.	रघुवीर सहाय	1929-1990	लखनऊ

'तीसरा सप्तक (1959)' में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	प्रयाग नारायण त्रिपाठी	1919	रायबरेली
2.	मदन वात्स्यायन	1922	-
3.	विजय देव नारायण साही	1924-1982	काशी
4.	कुँवर नारायण	1927	फैजाबाद
5.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	1927-1983	बस्ती
6.	केदारनाथ सिंह	1932	-
7.	कीर्ति चौधरी	1935	उन्नाव

चौथा सप्तक (1979) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्म स्थान
1.	अवधेश कुमार		
2.	राजकुमार कुंभज		
3.	स्वदेश भारती		
4.	नंद किशोर आचार्य		
5.	सुमन राजे		
6.	श्रीराम शर्मा		
7.	राजेन्द्र किशोर		

नोट-चारों सप्तकों के सम्पादक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' है। सप्तक सात कवियों का संकलन होता है।

12. 'पहल' का सम्पादक कौन है?

(A) राजेन्द्र यादव (B) रवीन्द्र कालिया
(C) ज्ञानरंजन (D) विश्वनाथ तिवारी

उत्तर – (C)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
पहल	1960 ई.	ज्ञानरंजन	त्रैमासिक/जयपुर
हंस(पुनर्प्रकाशन)	1986 ई.	राजेन्द्र यादव	मासिक/दिल्ली
नया ज्ञानोदय	2002 ई.	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली
दस्तावेज	1978 ई.	विश्वनाथ तिवारी	मासिक/गोरखपुर

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

13. 'भाग्यवती' के लेखक कौन हैं?

(A) लाला श्रीनिवासदास (B) देवकीनंदन खत्री
(C) श्रद्धाराम फुल्लौरी (D) लज्जाराम मेहता

उत्तर – (C)

व्याख्या–भाग्यवती (1977) श्रद्धाराम फिल्लौरी तथा परीक्षा गुरू (1882) लाला श्रीनिवास दास के उपन्यास हैं।
देवकी नंदन खत्री के उपन्यास-चन्द्रकांता (1888), चन्द्रकांता संतति (24 भाग-1896), नरेन्द्र मोहनी (1893), वीरेन्द्र वीर (1895), कुसुम कुमारी (1899), काजर की कोठरी (1902) अनूठी बेगम (1905), गुप्त गोदना (1913), भूतनाथ (6 भाग (1907) अधूरा
लज्जाराम मेहता के उपन्यास- धूर्त रसिक लाल (1889) स्वतंत्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी (1899), आदर्श दम्पत्ति (1904), बिगड़े का सुधार अथवा सती सुख देवी (1907) आदर्श हिन्दू (1914)
नोट-(1) श्रद्धाराम फिल्लौरी कृत भाग्यवती (1877) उपन्यास को डा. विजय शंकर मल्ल हिन्दी का प्रथम उपन्यास मानते हैं।
(2) लाला श्री निवास दास द्वारा कृत परीक्षा गुरू (1882) उपन्यास को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल हिन्दी का अंग्रेजी के ढंग का पहला मौलिक उपन्यास मानते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

14. 'अंधा युग' किसकी रचना है?
(A) नरेश मेहता (B) मोहन राकेश
(C) दुष्यन्त कुमार (D) धर्मवीर भारती
उत्तर – (D)

व्याख्या-		
नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
अंधा युग	1955 ई.	धर्मवीर भारती
एक कंठ विषपायी	1963 ई.	दुष्यंत कुमार
खण्डित यात्राएँ		नरेश मेहता
पैरों तले जमीन (अधूरा)		मोहन राकेश

15. 'कुटज' के लेखक कौन है?
(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) कुबेरनाथ राय (D) विद्यानिवास मिश्र
उत्तर – (A)

व्याख्या–हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध संग्रह-अशोक के फूल (1948), कल्पलता (1953), मध्यकालीन धर्म साधना (1952), विचार और वितर्क (1957), विचार प्रवाह (1959),कुटज (1964), साहित्य सहचर (1965), आलोक पर्व (1972),
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबन्ध संग्रह-चिन्तामणि भाग-1 (1939), चिन्तामणि भाग-2 (1945), चिन्तामणि भाग-3 (1983), चिन्तामणि भाग-4
कुबेरनाथ राय के निबन्ध संग्रह-प्रिया नीलकण्ठी (1968), रस आखेटक (1970),गंधमादन (1972), विषाद योग- (1973), निषाद बाँसुरी (1974), महाकवि की तर्जनी (1979), दृष्टि अभिसार (1984),मराल (1993),उत्तर कुरू (1994)
डॉ. विद्या निवास मिश्र के निबन्ध संग्रह-छितवन की छाँह (1953), हल्दी दूब (1955), तुम चन्दन हम पानी (1957), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (1974), भ्रमरानंद के पत्र (1981), तमाल के झरोखे से (1981), संचारिणी (1982), अंगद की नियति (1984), शिरीष की याद आई (1995)।

16. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना अमरकांत की है?
(A) अमृतसर आ गया (B) जिन्दगी और जोंक
(C) टूटना (D) परिन्दे
उत्तर – (B)

व्याख्या-		
कहानी	प्रकाशन वर्ष	कहानीकार
जिन्दगी और जोंक	1958 ई.	अमरकान्त
परिन्दे	1960 ई.	निर्मल वर्मा
टूटना	1966 ई.	राजेन्द्र यादव

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

17. 'ध्वन्यालोक' किसकी कृति है?
(A) अभिनव गुप्त (B) राजशेखर
(C) मम्मट (D) आनन्दवर्द्धन
उत्तर – (D)

व्याख्या-		
ग्रंथ	रचनाकाल	ग्रंथकार
ध्वन्यालोक	9वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	आनन्द वर्धन
तन्त्रालोक	10वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	अभिनवगुप्त
काव्य प्रकाश	11वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	मम्मट
काव्य मीमांसा	12वीं शताब्दी	राजशेखर

18. 'उज्ज्वलनीलमणि' ग्रंथ के लेखक कौन हैं?
(1) रूपगोस्वामी (2) अभिनव गुप्त
(3) राजशेखर (4) मम्मट
उत्तर – (A)

व्याख्या-		
ग्रंथ	रचनाकाल	ग्रंथकार
उज्ज्वल नीलमणि	15-16 शताब्दी	रूपगोस्वामी
काव्यप्रकाश	11वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	मम्मट
काव्य मीमांसा	12वीं शताब्दी	राजशेखर
तन्त्रालोक	10वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	अभिनवगुप्त

19. अभिव्यक्तिवाद के प्रवर्तक हैं-
(A) शंकुक (B) अभिनव गुप्त
(C) भट्ट लोल्लट (D) आनन्दवर्धन
उत्तर – (B)

व्याख्या-		
सिद्धान्त	आचार्य प्रवर्तक	दर्शन
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा दर्शन
अनुमितिवाद	शंकुक	न्याय दर्शन
ध्वनि सिद्धान्त	आनन्दवर्धन	

20. अभिव्यंजनावाद के प्रवर्तक हैं-
(A) आई. ए. रिचर्ड्स (B) टी. एस. इलियट
(C) क्रोचे (D) लोंजाइनस
उत्तर – (C)

व्याख्या-	
सिद्धान्तवाद	प्रवर्तक
अभिव्यंजनावाद	क्रोचे
सम्प्रेषण एवं मूल्य सिद्धान्त	आई.ए. रिचर्ड्स
उदात्तवाद	लोंजाइनस
निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त	इलियट

21. काव्य में उदात्त तत्व को सर्वाधिक महत्व किसने दिया है?
(A) प्लेटो (B) अरस्तू
(C) इलियट (D) लोंजाइनस
उत्तर – (D)

व्याख्या–(1) साहित्य में पाश्चात काव्यशास्त्री लोंजाइनस ने उदात्त तत्व या उदात्तवाद को महत्व दिया है।
(2) प्लेटो ने काव्य में प्रत्ययवाद/आदर्शवाद को महत्व दिया है।
(3) अरस्तू ने काव्य में अनुकृति एवं विरेचन/त्रासदी/अनुकरण सिद्धान्त को महत्व देता है।
(4) इलियट ने काव्य में वस्तुनिष्ठ समीकरण/निर्वैयक्तिकता संवेदनशीलता का असाहचर्य/व्यैक्तिप्रज्ञा का सिद्धान्त एवं परम्परा की परिकल्पना सिद्धान्त को महत्व देता है।

तथ्य विविधा

22. हिन्दी-प्रसार के संदर्भ में निम्नलिखित प्रमुख संस्थाओं का कालक्रम के अनुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, नागरी प्रचारिणी सभा काशी, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

(B) नागरी प्रचारिणी सभा काशी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, दक्षिण भारत प्रचार सभा चेन्नई, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा
(C) राष्ट्र भाषा प्रचार समित वर्धा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, नागरी प्रचारिणी सभा काशी, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई
(D) दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, नागरी प्रचारिणी सभा काशी, राष्ट्र भाषा प्रचार समिति वर्धा

उत्तर – (B)

व्याख्या -

हिन्दी प्रसार की प्रमुख संस्थाएं	**स्थापना वर्ष**
नागरी प्रचारिणी सभा काशी	1893 ई.
हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग	1910 ई.
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा चेन्नई	1927 ई.
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा	1936 ई.

23. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) रामकुमारवर्मा, रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(B) रामकुमारवर्मा, रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) रामचन्द्र शुक्ल, मिश्रबन्धु, रामकुमारवर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी
(D) मिश्रबन्धु,रामचन्द्र शुक्ल, रामकुमार वर्मा, रामस्वरूप चतुर्वेदी

उत्तर – (D)

व्याख्या-

इतिहास ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**इतिहासकार**
मिश्रबन्धु विनोद	1913 ई.	मिश्रबन्धु
हिन्दी साहित्य का इतिहास	1929 ई.	रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	1938 ई.	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	1986 ई	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी गद्य विन्यास और विकास	1996 ई.	,,
हिन्दी काव्य का इतिहास		,,
आधुनिक कविता यात्रा		,,
भक्ति काव्य यात्रा		,,

24. निम्नलिखित पत्रिकाओं के प्रकाशन का सही अनुक्रम कौन सा है?
(A) धर्मयुग, हंस, सरस्वती, कविवचन सुधा
(B) सरस्वती, कविवचन सुधा, हंस, धर्मयुग
(C) कविवचन सुधा, सरस्वती, हंस, धर्मयुग
(D) हंस, सरस्वती, धर्मयुग, कविवचन सुधा

उत्तर – (C)

पत्रिका	**प्रकाशन वर्ष**	**सम्पादक**	**प्रकार/स्थान**
कविवचन सुधा हरिश्चन्द्र मैगजीन	1868 ई. 1873 ई.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	मा.पा.सा./काशी मासिक/बनारस
बालाबोधिनी	1874 ई.		मासिक/बनारस
सरस्वती	1900 ई.	चिन्तामणि घोष	मासिक/काशी
हंस	1930 ई.	प्रेमचन्द	मासिक/बनारास
धर्मयुग	1950 ई.	धर्मवीर भारती	साप्ताहिक/बम्बई

25. निम्नलिखित रचनाओं का काल क्रमानुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) अंधेर नगरी, अंधा युग, संसद से सड़क तक, मगध
(B) संसद से सड़क तक,अंधेर नगरी, अंधा युग, मगध
(C) मगध, अंधेर नगरी, अंधा युग, संसद से सड़क तक,
(D) अंधा युग, अंधेर नगरी, मगध, संसद से सड़क तक,

उत्तर – (A)

व्याख्या-

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**	**विधा**
अंधेर नगरी	1881 ई.	भारतेन्द्र हरिश्चन्द्र	नाटक
अंधा युग	1955 ई.	धर्मवीर भारती	गीतिनाट्य
संसद से सड़क तक	1972 ई.	सुदामा पाण्डेय 'धूमिल	काव्य
मगध	1984 ई.	श्रीकान्त वर्मा	काव्य संग्रह

26. निम्नलिखित उपन्यासों का रचनाकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) त्यागपत्र, सेवासदन, मैला आँचल, आधा गाँव
(B) आधा गाँव, मैला आँचल, सेवासदन, त्यागपत्र
(C) सेवासदन, त्यागपत्र, आधा गाँव, मैला आँचल
(D) सेवासदन, त्यागपत्र, मैला आँचल, आधा गाँव

उत्तर – (D)

व्याख्या-

उपन्यास	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
सेवासदन	1918 ई.	प्रेमचन्द
त्यागपत्र	1937 ई.	जैनेन्द्र
मैला आँचल	1954 ई.	फणीश्वर नाथ रेणु
आधा गाँव	1966 ई.	राही मासूम रजा

27. निम्नलिखित नाटकों का रचनाकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) लहरों के राजहंस, सिंदूर की होली, आठवां सर्ग, ध्रुवस्वामिनी
(B) सिंदूर की होली, ध्रुवस्वामिनी, लहरों के राजहंस, आठवां सर्ग,
(C) ध्रुवस्वामिनी, सिंदूर की होली, लहरों के राजहंस, आठवां सर्ग,
(D) आठवां सर्ग, लहरों के राजहंस, ध्रुवस्वामिनी, सिंदूर की होली

उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	**प्रकाशन वर्ष**	**उपन्यासकार**
ध्रुवस्वामिनी	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद
सिन्दूर की होली	1934 ई.	लक्ष्मीनारायण मिश्र
लहरों के राजहंस	1963 ई.	मोहन राकेश
आठवां सर्ग	1976 ई.	सुरेन्द्र वर्मा

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

28. रससूत्र के व्याख्याकारों का सही अनुक्रम क्या है?
(A) भट्ट लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(B) शंकुक,भट्ट लोल्लट, भट्टनायक, अभिनवगुप्त
(C) अभिनवगुप्त, शंकुक,भट्ट लोल्लट, भट्टनायक,
(D) भट्ट लोल्लट, भट्टनायक, शंकुक, अभिनवगुप्त
उत्तर – (A)

व्याख्या-

रस सूत्र के व्याख्याकार	सिद्धान्त	दर्शन
भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	मीमांसा
शंकुक	अनुमितिवाद	न्याय
भट्टनायक	भोगवाद/भुक्तिवाद	सांख्य
अभिनवगुप्त	अभिव्यक्तिवाद	शैव

29. निम्नलिखित पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय चिंतकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) कॉलरिज, अरस्तू, आई.ए.रिचर्ड्स, जान क्रो रैंसम
(B) अरस्तू, कॉलरिज, जान क्रो रैंसम, आई.ए. रिचर्ड्स
(C) आई.ए. रिचर्ड्स, कॉलरिज, अरस्तू, जान क्रो रैंसम
(D) अरस्तू, कॉलरिज, आई.ए. रिचर्ड्स, जान क्रो रैंसम
उत्तर – (B)

व्याख्या-

पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय चिंतक	जीवनकाल
अरस्तू	384-322 ई. पू. (मकदूनिया)
सैमुअल कॉलरिज	1772-1834 (इंग्लैण्ड)
जान क्रो रैंसम	1888
ईवर आर्मस्ट्रोंग रिचर्ड्स	1893-1979

30. निम्नलिखित काव्यशास्त्रीय ग्रंथों का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(A) काव्यानुशासन, साहित्य दर्पण, रस मंजरी, रस गंगाधर
(B) साहित्य दर्पण, काव्यानुशासन, रस गंगाधर, रस मंजरी
(C) रस मंजरी, साहित्य दर्पण, रस गंगाधर, काव्यानुशासन
(D) काव्यानुशासन, साहित्य दर्पण, रस गंगाधर, रस मंजरी
उत्तर – (A)

व्याख्या-

काव्य शास्त्रीय ग्रंथ	रचनाकाल	काव्यशास्त्री
काव्यानुशासन	12वीं शताब्दी	हेमचन्द्र
साहित्य दर्पण	14वीं शताब्दी	विश्वनाथ कविराज
रस मंजरी	15वीं शताब्दी	भानुदत्त
रस गंगाधर	17वीं शताब्दी	पण्डितराज जगन्नाथ

31. निम्नलिखित वर्णों को उनके ध्वनिगुणों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II	
(A)	क	(i)	सघोष महाप्राण
(B)	ख	(ii)	अघोष महाप्राण
(C)	ग	(iii)	सघोष अल्पप्राण
(D)	घ	(iv)	सघोष अल्पप्राण
		(v)	सघोष आनुवांशिक

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	iii	iv	i
(D)	i	iii	iv	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या–
क - अघोष अल्पप्राण
ख - अघोष महाप्राण
ग - सघोष अल्पप्राण
घ - सघोष महाप्राण

32. निम्नलिखित हिन्दी के भाषाविदों को उनके ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II	
(A)	कामता प्रसाद गुरु	(i)	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास
(B)	किशोरीदास वाजपेयी	(ii)	हिन्दी व्याकरण
(C)	उदय नारायण तिवारी	(iii)	भाषा और समाज
(D)	रामविलास शर्मा	(iv)	हिन्दी शब्दानुशासन

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	iv	i	iii
(C)	ii	i	iii	iv
(D)	iv	ii	i	iii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

भाषा ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	भाषाविद्
हिन्दी व्याकरण		कामता प्रसाद गुरू
हिन्दी शब्दानुशासन	1957 ई.	किशोरी दास वाजपेयी
हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास		उदय नारायण तिवारी
भाषा और समाज	1961 ई.	रामविलास शर्मा

33. निम्नलिखित काव्य ग्रंथों को उनके कवियो साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I		सूची II	
(A)	आत्मजयी	(i)	गिरिजा कुमार माथुर
(B)	धरती	(ii)	कुँवर नारायण
(C)	आँगन के पार द्वार	(iii)	अज्ञेय
(D)	धूप के धान	(iv)	त्रिलोचन
		(v)	रघुवीर सहाय

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	ii	i	iii	iv
(C)	ii	iv	ii	i
(D)	v	i	ii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-

काव्य ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार
आत्मजयी	1965 ई.	कुँवर नारायण
धरती	1945 ई.	त्रिलोचन
आँगन के पार द्वार	1961 ई.	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
धूप के धान		गिरिजा कुमार माथुर
आत्महत्या के विरुद्ध	1967 ई.	रघुवीर सहाय

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

34. निम्नलिखित ग्रंथों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) शुद्ध कविता की खोज	(i) अज्ञेय
(B) आत्मनेपद	(ii) मुक्तिबोध
(C) एक साहित्यिक की डायरी	(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) हिन्दी साहित्य की भूमिका	(iv) दिनकर
	(v) रामचन्द्र शुक्ल

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	i	ii	iii
(C)	v	ii	i	iii
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर – (D)

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
शुद्ध कविता की खोज	1966 ई.	दिनकर	आलोचना
आत्मनेपद	1960 ई.	अज्ञेय	निबन्ध संग्रह
एक साहित्यिक की डायरी		मुक्तिबोध	डायरी
हिन्दी साहित्य की भूमिका	1940 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	इतिहास ग्रंथ
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	1952 ई.	हजारी प्रसाद द्विवेदी	इतिहास ग्रंथ

35. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) ये उपमान मैले हो गये हैं	(i) अज्ञेय
(B) हम राज्य लिये मरते हैं	(ii) बिहारी
(C) बतरस लालच लाल की	(iii) मैथिलीशरण गुप्त
(D) भक्तिहिं ज्ञानहिं नहिं कछु भेदा	(iv) तुलसीदास
	(v) पंत

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iii
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	i	ii	ii	iv
(D)	iv	v	i	ii

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य पंक्तियाँ	पंक्तिकार
ये उपमान मैले हो गए हैं	अज्ञेय
हम राज्य लिये मरते हैं	मैथिलीशरण गुप्त
बतरस लालच लाल की	बिहारी
भक्तिहिं ज्ञानहि नहिं कछु भेदा	तुलसीदास
तुम वहन कर सको जन मन में मेरे विचार वाणी मेरी, चाहिए तुम्हें क्या अलंकार	सुमित्रानंदन पंत

36. निम्नलिखित गद्य पंक्तियों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है	(i) प्रेमचंद
(B) अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन	(ii) प्रसाद
(C) निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल	(iii) भारतेन्दु
(D) मर्द साठे पर पाठे होते हैं	(iv) रामचन्द्र शुक्ल
	(v) हजारीप्रसाद द्विवेदी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	i	ii	iii
(C)	iv	ii	iii	i
(D)	i	iv	v	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

गद्य पंक्तियाँ	गद्यकार
बैर क्रोध का आचार या मुरब्बा है	रामचन्द्र शुक्ल
अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन	जयशंकर प्रसाद
निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
मर्द साठे पर पाठे होते हैं	प्रेमचन्द
निबन्ध व्यक्ति की स्वाधीन चिन्ता की उपज है	हजारी प्रसाद द्विवेदी

37. निम्नलिखित पत्रिकाओं को उनके सम्पादकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची-I	सूची-II
(A) हिन्दी प्रदीप	(i) राजेन्द्र यादव
(B) ब्राह्मण	(ii) कमला प्रसाद
(C) सरस्वती	(iii) बालकृष्ण भट्ट
(D) वसुधा	(iv) प्रतापनारायण मिश्र
	(v) महावीर प्रसाद द्विवेदी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iii	iv	v	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	i	iii	ii	iv
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर – (A)

व्याख्या -

पत्रिका	प्रवर्तन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग
ब्राह्मण	1883 ई.	प्रतापनारायण मिश्र	मासिक/कानपुर
सरस्वती	1903 ई.	महावीर प्रसाद द्विवेदी	मासिक/इलाहाबाद
वसुधा		स्वयं प्रकाश और राजेन्द्र शर्मा	त्रैमासिक/भोपाल
हंस (पुनर्प्रकाशन)	1986 ई.	राजेन्द्र यादव	मासिक/दिल्ली

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

38. निम्नलिखित ग्रंथो को उनके काव्यरूपों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) पंचवटी	(i) महाकाव्य
(B) प्रियप्रवास	(ii) काव्यनाटक
(C) एक कण्ठ विषपायी	(iii) खण्ड काव्य
(D) शिवाबावनी	(iv) मुक्तक
	(v) चम्पू

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	iv	i	ii
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	iii	i	ii	iv
(D)	ii	iii	i	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या

काव्य ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	काव्यकार	काव्य रूप
पंचवटी	1925 ई.	मैथिलीशरण गुप्त	खण्डकाव्य
प्रियप्रवास	1914 ई.	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	महाकाव्य
एक कण्ठ विषपायी	1963 ई.	दुष्यन्त कुमार	काव्य नाटक (गीतिनाट्य)
शिवाबावनी		भूषण	मुक्तक
कामायनी	1935 ई.	जयशंकर प्रसाद	महाकाव्य (15 सर्ग)
उवर्शी	1909 ई.	जयशंकर प्रसार	चम्पू

39. रस सूत्र के व्याख्याकारों को उनके सिद्धांतों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) भट्ट लोल्लट	(i) अभिव्यक्तिवाद
(B) शंकुक	(ii) भुक्तिवाद
(C) भट्ट नायक	(iii) अनुमितिवाद
(D) अभिनवगुप्त	(iv) उत्पत्तिवाद
	(v) व्यक्ति वैचित्र्यवाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iv
(B)	iv	iii	ii	i
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	ii	iii	iv	i

उत्तर – (B)

व्याख्या-

रस सिद्धान्त	रस सूत्र के व्याख्याकार	दर्शन
उत्पत्तिवाद/आरोपवाद	भट्ट लोल्लट	मीमांसा दर्शन
अनुमितिवाद	शंकुक	न्याय दर्शन
भुक्तिवाद/भोगवाद	भट्ट नायक	सांख्य दर्शन
अभिव्यक्तिवाद	अभिनवगुप्त	शैव दर्शन

40. निम्नलिखित पाश्चात्य साहित्य-चिंतकों को उनके सिद्धांत के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची I	सूची II
(A) ज्याँ पाल सार्त्र	(i) अभिव्यंजनवाद
(B) जॉक देरिदा	(ii) अस्तित्ववाद
(C) टी.एस. इलियट	(iii) विखण्डनवाद
(D) क्रोचे	(iv) निर्वैयक्तिकता
	(v) मार्क्सवाद

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	v	i	ii	iii
(C)	v	ii	iv	i
(D)	ii	iii	iv	i

उत्तर – (D)

व्याख्या

पाश्चात्य साहित्य चिंतक	सिद्धान्त
ज्याँ पाल सार्त्र	अस्तित्ववाद
जॉक देरिदा	विखण्डनवाद
टी.एस. इलियट	निर्वैक्तिकता
क्रोचे	अभिव्यंजनावाद
कार्ल मार्क्स	मार्क्सवाद

निर्देश (41-45) - निम्नलिखित गद्य अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तरों के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन करें।

कवि-वाणी प्रसार से हम संसार के सुख-दुःख, आनन्द-क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं इस प्रकार के अनुभव के अभ्यास से हृदय का बन्धन खुलता है और मनुष्यता की उच्च भूमि की प्राप्ति होती है। किसी अर्धपिशाच कृपण को देखिए। जिसने केवल अर्धलोभ के वशीभूत होकर क्रोध, दया, श्रद्धा, भक्ति, आत्माभिमान आदि भावों को एकदम दबा दिया है और संसार के मार्मिक पक्ष से मुँह मोड़ लिया है। न सृष्टि के किसी रूपमाधुर्य को देख वह पैसों का हिसाब-किताब भूल कर कभी मुग्ध होता है, न किसी दीन-दुखिया को देख कभी करुणा से द्रवीभूत होता है, न कोई अपमानसूचक बात सुनकर क्रुद्ध या क्षुब्ध होता है। यदि उससे किसी लोमहर्षक अत्याचार की बात कही जाए तो वह मनुष्य धर्मानुसार क्रोध या घृणा प्रकट करने के स्थान पर रुखाई के साथ कहेगा कि "जाने दो, हमसे क्या मतलब, चलो अपना काम देखें।" यह महा भयानक मानसिक रोग है। इससे मनुष्य आधार मर जाता है।

41. कविता मनुष्य के हृदय को उदार बनाती है।

(A) यह कथन सत्य है
(B) यह कथन गलत है
(C) यह कथन अंशतः सत्य है
(D) यह कथन अंशतः गलत है

उत्तर – (A)

व्याख्या–कविता मनुष्य के हृदय को उदार बनाती है यह पूर्णतः सत्य है क्योंकि कवि की वाणी के प्रसाद से हम संसार के सुखः दुःख, आनन्द क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

42. लोभी व्यक्ति का भाव-जगत् संकुचित हो जाता है-
(A) यह कथन गलत है
(B) यह कथन सत्य है
(C) यह कथन अंशतः सत्य है
(D) यह कथन अंशतः गलत है
उत्तर – (B)

व्याख्या–जब मनुष्य अर्थलोभ के वशीभूत होकर क्रोध, दया, श्रद्धा, भक्ति, आत्माभिमान आदि भावों से अपने आप को दबा लेता है तब लोभी व्यक्ति का भाव जगत संकुचित हो जाता है।

43. अत्याचार की बात सुनकर क्या करना चाहिए?
(A) उदासीन हो जाना चाहिए
(B) दूर भाग जाना चाहिए
(C) उसका सक्रिय विरोध करना चाहिए
(D) दूसरों का ध्यान उधर आकर्षित करना चाहिए
उत्तर – (C)

व्याख्या–मनुष्य को अत्याचार की बातें सुनकर उसका सक्रिय विरोध करना चाहिए तथा धर्मानुसार उस अत्याचार के विरोध में क्रोध या घृणा प्रकट करना चाहिए।

44. उदासीनता किस प्रकार का रोग है?
(A) स्थायी रोग है (B) अस्थायी रोग है
(C) शारीरिक रोग है (D) मानसिक रोग है
उत्तर – (D)

व्याख्या–उदासीनता मानव का भयानक मानसिक रोग है उदासीन मनुष्य समाज में हो रहे अत्याचार के प्रति सदैव रुखाई दिखाता है। उदासीनता के कारण मनुष्य का आधार मर जाता है।

45. कवि वाणी से जीवन निर्वाह करना कहाँ तक सही है?
(A) कुछ लोगों के लिए संभव है
(B) सभी लोगों के लिए संभव है
(C) सभी लोगों के लिए कुछ दिन के लिए संभव है
(D) सभी लोगों के शानदार जीवन निवार्ह के लिए संभव है।
उत्तर – (B)

व्याख्या–कवि वाणी से जीवन निर्वाह करना सभी लोगों (मनुष्यों) के लिए सम्भव है। क्योंकि कवि वाणी के प्रसार से हम संसार के सुख दुःख, आनन्द क्लेश आदि का शुद्ध स्वार्थमुक्त रूप में अनुभव करते हैं।

कथोपकथन

निर्देश (46-50) - दी गयी स्थापनाओं (Assertion) और तर्कों (Reasons) को ध्यानपूर्वक पढ़ें और बहुविकल्पी उत्तरों में से सही उत्तर का चयन करें।

46. A-स्थापना : नाद सौंदर्य से कविता की आयु बढ़ती है।
R-तर्क : नाद का संबंध छन्द से होता है। इसलिए जो लोग छन्द की परवाह करते हैं उनकी कविता की आयु अधिक हो जाती है।
(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है
उत्तर – (A)

व्याख्या–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार- ''नाद सौन्दर्य से कविता की आयु बढ़ती है। नाद सौन्दर्य का तात्पर्य काव्य के सम्पूर्ण अलंकरण से होता है काव्य में रस, छन्द, अलंकार आदि से कविता की आयु अधिक हो जाती है।

47. A-स्थापना : भाषा एक सामाजिक सम्पत्ति है।
R-तर्क : भाषाविहीन समाज की कल्पना संभव नहीं है।
(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है
उत्तर – (A)

व्याख्या–भाषा एक सामाजिक सम्पत्ति है क्योंकि किसी भी भाषा का विकास समाज द्वारा ही होता है जिस भाषा का जितना परिमार्जित प्रारूप समाज द्वारा प्रचलन एवं प्रयोग में लाया जाता है उस भाषा का उतना ही विकास होता है। भाषा ही मनुष्य को अन्य जीव-जन्तुओं से भिन्न बनाती है। अतः भाषा विहीन समाज की कल्पना सम्भव नहीं है।

48. A-स्थापना : आधुनिक हिन्दी आलोचना पर पश्चिम के साहित्य-चिंतन का गहरा प्रभाव है।
R-तर्क : हिन्दी के प्रमुख समीक्षक पाश्चात्य साहित्य चिंतन से प्रभावित नहीं है।
(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है
उत्तर – (C)

व्याख्या–आधुनिक हिन्दी आलोचना पश्चिम के साहित्य चिन्तन से प्रभावित है तथा हिन्दी के मुख्य समीक्षक पाश्चात्य दर्शन से प्रभावित है। हिन्दी साहित्य में गद्य विधाओं (नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, डायरी, आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्तान्त, संस्मरण, रेखाचित्र) का विकास पश्चिमी साहित्य (अंग्रेजी साहित्य) से हुआ है।

49. A-स्थापना : नयी कविता में छायावाद का प्रभाव एकदम नहीं है।
R-तर्क : नयी कविता पूर्णतः पश्चिमी प्रभाव में जन्मी है।
(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है
उत्तर – (A)

व्याख्या–नई कविता में पुरानी परम्पराओं को तोड़ा गया और यह पश्चिमी दर्शन अस्तित्ववाद व यथार्थवाद पर आधारित है। नई कविता का उत्थान पूर्णरूपेण पश्चिमी साहित्य द्वारा उत्पन्न हुई।

50. A-स्थापना : दलित चेतना की प्रमाणिक अभिव्यक्ति दलित रचनाकारों द्वारा ही हो सकती है।
R-तर्क : दलित जीवन का वास्तविक अनुभव केवल दलितों को ही होता है।
(A) A और R दोनों सही है (B) A और R दोनों गलत है
(C) A सही R गलत है (D) A गलत R सही है
उत्तर – (B)

व्याख्या–दलित चेतना की प्रमाणिक अभिव्यक्ति दलित रचनाकारों द्वारा ही हो सकती है ऐसा आवश्यक नहीं है क्योंकि कोई भी लेखक/रचनाकार इसकी अभिव्यक्ति कर सकता है। दलित जीवन का वास्तविक अनुभव केवल दलितों को ही बल्कि अन्य व्यक्ति को भी हो सकता है।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

यू. जी. सी. नेट परीक्षा, दिसम्बर-2004

हिन्दी

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(अध्यायवार विश्लेषण सहित व्याख्या)

समय : 1-1/4 घण्टा] [पूर्णाङ्क : 100

नोट : प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

हिन्दी भाषा और उसका विकास

1. मैथिली का विकास किस अपभ्रंश से माना जाता है?

(A) शौरसेनी अपभ्रंश (B) मागधी अपभ्रंश
(C) अर्धमागधी अपभ्रंश (D) महाराष्ट्री अपभ्रंश

उत्तर – (B)

व्याख्या–मैथिली का विकास मागधी अपभ्रंश से हुआ। हिन्दी भाषा तथा उसकी बोलियों का विकास–

अपभ्रंश	**उपभाषा**	**बोली**
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

2. संविधान के किस अनुच्छेद में देवनागरी लिपि में लिखित हिन्दी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है?

(A) 347 (B) 348 (C) 343 (D) 345

उत्तर – (C)

व्याख्या–14 सितम्बर 1949 ई. को भारत के संविधान में हिन्दी को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343-351 तक राजभाषा हिन्दी का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 343 में हिन्दी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को राजभाषा की मान्यता प्रदान की गई जो निम्न है - असमिया, बंगला, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिन्दी, कन्नड, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सन्थाली, सिन्धी, तमिल, तेलगू, उर्दू।

3. दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास की स्थापना किसने की?

(A) सी. राजगोपालाचारी (B) महात्मा गांधी
(C) मोटूरि सत्यनारायण (D) विनोबा भावे

उत्तर – (B)

व्याख्या–'दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा' मद्रास की स्थापना महात्मा गाँधी ने 1927 ई. में मद्रास में किया था। इस संस्था की स्थापना दक्षिण भारत में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए किया गया था। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा का पूर्व नाम हिन्दी साहित्य सम्मेलन था।

4. कौन सी बोली पश्चिमी हिन्दी की नहीं है?

(A) ब्रज (B) खड़ी बोली
(C) बुंदेली (D) बघेली

उत्तर – (D)

व्याख्या– ब्रजभाषा, खड़ी बोली, बुन्देली, कन्नौजी तथा बाँगरू पश्चिमी हिन्दी की बोली है जबकि बघेली, अवधी, छत्तीसगढ़ी पूर्वी हिन्दी की बोली है।

हिन्दी भाषा का तथा उसकी बोलियों का विकास -

अपभ्रंश	**उपभाषा**	**बोली**
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी (मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमायूनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

5. निम्नलिखित में से कौन सी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है?

(A) अवधी (B) बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी (D) मालवी

उत्तर – (D)

व्याख्या–'मालवी' राजस्थानी भाषा की उपबोली है जिसे दक्षिणी राजस्थानी के नाम से बोलते हैं, जबकि अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी आदि पूर्वी हिन्दी उपभाषा की है।

अपभ्रंश	**उपभाषा**	**बोली**
(1) शौरसेनी	→ पश्चिमी हिन्दी	→ खड़ी बोली (कौरवी) → ब्रजभाषा → हरियाणवी या बाँगरू → बुन्देली → कन्नौजी
	→ राजस्थानी	→ पश्चिमी राजस्थानी(मारवाड़ी) → पूर्वी राजस्थानी (जयपुरी) → उत्तरी राजस्थानी (मेवाती) → दक्षिणी राजस्थानी (मालवी)
	→ पहाड़ी	→ कुमाँयुनी → गढ़वाली → नेपाली
	→ गुजराती	
(2) अर्धमागधी	→ पूर्वी हिन्दी	→ अवधी → बघेली → छत्तीसगढ़ी
(3) मागधी	→ बिहारी	→ भोजपुरी → मगही → मैथिली
	→ बंगला → उड़िया → असमिया	
(4) पैशाची	→ लहंदा → पंजाबी	
(5) ब्राचड़	→ सिंधी	
(6) महाराष्ट्री	→ मराठी	

6. ब्रजबुलि का प्रयोग कहाँ होता है?

(A) बिहार (B) ब्रजक्षेत्र
(C) उड़ीसा (D) बंगाल

उत्तर – (D)

व्याख्या–ब्रजबुलि बंगाल की एक उपबोली है। बिहार की उपभाषा बिहारी हिन्दी है जिसके अन्तर्गत उपबोली भोजपुरी, मगही, मैथिली आती है।

हिन्दी साहित्य का इतिहास

7. कीर्तिलता किस भाषा की रचना है?

(A) अवहट्ट (B) अपभ्रंश
(C) मैथिली (D) ब्रज

उत्तर – (B)

व्याख्या-विद्यापति (1350-1450) की रचनाएँ तथा भाषा –

संस्कृत	**अवहटट/अपभ्रंश**	**मैथिली**
शैव सर्वस्य सार	कीर्तिलता	पदावली
गंगा वाक्यावली	कीर्तिपताका	गोरक्ष विजय (नाटक)
दुर्गा भक्ति तरंगिणी, भू-परिक्रमा, दान वाक्यावली, पुरुष परीक्षा, विभाग सार, लिखनावली, गया पत्तलक-वर्ण कृत्य	कीर्तिलता में कीर्तिसिंह और कीर्ति पताका में शिवसिंह की उदारता का वर्णन किया गया है।	गोरक्ष विजय का गद्य भाग संस्कृत में तथा पद्य भाग मैथिली में है।

8. आदिकाल में किस कवि ने अवहट्ट भाषा में रचना की?

(A) अमीर खुसरो (B) अब्दुल रहमान
(C) कुतुबन (D) मंझन

उत्तर – (B)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–अब्दुल रहमान का 'सन्देह रासक' पहला धर्मेत्तर रास ग्रन्थ है जो अवहट्ट भाषा में लिखा गया है देशी भाषा में किसी मुसलमान द्वारा लिखित प्रथम काव्य ग्रन्थ 'संदेश रासक' है। संदेशारासक एक खण्ड काव्य है जिसमें विक्रमपुर की एक वियोगिनी के विरह की कथा वर्णित है। यह एक विरह काव्य है जिसका रचनाकाल 12वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध और 13वीं शताब्दी का प्रारम्भ माना है। जबकि मंझन एवं कुतुबन की भाषा अवधी है तथा अमीर खुसरो की भाषा खड़ी बोली हिन्दवी थी।

9. उत्तर भारत में भक्ति का प्रसार करने का श्रेय किसे प्राप्त है?

(A) शंकराचार्य (B) रामानुजाचार्य
(C) रामानन्द (D) मध्वाचार्य

उत्तर – (C)

व्याख्या–उत्तर भारत में रामानन्द ने भक्ति आन्दोलन का प्रचार प्रसार किया। राघवानन्द ने उत्तर भारत में रामभक्ति का प्रवर्तन किया परन्तु इसे प्रतिष्ठित और प्रसारित रामानन्द ने किया। रामानन्द को आकाश धर्मा गुरू आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कहा है।

रामानन्द के सम्बन्ध में कथन-
भक्ति द्राविड़ उपजी, लाये रामानन्द।
परगट किया कबीर ने, सात दीप नौ खण्ड।।
उत्पन्ना द्राविड़े साहं वृद्धिं कर्णाटके गता।
क्वचित्क्वचिन्महाराष्ट्रे गुर्जरे जीर्णतां गता।

10. सहजोबाई किस शाखा की रचनाकार हैं?

(A) कृष्णभक्ति शाखा (B) रामभक्ति शाखा
(C) ज्ञानश्रयी शाखा (D) प्रेमाश्रयी शाखा

उत्तर – (C)

व्याख्या–सहजोबाई ज्ञानाश्रयी शाखा की सन्तकवि है। सहजोबाई की प्रमुख रचनाएं- गुरूमहिमा, प्रेम प्रकाश है। दयाबाई और सहजोबाई संत चरणदास की शिष्या थी। दोनों चचेरी बहने थीं।
नोट-सन् 1962 ई. में सहजोबाई की रचनाओं को वेल वेडियर प्रेस द्वारा 'सहज-प्रकाश' नाम से प्रकाशित किया गया है।

11. 'उज्ज्वलनीलमणि' के रचयिता कौन हैं?

(A) रूप गोस्वामी (B) बल्लभाचार्य
(C) विट्ठलनाथ (D) मध्वाचार्य

उत्तर – (A)

व्याख्या-

ग्रंथ	ग्रंथकार
उज्ज्वलनीलमणि	रूपगोस्वामी
पूर्व मीमांसा भाष्य उत्तर मीमांसा भाष या ब्रह्म सूत्र भाष्य (जो अणुभाष्य के नाम से प्रसिद्ध है)	वल्लभाचार्य

नोट-'अणु भाष्य' बल्लभाचार्य का अधूरा ग्रन्थ था जिसे उनके पुत्र विट्ठलनाथ ने पूरा किया।

12. 'चन्दायन' किस कवि की रचना है?

(A) मलिक मुहम्मद जायसी (B) कुतुबन
(C) मंझन (D) मुल्ला दाऊद

उत्तर – (D)

व्याख्या -

ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	ग्रंथकार	भाषा
चन्दायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद	अवधी
मृगावती	1503 ई.	कुतुबन	अवधी
मधुमालती	1945 ई.	मंझन	अवधी
पद्मावत	1540 ई.	जायसी	अवधी

नोट-ये सभी रचनायें सूफी प्रेममार्गी शाखा के कवियों का प्रेमाख्यान काव्य ग्रन्थ है।

13. हिन्दी भाषा के मानकीकरण का सचेष्ट प्रयास किस पत्रिका में किया गया है?

(A) सरस्वती (B) आनन्द कादम्बिनी
(C) सुदर्शन (D) हिन्दी प्रदीप

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी भाषा के मानकीकरण का सचेष्ट प्रयास सरस्वती पत्रिका के माध्यम से प्रारम्भ होता है। सरस्वती की स्थापना काशी में सन् 1900 ई. में चिंतामणि घोष द्वारा शुरू किया गया था। पुनः सरस्वती इलाहाबाद से प्रकाशित होने लगी। सन् 1902 में इसके सम्पादक श्याम सुन्दर थे तथा 1903 ई. में इसके सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी बने। सरस्वती एक मासिक पत्रिका थी।

पत्र-पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
आनन्द कादम्बिनी	1881 ई.	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'	मासिक/मिर्जापुर
सुदर्शन	1900 ई.	देवकीनन्दन एवं माधव	मासिक/काशी
हिन्दी प्रदीप	1877 ई.	बालकृष्ण भट्ट	मासिक/प्रयाग

14. 'कल्पना' पत्रिका का प्रकाशन किस नगर से होता था?

(A) कलकत्ता (B) हैदराबाद
(C) अहमदाबाद (D) इलाहाबाद

उत्तर – (B)

व्याख्या–कल्पना दक्षिण भारत में हिन्दी की मुख्य पत्रिका है जिसका प्रकाशन सन् 1949ई. से हैदराबाद (तेलंगाना) से होता है। कल्पना का प्रारम्भ आर्येन्द्र शर्मा के सम्पादकत्व में हुआ, यह द्विमासिक पत्रिका है। इसके संस्थापक बद्री प्रसाद विशाल थे।

15. 'माध्यम' पत्रिका का सम्पादक कौन है?

(A) सत्यप्रकाश मिश्र (B) नंदकिशोर नवल
(C) काशीनाथ सिंह (D) रवीन्द्र कालिया

उत्तर – (A)

व्याख्या-

पत्रिका	प्रकाशन वर्ष	सम्पादक	प्रकार/स्थान
माध्यम	1964 ई.	सत्यप्रकाश मिश्र	मासिक/प्रयाग त्रैमासिक
नया ज्ञानोदय	2002	रवीन्द्र कालिया	मासिक/दिल्ली

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

कसौटी	अप्रैल,जुन 1991	नंदकिशोर नवल	त्रैमासिक पटना
नोट-माध्यम (1964) मासिक/त्रैमासिक पत्रिका के संस्थापक बालकृष्ण राय थे।			

16. किस लेखिका ने पशु-पक्षियों पर केंद्रित रचना की है?

(A) महादेवी वर्मा (B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) होमवती देवी (D) सत्यवती मलिक

उत्तर – (A)

व्याख्या–छायावादी युग की प्रमुख महिला रचनाकार महादेवी वर्मा ने 'मेरा परिवार' (1972) ई. नामक रेखाचित्र लिखा, जिसमें महादेवी ने अपने पालतू पशु-पक्षियों का विस्तृत वर्णन किया है- महादेवी के पालतू पशु-पक्षी नीलकण्ठ (मोर) गिल्लू (गिलहरी) सोना (हिरनी) दुर्मुख (खरगोश) गौरा (गाय) नीलू (कुत्ता) निक्को (नेवला) रोजी (कुतिया) रानी (घोड़ी) आदि का वर्णन मिलता है।

17. वृन्द-सतसई की विषय-वस्तु क्या है?

(A) नायिका-भेद (B) शृंगार
(C) नीति (D) भक्ति

उत्तर – (C)

व्याख्या–वृन्द सतसई रीतिकालीन कवि वृन्द द्वारा रचित नीतिपरक रचना है। जिसमें नीति के 700 दोहे हैं।

18. 'चित्राधार' किसकी रचना है?

(A) जयशंकर प्रसाद (B) रामनरेश त्रिपाठी
(C) मुकुटधर पाण्डेय (D) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

उत्तर – (A)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद (1889-1937) के काव्य संग्रह तथा उनका अनुक्रम-उर्वशी (1909), वन मिलन (1909), प्रेमराज्य (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकोच्छ्वास (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेम पथिक (1914), महाराणा का महत्व (1914), चित्राधार (1918) झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933), कामायनी (1935)।

रामनरेश त्रिपाठी (1889-1962) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-मिलन (1917), पथिक (1920), मानसी (1927), स्वप्न (1929), कविता-कौमुदी।

मुकुटधर पाण्डेय (1895-1984) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-आँसू, उद्‌गार, पूजा फूल, कानन कुसुम

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' (1915-1996) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-मधुलिका (1938), अपराजिता (1939), किरणवेला (1941), करील(1942), लाल चूनर (1944) वर्षान्त के बादल।

19. भारतेन्दु के अनुसार हिन्दी नयी चाल में कब ढ़ली?

(A) 1880 (B) 1857
(C) 1873 (D) 1860

उत्तर – (C)

व्याख्या–भारतेन्दु जी ने 'कालचक्र' नाम की अपनी पुस्तक में नोट दिया है कि 'हिन्दी नयी चाल में ढली' सन् 1873 ई.।
(**स्रोत–**हिन्दी साहित्य का इतिहास (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

20. रामकथा पर आधारित काव्य कौन सा है?

(A) आत्मजयी (B) अग्निलीक
(C) भूमिजा (D) रश्मि रथी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**	**विषयवस्तु**
अग्निलीक		भारत भूषण अग्रवाल	रामकाव्य
आत्मजयी	1965	कँवर नारायण	प्रबन्ध काव्य
भूमिजा		नागार्जुन	
रश्मिरथी	1952	रामधारी सिंह 'दिनकर'	खण्ड काव्य

हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

21. 'सेठ बाँकेलाल' किसकी रचना है?

(A) पांडेयबेचन शर्मा 'उग्र' (B) यशपाल
(C) अमृतलाल नागर (D) भगवतीचरण वर्मा

उत्तर – (C)

व्याख्या–अमृतलाल नागर के उपन्यास-महाकाल (1947), सेठ बाँकेलाल (1955) बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नूपुर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघटवाला मुखड़ा (1968), एकदानैमिषारण्ये (1972), मानस का हंस (1972), नाच्यौं बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981) बिखरे तिनके (1982), अग्निगर्भा (1983), करवट (1985), पीढ़ियाँ (1990)।

यशपाल के उपन्यास-दादा कामरेड (1941), देशद्रोही (1943), दिव्या (1945), पार्टी कामरेड (1946), मनुष्य के रूप (1949), अमिता (1956), झूठा सच (भाग-1, 1958 भाग-2 1960), बारह घण्टे (1962), अप्सरा का श्राप (1965), क्यों फँसे? (1968), मेरी तेरी उसकी बात (1974)

पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' के उपन्यास-चंद हसीनों के खतूत (1927), दिल्ली का दलाल (1927), बुधुआ की बेटी (1928), शराबी (1930),सरकार तुम्हारी आँखें में (1937), चाकलेट (1927), जी जी जी (1937, फागुन के चार दिन (1960) जूहू (1963)।

भगवती चरण वर्मा के उपन्यास-पतन (1927), चित्रलेखा (1934), तीन वर्ष (1936), टेढ़े मेढे रास्ते (1946), आखरी दाँव (1950), अपने खिलौने (1957), भूले बिसरे चित्र (1959), वह फिर नहीं आई (1960), सामर्थ्य और सीमा (1962), थके पाँव (1963), रेखा (1964), सच्ची सीधी बात (1968), सबहि नचावत राम गोसांई (1970), प्रश्न और मरीचिका (1973)।

22. 'वॉरेन हेस्टिंग का सांड' कहानी की रचना किसने की है?

(A) शिवमूर्ति (B) संजीव
(C) उदय प्रकाश (D) सृंजय

उत्तर – (C)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या-

रचना	प्रकाशन वर्ष	रचनाकार	विधा
वॉरेन हेस्टिंग्स का सांड		उदय प्रकाश	कहानी
केशर कस्तूरी	1991 ई.	शिवमूर्ति	कहानीसंग्रह
नंगा	2001 ई.	सृंजय	कहानीसंग्रह
प्रेममुक्ति	1991 ई.	संजीव	कहानीसंग्रह

23. हिन्दी नाटकों के मंचन में 'यक्षगान' का प्रयोग किस निर्देशक ने किया?

(A) गिरीश कर्नाड (B) इब्राहिम अल्काजी
(C) सत्यदेव दूबे (D) कारंत

उत्तर – (A)

व्याख्या–हिन्दी नाटकों के मंचन में 'यक्षगान' का प्रयोग गिरीश कर्नाड के निर्देशन में प्रारम्भ हुआ था। जबकि इब्राहिम अलकाजी, सत्यदेव दूबे व कारंत आदि महत्वपूर्ण आधुनिक महत्वपूर्ण नाट्य निर्देशक हैं।

24. 'मेरी तेरी उसकी बात' किसकी रचना है?

(A) भगवती प्रसाद वर्मा (B) यशपाल
(C) उदयशंकर भट्ट (D) अमृतलाल नागर

उत्तर – (B)

व्याख्या–अमृतलाल नागर के उपन्यास-महाकाल (1947), सेठ बाँकेलाल (1955) बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नूपुर (1960), अमृत और विष (1966), सात घूँघटवाला मुखड़ा (1968), एकदानैमिषारण्ये (1972), मानस का हंस (1972), नाच्यौं बहुत गोपाल (1978), खंजन नयन (1981) बिखरे तिनके (1982), अग्निगर्भा (1983), करवट (1985), पीढ़ियाँ (1990)

यशपाल के उपन्यास-दादा कामरेड (1941), देशद्रोही (1943), दिव्या (1945), पार्टी कामरेड (1946), मनुष्य के रूप (1949), अमिता (1956), झूठा सच (भाग-1 1958, भाग-2 1960), बारह घण्टे (1962), अप्सरा का श्राप (1965), क्यों फँसे? (1968),मेरी तेरी उसकी बात (1974)

भगवती चरण वर्मा के उपन्यास-पतन (1927), चित्रलेखा (1934), तीन वर्ष (1936), टेढ़े मेढे रास्ते (1946), आखरी दाँव (1950), अपने खिलौने (1957), भूले बिसरे चित्र (1959), वह फिर नहीं आई (1960), सामर्थ्य और सीमा (1962), थके पाँव (1963), रेखा (1964), सच्ची सीधी बात (1968), सबहि नचावत राम गोसांई (1970), प्रश्न और मरीचिका (1973)।

उदयशंकर भट्ट के उपन्यास -नये मोड़ (1954), सागर लहरे और मनुष्य (1956), लोक परलोक (1958), शेष-अशेष (1960)

25. 'छायावाद का पतन' किस लेखक की कृति है?

(A) शान्तिप्रिय द्विवेदी
(B) रामविलास शर्मा
(C) विजयदेव नारायण साही
(D) देवराज

उत्तर – (D)

व्याख्या–डॉ. देवराज की आलोचनाएँ- छायावाद का पतन (1948), साहित्य चिन्ता, आधुनिक समीक्षा, प्रतिक्रियाएँ।

विजयदेव नारायण साही की आलोचनाएँ-जायसी (1983), साहित्य और साहित्यकार का दायित्व (1983), छठवाँ दशक (1987) साहित्य क्यों (1988)।

शान्तिप्रिय द्विवेदी की आलोचनाएँ-सामयिकी, हमारे साहित्य निर्माता, संचारिणी।

रामविलास शर्मा की आलोचनाएँ-प्रेमचंद (1941), भारतेन्दु युग (1943), निराला (1946), प्रगति और परम्परा (1948), साहित्य और संस्कृति, (1949), प्रेमचंद और उनका युग (1952), प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं (1954), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना (1955), आस्था और सौन्दर्य (1956), भाषा और समाज (1961), साहित्यः स्थायी मूल्य और मूल्यांकन (1968), निराला की साहित्य साधना (तीन भाग- 1969 1972, 1976), भारतेन्दु युग और हिन्दी साहित्य की विकास परम्परा (1975), महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण (1977), नयी कविता और अस्तित्ववाद (1978), हिन्दी जाति का साहित्य (1986), भारतीय सौन्दर्य बोध और तुलसीदास (2001), बड़े भाई (1986)।

26. इनमें कौन 'तार सप्तक' का कवि नहीं है?

(A) रामविलास शर्मा (B) गजानन माधव मुक्तिबोध
(C) शमशेर बहादुर सिंह (D) भारत भूषण अग्रवाल

उत्तर – (C)

व्याख्या- शमशेर बहादुर तार सप्तक के कवि नहीं हैं बल्कि शमशेर बहादुर दूसरे सप्तक के कवि हैं।

तार सप्तक (1943) में संकलित कवियों का विवरण -

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय	1911-1987	देवरिया
2.	रामविलास शर्मा	1912-2000	उन्नाव
3.	गजानन माधव मुक्ति बोध	1917-1964	ग्वालियर
4.	प्रभाकर माचवे 'बलवंत'	1917-1991	ग्वालियर
5.	नेमिचन्द्र जैन	1918	आगरा
6.	गिरिजा कुमार माथुर	1918-1994	मध्य प्रदेश
7.	भारतभूषण अग्रवाल	1919-1975	मथुरा

'दूसरा सप्तक' (1951) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	शमशेर बहादुर सिंह	1911-1993	देहरादून
2.	भवानी प्रसाद मिश्र	1913-1985	होशंगाबाद
3.	शकुन्त माथुर	1922	दिल्ली

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

4.	हरिनारायण घनश्याम व्यास	1923	मध्य प्रदेश
5.	नरेश मेहता	1924	गुजरात
6.	धर्मवीर भारती	1926-1997	इलाहाबाद
7.	रघुवीर सहाय	1929-1990	लखनऊ

'तीसरा सप्तक (1959)' में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	प्रयाग नारायण त्रिपाठी	1919	रायबरेली
2.	मदन वात्स्यायन	1922	-
3.	विजय देव नारायण साही	1924-1982	काशी
4.	कुँवर नारायण	1927	फैजाबाद
5.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	1927-1983	बस्ती
6.	केदारनाथ सिंह	1932	-
7.	कीर्ति चौधरी	1935	उन्नाव

चौथा सप्तक (1979) में संकलित कवियों का विवरण-

	कवि	जन्म-मृत्यु	जन्मस्थान
1.	अवधेश कुमार		
2.	राजकुमार कुंभज		
3.	स्वदेश भारती		
4.	नंद किशोर आचार्य		
5.	सुमन राजे		
6.	श्रीराम शर्मा		
7.	राजेन्द्र किशोर		

नोट-चारों सप्तकों के सम्पादक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' है। सप्तक सात कवियों का संकलन होता है।

काव्यशास्त्र एवं आलोचना

27. ''नील परिधान बीच सुकुमार, खिला मृदुल अधखुला अंग
खिला है ज्यों बिजली का फूल, मेघ बन बीच गुलाबी रंग''
-इन पंक्तियों में कौन सा अलंकार है?

(A) उपमा (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) दृष्टान्त

उत्तर – (B)

व्याख्या–उत्प्रेक्षा अलंकार - जब उपमेय में उपमान की सम्भावनाओं या कल्पना कर ली जाये, तब उत्प्रेक्षा अलंकार माना जाता है।
जैसे- नील परिधान बीच सुकुमार, खिला मृदुल अधखुला अंग
खिला है ज्यों बिजली का फूल, मेघ बन बीच गुलाबी रंग।

रूपक अलंकार- जहाँ उपमेय और उपमान में भेदरहित आरोप किया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है।
जैसे- उदित उदय-गिरि मंच पर रघुवर बाल पतंग।
विकसेउ सन्त सरोज वन, हरषे लोचन-भुंग।।

उपमा अलंकार- जहाँ दो भिन्न वस्तुओं में रूप,गुण आकृति आदि को लेकर समता या तुलना या सादृश्य प्रदर्शित की जाय, वहाँ उपमा अलंकार होता है।
जैसे- उधर गरजती सिंधु लहरियाँ, कुटिल काल के जालो-सी।
चली आ रही फेन उगलती, फन फैलाये व्यालो-सी।।

दृष्टांत अलंकार-जहाँ उपमेय और उपमान के साधारण धर्म का विम्ब प्रतिबिम्ब भाव दर्शित किया जाये तथा वाचक शब्द का उल्लेख न हो, वहाँ दृष्टान्त अलंकार होता है।
जैसे- पगी प्रेम नन्दलाल के, हमै न भावत भोग।
मधुप राजपद पाय के, भीख न माँगत लोग।।

28. 'विखण्डन' की अवधारणा का संबंध किस 'वाद' से है?

(A) आधुनिकतावाद (B) संरचनावाद
(C) नयी समीक्षा (D) उत्तर आधुनिकतावाद

उत्तर – (D)

व्याख्या-

सिद्धांत	प्रवर्तक	अवधारणा
विखण्डन का सिद्धांत विखण्डनवाद	जाक देरिदा	उत्तर आधुनिकतावाद
संरचनावाद	विको	
नयी समीक्षा	टी.एस.इलियट आई.ए.रिचर्ड्स	नव अभिजात्यवाद

29. निम्नलिखित में से अर्थालंकार कौन सा है?

(A) प्रतिवस्तूपमा (B) अनुप्रास
(C) यमक (D) वक्रोक्ति

उत्तर – (A)

व्याख्या–अर्थालंकार-(1) उपमा, (2) रूपक (3) प्रतीप (4) व्यतिरेक (5) उत्प्रेक्षा (6) सन्देह, (7) भ्रान्तिमान (8) असंगति (9) विरोधाभास (10) विभावना (11) अतिशयोक्ति (12) प्रतिवस्तुपमा, (13) दृष्टान्त (14) काव्यलिंग (15) अर्थान्तर न्यास (16) उदाहरण (17) समासोक्ति (18) अन्योक्ति (19) निदर्शना
शब्दालंकार-(1) अनुप्रास, (2) यमक, (3) श्लेष, (4) वक्रोक्ति

तथ्य विविधा

30. (अ) 'छायावाद' राष्ट्रीय सांस्कृतिक जागरण की काव्यात्मक अभिव्यक्ति हैं।
(ब) छायावाद का सीधा संबंध स्वाधीनता आन्दोलन से है।
इनमें से

(A) 'अ' और 'ब' दोनों सही है।
(B) 'अ' गलत और 'ब' सही है।
(C) 'अ' पूर्णतः और 'ब' अंशतः सही है।
(D) 'अ' और 'ब' दोनों अंशतः सही है।

उत्तर – (D)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

व्याख्या–छायावादी युग में ही एक धारा राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा से गहरा सम्बन्ध था तथा वो राष्ट्रीय स्वाधीनता आन्दोलन में प्रमुख रूप से भागीदार थे। लेकिन सम्पूर्ण छायावादी काव्य राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन से नहीं जुड़ा था। छायावादी युग में राष्ट्रीय चेतना का विकास प्रमुख रूप से रचनाकारों की रचनाओं में परिलक्षित होता है।

31. (अ) 'अनुभूति की प्रामाणिकता' नयी कहानी-आन्दोलन का प्रमुख आग्रह था।

(ब) इस आन्दोलन का आरंभ व्यक्ति केंन्द्रित कहानी के विरोध में हुआ था।

इनमें से

(A) 'अ' और 'ब' दोनों सही है।
(B) 'अ' अंशतः और 'ब' पूर्णतः सही है।
(C) 'अ' सही और 'ब' अंशतः सही है।
(D) 'अ' और 'ब' दोनों अंशतः सही है।

उत्तर – (A)

व्याख्या–'अनुभूति की प्रामाणिकता' नयी कहानी आन्दोलन का प्रमुख आग्रह था। साहित्य में अनुभूति का तात्पर्य यह है कि साहित्य द्वारा सामाजिक प्राकृतिक तथा आध्यात्मिक कल्पनाओं की अनुभूति करके उसे यथार्थवाद में परिलक्षित करना होता है। यह सामाजिक होता है। यह आन्दोलन व्यक्ति केन्द्रित नहीं होता है, इस कहानी आन्दोलन का विकास व्यक्ति केन्द्रित कहानी के विरोध में हुआ था।

32. (अ) रेखाचित्र और संस्मरण के बीच की विभाजक रेखा बहुत सूक्ष्म है।

(ब) ये दोनों परस्पर अन्तर्मुक्त हो जाते हैं।

इनमें से

(A) 'अ' 'ब' दोनों सही हैं।
(B) 'ब' सही है 'अ' गलत।
(C) 'ब' 'ब' दोनों गलत।
(D) 'अ' सही 'ब' अंशतः सही।

उत्तर – (A)

व्याख्या–रेखाचित्र और संस्मरण के बीच की विभाजक रेखा बहुत सूक्ष्म है। रेखाचित्र 'अंग्रेजी' के 'स्केच' का हिन्दी पर्याय है जबकि संस्मरण लेखक की 'स्मृति' पर आधारित होती है। रेखाचित्र एवं संस्मरण दोनों परस्पर अन्तर्मुक्त हो जाते हैं।

33. निम्नलिखित भाषाओं के विकास का सही अनुक्रम बताइए।

(A) प्राकृत-पालि-अपभ्रंश-हिन्दी
(B) पालि-प्राकृत-अपभ्रंश-हिन्दी
(C) पालि-अपभ्रंश-प्राकृत-हिन्दी
(D) अपभ्रंश-प्राकृत-हिन्दी-पालि

उत्तर – (B)

व्याख्या–हिन्दी भाषा का विकास क्रम -

संस्कृत (1500 ई.पू.- 500 ई. पू.)
पालि (500 ई. पू.- 1 ई.)
प्राकृत (1 ई. 500 ई.)
अपभ्रंश (500 ई. -1000 ई.)
हिन्दी (1000 ई.- अब तक)
(आधुनिक भारतीय भाषाएं)

34. निम्नलिखित कवियों का सही काल-क्रम बताइए।

(A) सरहपा-सोमप्रभु सूरि-गोरखनाथ-हेमचन्द्र
(B) गोरखनाथ-सोमप्रभु सूरि-सरहपा-हेमचन्द्र
(C) सरहपा-गोरखनाथ-हेमचन्द्र-सोमप्रभु सूरि
(D) सोमप्रभु सूरि-गोरखनाथ-सरहपा-हेमचन्द्र

उत्तर – (C)

कवि	**कालक्रम**
सरहपा	769 ई. (राहुल सांकृत्यायन के अनुसार)
गोरखनाथ	845 ई. (राहुल सांकृत्यायन के अनुसार)
हेमचन्द्र	1088 ई. (12वीं शताब्दी)
सोमप्रभु सूरि	1184 ई. (13वीं शताब्दी)

35. इन कवियों में सही कालक्रम का निर्देश कीजिए।

(A) चिंतामणि-केशवदास-मतिराम-पद्माकर
(B) मतिराम-पद्माकर-चिंतामणि-केशवदास
(C) पद्माकर-केशवदास-मतिराम-चिंतामणि
(D) केशवदास-चिंतामणि-पद्माकर-मतिराम

उत्तर – (-)

कवि	**जीवनकाल**
केशवदास	1555-1617 ई.
चिंतामणि	1609-1685 ई.
मतिराम	1617-1701 ई.
पद्माकर	1753-1833 ई.
नोट - कोई भी अनुक्रम सही नहीं है।	

36. सही कृति क्रम को पहचानिए।

(A) पल्लव-गुंजन-युगान्त-युगवाणी
(B) पल्लव-युगान्त-गुंजन-युगवाणी
(C) गुंजन-पल्लव-युगान्त-युगवाणी
(D) पल्लव-गुंजन-युगवाणी-युगान्त

उत्तर – (A)

व्याख्या–प्रमुख छायावादी कवि तथा प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानन्दन पंत (1900-1977) की रचनाओं का अनक्रम - उच्छ्वास (1920), ग्रंथि (1920), वीणा (1927), पल्लव (1928), गुंजन (1932), युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्ण किरण (1947), स्वर्ण धूलि (1947), युगपथ (1949), उत्तरा (1949) वाणी (1958), कला और बूढ़ा चाँद (1959), अतिमा (1955), लोकायतन (1964), सत्यकाम (1975) चिदम्बरा।

नोट– 1968 में पंत जी को 'चिदम्बरा' काव्य रचना पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

37. निम्नलिखित आचार्यों के बीच सही काल-क्रम का निर्देश कीजिए।

(A) भामह-दण्डी-आनन्दवर्धन-क्षेमेन्द्र
(B) आनन्दवर्धन-अभिनवगुप्त-विश्वनाथ-जगन्नाथ
(C) भट्ट नायक-विश्वनाथ-कुंतक-जगन्नाथ
(D) भरत-भामह-कुंतक-जगन्नाथ

उत्तर – (D)

व्याख्या-

आचार्य	**कालक्रम**	**प्रमुख रचना**
आचार्य भरत मुनि	प्रथम-द्वितीय शताब्दी	नाट्यशास्त्र
भामह	6वीं शताब्दी पूर्वार्द्ध	काव्यालंकार
कुन्तक	10वीं शताब्दी उत्तरार्द्ध	वक्रोक्तिजीवित
पण्डित राज जगन्नाथ	17वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध	रसगंगाधर

नोट - 1. आचार्य भरतमुनि ने 'नाटयशास्त्र' को पंचम वेद भी कहा है।
2. कुन्तक को वक्रोक्ति सम्प्रदाय का प्रवर्तक माना जाता है।

38. कृति काल-क्रम की दुष्टि से कौन सा सही है?

(A) रामचन्द्रिका-ललित ललाम-जगद्विनोद-बिहारी सतसई
(B) पल्लव-परिमल-लहर-नीरजा
(C) वरदान-गबन-कंकाल-चित्रलेखा
(D) कुल्लीभाट-अतीत के चलचित्र-माटी की मूरतें-पथ के साथी

उत्तर – (B)

व्याख्या-

काव्य संग्रह	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
पल्लव	1928 ई.	सुमित्रानंदन पंत
परिमल	1930 ई.	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
लहर	1933 ई.	जयशंकर प्रसाद
नीरजा	1935 ई.	महादेवी वर्मा

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**	**विधा**
रामचन्द्रिका	1601ई.	केशवदास	काव्यग्रंथ
ललित ललाम	1661-64 ई.	मतिराम	काव्य ग्रंथ
जगद्विनोद	1803-21 ई.	पद्माकर	प्रबन्धकाव्य
बिहारी सतसई	1662 ई.	बिहारी	रीतिकाव्य ग्रंथ
वरदान	1921 ई.	प्रेमचन्द	उपन्यास
गबन	1931 ई.	प्रेमचन्द	उपन्यास
कंकाल	1929 ई.	जयशंकर प्रसाद	उपन्यास
चित्रलेखा	1934 ई.	भगवतीचरण वर्मा	उपन्यास
कुल्लीभाट		सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	
अतीत के चलचित्र	1941 ई.	महादेवी वर्मा	रेखाचित्र
माटी की मूरतें	1946 ई.	रामवृक्ष बेनीपुरी	रेखाचित्र
पथ के साथी	1956 ई.	महादेवी वर्मा	संस्मरण

39. रचनाकार काल-क्रम में सही का निर्देश कीजिए।

(A) दिनकर-बच्चन-अज्ञेय-मुक्तिबोध
(B) बच्चन-दिनकर-मुक्तिबोध-अज्ञेय
(C) अज्ञेय-दिनकर-बच्चन-मुक्तिबोध
(D) दिनकर-अज्ञेय-बच्चन-मुक्तिबोध

उत्तर – (B)

व्याख्या -

रचनाकार	**जीवनक्रम (जन्म-मृत्यु)**
हरिवंश राय 'बच्चन'	1907-2003 ई.
रामधारी सिंह 'दिनकर'	1908-1974 ई.
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1911-1987 ई.
गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	1917-1964 ई.

40. निम्नलिखित में से कृति काल-क्रम की दृष्टि से कौन-सा सही है?

(A) वीणा-ग्राम्या-लोकायतन-कला और बूढ़ा चाँद
(B) नीहार-रश्मि-दीपशिखा-सान्ध्य गीत
(C) गीतिका-कुकुरमुत्ता-बेला-अर्चना
(D) प्रेमपथिक-झरना-लहर-आँसू

उत्तर – (B)

व्याख्या–सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (1899-1961) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-अनामिका (1938), परिमल (1930), गीतिका (1936), तुलसीदास (1938), कुकुरमुत्ता (1942), अणिमा (1943), वेला (1943), नये पत्ते (1946), अर्चना (1950), आराधना (1953), गीतपुंज (1954), सांध्यकाकली (1969)।

सुमित्रा नंदन पंत (1900-1977) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-उच्छ्वास (1920), ग्रंथि (1920), वीणा (1927), पल्लव (1928), गुंजन (1932), युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940), स्वर्ण किरण (1947), स्वर्ण धूलि (1947), युगपथ (1949), उत्तरा (1949) वाणी (1958), कला और बूढ़ा चाँद (1959), अतिमा (1955), लोकायतन (1964), सत्यकाम (1975) चिदम्बरा।

जयशंकर प्रसाद (1889-1937) के काव्य संग्रह एक उनका अनुक्रम-उर्वशी (1909), वन मिलन (1909), प्रेमराज्य (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकोच्छ्वास (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेम पथिक (1914), महाराणा का महत्व (1914), चित्राधार (1918) झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933), कामायनी (1935)।

महादेवी वर्मा (1907-1987) के काव्य संग्रह एवं उनका अनुक्रम-नीहार (1930), रश्मि (1932), नीरजा (1935), सांध्यगीत (1936), यामा (1940), दीपशिखा (1942), सप्तपर्णा (1960)

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

41. **निम्नलिखित में से सही कृति काल-क्रम कौन-सा है?**
(A) सुखमय जीवन-शरणार्थी-ठुमरी-दो बाँके
(B) शरणार्थी-ठुमरी-सुखमय जीवन-दो बाँके
(C) दो बाँके-ठुमरी-सुखमय जीवन-शरणार्थी
(D) सुखमय जीवन-दो बाँके-शरणार्थी-ठुमरी
उत्तर – (D)

व्याख्या-		
कहानी	**प्रकाशन वर्ष**	**कहानीकार**
सुखमय जीवन	1915 ई.	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
दो बाँके	1936 ई.	भगवतीचरण वर्मा
शरणार्थी	1948 ई.	'अज्ञेय'
ठुमरी	1959 ई.	फणीश्वर नाथ रेणु

42. **निम्नलिखित निर्गुण कवियों का सही काल-क्रम कौन-सा है?**
(A) दादू-कबीरदास-सुन्दरदास-मलूकदास
(B) मलूकदास-सुन्दरदास-कबीरदास-दादू
(C) सुन्दरदास-मलूकदास-दादू-कबीरदास
(D) कबीरदास-दादू-मलूकदास-सुन्दरदास
उत्तर – (D)

व्याख्या-	
कवि	**कालक्रम (जन्म-मृत्यु)**
कबीरदास	1398-1518 ई.
दादू दयाल	1544-1603 ई.
मलूकदास	1574-1682 ई.
सुन्दरदास	1596-1689 ई.

43. **निम्नलिखित काव्य पंक्तियों और कवियों को सुमेलित कीजिए।**
(A) नैया बिच नदिया डूबति जाय — (i) रहीम
(B) अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काम — (ii) कबीर
(C) गुरू सुआ जेई पंथ देखावा — (iii) खुसरो
(D) तबलग ही जीबो भली देबौ होय न धीम — (iv) जायसी
(v) मलूकदास

कोड-

	a	b	c	d
(A)	v	i	ii	iii
(B)	ii	v	iv	i
(C)	ii	iii	v	i
(D)	ii	i	v	iv

उत्तर – (B)

व्याख्या-	
कवि	**कालक्रम (जन्म-मृत्यु)**
नैया बिच नदिया डूबति जाय	कबीर
अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम	मलूकदास
गुरू सुआ जोई पंथ देखावा	जायसी
तब लग ही जीवो भलो देबौं होय न धीम	रहीमदास
गोरी सोवै सेज पर,मुख पर डारै केश। चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहु देश।।	अमीर खुसरो

44. **निम्नलिखित रचनाओं को कवियों के साथ सुमेलित कीजिए।**
(A) मृगावती — (i) जायसी
(B) मधुमालती — (ii) मुल्ला दाऊद
(C) चन्दायन — (iii) उसमान
(D) अखरावट — (iv) कुतुबन
(v) मंझन

कोड -

	a	b	c	d
(A)	ii	iii	v	iv
(B)	iii	ii	i	iv
(C)	iv	v	ii	i
(D)	i	ii	iii	iv

उत्तर – (C)

व्याख्या-		
काव्य ग्रंथ	**प्रकाशन वर्ष**	**काव्यकार**
मृगावती	1501 ई.	कुतुबन
मधुमालती	1545 ई.	मंझन
चन्दायन	1379 ई.	मुल्ला दाऊद
अखरावट		मलिक मुहम्मद जायसी
चित्रावली	1613 ई.	उसमान

45. **निम्नलिखित में से अध्यायों के नाम और रचनाओं को सुमेलित कीजिए।**
(A) समय — (i) साकेत
(B) काण्ड — (ii) पद्मावत
(C) खण्ड — (iii) रामचरित मानस
(D) सर्ग — (iv) पृथ्वीराज रासो
(v) कबीर ग्रंथावली

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	ii	iii	iv	v
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iii	ii	i	iv

उत्तर – (A)

रचना	**प्रकाशन वर्ष**	**रचनाकार**	**अध्यायों का नाम**
साकेत	1931 ई.	मैथिलीशरण गुप्त	सर्ग
पदमावत	1540 ई.	जायसी	खण्ड
रामचरितमानस	1574 ई.	तुलसी	काण्ड
पृथ्वीराज रासो	1192 ई.	चन्दवरदाई	समय
कबीर ग्रंथावली		श्यामसुन्दरदास	

CLICK HERE FOR FREE MATERIAL
https://t.me/uppcstestseries2023pdf

46. निम्नलिखित ग्रंथों को आलोचकों के साथ सुमेलित कीजिए।

(A) बिहारी सतसई (i) लाला भगवान दीन
(B) देव और बिहारी (ii) कृष्ण बिहारी मिश्र
(C) बिहारी (iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(D) बिहारी और देव (iv) पद्मसिंह शर्मा
(v) महावीर प्रसाद द्विवेदी

कोड-

	a	b	c	d
(A)	iv	ii	iii	i
(B)	iii	i	ii	v
(C)	iv	ii	i	iii
(D)	v	iv	i	ii

उत्तर – (A)

व्याख्या-

आलोचना ग्रंथ	प्रकाशन वर्ष	आलोचक
बिहारी सतसई तुलनात्मक अध्ययन	1918 ई.	पद्म सिंह शर्मा
देव और बिहारी		कृष्ण बिहारी मिश्र
बिहारी		विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
बिहारी और देव		लाला भगवानदीन

47. निम्नलिखित नाटककारों और नाटकों को सुमेलित कीजिए।

(A) लक्ष्मीनारायण लाल (i) अमर राठौर
(B) पं. उदयशंकर भट्ट (ii) कर्तव्य
(C) श्री चतुरसेन शास्त्री (iii) राक्षस का मंदिर
(D) सेठ गोविंददास (iv) विक्रमादित्य
(v) शिवसाधना

कोड-

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iv	iii
(B)	ii	iii	i	iv
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	v	i	iv	iii

उत्तर – (C)

व्याख्या-

नाटक	प्रकाशन वर्ष	नाटककार
अमर राठौर	1923 ई.	श्री चतुरसेन शास्त्री
कर्त्तव्य	1936 ई.	सेठ गोविन्ददास
विक्रमादित्य	1929 ई.	पं. उदय शंकर भट्ट
राक्षस का मंदिर	1931 ई.	लक्ष्मी नारायण लाल

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रसाद जी अपने युग की राष्ट्रीय भावनाओं को प्रतिबिंबित करते थे पर उनका इतिहास-बोध सिर्फ भावनात्मक नहीं था। भारतीय इतिहास का उनका ज्ञान बहुत गहरा था और उसके बारे में अपनी निर्मोह सत्यशोधक दृष्टि से चलते उनकी विचारण बहुत मौलिक और स्वतंत्र थी। इस मामले में वे 'प्रियंब्रूयात' के कतई कायल नहीं थे। वास्तविकता यह है कि लोकप्रिय भावनाओं का इस्तेमाल उन्होंने अपनी उस बेहद आत्मालोचनापूर्ण दृष्टि को प्रस्तुत करने के लिए ही किया। वे भारतीय जीवन ही नहीं, भारतीय आचरण के भी प्रखर दृष्टा आलोचक थे। उनके नाटकों में हमें इतिहास का गौरव ही नहीं, उसकी कुंठा, त्रास और ऊब का भी उतना ही हिलानेवाला साक्षात्कार मिलता है। उनके नाटकों में चरित्र अक्सर चरित्र से ज्यादा मनोवैज्ञानिक वृत्तियों और शक्तियों का प्रतिनिधित्व करने लगते हैं। यही वह सदाबहार, सदा प्रासंगिक जीवन है जो उनके नाट्-लेखन की असली प्रेरणा है; न कि एक तथाकथित अतीत के तथाकथित प्रसिद्ध नायक-नायिकाएँ।

48. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सत्य है?

(A) प्रसाद जी की रचनाओं में उनकी भावनाएँ व्यक्त हुई हैं।
(B) उनका लेखन ऐतिहासिक भावभूमि पर आधारित नहीं है।
(C) उनके इतिहास-बोध में वैचारिकता का समावेश है।
(D) उनका इतिहास-बोध उनकी युगीन दृष्टि का पोषक नहीं है।

उत्तर – (C)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद जी अपने युग की राष्ट्रीय भावनाओं को प्रतिबिंबित करते थे तथा उनके इतिहास बोध में वैचारिकता का समावेश है।

49. अनुच्छेद की शैली में :

(A) प्रभावाभिव्यंजकता है।
(B) विवेचन-विश्लेषण प्रमुख है
(C) अलंकरण की प्रधानता है।
(D) वर्णनात्मकता है।

उत्तर – (A)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित नाटकों के अनुच्छेद की शैली में इतिहास तथा राष्ट्रीय भावनाओं का विवेचना एवं विश्लेषण प्रमुख रूप से पाया जाता है।

50. अनुच्छेद का लक्ष्य है।

(A) प्रसाद के साहित्यिक अवदान से परिचित कराना।
(B) प्रसाद की राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना से परिचित कराना।
(C) प्रसाद साहित्य के छायावाद की विशेषताओं का निरुपण करना।
(D) प्रसाद के साहित्य की कलागत विशेषताओं का परिचय देना।

उत्तर – (B)

व्याख्या–जयशंकर प्रसाद द्वारा नाटकों में अनुच्छेद का लक्ष्य राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना से परिचित करना है।